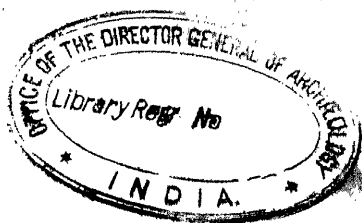


GOVERNMENT OF INDIA
ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA
ARCHAEOLOGICAL
LIBRARY

ACCESSION NO. 13472

CALL No. 910/stx

D.G.A. 79



NOT TO BE ISSUED
STRABONIS
GEOGRAPHICA - Vol. 3

RECOGNOVIT



AUGUSTUS MEINEKE

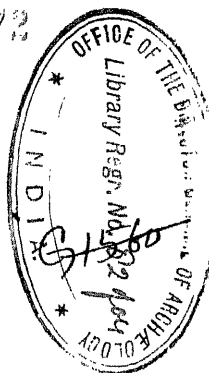
13472

VOLUMEN TERTIUM

EDITIO STEREOTYPA

910
Str

LB



LIPSIAE

IN AEDIBUS B. G. TEUBNERI

d MDCCCXCVIII.

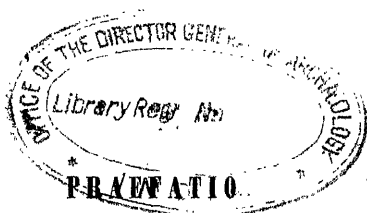
1098

CENTRAL AGRICULTURAL
LIBRARY, DELHI.

Acc. No 13472

Date 14.7.1960

Call No 910 Vol. (3)
802.



Pergo in indicanda lectionis discrepantia a textu Kramerii:

816, 10. αἰρέσεις 16. τέτρασιν 817, 14. συστέλλει] Hoc fort. delendum 19. Ἀδραμυττίου 818, 6. post Λεκτὸν excidit comma 7. ἡ ante Ἡρα add. 10. post ὀρθῶς add. ea quae in marginem reieciimus 28. ἐπειτα] Addendum videtur ἐπὶ τὰ 27. καὶ τὸν Εἰστροφον add. post Μύνητα 822, 9. μὲν delendum videtur 26. καθάπερ [ἐπὶ πόρους] ὁ Ἐπτάπορος? 823, 7. Σιδηνῇ 21. ἡ om. 30. καὶ add. ante Καλλισθένους 824, 4. ὁμώνυμον] Malim ἐπώνυμον 5. Πυκνᾶτην] Fort. Πανκτύην 6. λιθία 9. κατὰ τὸ μέγεθος ib. ἐξηλείφθη 825, 1. Αἶνον 22. 23. ἐκκειμένη] Praestat opinor ἐκκειμένης 826, 12. Λαρίσση 827, 4. ὅτι ἡ πάλαι — ὁ τόπος] Fort. ὅτι [Περικώτη] Παλαιπερικώτη μετωνομάσθη, omissis ὁ τόπος 15. Ἀρίσβα] Rectius fort. Ἀρίσβα 828, 6. ἀρίστη] Fort. κρατίστη 829, 2. τόποις] Fort. λόγοις 830, 29. τελείως 831, 25. Ἀντιγονίας 832, 15. † μάντι pro βίαν τε ib. ἐνδεκαταλούς 833, 6. γνωριμώτατα 834, 2. λίμνη] Fort. λιμὴν 3. Πτελεός? 20. Ἐλεούσσα 836, 12. Ἀντιγονίαν 16. τούτους om. 23. μεταλαμβάνεσθαι 838, 2. † ἀπέοικε 10. εἰς add. post εἰ 23. τὸ om. 24. νῦν προστιθεῖς pro συμπροστιθεῖς ib. πρόσχωμα 839, 6. Ἀλεξανδρινὴν Ἑστιάαν 15. ἀπὸ om. 840, 4. εἰς μονομαχίαν 25. Παχητίω 841, 3. οὔτε 19. αἰπὴν. * εἵπερ * βουλῇ καὶ μύθοισι [καὶ ἡπεροπητῇ τεχνῇ. [πέρ]θετο δὲ 23. post γούνασιν add. quae in marg. posui 842, 1. εἰδ' † ἰκετεύοντες τε φρένας 13. Σιδηνῇ 843, 19. διάδοσιν 845, 9. μὲν Ἀνέας 14. δ' ἡ pro δὴ 24. Τέννη] Malim Τέννην 29. τῆς αἰας 30. Χρῦσα et hic et in sqq. 846, 24. ὁ Ξυπετεῶν 848, 25. Πολυμήδιον 849, 16. δ' om. 17. Περπερήνη 27. Πολύκρης 854, 19. ὥς τε 855, 1. μέντοι νῦν 856, 8. Ἀνδοῖς τοῖς πρότερον 15. οὖν] Malim γοῦν ib. ἔστι pro ἐτι 857, 8. οὐδὲ 17. εὐθὺ 27. σμίνδιοι 858, 11. καὶ om. 859, 24. Ἐλεούσσαν 860, 11. Αἰγᾶν 12. Ἀκτᾶν καὶ Ἀρχᾶν 18. Αἰγᾶ 19. κεκλησθᾶν] Fort. add. δοκεῖ 861, 24. οὐδ' ὥς] Fort. οὐδ' ὀρθῶς 862, 8. ἐν τῇ μεταξύ 16. Παλαμηδίου 863, 1. Εὐρείπον 4. τριηρικὸς] τριηρεῖ καὶ ἐν 14. παλαίσταν 17. τῶν μνημονευομένων? 864, 1. αὐτὴν 5. Μάκρον] Fort. Μάκρον 15. Ἐρεσσός 18. Ἐρεσσού 865, 4. ὁ om. 18. ἐν αὐτῇ] Fort. ἐν

ἀντῇ 25. Πόρδαλιν 26. Σαπέρδην 867, 9. ἐπὶ om. 871, 14. φυλάσσοντας 27. ἐννακισχίλια 873, 27. τε [ὁ] Μηροδότου υἱὸς καὶ [τῆς] Ἀδοβογίλωνος, [ὅς] τοῦ 28. γένους ἦν, [ἦν] καὶ 875, 9. ὡς εἴρηται om. 13. Φωκαίαν 16. ὡς εἴρηται add. post πεδία 876, 3. τῷ οὕτως 19. 20. πεντηκοντακέφαλον 879, 21. οὐθ' ἡμῖν 31. Πελτινὸν 32. ἔχον τὰς πόλιννας 880, 3. Ὑπερβάλλουσι 4. κατὰ τὸ τοῦ 7. Ἰεράπολιν 27. 28. εἴτε πάντων 881, 2 et 7. Ἰεράπολιν 8. οὖν om. 11. Κίβυρα 882, 3 et 18. Κιβυράται 884, 7. Φιλώτας 13. Φωκαίαν 15. ἐπαγόμενος 24. Σμυρναῖοι κατέκταναν om. indicata unius versus lacuna 29. πόλιος ἐν Σμύρνῃ 31. Πριῶν 885, 1. Πριῶνος 6. τῆς νῦν πόλεως 15. ἡμεῖς αἰπύ * τε * Πύλου 13. καθάπερ — 20. Αἰολίδα] Haec recte suspectat Kramerus 17. ἐράτην 18. κείθεν † δ' Ἀστήεντος 19. Σμύρναν 886, 27. τινά] Τήνιοι Koenius ad Gregorium Cor. p. 492. 887, 26. ὕψει 888, 20. Φιλώτας 23. κρέσσων 889, 23. Μελάμφυλος 25. ἀποικίσαντος 30. οἶον Χίου καὶ Λέσβου καὶ Κῶ add. post οἶνους 890, 5. οὖν om. 6. εὐδαίμονεϊ? 8. καθάπερ πον καὶ Μένανδρος ἔφη add. post γάλα 891, 24. κλαίω 892, 26. πυγαλγέας] Libri πυγαλλίας vel πυγαλλίας, quod correxit Lobeckius 894, 24. Χειροκράτους 895, 3. κρήνη 23. προσχώσεις 896, 5. μηδεῖς 10. Ἀρτεμίδωρος καὶ om. 28. μαντεῖον ἦν ποτε παλαιὸν 897, 3. ἐρινεὸς † ὁσσοὺς ὀλύνθους 898, 24. 25. ἀποικία 899, 2. πρόσβορον 900, 5. Κυβέλλα 12. ἐννακισίων 31. μετὰ 901, 4. ἐς 31. στορεννύτες 903, 16. Δελφῶν] Fortasse Αἰολέων 17 — 21. περὶ — ἀδμήτῃ] Haec fort. ex margine addita sunt 19. Κορωνίς? 904, 1. 2. ἐπυγχήσαντος πολὺν χρόνον † τῷ δ' ἐξῆς ἔτει Μιλησίους 7. κλαίειν θάσσω 15. καθεστῆκός 16. Σίμων 20. τῷ om. 26. ἐξῆρε] Fortasse ἐπῆρε, propter sensus ambiguitatem 26. 27. ἔτι μάλιστα] Scripsi ὅτι μάλιστα. Fort. ἔτι μᾶλλον 29. λερώμενον 905, 9. ἐκβάλλουσί γε 14. Μνουσίαν 906, 24. δὴ καὶ τοὺς 29. ἐγκαλοῦντες 907, 8. τῶν τοσοῦτων 10. ἀπαληλιμμένοι 14. Τρωῶλον] Fort. κατὰ Τρωῶλον ib. πρὸς τὸν νότον 19. Ἀσίω 28. Κοσινία 909, 5. Φοῖνιξ] Imo Φοῖνιξ 6. Ἐλεοῦσσα 19. lacunae signa om. 910, 2. ταύτη. ἐπ' ἄκρῳ δὲ φρονόριον ὁμῶννυμον τῷ ὄρει Φοῖνιξ 3. Ἐλεοῦσσα 4. τέτρασι 911, 3. δ' ὅμως] Fortasse δέ τῳ 4. ἀπαραχρῆται 6. ὀψωνιαζόμενοι] Fortasse 912. εἴω] Fortasse φθόνῳ 12. ζῶων] For 913. 23. ἐννακισίων 31. Γυμνησίας Βαλεαρίδας 914, 15. φιλοσοφίας 21. γὰρ pro δὲ 31. Ἐλεοῦντος 915, 24. Ζεφύρα 26. lacunam om. Fort. Θανμαστὸν suppleendum 32. Ἀρκόννησος 916, 22. 23. ἐπελθόντος — ὑπέμεινεν post Ἀλικαρνασὸν 21. 917, 6. τῆς Κῶας 23. ἱερὸν add. post μεστὸν 28. προσταχθέντος] Fort. ἐπιταχθέντος 919, 8. Χαλκήτωρ 10. αὐτοῦ] Malim αὐτῶν 12. λιθίαν 21. Ὀσογῶ 22. Λαβρανδητῶν et Λάβρανδα 920, 28.

Δαβιῆνον 921, 29. *Κατόκας* 922, 3. *μὲν* fort. delendum 26. *δεῦτε* 924, 14. *πως* 15. *οὐδ'* 17. *ὀλίγον* 925, 18. *καὶ ταύτη μὲν ἐπεστὶν* 928, 13. *Τελμησσός* et *Τελμησσίς* 24. *ὁμῶνυμος*] *ὁμογενής* an *ὁμόγονος*? 26. *οἱ* pro *τὸ* 30. *τὸν* 829, 23. *δὲ καὶ αἱ* 29. *Φασηλὺς* et sic constanter 930, 2. *τὰ* om. 931, 13. *σταδίους* pro *Σύλλιον* 932, 7. *προσβόρων* 11. *ὦν* ib. *πρόσβορον* 934, 8. *ποταμὸς* pro *πόλις* 11. *Πλατανιστὸς* 18. *σταδίων. ἐν τούτῳ δ'* 24. *ἐννακοσίους* 27. *διακόσια ἐξήκοντα* 32. *δ'* om. 935, 11. *εἰς Ῥώμην*] Aut haec delenda sunt, aut cum *Kramero* ἐκ *Ῥώμης* scribendum 937, 9. *Καλυνάδων* 939, 6. *δὴ* 9. *ταχὺ* 28. lac. om. 30. *τάλλὰ τ'* 940, 8. *Βοηθῶν* 941, 15. 16. *τὸννομα* 942, 19. *Φιλώτας* 27. *Αἰγαιαὶ*] Rectius fort. *Αἰγαιαί* 943, 8. *Μόψον ἐστία* 9. *καὶ ante πύλαι* om. 948, 21. *ἐκ τῶν* om. 949, 26. *Σειληνοῦ*] Operarum error pro *Σιληνοῦ* 950, 29. *προκείμενα* 951, 5. *ἐννακοσίων* 30. *ταύτας* 952, 4. lac. om. 9. *ἄκρα* om. 17. *ἡμόνος* 19. *δι' εἰαρινῶν* 20. *ξερύρων* 21. *οὔτε ξερύρων* 31. *Ἰεροκηπὶς* 957, 16. *Ἰδρακας* 29. *αὐτῷ μαῖαν*] Fortasse *αὐτόμαιαν* 30. *καὶ τὰ ἐξῆς* fortasse delenda 959, 20. *δ'* om. 960, 22. *ἂν τι*] Malim *ἂν που* 961, 8. *δι' αὐτοῦ τοῦ πεδίου* 962, 18. *ὄνταμισχιλίων* ib. *Αἰθιοπία*] Adde *πλάτος δὲ πενταμισχιλίων* cum *Bernhardo* *Eratosth.* p. 97. 26. *εἰκοσι* 968, 6. *μήτ'* 11. *γε*] Malim *δὲ* 969, 20. *μορφαῖς*] Fortasse *ὀρμαῖς* 30. *οὕτω πεπεισμένως* 974, 8. *τερυβλίον* 977, 24. *καὶ γὰρ*] Fortasse *καὶ τοι* 978, 14. *μεγέθους* ib. 21. *εἰκοσι* 982, 11. *πράως* 22. *ἔχει* 983, 4. *οὖν* ib. 8. *τιθασσῶν* 10. *εὐτιθασσεύτους* 15. *δ'* om. Sed fortasse omnia haec οὕτως — *ἐλέφαντα* in marginem reicienda sunt 984, 19. *γένοιντο*] Fort. *γίνονται* 985, 20. *δ'* om. 986, 25. *δ'* om. 987, 25. *τῆς στρατιᾶς* 988, 2. *χρωμένους*] Fort. *χρωμένων* 13. *οὐδ'* 17. *γυμνάσιον* 991, 24. *κωδωνοφορεῖσθαι*] Fort. *κωδωνοκροτεῖσθαι* 993, 31. *ἐσθῆτος φλοιῶν δένδρεων*] Fort. *ἐσθῆτους φλοιῶν δένδρεων* 995, 32. *εἴρηται καὶ ἄλλοις ταῦτα*] Haec fortasse delenda 997, 23. *διαφέρει* 999, 1. *ὀϊστοὺς* 18. *λιθίαν* 1000, 23. *ἀπὸ* 1001, 11. *τιθασσοὶ* 14. *τιθασσευμένων* 1003, 6. *γυμνὸν ἐπαγλημιμένον* 1004, 10. *πίτσουσι* 1005, 15. *χειρούμενον* et *προϊόντα* 30. *ὅμως* 1007, 1. *ἡτόνα* 1009, 25. *Ἀριανὴν* 1011, 30. *ἐκπλέοντας· ἀνακαλεῖν δὲ* 1012, 30. *πυκνόρρογα* et *μεγαλόρρογα* 1013, 29. *διεχιλίων* 1014, 17. *δὴ καὶ πτίσμα* 27. *τε* 1016, 1. *καὶ pro κατὰ* 1019, 18. *ἀλεαίνεσθαι* 20. *τὴν* add. ante *γῆν* 1021, 31. *γὰρ ἐστὶ τὸ* 1022, 10 et 11. *Ὁμανοῦ* 1023, 14. *μάζα* 17. *σφενδορῶντες* 21. *ἄλλων τῶν* om. 1024, 4. *ἀνθινός* 5. *ἢ ἀνθινόν* ib. *ἀνθινόν* 6. *καὶ ante διπλοῦς* add. 9. *δὲ* om. 11. *καὶ* om. 23. 24. *Πολύκριτος* 1026, 28. *Χαζηνή* 1027, 26. *Σαρδαναπάλου* 31. 32. *μεταξὺ ἔχουσα τὸν Λύκον* 1028, 25. *ὀγδοήκοντα* 29. *ὥς* 1030, 8. *τῇ* om. 12. *Βαβυλωνία* 15. *οὐ κα-*

ταδέχονται 24. Κιδήνα 1032, 23. δὲ om. 1035, 12. τριακο-
 σάχοα. In Vindiciis Strab. p. 232, 2. operarum errore impressum est
 τριακοντοσιάχων 1036, 7. † πνιγέτα 24. aster. om. 1037,
 13. ἐσπέραν καὶ om. 1038, 3. ὕστερον 1040, 15. μεταξὺ τοῦ
 Εὐφράτου 1041, 24. Σάταλα] Fort. Σάταλα 31. Μεσοποταμία]
 Fort. ποταμία 1042, 3. γαγγίτιν 29. γὰρ pro δὲ 1043, 26.
 lac. om. 1044, 5. Ἀρσακίου] Malim Ἀρσακείου 18. τῷ Αἰγυ-
 πτιακῷ πελάγει 1045, 26. Ἀντιγονίας. Quod scripsi Ἀντιγονείας
 ubique restitutum oportuit, idem de similibus nominibus dictum volo
 1046, 4. μικρῷ 1047, 21. ἰσθὸν om. 1049, 26. Κενίλιος
 1051, 10. Σιδόνης et hic et in seqq. constanter 1053, 2. ἐς
 1054, 5. Κλίμαξ 1056, 15. Σιδόνιοι et hic et in seqq. 1060,
 30. καὶ ante Ἱεροσολύμων om. 1061, 1. εἶσιν 4. Φιλαδελφίαν
 1063, 14. προσήκει 29. † ὠροσκόποι 1065, 14. μέχρις
 1066, 20. πίσεως 28. αἱ om. 32. † θάλατταν 1067, 3. Τα-
 ριχίαις 8. Ἡρώδη pro Ἱερικῶ 1068, 15. ἐξ Ἀμύζων, τοῦ τῆς
 Καρμανίας 1069, 4. τὴν ib. τὰς οἰκίας, ἅς, ἐπειδὴ λεπιδες
 1070, 2. ἀμπώτισιν et γινόμενα 11. Λωράκτα 25. Μαικηνή
 1071, 8. ἥτις ἐστὶ πρὸς τῷ Νελλῷ μυχὸς 1072, 16. ταῦτα δὲ
 καὶ 25. Ἀναξικράτη 1076, 3. ἀναπλάσσειν 8. ὑπὸ] Fort. ἀπὸ
 14. οἰστοῖς 1078, 23. ἀμπώτισιν 1079, 5. πανοικί 1080,
 26. εἰσὶ [δὲ] καὶ 1081, 6. οὔτε 1082, 16. ὡς om. 20. δὲ
 γυναῖκες 1083, 12. δὲ] Operarum error τε 13. δὲ add. post δια-
 γωνυνοῦσι 1084, 7. δὲ 9. Ναβαταῖα 12. ἐξηίζοντο 1085,
 12. τὰ παλαιὰ 1088, 26. λιθίαν 1091, 21. ἐνναταῖος 1094,
 8. καθάπερ — ἐκβλητότεροι] Haec fort. in marginem reicienda 15 et
 17. Σιδωνίων et Σιδόνιοι, 1096, 12 et 26. τι om. 1097, 2.
 ἐπὶ 1098, 15. ἐργαζομένους 22. καὶ ἕξ om. 1101, 9. κειρία
 et ψυχρομένη 1103, 3. ὑποβαλλόμενος] Ita corrige operarum erro-
 rem 23. ἐπ' αὐτῇ 1104, 16. πλωιζομένων pro πλοῖζομένων,
 sic enim volebam 1107, 2. οὖν om. 1108, 23. Καيسάριον
 1109, 2. Σαράπιον 15. 16. ἄλλαι] Fort. καλιαὶ 1112, 24.
 ἔθους] Fort. ἡθους 1114, 22. Λιβνὸν] Fort. βύνιον 1117, 10.
 τῶν [μὲν] ἐν 1120, 20. νιτρίαι] Fort. νιτρεῖαι et mox Νιτρεάτης
 30. δὴ ante διότι fort. add. 1122, 22. Φακκουήσης 1126, 16.
 Σαράπιον 1127, 3. μιᾶς om. 4. σύριγξ 5. ἐστὶ pro ἐπὶ 8.
 δαπάνης] Fort. ἀπὸ δαπάνης 1130, 11. μήτε τὴν 19. ἡ μὲν
 [γὰρ] ἀλμυρίς 1131, 14. ἐφ' ἐνός] Fort. ἀφ' ἐνός 25. μεγαλῶ]
 Fort. μέγα τῷ 1132, 4. post τε add. καὶ Θεοδοσίας 17. προ-
 χοῦδιόν 1134, 10. † ὁλόλιθον 1135, 3. διοσημειῶν 19. 20.
 τοῦτον δ' ἐνδοθεν εἶναι οὐχ ὥσπερ 22. 23. ὡς καὶ — Κρο-
 νίων] Haec fort. delenda 1136, 2. εὐγενείας] Fort. διογενείας vel
 θεογενείας 1138, 25. † θήκαις 1139, 10. μέχρις 1141, 9.
 ἡ om. 10. θυνῖαι 29. φοινῖξ 1142, 29. οὔτε] Malim οὐδὲ
 1143, 1. γοῦν] Malim γὰρ 1146, 8. καὶ ὄρη συχνὰ 1147, 22.
 κεραμίαις 1148, 32. διάφορος] Non opus videtur ut διάτορος scri

batur 1149, 8. καθαρῶν 1150, 5. ἀθρόον 9. καὶ add. ante περὶ 26. τὰς pro τοὺς 1154, 20. † καλεῖται] Hoc fort. non tenendum, si ἄκραν illam per excellentiam μεγάλην ἄκραν vocatam esse statuere licet 1155, 30. Μαυρουσίους 1156, 10. 11. κατεσκαμμένος 1158, 2. lac. om. 1159, 17. Ἦν δὲ 1160, 29. 30. ἐν τῷ αὐτῷ 1161, 10. καὶ add. ante στάσεις 1163, 5. κρεωφάγους 1164, 7. om. lac. Excidisse videtur εἶτα ἄκρα 1165, 6. διάγραμμα τὸ [ἐπὶ] Λοκρῶν. Fort. διάγραμ' ἀπὸ Λοκρῶν 7. Κύννη (Κύννη?) om. 1167, 11. Τριτωνιάδα 18. καὶ τὸν Χελωνάταν om. 1168, 2. Ἀπολλωνιάς 1169, 6. Ἀννικερίαν 27. † Ἀρδανίξις 29. τρισχίλιον 32. Πλύνος.

De aliis locis in Vindiciis dictum est, in quo libro quas proposui coniecturas, non omnes in his variatae lectionis indicibus commemorandas duxi. nonnulla, a me ipso dudum reiecta, consulto omisi.

Berolini d. 30. mens. Ianuarii a. MDCCCLIII.

Augustus Meineke.

A d d e n d a

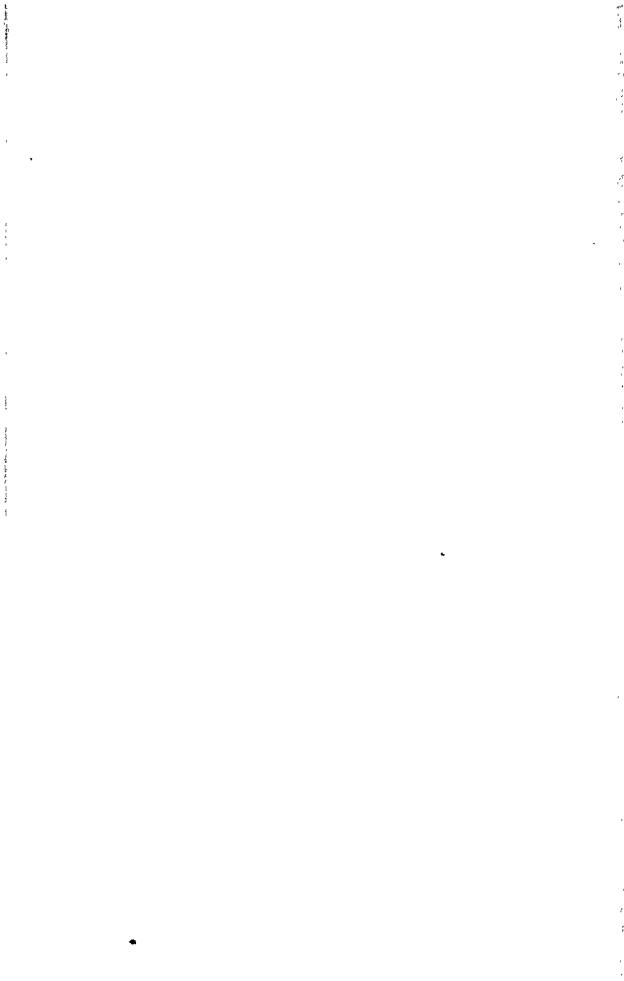
Vol. I p. VIII, 31. post Epit. adde: καὶ βοσκημάτων ἀφθονία παντοίων καὶ κυνηγείων

P. 9, 1. προσήκει] Libri προσῆκε. cf. p. 12, 3. ἡμῖν δὲ προσήκει, ubi item libri προσῆκε (nisi quod A ei habet super ε) ut p. 16, 17. et 490, 25. quorum locorum primo Spengel προσήκει

P. 52. in margine inferiore adde haec: 28. εὐτυχίας ante εὐτεχνίας

P. 191, 3. Σέξτος] BCb Σέξστος, non A, qui Σέξστος habet p. 258 et 268. Cas. Hanc scripturam confirmant tituli, in quibus Σέξστος frequentius quam Σέξτος scribi constat. at Σέξτος idem A cum ceteris libris exhibet p. 161 et 243. Cas. denique p. 178. pro Σέξτια codd. habent Σέκτια et p. 180. Σεκέτιος pro Σέξτιος

P. 384. ἢ πάντας ἀποθανεῖν] V. Lobeckium ad Phryn. p. 751.



Μέχρι μὲν δεῦρο ἀφωρίσθω τὰ περὶ τῆς Φρυγίας. C.581
 ἐπανιόντες δὲ πάλιν ἐπὶ τὴν Προποντίδα καὶ τὴν ἑφε- 1
 ξῆς τῷ Αἰσίῳ παραλίαν τὴν αὐτὴν τῆς περιοδείας
 5 τάξιν ἀποδώσομεν. ἔστι δὲ Τρωὰς πρώτη τῆς παρα-
 λίας ταύτης, ἥς τὸ πολυθρόλῃτον καίπερ ἐν ἑρειπίοις
 καὶ ἐν ἐρημίᾳ λειπομένης ὅμως πολυλογίαν οὐ τὴν τυ-
 χοῦσαν παρέχει τῇ γραφῇ. πρὸς τοῦτο δὲ συγγνώμης
 δεῖ καὶ παρακλήσεως, ὅπως τὴν αἰτίαν τοῦ μήκους μὴ
 10 ἡμῖν μᾶλλον ἀνάπτωσιν οἱ ἐντυγχάνοντες ἢ τοῖς σφό-
 δρα ποθοῦσι τὴν τῶν ἐνδόξων καὶ παλαιῶν γυνῶσιν·
 προσλαμβάνει δὲ τῷ μήκει καὶ τὸ πλῆθος τῶν ἐποικη-
 σάντων τὴν χώραν Ἑλλήνων τε καὶ βαρβάρων, καὶ οἱ
 συγγραφεῖς οὐχὶ τὰ αὐτὰ γράφοντες περὶ τῶν αὐτῶν
 15 οὐδὲ σαφῶς πάντα· ὧν ἐν τοῖς πρώτοις ἐστὶν Ὅμηρος
 εἰκάζειν περὶ τῶν πλείστων παρέχων. δεῖ δὲ καὶ τὰ
 τούτου διαιτᾶν καὶ τὰ τῶν ἄλλων ὑπογράψαντας πρό-
 τερον ἐν κεφαλαίῳ τὴν τῶν τόπων φύσιν.

Ἀπὸ δὲ τῆς Κυζικηνῆς καὶ τῶν περὶ Αἰσηπον τό- 2
 20 πων καὶ Γράνικον μέχρι Ἀβύδου καὶ Σηστοῦ τὴν τῆς
 Προποντίδος παραλίαν εἶναι συμβαίνει, ἀπὸ δὲ Ἀβύδου
 μέχρι Λεκτοῦ τὰ περὶ Ἴλιον καὶ Τένεδον καὶ Ἀλεξάν-
 δρειαν τὴν Τρωάδα· πάντων δὲ τούτων ὑπέρεκειται ἡ
 Ἰδὴ τὸ ὄρος μέχρι Λεκτοῦ καθήκουσα· ἀπὸ Λεκτοῦ δὲ
 25 μέχρι Καϊκου ποταμοῦ καὶ τῶν Κανῶν λεγομένων ἐστι
 τὰ περὶ Ἀσσον καὶ Ἀδραμύτιον καὶ Ἀταρνεά καὶ Πι-
 τάννην καὶ τὸν Ἑλαϊτικὸν κόλπον· οἷς πᾶσιν ἀντιπα-
 ρήκει ἡ τῶν Λεσβίων νῆσος· εἰθ' ἔξῃς τὰ περὶ Κύμην C.582

μέχρι Ἑρμου καὶ Φωκαίας, ἥπερ ἀρχὴ μὲν τῆς Ἰωνίας ἐστὶ πέρας δὲ τῆς Αἰολίδος. τοιούτων δὲ τῶν τόπων ὄντων ὁ μὲν ποιητὴς ἀπὸ τῶν περὶ Αἰσηπον τόπων καὶ τῶν περὶ τὴν νῦν Κυζικηνὴν χώραν ὑπαγορεύει μάλιστα τοὺς Τρωῆας ἄρξαι μέχρι τοῦ Καϊκου ποταμοῦ 5 διηρημένους κατὰ δυναστείας εἰς ὅκτω μερίδας ἢ καὶ ἐννέα· τὸ δὲ τῶν ἄλλων ἐπικούρων πλῆθος ἐν τοῖς συμμάχοις διαριθμεῖται.

- 3 Οἱ δ' ὕστερον τοὺς ὄρους οὐ τοὺς αὐτοὺς λέγουσι καὶ τοῖς ὀνόμασι χρῶνται διηλλαγμένως, διαιρέσεις 10 νέμοντες πλείους. μάλιστα δὲ αἱ τῶν Ἑλλήνων ἀποικίαι παρεσχήκασιν λόγον· ἦττον μὲν ἢ Ἰωνικὴ (πλείονι γὰρ διέστηκε τῆς Τρωάδος), ἢ δὲ τῶν Αἰολέων παντάπασι· καθ' ὅλην γὰρ ἐσκεδάσθη ἀπὸ τῆς Κυζικηνῆς μέχρι τοῦ Καϊκου καὶ ἐπέλαβεν ἔτι πλεον, τὴν μεταξὺ τοῦ 15 Καϊκου καὶ τοῦ Ἑρμου ποταμοῦ. τέτταρσι γὰρ δὴ γε-νεαῖς πρεσβυτέραν φασὶ τὴν Αἰολικὴν ἀποικίαν τῆς Ἰωνικῆς, διατριβὰς δὲ λαβεῖν καὶ χρόνους μακροτέρους. Ὀρέστην μὲν γὰρ ἄρξαι τοῦ στόλου, τούτου δ' ἐν Ἀρ-καδίᾳ τελευτήσαντος τὸν βίον διαδέξασθαι τὸν υἱὸν 20 αὐτοῦ Πενθίλου, καὶ προελθεῖν μέχρι Θωράκης ἐξή-κοντα ἔτεσι τῶν Τρωικῶν ὕστερον, ὑπ' αὐτὴν τὴν τῶν Ἡρακλειδῶν εἰς Πελοπόννησον κάθοδον· εἴτ' Ἀρ-χέλαον υἱὸν ἐκείνου περαιῶσαι τὸν Αἰολικὸν στόλον εἰς τὴν νῦν Κυζικηνὴν τὴν περὶ τὸ Λασκύλιον· Γρᾶν 25 δὲ τὸν υἱὸν τούτου τὸν νεώτατον προελθόντα μέχρι τοῦ Γρανίκου ποταμοῦ καὶ παρεσκευασμένον ἄμεινον περαιῶσαι τὸ πλεον τῆς στρατιᾶς εἰς Λέσβον καὶ κατα-σχεῖν αὐτήν· Κλεῦν δὲ τὸν Δώρου καὶ Μαλαόν, καὶ αὐτοὺς ἀπογόνους ὄντας Ἀγαμέμνονος, συναγαγεῖν 30 μὲν τὴν στρατιὰν κατὰ τὸν αὐτὸν χρόνον καθ' ὃν καὶ Πενθίλος, ἀλλὰ τὸν μὲν τοῦ Πενθίλου στόλον φθῆναι

περαιωθέντα ἐκ τῆς Θράκης εἰς τὴν Ἀσίαν, τούτους δὲ περὶ τὴν Λοκρίδα καὶ τὸ Φρίκιον ὅρος διατρεῖναι πολὺν χρόνον, ὕστερον δὲ διαβάντας κτίσαι τὴν Κύμην τὴν Φρικωνίδα κληθεῖσαν ἀπὸ τοῦ Λοκρικοῦ ὄρους.

- 5 Τῶν Αἰολέων τοίνυν καθ' ὅλην σκεδασθέντων 4
τὴν χώραν, ἣν ἔφαμεν ὑπὸ τοῦ ποιητοῦ λέγεσθαι Τρω-
ικήν, οἱ ὕστερον οἱ μὲν πᾶσαν Αἰολίδα προσαγορεύ-
ουσιν οἱ δὲ μέρος, καὶ Τροίαν οἱ μὲν ὅλην οἱ δὲ μέρος
αὐτῆς, οὐδὲν ὅλως ἀλλήλοις ὁμολογοῦντες. εὐθύς γὰρ
10 ἐπὶ τῶν κατὰ τὴν Προποντίδα τόπων ὁ μὲν Ὅμηρος ἀπὸ
Αἰσῆπου τὴν ἀρχὴν ποιεῖται τῆς Τρωάδος, Εὐδοξος
δὲ ἀπὸ Πριάπου καὶ Ἀρτάκης τοῦ ἐν τῇ Κυζικηνῶν
νῆσῳ χωρίου ἀνταίρουτος τῷ Πριάπῳ, συστέλλων ἐπ'
ἐλαττον τοὺς ὄρους, Λαμάστης δ' ἔτι μᾶλλον συστέλλει C.583
15 ἀπὸ Παρίου· καὶ γὰρ οὗτος μὲν ἕως Λεκτοῦ προάγει,
ἄλλοι δ' ἄλλως· Χάρων δ' ὁ Λαμψακηνὸς τριακοσίους
ἄλλους ἀφαιρεῖ σταδίους, ἀπὸ Πρακτίου ἀρχόμενος
(τοσοῦτοι γάρ εἰσιν ἀπὸ Παρίου εἰς Πράκτιον), ἕως
μέντοι Ἀτραμυτιτίου πρόεισι· Σκύλαξ δὲ ὁ Καρυαν-
20 δεὺς ἀπὸ Ἀβύδου ἄρχεται· ὁμοίως δὲ τὴν Αἰολίδα
Ἐφορος μὲν λέγει ἀπὸ Ἀβύδου μέχρι Κύμης, ἄλλοι
δ' ἄλλως.

Τοπογραφεῖ δὲ κάλλιστα τὴν ὄντως λεγομένην 5
Τροίαν ἢ τῆς Ἰδης θέσις, ὄρους ὑψηλοῦ βλέποντος
25 πρὸς δύσιν καὶ τὴν ταύτη θάλατταν, μικρὰ δ' ἐπιστρέ-
φοντος καὶ πρὸς ἄρκτον καὶ τὴν ταύτη παραλίαν. ἔστι
δὲ αὕτη μὲν τῆς Προποντίδος ἀπὸ τῶν περὶ Ἀβυδὸν
στενῶν ἐπὶ τὸν Αἰσηπον καὶ τὴν Κυζικηνήν· ἢ δ' ἐσπα-
ρία θάλαττα ὅ τε Ἑλλήσποντός ἐστιν ὁ ἔξω καὶ τὸ Αἰ-
30 γαῖον πέλαγος. πολλοὺς δ' ἔχουσα πρόποδας ἢ Ἰδη καὶ
σκολοπενδρῶδης οὖσα τὸ σχῆμα ἐσχάτοις ἀφορίζεται
τούτοις, τῷ τε περὶ τὴν Ζέλειαν ἀκρωτηρίῳ καὶ τῷ
1*

καλουμένῳ Λεκτῷ, τῷ μὲν τελευτῶντι εἰς τὴν μεσό-
 γαιαν μικρὸν ὑπὲρ τῆς Κυζικηνῆς (καὶ δὴ καὶ ἔστι νῦν
 ἡ Ζέλεια τῶν Κυζικηνῶν)· τὸ δὲ Λεκτὸν εἰς τὸ πέλα-
 γος καθήκει τὸ Αἰγαῖον ἐν παράπλῳ κείμενον τοῖς ἐκ
 Τενέδου πλέουσιν εἰς Λέσβον. „Ἰδην δ' ἵκανον πολυ- 5
 „πίδακα μητέρα θηρῶν, Λεκτόν ὅθι πρῶτον λιπέτην
 „ἄλλα“ Ὑπνος καὶ Ἥρα, τοῖς οὖσιν οἰκείως τοῦ ποιητοῦ
 φράζοντος τὸ Λεκτόν· καὶ γὰρ ὅτι τῆς Ἰδης ἔστι τὸ
 Λεκτόν καὶ διότι πρώτη ἀπόβασις ἐκ θαλάττης αὕτη
 τοῖς ἐπὶ τὴν Ἰδην ἀνιοῦσιν, εἰρηκεν ὀρθῶς. 10

Τοὺς δὴ πρόποδας τοὺς ἐσχάτους ἐφ' ἐκάτερα φρά-
 ζων οὕτως τὸ Λεκτόν καὶ τὴν Ζέλειαν, οἰκείως τούτων
 ἀκρώρειαν ἀφορίζει Γάργαρον, ἄκρον λέγων· καὶ γὰρ
 καὶ νῦν Γάργαρον ἐν τοῖς ἄνω μέρεσι τῆς Ἰδης δείκνυ-
 ται τόπος, ἀφ' οὗ τὰ νῦν Γάργαρα πόλις Αἰολική. ἐντὸς 15
 μὲν οὖν τῆς Ζελείας καὶ τοῦ Λεκτοῦ πρῶτά ἐστιν ἀπὸ
 τῆς Προποντίδος ἀρξαμένοις [τὰ] μέχρι τῶν κατ' Ἀβυ-
 δον στενῶν, εἰτ' ἔξω τῆς Προποντίδος τὰ μέχρι Λεκτοῦ.

C.584

6

Κάμψαντι δὲ τὸ Λεκτόν ἀναχέεται κόλπος μέγας,
 ὃν ἡ Ἰδὴ ποιεῖ πρὸς τὴν ἡπειρον ἀποχωροῦσα ἀπὸ τοῦ 20
 Λεκτοῦ, καὶ αἱ Κάναι, τὸ ἐκ θατέρου μέρους ἀντικεί-
 μενον ἀκρωτήριον τῷ Λεκτῷ· καλοῦσι δ' οἱ μὲν Ἰδαῖον
 κόλπον, οἱ δ' Ἀδραμυττηνόν. ἐν τούτῳ δὲ αἱ τῶν Αἰο-
 λέων πόλεις μέχρι τῶν ἐκβολῶν τοῦ Ἑρμοῦ, καθάπερ
 εἰρήκαμεν. εἰρηται δὲ ἐν τοῖς ἔμπροσθεν, ὅτι τοῖς ἐκ 25
 Βυζαντίου πλέουσι πρὸς νότον ἐπ' εὐθείας ἔστιν ὁ
 πλοῦς, πρῶτον ἐπὶ Σηστόν καὶ Ἀβυδον διὰ μέσης τῆς
 Προποντίδος, ἔπειτα * τῆς παραλίας τῆς Ἀσίας μέχρι

10. post ὀρθῶς: καὶ
 ταῦτα μάλιστα τὸ ὄρος.
 ἀπ' Ἰδαίων ὀρέων ἄλλα
 καὶ οἱ ἐξῆς, οὗς ἐκεῖνος εἰρήκε καὶ ἡμεῖν νυνὶ πάρεστιν ὀρεῶν.

Καρίας. ταύτην δὴ φυλάττοντας χρὴ τὴν ὑπόθεσιν ἀκούειν τῶν ἐξῆς, καὶ λέγωμεν κόλπους τινὰς ἐν τῇ παραλίᾳ, τὰς τε ἄκρας δεῖ νοεῖν τὰς ποιούσας αὐτοὺς ἐπὶ τῆς αὐτῆς γραμμῆς κειμένας ὥσπερ τινὸς με-
5 σσημβρινῆς.

Ἐκ δὴ τῶν ὑπὸ τοῦ ποιητοῦ λεγομένων εἰκάζουσιν 7 οἱ φροντίσαντες περὶ τούτων πλέον τι, πᾶσαν τὴν παραλίαν ταύτην ὑπὸ τοῖς Τρωσὶ γεγρονέναι, διηρημένην μὲν εἰς δυναστείας ἑννέα, ὑπὸ δὲ τῷ Πριάμῳ τεταγμέ-
10 νην κατὰ τὸν Ἰλιακὸν πόλεμον καὶ λεγομένην Τροίαν· δῆλον δὲ ἐκ τῶν κατὰ μέρος. οἱ γὰρ περὶ τὸν Ἀχιλλέα τειχῆρεις ὀρῶντες τοὺς Ἰλιέας κατ' ἀρχάς, ἔξω ποι-
εῖσθαι τὸν πόλεμον ἐπεχείρησαν καὶ περιούντες ἀφαι-
ρεῖσθαι τὰ κύκλῳ „δῶδεκα δὴ σὺν νηυσὶ πόλεις ἀλά-
15 „παξ' ἀνθρώπων, πεξὸς δ' ἑνδεκά φημι κατὰ Τροίην ἐρίβωλον.“ Τροίαν γὰρ λέγει τὴν πεπορθημένην ἥπειρον· πεπόρθηται δὲ σὺν ἄλλοις τόποις καὶ τὰ ἀντικείμενα τῇ Λέσβῳ τὰ περὶ Θήβην καὶ Λυρνησσὸν καὶ Πή-
δασον τὴν τῶν Αελέγων καὶ ἐτι ἡ τοῦ Εὐρυπύλου τοῦ
20 Τηλέφου παῖδός „ἀλλ' οἶον τὸν Τηλεφίδην κατενή-
„ρατο χαλκῷ“ ὁ Νεοπτόλεμος „ἦρω Εὐρύπυλον.“ ταῦ-
τα δὴ πεπορθῆσθαι λέγει καὶ αὐτὴν τὴν Λέσβον „ὅτε
„Λέσβον ἐκτιμένην ἔλεν αὐτός.“ καὶ „πέρσε δὲ Λυρ-
„νησσὸν καὶ Πήδασον.“ καὶ „Λυρνησσὸν διαπορθή-
25 „σας καὶ τέλχεα Θήβης.“

Ἐκ μὲν Λυρνησσοῦ ἡ Βρισηὶς ἐάλω „τὴν ἐκ Λυρ-
„νησσοῦ ἐξέλειτο.“ ἥς ἐν τῇ ἀλώσει τὸν Μύνητα πε-
σεῖν φησιν, ὥς ἡ Βρισηὶς θρηνοῦσα τὸν Πάτροκλον
δηλοῖ „οὐδὲ μὲν οὐδέ μ' ἔασκες, ὅτ' ἄνδρ' ἐμὸν ὥκυσ
30 „Ἀχιλλεὺς ἔκτεινεν, πέρσεν δὲ πόλιν θείοιο Μύνητος;

C.585, κλαίειν. “ ἐμφαίνει γὰρ τὴν Λυρνησσὸν λέγων „πόλιν
 θείοιο Μύνητος,“ ὡς ἂν δυναστευομένην ὑπ’ αὐτοῦ,
 καὶ ἐνταῦθα πεσεῖν αὐτὸν μαχόμενον. ἐκ δὲ τῆς Θή-
 βης ἢ Χρυσῆς ἐλήφθη „ῥόχόμεθ’ ἐς Θήβην ἱερὴν πόλιν
 „Ἡελίωνος.“ ἐκ δὲ τῶν ἀχθέντων ἐκεῖθεν φησὶν εἶναι 5
 τὴν Χρυσίδα. „Ἀνδρομάχη θυγάτηρ μεγαλήτορος Ἡε-
 „τίωνος, Ἡελίων, ὃς ἐναιεν ὑπὸ Πλάκῃ ὑληέσση, Θήβῃ
 „ὑποπλακίῃ, Κιλίκεσσ’ ἄνδρεςσιν ἀνάσσων.“ δευτέρᾳ
 οὖν αὕτη δυναστεία Τρωικὴ μετὰ τὴν ὑπὸ Μύνητι. οἰ-
 κείως δὲ τούτοις καὶ τὸ ὑπὸ τῆς Ἀνδρομάχης λεχθὲν οὐ- 10
 τως „Ἔκτορ, ἐγὼ δύστηνος· ἢ ἄρα γεινόμεθ’ αἰσὴ ἀμ-
 „φότεροι, σὺ μὲν ἐν Τροίῃ Πριάμου ἐνὶ οἴκῳ, αὐτὰρ
 „ἐγὼ Θήβῃσιν,“ οὐκ οἴονται δεῖν ἐξ εὐθείας ἀκούειν,
 ἀλλὰ καθ’ ὑπερβατόν „ἀμφοτέροι ἐν Τροίῃ, σὺ μὲν
 „Πριάμου ἐνὶ οἴκῳ, αὐτὰρ ἐγὼ Θήβῃσι.“ τρίτῃ δ’ ἐστὶν 15
 ἢ τῶν Δελέγων, καὶ αὕτη Τρωικὴ, „Ἄλτεω, ὃς Δελέ-
 γεσσι φιλοποτολέμοισιν ἀνάσσει.“ οὗ τῇ θυγατρὶ συνελ-
 θὼν Πρίαμος γεννᾷ τὸν Λυκάονα καὶ Πολύδωρον. καὶ
 μὴν οἳ γε ὑπὸ τῷ Ἔκτορι ἐν τῷ καταλόγῳ ταττόμενοι
 λέγονται Τρῶες „Τρῶσι μὲν ἡγεμόνευε μέγας κορυθαί- 20
 ολος Ἔκτωρ.“ εἶθ’ οἱ ὑπὸ τῷ Αἰνείᾳ „Δαρδανίων αὐτ’
 „ἦρχεν ἐὺς πάϊς Ἀγχίσαις“ καὶ οὗτοι Τρῶες· φησὶ γοῦν
 „Αἰνεία, Τρώων βουληφόρε.“ εἶθ’ οἱ ὑπὸ Πανδάρῳ
 Λύκιοι, οὓς καὶ αὐτοὺς καλεῖ Τρῶας· „οἳ δὲ Ζέλειαν
 „ἐναιον ὑπὸ πόδα νείατον Ἰδῆς, Ἀφνειοί, πίνοντες 25
 „ὔδωρ μέλαν Αἰσῆποιο, Τρῶες· τῶν αὐτ’ ἦρχε Λυκάο-
 „νος ἀγλαὸς υἱός, Πάνδαρος.“ ἔκτη δ’ αὕτη δυναστεία.
 καὶ μὴν οἳ γε μετὰ τοῦ Αἰσῆπου καὶ Ἀβύδου Τρῶες·
 ὑπὸ μὲν γὰρ τῷ Ἀσίῳ ἐστὶ τὰ περὶ Ἀβυδου „οἳ δ’ ἄρα
 „Περκώτην καὶ Πράκτιον ἀμφενέμοντο, καὶ Σηστὸν 30

13. post ἀκούειν: σὺ μὲν ἐν Τροίῃ, αὐτὰρ ἐγὼ Θήβῃσιν ἢ
 Θήβῃθεν

„καὶ Ἀβυδὸν ἔχον καὶ διὰν Ἀρίσβην, τῶν αὐτῶν Τρακί-
 „θης ἦρχ’ Ἄσιος.“ ἀλλ’ ἐν Ἀβύδῳ μὲν υἱὸς τοῦ Πριά-
 „μου διέτριβεν, ἵππους νέμων, πατρῷας δηλονότι „ἀλλ’
 „υἱὸν Πριάμοιο νόθον βάλε Ἀημοκόωντα, ὅς οἱ Ἀβυδό-
 5 „θεν ἦλθε παρ’ ἵππων ὠκειάων.“ ἐν δὲ Περικώτῃ υἱὸς C. 586
 Ἰκετάονος ἐβουνόμει οὐκ ἀλλοτριὰς οὐδ’ οὗτος βοῦς
 „πρωῶτον δ’ Ἰκεταονίδην ἐνέειπεν, ἰφθιμον Μελά-
 „νιππον· ὁ δ’ ὄφρα μὲν εἰλίποδας βοῦς βόσκ’ ἐν Περ-
 „κώτῃ.“ ὥστε καὶ αὕτη ἂν εἴη Τρωάς καὶ ἡ ἐφεξῆς
 10 ἕως Ἀδραστείας· ἦρχον γὰρ αὐτῆς „ῥῆε δὴ Μέροπος
 „Περικωσίου.“ πάντες μὲν δὴ Τρῶες οἱ ἀπὸ Ἀβύδου
 μέχρι Ἀδραστείας, δίχα μέντοι διηρημένοι, οἱ μὲν ὑπὸ
 τῷ Ἀσίῳ οἱ δ’ ὑπὸ τοῖς Μεροπίδαις· καθάπερ καὶ ἡ
 τῶν Κιλικίων διττή, ἡ μὲν Θηβαϊκὴ ἡ δὲ Αὐρνησις·
 15 ἐν αὐτῇ δ’ ἂν λεχθεῖν ἡ ὑπὸ Εὐρυπύλῳ ἐφεξῆς οὖσα
 τῇ Αὐρνησιδί. ὅτι δὲ τούτων ἀπάντων ἦρχεν ὁ Πριά-
 „μος οἱ τοῦ Ἀχιλλέως λόγοι πρὸς τὸν Πριάμον σαφῶς
 ἐμφανίζουσι „καὶ σε, γέρον, τὸ πρὶν μὲν ἀκούομεν ὄλ-
 „βιον εἶναι, ὅσσον Ἀέσβος ἄνω Μάκαρος πόλις ἐν-
 20 „τὸς ἐέργει, καὶ Φρυγίῃ καθύπερθε καὶ Ἑλλήσποντος
 „ἀπείρων.“

Τότε μὲν οὖν τοιαῦτα ὑπῆρχεν, ὅστερον δὲ ἡκο- 8
 λούθησαν μεταβολαὶ παντοῖαι. τὰ μὲν γὰρ περὶ Κύζι-
 „κον Φρύγες ἐπώκησαν ἕως Πρακτίου, τὰ δὲ περὶ Ἀβυ-
 25 „δον Θρᾶκες· ἔτι δὲ πρότερον τούτων ἀμφοῖν Βέβρυκες
 καὶ Λρύοπες· τὰ δ’ ἐξῆς Τρῆρες, καὶ οὗτοι Θρᾶκες·
 τὸ δὲ Θήβης πεδίον Αὐδοί, οἱ τότε Μήρονες, καὶ Μυ-
 „σῶν οἱ περιγενόμενοι τῶν ὑπὸ Τηλέφῳ πρότερον καὶ
 Τεύθραντι. οὕτω δὴ τοῦ ποιητοῦ τὴν Αἰολίδα καὶ τὴν
 30 Τροίαν εἰς ἓν συντιθέντος, καὶ τῶν Αἰολέων τὴν ἀπὸ
 τοῦ Ἑρμοῦ πᾶσαν μέχρι τῆς κατὰ Κύζικον παραλλίας
 κατασχόντων καὶ πόλεις κτισάντων, οὐδ’ ἂν ἡμεῖς ἀτό-

πως περιοδεύσαιμεν, εἰς ταὐτὸ συντιθέντες τὴν τε Αἰολίδα νῦν ἰδίως λεγομένην τὴν ἀπὸ τοῦ Ἑρμοῦ μέχρι Λεκτοῦ καὶ τὴν ἐφεξῆς μέχρι τοῦ Αἰσήπου. ἐν γὰρ τοῖς καθ' ἑκάστα διακρινοῦμεν πάλιν, παρατιθέντες ἅμα τοῖς νῦν οὔσι τὰ ὑπὸ τοῦ ποιητοῦ καὶ τῶν ἄλλων λε- 5 γόμενα.

9 Ἔστιν οὖν μετὰ τὴν τῶν Κυζικηνῶν πόλιν καὶ τὸν Αἰσηπον ἀρχὴ τῆς Τρωάδος καθ' Ὅμηρον. λέγει δ' ἐκεῖνος μὲν οὕτω περὶ αὐτῆς „οἱ δὲ Ζέλειαν ἔναιον ὑπαί „πόδα νεΐατον Ἰδῆς Ἀφνειοί, πίνοντες ὕδωρ μέλαν 10 „Αἰσήποιο, Τρῶες· τῶν αὖθ' ἤρχε Λυκάονος ἀγλαὸς „υἱός, Πάνδαρος.“ τούτους δὲ ἐκάλει καὶ Λυκίους· 0.587 Ἀφνειοὺς δὲ ἀπὸ τῆς Ἀφνίτιδος νομίζουσι λίμνης· καὶ γὰρ οὕτω καλεῖται ἡ Δασκυλίτις.

10 Ἡ μὲν δὲ Ζέλεια ἐν τῇ παρωρεῖα τῇ ὑστάτῃ τῆς 15 Ἰδῆς ἔστιν, ἀπέχουσα Κυζίκου μὲν σταδίους ἐνενηήκοντα καὶ ἑκατόν, τῆς δ' ἐγγυτάτῃ θαλάττης καθ' ἣν ἐκδίδωσιν Αἰσηπος ὅσον ὀγδοήκοντα. ἐπιμερίζει δὲ συνεχῶς τὰ κατὰ τὴν μετὰ τὸν Αἰσηπον „οἱ δ' Ἀδρή- „στειάν τ' εἶχον καὶ δῆμον Ἀπαισοῦ, καὶ Πιτύαν εἶχον 20 „καὶ Τηρεΐης ὄρος αἰπύ, τῶν ἤρχ' Ἀδρηστός τε καὶ Ἀμ- „... ὁ Μέροπος Περωσίου.“ ταῦ- „... μὲν ὑποπέπτωκεν, ἔχουσι δὲ Κυζικηνοὶ τε καὶ Πριαπηνοὶ μέχρι καὶ τῆς παραλίας. περὶ μὲν οὖν τὴν Ζέλειαν ὁ Τάρσιος ἔστι ποταμός, εἰκο- 25 σιν ἔχων διαβάσεις τῇ αὐτῇ ὁδῷ, καθάπερ ὁ Ἐπτάπορος, ὃν φησιν ὁ ποιητής.

11 Ὅτι δὲ τῆς ἐκβολῆς τοῦ Αἰσήπου σχεδὸν τι....

... εἰς Νίκαιαν τέττα-
... εἰς τὴν Ἠλείαν.
Σκαρθῶν πέντε καὶ εἴκοσι, πολλοὺς δὲ καὶ ὁ ἐκ Κοσκινίων εἰς
Ἀλάβανδα, πέντε δὲ καὶ ἑβδομήκοντα ὁ ἐκ Τυάνων εἰς Σόλους
διὰ τοῦ Ταύρου.

σταδίοις κολωνὸς ἔστιν, ἐφ' ᾧ τάφος δαίκνυται Μένωνος τοῦ Τιθωνοῦ· πλησίον δ' ἔστι καὶ ἡ Μένωνος κόμη. τοῦ δὲ Αἰσήπου καὶ τοῦ Πριάπου μεταξὺ ὁ Γράνικος ρεῖ τὰ πολλὰ δι' Ἀδραστείας πεδίου, ἐφ' ᾧ Ἀλέξανδρος τοὺς Δαρείου σατράπας ἀνὰ κράτος ἐνίκησε συμβαλῶν, καὶ πᾶσαν τὴν ἐντὸς τοῦ Ταύρου καὶ τοῦ Εὐφράτου παρέλαβεν. ἐπὶ δὲ Γρανίκῳ πόλις ἦν Σιδήνη χώραν ἔχουσα πολλὴν ὁμώνυμον, κατέσπασται δὲ νῦν. ἐν δὲ τῇ μεθορίᾳ τῆς Κυζικηνῆς καὶ τῆς Πριαπηνῆς 10 ἔστι τὰ Ἀρπάγια τόπος, ἐξ οὗ τὸν Γανυμήδην μυθεύουσιν ἠρπάχθαι· ἄλλοι δὲ περὶ Δαρδάνιον ἄκραν πλησίον Δαρδάνου.

Πριάπος δ' ἔστι πόλις ἐπὶ θαλάττῃ καὶ λιμνῇ· 12 κτισμα δ' οἱ μὲν Μιλησίων φασίν, οἵπερ καὶ Ἀβυδὸν καὶ Προκόννησον συνῥέκισαν κατὰ τὸν αὐτὸν καιρὸν, οἱ δὲ Κυζικηνῶν· ἐπώνυμος δ' ἔστι τοῦ Πριάπου τιμωμένον παρ' αὐτοῖς, εἴτ' ἐξ Ὀρνεῶν τῶν περὶ Κόρινθον μετενηνεγμένου τοῦ ἱεροῦ, εἴτε τῷ λέγεσθαι Διονύσου καὶ νύμφης τὸν θεὸν ὀρμησάντων ἐπὶ τὸ τιμᾶν 20 αὐτὸν τῶν ἀνθρώπων, ἐπειδὴ σφόδρα εὐάμπελός ἐστιν ἡ χώρα καὶ αὕτη καὶ [ἡ] ἐφεξῆς ὁμορος, ἥ τε τῶν Παριανῶν καὶ ἡ τῶν Λαμψακηνῶν· ὁ γοῦν Ξέρξης τῷ Θεμιστοκλεῖ εἰς οἶνον ἔδωκε τὴν Λάμψακον. ἀπεδείχθη δὲ θεὸς οὗτος ὑπὸ τῶν νεωτέρων· οὐδὲ γὰρ Ἡσίοδος οἶδε 25 Πριάπον, ἀλλ' ἔοικε τοῖς Ἀττικοῖς Ὀρθάνῃ καὶ Κονι- 588 σάλῳ καὶ Τύχωνι καὶ τοῖς τοιούτοις.

Ἐκαλεῖτο δ' ἡ χώρα αὕτη Ἀδράστεια καὶ Ἀδρα- 13 στείας πεδίου, κατὰ ἔθος τι οὕτω λεγόντων τὸ αὐτὸ χωρίον διττῶς, ὥς καὶ Θήβην καὶ Θήβης πεδίου, καὶ 30 Μυγδουλίαν καὶ Μυγδονίας πεδίου. φησὶ δὲ Καλλισθέ-

νης ἀπὸ Ἀδράστου βασιλέως, ὃς πρῶτος Νεμέσεως ἱερὸν ἰδρύσατο, καλεῖσθαι Ἀδράστειαν. ἡ μὲν οὖν πόλις μεταξὺ Πριάπου καὶ Παρίου, ἔχουσα ὑποκείμενον πεδῖον ὁμῶννυμον, ἐν ᾧ καὶ μαντεῖον ἦν Ἀπόλλωνος Ἀκταίου καὶ Ἀρτέμιδος κατὰ τὴν * Πυκᾶτην· εἰς δὲ 5 Πάριον μετηνέχθη πᾶσα ἡ κατασκευὴ καὶ λιθεῖα κατασπασθέντος τοῦ ἱεροῦ, καὶ ὠκοδομήθη ἐν τῷ Παρίῳ βωμὸς, Ἑρμοκρέοντος ἔργον, πολλῆς μνήμης ἄξιον κατὰ τε μέγεθος καὶ κάλλος· τὸ δὲ μαντεῖον ἐξελείφθη, καθάπερ καὶ τὸ ἐν Ζελεῖα. ἐνταῦθα μὲν οὖν οὐδὲν ἱε- 10 ρὸν Ἀδραστείας δεικνυται, οὐδὲ δὴ Νεμέσεως, περὶ δὲ Κύζικον ἔστιν Ἀδραστείας ἱερὸν. Ἀντίμαχος δ' οὕτω φησὶν „ἔστι δέ τις Νέμεσις μεγάλη θεὸς, ἣ τάδε πάντα „πρὸς μακάρων ἔλαχεν· βωμὸν δὲ οἱ εἶσατο πρῶτος „Ἀδρηστος, ποταμοῖο παρὰ ῥόον Αἰσθήποιο, ἐνθα τε- 15 τίμηται τε καὶ Ἀδρηστεια καλεῖται.“

- 14 Ἔστι δὲ καὶ τὸ Πάριον πόλις ἐπὶ θαλάττῃ, λιμένα ἔχουσα μεῖζω τῆς Πριάπου καὶ ἠϋξημένη γε ἐκ ταύτης· θεραπεύοντες γὰρ οἱ Παριανοὶ τοὺς Ἀτταλικοὺς ὑφ' οἷς ἐτέτακτο ἡ Πριαπηνή, πολλὴν αὐτῆς ἀπετέμοντο 20 ἐπιτρεπόντων ἐκείνων. ἐνταῦθα μυθεύουσι τοὺς Ὀφιογενεῖς συγγένειάν τινα ἔχειν πρὸς τοὺς ὄφεις· φασὶ δ' αὐτῶν τοὺς ἄρρενας τοῖς ἐχεοδήκτοις ἄκος εἶναι συν- εχῶς ἐφαπτομένους ὥσπερ τοὺς ἐπώδους, πρῶτον μὲν τὸ πελῖωμα εἰς ἑαυτοὺς μεταφέροντας, εἰτα καὶ τὴν 25 φλεγμονὴν παύοντας καὶ τὸν πόνον. μυθεύουσι δὲ τὸν ἀρχηγέτην τοῦ γένους ἥρωά τινα ἐξ ὄψεως μεταβαλεῖν· τάχα δὲ τῶν Ψύλλων τις ἦν τῶν Λιβυκῶν, εἰς δὲ τὸ γένος διέτεινεν ἡ δύναμις μέχρι ποσοῦ. κτίσμα δ' ἔστι τὸ Πάριον Μιλησίων καὶ Ἐρυθραίων καὶ Παρίων. 30

- 15 Πιτύα δ' ἔστιν ἐν Πιτυοῦντι τῆς Παριανῆς ὑπερ- κείμενον ἔχουσα πιτυῶδες ὄρος· μεταξὺ δὲ κεῖται Πα-

ρίου καὶ Πριάπου κατὰ Λίνον χωρίον ἐπὶ θαλάττῃ, ὅπου οἱ Λινούσιοι κοχλῖαι ἄριστοι τῶν πάντων ἀλλύσκονται.

Ἐν δὲ τῷ παράπλῳ τῷ ἀπὸ Παρίου εἰς Πριάπον ἡ 16
5 τε παλαιὰ Προκόννησός ἐστι καὶ ἡ νῦν Προκόννησος, πόλιν ἔχουσα καὶ μέταλλον μέγα λευκοῦ λίθου σφόδρα ἐπαινούμενον· τὰ γοῦν κάλλιστα τῶν ταύτῃ πόλεων ἔργα, ἐν δὲ τοῖς πρῶτα τὰ ἐν Κυζίκῳ ταύτης ἐστὶ τῆς C.589 λίθου. ἐντεῦθεν ἐστὶν Ἀριστεάς ὁ ποιητὴς τῶν Ἀριμα-
10 σπείων καλουμένων ἐπῶν, ἀνὴρ γόης εἴ τις ἄλλος.

Τὸ δὲ Τηρείης ὄρος οἱ μὲν τὰ ἐν Πειρωσσῷ ὄρη 17
φασὶν ἃ ἔχουσιν οἱ Κυζικηνοὶ τῇ Ζελεῖα προσεχῇ, ἐν οἷς βασιλικὴ θήρα κατεσκεύαστο τοῖς Λυδοῖς, καὶ Πέρ-
σαις ὕστερον· οἱ δ' ἀπὸ τετταράκοντα σταδίων Λαμ-
15 ψάκου δεικνύουσι λόφον, ἐφ' ᾧ μητρὸς θεῶν ἱερόν ἐστιν ἅγιον Τηρείης ἐπικαλούμενον.

Καὶ ἡ Λάμψακος δ' ἐπὶ θαλάττῃ πόλις ἐστὶν εὐλί- 18
μενος καὶ ἀξιόλογος, συμμένουσα καλῶς, ὥσπερ καὶ ἡ Ἄβυδος· διέχει δ' αὐτῆς ὅσον ἐβδομήκοντα καὶ ἑκατὸν
20 σταδίους· ἐκαλεῖτο δὲ πρότερον Πιτυοῦσσα, καθάπερ καὶ τὴν Χίον φασὶν· ἐν δὲ τῇ περαίᾳ τῆς Χερρονήσου πολίχνιον ἐστὶ Καλλίπολις· κεῖται δ' ἐπ' ἀκτῆς ἐκκει-
μένη πολὺ πρὸς τὴν Ἀσίαν κατὰ τὴν Λαμψακηνῶν πό-
λιν, ὥστε τὸ διάστημα μὴ πλέον εἶναι τετταράκοντα
25 σταδίων.

Ἐν δὲ τῷ μεταξὺ Λαμψάκου καὶ Παρίου Παισὸς 19
ἦν πόλις καὶ ποταμός· κατέσπασται δ' ἡ πόλις, οἱ δὲ Παισηνοὶ μετόκησαν εἰς Λάμψακον, Μιλησίων ὄντες ἄποικοι καὶ αὐτοί, καθάπερ καὶ οἱ Λαμψακηνοί. ὁ δὲ
30 ποιητὴς εἰρηκεν ἀμφοτέρως, καὶ προσθεὶς τὴν πρῶ-
την συλλαβὴν „καὶ δῆμον Ἀπαισοῦ,“ καὶ ἀφελὼν „ὅς
„ὅ“ ἐνὶ Παισῷ ναῖε πολυκτῆμων“ καὶ ὁ ποταμὸς νῦν

οὕτω καλεῖται. Μιλησίων δ' εἰσὶ καὶ αἱ Κολωναὶ αἱ
 ὑπὲρ Λαμψάκου ἐν τῇ μεσογαίᾳ τῆς Λαμψακηνῆς· ἄλ-
 λαι δ' εἰσὶν ἐπὶ τῇ ἐκτὸς Ἑλλησποντίᾳ θαλάττῃ, Ἴλιου
 διέχουσαι σταδίους τετταράκοντα πρὸς τοῖς ἑκατόν· ἐξ
 ὧν τὸν Κύννον φασίν. Ἀναξιμένης δὲ καὶ ἐν τῇ Ἑρυ- 5
 θραίᾳ φησὶ λέγεσθαι Κολωνὰς καὶ ἐν τῇ Φωκίδι καὶ ἐν
 Θετταλίᾳ· ἐν δὲ τῇ Παριανῇ ἔστιν Ἴλιοκολώνη. ἐν δὲ
 τῇ Λαμψακηνῇ τόπος εὐάμπελος Γεργίθιον· ἦν δὲ καὶ
 πόλις Γέργιθα ἐκ τῶν ἐν τῇ Κυμαίᾳ Γεργίθων· ἦν γὰρ
 κακεὶ πόλις πληθυντικῶς καὶ θηλυκῶς λεγομένη αἱ 10
 Γέργιθες, ὅθεν περ ὁ Γεργίθιος ἦν Κεφάλων· καὶ νῦν
 ἐτι δεικνυται τόπος ἐν τῇ Κυμαίᾳ Γεργίθιον πρὸς Λα-
 ρίσῃ. ἐκ Παρίου μὲν οὖν ὁ γλωσσογράφος κληθεὶς
 ἦν Νεοπτόλεμος μνήμης ἄξιος, ἐκ Λαμψάκου δὲ Χά-
 ρων τε ὁ συγγραφεὺς καὶ Ἀδείμαντος καὶ Ἀναξιμένης 15
 ὁ ῥήτωρ καὶ Μητρόδωρος ὁ τοῦ Ἐπικούρου ἐταῖρος·
 καὶ αὐτὸς δ' Ἐπίκουρος τρόπον τινα Λαμψακηνὸς
 ὑπῆρξε, διατρέψας ἐν Λαμψάκῳ καὶ φίλοις χρησάμενος
 τοῖς ἀρίστοις τῶν ἐν τῇ πόλει ταύτῃ, τοῖς περὶ Ἴδομε-
 0.590 νέᾳ καὶ Λεοντέᾳ. ἐντεῦθεν δὲ μετήνεγκεν Ἀγρόππας 20·
 τὸν πεπτωκότα λέοντα, Λυσίππου ἔργον· ἀνέθηκε δὲ
 ἐν τῷ ἄλλει τῷ μεταξὺ τῆς λίμνης καὶ τοῦ εὐρίπου.

20 Μετὰ δὲ Λάμψακον ἔστιν Ἀβυδος καὶ τὰ μεταξὺ
 χωρία, περὶ ὧν οὕτως εἴρηκε συλλαβῶν ὁ ποιητὴς καὶ
 τὴν Λαμψακηνὴν καὶ τῆς Παριανῆς τινα (οὕτω γὰρ 25·
 ἦσαν αὐταὶ αἱ πόλεις κατὰ τὰ Τρωικά), οἳ δ' ἄρα Περ-
 ,κώτην καὶ Πράκτιον ἀμφενέμοντο, καὶ Σηστὸν καὶ
 „Ἀβυδον ἔχον καὶ δῖαν Ἀρίσβην· τῶν αὐτῶν Ἱφρακίδης
 „ἦρχ' Ἀσιος“ φησὶν „ὃν Ἀρίσβηθεν φέρον ἵπποι αἰ-
 „θωνες μεγάλοι ποταμοῦ ἄπο Σελλήεντος.“ οὕτω δ' εἰ- 30·
 πῶν ἔοικε τὸ βασιλείον ἀποφαίνειν τοῦ Ἀσίου τὴν Ἀρί-
 σβην, ὅθεν ἦκειν αὐτόν φησιν „ὃν Ἀρίσβηθεν φέρον

„Ἰπποὶ ποταμοῦ ἄπο Σελλήεντος.“ οὕτω δ' ἄφανῃ τὰ χωρία ταῦτά ἐστιν ὥστε οὐδ' ὁμολογοῦσι περὶ αὐτῶν οἱ ἱστοροῦντες, πλὴν ὅτι περὶ Ἄβυδον καὶ Λάμψακόν ἐστι καὶ Πάριον, καὶ ὅτι * ἡ πάλαι Περικώτη μετωνο-
5 μάσθη ὁ τόπος.

Τῶν δὲ ποταμῶν τὸν μὲν Σελλήεντά φησιν ὁ ποι- 21
ητῆς πρὸς τῇ Ἀρίσβῃ ρεῖν, εἶπερ ὁ Ἄσιος Ἀρίσβηθέν
τε ἦκε καὶ ποταμοῦ ἄπο Σελλήεντος· ὁ δὲ Πράκτιος
ποταμὸς μὲν ἐστι, πόλις δ' οὐχ εὐρίσκεται, ὥς τινες
10 ἐνόμισαν· ρεῖ δὲ καὶ οὗτος μεταξὺ Ἀβύδου καὶ Λαμ-
ψάκου· τὸ οὖν „καὶ Πράκτιον ἀμφενέμοντο“ οὕτω
δεκτέον ὡς περὶ ποταμοῦ, καθάπερ ἀκκείνα „οἷ τ' ἄρα
„παρ ποταμὸν Κηφισὸν δῖον ἔναιον,“ καὶ „ἀμφί τε
„Παρθένιον ποταμὸν κλυτὰ ἔργ' ἐνέμοντο.“ ἦν δὲ καὶ
15 ἐν Λέσβῳ πόλις Ἀρίσβα, ἥς τὴν χώραν ἔχουσι Μηθυ-
μναῖοι· ἐστι δὲ καὶ ποταμὸς Ἀρισβος ἐν Θράκῃ, ὥσπερ
εἴρηται, καὶ τούτου πλησίον οἱ Κεβρήνιοι Θράκες. πολ-
λαὶ δ' ὁμωνυμῖαι Θραξὲ καὶ Τρωσίν, οἷον Σκαιοὶ Θρα-
κὲς τινες καὶ Σκαιὸς ποταμὸς καὶ Σκαιὸν τεῖχος καὶ ἐν
20 Τροίᾳ Σκαιαὶ πύλαι· Ξάνθιοι Θράκες, Ξάνθος ποτα-
μὸς ἐν Τροίᾳ· Ἀρισβος ὁ ἐμβάλλων εἰς τὸν Ἐβρον,
Ἀρίσβῃ ἐν Τροίᾳ· Ῥῆσος ποταμὸς ἐν Τροίᾳ, Ῥῆσος δὲ
καὶ ὁ βασιλεὺς τῶν Θρακῶν. ἐστι δὲ καὶ τῷ Ἀσίῳ ὁ μῶ-
νυμος ἕτερος παρὰ τῷ ποιητῇ Ἄσιος „ὃς μήτρως ἦν
25 „Ἐκτορος ἱπποδάμοιο, αὐτοκασίγνητος Ἐκάβης, υἱὸς
„δὲ Δύμαντος, ὃς Φρυγίην ναίεσκε βοῆς ἐπὶ Σαγγα-
„ρίοιο.“

Ἄβυδος δὲ Μιλησίων ἐστὶ κτίσμα ἐπιτρέψαντος 22
Γύγου τοῦ Λυδῶν βασιλέως· ἦν γὰρ ἐπ' ἐκείνῳ τὰ
30 χωρία καὶ ἡ Τρωὰς ἅπασα, ὀνομάζεται δὲ καὶ ἀκρωτή-
ριόν τι πρὸς Δαρδάνῳ Γύγας· ἐπικείται δὲ τῷ στόματι 591
τῆς Προποντίδος καὶ τοῦ Ἑλλησπόντου, διέχει δὲ τὸ

Ἴσον Λαμψάκου καὶ Ἰλίου, σταδίου περὶ ἑβδομήκοντα
 καὶ ἑκατόν. ἐνταῦθα δ' ἔστι τὸ ἑπταστάδιον ὅπερ ἔξευξε
 Ξέρξης, τὸ διορίζον τὴν Εὐρώπην καὶ τὴν Ἀσίαν. κα-
 λεῖται δ' ἡ ἄκρα τῆς Εὐρώπης Χερρόνησος διὰ τὸ σχῆ-
 μα, ἡ ποιοῦσα τὰ στενὰ τὰ κατὰ τὸ ζεῦγμα· ἀντίκειται 5
 δὲ τὸ ζεῦγμα τῇ Ἀβύδῳ. Σηστὸς δὲ ἀρίστη τῶν ἐν Χερ-
 ρονήσῳ πόλεων· διὰ δὲ τὴν γειτοσύνην ὑπὸ τῷ αὐτῷ
 ἡγεμόνι καὶ αὕτῃ ἐτέτακτο, οὕτω ταῖς ἡπείροις διορι-
 ζόντων τῶν τότε τὰς ἡγεμονίας. ἡ μὲν οὖν Ἀβυδος καὶ
 ἡ Σηστὸς διέχουσιν ἀλλήλων τριάκοντά που σταδίου 10
 ἐκ λιμένος εἰς λιμένα, τὸ δὲ ζεῦγμά ἐστι μικρὸν ἀπὸ
 τῶν πόλεων παραλλάξαντι ἐξ Ἀβύδου μὲν ὥς ἐπὶ τὴν
 Προποντίδα, ἐκ δὲ Σηστοῦ εἰς τοῦναντίον· ὀνομάζε-
 ται δὲ πρὸς τῇ Σηστῷ τόπος Ἀποβάθρα, καθ' ὃν ἐξεν-
 γνυτο ἡ σχεδία. ἔστι δὲ ἡ Σηστὸς ἐνδοτέρω κατὰ τὴν 15
 Προποντίδα ὑπερδέξιός τοῦ ῥοῦ τοῦ ἐξ αὐτῆς· διὸ καὶ
 εὐπετέστερον ἐκ τῆς Σηστοῦ διαίρουσι παραλεξάμενοί
 μικρὸν ἐπὶ τὸν τῆς Ἡροῦς πύργον, κἀκεῖθεν ἀφιέντες
 τὰ πλοῖα συμπράττοντος τοῦ ῥοῦ πρὸς τὴν περαιώσιν·
 τοῖς δ' ἐξ Ἀβύδου περαιουμένοις παραλεκτέον ἔστιν 20
 εἰς τάναντία ὀκτώ που σταδίου ἐπὶ πύργον τινὰ κατ'
 ἀντικρὺ τῆς Σηστοῦ, ἔπειτα διαίρειν πλάγιον καὶ μὴ
 τελέως ἐναντίον ἔχουσι τὸν ῥοῦν. ὥκουν δὲ τὴν Ἀβυ-
 δον μετὰ τὰ Τρωικὰ Θῤῃκες, εἴτα Μιλήσιοι. τῶν δὲ
 πόλεων ἐμπρησθεῖσων ὑπὸ Λαρείου τοῦ Ξέρξου πα- 25
 ρὸς τῶν κατὰ τὴν Προποντίδα, ἐκοινώνησε καὶ ἡ
 Ἀβυδος τῆς αὐτῆς συμφορᾶς· ἐνέπρησε δὲ πυθόμενος
 μετὰ τὴν ἀπὸ τῶν Σκυθῶν ἐπάνοδον τοὺς νομάδας
 παρασκευάζεσθαι διαβαίνειν ἐπ' αὐτὸν κατὰ τιμωρίαν
 ὧν ἔπαθον, δεδιὼς μὴ αἱ πόλεις πορθμεῖα παράσχοιεν 30
 τῇ στρατιᾷ. συνέβη δὲ πρὸς ταῖς ἄλλαις μεταβολαῖς
 καὶ τῷ χρόνῳ καὶ τοῦτο αἴτιον τῆς συγχύσεως τῶν

τόπων. περὶ δὲ Σηστοῦ καὶ τῆς ὅλης Χερρονήσου προ-
είπομεν ἐν τοῖς περὶ τῆς Θράκης τόποις. φησὶ δὲ τὴν
Σηστὸν Θεόπομπος βραχεῖαν μὲν εὐερκῇ δέ, καὶ σκέ-
λει διπλέθρῳ συνάπτειν πρὸς τὸν λιμένα, καὶ διὰ ταῦτ'
5 οὖν καὶ διὰ τὸν ῥοῦν κυρίαν εἶναι τῶν παρόδων.

Ἐπέρκειται δὲ τῆς τῶν Ἀβυδηνῶν χώρας ἐν τῇ 23
Τρωάδι τὰ Ἀστυρα, ἃ νῦν μὲν Ἀβυδηνῶν ἔστι, κατε-
σκαμμένη πόλις, πρότερον δὲ ἦν καθ' αὐτά, χρυσεῖα
ἔχοντα ἃ νῦν σπάνιά ἐστιν, ἔξαναλωμένα, καθάπερ τὰ
10 ἐν τῷ Τρωάῳ τὰ περὶ τὸν Πακτωλόν. ἀπὸ Ἀβύδου δ'
ἐπὶ Αἰσηπον περὶ ἑπτακοσίους φασὶ σταδίους, εὐθυ-
πλοία δὲ ἐλάττους.

Ἐξω δὲ Ἀβύδου τὰ περὶ τὸ Ἴλιον ἔστι, τὰ τε παρὰ C.592
24 λια ἕως Λεκτοῦ καὶ τὰ ἐν τῷ Τρωικῷ πεδίῳ καὶ τὰ πα-
15 ρώρεια τῆς Ἰδης τὰ ὑπὸ τῷ Αἰνείᾳ. διττῶς δὲ ταῦτ'
ὀνομάζει ὁ ποιητής, τοτὲ μὲν οὕτω λέγων „Δαρδανίων
„αὐτ' ἦρχεν ἐὺς πάις Ἀγχίσαιο,“ Δαρδανίους καλῶν,
τοτὲ δὲ Δαρδάνους „Τρῶες καὶ Λύκιοι καὶ Ἀρδανοὶ
„ἀγχιμαχῆται.“ εἰκὸς δ' ἐνταῦθα ἰδρυῖσθαι τὸ παλαιὸν
20 τὴν λεγομένην ὑπὸ τοῦ ποιητοῦ Δαρδανίαν „Ἀρδα-
„νον αὖ πρῶτον τέκετο νεφεληγερέτα Ζεὺς, κτίσσε δὲ
„Δαρδανίην.“ νῦν μὲν γὰρ οὐδ' ἶχνος πόλεως σώζε-
ται αὐτόθι.

Εἰκάζει δὲ Πλάτων μετὰ τοὺς κατακλυσμοὺς τρία 25
25 πολιτείας εἶδη συνίστασθαι· πρῶτον μὲν τὸ ἐπὶ τὰς
ἀκρωρείας ἀπλοῦν τι καὶ ἄγριον, δεδιότων τὰ ὕδατα
ἐπιπολάζοντα ἀκμὴν ἐν τοῖς πεδίοις· δεύτερον δὲ τὸ
ἐν ταῖς ὑπωρείαις, θαρρύντων ἤδη κατὰ μικρόν, ἅτε
δὴ καὶ τῶν πεδίων ἀρχομένων ἀναψύχεσθαι· τρίτον
30 δὲ τὸ ἐν τοῖς πεδίοις. λέγοι δ' ἂν τις καὶ τέταρτον καὶ
πέμπτον ἴσως καὶ πλείω, ὕστατον δὲ τὸ ἐν τῇ παραλίᾳ
καὶ ἐν ταῖς νήσοις, λελυμένου παντὸς τοῦ τοιούτου φό-

βου. τὸ γὰρ μᾶλλον καὶ ἤττον θαρρεῖν πλησιάζειν τῇ
 θαλάττῃ πλείους ἂν ὑπογράφοι διαφορὰς πολιτειῶν
 καὶ ἡθῶν, καθάπερ τῶν ἀπλῶν τε καὶ τῶν ἀγρίων
 * ἔτι πως ἐπὶ τὸ ἥμερον τῶν δευτέρων ὑποβεβηκότων.
 ἔστι δέ τις διαφορὰ καὶ παρὰ τοῦτοις τῶν ἀγροίκων 5
 καὶ μεσαγροίκων καὶ πολιτικῶν· ἄφ' ὧν ἤδη καὶ ἐπὶ
 τὸ ἀστεῖον καὶ ἄριστον ἡθὺς ἐτελεύτησεν ἡ τῶν ὀνο-
 μάτων κατ' ὀλίγον μετάληψις, κατὰ τὴν τῶν ἡθῶν ἐπὶ
 τὸ κρεῖττον μετὰστασιν, παρὰ τὰς τῶν τόπων καὶ τῶν
 βίων μεταβολάς. ταύτας δὴ τὰς διαφορὰς ὑπογράφειν 10
 φησὶ τὸν ποιητὴν ὁ Πλάτων, τῆς μὲν πρώτης πολιτείας
 παραδείγμα τιθέντα τὸν τῶν Κυκλώπων βίον, αὐτο-
 φρεῖς νεμομένων καρποὺς καὶ τὰς ἀκρωρείας κατεχόν-
 των ἐν σπηλαίοις τισίν· „ἀλλὰ τὰ γ' ἄσπαρτα καὶ ἀνή-
 ροτα πάντα φύονται,“ φησὶν, αὐτοῖς· „τοῖσιν δ' οὐκ 15
 „ἀγοραὶ βουλευφόροι, οὔτε θέμιστες· ἀλλ' οἳ γ' ὕψη-
 „λῶν ὀρέων ναίουσι κάρηνα ἐν σπέσσι γλαφυροῖσι,
 „θέμιστεῦει δὲ ἕκαστος παίδων ἡδ' ἀλόχων.“ τοῦ δὲ
 δευτέρου τὸν ἐπὶ τοῦ Δαρδάνου „κτίσσε δὲ Δαρδα-
 C.593 „νίην, ἐπεὶ οὕπω Ἴλιος ἱρὴ ἐν πεδίῳ πεπόλιστο, πόλις 20
 „μερόπων ἀνθρώπων, ἀλλ' ἔθ' ὑπωρείας ᾤκεον πο-
 „λυπιδάκου Ἰδῆς.“ τοῦ δὲ τρίτου ἐπὶ τοῦ Ἴλου τὸν ἐν
 τοῖς πεδίοις. τοῦτον γὰρ παραδιδόασι τοῦ Ἰλίου κτί-
 στην, ἄφ' οὔ καὶ τὴν ἐπωνυμίαν λαβεῖν τὴν πόλιν· εἰ-
 κὸς δὲ καὶ διὰ τοῦτο ἐν μέσῳ τῷ πεδίῳ τεθάρθαι αὐ- 25
 τόν, ὅτι πρῶτος ἐθάρρῃσεν ἐν τοῖς πεδίοις θέσθαι τὴν
 κατοικίαν „οἳ δὲ παρ' Ἴλου σῆμα παλαιοῦ Δαρδανίδαο
 „μέσσον κἂπ πεδίον παρ' ἐρινεὸν ἐσσεύοντο.“ οὐδ'
 οὗτος δὲ τελέως ἐθάρρῃσεν· οὐ γὰρ ἐνταῦθα ἵδρυσεν
 τὴν πόλιν ὅπου νῦν ἔστιν, ἀλλὰ σχεδὸν τι τριάκοντα 30
 σταδίοις ἀνωτέρω πρὸς ἑω καὶ πρὸς τὴν Ἰδὴν καὶ τὴν
 Δαρδανίαν κατὰ τὴν νῦν καλουμένην Ἰλίων κώμην.

οἱ δὲ νῦν Ἰλιεῖς φιλοδοξοῦντες καὶ θέλοντες εἶναι ταύ-
την τὴν παλαιὰν παρεσχήκασιν λόγον τοῖς ἐκ τῆς Ὀμή-
ρου ποιήσεως τεκμαιρομένοις· οὐ γὰρ ἔοικεν αὕτη εἶ-
ναι ἢ καθ' Ὀμηρον. καὶ ἄλλοι δὲ ἱστοροῦσι πλείους
5 μεταβεβληκέναι τόπους τὴν πόλιν, ὕστατα δ' ἐνταῦθα
συμμεῖναι κατὰ Κροῖσον μάλιστα. τὰς δὲ τοιαύτας με-
ταβάσεις εἰς τὰ κάτω μέρη τὰς τότε συμβαινούσας
ὑπολαμβάνω καὶ βίωσιν καὶ πολιτειῶν ὑπογράφειν δια-
φοράς. ἀλλὰ ταῦτα μὲν καὶ ἄλλοτε ἐπισκεπτέον.

10 Τὴν δὲ τῶν Ἰλιέων πόλιν τῶν νῦν τέως μὲν κώμην 26
εἶναι φασὶ τὸ ἱερὸν ἔχουσαν τῆς Ἀθηναῆς μικρὸν καὶ
εὐτελές, Ἀλέξανδρον δὲ ἀναβάντα μετὰ τὴν ἐπὶ Γρανί-
κῳ νίκην ἀναθήμασί τε κοσμήσαι τὸ ἱερὸν καὶ προσάγο-
ρεῦσαι πόλιν καὶ οἰκοδομίαις ἀναλαβεῖν προστάξει τοῖς
15 ἐπιμεληταῖς ἐλευθέραν τε κρῖναι καὶ ἄφορον· ὕστερον
δὲ μετὰ τὴν κατάλυσιν τῶν Περσῶν ἐπιστολήν κατα-
πέμψαι φιλάνθρωπον, ὑπισχνούμενον πόλιν τε ποιῆσαι
μεγάλην καὶ ἱερὸν ἐπισημότατον καὶ ἀγῶνα ἀποδείξειν
ἱερόν. μετὰ δὲ τὴν ἐκείνου τελευτὴν Αὐσίμαχος μάλιστα
20 τῆς πόλεως ἐπεμελήθη καὶ νεῶν κατεσκεύασε καὶ τεῖχος
περιεβάλετο ὅσον τετταράκοντα σταδίων, συνώκισέ τε
εἰς αὐτὴν τὰς κύκλῳ πόλεις ἀρχαίας ἥδη κεκακωμένας,
ὅτε καὶ Ἀλεξανδρείας ἥδη ἐπεμελήθη, συνωκισμένης
μὲν ἥδη ὑπ' Ἀντιγόνου καὶ προσηγορευμένης Ἀντιγο-
25 νείας, μεταβαλούσης δὲ τοῦνομα· ἔδοξε γὰρ εὐσεβὲς
εἶναι τοὺς Ἀλέξανδρον διαδεξαμένους ἐκείνου πρότε-
ρον κτίζειν ἐπωνύμους πόλεις, εἰδ' ἑαυτῶν· καὶ δὴ
καὶ συνέμεινε καὶ αὐῆξιν ἐσχέ, νῦν δὲ καὶ Ῥωμαίων
ἀποικίαν δέδεκται καὶ ἔστι τῶν ἐλλογίμων πόλεων. C.594

30 Καὶ τὸ Ἴλιον δ' ὃ νῦν ἔστι κωμόπολις τις ἦν, ὅτε 27
πρῶτον Ῥωμαῖοι τῆς Ἀσίας ἐπέβησαν καὶ ἐξέβαλον
Ἀντίοχον τὸν μέγαν ἐκ τῆς ἐντὸς τοῦ Ταύρου. φησὶ

γοῦν Δημήτριος ὁ Σκήψιος, μεράκιον ἐπιδημήσας εἰς
 τὴν πόλιν κατ' ἐκείνους τοὺς καιρούς, οὕτως ὀλιγω-
 ρημένην ἰδεῖν τὴν κατοικίαν ὥστε μηδὲ κεραμωτάς
 ἔχειν τὰς στέγας· Ἠγησιάνναξ δὲ τοὺς Γαλάτας περαι-
 ωθέντας ἐκ τῆς Εὐρώπης ἀναβῆναι μὲν εἰς τὴν πόλιν 5
 δεομένους ἐρύματος, παρὰ χρῆμα δ' ἐκλιπεῖν διὰ τὸ
 ἀτείχιστον· ὕστερον δ' ἐπανόρθωσιν ἔσχε πολὺ ἦν. εἴτ'
 ἐκάκωσαν αὐτὴν πάλιν οἱ μετὰ Φιμβρίου Ῥωμαῖοι λα-
 βόντες ἐκ πολιορκίας ἐν τῷ Μιθριδατικῷ πολέμῳ.
 συνεπέμφθη δὲ ὁ Φιμβρίας ὑπὸ τῷ Ὑαλερίῳ Φλάκκῳ 10
 ταμίας προχειρισθέντι ἐπὶ τὸν Μιθριδάτην· καταστα-
 σιάσας δὲ καὶ ἀνελὼν τὸν ὑπατον κατὰ Βιθυνίαν αὐ-
 τὸς κατεστάθη κύριος τῆς στρατιᾶς, καὶ προελθὼν εἰς
 Ἴλιον, οὐ δεχομένων αὐτὸν τῶν Ἰλιέων ὥς ληστήν,
 βίαν τε προσφέρει καὶ δεκαταλοὺς αἰρεῖ· καυχωμένου 15
 δ' ὅτι ἦν Ἀγαμέμνων πόλιν δεκάτῳ ἔτει μόλις εἶλε
 τὸν χιλιόναυτον στόλον ἔχων καὶ τὴν σύμπασαν Ἑλλάδα
 συστρατεύουσαν, ταύτην αὐτὸς δεκάτῃ ἡμέρᾳ χειρώ-
 σαίτο, εἰπέ τις τῶν Ἰλιέων, „οὐ γὰρ ἦν Ἐκτωρ ὁ ὑπερ-
 „μαχὼν τῆς πόλεως.“ τοῦτον μὲν οὖν ἐπελθὼν Σὺλ- 20
 λας κατέλυσε, καὶ τὸν Μιθριδάτην κατὰ συμβάσεις εἰς
 τὴν οἰκίαν ἀπέπεμψε, τοὺς δ' Ἰλιέας παρεμυθήσατο
 πολλοῖς ἐπανορθώμασι. καθ' ἡμᾶς μέντοι Καῖσαρ ὁ
 θεὸς πολὺ πλεον αὐτῶν προϋνόησε ζηλώσας ἅμα καὶ
 Ἀλέξανδρον· ἐκεῖνος γὰρ κατὰ συγγενείας ἀνανέωσιν 25
 ᾤρησε προνοεῖν αὐτῶν, ἅμα καὶ φιλόμηρος ὢν· φέ-
 ρεται γοῦν τις διόρθωσις τῆς Ὀμήρου ποιήσεως, ἥ ἐκ
 τοῦ νάρθηκος λεγομένη, τοῦ Ἀλεξάνδρου μετὰ τῶν
 περὶ Καλλισθένη καὶ Ἀνάξαρχον ἐπελθόντος καὶ ση-
 μειωσαμένου τινά, ἔπειτα καταθέντος εἰς νάρθηκα ὃν 30
 ἠΐρην ἐν τῇ Περσικῇ γάξῃ πολυτελῶς κατεσκευασμέ-
 νον. κατὰ τε δὴ τὸν τοῦ ποιητοῦ ζῆλον καὶ κατὰ τὴν

συγγένειαν τὴν ἀπὸ τῶν Αἰακιδῶν τῶν ἐν Μολοττοῖς βασιλευσάντων, παρ' οἷς καὶ τὴν Ἀνδρομάχην ἰστοροῦσι βασιλεῦσαι τὴν Ἑκτορος γενομένην γυναικα, ἐφιλοφρονεῖτο πρὸς τοὺς Ἰλιέας ὁ Ἀλέξανδρος· ὁ δὲ
 5 Καῖσαρ καὶ φιλαλέξανδρος ὦν καὶ τῆς πρὸς τοὺς Ἰλιέας συγγενείας γνωριμώτερα ἔχων τεκμήρια, ἐπερρώσθη πρὸς τὴν εὐεργεσίαν νεανικῶς· γνωριμώτερα δέ, προῶτον μὲν ὅτι Ῥωμαῖος, οἱ δὲ Ῥωμαῖοι τὸν Αἰνείαν ἀρχη-
 10 τὴν ἡγοῦνται, ἔπειτα ὅτι Ἰούλιος ἀπὸ Ἰούλου τινὸς τῶν προγόνων· ἐκεῖνος δ' ἀπὸ Ἰούλου τὴν προσωνυμίαν ἔσχε ταύτην, τῶν ἀπογόνων εἷς ὢν τῶν ἀπὸ Αἰνείου. χώραν τε δὴ προσένειμεν αὐτοῖς καὶ τὴν ἐλευθερίαν καὶ τὴν ἀλειτουργησίαν αὐτοῖς συνεφύλαξε καὶ
 15 ἕως νῦν συμμένουσιν ἐν τούτοις. ὅτι δ' οὐκ ἐνταῦθα ἴδρυνται τὸ παλαιὸν Ἴλιον καθ' Ὁμηρον σκοποῦσιν, ἐκ τῶν τοιῶνδε τεκμαίρονται. πρότερον δὲ ὑπογραπτέον τοὺς τόπους ἀπὸ τῆς παραλίας ἀρξαμένους ἀφ' ἧς περ ἐλίπομεν.

Ἔστι τοίνυν μετ' Ἀβυδὸν ἥ τε Δαρδανίς ἄκρα, ἧς 28
 20 μικρὸν πρότερον ἐμνήσθημεν, καὶ ἡ πόλις ἡ Δάρδανος, διέχουσα τῆς Ἀβύδου ἑβδομήκοντα σταδίου. μετὰ τὴν οὗ Ῥοδίου ἐκπίπτει ποταμός, καθ' ὃν ἐν τῇ Χερρονήσῳ τὸ Κυνὸς σῆμά ἐστιν, ὃ φασιν Ἐκάβης εἶναι τάφον· οἱ δὲ τὸν Ῥοδίον εἰς τὸν Αἰῶνον ἐμβάλλειν φασίν· εἷς δ'
 25 ἐστὶ τῶν ὑπὸ τοῦ ποιητοῦ λεγομένων καὶ οὗτος „Ῥῆσός τε, ἔπειτα πόλις τε Κάρησός τε Ῥοδίου τε.“ ἡ δὲ Δάρδανος κτίσμα ἀρχαῖον, οὕτω δ' εὐκαταφρόνητον ὥστε πολλάκις οἱ βασιλεῖς οἱ μὲν μετῴκιζον αὐτὴν εἰς Ἀβυδὸν οἱ δὲ ἀνῴκιζον πάλιν εἰς τὸ ἀρχαῖον κτίσμα. ἐν-
 30 ταῦθα δὲ συνῆλθον Σύλλας τε Κορνήλιος ὁ τῶν Ῥωμαίων ἡγεμὼν καὶ Μιθριδάτης ὁ κληθεὶς Εὐπάτωρ, καὶ συνέβησαν πρὸς ἀλλήλους ἐπὶ καταλύσει τοῦ πολέμου.

- 29 Πλησίον δ' ἐστὶ τὸ Ὀφρύνιον, ἐφ' ᾧ τὸ τοῦ Ἑκτο-
ρος ἄλσος ἐν περιφανεῖ τόπῳ· καὶ ἐφεξῆς * λίμνη
Πτελεῶς.
- 30 Εἴτα Ῥοίτειον πόλις ἐπὶ λόφῳ κειμένη καὶ τῷ Ῥοι-
τείῳ συνεκτῆς ἡὼν ἀλιτενῆς, ἐφ' ἣ μνημα καὶ ἱερὸν δ
Αἰαντος καὶ ἀνδριάς, ὃν ἄραντος Ἀντωνίου κομισθέν-
τα εἰς Αἴγυπτον ἀπέδωκε τοῖς Ῥοιτειεῦσι πάλιν, κα-
θάπερ καὶ ἄλλοις [ἄλλους], ὁ Σεβαστὸς Καῖσαρ. τὰ
γὰρ κάλλιστα ἀναθήματα ἐκ τῶν ἐπιφανεστάτων ἱε-
ρῶν ὁ μὲν ἦρε τῇ Αἴγυπτίᾳ χαριζόμενος, ὁ δὲ θεοῖς 10
ἀπέδωκε.
- 31 Μετὰ δὲ τὸ Ῥοίτειον ἔστι τὸ Σίγειον, κατεσπα-
σμένη πόλις, καὶ τὸ ναύσταθμον καὶ ὁ Ἀχαιῶν λιμὴν
καὶ τὸ Ἀχαικὸν στρατόπεδον καὶ ἡ στομαλίμνη καλου-
μένη καὶ αἱ τοῦ Σκαμάνδρου ἐκβολαί. συμπεσόντες 15
γὰρ ὅ τε Σιμόεις καὶ ὁ Σκάμανδρος ἐν τῷ πεδίῳ πολ-
λὴν καταφέρουτες ἰλὺν προσχοῦσι τὴν παραλίαν καὶ
τυφλὸν στόμα τε καὶ λιμνοθαλάττας καὶ ἔλη ποιοῦσι.
κατὰ δὲ τὴν Σιγειαῖδα ἄκραν ἐστὶν ἐν τῇ Χερρουνήσῳ τὸ
Πρωτεσιλάειον καὶ ἡ Ἐλαιουῦσσα, περὶ ᾧν εἰρήκαμεν 20
ἐν τοῖς Θρακίοις.
- 32 Ἔστι δὲ τὸ μῆκος τῆς παραλίας ταύτης ἀπὸ τοῦ
Ῥοιτείου μέχρι Σιγείου καὶ τοῦ Ἀχιλλέως μνημάτος
C.596 εὐθύπλοοντων ἐξήκοντα σταδίων· ὑποπέπτωκε δὲ
τῷ Ἰλίῳ πᾶσα, τῷ μὲν νῦν κατὰ τὸν Ἀχαιῶν λιμένα 25
ὅσον δώδεκα σταδίους διέχουσα, τῷ δὲ προτέρῳ τρι-
άκοντα ἄλλοις σταδίοις ἀνωτέρῳ κατὰ τὸ πρὸς τὴν
Ἰθὴν μέρος. τοῦ μὲν οὖν Ἀχιλλέως καὶ ἱερὸν ἐστὶ καὶ
μνημα πρὸς τῷ Σιγείῳ, Πατρόκλου δὲ καὶ Ἀντιλόχου
μνηματα, καὶ ἐναγίζουσιν οἱ Ἰλιεῖς πᾶσι καὶ τούτοις 30

δ. ante ἐφ' ἣ: Αἰάντειον

καὶ τῷ Αἴαντι. Ἡρακλέα δ' οὐ τιμῶσιν αἰτιώμενοι τὴν
 ὑπ' αὐτοῦ πόρῃθυσιν. ἀλλ' ἐκεῖνος μὲν, φαίη τις ἄν,
 οὕτως ἐπόρῃθυσεν ὥστ' ἀπολιπεῖν τοῖς ὕστερον ἐκπορ-
 θήσουσι κεκακωμένην μὲν, πόλιν δέ· διὸ καὶ οὕτως εἰ-
 5 ρηκεν ὁ ποιητὴς „Ἰλίου ἐξαλάπαξε πόλιν, χήρωσε δ'
 „ἄγνυιάς.“ ἡ γὰρ χηρεία λειπανδρία τίς ἐστίν, οὐκ ἀφα-
 νισμὸς τέλειος· οὗτοι δ' ἠφάνισαν τελέως, οἷς ἐναγί-
 ζειν ἀξιοῦσι καὶ τιμᾶν ὡς θεούς· εἰ μὴ τοῦτ' αἰτιά-
 σαιτο διότι οὗτοι μὲν δίκαιον πόλεμον ἐξήνεγκαν,
 10 ἐκεῖνος δὲ ἄδικον „ἔνεχ' ἵππων Λαομέδοντος.“ πρὸς
 τοῦτο δὲ πάλιν ἀντιτίθεται μῦθος· οὐ γὰρ ἔνεκα ἵπ-
 πων, ἀλλὰ μισθοῦ ὑπὲρ τῆς Ἡσιόνης καὶ τοῦ κήτους.
 ἀλλ' ἐάσωμεν ταῦτα· εἰς γὰρ μύθων ἀνασκευὰς ἐκπί-
 πτει· τάχα δὲ λανθάνουσί τινες ἡμᾶς αἰτίαι πιστότε-
 15 ραι δι' ἃς τοῖς Ἰλιεῦσιν ἐπῆλθε τοὺς μὲν τιμᾶν τοὺς δὲ
 μῆ. ἔοικε δὲ ὁ ποιητὴς μικρὰν ἀποφαίνειν τὴν πόλιν
 ἐν τῷ περὶ Ἡρακλέους λόγῳ, εἶπερ „ἔξ οἷης σὺν νηυσὶ
 „καὶ ἀνδράσι παυροτέροισιν Ἰλίου ἐξαλάπαξε πόλιν.“
 καὶ φαίνεται ὁ Πρίαμος τῷ τοιοῦτῳ λόγῳ μέγας ἐκ μι-
 20 κροῦ γεγονὼς καὶ βασιλεὺς βασιλέων, ὡς ἔφραμεν. μι-
 κρὸν δὲ προσελθοῦσιν ἀπὸ τῆς παραλίας ταύτης ἐστὶ τὸ
 Ἀχάειον ἥδη τῆς Τενεδίων περαίας ὑπάρχον.

Τοιούτων δὲ τῶν ἐπὶ τῇ θαλάττῃ τόπων ὄντων 33
 ὑπέρεκται τούτων τὸ Τρωικὸν πεδῖον μέχρι τῆς Ἰδης
 25 ἀνῆκον ἐπὶ πολλοὺς σταδίους κατὰ τὸ πρὸς ἑὸ μέρος.
 τούτου δ' ἡ μὲν παρῳρείος ἐστὶ στενὴ, τῇ μὲν ἐπὶ τὴν
 μεσημβρίαν τεταμένη μέχρι τῶν κατὰ Σκῆψιν τόπων,
 τῇ δ' ἐπὶ τὰς ἄρκτους μέχρι τῶν κατὰ Ζέλειαν Λυκίων.
 ταύτην δ' ὁ ποιητὴς ὑπ' Αἰνεία τάττει καὶ τοῖς Ἀντη-
 30 νορίδαις, καλεῖ δὲ Δαρδανίαν. ὑπὸ δὲ ταύτῃ Κεβρὴ-
 νία, πεδιάς ἡ πλείστη, παράλληλός πως τῇ Δαρδανίᾳ·
 ἣν δὲ καὶ πόλις ποτὲ Κεβρῆνη. ὑπονοεῖ δ' ὁ Δημήτριος

μέχρι δεῦρο διατείνειν τὴν περὶ τὸ Ἴλιον χώραν τὴν
 ὑπὸ τῷ Ἑκτορι, ἀνήκουσαν ἀπὸ τοῦ ναυστάθμου μέχρι
 Κεβρηνίας· τάφον τε γὰρ Ἀλεξάνδρου δείκνυσθαί φη-
 σιν αὐτόθι καὶ Οἰνώνης, ἣν ἱστοροῦσι γυναῖκα γεγο-
 νέναι τοῦ Ἀλεξάνδρου πρὶν Ἑλένην ἀρπάσαι· λέγειν 5
 τε τὸν ποιητὴν „Κεβριόνην νόθον υἱὸν ἀγακλῆος Πρι-
 C.597, „άμοιο,“ ὃν εἰκὸς εἶναι ἐπώνυμον τῆς χώρας ἢ καὶ πό-
 λεως, ὅπερ πιθανώτερον· τὴν δὲ Κεβρηνίαν διήκειν
 μέχρι τῆς Σκηψίας, ὅριον δ' εἶναι τὸν Σκάμανδρον
 μέσον αὐτῶν ῥέοντα· ἔχθραν δ' αἰεὶ καὶ πόλεμον εἶναι 10
 τοῖς τε Κεβρηνοῖς καὶ τοῖς Σκηψίοις, ἕως Ἀντίγονος
 αὐτοὺς συνῶκισεν εἰς τὴν τότε μὲν Ἀντιγόνηαν νῦν δὲ
 Ἀλεξάνδρειαν· τοὺς μὲν οὖν Κεβρηνιάς συμμεῖναι
 τοῖς ἄλλοις ἐν τῇ Ἀλεξανδρείᾳ, τοὺς δὲ Σκηψίους ἐπαν-
 ελθεῖν εἰς τὴν οἰκίαν ἐπιτρέψαντος Λυσιμάχου. 15

34 Ἀπὸ δὲ τῆς κατὰ [τούτους] τοὺς τόπους Ἰδαίας
 ὄρεινῆς δύο φησὶν ἀγκῶνας ἐκτείνεσθαι πρὸς θάλατ-
 ταν, τὸν μὲν εὐθὺ Ῥοιτείου τὸν δὲ Σιγείου, ποιοῦντας
 ἕξ ἀμφοῖν γραμμὴν ἡμικυκλιώδη· τελευτᾶν δ' ἐν τῷ
 πεδίῳ, τοσοῦτον ἀπέχοντας τῆς θαλάττης ὅσον τὸ νῦν 20
 Ἴλιον. τοῦτο μὲν δὴ μεταξὺ τῆς τελευτῆς τῶν λεχθέν-
 των ἀγκῶνων εἶναι, τὸ δὲ παλαιὸν κτίσμα μεταξὺ τῆς
 ἀρχῆς· ἀπολαμβάνεσθαι δ' ἐντὸς τό τε Σιμοείσιον πε-
 δίου δι' οὗ ὁ Σιμόεις φέρεται, καὶ τὸ Σκαμάνδριον δι'
 οὗ Σκάμανδρος ῥεῖ. τοῦτο δὲ καὶ ἰδίως Τρωικὸν λέγε- 25
 ται, καὶ τοὺς πλείστους ἀγκῶνας ὁ ποιητὴς ἐνταῦθα
 ἀποδίδωσι· πλατύτερον γάρ ἐστι, καὶ τοὺς ὀνομαζο-
 μένους τόπους ἐνταῦθα δεικνυμένους ὀρῶμεν, τὸν
 ἐρινεόν, τὸν τοῦ Αἰσυνήτου τάφον, τὴν Βατίειαν, τὸ
 τοῦ Ἴλου σῆμα. οἱ δὲ ποταμοὶ ὅ τε Σκάμανδρος καὶ ὁ 30
 Σιμόεις, ὁ μὲν τῷ Σιγείῳ πλησιάσας ὁ δὲ τῷ Ῥοιτείῳ,
 μικρὸν ἔμπροσθεν τοῦ νῦν Ἰλίου συμβάλλουσιν, εἴτ'

ἐπὶ τὸ Σίγειον ἐκδιδόασι καὶ ποιοῦσι τὴν στομαλὶμνην καλουμένην. διείργει δ' ἑκάτερον τῶν λεχθέντων πεδίων ἀπὸ θατέρου μέγας τις ἀνὰ τὴν τῶν εἰρημένων ἀγκῶνων ἐπ' εὐθείας, ἀπὸ τοῦ νῦν Ἰλίου τὴν ἀρχὴν 5 ἔχων συμφυῆς αὐτῷ, τεινόμενος δ' ἕως τῆς Κεβρηνίας καὶ ἀποτελῶν τὸ ἑγράμμημα πρὸς τοὺς ἐκατέρωθεν ἀγκῶνας.

Ἐπεὶ δὲ τούτου μικρὸν ἢ τῶν Ἰλιέων κώμη ἐστίν, 35 ἐν ἣ νομίζεται τὸ παλαιὸν Ἴλιον ἰδρῦσθαι πρότερον, 10 τριάκοντα σταδίους διέχον ἀπὸ τῆς νῦν πόλεως. ὑπερ δὲ τῆς Ἰλιέων κώμης δέκα σταδίους ἐστίν ἡ Καλλικολώνη, λόφος τις, παρ' ὃν ὁ Σιμόεις ῥεῖ πενταστάδιον διέχων· γίνεται οὖν εὐλογον πρῶτον μὲν τὸ ἐπὶ τοῦ Ἄρεος „ὦρτο δ' Ἄρης ἐτέρωθεν ἐρεμνῇ λαίλαπι ἴσος, 15 „ὁξὺν κατ' ἀκροτάτης πόλιος Τρώεσσι κελεύαν, ἄλλοτε „παρ Σιμόεντι θέων ἐπὶ Καλλικολώνῃ.“ τῆς γὰρ μά-C.598 χης ἐπὶ τῷ Σκαμανδρίῳ πεδίῳ συντελουμένης πιδανῶς ἂν ὁ Ἄρης ἄλλοτε μὲν τὴν ἐγκέλευσιν ἀπὸ τῆς ἀκροπόλεως ποιοῖτο, ἄλλοτε δ' ἐκ τῶν πλησίον τόπων 20 τοῦ τε Σιμόεντος καὶ τῆς Καλλικολώνης, μέχρι οὗ εἰκὸς καὶ τὴν μάχην παρατετάσθαι· τετταράκοντα δὲ σταδίους διεχούσης τῆς Καλλικολώνης ἀπὸ τοῦ νῦν Ἰλίου, τί χρήσιμον ἐπὶ τοσοῦτον μεταλαμβάνεσθαι τοὺς τόπους ἐφ' ὅσον ἢ διάταξις οὐ διέτεινε; τό τε „πρὸς Θύμ- 25 „βρης δ' ἔλαχον Λύκιοι“ οἰκειότερόν ἐστι τῷ παλαιῷ κτίσματι· πλησίον γὰρ ἐστὶ τὸ πεδίον ἢ Θύμβρα καὶ ὁ δι' αὐτοῦ ῥέων ποταμὸς Θύμβριος, ἐμβάλλων εἰς τὸν Σκάμανδρον κατὰ τὸ Θυμβραίου Ἀπόλλωνος ἱερόν, τοῦ δὲ νῦν Ἰλίου καὶ πεντήκοντα σταδίους διέχει. ὁ τε 30 ἔρινεός, τραχὺς τις τόπος καὶ ἐρινεώδης, τῷ μὲν ἀρχαίῳ κτίσματι ὑποπέπτωκεν, ὥστε τὸ „λαὸν δὲ στησον „παρ' ἐρινεόν, ἔνθα μάλιστα ἀμβατός ἐστι πόλις καὶ

„ἐπίδρομον ἔπλετο τεῖχος“ οἰκείως ἂν λέγοι ἡ Ἀνδρομάχη· τῆς δὲ νῦν πόλεως πάμπολυ ἀφέστηκε· καὶ ὁ φηγὸς δὲ μικρὸν κατωτέρω ἐστὶ τοῦ ἐρινεοῦ, ἐφ’ οὗ φησιν ὁ Ἀχιλλεύς „ὄφρα δ’ ἐγὼ μετ’ Ἀχαιοῖσιν πολέμιζον, οὐκ ἐθέλεσκε μάχην ἀπὸ τείχεος ὀρνύμεν Ἐκτωρ, ἀλλ’ 5 ὅσον ἐς Σκαιάς τε πύλας καὶ φηγὸν ἵκανε.“

- 36 Καὶ μὴν τό γε ναύσταθμον τὸ νῦν ἔτι λεγόμενον πλησίον οὕτως ἐστὶ τῆς νῦν πόλεως, ὥστε θαυμάζειν εἰκότως ἂν τινα τῶν μὲν τῆς ἀπονοίας τῶν δὲ τοῦναντίον τῆς ἀψυχίας· ἀπονοίας μὲν, εἰ τοσοῦτον χρόνον 10 ἀτείχιστον αὐτὸ εἶχον, πλησίον οὔσης τῆς πόλεως καὶ τοσοῦτον πλήθους τοῦ τ’ ἐν αὐτῇ καὶ τοῦ ἐπικουρικοῦ· νεωστὶ γὰρ γεγονέναι φησὶ τὸ τεῖχος (ἢ οὐδ’ ἐγένετο, ὁ δὲ πλάσας ποιητὴς ἠφάνισεν, ὡς Ἀριστοτέλης φησὶν)· ἀψυχίας δέ, εἰ γενομένου τοῦ τείχους ἐτειχομάχουν καὶ 15 εἰσέπεσον εἰς αὐτὸ τὸ ναύσταθμον καὶ προσεμάχοντο ταῖς ναυσίν, ἀτείχιστον δὲ ἔχοντες οὐκ ἐθάρρουν προσιόντες πολιορκεῖν μικροῦ τοῦ διαστήματος ὄντος· ἔστι γὰρ τὸ ναύσταθμον πρὸς Σιγείῳ, πλησίον δὲ καὶ ὁ Σκάμανδρος ἐκδίδωσι διέχων τοῦ Ἰλίου σταδίους εἰκο- 20 σιν. εἰ δὲ φήσῃ τις τὸν νῦν λεγόμενον Ἀχαιῶν λιμένα εἶναι τὸ ναύσταθμον, ἐγγυτέρω τινὰ λέξει τόπον ὅσον δώδεκα σταδίους διεστῶτα τῆς πόλεως, [τὸ] ἐπὶ θαλάττῃ πεδίον συμπροστιθεῖς ... διότι τοῦτο πᾶν πρό- 25 χωμα τῶν ποταμῶν ἐστὶ τὸ πρὸ τῆς πόλεως ἐπὶ θαλάττῃ πεδίον, ὥστε εἰ δωδεκαστάδιον ἐστι νῦν τὸ με- C.599 ταξύ, τότε καὶ τῷ ἡμίσει ἔλαττον ὑπῆρχε. καὶ ἡ διήγησις δ’ ἢ πρὸς τὸν Εὐμαίον ὑπὸ τοῦ Ὀδυσσέως διασκευασθεῖσα μέγα ἐμφαίνει τὸ διάστημα τὸ μέχρι τῆς πόλεως ἀπὸ τοῦ ναυστάθμου „ὥς ὅθ’ ὑπὸ Τροίῃ λό- 30 „χον ἤγομεν.“ φησὶ γὰρ ὑποβάς „λίην γὰρ νηῶν ἐκάς „ἦλθομεν.“ ἐπὶ τε τὴν κατασκοπὴν πέμπονται γνω-

σόμενοι, πότερον μενούσι παρὰ νηυσὶν ἀπόπροθεν
 πολὺ ἀπεσπασμένοι τοῦ οἴκειον τείχους „ἥ πόλινδε
 „ἂψ ἀναχωρήσουσι.“ καὶ ὁ Πολυδάμας „ἀμφὶ μάλα
 „φράξεσθε, φίλοι· κέλομαι γὰρ ἔγωγε ἄστυδε νῦν ἐ-
 5 „ναι“ φησὶν „ἐκὰς δ' ἀπὸ τείχεός εἰμεν.“ παρατίθησι
 δ' ὁ Δημήτριος καὶ τὴν Ἀλεξανδρίνην Ἑστίαϊαν μάρ-
 τυρα, τὴν συγγράψασαν περὶ τῆς Ὀμήρου Ἰλιάδος,
 πυνθανομένην εἰ περὶ τὴν νῦν πόλιν ὁ πόλεμος συν-
 ἔσται, καὶ ... τὸ Τρωικὸν πεδῖον, ὃ μεταξὺ τῆς πόλεως
 10 καὶ τῆς θαλάττης ὁ ποιητὴς φράζει· τὸ μὲν γὰρ πρὸ
 τῆς νῦν πόλεως ὀρώμενον πρόχωμα εἶναι τῶν ποτα-
 μῶν ὕστερον γεγονός. ὃ τε Πολίτης „ὅς Τρώων σκο- 37
 „πὸς ἴξε ποδωκείησι πεποιθώς, τύμβῳ ἐπ' ἀκροτάτῳ
 „Αἰσυνήταο γέροντος,“ μάταιος ἦν. καὶ γὰρ εἰ ἐπ'
 15 ἀκροτάτῳ, ὅμως [ἀπὸ] πολὺ ἂν μείζονος ὕψους τῆς
 ἀκροπόλεως ἐσκόπευεν ἐξ ἴσου σχεδόν τι διαστήματος,
 μὴ δεόμενος μηδὲν τῆς ποδωκείας τοῦ ἀσφαλοῦς χά-
 ριν· πέντε γὰρ διέχει σταδίους ὁ νῦν δεικνύμενος τοῦ
 Αἰσυνήτου τάφος κατὰ τὴν εἰς Ἀλεξάνδρειαν ὁδόν. οὐδ'
 20 ἡ τοῦ Ἐκτορος δὲ περιδρομὴ ἢ περὶ τὴν πόλιν ἔχει τι
 εὐλογον· οὐ γὰρ ἐστὶ περιδρομος ἢ νῦν διὰ τὴν συν-
 εχὴν ῥάχιν· ἢ δὲ παλαιὰ ἔχει περιδρομήν.

Οὐδὲν δ' ἔχνος σῴζεται τῆς ἀρχαίας πόλεως. εἰ- 38
 κότεως· ἅτε γὰρ ἐκπεπορημένων τῶν κύκλῳ πόλεων,
 25 οὐ τελείως δὲ κατεσπασμένων, ταύτης δ' ἐκ βάθρων
 ἀνατετραμμένης, οἱ λίθοι πάντες εἰς τὴν ἐκείνων ἀνά-
 ληψιν μετηνεχθήσαν. Ἀρχαίανακτα γοῦν φασι τὸν Μι-
 τυληναῖον ἐκ τῶν ἐκεῖθεν λίθων τὸ Σίγειον τειχίσαι.
 τοῦτο δὲ κατέσχον μὲν Ἀθηναῖοι Φρύνωνα τὸν Ὀλυμ-
 30 πιονίκην πέμψαντες, Λεσβίων ἐπιδικαζομένων σχεδόν
 τι τῆς συμπασης Τρωάδος· ὧν δὴ καὶ κτίσματά εἰσιν
 αἱ πλεῖσται τῶν κατοικιῶν, αἱ μὲν συμμένουσαι καὶ

C.600 νῦν αἱ δ' ἠφανισμένοι. Πιττακὸς δ' ὁ Μιτυληναῖος, εἷς τῶν ἐπὶ σοφῶν λεγομένων, πλεύσας ἐπὶ τὸν Φρύ-
 νωνα στρατηγὸν διεπολέμει τέως διατιθεὶς καὶ πάσχων
 κακῶς, ὕστερον δ' ἐκ μονομαχίας, προκαλεσαμένου
 τοῦ Φρύωνος, ἀλιευτικὴν ἀναλαβὼν σκευὴν συνέ- 5
 δραμε, καὶ τῷ μὲν ἀμφιβλήστρω περιέβαλε τῇ τριαίνῃ
 δὲ καὶ τῷ ξιφιδίῳ ἔπειρε καὶ ἀνεῖλε. μένοντος δ' ἔτι
 τοῦ πολέμου Περίανδρος διαιτητὴς αἰρεθεὶς ὑπὸ ἀμ-
 φοῖν ἔλυσε τὸν πόλεμον.

39 Τίμαιον δὲ ψεύσασθαί φησιν ὁ Δημήτριος Ἰστο- 10
 ροῦντα ἐκ τῶν λίθων τῶν ἐξ Ἰλίου Περίανδρον ἐπιτει-
 χίσαι τὸ Ἀχίλλειον τοῖς Ἀθηναίοις, βοηθοῦντα τοῖς
 περὶ Πιττακόν· ἐπιτειχισθῆναι μὲν γὰρ ὑπὸ τῶν Μι-
 τυληναίων τὸν τόπον τοῦτον τῷ Σιγείῳ, οὐ μὲν ἐκ λί-
 θων τοιούτων οὐδ' ὑπὸ τοῦ Περίανδρου. πῶς γὰρ ἂν 15
 αἰρεθῆναι διαιτητὴν τὸν προσπολεμοῦντα; Ἀχίλλειον
 δ' ἔστιν ὁ τόπος ἐν ᾧ τὸ Ἀχιλλέως μνημα, κατοικία μι-
 κρά. κατέσκαπται δὲ καὶ τὸ Σίγειον ὑπὸ τῶν Ἰλιέων
 ἀπειθοῦν· ὑπ' ἐκείνοις γὰρ ἦν ὕστερον ἡ παραλία
 πᾶσα ἡ μέχρι Δαρδάνου, καὶ νῦν ὑπ' ἐκείνοις ἐστί. τὸ 20
 δὲ παλαιὸν ὑπὸ τοῖς Αἰολεῦσιν ἦν τὰ πλείστα, ὥστε
 Ἔφορος οὐκ ὀκνεῖ πᾶσαν τὴν ἀπὸ Ἀβύδου μέχρι Κύ-
 μης καλεῖν Αἰολίδα. Θουκυδίδης δὲ φησιν ἀφαιρεθῆ-
 ναι τὴν Τροίαν ὑπὸ Ἀθηναίων τοὺς Μιτυληναίους ἐν
 τῷ Πελοποννησιακῷ πολέμῳ τῷ Παχητείῳ. 25

40 Λέγουσι δ' οἱ νῦν Ἰλιεῖς καὶ τοῦτο ὡς οὐδὲ τελέως
 ἠφανίσθαι συνέβαινεν τὴν πόλιν κατὰ τὴν ἄλωσιν ὑπὸ

4. post κακῶς: ὅτε καὶ Ἀλκαῖος φησιν ὁ ποιητής, ἑαυτὸν ἐν
 τινι ἀγῶνι κακῶς φερόμενον τὰ ὄπλα δέψαντα φυγεῖν· λέγει δὲ
 πρὸς τινα κῆρυκα κελεύσας ἀγγεῖλαι τοῖς ἐν οἴκῳ „Ἀλκαῖος σόος
 Ἄρει ἔντα δ' * οὐκυτὸν ἀληκτορὶν ἐς Γλανκωποῦ ἱερὸν ἀνεκρέ-
 μασαν Ἀττικοί“

τῶν Ἀχαιῶν, οὐδ' ἐξελείφθη οὐδέποτε. αἱ γοῦν Λο-
κρίδες παρθένοι μικρὸν ὕστερον ἀρξάμεναι ἐπέμποντο
κατ' ἔτος· καὶ ταῦτα δ' οὐχ Ὀμηρικά· οὐδὲ γὰρ τῆς
Κασάνδρας φθορὰν οἶδεν Ὀμηρος, ἀλλ' ὅτι μὲν παρ-
5 θένος ἦν ὑπ' ἐκείνουν τὸν χρόνον λέγει „πέφνε γὰρ
„Ὀθρυονῆα, Καβησούθεν ἔνδον ἔοντα, ὅς ῥα νέον πτο-
„λέμοιο μετὰ κλέος εἰληλούθει. ἦτεε δὲ Πριάμοιο θυ-
„γατρῶν εἶδος ἀρίστην, Κασσάνδρην, ἀνάεδνον.“ βίας
δὲ οὐδὲ μέμνηται, οὐδ' ὅτι ἡ φθορὰ τοῦ Ἀλάντος ἐν τῇ
10 ναυαγίᾳ κατὰ μῆνιν Ἀθηνᾶς συνέβη ἢ κατὰ τριαύτην
αἰτίαν, ἀλλ' ἀπεχθανόμενον μὲν τῇ Ἀθηνᾷ κατὰ τὸ C. 601
κοινὸν εἰρηκεν (ἀπάντων γὰρ εἰς τὸ ἱερὸν ἀσεβησάν-
των ἅπασιν ἐμήνιεν), ἀπολέσθαι δὲ ὑπὸ Ποσειδῶνος
μεγαλορρημονήσαντα· τὰς δὲ Λοκρίδας πεμφθῆναι
15 Περσῶν ἤδη κρατούντων συνέβη.

Οὕτω μὲν δὴ λέγουσιν οἱ Ἰλιεῖς, Ὀμηρος δὲ ῥητῶς 41
τὸν ἀφανισμόν τῆς πόλεως εἰρηκεν „ἔσσεται ἡμᾶρ ὅταν
„ποτ' ὀλώλῃ Ἴλιος ἱρή.“ „ἢ γὰρ καὶ Πριάμοιο πόλιν
„διεπέρσαμεν αἰπήν.“ „πέρθετο δὲ Πριάμοιο πόλις δε-
20 „κάτῳ ἐνιαυτῷ.“ καὶ τὰ τοιαῦτα δὲ τοῦ αὐτοῦ τίθεν-
ται τεκμήρια, οἷον ὅτι τῆς Ἀθηνᾶς τὸ ξόανον νῦν μὲν
ἔσθηκός ὀρᾷται, Ὀμηρος δὲ καθήμενον ἐμφαίνει· πέ-
πλον γὰρ κελεύει „θεῖναι Ἀθηναίης ἐπὶ γούνασιν.“
βέλτιον γὰρ οὕτως ἢ ὥς τινὲς δέχονται ἀντὶ τοῦ „παρὰ
25 „τοῖς γούνασι θεῖναι“ παρατιθέντες τὸ „ἢ δ' ἦσται ἐπ'
„ἔσχάρῃ ἐν πυρὸς ἀνγῇ“ ἀντὶ τοῦ „παρ' ἔσχάρῃ.“ τίς
γὰρ ἂν νοηθεῖν πέπλου ἀνάθεσις παρὰ τοῖς γούνασι;
καὶ οἱ τὴν προσωδίαν δὲ διαστρέφοντες, „γουνάσιν“
ὥς θυιάσιν, ὁποτέρως ἂν δέξωνται, ἀπεραντολογου-

19. post αἰπήν: βουλῇ καὶ μυθοῖσι 23. post γούνασιν: ὥς
καὶ „μή ποτε γούνασιν οἴσιν ἐφέξεσθαι φίλον υἱόν.

σιν, εἴθ' ἴκετ[είας ἐρμην]εύοντες [εἴ]τε φρένας. πολλὰ δὲ τῶν ἀρχαίων τῆς Ἀθηνᾶς ξοάνων καθήμενα δείκνυνται, καθάπερ ἐν Φωκαίᾳ Μασσαλίᾳ Ῥώμῃ Χίῳ ἄλλαις πλείοσιν. ὁμολογοῦσι δὲ καὶ οἱ νεώτεροι τὸν ἀφανισμόν τῆς πόλεως, ὧν ἔστι καὶ Λυκοῦργος ὁ ῥήτωρ· 5 μνησθεὶς γὰρ τῆς Ἰλιέων πόλεως φησί, „τίς οὐκ ἀκήκοεν, ὥς ἅπαξ ὑπὸ τῶν Ἑλλήνων κατεσκάφθη, αἰώρητον οὖσαν;“

42 Εἰκάξουσι δὲ τοὺς ὕστερον ἀνακτίσαι διανοοῦμένους οἰωνίσασθαι τὸν τόπον ἐκεῖνον, εἴτε διὰ τὰς συμφορὰς εἴτε καὶ καταρασαμένου τοῦ Ἀγαμέμνονος κατὰ παλαιὸν ἔθος, καθάπερ καὶ ὁ Κροῖσος ἐξελὼν τὴν Σιδήνην, εἰς ἣν ὁ τύραννος κατέφυγε Γλανκίας, ἀρὰς ἔθετο κατὰ τῶν τειχιούντων πάλιν τὸν τόπον. ἐκεῖνον μὲν οὖν ἀποστῆναι τοῦ χωρίου, ἕτερον δὲ τειχίσαι. 15 πρῶτοι μὲν οὖν Ἀστυπαλαίεις οἱ τὸ Ῥοίτειον κατασχόντες συνώκισαν πρὸς τῷ Σιμόεντι Πόλιον, ὃ νῦν καλεῖται Πόλισμα, οὐκ ἐν εὐερκεῖ τόπῳ· διὸ κατεσπάσθη ταχέως. ἐπὶ δὲ τῶν Λυδῶν ἡ νῦν ἐκτίσθη κατοικία καὶ τὸ ἱερόν· οὐ μὴν πόλις γε ἦν, ἀλλὰ πολλοῖς χρόνοις 20 ὕστερον καὶ κατ' ὀλίγον, ὥς εἴρηται, τὴν αὖξισιν C.602 ἔσχεν. Ἑλλάνικος δὲ χαριζόμενος τοῖς Ἰλιεῦσιν, οἷος ἐκεῖνου θυμός, συνηγορεῖ τὸ τὴν αὐτὴν εἶναι πόλιν τὴν νῦν τῇ τότε. τὴν δὲ χώραν ἀφανισθείσης τῆς πόλεως οἱ τὸ Σίγειον καὶ τὸ Ῥοίτειον ἔχοντες διενείμαντο 25 καὶ τῶν ἄλλων ὥς ἕκαστοι τῶν πλησιοχώρων, ἀπέδοσαν δ' ἀνοικισθείσης.

43 Πολυπίδακον δὲ τὴν Ἰδην ἰδίως οἴονται λέγεσθαι διὰ τὸ πλῆθος τῶν ἐξ αὐτῆς ρεόντων ποταμῶν καθ' ἃ μάλιστα ἡ Δαρδανικὴ ὑποπέπτωκεν αὐτῇ καὶ μέχρι 30 Σκήψεως καὶ τὰ περὶ Ἴλιον. ἔμπειρος δ' ὢν τῶν τόπων ὥς ἂν ἐπιχώριος ἀνὴρ ὁ Δημήτριος τοτὲ μὲν οὕτως

λέγει περὶ αὐτῶν „ἔστι γὰρ λόφος τις τῆς Ἰδης Κότυ-
 „λος· ὑπέρεκται δ' οὗτος ἑκατόν πον καὶ εἴκοσι στα-
 „δίους Σκήψεως, ἐξ οὗ ὅ τε Σκάμανδρος ῥεῖ καὶ ὁ Γρά-
 „νικος καὶ Αἰσηπος, οἱ μὲν πρὸς ἄρκτον καὶ τὴν Προ-
 5 „ποντίδα ἐκ πλειόνων πηγῶν συλλειβόμενοι, ὁ δὲ
 „Σκάμανδρος ἐπὶ δύσιν ἐκ μιᾶς πηγῆς· πᾶσαι δ' ἄλ-
 „λήλαις πλησιάζουσιν ἐν εἴκοσι σταδίων περιεχόμεναι
 „διαστήματι· πλείστον δ' ἀφέστηκεν ἀπὸ τῆς ἀρχῆς τὸ
 „τοῦ Αἰσήπου τέλος, σχεδόν τι καὶ πεντακοσίους σταδί-
 10 „ους. παρέχει δὲ λόγον πῶς φησὶν ὁ ποιητής „κρουναὶ
 „δ' ἱκανον καλιρρῶ, ἔνθα δὲ πηγὰς δοιαὶ ἀναΐσσουσι
 „Σκαμάνδρου δινήεντος· ἡ μὲν γὰρ θ' ὕδατι λιαρρῷ
 „ῥέει,“ ὅ ἐστι θερμῷ· ἐπιφέρει δὲ „ἀμφὶ δὲ καπνὸς
 „γίγνεται ἐξ αὐτῆς ὥσει πυρός. ἡ δ' ἑτέρα θέρει προ-
 15 „ῥέει εἰκνῦα χαλάξῃ ἢ χιόνι ψυχρῇ.“ „οὔτε γὰρ θερμὰ
 „νῦν ἐν τῷ τόπῳ εὐρίσκεται, οὔθ' ἡ τοῦ Σκαμάνδρου
 „πηγὴ ἐνταῦθα ἀλλ' ἐν τῷ ὄρει, καὶ μία, ἀλλ' οὐ δύο.
 „τὰ μὲν οὖν θερμὰ ἐκλελειφθαι εἰκός, τὸ δὲ ψυχρὸν
 „κατὰ διάδυσιν ὑπεκρέον ἐκ τοῦ Σκαμάνδρου κατὰ
 20 „τοῦτ' ἀνατέλλειν τὸ χωρίον, ἢ καὶ διὰ τὸ πλησίον εἶ-
 „ναι τοῦ Σκαμάνδρου καὶ τοῦτο τὸ ὕδωρ λέγεσθαι τοῦ
 „Σκαμάνδρου πηγὴν· οὕτω γὰρ λέγονται πλείους πη-
 „γαὶ τοῦ αὐτοῦ ποταμοῦ. συμπέπτει δ' εἰς αὐτὸν ὁ Ἄν- 44
 „διρος ἀπὸ τῆς Καρησηνῆς, ὁρεινῆς τιнос πολλὰς κώ-
 25 „μαις συνοικουμένης καὶ γεωργομένης καλῶς, παρα-
 „κειμένης τῇ Λαρδανικῇ μέχρι τῶν περὶ Ζέλειαν καὶ
 „Πιτύειαν τόπων· ὠνομάσθαι δὲ τὴν χώραν φασὶν
 „ἀπὸ τοῦ Καρήσου ποταμοῦ, ὃν ὠνόμακεν ὁ ποιητής
 „Ρῆσός θ' Ἐπτάπορός τε Κάρησός τε Ῥοδίος τε· τὴν
 30 „δὲ πόλιν κατεσπᾶσθαι τὴν ὁμώνυμον τῷ ποταμῷ.“

Πάλιν δ' οὕτως φησὶν „μὲν Ῥῆσος ποταμὸς νῦν
 „καλεῖται Ῥοεῖτης, εἰ μὴ ἄρα ὁ εἰς τὸν Γράνικον ἐμ-

τοῦτο πλάσαι παρατριψαμένους τὸ μέτωπον, καὶ μὴ χω-
 λὸν ἔαν καὶ ἔτοιμον πρὸς ἔλεγχον ἅπαξ ἤδη ἀποτετολ-
 μηκότας. ταῦτα μὲν οὖν ἐνστασιν ἔχει τοιαύτην, τᾶλλα
 δὲ ὑπολαμβάνομεν, ἣ τὰ γε πλεῖστα, δεῖν προσέχειν
 5 ὥς ἀνδρὶ ἐμπείρῳ καὶ ἐντοπίῳ, φροντίσαντί τε τοσοῦ-
 τον περὶ τούτων ὥστε τριάκοντα βίβλους συγγράψαι
 στίχων ἐξήγησιν μικρῷ πλειόνων ἐξήκοντα, τοῦ κατα-
 λόγου τῶν Τρώων. φησὶ δ' οὖν τὴν Παλαισκήψιν τῆς
 μὲν Νέας διέχειν πεντήκοντα σταδίους, τοῦ δὲ ποταμοῦ
 10 τοῦ Αἰσήπου τριάκοντα· ἀπὸ δὲ τῆς Παλαισκήψεως
 ταύτης διατεῖναι τὴν ὁμωνυμίαν καὶ εἰς ἄλλους πλείους
 τόπους. ἐπάνιμεν δὲ ἐπὶ τὴν παραλίαν ὅθεν περ ἀπελί-
 πομεν.

Ἔστι δὴ μετὰ τὴν Σιγειαῖαν ἄκραν καὶ τὸ Ἀχίλ-^{C.604}
 15 λειον ἢ Τενεδίων περαία τὸ Ἀχάϊον καὶ αὐτὴ ἢ Τένε-⁴⁶
 δος, οὐ πλείους τῶν τετταράκοντα σταδίων διέχουσα
 τῆς ἡπείρου· ἔχει δὲ τὴν περίμετρον ὅσον ὀγδοήκοντα
 σταδίων καὶ πόλιν Αἰολίδα καὶ λιμένας δύο καὶ ἱερὸν
 τοῦ Σμινθέως Ἀπόλλωνος, καθάπερ καὶ ὁ ποιητῆς
 20 μαρτυρεῖ „Τενέδοιό τε Ἴφι ἀνάσσεις, Σμινθεῦ.“ περὶ-
 κεῖται δ' αὐτῇ νησία πλείω, καὶ δὴ καὶ δύο ἃ καλοῦσι
 Καλύδνας, κειμένας κατὰ τὸν ἐπὶ Λεκτὸν πλοῦν· καὶ
 αὐτὴν δὲ τὴν Τένεδον Κάλυδναν τινὲς εἶπον, ἄλλοι
 δὲ Λεύκοφρυν. μυθεύουσι δ' ἐν αὐτῇ τὰ περὶ τὸν Τέν-
 25 νη ἄφ' οὗ καὶ τοῦνομα τῇ νήσῳ, καὶ τὰ περὶ τὸν Κύ-
 κνον. Θρᾶκα τὸ γένος, πατέρα δ', ὥς τινες, τοῦ Τέν-
 νου, βασιλέα δὲ Κολωνῶν.

Ἦν δὲ τῷ Ἀχαιίῳ συνεχὴς ἡ τε Λάρισα καὶ Κολω-⁴⁷
 ναί, τῆς [Τενεδίων περ]αίας οὔσαι πρότερον, καὶ ἡ νῦν
 30 Χρῦσα, ἐφ' ὅσους τινὸς πετρώδους ὑπὲρ τῆς θαλάτ-
 της ἰδρυμένη, καὶ ἡ Ἀμαξιτὸς ἡ τῷ Λεκτῷ ὑποκει-
 μένη συνεχὴς· νῦν δ' ἡ Ἀλεξάνδρεια συνεχὴς ἐστὶ τῷ

Ἀχαιῶ· τὰ δὲ πολίσματα ἐκείνα συνφοκισμένα τυγχάνει, καθάπερ καὶ ἄλλα πλείω τῶν φρουρίων, εἰς τὴν Ἀλεξάνδρειαν, ὧν καὶ Κεβρὴνῃ καὶ Νεανδρία ἐστὶ καὶ τὴν χώραν ἔχουσιν ἐκεῖνοι· ὁ δὲ τόπος ἐν ᾧ νῦν κεῖται ἡ Ἀλεξάνδρεια Σιγία ἐκαλεῖτο.

5

48 Ἐν δὲ τῇ Χρύσῃ ταύτῃ καὶ τὸ τοῦ Σμινθέως Ἀπόλλωνός ἐστιν ἱερὸν, καὶ τὸ σύμβολον τὸ τὴν ἐτυμότητα τοῦ ὀνόματος σῶζον, ὁ μῦς, ὑπόκειται τῷ ποδὶ τοῦ ξοάνου· Σκόπα δ' ἐστὶν ἔργα τοῦ Παρίου· συνοικειοῦσι δὲ καὶ τὴν ἱστορίαν εἴτε μῦθον τούτῳ τῷ τόπῳ τὴν περὶ 10 τῶν μυῶν. τοῖς γὰρ ἐκ τῆς Κρήτης ἀφιγμένοις Τεύκροις (οὓς πρῶτος παρέδωκε Καλλῖνος ὁ τῆς ἐλεγκτίας ποιητής, ἠκολούθησαν δὲ πολλοί) χρησμὸς ἦν, αὐτόθι ποιήσασθαι τὴν μονὴν ὅπου ἂν οἱ γηγενεῖς αὐτοῖς ἐπιθῶνται· συμβῆναι δὲ τοῦτ' αὐτοῖς φασι περὶ Ἀμαξι- 15 τόν· νύκτωρ γὰρ πολὺ πλῆθος ἀρουραίων μυῶν ἔξανθῆσαν διαφραγεῖν ὅσα σκύτινα τῶν τε ὄπλων καὶ τῶν χρηστηρίων· τοὺς δὲ αὐτόθι μείναι· τούτους δὲ καὶ τὴν Ἰδὴν ἀπὸ τῆς ἐν Κρήτῃ προσονομάσαι. Ἡρακλείδης δ' ὁ Ποντικὸς πληθύνοντάς φησι τοὺς μύας περὶ τὸ ἱερὸν 20 νομισθῆναι τε ἱερὸν καὶ τὸ ξόανον οὕτω κατασκευασθῆναι βεβηκὸς ἐπὶ τῷ μυῖ. ἄλλοι δ' ἐκ τῆς Ἀττικῆς ἀφίχθαι τινα Τεῦκρόν φασιν ἐκ δήμου Τρώων, ὃς νῦν οἱ Ξυπετεῶνες λέγεται, Τεῦκρους δὲ μηδένας ἐλθεῖν ἐκ τῆς Κρήτης. τῆς δὲ πρὸς τοὺς Ἀττικοὺς ἐπιπλοκῆς τῶν 25 Τρώων τιθέασι σημεῖον καὶ τὸ παρ' ἀμφοτέροις Ἐριχθόνιον τινα γενέσθαι τῶν ἀρχηγετῶν. λέγουσι μὲν οὖν οὕτως οἱ νεώτεροι, τοῖς δ' Ὀμήρου μᾶλλον ἔπεισι 0.605 συμφωνεῖ τὰ ἐν τῷ Θήβης πεδίῳ καὶ τῇ αὐτόθι Χρύσῃ ἰδρυμένη ποτὲ δεικνύμενα ἔχνη, περὶ ὧν ἀντίκα ἐροῦ- 30 μεν. πολλαχοῦ δ' ἐστὶ τὸ τοῦ Σμινθέως ὄνομα· καὶ γὰρ περὶ αὐτὴν τὴν Ἀμαξιτὸν χώραν τοῦ κατὰ τὸ ἱερὸν

Σμινθίου δύο τόποι καλοῦνται Σμίνθια· καὶ ἄλλοι δ' ἐν τῇ πλησίον Λαρισαίᾳ· καὶ ἐν τῇ Παριανῇ δ' ἐστὶ χωρίον τὰ Σμίνθια καλούμενον, καὶ ἐν Ῥόδῳ καὶ ἐν Αἰνῳ, καὶ ἄλλοθι δὲ πολλαχοῦ· καλοῦσι δὲ νῦν τὸ λε-
 5 ρὸν Σμίνθιον. χωρὶς γοῦν καὶ τὸ Ἀλήσιον πεδίον οὐ μέγα ἐντὸς τοῦ Λεκτοῦ καὶ τὸ Τραγασαῖον ἀλοπήγιον αὐτόματον τοῖς ἐτησίαις πηγνύμενον πρὸς Ἀμαξιτῷ. ἐπὶ δὲ τῷ Λεκτῷ βωμὸς τῶν δώδεκα θεῶν δέικνυται, καλοῦσι δ' Ἀγαμέμνονος Ἱδρυμα· ἐν ἐπόψει δὲ τῷ Ἰλίῳ
 10 ἐστὶ τὰ χωρία ταῦτα, ὥς ἐν διακοσίοις σταδίοις ἢ μικρῷ πλείοσιν· ὥς δ' αὐτῶς καὶ τὰ περὶ Ἀβυδὸν ἐκ θατέρου μέρους, μικρὸν δ' ὅμως ἐγγυτέρω ἢ Ἀβυδος.

Κάμψαντι δὲ τὸ Λεκτὸν ἐλλογιμώταται πόλεις τῶν 49 Αἰολέων καὶ ὁ Ἀδραμυττηνὸς κόλπος ἐκδέχεται, ἐν ᾧ
 15 τοὺς πλείους τῶν Αελέγων κατοικίζων ὁ ποιητὴς φαίνεται καὶ τοὺς Κίλικας διττοὺς ὄντας. ἐνταῦθα δὲ καὶ ὁ τῶν Μιτυληναίων ἐστὶν αἰγιαλός, κώμας τινὰς ἔχων τῶν κατὰ τὴν ἡπειρον τῶν Μιτυληναίων. τὸν δὲ αὐτὸν κόλπον καὶ Ἰδαῖον λέγουσιν· ἡ γὰρ ἀπὸ τοῦ Λεκτοῦ
 20 ῥάχης ἀνατείνουσα πρὸς τὴν Ἰδὴν ὑπέρκειται τῶν πρώτων τοῦ κόλπου μερῶν, ἐν οἷς πρῶτον τοὺς Αέλεγας ἰδρυμένους ὁ ποιητὴς πεποίηκεν.

Εἴρηται δὲ περὶ αὐτῶν καὶ πρότερον· καὶ νῦν δὲ 50 προσληπτέον ὅτι Πήδασόν τινα λέγει πόλιν αὐτῶν ὑπὸ
 25 Ἀλτῇ τεταγμένην, Ἀλτεω, ὅς Αελέγεσσι φιλοπολέμοισιν ἀνάσσει, Πήδασον αἰπήεσσαν ἔχων ἐπὶ Σατνιόεντι. καὶ νῦν ὁ τόπος δέικνυται τῆς πόλεως ἐρημος. γράφουσι δὲ τινες οὐκ εὖ ὑπὸ Σατνιόεντι, ὥς ὑπὸ ὄρει Σατνιόεντι κειμένης τῆς πόλεως· οὐδὲν δ' ἐστὶν
 30 ὅρος ἐνταῦθα Σατνιόεις προσαγορευόμενον, ἀλλὰ ποταμὸς ἐφ' ᾧ ἱδρυται ἡ πόλις· νῦν δ' ἐστὶν ἐρήμη. ὀνο-

μάξει δὲ τὸν ποταμὸν ὁ ποιητής· „Σάτνιον οὕτως
 „δοῦρὶ Οἶνοπιδην, ὃν ἄρα νύμφη τέκε Νηὶς ἀμύμων
 „Οἶνοπι βουκολέοντι παρ' ὄχθαις Σατνιόεντος“ καὶ πάλιν
 C.606 „ναῖε δὲ Σατνιόεντος ἐνρρείταιο παρ' ὄχθαις Πήδα-
 „σον αἰπεινήν.“ * Σατνιόεντα δ' ὕστερον εἶπον, οἱ δὲ 5
 Σαφνιόεντα· ἔστι δὲ χεῖμαρρος μέγας· ἄξιον δὲ μνή-
 μης πεποιήκεν ὀνομάζων ὁ ποιητής αὐτόν. οὗτοι δ' οἱ
 τόποι συνεχεῖς εἰσι τῇ Δαρδανίᾳ καὶ τῇ Σκηψίᾳ, ὥσπερ
 ἄλλη τις Δαρδανία, ταπεινότερα δέ.

- 51 Ἀσσίῳ δ' ἔστι νῦν καὶ Γαργαρέῳ ἕως τῆς κατὰ 10
 Λέσβου θαλάττης περιεχόμενα τῇ τε Ἀντανδρίᾳ καὶ τῇ
 Κεβρηνίῳ καὶ Νεανδριέῳ καὶ Ἀμαξιτέῳ. τῆς μὲν
 γὰρ Ἀμαξιτοῦ Νεανδριεῖς ὑπέρκεινται, καὶ αὐτοὶ ὄν-
 τες ἐντὸς Λεκτοῦ, μεσογειότεροι δὲ καὶ πλησιαίτεροι
 τῷ Ἰλίῳ· διέχουσι γὰρ ἑκατὸν καὶ τριάκοντα σταδίους. 15
 τούτων δὲ καθ' ὑπερθε Κεβρήνιοι, τούτων δὲ Δαρ-
 δάνιοι μέχρι Παλαισκήψεως καὶ αὐτῆς τῆς Σκήψεως.
 τὴν δὲ Ἀντανδρον Ἀλκαῖος μὲν καλεῖ Λελέγων πόλιν
 „πρῶτα μὲν Ἀντανδρος Λελέγων πόλις.“ ὁ δὲ Σκή-
 ψιος ἐν ταῖς παρακειμέναις τίθησιν, ὥστ' ἐκπίπτει ἂν 20
 εἰς τὴν τῶν Κιλίκων· οὗτοι γὰρ εἰσι συνεχεῖς τοῖς Λέ-
 λεξι μᾶλλον πῶς τὸ νότιον πλευρὸν τῆς Ἰδης ἀφορίζοντες·
 ταπεινοὶ δ' ὅμως καὶ οὗτοι καὶ τῇ παραλίᾳ συν-
 ἄπτοντες μᾶλλον τῇ κατὰ Ἀδραμύτιον. μετὰ γὰρ τὸ
 Λεκτὸν τὸ Πολυμήδειον ἔστι χωρίον τι ἐν τετταράκον- 25
 τα σταδίοις, εἴτ' ἐν ὀγδοήκοντα Ἀσσος μικρὸν ὑπὲρ
 τῆς θαλάττης, εἴτ' ἐν ἑκατὸν καὶ τετταράκοντα Γάρ-
 γαρα· κεῖται δὲ τὰ Γάργαρα ἐπ' ἄκρας ποιούσης τὸν
 ἰδίως Ἀδραμυττηνὸν καλούμενον κόλπον. λέγεται γὰρ
 καὶ πᾶσα ἡ ἀπὸ Λεκτοῦ μέχρι Κανῶν παραλία τῷ 30

1. post Σάτνιον: γὰρ

αὐτῷ τούτῳ ὀνόματι, ἐν ᾧ καὶ ὁ Ἑλαϊτικὸς περιλαμβά-
 νεται· ἰδίως μέντοι τοῦτον φασὶν Ἀδραμυττηνόν, τὸν
 κλειόμενον ὑπὸ ταύτης τε τῆς ἄκρας ἐφ' ἣ τὰ Γάργαρα,
 καὶ τῆς Πυρραῆς ἄκρας προσαγορευομένης ἐφ' ἣ καὶ
 5 ἀφροδίσιον ἴδρυνται. πλάτος δὲ τοῦ στόματός ἐστιν
 ἀπὸ τῆς ἄκρας ἐπὶ τὴν ἄκραν διάστημα ἑκατὸν καὶ εἴκοσι
 σταδίων. ἐντὸς δὲ ἣ τε Ἀντανδρός ἐστιν ὑπερκείμενον
 ἔχουσα ὄρος ὃ καλοῦσιν Ἀλεξάνδρειαν, ὅπου τὰς θεὰς
 κριθῆναί φασιν ὑπὸ τοῦ Πάριδος, καὶ ὁ Ἀσπανεύς τὸ
 10 ὑλοτόμιον τῆς Ἰδαίας ὕλης· ἐνταῦθα γὰρ διατίθενται
 κατάγοντες τοῖς δεομένοις. εἴτ' Ἀστυρα, κόμη καὶ ἄλσος
 τῆς Ἀστυρηνῆς Ἀρτέμιδος ἅγιον. πλησίον δ' εὐθὺς τὸ
 Ἀδραμύτιον, Ἀθηναίων ἄποικος πόλις ἔχουσα καὶ λι-
 μένα καὶ ναύσταθμον· ἔξω δὲ τοῦ κόλπου καὶ τῆς Πυρ-
 15 ραῆς ἄκρας ἣ τε Κισθήνη ἐστὶ πόλις ἔρημος ἔχουσα λι-
 μένα. ὑπὲρ αὐτῆς δ' ἐν τῇ μεσογαίᾳ τό τε τοῦ χαλκοῦ C. 607
 μέταλλον καὶ Περπερηνὴ καὶ Τράριον καὶ ἄλλαι τοι-
 αῦται κατοικίαι. ἐν δὲ τῇ παραλίᾳ τῇ ἐφεξῆς αἱ τῶν
 Μιτυληναίων κῶμαι Κορυφαντῆς τε καὶ Ἡράκλεια, καὶ
 20 μετὰ ταῦτα Ἀττεα, εἴτ' Ἀταρνεὺς καὶ Πιτάνη καὶ αἱ
 τοῦ Καῖκου ἐκβολαί· ταῦτα δ' ἤδη τοῦ Ἑλαϊτῶν κόλ-
 που· καὶ ἐστὶν ἐν τῇ περαίᾳ ἡ Ἑλαία καὶ ὁ λοιπὸς μέχρι
 Κανῶν κόλπος. λέγωμεν δὲ ἀναλαβόντες περὶ τῶν καθ'
 ἕκαστα πάλιν, εἴ τι παραλέλειπται μνήνης ἄξιον, καὶ
 25 πρῶτον περὶ τῆς Σκῆψεως.

Ἔστι δ' ἡ μὲν Παλαίσκηψις ἐπάνω Κεβρῆνος κατὰ 52
 τὸ μετεωρότατον τῆς Ἰδῆς ἐγγὺς Πολίχνας· ἐκαλεῖτο
 δὲ τότε Σκῆψις, εἴτ' ἄλλως εἴτ' ἀπὸ τοῦ περισκεπτον
 εἶναι τὸν τόπον, εἰ δεῖ τὰ παρὰ τοῖς βαρβάροις ἐν τῷ
 30 τότε ὀνόματα ταῖς Ἑλληνικαῖς ἐτυμολογεῖσθαι φωναῖς·
 ὕστερον δὲ κατωτέρω σταδίοις ἐξήκοντα εἰς τὴν νῦν
 Σκῆψιν μετωκίσθησαν ὑπὸ Σκαμανδρίου τε τοῦ Ἑκτο-

ρος καὶ Ἀσκανίου τοῦ Αἰνείου παιδός· καὶ δύο γένη ταῦτα βασιλεῦσαι πολὺν χρόνον ἐν τῇ Σκῆψει λέγεται· μετὰ ταῦτα δ' εἰς ὀλιγαρχίαν μετέστησαν, εἶτα Μιλήσιοι συνεπολιτεύθησαν αὐτοῖς καὶ δημοκρατικῶς ᾤκουν· οἱ δ' ἀπὸ τοῦ γένους οὐδὲν ἤττον ἐκαλοῦντο βασιλεῖς, ἔχοντές τινας τιμὰς· εἴτ' εἰς τὴν Ἀλεξάνδρειαν συνεπόλισε τοὺς Σκηψίους Ἀντίγονος, εἴτ' ἀπέλυσε Ἀνσίμαχος, καὶ ἐπανῆλθον εἰς τὴν οἰκίαν.

- 53 Οἶεται δ' ὁ Σκηψίος καὶ βασιλεῖον τοῦ Αἰνείου γεγυῆναι τὴν Σκῆψιν, μέσσην οὖσαν τῆς τε ὑπὸ τῷ Αἰ- 10
νεΐᾳ καὶ Αὐρνησσοῦ, εἰς ἣν φυγεῖν εἰρηται διωκόμενος ὑπὸ τοῦ Ἀχιλλεύος· φησὶ γοῦν ὁ Ἀχιλλεύς „ἢ οὐ μέμνη,
„ὅτε πέρ σε βοῶν ἄπο μούνου ἐόντα σεῦα κατ' Ἰδαίων
„ὄρεων ταχέεσσι πόδεσσι, κελθεν δ' ἐς Αὐρνησσὸν
„ὑπέκφυγες· αὐτὰρ ἐγὼ τὴν πέρσα, μεθορμηθεῖς.“ οὐχ 15
ὁμολογεῖ δὲ τῷ περὶ τῶν ἀρχηγετῶν τῆς Σκῆψεως λόγῳ τῷ λεχθέντι νῦν τὰ περὶ τοῦ Αἰνείου θρυλούμενα. πε-
ριγενέσθαι γὰρ δὴ τοῦτόν φασιν ἐκ τοῦ πολέμου διὰ
τὴν πρὸς Πριάμον δυσμένειαν „αἰ γὰρ Πριάμῳ ἔπε-
„μήνιε δίῳ, οὐνεκ' ἄρ' ἐσθλὸν ἐόντα μετ' ἀνδράσιν οὐ 20
„τι τίεσκε,“ τοὺς δὲ συνάρχοντας Ἀντηνορίδας καὶ αὐ-
τὸν τὸν Ἀντήνορα διὰ τὴν Μενελάου παρ' αὐτῷ ξε-
C.608νίαν. Σοφοκλῆς γοῦν ἐν τῇ ἀλώσει τοῦ Ἰλίου παρδα-
λέαν φησὶ πρὸ τῆς θύρας τοῦ Ἀντήνορος προτεθῆναι
σύμβολον τοῦ ἀπόρθητον ἔαθῆναι τὴν οἰκίαν. τὸν μὲν 25
οὖν Ἀντήνορα καὶ τοὺς παῖδας μετὰ τῶν περιγενομέ-
νων Ἑνετῶν εἰς τὴν Θράκην περισωθῆναι ἀκκέλθεν
διαπεσεῖν εἰς τὴν λεγομένην κατὰ τὸν Ἀδρίαν Ἑνετι-
κὴν, τὸν δὲ Αἰνεΐαν μετ' Ἀγχίσου τοῦ πατρὸς καὶ τοῦ
παιδὸς Ἀσκανίου λαὸν ἀθροίσαντα πλεῦσαι· καὶ οἱ μὲν 30
οἰκῆσαι περὶ τὸν Μακεδονικὸν Ὀλυμπον φασίν, οἱ δὲ
περὶ Μαντίνειαν τῆς Ἀρκαδίας κτίσαι Καπύας, ἀπὸ

Κάπυος θέμενον τοῦνομα τῷ πολίσματι, οἱ δ' εἰς Αἴ-
 γεσταν καταῤῥαι τῆς Σικελίας σὺν Ἑλύμῳ Τρωὶ καὶ
 Ἑρυνκα καὶ Αἰλύβαιον κατασχεῖν, καὶ ποταμοὺς περὶ
 Αἰγεσταν προσαγορεύσαι Σκάμανδρον καὶ Σιμόεντα·
 5 ἔνθεν δ' εἰς τὴν Λατίνην ἔλθόντα μέναι κατὰ τι λό-
 γιον τὸ κελεῦον μένειν ὅπου ἂν τὴν τράπεζαν κατα-
 φάγῃ· συμβῆναι δὲ τῆς Λατίνης περὶ τὸ Λασίνιον τοῦ-
 το, ἄρτου μεγάλου τεθέντος ἀντὶ τραπέξεως κατὰ ἀπο-
 ρίαν καὶ ἅμα ἀναλωθέντος τοῖς ἐπ' αὐτῷ κρέασιν. Ὀμη-
 10 ρος μέντοι συνηγορεῖν οὐδετέροις ἔοικεν, οὐδὲ τοῖς
 περὶ τῶν ἀρχηγετῶν τῆς Σκήψεως λεχθεῖσιν· ἐμφαί-
 νει γὰρ μεμνηκότα τὸν Αἰνεΐαν ἐν τῇ Τροίᾳ καὶ δια-
 δεδεδωμένον τὴν ἀρχὴν καὶ παραδεδωκότα παισὶ παί-
 δων τὴν διαδοχὴν αὐτῆς, ἡφανισμένου τοῦ τῶν Πρια-
 15 μιδῶν γένους· „ἦδη γὰρ Πριάμου γενεὴν ἤχθηρε Κρο-
 „νίων. νῦν δὲ δὴ Αἰνεΐας βίη Τρώεσσιν ἀνάξει καὶ παί-
 „δων παῖδες, τοί κεν μετόπισθε γένωνται.“ οὕτω δ'
 οὐδ' ἡ τοῦ Σκαμανδρίου διαδοχὴ σώζοιτ' ἂν. πολὺ δὲ
 μᾶλλον τοῖς ἑτέροις διαφωνεῖ τοῖς μέχρι καὶ Ἰταλίας
 20 αὐτοῦ τὴν πλάνην λέγουσι καὶ αὐτόθι ποιοῦσι τὴν κα-
 ταστροφὴν τοῦ βίου. τινὲς δὲ γράφουσιν „Αἰνεΐας γέ-
 „νος πάντεσσιν ἀνάξει, καὶ παῖδες παίδων,“ τοὺς Ῥω-
 μαίους λέγοντες.

Ἐκ δὲ τῆς Σκήψεως οἳ τε Σωκρατικαὶ γεγόνασιν 54
 25 Ἑραστός καὶ Κορίσκος καὶ ὁ τοῦ Κορίσκου υἱὸς Νη-
 λεύς, ἀνὴρ καὶ Ἀριστοτέλους ἡκροαμένος καὶ Θεο-
 φράστου, διαδεδωμένος δὲ τὴν βιβλιοθήκην τοῦ Θεο-
 φράστου, ἐν ᾗ ἦν καὶ ἡ τοῦ Ἀριστοτέλους· ὁ γοῦν
 Ἀριστοτέλης τὴν ἑαυτοῦ Θεοφράστῳ παρέδωκεν, ὥπερ
 30 καὶ τὴν σχολὴν ἀπέλιπε, πρῶτος ὢν ἴσμεν συναγαγὼν
 βιβλία καὶ διδάξας τοὺς ἐν Αἰγύπτῳ βασιλέας βιβλιο-
 θήκης σύνταξιν. Θεόφραστος δὲ Νηλεῖ παρέδωκεν· ὁ C.609

δ' εἰς Σκῆψιν κομίσας τοῖς μετ' αὐτὸν παρέδωκεν, ἰδι-
 ωταῖς ἀνθρώποις, οἳ κατάκλειστα εἶχον τὰ βιβλία οὐδ'
 ἐπιμελῶς κείμενα· ἐπειδὴ δὲ ἤσθοντο τὴν σπουδὴν
 τῶν Ἀτταλικῶν βασιλέων ὑφ' οἷς ἦν ἡ πόλις, ζητούν-
 των βιβλία εἰς τὴν κατασκευὴν τῆς ἐν Περγὰμφ βι- 5
 βλιοθήκης, κατὰ γῆς ἐκρουσαν ἐν διώρυγί τινι· ὑπὸ δὲ
 νοτίας καὶ σητῶν κακωθέντα ὅψε ποτε ἀπέδοντο οἱ ἀπὸ
 τοῦ γένους Ἀπελλικῶντι τῷ Τηίῳ πολλῶν ἀργυρίων
 τὰ τε Ἀριστοτέλους καὶ τὰ τοῦ Θεοφράστου βιβλία·
 ἦν δὲ ὁ Ἀπελλικῶν φιλόβιβλος μᾶλλον ἢ φιλόσοφος· 10
 διὸ καὶ ζητῶν ἐπανόρθωσιν τῶν διαβρωμάτων εἰς ἀν-
 τίγραφα καινὰ μετήνεγκε τὴν γραφὴν ἀναπληρῶν οὐκ
 εὖ, καὶ ἐξέδωκεν ἀμαρτάδων πλήρη τὰ βιβλία. συνέβη
 δὲ τοῖς ἐκ τῶν περιπάτων τοῖς μὲν πάλαι τοῖς μετὰ Θε-
 όφραστον οὐκ ἔχουσιν ὅλως τὰ βιβλία πλὴν ὀλίγων, 15
 καὶ μάλιστα τῶν ἐξωτερικῶν, μηδὲν ἔχειν φιλοσοφεῖν
 πραγματικῶς, ἀλλὰ θέσεις ληκνυθίζειν· τοῖς δ' ὅστε-
 ρον, ἀφ' οὗ τὰ βιβλία ταῦτα προῆλθεν, ἄμεινον μὲν
 ἐκείνων φιλοσοφεῖν καὶ ἀριστοτελλίζειν, ἀναγκάξεσθαι
 μέντοι τὰ πολλὰ εἰκότα λέγειν διὰ τὸ πλῆθος τῶν ἀμαρ- 20
 τιῶν. πολὺ δὲ εἰς τοῦτο καὶ ἡ Πρώμη προσελάβετο· εἰ-
 θὺς γὰρ μετὰ τὴν Ἀπελλικῶντος τελευτὴν Σύλλας ἤρε
 τὴν Ἀπελλικῶντος βιβλιοθήκην ὃ τὰς Ἀθήνας ἐλὼν,
 δεῦρο δὲ κομισθεῖσαν Τυραννίων τε ὁ γραμματικὸς
 διεχειρίσατο φιλαριστοτέλης ὢν, θεραπεύσας τὸν ἐπὶ 25
 τῆς βιβλιοθήκης, καὶ βιβλιοπῶλαι τινες γραφεῦσι
 φάυλοις χρώμενοι καὶ οὐκ ἀντιβάλλοντες, ὅπερ καὶ ἐπὶ
 τῶν ἄλλων συμβαίνει τῶν εἰς πρᾶσιν γραφομένων βι-
 βλίων καὶ ἐνθάδε καὶ ἐν Ἀλεξανδρείᾳ. περὶ μὲν οὖν
 τούτων ἀπόχρη.

30

55

Ἐκ δὲ τῆς Σκῆψεως καὶ ὁ Δημήτριος ἔστιν οὗ με-
 μνήμεθα πολλάκις, ὁ τὸν Τρωικὸν διάκοσμον ἐξηγη-

σάμενος γραμματικός, κατὰ τὸν αὐτὸν χρόνον γεγο-
 νὼς Κράτητι καὶ Ἀριστάρχῳ· καὶ μετὰ τοῦτον Μητρό-
 δωρος, ἀνὴρ ἐκ τοῦ φιλοσόφου μεταβεβληκὼς ἐπὶ τὸν
 πολιτικὸν βίον καὶ ρητορεύων τὸ πλεον ἐν τοῖς συγ-
 5 γράμμασιν· ἐχρήσατο δὲ φράσεώς τιμι χαρακτηῖρι και-
 νῷ καὶ κατεπλήξατο πολλούς· διὰ δὲ τὴν δόξαν ἐν Χαλ-
 κηδόνι γάμου λαμπροῦ πένης ὧν ἔτυχε καὶ ἐχρημάτιζε
 Χαλκηδόνιος· Μιθριδάτην δὲ θεραπεύσας τὸν Εὐπά-
 10 τορα συναπήρεν εἰς τὸν Πόντον ἐκεῖνῳ μετὰ τῆς γυ-
 ναικὸς καὶ ἐτιμήθη διαφερόντως, ταχθεὶς ἐπὶ τῆς δι-
 καιοδοσίας, ἀφ' ἧς οὐκ ἦν τῷ κριθέντι ἀναβολὴ τῆς C.610
 δίκης ἐπὶ τὸν βασιλέα. οὐ μέντοι διηυτύχησεν, ἀλλ'
 ἐμπεσὼν εἰς ἔχθραν ἀδικωτέρων ἀνθρώπων ἀπέστη
 τοῦ βασιλέως κατὰ τὴν πρὸς Τιγράνην τὸν Ἀρμένιον
 15 πρεσβείαν· ὁ δ' ἄκοντα ἀνέπεμψεν αὐτὸν τῷ Εὐπά-
 τορι, φεύγοντι ἤδη τὴν προγονικὴν, κατὰ δὲ τὴν ὁδὸν
 κατέστρεψε τὸν βίον εἰθ' ὑπὸ τοῦ βασιλέως εἰθ' ὑπὸ
 νοσον· λέγεται γὰρ ἀμφοτέρω. περὶ μὲν τῶν Σκηψίων
 ταῦτα.

20 Μετὰ δὲ Σκῆψιν Ἀνδειρα καὶ Πιονίαι καὶ ἡ Γαρ- 56
 γαρίς· ἔστι δὲ λίθος περὶ τὰ Ἀνδειρα, ὃς καιόμενος σί-
 δηρος γίνεται· εἶτα μετὰ γῆς τινος καμινευθεὶς ἀπο-
 στάζει ψευδάργυρον, ἣ προσλαβοῦσα χαλκὸν τὸ κα-
 λούμενον γίνεται κρᾶμα, ὃ τινες ὀρείχαλκον καλοῦσι·
 25 γίνεται δὲ ψευδάργυρος καὶ περὶ τὸν Τρωῶλον. ταῦτα
 δ' ἔστι τὰ χωρία, ἃ οἱ Λέλεγες κατεῖχον· ὥς δ' αὐτως
 καὶ τὰ περὶ Ἀσσον.

Ἔστι δὲ ἡ Ἀσσος ἐρυμνὴ καὶ εὐτειχὴς, ἀπὸ θαλάττης 57
 καὶ τοῦ λιμένος ὀρθίαν καὶ μακρὰν ἀνάβασιν ἔχουσα,
 30 ὥστ' ἐπ' αὐτῆς οἰκείως εἰρησθαι δοκεῖ τὸ τοῦ Στρατονί-
 κου τοῦ κισθριστοῦ „Ἀσσον ἔθ', ὥς κεν θᾶσσον ὀλέ-
 „θρου πείραθ' ἵκηαι.“ ὁ δὲ λιμὴν χώματι κατεσκεύα-

σται μεγάλη. ἐντεῦθεν ἦν Κλεάνθης, ὁ στωικὸς φιλόσοφος, ὁ διαδεξάμενος τὴν Ζήνωνος τοῦ Κιτιέως σχολήν, καταλιπὼν δὲ Χρυσίππῳ τῷ Σολεῖ· ἐνταῦθα δὲ καὶ Ἀριστοτέλης διέτριψε διὰ τὴν πρὸς Ἑρμείαν τὸν τύραννον κηδεῖαν. ἦν δὲ Ἑρμείας εὐνοῦχος, τραπεζίτου τινὸς οἰ- 5 κέτης· γενόμενος δ' Ἀθήνησιν ἡκροάσατο καὶ Πλάτωνος καὶ Ἀριστοτέλους· ἐπανελθὼν δὲ τῷ δεσπότην συνεντράννησε, πρῶτον ἐπιθεμένῳ τοῖς περὶ Ἀταρνεά καὶ Ἄσσον χωρίοις· ἔπειτα διεδέξατο ἐκείνον καὶ μετεπέμψατο τὸν τε Ἀριστοτέλην καὶ Ξενοκράτην καὶ ἐπεμελή- 10 θη αὐτῶν, τῷ δ' Ἀριστοτέλει καὶ θυγατέρα ἀδελφοῦ συνώκισε. Μέννων δ' ὁ Ῥόδιος ὑπηρετῶν τότε τοῖς Πέρσαις καὶ στρατηγῶν, προσποιησάμενος φιλίαν καλεῖ πρὸς ἑαυτὸν ξενίας τε ἅμα καὶ πραγμάτων προσποιητῶν χάριν, συλλαβὼν δ' ἀνέπεμψεν ὥς τὸν βασιλέα, 15 κάκει κρεμασθεὶς ἀπώλετο· οἱ φιλόσοφοι δ' ἐσώθησαν φεύγοντες τὰ χωρία ἃ οἱ Πέρσαις κατέσχον.

- 58 Φησὶ δὲ Μυρσίλος Μηθυμναίων κτίσμα εἶναι τὴν Ἄσσον, Ἑλλάνικὸς τε καὶ Αἰολίδα φησὶν, ὥσπερ καὶ τὰ Γάργαρα καὶ ἡ Λαμπωνία Αἰολέων. Ἀσσίων γάρ 20 C.611 ἐστὶ κτίσμα τὰ Γάργαρα, οὐκ εὖ συνοικούμενα· ἐποίκους γὰρ οἱ βασιλεῖς εἰσήγαγον ἐκ Μιλητουπόλεως ἐρημώσαντες ἐκείνην, ὥστε ἡμιβαρβάρους γενέσθαι φησὶ Δημήτριος αὐτοὺς ὁ Σκήψιος ἀντὶ Αἰολέων. καθ' Ὁμηρον μέντοι ταῦτα πάντα ἦν Λελέγων, οὓς τινὲς 25 μὲν Κᾶρας ἀποφαίνουσιν, Ὅμηρος δὲ χωρίζει „πρὸς „μὲν ἁλὸς Κᾶρες καὶ Παῖονες ἀγκυλότοξοι καὶ Ἀέλεγες „καὶ Καύκωνες.“ ἕτεροι μὲν τοίνυν τῶν Καρῶν ὑπῆρξαν, ὥκουν δὲ μεταξὺ τῶν ὑπὸ τῷ Αἰνείᾳ καὶ τῶν καλουμένων ὑπὸ τοῦ ποιητοῦ Κιλικίων· ἐκπορθηθέντες 30 δὲ ὑπὸ τοῦ Ἀχιλλέως μετέστησαν εἰς τὴν Καρίαν, καὶ κατέσχον τὰ περὶ τὴν νῦν Ἀλικαρνασὸν χωρία.

Ἡ μὲν τοίνυν ἐκλειφθεῖσα ὑπ' αὐτῶν πόλις Πή- 59
 δασος οὐκέτ' ἐστίν, ἐν δὲ τῇ μεσογαίᾳ τῶν Ἀλικαρνα-
 σέων τὰ Πηδάσα ὑπ' αὐτῶν ὀνομασθέντα ἦν πόλις,
 καὶ νῦν ἡ χώρα Πηδασίς λέγεται. φασὶ δ' ἐν αὐτῇ καὶ
 5 ὀκτὼ πόλεις ᾠκίσθαι ὑπὸ τῶν Αελέγων πρότερον εὐ-
 ανδρησάντων, ὥστε καὶ τῆς Καρίας κατασχεῖν τῆς μέ-
 χρι Μύνδου καὶ Βαργυλίων, καὶ τῆς Πισιδίας ἀποτε-
 μέσθαι πολλήν. ὕστερον δ' ἅμα τοῖς Καρσί στρατευό-
 μενοι κατεμερίσθησαν εἰς ὅλην τὴν Ἑλλάδα καὶ ἡφα-
 10 νίσθη τὸ γένος, τῶν δ' ὀκτὼ πόλεων τὰς ἑξ Μάυσωλος
 εἰς μίαν τὴν Ἀλικαρνασὸν συνήγαγεν, ὡς Καλλισθέ-
 νης ἱστορεῖ. Συάγγελα δὲ καὶ Μύνδον διεφύλαξε.
 τοῖς δὲ Πηδασεῦσι τούτοις φησὶν Ἡρόδοτος ὅτε μέλλοι
 τι ἀνεπιτήδειον ἔσσεσθαι καὶ τοῖς περιοίκοις, τὴν ἰέρειαν
 15 τῆς Ἀθηνᾶς πῶγωνα ἔσχειν· τρις δὲ συμβῆναι τοῦτο
 αὐτοῖς. Πηδάσον δὲ καὶ ἐν τῇ νῦν Στρατονικέων πο-
 λίχνιόν ἐστιν. ἐν ὅλῃ δὲ Καρίᾳ καὶ ἐν Μιλήτῳ Αελέ-
 γων τάφοι καὶ ἐρύματα καὶ ἔχνη κατοικιῶν δείκνυνται.

Μετὰ δὲ τοὺς Αελέγας τὴν ἐξῆς παραλίαν ᾠκουν 60
 20 Κίλικες καθ' Ὅμηρον, ἣν νῦν ἔχουσιν Ἀδραμυττηνοί
 τε καὶ Ἀταρνεῖται καὶ Πιταναῖοι μέχρι τῆς ἐκβολῆς τοῦ
 Καΐκου. διήρηντο δ' εἰς δύο δυναστείας οἱ Κίλικες,
 καθάπερ εἶπομεν, τὴν τε ὑπὸ τῷ Ἡετίωνι καὶ τὴν ὑπὸ
 Μύνητι. τοῦ μὲν οὖν Ἡετίωνος λέγει πόλιν Θήβην 61
 25 „ᾠχόμεθ' ἐς Θήβην ἱερὴν πόλιν Ἡετίωνος.“ τούτου
 δὲ καὶ τὴν Χρῦσαν [τὴν ἔχουσαν] τὸ ἱερὸν τοῦ Σμιν-
 θεῶς Ἀπόλλωνος ἐμφαίνει, εἶπερ ἡ Χρυσῆς ἐκ τῆς
 Θήβης ἐάλω· „ᾠχόμεθα“ γάρ, φησὶν, „ἐς Θήβην· τὴν
 „δὲ διεπράθομέν τε καὶ ἤγομεν ἐνθάδε πάντα. καὶ τὰ C.612
 30 „μὲν εὖ δάσσαντο μετὰ σφίσιν [υἱες Ἀχαιῶν], ἐκ δ'
 „ἔλον Ἀτρεΐδῃ Χρυσήϊδα.“ τοῦ δὲ Μύνητος τὴν Αὐρ-
 νησσόν· ἐπειδὴ „Αὐρνησσὸν διαπορθήσας καὶ τείχεα

- „Θήβης“ τόν τε Μύνητα καὶ τὸν Ἐπίστροφον ἀνεῖλεν
 Ἀχιλλεύς, ὥστε ὅταν φῇ ἡ Βρισηὶς „οὐδέ μ' ἔασκες,
 „ὅτ' ἄνδρ' ἐμὸν ὤκυσ Ἀχιλλεύς ἔκτεινεν, πέρσεν δὲ
 „πόλιν θείοιο Μύνητος,“ οὐ τὴν Θήβην λέγοι ἄν
 (αὕτη γὰρ Ἡετίωνος) ἀλλὰ τὴν Αὐρνησσόν· ἀμφοτέ- 5
 ραι δ' ἦσαν ἐν τῷ κληθέντι μετὰ ταῦτα Θήβης πεδίῳ,
 ὃ διὰ τὴν ἀρετὴν περιμάχητον γενέσθαι φασὶ Μυσοῖς
 μὲν καὶ Αὐδοῖς τὸ πρότερον, τοῖς δ' Ἑλλήσιν ὕστερον
 τοῖς ἐποικήσασιν ἐκ τῆς Αἰολίδος καὶ τῆς Λέσβου.
 ἔχουσι δὲ νῦν Ἀδραμυττηνοὶ τὸ πλεόν· ἐνταῦθα γὰρ 10
 καὶ ἡ Θήβη καὶ ἡ Αὐρνησσός, ἐρυμνὸν χωρίον· ἔρημοι
 δ' ἀμφοτέραι· διέχουσι δὲ Ἀδραμυττίου σταδίους ἡ
 μὲν ἐξήκοντα ἡ δὲ ὀγδοήκοντα καὶ ὀκτὼ ἐπὶ θάτερα.
- 62 Ἐν δὲ τῇ Ἀδραμυττηνῇ ἔστι καὶ ἡ Χρῦσα καὶ ἡ
 Κίλλα· πλησίον οὖν τῆς Θήβης ἔτι νῦν Κίλλα τις τό- 15
 πος λέγεται, ἐν ᾧ Κιλλαίου Ἀπόλλωνος ἔστιν ἱερόν·
 παραρρεῖ δ' αὐτῷ ἐξ Ἰδης φερόμενος ὁ Κίλλαιος ποτα-
 μός· ταῦτα δ' ἐστὶ κατὰ τὴν Ἀντανδρίαν· καὶ τὸ ἐν
 Λέσβῳ δὲ Κίλλαιον ἀπὸ ταύτης τῆς Κίλλης ὠνόμασται·
 ἔστι δὲ καὶ Κίλλαιον ὄρος μεταξὺ Γαργάρων καὶ Ἀν- 20
 τάνδρου. φησὶ δὲ Δάης ὁ Κολωναεὺς ἐν Κολωναῖς
 ἰδρυθῆναι πρῶτον ὑπὸ τῶν ἐκ τῆς Ἑλλάδος πλευσάν-
 των Αἰολέων τὸ τοῦ Κιλλαίου Ἀπόλλωνος ἱερόν· καὶ
 ἐν Χρῦσῃ δὲ λέγουσι Κίλλαιον Ἀπόλλωνα ἰδρῦσθαι,
 ἄδηλον εἴτε τὸν αὐτὸν τῷ Σμινθεὶ εἰδ' ἕτερον. 25
- 63 Ἡ δὲ Χρῦσα ἐπὶ θαλάττῃ πολίχνιον ἦν ἔχον λι-
 μένα, πλησίον δὲ ὑπέρεκειται ἡ Θήβη· ἐνταῦθα δ' ἦν
 καὶ τὸ ἱερόν τοῦ Σμινθέως Ἀπόλλωνος καὶ ἡ Χρυσή·
 ἡρήμωται δὲ νῦν τὸ χωρίον τελέως· εἰς δὲ τὴν νῦν
 Χρῦσαν τὴν κατὰ Ἀμαξιτὸν μεθίδρυνται τὸ ἱερόν, τῶν 30
 Κιλικίων τῶν μὲν εἰς τὴν Παμφυλίαν ἐκπεσόντων τῶν
 δὲ εἰς Ἀμαξιτόν. οἱ δ' ἀπειρότεροι τῶν παλαιῶν ἱστο-

ριῶν ἐνταῦθα τὸν Χρύσην καὶ τὴν Χρυσηίδα γερονέ-
 ναι φασὶ καὶ τὸν Ὀμηρον τούτου τοῦ τόπου μεμνη-
 σθαι. ἀλλ' οὔτε λιμὴν ἔστιν ἐνταῦθα, ἐκεῖνος δὲ φη-
 σιν „οἱ δ' ὅτε δὴ λιμένος πολυβενθέος ἐντὸς ἴκοντο,“
 5 οὔτ' ἐπὶ θαλάττῃ τὸ ἱερὸν ἔστιν, ἐκεῖνος δ' ἐπὶ θα-
 λάττῃ ποιεῖ τὸ ἱερὸν „ἐκ δὲ Χρυσηῖς νηὸς βῆ ποντο-
 „πόροιο· τὴν μὲν ἔπειτ' ἐπὶ βωμὸν ἄγων πολύμητις C.613
 „Ὀδυσσεὺς πατρὶ φίλῳ ἐν χερσὶ τίθει,“ οὔτε Θήβης
 πλησίον, ἐκεῖνος δὲ πλησίον· ἐκεῖθεν γοῦν ἀλοῦσαν
 10 λέγει τὴν Χρυσηίδα. ἀλλ' οὐδὲ Κίλλα τόπος οὐδεὶς ἐν
 τῇ Ἀλεξανδρέων χώρᾳ δείκνυται, οὐδὲ Κιλλαίου Ἀπόλ-
 λωνος ἱερὸν· ὁ ποιητὴς δὲ συζεύγνυσιν „ὅς Χρύσην
 ἀμφιβέβηκας Κίλλαν τε ζαθέην.“ ἐν δὲ τῷ Θήβης πε-
 δίῳ δείκνυται πλησίον· ὅ τε πλοῦς ἀπὸ μὲν τῆς Κιλι-
 15 κίου Χρύσης ἐπὶ τὸ ναύσταθμον ἐπτακοσίων ποντα-
 δίων ἔστιν ἡμερῆσιός πως, ὅσον φαίνεται πλεύσας ὁ
 Ὀδυσσεύς. ἐκβὰς γὰρ εὐθύς παρίστησι τὴν θυσίαν τῷ
 θεῷ καὶ τῆς ἐσπέρας ἐπιλαβούσης μένει αὐτόθι, πρὶν
 δὲ ἀποπλεῖ· ἀπὸ δὲ Ἀμαξιοῦ τὸ τρίτον μόλις τοῦ λε-
 20 χθέντος διαστήματός ἐστιν, ὥστε παρῇν τῷ Ὀδυσσεὶ
 αὐθημερὸν ἀναπλεῖν ἐπὶ τὸ ναύσταθμον τελέσαντι τὴν
 θυσίαν. ἔστι δὲ καὶ Κίλλου μνημα περὶ τὸ ἱερὸν τοῦ
 Κιλλαίου Ἀπόλλωνος, χῶμα μέγα· ἡνίοχον δὲ τοῦτον
 Πέλοπός φασιν ἡγησάμενον τῶν τόπων, ἅφ' οὗ ἴσως
 25 ἡ Κιλικία ἦ ἔμπαλιν.

Τὰ οὖν περὶ τοὺς Τεύκρους καὶ τοὺς μύας, ἅφ' 64
 ὧν ὁ Σμινθεύς, ἐπειδὴ σμίνθοι οἱ μύες, δεῦρο μετ-
 ενεκτέον. παραμυθοῦνται δὲ τὴν ἀπὸ μικρῶν ἐπίκλη-
 σιν τοιούτοις τισί· καὶ γὰρ ἀπὸ τῶν παρνώπων, οὓς οἱ
 30 Οἰταῖοι κόρνοπας λέγουσι, κορυπλίωνα τιμᾶσθαι παρ'
 ἐκείνοις Ἡρακλέα ἀπαλλαγῆς ἀκρίδων χάριν· ἱποκτό-
 νον δὲ παρ' Ἐρυθραίοις τοῖς τὸν Μίμαντα οἰκοῦσιν,

ὅτι φθαρτικὸς τῶν ἀμπελοφάγων ἱπῶν· καὶ δὴ παρ' ἐκείνοις μόνοις τῶν Ἑρυθραίων τὸ θηρίον τοῦτο μὴ γίνεσθαι. Ῥόδιοι δὲ ἐρυθριβίου Ἀπόλλωνος ἔχουσιν ἐν τῇ χώρᾳ ἱερὸν, τὴν ἐρυσίβην καλοῦντες ἐρυθρίβην· παρ' Αἰολεῦσι δὲ τοῖς ἐν Ἀσίᾳ μείς τις καλεῖται πορνο- 5 πίων, οὕτω τοὺς πάρνοπας καλούντων Βοιωτῶν, καὶ θυσία συντελεῖται πορνοπίωνι Ἀπόλλωνι.

66 Μυσία μὲν οὖν ἔστιν ἡ περὶ τὸ Ἀδραμύτιον· ἦν δέ ποτε ὑπὸ Ἀνδοῖς, καὶ νῦν πύλαι Λύδαι καλοῦνται ἐν Ἀδραμυτίῳ, Ἀνδῶν (ὥς φασι) τὴν πόλιν ἐκτικόν- 10 των. Μυσίας δὲ [καὶ] Ἀστύρα τὴν πλησίον κώμην φασίν. ἦν δὲ πολίχνη ποτέ, ἐν ἣ τὸ τῆς Ἀστυρηνῆς Ἀρτέμιδος ἱερὸν ἐν ἄλσει, προστατούμενον μετὰ ἀγιστείας ὑπ' Ἀντανδρίων, οἷς μᾶλλον γειτνιά· διέχει δὲ τῆς παλαιᾶς Χρύσης εἰκοσι σταδίους, καὶ αὐτῆς ἐν ἄλσει 15 τὸ ἱερὸν ἐχούσης. αὐτοῦ δὲ καὶ ὁ Ἀχιλλεῖος χάραξ· ἐν C.614 δὲ τῇ μεσογαίᾳ ἀπὸ πεντήκοντα σταδίων ἔστιν ἡ Θήβη ἔρημος, ἦν φησιν ὁ ποιητὴς „ὑπὸ Πλάκῳ ὑληέσση.“ οὔτε δὲ Πλάκος ἢ Πλάξ ἐκεῖ τι λέγεται, οὔθ' ὕλη ὑπέρ- 20 κείται καίτοι πρὸς τῇ Ἰδῇ. Ἀστύρων δ' ἡ Θήβη διέχει εἰς ἑβδομήκοντα σταδίους, Ἀνδείρων δὲ ἐξήκοντα. πάντα δὲ ταῦτά ἐστι τὰ ὀνόματα τόπων ἐρήμων ἢ φάυλως οἰκουμένων ἢ ποταμῶν χειμάρρων· τεθρύληται δὲ διὰ τὰς παλαιὰς ἱστορίας.

66 Πόλεις δ' εἰσὶν ἀξιόλογοι Ἄσσος τε καὶ Ἀδραμύτ- 25 τιον. ἠτύχησε δὲ τὸ Ἀδραμύτιον ἐν τῷ Μιθριδατικῷ πολέμῳ· τὴν γὰρ βουλὴν ἀπέσφαξε τῶν πολιτῶν Διόδωρος στρατηγὸς χαριζόμενος τῷ βασιλεῖ, προσποιούμενος δ' ἅμα τῶν τε ἐξ Ἀκαδημίας φιλοσόφων εἶναι καὶ δίκας λέγειν καὶ σοφιστεύειν τὰ ρητορικά· καὶ δὴ 30 καὶ συναπῆρεν εἰς τὸν Πόντον τῷ βασιλεῖ· καταλυθέντος δὲ τοῦ βασιλέως ἔτισε δίκας τοῖς ἀδικηθεῖσιν·

ἐγκλημάτων γὰρ ἐπενεχθέντων ἅμα πολλῶν, ἀπεκαρ-
τέρησεν αἰσχυρῶς οὐ φέρων τὴν δυσφημίαν ἐν τῇ ἡμε-
τέρᾳ πόλει. ἀνὴρ δὲ Ἀδραμυττηνὸς ῥήτωρ ἐπιφανὴς
γενένηται Ξενοκλῆς, τοῦ μὲν Ἀσιανοῦ χαρακτῆρος,
5 ἀγωνιστῆς δὲ εἴ τις ἄλλος καὶ εἰρηκῶς ὑπὲρ τῆς Ἀσίας
ἐπὶ τῆς συγκλήτου καθ' ὃν καιρὸν αἰτίαν εἶχε Μιθρι-
δατισμοῦ.

Πρὸς δὲ τοῖς Ἀστύροις λίμνη καλεῖται Σάπρα 67
βαραθρώδης εἰς ῥαχιώδη τῆς θαλάττης αἰγιαλὸν τὸ
10 ἐκρηγμα ἔχουσα. ὑπὸ δὲ τοῖς Ἀνδείροις ἱερὸν ἐστὶ μη-
τρὸς θεῶν Ἀνδειρηνῆς ἁγίου καὶ ἄντρον ὑπόνομον
μέχρι Παλαιᾶς. ἐστὶ δ' ἡ Παλαιὰ κατοικία τις οὕτω
καλουμένη, διέχουσα τῶν Ἀνδείρων ἑκατὸν καὶ τριά-
κοντα σταδίους· ἐδειξε δὲ τὴν ὑπονομήν χίμαρος ἐμ-
15 πεσὼν εἰς τὸ στόμα καὶ ἀνευρεθεὶς τῇ ὑστεραίᾳ κατὰ
Ἀνδειρα ὑπὸ τοῦ ποιμένος κατὰ τύχην ἐπὶ θυσίαν
ἦκοντος. Ἀταρνεὺς δ' ἐστὶ τὸ τοῦ Ἑρμείου τυραννεῖον,
εἴτα Πιτάνη πόλις Αἰολικὴ, δύο ἔχουσα λιμένας, καὶ
ὁ παραρρέων αὐτὴν ποταμὸς Εὐήνος, ἐξ οὗ τὸ ὕδρα-
20 γωγεῖον πεποιήται τοῖς Ἀδραμυττηνοῖς. ἐκ δὲ τῆς Πι-
τάνης ἐστὶν Ἀρκεσίλαος ὁ ἐκ τῆς Ἀκαδημίας, Ζήνωνος
τοῦ Κιτιέως συσχολαστῆς παρὰ Πολέμωνι. καλεῖται δὲ
καὶ ἐν τῇ Πιτάνῃ τις τόπος ἐπὶ θαλάττῃ Ἀταρνεὺς ὑπὸ
τῇ Πιτάνῃ κατὰ τὴν καλουμένην νῆσον Ἐλαιούσσαν.
25 φασὶ δ' ἐν τῇ Πιτάνῃ τὰς πλύνθους ἐπιπολάζειν ἐν τοῖς
ὑδασι, καθάπερ καὶ ἐν τῇ Τυρρηνίᾳ νησὶς πέπονθε·
κουφοτέρα γὰρ ἡ γῆ τοῦ ἐπισόγκου ὕδατός ἐστιν ὥστ'
ἐποχεῖσθαι. ἐν Ἰβηρίᾳ δὲ φησὶν ἰδεῖν Ποσειδῶνιος ἐκ
τινὸς γῆς ἀργιλώδους, ἣ τὰ ἀργυρώματα ἐκμάττεται, C.61
30 πλύνθους πηγνυμένας καὶ ἐπιπλεύσας. μετὰ δὲ τὴν
Πιτάνην ὁ Κάικος εἰς τὸν Ἐλαῖτην καλούμενον κόλ-
πον ἐν τριάκοντα σταδίοις ἐκδίδωσιν. ἐν δὲ τῷ πέραν

τοῦ Καΐκου θώδεκα διέχουσα τοῦ ποταμοῦ σταδίους
Ἐλαία πόλις Αἰολικὴ καὶ αὕτη, Περγαμηνῶν ἐπίνειον,
ἐκατὸν καὶ εἰκοσι σταδίους διέχουσα τοῦ Περγάμου.

- 68 *Εἰτ' ἐν ἑκατὸν σταδίοις ἡ Κάνη, τὸ ἀνταῖον ἀ-*
κρωτήριον τῷ Λεκτῷ καὶ ποιοῦν τὸν Ἀδραμυττηνὸν 5
κόλπον, οὗ μέρος καὶ ὁ Ἐλαϊτικὸς ἐστὶ. Κάναι δὲ πο-
λίηνιον Λοκρῶν τῶν ἐκ Κύνου κατὰ τὰ ἄκρα τῆς Λέ-
σβου τὰ νοτιώτατα κείμενον ἐν τῇ Καναίᾳ· αὕτη δὲ μέ-
χρι τῶν Ἀργινουσσῶν διήκει καὶ τῆς ὑπερκειμένης
ἄκρας, ἣν Αἰγά τινες ὀνομάζουσιν ὁμωνύμως τῷ ζῳῷ. 10
δεῖ δὲ μακρῶς τὴν δευτέραν συλλαβὴν ἐκφέρειν Αἰγάν,
ὡς ἀκτὰν καὶ ἀρχάν· οὕτω γὰρ καὶ τὸ ὄρος ὅλον ὠνο-
μάζετο, ὃ νῦν Κάνην καὶ Κάνας λέγουσι. κύκλω δὲ
περὶ τὸ ὄρος πρὸς νότον μὲν καὶ δύσιν ἡ θάλαττα,
πρὸς ἑω δὲ τὸ Καΐκου πεδίου ὑπόκειται, πρὸς ἄρκτον 15
δὲ ἡ Ἐλαῖτις· αὐτὸ δὲ καθ' αὐτὸ ἱκανῶς συνέσταλται,
προσνεύει δὲ ἐπὶ τὸ Αἰγαῖον πέλαγος, ὅθεν αὐτῷ καὶ
*τοῦνομα· ὕστερον δὲ αὐτὸ τὸ ἀκρωτήριον Αἰγά * κε-*
κλησθαι, τὸ δὲ λοιπὸν Κάνη καὶ Κάναι.

- 69 *Μεταξὺ δὲ Ἐλαίας τε καὶ Πιτάνης καὶ Ἀταρνέως 20*
καὶ Περγάμου Τευθρανία ἐστὶ, διέχουσα οὐδεμιᾶς ἀν-
τῶν ὑπὲρ ἑβδομήκοντα σταδίους ἐντὸς τοῦ Καΐκου, καὶ
ὁ Τεύθρας Κιλίκων καὶ Μυσῶν ἱστόρηται βασιλεύς.
Εὐριπίδης δ' ὑπὸ Ἀλέου φησὶ τοῦ τῆς Αὖγης πατρὸς
εἰς λάρνακα τὴν Αὖγην κατατεθείσαν ἅμα τῷ παιδί 25
Τηλέφῳ καταποντωθῆναι, φωράσαντος τὴν ἐξ Ἡρα-
κλέους φθοράν· Ἀθηναῖς δὲ προνοίᾳ τὴν λάρνακα πε-
ραιωθεῖσαν ἐκπεσεῖν εἰς τὸ στόμα τοῦ Καΐκου, τὸν δὲ
Τεύθραντα ἀναλαβόντα τὰ σώματα τῇ μὲν ὥς γαμετῇ
χρήσασθαι τῷ δ' ὥς ἑαυτοῦ παιδί. τοῦτο μὲν οὖν μν- 30

19. post κεκλησθαι: ὡς Σαμφά

- θος, ἄλλην δέ τινα δεῖ γεγονέναι συντυχίαν, δι' ἣν ἡ
 τοῦ Ἀρκάδος θυγάτηρ τῷ Μυσῶν βασιλεῖ συνῆλθε καὶ
 ὁ ἐξ αὐτῆς διεδέξατο τὴν ἐκείνου βασιλείαν. πεπίστευ-
 ται δ' οὖν ὅτι καὶ ὁ Τεύθρας καὶ ὁ Τήλεφος ἐβασίλευ-
 5 σαν τῆς χώρας τῆς περὶ τὴν Τευθρανίαν καὶ τὸν Κάι-
 κον, ὁ δὲ ποιητὴς ἐπὶ τοσοῦτον μέμνηται μόνον τῆς
 ἱστορίας ταύτης „ἀλλ' οἶον τὸν Τηλεφίδην κατενήρατο
 „χαλκῷ ἦρω Εὐρύπυλον, πολλοὶ δ' ἄμφ' αὐτὸν ἐταῖ-
 „ροι Κῆτειοι κτείνοντο γυναιῶν εἵνεκα δώρων,“ αἰ-
 10 νιγμα τιθεὶς ἡμῖν μᾶλλον ἢ λέγων τι σαφές. οὔτε γὰρ
 τοὺς Κητείους ἴσμεν οὔστινας δέξασθαι δεῖ, οὔτε τὸ
 „γυναιῶν εἵνεκα δώρων.“ ἀλλὰ καὶ οἱ γραμματικοὶ
 μυθάρια παραβάλλοντες εὐρεσιλογοῦσι μᾶλλον ἢ λύ-
 ονσι τὰ ζητούμενα.
- 15 Ἐάσθω δὴ ταῦτα, ἐκεῖνο δ' ὅπερ ἐστὶ μᾶλλον ἐν 70
 φανερωῶ λαβόντες λέγωμεν, ὅτι ἐν τοῖς περὶ τὸν Κάικον
 τόποις φαίνεται βεβασιλευκῶς καθ' Ὅμηρον ὁ Εὐρύ-
 πυλος, ὥστ' ἴσως καὶ τῶν Κιλικίων τι μέρος ἦν ὑπ' αὐ-
 τῷ, καὶ οὐ δύο δυναστεῖαι μόνον ἀλλὰ καὶ τρεῖς ὑπῆρ-
 20 ξαν ἐν αὐτοῖς. τῷ δὲ λόγῳ τούτῳ συνηγορεῖ τὸ ἐν τῇ
 Ἐλαττιδι χειμαρρῶδες ποτάμιον δεῖκνυσθαι Κητείον·
 ἐμπίπτει δ' οὗτος εἰς ἄλλον ὅμοιον, εἰτ' ἄλλον, κατα-
 στρέφουσι δὲ εἰς τὸν Κάικον· ὁ δὲ Κάικος οὐκ ἀπὸ
 τῆς Ἰδης ῥεῖ, καθάπερ εἴρηκε Βακχυλίδης, * οὔθ' ὥς
 25 Εὐριπίδης τὸν Μαρσύαν φησί „τὰς διωνομασμένας
 „ναίειν Κελαινὰς ἐσχάτοις Ἰδης τόποις.“ πολὺ γὰρ
 τῆς Ἰδης ἄπωθεν αἱ Κελαιναί, πολὺ δὲ καὶ αἱ τοῦ Καῖ-
 κου πηγαί· δεῖκνυνται γὰρ ἐν πεδίῳ. Τῆμνον δ' ἐστὶν
 ὄρος ὃ διορίζει τοῦτό τε καὶ τὸ καλούμενον Ἀπίας πε-
 30 δίον, ὃ ὑπέρεκται ἐν τῇ μεσογαίᾳ τοῦ Θήβης πεδίου·
 ῥεῖ δ' ἐκ τοῦ Τῆμνον ποταμὸς Μύσιος ἐμβάλλων εἰς
 τὸν Κάικον ὑπὸ ταῖς πηγαῖς αὐτοῦ, ἀφ' οὗ δέχονται

τινες εἰπεῖν Αἰσχύλον κατὰ τὴν εἰσβολὴν τοῦ ἐν Μυρμιδόσι προλόγου „ὡς Κάικε Μύσιαί, τ' ἐπιρροαί.“ ἐργὺς δὲ τῶν πηγῶν κώμη Γέργιθα ἔστιν, εἰς ἣν μετώκισεν Ἀτταλος τοὺς ἐν τῇ Τρωάδι τὸ χωρίον ἐξελῶν.

2 Ἐπεὶ δὲ τῇ παραλίᾳ τῇ ἀπὸ Λεκτοῦ μέχρι Κανῶν 5 ἀντιπαρατίθεται νῆσος ἡ Λέσβος λόγου ἀξία πλείστου, περικεῖται δὲ αὐτῇ καὶ νησία τὰ μὲν ἔξωθεν τὰ δὲ καὶ ἐντὸς μεταξὺ αὐτῆς τε καὶ τῆς ἡπείρου, καιρὸς ἥδη περὶ τούτων εἰπεῖν· καὶ γὰρ ταῦτά ἐστιν Αἰολικά, σχεδὸν δέ τι καὶ μητρόπολις ἡ Λέσβος ὑπάρχει τῶν 10 Αἰολικῶν πόλεων. ἄρκτεον δ' ἀφ' ὧν περ καὶ τὴν παραλίαν ἐπήλθομεν τὴν κατ' αὐτήν.

2 Ἀπὸ Λεκτοῦ τοίνυν ἐπὶ Ἄσσον πλέουσιν ἀρχὴ τῆς 15 Λεσβίας ἐστὶ κατὰ Σίγριον τὸ πρὸς ἄρκτον αὐτῆς ἄκρον. ἐνταῦθα δὲ πού καὶ Μῆθυμνα πόλις Λεσβίων ἐστὶν 15 ἀπὸ ἐξήκοντα σταδίων τῆς ἐκ Πολυμηδείου πρὸς τὴν Ἄσσον παραλίας. οὔσης δὲ τῆς περιμέτρου σταδίων χιλίων ἑκατὸν ἦν ἡ σύμπασα ἐκπληροῦ νῆσος, τὰ καθ' ἕκαστα οὕτως ἔχει· ἀπὸ Μηθύμνης εἰς Μαλίαν τὸ νοτιώτατον ἄκρον ἐν δεξιᾷ ἔχουσι τὴν νῆσον, καθ' ὅ 20 αὶ Κάναι μάλιστα ἀντίκεινται τῇ νήσῳ καὶ συναπαρτί- C.617 ζουσι, στάδιοι εἰσι τριακόσιοι τετταράκοντα· ἐντεῦ- 25θεν δ' ἐπὶ Σίγριον, ὅπερ ἐστὶ τῆς νήσου τὸ μῆκος, πεντακόσιοι ἐξήκοντα· εἰτ' ἐπὶ τὴν Μῆθυμναν διακό- 30σιοι δέκα. Μιτυλήνη δὲ κεῖται μεταξὺ Μηθύμνης καὶ 25 τῆς Μαλίας ἡ μεγίστη πόλις, διέχουσα τῆς Μαλίας ἑβδομήκοντα σταδίους, τῶν δὲ Κανῶν ἑκατὸν εἰκοσιν, ὅσους καὶ τῶν Ἀργινουσσῶν, αἱ τρεῖς μὲν εἰσιν οὐ με- 30γάλαι νῆσοι, πλησιάζουσι δὲ τῇ ἡπείρῳ, παρακείμε- 35ναι ταῖς Κάναις. ἐν δὲ τῷ μεταξὺ Μιτυλήνης καὶ τῆς 30 Μηθύμνης κατὰ κώμην τῆς Μηθυμναίας καλουμένην Αἰγειρον στενωπάτη ἐστὶν ἡ νῆσος, ὑπερβασιν ἔχουσα

εἰς τὸν Πυρραίων εὐριπον σταδίων εἴκοσιν. Ἰδρυνται δ' ἡ Πύρρα ἐν τῷ ἑσπερίῳ πλευρῷ τῆς Ἀέσβου, διέχουσα τῆς Μαλίας ἑκατόν. ἔχει δ' ἡ Μιτυλήνη λιμένας δύο, ὧν ὁ νότιος κλειστός τριηρικὸς ναυσὶ πεντήκοντα, ὁ δὲ βόρειος μέγας καὶ βαθύς, χάρματι σκεπαζόμενος· πρόκειται δ' ἀμφοῖν νησίον μέρος τῆς πόλεως ἔχον αὐτόθι συνοικούμενον· κατεσκευάζεται δὲ τοῖς πᾶσι καλῶς.

Ἄνδρας δ' ἔσχεν ἐνδόξους τὸ παλαιὸν μὲν Πι- 3
 10 τακόν, ἓνα τῶν ἑπτὰ σοφῶν, καὶ τὸν ποιητὴν Ἀλκαῖον καὶ τὸν ἀδελφὸν Ἀντιμενίδαν, ὃν φησιν Ἀλκαῖος Βαβυλωνίοις συμμαχοῦντα τελέσαι μέγαν ἄθλον καὶ ἐκ πόνων αὐτοὺς ῥύσασθαι κτείναντα „ἄνδρα μαχαίταν „βασιλῆων παλάσταν (ὧς φησιν) ἀπολείποντα μόνου
 15 „μίαν παχέων ἀπὺ πέμπων.“ συνήκμασε δὲ τούτοις καὶ ἡ Σαπφώ, θαυμαστόν τι χρῆμα· οὐ γὰρ ἴσμεν ἐν τῷ τοσούτῳ χρόνῳ τῷ μνημονευομένῳ φανείσαντινα γυναικὰ ἐνάμιλλον οὐδὲ κατὰ μικρὸν ἐκείνῃ ποιήσεως χάριν. ἐτυραννήθη δὲ ἡ πόλις κατὰ τοὺς χρόνους τού-
 20 τος ὑπὸ πλειόνων διὰ τὰς διχοστασίας, καὶ τὰ στασιωτικὰ καλούμενα τοῦ Ἀλκαίου ποιήματα περὶ τούτων ἐστίν· ἐν δὲ τοῖς τυράννοις καὶ ὁ Πιττακὸς ἐγένετο. Ἀλκαῖος μὲν οὖν ὁμοίως ἐλοιδορεῖτο καὶ τούτῳ καὶ τοῖς ἄλλοις, Μυρσίλῳ καὶ Μελάγχρῳ καὶ τοῖς Κλεανα-
 25 κτίδαις καὶ ἄλλοις τισίν, οὐδ' αὐτὸς καθαρύων τῶν τοιούτων νεωτερισμῶν. Πιττακὸς δ' εἰς μὲν τὴν τῶν δυναστειῶν κατάλυσιν ἐχρήσατο τῇ μοναρχίᾳ καὶ αὐτός, καταλύσας δὲ ἀπέδωκε τὴν αὐτονομίαν τῇ πόλει. ὕστερον δ' ἐγένετο χρόνους πολλοῖς Διοφάνης ὁ ρή-
 30 τωρ, καθ' ἡμᾶς δὲ Ποτάμων καὶ Αεσβοκλῆς καὶ Κριναγόρας καὶ ὁ συγγραφεὺς Θεοφάνης. οὗτος δὲ καὶ πολιτικὸς ἀνὴρ ὑπῆρξε καὶ Πομπηίῳ τῷ Μάγνῳ κα-

τέστη φίλος μάλιστα διὰ τὴν ἀρετὴν ταύτην, καὶ πά-
 σας συγκατώρθωσεν αὐτῷ τὰς πράξεις, ἀφ' ὧν τὴν τε
 πατρίδα ἐκόσμησε τὰ μὲν δι' ἐκείνου τὰ δὲ δι' ἑαυτοῦ,
 C.618 καὶ ἑαυτὸν πάντων τῶν Ἑλλήνων ἐπιφανέστατον ἀνέ-
 δειξεν· υἱὸν τε ἀπέλιπε Μάρκον Πομπήιον, ὃν τῆς 5
 Ἀσίας ἐπίτροπον κατέστησέ ποτε Καῖσαρ ὁ Σεβαστός,
 καὶ νῦν ἐν τοῖς πρώτοις ἐξετάζεται τῶν Τιβερίου φί-
 λων. Ἀθηναῖοι δ' ἐκινδύνευσαν μὲν ἀνηκέστῳ ψόγῳ
 περιπεσεῖν ψηφισάμενοι Μιτυληναίους ἡβηδὸν ἀπο-
 σφαγῆναι, μετέγνωσαν δὲ καὶ ἔφθη μιᾷ θάττον ἡμέρᾳ 10
 τὸ ψηφισμα ἀφιγμένον ὥς τοὺς στρατηγοὺς πρὶν ἢ
 προᾶξαι τὸ προσταχθέν.

4 Ἡ δὲ Πύρρα κατέστραπται, τὸ δὲ προάστειον οἰ-
 κεῖται καὶ ἔχει λιμένα, ὅθεν εἰς Μιτυλήνην ὑπέρβασις
 σταδίων ὀγδοήκοντα. εἰτ' Ἐρεσος ἔστι μετὰ τὴν Πύρ-15
 ραν· ἰδρυται δ' ἐπὶ λόφον καθήκει τε ἐπὶ θάλατταν·
 εἰτ' ἐπὶ τὸ Σίγριον ἐντεῦθεν στάδιοι εἰκοσιοκτώ· ἐξ
 Ἐρέσου δ' ἦσαν Θεόφραστος τε καὶ Φανίας οἱ ἐκ τῶν
 περιπάτων φιλόσοφοι, Ἀριστοτέλους γινώριμοι. Τύρ-
 ταμος δ' ἐκαλεῖτο ἔμπροσθεν ὁ Θεόφραστος, μετωνό-20
 μασε δ' αὐτὸν Ἀριστοτέλης Θεόφραστον, ἅμα μὲν
 φεύγων τὴν τοῦ προτέρου ὀνόματος κακοφωνίαν, ἅμα
 δὲ τὸν τῆς φράσεως αὐτοῦ ζῆλον ἐπισημαινόμενος·
 ἅπαντας μὲν γὰρ λογίους ἐποίησε τοὺς μαθητὰς Ἀρι-
 στοτέλης, λογιώτατον δὲ Θεόφραστον. Ἀντισσα δ' 25
 ἐφεξῆς ἔστι τῷ Σιγρίῳ πόλις ἔχουσα λιμένα, ἔπειτα
 Μήθυμνα· ἐντεῦθεν δ' ἦν Ἀρίων ὁ ἐπὶ τῷ δελφῶνι
 μυθεύόμενος ὑπὸ τῶν περὶ Ἡρόδοτον εἰς Ταίναρον
 σωθῆναι, καταποντωθεὶς ὑπὸ τῶν ληστῶν· οὗτος μὲν
 οὖν κιθαρωδός. καὶ Τέρπανδρον δὲ τῆς αὐτῆς μουσι-30
 κῆς τεχνίτην γεγενῆσθαι φασὶ καὶ τῆς αὐτῆς νήσου, τὸν
 πρῶτον ἀντὶ τῆς τετραχόρδου λύρας ἐπταχόρδῳ χρη-

σάμενον, καθάπερ καὶ ἐν τοῖς ἀναφερομένοις ἔπεσιν εἰς αὐτὸν λέγεται „σοὶ δ' ἡμεῖς τετράγνηρυν ἀποστρέψαντες ἀοιδὴν ἑπτατόνῳ φόρμιγγι νέους κελαδήσομεν ὕμνους.“ καὶ Ἑλλάνικος δὲ Λέσβιος ὁ συγγραφεὺς καὶ Καλλίας ὁ τὴν Σαπφῶ καὶ τὸν Ἀλκαῖον ἐξηγησάμενος.

Κατὰ δὲ τὸν πορθημὸν τὸν μεταξὺ τῆς Ἀσίας καὶ 5 τῆς Λέσβου νησία ἐστὶ περὶ εἴκοσιν, ὥς δὲ Τιμοσθένης φησί, τετταράκοντα· καλοῦνται δ' Ἑκατόννησοι συν- 10 θέτως, ὥς Πελοπόννησος, κατὰ ἔθος τι τοῦ ὕψους γράμματος πλεονάζοντος ἐν τοῖς τοιούτοις, ὥς Μυόννησος καὶ Προκόννησος λέγεται καὶ Ἀλόννησος, ὥστε Ἑκατόννησοί εἰσιν, οἷον Ἀπολλωνόννησοι· Ἑκατος γὰρ ὁ Ἀπόλλων· παρὰ πᾶσαν γὰρ δὴ τὴν παραλλίαν ταύτην 15 ὁ Ἀπόλλων ἐκτετίμηται μέχρι Τενέδου, Σμινθεὺς ἢ Κιλλαιὸς καλούμενος ἢ Γρυνεὺς ἢ τινα ἄλλην ἐπωνυμίαν ἔχων. πλησίον δὲ τούτων ἐστὶ καὶ ἡ Πορδοσελήνη, πόλιν ὁμώνυμον ἔχουσα ἐν * αὐτῇ· καὶ πρὸ τῆς C.619 πόλεως ταύτης ἄλλη νῆσος* πόλις μεῖζων αὐτῆς, καὶ πό- 20 λιν ὁμώνυμος ἔρημος, ἱερὸν ἄγιον ἔχουσα Ἀπόλλωνος.

Τὰς δὲ δυσφημίας τῶν ὀνομάτων φεύγοντες τι- 6 νες ἐνταῦθα μὲν Πορδοσελήνην δεῖν λέγειν φασί, τὸ δ' Ἀσπορθηνὸν ὄρος τὸ περὶ Πέργαμον, τραχὺ καὶ λυπρὸν ὄν, Ἀσπορηνόν, καὶ τὸ ἱερὸν τὸ ἐνταῦθα τῆς μητρὸς 25 τῶν θεῶν Ἀσπορηνῆς. τί οὖν φήσομεν τὴν πόρδαλιν καὶ τὸν σαπέρδην καὶ τὸν Περγδίκαν καὶ τὸ Σιμωνίδου „σὺν πορδακοῖσιν ἐκπесόντες εἵμασιν“ ἀντὶ τοῦ διαβρόχοις, καὶ ἐν τῇ ἀρχαίᾳ πον κωμωδία „πορδακὸν „τὸ χωρίον“ τὸ λιμνάζου;

30 Διέχει δ' ἡ Λέσβος τὸ ἔσον ἀπὸ τῆς Τενέδου καὶ Ἀήμνου καὶ Χίου σχεδόν τι τῶν πεντακοσίων ἐνδοτέρω σταδίων.

3 Τοιαύτης δὲ τῆς πρὸς τοὺς Τρῶας οἰκειότητος
 ὑπαρχούσης τοῖς τε Λέλεξι καὶ τοῖς Κίλιξι, ζητοῦσιν
 αἰτίαν δι' ἣν οὐ συγκαταλέγονται καὶ οὗτοι ἐν τῷ κατα-
 λόγῳ. εἰκὸς δὲ διὰ τὴν τῶν ἡγεμόνων διαφθορὰν καὶ
 τὴν τῶν πόλεων ἐκπόρθησιν ὀλίγους ὑπολειφθέντας 5
 τοὺς Κίλικας ὑπὸ τῷ Ἑκτορι τάττεσθαι· ὃ τε γὰρ Ἡε-
 τίων καὶ οἱ παῖδες αὐτοῦ λέγονται πρὸ τοῦ καταλόγου
 διαφθαρεῖναι, ἥτοι μὲν πατέρ' ἄμὸν ἀπέκτανε δῖος
 „Ἀχιλλεύς, ἐκ δὲ πόλιν πέρσεν Κιλικῶν, Θήβην ὑψί-
 „πυλον.“ „οἳ δέ μοι ἐπὶ κασίγνητοι ἔσαν ἐν μεγάροι- 10
 „σιν, οἳ μὲν πάντες ἰὼ κίον ἡματι Ἄιδος εἴσω· πάν-
 „τας γὰρ κατέπεφνε ποδάρκης δῖος Ἀχιλλεύς.“ ὥς δ'
 αὐτῶς καὶ οἱ ὑπὸ Μύνητι τοὺς τε ἡγεμόνας ἀποβεβλή-
 κασι καὶ τὴν πόλιν „καδδὲ Μύνητ' ἔβαλεν καὶ Ἐπί-
 „στροφον, πέρσεν δὲ πόλιν θείοιο Μύνητος.“ τοὺς δὲ 15
 Λέλεγας τοῖς μὲν ἀγῶσι παρόντας ποιεῖ, ὅταν οὕτω
 λέγῃ „πρὸς μὲν ἄλῃς Κᾶρες καὶ Παῖονες ἀγκυλότοξοι
 „καὶ Λέλεγες καὶ Καύκωνες,“ καὶ πάλιν „Σάτνιον
 „οὔτασε δουρὶ Οἶνοπίδην, ὃν ἄρα νύμφη τέκε Νῆις
 „ἀμύμων Οἶνοπι βουκολέοντι παρ' ὄχθας Σατνιόεν- 20
 „τος.“ οὐ γὰρ οὕτως ἐξελελοίπεσαν τελέως ὥστε μὴ
 καὶ καθ' αὐτοὺς ἔχειν τι σύστημα, ἅτε τοῦ βασιλέως
 αὐτῶν ἔτι περιόντος „Ἀλτεω, ὃς Λελέγεσσι φιλοπτο-
 „λέμοισιν ἀνάσσει,“ καὶ τῆς πόλεως οὐ τελέως ἡφάνι-
 σμένης· ἐπιφέρει γὰρ „Πήδασον αἰπῆσσαν ἔχων ἐπὶ 25
 C.620 „Σατνιόεντι.“ ἐν μέντοι τῷ καταλόγῳ παραλέλοιπεν
 αὐτούς, οὐχ ἱκανὸν ἡγούμενος τὸ σύστημα ὥστ' ἐν
 καταλόγῳ τάττεσθαι, ἢ καὶ ὑπὸ τῷ Ἑκτορι καὶ τού-
 τους συγκαταλέγων οὕτως ὄντας οἰκείους. ὃ γὰρ Λυ-
 κᾶων φησὶν ἀδελφὸς ὦν Ἑκτορος „μινυνθάδιον δέ με 30

„μήτηρ γείνατο Λαοθόη, θυγάτηρ Ἄλταο γέροντος,
 „Ἄλτεω, ὃς Δελέγεσσι φιλοπτολέμοισιν ἀνάσσει.“
 ταῦτα μὲν οὖν τοιαύτην τινὰ ἔχει τὴν εἰκοτολογίαν.

Εἰκοτολογεῖν δ' ἔστι καὶ ἐν τις τὸν ἀκριβῆ ζητεῖ 2
 5 κατὰ τὸν ποιητὴν ὅρον μέχρι τίνος οἱ Κίλικες διέτει-
 νον καὶ οἱ Πελασγοὶ καὶ ἔτι οἱ μεταξὺ τούτων Κήτειοι
 λεγόμενοι οἱ ὑπὸ τῷ Εὐρυπύλῳ. περὶ μὲν οὖν τῶν Κι-
 λίκων καὶ τῶν ὑπ' Εὐρυπύλῳ τὰ ἐνόντα εἴρηται, καὶ
 διότι [ἐπὶ] τὰ περὶ τὸν Κάικον μάλιστα περατοῦνται.
 10 τοὺς δὲ Πελασγοὺς εὖλογον τούτοις ἐφεξῆς τιθέναι
 ἔκ τε τῶν ὑφ' Ὀμήρου λεγομένων καὶ ἐκ τῆς ἄλλης
 ἱστορίας. ὁ μὲν γὰρ οὕτω φησὶν „Ἰππόθοος δ' ἄγε
 „φῦλα Πελασγῶν ἐργεσιμῶρων, τῶν οἱ Λάρισαν ἐρι-
 „βώλακα ναιετάασκον· τῶν ἥρχ' Ἰππόθοός τε Πύ-
 15 „λαιός τ' ὄξος Ἄρῃος, νῆε δ' ὡς Λήθιοιο Πελασγοῦ Τευ-
 „ταμίδαο.“ ἐξ ὧν πληθὺς τε ἐμφαίνει ἀξιόλογον τὸ
 τῶν Πελασγῶν (οὐ γὰρ φῦλον, ἀλλὰ φῦλα ἔφη) καὶ
 τὴν οἰκησιν ἐν Λαρίσῃ φράζει. πολλὰ μὲν οὖν αἱ Λά-
 ρισαι, δεῖ δὲ τῶν ἐγγύς τινα δέξασθαι, μάλιστα δ' ἂν
 20 τὴν περὶ Κύμην ὑπολάβοι τις ὀρθῶς· τριῶν γὰρ οὐ-
 σῶν ἡ μὲν καθ' Ἀμαξιτὸν ἐν ὕψει τελέως ἐστὶ τῷ Ἰλίῳ,
 καὶ ἐγγὺς σφόδρα ἐν διακοσίοις πού σταδίοις, ὥστ'
 οὐκ ἂν λέγοιτο πιθανῶς ὁ Ἰππόθοος πεσεῖν ἐν τῷ ὑπὲρ
 Πατρόκλου ἀγῶνι „τῇλ' ἀπὸ Λαρίσης,“ ταύτης γε,
 25 ἀλλὰ μᾶλλον τῆς περὶ Κύμην· χίλιοι γὰρ πού στάδιοι
 μεταξὺ· τρίτη δ' ἐστὶ Λάρισα κώμη τῆς Ἐφεσίας ἐν
 τῷ Καῦστρίῳ πεδίῳ, ἣν φασὶ πόλιν ὑπάρξαι πρότε-
 ρον, ἔχουσιν καὶ ἱερὸν Ἀπόλλωνος Λαρισηνοῦ, πλη-
 σιάζουσιν τῷ Τρωάῳ μᾶλλον ἢ τῇ Ἐφέσῳ· ταύτης
 30 γὰρ ἑκατὸν καὶ ὀγδοήκοντα διέχει σταδίους, ὥστε ὑπὸ
 τοῖς Μήροσιν ἂν τις τάττοι ταύτην. Ἐφέσιοι δ' αὖξη-
 θέντες ὕστερον πολλὴν τῆς τῶν Μηρόνων, οὓς νῦν

Λυδοὺς φασί, ἀπετέμοντο, ὥστ' οὐδ' αὕτη ἂν ἡ τῶν Πελασγῶν Λάρισα εἴη, ἀλλ' ἐκείνη μᾶλλον. καὶ γὰρ τῆς μὲν ἐν τῇ Καύστριανῇ Λαρίσῃ οὐδὲν ἔχομεν τεκμήριον ἰσχυρὸν ὥς ἦν ἤδη τότε· οὐδὲ γὰρ τῆς Ἐφέσου.

621 τῆς δὲ περὶ τὴν Κύμην μαρτύριόν ἐστι πᾶσα ἡ Αἰολικὴ ἱστορία μικρὸν ὕστερον τῶν Τρωικῶν γενομένη.

3 Φασὶ γὰρ τοὺς ἐκ τοῦ Φρικίου τοῦ ὑπὲρ Θερμοπυλῶν Λοκρικοῦ ὄρους ὁρμηθέντας κατᾶραι μὲν εἰς τὸν τόπον ὅπου νῦν ἡ Κύμη ἐστί, καταλαβόντας δὲ τοὺς Πελασγοὺς κεκακωμένους ὑπὸ τοῦ Τρωικοῦ πολέμου, 10 κατέχοντας δ' ὅμως ἔτι τὴν Λάρισαν διέχουσαν τῆς Κύμης ὅσον ἐβδομήκοντα σταδίους, ἐπιτειχίσαι αὐτοῖς τὸ νῦν ἐτι λεγόμενον Νέον τεῖχος ἀπὸ τριάκοντα σταδίων τῆς Λαρίσῃς, ἐλόντας δὲ κτίσαι τὴν Κύμην καὶ τοὺς περιγενομένους ἀνθρώπους ἐκεῖσε ἀνοικίσαι· 15 ἀπὸ δὲ τοῦ Λοκρικοῦ ὄρους τὴν τε Κύμην Φρικωνίδα καλοῦσιν, ὁμοίως δὲ καὶ τὴν Λάρισαν· ἐρήμη δ' ἐστὶ νῦν. ὅτι δ' οἱ Πελασγοὶ μέγα ἦν ἔθνος, καὶ ἐκ τῆς ἄλλης ἱστορίας οὕτως ἐκμαρτυρεῖσθαι φασί· Μενεκράτης γοῦν ὁ Ἐλαίτης ἐν τοῖς περὶ κτίσεων φησὶ τὴν 20 παραλίαν τὴν νῦν Ἰωνικὴν πᾶσαν ἀπὸ Μυκάλῃς ἀρξαμένην ὑπὸ Πελασγῶν οἰκείσθαι πρότερον καὶ τὰς πλησίον νήσους. Λέσβιοι δ' ὑπὸ Πυλαίῳ τετάχθαι λέγουσι σφᾶς τῷ ὑπὸ τοῦ ποιητοῦ λεγομένῳ τῶν Πελασγῶν ἄρχοντι, ἃφ' οὗ καὶ τὸ παρ' αὐτοῖς ὄρος ἔτι 25 Πύλαιον καλεῖσθαι. καὶ Χίοι δὲ οἰκιστὰς ἐαυτῶν Πελασγοὺς φασὶ τοὺς ἐκ τῆς Θετταλίας. πολὺ πλανοὺν δὲ καὶ ταχὺ τὸ ἔθνος πρὸς ἀπαναστάσεις, ἠϋξήθη τε ἐπὶ πολὺ καὶ ἀθρόαν ἔλαβε τὴν ἐκλειψιν καὶ μάλιστα κατὰ τὴν τῶν Αἰολέων καὶ τῶν Ἰώνων περραίωσιν εἰς τὴν 30 Ἀσίαν.

4 Ἴδιον δέ τι τοῖς Λαρισαίοις συνέβη τοῖς τε Καῦ-

στριανοῖς καὶ τοῖς Φρικωνεύσι καὶ τρίτοις τοῖς ἐν Θε-
 ταλίᾳ· ἅπαντες γὰρ ποταμόχωστος τὴν χώραν ἔσχον
 οἱ μὲν ὑπὸ τοῦ Καῦστρου, οἱ δ' ὑπὸ τοῦ Ἑρμοῦ, οἱ δ'
 ὑπὸ τοῦ Πηνειοῦ. ἐν δὲ τῇ Φρικωνίδι Λαρίσῃ τετιμη-
 5 σθαι λέγεται Πιάσος, ὃν φασιν ἄρχοντα Πελασγῶν
 ἐρασθῆναι τῆς θυγατρὸς Λαρίσης, βιασάμενον δ' αὐ-
 τὴν τίσαι τῆς ὕβρεως δίκην· ἐγκύψαντα γὰρ εἰς πίθου
 οἴνου καταμαθοῦσαν τῶν σκελῶν λαβομένην ἐξᾶραι
 καὶ καθεῖναι αὐτὸν εἰς τὸν πίθον. τὰ μὲν οὖν ἀρχαῖα
 10 τοιαῦτα.

Ταῖς δὲ νῦν Αἰολικαῖς πόλεσιν ἔτι καὶ τὰς Αἰγὰς 6
 προσληπτέον καὶ τὴν Τῆμνον, ὅθεν ἦν Ἑρμαγόρας ὁ
 τὰς ῥητορικὰς τέχνας συγγράψας· ἴδρυνται δ' αἱ πό-
 λεις αὗται κατὰ τὴν ὀρεινὴν τὴν ὑπερκειμένην τῆς τε
 15 Κυμαίας καὶ τῆς Φωκαέων καὶ Σμυρναίων γῆς, παρ'
 ἣν ὁ Ἑρμος ρεῖ. οὐκ ἄπωθεν δὲ τούτων τῶν πόλεων
 οὐδ' ἡ Μαγνησία ἐστὶν ἡ ὑπὸ Σιπύλῳ, ἐλευθέρα πόλις
 ὑπὸ Ῥωμαίων κεκριμένη. καὶ ταύτην δ' ἐκάκωσαν οἱ
 νεωστὶ γενόμενοι σεισμοί. εἰς δὲ τὰναντία τὰ ἐπὶ τὸν C.622
 20 Κάικον νεύοντα ἀπὸ Λαρίσης μὲν διαβάντι τὸν Ἑρμον
 εἰς Κύμην ἑβδομήκοντα στάδιοι, ἐντεῦθεν δ' εἰς Μύ-
 ριναν τετταράκοντα στάδιοι, τὸ δ' ἴσον ἐντεῦθεν εἰς
 Γρύνιον ἀκκείθεν εἰς Ἑλαίαν· ὥς δ' Ἀρτεμίδωρος,
 ἀπὸ τῆς Κύμης εἰσὶν Ἄδαι, εἴτ' ἄκρα μετὰ τετταρά-
 25 κοντα σταδίους ἦν καλοῦσιν Ἰδραν, ἡ ποιοῦσα τὸν
 κόλπον τὸν Ἑλαϊτικὸν πρὸς τὴν ἀπεναντίον ἄκραν
 Ἀρματοῦντα. τοῦ μὲν οὖν στόματος τὸ πλάτος περὶ
 ὀγδοήκοντα σταδίους ἐστίν, ἐγκολπίζοντι δὲ Μύρινα
 ἐν ἐξήκοντα σταδίοις, Αἰολὶς πόλις ἔχουσα λιμένα, εἴτ'
 30 Ἀχαιῶν λιμὴν, ὅπου οἱ βωμοὶ τῶν δώδεκα θεῶν, εἴτα
 πολίχνην Μυριναίων Γρύνιον καὶ ἱερὸν Ἀπόλλωνος
 καὶ μαντεῖον ἀρχαῖον καὶ νεὼς πολυτελὲς λίθου λευ-

κοῦ, στάδιοι δ' ἐπ' αὐτὴν τετταράκοντα· εἴθ' ἑβδομή-
κοντα εἰς Ἑλαίαν, λιμένα ἔχουσαν καὶ ναύσταθμον
τῶν Ἀιταλικῶν βασιλέων, Μενεσθέως κτίσμα καὶ τῶν
σὺν αὐτῷ Ἀθηναίων τῶν συστρατευσάντων ἐπὶ Ἰλίου.
τὰ δ' ἐξῆς εἴρηται τὰ περὶ Πιτάνην καὶ Ἀταρνέα καὶ 5
τὰλλα τὰ ταύτη.

- 6 Μεγίστη δέ ἐστι τῶν Αἰολικῶν καὶ ἀρίστη Κύμη
καὶ σχεδὸν μητρόπολις αὕτη τε καὶ ἡ Λέσβος τῶν ἄλ-
λων πόλεων περὶ τριάκοντά πον τὸν ἀριθμὸν, ὧν
ἐκλελοίπασιν οὐκ ὀλίγαι. σκώπεται δ' εἰς ἀναισθη- 10
σίαν ἡ Κύμη κατὰ τοιαύτην τινα, ὥς φασιν ἔνιοι,
δόξαν, ὅτι τριακοσίοις ἔτεσιν ὕστερον τῆς κτίσεως
ἀπέδοντο τοῦ λιμένος τὰ τέλη, πρότερον δ' οὐκ ἔκαρ-
ποῦτο τὴν πρόσοδον ταύτην ὁ δῆμος· κατέσχευ οὖν
δόξα ὥς ὥπῃ ἡσθημένων ὅτι ἐπὶ θαλάττῃ πόλιν οἰ- 15
κοῦεν. ἐστὶ δὲ καὶ ἄλλος λόγος, ὅτι δανεισάμενοι χρή-
ματα δημοσίᾳ τὰς στοὰς ὑπέθεντο, εἴτ' οὐκ ἀποδι-
δύντες κατὰ τὴν ὠρισμένην ἡμέραν εἰργοντο τῶν
περιπάτων· ὅτε μέντοι ὄμβρος εἴη, κατ' αἰδῶ τινα
κηρύττοιεν οἱ δανεισταί, κελεύοντες ὑπὸ τὰς στοὰς 20
ὑπέρχεσθαι· τοῦ δὲ κήρυκος οὕτω φθεγγομένου „ὑπὸ
τὰς στοὰς ὑπέλθετε,“ ἐκπεσεῖν λόγον ὥς Κυμαίων οὐκ
αἰσθανομένων ὥς ἐν τοῖς ὄμβροις ὑπὸ τὰς στοὰς
ὑπελθετέον, ἂν μὴ σημάνῃ τις αὐτοῖς διὰ κηρύγματος.
ἀνὴρ δ' ἄξιος μνήμης ἐκ τῆσδε τῆς πόλεως ἀναντι- 25
λέκτως μὲν ἐστὶν Ἐφορος, τῶν Ἰσοκράτους γνωρίμων
τοῦ ρήτορος, ὁ τὴν ἱστορίαν συγγράψας καὶ τὰ περὶ
τῶν εὐρημάτων· καὶ ἔτι πρότερος τούτου Ἡσίοδος ὁ
ποιητής· αὐτὸς γὰρ εἴρηκεν ὅτι ὁ πατήρ αὐτοῦ Δίος
μετόκησεν εἰς Βοιωτοὺς Κύμην Αἰολίδα προλιπών 30
„νάσσατο δ' ἄγχ' Ἑλικῶνος οἰζυρῇ ἐνὶ κώμῃ Ἀσκηρ,
C.623..χεῖμα κακῇ, θέρει ἀργαλήν, οὐδέ ποτ' ἐσθλῇ.“ Ὀμη-

ρος δ' οὐχ ὁμολογουμένως· πολλοὶ γὰρ ἀμφισβητοῦσιν αὐτοῦ. τὸ δ' ὄνομα ἀπὸ Ἀμαζόνος τῇ πόλει τεθεῖσθαι, καθάπερ καὶ τῇ Μυρίνῃ ἀπὸ τῆς ἐν τῷ Τρωικῷ πεδίῳ κειμένης ὑπὸ τῇ Βατιείᾳ „τὴν ἦτοι ἄνδρες Βατίειαν
 5 „κικλήσκουσιν, ἀθάνατοι δὲ τε σῆμα πολυσκάρθμοιο „Μυρίνης.“

Σκώπεται δὲ καὶ ὁ Ἔφορος, διότι τῆς πατρίδος ἔργα οὐκ ἔχων φράζειν ἐν τῇ διαριθμῇ τῶν ἄλλων πράξεων, οὐ μὴν οὐδ' ἀμνημόνευτον αὐτὴν εἶναι θέ-
 10 λων, οὕτως ἐπιφωνεῖ „κατὰ δὲ τὸν αὐτὸν καιρὸν Κυ- „μαῖοι τὰς ἡσυχίας ἤγον.“

Ἐπεὶ δὲ διεληλύθαμεν τὴν Τρωικὴν ἅμα καὶ τὴν Αἰολικὴν παραλίαν, ἐφεξῆς ἂν εἴη τὴν μεσόγαιαν ἐπι-
 15 δραμεῖν μέχρι τοῦ Ταύρου, φυλάττοντας τὴν αὐτὴν τῆς ἐφόδου τάξιν.

Ἐχει δὲ τινα ἡγεμονίαν πρὸς τοὺς τόπους τούτους ἡ
 τὸ Πέργαμον, ἐπιφανὲς πόλις καὶ πολὺν συνευτυχῆ-
 σασα χρόνον τοῖς Ἀτταλικοῖς βασιλεῦσι· καὶ δὴ καὶ
 ἐντεῦθεν ἀρκτέον τῆς ἐξῆς περιοδείας, καὶ πρῶτον
 20 περὶ τῶν βασιλέων ὁπόθεν ὠρμήθησαν καὶ εἰς ἃ κατέ-
 στρεψαν ἐν βραχέσι δηλωτέον. ἦν μὲν δὴ τὸ Πέργα-
 μον Λυσιμάχου γαζοφυλάκιον τοῦ Ἀγαθοκλέους, ἐνὸς
 τῶν Ἀλεξάνδρου διαδόχων, αὐτὴν τὴν ἄκραν τοῦ
 ὄρους συνοικουμένην ἔχον· ἔστι δὲ στροβιλοειδὲς τὸ
 25 ὄρος εἰς ὁδεῖαν κορυφὴν ἀπολήγον. ἐπεπίστευτο δὲ
 τὴν φυλακὴν τοῦ ἐρύματος τούτου καὶ τῶν χρημάτων
 (ἦν δὲ τάλαντα ἑνακισχίλια) Φιλέταιρος, ἀνὴρ Τιανός,
 θλιβίας ἐκ παιδός· συνέβη γὰρ ἐν τινι ταφῇ θείας οὐ-
 30 τῆς καὶ πολλῶν παρόντων ἀποληφθεῖσαν ἐν τῷ ὄχλῳ
 τὴν κομίζουσαν τροφὸν τὸν Φιλέταιρον ἔτι νήπιον
 συνθλιβῆναι μέχρι τοσοῦδε ὥστε πηρωθῆναι τὸν παῖ-
 δα. ἦν μὲν δὴ εὐνοῦχος, τραφεὶς δὲ καλῶς ἐφάνη τῆς

πίστεως ταύτης ἄξιος. τέως μὲν οὖν εὖνους διέμεινε
 τῷ Λυσιμάχῳ, διενεχθεὶς δὲ πρὸς Ἀρσινόην τὴν γυ-
 ναῖκα αὐτοῦ διαβάλλουσαν αὐτὸν ἀπέστησε τὸ χωρίον
 καὶ πρὸς τοὺς καιροὺς ἐπολιτεύετο ὁρῶν ἐπιτηδεύουσ
 πρὸς νεωτερισμόν· ὃ τε γὰρ Λυσιμάχος κακοῖς οἰκείοις 5
 περιπεσὼν ἠναγκάσθη τὸν υἱὸν ἀνελεῖν Ἀγαθοκλέα,
 Σέλευκός τε ἐπελθὼν ὁ Νικάτωρ ἐκείνόν τε κατέλυσε
 καὶ αὐτὸς κατελύθη δολοφονηθεὶς ὑπὸ Πτολεμαίου
 τοῦ Κεραυνοῦ. τοιούτων δὲ θορύβων ὄντων διεγένετο
 μένων ἐπὶ τοῦ ἐρύματος ὁ εὐνοῦχος, καὶ πολιτευόμε- 10
 νος δι' ὑποσχέσεων καὶ τῆς ἄλλης θεραπειᾶς αἰεὶ πρὸς
 τὸν ἰσχύοντα καὶ ἐγγὺς παρόντα· διετέλεσε γοῦν ἔτη
 εἰκοσι κύριος ὢν τοῦ φρουρίου καὶ τῶν χρημάτων.

C. 62¹

2

Ἦσαν δ' αὐτῷ δύο ἀδελφοί, πρεσβύτερος μὲν Εὐ-
 μένης νεώτερος δ' Ἀτταλος· ἐκ μὲν οὖν τοῦ Εὐμήνου 15
 ἐγένετο ὁμώνυμος τῷ πατρὶ Εὐμήνης, ὅσπερ καὶ διε-
 δέξατο τὸ Πέργαμον, καὶ ἦν ἥδη δυνάστης τῶν κύκλῳ
 χωρίων ὥστε καὶ περὶ Σάρδεις ἐνίκησε μάχῃ συμβα-
 λὼν Ἀντίοχον τὸν Σελεύκου· δύο δὲ καὶ εἰκοσιν ἄρξας
 ἔτη τελευτᾷ τὸν βίον. ἐκ δὲ Ἀττάλου καὶ Ἀντιοχίδος 20
 τῆς Ἀχαιοῦ γεροντὸς Ἀτταλος διεδέξατο τὴν ἀρχήν,
 καὶ ἀνηγορεύθη βασιλεὺς πρῶτος νικήσας Γαλάτας
 μάχῃ μεγάλη. οὗτος δὲ καὶ Ῥωμαίοις κατέστη φίλος καὶ
 συνεπολέμησε πρὸς Φίλιππον μετὰ τοῦ Ῥοδίων ναυτι-
 κοῦ· γηραιὸς δὲ ἐτελεύτα βασιλεύσας ἔτη τρία καὶ τετ- 25
 ταράκοντα, κατέλιπε δὲ τέτταρας υἱοὺς ἐξ Ἀπολλωνί-
 δος Κυζικηνῆς γυναικός, Εὐμήνην Ἀτταλον Φιλέταιρον
 Ἀθηναίων. οἱ μὲν οὖν νεώτεροι διετέλεσαν ἰδιῶται,
 τῶν δ' ἄλλων ὁ πρεσβύτερος Εὐμήνης ἐβασίλευσε·
 συνεπολέμησε δὲ οὗτος Ῥωμαίοις πρὸς τε Ἀντίοχον 30
 τὸν μέγαν καὶ πρὸς Περσέα, καὶ ἔλαβε παρὰ τῶν Ῥω-
 μαίων ἅπασαν τὴν ὑπ' Ἀντιόχῳ τὴν ἐντὸς τοῦ Ταύρου.

πρότερον δ' ἦν τὰ περὶ Πέργαμον οὐ πολλὰ χωρία
 μέχρι τῆς θαλάττης τῆς κατὰ τὸν Ἑλαίτην κόλπον καὶ
 τὸν Ἀδραμυττηνόν. κατεσκεύασε δ' οὗτος τὴν πόλιν
 καὶ τὸ Νικηφόριον ἄλσει κατεφύτευσε, καὶ ἀναθήματα
 5 καὶ βιβλιοθήκας καὶ τὴν ἐπὶ τοσόνδε κατοικίαν τοῦ
 Περγάμου τὴν νῦν οὕσαν ἐκεῖνος προσεφιλοκάλησε·
 βασιλεύσας [δὲ] ἔτη τετταράκοντα καὶ ἑννέα ἀπέλιπεν
 υἱῶ τὴν ἀρχὴν Ἀττάλῳ, γεγονότι ἐκ Στρατονίκης τῆς
 Ἀριαράθου θυγατρὸς τοῦ Καππαδόκων βασιλέως. ἐπὶ-
 10 τροπον δὲ κατέστησε καὶ τοῦ παιδὸς νέου τελέως ὄντος
 καὶ τῆς ἀρχῆς τὸν ἀδελφὸν Ἀτταλον. ἔν δὲ καὶ εἴκοσιν
 ἔτη βασιλεύσας γέρων οὗτος τελευτᾷ κατορθώσας
 πολλὰ· καὶ γὰρ Δημήτριον τὸν Σελεύκου συγκατεπο-
 λέμησεν Ἀλεξάνδρῳ τῷ Ἀντιόχου καὶ συνεμάχησε Ῥω-
 15 μαίοις ἐπὶ τὸν Ψευδοφίλιππον, ἐχειρώσατο δὲ καὶ
 Διήγγυλιν τὸν Καινῶν βασιλέα στρατεύσας εἰς τὴν
 Θράκην, ἀνείλε δὲ καὶ Προυσίαν ἐπισυστήσας αὐτῷ
 Νικομήδῃ τὸν υἱόν, κατέλιπε δὲ τὴν ἀρχὴν τῷ ἐπιτρο-
 πευθέντι Ἀττάλῳ· βασιλεύσας δὲ οὗτος ἔτη πέντε καὶ
 20 κληθεὶς Φιλομήτωρ ἐτελεύτα νόσῳ τὸν βίον, κατέλιπε
 δὲ κληρονόμους Ῥωμαίους· οἱ δ' ἐπαρχίαν ἀπέδειξαν
 τὴν χώραν Ἀσίαν προσαγορεύσαντες ὁμώνυμον τῇ
 ἡπείρῳ. παραρρεῖ δ' ὁ Κάικος τὸ Πέργαμον, διὰ τοῦ
 Καϊκου πεδίου προσαγορευομένου σφόδρα εὐδαίμονα
 25 γῆν διεξιὼν σχεδὸν δέ τι καὶ τὴν ἀρίστην τῆς Μυσίας.
 Ἄνδρες δ' ἐγένοντο ἐλλόγιμοι καθ' ἡμᾶς Περγα-
 30 μνηοὶ Μιθριδάτης τε Μηνοδότου υἱὸς καὶ Ἀδοβο-
 ριωνίδος τοῦ τετραρχικοῦ τῶν Γαλατῶν γένους, ἦν καὶ
 παλλακεῦσαι τῷ βασιλεῖ Μιθριδάτῃ φασίν· ὅθεν καὶ
 τοῦνομα τῷ παιδί θέσθαι τοὺς ἐπιτηδείους προσποιη-
 σαμένους ἐκ τοῦ βασιλέως αὐτὸν γεγονέναι. οὗτος
 γοῦν Καίσαρι τῷ θεῷ γενόμενος φίλος εἰς τοσόνδε

προῆλθε τιμῆς ὥστε καὶ τετραρχῆς ἀπεδείχθη [ἀπὸ] τοῦ μητρώου γένους καὶ βασιλεὺς ἄλλων τε καὶ τοῦ Βοσπόρου· κατελύθη δ' ὑπὸ Ἀσάνδρου τοῦ καὶ Φαρνάκην ἀνελόντος τὸν βασιλέα καὶ κατασχόντος τὸν Βόσπορον. οὗτός τε δὴ ὀνόματος ἡξίωται μεγάλου, 5 καὶ Ἀπολλόδωρος ὁ ῥήτωρ ὁ τὰς τέχνας συγγράψας καὶ τὴν Ἀπολλοδώρειον αἵρεσιν παραγαγών, ἥτις ποτ' ἐστί· πολλὰ γὰρ ἐπεκράτει, μείζονα δὲ ἢ καθ' ἡμᾶς ἔχοντα τὴν κρίσιν, ὧν ἔστι καὶ ἡ Ἀπολλοδώρειος αἵρεσις καὶ ἡ Θεοδώρειος. μάλιστα δὲ ἐξῆρε τὸν Ἀπολλό- 10 δωρον ἡ τοῦ Καίσαρος φιλία τοῦ Σεβαστοῦ, διδάσκαλον τῶν λόγων γενόμενον· μαθητὴν δ' ἔσχεν ἀξιόλογον Διονύσιον τὸν ἐπικληθέντα Ἀττικόν, πολίτην αὐτοῦ· καὶ γὰρ σοφιστὴς ἦν ἱκανὸς καὶ συγγραφεὺς καὶ λογογράφος.

15

4 Προϋόντι δ' ἀπὸ τοῦ πεδίου καὶ τῆς πόλεως ἐπὶ μὲν τὰ πρὸς ἑω μέρη πόλις ἐστὶν Ἀπολλωνία, μετεώροις ἐπικειμένη τόποις· ἐπὶ δὲ τὸν νότον ὄρεινὴ ῥάχις ἐστίν, ἣν ὑπερβάσι καὶ βαδίζουσιν ἐπὶ Σάρδεων πόλις ἐστὶν ἐν ἀριστερᾷ Θυάτειρα, κατοικία Μακεδόνων, ἣν 20 Μυσῶν ἐσχάτην τινὲς φασίν. ἐν δεξιᾷ δ' Ἀπολλωνίς, διέχουσα Περγάμου τριακοσίους σταδίους, τοὺς δὲ ἴσους καὶ τῶν Σάρδεων· ἐπάνυμος δ' ἐστὶ τῆς Κυζικηνῆς Ἀπολλωνίδος· εἴτ' ἐκδέχεται τὸ Ἑρμου πεδίου καὶ Σάρδεις· τὰ δὲ προσάρκτια τῷ Περγάμῳ τὰ πλεῖ- 25 στα ὑπὸ Μυσῶν ἔχεται τὰ ἐν δεξιᾷ τῶν Ἀβαιτῶν λεγομένων, οἷς συνάπτει ἡ Ἐπίκτητος μέχρι Βιθυνίας.

5 Αἱ δὲ Σάρδεις πόλις ἐστὶ μεγάλη, νεωτέρᾳ μὲν τῶν Τρωικῶν ἀρχαία δ' ὅμως, ἄκραν ἔχουσα εὐερκῇ· βασιλείον δ' ὑπῆρξε τῶν Λυδῶν, οὓς ὁ ποιητὴς καλεῖ 30 Μήονας οἱ δ' ὕστερον Μαίονας, οἱ μὲν τοὺς αὐτοὺς τοὺς Λυδοὺς οἱ δ' ἑτέροους ἀποφαίνοντες· τοὺς δ' αὐ-

τοὺς ἄμεινόν ἐστι λέγειν. ὑπέρκειται δὲ τῶν Σάρδεων
 ὁ Τρωῶλος, εὐδαιμον ὄρος, ἐν τῇ ἀκρωρεῖα σκοπὴν
 ἔχον, ἐξέδραν λευκοῦ λίθου, Περσῶν ἔργον, ἀφ' οὗ
 κατοπτεύεται τὰ κύκλῳ πεδία καὶ μάλιστα τὸ Καῦ-
 5 στριανόν· περιιοικοῦσι δὲ Ἀνδοὶ καὶ Μυσοὶ καὶ Μακε-
 δόνες. ρεῖ δ' ὁ Πακτωλὸς ἀπὸ τοῦ Τρωῶλου, καταφέρων
 τὸ παλαιὸν ψῆγμα χρυσοῦ πολὺ, ἀφ' οὗ τὸν Κροίσου λε- C.626
 γόμενον πλοῦτον καὶ τῶν προγόνων αὐτοῦ διονομα-
 σθῆναί φασι· νῦν δ' ἐκλέλοιπε τὸ ψῆγμα, ὥς εἴρηται.
 10 καταφέρεται δ' ὁ Πακτωλὸς εἰς τὸν Ἑρμον, εἰς ὃν καὶ ὁ
 Ἵλλος ἐμβάλλει, Φρύγιος νυνὶ καλούμενος· συμπεσόν-
 τες δ' οἱ τρεῖς καὶ ἄλλοι ἀσημότεροι σὺν αὐτοῖς εἰς τὴν
 κατὰ Φώκαιαν ἐκδιδόασι θάλατταν, ὥς Ἡρόδοτός φη-
 σιν. ἄρχεται δ' ἐκ Μυσίας ὁ Ἑρμος, ἐξ ὄρους ἱεροῦ τῆς
 15 Δινδυμήνης, καὶ διὰ τῆς Κατακεκαυμένης εἰς τὴν
 Σαρδιανὴν φέρεται καὶ τὰ συνεχῇ πεδία μέχρι τῆς θα-
 λάττης. ὑπόκειται δὲ τῇ πόλει τό τε Σαρδιανὸν πεδίον
 καὶ τὸ τοῦ Κύρου καὶ τὸ τοῦ Ἑρμου καὶ τὸ Καῦστρια-
 νόν, συνεχῇ τε ὄντα καὶ πάντων ἄριστα πεδίον. ἐν δὲ
 20 σταδίοις τετταράκοντα ἀπὸ τῆς πόλεως ἔστιν ἡ Γυγαία
 μὲν ὑπὸ τοῦ ποιητοῦ λεγομένη [λίμνη], Κολύη δ' ὕστε-
 ρον μετονομασθεῖσα, ὅπου τὸ ἱερὸν τῆς Κολοηνῆς
 Ἀρτέμιδος μεγάλην ἀγιστείαν ἔχον. φασὶ δ' ἐνταῦθα
 χορεύειν τοὺς καλὰθους κατὰ τὰς ἐορτάς, οὐκ οἶδ'
 25 ὅπως ποτὲ παραδοξολογοῦντες μᾶλλον ἢ ἀληθεύοντες.
 Κειμένων δ' οὕτω πως τῶν ἐπῶν παρ' Ὀμήρῳ 6
 „Μήρσιν αὖ Μέσθλης τε καὶ Ἀντιφος ἡγησάσθην, νῆε
 „Ταλαιμένεος, τῷ Γυγαίῃ τέκε λίμνη, οἷ καὶ Μήρνας
 „ἦγον ὑπὸ Τρωῶλῳ γεγαῶτας,“ προσγράφουσί τινες
 30 τοῦτο τέταρτον ἔπος „Τρωῶλῳ ὑπὸ νιφόεντι, Ἵδης ἐν
 „πῖονι δῆμῳ.“ οὐδεμία δ' εὐρίσκεται Ἵδης ἐν τοῖς Ἀν-
 δοῖς. οἱ δὲ καὶ τὸν Τυχίον ἐνθένδε ποιοῦσιν ὅν φησιν

ὁ ποιητής „σκυτοτόμων ὃχ' ἄριστος Ἴδην ἐνι.“ προστι-
θέασι δὲ καὶ διότι θρυμώδης ὁ τόπος καὶ κεραυνόβολος,
καὶ ὅτι ἐνταῦθα οἱ Ἄριμοι· καὶ γὰρ τῷ „εἰν' Ἀρίμοις,
„ὅθι φασὶ Τυφώος ἔμμεναι εὐνάς“ ἐπεισφέρουσι
„χῶρον ἐνὶ θρυόεντι, Ἴδης ἐν πόνῳ δῆμα.“ ἄλλοι δ' 5
ἐν Κιλικίᾳ, τινὲς δ' ἐν Συρίᾳ πλάττουσι τὸν μῦθον
τοῦτον, οἱ δ' ἐν Πιθηκούσσαις, οἱ καὶ τοὺς πιθήκους
φασὶ παρὰ τοῖς Τυρρηνοῖς ἀρίμους καλεῖσθαι· οἱ δὲ
τὰς Σάρδεϊς Ἴδην ὀνομάζουσιν, οἱ δὲ τὴν ἀκρόπολιν
αὐτῆς. πιθανωτάτους δ' ὁ Σκῆψιος ἡγεῖται τοὺς ἐν τῇ 10
Κατακεκαυμένη τῆς Μυσίας τοὺς Ἀρίμους τιθέντας.
Πίνδαρος δὲ συνοικεῖ τοῖς ἐν τῇ Κιλικίᾳ τὰ ἐν Πιθη-
κούσσαις, ἅπερ ἐστὶ πρὸ τῆς Κυμαίας, καὶ τὰ ἐν Σικε-
λίᾳ· καὶ γὰρ τῇ Αἰτνῇ φησὶν ὑποκείσθαι τὸν Τυφῶνα
„τόν ποτε Κιλικίον θρέψεν πολυνύμῳ ἄντρον· νῦν 15
C.627 „γε μὰν ταί θ' ὑπὲρ Κύμας ἀλιεργέες ὄχθαι Σικελία τ'
„αὐτοῦ πιέξει στέρα λαχνάεντα.“ καὶ πάλιν „κείνῳ
„μὲν Αἰτνα δεσμὸς ὑπερφίαλος ἀμφίκειται.“ καὶ πάλιν
„ἀλλ' οἷος ἄπλατον κεραίῃ θεῶν Τυφῶνα πεντηκον-
„τακάρανον ἀνάγκῃ Ζεὺς πατὴρ ἐν' Ἀρίμοις ποτέ.“ οἱ 20
δὲ τοὺς Σύρους Ἀρίμους δέχονται, οὓς νῦν Ἀραμαίους
λέγουσι, τοὺς δὲ Κίλικας τοὺς ἐν Τροίᾳ μεταναστάντας
εἰς Συρίαν ἀνωκισμένους ἀποτεμέσθαι παρὰ τῶν Σύ-
ρων τὴν νῦν λεγομένην Κιλικίαν. Καλλισθένης δ' ἐγ-
γὺς τοῦ Καλυκάδνου καὶ τῆς Σαρπηδόνης ἄκρας παρ' 25
αὐτὸ τὸ Κωρύκιον ἄντρον εἶναι τοὺς Ἀρίμους, ἀφ' ὧν
τὰ ἐγγὺς ὄρη λέγεσθαι Ἄριμα.

- 7 Περιέκειται δὲ τῇ λίμνῃ τῇ Κολόῃ τὰ μνήματα τῶν
βασιλέων· πρὸς δὲ ταῖς Σάρδεσιν ἔστι τὸ τοῦ Ἀλυάττου
ἐπὶ κρηπίδος ὑψηλῆς χῶμα μέγα, ἐργασθέν, ὥς φησιν 30
Ἡρόδοτος, ὑπὸ τοῦ πλήθους τῆς πόλεως, οὗ τὸ πλεῖστον
ἔργον αἱ παιδίσκαι συνετέλεσαν· λέγει δ' ἐκεῖνος καὶ

πορνεύεσθαι πάσας· τινὲς δὲ καὶ πόρνης μνημα λέγουσι τὸν τάφον. χειροποιήτον δὲ τὴν λίμνην ἐνιοὶ ἱστοροῦσι τὴν Κολόην πρὸς τὰς ἐκδοχὰς τῶν πλημμυρίδων, αὐ συμβαίνουσι τῶν ποταμῶν πληρουμένων. Ὑπαιπα δὲ πόλις ἐστὶ καταβαίνουσιν ἀπὸ τοῦ Τιμώλου πρὸς τὸ τοῦ Καῦστρου πεδίον.

Φησὶ δὲ Καλλισθένης ἀλῶναι τὰς Σάρδεις ὑπὸ 8
Κιμμερίων πρῶτον, εἰθ' ὑπὸ Τηρωῶν καὶ Λυκίων, ὅπερ καὶ Καλλῖνον δηλοῦν τὸν τῆς ἐλεγκείας ποιητὴν, 10 ὕστατα δὲ τὴν ἐπὶ Κύρου καὶ Κροίσου γενέσθαι ἄλω-
σιν. λέγοντος δὲ τοῦ Καλλίνου τὴν ἔφοδον τῶν Κιμ-
μερίων ἐπὶ τοὺς Ἡσιονῆας γεγονέναι καθ' ἣν αἱ Σάρ-
δεις ἐάλωσαν, εἰκάζουσιν οἱ περὶ τὸν Σκήψιον ἱαστὶ
λέγεσθαι Ἡσιονεῖς τοὺς Ἀσιονεῖς· „τάχα γὰρ ἡ Μη-
15 „νία“ φησὶν „Ἀσία ἐλέγετο, καθ' ὃ καὶ Ὅμηρος εἰρη-
κεν „Ἀσίῳ ἐν λειμῶνι Καῦστρου ἀμφὶ ῥέεθρα.“
ἀναληφθεῖσα δ' ἀξιολόγως ὕστερον διὰ τὴν ἀρετὴν τῆς
χώρας ἡ πόλις καὶ οὐδემιάς λειπομένη τῶν ἀστυγειό-
νων, νεωστὶ ὑπὸ σεισμῶν ἀπέβαλε πολλὴν τῆς κατοι-
20 κίας. ἡ δὲ τοῦ Τιβερίου πρόνοια τοῦ καθ' ἡμᾶς ἡγε-
μόνος καὶ ταύτην καὶ τῶν ἄλλων συχνὰς ἀνέλαβε ταῖς
εὐεργεσίαις, ὅσαι περὶ τὸν αὐτὸν καιρὸν ἐκοινώνησαν
τοῦ αὐτοῦ πάθους.

Ἄνδρες δ' ἀξιόλογοι γέγονασι τοῦ αὐτοῦ γένους 9
25 Διόδωροι δύο οἱ ῥήτορες, ὧν ὁ πρεσβύτερος ἐκαλεῖτο C.628
Ζωνᾶς, ἀνὴρ πολλοὺς ἀγῶνας ἡγωνισμένος ὑπὲρ τῆς
Ἀσίας, κατὰ δὲ τὴν Μιθριδάτου τοῦ βασιλέως ἔφοδον
αἰτίαν ἐσχηκὼς ὥς ἀφιστὰς παρ' αὐτοῦ τὰς πόλεις ἀπε-
λύσατο τὰς διαβολὰς ἀπολογησάμενος· τοῦ δὲ νεωτέ-
30 ρου φίλου ἡμῶν γενομένου καὶ ἱστορικὰ συγγράμματα
ἔστι καὶ μέλη καὶ ἄλλα ποιήματα τὴν ἀρχαίαν γραφὴν

ἐπιφαίνοντα ἱκανῶς. Ξάνθος δὲ ὁ παλαιὸς συγγραφεὺς
 Λυδὸς μὲν λέγεται, εἰ δὲ ἐκ Σάρδεων οὐκ ἴσμεν.

- 0 Μετὰ δὲ Λυδοὺς εἰσιν οἱ Μυσοὶ καὶ πόλις Φιλαδέλ-
 φεια σεισμῶν πλήρης. οὐ γὰρ διαλείπουσιν οἱ τοῖχοι
 διμυστάμενοι καὶ ἄλλοτ' ἄλλο μέρος τῆς πόλεως κακο- 5
 παθοῦν· οἰκοῦσιν οὖν ὀλίγοι διὰ τοῦτο τὴν πόλιν, οἱ
 δὲ πολλοὶ καταβιοῦσιν ἐν τῇ χώρᾳ γεωργοῦντες, ἔχοντες
 εὐδαίμονα γῆν· ἀλλὰ καὶ τῶν ὀλίγων θαυμάζειν ἔστιν
 ὅτι οὕτω φιλοχωροῦσιν, ἐπισφαλεῖς τὰς οἰκήσεις ἔχον-
 τες· ἐτι δ' ἂν τις μᾶλλον θαυμάσειε τῶν κτισάντων 10
 αὐτήν.

- 11 Μετὰ δὲ ταῦτ' ἔστιν ἡ Κατακεκαυμένη λεγομένη
 χώρα μῆκος μὲν καὶ πεντακοσίων σταδίων πλάτος δὲ
 τετρακοσίων, εἴτε Μυσίαν χορὴ καλεῖν εἴτε Μηονίαν
 (λέγεται γὰρ ἀμφοτέρως), ἅπασα ἄδενδρος πλήν ἀμ- 15
 πέλου τῆς τὸν Κατακεκαυμένην φερούσης οἴνου οὐ-
 δενὸς τῶν ἐλλογίμων ἀρετῇ λειπόμενον. ἔστι δὲ ἡ ἐπι-
 φάνεια τεφρώδης τῶν πεδίων, ἡ δ' ὄρεινὴ καὶ πετρώ-
 δης μέλαινα ὥς ἂν ἐξ ἐπικαύσεως. εἰκάξουσι μὲν οὖν
 τινες ἐκ κεραυνοβολιῶν καὶ πρηστήρων συμβῆναι τοῦ- 20
 το, καὶ οὐκ ὀκνοῦσι τὰ περὶ τὸν Τυφῶνα ἐνταῦθα μυ-
 θολογεῖν. Ξάνθος δὲ καὶ Ἀριμοῦν τινα λέγει τῶν τό-
 πων τούτων βασιλέα. οὐκ εὐλόγον δὲ ὑπὸ τοιούτων πα-
 θῶν τὴν τοσαύτην χώραν ἐμπρησθῆναι ἀθρόως, ἀλλὰ
 μᾶλλον ὑπὸ γηγενοῦς πυρός, ἐκλιπεῖν δὲ νῦν τὰς πη- 25
 γὰς· δείκνυνται δὲ καὶ βόθροι τρεῖς, οὓς φνύσας κα-
 λοῦσιν, ὅσον τετταράκοντα ἀλλήλων διεστῶτες στα-
 δίους· ὑπέρκεινται δὲ λόφοι τραχεῖς, οὓς εἰκὸς ἐκ τῶν
 ἀναφυσηθέντων σεσωρεῦσθαι μύδρων. τὸ δ' εὐάμπε-
 λον τὴν τοιαύτην ὑπάρχειν γῆν, λάβοι τις ἂν καὶ ἐκ 30
 τῆς Καταναΐας τῆς χωσθείσης τῇ σποδῶ καὶ νῦν ἀπο-
 διδούσης οἶνον δαψιλῇ καὶ καλόν. ἀστεῖξόμενοι δέ τινες

εικότως πυριγενῇ τὸν Διόνυσον λέγεσθαι φασιν, ἐκ τῶν τοιούτων χωρίων τεκμαιρόμενοι.

Τὰ δ' ἐξῆς ἐπὶ τὰ νότια μέρη τοῖς τόποις τούτοις 12
ἐμπλοπὰς ἔχει μέχρι πρὸς τὸν Ταῦρον, ὥστε καὶ τὰ
5 Φρύγια καὶ τὰ Καρικὰ καὶ τὰ Λύδια καὶ ἔτι τὰ τῶν
Μυσῶν δυσδιάκριτα εἶναι παραπίπτοντα εἰς ἄλληλα. 0.629
εἰς δὲ τὴν σύγχυσιν ταύτην οὐ μικρὰ συλλαμβάνει τὸ
τοὺς Ῥωμαίους μὴ κατὰ φύλα διελεῖν αὐτούς, ἀλλὰ
ἕτερον τρόπον διατάξαι τὰς διοικήσεις, ἐν αἷς τὰς ἀγο-
10 ραίους ποιοῦνται καὶ τὰς δικαιοδοσίας. ὁ μὲν γε Τρω-
λος ἱκανῶς συνῆκται καὶ περιγραφὴν ἔχει μετρίαν ἐν
αὐτοῖς ἀφοριζόμενος τοῖς Λυδίοις μέρεσιν, ἡ δὲ Μεσω-
γὴς εἰς τὸ ἀντικείμενον μέρος διατείνει μέχρι Μυκάλης
ἀπὸ Κελαινῶν ἀρξάμενον, ὥς φησι Θεόπομπος, ὥστε
15 τὰ μὲν αὐτοῦ Φρύγες κατέχουσι τὰ πρὸς ταῖς Κελαι-
ναῖς καὶ τῇ Ἀπαμείᾳ, τὰ δὲ Μυσοὶ καὶ Λυδοί, τὰ δὲ
Κᾶρες καὶ Ἰωνες. οὕτω δὲ καὶ οἱ ποταμοὶ καὶ μάλιστα
ὁ Μαίανδρος τὰ μὲν διορίζοντες τῶν ἐθνῶν, δι' ὧν δὲ
μέσοι φερόμενοι δύσληπτον ποιοῦσι τὰκριβές· καὶ περὶ
20 τῶν πεδίων δὲ τῶν ἐφ' ἑκάτερα τῆς τε ὀρεινῆς καὶ τῆς
ποταμίας ὁ αὐτὸς λόγος. οὐδ' ἡμῖν ἴσως ἐπὶ τοσοῦτον
φροντιστέον ὥς ἀναγκαῖον χωρομετροῦσιν, ἀλλὰ το-
σοῦτον μόνον ὑπογραπτέον ὅσον καὶ οἱ πρὸ ἡμῶν πα-
ραδεδώκασι.

25 Τῷ δὲ Καῦστριανῷ πεδίῳ μεταξὺ πίπτουσι τῆς τε 13
Μεσωγίδος καὶ τοῦ Τρωῶλου συνεχές ἐστι πρὸς ἕω τὸ
Κιλβιανὸν πεδίον πολὺ τε καὶ συνοικούμενον εὖ καὶ
χώραν ἔχον σπουδαίαν· εἶτα τὸ Ὑρκάνιον πεδίον, Περ-
σῶν ἐπονομασάντων καὶ ἐποίκους ἀγαγόντων ἐκεῖθεν
30 (ὁμοίως δὲ καὶ τὸ Κύρου πεδίον Πέρσαι καταωνόμασαν).
εἶτα τὸ Πελτηνὸν πεδίον, ἥδη Φρύγιον, καὶ τὸ Κιλ-
λάνιον καὶ τὸ Ταβηνόν, ἔχοντα πολίχνας μίξοφρυ-

γίους έχούσας τι καὶ Πισιδικόν, ἀφ' ὧν αὐτὰ κατωνομάσθη.

- 14 Ὑπερβαλοῦσι δὲ τὴν Μεσσηνίδα τὴν μεταξὺ Καραῶν τε καὶ τῆς Νυσαίδος, ἣ ἐστὶ χώρα κατὰ τὰ τοῦ Μαιάνδρου πέραν μέχρι τῆς Κιβυράτιδος καὶ τῆς Καβαλίδος, πόλεις εἰς πρὸς μὲν τῇ Μεσσηνίδι καταντικρὺ Λαοδικείας Ἰερὰ πόλις, ὅπου τὰ θερμὰ ὕδατα καὶ τὸ Πλουτώνιον, ἄμφω παραδοξολογίαν τινὰ ἔχοντα· τὸ μὲν γὰρ ὕδωρ οὕτω ῥαδίως εἰς πᾶρον μεταβάλλει πηττόμενον ὥστ' ὀχετοὺς ἐπάγοντες φραγμοὺς ἀπεργάζονται μονολίθους, τὸ δὲ Πλουτώνιον ὑπ' ὀφρύϊ μικρᾷ τῆς ὑπερκειμένης ὀρεινῆς στόμιόν ἐστι σύμμετρον ὅσον ἀνθρώπου δέξασθαι δυνάμενον, βεβᾶθυνται δ' ἐπὶ πολὺ· πρόκειται δὲ τούτου δρυφάκτωμα τετράγωνον ὅσον ἡμιπλῆθρου τὴν περίμετρον· τοῦτο δὲ πλήρες 15 ἐστὶν ὁμιχλώδους παχείας ἀχλύος ὥστε μόγις τοῦδαφος καθορᾶν. τοῖς μὲν οὖν κύκλῳ πλησιάζουσι πρὸς τὸν δρύφακτον ἄλυπός ἐστιν ὁ ἀήρ, καθαρεύων ἐκείνης τῆς ἀχλύος ἐν ταῖς νηνεμίαις· συμμένει γὰρ ἐντὸς τοῦ C.630 περιβόλου· τῷ δ' εἰσω παριόντι ζῶν θάνατος παρα- 20 χρῆμα ἀπαντᾷ· ταῦροι γοῦν εἰσαχθέντες πίπτουσι καὶ ἐξέλκονται νεκροί, ἡμεῖς δὲ στρουθία ἐπέμψαμεν καὶ ἐπεσεν εὐθύς ἐκπνεύσαντα· οἱ δ' ἀπόκοποι Γάλλοι παρίασιν ἀπαθεῖς, ὥστε καὶ μέχρι τοῦ στομίου πλησιάζειν καὶ ἐγκύπτειν καὶ καταδύνειν μέχρι ποσοῦ συνέ- 25 χοντας ὥς ἐπὶ τὸ πολὺ τὸ πνεῦμα· ἐωρᾶμεν γὰρ ἐκ τῆς ὕψεως ὥς ἂν πνιγώδους τινὸς πάθους ἔμφρασιν, εἴτ' ἐπὶ πάντων [τῶν] οὕτω πεπηρωμένων * τοῦτο εἴτε μόνων τῶν περὶ τὸ ἱερόν, καὶ εἴτε θείᾳ προνοίᾳ, καθάπερ ἐπὶ τῶν ἐνθουσιασμῶν εἰκός, εἴτε ἀντιδότοις τισὶ δυνάμεσι τούτου συμβαίνοντος. τὸ δὲ τῆς ἀπολιθώσεως καὶ ἐπὶ τῶν ἐν Λαοδικείᾳ ποταμῶν φασὶ συμβαίνειν

καίπερ ὄντων ποτίμων. ἔστι δὲ καὶ πρὸς βαφὴν ἐρίων
 θαυμαστῶς σύμμετρον τὸ κατὰ τὴν Ἱερὰν πόλιν ὕδωρ,
 ὥστε τὰ ἐκ τῶν ῥιζῶν βαπτόμενα ἐνάμιλλα εἶναι τοῖς
 ἐκ τῆς κόκκου καὶ τοῖς ἀλουργέσιν· οὕτω δ' ἔστιν
 5 ἄφθονον τὸ πλῆθος τοῦ ὕδατος ὥστε ἡ πόλις μεστὴ
 τῶν αὐτομάτων βαλανείων ἐστί.

Μετὰ δὲ τὴν Ἱερὰν πόλιν τὰ πέραν τοῦ Μαιάν- 15
 δρου. τὰ μὲν οὖν περὶ Λαοδίκειαν καὶ Ἀφροδισιάδα
 καὶ τὰ μέχρι Καρούρων εἰρηται· τὰ δ' ἐξῆς ἐστί τὰ μὲν
 10 πρὸς δύσιν ἡ τῶν Ἀντιοχέων πόλις τῶν ἐπὶ Μαιάνδρῳ,
 τῆς Καρίας ἥδη· τὰ δὲ πρὸς νότον ἡ Κιβύρα ἐστὶν ἡ
 μεγάλη καὶ ἡ Σίνδα καὶ ἡ Καβαλὶς μέχρι τοῦ Ταύρου
 καὶ τῆς Λυκίας. ἡ μὲν οὖν Ἀντιόχεια μετρία πόλις ἐστὶν
 ἐπ' αὐτῷ κειμένη τῷ Μαιάνδρῳ κατὰ τὸ πρὸς τῇ Φρυ-
 15 γίᾳ μέρος, ἐπέευνκται δὲ γέφυρα· χώραν δ' ἔχει πολλὴν
 ἐφ' ἐκάτερα τοῦ ποταμοῦ πᾶσαν εὐδαίμονα, πλείστην
 δὲ φέρει τὴν καλουμένην Ἀντιοχικὴν ἰσχάδα· τὴν δὲ
 αὐτὴν καὶ τριφυλλὸν ὀνομάζουσιν· εὖσειστος δὲ καὶ
 οὗτός ἐστιν ὁ τόπος. σοφιστὴς δὲ παρὰ τούτοις ἐνδοξος
 20 γεγένηται Διοτρέφης, οὗ διήκουσεν Ὑβρέας ὁ καθ'
 ἡμᾶς γενόμενος μέγιστος ρήτωρ.

Σολύμους δ' εἶναί φασι τοὺς Καβαλεῖς· τῆς γοῦν 16
 Τερμησσεῶν ἄκρας ὁ ὑπερκείμενος λόφος καλεῖται Σό-
 λυμος, καὶ αὐτοὶ δὲ οἱ Τερμησσεῖς Σόλυμοι καλοῦνται.
 25 πλησίον δ' ἐστὶ καὶ ὁ Βελλεροφόντου χάραξ καὶ ὁ Πει-
 σάνδρου τάφος τοῦ υἱοῦ [αὐτοῦ] πεσόντος ἐν τῇ πρὸς
 Σολύμους μάχῃ. ταῦτα δὲ καὶ τοῖς ὑπὸ τοῦ ποιητοῦ
 λεγομένοις ὁμολογεῖται· περὶ μὲν γὰρ τοῦ Βελλερο-
 φόντου φησὶν οὕτως „δεύτερον αὖ Σολύμοισι μαχέσ-
 30 „σατο κυδαλίμοισι.“ περὶ δὲ τοῦ παιδὸς αὐτοῦ „Πεί-C.631
 „σανδρον δὲ οἱ υἱὸν Ἄρης ἄτος πολέμοιο μαρνάμενον
 „Σολύμοισι κατεκτανεν.“ ἡ δὲ Τερμησσός ἐστι Πισι-
 5*

δικη πόλις ἢ μάλιστα καὶ ἔγγιστα ὑπερκειμένη τῆς Κιβύρας.

- 17 Λέγονται δὲ ἀπόγονοι *Αυδῶν* οἱ *Κιβυράται* τῶν κατασχόντων τὴν *Καβαλίδα*. ὕστερον δὲ *Πισιδῶν* τῶν ὁμόρων ἐποικησάντων καὶ μετακτισάντων εἰς ἕτερον 5 τόπον εὐεργέστατον ἐν κύκλῳ σταδίων περὶ ἑκατόν. ἠϋξήθη δὲ διὰ τὴν εὐνομίαν, καὶ αἱ κῶμαι παρεξέτειναν ἀπὸ *Πισιδίας* καὶ τῆς ὁμόρου *Μιλνάδος* ἕως *Αυκίας* καὶ τῆς *Ροδίων* περαιάς· προσγενομένων δὲ τριῶν πόλεων ὁμόρων, *Βουβῶνος* *Βαλβούρων* *Οἰνοάνδων*, τετράπο- 10 λισ τὸ σύστημα ἐκλήθη, μίαν ἐκάστης ψῆφον ἐχούσης, δύο δὲ τῆς *Κιβύρας*. ἔστειλε γὰρ αὕτη πεζῶν μὲν πρεῖς μυριάδας ἱππέας δὲ δισχιλίους· ἐτυραννεῖτο δ' αἰεὶ, σωφρόνως δ' ὅμως· ἐπὶ *Μοαγέτου* δ' ἡ τυραννὶς τέλος ἔσχε, καταλύσαντος αὐτὴν *Μουρηναῖ* καὶ *Αυκίοις* προσ- 15 ορίσαντος τὰ *Βάλβουρα* καὶ τὴν *Βουβῶνα*. οὐδὲν δ' ἦττον ἐν ταῖς μεγίσταις ἐξετάζεται διοικήσεσι τῆς *Ἀσίας* ἢ *Κιβυρατικῇ*. τέτταρσι δὲ γλώτταις ἐχρῶντο οἱ *Κιβυράται*, τῇ *Πισιδικῇ* τῇ *Σολύμῳ* τῇ *Ἑλληνίδι* τῇ *Αυδῶν*. . . . δὲ οὐδ' ἔχνος ἐστὶν ἐν *Αυδίᾳ*. ἰδιον δ' ἐστὶν 20 ἐν *Κιβύρᾳ* τὸ τὸν σίδηρον τορεύεσθαι ραδίως. *Μιλύα* δ' ἐστὶν ἢ ἀπὸ τῶν κατὰ *Τερμησσὸν* στενωπῶν καὶ τῆς εἰς τὸ ἐντὸς τοῦ *Ταύρου* ὑπερθέσεως δι' αὐτῶν ἐπὶ *Ἰσινδα* παρατείνουσα ὀρεινὴ μέχρι *Σαγαλασσοῦ* καὶ τῆς *Ἀπαμέων* χώρας.

25

- C.632 *Λοιπὸν* δ' ἐστὶν εἰπεῖν περὶ *Ἰώνων* καὶ *Καρῶν* καὶ τῆς ἕξ τοῦ *Ταύρου* παραλίας, ἣν ἔχουσι *Αὐκιοί* τε 30 καὶ *Πάμφυλοι* καὶ *Κίλικες*. οὕτω γὰρ ἂν ἔχοι τέλος ἡ πᾶσα τῆς *χερσονήσου* περιήγησις, ἥς ἰσθμὸν ἔφραμεν

τὴν ὑπέρβασιν τὴν ἐκ τῆς Ποντικῆς θαλάττης ἐπὶ τὴν Ἰσικὴν.

Ἔστι δὲ τῆς Ἰωνίας ὁ μὲν περίπλους ὁ παρὰ γῆν 2
σταδίων που τρισχιλίων τετρακοσίων τριακοντα διὰ
6 τοὺς κόλπους καὶ διὰ τὸ χερρονησίξειν ἐπὶ πλεῖον τὴν
χώραν, τὸ δ' ἐπ' εὐθείας μῆκος οὐ πολὺ. αὐτὸ οὖν τὸ
ἐξ Ἐφέσου μέχρι Σμύρνης ὁδὸς μὲν ἐστὶν ἐπ' εὐθείας
τριακόσιοι εἴκοσι στάδιοι· εἰς γὰρ Μητρόπολιν ἑκατὸν
καὶ εἴκοσι στάδιοι, οἱ λοιποὶ δὲ εἰς Σμύρναν· περί-
10 πλους δὲ μικρὸν ἀπολείπων τῶν δισχιλίων καὶ διακο-
σίων. ἔστι δ' οὖν ἀπὸ τοῦ Ποσειδίου τοῦ Μιλησίων
καὶ τῶν Καρικῶν ὄρων μέχρι Φωκαίας καὶ τοῦ Ἑρμου
τὸ πέρας τῆς Ἰωνικῆς παραλίας.

Ταύτης δὲ φησι Φερικύδης Μίλητον μὲν καὶ Μυ- 3
15 οὔντα καὶ τὰ περὶ Μυκάλην καὶ Ἐφεσον Κᾶρας ἔχειν
πρότερον, τὴν δ' ἐξῆς παραλίαν μέχρι Φωκαίας καὶ
Χίου καὶ Σάμου, ἧς Ἀγκαῖος ἦρχε, Λέεργας· ἐκβληθῆ-
ναι δ' ἀμφοτέρους ὑπὸ τῶν Ἰώνων καὶ εἰς τὰ λοιπὰ
μέρη τῆς Καρίας ἐκπεσεῖν. ἄρξαι δὲ φησιν Ἀνδροκλον
20 τῆς τῶν Ἰώνων ἀποικίας, ὕστερον τῆς Αἰολικῆς, υἱὸν
γνήσιον Κόδρου τοῦ Ἀθηναίων βασιλέως, γενέσθαι δὲ
τοῦτον Ἐφέσου κτίστην. διόπερ τὸ βασίλειον τῶν Ἰω-
νων ἐκεῖ συστήναί φασι, καὶ ἔτι νῦν οἱ ἐκ τοῦ γένους
ὀνομάζονται βασιλεῖς ἔχοντές τινας τιμάς, προεδρία
25 τε ἐν ἀγῶσι καὶ πορφύραν ἐπίσημον τοῦ βασιλικοῦ γέ-
νους, σκίπωνα ἀντὶ σκήπτρου, καὶ τὰ ἱερὰ τῆς Ἐλευσι-
νίας Ἀθήνητρος. καὶ Μίλητον δ' ἔκτισεν Νηλεὺς ἐκ
Πύλου τὸ γένος ὦν· οἳ τε Μεσσήνιοι καὶ οἱ Πύλιοι
συγγένειάν τινα προσποιοῦνται, καθ' ἣν καὶ Μεσσή-
30 νιον τον Νέστορα οἱ νεώτεροί φασι ποιηταί, καὶ τοῖς
περὶ Μέλανθον τὸν Κόδρου πατέρα πολλοὺς καὶ τῶν
Πυλίων συνεξᾶραι φασιν εἰς τὰς Ἀθήνας· τοῦτον δὲ

πάντα τὸν λαὸν μετὰ τῶν Ἰωνῶν κοινῇ στείλαι τὴν ἀποικίαν· τοῦ δὲ Νηλέως ἐπὶ τῷ Ποσειδίῳ βωμὸς ἵδρυμα δείκνυται. Κυδρηῆλος δὲ νόθος υἱὸς Κόδρου Μυοῦντα κτίζει· Ἀνδρόπομπος δὲ Λέβεδον καταλαβόμενος τόπον τινα Ἄρτιν· Κολοφῶνα δ' Ἀνδραίμων 5 Πύλιος, ὃς φησι καὶ Μίμνερμος ἐν Ναννοῖ· Πριήνην δ' Αἴπυτος ὁ Νηλέως, εἰθ' ὕστερον Φιλωτᾶς ἐκ Θηβῶν λαὸν ἀγαγών· Τέω δὲ Ἀθάμας μὲν πρότερον, διόπερ Ἀθαμαντίδα καλεῖ αὐτὴν Ἀνακρέων, κατὰ δὲ τὴν Ἰωνικὴν ἀποικίαν Ναῦκλος υἱὸς Κόδρου νόθος, καὶ μετὰ 10 τοῦτον Ἀποικος καὶ Δάμασος Ἀθηναῖοι καὶ Γέρης ἐκ Βοιωτῶν· Ἐρυθρὰς δὲ Κνωῆπος, καὶ οὗτος υἱὸς Κόδρου νόθος· Φώκαιαν δ' οἱ μετὰ Φιλογένους Ἀθηναῖοι· Κλαζομενὰς δὲ Πάραλος· Χίον δὲ Ἐγέρτιος, σύμμικτον ἐπαγαγόμενος πληθὺς· Σάμον δὲ Τεμβρίων, εἰθ' ὅστε- 15 ρον Προκλῆς.

- 4 Αὗται μὲν δώδεκα Ἰωνικαὶ πόλεις, προσελήφθη δὲ χρόνοις ὕστερον καὶ Σμύρνα εἰς τὸ Ἰωνικὸν ἐναγαγόντων Ἐφεσίων· ἦσαν γὰρ αὐτοῖς σύνοικοι τὸ παλαιόν, ἥνίκα καὶ Σμύρνα ἐκαλεῖτο ἡ Ἐφεσος· καὶ Καλ- 20 λινός που οὕτως ὠνόμακεν αὐτήν, Σμυρναίους τοὺς Ἐφεσίους καλῶν ἐν τῷ πρὸς τὸν Δία λόγῳ „Σμυρναίους δ' ἐλέησον“ καὶ πάλιν „μνηῆσαι δ' εἰκοτέ τοι „μηρία καλὰ βοῶν [Σμυρναῖοι κατέκταν].“ Σμύρνα δ' ἦν Ἀμαζῶν ἡ κατασχοῦσα τὴν Ἐφεσον, ἀφ' ἧς τοῦ- 25 νομα καὶ τοῖς ἀνθρώποις καὶ τῇ πόλει, ὥς καὶ ἀπὸ Σισύρβης Σισυρβίται τινὲς τῶν Ἐφεσίων ἐλέγοντο· καὶ τόπος δὲ τις τῆς Ἐφέσου Σμύρνα ἐκαλεῖτο, ὥς δηλοῖ Ἰππῶναξ „ᾧκει δ' ὅπισθε τῆς πόλιος ἐνὶ Σμύρνῃ με- 30 „ταξὺ Τρηχέλης τε καὶ Λεπρῆς ἀκτῆς.“ ἐκαλεῖτο γὰρ Λεπρὴ μὲν ἀκτὴ ὁ πρὸς τὸν ὕπερκείμενος τῆς νῦν πόλεως, ἔχων μέρος τοῦ τείχους αὐτῆς· τὰ γοῦν ὀπισθεν

- τοῦ προῦτος κτήματα ἔτι νυνὶ λέγεται ἐν τῇ Ὀπισθο-C 634
 λεπρία· Τραχεῖα δ' ἐκαλεῖτο ἢ περὶ τὸν Κορησσὸν πα-
 ρώρειος. ἢ δὲ πόλις ἦν τὸ παλαιὸν περὶ τὸ Ἀθήναιον
 τὸ νῦν ἔξω τῆς πόλεως ὃν κατὰ τὴν καλουμένην Τρέ-
 5 λαιον, ὥστε ἡ Σμύρνα ἦν κατὰ τὸ νῦν γυμνάσιον ὅπι-
 σθεν μὲν τῆς τότε πόλεως, μεταξὺ δὲ Τρηχέης τε καὶ
 Λεπρῆς ἀκτῆς. ἀπελθόντες δὲ παρὰ τῶν Ἐφεσίων οἱ
 Σμυρναῖοι στρατεύουσιν ἐπὶ τὸν τόπον, ἐν ᾧ νῦν ἔστιν
 ἡ Σμύρνα, Λελέγων κατεχόντων· ἐκβαλόντες δ' αὐ-
 10 τοὺς ἔκτισαν τὴν παλαιὰν Σμύρναν διέχουσιν τῆς νῦν
 περὶ εἴκοσι σταδίους. ὕστερον δὲ ὑπὸ Αἰολέων ἐκπε-
 σόντες κατέφυγον εἰς Κολοφῶνα, καὶ μετὰ τῶν ἐν-
 θένδε ἐπιόντες τὴν σφετέραν ἀπέλαβον· καθάπερ καὶ
 Μίμνερμος ἐν τῇ Ναννοῦ φράζει μνησθεὶς τῆς Σμύρνης
 15 ὅτι περιμάχτος αἰεὶ „ἡμεῖς δὴν τε Πύλον Νηλήιον
 „ἄστν λιπόντες ἱμερτὴν Ἀσίην νηυσὶν ἀφικόμεθα· ἐς
 „δ' ἐρατὴν Κολοφῶνα βίην ὑπέροπλον ἔχοντες ἐξό-
 „μεθ' ἀργαλέης ὕβριος ἡγεμόνες. κεῖθεν δ' *ἀστήεν-
 „τος ἀπορνύμενοι ποταμοῦ θεῶν βουλῇ Σμύρνην εἴ-
 20 „λομεν Αἰολίδα.“ ταῦτα μὲν περὶ τούτων· ἐφοδευτέον
 δὲ πάλιν τὰ καθ' ἕκαστα, τὴν ἀρχὴν ἀπὸ τῶν ἡγεμονι-
 κωτέρων τόπων ποιησαμένους, ἐφ' ὧν περ καὶ πρῶτον
 αἱ κτίσεις ἐγένοντο, λέγω δὲ τῶν περὶ Μίλητον καὶ
 Ἐφεσον· αὗται γὰρ ἄρισται πόλεις καὶ ἐνδοξόταται.
- 25 Μετὰ δὲ τὸ Ποσειδῖον τὸ Μιλησίων ἐξῆς ἔστι τὸ 5
 μαντεῖον τοῦ Αἰδυμέως Ἀπόλλωνος τὸ ἐν Βραγχίδαῖς
 ἀναβάντι ὅσον ὀκτωκαίδεκα σταδίους· ἐνεπρήσθη δ'
 ὑπὸ Ξέρξου, καθάπερ καὶ τὰ ἄλλα ἱερὰ πλὴν τοῦ ἐν
 Ἐφέσῳ· οἱ δὲ Βραγχίδαι τοὺς θησαυροὺς τοῦ θεοῦ
 30 παραδόντες τῷ Πέρσῃ φεύγουσι συναπῆραν τοῦ μη
 τῆσαι δίκας τῆς ἱεροσυλίας καὶ τῆς προδοσίας. ὕστερον
 δ' οἱ Μιλήσιοι μέγιστον νεὼν τῶν πάντων κατεσκεύα-

σαν, διέμεινε δὲ χωρὶς ὀροφῆς διὰ τὸ μέγεθος· κώμης γοῦν κατοικίαν ὁ τοῦ σηκοῦ περίβολος δέδεσται καὶ ἄλσος ἐντὸς τε καὶ ἐκτὸς πολυτελής· ἄλλοι δὲ σηκοὶ τὸ μαντεῖον καὶ τὰ ἱερὰ συνέχουσιν· ἐνταῦθα δὲ μυθεύεται τὰ περὶ τὸν Βράγχον καὶ τὸν ἔρωτα τοῦ Ἀπόλλωνος· κεκόσμηται δ' ἀναθήμασι τῶν ἀρχαίων τεχνῶν πολυτελέστατα· ἐντεῦθεν δ' ἐπὶ τὴν πόλιν οὐ πολλὴ ὁδὸς ἐστὶν οὐδὲ πλουῖς.

6 Φησὶ δ' Ἐφορος τὸ πρῶτον κτίσμα εἶναι Κρητικόν, ὑπὲρ τῆς θαλάττης τετειχισμένον, ὅπου νῦν ἡ 10 πάλαι Μίλητος ἐστὶ, Σαρπηδόνης ἐκ Μιλήτου τῆς Κρητικῆς ἀγαρόντος οἰκήτορας καὶ θεμένου τοῦνομα τῇ C.635 πόλει τῆς ἐκεῖ πόλεως ἐπάνυμον, κατεχόντων πρότερον Ἀελέγων τὸν τόπον· τοὺς δὲ περὶ Νηλέα ὕστερον τὴν νῦν τειχίσαι πόλιν. ἔχει δὲ τέτταρας λιμένας ἡ νῦν, ὧν 15 ἕνα καὶ στόλῳ ἱκανόν. πολλὰ δὲ τῆς πόλεως ἔργα ταύτης, μέγιστον δὲ τὸ πλῆθος τῶν ἀποικιῶν· ὃ τε γὰρ Εὐξείνιος πόντος ὑπὸ τούτων συνφύσσεται πᾶς καὶ ἡ Προποντὶς καὶ ἄλλοι πλείους τόποι. Ἀναξιμένης γοῦν ὁ Δαμψακηνὸς οὕτω φησὶν ὅτι καὶ Ἰκαρον τὴν νῆσον 20 καὶ Ἀέρον Μιλήσιοι συνφύμισαν καὶ περὶ Ἑλλήσποντον ἐν μὲν τῇ Χερρονησῶ Λίμνῃ, ἐν δὲ τῇ Ἀσίᾳ Ἀβυδὸν Ἀρισβαν Παισόν, ἐν δὲ τῇ Κυζικηνῶν νήσῳ Ἀρτάκην Κύζικον, ἐν δὲ τῇ μεσογαίᾳ τῆς Τρωάδος Σκῆψιν· ἡμεῖς δ' ἐν τοῖς καθ' ἕκαστα λέγομεν καὶ τὰς ἄλλας τὰς 25 ὑπὸ τούτου παραλελειμμένας.

Οὐλίον δ' Ἀπόλλωνα καλοῦσιν τινὰ καὶ Μιλήσιοι καὶ Ἀήλιοι, οἷον ὑγιαστικὸν καὶ παιωνικόν· τὸ γὰρ οὐλεῖν ὑγιαίνειν, ἀφ' οὗ καὶ τὸ οὐλή καὶ τό „οὐλέ τε „καὶ μέγα χαῖρε.“ ἰατρικὸς γὰρ ὁ Ἀπόλλων· καὶ ἡ Ἀρ- 30 τεμις ἀπὸ τοῦ ἀρτεμέας ποιεῖν· καὶ ὁ Ἥλιος δὲ καὶ ἡ Σελήνη συνοικιοῦνται τούτοις, ὅτι τῆς περὶ τοὺς ἀέρας

εὐκρασίας αἵτιοι· καὶ τὰ λοιμικὰ δὲ πάθη καὶ τοὺς αὐτομάτους θανάτους τούτοις ἀνάπτουσι τοῖς θεοῖς.

Ἄνδρες δ' ἄξιοι μνήμης ἐγένοντο ἐν τῇ Μιλήτῳ 7
Θαλῆς τε εἰς τῶν ἐπτα σοφῶν, ὁ πρῶτος φυσιολογίας
5 ἄρξας ἐν τοῖς Ἑλλήσι καὶ μαθηματικῆς, καὶ ὁ τούτου
μαθητῆς Ἀναξίμανδρος καὶ ὁ τούτου πάλιν Ἀναξιμέ-
νης, ἔτι δ' Ἐκταῖος ὁ τὴν ἱστορίαν συντάξας, καθ'
ἡμᾶς δὲ Αἰσχίνης ὁ ῥήτωρ, ὃς ἐν φυγῇ διετέλεσε, παρ-
ρησιασάμενος πέρα τοῦ μετρίου πρὸς Πομπήιον Μά-
10 γνον. ἡτύχησε δ' ἡ πόλις ἀποκλείσασα Ἀλέξανδρον
καὶ βία ληφθεῖσα, καθάπερ καὶ Ἀλικαρνασός· ἔτι δὲ
πρότερον ὑπὸ Περσῶν· καὶ φησί γε Καλλισθένης ὑπ'
Ἀθηναίων χιλίαις δραχμαῖς ζημιωθῆναι Φρύνιχον τὸν
τράγικόν, διότι δραῖμα ἐποίησε Μιλήτου ἄλωσιν ὑπὸ
15 Δαρείου.

Πρόκειται δ' ἡ Λάδη νῆσος πλησίον καὶ τὰ περὶ
τὰς Τραγαίας νησία ὑφόρους ἔχοντα λησταῖς. ἔξῃς δ' 8
ἐστὶν ὁ Λατμικὸς κόλπος, ἐν ᾧ Ἡράκλεια ἡ ὑπὸ Λάτμω
λεγομένη, πολίχνιον ὑφορμον ἔχον· ἐκαλεῖτο δὲ πρό-
20 τερον Λάτμος ὁμωνύμως τῷ ὑπερκειμένῳ ὄρει, ὃπερ
Ἐκταῖος μὲν ἐμφαίνει τὸ αὐτὸ εἶναι νομίζων τῷ ὑπὸ
τοῦ ποιητοῦ Φθειρῶν ὄρει λεγομένῳ (ὑπὲρ γὰρ τῆς
Λάτμου φησὶ τὸ Φθειρῶν ὄρος κεῖσθαι), τινὲς δὲ τὸ
Γρίον φασίν, ὡς ἂν παράλληλον τῷ Λάτμῳ ἀνῆκον
25 ἀπὸ τῆς Μιλησίας πρὸς ἕω διὰ τῆς Καρίας μέχρι Εὐ-
C.636
ρώμου καὶ Χαλκητόρων· ὑπέρεται δὲ ταύτης ἐν ὄψει.
μικρὸν δ' ἄπωθεν διαβάντι ποταμίσκον πρὸς τῷ Λάτμῳ
δείκνυται τάφος Ἐνδυμίωνος ἐν τινι σπηλαίῳ· εἶτα
ἄφ' Ἡρακλείας ἐπὶ Πύρραν πολίχνην πλοῦς ἑκατόν
30 πον σταδίων. μικρὸν δὲ πλεον τὸ ἀπὸ Μιλήτου εἰς 9
Ἡράκλειαν ἐγκολπίζοντι, εὐθυπλοία δ' εἰς Πύρραν ἐκ
Μιλήτου τριάκοντα· τοσαύτην ἔχει μακροπορίαν ὁ

παρὰ γῆν πλοῦς. ἀνάγκη δ' ἐπὶ τῶν ἐνδόξων τόπων ὑπομένειν τὸ περισκελὲς τῆς τοιαύτης γεωγραφίας.

- 10 Ἐκ δὲ Πύρρας ἐπὶ τὴν ἐκβολὴν τοῦ Μαιάνδρου πεντήκοντα· τεναγώδης δ' ὁ τόπος καὶ ἐλώδης· ἀναπλεύσαντι δ' ὑπηρετικοῖς σκάφεσι τριάκοντα σταδίους 5 πόλιν Μυοῦς, μία τῶν Ἰάδων τῶν δώδεκα, ἣ νῦν δι' ὀλιγανδρίαν Μιλησίοις συμπεπόλισται. ταύτην ὄψον λέγεται Θεμιστοκλεῖ δοῦναι Ξέρξης, ἄρτον δὲ Μαγνησίαν, οἶνον δὲ Λάμψακον.
- 11 Ἐνθεν ἐν σταδίοις τέτταρσι κώμη Καρικὴ Θυμ-10 βρία, παρ' ἣν ἄορνόν ἐστι σπήλαιον ἱερὸν, Χαρώνιον λεγόμενον, ὀλεθρίους ἔχον ἀποφοράς. ὑπέρεκται δὲ Μαγνησία ἢ πρὸς Μαιάνδρῳ, Μαγνήτων ἀποικία τῶν ἐν Θετταλίᾳ καὶ Κρητῶν, περὶ ἧς αὐτίκα ἐροῦμεν.
- 12 Μετὰ δὲ τὰς ἐκβολὰς τοῦ Μαιάνδρου ὁ κατὰ 15 Πριήνην ἐστὶν αἰγιαλός· ὑπὲρ αὐτοῦ δ' ἡ Πριήνη καὶ Μυκάλη τὸ ὕψος εὐθηρον καὶ εὐδενδρον. ἐπίκειται δὲ τῇ Σαμία καὶ ποιεῖ πρὸς αὐτὴν ἐπέκεινα τῆς Τρωγίλιου καλουμένης ἄκρας ὅσον ἐπταστάδιον πορθμόν. λέγεται δ' ὑπὸ τινων ἡ Πριήνη Κάδμη, ἐπειδὴ Φιλωτᾶς ὁ ἐπι- 20 κτίσας αὐτὴν Βοιωτίας ὑπῆρχεν· ἐκ Πριήνης δ' ἦν Βίας εἰς τῶν ἐπὶ σοφῶν, περὶ οὗ φησιν οὕτως Ἰππῶναξ „καὶ δικάσασθαι Βίαντος τοῦ Πριηνέως κρέσσον.“
- 13 Τῆς δὲ Τρωγίλιου πρόκειται νησίον ὁμώνυμον· ἐντεῦθεν δὲ τὸ ἐγγυτάτω διάρμα ἐστὶν ἐπὶ Σούνιον 25 σταδίων χιλίων ἑξακοσίων, κατ' ἀρχὰς μὲν Σάμον ἐν δεξιᾷ ἔχοντι καὶ Ἰκαρίαν καὶ Κορσίας, τοὺς δὲ Μελαντίους σκοπέλους ἐξ εὐωνύμων, τὸ λοιπὸν δὲ διὰ μέσων τῶν Κυκλάδων νήσων. καὶ αὐτὴ δ' ἡ Τρωγίλιος ἄκρα πρόπους τις τῆς Μυκάλης ἐστί. τῇ Μυκάλῃ δ' ὄρος 30 ἄλλο πρόσκειται τῆς Ἐφεσίας Πακτύης· καὶ ἡ Μεσωγίς δὲ εἰς αὐτὴν καταστρέφει.

Ἀπὸ δὲ τῆς Τρωγίλλου στάδιοι τετταράκοντα εἰς 14
 τὴν Σάμον· βλέπει δὲ πρὸς νότον καὶ αὐτὴ καὶ ὁ λιμὴν
 ἔχων ναύσταθμον. ἔστι δ' αὐτῆς ἐν ἐπιπέδῳ τὸ πλέον C.637
 ὑπὸ τῆς θαλάττης κλυζόμενον, μέρος δέ τι καὶ εἰς τὸ
 5 ὄρος ἀνέχει τὸ ὑπερκείμενον. ἐν δεξιᾷ μὲν οὖν προσ-
 πλέουσι πρὸς τὴν πόλιν ἔστι τὸ Ποσειδίου ἄκρα ἣ
 ποιοῦσα πρὸς τὴν Μυκάλην τὸν ἑπταστάδιον πορθμόν,
 ἔχει δὲ νεῶν Ποσειδῶνος· πρόκειται δ' αὐτοῦ νησιδίου
 ἣ Ναρθηκίς· ἐπ' ἀριστερᾷ δὲ τὸ προάστειον τὸ πρὸς
 10 τῷ Ἡραίῳ καὶ ὁ Ἰμβρασος ποταμὸς καὶ τὸ Ἡραῖον, ἀρ-
 χαῖον ἱερὸν καὶ νεὼς μέγας, ὃς νῦν πινακοθήκη ἐστὶ·
 χωρὶς δὲ τοῦ πλήθους τῶν ἐνταῦθα κειμένων πινάκων
 ἄλλαι πινακοθήκαι καὶ ναῖσχοι τινές εἰσι πλήρεις τῶν
 ἀρχαίων τεχνῶν· τό τε ὑπαιθρὸν ὁμοίως μεστὸν ἀν-
 15 δριάντων ἐστὶ τῶν ἀρίστων· ὧν τρία Μύρωνος ἔργα
 κολοσσικὰ ἰδρυμένα ἐπὶ μιᾷς βάσεως, ἃ ἦρε μὲν Ἀντώ-
 νιος ἀνέθηκε δὲ πάλιν ὁ Σεβαστὸς Καῖσαρ εἰς τὴν αὐ-
 τὴν βάσιν τὰ δύο, τὴν Ἀθηναῖαν καὶ τὸν Ἡρακλέα, τὸν
 δὲ Δία εἰς τὸ Καπετώλιον μετήνεγκε κατασκευάσας
 20 αὐτῷ ναῖσχον.

Περίπλους δ' ἐστὶ τῆς Σαμίων νήσου σταδίων 15
 ἑξακοσίων. ἐκαλεῖτο δὲ Παρθενία πρότερον οἰκούντων
 Καρῶν, εἶτα Ἀνθεμουῖς, εἶτα Μελάμφυλλος, εἶτα Σά-
 μος, εἶτ' ἀπὸ τινος ἐπιχωρίου ἥρωος εἶτ' ἐξ Ἰθάκης καὶ
 25 Κεφαλληνίας ἀποικήσαντος. καλεῖται μὲν οὖν καὶ ἄκρα
 τὴν Ἀμπελος βλέπουσά πως πρὸς τὸ τῆς Ἰκαρίας Δρέπα-
 νον, ἀλλὰ καὶ τὸ ὄρος ἅπαν ὃ ποιεῖ τὴν ὅλην νήσον ὀρει-
 νὴν ὁμωνύμως λέγεται· ἔστι δ' οὐκ εὖοινος, καίπερ εὖ-
 οἰνουσῶν τῶν κύκλω νήσων, καὶ τῆς ἡπείρου σχεδόν τι
 30 τῆς προσεχοῦς πάσης τοὺς ἀρίστους ἐκφερούσης οἶνους·

30. post οἶνους: οἶον Χίου καὶ Λέσβου καὶ Κῶ.

καὶ μὴν καὶ ὁ Ἐφέσιος καὶ Μητροπολίτης ἀγαθοί, ἢ τε Μεσσηνίης καὶ ὁ Τρωῶλος καὶ ἡ Κατακεκαυμένη καὶ Κνίδος καὶ Σμύρνα καὶ ἄλλοι ἀσημότεροι τόποι διαφόρως χρηστοινοῦσιν ἢ πρὸς ἀπόλαυσιν ἢ πρὸς διαίτας ἰατρικάς. περὶ μὲν [οὖν] οἴκους οὐ πάνυ εὐτυχεῖ Σάμος, τὰ 5 δ' ἄλλα εὐδαίμων, ὥς δῆλον ἐκ τε τοῦ περιμάχητον γενέσθαι καὶ ἐκ τοῦ τοὺς ἐπαινοῦντας μὴ ὀκνεῖν ἐφαρμόττειν αὐτῇ τὴν λέγουσαν παροιμίαν ὅτι φέρει καὶ ὀρνίθων γάλα. τοῦτο δὲ καὶ τῶν τυραννίδων αἰτίον

10

16 μάλιστα καὶ τὸν ἀδελφὸν αὐτοῦ Συλοσῶντα· ἦν δ' ὁ μὲν καὶ τύχη καὶ δυνάμει λαμπρὸς ὥστε καὶ θαλαττο-
0.638κρατῆσαι· τῆς δ' εὐτυχίας αὐτοῦ σημεῖον τιθέασιν ὅτι ῥίψαντος εἰς τὴν θάλατταν ἐπίτηδες τὸν δακτύλιον λί- 15 θου καὶ γλύμματος πολυτελοῦς, ἀνήνεγκε μικρὸν ὕστερον τῶν ἀλιέων τις τὸν καταπιόντα ἰχθὺν αὐτόν· ἀνατμηθέντος δ' εὗρέθη ὁ δακτύλιος· πυθόμενον δὲ τοῦτο τὸν Αἰγυπτίων βασιλέα φασὶ μαντικῶς πως ἀποφθέγγασθαι ὥς ἐν βραχεὶ καταστρέψει τὸν βίον εἰς 20 οὐκ εὐτυχὲς τέλος ὁ τοσοῦτον ἐξηρμένος ταῖς εὐπραγίαις· καὶ δὴ καὶ συμβῆναι τοῦτο· ληφθέντα γὰρ ἐξ ἀπάτης ὑπὸ τοῦ σατράπου τῶν Περσῶν κρεμασθῆναι. τούτῳ συνεβίωσεν Ἀνακρέων ὁ μελοποιός· καὶ δὴ καὶ 25 πᾶσα ἡ ποιήσις πλήρης ἐστὶ τῆς περὶ αὐτοῦ μνήμης. ἐπὶ τούτου δὲ καὶ Πυθαγόραν ἱστοροῦσιν ἰδόντα φρυ-
μένην τὴν τυραννίδα ἐκλιπεῖν τὴν πόλιν καὶ ἀπελθεῖν εἰς Αἴγυπτον καὶ Βαβυλῶνα φιλομαθείας χάριν· ἐπα-
νιόντα δ' ἐκείθεν, ὁρῶντα ἔτι συμμένουσαν τὴν τυ-

9. post γάλα: καθάπερ που καὶ Μένανδρος ἔφη.

ραννίδα, πλεύσαντα εἰς Ἰταλίαν ἐκεῖ διατελέσαι τὸν βίον. περὶ Πολυκράτους μὲν ταῦτα.

Συλοσῶν δ' ἀπελείφθη μὲν ἰδιώτης ὑπὸ τοῦ ἀδελ- 17
φοῦ, Δαρεῖω δὲ τῷ Ῥστάσπεω χαρισάμενος ἐσθῆτα, ἧς
5 ἐπεθύμησεν ἐκείνος φοροῦντα ἰδῶν, οὕπω δ' ἐβασί-
λευε τότε, βασιλεύσαντος ἀντέλαβε δῶρον τὴν τυραν-
νίδα. πικρῶς δ' ἤρξεν, ὥστε καὶ ἐλειπάνδρησεν ἡ πό-
λις· ἀκκέϊθεν ἐκπεσεῖν συνέβη τὴν παροιμίαν „ἐκκητι
„Συλοσῶντος εὐρυχωρίη.“

10 Ἀθηναῖοι δὲ πρότερον μὲν πέμψαντες στρατηγὸν 18
Περικλέα καὶ σὺν αὐτῷ Σοφοκλέα τὸν ποιητὴν πολιορ-
κίᾳ κακῶς διέσθηκαν ἀπειθοῦντας τοὺς Σαμίους, ὥστε-
ρον δὲ καὶ κληρούχους ἐπεμψαν δισχιλίους ἐξ ἐαυτῶν,
ᾧν ἦν καὶ Νεοκλῆς ὁ Ἐπικούρου τοῦ φιλοσόφου πα-
15 τήρ, γραμματοδιδάσκαλος, ὧς φασί· καὶ δὴ καὶ τρα-
φῆναί φασιν ἐνθάδε καὶ ἐν Τέω καὶ ἐφηβεῦσαι Ἀθή-
νησι· γενέσθαι δ' αὐτῷ συνέφηβον Μένανδρον τὸν
κωμικόν· Σάμιος δ' ἦν καὶ Κρεώφυλος, ὃν φασὶ δεξά-
μενον ξενίᾳ ποτὲ Ὀμηρον λαβεῖν δῶρον τὴν ἐπιγραφὴν
20 τοῦ ποιήματος ὃ καλοῦσιν Οἰχαλίας ἄλωσιν. Καλλίμα-
χος δὲ τοῦναντίον ἐμφαίνει δι' ἐπιγράμματός τινος, ὧς
ἐκείνου μὲν ποιήσαντος λεγομένου δ' Ὀμήρου διὰ τὴν
λεγομένην ξενίαν „τοῦ Σαμίου πόνος εἰμί, δόμῳ ποτὲ
„θεῖον Ὀμηρον δεξαμένου· κλείω δ' Εὐρυτον ὅσος”
25 „ἐπαθεν, καὶ ξανθὴν Ἰόλειαν· Ὀμήρειον δὲ καλεῦμαι
„γράμμα· Κρεωφύλῳ, Ζεῦ φίλε, τοῦτο μέγα.“ τινὲς C.639
δὲ διδάσκαλον Ὀμήρου τοῦτόν φασιν, οἱ δ' οὐ τοῦτον
ἀλλ' Ἀριστέαν τὸν Προκοννήσιον.

Παράκειται δὲ τῇ Σάμῳ νῆσος Ἰκαρία ἀφ' ἧς τὸ 19
30 Ἰκάριον πέλαγος. αὕτη δ' ἐπώνυμός ἐστιν Ἰκάρου παι-
δὸς τοῦ Δαιδάλου, ὃν φασὶ τῷ πατρὶ κοινωνήσαντα
τῆς φυγῆς, ἥνικα ἀμφότεροι πτερωθέντες ἀπῆραν ἐκ

Κρήτης, πεσεῖν ἐνθάδε μὴ κρατήσαντα τοῦ δρόμου· μετεωρισθέντι γὰρ πρὸς τὸν ἥλιον ἐπὶ πλεόν περιρρυῆναι τὰ πτερὰ τακέντος τοῦ κηροῦ. τριακοσίων δ' ἐστὶ τὴν περιμέτρον σταδίων ἡ νῆσος ἅπασα καὶ ἀλίμενος πλὴν ὑφόρων, ὧν ὁ κάλλιστος Ἴστοι λέγονται· 5 ἄκρα δ' ἐστὶν ἀνατείνουσα πρὸς ζέφυρόν. ἐστὶ δὲ καὶ Ἀρτέμιδος ἱερὸν καλούμενον Ταυροπόλιον ἐν τῇ νήσῳ καὶ πολισμάτιον Οἰνόη, καὶ ἄλλο Ἀράκανον ὁμώνυμον τῇ ἄκρᾳ ἐφ' ἣ ἰδρυνται, πρόσσορον ἔχον· ἡ δὲ ἄκρα διέχει τῆς Σαμίων ἄκρας τῆς Κανθαρίου καλουμένης 10 ὀγδοήκοντα σταδίους, ὅπερ ἐστὶν ἐλάχιστον διάστημα τὸ μεταξύ. νυνὶ μέντοι λειπανδροῦσαν Σάμιοι νέμονται τὰ πολλὰ βοσκημάτων χάριν.

- 20 Μετὰ δὲ τὸν Σάμιον πορθμὸν τὸν πρὸς Μυκάλην πλέουσιν εἰς Ἐφεσον ἐν δεξιᾷ ἐστὶν ἡ Ἐφεσίων παρα- 15 λία· μέρος δέ τι ἔχουσιν αὐτῆς καὶ οἱ Σάμιοι. πρῶτον δ' ἐστὶν ἐν τῇ παραλίᾳ τὸ Πανιώνιον τρισὶ σταδίοις ὑπερκεείμενον τῆς θαλάττης, ὅπου τὰ Πανιόνια, κοινὴ πανήγυρις τῶν Ἰώνων, συντελεῖται τῷ Ἑλικωνίῳ Ποσειδῶνι καὶ Θυσία· ἱερῶνται δὲ Πριηνεῖς· εἴρηται δὲ 20 περὶ αὐτῶν ἐν τοῖς Πελοποννησιακοῖς. εἴτα Νεάπολις, ἡ πρότερον μὲν ἦν Ἐφεσίων νῦν δὲ Σαμίων διαλλαξαμένων πρὸς τὸ Μαραθήσιον, τὸ ἐγγυτέρω πρὸς τὸ ἀπωτέρω· εἴτα Πύγεια πολίχνην, ἱερὸν ἔχον Ἀρτέμιδος Μουνυχίας, ἰδρυμα Ἀγαμέμνονος, οἰκούμενον ὑπὸ 25 μέρους τῶν ἐκείνου λαῶν· πυγαλγίας γάρ τινας καὶ γενέσθαι καὶ κληθῆναι, κάμνοντας δ' ὑπὸ τοῦ πάθους καταμεῖναι, καὶ τυχεῖν οἰκείου τοῦδε τοῦ ὀνόματος τὸν τόπον. εἴτα λιμὴν Πάνορμος καλούμενος ἔχων ἱερὸν τῆς Ἐφεσίας Ἀρτέμιδος· εἶθ' ἡ πόλις. ἐν δὲ τῇ αὐτῇ 30 παραλίᾳ μικρὸν ὑπὲρ τῆς θαλάττης ἐστὶ καὶ ἡ Ὀρτυγία, διαπρεπὲς ἄλσος παντοδαπῆς ὕλης, κυπαρίττου δὲ τῆς

πλείστης. διαρρεῖ δὲ ὁ Κεγχριος ποταμός, οὗ φασὶ
 νίψασθαι τὴν Αἰτῶ μετὰ τὰς ὠδίνας. ἐνταῦθα γὰρ
 μυθεύουσι τὴν λοχείαν καὶ τὴν τροφὸν τὴν Ὀρτυρίαν
 καὶ τὸ ἄδυτον ἐν ᾧ ἡ λοχεία, καὶ τὴν πλησίον ἐλαίαν, ἣ
 5 πρῶτον ἐπαναπαύσασθαι φασὶ τὴν θεὸν ἀπολυθεῖσαν
 τῶν ὠδίνων. ὑπέρεκειται δὲ τοῦ ἄλσους ὄρος ὁ Σολ-
 μισσός, ὅπου στάντας φασὶ τοὺς Κουρήτας τῷ ψόφῳ
 τῶν ὀπλῶν ἐκπλήξαι τὴν Ἥραν ζηλοτύπως ἐφεδρεύου-
 σαν, καὶ λαθεῖν συμπράξαντας τὴν λοχείαν τῇ Αἰτῷ.
 10 ὄντων δ' ἐν τῷ τόπῳ πλειόνων ναῶν, τῶν μὲν ἀρχαίων
 τῶν δ' ὕστερον γενομένων, ἐν μὲν τοῖς ἀρχαίοις ἀρχαῖά
 ἐστὶ ξόανα, ἐν δὲ τοῖς ὕστερον Σκόπα ἔργα· ἡ μὲν Αἰτῶ
 σκηπτρον ἔχουσα, ἡ δ' Ὀρτυρία παρέστηκεν ἑκατέρᾳ
 τῇ χειρὶ παιδίον ἔχουσα. πανήγυρις δ' ἐνταῦθα συντε-
 15 λείται κατ' ἔτος, ἔθιμι δέ τιμι οἱ νέοι φιλοκαλοῦσι μάλι-
 στα περὶ τὰς ἐνταῦθα εὐωχίας λαμπρυνόμενοι· τότε
 δὲ καὶ τῶν Κουρήτων ἀρχεῖον συνάγει συμπόσια καὶ
 τινὰς μυστικὰς θυσίας ἐπιτελεῖ.

Τὴν δὲ πόλιν ᾧκουν μὲν Κᾶρές τε καὶ Ἀέλερες, 21
 20 ἐκβαλὼν δ' ὁ Ἀνδροκλος τοὺς πλείστους ᾧκισεν ἐκ
 τῶν συνελθόντων αὐτῷ περὶ τὸ Ἀθήναιον καὶ τὴν
 Τπέλαιον, προσπεριλαβὼν καὶ τῆς περὶ τὸν Κορησ-
 σὸν παρωρείας. μέχρι μὲν δὴ τῶν κατὰ Κροῖσον οὕ-
 τως ᾧκετο, ὕστερον δ' ἀπὸ τῆς παρωρείου καταβάν-
 25 τες περὶ τὸ νῦν ἱερὸν ᾧκησαν μέχρι Ἀλεξάνδρου. Αὐ-
 σίμαχος δὲ τὴν νῦν πόλιν τειχίσας, ἀηδῶς τῶν ἀνθρώ-
 πων μεθισταμένων, τηρήσας καταρράκτην ὄμβρον
 συνήργησε καὶ αὐτὸς καὶ τοὺς ρινοῦχους ἐνέφραξεν
 ὥστε κατακλύσαι τὴν πόλιν· οἱ δὲ μετέστησαν ἄσμενοι.
 30 ἐκάλεσε δ' Ἀρσινόην ἀπὸ τῆς γυναικὸς τὴν πόλιν, ἐπε-
 κράτησε μέντοι τὸ ἀρχαῖον ὄνομα. ἦν δὲ γερούσια κα-

ταγραφομένη, τούτοις δὲ συνήεσαν οἱ ἐπικλητοὶ καλούμενοι καὶ διώκουν πάντα.

22 Τὸν δὲ νεῶν τῆς Ἀρτέμιδος πρῶτος μὲν Χερσίφρων ἡρχιτεκτόνησεν, εἰτ' ἄλλος ἐποίησε μείζω· ὥς δὲ τοῦτον Ἡρόστρατός τις ἐνέπρησεν, ἄλλον ἀμείνω κα- 5
 τεσκεύασαν συνενέγκαντες τὸν τῶν γυναικῶν κόσμον καὶ τὰς ἰδίας οὐσίας, διαθέμενοι δὲ καὶ τοὺς προτέρους κίονας· τούτων δὲ μαρτύριά ἐστι τὰ γενηθέντα τότε ψηφίσματα, ἅπερ ἀγνοοῦντά φησιν ὁ Ἀρτεμίδωρος τὸν Ταυρομενίτην Τίμαιον καὶ ἄλλως βάσκανον ὄντα καὶ 10
 συκοφάντην (διὸ καὶ Ἐπιτίμαιον κληθῆναι) λέγειν ὥς ἐκ τῶν Περσικῶν παρακατααθηκῶν ἐποίησαντο τοῦ ἱεροῦ τὴν ἐπισκευήν· οὔτε δὲ ὑπάρξαι παρακατααθήκας τότε, εἴ τε ὑπῆρξαν, συνεμπεπρωῆσθαι τῷ ναῷ· μετὰ 15
 δὲ τὴν ἔμπρησιν τῆς ὀροφῆς ἠφανισμένης, ἐν ὑπαίθρῳ τῷ σηκῷ τίνα ἂν ἐθελῆσαι παρακατααθήκην κειμένην ἔχειν; Ἀλέξανδρον δὴ τοῖς Ἐφεσίοις ὑποσχέσθαι τὰ
 C.641 γεγυμνάσθαι καὶ τὰ μέλλοντα ἀναλώματα, ἐφ' ᾧ τε τὴν ἐπιγραφὴν αὐτὸν ἔχειν, τοὺς δὲ μὴ ἐθελῆσαι, πολὺ μᾶλλον οὐκ ἂν ἐθελήσαντας ἐξ ἱεροσυλίας καὶ ἀποστε- 20
 ρήσεως φιλοδοξεῖν· ἐπαινεῖ τε τὸν εἰπόντα τῶν Ἐφεσίων πρὸς τὸν βασιλέα, ὥς οὐ πρόποι θεῶ θεοῖς ἀναθήματα κατασκευάζειν.

23 Μετὰ δὲ τὴν τοῦ νεῶ συντέλειαν, ὃν φησιν εἶναι Δεινοκράτους ἔργον (τοῦ δ' αὐτοῦ καὶ τὴν Ἀλεξαν- 25
 δρείας κτίσιν· τὸν δ' αὐτὸν ὑποσχέσθαι Ἀλεξάνδρῳ τὸν Ἄθω διασκευάσειν εἰς αὐτόν, ὥσανει ἐκ πρόχου τινὸς εἰς φιάλην καταχέοντα σπονδὴν, ποιήσονται πό-
 λεις δύο, τὴν μὲν ἐκ δεξιῶν τοῦ ὄρους τὴν δ' ἐν ἀριστερᾷ, ἀπὸ δὲ τῆς ἐτέρας εἰς τὴν ἐτέραν ῥέοντα ποτα- 30
 μόν), μετὰ δ' οὖν τὸν νεῶν τὸ τῶν ἄλλων ἀναθημάτων πλῆθος εὐρέσθαι τῇ ἐκτιμήσει τῶν δημιουργῶν, τὸν

δὲ δὴ βωμὸν εἶναι τῶν Πραξιτέλους ἔργων ἅπαντα
 σχεδόν τι πλήρη. ἡμῖν δ' ἐδείκνυτο καὶ τῶν Θράσωνός
 τινα, οὐπὲρ καὶ τὸ Ἑκατήσιόν ἐστι καὶ ἡ κηρήνη Πηνε-
 λόπη καὶ ἡ πρεσβῦτις ἡ Εὐρύκλεια. ἱερέας δ' εὐνού-
 5 χους εἶχον οὓς ἐκάλουν Μεγαβύζους, καὶ ἀλλαχόθεν
 μετιόντες αἰεί τινας ἀξιούς τῆς τοιαύτης προστασίας,
 καὶ ἡγουν ἐν τιμῇ μεγάλη· συνιεῖσθαι δὲ τούτοις ἐχρήν
 παρθένους. νυνὶ δὲ τὰ μὲν φυλάττεται τῶν νομίμων
 τὰ δ' ἡττον, ἄσυλον δὲ μένει τὸ ἱερὸν καὶ νῦν καὶ πρό-
 10 τερον· τῆς δ' ἀσυλίας τοὺς ὄρους ἀλλαγῆναι συνέβη
 πολλάκις, Ἀλεξάνδρου μὲν ἐπὶ στάδιον ἐκτείναντος,
 Μιθριδάτου δὲ τόξευμα ἀφέντος ἀπὸ τῆς γωνίας τοῦ
 κεράμου καὶ δόξαντος ὑπερβαλέσθαι μικρὰ τὸ στάδιον,
 Ἀντωνίου δὲ διπλασιάσαντος τοῦτο καὶ συμπεριλα-
 15 βόντος τῇ ἀσυλίᾳ μέρος τι τῆς πόλεως· ἐφάνη δὲ τοῦτο
 βλαβερόν καὶ ἐπὶ τοῖς κακούργοις ποιοῦν τὴν πόλιν,
 ὥστ' ἠκύρωσεν ὁ Σεβαστὸς Καῖσαρ.

Ἔχει δ' ἡ πόλις καὶ νεώρια καὶ λιμένα· βραχύστο- 24
 μον δ' ἐποίησαν οἱ ἀρχιτέκτονες, συνεξαπατηθέντες
 20 τῷ κελεύσαντι βασιλεῖ. οὗτος δ' ἦν Ἀτταλος ὁ φιλά-
 δελφος· οἰηθεὶς γὰρ οὗτος βαθὺν τὸν εἰσπλουν ὀκλάσι
 μεγάλαις ἔσσεσθαι καὶ αὐτὸν τὸν λιμένα τεναγῶδη ὄντα
 πρότερον διὰ τὰς ἐκ τοῦ Καῦστρου προχώσεις, εἰάν πα-
 ραβληθῇ χῶμα τῷ στόματι πλατεῖ τελέως ὄντι, ἐκέλευσε
 25 γενέσθαι τὸ χῶμα. συνέβη δὲ τούναντιον· ἐντὸς γὰρ
 ἡ χοῦς εἰργομένη τεναγίζειν μᾶλλον ἐποίησε τὸν λιμένα
 σύμπαντα μέχρι τοῦ στόματος· πρότερον δ' ἱκανῶς αἱ
 πλημμυρίδες καὶ ἡ παλίρροια τοῦ πελάγους ἀφήρει
 τὴν χοῦν καὶ ἀνέσπα πρὸς τὸ ἐκτός. ὁ μὲν οὖν λιμὴν
 30 τοιοῦτος· ἡ δὲ πόλις τῇ πρὸς τὰ ἄλλα εὐκαιρίᾳ τῶν τό-
 πων αὖξεται καθ' ἐκάστην ἡμέραν, ἐμπόριον οὖσα μέ-
 γιστον τῶν κατὰ τὴν Ἀσίαν τὴν ἐντὸς τοῦ Ταύρου.

C.642

25 Ἄνδρες δ' ἀξιόλογοι γεγόνασιν ἐν αὐτῇ τῶν μὲν παλαιῶν Ἡράκλειτός τε ὁ σκοτεινὸς καλούμενος καὶ Ἑρμόδωρος, περὶ οὗ ὁ αὐτὸς οὗτός φησιν, „ἀξιον Ἐφε-
 „σίοις ἡβηδὸν ἀπάγξασθαι, οἵτινες Ἑρμόδωρον ἄνδρα
 „ἑωυτῶν ὀνήιστον ἐξέβαλον, φάντες ἡμέων μηδὲ εἰς 5
 „ὀνήιστος ἔστω, εἰ δὲ μή, ἄλλη τε καὶ μετ' ἄλλων.“ δο-
 κεῖ δ' οὗτος ὁ ἀνὴρ νόμους τινας Ῥωμαίοις συγγράψαι.
 καὶ Ἰππῶναξ δ' ἐστὶν ὁ ποιητὴς ἐξ Ἐφέσου καὶ Παρρά-
 σιος ὁ ζωγράφος καὶ Ἀπελλῆς, τῶν δὲ νεωτέρων [Ἀρτε-
 μίδωρος καὶ] Ἀλέξανδρος δῆτωρ ὁ Ἀύχνος προσαγορευ- 10
 θεὸς, ὃς καὶ ἐπολιτεύσατο καὶ συνέγραψεν ἱστορίαν καὶ
 ἔπη κατέλιπεν, ἐν οἷς τὰ τε οὐράνια διατίθεται καὶ τὰς
 ἡπείρους γεωγραφεῖ, καθ' ἑκάστην ἐκδοὺς ποιήμα.

26 Μετὰ δὲ τὴν ἐκβολὴν τοῦ Καῦστρου λίμνη ἐστὶν
 ἐκ τοῦ πελάγους ἀναχαιομένη (καλεῖται δὲ Σελινουσία) 15
 καὶ ἐφεξῆς ἄλλη σύρρους αὐτῇ μεγάλας ἔχουσαι προσ-
 ὁδους, ἃς οἱ βασιλεῖς μὲν ἱερὰς οὔσας ἀφείλοντο τὴν
 θεόν, Ῥωμαῖοι δ' ἀπέδωκαν· πάλιν δ' οἱ δημοσιῶναι
 βιασάμενοι περιέστησαν εἰς ἑαυτοὺς τὰ τέλη, πρεσβεύ-
 σας δὲ ὁ Ἀρτεμίδωρος, ὧς φησι, τὰς τε λίμνας ἀπέλαβε 20
 τῇ θεῷ καὶ τὴν Ἡρακλεῶτιν ἀφισταμένην ἐξενίκησε
 κριθεὶς ἐν Ῥώμῃ· ἀντὶ δὲ τούτων εἰκόνα χρυσῇν ἀνέ-
 στησεν ἡ πόλις ἐν τῷ ἱερῷ. τῆς δὲ λίμνης ἐν τῷ κοι-
 λοτάτῳ βασιλέως ἐστὶν ἱερὸν· φασὶ δ' Ἀγαμέμνονος
 ἰδρυμα.

25

27 Εἶτα τὸ Γαλλήσιον ὄρος καὶ ἡ Κολοφῶν πόλις Ἰω-
 νικὴ καὶ τὸ πρὸ αὐτῆς ἄλσος τοῦ Κλαρίου Ἀπόλλωνος,
 ἐν ᾧ καὶ μαντεῖόν ἐστι παλαιόν. λέγεται δὲ Κάλχας ὁ
 μάντις μετ' Ἀμφιλόχου τοῦ Ἀμφιαράου κατὰ τὴν ἐκ
 Τροίας ἐπάνοδον περὶ δεῦρο ἀφικέσθαι, περιτυχὼν δ' 30
 ἑαυτοῦ κρείττονι μάντι κατὰ τὴν Κλάρου, Μόψῳ τῷ
 Μαντοῦς τῆς Τειρεσίου θυγατρὸς, διὰ λύπην ἀποθα-

νεῖν. Ἡσίοδος μὲν οὖν οὕτω πως διασκευάζει τὸν μῦ-
 θον· προτείνει γάρ τι τοιοῦτο τῷ Μόψῳ τὸν Κάλχαντα
 „θαῦμά μ' ἔχει κατὰ θυμόν, ὅσους ἐρινειὸς ὀλύνθους
 „οὗτος ἔχει μικρὸς περ ἑών· εἰποῖς ἂν ἀριθμόν;“ τὸν
 5 δ' ἀποκρίνασθαι „μύριοί εἰσιν ἀριθμόν, ἀτὰρ μέτρον
 „γε μέδιμνος· εἷς δὲ περισσεύει, τὸν ἐπενθέμεν οὐ κε
 „δύναιο. ὥς φάτο· καί σφιν ἀριθμὸς ἐτήτυμος εἶδeto
 „μέτρου. καὶ τότε δὴ Κάλχανθ' * ὕπνος θανάτοιο κά-
 „λυψε.“ Φερεκύδης δέ φησιν ὅτι προβαλεῖν ἔγκουνC.643
 10 τὸν Κάλχαντα πόσους ἔχει χοίρους, τὸν δ' εἶπεῖν ὅτι
 τρεῖς, ὧν ἓνα θῆλυν· ἀληθεύσαντος δ' ἀποθανεῖν ὑπὸ
 λύπης. οἱ δὲ τὸν μὲν Κάλχαντα προβαλεῖν τὴν ὕν φασι
 τὸν δὲ ἐρινεόν, καὶ τὸν μὲν εἶπεῖν ἀληθὲς τὸν δὲ μὴ,
 ἀποθανεῖν δὲ ὑπὸ λύπης καὶ κατὰ τι λόγιον. λέγει δ'
 15 αὐτὸ Σοφοκλῆς ἐν Ἑλένης ἀπαιτήσῃ ὥς εἰμαρμένον
 εἶη ἀποθανεῖν, ὅταν κρείττονι ἑαυτοῦ μάντει περιτύχῃ·
 οὗτος δὲ καὶ εἰς Κιλικίαν μεταφέρει τὴν ἔριν καὶ τὸν
 θάνατον τοῦ Κάλχαντος. τὰ μὲν παλαιὰ τοιαῦτα.

Ἐκτῆσαντο δέ ποτε καὶ ναυτικὴν ἀξιόλογον δύνα- 28
 20 μιν Κολοφώνιοι καὶ ἱππικὴν, ἐν ἧ' τοσοῦτον διέφερον
 τῶν ἄλλων ὥσθ', ὅπου ποτὲ ἐν τοῖς δυσκαταλύτοις
 πολέμοις τὸ ἱππικὸν τῶν Κολοφωνίων ἐπικουρήσεις,
 λύεσθαι τὸν πόλεμον· ἂφ' οὗ καὶ τὴν παροιμίαν ἐκδο-
 θῆναι τὴν λέγουσαν „τὸν Κολοφῶνα ἐπέθηκεν“ ὅταν
 25 τέλος ἐπιτεθῇ βέβαιον τῷ πράγματι. ἄνδρες δ' ἐγέ-
 νοντο Κολοφώνιοι τῶν μνημονευομένων Μίμνεργμος
 αὐλητῆς ἅμα καὶ ποιητῆς ἐλεγείας, καὶ Ξενοφάνης ὁ
 φυσικός, ὁ τοὺς σίλλους ποιήσας διὰ ποιημάτων· λέγει
 δὲ Πίνδαρος καὶ Πολύμναστόν τινα τῶν περὶ τὴν μου-
 30 σικὴν ἑλλογίμων „φθέγμα μὲν πάγκοινον ἔγνωκας
 „Πολυμνάστου Κολοφωνίου ἀνδρός.“ καὶ Ὀμηρον δὲ
 τινες ἐντεῦθεν εἶναι φασιν.

Εὐθυπλοία μὲν οὖν ἑβδομήκοντα στάδιοι εἰσιν ἐξ
 29 Ἐφέσου, ἐγκολπίζονται δὲ ἑκατὸν καὶ εἰκοσι. μετὰ δὲ
 Κολοφῶνα ὄρος Κοράκιον καὶ νησίον Ιερὸν Ἀρτέμιδος,
 εἰς ὃ διανηχομένως τίκτειν τὰς ἐλάφους πεπιστευκάσιν.
 εἶτα Λέβεδος διέχουσα Κολοφῶνος ἑκατὸν καὶ εἰκοσιν· 5
 ἐνταῦθα τῶν περὶ τὸν Διόνυσον τεχνιτῶν ἡ σύνοδος
 καὶ κατοικία τῶν ἐν Ἰωνίᾳ μέχρι Ἑλλησπόντου, ἐν ἣ
 πανήγυρις τε καὶ ἀγῶνες κατ' ἔτος συντελοῦνται τῷ
 Διονύσῳ. ἐν Τέῳ δὲ ᾧκουν πρότερον τῇ ἐφεξῆς πόλει
 τῶν Ἰώνων, ἐμπεσούσης δὲ στάσεως εἰς Ἐφεσον κατέ- 10
 φυγον· Ἀττάλου δ' εἰς Μυόννησον αὐτοὺς καταστή-
 σαντος μεταξὺ Τέῳ καὶ Λεβέδου, πρεσβεύονται Τήιοι
 δεόμενοι Ῥωμαίων μὴ περιδεῖν ἐπιτελιζομένην σφίσι
 τὴν Μυόννησον, οἱ δὲ μετέστησαν εἰς Λεβέδον δεξαμέ-
 νων τῶν Λεβεδίων ἀσμένως διὰ τὴν κατέχουσαν αὐ- 15
 τοὺς ὀλιγανδρίαν. καὶ Τέως δὲ Λεβέδου διέχει ἑκατὸν
 εἰκοσι, μεταξὺ δὲ νῆσος Ἀσπίς, οἱ δ' Ἀρκόννησον κα-
 λοῦσι· καὶ ἡ Μυόννησος δὲ ἐφ' ὕψους χερρονησίζον-
 τος κατοικεῖται.

C.644

30

Καὶ ἡ Τέως δὲ ἐπὶ χερρονήσῳ ἰδρυται λιμένα 20
 ἔχουσα· ἐνθενδ' ἐστὶν Ἀνακρέων ὁ μελοποιός, ἐφ' οὗ
 Τήιοι τὴν πόλιν ἐκλιπόντες εἰς Ἀβδηρα ἀπώκησαν
 Θρακίαν πόλιν, οὗ φέροντες τὴν τῶν Περσῶν ὕβριν,
 ἀφ' οὗ καὶ τοῦτ' εἴρηται, Ἀβδηρα καλὴ Τηίων ἀποι-
 ,,κλή.“ πάλιν δ' ἐπανῆλθόν τινες αὐτῶν χρόνῳ ὥστε- 25
 ρον· εἴρηται δὲ καὶ περὶ Ἀπελλικῶντος ὅτι Τήιος ἦν
 ἀκκείνος· γέγονε δὲ καὶ συγγραφεὺς Ἐκαταῖος ἐκ τῆς
 αὐτῆς πόλεως. ἔστι καὶ ἄλλος λιμὴν ὁ πρόσβορρος ἀπὸ
 τριάκοντα σταδίων τῆς πόλεως Γερραιίδαι.

31

Εἶτα Χαλκιδεῖς [καὶ] ὁ τῆς χερρονήσου ἰσθμός τῆς 30
 Τηίων καὶ Ἐρυθραίων· ἐντὸς μὲν οὖν τοῦ ἰσθμοῦ οἰ-
 κοῦσιν οὗτοι, ἐπ' αὐτῷ δὲ τῷ ἰσθμῷ Τήιοι καὶ Κλαζο-

μένιοι· τὸ μὲν γὰρ νότιον τοῦ ἰσθμοῦ πλευρὸν ἔχουσι
 Τήιοι τοὺς Χαλκιδέας, τὸ δὲ πρόσβορον Κλαζομένιοι,
 καθ' ὃ συνάπτουσι τῇ Ἐρυθραίᾳ. καίται δ' Ἐπόκρημνος
 ὁ τόπος ἐπὶ τῇ ἀρχῇ τοῦ ἰσθμοῦ, ἐντὸς μὲν ἀπολαμβά-
 5 νων τὴν Ἐρυθραίαν ἐκτὸς δὲ τὴν τῶν Κλαζομενίων.
 ὑπέρκειται δὲ τῶν Χαλκιδέων ἄλλος καθιερωμένον
 Ἀλεξάνδρῳ τῷ Φιλίππου, καὶ ἀγῶν ὑπὸ τοῦ κοινοῦ
 τῶν Ἰώνων Ἀλεξάνδρεια καταγγέλλεται, συντελούμε-
 νος ἐνταῦθα. ἡ δ' ὑπέρβασις τοῦ ἰσθμοῦ τοῦ ἀπὸ τοῦ
 10 Ἀλεξανδρείου καὶ τῶν Χαλκιδέων μέχρι τοῦ Ἐποκρή-
 μνου πεντήκοντά εἰσι στάδιοι, ὁ δὲ περίπλους πλείους
 ἢ χίλιοι. κατὰ μέσον δέ που τὸν περίπλου αἰ' Ἐρυθραί,
 πόλις Ἰωνικὴ λιμένα ἔχουσα καὶ νησιδας προκειμένας
 τέτταρας Ἴππους καλουμένας.

15 Πρὶν δ' ἔλθειν ἐπὶ τὰς Ἐρυθράς, πρῶτον μὲν Ἐραι 32
 πολίχνην ἔστι Τηίων· εἶτα Κώρυκος ὄρος ὑψηλὸν καὶ
 λιμὴν ὑπ' αὐτῷ Κασύστης καὶ ἄλλος Ἐρυθρᾶς λιμὴν
 καλούμενος καὶ ἐφεξῆς πλείους ἕτεροι. φασὶ δὲ τὸν
 παράπλου τοῦ Κωρύκου πάντα ληστήριον ὑπάρχειν
 20 τῶν Κωρυκαίων καλουμένων, εὐρομένων τρόπον και-
 νὸν τῆς ἐπιβουλῆς τῶν πλοῦζομένων· κατεσπαρμένους
 γὰρ ἐν τοῖς λιμέσι τοῖς καθορμιζομένοις ἐμπόροις προσ-
 φοιτᾶν καὶ ὠτακουστέιν τί φέροιεν καὶ ποῦ πλείοιεν,
 εἶτα συνελθόντας ἀναχθεῖσι τοῖς ἀνθρώποις ἐπιτίθε-
 25 σθαι καὶ καθαρχάζειν· ἀφ' οὗ δὴ πάντα τὸν πολυ-
 πράγμονα καὶ κατακούμεν ἐπιχειροῦντα τῶν λάθρα
 καὶ ἐν ἀπορρήτῳ διαλεγομένων Κωρυκαίων καλοῦμεν,
 καὶ ἐν παροιμίᾳ φαμέν „τοῦ δ' ἄρ' ὁ Κωρυκαῖος ἡκροά-
 „ξετο,“ ὅταν δοκῇ τις πράττειν δι' ἀπορρήτων ἢ λα-
 30 λειν, μὴ λανθάνη δὲ διὰ τοὺς κατασκοποῦντας καὶ φι-
 λοπευστοῦντας τὰ μὴ προσήκοντα.

Μετὰ δὲ Κώρυκον Ἀλόννησος νησίον· εἶτα τὸ 33

C.645 Ἀργεννον, ἄκρα τῆς Ἐρυθραίας πλησιάζουσα μάλιστα τῷ Χίῳ Ποσειδίῳ ποιοῦντι πορθμὸν ὅσον ἐξήκοντα σταδίῳ. μετὰ δὲ τῶν Ἐρυθρῶν καὶ τοῦ Ἵποκρήμνου Μίμας ἐστὶν ὄρος ὑψηλὸν εὐθῆρον πολύδενδρον· εἴτα κώμη Κυβέλεια καὶ ἄκρα Μέλαινα καλουμένη μύ- 5 λων ἔχουσα λατόμιον.

34 Ἐκ δ' Ἐρυθρῶν Σίβυλλά ἐστίν, ἔνθους καὶ μαντική γυνή τῶν ἀρχαίων τις· κατ' Ἀλέξανδρον δὲ ἄλλη ἦν τὸν αὐτὸν τρόπον μαντική, καλουμένη Ἀθηναῖς, ἐκ τῆς αὐτῆς πόλεως· καὶ καθ' ἡμᾶς Ἡρακλείδης Ἡροφί- 10 λειος ἱατρὸς συσχολαστὴς Ἀπολλωνίου τοῦ Μυός.

35 Ἡ δὲ Χίος τὸν μὲν περίπλουν ἐστὶ σταδίων ἑνακοσίῳ παρὰ γῆν φερομένῳ, πόλιν δ' ἔχει εὐλίμενον καὶ ναύσταθμον ναυσὶν ὀγδοήκοντα. ἐν δὲ τῷ περίπλῳ δεξιὰν τὴν νῆσον ἔχοντι ἀπὸ τῆς πόλεως πρῶτον μὲν 15 ἐστὶ τὸ Ποσειδίου, εἴτα Φάναι λιμὴν βαθύς, καὶ νεῶς Ἀπόλλωνος καὶ ἄλσος φοινίκων· εἴτα Νότιον ὕφορμος αἰγιαλός· εἴτα * Λαῖους, καὶ οὗτος ὕφορμος αἰγιαλός, ὅθεν εἰς τὴν πόλιν ἐξήκοντα σταδίῳ ἰσθμός· περί- 20 πλους δὲ τριακοσίων ἐξήκοντα ὃν ἐπήλθομεν. εἴτα Μέλαινα ἄκρα, καθ' ἣν τὰ Ψύρα νῆσος ἀπὸ πεντήκοντα σταδίων τῆς ἁκρας, ὑψηλή, πόλιν ὁμώνυμον ἔχουσα· κύκλος δὲ τῆς νήσου τετταράκοντα στάδιοι. εἴθ' ἡ Ἀριουσία χώρα τραχεῖα καὶ ἀλίμενος σταδίων 25 ὅσον τριάκοντα, οἶνον ἄριστον φέρουσα τῶν Ἑλληνικῶν. εἴτα τὸ Πελιναῖον ὄρος ὑψηλότατον τῶν ἐν τῇ νήσῳ. ἔχει δ' ἡ νῆσος καὶ λατόμιον μαρμάρου λίθου. ἄνδρες δὲ Χῖοι γεγόνασιν ἐλλόγιμοι Ἴων τε ὁ τραγικός καὶ Θεόπομπος ὁ συγγραφεὺς καὶ Θεόκριτος ὁ σοφιστής· οὗτοι δὲ καὶ ἀντεπολιτεύσαντο ἀλλήλοις. ἀμ- 30 φισβητοῦσι δὲ καὶ Ὀμήρου Χῖοι, μαρτύριον μέγα τοὺς Ομηρίδας καλουμένους ἀπὸ τοῦ ἐκείνου γένους προ-

χειριζόμενοι, ὧν καὶ Πίνδαρος μέμνηται „ὅθεν περ
 „καὶ Ὀμηρίδαι ραπτῶν ἐπέων τὰ πόλλ' αἰοιδοί.“ ἐκέ-
 κτηντο δὲ καὶ ναυτικόν ποτε Χίοι, καὶ ἀνθήπτοντο τῆς
 κατὰ θάλατταν ἀρχῆς καὶ ἐλευθερίας. ἐκ Χίου δ' εἰς
 5 Λέσβον νότῳ τετρακόσιοι πονεῖν στάδιοι.

Ἐκ δὲ τοῦ Ὑποκρήμνου Χύτριόν ἐστι τόπος, ὅπου 36
 πρότερον ἴδρυντο Κλαζομεναί· εἶθ' ἡ νῦν πόλις νησία
 ἔχουσα προκείμενα ὀκτὼ γεωργούμενα· Κλαζομένιος
 δ' ἦν ἀνὴρ ἐπιφανὴς Ἀναξαγόρας ὁ φυσικός, Ἀναξιμέ-
 10 νους ὁμιλητὴς τοῦ Μιλησίου· διήκουσαν δὲ τούτου
 Ἀρχέλαος ὁ φυσικός καὶ Εὐριπίδης ὁ ποιητής. εἶθ'
 Ἰερὸν Ἀπόλλωνος καὶ θερμὰ ὕδατα καὶ ὁ Σμυρναίων
 κόλπος καὶ ἡ πόλις.

Ἐξῆς δὲ ἄλλος κόλπος, ἐν ᾧ ἡ παλαιὰ Σμύρνα ἀπὸ C.646
 15 εἰκοσι σταδίων τῆς νῦν. Αὐδῶν δὲ κατασπασάντων
 τὴν Σμύρναν περὶ τετρακόσια ἔτη διετέλεσεν οἰκου-
 μένη κωμηδόν· εἶτα ἀνήγειρεν αὐτὴν Ἀντίγονος, καὶ
 μετὰ ταῦτα Αὐσίμαχος, καὶ νῦν ἐστὶ καλλίστη τῶν πα-
 σῶν, μέρος μὲν τι ἔχουσα ἐπ' ὄρει τετειχισμένον, τὸ δὲ
 20 πλεόν ἐν πεδίῳ πρὸς τῷ λιμένι καὶ πρὸς τῷ μητροῦ
 καὶ πρὸς γυμνασίῳ. ἔστι δ' ἡ ὤμοτομία διάφορος ἐπ'
 εὐθείῳ ἐἰς δύναμιν καὶ αἱ ὁδοὶ λιθόστρωτοι στοαὶ τε
 μεγάλαι τετράγωνοι, ἐπίπεδοί τε καὶ ὑπερῶοι· ἔστι δὲ
 καὶ βιβλιοθήκη καὶ τὸ Ὀμήρειον, στοὰ τετράγωνος,
 25 ἔχουσα νεῶν Ὀμήρου καὶ ξόανον· μεταποιοῦνται γὰρ
 καὶ οὗτοι διαφερόντως τοῦ ποιητοῦ, καὶ δὴ καὶ νόμι-
 σμά τι χαλκοῦν παρ' αὐτοῖς Ὀμήρειον λέγεται. ρεῖ δὲ
 πλησίον τοῦ τείχους ὁ Μέλῃς ποταμός. ἔστι δὲ πρὸς τῇ
 ἄλλῃ κατασκευῇ τῆς πόλεως καὶ λιμὴν κλειστός. ἐν δ'
 30 ἐλάττωμα τῶν ἀρχιτεκτόνων οὐ μικρόν, ὅτι τὰς ὁδοὺς
 στορνύντες ὑπορρύνσεις οὐκ ἔδωκαν αὐταῖς, ἀλλ' ἐπι-
 πολάζει τὰ σκύβαλα καὶ μάλιστα ἐν τοῖς ὄμβροις ἐπ-

αφιεμένων τῶν ἀποσκευῶν. ἐνταῦθα Δολοβέλλας Τρεβώνιον ἐκπολιορκήσας ἀνείλεν, ἓνα τῶν δολοφονησάντων Καίσαρα τὸν θεόν, καὶ τῆς πόλεως παρέλυσε πολλὰ μέρος.

- 38 Μετὰ δὲ Σμύρναν αἱ Λεῦκαι πολίχνην, ὃ ἀπέστη-
 σεν Ἀριστόνικος μετὰ τὴν Ἀττάλου τοῦ φιλομήτορος
 τελευτήν, δοκῶν τοῦ γένους εἶναι τοῦ τῶν βασιλέων
 καὶ διανοούμενος εἰς ἑαυτὸν ποιεῖσθαι τὴν ἀρχήν· ἐν-
 τεῦθεν μὲν οὖν ἐξέπεσεν ἡττηθεὶς ναυμαχία περὶ τὴν
 Κυμαίαν ὑπὸ Ἐφεσίων, εἰς δὲ τὴν μεσόγαίαν ἀνιῶν 10
 ἡθροισε διὰ ταχέων πλῆθος ἀπόρων τε ἀνθρώπων καὶ
 δούλων ἐπ' ἐλευθερίᾳ κατακεκλημένων, οὓς Ἡλιοπο-
 λίτας ἐκάλεσε. πρῶτον μὲν οὖν παρεισέπεσεν εἰς Θυά-
 τειρα, εἴτ' Ἀπολλωνίδα ἔσχευ, εἴτ' ἄλλων ἐφίετο φρου-
 ρίων· οὐ πολὺν δὲ διεγένετο χρόνον, ἀλλ' εὐθύς αἶ τε 15
 πόλεις ἐπεμψαν πλῆθος, καὶ Νικομήδης ὁ Βιθυνὸς
 ἐπεκούρησε καὶ οἱ τῶν Καππαδόκων βασιλεῖς. ἔπειτα
 πρέσβεις Ῥωμαίων πέντε ἦκον, καὶ μετὰ ταῦτα στρατιὰ
 καὶ ὕπατος Πόπλιος Κράσσος, καὶ μετὰ ταῦτα Μάρκος
 Περπέρινας, ὃς καὶ κατέλυσε τὸν πόλεμον ζωγρίᾳ λαβὼν 20
 τὸν Ἀριστόνικον καὶ ἀναπέμψας εἰς Ῥώμην. ἐκεῖνος
 μὲν οὖν ἐν τῷ δεσμωτηρίῳ κατέστρεψε τὸν βίον, Περ-
 πέριναν δὲ νόσος διέφθειρε, Κράσσος δὲ περὶ Λεύκας
 ἐπιθεμένων τινῶν ἐπεσεν ἐν μάχῃ. Μάνιος δ' Ἀκύλ-
 λιος ἐπελθὼν ὕπατος μετὰ δέκα πρεσβευτῶν διέταξε 25
 τὴν ἐπαρχίαν εἰς τὸ νῦν ἔτι συμμένον τῆς πολιτείας
 σχῆμα.

- Ο.647 Μετὰ δὲ Λεύκας Φώκαια ἐν κόλπῳ· περὶ δὲ ταύ-
 της εἰρήκαμεν ἐν τῷ περὶ Μασσαλίας λόγῳ. εἴθ' οἱ
 ὄροι τῶν Ἰώνων καὶ τῶν Αἰολέων· εἴρηται δὲ καὶ περὶ 30
 τούτων. ἐν δὲ τῇ μεσογαίᾳ τῆς Ἰωνικῆς παραλλῆλος λοιπὰ
 ἔστι τὰ περὶ τὴν ὁδὸν τὴν ἐξ Ἐφέσου μέχρι Ἀντιοχείας

καὶ τοῦ Μαιάνδρου. ἔστι δὲ καὶ τὰ χωρία ταῦτα Λυδοῖς καὶ Καρσὶν ἐπίμικτα καὶ τοῖς Ἑλλησι.

Πρώτη δ' ἐστὶν ἐξ Ἐφέσου Μαγνησία πόλις 39
 λῖς, λεγομένη δὲ ἐπὶ Μαιάνδρῳ· πλησίον γὰρ αὐτοῦ
 ἵδρυνται· πολὺ δὲ πλησιαιότερον ὁ Αἰθαῖος ἐμβάλλων
 εἰς τὸν Μαιάνδρον, τὴν δ' ἀρχὴν ἔχων ἀπὸ Πακτύου
 τοῦ τῶν Ἐφεσίων ὄρους· ἕτερος δ' ἐστὶ Αἰθαῖος ὁ ἐν
 Γορτύνῃ καὶ ὁ περὶ Τρίκκην, ἐφ' ᾧ ὁ Ἀσκληπιὸς γεν-
 νηθῆναι λέγεται, καὶ ἔτι ἐν τοῖς Ἑσπερίταις Λίβυσι.
 10 κεῖται δ' ἐν πεδίῳ πρὸς ὄρει καλουμένῳ Θώρακι ἡ πό-
 λῖς, ἐφ' ᾧ σταυρωθῆναί φασι Δαφίταν τὸν γραμματι-
 κὸν λοιδορήσαντα τοὺς βασιλέας διὰ διστίχον „πορ-
 „φύρεοι μῶλωπες, ἀπορρινήματα γάξης Λυσιμάχου,
 „Λυδῶν ἄρχετε καὶ Φρυγίης.“ καὶ λόγιον δ' ἐκπεσεῖν
 15 αὐτῷ λέγεται φυλάττεσθαι τὸν Θώρακα.

Δοκοῦσι δ' εἶναι Μάγνητες * Δελφῶν ἀπόγονοι 40
 τῶν ἐποικησάντων τὰ Δίδυμα ὄρη ἐν Θετταλίᾳ, περὶ
 ὧν φησιν Ἡσίοδος „ἢ οἷη Διδύμους ἱεροὺς ναίου-
 „σα * κολωνούς, Δωτίῳ ἐν πεδίῳ πολυβότρυτος ἄντ'
 20 „Ἀμύροιο, νύφατο Βοιβιάδος λίμνης πόδα παρθένος
 „ἄδμής.“

Ἐνταῦθα δ' ἦν καὶ τὸ τῆς Δινδυμήνης ἱερὸν μη-
 τρὸς θεῶν· ἱεράσασθαι δ' αὐτοῦ τὴν Θεμιστοκλέους
 γυναικα, οἱ δὲ θυγατέρα παραδιδόασιν· νῦν δ' οὐκ ἔστι
 25 τὸ ἱερὸν διὰ τὸ τὴν πόλιν εἰς ἄλλον μετακίσθαι τόπον·
 ἐν δὲ τῇ νῦν πόλει τὸ τῆς Λευκοφρυγῆνης ἱερὸν ἔστιν
 Ἀρτέμιδος, ὃ τῷ μὲν μεγέθει τοῦ ναοῦ καὶ τῷ πλήθει
 τῶν ἀναθημάτων λείπεται τοῦ ἐν Ἐφέσῳ, τῇ δ' εὐ-
 ρυθμίᾳ καὶ τῇ τέχνῃ τῇ περὶ τὴν κατασκευὴν τοῦ ση-
 30 κοῦ πολὺ διαφέρει· καὶ τῷ μεγέθει ὑπεραίρει πάντας
 τοὺς ἐν Ἀσίᾳ πλὴν δυεῖν, τοῦ ἐν Ἐφέσῳ καὶ τοῦ ἐν Δι-
 δύμοις. καὶ τὸ παλαιὸν δὲ συνέβη τοῖς Μάγνησιν ὑπὸ

Τρηρῶν ἄρδην ἀναιρεθῆναι, Κιμμερικοῦ ἔθνους, εὐ-
 τυχήσαντας πολὺν χρόνον, τὸ δ' ἐξῆς τοὺς Ἐφεσίους
 κατασχεῖν τὸν τόπον. Καλλῖνος μὲν οὖν ὥς εὐτυχούν-
 των ἔτι τῶν Μαγνήτων μέμνηται καὶ κατορθούντων
 ἐν τῷ πρὸς τοὺς Ἐφεσίους πολέμῳ, Ἀρχίλοχος δὲ ἤδη 5
 φαίνεται γνωρίζων τὴν γενομένην αὐτοῖς συμφορὰν
 „κλαίει * θάσων οὐ τὰ Μαγνήτων κακά.“ ἐξ οὗ καὶ
 C.648[αὐ]τὸν νεώτερον εἶναι τοῦ Καλλίνου τεκμαίρεσθαι
 πάρεστιν. ἄλλης δὲ τινος ἐφόδου τῶν Κιμμερίων μέ-
 μνηται πρεσβυτέρας ὁ Καλλῖνος ἐπ' αὐτῇ „νῦν δ' ἐπὶ 10
 „Κιμμερίων στρατὸς ἔρχεται ὀβριμοεργῶν,“ ἐν ᾗ τὴν
 Σάρδεων ἄλωσιν δηλοῖ.

- 41 Ἄνδρες δ' ἐγένοντο γνώριμοι Μάγνητες Ἠγησίας
 τε ὁ ρήτωρ, ὃς ἤρξε μάλιστα τοῦ Ἀσιανοῦ λεγομένου
 ζήλου παραφθείρας τὸ καθεστὼς ἔθος τὸ Ἀττικόν, καὶ 15
 Σῆμος ὁ μελοποιὸς παραφθείρας καὶ αὐτὸς τὴν τῶν
 προτέρων μελοποιῶν ἀγωγὴν καὶ τὴν συμφδίαν εἰσα-
 γαγών (καθάπερ ἔτι μᾶλλον λυσιφδοὶ καὶ μαγροί),
 καὶ Κλεόμαχος ὁ πύκτης, ὃς εἰς ἔρωτα ἐμπεσὼν κιναί-
 δον τινὸς καὶ παιδίσκης ὑπὸ [τῷ] κιναίδῳ τρεφομένης 20
 ἀπεμιμήσατο τὴν ἀγωγὴν τῶν παρὰ τοῖς κιναίδοις
 διαλέκτων καὶ τῆς ἡθοποιίας· ἤρξε δὲ Σωτάδης μὲν
 πρῶτος τοῦ κιναιδολογεῖν, ἔπειτα Ἀλέξανδρος ὁ Αἰτω-
 λός· ἀλλ' οὗτοι μὲν ἐν ψιλῷ λόγῳ, μετὰ μέλους δὲ Αὐ-
 σις, καὶ ἔτι πρότερος τούτου ὁ Σῆμος. Ἀναξήνορα δὲ 25
 τὸν κιθαροφδὸν ἐξῆρε μὲν καὶ τὰ θεάτρα, ἀλλ' ὅτι μάλ-
 ιστα Ἀντώνιος, ὃς γε καὶ τεττάρων πόλεων ἀπέδειξε
 φορολόγον στρατιώτας αὐτῷ συστήσας. καὶ ἡ πατρὶς
 δ' ἱκανῶς αὐτὸν ἠϋξῆσε πορφύραν ἐνδύσασα ἱερωμέ-
 νον τοῦ σωσιπόλιδος Διός, καθάπερ καὶ ἡ γραπτὴ εἰ- 30
 κὼν ἐμφανίζει ἢ ἐν τῇ ἀγορᾷ. ἔστι δὲ καὶ χαλκῇ εἰκὼν
 ἐν τῷ θεάτρῳ ἐπιγραφὴν ἔχουσα „ἦτοι μὲν τόδε καλὸν

„ἀκονέμεν ἐστὶν ἀοιδοῦ τοιοῦδ', οἷος ὅδ' ἐστὶ, θεοῖς
 „ἐναλγῆνκιος αὐδῇ.“ οὐ στοχασάμενος δὲ ὁ ἐπιγράψας τὸ
 τελευταῖον γράμμα τοῦ δευτέρου ἔπους παρέλιπε τοῦ
 πλάτους τῆς βάσεως μὴ συνεξαρκούντος, ὥστε τῆς πό-
 5 λεως ἀμαθίαν καταγινώσκειν παρέσχε διὰ τὴν ἀμφι-
 βολίαν τὴν περὶ τὴν γραφὴν, εἴτε τὴν ὀνομαστικὴν
 δέχοιτο πτωσίαν τῆς ἐσχάτης προσηγορίας εἴτε τὴν δο-
 τικὴν· πολλοὶ γὰρ χωρὶς τοῦ ι γράφουσι τὰς δοτικὰς,
 καὶ ἐκβάλλουσι δὲ τὸ ἔθος φυσικὴν αἰτίαν οὐκ ἔχον.

- 10 Μετὰ δὲ Μαγνησίαν ἢ ἐπὶ Τράλλεις ἐστὶν ὁδὸς ἐν 42
 ἀριστερᾷ μὲν τὴν Μεσσηνίδα ἔχουσιν, ἐν αὐτῇ δὲ τῇ
 ὁδῷ καὶ ἐν δεξιᾷ τὸ Μαιάνδρου πεδίον, Λυδῶν ἅμα
 καὶ Καρῶν νεμομένων καὶ Ἰώνων Μιλησίων τε καὶ
 Μυησίων, ἔτι δὲ Αἰολέων τῶν ἐν Μαγνησίᾳ· ὁ δ' αὖ-
 15 τὸς τρόπος τῆς τοποθεσίας καὶ μέχρι Νύσης καὶ Ἀν-
 τιοχείας. Ἰδρῦται δ' ἡ μὲν τῶν Τραλλιανῶν πόλις ἐπὶ
 τραπεζίου τινὸς ἄκραν ἔχοντος ἔρυνμην· καὶ τὰ κύκλω
 δ' ἱκανῶς εὐερκῇ· συνοικεῖται δὲ καλῶς εἰ τις ἄλλη C.649
 τῶν κατὰ τὴν Ἀσίαν ὑπὸ εὐπόρων ἀνθρώπων, καὶ αἰ-
 20 τινες ἐξ αὐτῆς εἰσιν οἱ πρωτεύοντες κατὰ τὴν ἐπαρχίαν,
 οὓς Ἀσιάρχας καλοῦσιν· ὧν Πυθόδωρός τε ἦν, ἀνὴρ
 Νυσαεὺς τὸ ἐξ ἀρχῆς, ἐκεῖσε δὲ μεταβεβηκὼς διὰ τὴν
 ἐπιφάνειαν καὶ ἐν τῇ πρὸς Πομπήιον φιλίᾳ διαπρέπων
 μετ' ὀλίγων· περιεβέβλητο δὲ καὶ οὐσίαν βασιλικὴν
 25 πλείονων ἢ δισχιλίων ταλάντων, ἣν ὑπὸ Καίσαρος τοῦ
 θεοῦ πρᾶθεισαν διὰ τὴν πρὸς Πομπήιον φιλίαν ἐξωνη-
 σάμενος οὐχ ἥττω τοῖς παισὶ κατέλιπε· τούτου δ' ἐστὶ
 θυγάτηρ Πυθόδωρος ἡ νῦν βασιλεύουσα ἐν τῷ Πόντῳ,
 περὶ ἧς εἰρήκαμεν. οὗτός [τε] δὴ καθ' ἡμᾶς ἤκμασε καὶ
 30 Μηνόδωρος, ἀνὴρ λόγιος καὶ ἄλλως σεμνὸς καὶ βαρὺς,
 ἔχων τὴν ἱερωσύνην τοῦ Διὸς τοῦ * Λαρισαίου· κατε-
 στασιάσθη δ' ὑπὸ τῶν Δομετίου τοῦ Ἀγνοβάρβου φί-

λων, καὶ ἀνεῖλεν αὐτὸν ἐκεῖνος ὥς ἀφιστάντα τὸ ναυ-
τικόν, πιστεύσας τοῖς ἐνδειξαμένοις. ἐγένοντο δὲ καὶ
ῥήτορες ἐπιφανεῖς Διονυσιοκλῆς τε καὶ μετὰ ταῦτα Δά-
μασος ὁ σκόμβρος. κτίσμα δὲ φασιν εἶναι τὰς Τράλλεις
Ἀργείων καὶ τινων Θρακῶν Τραλλίων, ἀφ' ὧν τοῦ- 5
νομα. τυραννηθῆναι δ' ὀλίγον συνέπεσε χρόνον τὴν
πόλιν ὑπὸ τῶν Κρατίππου παίδων κατὰ τὰ Μιθρι-
δατικά.

43 Νῦσα δ' ἰδρυται πρὸς τῇ Μεσωγίδι τὸ πλεόν τῶ
ὄρει προσανακεκλιμένη, ἔστι δ' ὥσπερ δίπολις· διαιρεῖ 10
γὰρ αὐτὴν χαράδρα τις ποιοῦσα φάραγγα, ἥς τὸ μὲν
γέφυραν ἐπικειμένην ἔχει συνάπτουσιν τὰς δύο πό-
λεις, τὸ δ' ἀμφιθεάτρῳ κεκόσμηται κρυπτὴν ἔχοντι
τὴν ὑπόρουσιν τῶν χαραδρωδῶν ὑδάτων· τῶ δὲ θεά-
τρῳ δύο ἄκραι, ὧν τῇ μὲν ὑπόκειται τὸ γυμνάσιον τῶν 15
νέων, τῇ δ' ἄγορὰ καὶ τὸ γεροντικόν· πρὸς δὲ νότον
ὑποπέπτωκε τῇ πόλει τὸ πεδῖον, καθάπερ καὶ ταῖς
Τράλλεσιν.

44 Ἐν δὲ τῇ ὁδῷ τῇ μεταξὺ τῶν Τράλλεων καὶ τῆς
Νύσης κώμη τῶν Νυσαέων ἐστὶν οὐκ ἄπωθεν τῆς πό- 20
λεως Ἀχάρακα, ἐν ἣ τὸ Πλουτώνιον ἔχον καὶ ἄλλος
πολυτελὲς καὶ νεῶν Πλούτωνός τε καὶ Κόρης, καὶ τὸ
Χαρώνιον ἄντρον ὑπερκείμενον τοῦ ἄλλους θαυμα-
στὸν τῇ φύσει· λέγουσι γὰρ δὴ τοὺς νοσώδεις καὶ προσ-
έχοντας ταῖς τῶν θεῶν τούτων θεραπαίαις φοιτᾶν 25
ἐκεῖσε καὶ διακταῖσθαι ἐν τῇ κώμῃ πλησίον τοῦ ἄντρον
παρὰ τοῖς ἐμπεύροις τῶν ἱερέων, οἳ ἐγκοιμῶνται τε
ὑπὲρ αὐτῶν καὶ διατάττουσιν ἐκ τῶν ὀνειρῶν τὰς θε-
ραπείας. οὗτοι δ' εἰσὶ καὶ οἱ ἐπικαλοῦντες τὴν τῶν
θεῶν ἰατρείαν· ἄγουσι δὲ πολλάκις εἰς τὸ ἄντρον καὶ 30

ἰδρύνουσι μένοντας καθ' ἡσυχίαν ἐκεῖ καθάπερ ἐν φω-
 λεῷ σιτίων χωρὶς ἐπὶ πλείους ἡμέρας. ἔστι δ' ὅτε καὶ C. 650
 ἰδίους ἐνυπνίοις οἱ νοσηλευόμενοι προσέχουσι, μυστα-
 γωγοῖς δ' ὅμως καὶ συμβούλοις ἐκείνοις χρῶνται ὡς ἂν
 5 ἱερεῦσι· τοῖς δ' ἄλλοις ἄδυστός ἐστιν ὁ τόπος καὶ ὁλέ-
 θριος. πανήγυρις δ' ἐν τοῖς Ἀχαράκοις συντελεῖται
 κατ' ἔτος, καὶ τότε μάλιστα ὁρᾷν ἔστι καὶ ἀκούειν περὶ
 τῶν νοσούντων τοὺς πανηγυρίζοντας· τότε δὲ καὶ περὶ
 τὴν μεσημβρίαν ὑπολαβόντες ταῦρον οἱ ἐκ τοῦ γυμνα-
 10 σίου νέοι καὶ ἔφηβοι γυμνοὶ λίπ' ἀληλιμμένοι μετὰ
 σπουδῆς ἀνακομίζουσιν εἰς τὸ ἄντρον· ἀφεθείς δὲ μι-
 κρὸν προελθὼν πίπτει καὶ ἔκπνους γίνεται.

Ἀπὸ δὲ τριάκοντα σταδίων τῆς Νύσης ὑπερβᾶσι 45

* Τρωῶλον τὸ ὄρος τὴν Μεσσωγίδα ἐπὶ τὰ πρὸς νότον
 15 μέρη καλεῖται τόπος Λειμῶν, εἰς δὲν ἐξοδεύουσι πανη-
 γυριοῦντες Νυσσεῖς καὶ οἱ κύκλῳ πάντες· οὐ πόρρω
 δὲ τούτου στόμιόν ἐστιν ἱερὸν τῶν αὐτῶν θεῶν, ὃ φασὶ
 καθήκειν μέχρι τῶν Ἀχαράκων. τοῦτον δὲ τὸν λει-
 μῶνα ὀνομάζειν τὸν ποιητὴν φασιν ὅταν φῇ „Ἀσίῳ ἐν
 20 „λειμῶνι,“ δεικνύντες Καῦστρίου καὶ Ἀσίου τινὸς
 ἡρώων καὶ τὸν Κάυστρον πλησίον ἀπορρέοντα.

Ἰστοροῦσι δὲ τρεῖς ἀδελφοὺς, Ἀθυμβρόν τε καὶ 46
 Ἀθύμβραδον καὶ Ὑδρηλον, ἐλθόντας ἐκ Λακεδαιμόνος
 τὰς ἐπωνύμους ἑαυτῶν κτίσαι πόλεις, λειπανδρῆσαι δ'
 25 ὕστερον, ἐξ ἐκείνων δὲ συνοικισθῆναι τὴν Νῦσαν·
 καὶ νῦν Ἀθυμβρον ἀρχηγέτην νομίζουσιν οἱ Νυσσεῖς.

Περίκεινται δὲ ἀξιόλογοι κατοικίαι πέραν τοῦ 47
 Μαιάνδρου, Κοσκίνια καὶ Ὀρθωσία· ἐντὸς δὲ Βορίουλα
 Μάσταυρα Ἀχάρακα καὶ ὑπὲρ τῆς πόλεως ἐν τῷ ὄρει
 30 τὰ Ἄρομα, ὅθεν ἄριστος Μεσσωγίτης οἶνος ὁ Ἄρομεύς.

48 Ἄνδρες δὲ γερόνασιν ἐνδοξοὶ Νυσαεῖς Ἀπολλωνίος τε ὁ στωικὸς φιλόσοφος τῶν Παναιτίου γνωρίμων ἄριστος, καὶ Μενεκρὺς ἄριστόδημος ἐκείνου τόγηρῳ νέοι παντελῶς ἐν τῇ Νύσῃ· καὶ Σώστρατος δὲ ὁ ἀδελφὸς τοῦ Ἀριστοδήμου καὶ ἄλλος Ἀριστόδημος ἀνεψιὸς αὐτοῦ ὁ παιδεύσας Μάγνον Πομπήιον ἀξιόλογοι γερόνασι γραμματικοί· ὁ δ' ἡμέτερος καὶ ἐρρητόρευε καὶ ἐν τῇ Ρόδῳ καὶ ἐν τῇ πατρίδι δύο σχολὰς συνεῖχε, πρῶτὴ μὲν τὴν ῥητορικὴν δειλῆς δὲ τὴν γραμματικὴν σχολήν· ἐν δὲ τῇ Πρώμῃ τῶν Μάγνου παιδῶν ἐπιστατῶν ἠρκεῖτο τῇ γραμματικῇ σχολῇ.

2 Τὰ δὲ πέραν ἤδη τοῦ Μαιάνδρου τὰ λειπόμενα C.651 τῆς περιοδείας πάντ' ἐστὶ Καρικά, οὐκέτι τοῖς Ἀνδοῖς ἐπιμειγμένων ἐνταῦθα τῶν Καρῶν ἄλλ' ἤδη καθ' αὐτοὺς ὄντων, πλὴν εἴ τι Μιλήσιοι καὶ Μνούσιοι τῆς παραλίας ἀποτέμνηνται. ἀρχὴ μὲν οὖν τῆς Καρίας ἐστὶν ἡ τῶν Ροδίων περαιὰ πρὸς θαλάττης, τέλος δὲ τὸ Ποσειδίου τῶν Μιλησίων, ἐν δὲ τῇ μεσογαίᾳ τὰ ἄκρα τοῦ Ταύρου μέχρι Μαιάνδρου. λέγουσι γὰρ ἀρχὴν εἶναι τοῦ Ταύρου τὰ ὑπερκείμενα ὄρη τῶν Χελιδονίων καλουμένων νήσων, αἵπερ ἐν μεθορίῳ τῆς Παμφυλίας καὶ τῆς Λυκίας πρόκεινται· ἐντεῦθεν γὰρ ἐξαίρεται πρὸς ὕψος ὁ Ταῦρος· τὸ δ' ἀληθὲς καὶ τὴν Λυκίαν ἅπασαν ὄρεινὴ θάχης τοῦ Ταύρου διείργει πρὸς τὰ ἐκτὸς καὶ τὸ νότιον μέρος ἀπὸ τῶν Κιβυρατικῶν μέχρι τῆς περαιᾶς τῶν Ροδίων. ἀνταῦθα δ' ἐστὶ συνεχῆς ὄρεινὴ, πολὺ μέντοι ταπεινότερα καὶ οὐκέτι τοῦ Ταύρου νομίζεται, οὐδὲ τὰ μὲν ἐκτὸς αὐτοῦ τὰ δ' ἐντός, διὰ το σποράδας εἶναι τὰς ἐξοχὰς καὶ τὰς εἰσοχὰς ἐπίσης * τε πλάτος καὶ μῆκος τῆς χώρας ἀπάσης καὶ μηδὲν ἔχειν ὅμοιον διατειχίσματι. ἔστι δ' ἅπας μὲν ὁ περὶ-

πλους κατακολπίζοντι σταδίων τετρακισχιλίων ἑνακοσίων, αὐτὸς δὲ ὁ τῆς περσείας τῶν Ῥοδίων ἐγγὺς χιλίων καὶ πεντακοσίων.

- Ἀρχὴ δὲ τὰ Δαίδαλα τῆς Ῥοδίας χωρίον, πέρας δὲ 2
 5 τὸ καλούμενον ὄρος Φοίνιξ, καὶ τοῦτο τῆς Ῥοδίας. πρόκειται δ' Ἐλαιουῖσσα νῆσος διέχουσα τῆς Ῥόδου σταδίους ἑκατὸν εἴκοσι. μεταξὺ δὲ πρῶτον μὲν ἀπὸ Δαιδάλων πλέουσιν ἐπὶ τὴν δύσιν ἐπ' εὐθείας τῇ ἐκ Κιλικίας καὶ Παμφυλίας καὶ Λυκίας παραλίᾳ κόλπος
 10 ἔστιν εὐλίμενος Γλαῦκος καλούμενος, εἶτα τὸ Ἀρτεμίσιον ἄκρα καὶ ἱερὸν, εἶτα τὸ Λητῶν ἄλσος· ὑπὲρ αὐτοῦ δὲ καὶ τῆς θαλάττης ἐν ἐξήκοντα σταδίοις Κάλυνδα πόλις· εἶτα Καῦνος καὶ ποταμὸς πλησίον Κάλβις βαθὺς ἔχων εἰσαγωγὴν, καὶ μεταξὺ Πίσιλις.
- 15 Ἐχει δ' ἡ πόλις νεώρια καὶ λιμένα κλειστόν· ὑπὲρ 3
 κεῖται δὲ τῆς πόλεως ἐν ὕψει φρούριον Ἴμβρος. τῆς δὲ χώρας εὐδαίμονος οὔσης ἡ πόλις τοῦ θέρους ὁμολογεῖται παρὰ πάντων εἶναι δυσάερος καὶ τοῦ μετοπώρου . . . διὰ τὰ καύματα καὶ τὴν ἀφθονίαν τῶν
 20 ὠραίων· καὶ δὴ καὶ τὰ τοιαῦτα διηγημάτια θρυλεῖται, ὅτι Στρατόνικος ὁ κιθαριστὴς ἰδὼν * ἐπιμελῶς χλωροὺς τοὺς Καννίους, τοῦτ' εἶναι ἔφη τὸ τοῦ ποιητοῦ „οἷη περ φύλλων γενεή, τοιήδε καὶ ἀνδρῶν.“ μεμφομένων δὲ ὡς σκώπτοιο αὐτῷ ἡ πόλις ὡς νοσερά „ἐγώ“
 25 ἔφη „ταύτην θαρρήσαιμ' ἂν λέγειν νοσεράν, ὅπου καὶ „οἱ νεκροὶ περιπατοῦσιν;“ ἀπέστησαν δέ ποτε Κανύ-C.652
 νιοι τῶν Ῥοδίων· κριθέντες δ' ἐπὶ τῶν Ῥωμαίων ἀπελήφθησαν πάλιν· καὶ ἔστι λόγος Μόλωνος κατὰ Καννίων. φασὶ δ' αὐτοὺς ὁμογλώττους μὲν εἶναι τοῖς
 30 Καρσίν, ἀφῆχθαι δ' ἐκ Κρήτης καὶ χρῆσθαι νόμοις ἰδίοις.

Ἐξῆς δὲ Φύσκος πολέην λιμένα ἔχουσα καὶ ἄλσος 4

Λητῶον· εἶτα Λώρυμα παραλία τραχεῖα, καὶ ὄρος ὑψηλότετον τῶν ταύτῃ (ἐπ' ἄκρῳ δὲ φρούριον ὁμώνυμον τῷ ὄρει) Φοῖνιξ· πρόκειται δ' ἡ Ἑλαιοῦσσα νῆσος ἐν τέτταρσι σταδίοις κύκλον ἔχουσα ὅσον ὀκτωστάδιον.

5 Ἡ δὲ τῶν Ῥοδίων πόλις κεῖται μὲν ἐπὶ τοῦ ἑωθινοῦ 5 ἀκρωτηρίου, λιμέσι δὲ καὶ ὁδοῖς καὶ τείχεσι καὶ τῇ ἄλλῃ κατασκευῇ τοσοῦτον διαφέρει τῶν ἄλλων ὥστ' οὐκ ἔχομεν εἰπεῖν ἑτέραν ἄλλ' οὐδὲ πάρισον, μὴ τί γε κρείττω ταύτης τῆς πόλεως. θαυμαστὴ δὲ καὶ ἡ εὐνομία καὶ ἡ ἐπιμέλεια πρὸς τε τὴν ἄλλην πολιτείαν καὶ τὴν περὶ τὰ 10 ναυτικά, ἀφ' ἧς ἐθαλαττοκράτησε πολὺν χρόνον καὶ τὰ ληστήρια καθεῖλε καὶ Ῥωμαίοις ἐγένετο φίλη καὶ τῶν βασιλέων τοῖς φιλορωμαίοις τε καὶ φιλέλλησιν· ἀφ' ὧν αὐτόνομός τε διετέλεσε καὶ πολλοὺς ἀναθημάσιν ἐκοσμήθη, ἃ κεῖται τὰ μὲν πλεῖστα ἐν τῷ Διονυσίῳ 15 καὶ τῷ γυμνασίῳ, ἄλλα δ' ἐν ἄλλοις τόποις. ἄριστα δὲ ὅ τε τοῦ Ἥλιου κολοσσός, ὃν φησιν ὁ ποιήσας τὸ ἱαμβεῖον ὅτι „ἐπτάκις δέκα Χάρης ἐποίει πηχέων ὁ Αἰν- „διος.“ κεῖται δὲ νῦν ὑπὸ σεισμῷ πεσὼν περικλασθεὶς ἀπὸ τῶν γονάτων· οὐκ ἀνέστησαν δ' αὐτὸν κατὰ 20 τι λόγιον. τοῦτό τε δὴ τῶν ἀναθημάτων κράτιστον (τῶν γοῦν ἑπτὰ θεαμάτων ὁμολογεῖται) καὶ αἱ τοῦ Πρωτογένους γραφαί, ὅ τε Ἰάλυσος καὶ ὁ Σάτυρος παρυστῶς στύλῳ, ἐπὶ δὲ τῷ στύλῳ πέρδιξ ἐφειστήκει, πρὸς ὃν οὕτως ἐκεχήνεσαν ὥς ἔοικεν οἱ ἄνθρωποι 25 νεωστὶ ἀνακειμένου τοῦ πίνακος, ὥστ' ἐκείνον ἐθαύμαζον, ὁ δὲ Σάτυρος παρεωρᾶτο καίτοι σφόδρα κατωρθωμένος· ἐξέπληττον δ' ἔτι μᾶλλον οἱ περδικοτρόφοι κομίζοντες τοὺς τιθασοὺς καὶ τιθέντες καταντικρὶ· ἐφθέγγοντο γὰρ πρὸς τὴν γραφὴν οἱ πέρδικες 30 καὶ ὠχλαγῶγουν. ὁρῶν δὲ ὁ Πρωτογένης τὸ ἔργον πάρεργον γερονδὸς ἐδεήθη τῶν τοῦ τεμένους προεστώτων

ἐπιτρέψαι παρελθόντα ἐξαλείψαι τὸν ὄρνιν καὶ ἐποίησε.
 δημοκρατεῖς δ' εἰσὶν οἱ Ῥόδιοι καίπερ οὐ δημοκρατού-
 μενοι, συνέχειν δ' ὅμως βουλόμενοι τὸ τῶν πενήτων
 πλῆθος. σιταρχεῖται δὴ ὁ δῆμος καὶ οἱ εὐποροὶ τοὺς C.653
 5 ἐνδεεῖς ὑπολαμβάνουσιν ἔθει τινὶ πατρίῳ, λειτουργίαι
 τέ τινές εἰσιν* ὁψωνιαζόμενοι, ὥσθ' ἅμα τὸν τε πένητα
 ἔχειν τὴν διατροφὴν καὶ τὴν πόλιν τῶν χρεῶν μὴ κα-
 θυστερεῖν καὶ μάλιστα πρὸς τὰς ναυστολίας. τῶν δὲ
 ναυστάθμων τινὰ καὶ κρυπτὰ ἦν καὶ ἀπόρρητα τοῖς
 10 πολλοῖς, τῷ δὲ κατοπτεύσαντι ἢ παρελθόντι εἴσω θά-
 νατος ὥριστο ἢ ζημία. ἀνταῦθα δὲ ὥσπερ ἐν Μασσα-
 λία καὶ Κυζίκῳ τὰ περὶ τοὺς ἀρχιτέκτονας καὶ τὰς ὀρ-
 γανοποιίας καὶ θησαυροὺς ὀπλων τε καὶ τῶν ἄλλων
 ἐσπούδασται διαφερόντως, καὶ ἔτι γε τῶν παρ' ἄλλοις
 15 μᾶλλον.

Λωριεῖς δ' εἰσὶν ὥσπερ καὶ Ἀλικαρνασεῖς καὶ Κνί- 6
 διοὶ καὶ Κῳοί. οἱ γὰρ Λωριεῖς οἱ τὰ Μέγαρα κτίσαντες
 μετὰ τὴν Κόδρου τελευτὴν οἱ μὲν ἔμειναν αὐτόθι, οἱ
 δὲ σὺν Ἀλθαίμεινι τῷ Ἀργεῖῳ τῆς εἰς Κρήτην ἀποικίας
 20 ἐκοινώνησαν, οἱ δ' εἰς τὴν Ῥόδον καὶ τὰς λεχθεῖσας
 ἀρτίως πόλεις ἐμερίσθησαν. ταῦτα δὲ νεώτερα τῶν ὑφ'
 Ὀμήρου λεγομένων ἐστὶ. Κνίδος μὲν γὰρ καὶ Ἀλικαρ-
 νασὸς οὐδ' ἦν πω, Ῥόδος δ' ἦν καὶ Κῳς, ἀλλ' ὥκειτο
 ὑφ' Ἡρακλειδῶν. Τληπόλεμος μὲν οὖν ἀνδρωθεὶς
 25 „αὐτίκα πατρὸς ἐοῖο φίλον μήτρωα κατέκτα ἥδη γη-
 „ράσκοντα, Αἰκύμνιον. αἵψα δὲ νῆας ἔπηξε, πολὺν δ'
 „ὄγε λαὸν ἀγείρας βῆ φεύγων.“ εἰτά φησιν „εἰς Ῥόδον
 „ἦξεν ἀλώμενος,“ „τριχθὰ δὲ ὥκηθεν καταφυλαδόν.“
 καὶ τὰς πόλεις ὀνομάζει τὰς τότε „Αἰνδὸν Ἰηλυσὸν τε
 30 „καὶ ἀργινόεντα Κάμειρον,“ τῆς Ῥοδίων πόλεως οὕτω
 συνφικισμένης. οὐδαμοῦ δὲ ἐνταῦθα Λωριέας ὀνομά-
 ζει, ἀλλ' εἰ ἄρα Αἰολέας ἐμφαίνει καὶ Βοιωτούς, εἶπερ

ἐκεῖ ἡ κατοικία τοῦ Ἡρακλέους καὶ τοῦ Λακωνίου· εἰ δ' ὥσπερ καὶ ἄλλοι φασίν, ἐξ Ἀργούς καὶ Τίρυνθος ἀπῆρεν ὁ Τληπόλεμος, οὐδ' οὕτω Δωρικὴ γίνεται ἡ ἐκεῖθεν ἀποικία· πρὸ γὰρ τῆς Ἡρακλειδῶν καθόδου γεγέννηται. καὶ τῶν Κῶων δὲ „Φειδιππὸς τε καὶ Ἀντι-
 „φος ἡγησάσθην, Θεσσαλοῦ νῆε δὴν Ἡρακλείδαο ἄνα-
 „κτος,“ καὶ οὗτοι τὸ Αἰολικὸν μᾶλλον ἢ τὸ Δωρικὸν γένος ἐμφαίνοντες.

7 Ἐκαλεῖτο δ' ἡ Ῥόδος πρότερον Ὀφιοῦσσα καὶ Στα-
 δία, εἴτα Τελχινὺς ἀπὸ τῶν οἰκησάντων Τελχίνων τὴν 10
 C.654 νῆσον, οὗς οἱ μὲν βασκάνους φασὶ καὶ γόητας * θείῳ
 καταρρέοντας τὸ τῆς Στυγὸς ὕδωρ ζῶων τε καὶ φυτῶν
 ὀλέθρου χάριν, οἱ δὲ τέχναις διαφέροντας τούναντιον
 ὑπὸ τῶν ἀντιτέχνων βασκανθῆναι καὶ τῆς δυσφημίας
 τυχεῖν ταύτης, ἐλθεῖν δ' ἐκ Κρήτης εἰς Κύπρον πρῶ- 15
 τον, εἴτ' εἰς Ῥόδον, πρῶτους δ' ἐργάσασθαι σίδηρόν
 τε καὶ χαλκόν, καὶ δὴ καὶ τὴν ἄρπην τῷ Κρόνῳ δη-
 μιουργῆσαι. εἰρηται μὲν οὖν καὶ πρότερον περὶ αὐτῶν,
 ἀλλὰ ποιεῖ τὸ πολὺμυθον ἀναλαμβάνειν πάλιν ἀνα-
 πληροῦντας εἴ τι παρελίπομεν. 20

8 Μετὰ δὲ τοὺς Τελχίνας οἱ Ἡλιάδαι μυθεύονται
 κατασχεῖν τὴν νῆσον, ὣν ἐνὸς Κέρκafου καὶ Κυδίπ-
 πης γενέσθαι παῖδας τοὺς τὰς πόλεις κτίσαντας ἐπω-
 νύμους αὐτῶν „Λίνδον Ἰηλυσόν τε καὶ ἄργινόντα
 „Κάμειρον.“ ἐνιοὶ δὲ τὸν Τληπόλεμον κτίσαι φασί, 25
 θεέσθαι δὲ τὰ ὀνόματα ὁμωνύμως τῶν Δαναοῦ θυγα-
 τέρων τισίν.

9 Ἡ δὲ νῦν πόλις ἐκτίσθη κατὰ τὰ Πελοποννησιακὰ
 ὑπὸ τοῦ αὐτοῦ ἀρχιτέκτονος, ὥς φασιν, ὅφ' οὐ καὶ ὁ
 Πειραιεύς· οὐ συμφένει δ' ὁ Πειραιεύς, κακωθεὶς ὑπὸ 30
 τε Λακεδαιμονίων πρότερον τῶν τὰ σκέλη καθελόντων
 καὶ ὑπὸ Σύλλα τοῦ Ῥωμαίων ἡγεμόνος.

Ἴστοροῦσι δὲ καὶ ταῦτα περὶ τῶν Ῥοδίων, ὅτι οὐ 10
μόνον ἀφ' οὗ χρόνου συνώκισαν τὴν νῦν πόλιν εὐτύ-
χουν κατὰ θάλατταν, ἀλλὰ καὶ πρὸ τῆς Ὀλυμπικῆς θε-
σεως συχνοῖς ἔτεσιν ἔπλεον πόρρω τῆς οἰκείας ἐπὶ σω-
5 τηρίᾳ τῶν ἀνθρώπων· ἀφ' οὗ καὶ μέχρι Ἰβηρίας ἔπλευ-
σαν, καὶ κεῖ μὲν τὴν Ῥόδην ἔκτισαν ἣν ὕστερον Μασσα-
λιῶται κατέσχον, ἐν δὲ τοῖς Ὀπικοῖς τὴν Παρθενόπην,
ἐν δὲ Δανυίοις μετὰ Κρώνων Ἑλπίας. τινὲς δὲ μετὰ τὴν
ἐκ Τροίας ἄφοδον τὰς Γυμνησίας νήσους ὑπ' αὐτῶν
10 κτισθῆναι λέγουσιν, ὧν τὴν μείζω φησὶ Τίμαιος με-
γίστην εἶναι μετὰ τὰς ἑπτὰ, Σαρδῶ Σικελίαν Κύπρον
Κρήτην Εὐβοίαν Κύρνον Λέσβον, οὐ τάληθ' ἑλέγων·
πολὺ γὰρ ἄλλαι μείζους. τινὲς δὲ τῶν Ῥοδίων καὶ περὶ
Σύβαριν ὥκησαν κατὰ τὴν Χωνίαν. ἔοικε δὲ καὶ ὁ
15 ποιητὴς μαρτυρεῖν τὴν ἐκ παλαιοῦ παροῦσαν τοῖς Ῥο-
δίοις εὐδαιμονίαν εὐθύς ἀπὸ τῆς πρώτης κτίσεως τῶν
τριῶν πόλεων „τριχθὰ δὲ ὥκηθεν καταφυλαδόν, ἡδ'
„ἐφίληθεν ἐκ Διός, ὅστε θεοῖσι καὶ ἀνθρώποισιν ἀνάσ-
„σει, καὶ σφιν θεσπέσιον πλοῦτον κατέχευε Κρονίων.“
20 οἱ δ' εἰς μῦθον ἀνήγαγον τὸ ἔπος καὶ χρυσὸν ὑσθῆναι C. 655
φασιν ἐν τῇ νήσῳ κατὰ τὴν Ἀθηνᾶς γένεσιν ἐκ τῆς κε-
φαλῆς τοῦ Διός, ὥς εἴρηκε Πίνδαρος. ἡ δὲ νῆσος
κύκλον ἔχει σταδίων ἑνακοσίων εἴκοσιν.

Ἔστι δὲ πρώτη μὲν Αἴνδος ἀπὸ τῆς πόλεως πλέου- 11
25 σιν ἐν δεξιᾷ ἔχουσι τὴν νῆσον, πόλις ἐπὶ ὄρους Ἰδρυ-
μένη, πολὺ πρὸς μεσημβρίαν ἀνατείνουσα καὶ πρὸς
Ἀλεξάνδρειαν μάλιστα· ἱερὸν δὲ ἔστιν Ἀθηνᾶς Αἰνδίας
αὐτόθι ἐπιφανὲς τῶν Δαναϊδῶν Ἰδρυμα. πρότερον
μὲν οὖν καθ' αὐτοὺς ἐπολιτεύοντο οἱ Αἰνδιοὶ, καθάπερ

13. post μείζους: φασὶ δὲ τοὺς γυμνήτας ὑπὸ Φοινίκων βα-
λαριδῆς λέγεσθαι, διότι τὰς Γυμνασίας Βαλαριδῆς λεχθῆναι.

καὶ Καμειρεῖς καὶ Ἰαλύσιοι, μετὰ ταῦτα δὲ συνῆλθον ἅπαντες εἰς τὴν Ῥόδον. ἐντεῦθεν δ' ἐστὶν εἰς τῶν ἑπτὰ σοφῶν Κλεόβουλος

- 12 Μετὰ δὲ Λίνδον Ἰξία χωρίον καὶ Μνασύριον· εἶθ' ὁ Ἀτάβυρις, ὅρος τῶν ἐνταῦθα ὑψηλότατον, ἱερὸν 5 Διὸς Ἀταβυρίου· εἶτα Κάμειρος· εἶτ' Ἰαλυσὸς κώμη, καὶ ὑπὲρ αὐτὴν ἀκρόπολις ἐστὶν Ὀχύρωμα καλουμένη· εἶθ' ἡ τῶν Ῥοδίων πόλις ἐν ὀγδοήκοντά που σταδίοις. μεταξὺ δ' ἐστὶ τὸ Θοάντειον ἀκτὴ τις, ἧς μάλιστα πρό- 10 κεινται αἱ Σποράδες αἱ περὶ τὴν Χαλκίαν, ὧν ἐμνή- σθημεν πρότερον.
- 13 Ἄνδρες δ' ἐγένοντο μνήμης ἄξιοι πολλοὶ στρατηλάται τε καὶ ἀθληταί, ὧν εἰσι καὶ οἱ Παναιτίου τοῦ φιλοσόφου πρόγονοι· τῶν δὲ πολιτικῶν καὶ τῶν περὶ λόγους καὶ φιλοσοφίαν ὃ τε Παναιτίος αὐτὸς καὶ Στρα- 15 τοκλῆς καὶ Ἀνδρόνικος ὁ ἐκ τῶν περιπάτων καὶ Λεωνίδης ὁ στωικός, ἔτι δὲ πρότερον Πραξιφάνης καὶ Ἱερώνυμος καὶ Εὐδῆμος. Ποσειδάωνιος δ' ἐπολιτεύσατο μὲν ἐν Ῥόδῳ καὶ ἐσοφίστευσεν, ἦν δ' Ἀπαμεὺς ἐκ τῆς Συρίας, καθάπερ καὶ Ἀπολλώνιος ὁ μαλακὸς καὶ Μό- 20 λων, ἦσαν δὲ Ἀλαβανδεῖς, Μενεκλέους μαθηταὶ τοῦ ῥήτορος. ἐπεδήμησε δὲ πρότερον Ἀπολλώνιος, ὃς δ' ἦκεν ὁ Μόλων, καὶ ἔφη πρὸς αὐτὸν ἐκεῖνος „ὄψε μοι „λῶν“ ἀντὶ τοῦ ἐλθόν· καὶ Πείσανδρος δ' ὁ τὴν Ἡρά- κλειαν γράψας ποιητὴς Ῥόδιος, καὶ Σιμμίας ὁ γραμμα- 25 τικὸς καὶ Ἀριστοκλῆς ὁ καθ' ἡμᾶς· Διονύσιος δὲ ὁ Θοῤῃ καὶ Ἀπολλώνιος ὁ τοὺς Ἀργοναύτας ποιήσας Ἀλεξανδρεῖς μὲν, ἐκαλοῦντο δὲ Ῥόδιοι. περὶ μὲν Ῥόδου ἀποχρώντως εἴρηται.
- 14 Πάλιν δὲ τῆς Καρικῆς παραλίας τῆς μετὰ τὴν 30 Ῥόδον ἀπὸ Ἐλαιοῦντος καὶ τῶν Λωρύμων καμπτήρ τις ἐπὶ τὰς ἄρκτους ἐστί, καὶ λοιπὸν ἐπ' εὐθείας ὁ πλοῦς

μέχρι τῆς Προποντίδος, ὥς ἂν μεσημβρινήν τινα ποιῶν γραμμὴν ὅσον πεντακισχιλίων σταδίων ἢ μικρόν ἀπολείπουσαν. ἐνταῦθα δ' ἐστὶν ἡ λοιπὴ τῆς Καρίας καὶ Ἰωνες καὶ Αἰολεῖς καὶ Τροία καὶ τὰ περὶ Κύζικον καὶ 5 Βυζάντιον.

Μετὰ δ' οὖν τὰ Λώρυμα τὸ Κυνὸς σῆμα ἔστι καὶ C.656
Σύμη νῆσος. εἶτα Κνίδος δύο λιμένας ἔχουσα, ὧν τὸν 15
ἕτερον κλειστὸν τριηρικὸν καὶ ναύσταθμον ναυσὶν εἰκοσι. πρόκειται δὲ νῆσος ἐπταστάδιός πως τὴν περι-
10 μετρον ὑψηλὴ θεατροειδὴς συναπτομένη χῶμασι πρὸς
τὴν ἥπειρον καὶ ποιοῦσα δίπολιν τρόπον τινὰ τὴν
Κνίδον· πολὺ γὰρ αὐτῆς μέρος οἰκεῖ τὴν νῆσον σκε-
πάζουσιν ἀμφοτέρους τοὺς λιμένας. κατ' αὐτὴν δ'
ἔστιν ἡ Νίσυρος πελαγία. ἄνδρες δ' ἀξιόλογοι Κνίδιοι
15 πρῶτον μὲν Εὐδοξος ὁ μαθηματικὸς τῶν Πλάτωνος
ἐταίρων, εἶτ' Ἀγαθαρχίδης ὁ ἐκ τῶν περιπάτων, ἀνὴρ
συγγραφεύς, καθ' ἡμᾶς δὲ Θεόπομπος, ὁ Καίσαρος
τοῦ θεοῦ φίλος τῶν μέγα δυναμένων, καὶ υἱὸς Ἀρτε-
μίδωρος. ἐντεῦθεν δὲ καὶ Κτησίας ὁ ἰατρούσας μὲν
20 Ἀρταξέρξην, συγγράψας δὲ τὰ Ἀσσυρικὰ καὶ τὰ Περ-
σικά. εἶτα μετὰ Κνίδον Κέραμος καὶ Βάργασα πολίχνη
ὑπὲρ θαλάττης.

Εἰθ' Ἀλικαρνασός, τὸ βασιλεῖον τῶν τῆς Καρίας 16
δυναστῶν, Ζεφυρία καλουμένη πρότερον. ἐνταῦθα δ'
25 ἐστὶν ὅ τε τοῦ Μανσώλου τάφος, [ἐν] τῶν ἐπὶ θεαμά-
των, ἔργον, ὅπερ Ἀρτεμισία τῇ ἀνδρὶ κατεσκεύασε,
καὶ ἡ Σαλμακίς κρήνη, διαβεβλημένη οὐκ οἶδ' ὅπόθεν
ὥς μαλακίζουσα τοὺς πiónτας ἀπ' αὐτῆς. εἴκει δ' ἡ τρυ-
φὴ τῶν ἀνθρώπων αἰτιασθαι τοὺς ἀέρας ἢ τὰ ὕδατα·
30 τρυφῆς δ' αἷτια οὐ ταῦτα, ἀλλὰ πλοῦτος καὶ ἡ περὶ
τὰς διαίτας ἀκολασία. ἔχει δ' ἀκρόπολιν ἢ Ἀλικαρνα-
σός· πρόκειται δ' αὐτῆς ἡ Ἀρκόννησος. οἰκιστὰι δ' αὐ-

τῆς ἐγένοντο ἄλλοι τε καὶ Ἀνθης μετὰ Τροίξηνιων. ἄνδρες δὲ γερόνασιν ἐξ αὐτῆς Ἡρόδοτος τε ὁ συγγραφεύς, ὃν ὕστερον Θούριον ἐκάλεσαν διὰ τὸ κοινωνῆσαι τῆς εἰς Θουρίους ἀποικίας, καὶ Ἡράκλειτος ὁ ποιητῆς ὁ Καλλιμάχου ἐταῖρος, καὶ καθ' ἡμᾶς Διονύσιος ὁ 5 συγγραφεύς.

- 17 Ἐπταίσει δὲ καὶ αὕτη ἡ πόλις βία ληφθεῖσα ὑπὸ Ἀλεξάνδρου. Ἐκατόμνω γὰρ τοῦ Καρῶν βασιλέως ἦσαν υἱοὶ τρεῖς, Μαύσωλος καὶ Ἰδριεὺς καὶ Πιζώδαρος, καὶ θυγατέρες δύο, ὧν τῇ πρεσβυτέρᾳ Ἀρτεμισίᾳ Μαύ- 10 σωλος συνώκησεν ὁ πρεσβύτατος τῶν ἀδελφῶν, ὁ δὲ δεύτερος Ἰδριεὺς Ἀδᾶ τῇ ἑτέρᾳ ἀδελφῇ· ἐβασίλευσε δὲ Μαύσωλος· τελευτῶν δ' ἄτεκνος τὴν ἀρχὴν κατέλιπε τῇ γυναικί, ὑφ' ἧς αὐτῷ κατεσκευάσθη ὁ λεχθεὶς τάφος· φθίσει δ' ἀποθανούσης διὰ πένθος τοῦ ἀνδρὸς 15 Ἰδριεὺς ἤρξε· καὶ τοῦτον ἡ γυνὴ Ἀδᾶ διεδέξατο νόσῳ τελευτήσαντα· ἐξέβαλε δὲ ταύτην Πιζώδαρος, ὁ λοιπὸς 0.657 τῶν Ἐκατόμνω παίδων· περσίσας δὲ μεταπέμπεται σατράπην ἐπὶ κοινωνίᾳ τῆς ἀρχῆς· ἀπελθόντος δ' ἐκ τοῦ ξῆν καὶ τούτου κατεῖχεν ὁ σατράπης τὴν Ἀλικαρ- 20 νασὸν ἔχων Ἀδαν γυναικᾶ, ἣτις θυγάτηρ ἦν Πιζωδάρου ἐξ Ἀφνηίδος Καππαδοκίσης γυναικός. ἐπελθόντος δὲ Ἀλεξάνδρου πολιορκίαν ὑπέμεινεν, ἣ δὲ τοῦ Ἐκατόμνω θυγάτηρ Ἀδᾶ, ἣν ὁ Πιζώδαρος ἐξέβαλεν, ἰκετεύει τὸν Ἀλέξανδρον καὶ πείθει κατάγειν αὐτὴν εἰς 25 τὴν ἀφαιρεθεῖσαν βασιλείαν ὑποσχομένη ἐπὶ τὰ ἀφεστῶτα συμπράξειν αὐτῷ· τοὺς γὰρ ἔχοντας οἰκείους ὑπάρχειν αὐτῇ· παρεδίδου δὲ καὶ τὰ Ἀλινδα, ἐν ᾗ διέτριβεν αὐτῇ· ἐπαινέσας δὲ καὶ βασίλισσαν ἀναδείξας, ἀλυούσης τῆς πόλεως πλὴν τῆς ἄκρας (διττὴ δ' 30 ἦν), ἐκείνην πολιορκεῖν ἔδωκεν· ἐάλω δὲ ὀλίγον ὕστερον

καὶ ἡ ἄκρα, πρὸς ὁργὴν ἤδη καὶ ἀπέχθειαν τῆς πολιορκίας γενομένης.

Ἐξῆς δ' ἐστὶν ἄκρα Τερμέριον Μυνδίων, καθ' ἣν 18 ἀντίκειται τῆς Κώας ἄκρα Σκανδαρία διέχουσα τῆς ἡπείρου σταδίους τετταράκοντα· ἐστὶ δὲ καὶ χωρίον Τέρμερον ὑπὲρ τῆς ἄκρας.

Ἡ δὲ τῶν Κῶων πόλις ἐκαλεῖτο τὸ παλαιὸν Ἀστν- 19 πάλαια, καὶ ᾠκεῖτο ἐν ἄλλῳ τόπῳ ὁμοίως ἐπὶ θαλάττῃ· ἔπειτα διὰ στάσιν μετόκησαν εἰς τὴν νῦν πόλιν περὶ 10 τὸ Σκανδάριον, καὶ μετωνόμασαν Κῶν ὁμωνύμως τῇ νήσῳ. ἡ μὲν οὖν πόλις οὐ μεγάλη, κάλλιστα δὲ πασῶν συνφοκισμένη καὶ ἰδέσθαι τοῖς καταπλέουσιν ἡδίστη. τῆς δὲ νήσου τὸ μέγεθος ὅσον πεντακοσίων σταδίων καὶ πεντήκοντα· εὐκαρπος δὲ πᾶσα, οἴνῳ δὲ καὶ ἀρίστη, 15 καθάπερ Χίος καὶ Λέσβος· ἔχει δὲ πρὸς νότον μὲν ἄκραν τὸν Λακητῆρα (ἀφ' οὗ ἐξήκοντα εἰς Νίσυρον), πρὸς δὲ τῷ Λακητῆρι χωρίον Ἀλίσαρνα, ἀπὸ δύσεως δὲ τὸ Δρέκανον καὶ κώμην καλουμένην Στομαλίμνην· τοῦτο μὲν οὖν ὅσον διακοσίους τῆς πόλεως διέχει στα- 20 δίους· ὁ δὲ Λακητῆρ προσλαμβάνει πέντε καὶ τριάκοντα τῷ μήκει τοῦ πλοῦ. ἐν δὲ τῷ προαστείῳ τὸ Ἀσκληπιεῖον ἐστὶ, σφόδρα ἐνδοξον καὶ πολλῶν ἀναθημάτων μεστόν, ἐν οἷς ἐστὶ καὶ ὁ Ἀπελλοῦ Ἀντίγονος. ἦν δὲ καὶ ἡ ἀναδυομένη Ἀφροδίτη, ἣ νῦν ἀνάκειται τῷ 25 θεῷ Καίσαρι ἐν Ῥώμῃ, τοῦ Σεβαστοῦ ἀναθέντος τῷ πατρὶ τὴν ἀρχηγέτιν τοῦ γένους αὐτοῦ· φασὶ δὲ τοῖς Κώοις ἀντὶ τῆς γραφῆς ἑκατὸν ταλάντων ἄφεςιν γενέσθαι τοῦ προσταχθέντος φόρου. φασὶ δ' Ἰπποκράτην μάλιστα ἐκ τῶν ἐνταῦθα ἀνακειμένων θεραπειῶν γυ- 30 μνάσασθαι τὰ περὶ τὰς διαίτας· οὗτός τε δὴ ἐστὶ τῶν ἐνδόξων Κῶος ἀνὴρ καὶ Σῆμος ὁ ἰατρός, Φιλητᾶς τε ποιητῆς ἅμα καὶ κριτικός, καὶ καθ' ἡμᾶς Νικίας ὁ καὶ C.658

τυραννήσας Κῶων, καὶ Ἀρίστων ὁ ἀκροασάμενος τοῦ περιπατητικοῦ καὶ κληρονομήσας ἐκείνον· ἦν δὲ καὶ Θεόμνηστος ὁ ψάλτης ἐν ὀνόματι, ὃς καὶ ἀντεπολιτεύσατο τῷ Νικίᾳ.

- 20 Ἐν δὲ τῇ παραλίᾳ τῆς ἡπείρου κατὰ τὴν Μυνδιάν 5 Ἀστυπάλαιά ἐστιν ἄκρα καὶ Ζεφύριον· εἴτ' εὐθὺς ἡ Μύνδος λιμένα ἔχουσα, καὶ μετὰ ταύτην Βαργύλια, καὶ αὕτη πόλις· ἐν δὲ τῷ μεταξὺ Καρύανδα λιμὴν καὶ νῆσος ὁμώνυμος, ἣν ὥκουν Καρυανδεῖς. ἐντεῦθεν δ' ἦν καὶ Σκύλαξ ὁ παλαιὸς συγγραφεύς. πλησίον δ' ἐστὶ 10 τῶν Βαργυλίων τὸ τῆς Ἀρτέμιδος ἱερὸν τῆς Κινδυάδος, ὃ πεπιστεύκασι * περιύεσθαι· ἦν δέ ποτε καὶ χωρίον Κινδύη. ἐκ δὲ τῶν Βαργυλίων ἀνὴρ ἐλλόγιμος ἦν ὁ Ἐπικούρειος Πρώταρχος, ὁ Δημητρίου καθηγησάμενος τοῦ Λάκωνος προσαγορευθέντος. 15

- 21 Εἴτ' Ἰασὸς ἐπὶ νήσῳ κεῖται προσκειμένη τῇ ἡπείρῳ· ἔχει δὲ λιμένα, καὶ τὸ πλεῖστον τοῦ βίου τοῖς ἐνθάδε ἐκ θαλάττης· εὐοψεῖ γὰρ χώραν τ' ἔχει παράλυπρον. καὶ δὴ καὶ διηγήματα τοιαῦτα πλάττουσιν εἰς αὐτήν· κιθαρῳδοῦ γὰρ ἐπιδεικνυμένου τέως μὲν 20 ἀκροᾶσθαι πάντας· ὥς δ' ὁ κώδων ὁ κατὰ τὴν ὀψοπωλίαν ἐψόφησε, καταλιπόντας ἀπελθεῖν ἐπὶ τὸ ὄψον πλὴν ἐνὸς δυσκώφου· τὸν οὖν κιθαρῳδὸν προσιόντα εἰπεῖν ὅτι „ὦ ἄνθρωπε πολλήν σοι χάριν οἶδα τῆς πρὸς 25 „με τιμῆς καὶ φιλομουσίας· οἱ μὲν γὰρ ἄλλοι ἅμα τῷ „κώδωνος ἀκοῦσαι ἀπιδόντες οἰχονται.“ ὁ δὲ „τί λέγεις;“ ἔφη „ἤδη γὰρ ὁ κώδων ἐψόφηκεν;“ εἰπόντος δὲ „εὖ σοι εἴη“ ἔφη καὶ ἀναστὰς ἀπῆλθε καὶ αὐτός. ἐντεῦθεν δ' ἦν ὁ διαλεκτικὸς Διόδωρος ὁ Κρόνος προσαγορευθεὶς, κατ' ἀρχὰς μὲν ψευδῶς· Ἀπολλώνιος 30

γὰρ ἐκαλεῖτο ὁ Κρόνος, ὁ ἐπιστατήσας ἐκείνου· μετήνεγκαν δ' ἐπ' αὐτὸν διὰ τὴν ἀδοξίαν τοῦ κατ' ἀλήθειαν Κρόνου.

- Μετὰ δ' Ἰασὸν τὸ τῶν Μιλησίων Ποσειδίου ἐστιν. 22
 5 ἐν δὲ τῇ μεσογαίᾳ τρεῖς εἰσι πόλεις ἀξιόλογοι, Μύλασα Στρατονίκεια Ἀλάβανδα· αἱ δὲ ἄλλαι περιπόλιοι τούτων ἢ τῶν παραλίων, ὧν εἰσιν Ἀμυζῶν Ἡράκλεια Εὐρωμος Χαλκήτορες· τούτων μὲν οὖν ἐλάττων λόγος. τὰ δὲ Μύλασα ἴδρυται ἐν πεδίῳ σφόδρα εὐδαίμονι· 23
 10 ὑπέρεκειται δὲ κατὰ κορυφὴν ὄρος αὐτοῦ, λατόμιον λευκοῦ λίθου κάλλιστον ἔχον· τοῦτο μὲν οὖν ὄφελός ἐστιν οὐ μικρόν, τὴν λιθείαν πρὸς τὰς οἰκοδομίας ἄφθονον καὶ ἐγγύθεν ἔχον καὶ μάλιστα πρὸς τὰς τῶν ἱερῶν καὶ τῶν ἄλλων δημοσίων ἔργων κατασκευάς·
 15 τοιγάρτοι στοαῖς τε καὶ ναοῖς εἰ τις ἄλλη κεκόσμηται 0.659 παγκάλως. θαυμάζειν δ' ἐστὶ τῶν ὑποβαλόντων οὕτως ἀλόγως τὸ κτίσμα ὀρθίῳ καὶ ὑπερδεξίῳ κρημνῷ· καὶ δὴ τῶν ἡγεμόνων τις εἰπεῖν λέγεται θαυμάσας τὸ πρᾶγμα „ταύτην γάρ“ ἔφη „τὴν πόλιν ὁ κτίσας, εἰ μὴ
 20 „ἐφοβεῖτο, ἂρ' οὐδ' ἠσχύνετο;“ ἔχουσι δ' οἱ Μυλασεῖς ἱερὰ δύο τοῦ Διὸς, τοῦ τε Ὀσογῶα καλουμένου καὶ Λαβραυνδηνοῦ, τὸ μὲν ἐν τῇ πόλει, τὰ δὲ Λάβραυνδα κώμη ἐστὶν ἐν τῷ ὄρει κατὰ τὴν ὑπέρθεσιν τὴν ἐξ Ἀλαβάνδων εἰς τὰ Μύλασα ἄπωθεν τῆς πόλεως· ἐν-
 25 ταῦθα νεῶς ἐστὶν ἀρχαῖος καὶ ξόανον Διὸς Στρατίου· τιμᾶται δὲ ὑπὸ τῶν κύκλῳ καὶ ὑπὸ τῶν Μυλασέων, ὁδὸς τε ἔστρωται σχεδόν τι καὶ ἐξήκοντα σταδίων μέχρι τῆς πόλεως ἱερὰ καλουμένη, δι' ἧς πομποστολεῖται τὰ ἱερὰ· ἱερῶνται δ' οἱ ἐπιφανέστατοι τῶν πολιτῶν ἀεὶ
 30 διὰ βίου. ταῦτα μὲν οὖν ἴδια τῆς πόλεως. τρίτον δ' ἐστὶν ἱερὸν τοῦ Καρίου Διὸς κοινὸν ἀπάντων Καρῶν, οὗ μέτεστι καὶ Λυδοῖς καὶ Μυσοῖς ὡς ἀδελφοῖς. ἴστο-

ρεῖται δὲ κώμη ὑπάρξαι τὸ παλαιόν, πατρὶς δὲ καὶ βασιλείου τῶν Καρῶν τῶν περὶ τὸν Ἑκατόμνω· πλησιάζει δὲ μάλιστα τῇ κατὰ Φύσκον θαλάττῃ ἢ πόλιν, καὶ τοῦτ' ἐστὶν αὐτοῖς ἐπίνειον.

- 24 Ἀξιολόγους δ' ἔσχεν ἄνδρας καθ' ἡμᾶς τὰ Μύ-
 λασα, ρήτοράς τε ἅμα καὶ δημαγωγούς τῆς πόλεως,
 Εὐθύδημόν τε καὶ Ὑβρέαν. ὁ μὲν οὖν Εὐθύδημος ἐκ
 προγόνων παραλαβὼν οὐσίαν τε μεγάλην καὶ δόξαν,
 προσθεὶς καὶ τὴν δεινότητα, οὐκ ἐν τῇ πατρίδι μόνον
 μέγας ἦν ἀλλὰ καὶ ἐν τῇ Ἀσίᾳ τῆς πρώτης ἡξιοῦτο τι- 10
 μῆς· Ὑβρέα δ' ὁ πατήρ, ὡς αὐτὸς διηγείτο ἐν τῇ σχολῇ
 καὶ παρὰ τῶν πολιτῶν ὁμολόγητο, ἡμίονον κατέλιπε
 ξυλοφοροῦντα καὶ ἡμιονηγρόν· διοικούμενος δ' ὑπὸ
 τούτων ὀλίγον χρόνον, Διοτρέφους τοῦ Ἀντιοχέως
 ἀκροασάμενος ἐπανῆλθε καὶ τῷ ἀγορανομίῳ παρέδω- 15
 κεν αὐτόν· ἐνταῦθα δὲ κυλινδρηθεὶς καὶ χρηματισάμε-
 νος μικρὰ ὥρμησεν ἐπὶ τὸ πολιτεύεσθαι καὶ τοῖς ἀγο-
 ραίοις συνακολουθεῖν, ταχὺ δὲ αὐΐξῃσι ἔσχε καὶ ἐθαν-
 μάσθη ἔτι μὲν καὶ Εὐθύδημον ζῶντος, ἀλλὰ τελευτή-
 σαντος μάλιστα, κύριος γενόμενος τῆς πόλεως. ζῶν δ' 20
 ἐπεκράτει πολὺν ἐκείνος, δυνατὸς ὢν ἅμα καὶ χρήσιμος
 τῇ πόλει, ὥστ' εἰ καὶ τι τυραννικὸν προσῆν, τοῦτ'
 ἀπελύετο τῷ παρακολουθεῖν τὸ χρήσιμον. ἐπαινοῦσι
 γοῦν τοῦτο τοῦ Ὑβρέου ὅπερ δημηγορῶν ἐπὶ τελευτῆς
 εἶπεν „Εὐθύδημε, κακὸν εἴ τῆς πόλεως ἀναγκαῖον· 25
 „οὔτε γὰρ μετὰ σοῦ θυνάμεθα ζῆν οὔτ' ἄνευ σοῦ.“
- C.660 αὐΐξῃσι οὖν ἐπὶ πολὺ καὶ δόξας καὶ πολίτης ἀγαθὸς
 εἶναι καὶ ρήτορ ἐπαισεν ἐν τῇ πρὸς Λαβιηνὸν ἀντι-
 πολιτείᾳ. οἱ μὲν γὰρ ἄλλοι μεθ' ὅπλων ἐπιόντι καὶ
 Παρθικῆς συμμαχίας, ἥδη τῶν Παρθυαίων τὴν Ἀσίαν 30

έχόντων, είξαν ἄτε ἄοπλοι καὶ εἰρηνικοί· Ζήνων δ' ὁ
 Λαοδικεὺς καὶ Ὑβρέας οὐκ είξαν, ἀμφοτέρωι δῆτορες,
 ἀλλὰ ἀπέστησαν τὰς ἐαυτῶν πόλεις· ὁ δ' Ὑβρέας καὶ
 προσπαρώξυνε φωνῇ τιμὴν μειράκιον εὐερέθιστον καὶ
 5 ἀνοίας πλήρες. ἐκείνου γὰρ ἀνελπόντος ἐαυτὸν Παρ-
 θικὸν αὐτοκράτορα, οὐκοῦν“ ἔφη, „καὶ γὰρ λέγω ἐμαυ-
 τὸν Καρικὸν αὐτοκράτορα.“ ἐκ τούτου δὲ ἐπὶ τὴν πό-
 λιν ὥρμησε τάγματα ἔχων ἥδη συντεταγμένα Ῥωμαίων
 τῶν ἐν τῇ Ἀσίᾳ· αὐτὸν μὲν οὖν οὐ κατέλαβε παραχω-
 10 ρήσαντα εἰς Ῥόδον, τὴν δ' οἰκίαν αὐτοῦ διελυμῆματο
 πολυτελεῖς ἔχουσιν κατασκευὰς καὶ διήρπασεν· ὥς δ'
 αὐτῶς καὶ τὴν πόλιν ὅλην ἐκάκωσεν. ἐκλιπόντος δ'
 ἐκείνου τὴν Ἀσίαν ἐπανῆλθε καὶ ἀνέλαβεν ἐαυτὸν τε
 καὶ τὴν πόλιν. περὶ μὲν οὖν Μυλάσων ταῦτα.

15 Στρατονίκεια δ' ἐστὶ κατοικία Μακεδόνων· ἐκο- 25
 σμήθη δὲ καὶ αὕτη κατασκευαῖς πολυτελέσιν ὑπὸ τῶν
 βασιλέων. ἐστὶ δ' ἐν τῇ χώρᾳ τῶν Στρατονικέων δύο
 ἱερὰ, ἐν μὲν Δαγίνοις τὸ τῆς Ἑκάτης ἐπιφανέστατον
 πανηγύρεις μεγάλας συνάγον κατ' ἐνιαυτόν, ἐγγὺς δὲ
 20 τῆς πόλεως τὸ τοῦ Χρυσαιορέως Διὸς κοινὸν ἀπάντων
 Καρῶν, εἰς ὃ συνίασι θύσοντές τε καὶ βουλευσόμενοι
 περὶ τῶν κοινῶν· καλεῖται δὲ τὸ σύστημα αὐτῶν Χρυ-
 σαορέων, συνεσθηκὸς ἐκ κωμῶν· οἱ δὲ πλείους παρε-
 χόμενοι κώμας προέχουσι τῇ ψήφῳ, καθάπερ Κερα-
 25 μιῆται· καὶ Στρατονικεῖς δὲ τοῦ συστήματος μετέχου-
 σιν οὐκ ὄντες τοῦ Καρικοῦ γένους, ἀλλ' ὅτι κώμας
 ἔχουσι τοῦ Χρυσαιορικοῦ συστήματος. κἀνταῦθα δ'
 ἀνὴρ ἀξιόλογος γεγένηται δῆτορ Μένιππος κατὰ τοὺς
 πατέρας ἡμῶν Κοτοκᾶς ἐπικαλούμενος, ὃν μάλιστα
 30 ἐπαινεῖ τῶν κατὰ τὴν Ἀσίαν δῆτορων ὧν ἡγερόασατο
 Κικέρων, ὧς φησιν ἐν τινὶ γραφῇ αὐτὸς συγκρίνων
 Ξενοκλεῖ καὶ τοῖς κατ' ἐκεῖνον ἀκμάζουσιν. ἐστὶ δὲ καὶ

ἄλλη Στρατονίκηια ἢ πρὸς τῷ Ταύρῳ καλουμένη, πολίχνηον προσκείμενον τῷ ὄρει.

26 Ἀλάβανδα δὲ καὶ αὕτῃ μὲν ὑπόκειται λόφοις δυσὶ συγκειμένοις οὕτως ὥστ' ὕψιν παρέχεσθαι κανθηλίου κατεστρωμένου. καὶ δὴ καὶ ὁ μαλακὸς Ἀπολλώνιος 5 σκώπτων τὴν πόλιν εἰς τε ταῦτα καὶ εἰς τὸ τῶν σκορπίων πληθὺς, ἔφη αὐτὴν εἶναι σκορπίων κανθηλίον κατεστρωμένον· μεστὴ δ' ἐστὶ καὶ αὕτη καὶ ἡ τῶν Μυλασέων πόλις τῶν θηρίων τούτων καὶ ἡ μεταξὺ C.661 πᾶσα ὄρεινή. τρυφητῶν δ' ἐστὶν ἀνθρώπων καὶ καπυ- 10 ριστῶν ἔχουσα ψαλτρίας πολλάς. ἄνδρες δ' ἐγένοντο λόγου ἄξιοι δύο ῥήτορες ἀδελφοὶ Ἀλαβανδεῖς, Μενεκλῆς τε οὗ ἐμνησθήμεν μικρὸν ἐπάνω καὶ Ἰεροκλῆς, καὶ οἱ μετοικήσαντες εἰς τὴν Ῥόδον ὃ τε Ἀπολλώνιος καὶ ὁ Μόλων.

15

27 Πολλῶν δὲ λόγων εἰρημένων περὶ Καρῶν ὁ μάλισθ' ὁμολογούμενός ἐστιν οὗτος ὅτι οἱ Κᾶρες ὑπὸ Μίνω ἐτάττοντο, τότε Λέλεγες καλούμενοι, καὶ τὰς νήσους ᾤκουν· εἰτ' ἠπειρῶται γενόμενοι πολλὴν τῆς παραλίας καὶ τῆς μεσογαίας κατέσχον τοὺς προκατέ- 20 χοντας ἀφελόμενοι· καὶ οὗτοι δ' ἦσαν οἱ πλείους Λέλεγες καὶ Πελασγοί· πάλιν δὲ τούτους ἀφείλοντο μέρος οἱ Ἕλληνες, Ἰωνεῖς τε καὶ Δωριεῖς. τοῦ δὲ περὶ τὰ στρατιωτικὰ ζήλου τά τε ὄχανα ποιοῦνται τεκμήρια καὶ τὰ ἐπίσημα καὶ τοὺς λόφους· ἅπαντα γὰρ λέγεται 25 Καρικά· Ἀνακρέων μὲν γε φησὶν „διὰ δηῦτε καρι- „κοεργεὸς ὀχάνου χεῖρα τιθέμεναι,“ ὁ δ' Ἀλκαῖος „λόφον τε σείων Καρικόν.“

28 Τοῦ ποιητοῦ δ' εἰρηκότος οὕτωςί „Μάσθλης αὖ „Καρῶν ἠγήσατο βαρβαροφάνων,“ οὐκ ἔχει λόγον 30 πῶς τοσαῦτα εἰδὼς ἔθνη βάρβαρα μόνους εἰρηκε βαρβαροφάνους τοὺς Κᾶρας, βαρβάρους δ' οὐδένας· οὗτ'

οὖν Θουκυδίδης ὀρθῶς· οὐδὲ γὰρ λέγεσθαι φησι βαρ-
 βάρους διὰ τὸ μηδὲ Ἑλληνάς πω ἀντίπαλον εἰς ἓν
 ὄνομα ἀποκεκρίσθαι· τό τε γὰρ μηδὲ Ἑλληνάς πω ψευ-
 δος αὐτὸς ὁ ποιητῆς ἀπελέγχει, ἀνδρός, τοῦ κλέος εὐρὺν
 5 „καθ’ Ἑλλάδα καὶ μέσον” Ἀργος.“ καὶ πάλιν „εἰτ’ ἐθ-
 „λεις τραφθῆναι ἀν’ Ἑλλάδα καὶ μέσον” Ἀργος.“ μὴ
 λεγομένων τε βαρβάρων πῶς ἔμελλεν εὖ λεχθῆσεσθαι
 τὸ βαρβαροφώνων; οὔτε δὴ οὗτος εὖ οὔτ’ Ἀπολλόδα-
 10 ρος ὁ γραμματικός, ὅτι τῷ κοινῷ ὀνόματι ἰδίως καὶ
 λαιδόρως ἔχωντο οἱ Ἕλληνες κατὰ τῶν Καρῶν, καὶ
 μάλιστα οἱ Ἴωνες μισοῦντες αὐτοὺς διὰ τὴν ἔχθραν
 καὶ τὰς συνεχεῖς στρατείας· ἐχρῆν γὰρ οὕτως βαρβά-
 ρους ὀνομάζειν. ἡμεῖς δὲ ζητοῦμεν διὰ τί βαρβαροφώ-
 νους καλεῖ, βαρβάρους δ’ οὐδ’ ἅπαξ. „ὅτι“ φησί, „τὸ
 15 „πληθυντικὸν εἰς τὸ μέτρον οὐκ ἐμπίπτει, διὰ τοῦτ’ οὐκ
 „εἰρηκε βαρβάρους.“ ἀλλ’ αὕτη μὲν ἡ πτωσις οὐκ ἐμπί-
 πτει, ἡ δ’ ὀρθῇ οὐ διαφέρει τῆς Δάρδανοι, Τρωῆς καὶ C.662
 „Ἀνίκιοι καὶ Δάρδανοι.“ τοιοῦτον δὲ καὶ τό „οἷοι Τρώιοι
 ἵπποι.“ οὐδὲ γε ὅτι τραχυτάτη ἡ γλῶττα τῶν Καρῶν·
 20 οὐ γὰρ ἐστὶν ἀλλὰ καὶ πλεῖστα Ἑλληνικὰ ὀνόματα ἔχει
 καταμειγμένα, ὥς φησι Φίλιππος ὁ τὰ Καρικὰ γράψας.
 οἶμαι δὲ τὸ βάρβαρον κατ’ ἀρχὰς ἐκπεφωνῆσθαι οὕτως
 κατ’ ὀνοματοποιίαν ἐπὶ τῶν δυσεκφόρων καὶ σκλη-
 ρῶς καὶ τραχέως λαλούντων, ὥς τὸ βατταρίζειν καὶ
 25 τραυλίζειν καὶ ψελλίζειν. εὐφυνέστατοι γὰρ ἐσμεν
 τὰς φωνὰς ταῖς ὁμοίαις φωναῖς κατονομάζειν διὰ τὸ
 ὁμογενές· ἥ δὲ καὶ πλεονάζουσιν ἐνταῦθα αἱ ὀνομα-
 τοποιίαι, οἷον τὸ κελαρύζειν καὶ κλαγγῇ δὲ καὶ ψό-
 φος καὶ βοή καὶ κρότος, ὧν τὰ πλεῖστα ἤδη καὶ
 30 κυρίως ἐκφέρεται· πάντων δὲ τῶν παχυστομούντων
 οὕτως βαρβάρων λεγομένων, ἐφάνη τὰ τῶν ἄλλοεθνῶν
 στόματα τοιαῦτα, λέγω δὲ τὰ τῶν μὴ Ἑλλήνων. ἐκείνους

οὖν ἰδίως ἐκάλεσαν βαρβάρους, ἐν ἀρχαῖς μὲν κατὰ τὸ
 λοῖδορον, ὥς ἂν παχυστόμους ἢ τραχυστόμους, εἴτα
 κατεχρησάμεθα ὥς ἐθνικῷ κοινῷ ὀνόματι ἀντιδια-
 ροῦντες πρὸς τοὺς Ἕλληνας. καὶ γὰρ δὴ τῇ πολλῇ συν-
 ηθείᾳ καὶ ἐπιπλοκῇ τῶν βαρβάρων οὐκέτι ἐφαίνετο δ
 κατὰ παχυστομίαν καὶ ἀφυΐαν τινὰ τῶν φωνητηρίων
 ὀργάνων τοῦτο συμβαῖνον, ἀλλὰ κατὰ τὰς τῶν διαλέ-
 κτων ιδιότητας. ἄλλη δέ τις ἐν τῇ ἡμετέρᾳ διαλέκτῳ
 ἀνεφάνη κακοστομία καὶ οἶον βαρβαροστομία, εἴ τις
 ἑλληνίζων μὴ κατορθοίῃ, ἀλλ' οὕτω λέγοι τὰ ὀνόματα 10
 ὥς οἱ βάρβαροι οἱ εἰσαγόμενοι εἰς τὸν ἑλληνισμόν οὐκ
 ἰσχύοντες ἀρτιστομεῖν, ὥς οὐδ' ἡμεῖς ἐν ταῖς ἐκείνων
 διαλέκτοις. τοῦτο δὲ μάλιστα συνέβη τοῖς Καρσί· τῶν
 γὰρ ἄλλων οὕτ' ἐπιπλεκομένων πω σφόδρα τοῖς Ἑλλη-
 σιν, οὕτ' ἐπιχειροῦντων ἑλληνικῶς ζῆν ἢ μανθάνειν 15
 τὴν ἡμετέραν διάλεκτον, πλὴν εἴ τινες σπάνιοι καὶ
 κατὰ τύχην ἐπεμίχθησαν καὶ κατ' ἄνδρα ὀλίγοις τῶν
 Ἑλλήνων τισίν· οὗτοι δὲ καθ' ὅλην ἐπλανήθησαν τὴν
 Ἑλλάδα μισθοῦ στρατεύοντες. ἤδη οὖν τὸ βαρβαρό-
 φωνον ἐπ' ἐκείνων πυκνὸν ἦν ἀπὸ τῆς εἰς τὴν Ἑλλάδα 20
 αὐτῶν στρατείας· καὶ μετὰ ταῦτα ἐπεπόλασε πολὺ
 μᾶλλον, ἄφ' οὗ τὰς τε νήσους μετὰ τῶν Ἑλλήνων ὥκη-
 σαν, κακέϊθεν εἰς τὴν Ἀσίαν ἐκπεσόντες οὐδ' ἐνταῦθα
 χωρὶς Ἑλλήνων οἰκεῖν ἠδύναντο, ἐπιδιαβάντων τῶν
 C.663 Ἰώνων καὶ τῶν Δωριέων. ἀπὸ δὲ τῆς αὐτῆς αἰτίας καὶ 25
 τὸ βαρβαρίζειν λέγεται· καὶ γὰρ τοῦτο ἐπὶ τῶν κακῶς
 ἑλληνιζόντων εἰώθαμεν λέγειν, οὐκ ἐπὶ τῶν καριστὶ
 λαλούντων. οὕτως οὖν καὶ τὸ βαρβαροφωνεῖν καὶ τοὺς
 βαρβαροφώνους δεκτέον τοὺς κακῶς ἑλληνιζοντας·
 ἀπὸ δὲ τοῦ καρίζειν καὶ τὸ βαρβαρίζειν μετήνεγκαν εἰς 30
 τὰς περὶ ἑλληνισμοῦ τέχνας καὶ τὸ σολοικίζειν, εἴτ' ἀπὸ
 Σόλων εἴτ' ἄλλως τοῦ ὀνόματος τούτου πεπλασμένου.

Φησὶ δὲ Ἀρτεμίδωρος ἀπὸ Φύσκου τῆς Ῥοδίων πε- 29
 ραίας ἰοῦσιν εἰς Ἐφεσον μέχρι μὲν Λαγύνων ὀκτακο-
 σίους εἶναι καὶ πεντήκοντα σταδίους, ἐντεῦθεν δ' εἰς
 Ἀλάβανδα πεντήκοντα ἄλλους καὶ διακοσίους, εἰς δὲ
 5 Τράλλεις ἑκατὸν ἐξήκοντα· ἀλλ' ἢ εἰς Τράλλεις ἐστὶ δια-
 βάντι τὸν Μαίανδρον κατὰ μέσην που τὴν ὁδὸν ὅπου τῆς
 Καρίας οἱ ὄροι· γίνονται δ' οἱ πάντες ἀπὸ Φύσκου ἐπὶ
 τὸν Μαίανδρον κατὰ τὴν εἰς Ἐφεσον ὁδὸν χίλιοι ἑκατὸν
 ὀγδοήκοντα. πάλιν ἀπὸ τοῦ Μαίανδρου τῆς Ἰωνίας
 10 ἐφεξῆς μῆκος ἐπιόντι κατὰ τὴν αὐτὴν ὁδὸν ἀπὸ μὲν τοῦ
 ποταμοῦ εἰς Τράλλεις ὀγδοήκοντα, εἴτ' εἰς Μαγνησίαν
 ἑκατὸν τετταράκοντα, εἰς Ἐφεσον δ' ἑκατὸν εἰκοσιν, εἰς
 δὲ Σμύρναν τριακόσιοι εἰκοσιν, εἰς δὲ Φώκαιαν καὶ τοὺς
 ὄρους τῆς Ἰωνίας ἐλάττους τῶν διακοσίων, ὥστε τὸ ἐπ'
 15 εὐθείας μῆκος τῆς Ἰωνίας εἴη ἂν κατ' αὐτὸν μικρῷ
 πλεόν τῶν ὀκτακοσίων. ἐπεὶ δὲ κοινὴ τις ὁδὸς τέτριπται
 ἅπανσι τοῖς ἐπὶ τὰς ἀνατολὰς ὁδοιποροῦσιν ἐξ Ἐφέσου,
 καὶ ταύτην ἐπεισιν. ἐπὶ μὲν τὰ Κάρουρα τῆς Καρίας
 ὄριον πρὸς τὴν Φρυγίαν διὰ Μαγνησίας καὶ Τραλλέων
 20 Νύσης Ἀντιοχείας ὁδὸς ἑπτακοσίων καὶ τετταράκοντα
 σταδίων· ἐντεῦθεν δὲ ἡ Φρυγία διὰ Λαοδικείας καὶ
 Ἀπαμείας καὶ Μητροπόλεως καὶ * Χελιδονίων· ἐπὶ μὲν
 οὖν τὴν ἀρχὴν τῆς Παρωρείου, τοὺς Ὀλμους, στάδιοι
 περὶ ἑνακοσίους καὶ εἰκοσιν ἐκ τῶν Καρούρων· ἐπὶ δὲ
 25 τὸ πρὸς τῇ Λυκαονίᾳ πέρας τῆς Παρωρείου τὸ Τυ-
 ριαῖον διὰ Φιλομηλίου μικρῷ πλείους τῶν πεντακο-
 σίων, εἴθ' ἢ Λυκαονία μέχρι Κοροπασσοῦ διὰ Λαοδι-
 κείας τῆς κατακεκαυμένης ὀκτακόσιοι τετταράκοντα,
 ἐκ δὲ Κοροπασσοῦ τῆς Λυκαονίας εἰς Γαρσάουρα, πο-
 30 λίχνιον τῆς Καππαδοκίας ἐπὶ τῶν ὄρων αὐτῆς ἰδρυμέ-
 νον, ἑκατὸν εἰκοσιν· ἐντεῦθεν δ' εἰς Μάξακα τὴν μη-
 τροπόλιν τῶν Καππαδόκων διὰ Σοάνδου καὶ Σαθα-

κόρων ἑξακόσιοι ὀγδοήκοντα· ἐντεῦθεν δ' ἐπὶ τὸν
 Εὐφράτην μέχρι Τομίσων χωρίου τῆς Σωφηνῆς διὰ
 Ἡρῶν πολίχνης χίλιοι τετρακόσιοι τετταράκοντα. τὰ
 δ' ἐπ' εὐθείας τούτοις μέχρι τῆς Ἰνδικῆς τὰ αὐτὰ κεῖται
 καὶ παρὰ τῷ Ἀρτεμιδώρῳ ἄπερ καὶ παρὰ τῷ Ἐρατο- 5
 σθένει. λέγει δὲ καὶ Πολύβιος περὶ τῶν ἐκεῖ μάλιστα
 C.664δεῖν πιστεύειν ἐκείνῳ. ἄρχεται δὲ ἀπὸ Σαμοσάτων τῆς
 Κομμαγηνῆς, ἣ πρὸς τῇ διαβάσει καὶ τῷ Ζεύγματι κεῖ-
 ται· εἰς δὲ Σαμόσατα ἀπὸ τῶν ὄρων τῆς Καππαδοκίας
 τῶν περὶ Τόμισα ὑπερθέντι τὸν Ταύρον σταδίους εἰ- 10
 ρηκε τετρακοσίους καὶ πεντήκοντα.

3 Μετὰ δὲ τὴν Ῥοδίῳν περαιάν ἥς ὄριον τὰ Δαίδαλα
 ἐφεξῆς πλέουσι πρὸς ἀνίσχοντα ἥλιον ἡ Λυκία κεῖται
 μέχρι Παμφυλίας, εἰδ' ἡ Παμφυλία μέχρι Κιλικίων τῶν
 τραχέων, εἰδ' ἡ τούτων μέχρι τῶν ἄλλων Κιλικίων τῶν 15
 περὶ τὸν Ἰστικὸν κόλπον· ταῦτα δ' ἐστὶ μέρη μὲν τῆς
 χειρρονήσου, ἥς τὸν ἰσθμὸν ἔφαμεν τὴν ἀπὸ Ἰσοῦ
 ὁδὸν μέχρι Ἀμισοῦ ἢ Σινώπης, ὥς τινες, ἐκτὸς δὲ τοῦ
 Ταύρου ἐν στενῇ παραλίᾳ τῇ ἀπὸ Λυκίας μέχρι τῶν
 περὶ Σόλους τόπων, τὴν νῦν Πομπηϊόπολιν· ἔπειτα 20
 ἤδη εἰς πεδία ἀναπέπταται ἡ κατὰ τὸν Ἰστικὸν κόλπον
 παραλία ἀπὸ Σόλων καὶ Ταρσοῦ ἀρξαμένη. ταύτην
 οὖν ἐπελθοῦσιν ὁ πᾶς περὶ τῆς χειρρονήσου λόγος ἐστὶ
 περιωδευμένος· εἰτα μεταβησόμεθα ἐπὶ τὰ ἄλλα μέρη
 τῆς Ἀσίας τὰ ἐκτὸς τοῦ Ταύρου. τελευταῖα δ' ἐκθήσο- 25
 μεν τὰ περὶ τὴν Λιβύην.

2 Μετὰ τοίνυν Δαίδαλα τὰ τῶν Ῥοδίων ὄρος ἐστὶ
 τῆς Λυκίας ὁμώνυμον αὐτοῖς Δαίδαλα, ἀφ' οὗ λαμβά-
 νει τὴν ἀρχὴν ὁ παράπλους ἅπας ὁ Λυκιακός, σταδίων
 μὲν ὡς χιλίων ἑπτακοσίων εἴκοσι, τραχύς δὲ καὶ χαλε- 30
 πός, ἀλλ' εὐλίμενος σφόδρα καὶ ὑπὸ ἀνθρώπων συν-
 οικούμενος σωφρόνων· ἐπεὶ ἡ γε τῆς χώρας φύσις

παραπλησία καὶ τοῖς Παμφύλοις ἐστὶ καὶ τοῖς Τρα-
χειώταις Κίλιξιν· ἀλλ' ἐκεῖνοι μὲν ὀρμητηρίοις ἐχρή-
σαντο τοῖς τόποις πρὸς τὰ ληστήρια, αὐτοὶ πειρατεύον-
τες ἢ τοῖς πειραταῖς λαφυροπώλια καὶ ναύσταθμα πα-
5 ρέχοντες· ἐν Σίδῃ γοῦν πόλει τῆς Παμφυλίας τὰ ναυ-
πήγια συνίστατο τοῖς Κίλιξιν, ὑπὸ κήρυκά τε ἐπώλουν
ἐκεῖ τοὺς ἀλόντας ἐλευθέρους ὁμολογοῦντες· Ἀνίκιοι
δ' οὕτω πολιτικῶς καὶ σωφρόνως ζῶντες διετέλεσαν
ὥστ' ἐκείνων διὰ τὰς εὐτυχίας θαλαττοκρατησάντων
10 μέχρι τῆς Ἰταλίας ὅμως ὑπ' οὐδενὸς ἐξήρθησαν αἰσχροῦ
κέρδους, ἀλλ' ἔμειναν ἐν τῇ πατρίῳ διοικήσει τοῦ Ἀν-
κιακοῦ συστήματος.

Εἰσὶ δὲ τρεῖς καὶ εἴκοσι πόλεις αἱ τῆς ψήφου μετέ- 3
χουσai· συνέρχονται δὲ ἐξ ἐκάστης πόλεως εἰς κοινὸν
15 συνέδριον, ἣν ἂν δοκιμάσωσι πόλιν ἐλόμενοι· τῶν δὲ
πόλεων αἱ μέγισται μὲν τριῶν ψήφων ἐστὶν ἐκάστη
κυρία, αἱ δὲ μέσαι δυεῖν, αἱ δ' ἄλλαι μιᾶς· ἀνὰ λόγον C.665
δὲ καὶ τὰς εἰσφορὰς εἰσφέρουσι καὶ τὰς ἄλλας λειτουρ-
γίας· ἐξ δὲ τὰς μεγίστας ἔφη ὁ Ἀρτεμίδωρος, Ξάνθον
20 Πάταρα Πίναρα Ὀλυμπον Μύρα Τλῶν κατὰ τὴν
[ὑπέρ]θεσιν τὴν εἰς Κιβύραν κειμένην. ἐν δὲ τῷ συνε-
δρίῳ πρῶτον μὲν Ἀνκιάρχης αἰρεῖται, εἴτ' ἄλλαι ἀρχαὶ
αἱ τοῦ συστήματος· δικαστήριά τε ἀποδείκνυνται κοινῇ·
καὶ περὶ πολέμου δὲ καὶ εἰρήνης καὶ συμμαχίας ἐβου-
25 λύνοντο πρότερον, νῦν δ' οὐκ εἰκός, ἀλλ' ἐπὶ τοῖς Ῥω-
μαίοις ταῦτ' ἀνάγκη κεῖσθαι, πλὴν εἰ ἐκείνων ἐπι-
τρεψάντων, ἢ ὑπὲρ αὐτῶν εἴη χρήσιμον· ὁμοίως δὲ
καὶ δικασταὶ καὶ ἄρχοντες ἀνὰ λόγον ταῖς ψήφοις ἐξ
ἐκάστης προχειρίζονται πόλεως. οὕτω δ' εὐνομουμέ-
30 νοις αὐτοῖς συνέβη παρὰ Ῥωμαίοις ἐλευθέροις διατε-
λέσαι τὰ πάτρια νέμονται, τοὺς δὲ ληστὰς ἐπιδεῖν ἄρδην
ἡφανισμένους, πρότερον μὲν ὑπὸ Σεραιλίου τοῦ Ἰσαν-
STRABO III. 8

ρικοῦ, καθ' ὃν χρόνον καὶ τὰ Ἰσαυρα ἐκείνος καθεῖλεν, ὕστερον δὲ Πομπηίου τοῦ Μάγνου, πλείω τῶν χιλίων καὶ τριακοσίων σκαφῶν ἐμπρήσαντος τὰς δὲ κατοικίας ἐκκόψαντος, τῶν δὲ περιγενομένων ἀνθρώπων ἐν ταῖς μάχαις τοὺς μὲν καταγαρόντος εἰς Σόλους, ἣν ἐκείνος 5 Πομπηϊόπολιν ὠνόμασε, τοὺς δ' εἰς Λύμην λειπανδρήσασαν, ἣν νυνὶ Ῥωμαίων ἀποικία νέμεται. οἱ ποιηταὶ δὲ μάλιστα οἱ τραγικοὶ συγγέοντες τὰ ἔθνη, καθάπερ τοὺς Τρῶας καὶ τοὺς Μυσοὺς καὶ τοὺς Λυδοὺς Φρύγας προσαγορεύουσιν, οὕτω καὶ τοὺς Λυκίους 10 Κᾶρας.

4 Μετὰ δ' οὖν τὰ Λαίδαλα τὸ τῶν Λυκίων ὄρος πλησίον ἐστὶ Τελεμησσὸς πολίχνη Λυκίων, καὶ Τελεμησσὶς ἄκρα λιμένα ἔχουσα. ἔλαβε δὲ τὸ χωρίον τοῦτο παρὰ Ῥωμαίων Εὐμένης ἐν τῷ Ἀντιοχικῷ πολέμῳ, κα- 15 ταλυθείσης δὲ τῆς βασιλείας ἀπέλαβον πάλιν οἱ Λύκιοι.

5 Εἰθ' ἐξῆς ὁ Ἀντίκραγος, ὄρθιον ὄρος, ἐφ' ᾧ Καρμυλησσὸς χωρίον ἐν φάραγγι ὠκημένον, καὶ μετὰ τοῦτον ὁ Κράγος, ἔχων ἄκρας ὀκτὼ καὶ πόλιν ὁμώνυμον. περὶ ταῦτα μυθεύεται τὰ ὄρη τὰ περὶ τῆς Χιμαίρας· 20 ἔστι δ' οὐκ ἄπωθεν καὶ ἡ Χίμαιρα φάραγξ τις ἀπὸ τοῦ αἰγριαλοῦ ἀνατείνουσα. ὑπόκειται δὲ τῷ Κράγῳ Πίναρα ἐν μεσογαίᾳ, τῶν μεγίστων οὖσα πόλεων ἐν τῇ Λυκίᾳ. ἐνταῦθα δὲ Πάνδαρος τιμᾶται, τυχὸν ἴσως *ὁμώνυμος τῷ Τρωικῷ· καὶ γὰρ τοῦτον ἐκ Λυκίας φασίν. 25

6 Εἰθ' ὁ Ξάνθος ποταμός, ὃν Σίρβιν ἐκάλουν τὸ πρότερον· ἀναπλεύσαντι δ' ὑπηρετικοῖς δέκα σταδίου τὸ Λητῶν ἐστιν· ὑπὲρ δὲ τοῦ ἱεροῦ προσελθόντι ἐξή- 30 666κοντα ἡ πόλις ἡ τῶν Ξανθίων ἐστὶ μεγίστη τῶν ἐν Λυκίᾳ. μετὰ δὲ τὴν Ξάνθον Πάταρα, καὶ αὕτη μεγάλη 30

25. post Τρωικῷ: ὡς καὶ Πανδαρέου κούρη χλωρῆς ἀηδών.

πόλις λιμένα ἔχουσα καὶ ἱερὰ Ἀπόλλωνος, κτίσμα Πα-
τάρου. Πτολεμαῖος δ' ὁ φιλάδελφος ἐπισκευάσας Ἀρ-
σινόην ἐκάλεσε τὴν ἐν Λυκίᾳ, ἐπεκράτησε δὲ τὸ ἐξ ἄρ-
χῆς ὄνομα.

5. Εἴτα Μύρα ἐν εἴκοσι σταδίοις ὑπὲρ τῆς θαλάττης 7
ἐπὶ μετεώρου λόφου. εἶθ' ἡ ἐκβολὴ τοῦ Αἰμύρου πο-
ταμοῦ καὶ ἀνιόντι πεζῇ σταδίους εἴκοσι τὰ Αἰμύρα πο-
λίχνη. μετὰξὺ δ' ἐν τῷ λεχθέντι παράπλω νησία πολλὰ
καὶ λιμένες, ὧν καὶ Μεγίστη νῆσος καὶ πόλις ὁμώνυ-
10μος, * ἡ Κισθήνη. ἐν δὲ τῇ μεσογαίᾳ χωρία Φελλὸς καὶ
Ἀντιφελλος καὶ ἡ Χίμαιρα, ἧς ἐμνήσθημεν ἐπάνω.

- Εἶθ' Ἱερά ἄκρα καὶ αἱ Χελιδόνιαι τρεῖς νῆσοι 8
τραχεῖαι, πάρισι τοῦ μέγεθος, ὅσον πέντε σταδίοις ἀλ-
λήλων διέχουσαι· τῆς δὲ γῆς ἀφεστᾶσιν ἑξαστάδιον·
15μία δ' αὐτῶν καὶ πρόσορμον ἔχει. ἐντεῦθεν νομίζουσιν
οἱ πολλοὶ τὴν ἀρχὴν λαμβάνειν τὸν Ταῦρον διὰ τε τὴν
ἄκραν ὑψηλὴν οὔσαν καὶ καθήκουσαν ἀπὸ τῶν Πισι-
δικῶν ὄρων τῶν ὑπερκειμένων τῆς Παμφυλίας καὶ διὰ
τὰς προκειμένας νήσους ἐχούσας ἐπιφανές τι σημεῖον
20 ἐν τῇ θαλάττῃ κρασπέδου δίκην. τὸ δ' ἀληθὲς ἀπὸ τῆς
Ῥοδίων περαιᾶς ἐπὶ τὰ πρὸς Πισιδίαν μέρη συνεχῆς
ἐστὶν ἡ ὄρεινὴ, καλεῖται δὲ καὶ αὕτη Ταῦρος. δοκοῦσι
δὲ αἱ Χελιδόνιαι κατὰ Κάνωβόν πως πίπτειν· τὸ δὲ
διᾶγμα λέγεται τετρακισχιλίων σταδίων. ἀπὸ δὲ τῆς
25 Ἱερᾶς ἄκρας ἐπὶ τὴν Ὀλβίαν λείπονται στάδιοι τριακό-
σιοι ἐξήκοντα ἐπτά· ἐν τούτοις δ' ἐστὶν ἡ τε Κράμ-
βουσα καὶ Ὀλυμπος πόλις μεγάλη καὶ ὄρος ὁμώνυμον,
ὃ καὶ Φοινικοῦς καλεῖται· εἴτα Κάρνκος ὁ αἰγιαλός.

- Εἴτα Φάσηλις τρεῖς ἔχουσα λιμένας, πόλις ἀξιόλο- 9
30γος καὶ λίμνη. ὑπέρεκειται δ' αὐτῆς τὰ Σόλυνμα ὄρος
καὶ Τερμησιὸς Πισιδικὴ πόλις, ἐπικειμένη τοῖς στενοῖς
δι' ἣν ὑπέρβασις ἐστὶν εἰς τὴν Μιλυάδα. καὶ ὁ Ἀλέξαν-

δρος διὰ τοῦτο ἐξείλεν αὐτὴν ἀνοῖξαι βουλόμενος τὰ στενά. περὶ Φασήλιδα δ' ἐστὶ τὰ κατὰ θάλατταν στενά, δι' ὧν Ἀλέξανδρος παρήγαγε τὴν στρατιάν. ἔστι δ' ὄρος Κλῖμαξ καλούμενον, ἐπικείται δὲ τῷ Παμφυλίῳ πελάγει, στενὴν ἀπολείπον πάροδον ἐπὶ τῷ αἰγιάλῳ. 5 ταῖς μὲν νηνεμίαις γυμνουμένην ὥστε εἶναι βάσιμον τοῖς ὁδεύουσι, πλημμύροντος δὲ τοῦ πελάγους ὑπὸ τῶν κυμάτων καλυπτομένην ἐπὶ πολὺ· ἡ μὲν οὖν διὰ τοῦ ὄρους ὑπερβάσις περίοδον ἔχει καὶ προσάντης ἐστί, τῷ δ' αἰγιάλῳ χρῶνται κατὰ τὰς εὐδίας. ὁ δὲ Ἀλέξανδρος 10 εἰς χειμέριον ἐμπεσὼν καιρὸν καὶ τὸ πλεον ἐπιτρέπων C.667 τῇ τύχῃ πρὶν ἀνεῖναι τὸ κῦμα ὥρμησε, καὶ ὅλην τὴν ἡμέραν ἐν ὕδατι γενέσθαι τὴν πορείαν συνέβη μέχρι ὀμφαλοῦ βαπτιζομένων. ἔστι μὲν οὖν καὶ αὕτη ἡ πόλις Λυκίακῃ ἐπὶ τῶν ὄρων ἰδρυμένη τῶν πρὸς Παμφυλίαν, 15 τοῦ δὲ κοινοῦ τῶν Λυκίων οὐ μετέχει, καθ' αὐτὴν δὲ συνέστηκεν.

- 10 Ὁ μὲν οὖν ποιητὴς ἑτέρους τῶν Λυκίων ποιεῖ τοὺς Σολύμους· ὑπὸ γὰρ τοῦ τῶν Λυκίων βασιλέως πεμφθεὶς ὁ Βελλεροφόντης ἐπὶ δεύτερον τοῦτον ἄθλον 20 „Σολύμοισι μαχέσσατο κυδαλίμοισιν.“ οἱ δὲ τοὺς Λυκίους πρότερον καλεῖσθαι Σολύμους φάσκοντες, ὅσπερ δὲ Τερμίλας ἀπὸ τῶν ἐκ Κρήτης συγκατελθόντων τῷ Σαρπηδόνι, μετὰ δὲ ταῦτα Λυκίους ἀπὸ Λύκου τοῦ Πανδίωνος, ὃν ἐκπεσόντα τῆς οἰκείας ἐδέξατο Σαρπη- 25 δὼν ἐπὶ μέρει τῆς ἀρχῆς, οὐχ ὁμολογούμενα λέγουσιν Ὅμηρῳ· βελτίους δ' οἱ φάσκοντες λέγεσθαι Σολύμους ὑπὸ τοῦ ποιητοῦ τοὺς νῦν Μιλύας προσαγορευομένους, περὶ ὧν εἰρήκαμεν.

- 4 Μετὰ Φασήλιδα δ' ἔστιν ἡ Ὀλβία, τῆς Παμφυλίας 30 ἀρχή, μέγα ἔρυμα, καὶ μετὰ ταύτην ὁ Καταράκτης λεγόμενος ἀφ' ὑψηλῆς πέτρας καταράττων ποταμὸς πο-

λὺς καὶ χειμαρρῶδης ὥστε πόρρωθεν ἀκούεσθαι τὸν ψόφον. εἶτα πόλις Ἀττάλεια, ἐπώνυμος τοῦ κτίσαντος Φιλαδέλφου καὶ οἰκίσαντος εἰς Κώρυκον, πολίχνιον ὁμορον, ἄλλην κατοικίαν καὶ μείζω περίβολον περι-
5 θέντος. φασὶ δ' ἐν τῷ μεταξὺ Φασήλιδος καὶ Ἀτταλείας δείκνυσθαι Θήβην τε καὶ Λυρνησσόν, ἐκπεσόντων ἐκ τοῦ Θήβης πεδίου τῶν Τρωικῶν Κιλικίων εἰς τὴν Παμφυλίαν ἐκ μέρους, ὡς εἶρηκε Καλλισθένης.

Εἰθ' ὁ Κέστρος ποταμός, ὃν ἀναπλεύσαντι στα- 2
10 δίους ἐξήκοντα Πέργη πόλις καὶ πλησίον ἐπὶ μετεώρου τόπον τὸ τῆς Περγαίας Ἀρτέμιδος ἱερόν, ἐν ᾧ πανή-
γυρις κατ' ἔτος συντελεῖται. εἰθ' ὑπὲρ τῆς θαλάττης ὅσον τετταράκοντα Σύλλιον πόλις ἐστὶν ὑψηλὴ τοῖς ἐκ Πέργης ἔποπτος· εἶτα λίμνη εὐμεγέθης Καπρία καὶ
15 μετὰ ταῦτα ὁ Εὐρυμέδων ποταμός, ὃν ἀναπλεύσαντι ἐξήκοντα σταδίους Ἀσπενδος πόλις εὐάνδρουσα ἱκανῶς, Ἀργείων κτίσμα· ὑπέρκειται δὲ ταύτης Πετνη-
λίσσος· εἰτ' ἄλλος ποταμός καὶ νησία προκείμενα πολλά· εἶτα Σίδη Κυμαίων ἄποικος· ἔχει δ' Ἀθηναῖς
20 ἱερόν. πλησίον δ' ἐστὶ καὶ ἡ Κιβυρατῶν παραλία τῶν μικρῶν· εἰθ' ὁ Μέλας ποταμός καὶ ὕφορμος· εἶτα Πτολεμαῖς πόλις· καὶ μετὰ ταῦθ' οἱ ὄροι τῆς Παμφυλίας καὶ τὸ Κορακήσιον, ἀρχὴ τῆς τραχείας Κιλικίας. ὁ δὲ παράπλους ἅπας ὁ Παμφύλιος στάδιοι εἰσὶν ἑξα-
25 κόσιοι τεσσαράκοντα.

Φησὶ δ' Ἡρόδοτος τοὺς Παμφύλους τῶν μετὰ ^{C.668}₃
'Αμφιλόχου καὶ Κάλχαντος εἶναι λαῶν μιγάδων τινῶν ἐκ Τροίας συνακολουθησάντων· τοὺς μὲν δὴ πολλοὺς ἐνθάδε καταμεῖναι, τινὰς δὲ σκεδασθῆναι πολλαχοῦ τῆς
30 γῆς. Καλλῖνος δὲ τὸν μὲν Κάλχαντα ἐν Κλάρῳ τελευ-
τῆσαι τὸν βίον φησί, τοὺς δὲ λαοὺς μετὰ Μόψου τὸν Ταῦρον ὑπερθέοντας τοὺς μὲν ἐν Παμφυλίᾳ μεῖναι

τοὺς δ' ἐν Κιλικίᾳ μερισθῆναι καὶ Συρίᾳ μέχρι καὶ Φοινίκης.

5 Τῆς Κιλικίας δὲ τῆς ἔξω τοῦ Ταύρου ἡ μὲν λέγεται τραχεῖα ἡ δὲ πεδιάς· τραχεῖα μὲν, ἥς ἡ παραλία στενὴ ἔστι καὶ οὐδὲν ἢ σπανίως ἔχει τι χωρίον ἐπίπεδον, καὶ 5 ἔτι ἥς ὑπέρκειται ὁ Ταῦρος οἰκούμενος κακῶς μέχρι καὶ τῶν προσβόρων πλευρῶν τῶν περὶ Ἰσαυρα καὶ τοὺς Ὀμοναδέας μέχρι τῆς Πισιδίας· καλεῖται δ' ἡ αὐτὴ καὶ Τραχειῶτις καὶ οἱ ἐνοικοῦντες Τραχειῶται· πεδιάς δ' ἡ ἀπὸ Σόλων καὶ Ταρσοῦ μέχρι Ἰσοῦ, καὶ 10 ἔτι ἥς ὑπέρκεινται κατὰ τὸ πρόσβορον τοῦ Ταύρου πλευρὸν Καππάδοκες· αὕτη γὰρ ἡ χώρα τὸ πλέον πεδίων εὐπορεῖ καὶ χώρας ἀγαθῆς. ἐπεὶ δὲ τούτων τὰ μὲν ἔστιν ἐντὸς τοῦ Ταύρου τὰ δ' ἐκτός, περὶ μὲν τῶν ἐντὸς εἴρηται, περὶ δὲ τῶν ἐκτὸς λέγωμεν ἀπὸ τῶν 15 Τραχειωτῶν ἀρχάμενοι.

2 Πρῶτον τοίνυν ἔστι τῶν Κιλικίων φρούριον τὸ Κορακήσιον ἰδρυμένον ἐπὶ πέτρας ἀπορροῶγος, ᾧ ἐχρήσατο Διόδωτος ὁ Τρύφων προσαγορευθεὶς ὁρμητηρίῳ καθ' ὃν καιρὸν ἀπέστησε τὴν Συρίαν τῶν βασιλέων 20 καὶ διεπολέμει πρὸς ἐκείνους, τοτὲ μὲν κατορθῶν τοτὲ δὲ πταίων. τοῦτον μὲν οὖν Ἀντίοχος ὁ Δημητρίου κατακλείσας εἰς τι χωρίον ἠνάγκασε διεργάσασθαι τὸ σῶμα· τοῖς δὲ Κίλιξιν ἀρχὴν τοῦ τὰ πειρατικά συνίστασθαι Τρύφων αἷτιος κατέστη καὶ ἡ τῶν βασιλέων 25 οὐδένεια τῶν τότε ἐκ διαδοχῆς ἐπιστατούντων τῆς Συρίας ἅμα καὶ τῆς Κιλικίας· τῷ γὰρ ἐκείνου νεωτερισμῷ συνενεωτέρισαν καὶ ἄλλοι, διχοστατοῦντές τε ἀδελφοὶ πρὸς ἀλλήλους ὑποχείριον ἐποιοῦν τὴν χώραν τοῖς ἐπιτιθεμένοις. ἡ δὲ τῶν ἀνδραπόδων ἑξαγωγή 30 προὔκαλετο μάλιστα εἰς τὰς κακουργίας ἐπικερδεστάτη γενομένη· καὶ γὰρ ἠλίσκοντο ῥαδίως, καὶ τὸ ἐμπόριον

οὐ παντελῶς ἄπωθεν ἦν μέγα καὶ πολυχρήματον, ἡ
 Δῆλος, δυναμένη μυριάδας ἀνδραπόδων αὐθημερὸν
 καὶ δεξασθαι καὶ ἀποπέμψαι, ὥστε καὶ παροιμίαν γενέ-
 σθαι διὰ τοῦτο „ἔμπορε, κατάπλευσον, ἐξελοῦ, πάντα
 5 „πέπραται.“ αἴτιον δ' ὅτι πλούσιοι γενόμενοι Ῥωμαῖοι
 μετὰ τὴν Καρχηδόνας καὶ Κορίνθου κατασκαφὴν οἰκε-
 τείαις ἐχρῶντο πολλαῖς· ὄρῶντες δὲ τὴν εὐπέτειαν οἱ C.669
 λησταὶ ταύτην ἐξήνθησαν ἀθρόως, αὐτοὶ καὶ ληξόμενοι
 καὶ σωματεμποροῦντες. συνήρουν δ' εἰς ταῦτα καὶ
 10 οἱ τῆς Κύπρου καὶ οἱ τῆς Αἰγύπτου βασιλεῖς ἐχθροὶ
 τοῖς Σύροις ὄντες· οὐδ' οἱ Ῥόδιοι δὲ φίλοι ἦσαν αὐτοῖς
 ὥστ' οὐδὲν ἐβόηθουν· ἅμα δὲ καὶ οἱ λησταὶ προσποιού-
 μενοι σωματεμπορεῖν ἄλλυτον τὴν κακουργίαν εἶχον.
 ἀλλ' οὐδὲ Ῥωμαῖοί πω τοσοῦτον ἐφρόντιζον τῶν ἔξω
 15 τοῦ Ταύρου, ἀλλ' ἔπεμψαν μὲν καὶ Σκιπίωνα τὸν Αἰ-
 μιλιανὸν ἐπισκεψόμενον τὰ ἔθνη καὶ τὰς πόλεις καὶ
 πάλιν ἄλλους τινάς, ἐγνώσαν δὲ κακίᾳ τῶν ἀρχόντων
 συμβαῖνον τοῦτο, εἰ καὶ τὴν κατὰ γένος διαδοχὴν τὴν
 ἀπὸ Σελεύκου τοῦ Νικάτορος αὐτοὶ κεκυρωκότες
 20 ἡδοῦντο ἀφαιρεῖσθαι. τοῦτο δὲ συμβὰν τῆς μὲν χώρας
 ἐποίησε κυρίους Παρθυαίους, οἱ τὰ πέραν τοῦ Εὐφρά-
 του κατέσχον, τὸ τελευταῖον δὲ καὶ Ἀρμενίους, οἱ καὶ
 τὴν ἐκτὸς τοῦ Ταύρου προσέλαβον μέχρι καὶ Φοινίκης,
 καὶ τοὺς βασιλέας κατέλυσαν εἰς δύναμιν καὶ τὸ γένος
 25 αὐτῶν σύμπαν, τὴν δὲ θάλατταν τοῖς Κίλιξι παρέδω-
 καν. εἴτ' αὐξήθεντας ἠναγκάσθησαν καταλύειν Ῥω-
 μαῖοι πολέμῳ καὶ μετὰ στρατιᾶς οὓς αὐξομένους οὐκ
 ἐκώλυσαν. ὀλιγωρίαν μὲν οὖν αὐτῶν χαλεπὸν κα-
 ταγνῶναι· πρὸς ἑτέροις δὲ ὄντες τοῖς ἐγγυτέρω καὶ
 30 κατὰ χεῖρα μᾶλλον οὐχ οἱοί τε ἦσαν τὰ ἀπωτέρω σκο-
 πεῖν. ταῦτα μὲν οὖν ἔδοξεν ἡμῖν ἐν παρεκβάσει διὰ
 βραχέων εἰπεῖν.

- 3 Μετὰ δὲ τὸ Κορακήσιον * Ἀρσινόη πόλις, εἶθ' Ἀμαξία ἐπὶ βουνοῦ κατοικία τις ὕφορμον ἔχουσα, ὅπου κατὰγεται ἢ ναυπηγήσιμος ὕλη. κέδρος δ' ἐστὶν ἢ πλείστη, καὶ δοκεῖ ταῦτα τὰ μέρη πλεονεκτεῖν τῇ τοιαύτῃ ξυλείᾳ· καὶ διὰ τοῦτ' Ἀντώνιος Κλεοπάτρα τὰ χωρία ταῦτα προσένειμεν ἐπιτήδεια ὄντα πρὸς τὰς τῶν στόλων κατασκευάς. εἶτα Λαέρτης φρούριον ἐπὶ λόφου μαστοειδοῦς ὕφορμον ἔχον· εἶτα Σελινοῦς πόλις· εἶτα Κράγος πέτρα περίκρημνος πρὸς θαλάττῃ· εἶτα Χαραδροῦς ἔρυμα καὶ αὐτὸ ὕφορμον ἔχον (ὑπερκείται δ' ὄρος Ἀνδρικλος) καὶ παράπλους τραχὺς Πλατανιστῆς καλούμενος· εἶτ' Ἀνεμούριον ἄκρα καθ' ἣν ἡ ἥπειρος ἐγγυτάτῳ τῆς Κυπρίας ἐστὶν ἐπὶ Κρομμύου ἄκραν ἐν διάρματι σταδίων τριακοσίων πεντήκοντα. εἰς μὲν οὖν τὸ Ἀνεμούριον ἀπὸ τῶν ὄρων τῆς Παμφυλίας ὁ Κιλίκιος παράπλους σταδίων ἐστὶν ὀκτακοσίων εἴκοσι, λοιπὸς δ' ἐστὶ μέχρι Σόλων ὅσον πεντακοσίων παράπλους 670 σταδίων. τούτου δ' ἐστὶ Νάγιδος πρώτη μετὰ τὸ Ἀνεμούριον πόλις· εἶτ' Ἀρσινόη πρόσορμον ἔχουσα· εἶτα τόπος Μελανία καὶ Κελένδερις πόλις λιμένα ἔχουσα. 20 τινὲς δὲ ταύτην ἀρχὴν τίθενται τῆς Κιλικίας, οὐ τὸ Κορακήσιον, ὃν ἐστὶ καὶ ὁ Ἀρτεμίδωρος· καὶ φησιν ἀπὸ μὲν τοῦ Πηλουσιακοῦ στόματος εἶναι τρισχιλίους ἑξακοσίους σταδίους εἰς Ὀρθωσίαν, ἐπὶ δὲ τὸν Ὀρόντην ποταμὸν χίλια ἑκατὸν τριάκοντα, ἐπὶ δὲ τὰς πύλας ἑξῆς 25 πεντακόσια εἰκοσιπέντε, ἐπὶ δὲ τοὺς ὄρους τῶν Κιλικίων χίλια ἐνακόσια εἴκοσιν.
- 4 Εἰθ' Ὀλμοι, ὅπου πρότερον ὥκουν οἱ νῦν Σελευκεῖς, κτισθεῖσθαι δ' ἐπὶ τῷ Καλυκάδνῳ τῆς Σελευκείας ἐκεῖ μετῴκησθαι. εὐθύς γάρ ἐστιν ἡ τοῦ Καλυκάδνου ἐκβολὴ κάμψαντι ῥόνα ποιοῦσαν ἄκραν ἢ καλεῖται Σαρπηδών. πλησίον δ' ἐστὶ τοῦ Καλυκάδνου

καὶ τὸ Ζεφύριον καὶ αὕτη ἄκρα· ἔχει δὲ ὁ ποταμὸς ἀνάπλουν εἰς τὴν Σελεύκειαν πόλιν εὖ συνοικουμένην καὶ πολὺ ἀφεστῶσαν τοῦ Κιλικίου καὶ Παμφυλίου τρόπου. ἐνταῦθα ἐγένοντο καθ' ἡμᾶς ἄνδρες ἀξιόλογοι 5 τῶν ἐκ τοῦ περιπάτου φιλοσόφων Ἀθηναῖος τε καὶ Ξέναρχος, ὧν ὁ μὲν Ἀθηναῖος καὶ ἐπολιτεύσατο καὶ ἐδημαγωγῆσε χρόνον τινὰ ἐν τῇ πατρίδι, εἴτ' ἐμπεσὼν εἰς τὴν Μουρήνα φιλίαν ἐκείνῳ συνεάλω φεύγων φω- ραθείσης τῆς κατὰ Καίσαρος τοῦ Σεβαστοῦ συσταθεί- 10 σης ἐπιβουλῆς· ἀναίτιος δὲ φανεῖς ἀφείθη ὑπὸ Καίσα- ρος. ὥς δ' ἐπανιόντα * εἰς Ῥώμην ἡσπάζοντο καὶ ἐπυν- θάνοντο οἱ πρῶτοι ἐντυγχάνοντες, τὸ Εὐριπίδου ἔφη „ἦκω νεκρῶν κευθμῶνα καὶ σκότου πύλας λιπών.“ ὀλίγον δ' ἐπιβιούς χρόνον ἐν συμπτώσει τῆς οἰκίας ἐν 15 ἣ ὥκει διεφθάρη νύκτωρ γενομένη, Ξέναρχος δέ, οὗ ἡκροασάμεθα ἡμεῖς, ἐν οἴκῳ μὲν οὐ πολὺ διέτριψεν, ἐν Ἀλεξανδρείᾳ δὲ καὶ Ἀθήνησι καὶ τὸ τελευταῖον ἐν Ῥώμῃ, τὸν παιδευτικὸν βίον ἐλόμενος· χρησάμενος δὲ καὶ τῇ Ἀρείου φιλίᾳ καὶ μετὰ ταῦτα τῇ Καίσαρος τοῦ 20 Σεβαστοῦ διετέλεσε μέχρι γήρως ἐν τιμῇ ἀγόμενος· μικρὸν δὲ πρὸ τῆς τελευτῆς πηρωθεὶς τὴν ὄψιν κα- τέστρεψε νόσῳ τὸν βίον.

Μετὰ δὲ τὸν Καλύκαδνον ἡ Ποικίλη λεγομένη 5 πέτρα κλίμακα ἔχουσα λατομητὴν ἐπὶ Σελεύκειαν 25 ἄγρουσαν. εἴτ' Ἀνεμούριον ἄκρα ὁμώνυμος τῇ προτέρᾳ, καὶ Κράμβουσα νήσος καὶ Κώρυκος ἄκρα, ὑπὲρ ἧς ἐν εἰκοσι σταδίοις ἐστὶ τὸ Κωρύκιον ἄντρον, ἐν ᾧ ἡ ἀρίστη κρόκος φύεται. ἔστι δὲ κοιλὰς μεγάλη κυκλοτερὴς ἔχουσα περικειμένην ὄφρ' οὐν πετρῶδη πανταχόθεν (κα- C.671 30 νῶς ὑψηλὴν· καταβάντι δ' εἰς αὐτὴν ἀνώμαλόν ἐστιν ἔδαφος καὶ τὸ πολὺ πετρῶδες, μεστὸν δὲ τῆς θαμνώ- δους ὕλης ἀειθαλοῦς τε καὶ ἡμέρου· παρὲσπαρται δὲ

καὶ τὰ ἐδάφη τὰ φέροντα τὴν κρόκον. ἔστι δὲ καὶ ἄν-
τρον αὐτόθι ἔχον πηγὴν μεγάλην ποταμὸν ἐξιέσαν
καθαροῦ τε καὶ διαφανοῦς ὕδατος, εὐθύς καταπίπτοντα
ὑπὸ γῆς· ἐνεχθεὶς δ' ἀφανῆς ἐξιεσιν εἰς τὴν θάλατταν·
καλοῦσι δὲ πικρὸν ὕδωρ.

5

6 Εἰθ' ἡ Ἐλαιουῖσσα νῆσος μετὰ τὴν Κώρυκον,
προσκειμένη τῇ ἡπείρῳ, ἣν συνώκισεν Ἀρχέλαος καὶ
κατεσκευάσατο βασιλείῳ λαβὼν τὴν Τραχειῶτιν Κι-
λικίαν ὅλην πλὴν Σελευκείας, καθ' ὃν τρόπον καὶ
Ἀμύντας πρότερον εἶχε καὶ ἔτι πρότερον Κλεοπάτρα. 10
εὐφυοῦς γὰρ ὄντος τοῦ τόπου πρὸς τὰ ληστήρια καὶ
κατὰ γῆν καὶ κατὰ θάλατταν (κατὰ γῆν μὲν διὰ τὸ μέ-
γεθος τῶν ὄρων καὶ τῶν ὑπερκειμένων ἐθνῶν, πεδιά
καὶ γεώργια ἐχόντων μεγάλα καὶ εὐκατατρόχαστα,
κατὰ θάλατταν δὲ διὰ τὴν εὐπορίαν τῆς τε ναυπηγησί- 15
μου ὕλης καὶ τῶν λιμένων καὶ ἐρυμάτων καὶ ὑποδυ-
τηρίων), ἐδόκει πρὸς ἅπαν τὸ τοιοῦτο βασιλεύεσθαι
μᾶλλον τοὺς τόπους ἢ ὑπὸ τοῖς Ῥωμαίοις ἡγεμόσιν
εἶναι τοῖς ἐπὶ τὰς κρίσεις πεμπομένοις, οἳ μὴτ' αἰεὶ πα-
ρεῖναι ἔμελλον μῆτε μεθ' ὅπλων. οὕτω μὲν Ἀρχέλαος 20
ἔλαβε πρὸς τῇ Καππαδοκίᾳ τὴν τραχεῖαν Κιλικίαν.
εἰσὶ δ' ὄροι ταύτης μεταξὺ Σόλων τε καὶ Ἐλαιουῖσσης
ὁ Λάμος ποταμὸς καὶ κώμη ὁμώνυμος.

7 Κατὰ δὲ τὰς ἀκρωρείας τοῦ Ταύρου τὸ Ζηνικέτου
πειρατήριον ἔστιν ὁ Ὀλυμπος ὄρος τε καὶ φρούριον 25
ὁμώνυμον, ἀφ' οὗ κατοπτεύεται πᾶσα Ἀνκία καὶ Παμ-
φυλία καὶ Πισιδία καὶ Μιλυάς· ἀλόντος δὲ τοῦ ὄρους
[ὑπὸ] τοῦ Ἰσαυρικοῦ, ἐνέπρησεν ἑαυτὸν πανοίκιον.
τούτου δ' ἦν καὶ ὁ Κώρυκος καὶ ἡ Φάσηλις καὶ πολλὰ
τῶν Παμφύλων χωρία· πάντα δ' εἶλεν ὁ Ἰσαυρικός. 30

8 Μετὰ δὲ Λάμον Σόλοι πόλις ἀξιόλογος, τῆς ἄλλης
Κιλικίας ἀρχὴ τῆς περὶ τὸν Ἰσδόν, Ἀχαιῶν καὶ Ῥοδίων

κτίσμα τῶν ἐκ Αἰνδου· εἰς ταύτην λειπανδρήσασαν Πομπήιος Μάγνος κατῴκισε τοὺς περιγενομένους τῶν πειρατῶν, οὓς μάλιστα ἔγνω σωτηρίας καὶ προνοίας τινὸς ἀξίους, καὶ μετωνόμασε Πομπηιοπολιν. γεγόνασι 5 δ' ἄνδρες ἐνθύνδε τῶν ὀνομαστῶν Χρύσιππος τε ὁ στωικὸς φιλόσοφος πατρὺς ὦν Ταρσέως ἐκείθεν μετοικήσαντος, καὶ Φιλήμων ὁ κωμικὸς ποιητής, καὶ Ἄρατος ὁ τὰ φαινόμενα συγγράψας ἐν ἔπεσιν.

Εἵτα Ζεφύριον ὁμώνυμον τῷ πρὸς Καλύδνῳ· εἴτ' 9
10 Ἀρχιάλη μικρὸν ὑπὲρ τῆς θαλάττης, κτίσμα Σαρδαναπάλλου, φησὶν Ἀριστόβουλος· ἐνταῦθα δ' εἶναι C.672
μνημα τοῦ Σαρδαναπάλλου καὶ τύπον λίθινον συμβάλλοντα τοὺς τῆς δεξιᾶς χειρὸς δακτύλους ὥς ἂν ἀποκροτοῦντα, καὶ ἐπιγραφὴν εἶναι Ἀσσυρίοις γράμ-
15 μασι τοιάνδε, „Σαρδανάπαλλος ὁ Ἀνακυνδαράξεω παῖς
„Ἀρχιάλην καὶ Ταρσὸν ἔδωκεν ἡμέρῃ μιῇ. ἔσθιε πῖνε
„παῖξε, ὥς τᾶλλα τούτου οὐκ ἄξια,“ τοῦ ἀποκροτήματος.
μέμνηται δὲ καὶ Χοιρίλος τούτων· καὶ δὴ καὶ περιφέρεται τὰ ἔπη ταυτί „ταῦτ' ἔχω, ὅσσοι ἔφαγον καὶ
20 „ἀφύβρισα, καὶ μετ' ἔρωτος τέρεπν' ἔπαθον, τὰ δὲ
„πολλὰ καὶ ὄλβια κεῖνα λέλειπται.“

ὑπέρεκειται δὲ τὰ Κύινδα τῆς Ἀρχιάλης ἔρουμα, ὧ 10
ἐχρήσαντό ποτε οἱ Μακεδόνες γαζοφυλακίῳ· ἦρε δὲ
τὰ χρήματα Εὐμένης ἀποστάς Ἀντιγόνου. ἔτι δ' ὑπερ-
25 θεν τούτου τε καὶ τῶν Σύλων ὀρεινὴ ἐστίν, ἐν ᾗ Ὀλβη
πόλις Διὸς ἱερὸν ἔχουσα, Αἴαντος ἱδρυμα τοῦ Τεύκρου·
καὶ ὁ ἱερὸς δυνάστης ἐγένετο τῆς Τραχειώτιδος· εἴτ'
ἐπέθεντο τῇ χώρᾳ τύραννοι πολλοί, καὶ συνέστη τὰ
ληστήρια. μετὰ δὲ τὴν τούτων κατάλυσιν ἐφ' ἡμῶν
30 ἤδη τὴν τοῦ Τεύκρου δυναστείαν ταύτην ἐκάλουν, τὴν
δ' αὐτὴν καὶ ἱερωσύνην· καὶ οἱ πλεῖστοί γε τῶν ἱερα-
σαμένων ὠνομάζοντο Τεῦκροὶ ἢ Αἴαντες. εἰσιοῦσα δὲ

Ἄβρα κατ' ἐπιγαμίαν εἰς τὸν οἶκον τοῦτον, ἡ Ζηνοφάνους θυγάτηρ ἐνὸς τῶν τυράννων, αὐτὴ κατέσχε τὴν ἀρχὴν προλαβόντος τοῦ πατρὸς ἐν ἐπιτρόπου στήματι· ὕστερον δὲ καὶ Ἀντώνιος καὶ Κλεοπάτρα κατεχαρίσαντο ἐκείνη θεραπειαῖς ἐκλιπαρηθέντες· ἔπειθ' ἡ μὲν 5 κατελύθη τοῖς δ' ἀπὸ τοῦ γένους διέμεινεν ἡ ἀρχή. μετὰ δὲ τὴν Ἀγχιάλην αἱ τοῦ Κύδνου ἐκβολαὶ κατὰ τὸ Ῥήγμα καλούμενον. ἔστι δὲ λιμνάζων τόπος ἔχων καὶ παλαιὰ νεώρια, εἰς ὃν ἐκπίπτει ὁ Κύδνος ὁ διαρρέων μέσσην τὴν Ταρσὸν τὰς ἀρχὰς ἔχων ἀπὸ τοῦ ὑπερκει- 10 μένου τῆς πόλεως Ταύρου· καὶ ἔστιν ἐπίνειον ἡ λίμνη τῆς Ταρσοῦ.

C.673

11

Μέχρι μὲν δὴ δεῦρο ἡ παραλία πᾶσα ἀπὸ τῆς Ῥοδίων περαιᾶς ἀρξάμενη πρὸς ἰσημερινὰς ἀνατολὰς ἀπὸ τῶν ὁμωνύμων ἐκτείνεται δύοσεων, εἴτ' ἐπὶ τὴν χειμε- 15 ρινὴν ἀνατολὴν ἐπιστρέφει μέχρι Ἰσοῦ, κἀντεῦθεν ἤδη καμπὴν λαμβάνει πρὸς νότον μέχρι Φοινίκης, τὸ δὲ λοιπὸν πρὸς δύσιν μέχρι στηλῶν τελευτᾷ. τὸ μὲν οὖν ἀληθὲς ὁ ἰσθμὸς τῆς περιωδευμένης χειρρονήσου οὗτός ἐστιν ὁ ἀπὸ Ταρσοῦ καὶ τῆς ἐκβολῆς τοῦ Κύδνου 20 μέχρι Ἀμισοῦ· τὸ γὰρ ἐλάχιστον ἐξ Ἀμισοῦ διάστημα ἐπὶ τοὺς Κιλίκων ὄρους τοῦτ' ἔστιν· ἐντεῦθεν δὲ ἐκὰς τὸν εἰκοσὶν εἰσιν εἰς Ταρσὸν στάδιοι, κἀκεῖθεν οὐ πλείους ἐπὶ τὴν ἐκβολὴν τοῦ Κύδνου. καὶ μὴν ἐπὶ γε Ἰσοῦ καὶ τὴν κατ' αὐτὴν θάλατταν οὔτ' ἄλλη ὁδὸς 25 συντομωτέρα ἐστὶν ἐξ Ἀμισοῦ τῆς διὰ Ταρσοῦ, οὔτ' ἐκ Ταρσοῦ ἐπὶ Ἰσοῦ ἐγγυτέρω ἐστὶν ἢ ἐπὶ Κύδνον, ὥστε δῆλον ὅτι ταῖς μὲν ἀληθείαις οὗτος ἂν εἴη ὁ ἰσθμὸς, λέγεται δ' ὅμως ὁ μέχρι τοῦ Ἰσικικοῦ κόλπου, παρακλεπτόντων διὰ τὸ σημειῶδες. διὰ δὲ τοῦτ' αὐτὸ καὶ 30 τὴν ἐκ τῆς Ῥοδίας γραμμὴν, ἣν μέχρι τοῦ Κύδνου κατηγάγομεν, τὴν αὐτὴν ἀποφαίνομεν τῇ μέχρι Ἰσοῦ,

οὐδὲν παρὰ τοῦτο ποιούμενοι, καὶ τὸν Ταῦρόν φαμεν
διήκειν ἐπ' εὐθείας τῇδε τῇ γραμμῇ μέχρι τῆς Ἰνδικῆς.

Ἡ δὲ Ταρσὸς κεῖται μὲν ἐν πεδίῳ κτίσμα δ' ἐστὶ 12
τῶν μετὰ Τριπτολέμου πλανηθέντων Ἀργείων κατὰ
5 ζήτησιν Ἰοῦς· διαρρεῖ δ' αὐτὴν μέσσην ὁ Κῦδνος παρ'
αὐτὸ τὸ γυμνάσιον τῶν νέων· ἅτε δὲ τῆς πηγῆς οὐ
πολὺ ἄπωθεν οὕσης, καὶ τοῦ ῥεῖθρου διὰ φάραγγος
βαθείας λόντος, εἴτ' εὐθὺς εἰς τὴν πόλιν ἐκπίπτουτος,
ψυχρόν τε καὶ τραχὺ τὸ ῥεῦμά ἐστιν, ὅθεν καὶ τοῖς πα-
10 χυνευροῦσι * ῥοιζομένοις καὶ κτήνεσι καὶ ἀνθρώποις
ἐπικουρεῖ.

Τοσαύτη δὲ τοῖς ἐνθάδε ἀνθρώποις σπουδὴ πρὸς 13
τε φιλοσοφίαν καὶ τὴν ἄλλην παιδείαν ἐγκύκλιον ἄπα-
σαν γέγονεν ὥσθ' ὑπερβέβληνται καὶ Ἀθήνας καὶ
15 Ἀλεξάνδρειαν καὶ εἴ τινα ἄλλον τόπον δυνατὸν εἰπεῖν,
ἐν ᾧ σχολαὶ καὶ διατριβαὶ φιλοσόφων γεγύνασι. δια-
φέρει δὲ τοσοῦτον ὅτι ἐνταῦθα μὲν οἱ φιλομαθοῦντες
ἐπιχωριοὶ πάντες εἰσὶ, ξένοι δ' οὐκ ἐπιδημοῦσι ῥαδίως·
οὐδ' αὐτοὶ οὔτοι μένουσιν αὐτόθι, ἀλλὰ καὶ τελειοῦνται
20 ἐκδημήσαντες καὶ τελειωθέντες ξενιτεύουσιν ἡδέως,
κατέρχονται δ' ὀλίγοι. ταῖς δ' ἄλλαις πόλεσιν ἅς ἀρ-
τίως εἶπον πλὴν Ἀλεξανδρείας συμβαίνει τάναντία·
φοιτῶσι γὰρ εἰς αὐτάς πολλοὶ καὶ διατρίβουσιν αὐτόθι C.674
ἄσμενοι, τῶν δ' ἐπιχωρίων οὐ πολλοὺς οὔτ' ἂν ἔξω
25 φοιτῶντας ἰδοῖς κατὰ φιλομάθειαν, οὔτ' αὐτόθι περὶ
τοῦτο σπουδάζοντας· Ἀλεξανδρεῦσι δ' ἀμφοτέρω συμ-
βαίνει· καὶ γὰρ δέχονται πολλοὺς τῶν ξένων καὶ ἐκ-
πέμπουσι τῶν ἰδίων οὐκ ὀλίγους καὶ εἰσὶ σχολαὶ
παρ' αὐτοῖς παντοδαπαὶ τῶν περὶ λόγους τεχνῶν, καὶ
30 τᾶλλα δ' εὐανδρεῖ καὶ πλεῖστον δύναται τὸν τῆς μη-
τροπόλεως ἐπέχουσα λόγον.

Ἄνδρες δ' ἐξ αὐτῆς γεγύνασι τῶν μὲν στωικῶν 14

Ἀντίπατρός τε καὶ Ἀρχέδημος καὶ Νέστωρ, ἔτι δ' Ἀθηνόδωροι δύο, ὧν ὁ μὲν Κορδυλίων καλούμενος συνεβίωσε Μάρκῳ Κάτωνι καὶ ἐτελεύτα παρ' ἐκείνῳ, ὁ δὲ τοῦ Σάνδωνος, ὃν καὶ Κανανίτην φασὶν ἀπὸ κόμης τινός, Καίσαρος καθηγήσατο καὶ τιμῆς ἔτυχε μεγάλης, 5 κατιῶν τε εἰς τὴν πατρίδα ἤδη γηραιὸς κατέλυσε τὴν καθεστῶσαν πολιτείαν κακῶς φερομένην ὑπὸ τε ἄλλων καὶ Βοήθου, κακοῦ μὲν ποιητοῦ κακοῦ δὲ πολίτου, δημοκοπίαις ἰσχύσαντος τὸ πλεόν. ἐπῆρε δ' αὐτὸν καὶ Ἀντώνιος κατ' ἀρχὰς ἀποδεξάμενος τὸ γραφὲν εἰς τὴν 10 ἐν Φιλίπποις νίκην ἔπος, καὶ ἔτι μᾶλλον ἢ εὐχέρεια ἢ ἐπιπολάξουσα παρὰ τοῖς Ταρσεῦσιν ὥστ' ἀπαύστως σχεδιάζειν παρὰ χρῆμα πρὸς τὴν δεδομένην ὑπόθεσιν· καὶ δὴ καὶ γυμνασιαρχίαν ὑποσχόμενος Ταρσεῦσι τοῦτον ἀντὶ γυμνασιάρχου κατέστησε, καὶ τὰ ἀναλώματα 15 ἐπίστευσεν αὐτῷ. ἐφωράθη δὲ νοσφισάμενος τὰ τε ἄλλα καὶ τοῦλαιον· ἐλεγχόμενος δ' ὑπὸ τῶν κατηγόρων ἐπὶ τοῦ Ἀντωνίου παρητεῖτο τὴν ὀργήν, σὺν ἄλλοις καὶ ταῦτα λέγων ὅτι „ὥσπερ Ὀμηρος ἐξύμνησεν „Ἀχιλλέα καὶ Ἀγαμέμνονα καὶ Ὀδυσσεά, οὕτως ἐγὼ 20 „σέ· οὐ δίκαιος οὖν εἰμι εἰς τοιαύτας ἄγεσθαι διαβολὰς ἐπὶ σοῦ.“ παραλαβὼν οὖν ὁ κατήγορος τὸν λόγον „ἀλλ' Ὀμηρος μὲν“ ἔφη „ἔλαιον Ἀγαμέμνονος οὐκ „ἔκλεψεν, ἀλλ' οὐδὲ Ἀχιλλέως, σὺ δέ· ὥστε δώσεις „δίκην.“ διακρουσάμενος δ' οὖν θεωρεῖταις τισὶ τὴν 25 ὀργὴν οὐδὲν ἥττον διετέλεσιν ἄγων καὶ φέρων τὴν πόλιν μέχρι τῆς καταστροφῆς τοῦ Ἀντωνίου. τοιαύτην δὲ τὴν πόλιν καταλαβὼν ὁ Ἀθηνόδωρος τέως μὲν ἐπεχείρει λόγῳ μετάγειν κάκεινον καὶ τοὺς συστασιώτας· ὥς δ' οὐκ ἀπείχοντο ὕβρεως οὐδεμιᾶς, ἐχρήσατο τῇ 30 δοθείσῃ ὑπὸ τοῦ Καίσαρος ἐξουσίᾳ καὶ ἐξέβαλεν αὐτοὺς καταγνοὺς φυγὴν. οἱ δὲ πρῶτον μὲν κατετοιχογράφη-

- σαν αὐτοῦ τοιαῦτα „ἔργα νέων, βουλαὶ δὲ μέσων, C.675
 „πορδαὶ δὲ γερόντων.“ ἐπεὶ δ' ἐκεῖνος ἐν παιδιᾷς μέρει
 δεξιόμενος ἐκέλευσε παρεπιγράψαι „βρουνταὶ δὲ γερόν-
 „των,“ καταφρονήσας τις τοῦ ἐπιεικοῦς εὖλυτον τὸ
 5 κοιλίδιον ἔχων προσέρρανε πολὺ τῇ θύρᾳ καὶ τῷ τοίχῳ
 νύκτωρ παριῶν τὴν οἰκίαν· ὁ δὲ τῆς στάσεως κατηγο-
 ρῶν ἐν ἐκκλησίᾳ „τὴν νόσον τῆς πόλεως“ ἔφη „καὶ
 „τὴν καχεξίαν πολλαχόθεν σκοπεῖν ἔξεστι, καὶ δὴ καὶ
 „ἐκ τῶν διαχωρημάτων.“ οὗτοι μὲν στωικοὶ ἄνδρες·
 10 ἀκαδημαϊκὸς δὲ Νέστωρ ὁ καθ' ἡμᾶς, ὁ Μαρκέλλου
 κατηγησάμενος τοῦ Ὀκτασίας παιδός, τῆς Καίσαρος
 ἀδελφῆς. καὶ οὗτος δὲ προέστη τῆς πολιτείας διαδεξά-
 μενος τὸν Ἀθηνόδωρον, καὶ διετέλεσε τιμώμενος παρὰ
 τε τοῖς ἡγεμόσι καὶ ἐν τῇ πόλει.
- 15 Τῶν δ' ἄλλων φιλοσόφων „οὓς κεν ἐν γνοίῃν καὶ 15
 „τ' οὖνομα μυθησαίμην,“ Πλουτιάδης τε ἐγένετο καὶ
 Διογένης τῶν περιπολιζόντων καὶ σχολὰς διατιθεμέ-
 νων εὐφυνῶς· ὁ δὲ Διογένης καὶ ποιήματα ὥσπερ ἀπε-
 φοίβαζε τεθείσης ὑποθέσεως, τραγικὰ ὥς ἐπὶ πολὺ·
 20 γραμματικοὶ δὲ ὧν καὶ συγγράμματα ἔστιν, Ἀρτεμί-
 δωρός τε καὶ Διόδωρος· ποιητὴς δὲ τραγῳδίας ἄριστος
 τῶν τῆς Πλειάδος καταριθμουμένων Διονυσίδης. μά-
 λιστα δ' ἡ Ῥώμη δύναται διδάσκειν τὸ πλῆθος τῶν ἐκ
 τῆσδε τῆς πόλεως φιλολόγων· Ταρσεῶν γὰρ καὶ Ἀλε-
 25 ξανδρέων ἐστὶ μεστή. τοιαύτη μὲν ἡ Ταρσός.
- Μετὰ δὲ τὸν Κύδνον ὁ Πύραμος ἐκ τῆς Καταονίας 16
 ῥέων, οὗπερ καὶ πρότερον ἐμνήσθημεν· φησὶ δ' Ἀρ-
 τεμίδωρος ἐντεῦθεν εἰς Σόλους εὐθυπλοία σταδίους
 εἶναι πεντακοσίους. πλησίον δὲ καὶ Μαλλὸς ἐφ' ὕψους
 30 κειμένη, κτίσμα Ἀμφιλόχου καὶ Μόψου τοῦ Ἀπόλλω-
 νος καὶ Μαντοῦς, περὶ ὧν πολλὰ μυθολογεῖται· καὶ
 δὴ καὶ ἡμεῖς ἐμνήσθημεν αὐτῶν ἐν τοῖς περὶ Κάλχαν-

- τος λόγοις καὶ τῆς ἔριδος ἦν ἤρισαν περὶ τῆς μαντικῆς
 ὃ τε Κάλχας καὶ ὁ Μόψος· ταύτην τε γὰρ τὴν ἔριν με-
 ταφέρουσιν ἔνιοι, καθάπερ καὶ Σοφοκλῆς, εἰς τὴν Κι-
 λικίαν, καλέσας ἐκείνος αὐτὴν Παμφυλίαν τραγικῶς,
 καθάπερ καὶ τὴν Λυκίαν Καρίαν καὶ τὴν Τροίαν καὶ 5
 Λυδίαν Φρυγίαν· καὶ τὸν θάνατον δὲ τοῦ Κάλχαντος
 ἐνταῦθα παραδιδόασιν ἄλλοι τε καὶ Σοφοκλῆς. οὐ μόνον
 δὲ τὴν περὶ τῆς μαντικῆς ἔριν μεμυθεύκασιν ἀλλὰ
 καὶ τῆς ἀρχῆς. τὸν γὰρ Μόψον φασὶ καὶ τὸν Ἀμφίλο-
 C.676 χον ἐκ Τροίας ἐλθόντας κτίσαι Μαλλόν· εἴτ' Ἀμφίλο- 10
 χον εἰς Ἄργος ἀπελθεῖν, δυσαρεστήσαντα δὲ τοῖς ἐκεῖ
 πάλιν ἀναστρέψαι δεῦρο, ἀποκλειόμενον δὲ τῆς κοινω-
 νίας συμβαλεῖν εἰς μονομαχίαν πρὸς τὸν Μόψον, πε-
 σόντας δ' ἀμφοτέρους ταφῆναι μὴ ἐν ἐπόψει ἀλλήλοις·
 καὶ νῦν οἱ τάφοι δείκνυνται περὶ Μάγαρσα τοῦ Πυ- 15
 ράμου πλησίον. ἐντεῦθεν δ' ἦν Κράτης ὁ γραμματικὸς,
 οὗ φησι γενέσθαι μαθητῆς Παναίτιος.
- 17 Ὑπέρκειται δὲ τῆς παραλίας ταύτης Ἀλήιον πε-
 δίον, δι' οὗ Φιλωτᾶς διήγαγεν Ἀλεξάνδρῳ τὴν ἵππον,
 ἐκείνου τὴν φάλαγγα ἀγαρόντος ἐκ τῶν Σόλων διὰ τῆς 20
 παραλίας καὶ τῆς Μαλλώτιδος ἐπὶ τε Ἰσδὸν καὶ τὰς
 Δαρείου δυνάμεις. φασὶ δὲ καὶ ἐναγίσαι τῷ Ἀμφιλόχῳ
 τὸν Ἀλέξανδρον διὰ τὴν ἐξ Ἀργους συγγένειαν. Ἡσί-
 οδος δ' ἐν Σόλοις ὑπὸ Ἀπόλλωνος ἀναιρεθῆναι τὸν
 Ἀμφιλόχον φησιν, οἱ δὲ περὶ τὸ Ἀλήιον πεδίον, οἱ δ' 25
 ἐν Συρίᾳ, ἀπὸ τοῦ Ἀληίου ἀπιόντα διὰ τὴν ἔριν.
- 18 Μετὰ δὲ Μαλλὸν Αἰγαῖαι πολίχνιον ὕφορμον
 ἔχον· εἴτ' Ἀμανίδες πύλαι ὕφορμον ἔχουσαι, εἰς ἃς
 τελευτᾷ τὸ Ἀμανὸν ὄρος ἀπὸ τοῦ Ταύρου καθήκον, ὃ
 τῆς Κιλικίας ὑπέρκειται κατὰ τὸ πρὸς ἕω μέρος, αἰεὶ 30
 μὲν ὑπὸ πλειόνων δυναστευόμενον τυράννων ἐχόντων
 ἐρύματα· καθ' ἡμᾶς δὲ κατέστη κύριος πάντων ἀνὴρ

ἀξιόλογος καὶ βασιλεὺς ὑπὸ Ῥωμαίων ὠνομάσθη διὰ τὰς ἀνδραγαθίας Ταρκονδίμοτος, καὶ τὴν διαδοχὴν τοῖς μετ' αὐτὸν παρέδωκε.

Μετὰ δὲ Αἰγαίας Ἰσσοὺς πολίχνην ὕφορμον ἔχον 19
5 καὶ ποταμὸς Πίναρος. ἐνταῦθα ὁ ἀγὼν συνέπεσεν Ἀλεξάνδρῳ καὶ Δαρείῳ· καὶ ὁ κόλπος εἴρηται Ἰσσι-
κός· ἐν αὐτῷ δὲ πόλις Ῥωσὸς καὶ Μυρίανδρος πόλις
καὶ Ἀλεξάνδρεια καὶ Νικόπολις καὶ Μοφουεστία καὶ
[αἱ] πύλαι λεγόμεναι, ὅριον Κιλικίων τε καὶ Σύρων. ἐν
10 δὲ τῇ Κιλικίᾳ ἐστὶ καὶ τὸ τῆς Σαρπηδονίας Ἀρτέμιδος
ιερόν καὶ μαντεῖον, τοὺς δὲ χρησμοὺς ἐνθεοὶ προθεσπί-
ζουσιν.

Μετὰ δὲ τὴν Κιλικίαν πρώτη πόλις ἐστὶ τῶν Σύ- 20
ρων Σελεύκεια ἢ ἐν Πιερίᾳ, καὶ πλησίον Ὀρόντης ἐκ-
15 δίδωσι ποταμός. ἐστὶ δ' ἀπὸ Σελευκείας εἰς Σόλους
ἐπ' εὐθείας πλοῦς ὀλίγον ἀπολείπων τῶν χιλίων στα-
δίων.

Τῶν δ' ἐν Τροίᾳ Κιλικίων ὧν Ὅμηρος μέμνηται 21
πολὺν διεστώτων ἀπὸ τῶν ἔξω τοῦ Ταύρου Κιλικίων,
20 οἱ μὲν ἀποφαίνουσιν ἀρχηγέτας τοὺς ἐν τῇ Τροίᾳ τού-
των καὶ δεικνύουσί τινας τόπους κἀνταῦθα, ὥσπερ ἐν
τῇ Παμφυλίᾳ Θήβην καὶ Λυρνησσόν, οἱ δ' ἐμπαλιν
καὶ Ἀλγίον τι πεδίον κἀκεῖ δεικνύουσι. περιωδευμέ-
νων δὲ καὶ τῶν ἔξω τοῦ Ταύρου μερῶν τῆς προειρημέ-
25 νης χειρρονήσου, προσθετέον ἐστὶ καὶ ταῦτα.

Ὁ γὰρ Ἀπολλόδωρος ἐν τοῖς περὶ νεῶν ἐτι καὶ C.677
τοιαῦτα λέγει· τοὺς γὰρ ἐκ τῆς Ἀσίας ἐπικούρους τῶν 22
Τρώων ἅπαντας καταριθμείσθαι φησιν ὑπὸ τοῦ ποιη-
τοῦ τῆς χειρρονήσου κατοίκους ὄντας, ἧς ὁ στενωτάτος
30 ἰσθμός ἐστι τὸ μεταξὺ τοῦ κατὰ Σινώπην μυχοῦ καὶ
Ἰσσοῦ· „αἱ δ' ἐκτὸς πλευραὶ“ φησί „τριγωνοειδοῦς
„οὔσης, εἰσὶ μὲν ἄνισοι, παρήκουσι δὲ ἢ μὲν ἀπὸ Κιλι-

„κίας ἐπὶ Χελιδονίας, ἥ δ' ἐνθένδε ἐπὶ τὸ στόμα τοῦ
 „Εὐξείνου, ἥ δ' ἐπὶ Σινώπην πάλιν ἐνθένδε.“ τὸ μὲν
 οὖν μόνους τοὺς ἐν τῇ χειρρονήσῳ διὰ τῶν αὐτῶν
 ἐλέγχοιτ' ἂν ψεῦδος ὃν δι' ὧν ἡλέξαμεν πρότερον
 μὴ μόνους τοὺς ἐντὸς Ἄλυσος. οἱ γὰρ περὶ Φαρνακίαν 5
 τόποι ἐν οἷς τοὺς Ἀλιζώνους ἔφαμεν, ὥσπερ ἔξω τοῦ
 Ἄλυσος εἰσιν, οὕτω καὶ ἔξω τοῦ ἰσθμοῦ, εἴπερ καὶ τῶν
 στενῶν τῶν μεταξὺ Σινώπης καὶ Ἰσσοῦ, καὶ οὐ τούτων
 γε μόνων ἀλλὰ καὶ τῶν κατ' ἀλήθειαν στενῶν τῶν
 μεταξὺ Ἀμισοῦ τε καὶ Ἰσσοῦ· οὐδὲ γὰρ ἐκεῖνος ὁρθῶς 10
 ἀφώρισται τὸν ἰσθμὸν καὶ τὰ κατ' αὐτὸν στενά, ἐκεῖνα
 ἀντὶ τούτων τιθεῖς. πάντων δ' εὐηθέστατον τὸ τὴν
 χειρρόνησον τριγωνοειδῇ φήσαντα τρεῖς ἀποφήνασθαι
 τὰς ἔξω πλευρὰς· ὁ γὰρ τὰς ἔξω λέγων πλευρὰς ἔοικεν
 ὑπεξαίρουμένῳ τὴν κατὰ τὰ στενά, ὥς καὶ ταύτην οὐ- 15
 σαν πλευράν, οὐκ ἔξω δὲ οὐδ' ἐπὶ θαλάττῃ. εἰ μὲν
 τοίνυν τὰ στενά ταῦτα οὕτως ἦν συνηγμένα ὥστε μι-
 κρὸν ἀπολείπειν τοῦ συνάπτειν* ἐπ' ἀλλήλαις τὴν τε
 ἐπὶ Ἰσσὸν καὶ τὴν ἐπὶ Σινώπην πίπτουσαν πλευράν,
 συνεχώρει ἂν τριγωνοειδῇ λέγεσθαι τὴν χειρρόνησον· 20
 νῦν δὲ γε τρισχιλίους σταδίους ἀπολείπόντων μεταξὺ
 τῶν ὑπ' αὐτοῦ λεγομένων στενῶν, ἀμαθία τὸ λέγειν
 τριγωνοειδὲς τὸ τοιοῦτον τετράπλευρον, οὐδὲ χωρο-
 γραφικόν. ὁ δὲ καὶ χωρογραφίαν ἐξέδωκεν ἐν κωμικῷ
 μέτρῳ γῆς περίοδον ἐπιγράψας. μένει δ' ἡ αὐτὴ ἀμα- 25
 θία καὶ εἰς τοῦλάχιστον καταγάγῃ διάστημά τις τὸν
 ἰσθμὸν, ὅσον εἰρήκασιν οἱ πλείστον ψευδάμενοι τὸ
 ἡμῖσι τοῦ παντός, ὅσον εἰρηκε καὶ Ἀρτεμίδωρος, χι-
 λίους καὶ πεντακοσίους σταδίους· οὐδὲ γὰρ τοῦτο συν-
 αγωγὴν πῶ τριγωνοειδοῦς ποιεῖ σχήματος. ἀλλ' οὐδὲ 30
 τὰς πλευρὰς* ὁρθῶς διήρηται τὰς ἔξω τὴν ἀπὸ Ἰσσοῦ
 μέχρι Χελιδονίων εἰπών· λοιπὴ γὰρ ἐστὶν ὅλη ἐπ' εὐ-

θείας ἡ Λυκιακὴ παραλία ταύτη, καὶ ἡ τῶν Ῥοδίων πε-
ραία μέχρι Φύσκου· ἐντεῦθεν δὲ καμπὴν λαβοῦσα ἡ
ἡπειρος ἄρχεται τὴν δευτέραν καὶ δυσμικὴν ποιεῖν
πλευρὰν ἄχρι Προποντίδος καὶ Βυζαντίου.

- 5 Φήσαντος δὲ τοῦ Ἐφόρου διότι τὴν χειρρόνησον ^{C.678}
κατοικεῖ ταύτην ἐκκαίδεκα γένη, τρία μὲν Ἑλληνικά ²³
τὰ δὲ λοιπὰ βάρβαρα χωρὶς τῶν μιγάδων, ἐπὶ θαλάττῃ
μὲν Κίλικες καὶ Πάμφυλοι καὶ Λύκιοι καὶ Βιθυνοὶ καὶ
Παφλαγόνες καὶ Μαριανδυνοὶ καὶ Τρώες καὶ Κᾶρες,
10 Πισίδαι δὲ καὶ Μυσοὶ καὶ Χάλυβες καὶ Φρύγες καὶ
Μιλύαι ἐν τῇ μεσογαίᾳ, διαιτῶν ταῦτα ὁ Ἀπολλόδω-
ρος ἑπτακαίδεκάτὸν φησιν εἶναι τὸ τῶν Γαλατῶν, ὃ
νεώτερόν ἐστι τοῦ Ἐφόρου, τῶν δ' εἰρημένων τὰ μὲν
Ἑλληνικὰ μήπω κατὰ τὰ Τρωικὰ κατρωκίσθαι, τὰ δὲ
15 βάρβαρα πολλὴν ἔχειν σύγχυσιν διὰ τὸν χρόνον· κα-
ταλέγεσθαι δ' ὑπὸ τοῦ ποιητοῦ τό τε τῶν Τρώων καὶ
τῶν νῦν ὀνομαζομένων Παφλαγόνων καὶ Μυσῶν καὶ
Φρυγῶν καὶ Καρῶν καὶ Λυκίων, Μήονάς [τε] ἀντὶ
Λυδῶν καὶ ἄλλους ἀγνώτας, οἷον Ἀλιζῶνας καὶ Καύ-
20 κωνας· ἐκτὸς δὲ τοῦ καταλόγου Κητεῖους τε καὶ Σο-
λύμους καὶ Κίλικας τοὺς ἐκ Θήβης πεδίου καὶ Λέλεγας·
Παμφύλους δὲ καὶ Βιθυνοὺς καὶ Μαριανδυνοὺς καὶ
Πισίδας καὶ Χάλυβας καὶ Μιλύας καὶ Καππάδοκας
μηδ' ὠνομάσθαι, τοὺς μὲν διὰ τὸ μηδέπω τοὺς τόπους
25 κατρωκηκέναι τούτους, τοὺς δὲ διὰ τὸ ἑτέροις γένεσι
περιέχεσθαι, ὥς Ἰδριεῖς μὲν καὶ Τερμίλαι Καρσί, Δο-
λίονες δὲ καὶ Βέβρονκες Φρυξί.

- Φαίνεται δ' οὕτε τοῦ Ἐφόρου τὴν ἀπόφασιν διαι- ²⁴
τῶν ἱκανῶς τά τε τοῦ ποιητοῦ ταράττων καὶ καταψευ-
30 δόμενος. Ἐφόρου τε γὰρ τοῦτο πρῶτον ἀπαιτεῖν
ἐχρῆν, τί δὴ τοὺς Χάλυβας τίθησιν ἐντὸς τῆς χειρρόνη-
σου τοσοῦτον ἀφεστῶτας καὶ Σινώπης καὶ Ἀμισοῦ

πρὸς ἑω; οἱ γὰρ λέγοντες τὸν ἰσθμὸν τῆς χειρρονήσου
 ταύτης τὴν ἀπὸ Ἰσσοῦ γραμμὴν ἐπὶ τὸν Εὐξείνου, ὥς
 ἂν μεσημβρινήν τινα τιθέασι ταύτην, [ἦν] οἱ μὲν εἶναι
 νομίζουσι τὴν ἐπὶ Σινώπης οἱ δὲ τὴν ἐπ' Ἀμισσοῦ, ἐπὶ
 δὲ τῶν Χαλύβων οὐδεῖς· λοξὴ γὰρ ἐστὶ τελέως. ὁ γὰρ 5
 δὴ διὰ Χαλύβων μεσημβρινὸς διὰ τῆς μικρᾶς Ἀρμενίας
 γράφοιτ' ἂν καὶ τοῦ Εὐφράτου τὴν Καππαδοκίαν ὅλην
 ἐντὸς ἀπολαμβάνων καὶ τὴν Κομμαγενὴν καὶ τὸν
 Ἀμανὸν καὶ τὸν Ἰσικὸν κόλπον. εἰ δ' οὖν καὶ τὴν
 λοξὴν γραμμὴν ὀρίζειν τὸν ἰσθμὸν συγχωρήσαιομεν, 10
 τὰ πλεῖστά γε τούτων καὶ μάλιστα ἡ Καππαδοκία ἐν-
 τὸς ἀπολαμβάνοιτ' ἂν καὶ ὁ νῦν ἰδίως λεγόμενος Πόν-
 τος τῆς Καππαδοκίας μέρος ὢν τὸ πρὸς τῷ Εὐξείνῳ,
 ὥστ' εἰ τοὺς Χάλυβας τῆς χειρρονήσου θετέον μέρος,
 πολὺν μᾶλλον τοὺς Κατάοντας καὶ Καππάδοκας ἀμφο- 15
 τέρους καὶ Λυκάοντας δέ, οὓς καὶ αὐτοὺς παρῆκε. διὰ
 τί δ' ἐν τοῖς μεσογαίοις ἔταξε τοὺς Χάλυβας, οὓς ὁ
 0.679 ποιητὴς Ἀλκιῶνας ἐκάλεσεν, ὥσπερ καὶ ἡμεῖς ἀπεδεί-
 ξαμεν; ἄμεινον γὰρ ἦν διελεῖν καὶ τοὺς μὲν ἐπὶ τῇ θα-
 λάττῃ φάναι τοὺς δὲ ἐν τῇ μεσογαίᾳ· ὅπερ καὶ ἐπὶ τῆς 20
 Καππαδοκίας ποιητέον καὶ τῆς Κιλικίας. ὁ δὲ τὴν μὲν
 οὐδ' ὠνόμακε, τοὺς Κίλικας δὲ τοὺς ἐπὶ τῇ θαλάττῃ
 μόνον εἴρηκεν. οἱ οὖν ἐπ' Ἀντιπάτρῳ τῷ Δερβήτῃ καὶ
 οἱ Ὀμοναδεῖς καὶ ἄλλοι πλείους οἱ συνάπτοντες τοῖς
 Πισίδαις, „οἳ οὐκ ἴσασι θάλατταν ἀνέρες, οὐδέ θ' 25
 „ἄλεσσι μεμιγμένον εἶδαρ ἔδουσι“ τίνα λάβωσι τάξιν;
 ἀλλ' οὐδὲ Ἀνδούς οὐδὲ Μήονας εἴρηκεν, εἴτε δύο εἴθ'
 οἱ αὐτοὶ εἰσι, καὶ εἴτε καθ' ἑαυτοὺς εἴτ' ἐν ἑτέρῳ γένει
 περιεχομένους. οὕτω γὰρ ἐπίσημον ἔθνος οὐκ ἀπο-
 κρύψαι δυνατόν, ὅ τε μὴ λέγων περὶ αὐτοῦ μηδὲν οὐκ 30
 ἂν δόξειε παραλιπεῖν τι τῶν κυριωτάτων;

παρὰ τοὺς λεχθέντας τόπους ἢ ἀνομάσθαι ὑπ' αὐτοῦ
ἢ παραλειφθαι ἄλλους οὓς ἀποδώσομεν τοῖς μιγάσιν,
οὐδέ γε αὐτῶν τινας τούτων ὧν ἡ εἶπεν ἢ παρέλιπε.
καὶ γὰρ εἰ κατεμίχθησαν, ἄλλ' ἡ ἐπικράτεια πεποιήκεν
5 ἢ Ἑλλήνας ἢ βαρβάρους· τρίτον δὲ γένος οὐδὲν ἴσμεν
τὸ μικτόν.

Πῶς δὲ τρία γένη τῶν Ἑλλήνων ἐστὶ τὰ τὴν χειρρό- 26
νησον οἰκοῦντα; εἰ γάρ, ὅτι τὸ παλαιὸν οἱ αὐτοὶ ἦσαν
Ἴωνες καὶ Ἀθηναῖοι, λεγέσθωσαν καὶ οἱ Δωριεῖς καὶ οἱ
10 Αἰολεῖς οἱ αὐτοί, ὥστε δύο ἔθνη γίνοιτ' ἂν· εἰ δὲ διαι-
ρετέον κατὰ τὰ ὕστερα ἔθνη, καθάπερ καὶ τὰς διαλέ-
κτους, τέτταρα ἂν εἴη καὶ τὰ ἔθνη, καθάπερ καὶ αἱ
διάλεκτοι. οἰκοῦσι δὲ τὴν χειρρόνησον ταύτην, καὶ μά-
λιστα κατὰ τὸν τοῦ Ἐφόρου διορισμόν, οὐκ Ἴωνες μό-
15 νον ἀλλὰ καὶ Ἀθηναῖοι, καθάπερ ἐν τοῖς καθ' ἕκαστα
δεδῆλωται. τοιαῦτα μὲν δὴ πρὸς τὸν Ἐφορον διαπορεῖν
ἄξιον· Ἀπολλόδωρος δὲ τούτων μὲν ἐφρόντισεν οὐδέν,
τοῖς δὲ ἐκκαίδεκα ἔθνεσι προστίθῃσιν ἑπτακαίδεκατον,
τὸ τῶν Γαλατῶν, ἄλλως μὲν χρήσιμον λεχθῆναι, πρὸς
20 δὲ τὴν δίαιταν τῶν ὑπὸ τοῦ Ἐφόρου λεγομένων ἢ πα-
ραλειπομένων οὐ δέον· εἴρηκε δὲ τὴν αἰτίαν αὐτός, ὅτι
ταῦτα πάντα νεώτερα τῆς ἐκείνου ἡλικίας.

Μεταβὰς δ' ἐπὶ τὸν ποιητὴν τοῦτο μὲν ὀρθῶς 27
λέγει, διότι πολλὴ σύγχυσις γεγένηται τῶν βαρβάρων
25 ἔθνων ἀπὸ τῶν Τρωικῶν εἰς τὰ νῦν διὰ τὰς μεταπτώ-
σεις· καὶ γὰρ προσγέγονέ τινα καὶ ἐλλέλοιπε καὶ διέ-
σπασται καὶ συνῆκται εἰς ἓν. οὐκ εὖ δὲ τὴν αἰτίαν
διττὴν ἀποφαίνει δι' ἣν οὐ μέμνηται τινων ὁ ποιητής·
ἢ τῷ μήπω τότε οἰκείσθαι ὑπὸ τοῦ ἔθνους τούτου, ἢ C. 680
30 τῷ ἐν ἐτέρῳ γένει περιέχεσθαι. τὴν γὰρ Καππαδοκίαν
οὐκ εἴρηκεν, οὐδὲ τὴν Καταονίαν, ὥς δ' αὖτως τὴν
Λυκαονίαν, δι' οὐδέτερον τούτων· οὐ γὰρ ἔχομεν

τοιαύτην ἱστορίαν ἐπ' αὐτῶν οὐδεμίαν. γελοῖόν τε τὸ τοὺς Καππάδοκας καὶ Λυκάονας διὰ τί μὲν Ὅμηρος παρέλιπε φροντίσαι καὶ ἀπολογήσασθαι, διὰ τί δ' Ἔφορος παρῆλθε παρελθεῖν καὶ αὐτόν, καὶ ταῦτα παρὰθέμενον πρὸς αὐτὸ τοῦτο τὴν ἀπόφασιν τάνδρος, 5 πρὸς τὸ ἐξετάσαι καὶ διαιτῆσαι· καὶ διότι μὲν Μήονας ἀντὶ Λυδῶν Ὅμηρος εἶπε διδάξαι, ὅτι δ' οὔτε Λυδοὺς οὔτε Μήονας εἶρηκεν Ἔφορος μὴ ἐπισημῆνασθαι.

28 Φήσας δὲ ἀγνώτων τινῶν μεμνησθαι τὸν ποιητὴν, Καύκωνας μὲν ὀρθῶς λέγει καὶ Σολύμους καὶ Κητεῖους 10 καὶ Λέλεγας καὶ Κίλικας τοὺς ἐκ Θήβης πεδίου, τοὺς δ' Ἀλιζῶνας αὐτὸς πλάττει, μᾶλλον δ' οἱ πρῶτοι τοὺς Ἀλιζῶνας ἀγνοήσαντες τίνες εἰσὶ, καὶ μεταγράφοντες πλεοναχῶς καὶ πλάττοντες τὴν τοῦ ἀργύρου γενέθλην καὶ ἄλλα πολλὰ μέταλλα, ἐκλελειμμένα ἅπαντα. πρὸς 15 ταύτην δὲ τὴν φιλοτιμίαν ἀκείνας συνήγαγον τὰς ἱστορίας, ἃς ὁ Σκήψιος τίθησι παρὰ Καλλισθένους λαβὼν καὶ ἄλλων τινῶν, οὐ καθαρυνόντων τῆς περὶ τῶν Ἀλιζῶνων ψευδοδοξίας· ὥς ὁ μὲν Ταντάλου πλοῦτος καὶ τῶν Πελοπιδῶν ἀπὸ τῶν περὶ Φρυγίαν 20 καὶ Σίπυλον μετάλλων ἐγένετο· ὁ δὲ Κάδμου [ἐκ τῶν] περὶ Θράκην καὶ τὸ Παργαῖον ὄρος· ὁ δὲ Πριάμου ἐκ τῶν ἐν Ἀστύροις περὶ Ἀβυδὸν χρυσεῖων, ὧν καὶ νῦν ἔτι μικρὰ λείπεται· πολλὴ δ' ἡ ἐκβολὴ καὶ τὰ ὀρύγματα σημεῖα τῆς πάλαι μεταλλείας· ὁ δὲ Μίδου ἐκ τῶν περὶ 25 τὸ Βέρμιον ὄρος· ὁ δὲ Γύγου καὶ Ἀλυάττου καὶ Κροίσου ἀπὸ τῶν ἐν Λυδίᾳ.... * τῆς μεταξὺ Ἀταρνέως τε καὶ Περγάμου πολίχνη ἐρήμη ἐκμεταλλευμένα ἔχουσα τὰ χωρία.

29 Ἔτι καὶ ταῦτα μέμψαιτο ἂν τις τοῦ Ἀπολλοδώρου, 30 ὅτι τῶν νεωτέρων καινοτομούντων πολλὰ παρὰ τὰς Ὀμηρικὰς ἀποφάσεις, εἰωθὼς ταῦτ' ἐλέγχειν ἐπὶ πλέον,

ἐνταῦθα οὐκ ὀλιγώρηκε μόνον, ἀλλὰ καὶ τὰναντία εἰς
 ἐν συνάγει τὰ μὴ ὡσαύτως λεγόμενα. ὁ μὲν γὰρ Ξάν-
 θος ὁ Λυδὸς μετὰ τὰ Τρωικὰ φησιν ἐλθεῖν τοὺς Φρύ-
 γας ἐκ τῆς Εὐρώπης καὶ τῶν ἀριστερῶν τοῦ Πόντου,
 5 ἀγαγεῖν δ' αὐτοὺς Σκαμάνδριον ἐκ Βερεκύντων καὶ
 Ἀσκανίας. ἐπιλέγει δὲ τούτοις ὁ Ἀπολλόδωρος, ὅτι
 τῆς Ἀσκανίας ταύτης μνημονεύει καὶ Ὅμηρος ἥς ὁ
 Ξάνθος „Φόρκυς δὲ Φρύγας ἦγε καὶ Ἀσκάnios θεοει-
 „δῆς τῇλ' ἐξ Ἀσκανίης.“ ἀλλ' εἰ οὕτως ἔχει, ἡ μὲν με-
 C.681
 10 τανάστασις ὕστερον ἂν εἴη τῶν Τρωικῶν γεγонуῖα, ἐν
 δὲ τοῖς Τρωικοῖς τὸ λεγόμενον ὑπὸ τοῦ ποιητοῦ ἐπι-
 κουρικὸν ἦκεν ἐκ τῆς περαίας ἐκ τῶν Βερεκύντων καὶ
 τῆς Ἀσκανίας. τίνες οὖν Φρύγες ἦσαν „οἳ ῥα τότε'
 „ἔστρατόωντο παρ' ὄχθας Σαγγαρίοιο,“ ὅτε ὁ Πρία-
 15 μος „ἐπίκουρος ἐὼν μετὰ τοῖσιν ἐλέγμην“ φησί; πῶς
 δὲ ἐκ μὲν Βερεκύντων μετεπέμπετο Φρύγας ὁ Πρίαμος,
 πρὸς οὓς οὐδὲν ἦν αὐτῷ συμβόλαιον, τοὺς δ' ὁμόρους
 καὶ οἷς αὐτὸς πρότερον ἐπεκούρησε παρέλιπεν; οὕτω
 δὲ περὶ τῶν Φρυγῶν εἰπὼν ἐπιφέρει καὶ τὰ περὶ τῶν
 20 Μυσῶν οὐχ ὁμολογούμενα τούτοις· λέγεσθαι γάρ φησι
 καὶ τῆς Μυσίας κώμην Ἀσκανίαν περὶ λίμνην ὁμώνυ-
 μον, ἐξ ἥς καὶ τὸν Ἀσκάνιον ποταμὸν ῥεῖν, οὗ μνημο-
 νεύει καὶ Εὐφορίων „Μυσοῖο παρ' ὕδασιν Ἀσκα-
 „νίοιο.“ καὶ ὁ Αἰτωλὸς Ἀλέξανδρος „οἳ καὶ ἐπ' Ἀσκα-
 25 „νίῳ δῶματ' ἔχουσι ῥόφ, λίμνης Ἀσκανίης ἐπὶ χεῖλεσιν·
 „ἐνθα Δολίων υἱὸς Σειληνοῦ νάσσατο καὶ Μελῆς.“
 καλοῦσι δέ, φησί, Δολιονίδα καὶ Μυσίαν τὴν περὶ Κῦ-
 ξικον ἰόντι εἰς Μιλητούπολιν. εἰ οὖν οὕτως ἔχει ταῦτα,
 καὶ ἐκμαρτυρεῖται ὑπὸ τῶν δεικνυμένων νῦν καὶ ὑπὸ
 30 τῶν ποιητῶν, τί ἐκώλυε τὸν Ὅμηρον ταύτης μεμνή-
 σθαι τῆς Ἀσκανίας, ἀλλὰ μὴ τῆς ὑπὸ Ξάνθου λεγομέ-

νης; εἴρηται δὲ καὶ πρότερον περὶ τούτων ἐν τῷ περὶ
Μυσῶν καὶ Φρυγῶν λόγῳ, ὥστε ἐχέτω πέρας.

6 Λοιπὸν δὲ τὴν πρὸς νότου παρακειμένην τῇ χει-
ρονήσῳ ταύτῃ περιοδεῦσαι νῆσον τὴν Κύπρον. εἴρη-
ται δ' ὅτι ἡ περιεχομένη θάλαττα ὑπὸ τῆς Αἰγύπτου 5
καὶ Φοινίκης καὶ Συρίας καὶ τῆς λοιπῆς παραλίας μέχρι
τῆς Ῥοδίας σύνθετός πῶς ἐστὶν ἐκ τε τοῦ Αἰγυπτίου
πελάγους καὶ τοῦ Παμφυλίου καὶ τοῦ κατὰ τὸν Ἰσσι-
κὸν κόλπον. ἐν δὲ ταύτῃ ἐστὶν ἡ Κύπρος, τὰ μὲν προσ-
άρκτια μέρη συνάπτοντα ἔχουσα τῇ Τραχείᾳ Κιλικίᾳ, 10
καθ' ἃ δὴ καὶ προσεχεστάτῃ τῇ ἡπείρῳ ἐστὶ, τὰ δὲ ἐφ' ἃ
τῷ Ἰσσικῷ κόλπῳ, τὰ δ' ἐσπέρια τῷ Παμφυλίῳ κλυζό-
μενα πελάγει, τὰ δὲ νότια τῷ Αἰγυπτίῳ. τοῦτο μὲν
οὖν σύρρουν ἐστὶν ἀπὸ τῆς ἐσπέρας τῷ Λιβυκῷ καὶ τῷ
Καρπαθίῳ πελάγει, ἀπὸ δὲ τῶν νοτίων καὶ τῶν ἐφ' ὧν 15
μερῶν ἥ τε Αἰγυπτὸς ἐστὶ καὶ ἡ ἐφεξῆς παραλία μέχρι
Σελευκειᾶς τε καὶ Ἰσσοῦ, πρὸς ἄρκτον δ' ἥ τε Κύπρος
καὶ τὸ Παμφύλιον πέλαγος. τοῦτο δὲ ἀπὸ μὲν τῶν
ἄρκτων περιέχεται τοῖς τε ἄκροις τῆς Τραχείας Κιλι-
κίας καὶ τῆς Παμφυλίας καὶ Λυκίας μέχρι τῆς Ῥοδίας, 20
ἀπὸ δὲ τῆς δύσεως τῇ Ῥοδίῳ νήσῳ, ἀπὸ δὲ τῆς ἀνα-
C.682τολῆς τῇ Κύπρῳ τῇ κατὰ Πάφον καὶ τὸν Ἀκάμαντα,
ἀπὸ δὲ τῆς μεσημβρίας σύρρουν ἐστὶ τῷ Αἰγυπτίῳ
πελάγει.

2 Ἔστι δ' ὁ μὲν κύκλος τῆς Κύπρου σταδίῳν τρισχι- 25
λίῳν καὶ τετρακοσίων εἴκοσι κατακοιλίζοντι· μῆκος
δὲ ἀπὸ Κλειδῶν ἐπὶ τὸν Ἀκάμαντα πεξῇ σταδίων χι-
λίῳν τετρακοσίων ὁδεύοντι ἀπ' ἀνατολῆς ἐπὶ δύσιν.
εἰσὶ δὲ αἱ μὲν Κλειδες νησίᾳ δύο προσκείμενα τῇ Κύ-
πρῳ κατὰ τὰ ἐωθινὰ μέρη τῆς νήσου, τὰ διέχοντα τοῦ 30
Πυράμου σταδίου ἐπτακοσίου· ὁ δ' Ἀκάμας ἐστὶν
ἄκρα δύο μαστοὺς ἔχουσα καὶ ὕλην πολλήν, κείμενος

μὲν ἐπὶ τῶν ἐσπερίων τῆς νήσου μερῶν, ἀνατείνων δὲ πρὸς ἄρκτους, ἐγγυτάτῳ μὲν πρὸς Σελινούντα τῆς Τραχείας Κιλικίας ἐν διάρματι χιλίων σταδίων, πρὸς Σίδην δὲ τῆς Παμφυλίας χιλίων καὶ ἑξακοσίων, πρὸς 5 δὲ Χελιδονίας χιλίων ἑνακοσίων. ἔστι δὲ ἐτερόμηκες τὸ ὅλον τῆς νήσου σχῆμα, καὶ που καὶ ἰσθμοὺς ποιεῖ κατὰ τὰς τὸ πλάτος διοριζούσας πλευράς· ἔχει δὲ καὶ τὰ καθ' ἕκαστα ὡς ἐν βραχέσιν εἰπεῖν οὕτως, ἀρξάμενοις ἀπὸ τοῦ προσεχεστάτου σημείου τῇ ἡπείρῳ.

- 10 Ἐφαμεν δὲ που κατὰ τὸ Ἀνεμούριον ἄκραν τῆς 3 Τραχείας Κιλικίας ἀντικειῖσθαι τὸ τῶν Κυπρίων ἀκρωτήριον τὴν Κρομμύου ἄκραν ἐν τριακοσίοις καὶ πενήκοντα σταδίοις· ἐντεῦθεν δ' ἤδη δεξιὰν τὴν νῆσον ἔχουσιν, ἐν ἀριστερᾷ δὲ τὴν ἡπειρον, πρὸς ἄρκτον ὃ 15 πλοῦς ἐστι καὶ πρὸς ἕω καὶ πρὸς τὰς Κλεΐδας εὐθυπλοία σταδίων ἑπτακοσίων. ἐν δὲ τῷ μεταξὺ Λάπαθός τέ ἐστι πόλις ὕφορμον ἔχουσα καὶ νεώρια, Λακώνων κτίσμα καὶ Πραξάνδρου, καθ' ἣν ἡ Νάγιδος· εἴτ' Ἀφροδίσιον, καθ' ὃ στενὴ ἡ νῆσος· εἰς γὰρ Σαλαμίνα ὑπέρβασις 20 σταδίων ἑβδομήκοντα· εἴτ' Ἀχαιῶν ἀκτὴ, ὅπου Τεῦκρος προσωρμίσθη πρῶτον ὃ κτίσας Σαλαμίνα τὴν ἐν Κύπρῳ, ἐκβληθεὶς, ὡς φασιν, ὑπὸ τοῦ πατρὸς Τελαμῶνος· εἴτα Καρπασία πόλις λιμένα ἔχουσα, κεῖται δὲ κατὰ τὴν ἄκραν τὴν Σαρπηδόνα· ἐκ δὲ τῆς Καρπασίας 25 ὑπέρβασις ἐστὶν ἰσθμοῦ τριάκοντα σταδίων πρὸς τὰς νήσους τὰς Καρπασίας καὶ τὸ νότιον πέλαγος· εἴτ' ἄκρα καὶ ὄρος· ἡ δ' ἀκρώρεια καλεῖται Ὀλυμπος, ἔχουσα Ἀφροδίτης Ἀκραίας ναόν, ἄδυτον γυναιξὶ καὶ ἀόρατον. πρόκεινται δὲ πλησίον αἱ Κλεΐδες καὶ ἄλλαι δὲ 30 πλείους, εἰθ' αἱ Καρπασίαι νῆσοι, καὶ μετὰ ταῦτα ἡ Σαλαμίς, ὅθεν ἦν Ἀριστος ὁ συγγραφεύς· εἴτ' Ἀρσινόη πόλις καὶ λιμὴν· εἴτ' ἄλλος λιμὴν Λεύκολλα· εἴτ'

ἄκρα Πηδάλιον, ἧς ὑπέρεκειται λόφος τραχὺς ὑψηλὸς
 τραπεξοειδής, ἱερὸς Ἀφροδίτης, εἰς ὃν ἀπὸ Κλειδῶν
 στάδιοι ἑξακόσιοι ὀγδοήκοντα· εἶτα κολπώδης καὶ
 τραχὺς παράπλους ὁ πλείων εἰς Κίτιον . . . ἔχει δὲ λι-
 μένα κλειστόν· ἐντεῦθεν ἐστὶ Ζήνων τε ὁ τῆς στωικῆς 5
 C.683 αἰρέσεως ἀρχηγέτης καὶ Ἀπολλώνιος ἰατρός· ἐντεῦθεν
 εἰς Βηρυτὸν στάδιοι χίλιοι πεντακόσιοι. εἶτ' Ἀμαθοῦς
 πόλις καὶ μεταξὺ πολίχνη Παλαιὰ καλουμένη, καὶ ὄρος
 μαστοειδὲς Ὀλυμπος· εἶτα Κουριάς [ἄκρα] χειρρονη-
 σώδης, εἰς ἣν ἀπὸ Θρόνων στάδιοι ἑπτακόσιοι. εἶτα 10
 πόλις Κούριον ὄρμον ἔχουσα, Ἀργείων κτίσμα. ἦδη
 οὖν πάρεστι σκοπεῖν τὴν ῥαθυμίαν τοῦ ποιήσαντος τὸ
 ἐλεγεῖον τοῦτο οὗ ἡ ἀρχή, „ἰραὶ τῷ Φοίβῳ, πολλὸν διὰ
 „κῦμα θέουσαι, ἦλθομεν αἱ ταχινὰ τόξα φρυγεῖν ἑλα-
 „φοι,“ εἶθ' Ἡδύλος ἐστὶν εἶθ' ὅστισοῦν· φησὶ μὲν 15
 γὰρ ὀρμηθῆναι τὰς ἐλάφους Κωρυκίης ἀπὸ δειράδος,
 ἐκ δὲ Κιλίσσης ἡόνος εἰς ἀκτὰς διανήξασθαι Κουριά-
 δας, καὶ ἐπιφθέγγεται διότι „μυρίον ἀνδράσι θαῦμα
 „νοεῖν πάρα, πῶς ἀνόδευτον χεῦμα δι' εἰαρινῷ ἐδρά-
 „μομεν ξεφύρῳ.“ ἀπὸ γὰρ Κωρύκον περὶ πλους μὲν 20
 ἐστὶν εἰς Κουριάδα ἀκτὴν, οὐ ξεφύρῳ δὲ οὔτε ἐν δεξιᾷ
 ἔχοντι τὴν νῆσον οὔτ' ἐν ἀριστερᾷ, διάρμα δ' οὐδέν.
 ἀρχὴ δ' οὖν τοῦ δυσμικοῦ παράπλου τὸ Κούριον τοῦ
 βλέποντος πρὸς Ῥόδον, καὶ εὐθὺς ἐστὶν ἄκρα ἀφ' ἧς
 ῥίπτουσι τοὺς ἀψαμένους τοῦ βωμοῦ τοῦ Ἀπόλλωνος· 25
 εἶτα Τρήτα καὶ Βοόσουρα καὶ Παλαίπαφος, ὅσον ἐν
 δέκα σταδίοις ὑπὲρ τῆς θαλάττης ἰδρυμένη, ὑφορμον
 ἔχουσα καὶ ἱερὸν ἀρχαῖον τῆς Παφίας Ἀφροδίτης· εἶτ'
 ἄκρα Ζεφυρία πρόσορμον ἔχουσα, καὶ ἄλλη Ἀρσινόη
 ὁμοίως πρόσορμον ἔχουσα καὶ ἱερὸν καὶ ἄλσος· μικρὸν 30
 δ' ἀπὸ τῆς θαλάττης καὶ ἡ Ἱεροκηπία. εἶθ' ἡ Πάφος,
 κτίσμα Ἀγαπήνορος καὶ λιμένα ἔχουσα καὶ ἱερὰ εὖ

- κατεσκευασμένα· διέχει δὲ περὶ σταδίους ἐξήκοντα τῆς
 Παλαιάφου, καὶ πανηγυρίζουσι διὰ τῆς ὁδοῦ ταύτης
 κατ' ἔτος ἐπὶ τὴν Παλαιάφου ἄνδρες ὁμοῦ γυναιξὶν
 συνιόντες καὶ ἐκ τῶν ἄλλων πόλεων. φασὶ δ' εἰς Ἀλε-
 5 ξάνδρειάν τινες ἐκ Πάφου σταδίους εἶναι τρισηκίους
 ἑξακοσίους. εἶθ' ὁ Ἀκάμας ἐστὶ μετὰ Πάφον· εἴτα
 πρὸς ἑω μετὰ τὸν Ἀκάμαντα πλοῦς εἰς Ἀρσινόην πόλιν
 καὶ τὸ τοῦ Διὸς ἄλσος· εἴτα Σόλοι πόλις λιμένα ἔχουσα
 καὶ ποταμὸν καὶ ἱερὸν Ἀφροδίτης καὶ Ἰσιδος· κτίσμα
 10 δ' ἐστὶ Φαλήρου καὶ Ἀκάμαντος Ἀθηναίων· οἱ δ' ἐνοι-
 κοῦντες Σόλοι καλοῦνται. ἐντεῦθεν ἦν Στασάνωρ
 τῶν Ἀλεξάνδρου ἐταίρων, ἀνὴρ ἡγεμονίας ἡξιωμένος·
 ὑπέρεκεται δ' ἐν μεσογαίᾳ Λιμενία πόλις· εἶθ' ἡ Κρομ-
 μύου ἄκρα.
- 15 Τί δὲ δεῖ τῶν ποιητῶν θαυμάζειν, καὶ μάλιστα 4
 τῶν τοιούτων οἷς ἡ πᾶσα περὶ τὴν φράσιν ἐστὶ σπουδή,
 τὰ τοῦ Δαμάστου συγκρίνοντας, ὅστις τῆς νήσου τὸ 0.684
 μῆκος ἀπὸ τῶν ἄρκτων πρὸς μεσημβρίαν ἀποδίδωσιν,
 ἀπὸ Ἱεροκηπίας, ὧς φησιν, εἰς Κλείδας; οὐδὲ ὁ Ἐρα-
 20 τοσθένης εὖ· αἰτιώμενος γὰρ τοῦτον οὐκ ἀπ' ἄρκτων
 φησὶν εἶναι τὴν Ἱεροκηπίαν, ἀλλ' ἀπὸ νότου· οὐδὲ
 γὰρ ἀπὸ νότου, ἀλλ' ἀπὸ δύσεως, εἶπερ ἐν τῇ δυσμικῇ
 πλευρᾷ κεῖται, ἐν ἣ καὶ ἡ Πάφος καὶ ὁ Ἀκάμας.
- Διάκειται μὲν οὕτως ἡ Κύπρος τῇ θέσει. κατ' 5
 25 ἀρετὴν δ' οὐδεμιᾶς τῶν νήσων λείπεται· καὶ γὰρ εὖοι-
 νός ἐστι καὶ εὐέλαιος σίτω τε ἀντάρκει χρῆται· μέταλλά
 τε χαλκοῦ ἐστὶν ἄφθονα τὰ ἐν Ταμασσῶ, ἐν οἷς τὸ χαλ-
 κανθὲς γίνεται καὶ ὁ ἰὸς τοῦ χαλκοῦ, πρὸς τὰς ἰατρι-
 κὰς δυνάμεις χρήσιμα. φησὶ δ' Ἐρατοσθένης τὸ πα-
 30 λαιὸν ὑλομανούτων τῶν πεδίων ὥστε κατέχεσθαι
 ὄρουμοις καὶ μὴ γεωργεῖσθαι, μικρὰ μὲν ἐπωφελεῖν πρὸς
 τοῦτο τὰ μέταλλα δειδροτομούντων πρὸς τὴν καῦσιν

τοῦ χαλκοῦ καὶ τοῦ ἀργύρου, προσγενέσθαι δὲ καὶ τὴν ναυπηγίαν τῶν στόλων ἥδη πλεομένης ἀδεῶς τῆς θαλάττης καὶ μετὰ δυνάμεων· ὥς δ' οὐκ ἐξενίκων, ἐπιτρέψαι τοῖς βουλομένοις καὶ δυναμένοις ἐκκόπτειν καὶ ἔχειν ιδιόκτητον καὶ ἀτελῇ τὴν διακαθαρθείσαν γῆν. 5

- 6 Πρῶτερον μὲν οὖν κατὰ πόλεις ἐτυραννοῦντο οἱ Κύριοι, ἀφ' οὗ δ' οἱ Πτολεμαῖκοι βασιλεῖς κύριοι τῆς Αἰγύπτου κατέστησαν, εἰς ἐκείνους καὶ ἡ Κύπρος περιέσθη συμπραττόντων πολλάκις καὶ τῶν Ῥωμαίων. ἐπεὶ δ' ὁ τελευταῖος ἄρξας Πτολεμαῖος, ἀδελφὸς τοῦ Κλεοπάτρας 10 πατρὸς τῆς καθ' ἡμᾶς βασιλίσσης, ἔδοξε πλημμελὲς τε εἶναι καὶ ἀχάριστος εἰς τοὺς εὐεργέτας, ἐκείνος μὲν κατελύθη, Ῥωμαῖοι δὲ κατέσχον τὴν νῆσον, καὶ γέγονε στρατηγικὴ ἐπαρχία καθ' αὐτήν. μάλιστα δ' αἴτιος τοῦ ὀλέθρου κατέστη τῷ βασιλεῖ Πόπλιος Κλαύδιος Ποῦλ- 15 χερ· ἐμπεσὼν γὰρ εἰς τὰ ληστήρια, τῶν Κιλικίων ἀκμαζόντων τότε, λῦτρον αἰτούμενος ἐπέστειλε τῷ βασιλεῖ δεόμενος πέμψαι καὶ ρύσασθαι αὐτόν· ὁ δ' ἔπεμψε μὲν μικρὸν δὲ τελέως ὥστε καὶ τοὺς ληστὰς αἰδεσθῆναι λαβεῖν ἀλλὰ ἀναπέμψαι πάλιν, τὸν δ' ἄνευ λύτρων 20 ἀπολῦσαι. σωθεὶς δ' ἐκείνος ἀπεμνημόνευσεν ἀμφοτέροις τὴν χάριν, καὶ γενόμενος δήμαρχος ἔδωκε τοσοῦτον ὥστε ἐπέμφθη Μάρκος Κάτων ἀφαιρησόμενος τὴν Κύπρον τὸν κατέχοντα. ἐκείνος μὲν οὖν ἔφθη διαχειρισάμενος αὐτόν, Κάτων δ' ἐπελθὼν παρέλαβε τὴν 25
- C.685 Κύπρον καὶ τὴν βασιλικὴν οὐσίαν διέθετο καὶ τὰ χρήματα εἰς τὸ δημόσιον ταμιεῖον τῶν Ῥωμαίων ἐκόμισεν· ἐξ ἐκείνου δ' ἐγένετο ἐπαρχία ἡ νῆσος καθάπερ καὶ νῦν ἐστὶ στρατηγική· ὀλίγον δὲ χρόνον τὸν μεταξὺ Ἀντώνιος Κλεοπάτρα καὶ τῇ ἀδελφῇ αὐτῆς Ἀρσινόῃ 30 παρέδωκε, καταλυθέντος δὲ ἐκείνου συγκατελύθησαν καὶ αἱ διατάξεις αὐτοῦ πάσαι.

— ΙΕ —

Τὰ περιλειπούμενα τῆς Ἀσίας ἐστὶ τὰ ἐκτὸς τοῦ 1
 5 Ταύρου, πλὴν Κιλικίας καὶ Παμφυλίας καὶ Λυκίας, τὰ
 ἀπὸ τῆς Ἰνδικῆς μέχρι Νείλου μεταξὺ τοῦ Ταύρου καὶ
 τῆς ἕξω θαλάττης τῆς νοτίου κείμενα. μετὰ δὲ τὴν
 Ἀσίαν ἡ Λιβύη ἐστὶ, περὶ ἧς ἐροῦμεν ὕστερον, νῦν δ'
 ἀπὸ τῆς Ἰνδικῆς ἀρκτέον· πρώτη γὰρ ἔκκεται πρὸς
 10 ταῖς ἀνατολαῖς καὶ μεγίστη.

Δεῖ δ' εὐγνωμόνως ἀκούειν περὶ αὐτῆς· καὶ γὰρ 2
 ἀπωτάτω ἐστὶ, καὶ οὐ πολλοὶ τῶν ἡμετέρων κατώπτει-
 σαν αὐτήν· οἱ δὲ καὶ ἰδόντες μέρη τινὰ εἶδον, τὰ δὲ
 πλείω λέγουσιν ἐξ ἀκοῆς· καὶ ἃ εἶδον δὲ ἐν παρόδῳ στρα-
 15 τιωτικῇ καὶ δρόμῳ κατέμαθον· διόπερ οὐδὲ τὰ αὐτὰ
 περὶ τῶν αὐτῶν ἐξαγγέλλουσι, καὶ ταῦτα συγγράψαντες
 ὥς ἂν πεφροτισμένως ἐξητασμένα, τινὲς δ' αὐτῶν καὶ
 συστρατεύσαντες ἀλλήλοις καὶ συνεπιδημήσαντες, κα-
 θάπερ οἱ Ἀλεξάνδρῳ συγκαταστρεψάμενοι τὴν Ἀσίαν·
 20 ἀλλ' ἕκαστος ἐκάστῳ τὰναντία λέγει πολλάκις. ὅπου
 δὲ καὶ περὶ τῶν ὀραθέντων οὕτω διαφέρονται, τί δεῖ
 νομίζειν περὶ τῶν ἐξ ἀκοῆς;

Καὶ μὴν οὐδ' οἱ πολλοῖς χρόνοις ὕστερον συγ- 3
 γράψαντές τι περὶ τούτων, οὐδ' οἱ νῦν πλείοντες ἐκεῖσε,
 25 ἀποφαίνονται τι ἀκριβές. Ἀπολλόδωρος γοῦν ὁ τὰ
 Παρθικὰ ποιήσας, μεμνημένος καὶ τῶν τὴν Βακτρια-C.68
 νὴν ἀποστησάντων Ἑλλήνων παρὰ τῶν Συριακῶν βα-
 σιλέων τῶν ἀπὸ Σελεύκου τοῦ Νικάτορος, φησὶ μὲν
 αὐτοὺς αὐξηθέντας ἐπιθέσθαι καὶ τῇ Ἰνδικῇ· οὐδὲν
 30 δὲ προσανακαλύπτει * τῶν πρότερον ἐγνωσμένων, ἀλλὰ

καὶ ἐναντιολογεῖ πλείω τῆς Ἰνδικῆς ἐκείνους ἢ Μακεδό-
 νας καταστρέψασθαι λέγων· Εὐκρατίδαν γοῦν πόλεις
 χιλίας ὑφ' ἑαυτῷ ἔχειν· ἐκεῖνοι δέ γε αὐτὰ τὰ μεταξὺ
 ἔθνη τοῦ τε Ὑδάσπου καὶ τοῦ Ὑπάνιος τὸν ἀριθμὸν
 ἑννέα, πόλεις τε σχεῖν πεντακισχιλίας, ὧν μηδεμίαν
 εἶναι Κῶ τῆς Μεροπίδος ἐλάττω· ταύτην δὲ πᾶσαν
 τὴν χώραν καταστρεφάμενον Ἀλεξάνδρου παραδοῦναι
 Πώρῳ.

4 Καὶ οἱ νῦν δὲ ἐξ Αἰγύπτου πλέοντες ἐμπορικοὶ
 τῷ Νείλῳ καὶ τῷ Ἀραβίῳ κόλπῳ μέχρι τῆς Ἰνδικῆς 10
 σπάνιοι μὲν καὶ περιπεπλεύκασιν μέχρι τοῦ Γάγγου,
 καὶ οὗτοι δ' ἰδιῶται καὶ οὐδὲν πρὸς ἱστορίαν τῶν τό-
 πων χρήσιμοι. καὶ ἐκείθεν δὲ ἀφ' ἑνὸς τόπου καὶ παρ'
 ἑνὸς βασιλέως, Πανδίου κατ' ἄλλους Πώρου, ἦκεν
 ὡς Καίσαρα τὸν Σεβαστὸν θῶρα καὶ πρεσβεῖα καὶ ὁ 15
 κατακαύσας ἑαυτὸν Ἀθήνησι σοφιστῆς Ἰνδός, καθάπερ
 καὶ ὁ Κάλανος Ἀλεξάνδρῳ τὴν τοιαύτην θῆαν ἐπι-
 δειξάμενος.

5 Εἰ τοίνυν ταῦτ' ἀφείς τις τὴν πρὸ τῆς Ἀλεξάνδρου
 στρατείας ἐπιβλέποι μνήμην, πολὺ ἂν εὖροι τούτων 20
 τυφλότερα. Ἀλεξάνδρου μὲν οὖν πιστεύειν τοῖς τοιού-
 τοις εἰκός, τετυφωμένον ταῖς τοσαύταις εὐτυχίαις. φησὶ
 γοῦν Νέαρχος φιλονεικῆσαι αὐτὸν διὰ τῆς Γεδρωσίας
 ἀγαγεῖν τὴν στρατιάν, πεπυσμένον διότι καὶ Σεμίραμις
 ἐστράτευσεν ἐπὶ Ἰνδοῦς καὶ Κύρος· ἀλλ' ἡ μὲν ἀνέ- 25
 στρεψε φεύγουσα μετὰ εἰκοσιν ἀνθρώπων, ἐκεῖνος δὲ
 μεθ' ἑπτά· ὡς σεμνὸν τὸ ἐκείνων τοσαῦτα παθόντων
 αὐτὸν καὶ στρατόπεδον διασῶσαι μετὰ νίκης διὰ τῶν
 αὐτῶν ἔθνων τε καὶ τόπων.

6 Ἐκεῖνος μὲν δὴ ἐπίστευσεν· ἡμῖν δὲ τίς ἂν δικαία 30
 γένοιτο πίστις περὶ τῶν Ἰνδικῶν ἐκ τῆς τοιαύτης στρα-
 τείας τοῦ Κύρου ἢ τῆς Σεμιράμιδος; συναποφαίνεται

δέ πως καὶ Μεγασθένης τῷ λόγῳ τούτῳ κελεύων ἀπισταῖν ταῖς ἀρχαίαις περὶ Ἰνδῶν ἱστορίαις· οὔτε γὰρ παρ' Ἰνδῶν ἔξω σταληναίποτε στρατιάν, οὔτ' ἐπελθεῖν ἔξωθεν καὶ κρατῆσαι πλὴν τῆς μεθ' Ἡρακλέους καὶ
 5 Διονύσου καὶ τῆς νῦν μετὰ Μακεδόνων. καίτοι Σέ-
 σωστριν μὲν τὸν Αἰγύπτιον καὶ Τεάρκωνα τὸν Αἰθίοπα
 ἕως Εὐρώπης προσελθεῖν, Ναβοκοδρόσορον δὲ τὸν παρὰ C.687
 Χαλδαίοις εὐδοκιμήσαντα Ἡρακλέους μᾶλλον καὶ ἕως
 Σητηλῶν ἐλάσαι. μέχρι μὲν δὴ δεῦρο καὶ Τεάρκωνα
 10 ἀφικέσθαι, ἐκείνον δὲ καὶ ἐκ τῆς Ἰβηρίας εἰς τὴν Θρά-
 κην καὶ τὸν Πόντον ἀγαγεῖν τὴν στρατιάν· Ἰδάνθυρ-
 σον δὲ τὸν Σκύθην ἐπιδραμεῖν τῆς Ἀσίας μέχρι Αἰγύ-
 πτου· τῆς δὲ Ἰνδικῆς μηδένα τούτων ἄψασθαι· καὶ
 Σεμίραμιν δ' ἀποθανεῖν πρὸ τῆς ἐπιχειρήσεως· Πέρ-
 15 σας δὲ μισθοφόρους μὲν ἐκ τῆς Ἰνδικῆς μεταπέμψασθαι
 Ὑδράκας, ἐκεῖ δὲ μὴ στρατεῦσαι, ἀλλ' ἐγγυὺς ἔλθεῖν
 μόνον ἥνίκα Κῦρος ἤλαυνεν ἐπὶ Μασσαγέτας.

Καὶ τὰ περὶ Ἡρακλέους δὲ καὶ Διονύσου Μεγασθέ- 7
 νης μὲν μετ' ὀλίγων πιστὰ ἡγεῖται, τῶν δ' ἄλλων οἱ πλεί-
 20 οὺς, ὧν ἐστὶ καὶ Ἐρατοσθένης, ἄπιστα καὶ μυθώδη,
 καθάπερ καὶ τὰ παρὰ τοῖς Ἑλλήσιν. ὁ μὲν γὰρ ἐν ταῖς
 Βάγκαις ταῖς Εὐριπίδου Διόνυσος τοιαῦτα νεανιεύεται
 „λιπὼν δὲ Αὐδῶν τὰς πολυχρύσους γύας Φρυγῶν τε
 „Περσῶν θ' ἡλιοβλήτους πλάκας Βάκτριά τε τείχη τήν
 25 „τε δύσχειμον χθόνα Μήδων ἐπῆλθον Ἀραβίαν τ' εὐ-
 „δαίμονα Ἀσίαν τε πᾶσαν.“ παρὰ Σοφοκλεῖ δέ τίς ἐστι
 τὴν Νῦσαν καθυμνῶν ὡς τὸ Διονύσῳ καθιερωμένον
 ὄρος, „ὅθεν κατεῖδον τὴν βεβακχιωμένην βροτοῖσι κλει-
 „νὴν Νῦσαν, ἣν ὁ βούκερως Ἰακχος * αὐτῷ μαῖαν ἡδί-
 30 „στην νέμει, ὅπου τίς ὄρνις οὐχὶ κλαγγάνει;“ καὶ τὰ ἑξῆς.

30. post ἑξῆς: καὶ μηροστραφῆς δὲ λέγεται·

καὶ ὁ ποιητὴς περὶ Λυκούργου τοῦ Ἡδωνοῦ φησιν οὕτως „ὅς ποτε μαινομένοιῳ Διωνύσοιο τιθήνας σεύε „κατ' ἡγάθειν Νυσήιον.“ τοιαῦτα μὲν τὰ περὶ Διονύσου. περὶ δὲ Ἡρακλέους οἱ μὲν ἐπὶ τὰναντία μόνον μέχρι τῶν ἐσπερίων περάτων ἱστοροῦσιν, οἱ δ' ἐφ' ἐκάτερα. 5

8 Ἐκ δὲ τῶν τοιούτων Νυσαίους δὴ τινὰς ἔθνος προσωνόμασαν καὶ πόλιν παρ' αὐτοῖς Νῦσαν Διονύσου κτίσμα, καὶ ὄρος τὸ ὑπὲρ τῆς πόλεως Μηρόν, αἰτιασάμενοι καὶ τὸν αὐτόθι κισσὸν καὶ ἄμπελον, οὐδὲ ταύτην τελεσίκαρπον· ἀπορρεῖ γὰρ ὁ βότρυς πρὶν 10 περῆσαι διὰ τοὺς ὄμβρους τοὺς ἄδην· Διονύσου δ' ἀπογόνους τοὺς Συδράκας ἀπὸ τῆς ἀμπέλου τῆς παρ' αὐτοῖς καὶ τῶν πολυτελῶν ἐξόδων, βακχικῶς τὰς τε

C.688 ἐκστρατείας ποιουμένων τῶν βασιλέων καὶ τὰς ἄλλας ἐξόδους μετὰ τυμπανισμοῦ καὶ εὐανθοῦς στολῆς· ὅπερ 15 ἐπιπολάζει καὶ παρὰ τοῖς ἄλλοις Ἰνδοῖς. Ἄορνον δὲ τινὰ πέτραν, ἧς τὰς ῥίζας ὁ Ἰνδὸς ὑπορρεῖ πλησίον τῶν πηγῶν, Ἀλεξάνδρου κατὰ μίαν προσβολὴν ἐλόντος, σεμνύνοντες ἔφασαν τὸν Ἡρακλέα πρὶς μὲν προσβαλεῖν τῇ πέτρᾳ ταύτῃ τρὶς δ' ἀποκρουσθῆναι. τῶν δὲ 20 κοινωνησάντων αὐτῷ τῆς στρατείας ἀπογόνους εἶναι τοὺς Σίβας, σύμβολα τοῦ γένους σώζοντας τό τε δορὰς ἀμπέχεσθαι, καθάπερ τὸν Ἡρακλέα, καὶ τὸ σκυταληφορεῖν καὶ ἐπικεκαῦσθαι βουσί καὶ ἡμιόνοις ῥόπαλον. βεβαιοῦνται δὲ τὸν μῦθον τοῦτον καὶ ἐκ τῶν περὶ τὸν 25 Καύκασον καὶ τὸν Προμηθέα· καὶ γὰρ ταῦτα μετετηνόχασιν ἐκ τοῦ Πόντου δεῦρο ἀπὸ μικρᾶς προφάσεως, ἰδόντες σπήλαιον ἐν τοῖς Παροπαμισάδαις ἱερὸν· τοῦτο γὰρ ἀνεδείξαντο Προμηθέως δεσμοπήριον, καὶ δεῦρο ἀφιγμένον τὸν Ἡρακλέα ἐπὶ τὴν ἐλευθέρωσιν τοῦ 30 Προμηθέως, καὶ τοῦτον εἶναι τὸν Καύκασον ὃν Ἕλληνες Προμηθέως δεσμοπήριον ἀπέφηναν.

Ὅτι δ' ἐστὶ πλάσματα ταῦτα τῶν κολακευόντων 9
 Ἀλέξανδρου πρῶτον μὲν ἐκ τοῦ μὴ ὁμολογεῖν ἀλλή-
 λοις τοὺς συγγραφέας δῆλον, ἀλλὰ τοὺς μὲν λέγειν
 τοὺς δὲ μὴδ' ἀπλῶς μεμνησθαι· οὐ γὰρ εἰκὸς τὰ οὐ-
 5 τως ἐγδοῖα καὶ τύφου πλήρη μὴ πεπύσθαι, ἢ πεπύ-
 σθαι μὲν μὴ ἄξια δὲ μνήμης ὑπολαβεῖν, καὶ ταῦτα
 τοὺς πιστοτάτους αὐτῶν· ἔπειτα ἐκ τοῦ μὴδὲ τοὺς με-
 ταξὺ, δι' ὧν ἐχρῆν τὴν ἐς Ἰνδοὺς ἄφιξιν γενέσθαι
 τοῖς περὶ τὸν Διόνυσον καὶ τὸν Ἡρακλέα, μὴδὲν ἔχειν
 10 τεκμήριον δεικνύειν τῆς ἐκείνων ὁδοῦ διὰ τῆς σφετέ-
 ρας γῆς. καὶ ἡ τοῦ Ἡρακλέους δὲ στολὴ ἢ τοιαύτη πολὺ
 νεωτέρα τῆς Τρωικῆς μνήμης ἐστὶ, πλάσμα τῶν τὴν
 Ἡράκλειαν ποιησάντων, εἴτε Πείσανδρος ἦν εἴτ' ἄλ-
 λος τις· τὰ δ' ἀρχαῖα ξόανα οὐχ οὕτω διεσκεύασται.
 15 Ὡς ἐν τοῖς τοιούτοις οὖν ἀποδέχεσθαι δεῖ πᾶν τὸ 10
 ἐγγυτάτω πίστεως. ἐποίησάμεθα δ' ἡμεῖς καὶ ἐν τοῖς
 πρῶτοις λόγοις τοῖς περὶ γεωγραφίας δίαιταν ἦν δυνα-
 τὸν ἦν περὶ τούτων, καὶ νῦν ἐκείνοις τε ἐξ ἐτοίμου
 χρησόμεθα καὶ ἕτερα προσθήσομεν, ὅσων ἂν δεῖν δόξῃ
 20 πρὸς τὴν σαφήνειαν. μάλιστα δ' ἐκ τῆς διαίτης ἐδόκει
 τῆς τότε πιστότατα εἶναι τὰ ὑπὸ τοῦ Ἑρατοσθένους ἐν
 τῷ τρίτῳ τῶν γεωγραφικῶν ἐκτεθέντα κεφαλαιωδῶς
 περὶ τῆς τότε νομιζομένης Ἰνδικῆς, ἥνικα Ἀλέξανδρος
 ἐπῆλθε· καὶ ἦν ὁ Ἰνδὸς ὄριον ταύτης τε καὶ τῆς Ἀρια-
 25 νῆς ἣν ἐφεξῆς πρὸς τῇ ἐσπέρᾳ κειμένην Πέρσαι κα-0.689
 τεῖχον· ὕστερον γὰρ δὴ καὶ τῆς Ἀριανῆς πολλὴν ἔσχον
 οἱ Ἰνδοὶ λαβόντες παρὰ τῶν Μακεδόνων. ἔστι δὲ τοι-
 αῦτα ἃ λέγει ὁ Ἑρατοσθένης.

Τὴν Ἰνδικὴν περιώρικεν ἀπὸ μὲν τῶν ἄρκτων 11
 30 τοῦ Ταύρου τὰ ἔσχατα ἀπὸ τῆς Ἀριανῆς μέχρι τῆς
 ἐώας θαλάττης, ἅπερ οἱ ἐπιχώριοι κατὰ μέρος Παρο-
 πάμισόν τε καὶ Ἡμωδὸν καὶ Ἰμακὸν καὶ ἄλλα ὀνομάζου-

σι, Μακεδόνες δὲ Καύκασον· ἀπὸ δὲ τῆς ἐσπέρας ὁ Ἰνδὸς ποταμός· τὸ δὲ νότιον καὶ τὸ προσεῶν πλευρόν, πολὺ μείζω τῶν ἐτέρων ὄντα, προπέπτωκεν εἰς τὸ Ἀτλαντικὸν πέλαγος, καὶ γίνεται ῥομβοειδὲς τὸ τῆς χώρας σχῆμα τῶν μειζόνων πλευρῶν ἑκατέρου πλεονεκτοῦντος παρὰ τὸ ἀπεναντίον πλευρὸν καὶ τρισχίλοις σταδίοις, ὧσων ἐστὶ τὸ κοινὸν ἄκρον τῆς τε ἑωθινῆς παραλίας καὶ τῆς μεσημβρινῆς, ἔξω προπεπτωκὸς ἐξ ἴσης ἐφ' ἑκάτερον παρὰ τὴν ἄλλην ἥονα. τῆς μὲν οὖν ἐσπερίου πλευρᾶς ἀπὸ τῶν Κανκασίων ὁρῶν ἐπὶ τὴν νότιον θάλατταν στάδιοι μάλιστα λέγονται μύριοι τρισχίλιοι παρὰ τὸν Ἰνδὸν ποταμὸν μέχρι τῶν ἐκβολῶν αὐτοῦ, ὥστ' ἀπεναντίον ἡ ἑωθινὴ προσλαβοῦσα τοὺς τῆς ἄκρας τρισχιλίους ἔσται μυρίων καὶ ἑξακισχιλίων σταδίων. τοῦτο μὲν οὖν πλάτος τῆς χώρας τό τ' ἐλάχιστον καὶ τὸ μέγιστον. μῆκος δὲ τὸ ἀπὸ τῆς ἐσπέρας ἐπὶ τὴν ἑω· τούτου δὲ τὸ μὲν μέχρι Παλιβόθρων ἔχει τις ἂν βεβαιότερως εἰπεῖν· καταμεμέτρηται γὰρ σχοινίοις καὶ ἔστιν ὁδὸς βασιλικὴ σταδίων μυρίων· τὰ δ' ἐπέκεινα στοχασμῷ λαμβάνεται διὰ τῶν ἀνάπλων τῶν ἐκ θαλάττης διὰ τοῦ Γάγγου ποταμοῦ μέχρι Παλιβόθρων· εἴη δ' ἂν τι σταδίων ἑξακισχιλίων. ἔσται δὲ τὸ πᾶν ἢ βραχύτατον μυρίων ἑξακισχιλίων, ὥς ἔκ τε τῆς ἀναγραφῆς τῶν σταθμῶν τῆς πεπιστευμένης μάλιστα λαβεῖν Ἑρατοσθένους φησί, καὶ ὁ Μεγασθένης οὕτως συναποφαίνεται, Πατροκλῆς δὲ χίλοις ἔλαττον φησί. τούτῳ δὲ πάλιν τῷ διαστήματι προστεθὲν τὸ τῆς ἄκρας διάστημα τὸ προπίπτον ἐπὶ πλεον πρὸς τὰς ἀνατολάς, οἱ τρισχίλιοι στάδιοι ποιήσουσι τὸ μέγιστον μῆκος· ἔστι δὲ τοῦτο τὸ ἀπὸ τῶν ἐκβολῶν τοῦ Ἰνδοῦ ποταμοῦ

παρὰ τὴν ἐξῆς ἥونا μέχρι τῆς λεχθείσης ἄκρας καὶ τῶν ἀνατολικῶν αὐτῆς τερμόνων· οἰκουῦσι δ' ἐνταῦθα οἱ Κωνιακοὶ καλούμενοι.

Ἐκ δὲ τούτων πάρεστιν ὁρᾶν ὅσον διαφέρουσιν 12
5 αὖ τῶν ἄλλων ἀποφάσεις, Κτησίῳ μὲν οὐκ ἐλάττω
τῆς ἄλλης Ἀσίας τὴν Ἰνδικὴν λέγοντος, Ὀνησικρίτου
δὲ τρίτον μέρος τῆς οἰκουμένης, Νεάρχου δὲ μηνῶν
ὁδὸν τεττάρων τὴν διὰ τοῦ πεδίου, Μεγασθένους δὲ 0.690
καὶ Δημιάχου μετριασάντων μᾶλλον· ὑπὲρ γὰρ δισμυ-
10 ρίους τιθέασι σταδίους τὸ ἀπὸ τῆς νοτίου θαλάττης
ἐπὶ τὸν Καύκασον, Δημάχος δ' ὑπὲρ τοὺς τριςμυρί-
ους κατ' ἐνίους τόπους· πρὸς οὓς ἐν τοῖς πρώτοις λό-
γοις εἴρηται, νῦν δὲ τοσοῦτον εἰπεῖν ἱκανόν, ὅτι καὶ
ταῦτα συνηγορεῖ τοῖς αἰτουμένοις συγγνώμην, ἔάν τι
15 περὶ τῶν Ἰνδικῶν λέγοντες μὴ δυσχυρίζωται.

Ἀπασα δ' ἐστὶ κατάρροτος ποταμοῖς ἡ Ἰνδική, 13
τοῖς μὲν εἰς δύο τοὺς μεγίστους συρρηγνυμένοις τὸν
τε Ἰνδὸν καὶ τὸν Γάγγην, τοῖς δὲ κατ' ἰδίαν στόματα
ἐκδιδοῦσιν εἰς τὴν θάλατταν· ἅπαντες δ' ἀπὸ τοῦ
20 Καυκάσου τὴν ἀρχὴν ἔχουσι καὶ φέρονται μὲν ἐπὶ τὴν
μεσημβρίαν τὸ πρῶτον, εἰδ' οἱ μὲν μένουσιν ἐπὶ τῆς αὐ-
τῆς φορᾶς καὶ μάλιστα οἱ εἰς τὸν Ἰνδὸν συμβάλλοντες,
οἱ δ' ἐπιστρέφονται πρὸς ἑω, καθάπερ καὶ ὁ Γάγγης
ποταμός. οὗτος μὲν οὖν καταβάς ἐκ τῆς ὀρεινῆς, ἐπει-
25 δὲν ἄψηται τῶν πεδίων ἐπιστρέψας πρὸς ἑω καὶ ὄνεις
παρὰ τὰ Παλίβοθρα μεγίστην πόλιν πρόεισιν ἐπὶ τὴν
ταύτην θάλατταν καὶ μίαν ἐκβολὴν ποιεῖται, μέγιστος
ὢν τῶν κατὰ τὴν Ἰνδικὴν ποταμῶν· ὁ δὲ Ἰνδὸς δυσὶ
στόμασιν εἰς τὴν μεσημβρινὴν ἐκπίπτει θάλατταν, ἐμ-
30 περιλαμβάνων τὴν Παταληνὴν καλουμένην χώραν
παρὰ πηλσίαν τῷ κατ' Αἴγυπτον Δέλτα. ἐκ δὲ τῆς ἀνα-
θυμιάσεως τῶν τοσούτων ποταμῶν καὶ ἐκ τῶν ἐτησι-

ων, ὥς Ἐρατοσθένης φησί, βρέχεται τοῖς θερινοῖς ὄμβροις ἢ Ἰνδικῇ, καὶ λιμνάζει τὰ πεδία· ἐν μὲν οὖν τοῦτοῖς τοῖς ὄμβροις λίνον σπείρεται καὶ κέγχρος, πρὸς τούτοις σήσαμον ὄρυζα βόσμορον· τοῖς δὲ χειμερινοῖς καιροῖς πυροὶ κριθαὶ ὄσπρια καὶ ἄλλοι καρποὶ ἐδώδι- 5 μοι, ὧν ἡμεῖς ἄπειροι. σχεδὸν δὲ τι τοῖς ἐν Αἰθιοπία καὶ κατ' Αἴγυπτον ... τὰ αὐτὰ φύεται καὶ ἐν τῇ Ἰνδικῇ, καὶ τῶν ἐν τοῖς ποταμοῖς πλήν ἵππου ποταμίῳ τὰ ἄλλα φέρουσι καὶ οἱ Ἰνδικοί· Ὀνησίκριτος δὲ καὶ τοὺς ἵππους γίνεσθαι φησι. τῶν δ' ἀνθρώπων οἱ μὲν με- 10 σημβρινοὶ τοῖς Αἰθίοσιν εἰσιν ὅμοιοι κατὰ τὴν χοιραν, κατὰ δὲ τὴν ὄψιν καὶ τὴν τρίχωσιν τοῖς ἄλλοις (οὐδὲ γὰρ οὐλοτριχοῦσι διὰ τὴν ὑγρότητα τοῦ αἵματος), οἱ δὲ βόρειοι τοῖς Αἰγυπτίοις.

- 14 Τὴν δὲ Ταπροβάνην πελαγίαν εἶναι φασι νῆσον 15 ἀπέχουσιν τῶν νοτιωτάτων τῆς Ἰνδικῆς τῶν κατὰ τοὺς Κωνιακοὺς πρὸς μεσημβρίαν ἡμερῶν ἑπτὰ πλοῦν, μήκος μὲν ὥς πεντακισχιλίων σταδίων ἐπὶ τὴν Αἰθιοπίαν ἔχειν δὲ καὶ ἐλέφαντας.

Τοιαῦται μὲν αἱ τοῦ Ἐρατοσθένους ἀποφάσεις. 20 προστεθεῖσαι δὲ καὶ αἱ τῶν ἄλλων, εἰ πού τι προσ-
C.691 κριβοῦσιν, εἰδοποιήσουσι τὴν γραφὴν. οἷον περὶ τῆς
15 Ταπροβάνης Ὀνησίκριτός φησι μέγεθος μὲν εἶναι πεντακισχιλίων σταδίων, οὐ διορίσας μήκος οὐδὲ πλάτος, διέχειν δὲ τῆς ἡπείρου πλοῦν ἡμερῶν εἴκοσιν· 25 ἄλλὰ κακοπλοεῖν τὰς ναῦς, φάυλως μὲν ἱστιοπεποι- μένας κατεσκευασμένας δὲ ἀμφοτέρωθεν [πρώραις] ἐγκοιλίων μητρῶν χωρίς. εἶναι δὲ καὶ ἄλλας νήσους αὐτῆς μεταξὺ καὶ τῆς Ἰνδικῆς, νοτιωτάτην δ' ἐκείνην. κήτη δ' ἀμφίβια περὶ αὐτὴν γίνεσθαι, τὰ μὲν 30 βουσι τὰ δ' ἵπποις τὰ δ' ἄλλοις χερσαίοις ἐοικότα.

- 16 Νέαρχος δὲ περὶ τῆς ἐκ τῶν ποταμῶν ἐπιχοῆς πα-

ραδείγματα φέρει τὰ τοιαῦτα, ὅτι καὶ τὸ Ἑρμου καὶ
 Καῦστρου πεδίου καὶ Μαιάνδρου καὶ Καῖκου παρα-
 πλησίως εἴρηται διὰ [τὸ] τὴν ἐπιφορομένην τοῖς πε-
 δίοις χοῦν αὖξειν αὐτά· μᾶλλον δὲ γεννᾶν, ἐκ τῶν
 5 ὀρῶν καταφερομένην, ὅση εὐγεωσ καὶ μαλακῇ· κατα-
 φέρειν δὲ τοὺς ποταμούς, ὥστε τούτων ὡς ἂν γεννή-
 ματα ὑπάρχειν τὰ πεδία· καὶ εὖ λέγεσθαι ὅτι τούτων
 ἐστὶ τὰ πεδία. τοῦτο δὲ ταῦτόν ἐστι τῷ ὑπὸ τοῦ Ἡρο-
 δότου λεχθέντι ἐπὶ τοῦ Νείλου καὶ τῆς ἐπ' αὐτῷ γῆς
 10 ὅτι ἐκείνου δῶρόν ἐστι· διὰ τοῦτο δ' ὀρθῶς καὶ ὁμώ-
 νυμον τῇ Αἰγύπτῳ φησὶ λεχθῆναι τὸν Νεῖλον ὁ Νέ-
 αρχος.

Ἀριστόβουλος δὲ μόνα καὶ ὕεσθαι καὶ νίφεσθαι 17
 τὰ ὄρη καὶ τὰς ὑπωρείας φησί, τὰ πεδία δὲ καὶ ὄμβρων
 15 ὁμοίως ἀπηλλάχθαι καὶ νικετῶν, ἐπικλύζεσθαι δὲ μό-
 νον κατὰ τὰς ἀναβάσεις τῶν ποταμῶν· νίφεσθαι μὲν
 οὖν τὰ ὄρη κατὰ χειμῶνα, τοῦ δὲ ἔαρος ἀρχομένου καὶ
 τοὺς ὄμβρους ἐνάρχεσθαι καὶ αἰεὶ καὶ μᾶλλον λαμβά-
 νειν ἐπίδοσιν· τοῖς δ' ἐτησίαις καὶ ἀδιαλείπτως νύ-
 20 κτωρ καὶ μεθ' ἡμέραν ἐκχεῖσθαι καὶ λάβρους ἕως ἐπι-
 τολῆς ἀρκτούρου· ἐκ τε δὴ τῶν χιόνων καὶ τῶν ὑετῶν
 πληρουμένους [ποταμοὺς] ποτίζειν τὰ πεδία. κατανοη-
 θῆναι δὲ ταῦτα καὶ ὑφ' ἑαυτοῦ καὶ ὑπὸ τῶν ἄλλων φη-
 σίν, ὠρμηκότεων μὲν εἰς τὴν Ἰνδικὴν ἀπὸ Παροπαμι-
 25 σαδῶν, μετὰ δὲ δυσμὰς πληιάδων, καὶ διατριψάντων
 κατὰ τὴν ὀρεινὴν ἔν τε τῇ Ὑπασίων καὶ τῇ Ἀσσακα-
 νοῦ γῇ τὸν χειμῶνα, τοῦ δ' ἔαρος ἀρχομένου καταβε-
 βηκότεων εἰς τὰ πεδία καὶ πόλιν Τάξιλα εὐμεγέθη, ἐν-
 τεῦθεν δ' ἐπὶ Ὑδάσπην καὶ τὴν Πῶρον χώραν· τοῦ
 30 μὲν οὖν χειμῶνος ὕδωρ οὐκ ἰδεῖν ἀλλὰ χιόνας μόνον·
 ἐν δὲ τοῖς Ταξίλοις πρῶτον ὑσθῆναι, καὶ ἐπειδὴ κατα-
 βᾶσιν ἐπὶ τὸν Ὑδάσπην καὶ νικήσασιν Πῶρον ὁδὸς ἦν

ἐπὶ τὸν Ἵπανιν πρὸς ἕω ἀκείθεν ἐπὶ τὸν Ἰθάσπην
 πάλιν, ὕεσθαι συνεχῶς καὶ μάλιστα τοῖς ἐτησίαις,
 ἐπιτείλαντος δὲ ἀρκτούρου γενέσθαι παῦλαν· διατρί-
 ψαντας δὲ περὶ τὴν ναυπηγίαν ἐπὶ τῷ Ἰθάσπῃ καὶ
 0.692 πλεῖν ἀρξαμένους πρὸ δύσεως πληιάδος οὐ πολλαῖς 5
 ἡμέραις, καὶ τὸ φθινόπωρον πᾶν καὶ τὸν χειμῶνα καὶ
 τὸ ἐπιὸν ἕα καὶ θέρος ἐν τῷ κατάπλῳ πραγματευθέν-
 τας ἐλθεῖν εἰς τὴν Παταληνὴν περὶ κυνὸς ἐπιτολήν·
 δέκα μὲν δὴ τοῦ κατάπλου γενέσθαι μῆνας, οὐδαμοῦ
 δ' ὕετῶν αἰσθῆσθαι οὐδ' ὅτε ἐπήκμασαν οἱ ἐτησίαι, 10
 τῶν δὲ ποταμῶν πληρουμένων τὰ πεδία κλύζεσθαι·
 τὴν δὲ θάλατταν ἄπλου εἶναι τῶν ἀνέμων ἀντιπνεόν-
 των, ἀπογαίας δὲ μηδεμιᾶς πνοῆς ἐκδεξαμένης.

- 18 Τοῦτο μὲν οὖν αὐτὸ καὶ ὁ Νέαρχος λέγει, περὶ δὲ
 τῶν θερινῶν ὄμβρων οὐχ ὁμολογεῖ, ἀλλὰ φησιν ὕε- 15
 σθαι τὰ πεδία θέρους, χειμῶνος δ' ἄνομβρα εἶναι.
 λέγουσι δ' ἀμφοτέρω καὶ τὰς ἀναβάσεις τῶν ποταμῶν.
 ὁ μὲν γε Νέαρχος τοῦ Ἀκεσίνου πλησίον στρατοπεδεύ-
 οντάς φησιν ἀναγκασθῆναι μεταλαβεῖν τόπον ἄλλον
 ὑπερδῆξιον κατὰ τὴν ἀνάβασιν, γενέσθαι δὲ τοῦτο 20
 κατὰ θερινὰς τροπὰς. ὁ δ' Ἀριστόβουλος καὶ μέτρα
 τῆς ἀναβάσεως ἐκτίθεται τετταράκοντα πήχεις, ὧν
 τοὺς μὲν εἴκοσιν ὑπὲρ τὸ προὔπαρχον βάθος πληροῦν
 μέχρι χεῖλους τὸ ρεῖθρον, τοῖς δ' εἴκοσιν ὑπέρχουσιν
 εἶναι εἰς τὰ πεδία. ὁμολογοῦσι δὲ καὶ διότι συμβαίνει 25
 νησίξειν τὰς πόλεις ἐπάνω χωμάτων ἰδρυμένας, κα-
 θάπερ καὶ ἐν Αἰγύπτῳ καὶ Αἰθιοπία· μετὰ δὲ ἀρκτού-
 ρον παύεσθαι τὴν πλήμμυραν ἀποβαίνοντος τοῦ ὕδα-
 τος· ἔτι δ' ἡμίψυκτον σπεῖρεσθαι τὴν γῆν ὑπὸ τοῦ
 τυχόντος ὀρύκτου χαραχθεῖσαν, καὶ ὅμως φύεσθαι 30
 τὸν καρπὸν τέλειον καὶ καλόν. τὴν δ' ὄρυζάν φησιν ὁ
 Ἀριστόβουλος ἐστάναι ἐν ὕδατι κλειστῷ, πρασιάς δ'

εἶναι τὰς ἐχούσας αὐτήν· ὕψος δὲ τοῦ φυτοῦ τετρα-
 πηχυ πολύσταχύ τε καὶ πολύνκαρπον· θεριζέσθαι δὲ
 περὶ δύοσιν πληιάδος καὶ πτίσσεσθαι ὥς τὰς ξειάς· φύ-
 εσθαι δὲ καὶ ἐν τῇ Βακτριανῇ καὶ Βαβυλωνίᾳ καὶ Σου-
 5 σίδι· καὶ ἡ κάτω δὲ Συρία φύει. Μέγιστος δὲ τὴν ὄρου-
 ζαν σπείρεσθαι μὲν πρὸ τῶν ὄμβρων φησὶν, ἀρδείας
 δὲ καὶ φυτείας [μὴ] δεῖσθαι ἀπὸ τῶν κλειστῶν ποτιζο-
 μένην ὑδάτων. περὶ δὲ τοῦ βοσμόρου φησὶν Ὀνησί-
 κριτος διότι σῖτος ἐστὶ μικρότερος τοῦ πυροῦ, γεννα-
 10 ται δ' ἐν ταῖς μεσοποταμίαις, φρύγεται δ' ἐπὶ ἀλοη-
 θῇ, προομνύντων μὴ ἀποίσειν ἄπυρον ἐκ τῆς ἄλλω τοῦ
 μὴ ἐξάγεσθαι σπέρμα.

Τὴν δ' ὁμοιότητα τῆς χώρας ταύτης πρὸς τε τὴν 19
 Αἰγυπτου καὶ τὴν Αἰθιοπίαν καὶ πάλιν τὴν ἐναντιό-
 15 τητα παραθεῖς ὁ Ἀριστόβουλος, διότι τῷ Νείλῳ μὲν
 ἐκ τῶν νοτίων ὄμβρων ἐστὶν ἡ πλήρωσις τοῖς Ἰνδοῖς
 δὲ ποταμοῖς ἀπὸ τῶν ἀρκτικῶν, ζητεῖ πῶς οἱ μεταξὺ C.693
 τόποι οὐ κατομβροῦνται· οὔτε γὰρ ἡ Θηβαῖς μέχρι
 Συήνης καὶ τῶν ἐγγὺς Μερόης οὔτε τῆς Ἰνδικῆς τὰ
 20 ἀπὸ τῆς Παταληνῆς μέχρι τοῦ Ὑδάσπου· τὴν δ' ὑπὲρ
 ταῦτα τὰ μέρη χώραν ἐν ἣ καὶ ὄμβροι καὶ νιφετοί, πα-
 ραπλησίως ἔφη γεωργεῖσθαι τῇ ἄλλῃ τῇ ἔξω τῆς Ἰνδι-
 κῆς χώρα· ποτίζεσθαι γὰρ ἐκ τῶν ὄμβρων καὶ χιόνων.
 εἰκὸς δ' οἷς εἰρηκεν οὗτος καὶ εὔσειστον εἶναι τὴν
 25 γῆν, χαυνουμένην ὑπὸ τῆς πολλῆς ὑγρασίας καὶ ἐκρήγ-
 ματα λαμβάνουσαν ὥστε καὶ ρεῖθρα ποταμῶν ἀλλάτ-
 τεσθαι. πεμφθεῖς γοῦν ἐπὶ τινι χρεῖαν ἰδεῖν φησιν
 ἐρημωθεῖσαν χώραν πλειόνων ἢ χιλίων πόλεων σὺν
 κώμαις, ἐκλιπόντος τοῦ Ἰνδοῦ τὸ οἰκεῖον ρεῖθρον ἐκ-
 30 τραπομένου δ' εἰς τὸ ἕτερον ἐν ἀριστερᾷ κοιλότερον

πολύ, καὶ οἶον καταρράξαντος, ὥς τὴν ἀπολειφθεῖσαν ἐν δεξιᾷ χώραν μηκέτι ποτίζεσθαι ταῖς ὑπερχύσεσι, μετεωροτέραν οὖσαν οὐ τοῦ ρείθρου τοῦ καινοῦ μόνον ἀλλὰ καὶ τῶν ὑπερχύσεων.

- 20 Ταῖς δὲ τῶν ποταμῶν πληρώσεσι καὶ τῷ τοὺς 5 ἀπογαίους μὴ πνεῖν ὁμολογεῖ καὶ τὸ λεχθὲν ὑπὸ τοῦ Ὀνησικρίτου· τεναγώδη γάρ φησιν εἶναι τὴν παραλίαν καὶ μάλιστα κατὰ τὰ στόματα τῶν ποταμῶν, διὰ τε τὴν χοῦν καὶ τὰς πλημμυρίδας καὶ τὴν τῶν πελαγίων ἀνέμων ἐπικράτειαν. Μεγασθένης δὲ τὴν εὐδαι- 10 μονίαν τῆς Ἰνδικῆς ἐπισημαίνεται τῷ δίκαρπον εἶναι καὶ δίφορον· καθάπερ καὶ Ἑρατοσθένης ἔφη, τὸν μὲν εἰπὼν σπόρον χειμερινὸν τὸν δὲ θερινόν, καὶ ὄμβρον ὁμοίως· οὐδὲν γὰρ ἔτος εὐρίσκεσθαι φησι πρὸς ἀμφοτέρους καιροὺς ἄνομβρον· ὥστ' εὐετηρίαν ἐκ τούτου 15 συμβαίνειν ἀφόρου μηδέποτε τῆς γῆς οὔσης· τοὺς τε ξυλλίνους καρποὺς γενναῖσθαι πολλοὺς καὶ τὰς ῥίζας τῶν φυτῶν καὶ μάλιστα τῶν μεγάλων καλάμων, γλυκείας καὶ φύσει καὶ ἐψήσει χλιαινομένου τοῦ ὕδατος τοῖς ἡλλοῖς τοῦ τ' ἐκπίπτοντος ἐκ Αἰὸς καὶ τοῦ ποτα- 20 μίου. τρόπον δὴ τινα λέγειν βούλεται διότι ἡ παρὰ τοῖς ἄλλοις λεγομένη πέψις καὶ καρπῶν καὶ χυμῶν παρ' ἐκείνοις ἔψησις ἐστὶ, καὶ κατεργάζεται τοσοῦτον εἰς εὐστόμιαν ὅσον καὶ ἡ διὰ πυρός· διὸ καὶ τοὺς κλάδους φησὶν εὐκαμπεῖς εἶναι τῶν δένδρων ἐξ ὧν οἱ τρο- 25 χοί· ἐκ δὲ τῆς αὐτῆς αἰτίας ἐνίοις καὶ ἐπανθεῖν ἔριον. ἐκ τούτου δὲ Νέαρχός φησι τὰς εὐητριούς ὑφαίνεσθαι σινδόνας, τοὺς δὲ Μακεδόνας ἀντὶ κναφάλλων αὐτοῖς χρῆσθαι καὶ τοῖς σάγμασι σάγης· τοιαῦτα δὲ καὶ τὰ
- C.694 Σηρικὰ ἐκ τινων φλοιῶν ξαινομένης βύσσου. εἰρηκε 30 δὲ καὶ περὶ τῶν καλάμων ὅτι ποιοῦσι μέλι μελισσῶν μὴ οὖσῶν· καὶ γὰρ δένδρον εἶναι καρποφόρον, ἐκ δὲ

τοῦ καρποῦ συντίθασθαι μέλι, τοὺς δὲ φαγόντας ὤμου
τοῦ καρποῦ μεθύειν.

Πολλὰ γὰρ δὴ δένδρα παράδοξα ἢ Ἰνδικὴ τρέφει, 21
ὧν ἔστι καὶ τὸ κάτω νεύοντας ἔχον τοὺς κλάδους τὰ δὲ
5 φύλλα ἀσπίδος οὐκ ἐλάττω. Ὀνησίκριτος δὲ καὶ περι-
εργότερον τὰ ἐν τῇ Μουσικανοῦ διεξιῶν, ἃ φησι νο-
τιώτατα εἶναι τῆς Ἰνδικῆς, διηγεῖται μέγала δένδρα
τινά, ὧν τοὺς κλάδους αὐξηθέντας ἐπὶ πῆχεις καὶ δώ-
δεκα, ἔπειτα τὴν λοιπὴν αὐξήσιν καταφεροῖ λαμβάνειν
10 ὥς ἂν κατακαμπτομένους, ἕως ἂν ἄψωνται τῆς γῆς·
ἔπειτα κατὰ γῆς διαδοθέντας ῥιζοῦσθαι ὁμοίως ταῖς
κατώρυξιν, εἰτ' ἀναδοθέντας στελεχοῦσθαι· ἐξ οὗ πά-
λιν ὁμοίως τῇ αὐξήσει κατακαμφθέντας ἄλλην κατώ-
ρυγα ποιεῖν, εἰτ' ἄλλην, καὶ οὕτως ἐφεξῆς, ὥστ' ἀφ'
15 ἐνὸς δένδρου σκιάδιον γίνεσθαι μακρὸν πολυστύλῳ
σκηνῇ ὅμοιον. λέγει δὲ καὶ μεγέθη δένδρων ὥστε πέντε
ἀνθρώποις δυσπερίληπτα εἶναι τὰ στελέχη. κατὰ δὲ
τὸν Ἀκесίνην καὶ τὴν συμβολὴν τὴν πρὸς Ἱάρωτιν
καὶ Ἀριστόβουλος εἴρηκε περὶ τῶν κατακαμπτομένων
20 ἐχόντων τοὺς κλάδους καὶ περὶ τοῦ μεγέθους ὥσθ' ὑφ'
ἐνὶ δένδρῳ μεσημβρίζειν σκιαζομένους ἱππέας πεντή-
κοντα· οὗτος δὲ τετρακοσίους. λέγει δὲ ὁ Ἀριστόβου-
λος καὶ ἄλλο δένδρον οὐ μέγα, λοποῦς ἔχον ὥς ὁ κύα-
μος δεκαδακτύλους τὸ μῆκος πλήρεις μέλιτος, τοὺς δὲ
25 φαγόντας οὐ ῥαδίως σώζεσθαι. ἅπαντας δ' ὑπερβέ-
βληνται περὶ τοῦ μεγέθους τῶν δένδρων οἱ φήσαντες
ἑωρᾶσθαι πέραν τοῦ Ταρώτιδος δένδρον ποιοῦν σκιὰν
ταῖς μεσημβρίαις πενταστάδιον. καὶ τῶν ἐριοφόρων
δένδρων φησὶν οὗτος τὸ ἄνθος ἔχειν πυρῆνα· ἐξαιρε-

θέντος δὲ τούτου ξαίνεσθαι τὸ λοιπὸν ὁμοίως ταῖς ἐρέαις.

22 Ἐν δὲ τῇ Μουσικανοῦ καὶ σῖτον αὐτοφυῆ λέγει πυρρῷ παραπλήσιον καὶ ἄμπελον, ὥστ' οἰνοφορεῖν τῶν ἄλλων αἰνουν λεγόντων τὴν Ἰνδικήν· ὥστε μὴδ' αὐ- 5 λὸν εἶναι κατὰ τὸν Ἀνάχαρσιν μὴδ' ἄλλο τῶν μουσικῶν ὀργάνων μὴδὲν πλὴν κυμβάλων καὶ τυμπάνων καὶ κροτάλων ἃ τοὺς θαυματοποιοὺς κεκτῆσθαι. καὶ πολυφάρμακον δὲ καὶ πολύρριζον τῶν τε σωτηρίων καὶ τῶν ἐναντίων, ὥσπερ καὶ πολυχρώματον, καὶ οὗτος 10 εἴρηκε καὶ ἄλλοι γε· προστίθῃσι δ' οὗτος ὅτι καὶ νόμος εἴη τὸν ἀνευρόντα τι τῶν ὀλεθρίων, εἰ μὴ προσανεύρῃ καὶ τὸ ἄκος αὐτοῦ, θανατοῦσθαι· ἀνευρόντα C.695 δὲ τιμῆς τυγχάνειν παρὰ τοῖς βασιλεῦσιν. ἔχειν δὲ καὶ κιννάμωμον καὶ νάρκον καὶ τὰ ἄλλα ἀρώματα τὴν νό- 15 τιον γῆν τὴν Ἰνδικὴν ὁμοίως ὥσπερ τὴν Ἀραβίαν καὶ τὴν Αἰθιοπίαν ἔχουσάν τι ἐμπερὲς ἐκείναις κατὰ τοὺς ἡλίους· διαφέρειν δὲ τῷ πλεονασμῷ τῶν ὑδάτων ὥστ' ἐνικμον εἶναι τὸν ἀέρα καὶ τροφιμώτερον παρὰ τοῦτο καὶ γόνιμον μᾶλλον, ὥς δ' αὐτῶς καὶ τὴν γῆν καὶ τὸ 20 ὕδωρ, ἣ δὴ καὶ μεῖζω τὰ τε χερσαῖα τῶν ζώων καὶ τὰ καθ' ὕδατος τὰ ἐν Ἰνδοῖς τῶν παρ' ἄλλοις εὐρίσκεισθαι. καὶ τὸν Νεῖλον δ' εἶναι γόνιμον μᾶλλον ἐτέρων καὶ μεγαλοφυῆ γεννᾶν καὶ τᾶλλα καὶ τὰ ἀμφίβια, τὰς τε 25 γυναικας ἔσθ' ὅτε καὶ τετράδυμα τίκτειν τὰς Αἰγυπτίας· Ἀριστοτέλης δὲ τινα καὶ ἐπτάδυμα ἰστορεῖ τε- τοκέναι, καὶ αὐτὸς πολύγονον καλῶν τὸν Νεῖλον καὶ τρόφιμον διὰ τὴν ἐκ τῶν ἡλίων μετρίαν ἐψησιν αὐτὸ καταλειπόντων τὸ τρόφιμον τὸ δὲ περιττὸν ἐκθυμίωντων.

30

23 Ἀπὸ δὲ τῆς αὐτῆς αἰτίας καὶ τοῦτο συμβαίνειν εἰ- κὸς ὅπερ φησὶν οὗτος, ὅτι τῷ ἡμίσει πυρὶ ἔψει τὸ τοῦ

Νείλου ὕδωρ ἢ τὰ ἄλλα. ὅσῳ δέ γε φησὶ τὸ μὲν τοῦ Νείλου ὕδωρ δι' εὐθείας ἐπεισι πολλήν χώραν καὶ στενήν καὶ μεταβάλλει πολλά κλίματα καὶ πολλοὺς ἀέρας, τὰ δ' Ἰνδικὰ ρεύματα ἐς πεδία ἀναχεῖται μεῖζω καὶ 5 πλατύτερα ἐνδιατρίβοντα πολὺν χρόνον τοῖς αὐτοῖς κλίμασι, τοσῶδε ἐκεῖνα τούτου τροφιμώτερα, διότι καὶ τὰ κήτη μεῖζω τε καὶ πλείω· καὶ ἐκ τῶν νεφῶν δὲ ἐφθόδον ἤδη χεῖσθαι τὸ ὕδωρ.

Τοῦτο δ' οἱ μὲν περὶ Ἀριστόβουλον οὐκ ἂν συγ- 24
 10 χωροῖεν οἱ φάσκοντες μὴ ὕεσθαι τὰ πεδία. Ὀνησικρι-
 τῳ δὲ δοκεῖ τόδε τὸ ὕδωρ αἴτιον εἶναι τῶν ἐν τοῖς ζώ-
 οῖς ἰδιωμάτων, καὶ φέρει σημεῖον τὸ καὶ τὰς χροῶς τῶν
 πινόντων βοσκημάτων ξενικῶν ἀλλάττεσθαι πρὸς τὸ
 ἐπιχώριον. τοῦτο μὲν οὖν εὖ, οὐκέτι δὲ καὶ [τὸ] τοῦ
 15 μέλανας εἶναι καὶ οὐλότριχας τοὺς Αἰθίοπας ἐν ψιλοῖς
 τοῖς ὕδασι τὴν αἰτίαν τιθέναι, μέμφεσθαι δὲ τὸν Θεο-
 δέκτην εἰς αὐτὸν τὸν ἥλιον ἀναφέροντα τὸ αἴτιον, ὅς
 φησιν οὕτως „οἷς ἀρχιτέρμων ἥλιος διαφορηλατῶν σκο-
 „τεινὸν ἄνθος ἐξέχρωσε λιγνύος εἰς σῶματ' ἀνδρῶν,
 20 „καὶ συνέστρεψεν κόμας μορφαῖς ἀνανυξήτοισι συν-
 „τήξας πυρός.“ ἔχοι δ' ἂν τινα λόγον· φησὶ γὰρ μήτε
 ἐγγυτέρω τοῖς Αἰθίοσιν εἶναι τὸν ἥλιον ἢ τοῖς ἄλλοις,
 ἀλλὰ μᾶλλον κατὰ κάθετον εἶναι, καὶ διὰ τοῦτο ἐπικαί-
 εσθαι πλεον, ὥστ' οὐκ εὖ λέγεσθαι ἀρχιτέρμονα αὐ-
 25 τοῖς τὸν ἥλιον ἴσον πάντων διέχοντα· μήτε τὸ θάλαππος
 εἶναι τοῦ τοιούτου πάθους αἴτιον· μηδὲ γὰρ τοῖς ἐν 0.696
 γαστρὶ, ὧν οὐχ ἅπτεται ἥλιος. βελτίους δὲ οἱ τὸν ἥλιον
 αἰτιώμενοι καὶ τὴν ἐξ αὐτοῦ ἐπίκλυσιν κατ' ἐπὶ λειψιν
 σφοδρὰν τῆς ἐπιπολῆς ἰκμάδος· καθ' ὃ καὶ τοὺς Ἰν-
 30 δοὺς μὴ οὐλοτριχεῖν φαμεν, μηδ' οὕτως ἀπεφεισμέ-
 νως ἐπικεκαῦσθαι τὴν χροῶν, ὅτι ὑγροῦ κοινωνοῦσιν
 ἄερος. ἐν δὲ τῇ γαστρὶ ἤδη κατὰ σπερματικὴν διάδοσιν

τοιαῦτα γίνεται οἷα τὰ γεννωῶντα· καὶ γὰρ πάθῃ συ-
 γεννικὰ οὕτω λέγεται καὶ ἄλλαι ὁμοιότητες. καὶ τὸ πάν-
 των δ' ἴσον ἀπέχειν τὸν ἥλιον πρὸς αἰσθησιν λέγεται,
 οὐ πρὸς λόγον· καὶ πρὸς αἰσθησιν, οὐχ ὥς ἐτυχεν ἀλλ'
 ὥς φαμεν σημείου λόγον ἔχειν τὴν γῆν πρὸς τὴν τοῦ 5
 ἡλίου σφαῖραν· ἐπεὶ πρὸς γε τὴν τοιαύτην αἰσθησιν
 καθ' ἣν θάλλπους ἀντιλαμβάνομεθα, ἐγγύθεν μὲν
 μᾶλλον πόρρωθεν δὲ ἦττον, οὐκ ἴσον· οὕτω δ' ἀγχι-
 τέρμων ὁ ἥλιος λέγεται τοῖς Αἰθίοψιν, οὐχ ὥς Ὀνησι-
 κρίτῳ δέδοκται. 10

25 Καὶ τοῦτο δὲ τῶν ὁμολογουμένων ἐστὶ καὶ τῶν
 σωζόντων τὴν πρὸς τὴν Αἴγυπτον ὁμοιότητα καὶ τὴν
 Αἰθιοπίαν, ὅτι τῶν πεδίων ὅσα μὴ ἐπὶ κλυστα, ἄκαρπά
 ἐστὶ διὰ τὴν ἀνυδρίαν. Νέαρχος δὲ τὸ ζητούμενον
 πρότερον ἐπὶ τοῦ Νείλου πόθεν ἢ πλήρωσις αὐτοῦ, δι-15
 δάσκειν ἔφη τοὺς Ἰνδικοὺς ποταμοὺς ὅτι ἐκ τῶν θερι-
 νῶν ὄμβρων συμβαίνει· Ἀλέξανδρον δ' ἐν μὲν τῷ
 Τυδάσπῃ κροκοδείλους ἰδόντα, ἐν δὲ τῷ Ἀκεσίνῃ κυά-
 μους Αἰγυπτίους, εὐρηκέναι δόξαι τὰς τοῦ Νείλου πη-
 γάς, καὶ παρασκευάζεσθαι στόλον εἰς τὴν Αἴγυπτον 20
 ὥς τῷ ποταμῷ τούτῳ μέχρ' ἐκεῖσε πλευσόμενον· μι-
 κρόν δ' ὕστερον γινῶναι διότι οὐ δύναται ὃ ἥλπισε·
 „μέσσω γὰρ μεγάλοι ποταμοὶ καὶ δεινὰ ῥέεθρα, Ὠκεα-
 „νὸς μὲν πρῶτον,“ εἰς ὃν ἐκδιδόασιν οἱ Ἰνδικοὶ πάντες
 ποταμοί, ἔπειτα ἢ Ἀριανὴ καὶ ὁ Περσικὸς κόλπος καὶ 25
 ὁ Ἀράβιος καὶ αὐτὴ ἢ Ἀραβία καὶ ἡ Τρωγλοδυτικὴ.
 τὰ μὲν οὖν περὶ τῶν ἀνέμων καὶ τῶν ὄμβρων τοιαῦτα
 λέγεται καὶ τῆς πληρώσεως τῶν ποταμῶν καὶ τῆς ἐπι-
 κλύσεως τῶν πεδίων.

26 Δεῖ δὲ καὶ τὰ καθ' ἕκαστα περὶ τῶν ποταμῶν εἰ-30
 πεῖν ὅσα πρὸς τὴν γεωγραφίαν χρήσιμα καὶ ὅσων
 ἱστορίαν παρειλήφαμεν. ἄλλως τε γὰρ οἱ ποταμοὶ φυ-

σικοί τινες ὄροι καὶ μεγεθῶν καὶ σχημάτων τῆς χώρας
 ὄντες ἐπιτηδειότητα πολλὴν παρέχουσι πρὸς ὅλην τὴν
 νῦν ὑπόθεσιν. ὁ δὲ Νεῖλος καὶ οἱ κατὰ τὴν Ἰνδικὴν C.697
 πλεονέκτημά τι ἔχουσι παρὰ τοὺς ἄλλους διὰ τὸ τὴν
 5 χώραν ἀοίκητον εἶναι χωρὶς αὐτῶν, πλωτὴν ἅμα καὶ
 γεωργήσιμον οὖσαν, καὶ μὴτ' ἐφοδεύεσθαι δυναμένην
 ἄλλως μὴτ' οἰκεῖσθαι τὸ παράπαν. τοὺς μὲν οὖν εἰς
 τὸν Ἰνδὸν καταφερομένους ἱστοροῦμεν τοὺς ἀξίους
 μνήμης καὶ τὰς χώρας, δι' ὧν ἡ φορὰ, τῶν δ' ἄλλων
 10 ἐστὶν ἄγνοια πλείων ἢ γνώσις. Ἀλέξανδρος γὰρ ὁ μά-
 λιστα ταῦτ' ἀνακαλύψας κατ' ἀρχὰς μὲν, ἡνίκα οἱ Δα-
 ρειον δολοφονήσαντες ὥρμησαν ἐπὶ τὴν τῆς Βακτρια-
 νῆς ἀπόστασιν, ἔγνω προουργιαίτατον ὃν διώκειν καὶ
 καταλύειν ἐκείνους. ἦκε μὲν οὖν τῆς Ἰνδικῆς πλησίον
 15 δι' Ἀριανῶν, ἀφελὶς δ' αὐτὴν ἐν δεξιᾷ ὑπερέβη τὸν
 Παροπάμισον εἰς τὰ πρὸς ἄρκτια μέρη καὶ τὴν Βακτρι-
 ανήν· καταστρεψάμενος δὲ τὰ κεῖ πάντα ὅσα ἦν ὑπὸ
 Πέρσαις καὶ ἔτι πλείω, τότε ἤδη καὶ τῆς Ἰνδικῆς ὠρέ-
 χθη, λεγόντων μὲν περὶ αὐτῆς πολλῶν οὐ σαφῶς δέ.
 20 ἀνέστρεψε δ' οὖν ὑπερθεῖς τὰ αὐτὰ ὄρη κατ' ἄλλας
 ὁδοὺς ἐπιτομωτέρας ἐν ἀριστερᾷ ἔχων τὴν Ἰνδικήν,
 εἴτ' ἐπέστρεψεν εὐθύς ἐπ' αὐτὴν καὶ τοὺς ὄρους τοὺς
 ἐσπερίους αὐτῆς καὶ τὸν Κώφην ποταμὸν καὶ τὸν Χο-
 ἀσπην, ὃς εἰς τὸν Κώφην ἐμβάλλει ποταμὸν κατὰ
 25 Πλημύριον πόλιν, θυεῖς παρὰ * Γῶρυνδι ἄλλην πόλιν,
 καὶ διεξιὼν τὴν τε Βανδοβηνήν καὶ τὴν Γανδαρίτιν.
 ἐπυνθάνετο δ' οἰκήσιμον εἶναι μάλιστα καὶ εὐκαρπον
 τὴν ὄρεινὴν καὶ προσάρκτιον· τὴν δὲ νότιον τὴν μὲν
 ἄνυδρον τὴν δὲ ποταμόκλυστον καὶ τελέως ἔκπυρον,
 30 θηρόλοις τε μᾶλλον ἢ ἀνθρώποις σύμμετρον. ὥρμησεν

οὖν τὴν ἐπαινουμένην κατακτᾶσθαι πρότερον, ἅμα καὶ τοὺς ποταμοὺς εὐπερατοτέρους νομίσας τῶν πηγῶν πλησίον, οὓς ἀναγκαῖον ἦν διαβαίνειν, ἐπικαρσίους ὄντας καὶ τέμνοντας ἦν ἐπήγει γῆν. ἅμα δὲ καὶ ἥκουσεν εἰς ἕν πλείους συνιόντας ῥεῖν, καὶ τοῦτ' ἀεὶ 5 καὶ μᾶλλον συμβαῖνον ὅσῳ πλεῖον εἰς τὸ πρόσθεν προῖοιεν, ὥστ' εἶναι δυσπερατοτέραν, καὶ ταῦτα ἐν πλοίων ἀπορίᾳ. δεδιὼς οὖν τοῦτο διέβη τὸν Κώφην, καὶ κατεστρέφετο τὴν ὀρεινὴν ὅση ἐτέτραπτο πρὸς ἕω.

27 Ἦν δὲ μετὰ τὸν Κώφην ὁ Ἰνδός, εἰθ' ὁ Ὑδάσπης, 10 εἰθ' ὁ Ἀκείνης καὶ ὁ Ἱάρωτις, ὕστατος δ' ὁ Ὑπάνιος. περαιτέρω γὰρ προελθεῖν ἐκωλύθη, τοῦτο μὲν μαντείοις τισὶ προσέχων τοῦτο δ' ὑπὸ τῆς στρατιᾶς ἀπηγορευκυίας ἤδη πρὸς τοὺς πόρους ἀναγκασθεῖς· μάλιστα δ' ἐκ τῶν ὑδάτων ἔκαμνον συνεχῶς ὑόμενοι. 15 ταῦτ' οὖν ἐγένετο γνώριμα ἡμῖν τῶν ἐωθινῶν τῆς Ἰνδικῆς μερῶν, ὅσα ἐντὸς τοῦ Ὑπάνιος, καὶ εἴ τινα προσιστόρησαν οἱ μετ' ἐκείνον περαιτέρω τοῦ Ὑπάνιος προελθόντες μέχρι τοῦ Γάγγου καὶ Παλιβόθρων. μετὰ μὲν οὖν τὸν Κώφην ὁ Ἰνδὸς ῥεῖ· τὰ δὲ μεταξὺ τούτων 20 τῶν δυεῖν ποταμῶν ἔχουσιν Ἀστακηνοὶ τε καὶ Μασσιανοὶ καὶ Νυσαῖοι καὶ Ὑπάσιοι· εἰθ' ἡ Ἀσσακανοῦ, ὅπου Μασόγα πόλις, τὸ βασιλεῖον τῆς χώρας. ἤδη δὲ πρὸς τῷ Ἰνδῷ πάλιν ἄλλη πόλις Πευκολαῖτις, πρὸς ἣ ζεῦγμα γενηθὲν ἐπεραίωσε τὴν στρατιάν. 25

28 Μεταξὺ δὲ τοῦ Ἰνδοῦ καὶ τοῦ Ὑδάσπου Τάξιλα ἔστι πόλις μεγάλη καὶ εὐνομοτάτη, καὶ ἡ περικειμένη χώρα συχνὴ καὶ σφόδρα εὐδαίμων, ἥδη συνάπτουσα καὶ τοῖς πεδίοις. ἐδέξαντό τε δὴ φιλανθρωπῶπως τὸν Ἀλέξανδρον οἱ ἄνθρωποι καὶ ὁ βασιλεὺς αὐτῶν Ταξι- 30 λης· ἔτυχόν τε πλειόνων ἢ αὐτοὶ παρέσχον, ὥστε φθονεῖν τοὺς Μακεδόνας καὶ λέγειν ὡς οὐκ εἶχεν, ὡς εἰ-

κεν, Ἀλέξανδρος οὓς εὐεργετήσῃ πριν ἢ διέβῃ τὸν Ἴν-
 δόν. φασὶ δ' εἶναι τινες τὴν χώραν ταύτην Αἰγύπτου
 μερίζονα. ὑπὲρ δὲ ταύτης ἐν τοῖς ὄρεσιν ἡ τοῦ Ἀβισά-
 ρου χώρα, παρ' ᾧ δύο θράκοντας ἀπήγγελλον οἱ παρ'
 5 αὐτοῦ πρέσβεις τρέφεσθαι, τὸν μὲν ὀγδοήκοντα πη-
 χῶν τὸν δὲ τετταράκοντα πρὸς τοῖς ἑκατόν, ὡς εἰρη-
 κεν Ὀνησίκριτος, ὃν οὐκ Ἀλεξάνδρου μᾶλλον ἢ τῶν
 παραδόξων ἀρχικυβερνήτην προσείποι τις ἄν. πάντες
 μὲν γὰρ οἱ περὶ Ἀλέξανδρον τὸ θαυμαστὸν ἀντὶ τάλῃ-
 10 θοῦς ἀπεδέχοντο μᾶλλον, ὑπερβάλλεσθαι δὲ δοκεῖ
 τοὺς τοσούτους ἐκείνος τῇ τερατολογίᾳ· λέγει δ' οὗν
 τινα καὶ πιθανὰ καὶ μνήμης ἄξια ὥστε καὶ ἀπιστοῦντα
 μὴ παρελθεῖν αὐτά. περὶ δ' οὗν τῶν δρακόντων καὶ
 ἄλλοι λέγουσιν ὅτι ἐν τοῖς Ἡμωδοῖς ὄρεσι θηρεύουσι
 15 καὶ τρέφουσιν ἐν σπηλαίοις.

Μεταξὺ δὲ τοῦ Ὑδάσπου καὶ τοῦ Ἀκεσίνου ἡ τε 29
 τοῦ Πῶρου ἐστὶ, πολλὴ καὶ ἀγαθὴ, σχεδόν τι καὶ τρι-
 ακοσίων πόλεων, καὶ ἡ πρὸς τοῖς Ἡμωδοῖς ὄρεσιν ὕλη,
 ἐξ ἧς Ἀλέξανδρος κατήγαγε τῷ Ὑδάσπῃ κόψας ἐλάτην
 20 τε πολλὴν καὶ πεύκην καὶ κέδρον καὶ ἄλλα παντοῖα
 στελέχη ναυπηγήσιμα, ἐξ ὧν στόλον κατεσκευάσατο
 ἐπὶ τῷ Ὑδάσπῃ πρὸς ταῖς ἐκτισμέναις ὑπ' αὐτοῦ πόλε-
 σιν ἐφ' ἑκάτερα τοῦ ποταμοῦ, ὅπου τὸν Πῶρον ἐνίκα
 διαβάς· ὧν τὴν μὲν Βουκεφαλίαν ὠνόμασεν ἀπὸ τοῦ
 25 πεσόντος ἵππου κατὰ τὴν μάχην τὴν πρὸς τὸν Πῶρον
 (ἐκαλεῖτο δὲ Βουκεφάλας ἀπὸ τοῦ πλάτους τοῦ μετώ-
 που· πολεμιστὴς δ' ἦν ἀγαθός, καὶ αἰεὶ τούτῳ ἐκέ- C.699
 χρητο κατὰ τοὺς ἀγῶνας), τὴν δὲ Νίκαιαν ἀπὸ τῆς νί-
 κης ἐκάλεσεν. ἐν δὲ τῇ λεχθείσῃ ὕλῃ καὶ τὸ τῶν κερ-
 30 κοπιθήκων διηγοῦνται πλήθος ὑπερβάλλον καὶ τὸ μέ-
 γεθος ὁμοίως· ὥστε τοὺς Μακεδόνας ποτὲ ἰδόντας ἐν
 τισιν ἀκρολοφίαις ψιλαῖς ἐστῶτας ἐν τάξει κατὰ μέτω-

πον πολλοὺς (καὶ γὰρ ἀνθρωπονοῦσταιον εἶναι το
 ξῶον, οὐχ ἦττον τῶν ἐλεφάντων) στρατοπέδου λαβεῖν
 φαντασίαν καὶ ὁρμῆσαι μὲν ἐπ' αὐτοὺς ὡς πολεμίους,
 μαθόντας δὲ παρὰ Ταξίλου συνόντος τότε τῷ βασιλεῖ
 τὴν ἀλήθειαν παύσασθαι. ἡ δὲ θήρα τοῦ ξῶου διττή· 5
 μιμητικὸν δὲ καὶ ἐπὶ τὰ δένδρα ἀναφευκτικόν· οἱ οὖν
 θηρεύοντες, ἐπὰν ἰδῶσιν ἐπὶ δένδρων ἰδρυμένον, ἐν
 ὄψει θέντες τρύβλιον ὕδωρ ἔχον τοὺς ἐαυτῶν ὀφθαλ-
 μοὺς ἐναλείφουσιν ἐξ αὐτοῦ· εἴτ' ἀντὶ τοῦ ὕδατος ἱξοῦ
 τρύβλιον θέντες ἀπίασι καὶ λοχῶσι πόρρωθεν· ἐπὰν 10
 δὲ καταπηθῇσαν τὸ θηρίον ἐγκρίσῃται τοῦ ἱξοῦ, * κα-
 ταμύσαντος δ' ἀποληφθῇ τὰ βλέφαρα, ἐπιόντες ζω-
 γροῦσιν. εἷς μὲν οὖν τρόπος οὗτος, ἄλλος δὲ· ὑποδυ-
 σάμενοι θυλάκους ὡς ἀναξυρίδας ἀπίασιν, ἄλλους κα-
 ταλιπόντες δασεῖς τὰ ἐντὸς κεχρισμένους ἱξῶ· ἐνδύν- 15
 τας δὲ εἰς αὐτοὺς ῥαδίως αἰρουῦσι.

- 30 Καὶ τὴν Κάθαιαν δέ τινες [καὶ] τὴν Σωπεΐθους,
 τῶν νομαρχῶν τινος, κατὰ τήνδε τὴν μεσοποταμίαν
 τιθέασιν· ἄλλοι δὲ καὶ τοῦ Ἀκεσίνου πέραν καὶ τοῦ
 Ῥαρώτιδος, ὅμορον τῇ Πάωρου τοῦ ἐτέρου, ὃς ἦν ἀνε- 20
 ψιὸς τοῦ ὑπ' Ἀλεξάνδρου ἀλόντος· καλοῦσι δὲ Γαν-
 δαρίδα τὴν ὑπὸ τούτῳ χώραν. ἐν δὲ τῇ Καθαίᾳ καινό-
 τατον ἱστορεῖται τὸ περὶ τοῦ κάλλους ὅτι τιμᾶται δια-
 φερόντως, ὡς ἵππων καὶ κυνῶν· βασιλέα τε γὰρ τὸν
 κάλλιστον αἰρεῖσθαι φησιν Ὀνησίκριτος, γενόμενόν 25
 τε παιδίον μετὰ δέμνηνον κρίνεσθαι δημοσίᾳ πότερον
 ἔχει τὴν ἐννομον μορφὴν καὶ τοῦ ξῆν ἀξίαν ἢ οὐ, κρι-
 θέντα δ' ὑπὸ τοῦ ἀποδειχθέντος ἄρχοντος ξῆν ἢ θα-
 νατοῦσθαι· βάπτεσθαι τε πολλοῖς εὐανθεστάτοις χρώ-
 μασι τοὺς πάγωνας αὐτοῦ τούτου χάριν καλλωπιζο- 30
 μένους· τοῦτο δὲ καὶ ἄλλους ποιεῖν ἐπιμελῶς συχνοὺς
 τῶν Ἰνδῶν (καὶ γὰρ δὴ φέρειν τὴν χώραν χροάς θαν-

μαστάς) καὶ θριξὶ καὶ ἐσθῆσι· τοὺς δ' ἀνθρώπους τὰ
 ἄλλα μὲν εὐτελεῖς εἶναι φιλοκόσμους δέ. ἰδιον δὲ τῶν
 Καθαίων καὶ τοῦτο ἱστορεῖται τὸ αἰρεῖσθαι νυμφίον
 καὶ νύμφην ἀλλήλους καὶ τὸ συγκατακαίεσθαι τεθνεώ-
 5 σι τοῖς ἀνδράσι τὰς γυναῖκας κατὰ τοιαύτην αἰτίαν,
 ὅτι ἐρῶσαι ποτε τῶν νέων ἀφίσταντο τῶν ἀνδρῶν ἤC.700
 φαρμακεύοιεν αὐτούς· νόμον οὖν θέσθαι τοῦτον ὡς
 παυσομένης τῆς φαρμακείας· οὐ πιθανῶς μὲν οὖν ὁ
 νόμος οὐδ' ἡ αἰτία λέγεται. φασὶ δ' ἐν τῇ Σωπείδους
 10 χώρᾳ ὀρυκτῶν ἁλῶν ὄρος εἶναι ἀρκεῖν δυνάμενον ὅλην
 τῇ Ἰνδικῇ· καὶ χρυσεῖα δὲ καὶ ἀργυρεῖα οὐ πολὺ ἄπω-
 θεν ἐν ἄλλοις ὄρεσιν ἱστορεῖται καλὰ, ὡς ἐδήλωσε
 Γόργος ὁ μεταλλευτής. οἱ δ' Ἰνδοὶ μεταλλείας καὶ χω-
 νείας ἀπείρως ἔχοντες οὐδ' ὧν εὐποροῦσιν ἰσασιν, ἀλλ'
 15 ἀπλούστερον μεταχειρίζονται τὸ πρᾶγμα.

Ἐν δὲ τῇ Σωπείδους καὶ τὰς τῶν κυνῶν ἀρετὰς 31
 διηγοῦνται θαυμαστάς· λαβεῖν γοῦν τὸν Ἀλέξανδρον
 παρὰ τοῦ Σωπείδους κύνας πεντήκοντα καὶ ἑκατόν·
 διαπείρας δὲ χάριν λέοντι προσαφέντας δύο, κρατου-
 20 μένων αὐτῶν, δύο ἄλλους ἐπαφεῖναι· τότε δ' ἤδη κα-
 θεστώτων εἰς ἀντίπαλα τὸν μὲν Σωπείδην κελεῦσαι
 τῶν κυνῶν ἕνα ἀποσπᾶν τοῦ σκέλους τινὰ λαβόμενον,
 εἰὰν δὲ μὴ ὑπακούῃ ἀποτεμεῖν· τὸν Ἀλέξανδρον δὲ κατ'
 ἀρχὰς μὲν οὐ συγχωρεῖν ἀποτεμεῖν φειδόμενον τοῦ
 25 κυνός, εἰπόντος δ' ὅτι τέτταρας ἀντιδώσω σοι, συγχω-
 ρῆσαι καὶ τὸν κύνα περιιδεῖν ἀποτμηθέντα τὸ σκέλος
 βραδείᾳ τομῇ πρὶν ἀνεῖναι τὸ δῆγμα.

Ἡ μὲν οὖν μέχρι τοῦ Ἰθάσπου ὁδὸς τὸ πλεόν ἦν 32
 ἐπὶ μεσημβρίαν, ἡ δ' ἐνθένδε πρὸς ἕω μᾶλλον μέχρι
 30 τοῦ Ἰπάνιος, ἅπασα δὲ τῆς ὑπωρείας μᾶλλον ἢ τῶν
 πεδίων ἐχομένη. ὁ δ' οὖν Ἀλέξανδρος ἀπὸ τοῦ Ἰπά-
 νιος ἀναστρέψας ἐπὶ τὸν Ἰθάσπην καὶ τὸν ναύσταθμον

ἡρτικρότει τὸν στόλον, εἴτ' ἐπλει τῷ Ὑδάσπῃ. πάντες δ' οἱ λεχθέντες ποταμοὶ συμβάλλουσιν εἰς ἓνα τὸν Ἰνδόν, ὕστατος δ' ὁ Ὑπανις· πεντεκαίδεκα δὲ τοὺς σύμπαντας συρρεῖν φασὶ τοὺς γε ἀξιολόγους· πληρωθεὶς δ' ἐκ πάντων ὥστε καὶ ἐφ' ἑκατὸν σταδίους, ὥς οἱ μὴ 5 μετριάζοντες φασιν, εὐρύνεσθαι κατὰ τινας τόπους, ὥς δ' οἱ μετρίωτεροι, πεντήκοντα τὸ πλεῖστον ἐλάχιστον δὲ ἐπτά, ἔπειτα δυσὶ στόμασιν εἰς τὴν νοτίαν ἐκδίδωσι θάλατταν καὶ τὴν Παταληνὴν προσαγορευομένην ποιεῖ νῆσον. ταύτην δ' ἔσχε τὴν διάνοιαν Ἀλέξαν- 10 δρος, ἀφελὺς τὰ πρὸς ἕω μέρη πρῶτον μὲν διὰ τὸ κωλυθῆναι διαβῆναι τὸν Ὑπανιν, ἔπειτα καὶ ψευδῇ καταμαθὼν τῇ πείρᾳ τὸν προκατέχοντα λόγον ὥς ἐκπυρα εἴη καὶ θηρίοις μᾶλλον οἰκήσιμα τὰ ἐν τοῖς πεδίοις ἢ ἀνθρωπείῳ γένει· διόπερ ὥρμησεν ἐπὶ ταῦτα ἀφελὺς 15 ἐκεῖνα, ὥστε καὶ ἐγνώσθη ταῦτα ἀντ' ἐκείνων ἐπὶ πλεόν.

33 Ἡ μὲν οὖν μεταξὺ τοῦ Ὑπάνιος καὶ τοῦ Ὑδάσπου C.701 λέγεται ἐννέα ἔχειν ἔθνη, πόλεις δὲ εἰς πεντακισχιλίας οὐκ ἐλάττους Κῶ τῆς Μεροπίδος· δοκεῖ δὲ πρὸς ὑπερ- 20 βολὴν εἰρησθαι τὸ πλῆθος· ἡ δὲ μεταξὺ τοῦ Ἰνδοῦ καὶ τοῦ Ὑδάσπου εἰρηται σχεδὸν τι ὕφ' ὧν οἰκεῖται τῶν ἀξίων μνήμης. κἄτω δ' ἐξῆς εἰσιν οἳ τε Σίβαι λεγόμενοι, περὶ ὧν καὶ πρότερον ἐμνήσθημεν, καὶ Μαλλοὶ καὶ Συδράκαι μεγάλα ἔθνη· καὶ Μαλλοὶ μὲν παρ' οἷς 25 ἀποθανεῖν ἐκινδύνευσεν Ἀλέξανδρος τρωθεὶς ἐν ἀλώσει πολίχνης τινός, Συδράκαι δὲ οὖς τοῦ Διονύσου συγγενεῖς ἔφαμεν μεμυθεῖσθαι. πρὸς αὐτῇ δ' ἤδη τῇ Παταληνῇ τὴν τε τοῦ Μουσικανοῦ λέγουσι καὶ τὴν Σάβου, τὰ Σινδόμανα, καὶ ἔτι τὴν Πορτικανοῦ καὶ ἄλ- 30

8. post ἐπτά: καὶ πολλὰ ἔθνη καὶ πόλεις εἰςὶ περίεξ

λων ὧν ἐκράτησεν ἀπάντων Ἀλέξανδρος, τὴν τοῦ Ἰνδοῦ
 παροικούντων ποταμίαν, ὑστάτης δὲ τῆς Παταληνῆς
 ἦν ὁ Ἰνδὸς ποιεῖ σχισθεῖς εἰς δύο προχοάς. Ἀριστόβου-
 λος μὲν οὖν εἰς χιλίους σταδίους διέχειν ἀλλήλων φησὶν
 5 αὐτάς, Νέαρχος δ' ὀκτακοσίους προστίθησιν, Ὀνησί-
 κριτος δὲ τὴν πλευρὰν ἐκάστην τῆς ἀπολαμβανομένης
 νήσου τριγώνου τὸ σχῆμα δισχίλιων, τοῦ δὲ ποταμοῦ
 τὸ πλάτος καθ' ὃ σχίζεται εἰς τὰ στόματα ὅσον διακο-
 σίων· καλεῖ δὲ τὴν νῆσον Δέλτα καὶ φησιν ἴσην εἶναι
 10 τοῦ κατ' Αἴγυπτον Δέλτα, οὐκ ἀληθὲς τοῦτο λέγων.
 τὸ γὰρ κατ' Αἴγυπτον Δέλτα χιλίων καὶ τριακοσίων
 λέγεται σταδίων ἔχειν τὴν βάσιν, τὰς δὲ πλευρὰς ἐκα-
 τέραν ἐλάττω τῆς βάσεως. ἐν δὲ τῇ Παταληνῇ πόλις
 ἐστὶν ἀξιώλογος τὰ Πάταλα, ἀφ' ἧς καὶ ἡ νῆσος κα-
 15 λεῖται.

Φησὶ δ' Ὀνησίκριτος τὴν πλείστην παραλίαν τὴν 34
 ταύτῃ πολὺ τὸ τεναγῶδες ἔχειν καὶ μάλιστα κατὰ τὰ
 στόματα τῶν ποταμῶν διὰ τε τὴν χοῦν καὶ τὰς πλημ-
 μυρίδας καὶ τὸ μὴ πνεῖν ἀπογαίους ἀλλ' ὑπὸ τῶν πε-
 20 λαγίων ἀνέμων κατέχεσθαι τούτους τοὺς τόπους τὸ
 πλεόν. λέγει δὲ καὶ περὶ τῆς Μουσικανοῦ χώρας ἐπὶ
 πλεόν ἐγκωμιάζων αὐτήν, ὧν τινα κοινὰ καὶ ἄλλοις
 Ἰνδοῖς ἰστόρηται, ὥς τὸ μακρόβιον ὥστε καὶ τριάκοντα
 25 ἔτι τούτων μακροβιωτέρους τινὲς φασὶ) καὶ τὸ λιτόβιον
 καὶ τὸ ὑγιεινόν, καίπερ τῆς χώρας ἀφθονίαν ἀπάντων
 ἐχούσης. ἴδιον δὲ τὸ συσσίτια τινα Λακωνικὰ αὐτοῖς
 εἶναι δημοσίᾳ σιτουμένων ὅσα δ' ἐκ θήρας ἐχόντων,
 καὶ τὸ χρυσῶ μὴ χρῆσθαι μηδ' ἀργύρῳ μετάλλων ὄν-
 30 των, καὶ τὸ ἀντὶ δούλων τοῖς ἐν ἀκμῇ χρῆσθαι νέοις,
 ὥς Κρηῆτες μὲν τοῖς Ἀφαιμιάταις Λάκωνες δὲ τοῖς Εἰ-
 λωσι· μὴ ἀκριβοῦν δὲ τὰς ἐπιστήμας πλὴν ἱατρικῆς·

ἐπὶ τινων γὰρ κακουργίαν εἶναι τὴν ἐπὶ πλεον ἄσκησιν,
 C.702οῖον ἐπὶ τῆς πολεμικῆς καὶ τῶν ὁμοίων· δίκην δὲ μὴ
 εἶναι πλὴν φόνου καὶ ὕβρεως· οὐκ ἐπ' αὐτῷ γὰρ τὸ
 μὴ παθεῖν ταῦτα, τὰ δ' ἐν τοῖς συμβολαίοις ἐπ' αὐτῷ
 ἐκάστω, ὥστε ἀνέχεσθαι δεῖ εἰάν τις παραβῇ τὴν πίστιν, 5
 ἀλλὰ καὶ προσέχειν ὅτῳ πιστευτέον, καὶ μὴ δικῶν πλη-
 ροῦν τὴν πόλιν.

Ταῦτα μὲν οἱ μετ' Ἀλεξάνδρου στρατεύσαντες λέ-
 35 γουσιν. ἐκδέδοται δὲ τις καὶ Κρατεροῦ πρὸς τὴν μη-
 τέρα Ἀριστοπάτραν ἐπιστολὴ πολλά τε ἄλλα παράδοξα 10
 φράξουσα καὶ οὐχ ὁμολογοῦσα οὐδενὶ καὶ δὴ καὶ τὸ
 μέγρι τοῦ Γάγγου προελθεῖν τὸν Ἀλέξανδρον· αὐτὸς
 τέ φησιν ἰδεῖν τὸν ποταμὸν καὶ * κήτη τὰ ἐπ' αὐτῷ καὶ
 μέγεθος καὶ πλάτους καὶ βάθους πόρρω πίστεως μᾶλ-
 λον ἢ ἐγγύς. ὅτι μὲν γὰρ μέγιστος τῶν μνημονευομέ- 15
 νων κατὰ τὰς τρεῖς ἡπείρους καὶ μετ' αὐτὸν ὁ Ἰνδός,
 τρίτος δὲ καὶ τέταρτος ὁ Ἰστρος καὶ ὁ Νεῖλος, ἱκανῶς
 συμφωνεῖται· τὰ καθ' ἕκαστα δ' ἄλλοι ἄλλως περὶ
 αὐτοῦ λέγουσιν, οἱ μὲν τριάκοντα σταδίων τοῦλάχιστον
 πλάτος οἱ δὲ καὶ τριῶν, Μεγασθένους δέ, ὅταν ἦ μέτριος, 20
 καὶ εἰς ἑκατὸν εὐρύνεσθαι, βάθος δὲ εἰκοσιν ὀργυιῶν
 τοῦλάχιστον.

36 Ἐπὶ δὲ τῇ συμβολῇ τούτου τε καὶ τοῦ ἄλλου ποτα-
 μοῦ [Ἑρανοβοῖα] τὰ Παλίβοθρα ἰδρῦσθαι σταδίων
 ὀγδοήκοντα τὸ μῆκος πλάτος δὲ πεντεκαίδεκα ἐν πα- 25
 ραλληλογράμμῳ σχήματι, ξύλινον περίβολον ἔχουσαν
 κατατετρημένον ὥστε διὰ τῶν ὁπῶν τοξεύειν· προ-
 κεῖσθαι δὲ καὶ τάφρον φυλακῆς τε χάριν καὶ ὑποδοχῆς
 τῶν ἐκ τῆς πόλεως ἀπορροϊῶν. τὸ δ' ἔθνος ἐν ᾧ ἡ πό-
 λιν αὕτη καλεῖσθαι Πρασίους, διαφορώτατον τῶν πάν- 30
 των· τὸν δὲ βασιλεύοντα ἐπώνυμον δεῖν τῆς πόλεως
 εἶναι, Παλίβοθρον καλούμενον πρὸς τῷ ἰδίῳ τῷ ἐκ γε-

νετῆς ὀνόματι, καθάπερ τὸν Σανδρόκοττον, πρὸς ὃν ἦκεν ὁ Μεγασθένης πεμφθεῖς· τοιοῦτο δὲ καὶ τὸ παρὰ τοῖς Παρθυαίοις· Ἀρσάκαι γὰρ καλοῦνται πάντες, ἰδίᾳ δὲ ὁ μὲν Ὀρώδης ὁ δὲ Φραάτης ὁ δ' ἄλλο τι.

- 5 Ἀρίστη δ' ὁμολογεῖται πᾶσα ἡ τοῦ Ὑπάνιος πέ- 37
ραν· οὐκ ἀκριβοῦνται δέ, ἀλλὰ διὰ τὴν ἄγνοιαν καὶ
τὸν ἐκτοπισμὸν λέγεται πάντ' ἐπὶ τὸ μείζον ἢ τὸ τερα-
τωδέστερον· οἶα τὰ τῶν χρυσωρύχων μυρμῆκων καὶ
ἄλλων θηρίων τε καὶ ἀνθρώπων ἰδιομόρφων καὶ δυ-
10 νάμεσί τιςιν ἐξηλλαγμένων, ὥς τοὺς Σῆρας μακρο-
βίους φασὶ πέρα καὶ διακοσίων ἐτῶν παραπεύοντας.
λέγουσι δὲ καὶ ἀριστοκρατικὴν τινα σύνταξιν πολιτείας
αὐτόθι ἐκ πεντακισχιλίων βουλευτῶν συνεστῶσαν, ὧν
ἕκαστον παρέχεσθαι τῷ κοινῷ ἐλέφαντα. καὶ τίγρεις δ' C.703
15 ἐν τοῖς Πρασίοις φησὶν ὁ Μεγασθένης μεγίστους γίνε-
σθαι, σχεδὸν δέ τι καὶ διπλασίους λεόντων, δυνατοὺς
δὲ ὥστε τῶν ἡμέρων τινὰ ἀγόμενον ὑπὸ τεττάρων τῷ
ὀπισθίῳ σκέλει δραξάμενον ἡμιόνου βιάσασθαι καὶ
ἐλκύσαι πρὸς ἑαυτόν. κερκοπιθήκους δὲ μείζους τῶν
20 μεγίστων κυνῶν, λευκοὺς πλὴν τοῦ προσώπου, τοῦτο
δ' εἶναι μέλαν, παρ' ἄλλοις δ' ἀνάπαλιν· τὰς δὲ κέρ-
κους μείζους δνεῖν πηχέων· ἡμερωτάτους δὲ καὶ οὐ
κακοήθεις περὶ ἐπιθέσεις καὶ κλοπὰς. λίθους δ' ὀρύτ-
τεσθαι λιβανόχρους γλυκντέρους σύκων ἢ μέλιτος.
25 ἀλλαχοῦ δὲ διπήχεις ὄφεις ὑμενοπτέρους ὥσπερ αἱ
νυκτερίδες· καὶ τούτους δὲ νύκτωρ πέτεσθαι, στα-
λαγμοὺς ἀφιέντας οὖρων, τοὺς δὲ ἰδρώτων, διασήπον-
τας τὸν χρῶτα τοῦ μὴ φυλαξαμένου· καὶ σκορπίους εἶ-
ναι πτηνοὺς, ὑπερβάλλοντας μεγέθεσι· φύεσθαι δὲ
30 καὶ ἔβενον· εἶναι δὲ καὶ κύνας ἀλκίμους, οὐ πρότερον
μεθιέντας τὸ δηχθὲν πρὶν εἰς τοὺς ῥώθωνας ὕδωρ
καταχυθῆναι· ἐνίοις δ' ὑπὸ προθυμίας ἐν τῷ δήγματι

διαστρέφεσθαι τοὺς ὀφθαλμούς, τοῖς δὲ καὶ ἐκπίπτειν, κατασχεθῆναι δὲ καὶ λέοντα ὑπὸ κυνὸς καὶ ταῦρον, τὸν δὲ ταῦρον καὶ ἀποθανεῖν κρατούμενον τοῦ ῥύγγους πρότερον ἢ ἀφελθῆναι.

- 38 Ἐν δὲ τῇ ὀρεινῇ Σίλαν ποταμὸν εἶναι ᾧ μηδὲν 5 ἐπιπλεῖ. Δημόκριτον μὲν οὖν ἀπιστεῖν ἅτε πολλὴν τῆς Ἀσίας πεπλανημένον· καὶ Ἀριστοτέλης δὲ ἀπιστεῖ, καί περ ἀέρων ὄντων λεπτῶν οἷς οὐδὲν ἐποχεῖται πτηνόν· ἔτι δὲ τῶν ἀναφερομένων ἀτμῶν ἐπισπαστικοί τινές εἰσι πρὸς ἑαυτοὺς καὶ οἷον ῥοφητικοὶ τοῦ ὑπερ- 10 πετοῦς, ὡς τὸ ἤλεκτρον τοῦ ἀχύρου καὶ ἡ σιδηρεῖς τοῦ σιδήρου· τάχα δὲ καὶ καθ' ὕδατος τοιαῦταί τινες εἰεν ἂν δυνάμεις. ταῦτα μὲν οὖν φυσιολογίας ἕχεται τινος καὶ τῆς περὶ τῶν ὀχουμένων πραγματείας, ὥστε ἐν ἐκείνοις ἐπισκεπτέον· νυνὶ δ' ἔτι καὶ ταῦτα προσλη- 15 πτέον καὶ ὅσα ἄλλα τῆς γεωγραφίας ἐγγυτέρω.

- 39 Φησὶ δὴ τὸ τῶν Ἰνδῶν πλῆθος εἰς ἑπτὰ μέρη διη- ρῆσθαι, καὶ πρῶτους μὲν τοὺς φιλοσόφους εἶναι κατὰ τιμὴν, ἐλαχίστους δὲ κατ' ἀριθμόν· χρῆσθαι δ' αὐτοῖς ἰδίᾳ μὲν ἐκάστῳ τοὺς θύοντας ἢ τοὺς ἐναγίζοντας, 20 κοινῇ δὲ τοὺς βασιλέας κατὰ τὴν μεγάλην λεγομένην σύνοδον, καθ' ἣν τοῦ νέου ἔτους ἅπαντες οἱ φιλόσοφοι τῷ βασιλεῖ συνελθόντες ἐπὶ θύρας ὅ τι ἂν αὐτῶν ἕκαστος συντάξῃ τῶν χρησίμων ἢ τηρήσῃ πρὸς εὐετηρίαν καρπῶν τε καὶ ζώων καὶ περὶ πολιτείας, προσφέρει 25 τοῦτ' εἰς τὸ μέσον· ὅς δ' ἂν τρεῖς ἐψευσμένος ἄλῳ, νόμος ἐστὶ σιγᾶν διὰ βίον· τὸν δὲ κατορθώσαντα ἄφρο- 30 ρον καὶ ἀτελῆ κρίνουσι.

- 40 Δεύτερον δὲ μέρος εἶναι τὸ τῶν γεωργῶν, οἵ πλεῖστοί τε εἰσι καὶ ἐπιεικέστατοι ἀστρατεία καὶ ἀδεία τοῦ 30 ἐργάζεσθαι, πόλει μὴ προσιόντες μηδ' ἄλλῃ χρεία μηδ' ὀχλήσει κοινῇ· πολλάκις γοῦν ἐν τῷ αὐτῷ χρόνῳ καὶ

τόπω τοῖς μὲν παρατετάχθαι συμβαίνει καὶ διακινδυνεύειν πρὸς τοὺς πολεμίους, οἱ δ' ἄρουσιν ἢ σκάπτουσιν ἀκινδύνως, προμάχους ἔχοντες ἐκείνους. ἔστι δ' ἡ χάρα βασιλικὴ πᾶσα· μισθοῦ δ' αὐτὴν ἐπὶ τετάρταις 5 ἐργάζονται τῶν καρπῶν.

Τρίτον τὸ τῶν ποιμένων καὶ θηρευτῶν, οἷς μόνοις 41 ἔξεστι θηρεύειν καὶ θρεμματοτροφεῖν ὧνιὰ τε παρῆχειν καὶ μισθοῦ ζεύγη· ἀντὶ δὲ τοῦ τὴν γῆν ἐλευθεροῦν θηρίων καὶ τῶν σπερμολόγων ὀρνέων μετροῦνται 10 παρὰ τοῦ βασιλέως σῆτον, πλάνητα καὶ σκηνίτην νεμόμενοι βίον. Ἴππον δὲ καὶ ἐλέφαντα τρέφειν οὐκ ἔξεστιν ἰδιώτῃ· βασιλικὸν δ' ἐκάτερον νενόμισται τὸ κτῆμα, καὶ εἰσὶν αὐτῶν ἐπιμεληταί.

Θῆρα δὲ τῶν θηρίων τούτων τοιάδε. χωρίον ψιλὸν 42 15 ὅσον τετάρων ἢ πέντε σταδίων τάφρω περιχαράξαντες βαθείᾳ γεφυροῦσι τὴν εἰσοδὸν στενωπότη γεφύρα· εἴτ' εἰσαφιάσι θηλείας τὰς ἡμερωτάτας τρεῖς ἢ τέτταρας, αὐτοὶ δ' ἐν καλυβίοις κρυπτοῖς ὑποκάθηνται λοχῶντες· ἡμέρας μὲν οὖν οὐ προσίασιν οἱ ἄγριοι, νύκτωρ δ' ἐφ' ἓνα ποιοῦνται τὴν εἰσοδὸν· εἰσιόντων δὲ κλείουσι τὴν εἰσοδὸν λάθρα, εἴτα τῶν ἡμέρων ἀθλητῶν τοὺς ἀλκιμωτάτους εἰσάγοντες διαμάχονται πρὸς αὐτούς, ἅμα καὶ λιμῶ καταπονοῦντες· ἥδη δὲ καμνόντων οἱ εὐθαρσέστατοι τῶν ἡνιόχων λάθρα καταβαί- 25 νοντες ὑποδύνουσιν ἕκαστος τῇ γαστρὶ τοῦ οἰκέλου ὀχήματος· ὀρμώμενος δ' ἐνθένδε ὑποδύνει τῷ ἀγρίῳ καὶ σύμποδα δεσμεῖ· γενομένου δὲ τούτου κελεύουσι τοῖς τιθασοῖς τύπτειν τοὺς συμποδισθέντας ἕως ἄν πέσωσιν εἰς τὴν γῆν, πεσόντων δ' ὠμοβοῦνοις λιᾶσι 30 προσλαμβάνονται τοὺς ἀνέχνας αὐτῶν πρὸς τοὺς τῶν τιθασῶν· ἵνα δὲ μὴ σειόμενοι τοὺς ἀναβαίνειν ἐπ' αὐτοὺς ἐπιχειροῦντας ἀποσελαιντο, τοῖς τραχήλοις αὐτῶν

ἐμβάλλονται κύκλῳ τομάς καὶ κατ' αὐτάς τοὺς ἱμάντας περικτιθέασιν ὥσθ' ὑπ' ἀλγηδόνων εἶκειν τοῖς δεσμοῖς καὶ ἡσυχάζειν· τῶν δ' ἀλόντων ἀπολέξαντες τοὺς προσβυτέρους ἢ νεωτέρους τῆς χρείας τοὺς λοιποὺς ἀπαγούσιν εἰς τοὺς σταθμούς, δῆσαντες δὲ τοὺς μὲν πόδας 5 πρὸς ἀλλήλους τοὺς δὲ αὐχένας πρὸς κίονα εἴ πεπηγότα, δαμάξουσι λιμῶ· ἔπειτα χλόη καλάμου καὶ πόας ἀναλαμβάνουσι· μετὰ δὲ ταῦτα πειθαρχεῖν διδάσκουσι, τοὺς μὲν διὰ λόγου τοὺς δὲ μελισμῶ τινι καὶ τυμπα- 10 νισμῶ κηλοῦντες· σπάνιοι δ' οἱ δυστιθάσεντοι· φύσει 10 γὰρ διάκεινται πρῶως καὶ ἡμέρως, ὥστ' ἐγγὺς εἶναι λογικῶ ζῶν· οἱ δὲ καὶ ἐξαίμους τοὺς ἡνιόχους ἐν τοῖς ἀγῶσι πεσόντας ἀνελόμενοι σῶζουσιν ἐκ τῆς μάχης, τοὺς δὲ ὑποδύντας μεταξὺ τῶν προσθίων ποδῶν ὑπερ- 15 μαχόμενοι διέσωσαν· τῶν δὲ χορτοφόρων καὶ διδασκάλων εἴ τινα παρὰ θυμὸν ἀπέκτειναν, οὕτως ἐπιποθοῦσιν ὥσθ' ὑπ' ἀνίας ἀπέχεσθαι τροφῆς, ἔστι δ' ὅτε καὶ ἀποκαρτερεῖν.

- 43 Βιβάζονται δὲ καὶ τίκτουσιν ὥς ἵπποι τοῦ ἔαρος μάλιστα· καιρὸς δ' ἐστὶ τῷ μὲν ἄρρενι, ἐπειδὴν οἴστρω 20 κατέχηται καὶ ἀγριαίνῃ· τότε δὴ καὶ λίπους τι διὰ τῆς ἀναπνοῆς ἀνίησιν, ἣν ἴσχει παρὰ τοὺς κροτάφους· ταῖς δὲ θηλείαις, ὅταν ὁ αὐτὸς οὗτος πόρος ἀνεργῶς τυγχάνῃ. κύουσι δὲ τοὺς μὲν πλείστους ὀκτωκαίδεκα μῆ- 25 νας ἐλαχίστους δ' ἑκκαίδεκα· τρέφει δ' ἡ μήτηρ ἕξ ἔτη· 25 ζῶσι δ' ὅσον μακροβιῶτατοι ἄνθρωποι οἱ πολλοί, τινὲς δὲ καὶ ἐπὶ διακόσια διατείνουσιν ἔτη· πολύνουσοι δὲ καὶ δυσίατοι· ἄκος δὲ πρὸς ὀφθαλμίαν μὲν βόειον γάλα προσκλυζόμενον, τοῖς πλείστοις δὲ τῶν νόσημάτων ὁ μέλας οἶνος πινόμενος, τραύμασι δὲ ποτὸν μὲν βούτυ- 30 ρον (ἐξάγει γὰρ τὰ σιδήρια), τὰ δ' ἔλκη σαρκὶν ὑεῖαις πυριῶσιν. Ὀνησίκριτος δὲ καὶ ἕως τριακοσίων ἐτῶν

ζῆν φησι, σπάνιον δὲ καὶ ἕως πεντακοσίων, κρατίστους
 δ' εἶναι περὶ τὰ διακόσια ἔτη, κυτσκεσθαι δὲ δεκαετίαν.
 μείζους δὲ τῶν Λιβυκῶν καὶ ἑρρωμενεστέρους ἐκεῖνός
 τε εἰρηκε καὶ ἄλλοι· ταῖς γοῦν προβοσκίσιν ἐπάλλξεις
 5 καθαιρεῖν καὶ δένδρα ἀνασπᾶν πρόρριζα διανισταμέ-
 νους εἰς τοὺς ὀπισθίους πόδας. Νέαρχος δὲ καὶ ποδά-
 γρας ἐν ταῖς θήραις τίθεσθαι κατὰ τινας συνδρομούς
 φησί, συνελάνεσθαι δ' ὑπὸ τῶν τιθασῶν τοὺς ἀγρίους
 εἰς ταύτας, κρειπτόνων ὄντων καὶ ἡνιοχουμένων. οὕ-
 10 τως δ' εὐτιθασεύτους εἶναι, ὥστε καὶ λιθάξιν ἐπὶ σκο-
 πὸν μανθάνειν καὶ ὅπλοις χρῆσθαι νεῦν τε κάλλιστα·
 μέγιστόν τε νομίζεσθαι κτήμα ἑλεφάντων ἄρμα· ἄγε-
 σθαι δ' ὑπὸ ζυγόν * καὶ καμήλους· γυναῖκα δ' εὐδο-
 κιμεῖν εἰ λάβοι παρὰ ἑραστοῦ δῶρον ἑλέφαντα. οὗτος
 15 [δ'] ὁ λόγος οὐχ ὁμολογεῖ τῷ φήσαντι μόνων βασιλέων
 εἶναι κτήμα ἵππου καὶ ἑλέφαντα.

Τῶν δὲ μυρμήκων τῶν χρυσωρούχων δέρματα ἰδεῖν 44
 φησιν οὗτος παρδαλέαις ὅμοια. Μεγασθένης δὲ περὶ
 τῶν μυρμήκων οὕτω φησὶν ὅτι ἐν Λέρδαις, ἔθνει με-0.706
 20 γάλῳ τῶν προσεφώνων καὶ ὀρεινῶν Ἰνδῶν, ὀροπέδιον
 εἶη τρισχιλίων πῶς τὸν κύκλον σταδίων· ὑποκειμένων
 δὲ τούτῳ χρυσωρουχείων οἱ μεταλλεύοντες εἰεν μύρμη-
 κες, θηρία ἀλωπέκων οὐκ ἐλάττω, τάχος ὑπερφυγὲς
 ἔχοντα καὶ ζῶντα ἀπὸ θήρας· ὀρύττει δὲ χειμῶνι τὴν
 25 γῆν, σφραγεύει τε πρὸς τοῖς στομίοις, καθάπερ οἱ ἀσφά-
 λακες· ψῆγμα δ' ἐστὶ χρυσοῦ μικρᾶς ἐψήσεως δεόμε-
 νον· τοῦθ' ὑποζυγίοις μετίασιν οἱ πλησιόχωροι λά-
 θρα· φανερώς γὰρ διαμάχονται καὶ διώκουσι φεύγον-
 τας, καταλαβόντες δὲ διαχρῶνται καὶ αὐτοὺς καὶ τὰ
 30 ὑποζύγια. πρὸς δὲ τὸ λαθεῖν κρέα θήρεια προτιθέασι
 κατὰ μέρη· περισπασθέντων δ' ἀναιροῦνται τὸ ψῆγμα

καὶ τοῦ τυχόντος τοῖς ἐμπόροις ἀργὸν διατίθενται, χω-
νεύειν οὐκ εἰδότες.

- 45 Ἐπεὶ δ' ἐν τῷ περὶ τῶν θηρευτῶν λόγῳ καὶ περὶ
τῶν θηρίων ἐμνήσθημεν ὧν τε Μεγασθένης εἶπε καὶ
ἄλλοι, προσθετέον καὶ ταῦτα. ὁ μὲν γὰρ Νέαρχος τὸ 5
τῶν ἐρπετῶν θαυμάζει πλῆθος καὶ τὴν κακίαν· ἀνα-
φεύγειν γὰρ ἐκ τῶν πεδίων εἰς τὰς κατοικίας τὰς δια-
λανθανούσας ἐν ταῖς ἐπικλύσεσι καὶ πληροῦν τοὺς οἴ-
κους· διὰ δὴ τοῦτο καὶ ὑψηλὰς ποιεῖσθαι τὰς κλῖνας,
ἔστι δ' ὅτε καὶ ἐξοικίξεσθαι πλεονασάντων· εἰ δὲ μὴ 10
τὸ πολὺ τοῦ πλῆθους ὑπὸ τῶν ὑδάτων διεφθείρετο,
κἂν ἐρημωθῆναι τὴν χώραν. καὶ τὴν μικρότητα δ' αὐ-
τῶν εἶναι χαλεπὴν καὶ τὴν ὑπερβολὴν τοῦ μεγέθους,
τὴν μὲν διὰ τὸ δυσφύλακτον τὴν δὲ δι' ἰσχύν, ὅπου
καὶ ἐκκαϊδεκαπήχεις ἐχίδνας ὀραῖσθαι· ἐπωδοὺς δὲ πε- 15
ριφοιτᾶν ἰᾶσθαι πεπιστευμένους, καὶ εἶναι σχεδόν τι
μόνην ταύτην ἱατρικὴν· μὴδὲ γὰρ νόσους εἶναι πολλὰς
διὰ τὴν λιτότητα τῆς διαίτης καὶ τὴν αἰοινίαν· εἰ δὲ γέ-
νοιντο, ἰᾶσθαι τοὺς σοφιστάς. Ἀριστόβουλος δὲ τῶν
θρυλουμένων μεγεθῶν οὐδὲν ἰδεῖν φησιν, ἔχιδναν δὲ 20
μόνον ἐννέα πηχῶν καὶ σπιθαμῆς. καὶ ἡμεῖς δ' ἐν Αἰ-
γύπτῳ κομισθεῖσαν ἐκεῖθεν τηλικαύτην πῶς εἶδομεν.
ἔχεις δὲ πολλοὺς φησι πολὺ ἐλάττους καὶ ἀσπίδας,
σκορπίους δὲ μεγάλους. οὐδὲν δὲ τούτων οὕτως ὀχλεῖν
ὥς τὰ λεπτὰ ὀφείδια οὐ μείζω σπιθαμιαίων· εὗρίσκε- 25
σθαι γὰρ ἐν σκηναῖς, ἐν σκεύεσιν, ἐν θριγγοῖς ἐγκε-
κρυμμένα· τοὺς δὲ πληγέντας αἰμορροεῖν ἐκ παντὸς
πόρου μετὰ ἐπωδυνίας, ἔπειτα ἀποθνήσκειν, εἰ μὴ
βοηθήσει τις εὐθύς· τὴν δὲ βοήθειαν ῥαδίαν εἶναι διὰ
C.707 τὴν ἀρετὴν τῶν Ἰνδικῶν ριζῶν καὶ φαρμάκων. κρο- 30
κοδείλους τε οὕτε πολλοὺς οὕτε βλαπτικοὺς ἀνθρώ-
πων ἐν τῷ Ἰνδῷ φησιν εὗρίσκεσθαι, καὶ τὰ ἄλλα δὲ

ζῶα τὰ πλεῖστα τὰ αὐτὰ ἄπερ ἐν τῷ Νείλῳ γεννᾶσθαι
 πλὴν ἵππου ποταμίου· Ὀνησίκριτος δὲ καὶ τοῦτόν φησι
 γεννᾶσθαι. τῶν δ' ἐκ θαλάττης φησὶν ὁ Ἀριστόβουλος
 εἰς μὲν τὸν Νεῖλον ἀνατρέχειν μηδὲν ἔξω θρίσσης καὶ
 5 κεστρέως καὶ δελφίνος διὰ τοὺς κροκοδείλους, ἐν δὲ τῷ
 Ἰνδῷ πλῆθος· τῶν δὲ καρίδων τὰς μὲν μικρὰς μέχρι
 * ὄρους ἀναθεῖν, τὰς δὲ μεγάλας μέχρι τῶν συμβολῶν
 τοῦ τε Ἰνδοῦ καὶ τοῦ Ἀκεσίνου. περὶ μὲν οὖν τῶν θη-
 ρίων τοσαῦτα λέγεται· ἐπανιόντες δ' ἐπὶ τὸν Μεγα-
 10 σθένη λέγωμεν τὰ ἐξῆς ὧν ἀπελίπομεν.

Μετὰ γὰρ τοὺς θηρευτὰς καὶ τοὺς ποιμένας τέ- 46
 ταρτόν φησιν εἶναι μέρος τοὺς ἐργαζομένους τὰς τέχνας
 καὶ τοὺς καπηλικούς καὶ οἷς ἀπὸ τοῦ σώματος ἡ ἐργα-
 σία· ὧν οἱ μὲν φόρον τελοῦσι καὶ λειτουργίας παρέ-
 15 χονται τακτάς, τοῖς δ' ὀπλοποιοῖς καὶ ναυπηγοῖς μισθοὶ
 καὶ τροφαὶ παρὰ βασιλέως ἔκκεινται· μόνῳ γὰρ ἐργά-
 ζονται· παρέχει δὲ τὰ μὲν ὅπλα τοῖς στρατιώταις ὁ
 στρατοφύλαξ, τὰς δὲ ναῦς μισθοῦ τοῖς πλέουσιν ὁ
 ναύαρχος καὶ τοῖς ἐμπόροις.

20 Πέμπτον [δ'] ἐστὶ τὸ τῶν πολεμιστῶν, οἷς τὸν ἄλλον 47
 χρόνον ἐν σχολῇ καὶ πότοις ὁ βίος ἐστὶν ἐκ τοῦ βασιλι-
 κοῦ διαιτωμένοις, ὥστε τὰς ἐξόδους ὅταν ἢ χρεία τα-
 χέως ποιεῖσθαι, πλὴν τῶν σωματῶν μηδὲν ἄλλο κομί-
 ζοντας παρ' ἑαυτῶν.

25 Ἔκτοι δ' εἰσὶν οἱ ἔφοροι· τούτοις δ' ἐποπτεύειν 48
 δέδοται τὰ πραττόμενα καὶ ἀναγγέλλειν λάθρα τῷ βα-
 σιλεῖ συνεργοὺς ποιουμένοις τὰς ἐταίρας, τοῖς μὲν ἐν
 τῇ πόλει τὰς ἐν τῇ πόλει τοῖς δὲ ἐν στρατοπέδῳ τὰς αὐ-
 τόθι· καθίστανται δ' οἱ ἄριστοι καὶ πιστότατοι.

30 Ἑβδομοὶ δ' οἱ σύμβουλοι καὶ σύνεδροι τοῦ βασι- 49
 λέως, ἐξ ὧν τὰ ἀρχεῖα καὶ δικαστήρια καὶ ἡ διοίκησις
 τῶν ὅλων. οὐκ ἔστι δ' οὔτε γαμεῖν ἐξ ἄλλου γένους

οὐτ' ἐπιτήδευμα οὐτ' ἐργασίαν μεταλαμβάνειν ἄλλην ἐξ ἄλλης, οὐδὲ πλείους μεταχειρίζεσθαι τὸν αὐτὸν πλὴν εἰ τῶν φιλοσόφων τις εἴη· ἐᾶσθαι γὰρ τοῦτον δι' ἀρετὴν.

50 Τῶν δ' ἀρχόντων οἱ μὲν εἰσιν ἀγορανόμοι οἱ δ' 5
ἀστυνόμοι οἱ δ' ἐπὶ τῶν στρατιωτῶν· ὧν οἱ μὲν ποτα-
μοὺς ἐξεργάζονται καὶ ἀναμετροῦσι τὴν γῆν ὥς ἐν Αἴ-
γύπτῳ, καὶ τὰς κλειστάς διώρυγας, ἀφ' ὧν εἰς τὰς ὀχε-
τείας ταμιεύεται τὸ ὕδωρ, ἐπισκοποῦσιν ὅπως ἐξ ἴσης
C.708 πᾶσιν ἢ τῶν ὑδάτων παρεῖη χρήσις. οἱ δ' αὐτοὶ καὶ 10
τῶν θηρευτῶν ἐπιμελοῦνται καὶ τιμῆς καὶ κολάσεως
εἰσι κύριοι τοῖς ἐπαξίοις· καὶ φορολογοῦσι δὲ καὶ τὰς
τέχνας τὰς περὶ τὴν γῆν ἐπιβλέπουσιν ὑλοτόμων τε-
κτόνων χαλκῶν μεταλλευτῶν· ὁδοποιοῦσι δὲ καὶ κατὰ
δέκα στάδια στήλην τιθέασιν τὰς ἐκτροπὰς καὶ τὰ δια- 15
στήματα δηλοῦσαν.

51 Οἱ δ' ἀστυνόμοι εἰς ἑξ πεντάδας διήρηνται· καὶ
οἱ μὲν τὰ δημιουργικὰ σκοποῦσιν οἱ δὲ ξενοδοχοῦσιν·
καὶ γὰρ καταγωγὰς νέμονται καὶ τοῖς βίοις παρακολου-
θοῦσι παρέδρους δόντες, καὶ προπέμπουσιν ἢ αὐτοὺς 20
ἢ τὰ χρήματα τῶν ἀποθανόντων, νοσοῦντων τε ἐπιμε-
λοῦνται καὶ ἀποθανόντας θάπτουσι. τρίτοι δ' εἰσὶν οἱ
τὰς γενέσεις καὶ θανάτους ἐξετάζουσι πότε καὶ πῶς,
τῶν τε φόρων χάριν καὶ ὅπως μὴ ἀφανεῖς εἶεν αἱ κρείτ-
τους καὶ χείρους γοναὶ καὶ θάνατοι. τέταρτοι [δ'] οἱ περὶ 25
τὰς καπηλείας καὶ μεταβολάς, οἷς μέτρων μέλει καὶ τῶν
ωραίων, ὅπως ἀπὸ συσσήμου πωλοῖτο. οὐκ ἔστι δὲ
πλείω τὸν αὐτὸν μεταβάλλεσθαι πλὴν εἰ διττοὺς ὑπο-
τελοίη φόρους. πέμπτοι δ' οἱ προεστώτες τῶν δημιουρ-
γουνμένων καὶ πωλοῦντες ταῦτ' ἀπὸ συσσήμου, χωρὶς 30
μὲν τὰ καινὰ χωρὶς δὲ τὰ παλαιά· τῷ μιν γνύντι δὲ ζη-
μία. ἕκτοι δὲ καὶ ὕστατοι οἱ τὰς δεκάτας ἐκλέγοντες

τῶν πωλουμένων· θάνατος δὲ τῷ κλέψαντι τὸ τέλος.
ιδία μὲν ἕκαστοι ταῦτα, κοινῇ δ' ἐπιμελοῦνται τῶν τε
ιδίων καὶ τῶν πολιτικῶν καὶ τῆς τῶν δημοσίων ἐπι-
σκευῆς, τειχῶν τε καὶ ἀγορᾶς καὶ λιμένων καὶ ἱερῶν.

- 5 Μετὰ δὲ τοὺς ἀστυνόμους τρίτῃ ἐστὶ συναρχία ἡ 52
περὶ τὰ στρατιωτικά, καὶ αὕτη ταῖς πεντάσιν ἑξαχῇ
διωρισμένη· ὧν τὴν μὲν μετὰ τοῦ ναυάρχου τάττουσι
τὴν δὲ μετὰ τοῦ ἐπὶ τῶν βοϊκῶν ζευγῶν, δι' ὧν ὄργανα
κομίζεται καὶ τροφή αὐτοῖς τε καὶ κτήνεσι καὶ τὰ ἄλλα
10 τὰ χρήσιμα τῇ στρατιᾷ. οὗτοι δὲ καὶ τοὺς διακόνους
παρέχουσι, τυμπανιστάς, κωδωνοφόρους, ἔτι δὲ καὶ
ἵπποκόμους καὶ μηχανοποιούς καὶ τοὺς τούτων ὑπη-
ρέτας· ἐκπέμπουσί τε πρὸς κώδωνα τοὺς χορτολόγους,
τιμῇ καὶ κολάσει τὸ τάχος κατασκευαζόμενοι καὶ τὴν
15 ἀσφάλειαν. τρίτοι δὲ εἰσὶν οἱ τῶν πεζῶν ἐπιμελούμενοι·
τέταρτοι δ' οἱ τῶν ἵππων· πέμπτοι δ' ἄρμάτων· ἕκτοι
δὲ ἐλεφάντων· βασιλικοὶ τε σταθμοὶ καὶ ἵπποις καὶ
θηρίοις, βασιλικὸν δὲ καὶ ὄπλοφυλάκιον· παραδίδωσι 0.709
γὰρ ὁ στρατιώτης τὴν τε σκευὴν εἰς τὸ ὄπλοφυλάκιον
20 καὶ τὸν ἵππον εἰς τὸν ἱππῶνα καὶ τὸ θηρίον ὁμοίως·
χρῶνται δ' ἀχαλινώτοις· τὰ δ' ἄρματα ἐν ταῖς ὁδοῖς
βόες ἔλκουσιν, οἱ δὲ ἵπποι ἀπὸ φορβειᾶς ἄγονται τοῦ
μὴ παρεμπίπρασθαι τὰ σκέλη, μηδὲ τὸ πρόθυμον αὐ-
τῶν τὸ ὑπὸ τοῖς ἄρμασιν ἀμβλύνεσθαι. δύο δ' εἰσὶν ἐπὶ
25 τῷ ἄρματι παραβάται πρὸς τῷ ἡνιόχῳ· ὁ δὲ τοῦ ἐλέφαν-
τος ἡνιόχος τέταρτος, τρεῖς δ' οἱ ἀπ' αὐτοῦ τοξεύοντες.

Εὐτελεῖς δὲ κατὰ τὴν δίκαιαν Ἰνδοὶ πάντες, μάλ- 53
λον δ' ἐν ταῖς στρατείαις· οὐδ' ὄχλῳ περιττῷ χαίρουσι,
διόπερ εὐκοσμοῦσι. πλείστη δ' ἐκ χειρὶ περὶ τὰς κλο-
30 πᾶς· γενόμενος γοῦν ἐν τῷ Σανδροκόττου στρατοπέδῳ
φησὶν ὁ Μεγασθένης, τετταράκοντα μυριάδων πλή-
θους ἰδρυμένου μηδεμίαν ἡμέραν ἰδεῖν ἀνηνεγμένα

κλέμματα πλειόνων ἢ διακοσίων δραχμῶν ἄξια, ἀγρά-
φοις καὶ ταῦτα νόμοις χρωμένοις. οὐδὲ γὰρ γράμματα
εἰδέναι αὐτοὺς, ἀλλ' ἀπὸ μνήμης ἕκαστα διοικεῖσθαι·
εὐπραγεῖν δ' ὅμως διὰ τὴν ἀπλότητα καὶ τὴν εὐτέλειαν·
οἶνόν τε γὰρ οὐ πίνειν ἀλλ' ἐν θυσίαις μόνον, πίνειν δ'
ἀπ' ὀρύξης ἀντὶ κριθίνων συντιθέντας· καὶ σιτία
δὲ τὸ πλεόν ὄρουσαν εἶναι ῥοφητήν. καὶ ἐν τοῖς νόμοις
δὲ καὶ συμβολαίοις τὴν ἀπλότητα ἐλέγχεσθαι ἐκ τοῦ μὴ
πολυδίκους εἶναι· οὔτε γὰρ ὑποθήκης οὔτε παρακα-
ταθήκης εἶναι δίκας, οὐδὲ μαρτύρων οὐδὲ σφραγίδων
αὐτοῖς δεῖν, ἀλλὰ πιστεύειν παραβαλλομένους· καὶ τὰ
οἴκοι δὲ τὸ πλεόν ἀφρουρεῖν. ταῦτα μὲν δὴ σωφρονικά,
τᾶλλα δ' οὐκ ἂν τις ἀποδέξαιτο, τὸ μόνους διαιτᾶσθαι
ἀεὶ καὶ τὸ μὴ μίαν εἶναι πᾶσιν ὥραν κοινὴν δείπνου τε
καὶ ἀρίστου, ἀλλ' ὅπως ἐκάστῳ φίλον· πρὸς γὰρ τὸν
κοινωνικὸν καὶ τὸν πολιτικὸν βίον ἐκείνως κρεῖττον.

54 Γυμνασίων δὲ μάλιστα τρεῖς δοκιμάζουσι καὶ
ἄλλως καὶ διὰ σκυταλίδων ἐβενίνων λείων ἐξομαλίζον-
ται τὰ σώματα. λιταὶ δὲ καὶ αἱ ταφαὶ καὶ μικρὰ χώματα·
ὑπεναντίως δὲ τῇ ἄλλῃ λιτότητι κοσμοῦνται· χρυσο-
φοροῦσι γὰρ καὶ διαλίθῳ κόσμῳ χρωῶνται σινδόνας τε
φοροῦσιν εὐανθεῖς, καὶ σκιάδια αὐτοῖς ἔπεται· τὸ γὰρ
κάλλος τιμῶντες ἀσκοῦσιν ὅσα καλλωπίζει τὴν ὄψιν·
ἀλήθειάν τε ὁμοίως καὶ ἀρετὴν ἀποδέχονται, διόπερ
οὐδὲ τῇ ἡλικίᾳ τῶν γερόντων προνομίαν διδόασιν ἂν
μὴ καὶ τῷ φρονεῖν πλεονεκτῶσι. πολλὰς δὲ γαμοῦσιν
ᾠητάς παρὰ τῶν γυναικῶν, λαμβάνουσί τε ἀντιδιδόντες
ξεῦρος βοῶν, ὧν τὰς μὲν εὐπαιθείας χάριν τὰς δ' ἄλλας
ἡδονῆς καὶ πολυτελείας· εἰ δὲ μὴ σωφρονεῖν ἀναγκά-
C.710σαιεν, πορνεύειν ἔξεστι. θυεὶ δὲ οὐδεὶς ἐστεφανωμένος
οὐδὲ θυμιαῖ οὐδὲ σπένδει, οὐδὲ σφάττουσι τὸ λερεῖον
ἀλλὰ πνίγουσιν, ἵνα μὴ λελωβημένον ἀλλ' ὀλόκληρον

διδῶται τῷ θεῷ· ψευδομαρτυρίας δ' ὁ ἄλoυς ἀκρωτη-
 ριάζεται, ὃ τε πηρώσας οὐ τὰ αὐτὰ μόνον ἀντιπάσχει
 ἀλλὰ καὶ χειροκοπεῖται· ἐὰν δὲ καὶ τεχνίτου χεῖρα ἢ
 ὀφθαλμὸν ἀφέληται, θανατοῦται. δούλοις δὲ οὗτος
 5 μὲν φησι μηδὲν Ἰνδῶν χρῆσθαι, Ὀνησίκριτος δὲ τῶν
 ἐν τῇ Μουσικανοῦ τοῦτ' ἰδίον ἀποφαίνει καὶ ὡς κατόρ-
 θωμά γε· καθάπερ καὶ ἄλλα πολλὰ λέγει τῆς χώρας
 ταύτης κατορθώματα ὡς εὐνομωτάτης.

Τῷ βασιλεῖ δ' ἡ μὲν τοῦ σώματος θεραπεία δια 55
 10 γυναικῶν ἐστίν, ὠνητῶν καὶ αὐτῶν παρὰ τῶν πατέρων·
 ἔξω δὲ τῶν θυρῶν οἱ σωματοφύλακες καὶ τὸ λοιπὸν
 στρατιωτικόν· μεθύοντα δὲ κτείνασα γυνὴ βασιλέα
 γέρας ἔχει συνεῖναι τῷ ἐκεῖνον διαδεξαμένῳ· διαδέχον-
 ται δ' οἱ παῖδες· οὐδ' ὑπνοῖ μεθ' ἡμέραν ὁ βασιλεύς·
 15 καὶ νύκτωρ δὲ καθ' ὥραν ἀναγκάζεται τὴν κοίτην ἀλ-
 λάττειν διὰ τὰς ἐπιβουλάς. τῶν τε μὴ κατὰ πόλεμον
 ἐξόδων μία μὲν ἐστίν ἢ ἐπὶ τὰς κρίσεις, ἐν αἷς διημε-
 ρεῦει διακούων οὐδὲν ἦττον καὶ ὥρα γένηται τῆς τοῦ
 σώματος θεραπείας· αὕτη δ' ἐστίν ἢ διὰ τῶν σκυτα-
 20 λίδων τρεῖς· ἅμα γὰρ καὶ διακούει καὶ τριβεται τετ-
 τάρων περιστάντων τριβέων· ἑτέρα δ' ἐστίν ἢ ἐπὶ τὰς
 θυσίας ἐξοδος· τρίτη δ' ἐπὶ θήραν βακχική τις κύκλω
 γυναικῶν περικεχυμένων, ἔξωθεν δὲ τῶν δορυφόρων·
 παρεσχοῖνισται δ' ἢ ὁδός, τῷ δὲ παρελθόντι ἐντὸς μέχρι
 25 γυναικῶν θάνατος· προηγοῦνται δὲ τυμπανισταὶ καὶ
 κωδωνοφόροι. κυνηγετεῖ δ' ἐν μὲν τοῖς περιφράγμασιν
 ἀπὸ βήματος τοξεύων (παρεστᾶσι δ' ἔνοπλοι δύο ἢ
 τρεῖς γυναῖκες), ἐν δὲ ταῖς ἀφράκτοις θήραις ἀπ' ἐλέ-
 φαντος· αἱ δὲ γυναῖκες αἱ μὲν ἐφ' ἄρμάτων, αἱ δ' ἐφ'
 30 ἵππων αἱ δὲ καὶ ἐπ' ἐλεφάντων, ὡς καὶ συστρατεύου-
 σιν, ἡσκημένοι παντὶ ὄπλῳ.

Ἔχει μὲν οὖν καὶ ταῦτα πολλὴν ἀήθειαν πρὸς τὰ 56

παρ ἡμῖν, ἐτι μέντοι μᾶλλον τὰ τοιάδε. φησὶ γὰρ τοὺς
 τὸν Καύκασον οἰκοῦντας ἐν τῷ φανερωῷ γυναιξὶ μίσγε-
 σθαι καὶ σαρκοφαγεῖν τὰ τῶν συγγενῶν σώματα· πε-
 τροκυλιστὰς δ' εἶναι κερκοπιθήκους, οὗ λίθους κατα-
 κυλίουσι κρημνοβατοῦντες ἐπὶ τοὺς διώκοντας· τὰ τε 5
 παρ ἡμῖν ἡμερὰ ζῶα τὰ πλείστα παρ' ἐκείνοις ἄγρια
 εἶναι· ἵππους τε λέγει μονοκέρωτας ἐλαφοκράνους·
 καλάμους δέ, μῆκος μὲν τριάκοντα ὀργυιῶν τοὺς ὀρ-
 0.711 θίους, τοὺς δὲ χαμαικλινεῖς πεντήκοντα, πάχος δὲ
 ὥστε τὴν διάμετρον τοῖς μὲν εἶναι τρίπηχυν τοῖς δὲ 10
 διπλασίαν.

57 Ὑπερεκπίπτων δ' ἐπὶ τὸ μυθῶδες πεντασπιθά-
 μους ἀνθρώπους λέγει καὶ τρισπιθάμους, ὧν τινὰς
 ἀμύκτηρας, ἀναπνοὰς ἔχοντας μόνον δύο ὑπὲρ τοῦ
 στόματος· πρὸς δὲ τοὺς τρισπιθάμους πόλεμον εἶναι 15
 ταῖς γεράνοισι (ὧν καὶ Ὅμηρον δηλοῦν) καὶ τοῖς πέρ-
 διξιν, οὓς χηνομεγέθεις εἶναι· τούτους δ' ἐκλέγειν αὐ-
 τῶν τὰ ῥᾶ καὶ φθείρειν· ἐκεῖ γὰρ ῥοτοκεῖν τὰς γερά-
 νους· διόπερ μηδαμοῦ μήτ' ῥᾶ εὐρίσκεσθαι γεράνων,
 μήτ' οὖν νεόττια· πλειστάκις δ' ἐκπίπτειν γέρανον 20
 χαλκῇν ἔχουσαν ἀκίδα ἀπὸ τῶν ἐκείθεν πληγμάτων.
 ὅμοια δὲ καὶ τὰ περὶ τῶν ἐνωτοκοιτῶν καὶ τῶν ἀγρίων
 ἀνθρώπων καὶ ἄλλων τερατωδῶν. τοὺς μὲν οὖν ἀγρίους
 μὴ κομισθῆναι παρὰ Σανδρόκοττον· ἀποκαρτερεῖν
 γάρ· ἔχειν δὲ τὰς μὲν πτέρνας πρόσθεν, τοὺς δὲ ταρ- 25
 соὺς ὀπισθεν καὶ τοὺς δακτύλους. ἀστόμους δὲ τινὰς
 ἀχθῆναι ἡμέρους ἀνθρώπους· οἰκεῖν δὲ περὶ τὰς πηγὰς
 τοῦ Γάγγου, τρέφεσθαι δ' ἀτμοῖς ὀπτῶν κρεῶν καὶ
 καρπῶν καὶ ἀνθέων ὀσμαῖς, ἀντὶ τῶν στομάτων ἔχον-
 τας ἀναπνοὰς, χαλεπαίνειν δὲ τοῖς δυσώδεσι, καὶ διὰ 30
 τοῦτο περιγίνεσθαι μόλις καὶ μάλιστα ἐν στρατοπέδῳ.
 περὶ δὲ τῶν ἄλλων διηγεῖσθαι τοὺς φιλοσόφους, ὧκν-

ποδάς τε ἱστοροῦντας ἵππων μᾶλλον ἀπιόντας, ἐνω-
τοκοίτας τε ποδήρη τὰ ὦτα ἔχοντας ὥς ἐγκαθεύ-
δειν, ἰσχυροὺς δ' ὥστ' ἀνασπᾶν δένδρα καὶ ρήτ-
τειν νευράν, μονομάτους τε ἄλλους ὦτα μὲν ἔχοντας
5 κυνὸς ἐν μέσῳ δὲ τῷ μετώπῳ τὸν ὀφθαλμόν, ὀρθοχαί-
τας, λασίους τὰ στήθη· τοὺς δὲ ἀμύκτηρας εἶναι παμ-
φάγους ὁμοφάγους ὀλιγοχρονίους πρὸ γήρως θνή-
σκοντας· τοῦ δὲ στόματος τὸ ἄνω προχειλότερον εἶναι
πολύ. περὶ δὲ τῶν χιλιετῶν Ὑπερβορέων τὰ αὐτὰ λέγει
10 Σιμωνίδῃ καὶ Πινδάρῳ καὶ ἄλλοις μυθολόγοις. μῦθος
δὲ καὶ τὸ ὑπὸ Τιμαγένους λεχθὲν ὅτι χαλκὸς ὅιοτο
σταλαγμοῖς χαλκοῖς καὶ σύροιο. ἐγγυτέρω δὲ πίστεώς
φησιν ὁ Μεγασθένης ὅτι οἱ ποταμοὶ καταφέροιεν ψήγ-
μα χρυσοῦ καὶ ἀπ' αὐτοῦ φόρος ἀπάγοιτο τῷ βασιλεῖ·
15 τοῦτο γὰρ καὶ ἐν Ἰβηρίᾳ συμβαίνει.

Περὶ δὲ τῶν φιλοσόφων λέγων τοὺς μὲν ὀρεινοὺς 58
αὐτῶν φησὶν ὑμνητὰς εἶναι τοῦ Διονύσου, δεικνύν-
τας τεκμήρια τὴν ἀγρίαν ἀμπελον παρὰ μόνοις φρομέ-
νην καὶ κιττὸν καὶ δάφνην καὶ μυρρίνην καὶ πύξον
20 καὶ ἄλλα τῶν ἀειθαλῶν, ὧν μηδὲν εἶναι πέραν Εὐ-
φράτου πλὴν ἐν παραδείσοις σπάνια καὶ μετὰ πολλῆς
ἐπιμελείας σωζόμενα. Διουνυσιακὸν δὲ καὶ τὸ σινδονο-C.712
φορεῖν καὶ τὸ μιτροῦσθαι καὶ μυροῦσθαι καὶ βάπτε-
σθαι ἄνθινά καὶ τοὺς βασιλεῖς κωδωνοφορεῖσθαι καὶ
25 τυμπανίζεσθαι κατὰ τὰς ἐξόδους. τοὺς δὲ πεδιασίους
τὸν Ἡρακλέα τιμᾶν. ταῦτα μὲν οὖν μυθώδη καὶ ὑπὸ
πολλῶν ἐλεγγόμενα, καὶ μάλιστα [τὰ] περὶ τῆς ἀμπέλου
καὶ τοῦ οἴνου· πέραν γὰρ τοῦ Εὐφράτου καὶ τῆς Ἀρ-
μενίας ἐστὶ πολλή καὶ ἡ Μεσοποταμία ὅλη καὶ ἡ Μη-
30 δία ἐξῆς μέχρι καὶ Περσίδος καὶ Καρμανίας· τούτων

δὲ τῶν ἐθνῶν ἐκάστου πολὺ μέρος εὐάμπελον καὶ εὖ-
οιονον λέγεται.

- 59 Ἄλλην δὲ διαίρεσιν ποιεῖται * περὶ τῶν φιλοσό-
φων, δύο γένη φάσκων, ὧν τοὺς μὲν Βραχυμᾶνας κα-
λεῖ τοὺς δὲ Γαρμᾶνας. τοὺς μὲν οὖν Βραχυμᾶνας εὐδο- 5
κιμεῖν [μᾶλλον]· μᾶλλον γὰρ καὶ ὁμολογεῖν ἐν τοῖς
δόγμασιν· ἥδη δ' εὐθύς καὶ κυομένους ἔχειν ἐπιμελη-
τὰς λογίους ἄνδρας, οὓς προσιόντας λόγῳ μὲν ἐπ' αὐτοῖς
δοκεῖν καὶ τὴν μητέρα καὶ τὸν κυόμενον εἰς εὐτεκνίαν,
τὸ δ' ἀληθὲς σωφρονικὰς τινὰς παραινέσεις καὶ ὑπο- 10
θήκας διδόναι· τὰς δ' ἥδιστα ἀκροωμένους μάλιστα
εὐτέκνους εἶναι νομίζεσθαι. μετὰ δὲ τὴν γένεσιν ἄλ-
λους καὶ ἄλλους διαδέχεσθαι τὴν ἐπιμέλειαν, αἰετὴς
μείζονος ἡλικίας χαριεστέρων τυγχανούσης διδασκά-
λων. διατρίβειν δὲ τοὺς φιλοσόφους ἐν ἄλλῃ πρὸ τῆς 15
πόλεως ὑπὸ περιβόλῳ συμμέτρῳ, λιτῶς ζῶντας ἐν σι-
βάσι καὶ δοραῖς, ἀπεχομένους ἐμψύχων καὶ ἀφροδι-
σίων, ἀκροωμένους λόγων σπουδαίων, μεταδιδόντας
καὶ τοῖς ἐθέλουσι· τὸν δ' ἀκροώμενον οὔτε λαλῆσαι
θέμις οὔτε χρέμψασθαι ἀλλ' οὐδὲ πτύσαι, ἢ ἐκβάλ- 20
λεσθαι τῆς συνουσίας τὴν ἡμέραν ἐκείνην ὥς ἀκολα-
σταίνοντα. ἔτη δ' ἐπὶ καὶ τριᾶκοντα οὕτως ζήσαντα
ἀναχωρεῖν εἰς τὴν ἑαυτοῦ κτῆσιν ἕκαστον καὶ ζῆν ἀδε-
ῶς καὶ ἀνειμένως μᾶλλον, σινδονοφοροῦντα καὶ χρυ- 25
σοφοροῦντα μετρίως ἐν τοῖς ὡσὶ καὶ ταῖς χερσὶ, προσ- 25
φερόμενον σάρκας τῶν μὴ πρὸς τὴν χρεῖαν συνεργῶν
ζώων, θριμῶν καὶ ἀρτυτῶν ἀπεχόμενον· γαμεῖν δ'
ὅτι πλείστας εἰς πολυτεκνίαν· ἐκ πολλῶν γὰρ καὶ τὰ
σπουδαῖα πλείω γίνεσθαι ἄν, ἀδουλοῦσί τε τὴν ἐκ τέ-
κνων ὑπηρεσίαν ἐγγυτάτω οὔσαν πλείω δεῖν παρα- 30
σκευάζεσθαι. ταῖς δὲ γυναιξὶ ταῖς γαμεταῖς μὴ συμφι-
λοσοφεῖν τοὺς Βραχυμᾶνας, εἰ μὲν μοχθηρὰ γένοιοντο,

ἵνα μή τι τῶν οὐ θεμιτῶν ἐκφέροιεν εἰς τοὺς βεβήλους
 εἰ δὲ σπουδαῖαι, μὴ καταλείποιεν αὐτούς. οὐδένα γὰρ
 ἡδονῆς καὶ πόνου καταφρονοῦντα, ὥς δ' αὕτως ζωῆς
 καὶ θανάτου, ἐθέλειν ὑφ' ἐτέρῳ εἶναι· τοιοῦτον δ' εἶ-
 5 ναι τὸν σπουδαῖον καὶ τὴν σπουδαίαν. πλείστους δ' C. 713
 αὐτοῖς εἶναι λόγους περὶ τοῦ θανάτου· νομίζειν γὰρ
 δὴ τὸν μὲν ἐνθάδε βίον ὥς ἂν ἀκμὴν κυομένων εἶναι,
 τὸν δὲ θάνατον γένεσιν εἰς τὸν ὄντως βίον καὶ τὸν εὐ-
 δαίμονα τοῖς φιλοσοφήσασιν· διὸ τῇ ἀσκήσει πλείστη
 10 χρῆσθαι πρὸς τὸ ἐτοιμοθάνατον· ἀγαθὸν δὲ ἢ κακὸν
 μὴδὲν εἶναι τῶν συμβαινόντων ἀνθρώποις· οὐ γὰρ
 ἂν τοῖς αὐτοῖς τοὺς μὲν ἄχθεσθαι τοὺς δὲ χαίρειν ἐν-
 πνιῶδεις ὑπολήψεις ἔχοντας, καὶ τοὺς αὐτοὺς τοῖς αὐ-
 τοῖς τοτὲ μὲν ἄχθεσθαι τοτὲ δ' αὖ χαίρειν μεταβαλλο-
 15 μένους. τὰ δὲ περὶ φύσιν τὰ μὲν εὐήθειαν ἐμφαίνειν
 φησὶν· ἐν ἔργοις γὰρ αὐτοὺς κρείττους ἢ λόγοις εἶναι,
 διὰ μύθων τὰ πολλὰ πιστουμένους· περὶ πολλῶν δὲ
 τοῖς Ἑλλήσιν ὁμοδοξεῖν· ὅτι γὰρ γεννητὸς ὁ κόσμος καὶ
 φθαρτὸς λέγειν ἀκείνους, καὶ ὅτι σφαιροειδὴς ὁ τε
 20 διοικῶν αὐτὸν καὶ ποιῶν θεὸς δι' ὅλου διαπεφοίτηκεν
 αὐτοῦ· ἀρχαὶ δὲ τῶν μὲν συμπάντων ἕτεραι, τῆς δὲ
 κοσμοποιίας τὸ ὕδωρ· πρὸς δὲ τοῖς τέτταρσι στοιχεί-
 οῖς πέμπτη τις ἐστὶ φύσις, ἐξ ἧς ὁ οὐρανὸς καὶ τὰ
 ἄστρα· γῆ δ' ἐν μέσῳ ἰδρυταὶ τοῦ παντός· καὶ περὶ
 25 σπέρματος δὲ καὶ ψυχῆς ὅμοια λέγεται καὶ ἄλλα πλείω·
 παραπλέκουσι δὲ καὶ μύθους, ὥσπερ καὶ Πλάτων περὶ
 τε ἀφθαρσίας ψυχῆς καὶ τῶν καθ' ἄδου κρίσεων καὶ
 ἄλλα τοιαῦτα. περὶ μὲν τῶν Βραχμάνων ταῦτα λέγει.

Τοὺς δὲ Γαρμᾶνας τοὺς μὲν ἐντιμωτάτους ὕλοβι- 60
 30 ους φησὶν ὀνομάζεσθαι, ζῶντας ἐν ταῖς ὕλαις ἀπὸ
 φύλλων καὶ καρπῶν ἀγρίων, * ἐσθῆτος φλοιῶν δεν-
 δρεῖων, ἀφροδισίων χωρὶς καὶ οἶνον· τοῖς δὲ βασιλεῦσι

- συνεῖναι, δι' ἀγγέλων πυνθανομένοις περὶ τῶν αἰτίων
 καὶ δι' ἐκείνων θεραπεύουσι καὶ λιτανεύουσι τὸ θεῖον.
 μετὰ δὲ τοὺς ὑλοβίους δευτερεύειν κατὰ τιμὴν τοὺς
 ἱατρικοὺς καὶ ὥς περὶ τὸν ἄνθρωπον φιλοσόφους, λι-
 τοὺς μὲν μὴ ἀγραύλους δέ, ὀρύξῃ καὶ ἀλφίτοις τρεφο- 5
 μένους, ἃ παρέχειν αὐτοῖς πάντα τὸν αἰτηθέντα καὶ
 ὑποδεξάμενον ξενίᾳ· δύνασθαι δὲ καὶ πολυγόνους
 ποιεῖν καὶ ἀρρενογόνους καὶ θηλυγόνους διὰ φαρμα-
 κευτικῆς· τὴν δὲ ἱατρείαν διὰ σιτίων τὸ πλεόν, οὐ διὰ
 φαρμάκων ἐπιτελεῖσθαι· τῶν φαρμάκων δὲ μάλιστα 10
 εὐδοκιμεῖν τὰ ἐπίχριστα καὶ τὰ καταπλάσματα, τᾶλλα
 δὲ κακουργίας πολὺ μετέχειν. ἀσκεῖν δὲ καὶ τούτους
 κἀκείνους καρτερίαν τὴν τε ἐν πόνοις καὶ τὴν ἐν ταῖς
 ἐπιμοναῖς, ὥστ' ἐφ' ἐνὸς σχήματος ἀκίνητον διατελέ-
 σαι τὴν ἡμέραν ὅλην. ἄλλους δ' εἶναι τοὺς μὲν μαντι- 15
 κοὺς καὶ ἐπωδοὺς καὶ τῶν περὶ τοὺς κατοικομένους
 C.714 λόγων καὶ νομίμων ἐμπείρους, ἐπαιτοῦντας κατὰ κώ-
 μας καὶ πόλεις, τοὺς δὲ χαριεστέρους μὲν τούτων καὶ
 ἀστειοτέρους, οὐδ' αὐτοὺς δὲ ἀπεχομένους τῶν καθ'
 ἄδην θρυλουμένων ὅσα δοκεῖ πρὸς εὐσέβειαν καὶ ὅσι- 20
 ὄτητα· συμφιλοσοφεῖν δ' ἐνίοις καὶ γυναῖκας ἀπεχο-
 μένας καὶ αὐτὰς ἀφροδισίων.
- 61 Ἀριστόβουλος δὲ τῶν ἐν Ταξίλοις σοφιστῶν ἰδεῖν
 δύο φησί, Βραχμᾶνας ἀμφοτέρους, τὸν μὲν πρεσβύ-
 τερον ἐξυρημένον τὸν δὲ νεώτερον κομήτην, ἀμφοτέ- 25
 ροις δ' ἀκολουθεῖν μαθητάς· τὸν μὲν οὖν ἄλλον χρό-
 νον κατ' ἀγορὰν διατρίβειν, τιμωμένους ἀντὶ συμβού-
 λων, ἐξουσίαν ἔχοντας ὅτι βούλονται τῶν ὧνίων φέ-
 ρεσθαι δωρεάν· ὅτῳ δ' ἂν προσίωσι, καταχεῖν αὐτῶν
 τοῦ σησαμίνου λίπους ὥστε καὶ κατὰ τῶν ὀμμάτων 30

- δεῖν· τοῦ τε μέλιτος πολλοῦ προκειμένου καὶ τοῦ ση-
 σάμου μάζας ποιουμένους τρέφεσθαι δωρεάν· παρερ-
 χομένους δὲ καὶ πρὸς τὴν Ἀλεξάνδρου τράπεζαν, πα-
 ραστάντας δειπνεῖν [καὶ] καρτερίαν διδάσκειν, παρα-
 5 χωροῦντας εἰς τινα τόπον πλησίον, ὅπου τὸν μὲν
 πρεσβύτερον πεσόντα ὑπτιον ἀνέχεσθαι τῶν ἡλίων
 καὶ τῶν ὄμβρων (ἦδη γὰρ ὕειν ἀρχομένου τοῦ ἔαρος),
 τὸν δ' ἐστάναι μονοσκελῇ ξύλον ἐπηρμένον ἀμφοτέ-
 ραῖς ταῖς χερσὶν ὅσον τρίπηχυν, κάμνοντος δὲ τοῦ σκέ-
 10 λους ἐπὶ θάτερον μεταφέρειν τὴν βάσιν καὶ διατελεῖν
 οὕτως τὴν ἡμέραν ὅλην· φανῆναι δ' ἐγκρατέστερον
 μακροῦ τὸν νεώτερον· συνακολουθήσαντα γὰρ μικρὰ
 τῷ βασιλεῖ ταχὺ ἀναστρέψαι πάλιν ἐπ' οἴκου, μετιόν-
 τος τε αὐτὸν κελεῦσαι ἥκειν εἰς τοῦ βούλεται τυγχάνειν·
 15 τὸν δὲ συναπᾶραι μέχρι τέλους καὶ μεταμφιάσασθαι
 καὶ μεταθέσθαι τὴν δίαιταν συνόντα τῷ βασιλεῖ· ἐπι-
 τιμώμενον δ' ὑπὸ τινων λέγειν ὥς ἐκπληρώσειε τὰ
 τετταράκοντα ἔτη τῆς ἀσκήσεως, ἃ ὑπέσχετο, Ἀλέξαν-
 δρον δὲ τοῖς παισὶν αὐτοῦ δοῦναι δωρεάν.
- 20 Τῶν δ' ἐν Ταξίλοις νομίμων καινὰ καὶ ἀήθη λέ- 62
 γει τό τε τοὺς μὴ δυναμένους ἐκδιδόναι τὰς παῖδας
 ὑπὸ πενίας προάγειν εἰς ἀγορὰν ἐν ἀκμῇ τῆς ὥρας, κό-
 χλω τε καὶ τυμπάνοις οἷσπερ καὶ τὸ πολεμικὸν σημαί-
 νουσιν ὄχλου προσκληθέντος, τῷ δὲ προσελθόντι τὰ
 25 ὀπίσθια πρῶτον ἀνασύρεσθαι μέχρι τῶν ὤμων εἴτα
 τὰ πρόσθεν, ἀρέσασαν δὲ καὶ συμπεισθεῖσαν ἐφ' οἷς
 αὖν δοκῇ συνοικεῖν· καὶ τὸ γυψὶ δίπτεσθαι τὸν τετε-
 λευτηκότα. τὸ δὲ πλείους ἔχειν γυναικας κοινὸν καὶ
 ἄλλων. παρὰ τισι δ' ἀκούειν φησὶ καὶ συγκατακαιο-
 30 μένας τὰς γυναικας τοῖς ἀνδράσιν ἀσμένας, τὰς δὲ μὴ
 ὑπομενουσας ἀδοξεῖν. εἴρηται καὶ ἄλλοις ταῦτα.
- Ὀνησίκριτος δὲ πεμφθῆναι φησιν αὐτὸς διαλεξό- 63

ο.715μενος τοῖς σοφισταῖς τούτοις· ἀκούειν γὰρ τὸν Ἀλέ-
ξανδρον ὥς γυμνοὶ διατελοῖεν καὶ καρτερίας ἐπιμε-
λοῦντο οἱ ἄνθρωποι ἐν τιμῇ τε ἄγοιντο πλείστη, παρ'
ἄλλους δὲ μὴ βαδίζοιεν κληθέντες, ἀλλὰ κελεύοιεν
ἐκείνους φοιτᾶν παρ' αὐτοῦς, εἴ του μετασχεῖν ἐθέ- 5
λοιν τῶν πραττομένων ἢ λεγομένων ὑπ' αὐτῶν· τοι-
ούτων δὴ ὄντων, ἐπειδὴ οὔτε αὐτῷ πρέπειν ἐδόκει
παρ' ἐκείνους φοιτᾶν οὔτε ἐκείνους βιάζεσθαι παρὰ
τὰ πάτρια ποιεῖν τι ἄκοντας, αὐτοὺς ἔφη πεμφθῆναι.
καταλαβεῖν δὲ ἄνδρας πεντεκαίδεκα ἀπὸ σταδίων εἰ- 10
κοσι τῆς πόλεως, ἄλλον ἐν ἄλλῳ σχήματι ἐστῶτα ἢ κα-
θήμενον ἢ κείμενον γυμνὸν ἀκίνητον ἕως ἐσπέρας,
εἴτ' ἀπερχόμενον εἰς τὴν πόλιν· χαλεπώτατον δ' εἶναι
τὸ τὸν ἥλιον ὑπομεῖναι οὕτω θερμὸν ὥστε τῶν ἄλλων
μηδένα ὑπομένειν γυμνοῖς ἐπιβῆναι τοῖς ποσὶ τῆς γῆς 15
ῥαδίως κατὰ μεσημβρίαν.

64 Διαλεχθῆναι δ' ἐνὶ τούτων Καλάνῳ, ὃν καὶ συν-
ακολουθῆσαι τῷ βασιλεῖ μέχρι Περσίδος καὶ ἀποθα-
νεῖν τῷ πατρίῳ νόμῳ τεθέντα ἐπὶ πυρκαϊάν· τότε δ'
ἐπὶ λίθων τυχεῖν κείμενον. προσιὼν οὖν καὶ προσα- 20
γορεύσας εἰπεῖν ἔφη, διότι πεμφθείη παρὰ τοῦ βασι-
λέως ἀκροασόμενος τῆς σοφίας αὐτῶν καὶ ἀπαγγελῶν
πρὸς αὐτόν· εἰ οὖν μηδεὶς εἴη φθόνος, ἔτοιμος εἴη
μετασχεῖν τῆς ἀκροάσεως. ἰδόντα δ' ἐκείνου χλαμύδα
καὶ καυσίαν φοροῦντα καὶ κρηπίδα, καταγελάσαντα 25
„τὸ παλαιόν“ φάναι „πάντ' ἦν ἀλφίτων καὶ ἀλεύρων
„πλήρη καθάπερ νῦν κόψεως· καὶ κρῆναι δ' ἔρρεον
„αἱ μὲν ὕδατος γάλακτος δ' ἄλλαι καὶ ὁμοίως μέλιτος,
„αἱ δ' οἴνου τινὲς δ' ἐλαίου· ὑπὸ πλησμονῆς δ' οἱ ἄν-
„θρωποι καὶ τρυφῆς εἰς ὕβριν ἐξέπεσον. Ζεὺς δὲ μι- 30
„σήσας τὴν κατάστασιν ἠφάνισε πάντα καὶ διὰ πόνου
„τὸν βίον ἀπέδειξε· σωφροσύνης δὲ καὶ τῆς ἄλλης

- „ἀρετῆς παρελθούσης εἰς μέσον πάλιν εὐπορία τῶν
 „ἀγαθῶν ὑπῆρξεν· ἐγγὺς δ' ἐστὶν ἤδη νυνὶ κόρου καὶ
 „ὑβρεως τὸ πρῶγμα, κινδυνεύει τε ἀφανισμὸς τῶν
 „ὄντων γενέσθαι.“ ταῦτα εἰπόντα κελεύειν, εἰ βού-
 5 λαιτο ἀκροάσασθαι, καταθέμενον τὴν σκευὴν γυμνὸν
 ἐπὶ τῶν αὐτῶν λίθων κείμενον μετέχειν τῶν λόγων.
 ἀπορουμένου δὲ αὐτοῦ, Μάνθανιν ὅσπερ ἦν πρεσβύ-
 τatos καὶ σοφώτατος αὐτῶν, τὸν μὲν ἐπιπλῆξαι ὡς
 ὑβριστήν, καὶ ταῦτα ὑβρεως κατηγορήσαντα, αὐτὸν
 10 δὲ προσκαλέσασθαι καὶ εἰπεῖν ὡς τὸν μὲν βασιλέα ἐπαι-
 νοίῃ, διότι ἀρχὴν τοσαύτην διοικῶν ἐπιθυμοίῃ σο-
 φίας· μόνον γὰρ ἴδοι αὐτὸν ἐν ὅπλοις φιλοσοφοῦντα·
 ὠφελιμώτατον δ' εἶη τῶν ἀπάντων, εἰ οἱ τοιοῦτοι
 φρονοῖεν οἷς πάρεστι δύνამις τοὺς μὲν ἐκουσίους C.716
 15 πείθειν σωφρονεῖν τοὺς δ' ἀκουσίους ἀναγκάζειν·
 αὐτῷ δὲ συγγνώμη εἶη, εἰ δι' ἐρμηνέων τριῶν διαλε-
 γόμενος πλήν φωνῆς μηδὲν συνιέντων πλέον ἢ οἱ
 πολλοί, μηδὲν ἰσχύσει τῆς ὠφελείας ἐπίδειξιν ποιή-
 σασθαι· ὅμοιον γὰρ ὡς ἂν εἰ διὰ βορβόρου καθαρὸν
 20 ἀξιοῖ τις ὕδωρ δεῖν.

Τὰ γοῦν λεχθέντα εἰς τοῦτ' ἔφη συντείνειν ὡς 65
 εἶη λόγος ἄριστος, ὃς ἡδονὴν καὶ λύπην ψυχῆς ἀφαι-
 ρήσεται· καὶ ὅτι λύπη καὶ πόνος διαφέρει· τὸ μὲν γὰρ
 πολέμιον τὸ δὲ φίλιον αὐτοῖς τά γε σώματα ἀσκοῦσι
 25 πρὸς πόνον, ἵν' αἰ γινῶμαι ῥωννύοιντο, ἀφ' ὧν καὶ
 στάσεις παύοιεν καὶ σύμβουλοι πᾶσιν ἀγαθῶν παρεῖεν
 καὶ κοινῇ καὶ ἰδίᾳ· καὶ δὴ καὶ Ταξίλη νῦν συμβουλεύ-
 σεις δέχεσθαι τὸν Ἀλέξανδρον· κρείττω μὲν γὰρ αὐτοῦ
 δεξιόμενον εὖ πείσεσθαι, χείρω δὲ εὖ διαθήσειν. ταῦτ'
 30 εἰπόντα ἐξερέσθαι εἰ καὶ ἐν τοῖς Ἑλλήσι λόγοι τοιοῦτοι
 λέγοντο, εἰπόντος δ' ὅτι καὶ Πυθαγόρας τοιαῦτα λέ-
 γοι κελεύει τε ἐμψύχων ἀπέχεσθαι, καὶ Σωκράτης καὶ

Διογένης οὐ καὶ αὐτὸς ἀκροάσαιοτο, ἀποκρίνασθαι ὅτι
 τᾶλλα μὲν νομίζοι φρονίμως αὐτοῖς δοκεῖν, ἐν δ' ἄμαρ-
 τάνειν νόμον πρὸ τῆς φύσεως τιθεμένους· οὐ γὰρ [ἄν]
 αἰσχύνεσθαι γυμνοὺς ὥσπερ αὐτὸν διάγειν ἀπὸ λιπῶν
 ζῶντας· καὶ γὰρ οἰκίαν ἀρίστην εἶναι ἥτις ἄν ἐπισκευ- 5
 ῆς ἐλαχίστης δέηται· ἔφη δ' αὐτοὺς καὶ τῶν περὶ φύ-
 σιν πολλὰ ἐξετάσαι καὶ προσημασιῶν, ὄμβρων αὐχμῶν
 νόσων· ἀπιόντας δ' εἰς τὴν πόλιν κατὰ τὰς ἀγορὰς
 σκεδάννυσθαι· ὅτῳ δ' ἄν κομίζοντι σῦκα ἢ βότρους
 παρατύχῃσι, λαμβάνειν δωρεὰν παρέχοντος· εἰ δ' 10
 ἔλαιον εἴη, καταχεῖσθαι αὐτῶν καὶ ἀλείφεσθαι· ἄπα-
 σαν δὲ πλουσίαν οἰκίαν ἀνεῖσθαι αὐτοῖς μέχρι γυναι-
 κωνίτιδος, εἰσιόντας δὲ δεῖπνον κοινωνεῖν καὶ λόγων.
 αἰσχιστον δ' αὐτοῖς νομίζεσθαι νόσον σωματικὴν· τὸν
 δ' ὑπονοήσαντα καθ' αὐτοῦ τοῦτο, ἐξάγειν ἑαυτὸν διὰ 15
 πυρὸς νήσαντα πυρὰν, ὑπαλειψάμενον δὲ καὶ καθί-
 σαντα ἐπὶ τὴν πυρὰν ὑφάψαι κελεύειν, ἀκίνητον δὲ
 καίεσθαι.

- 66 Νέαρχος δὲ περὶ τῶν σοφιστῶν οὕτω λέγει· τοὺς
 μὲν Βραχυμᾶνας πολιτεύεσθαι καὶ παρακολουθεῖν τοῖς 20
 βασιλεῦσι συμβούλους, τοὺς δ' ἄλλους σκοπεῖν τὰ περὶ
 τὴν φύσιν, τούτων δ' εἶναι καὶ Κάλανον· συμφιλο-
 σοφεῖν δ' αὐτοῖς καὶ γυναικάς, τὰς δὲ διαίτας ἀπάντων
 σκληράς. περὶ δὲ τῶν κατὰ τοὺς ἄλλους νομίμων τοι-
 αῦτα ἀποφαίνεται· τοὺς μὲν νόμους ἀγράφους εἶναι, 25
 τοὺς μὲν κοινούς τοὺς δ' ἰδίους, ἀήθειαν ἔχοντας πρὸς
 C.717 τοὺς τῶν ἄλλων, οἷον τὸ τὰς παρθένους ἄθλον παρὰ
 τισι προκεῖσθαι τῷ πυγμῇ νικῆσαντι ὥστ' ἀπροίκους
 συνεῖναι· παρ' ἄλλοις δὲ κατὰ συγγένειαν κοινῇ τοὺς
 καρποὺς ἐργασαμένους, ἐπὰν συγκομίσωσιν, αἵρεσθαι 30
 φορτίον ἕκαστον εἰς διατροφήν τοῦ ἔτους, τὸν δ' ἄλ-
 λον ἐμπιπράναι τοῦ ἔχειν εἰσαυθις ἐργάζεσθαι καὶ μὴ

ἀργὸν εἶναι. ὀπλισμὸν δ' εἶναι τόξον καὶ οἰστοὺς τρι-
πήχεις, ἢ σαύνιον, καὶ πέλτην καὶ μάχαιραν πλατεῖαν
τρίπηχυν· ἀντὶ δὲ χαλινῶν φιμοῖς χρῆσθαι κημῶν μι-
κρὸν διαφέρουσιν· ἥλοις δὲ τὰ χεῖλη διαπεπάρθαι.

- 5 Τὴν δὲ φιλοτεχνίαν τῶν Ἰνδῶν ἐμφανίζων σπόγ- 67
γους φησὶν ἰδόντας παρὰ τοῖς Μακεδόσι μιμήσασθαι,
τρίχας καὶ σχοινία λεπτὰ καὶ ἄρπεδόνας διαρράψαντας
εἰς ἔρια, καὶ μετὰ τὸ πιλῆσαι τὰ μὲν ἐξελκύσαντας τὰ
δὲ βάψαντας χροιαῖς· στλεγγιδοποιούς τε καὶ ληκυθο-
10 ποιούς ταχὺ γενέσθαι πολλούς· ἐπιστολὰς δὲ γράφειν
ἐν σινδόσι λίαν κεκροτημέναις, τῶν ἄλλων γράμμασιν
αὐτοὺς μὴ χρῆσθαι φασκεύων· χαλκῷ δὲ χρῆσθαι χυ-
τῷ, τῷ δ' ἐλατῷ μὴ· τὴν δ' αἰτίαν οὐκ εἶπε, καίτοι
τὴν αἰτίαν εἰπὼν τὴν παρακολουθοῦσαν, ὅτι θραύ-
15 εται κεράμου δίκην τὰ σκεύη πεσόντα. τῶν δὲ περὶ
τῆς Ἰνδικῆς λεγομένων καὶ τοῦτ' ἐστίν, ὅτι ἀντὶ τοῦ
προσκυνεῖν προσεύχεσθαι τοῖς βασιλεῦσι καὶ πᾶσι τοῖς
ἐν ἐξουσίᾳ καὶ ὑπεροχῇ νόμος. φέρει δὲ καὶ λιθείαν
ἢ χώρα πολυτελῇ κρυστάλλων καὶ ἀνθράκων παντοί-
20 ων, καθάπερ τῶν μαργαριτῶν.

- Τῆς δ' ἀνομολογίας τῶν συγγραφέων ἔστω παρὰ- 68
δειγμα καὶ ὁ περὶ τοῦ Καλάνου λόγος· ὅτι μὲν γὰρ συν-
ῆλθεν Ἀλεξάνδρῳ καὶ ἀπέθανεν ἑκὼν παρ' αὐτῷ διὰ
πυρὸς ὁμολογοῦσι· τὸν δὲ τρόπον οὐ τὸν αὐτόν φα-
25 σιν οὐδὲ κατὰ τὰς αὐτὰς αἰτίας, ἀλλ' οἱ μὲν οὕτως εἴ-
ρήκασιν· συνακολουθῆσαι γὰρ ὥς ἐγκωμιαστὴν τοῦ
βασιλέως ἔξω τῶν τῆς Ἰνδικῆς ὄρων παρὰ τὸ κοινὸν
ἔθος τῶν ἐκεῖ φιλοσόφων· ἐκείνους γὰρ τοῖς αὐτόθι
συνεῖναι βασιλεῦσιν ὑφηγουμένους τὰ περὶ τοὺς θεοὺς,
30 ὥς τοὺς μάγους τοῖς Πέρσαις. ἐν Πασαργάδαις δὲ νο-
σῆσαντα, τότε πρῶτον αὐτῷ νόσου γενομένης, ἔξαγα-
γεῖν ἑαυτόν, ἄγοντα ἔτος ἑβδομηκοστὸν καὶ τρίτον,

μὴ προσέχοντα ταῖς τοῦ βασιλέως δεήσεσι· γενομένης
 δὲ πυρᾶς καὶ τεθείσης ἐπ' αὐτῆς χρυσῆς κλίνης, κατα-
 κλιθέντα εἰς αὐτήν, ἐγκαλυψάμενον ἐμπρησθῆναι·
 οἱ δὲ ξύλινον οἶκον γενέσθαι, φυλλάδος δ' ἐμπλησθέν-
 τος καὶ ἐπὶ τῆς στέγης πυρᾶς γενομένης ἐγκλεισθέντα, 5
 ὥσπερ ἐκέλευσε, μετὰ τὴν πομπὴν μεθ' ἧς ἦκε, ῥίψαντα
 C.718 ἑαυτὸν ὥς ἂν δοκὸν συνεμπρησθῆναι τῷ οἴκῳ. Με-
 γασθένης δ' ἐν τοῖς μὲν φιλοσόφοις οὐκ εἶναι δόγμα
 φησὶν ἑαυτοὺς ἐξάγειν· τοὺς δὲ ποιοῦντας τοῦτο νε-
 ανικοὺς κρίνεσθαι, τοὺς μὲν σκληροὺς τῇ φύσει φερο- 10
 μένους ἐπὶ πληγὴν ἢ κρημνόν, τοὺς δ' ἀπόνους ἐπὶ
 βυθόν, τοὺς δὲ πολυπόνους ἀπαγχομένους, τοὺς δὲ
 πυρῶδεις εἰς πῦρ ὠθουμένους· οἷος ἦν καὶ ὁ Κάλανος,
 ἀκόλαστος ἄνθρωπος καὶ ταῖς Ἀλεξάνδρου τραπέζαις
 δεδουλωμένος· τοῦτον μὲν οὖν ψέγεσθαι, τὸν δὲ 15
 Μάνδανιν ἐπαινέεισθαι, ὅς τῶν τοῦ Ἀλεξάνδρου ἀγγέ-
 λων καλούντων πρὸς τὸν Διὸς υἱὸν πειθομένῳ τε δῶ-
 ρα ἔσεσθαι ὑπισχνουμένων ἀπειθοῦντι δὲ κόλασιν
 μήτ' ἐκείνον φαίη Διὸς υἱὸν ὃν γε ἄρχειν μηδὲ πολλο-
 στοῦ μέρους τῆς γῆς, μήτε αὐτῷ δεῖν τῶν παρ' ἐκεῖ- 20
 νου δωρεῶν ὧν οὐδεὶς κόρος, μήτε δὲ ἀπειλῆς εἶναι
 φόβον ᾧ ζῶντι μὲν ἀρκοῦσα εἴη τροφὸς ἡ Ἰνδική, ἀπο-
 θανὼν δὲ ἀπαλλάξαιτο τῆς τετρυνωμένης ὑπὸ γήρως
 σαρκός, μεταστὰς εἰς βελτίω καὶ καθαρώτερον βίον·
 ὥστ' ἐπαινέσαι τὸν Ἀλεξάνδρου καὶ συγχωρῆσαι. 25

69 Λέγεται δὲ καὶ ταῦτα παρὰ τῶν συγγραφέων, ὅτι
 σέβονται μὲν τὸν ὄμβριον Δία Ἴνδοι καὶ τὸν Γάγγην
 ποταμὸν καὶ τοὺς ἐγγχωρίους δαίμονας. ὅταν δὲ βασι-
 λεὺς λούῃ τὴν τρίχα, μεγάλην εορτὴν ἄγουσι καὶ με-
 γάλα δῶρα πέμπουσι τὸν ἑαυτοῦ πλοῦτον ἕκαστος ἐπι- 30
 δεικνύμενος κατὰ ἄμιλλαν. τῶν τε μυρμηκῶν τινὰς
 καὶ περρωτοὺς λέγουσι τῶν χρυσωρύχων· ψήγματά

τε χρυσοῦ καταφέρειν τοὺς ποταμούς, καθάπερ τοὺς
 Ἰβηρικούς· ἐν δὲ ταῖς κατὰ τὰς ἐορτὰς πομπαῖς πολλοὶ
 μὲν ἐλέφαντες πέμπονται χρυσοῦ κεκοσμημένοι καὶ
 ἀργύρῳ, πολλὰ δὲ τέθριππα καὶ βοῦκὰ ξεύγη· εἴθ' ἡ
 5 στρατιὰ κεκοσμημένη· καὶ χρυσώματα δὲ τῶν μεγά-
 λων λεβήτων καὶ κρατήρων ὀργυιαίων· καὶ τοῦ Ἰνδι-
 κοῦ χαλκοῦ τράπεζαί τε καὶ θρόνοι καὶ ἐκπώματα καὶ
 λουτήρες, λιθοκόλλητα τὰ πλεῖστα σμαράγδοις καὶ βη-
 ρύλλοις καὶ ἄνθραξιν Ἰνδικοῖς· καὶ ἐσθῆς δὲ ποικίλη
 10 χρυσόπαστος, καὶ βόνασοι καὶ παρδάλεις καὶ λέοντες
 τιθασοὶ καὶ τῶν ποικίλων ὀρνέων καὶ εὐφθόγγων πλῆ-
 θος. ὁ δὲ Κλειταρχός φησιν ἀμάξας τετρακύκλους,
 δένδρα κομιζούσας τῶν μεγαλοφύλλων, ἐξ ὧν ἀπήρ-
 τηται γένη τετιθασευμένων ὀρνέων, ὧν εὐφωνότατον
 15 μὲν εἶρηκε τὸν ὠρίωνα, λαμπρότατον δὲ κατὰ τὴν
 ὄψιν καὶ πλείστην ἔχοντα ποικιλίαν τὸν καλούμενον
 κατρέα· τὴν γὰρ ἰδέαν ταῷ μάλιστα ἐγγίξειν. τὴν δὲ
 λοιπὴν εἰκονογραφίαν παρ' ἐκείνου ληπτέον.

Φιλοσόφους τε τοῖς Βραχμαῶσιν ἀντιδιαίρουνται 70
 20 Πράμνας, ἐριστικούς τινας καὶ ἐλεγκτικούς· τοὺς δὲ C.719
 Βραχμαῶνας φυσιολογίαν καὶ ἀστρονομίαν ἀσκεῖν, γε-
 λωμένους ὑπ' ἐκείνων ὥς ἀλαζόνας καὶ ἀνοήτους.
 τούτων δὲ τοὺς μὲν ὀρεινοὺς καλεῖσθαι τοὺς δὲ γυμνή-
 τας τοὺς δὲ πολιτικούς καὶ προσχωρίους· τοὺς μὲν ὀρει-
 25 νοὺς δοραῖς ἐλάφων χρῆσθαι, πήρας δ' ἔχειν ῥιζῶν καὶ
 φαρμάκων μεστάς, προσποιουμένους ἰατρικὴν μετὰ
 γοητείας καὶ ἐπωδῶν καὶ περιάπτων. τοὺς δὲ γυμνήτας
 κατὰ τοῦτομα γυμνοὺς διαζῆν, ὑπαιθρίους τὸ πλεόν,
 καρτερίαν ἀσκοῦντας ἣν ἔφαμεν πρότερον μέχρι ἑπτὰ
 30 [ἔτῶν] καὶ τριάκοντα· γυναῖκας δὲ συνεῖναι μὴ μιγνυ-
 μένας αὐτοῖς· τούτους δὲ θαυμάζεσθαι διαφερόν-
 τως. τοὺς δὲ πολιτικούς σινδονίτας κατὰ πόλιν ζῆν ἢ 71

καὶ κατ' ἀγρούς, καθημμένους νεβρίδας ἢ δορκάδων
δοράς· ὥς δ' εἰπεῖν, Ἰνδοὺς ἐσθῆτι λευκῇ χρῆσθαι
καὶ σινδόσι λευκαῖς καὶ καρπάσοις, ὑπεναντίως τοῖς
εἰποῦσιν εὐανθέστατα αὐτοὺς ἀμπέχεσθαι φορήματα·
κομᾶν δὲ καὶ πωγωνοτροφεῖν πάντας, ἀναπλεκομέ- 5
νους δὲ μιτροῦσθαι τὰς κόμας.

72 Ἀρτεμίδωρος δὲ τὸν Γάγγην φησὶν ἐκ τῶν Ἡμω-
δῶν ὁρῶν καταφερόμενον πρὸς νότον, ἐπειδὴν κατὰ
τὴν Γάγγην γένηται πόλιν, ἐπιστρέφειν πρὸς ἕω μέχρι
Παλιβόθρων καὶ τῆς εἰς τὴν θάλατταν ἐκβολῆς· τῶν 10
δὲ συρρεόντων εἰς αὐτὸν * Οἰδάνην τινὰ καλεῖ· τρέ-
φειν δὲ καὶ κροκοδείλους καὶ δελφῖνας· λέγει δὲ καὶ
ἄλλα τινά, συγκεχυμένως δὲ καὶ ἀργῶς, ὧν οὐ φρου-
τιστέον. προσθείη δ' ἂν τις τούτοις καὶ τὰ παρὰ τοῦ
Λαμασκηνοῦ Νικολάου.

15

73 Φησὶ γὰρ οὗτος ἐν Ἀντιοχείᾳ τῇ ἐπὶ Δάφνῃ πα-
ρατυχεῖν τοῖς Ἰνδῶν πρέσβεσιν ἀφιγμένοις παρὰ Καί-
σαρα τὸν Σεβαστόν· οὓς ἐκ μὲν τῆς ἐπιστολῆς πλείους
δηλοῦσθαι, σωθῆναι δὲ τρεῖς μόνους, οὓς ἰδεῖν φησι,
τοὺς δ' ἄλλους ὑπὸ μήκους τῶν ὁδῶν διαφθαρεῖναι τὸ 20
πλέον· τὴν δ' ἐπιστολὴν ἐλληνίζειν ἐν διφθέρᾳ γε-
γραμμένην, δηλοῦσαν ὅτι Πῶρος εἶη ὁ γράψας, ἕξα-
κοσίων δὲ ἄρχων βασιλέων ὅμως περὶ πολλοῦ ποιοῖτο
φίλος εἶναι Καίσαρι, καὶ ἔτοιμος εἶη δίοδόν τε παρέ-
χειν ὅπῃ βούλεται καὶ συμπράττειν ὅσα καλῶς ἔχει. 25
ταῦτα μὲν ἔφη λέγειν τὴν ἐπιστολήν, τὰ δὲ κομι-
σθέντα δῶρα προσενεγκεῖν ὁκτὼ οἰκέτας γυμνούς, ἐν
περιζώμασι καταπεπασμένους ἀρώμασιν· εἶναι δὲ τὰ
δῶρα τόν τε ἐρμᾶν, ἀπὸ τῶν ὥμων ἀφηρεμένον ἐκ
νηπίου τοὺς βραχίονας, ὃν καὶ ἡμεῖς εἶδομεν, καὶ ἐχί- 30
δνας μεγάλας καὶ ὄφιν πηχῶν δέκα καὶ χελώνην ποτα-
μίαν τρίπηχυν πέρδικά τε μεῖζω γυπός. συνῆν δέ, ὥς

- φησι, καὶ ὁ Ἀθήνησι κατακαύσας ἑαυτόν· ποιεῖν δὲ C.720
 τοῦτο τοὺς μὲν ἐπὶ κακοπραγία ζητοῦντας ἀπαλλαγὴν
 τῶν παρόντων, τοὺς δ' ἐπ' εὐπραγία, καθάπερ τοῦ-
 του· ἅπαντα γὰρ κατὰ γνώμην πράξαντα μέχρι νῦν
 5 ἀπιεναι δεῖν, μὴ τι τῶν ἀβουλήτων χρονίζοντι συμπέ-
 σοι· καὶ δὴ καὶ γελῶντα ἀλέσθαι γυμνὸν λίπ' ἀλη-
 λιμμένον ἐν περιζώματι ἐπὶ τὴν πυράν· ἐπιγεγράφθαι
 δὲ τῷ τάφῳ „Ζαρμανοχηγὰς Ἰνδὸς ἀπὸ Βαργόσης κατὰ
 „τὰ πάτρια Ἰνδῶν ἔθῃ ἑαυτὸν ἀπαθανατίσας κεῖται.“
- 10 Μετὰ δὲ τὴν Ἰνδικὴν ἐστὶν ἡ Ἀριανή, μερὶς πρώτη 2
 τῆς ὑπὸ Πέρσαις τῆς μετὰ τὸν Ἰνδὸν ποταμὸν καὶ
 τῶν ἄνω σατραπειῶν τῶν ἐκτὸς τοῦ Ταύρου, τὰ μὲν
 νότια καὶ τὰ ἀρκτικά μέρη τῇ αὐτῇ θαλάττῃ καὶ τοῖς
 αὐτοῖς ὄρεσιν ἀφοριζομένη οἷσπερ καὶ ἡ Ἰνδική, καὶ
 15 τῷ αὐτῷ ποταμῷ τῷ Ἰνδῷ, μέσον ἔχουσα αὐτὸν ἑαυ-
 τῆς τε καὶ τῆς Ἰνδικῆς, ἐντεῦθεν δὲ πρὸς τὴν ἐσπέραν
 ἐκτεινομένη μέχρι τῆς ἀπὸ Κασπίων πυλῶν εἰς Καρ-
 μανίαν γραφομένης γραμμῆς, ὥστε εἶναι τετράπλευ-
 ρον τὸ σχῆμα. τὸ μὲν οὖν νότιον πλευρὸν ἀπὸ τῶν
 20 ἐκβολῶν ἄρχεται τοῦ Ἰνδοῦ καὶ τῆς Παταληνῆς, τε-
 λευτᾷ δὲ πρὸς Καρμανίαν καὶ τοῦ Περσικοῦ κόλπου
 τὸ στόμα, ἅκραν ἔχον ἐκκειμένην ἱκανῶς πρὸς νότον·
 εἶτα εἰς τὸν κόλπον λαμβάνει καμπὴν ὡς ἐπὶ τὴν Περ-
 σίδα. οἰκοῦσι δὲ Ἀρβιες πρῶτον, ὁμώνυμοι τῷ πο-
 25 ταμῷ Ἀρβει τῷ ὀρίζοντι αὐτοὺς ἀπὸ τῶν ἐξῆς Ὀριτῶν,
 ὅσον χιλίων σταδίων ἔχοντες παραλίαν, ὡς φησι Νέ-
 αρχος· Ἰνδῶν δ' ἐστὶ μερὶς καὶ αὕτη. εἰτ' Ὀρίται ἔθνος
 αὐτόνομον· τούτων δ' ὁ παράπλους χιλίων ὀκτακο-
 σίων, ὁ δὲ τῶν ἐξῆς Ἰχθυοφάγων ἑπτακισχίλιοι τετρα-
 30 κόσιοι, ὁ δὲ τῶν Καρμανίων τρισχίλιοι ἑπτακόσιοι μέ-
 χρι Περσίδος· ὥσθ' οἱ σύμπαντες μύριοι τρισχίλιοι
 ἐννακόσιοι.

- 2 Ἀλιτενῆς δ' ἐστὶν ἡ τῶν Ἰχθυοφάγων καὶ ἄθεν-
 δρος ἡ πλείστη [πλήν] φοινίκων καὶ ἀκάνθης τινὸς καὶ
 μυρίκης· καὶ ὑδάτων δὲ καὶ τροφῆς ἡμέρου σπάνις·
 τοῖς δ' ἰχθύσι χρωῶνται καὶ αὐτοὶ καὶ θρέμματα καὶ
 τοῖς ὀμβρίοις ὑδασι καὶ ὀρυκτοῖς· καὶ τὰ κρέα δὲ τῶν 5
 θρεμμάτων ἰχθύων προσβάλλει· οἰκήσεις δὲ ποιοῦν-
 ται τοῖς ὀστέοις τῶν κητῶν χρώμενοι καὶ κόγχοις
 ὀστρέων τὸ πλεόν, δοκοῖς μὲν ταῖς πλευραῖς καὶ ὑπερ-
 εἰσμασι, θυρώμασι δὲ ταῖς σιαγόσιν· οἱ σπόνδυλοι δ'
 αὐτοῖς εἰσιν ὄλμοι, ἐν οἷς πτίττουσι τοὺς ἰχθύας ἐν 10
 ἡλίῳ κατοπτήσαντες, εἴτ' ἀρτοποιοῦνται σίτου μικρὰ
 C.721 καταμιζάντες· καὶ γὰρ μύλοι αὐτοῖς εἰσι, σιδήρου μὴ
 ὄντος· καὶ τοῦτο μὲν ἦττον θαυμαστόν· καὶ γὰρ ἄλλο-
 θεν ἐνέγκασθαι δυνατόν· ἀλλὰ πῶς ἐπικόπτουσιν
 ἀποτριβέντα; λίθοις μέντοι φασίν, οἷς καὶ τὰ βέλη 15
 καὶ τὰ ἀκοντίσματα πεπυρακτωμένα ἀποξύνουσι· τοὺς
 δ' ἰχθύας τοὺς μὲν ἐν κλιβάνοις κατοπτῶσι, τοὺς δὲ
 πλείστους ὠμοφαγοῦσι· περιβάλλονται δὲ δικτύοις
 φλοιοῦ φοινικίνου.
- 3 Ὑπέρκειται δὲ τούτων ἡ Γεδρωσία, τῆς μὲν Ἰνδι- 20
 κῆς ἦττον ἔμπυρος τῆς δ' ἄλλης Ἀσίας μᾶλλον, καὶ
 τοῖς καρποῖς καὶ τοῖς ὑδασιν ἐνδεῆς πλήν θέρους, οὐ
 πολὺ ἀμείνων τῆς τῶν Ἰχθυοφάγων· ἀρωματοφόρος
 δὲ νάρδου μάλιστα καὶ σμύρνης, ὥστε τὴν Ἀλεξάν-
 δρου στρατιὰν ὀδεύουσαν ἀντὶ ὀρόφου καὶ στρωμάτων 25
 τούτοις χρῆσθαι, εὐωδιαζομένην ἅμα καὶ ὑγιεινότε-
 ρον τὸν ἀέρα ἔχουσαν παρὰ τοῦτο· γενέσθαι δ' αὐ-
 τοῖς θέρους τὴν ἐκ τῆς Ἰνδικῆς ἄφοδον ἐπίτηδες συν-
 ἔβη· τότε γὰρ ὀμβροὺς ἔχειν τὴν Γεδρωσίαν καὶ
 τοὺς ποταμοὺς πληροῦσθαι καὶ τὰ ὑδρεῖα, χειμῶνος 30

δ' ἐπιλείπειν· πίπτειν δὲ τοὺς ὄμβρους ἐν τοῖς ἄνω
μέρεσι τοῖς προσαρκτίοις καὶ ἐγγὺς τῶν ὄρων· πλη-
ρουμένων δὲ τῶν ποταμῶν καὶ τὰ πεδία τὰ πλησιά-
ζοντα τῇ θαλάττῃ ποτίζεσθαι καὶ ὑδρεῖων εὐπορεῖν.
5 προέπεμψε δ' εἰς τὴν ἔρημον μεταλλευτὰς τῶν ὑδρεῖων
ὁ βασιλεὺς καὶ τοὺς ναύσταθμα αὐτῷ καὶ τῷ στόλῳ
κατασκευάσοντας.

Τριχῇ γὰρ διελὼν τὰς δυνάμεις, τῇ μὲν αὐτὸς 4
ᾤρησε διὰ τῆς Γεδρωσίας, ἀφιστάμενος τῆς θαλάτ-
10 τος τὸ πλείστον πεντακοσίους σταδίους, ἵν' ἅμα καὶ
τῷ ναυτικῷ τὴν παραλίαν ἐπιτηδεῖαν παρασκευάξοι,
πολλάκις δὲ καὶ συνάπτων τῇ θαλάττῃ καίπερ ἀπό-
ρους καὶ τραχείας ἐχούσῃ τὰς ἀκτὰς· τὴν δὲ προέ-
πεμψε μετὰ Κρατεροῦ διὰ τῆς μεσογαίας, ἅμα χειρου-
15 μένου τε τὴν Ἀριανὴν καὶ προΐόντος ἐπὶ τοὺς αὐτοὺς
τόπους ἐφ' οὓς Ἀλέξανδρος τὴν πορείαν εἶχε· τὸ δὲ
ναυτικὸν Νεάρχῳ καὶ Ὀνήσικριτῷ τῷ ἀρχικυβερνήτῃ
παραδούς ἐκέλευσεν οἰκείας στάσεως ἐπιλαμβανο-
μένους ἐπακολουθεῖν καὶ ἀντιπαραπλεῖν αὐτοῦ τῇ
20 πορείᾳ.

Καὶ δὴ καὶ φησιν ὁ Νεάρχος, ἤδη τοῦ βασιλέως 5
τελοῦντος τὴν ὁδόν, αὐτὸς μετοπώρου κατὰ πλειάδος
ἐπιτολὴν ἐσπερίαν ἄρξασθαι τοῦ πλοῦ, μήπω μὲν τῶν
πνευμάτων οἰκείων ὄντων, τῶν δὲ βαρβάρων ἐπιχει-
25 ρούντων αὐτοῖς καὶ ἐξελαυνόντων· καταθαρρῆσαι
γὰρ ἀπελθόντος τοῦ βασιλέως καὶ ἐλευθεριάσαι. Κρα-
τερὸς δ' ἀπὸ τοῦ Ὑδάσπου ἀρξάμενος δι' Ἀραχωτῶν
ἦει καὶ Δραγγῶν εἰς Καρμανίαν. πολλὰ δ' ἐταλαιπώ-
ρει ὁ Ἀλέξανδρος καθ' ὅλην τὴν ὁδὸν διὰ λυπρᾶς 722
30 ἰών· πόρρωθεν δ' ὁμοίως ἐπεχορηγεῖτο μικρὰ καὶ
σπάνια ὥστε λιμώττειν τὸ στράτευμα· καὶ τὰ ὑποζύ-
για ἐπέλιπε, καὶ τὰ σκεύη κατελείπετο ἐν ταῖς ὁδοῖς

καὶ τοῖς στρατοπέδοις· ἀπὸ δὲ τῶν φοινίκων ἦν ἡ σω-
τηρία τοῦ τε καρποῦ καὶ τοῦ ἐγκεφάλου. φασὶ δὲ φι-
λονεικῆσαι τὸν Ἀλέξανδρον καίπερ εἰδότα τὰς ἀπο-
ρίας πρὸς τὴν κατέχουσαν δόξαν, ὥς Σεμίραμις μὲν
ἐξ Ἰνδῶν φεύγουσα σωθεῖη μετὰ ἀνδρῶν ὥς εἴκοσι, 5
Κῦρος δὲ ἑπτὰ, εἰ δύναιτο αὐτὸς τοσοῦτο στρατεύμα
διασῶσαι διὰ τῆς αὐτῆς χώρας, νικῶν καὶ ταῦτα.

6 Πρὸς δὲ τῇ ἀπορίᾳ χαλεπὸν ἦν καὶ τὸ καῦμα καὶ
τὸ βάθος τῆς ψάμμου καὶ ἡ θερμότης, ἔστι δ' ὅπου
καὶ θῖνες ὑψηλοὶ ὥστε πρὸς τῷ δυσχερῶς ἀναφέρειν 10
τὰ σκέλη καθάπερ ἐκ βυθοῦ καὶ ἀναβάσεις εἶναι καὶ
καταβάσεις· ἀνάγκη δ' ἦν καὶ σταθμοὺς ποιεῖσθαι μα-
κροὺς διὰ τὰ ὑδρεῖα διακοσίων καὶ τετρακοσίων στα-
δίων, ἔστι δ' ὅτε καὶ ἑξακοσίων, νυκτοποροῦντας τὸ
πλέον. πόρρω δὲ τῶν ὑδρείων ἐστρατοπεδεύοντο ἐν 15
τριάκοντα σταδίοις πολλάκις τοῦ μὴ ἐμφορεῖσθαι κατὰ
δίψος· πολλοὶ γὰρ ἐμπίπτοντες σὺν ὅπλοις ἔπινον ὥς
ἂν ὑποβρύχιοι, φρυσώμενοι δ' ἐπέπλεον ἐκπεπνευκό-
τες καὶ τὰ ὑδρεῖα βραχέα ὄντα διεφθειρον· οἱ δ' ἐν τῷ
ἡλίῳ κατὰ μέσην τὴν ὁδὸν ἀπηγορευκότες ἔκειντο ὑπὸ 20
δίψους· ἔπειτα τρομῶδεις μετὰ παλμοῦ χειρῶν καὶ
σκελῶν ἐθνησκον παραπλησίως ὥς ἂν [ὑπὸ] ῥίγους
καὶ φρίκης ἐχόμενοι. συνέβαινε δὲ τισι καὶ ἐκτραπο-
μένοις τὴν ὁδὸν καταδαρθεῖν κρατουμένοις ὑπὸ ὕπνου
καὶ κόπου, ὑστερήσαντες δ' οἱ μὲν ἀπώλουντο πλάνη 25
τῶν ὁδῶν καὶ ὑπὸ ἀπορίας ἀπάντων καὶ καύματος,
οἱ δ' ἐσώθησαν πολλὰ ταλαιπωρήσαντες· πολλὰ δὲ
κατέκλυσε καὶ τῶν σωμάτων καὶ τῶν χρηστηρίων ἐπι-
πεσὼν χειμάρρους νύκτωρ· καὶ τῆς βασιλικῆς δὲ κα-
τασκευῆς ἐξηλείφθη πολλή· καὶ τῶν καθοδηγῶν δὲ 30
κατ' ἄγνοιαν πολὺ εἰς τὴν μεσόγαιαν ἐκτραπομένων
ὥστε μηκέτι ὁρᾶν τὴν θάλατταν, συνεῖς ὁ βασιλεὺς

ἐξαυτῆς ὥρμησε ζητήσων τὴν ῥόνα, καὶ ἐπειδὴ εὔρε
καὶ ὀρύξας εἶδεν ὕδωρ πότιμον, μεταπέμπεται τὸ στρα-
τόπεδον, καὶ λοιπὸν μέχρι ἡμερῶν ἐπὶ πηλσίον ἦει
τῆς ῥόνος εὐπορῶν ὕδρεϊας· ἐπειτ' αὐτὶς εἰς τὴν με-
5 σόγαιαν ἀνεχώρησεν.

Ἦν δέ τι ὅμοιον τῇ δάφνῃ φυτόν, οὗ τὸ γευσάμε- 7
νον τῶν ὑποξυγίων ἀπέθνησκε μετὰ ἐπιληψίας καὶ
ἀφροῦ· ἄκανθα δὲ τοὺς καρποὺς ἐπὶ γῆς κεχυμένη,
καθάπερ οἱ σίκυοι, πλήρης ἦν ὀποῦ· τούτου δὲ ῥανί- 0.723
10 δες εἰς ὀφθαλμὸν ἐμπεσοῦσαι πᾶν ἀπετύφλουν ζῶον·
οἳ τε ὧμοι φοίνικες ἐπνιγον πολλοὺς· ἦν δὲ κίνδυνος
καὶ ἀπὸ τῶν ὄψεων· ἐν γὰρ τοῖς θισὶν ἐπεφύκει βο-
τάνη, ταύτῃ δ' ὑποδεδυκότες ἐλάνθανον τοὺς δὲ πλη-
γέντας ἀπέκτεινον· ἐν δὲ τοῖς Ὀρίταις τὰ τοξεύματα
15 χρίεσθαι θανασίμοις φαρμάκοις ἔφασαν, ξύλινα ὄντα
καὶ πεφυρακτωμένα· τρωθέντα δὲ Πτολεμαῖον κινδυ-
νεύειν· ἐν ὕπνῳ δὲ παραστάντα τινὰ τῷ Ἀλεξάνδρῳ
δεῖξαι ῥίζαν ἀντόπρεμνον, ἣν κελεῦσαι τρίβοντα ἐπι-
τιθέναι τῷ τρωθέντι· ἐκ δὲ τοῦ ὕπνου γενόμενον,
20 μεμνημένον τῆς ὄψεως εὐρεῖν ζητοῦντα τὴν ῥίζαν πολ-
λὴν πεφυκυῖαν καὶ χρήσασθαι καὶ αὐτὸν καὶ τοὺς ἄλ-
λους· ἰδόντας δὲ τοὺς βαρβάρους εὐρημένον τὸ ἀλέξημα
ὑπηκόους γενέσθαι τῷ βασιλεῖ· εἰκὸς δέ τινα μηνῦσαι
τῶν εἰδότων, τὸ δὲ μυθῶδες προσετέθη κολακείας
25 χάριν· ἐλθὼν δ' εἰς τὸ βασίλειον τῶν Γεδρωσίων ἐξη-
κοσταῖος ἀπὸ Ὀρῶν, διαναπαύσας τὰ πλήθη μικρόν,
ἀπῆρεν εἰς τὴν Καρμανίαν.

Τὸ μὲν δὴ νότιον τῆς Ἀριανῆς πλευρὸν τοιαύτην 8
τινὰ ἔχει τὴν τῆς παραλίας διάθεσιν καὶ τῆς ὑπερκει-
30 μένης πλησίον γῆς τῆς τῶν Γεδρωσίων καὶ Ὀριτῶν.
πολλή δ' ἐστὶ καὶ εἰς τὴν μεσόγαιαν ἀνέχουσα καὶ ἡ
Γεδρωσία μέχρι τοῦ συνάσαι Ἀράγγαις τε καὶ Ἀραχω-

τοῖς καὶ Παροπαμισάδαις, περὶ ὧν Ἑρατοσθένης οὕτως εἴρηκεν· οὐ γὰρ ἔχομέν τι λέγειν βέλτιον περὶ αὐτῶν. ὀρίξεσθαι μὲν γὰρ φησι τὴν Ἀριανὴν ἐκ μὲν τῶν πρὸς ἑω τῷ Ἰνδῷ, πρὸς νότον δὲ τῇ μεγάλῃ θαλάττῃ, πρὸς ἄρκτον δὲ τῷ Παροπαμισῷ καὶ τοῖς ἐξῆς ὄρεσι· μέχρι 5 Κασπίων πυλῶν, τὰ δὲ πρὸς ἐσπέραν τοῖς αὐτοῖς ὄροις οἷς ἡ μὲν Παρθυνὴ πρὸς Μηδίαν ἡ δὲ Καρμανία πρὸς τὴν Παιραιτακηνὴν καὶ Περσίδα διώρισται· πλάτος δὲ τῆς χώρας τὸ τοῦ Ἰνδοῦ μῆκος τὸ ἀπὸ τοῦ Παροπαμισοῦ μέχρι τῶν ἐκβολῶν μύριοι καὶ δισχίλιοι 10 στάδιοι (οἱ δὲ τρισχιλίους φασί)· μῆκος δὲ ἀπὸ Κασπίων πυλῶν, ὡς ἐν τοῖς Ἀσιατικοῖς σταθμοῖς ἀναγγραπται, διττόν· μέχρι μὲν Ἀλεξανδρείας τῆς ἐν Ἀρίοις ἀπὸ Κασπίων πυλῶν διὰ τῆς Παρθυαίας μία καὶ ἡ αὐτὴ ὁδός· εἰθ' ἡ μὲν ἐπ' εὐθείας διὰ τῆς Βακτριανῆς 15 καὶ τῆς ὑπερβάσεως τοῦ ὄρους εἰς Ὀρτόσπανα ἐπὶ τὴν ἐκ Βάκτρων τρίοδον ἥτις ἐστὶν ἐν τοῖς Παροπαμισάδαις· ἡ δ' ἐκτρέπεται μικρὸν ἀπὸ τῆς Ἀρίας πρὸς νότον εἰς Προφθασίαν τῆς Δραγγιανῆς· εἴτα πάλιν ἡ λοιπὴ μέχρι τῶν ὄρων τῆς Ἰνδικῆς καὶ τοῦ Ἰνδοῦ· ὥστε 20 μακροτέρα ἐστὶν αὕτη ἡ διὰ τῶν Δραγγῶν καὶ Ἀραχωτῶν, σταδίων μυρίων πεντακισχιλίων τριακοσίων ἢ 6.724 πᾶσα· εἰ δὴ τις ἀφέλοι τοὺς χιλίους τριακοσίους, ἔχοι ἂν τὸ λοιπὸν τὸ ἐπ' εὐθείας μῆκος τῆς χώρας, μυρίων καὶ τετρακισχιλίων· οὐ πολὺ γὰρ ἔλαττον [τὸ] τῆς πα- 25 ραλίας, καὶ παραύξωσί τινες αὐτὸ πρὸς τοῖς μυρίοις τὴν Καρμανίαν ἑξακισχιλίων τιθέντες· ἡ γὰρ σὺν τοῖς κόλποις φανοῦνται τιθέντες ἢ σὺν τῇ ἐντὸς τοῦ Περσικοῦ κόλπου παραλίᾳ τῇ Καρμανικῇ· ἐπεκτείνεται δὲ τοῦνομα τῆς Ἀριανῆς μέχρι μέρους τινὸς καὶ Περσῶν 30 καὶ Μήδων καὶ ἐτι τῶν πρὸς ἄρκτον Βακτρίων καὶ Σογδιανῶν· εἰσὶ γὰρ πῶς καὶ ὁμόγλωττοι παρὰ μικρόν.

Ἡ δὲ τάξις τῶν ἐθνῶν τοιαύτη· παρὰ μὲν τὸν Ἰν- 9
δὸν οἱ Παροπαμισάδαι, ὧν ὑπέρεκειται ὁ Παροπαμισδός
ὄρος, εἰτ' Ἀραχωτοὶ πρὸς νότον, εἰτ' ἐφεξῆς πρὸς νότον
Γεδρωσηνοὶ σὺν τοῖς ἄλλοις τοῖς τὴν παραλίαν ἔχου-
5 σιν· ἅπασιν δὲ παρὰ τὰ πλάτη τῶν χωρίων παράκειται
ὁ Ἰνδός. *τούτων δ' ἐκ μέρους τῶν παρὰ τὸν Ἰνδὸν
ἔχουσί τινα Ἰνδοὶ πρότερον ὄντα Περσῶν, ἃ ἀφείλετο
μὲν ὁ Ἀλέξανδρος τῶν Ἀριανῶν καὶ κατοικίας ἰδίας
συνεστήσατο, ἔδωκε δὲ Σέλευκος ὁ Νικάτωρ Σανδρο-
10 κόττῳ, συνθήμενος ἐπιγαμίαν καὶ ἀντιλαβὼν ἐλέφαν-
τας πεντακοσίους. τοῖς Παροπαμισάδαις δὲ παράκειν-
ται πρὸς τὴν ἐσπέραν Ἀριοι, τοῖς δὲ Ἀραχωτοῖς Δράγ-
γαι καὶ τοῖς Γεδρωσίοις· οἱ δ' Ἀριοι τοῖς Δράγγαις ἅμα
καὶ πρὸς ἄρκτον παράκεινται καὶ πρὸς ἐσπέραν, ἐγκυ-
15 κλούμενοι μικρὰ πῶς· ἡ δὲ Βακτριανὴ τῇ τε Ἀρίᾳ πρὸς
ἄρκτον παράκειται καὶ τοῖς Παροπαμισάδαις, δι' ὧν περ
Ἀλέξανδρος ὑπερέβαλε τὸν Καύκασον ἐλαύνων τὴν
ἐπὶ Βάκτρων· πρὸς ἐσπέραν δὲ ἐφεξῆς εἰσι τοῖς Ἀρίοις
Παρθυαῖοι καὶ τὰ περὶ τὰς Κασπίους πύλας· πρὸς νό-
20 τον δὲ τούτοις ἡ ἔρημος τῆς Καρμανίας, εἰθ' ἡ λοιπὴ
Καρμανία καὶ Γεδρωσία.

Γνοίη δ' ἂν τις τὰ περὶ τὴν λεχθεῖσαν ὀρεινήν ἐτι 10
μᾶλλον προσιστορήσας τὴν ὁδὸν ἣ ἐχρήσατο διώκων
τοὺς περὶ Βησσὸν ὡς ἐπὶ Βάκτρων Ἀλέξανδρος ἐκ τῆς
25 Παρθυνηνῆς· εἰς γὰρ τὴν Ἀρίαν ἦκεν, εἰτ' εἰς Δράγ-
γας, ὅπου Φιλώταν ἀνεῖλε τὸν Παρμενίωνος υἱὸν φω-
ράσας ἐπιβουλήν· ἔπεμψε δὲ καὶ εἰς Ἐκβάτανα τοὺς
καὶ τὸν πατέρα αὐτοῦ ἀνελοῦντας ὡς κοινωνὸν τῆς
ἐπιβουλῆς· φασὶ δ' αὐτοὺς ἐπὶ δρομάδων καμῆλων
30 ὁδὸν ἡμερῶν τριάκοντα ἢ καὶ τετταράκοντα ἐνδεκα-
ταίους διανύσαι καὶ τελευτῆσαι τὴν προᾶξιν. οἱ δὲ
Δράγγαι περσίζοντες τᾶλλα κατὰ τὸν βίον οἶνον σπα-

νίζουσι, γίνεται δὲ παρ' αὐτοῖς καττίτερος. εἴτ' ἐκ
Δραγγῶν ἐπὶ τε τοὺς *Εὐεργέτας* ἦκεν, οὓς ὁ *Κῦρος*
 οὕτως ὠνόμασε, καὶ τοὺς *Ἀραχωτούς*, εἴτα διὰ τῶν
 C.725 *Παροπαμισαδῶν* ὑπὸ πλειάδος δύσιν· ἔστι δ' ὀρεινὴ
 καὶ κεχionoβόλητο τότε ὥστε χαλεπῶς ὠδεύετο· πυκναὶ δ'
 μέντοι κῶμαι δεχόμεναι πάντων εὐποροὶ πλὴν ἐλαίου
 παρεμυθοῦντο τὰς δυσκολίας· εἰχόν τε ἐν ἀριστερᾷ
 τὰς ἀκρωρείας. ἔστι δὲ τὰ μεσημβρινὰ μὲν τοῦ ὄρους
 τοῦ *Παροπαμισοῦ* *Ἰνδικά* τε καὶ *Ἀριανά*· τὰ δὲ προσ-
 ἀρκτια τὰ μὲν πρὸς ἐσπέραν *Βάκτρια* τοῖς *Βακ-* 10
τρίοις βαρβάρων. διαχειμάσας δ' αὐτόθι ὑπερδέξιον
 ἔχων τὴν *Ἰνδικήν* καὶ πόλιν κτίσας ὑπερήκρισεν εἰς
 τὴν *Βακτριανήν* διὰ ψιλῶν ὁδῶν πλὴν τερμίνθου θα-
 μνώδους ὀλίγης, ἀπορούμενος καὶ τροφῆς ὥστε ταῖς
 τῶν κτηνῶν σαρκὶ χρῆσθαι, καὶ ταύταις ὠμαῖς διὰ τὴν 15
ἄξυλίαν· πρὸς δὲ τὴν ὠμοσιτίαν πεπτικὸν ἦν αὐτοῖς
 τὸ σίλφιον πολὺ πεφυκός. πεντεκαϊδεκαταῖος δὲ ἀπὸ
 τῆς κτισθείσης πόλεως καὶ τῶν χειμαδίων ἦκεν εἰς
 **Ἀδραψα*, πόλιν τῆς *Βακτριανῆς*.

- 11 Περὶ ταῦτα δὲ που τὰ μέρη τῆς ὁμόρου τῇ *Ἰνδικῇ* 20
 καὶ τὴν *Χααρηνὴν* εἶναι συμβαίνει· ἔστι δὲ τῶν ὑπὸ
 τοῖς *Παρθυαίοις* αὕτη προσεχεσιτάτη τῇ *Ἰνδικῇ*· διέχει
 δὲ τῆς **Ἀριανῆς* δι' *Ἀραχωτῶν* καὶ τῆς λεχθείσης ὀρει-
 νῆς σταδίους μυρίους * ἑνακισχιλίους. ταύτην δὲ τὴν
 χώραν διεξιὼν *Κρατερὸς* καταστρεφόμενος ἅμα τοὺς 25
 ἀπειθοῦντας ἦει συμμῆξαι τὴν ταχίστην σπεύδων τῷ
Βασιλεῖ· καὶ δὴ περὶ τοὺς αὐτοὺς χρόνους σχεδὸν τι
 συνέδραμον εἰς τὴν *Καρχμανίαν* αἱ πεξαὶ δυνάμεις ἀμ-
 φότεραι· καὶ μικρὸν ὕστερον οἱ περὶ *Νέαρχον* εἰσέπλεον
 εἰς τὸν *Περσικὸν κόλπον*, πολλὰ ταλαιπωρήσαντες διὰ 30
 τὴν ἄλλην καὶ τὴν ταλαιπωρίαν καὶ τὰ μεγέθη τῶν
 κητῶν.

Εἰκὸς μὲν οὖν πρὸς ὑπερβολὴν ἡδολεσχηκέναι 12
πολλὰ τοὺς πλεύσαντας, ὅμως δ' οὖν εἰρήκασι παρα-
δηλοῦντες ἅμα καὶ τὸ παραστὰν αὐτοῖς πάθος, διότι
προσδοκία μᾶλλον ἢ κίνδυνος ὑπῆρχε τοῖς ἀληθέσι. τὸ
5 δὲ μάλιστα ταραττον φουσητήρων μεγέθη ῥοῦν ἀπερ-
γαζομένων μέγαν ἀθρόον καὶ ἀχλὺν ἐκ τῶν ἀναφουση-
μάτων, ὥστε τὰ πρὸ ποδῶν μέρη μὴ ὄρασθαι· ἐπεὶ δ'
οἱ καθηγεμόνες τοῦ πλοῦ, δεδιότων ταῦτα τῶν ἀνθρώ-
πων τὴν δ' αἰτίαν οὐχ ὁρῶντων, ἐμήνυσαν ὅτι θηρία
10 εἴη, τάχα δ' ἀπαλλάττοιο σάλπιγγος ἀκούσαντα καὶ
κρότου, ἐκ τούτου Νέαρχος ταῖς ναυσὶν ἐπῆγε μὲν τὸ
ῥόθιον καθ' ἅπερ ἐκώλυνον, καὶ ἅμα ταῖς σάλπιγγιν
ἐφόβει, τὰ δὲ θηρία ἔδυνεν· εἴτ' ἀνεφαίνετο κατὰ
πρύμναν ὥστε ναυμαχίας ἀγωνίαν παρεῖχεν, ἀλλ' αὐ-
15 τίκα ἀφίστατο.

Λέγουσι μὲν οὖν καὶ οἱ νῦν πλείοντες εἰς Ἰνδοὺς 13
μεγέθη θηρίων καὶ ἐπιφανείας, ἀλλ' οὔτε ἀθρόων οὔτ'
ἐπιφερομένων πολλάκις, ἀλλ' ἀποσοβηθέντα τῇ κραυγῇ
καὶ τῇ σάλπιγγι ἀπαλλάττεσθαι. φασὶ δ' αὐτὰ μὲν μὴ C.726
20 πλησιάζειν τῇ γῇ, τὰ δ' ὅσα διαλυθέντων ψιλωθέντα
ἐκκυμαίνεσθαι ῥαδίως καὶ χορηγεῖν τὴν λεχθεῖσαν
ῥῆσιν τοῖς Ἰχθυοφάγοις περὶ τὰς καλυβοποιίας. μέγε-
θος δὲ τῶν κητῶν φησιν ὁ Νέαρχος τριῶν καὶ εἰκοσιν
ὀργυιῶν. πιστευθέν τι δὲ ἱκανῶς ὑπὸ τῶν ἐν τῷ στόλῳ
25 φησὶν ὁ Νέαρχος ἐξελέγξαι ψεῦδος ὄν, ὥς εἴη τις ἐν τῷ
πόρῳ νῆσος ἢ ἀφανίζοι τοὺς προσορμισθέντας· κέρ-
κουρον γάρ τινα πλέοντα, ἐπειδὴ κατὰ τὴν νῆσον ταύ-
την ἐγεγόνει, μηκέτι ὁραθῆναι· πεμφθέντας δὲ τινας
ἐπὶ τὴν ζήτησιν ἐκβῆναι μὲν μὴ θαρρεῖν εἰς τὴν νῆσον,
30 * ἐκπλέοντας δ' ἀνακαλεῖν κραυγῇ τοὺς ἀνθρώπους,
μηδενὸς δ' ὑπακούοντος ἐπανελθεῖν. ἀπάντων δ' αἰ-
τιωμένων τὴν νῆσον αὐτὸς ἔφη πλεῦσαι καὶ προσορ-

μισθεῖς ἐκβῆναι μετὰ μέρους τῶν συμπλευσάντων καὶ περιελθεῖν τὴν νῆσον· ὥς δ' οὐδὲν εὗρισκεν ἰχθυος τῶν ζητουμένων, ἀπογνόντα ἐπανελθεῖν καὶ διδάξαι τοὺς ἀνθρώπους ὥς ἡ μὲν νῆσος ψευδῇ τὴν αἰτίαν ἔχοι (καὶ γὰρ αὐτῷ καὶ τοῖς συνεκβάσιν ὁ αὐτὸς ὑπάρ- 5 ξαι [ἂν] φθόρος), ἄλλος δέ τις τῷ κερκούρω τρόπος τοῦ ἀφανισμοῦ συμβαίη, μυρίων ὄντων δυνατῶν.

- 14 Ἡ δὲ Καρμανία τελευταία μὲν ἐστὶ τῆς ἀπὸ τοῦ Ἰνδοῦ παραλίας, ἀρκτικωτέρα δ' ἐστὶ πολὺ τῆς τοῦ Ἰνδοῦ ἐκβολῆς· τὸ μέντοι πρῶτον αὐτῆς ἄκρον ἔκκεται 10 πρὸς νότον εἰς τὴν μεγάλην θάλατταν, ποιήσασα δὲ τὸ στόμα τοῦ Περσικοῦ κόλπου πρὸς τὴν ἀπὸ τῆς εὐδαίμονος Ἀραβίας ἄκραν ἐν ἀπόψει οὖσαν, κάμπτεται πρὸς τὸν Περσικὸν κόλπον ἕως ἂν συνάψῃ τῇ Περσίδι· πολλὴ δὲ καὶ τῇ μεσογαίᾳ ἐστὶν ἐκτεινόμενη 15 μεταξὺ τῆς Γεδρωσίας καὶ τῆς Περσίδος, παραλλάττουσα πλέον τῆς Γεδρωσίας πρὸς τὴν ἄρκτον. δηλοῖ δ' ἡ εὐκαρπία· καὶ γὰρ πάμφορος καὶ μεγαλόδενδρος πλὴν ἐλαίας καὶ ποταμοῖς κατάρρυτος. ἡ δὲ Γεδρωσία διαφέρει μικρὸν τῆς τῶν Ἰχθυοφάγων, ὥστ' ἀκαρπία 20 κατέχει πολλάκις· διὸ φυλάττουσι τὸν ἐνιαύσιον καρπὸν εἰς ἔτη πλείω ταμιευόμενοι. Ὀνησίκριτος δὲ λέγει ποταμὸν ἐν τῇ Καρμανίᾳ καταφέροντα ψήγματα χρυσοῦ· καὶ ὀρυκτοῦ δὲ εἶναι μέταλλον καὶ ἀργύρου καὶ χαλκοῦ καὶ μίλτον· ὅρη τε εἶναι δύο τὸ μὲν ἀρσενικοῦ 25 τὸ δὲ ἀλός. ἔχει δὲ τινα καὶ ἔρημον συνάπτουσιν ἤδη τῇ Παρθυαίᾳ καὶ τῇ Παραιτακηνῇ. γεώργια δ' ἔχει παραπλήσια τοῖς Περσικοῖς τά τε ἄλλα καὶ ἄμπελον· ταύτης δ' ἡ Καρμανία λεγομένη παρ' ἡμῶν καὶ δίπηχυν ἔχει πολλάκις τὸν βότρυν πυκνορρῶγά τε ὄντα καὶ με- 30 C.727γαλορρῶγα, ἣν εἰκὸς ἐκεῖ εὐερνεστέραν εἶναι. χρῶνται δ' ὄνοις οἱ πολλοὶ καὶ πρὸς πόλεμον σπάνει τῶν ἵππων·

ὄνον τε θύουσι τῷ Ἄρει, ὅνπερ σέβονται θεῶν μόνον,
καὶ εἰς πολεμισταί· γαμεῖ δ' οὐδεὶς πρὶν ἂν πολέμιον
κεφαλὴν ἀποτεμῶν ἀνευέγκη ἐπὶ τὸν βασιλέα· ὁ δὲ τὸ
κρανίου μὲν ἐπὶ τῶν βασιλείων ἀνατίθησι, τὴν δὲ
5 γλῶτταν λεπτοτομήσας [καὶ] καταμίξας ἀλεύρῳ γευσά-
μενος αὐτὸς δίδωσι τῷ ἀνευέγκαντι καὶ τοῖς οἰκείοις
κατασιτήσασθαι· ἐνδοξότατος δ' ἐστὶν ᾧ πλεῖστα κε-
φαλαὶ ἀνυνέχθησαν. Νέαρχος δὲ τὰ πλεῖστα ἔθη καὶ
τὴν διάλεκτον τῶν Καρμανιτῶν Περσικά τε καὶ Μη-
10 δικά εἰρηκε. τὸ δὲ στόμα τοῦ Περσικοῦ κόλπου [οὐ]
μεῖζον διαρματος ἡμερησίον.

Μετὰ δὲ Καρμανίαν ἡ Περσίς ἔστι, πολλὴ μὲν ἐν 8
τῇ παραλίᾳ τοῦ ἀπ' αὐτῆς ὀνομαζομένου κόλπου, πολλὴ
δὲ μεῖζων ἐν τῇ μεσογαίᾳ, καὶ μάλιστα ἐπὶ μῆκος τὸ ἀπὸ
15 τοῦ νότου καὶ τῆς Καρμανίας ἐπὶ τὰς ἄρκτους καὶ τὰ
περὶ Μηδίαν ἔθνη. τριττὴ δ' ἐστὶ καὶ τῇ φύσει καὶ τῇ
τῶν ἄρων κράσει. ἡ μὲν γὰρ παραλία καυματηρά τε
καὶ ἀμμώδης καὶ σπανιστὴ καρποῖς ἔστι πλὴν φοινί-
κων, ὅσον ἐν τετρακισχιλίοις καὶ τετρακοσίοις ἢ τρια-
20 κοσίοις ἔξεταζομένη σταδίοις, καταστρέφουσα εἰς πο-
ταμὸν μέγιστον τῶν ταύτῃ καλούμενον Ὀρόατιν· ἡ δ'
ὑπὲρ ταύτης ἐστὶ πάμφορος καὶ πεδινὴ καὶ θρεμμάτων
ἀρίστη τροφός, ποταμοῖς τε καὶ λίμναις πληθύνει. τρίτη
δ' ἐστὶν ἡ πρὸς βορρᾶν χειμέριος καὶ ὄρειν· πρὸς δὲ
25 ταῖς ἐσχατιαῖς εἰσιν οἱ καμηλοβοσκοί. μῆκος μὲν οὖν
ἐστὶ κατ' Ἑρατοσθένη τὸ ἐπὶ τὰς ἄρκτους καὶ * τὰς
Κασπίους πύλας περὶ ὀκτακισχιλίων κατὰ τινὰς
προπιπτούσας ἄκρας. λοιπὴ δ' ἐστὶν ἐπὶ Κασπίους πύ-
λας οὐ πλεῖον ἢ τῶν τρισχιλίων. πλάτος δὲ τὸ ἐν τῇ
30 μεσογαίᾳ τὸ ἀπὸ Σούσων εἰς Περσέπολιν στάδιοι τε-
τρακισχιλίοι διακόσιοι, κἀντεῦθεν ἐπὶ τοὺς τῆς Καρ-
μανίας ὄρους ἄλλοι χίλιοι ἑξακόσιοι. φῦλα δὲ οἰκεῖ τὴν

χώραν οἷ τε Παττισχορεῖς λεγόμενοι καὶ οἱ Ἀχαιμενίδαι καὶ [οἱ] Μάγοι· οὗτοι μὲν οὖν σεμνοῦ τινός εἰσι βίου ζηλωταί, Κύρτιοι δὲ καὶ Μάρδοι ληστρικοί, ἄλλοι δὲ γεωργικοί.

2 Σχεδὸν δέ τι καὶ ἡ Σουσίς μέρος γεγένηται τῆς 5
Περσίδος μεταξὺ αὐτῆς κειμένη καὶ τῆς Βαβυλωνίας, ἔχουσα πόλιν ἀξιολογωτάτην τὰ Σοῦσα. οἱ γὰρ Πέρσαι κρατήσαντες Μήδων καὶ ὁ Κῦρος, ὁρῶντες τὴν μὲν οἰκίαν γῆν ἐπ' ἐσχάτοις που ταπτομένην, τὴν δὲ Σουσίδα ἐνδοτέρω καὶ πλησιαιτέραν τῇ Βαβυλωνίᾳ καὶ τοῖς 10
ἄλλοις ἔθνεσιν, ἐνταῦθα ἔθεντο τὸ τῆς ἡγεμονίας βασιλείον· ἅμα καὶ τὸ ὅμορον τῆς χώρας ἀποδεξάμενοι
c.728 καὶ τὸ ἀξίωμα τῆς πόλεως καὶ * κρεῖττον τὸ μηδέποτε καθ' ἑαυτὴν τὴν Σουσίδα πραγμάτων μεγάλων ἐπήβολον γεγενῆσθαι, ἀλλ' αἰεὶ ὑπὸ ἑτέροις ὑπάρχει καὶ ἐν 15
μέρει τετάχθαι συστήματος μελζόνος, πλὴν εἰ ἄρα τὸ παλαιὸν τὸ κατὰ τοὺς ἥρωας. λέγεται γὰρ δηκτίσμα Τιθωνοῦ τοῦ Μέμνονος πατρός, κύκλον ἔχουσα ἑκατὸν καὶ εἴκοσι σταδίων, παραμῆκης τῷ σχήματι· ἡ δ' ἀκρόπολις ἐκαλεῖτο Μεμνόνιον· λέγονται δὲ καὶ Κίσσιοι οἱ 20
Σούσιοι· φησὶ δὲ καὶ Αἰσχύλος τὴν μητέρα Μέμνονος Κισσίαν. ταφῆναι δὲ λέγεται Μέμνωνος περὶ Πάλτον τῆς Συρίας παρὰ Βαδᾶν ποταμόν, ὡς εἶρηκε Σιμωνίδης ἐν Μέμνονι διθυράμβῳ τῶν Ἀηλιακῶν. τὸ δὲ τεῖχος ὠκοδόμητο τῆς πόλεως καὶ ἱερὰ καὶ βασιλεία παραπλησίως 25
ὥσπερ τὰ τῶν Βαβυλωνίων ἐξ ὁπτῆς πλίνθου καὶ ἀσφάλτου, καθάπερ εἰρήκασί τινες· Πολύκλειτος δὲ διακοσίων φησὶ τὸν κύκλον καὶ ἀτείχιστον.

3 Κοσμήσαντες δὲ τὰ ἐν Σούσοις βασίλεια μάλιστα τῶν ἄλλων οὐδὲν ἤττον καὶ τὰ ἐν Περσεπόλει καὶ τὰ 30
ἐν Πασαργάδαις ἐξετίμησαν· καὶ ἡ γε γάζα καὶ οἱ θησαυροὶ καὶ τὰ μνημεῖα ἐνταῦθα ἦν τοῖς Πέρσαις, ὡς

ἐν τόποις ἐρυμνοτέροις καὶ ἅμα προγονικοῖς. ἦν δὲ καὶ ἄλλα βασιλεία τὰ ἐν Γάβαις ἐν τοῖς ἀνωτέρω που μέρεσι τῆς Περσίδος καὶ τὰ ἐν τῇ παραλίᾳ τὰ κατὰ τὴν Ταόκην λεγομένην· ταῦτα μὲν τὰ κατὰ τὴν τῶν Περσῶν ἀρχήν, οἱ δ' ὕστερον ἄλλοις καὶ ἄλλοις ἐχρήσαντο, ὥς εἰκός, εὐτελεστέροις τισὶν, ἅτε καὶ τῆς Περσίδος ἡλατωμένης ὑπὸ τε τῶν Μακεδόνων καὶ ἔτι μᾶλλον ὑπὸ τῶν Παρθυαίων. καὶ γὰρ εἰ βασιλεύονται μέχρι νῦν ἴδιον βασιλέα ἔχοντες οἱ Πέρσαι, τῇ γε δυνάμει πλεῖστον ἀπολείπονται καὶ τῷ Παρθυαίων προσέχουσι βασιλεῖ.

Τὰ μὲν οὖν Σοῦσα ἐν μεσογαίοις κεῖται ἐπὶ τῷ ἁ Χοάσπῃ ποταμῷ περαιτέρω κατὰ τὸ ξεῦγμα, ἥ δὲ χώρα μέχρι τῆς θαλάττης καθήκει· καὶ ἔστιν αὐτῆς ἡ παρα-
 15 λία μέχρι τῶν ἐκβολῶν σχεδόν τι τοῦ Τίγριος ἀπὸ τῶν ὄρων τῆς Περσικῆς παραλίας σταδίων ὡς τρισχιλίων. ῥεῖ δὲ διὰ τῆς χώρας ὁ Χοάσπης εἰς τὴν αὐτὴν τελευτῶν παραλίαν, ἀπὸ τῶν Οὐξίων τὰς ἀρχὰς ἔχων. παρεμπίπτει γὰρ τις ὄρεινὴ τραχεῖα καὶ ἀπότομος μεταξὺ τῶν
 20 Σουσίων καὶ τῆς Περσίδος, στενὰ ἔχουσα δυσπάροδα καὶ ἀνθρώπους ληστάς, οἳ μισθοὺς ἐπράττοντο καὶ αὐτοὺς τοὺς βασιλέας κατὰ τὴν ἐκ Σούσων εἰς Πέρσας εἰσβολήν. φησὶ δὲ Πολύκλειτος εἰς λίμνην τινὰ συμβάλλειν τὸν τε Χοάσπην καὶ τὸν Εὐλαιοὺν καὶ ἔτι τὸν
 25 Τίγριν, εἰτ' ἐκεῖθεν εἰς τὴν θάλατταν ἐκδιδόναι· πρὸς δὲ τῇ λίμνῃ καὶ ἐμπόριον εἶναι, τῶν ποταμῶν μὲν οὐ δεχομένων τὰ ἐκ τῆς θαλάττης, οὐδὲ καταπεμπόντων. 729
 διὰ τοὺς καταράκτας ἐπίτηδες γενομένους, πεζῇ δ' ἐμπορευομένων· ὁκτακοσίους γὰρ εἶναι σταδίους εἰς
 30 Σοῦσα * λέγουσιν ἄλλοι· ἄλλοι δὲ φασὶ τοὺς διὰ Σούσων ποταμοὺς εἰς ἓν ῥεῦμα τὸ τοῦ Τίγριος συμπίπτειν κατὰ τὰς μεταξὺ διώρυγας τοῦ Εὐφράτου·

διὰ δὲ τοῦτο κατὰ τὰς ἐκβολὰς ὀνομάζεσθαι Πασί-
τιγριν.

- 5 Νεάρχος δὲ τὸν παράπλουν τῆς Σουσίδος τενα-
γώδη φήσας πέρας αὐτοῦ λέγει τὸν Εὐφράτην ποτα-
μόν· πρὸς δὲ τῷ στόματι κώμην οἰκεῖσθαι τὴν ὑποδε- 5
χομένην τὰ ἐκ τῆς Ἀραβίας φορτία· συνάπτειν γὰρ
ἐφεξῆς τὴν τῶν Ἀράβων παραλίαν τῷ στόματι τοῦ
Εὐφράτου καὶ τοῦ Πασιτίγριος, τὸ δὲ μεταξὺ πᾶν ἐπέ-
χειν λίμνην τὴν ὑποδεχομένην τὸν Τίγριν. ἀναπλεύ-
σαντι δὲ τῷ Πασιτίγρει σταδίου πεντήκοντα καὶ ἑκα- 10
τὸν τὴν σχεδίαν εἶναι τὴν ἄγουσαν ἐπὶ Σούσων ἐκ τῆς
Περσίδος, ἀπέχουσαν Σούσων σταδίου * ἐξήκοντα·
τὸν δὲ Πασίτιγριν ἀπὸ τοῦ Ὀροάτιδος διέχειν περὶ
δισχιλίους σταδίους· διὰ δὲ τῆς λίμνης ἐπὶ τὸ στόμα 15
τοῦ Τίγριος τὸν ἀνάπλουν εἶναι σταδίων ἑξακοσίων· 15
πλησίον δὲ τοῦ στόματος κώμην οἰκεῖσθαι * τὴν Σου-
σιανὴν διέχουσαν τῶν Σούσων σταδίου πεντακο-
σίους· ἀπὸ δὲ τοῦ στόματος τοῦ Εὐφράτου καὶ μέχρι
Βαβυλῶνος τὸν ἀνάπλουν εἶναι διὰ γῆς οἰκουμένης
καλῶς σταδίων πλειόνων ἢ τρισχιλίων. Ὀνησίκριτος 20
δὲ πάντας φησὶν ἐκβάλλειν εἰς τὴν λίμνην τὸν τε Εὐ-
φράτην καὶ τὸν Τίγριν, ἐκπεσόντα δὲ πάλιν τὸν Εὐ-
φράτην ἐκ τῆς λίμνης ἰδίῳ στόματι πρὸς τὴν θάλατταν
συνάπτειν.

- 6 Ἔστι δὲ καὶ ἄλλα πλείω στενὰ διεκβάλλονται τὰ ἐν 25
τοῖς Οὐξίοις κατ' αὐτὴν τὴν Περσίδα, ἃ καὶ αὐτὰ βίᾳ
διῆλθεν Ἀλέξανδρος, κατὰ τε τὰς Περσικὰς πύλας καὶ
κατ' ἄλλους τόπους διεξιὼν τὴν χώραν, καὶ κατοπτεῦ-
σαι σπεύδων τὰ κυριώτατα μέρη καὶ τὰ γαζοφυλάκια,
ἃ τοσοῦτοις χρόνοις ἐξεπεπλήρωτο, οἷς ἐδασμολόγησαν 30
Πέρσαι τὴν Ἀσίαν· ποταμοὺς δὲ διέβη πλείους τοὺς
διαρρέοντας τὴν χώραν καὶ καταφερομένους εἰς τὸν

Περσικὸν κόλπον. μετὰ γὰρ τὸν Χοάσπην ὁ Κοπράτας
 ἐστὶ καὶ ὁ Πασίτιγρις, ὃς ἐκ τῆς Οὐξίας καὶ αὐτὸς ρεῖ·
 ἔστι δὲ καὶ Κῦρος ποταμὸς διὰ τῆς κοίλης καλουμένης
 Περσίδος ῥέων περὶ Πασαργάδας, οὗ μετέλαβε τὸ ὄνο-
 5 μα βασιλεὺς ἀντὶ Ἀγραδάτου μετονομασθεὶς Κῦρος.
 πρὸς αὐτῇ δὲ τῇ Περσεπόλει τὸν Ἀράξην διέβη· ἣν δὲ
 ἡ Περσέπολις μετὰ Σοῦσα κάλλιστα κατεσκευασμένη
 μερίστη πόλις, ἔχουσα βασιλεια ἐκπρεπῆ, καὶ μάλιστα
 τῇ πολυτελείᾳ τῶν κειμένων. ρεῖ δ' ὁ Ἀράξης ἐκ τῶν
 10 Παραιτακῶν· συμβάλλει δ' εἰς αὐτὸν ὁ Μῆδος ἐκ Μη-
 δίας ὀρμηθεὶς. φέρονται δὲ δι' αὐλῶνος παμφόρου
 συνάπτοντος τῇ Καρμανίᾳ καὶ τοῖς ἑωθινοῖς μέρεσι
 τῆς χώρας, καθάπερ καὶ αὐτῇ ἡ Περσέπολις. ἐνέπρησε
 δὲ ὁ Ἀλέξανδρος τὰ ἐν Περσεπόλει βασιλεια τιμωρῶν. 730
 15 τοῖς Ἑλλήσιν, ὅτι κακείνων ἱερὰ καὶ πόλεις οἱ Πέρσαι
 πυρὶ καὶ σιδήρῳ διεπόρθησαν.

Εἴτ' εἰς Πασαργάδας ἦκε· καὶ τοῦτο δ' ἦν βασι- 7
 λειον ἀρχαῖον. ἐνταῦθα δὲ καὶ τὸν Κύρου τάφον εἶδεν
 ἐν παραδείσῳ, πύργον οὐ μέγαν, τῷ δάσει τῶν δένδρων
 20 ἐναποκεκρυμμένον, κάτω μὲν στερεὸν ἄνω δὲ στέγην
 ἔχοντα καὶ σηκὸν στενὴν τελέως ἔχοντα τὴν εἴσοδον,
 δι' ἧς παρελθεῖν εἶσω φησὶν Ἀριστόβουλος κελεύσαν-
 τος τοῦ βασιλέως καὶ κοσμήσαι τὸν τάφον· ἰδεῖν δὲ
 κλίνην τε χρυσὴν καὶ τράπεζαν σὺν ἐκπώμασι καὶ
 25 πύελον χρυσὴν καὶ ἐσθῆτα πολλὴν κόσμον τε λιθοκόλ-
 λητον· κατὰ μὲν οὖν τὴν πρώτην ἐπιδημίαν ταῦτ'
 ἰδεῖν, ὕστερον δὲ συληθῆναι, καὶ τὰ μὲν ἄλλα ἐκκομι-
 σθῆναι τὴν δὲ κλίνην θραυσθῆναι μόνον καὶ τὴν
 πύελον, μεταθέντων τὸν νεκρόν, δι' οὗ δῆλον γενέσθαι
 30 διότι προνομευτῶν ἔργον ἦν, οὐχὶ τοῦ σατράπου, κα-
 ταλιπόντων ἃ μὴ δυνατὸν ἦν ῥαδίως ἐκκομίσαι· συμ-
 βῆναι δὲ ταῦτα, καίπερ φυλακῆς περικειμένης Μάγων,

σίτισιν λαμβανόντων καθ' ἡμέραν πρόβατον, διὰ μηνὸς δ' ἵππον. ἀλλ' ὁ ἔκτοπισμὸς τῆς Ἀλεξάνδρου στρατιᾶς εἰς Βάκτρα καὶ Ἰνδοὺς πολλά τε ἄλλα νεωτερισθῆναι παρεσκεύασε, καὶ δὴ καὶ τοῦθ' ἐν τῶν νεωτερισθέντων ὑπῆρξεν. οὕτω μὲν οὖν Ἀριστόβουλος εἴρηκε, 5 καὶ τὸ ἐπίγραμμα δὲ ἀπομνημονεύει τοῦτο „ὦ ἄν-
 „θρῶπε, ἐγὼ Κῦρός εἰμι, ὁ τὴν ἀρχὴν τοῖς Πέρσαις
 „κτησάμενος καὶ τῆς Ἀσίας βασιλεύς· μὴ οὖν φθονή-
 „σης μοι τοῦ μνήματος.“ Ὀνησίκριτος δὲ τὸν μὲν πύργον δεκάστεγον εἴρηκε· καὶ ἐν μὲν τῇ ἀνωτάτῳ 10
 στέρῃ κεῖσθαι τὸν Κῦρον· ἐπίγραμμα δ' εἶναι Ἑλληνι-
 κόν, Περσικοῖς κεχαραγμένον γράμμασιν „ἐνθάδ' ἐγὼ
 „κείμει Κῦρος βασιλεὺς βασιλῆων.“ καὶ ἄλλο περσίζον πρὸς τὸν αὐτὸν νοῦν.

- 8 Μέμνηται δ' Ὀνησίκριτος καὶ τὸ ἐπὶ τοῦ Λαρείου 15
 τάφῳ γράμμα τόδε „φίλος ἦν τοῖς φίλοις· ἵππεὺς καὶ
 „τοξότης ἄριστος ἐγενόμην· κυνηγῶν ἐκράτουν· πάντα
 „ποιεῖν ἠδυνάμην.“ Ἀριστος δ' ὁ Σαλαμίνιος πολὺ
 μὲν ἔστι νεώτερος τούτων, λέγει δὲ δίστεγον τὸν πύρ-
 γον καὶ μέγαν, ἐν δὲ τῇ Περσῶν διαδοχῇ ἰδρῦσθαι, 20
 φυλάττεσθαι δὲ τὸν τάφον· ἐπίγραμμα δὲ τὸ λεχθὲν
 Ἑλληνικὸν καὶ ἄλλο Περσικὸν πρὸς τὸν αὐτὸν νοῦν.
 τοὺς δὲ Πασαργάδας ἐτίμησε Κῦρος, ὅτι τὴν ὑστάτην
 μάχην ἐνίκησεν Ἀστυάγην ἐνταῦθα τὸν Μῆδον, καὶ
 τὴν ἀρχὴν τῆς Ἀσίας μετήνεγκεν εἰς ἑαυτὸν καὶ πόλιν 25
 ἔκτισε καὶ βασιλείον κατεσκεύασε τῆς νίκης μνημεῖον.

- 9
 C.731 Πάντα δὲ τὰ ἐν τῇ Περσίδι χρήματα ἐξεσκεύασατο
 εἰς τὰ Σοῦσα καὶ αὐτὰ θησαυρῶν καὶ κατασκευῆς
 μεστά· οὐδὲ τοῦθ' ἠγεῖτο τὸ βασιλείον, ἀλλὰ τὴν Βα-
 βυλῶνα, καὶ διενοεῖτο ταύτην προσκατασκευάζειν· 30
 κἀνταῦθα δ' ἔκειντο θησαυροί. φασὶ δὲ χωρὶς τῶν ἐν
 Βαβυλῶνι καὶ τῶν ἐν ταῖς στρατοπέδοις τῶν παρὰ ταῦτα

μὴ ληφθέντων αὐτὰ τὰ ἐν Σούσοις καὶ τὰ ἐν Περσίδι
 τέτταρας μυριάδας ταλάντων ἐξετασθῆναι· τινὲς δὲ
 καὶ πέντε λέγουσιν· ἄλλοι δὲ πάντα πάντοθεν συνα-
 χθῆναι παραδεδώκασιν εἰς Ἑκβάτανα ὀκτωκαίδεκα
 5 μυριάδας ταλάντων· τὰ δὲ Δαρεῖω φερόντι ἐκ τῆς
 Μηδίας συνεκκομισθέντα τάλαντα ὀκτακισχίλια διήρ-
 पासαν οἱ δολοφονήσαντες αὐτόν.

Τὴν γοῦν Βαβυλῶνα ὁ Ἀλέξανδρος προέκρινεν 10
 ὁρῶν καὶ τῷ μεγέθει πολὺ ὑπερβάλλουσιν καὶ τοῖς
 10 ἄλλοις. εὐδαίμων δ' οὕσα ἡ Σουσίς ἐκφυρον τὸν ἄερα
 ἔχει [καὶ] καυματηρὸν καὶ μάλιστα τὸν περὶ τὴν πόλιν,
 ὥς φησιν * ἐκεῖνος· τὰς γοῦν σαύρας καὶ τοὺς ὄφεις
 θέρους ἀκμάζοντος τοῦ ἡλίου κατὰ μεσημβρίαν δια-
 βῆναι μὴ φθάνειν τὰς ὁδοὺς τὰς ἐν τῇ πόλει, ἀλλ' ἐν
 15 μέσαις περιφλέγεσθαι, ὅπερ τῆς Περσίδος μηδαμοῦ
 συμβαίνειν καίπερ νοτιωτέρας οὔσης· λουτρὰ δὲ ψυχρὰ
 προτεθέντα ἐκθερμαίνεσθαι παραχρῆμα, τὰς δὲ κριθὰς
 διασπαρείσας εἰς τὸν ἥλιον ἄλλεσθαι καθάπερ ἐν τοῖς
 ἱπνοῖς τὰς κάχρους· διὸ καὶ ταῖς στέγαις ἐπὶ δύο πῆχεις
 20 γῆν ἐπιτίθεσθαι, ὑπὸ δὲ τοῦ βάρους ἀναγκάζεσθαι
 στενοὺς μὲν μακροὺς δὲ ποιεῖσθαι τοὺς οἴκους, ἀπο-
 ρουμένους μακρῶν μὲν δοκῶν δεομένους δὲ μεγάλων
 οἰκῶν διὰ τὸ πνῆγος. ἴδιον δέ τι πᾶσχειν τὴν φοινικί-
 νην δοκόν· στερεὰν γὰρ οὕσαν, παλαιουμένην οὐκ εἰς
 25 τὸ κάτω τὴν ἔνδοσιν λαμβάνειν, ἀλλ' εἰς τὸ ἄνω μέρος
 κυρτοῦσθαι τῷ βάρει καὶ βέλτιον ἀνέχειν τὴν ὀροφήν.
 αἷτιον δὲ τῶν καυμάτων λέγεται τὸ ὑπερκεῖσθαι πρὸς
 ἄρκτον ὄρη ὑψηλὰ τὰ προεκδεχόμενα ἅπαντας τοὺς
 βορείους ἀνέμους· ὑπερπετεῖς δὲ πνέοντες ἀπὸ τῶν
 30 ἀκρωτηρίων μετέωροί τε τῶν πεδίων οὐ προσάπτονται,
 ἀλλὰ παρελαύνουσιν εἰς τὰ νοτιώτερα τῆς Σουσίδος·
 αὕτη δὲ νηνεμίαις κατέχεται, καὶ μάλιστα τότε ἡνίκα

ἐτησίαι τὴν ἄλλην γῆν καταψύχουσιν ἐκκαομένην ὑπὸ τῶν καυμάτων.

- 11 Πολύσιτος δ' ἄγαν ἐστὶν ὥστε ἐκατοντάχουν δι' ὀμαλοῦ καὶ κριθὴν καὶ πυρὸν ἐκτρέφειν, ἔστι δ' ὅτε καὶ διακοσιοντάχουν· διόπερ οὐδὲ πυκνὰς τὰς αὖλακας 5 τέμνουσι· πυκνούμεναι γὰρ κωλύουσιν αἱ ῥίζαι τὴν βλάστην. τὴν δ' ἄμπελον οὐ φνομένην πρότερον Μακεδόνες κατεφύτευσαν κάκεϊ καὶ ἐν Βαβυλῶνι, οὐ ταφρεύοντες ἀλλὰ παττάλους κατασεσιδηρωμένους ἐξ C.732 ἄκρων πῆττοντες, εἴτ' ἐξαιροῦντες, ἀντὶ δ' αὐτῶν τὰ 10 κλήματα καθιέντες εὐθέως. ἡ μὲν δὴ μεσόγαια τοιαύτη· ἡ δὲ παραλία τεναγώδης ἐστὶ καὶ ἀλίμενος· διὰ τοῦτο γοῦν καὶ φησὶν ὁ Νέαρχος μηδὲ καθοδηγῶν ἐπιχωρίων τυγχάνειν ἡνίκα τῷ στόλῳ παρέπλει πρὸς τὴν Βαβυλωνίαν ἐκ τῆς Ἰνδικῆς, ὅτι προσόρμους οὐκ εἶχεν, 15 οὐδ' ἀνθρώπων εὐπορεῖν οἷός τ' ἦν τῶν ἡγησομένων κατ' ἐμπειρίαν.
- 12 Γειτνιά δὲ τῇ Σουσίδι τῆς Βαβυλωνίας ἡ Σιτακηνὴ μὲν πρότερον Ἀπολλωνιᾶτις δὲ ὕστερον προσαγορευθεῖσα. ἀπὸ τῶν ἄρκτων δ' ὑπέρκεινται ἀμφοῖν πρὸς 20 ἔω Ἑλυμαῖοί τε καὶ Παραιτακηνοί, ληστρικοὶ ἄνδρες καὶ ὀρεινῇ τραχεῖα πεποιθότες· μᾶλλον δ' οἱ Παραιτακηνοὶ τοῖς Ἀπολλωνιάταις ἐπικίενται, ὥστε καὶ χειρὸν ἐκείνους διατιθέασιν. οἱ δὲ Ἑλυμαῖοι καὶ ἐκείνοις καὶ τοῖς Σουσίοις, τούτοις δὲ καὶ οἱ Οὔξιοι προσπολεμοῦ- 25 σιν· ἥττον δὲ νῦν, ὥς εἰκός, διὰ τὴν τῶν Παρθυαίων ἰσχύν, ὅφ' οἷς εἰσὶν ἅπαντες οἱ ταύτῃ. εὖ μὲν οὖν πραττόντων ἐκείνων, εὖ πράττουσιν ἅπαντες καὶ οἱ ὑπήκοοι αὐτῶν· στασιαζόντων δέ, ὅπερ συμβαίνει πολλάκις, καὶ δὴ καὶ ἐφ' ἡμῶν, ἄλλοτ' ἄλλως συμβαίνει 30 καὶ οὐ τὰ αὐτὰ πᾶσι· τοῖς μὲν γὰρ συνήνεγκεν ἡ τα-

ραχή, τοῖς δὲ παρα γνώμην ἀπήντησεν. ἡ μὲν δὲ χάρα
ἢ τε Περσίς καὶ ἡ Σουσιανὴ τοιαύτη.

Τὰ [δ'] ἔθη τὰ Περσικὰ καὶ τούτοις καὶ Μήδοις τὰ 13
· αὐτὰ καὶ ἄλλοις πλείοσι, περὶ ὧν εἰρήκασι μὲν πλείους,
5 τὰ δὲ καίρια καὶ ἡμῖν λεκτέον. Πέρσαι τοίνυν ἀράγματα
μὲν καὶ βωμοὺς οὐχ ἰδρύονται, θύουσι δ' ἐν ὑψηλῷ
τόπῳ τὸν οὐρανὸν ἡγούμενοι Δία· τιμῶσι δὲ καὶ
ἥλιον, ὃν καλοῦσι Μίθρην, καὶ σελήνην καὶ Ἀφροδί-
την καὶ πῦρ καὶ γῆν καὶ ἀνέμους καὶ ὕδωρ· θύουσι δ'
10 ἐν καθαρῷ τόπῳ κατευξάμενοι παραστησάμενοι τὸ
λερεῖον ἐστεμμένον· μελίσσαντος δὲ τοῦ Μάγου τὰ κρέα
τοῦ ὑφηγουμένου τὴν λειτουργίαν ἀπλάσι διελόμενοι,
τοῖς θεοῖς οὐδὲν ἀπονείμαντες μέρος· τῆς γὰρ ψυχῆς
φασὶ τοῦ λερείου δεῖσθαι τὸν θεόν, ἄλλου δὲ οὐδενός·
15 ὅμως δὲ τοῦ ἐπίπλου τι μικρὸν τιθέασιν, ὥς λέγουσιν
τινες, ἐπὶ τὸ πῦρ.

Διαφερόντως δὲ τῷ πυρὶ καὶ τῷ ὕδατι θύουσι, 14
τῷ μὲν πυρὶ, προστιθέντες ξηρὰ ξύλα τοῦ λέπους χωρὶς
πιμελὴν ἐπιτιθέντες ἄνωθεν· εἰδ' ὑφάπτουσιν ἔλαιον
20 καταχέοντες, οὐ φουσῶντες ἀλλὰ ῥιπίζοντες· τοὺς δὲ
φυσήσαντας ἢ νεκρὸν ἐπὶ πῦρ θέντας ἢ βόλβιτον θα-
νατοῦσι· τῷ δ' ὕδατι, ἐπὶ λίμνην ἢ ποταμὸν ἢ κρήνην
ἐλθόντες, βόθρον ὀρύξαντες εἰς τοῦτον σφαγιάζονται,
φυλαττόμενοι μὴ τι τοῦ πλησίον ὕδατος αἰμαχθεῖν, ὥς 733
25 μιανοῦντες· εἴτ' ἐπὶ μυρρίνην ἢ δάφνην διαθέντες τὰ
κρέα ῥάβδοις λεπτοῖς * ἐφάπτονται οἱ Μάγοι καὶ ἐπά-
δουσιν, ἀποσπένδοντες ἔλαιον ὁμοῦ γάλακτι καὶ μέλιτι
κεκραμένον οὐκ εἰς πῦρ οὐδ' ὕδωρ, ἀλλ' εἰς τοῦδαφος·
τὰς δ' ἐπφθὰς ποιοῦνται πολὺν χρόνον ῥάβδων μυρι-
30 κίνων λεπτῶν δέσμην κατέχοντες.

Ἐν δὲ τῇ Καππαδοκίᾳ (πολὺ γὰρ ἐκεῖ τὸ τῶν Μά- 15
γων φῦλον, οἳ καὶ πύραιθοι καλοῦνται· πολλὰ δὲ καὶ

τῶν Περσικῶν θεῶν ἱερὰ), οὐδὲ μαχαίρᾳ θύουσιν, ἀλλὰ κορμῷ τινι ὧς ἂν ὑπέρῳ τύπτοντες. ἔστι δὲ καὶ πυραιθεῖα, σηκοὶ τινες ἀξιόλογοι· ἐν δὲ τούτοις μέσοις βωμός, ἐν ᾧ πολλή τε σποδός, καὶ πῦρ ἄσβεστον φυλάττουσιν οἱ Μάγοι· καὶ καθ' ἡμέραν δὲ εἰσιόντες, 5 ἐπάδουσιν ὥραν σχεδόν τι πρὸ τοῦ πυρὸς τὴν δέσμην τῶν ῥάβδων ἔχοντες, τιάρας περικείμενοι πιλωτὰς καθεικυίας ἐκατέρωθεν μέχρι τοῦ καλύπτειν τὰ χεῖλη τὰς παραγναθίδας. ταῦτά δ' ἐν τοῖς τῆς Ἀναΐτιδος καὶ τοῦ Ὀρμάνου ἱεροῖς νενόμεσται· τούτων δὲ καὶ σηκοὶ 10 εἰσι, καὶ ξόανον τοῦ Ὀρμάνου πομπεύει. ταῦτα μὲν οὖν ἡμεῖς ἑώρακαμεν, ἐκεῖνα δ' ἐν ταῖς ἱστορίαις λέγεται καὶ τὰ ἐφεξῆς.

16 Εἰς γὰρ ποταμὸν οὗτ' οὐροῦσιν οὔτε νίπτονται Πέρσαι, οὐδὲ λούονται, οὐδὲ νεκρὸν ἐμβάλλουσιν οὐδ' 15 ἄλλα τῶν δοκούντων εἶναι μυσαρῶν· ὅτῳ δ' ἂν θύσῃσι θεῷ, πρῶτῳ τῷ πυρὶ εὐχονται.

17 Βασιλεύονται δ' ὑπὸ τῶν ἀπὸ γένους· ὁ δ' ἀπειθῶν ἀποτμηθεὶς κεφαλὴν καὶ βραχίονα ῥίπτεται. γαμοῦσι δὲ πολλὰς καὶ ἅμα παλλακὰς τρέφουσι πλείους 20 πολυτεκνίας χάριν. τιθέασιν δὲ καὶ οἱ βασιλεῖς ἅθλα πολυτεκνίας κατ' ἔτος· τὰ δὲ τρεφόμενα μέχρι ἐτῶν τεττάρων οὐκ ἄγεται τοῖς γονεῦσιν εἰς ὄψιν. οἱ δὲ γάμοι κατὰ τὰς ἀρχὰς τῆς ἐαρινῆς ἰσημερίας ἐπιτελοῦνται παρέρχεται δ' ἐπὶ τὸν θάλαμον προφαγὼν μῆ- 25 λον ἢ καμήλου μυελόν, ἄλλο δ' οὐδὲν τὴν ἡμέραν ἐκείνην.

18 Ἀπὸ δὲ πέντε ἐτῶν ἕως τετάρτου καὶ εἰκοστοῦ παιδεύονται τοξεύειν καὶ ἀκοντίζειν καὶ ἱππάζεσθαι καὶ ἀληθεύειν, διδασκάλοις τε λόγων τοῖς σωφρονε- 30 στάτοις χρῶνται, οἳ καὶ τὸ μυθῶδες πρὸς τὸ συμφέρον ἀνάγοντες παραπλέκουσι, καὶ μέλους χωρὶς καὶ μετ'

- ᾧδῃς ἔργα θεῶν τε καὶ ἀνδρῶν τῶν ἀρίστων ἀναδι-
 δόντες. συνάγουσι δ' εἰς ἓνα τόπον, ψόφῳ χαλκοῦ
 πρὸ ὄρθρου διεγείροντες ὡς ἐπὶ ἐξοπλισίαν ἢ θήραν·
 τάξαντες δ' ἀνὰ πεντήκοντα ἡγεμόνα τῶν βασιλέως
 5 τινὰ παιδῶν αὐτοῖς ἢ σατράπου τρέχοντι κελεύουσιν C.734
 ἔπεσθαι, χωρίον ἀφορίσαντες τριάκοντα ἢ τετταρά-
 κοντα σταδίων. ἀπαιτοῦσι δὲ καὶ λόγον ἐκάστου μα-
 θήματος, ἅμα καὶ μεγαλοφωνίαν καὶ πνεῦμα καὶ πλεν-
 ρὰν ἀσχοῦντες, καὶ πρὸς καῦμα δὲ καὶ πρὸς ψῦχος καὶ
 10 ὄμβρους καὶ χειμάρρων διαβάσεις ὥστ' ἄβροχα φυ-
 λάττειν καὶ ὕπλα καὶ ἐσθῆτα, καὶ ποιμαίνειν δὲ καὶ
 ἀγραυλεῖν καὶ καρποῖς ἀγρίοις χρῆσθαι, τερμίνθῳ
 θρυοβαλάνοις ἀχράδι. ἢ δὲ καθ' ἡμέραν δίαίτα ἄρτος
 μετὰ τὸ γυμνάσιον καὶ μᾶζα καὶ κάρδαμον καὶ ἁλῶν
 15 χόνδρος καὶ κρέα ὁπτὰ ἢ ἐφθὰ ἐξ ὕδατος, ποτὸν δ'
 ὕδωρ. θηρεύουσι δὲ σάυνια ἀφ' ἵππων βάλλοντες καὶ
 τοξεύματα καὶ σφενδονῶντες. δείλης δὲ φυτουργεῖν καὶ
 ῥιζοτομεῖν ἀσχοῦσι καὶ ὀπλοποιεῖν καὶ λίνα καὶ ἄρκυς
 φιλοτεχνεῖν. οὐχ ἄπτονται δὲ τῶν θηρευμάτων οἱ παῖ-
 20 δες, ἀλλὰ κομίζειν οἴκαδε ἔθος. τίθεται δ' ὑπὸ τοῦ
 βασιλέως ἄθλα δρόμου καὶ τῶν [ἄλλων τῶν] ἐν τοῖς
 πεντάθλοις. κοσμοῦνται δ' οἱ παῖδες χρυσῷ, τὸ πυ-
 ρωπὸν τιθεμένων ἐν τιμῇ· διὸ οὐδὲ νεκρῷ προσφέ-
 ρουσι· καθάπερ οὐδὲ τὸ πῦρ κατὰ τιμὴν.
 25 Στρατεύονται δὲ καὶ ἄρχουσιν ἀπὸ εἴκοσιν ἐτῶν 19
 ἕως πεντήκοντα πεξοί τε καὶ ἱππεῖς· ἀγορᾶς δὲ οὐχ
 ἄπτονται· οὔτε γὰρ πωλοῦσιν οὔτ' ὠνοῦνται. ὀπλί-
 ζονται δὲ γέροφ ῥομβοειδεῖ, παρὰ δὲ τὰς φαρέτρας
 σαγάρεις ἔχουσι καὶ κοπίδας, περὶ δὲ τῇ κεφαλῇ πί-

13. post ἀχράδι: καλοῦνται δ' οὔτοι Κάρδακες, ἀπὸ κλο-
 πείας τρεφόμενοι· κάρδα γὰρ τὸ ἀνδρῶδες καὶ πολεμικὸν λέ-
 γεται.

λημα πυργωτόν, θώραξ δ' ἐστὶν αὐτοῖς φοριδωτός. ἐσθῆς δὲ τοῖς ἡγεμόσι μὲν ἀναξυρὶς τριπλῇ, χιτῶν δὲ χειριδωτὸς διπλοῦς ἕως γόνατος, ὁ ὑπενδύτης μὲν λευκός, ἀνθινός δ' ὁ ἐπάνω· ἱμάτιον δὲ θέρους μὲν πορφυροῦν ἢ ἰάνθινον, χειμῶνος δ' ἀνθινον, τιᾶραι 5 παραπλήσιαι ταῖς τῶν Μάγων, ὑπόδημα κοῖλον διπλοῦν, τοῖς δὲ πολλοῖς χιτῶν ἕως μεσοκνημίου διπλοῦς, ῥάκος δὲ σινδόνιον τι περὶ τῇ κεφαλῇ· ἔχει δ' ἕκαστος τόξον καὶ σφενδόνην. δειπνοῦσι [δὲ] πολυτελῶς Πέρσαι τιθέντες καὶ ὀλομελῇ καὶ πολλὰ καὶ ποι- 10 κίλα· κόσμος τε λαμπρὸς στρωμνῆς ἐκπωμάτων τε [καὶ] τῶν ἄλλων ὥστε χρυσῷ καὶ ἀργύρῳ καταλάμπεσθαι.

20 Ἐν οἴνῳ τὰ μέγιστα βουλευόμενοι, καὶ βεβαιότερα τῶν ἐν νήψει τίθενται. τῶν κατὰ τὰς ὁδοὺς συναντώντων τοὺς μὲν γνωρίζουσιν καὶ ἰσοτίμους φιλοῦσι 16 προσιόντες, τοῖς δὲ ταπεινότεροις παραβάλλουσιν τὴν γνάθον καὶ δέχονται ταύτη τὸ φίλημα· οἱ δ' ἔτι τα- 0.735 πεινότεροι προσκυνοῦσι μόνον. θάπτουσιν δὲ κηρῷ περιπλάσαντες τὰ σώματα, τοὺς δὲ Μάγους οὐ θάπτουσιν, ἀλλ' οἶωνοβρώτους ἑῶσι· τούτοις δὲ καὶ 20 μητράσι συνέρχεσθαι πάτριον νενόμισται. τοιαῦτα μὲν τὰ ἔθνη.

21 Ἔστι δ' ἴσως καὶ ταῦτα τῶν ἐθίμων, ἃ φησι Πολύκλειτος. ἐν γὰρ Σούσοις ἐκάστῳ τῶν βασιλέων ἐπὶ τῆς ἄκρας ἰδίας πεποιῆσθαι οἴκησιν καὶ θησαυροὺς καὶ 25 παραθέσεις ὧν ἐπράττοντο φόρων, ὑπομνήματα τῆς οἰκονομίας· πράττεσθαι δ' ἐκ μὲν τῆς παραλίας ἀργύριον, ἐκ δὲ τῆς μεσογαίας ἃ φέρει ἐκάστη χώρα. ὥστε καὶ χρώματα καὶ φάρμακα καὶ τρίχα [ἢ] ἐρέαν ἢ 30 τι τοιοῦθ' ἕτερον καὶ θρεῖμματα ὁμοίως. τὸν δὲ δια-

τάξαντα τοὺς φόρους Δαρεῖον εἶναι. τὸν δὲ πλείστον
 χρυσὸν καὶ ἄργυρον ἐν κατασκευαῖς εἶναι, νομίσματι δὲ
 οὐ πολλῶ· πρὸς τε τὰς δωρεὰς ἐκεῖνα κεχαρισμένα
 νομίζειν μᾶλλον καὶ πρὸς κειμηλίων ἀπόθεσιν· τὸ δὲ
 5 νόμισμα τὸ πρὸς τὰς χρείας ἀρκοῦν ἱκανὸν εἶναι, κό-
 πτειν δὲ πάλιν τὸ τοῖς ἀναλώμασι σύμμετρον.

Τὰ μὲν οὖν ἔθῃ σωφρονικὰ τὰ πλείω, διὰ δὲ τὸν 22
 πλοῦτον εἰς τρυφὴν ἐξέπεσον οἱ βασιλεῖς, ὥστε πυρὸν
 μὲν ἐξ Ἀσσοῦ τῆς Αἰολίδος μετήεσαν, οἶνον δ' ἐκ Συ-
 10 ρίας τὸν Χαλυβώνιον, ὕδωρ δὲ ἐκ τοῦ Εὐλαίου πάν-
 των ἐλαφρότατον ὥστ' ἐν Ἀττικῇ κοτύλῃ δραχμῇ ἀφολ-
 κότερον εἶναι.

Συνέβη δὲ τοῖς Πέρσαις ἐνδοξοτάτοις γενέσθαι 23
 τῶν βαρβάρων παρὰ τοῖς Ἑλλησιν, ὅτι τῶν μὲν ἄλλων
 15 οὐδένες τῶν τῆς Ἀσίας ἀρξάντων Ἑλλήνων ἤρξαν,
 οὐδ' ἤδεισαν οὔτ' ἐκεῖνοι τούτους οὔθ' οἱ Ἕλληνες
 τοὺς βαρβάρους ἀλλ' ἐπὶ μικρὸν μόνον ἐκ τῆς πόρρω-
 θεν ἀκοῆς. Ὀμηρος γοῦν οὔτε τὴν τῶν Σύρων οὔτε
 τὴν τῶν Μήδων ἀρχὴν οἶδεν· οὐδὲ γὰρ ἂν Θήβας Αἰ-
 20 γυπτίας ονομάζων καὶ τὸν ἐκεῖ καὶ τὸν ἐν Φοινίκῃ
 πλοῦτον, τὸν ἐν Βαβυλῶνι καὶ Νίνῳ καὶ Ἐκβατάνοις
 παρεσιώπησε. πρῶτοι δὲ Πέρσαι Ἑλλήνων ἐπῆρξαν,
 Αὐδοὶ δὲ ἐπῆρξαν μὲν, ἀλλ' οὔτε τῆς Ἀσίας ὅλης ἀλλὰ
 μέρους τινὸς μικροῦ τοῦ ἐντὸς Ἄλφους μόνον, καὶ ταῦτ'
 25 ἐπ' ὀλίγον χρόνον τὸν κατὰ Κροῖσον καὶ Ἀλυάττην.
 κρατηθέντες δ' ὑπὸ Περσῶν, εἰ καὶ τι τῆς δόξης ἦν
 αὐτοῖς, ἀφηρέθησαν τοῦθ' ὑπ' ἐκείνων. Πέρσαι δ'
 ἀπ' οὗ κατέλυσαν τὰ Μήδων εὐθὺς καὶ Αὐδῶν ἐκρά-
 τησαν καὶ τοὺς κατὰ τὴν Ἀσίαν Ἕλληνας ὑπηκόους

1. post εἶναι: τὸν μακροχείρα, καὶ κάλλιστον ἀνθρώπων
 πλὴν τοῦ μήκου τῶν βραχιόνων καὶ τῶν πήχεων· ἄπτεσθαι
 γὰρ καὶ τῶν γονάτων. 22. καὶ ante Ἑλλήνων

ἔσχον· ὕστερον δὲ καὶ διέβησαν εἰς τὴν Ἑλλάδα, καὶ
 C.736 ἡττηθέντες πολλοῖς καὶ *πολλάκις ἀγῶσιν ὁμῶς διετέ-
 λεσαν τὴν Ἀσίαν μέχρι τῶν ἐπὶ θαλάττῃ τόπων κατέ-
 χοντες ἕως ὑπὸ Μακεδόνων κατεπολεμήθησαν.

- 24 Ὁ μὲν οὖν εἰς τὴν ἡγεμονίαν καταστήσας αὐτοὺς 5
 Κῦρος ἦν· διαδεξάμενος δὲ τοῦτον Καμβύσης υἱὸς
 ὑπὸ τῶν Μάγων κατελύθη· τούτους δ' ἀνελόντες οἱ
 ἐπὶ Πέρσαι Δαρεῖω τῷ Ὑστάσπεω παρέδωκαν τὴν
 ἀρχήν· εἰδ' οἱ ἀπὸ τούτου διαδεχόμενοι κατέληξαν εἰς
 Ἀρσην, ὃν ἀποκτείνας Βαγῶος ὁ εὐνοῦχος κατέστησε 10
 Δαρεῖον οὐκ ὄντα τοῦ γένους τῶν βασιλέων. τοῦτον
 δὲ καταλύσας Ἀλέξανδρος αὐτὸς ἤρξε *δέκα ἢ ἔνδεκα
 ἔτη· εἰτ' εἰς πλείους τοὺς διαδεξαμένους καὶ τοὺς ἐπι-
 γόνους τούτων μερισθεῖσα ἡ ἡγεμονία τῆς Ἀσίας διε-
 λύθη· συνέμεινε δ' ὅσον πεντήκοντα ἐπὶ τοῖς διακο- 15
 σίοις ἔτη. νῦν δ' ἤδη καθ' αὐτοὺς συνεστῶτες οἱ Πέρ-
 σαι βασιλέας ἔχουσιν ὑπηκόους ἑτέροις βασιλεῦσι,
 πρότερον μὲν Μακεδόσι νῦν δὲ Παρθυαίοις.

- 1 Τῇ δὲ Περσίδι καὶ τῇ Σουσιανῇ συνάπτουσιν οἱ
 Ἀσσύριοι· καλοῦσι δ' οὕτω τὴν Βαβυλωνίαν καὶ πολ-
 λὴν τῆς κύκλω γῆς, ἥς ἐν μέρει καὶ ἡ Ἀτουρία ἐστίν,
 ἐν ἣπερ ἡ Νίνος καὶ ἡ Ἀπολλωνιάτις καὶ Ἐλυμαῖοι καὶ 25
 Παραϊτάκαι καὶ ἡ περὶ τὸ Ζάγγρον ὄρος Χαλωνῆτις καὶ
 τὰ περὶ τὴν Νίνον πεδιά, Δολομηνή τε καὶ Καλαχηνή
 καὶ Χαζήνη καὶ Ἀδιαβηνή, καὶ τὰ τῆς Μεσοποταμίας
 ἔθνη τὰ περὶ Γορδυαίους καὶ τοὺς περὶ Νίσιβιν Μυγ-
 δόνας μέχρι τοῦ Ζεύγματος τοῦ κατὰ τὸν Εὐφράτην 30
 καὶ τῆς πέραν τοῦ Εὐφράτου πολλὴ ἦν Ἀραβες κα-
 τέχουσι, καὶ οἱ ἰδίως ὑπὸ τῶν νῦν λεγόμενοι Σύροι

μέχρι Κιλίκων καὶ Φοινίκων καὶ Ἰουδαίων καὶ τῆς θα-0.737
λάττης τῆς κατὰ τὸ Αἰγύπτιον πέλαγος καὶ τὸν Ἰσσι-
κὸν κόλπον.

Δοκεῖ δὲ τὸ τῶν Σύρων ὄνομα διατεῖναι ἀπὸ μὲν 2
5 τῆς Βαβυλωνίας μέχρι τοῦ Ἰσσικοῦ κόλπου, ἀπὸ δὲ
τούτου μέχρι τοῦ Εὐξείνου τὸ παλαιόν. οἱ γοῦν Καπ-
πάδοκες ἀμφοτέρω, οἳ τε πρὸς τῷ Ταύρῳ καὶ οἱ πρὸς
τῷ Πόντῳ, μέχρι νῦν Λευκόσυροι καλοῦνται, ὥς ἂν
ὄντων τινῶν Σύρων καὶ μελάνων· οὗτοι δ' εἰσὶν οἱ
10 ἐκτὸς τοῦ Ταύρου· λέγω δὲ Ταῦρον μέχρι τοῦ Ἀμα-
νοῦ διατείνων τοῦτομα. οἱ δ' ἱστοροῦντες τὴν Σύρων
ἀρχὴν ὅταν φῶσι Μήδους μὲν ὑπὸ Περσῶν καταλυ-
θῆναι Σύρους δὲ ὑπὸ Μήδων, οὐκ ἄλλους τινὰς τοὺς
Σύρους λέγουσιν ἀλλὰ τοὺς ἐν Βαβυλῶνι καὶ Νίνῳ
15 κατεσκευασμένους τὸ βασίλειον· ὧν ὁ μὲν Νίνος ἦν ὁ
τὴν Νίνον ἐν τῇ Ἀτουρίᾳ κτίσας, ἡ δὲ τούτου γυνή,
ἥπερ καὶ διεδέξατο τὸν ἄνδρα, Σεμιράμις, ἥς ἐστὶ
κτίσμα ἡ Βαβυλῶν. οὗτοι δὲ ἐκράτησαν τῆς Ἀσίας, καὶ
τῆς Σεμιράμιδος χωρὶς τῶν ἐν Βαβυλῶνι ἔργων πολλὰ
20 καὶ ἄλλα κατὰ πᾶσαν γῆν σχεδὸν δεικνύται ὅση τῆς
ἡπείρου ταύτης ἐστί, τὰ τε χῶματα ἃ δὴ καλοῦσι Σε-
μιράμιδος, καὶ τείχη καὶ ἐρυμάτων κατασκευαὶ καὶ
συρίγγων τῶν ἐν αὐτοῖς καὶ ὑδρείων καὶ κλιμάκων
καὶ διωρυγῶν ἐν ποταμοῖς καὶ λίμναις καὶ ὁδῶν καὶ γε-
25 φυρῶν. ἀπέλιπον δὲ τοῖς μεθ' ἑαυτοὺς τὴν ἀρχὴν μέ-
χρι * τῆς Σαρδαναπάλλου καὶ Ἀρβάκου· μετέστη δ'
εἰς Μήδους ὕστερον.

Ἡ μὲν οὖν Νίνος πόλις ἠφανίσθη παραχοῆμα μετὰ 3
τὴν τῶν Σύρων κατάλυσιν. πολὺ δὲ μελίων ἦν τῆς Βα-
30 βυλῶνος, ἐν πεδίῳ κειμένη τῆς Ἀτουρίας· ἡ δ' Ἀτουρία
τοῖς περὶ Ἀρβηλα τόποις ὁμορός ἐστὶ μεταξὺ τὸν Ἀνικὸν
ἔχουσα ποταμόν. τὰ μὲν οὖν Ἀρβηλα τῆς Βαβυλωνίας

ὑπάρχει * ἃ κατ' αὐτήν ἐστίν· ἐν δὲ τῇ περραία τοῦ Ἀν-
 κου τὰ τῆς Ἀτουρίας πεδία τῇ Νίνῳ περικείται. ἐν δὲ
 τῇ Ἀτουρίᾳ ἐστὶ Γαυγάμηλα κώμη, ἐν ᾗ συνέβη νικη-
 θῆναι καὶ ἀποβαλεῖν τὴν ἀρχὴν Δαρείου. ἐστὶ μὲν οὖν
 τόπος ἐπίσημος οὗτος καὶ τοῦνομα· μεθερμηνευθὲν 5
 γὰρ ἐστὶ καμήλου οἶκος· ὠνόμασε δ' οὕτω Δαρείος ὁ
 Ὑστάσπεω, κτῆμα δούς εἰς διατροφὴν τῇ καμήλῳ τῇ
 συνεκπεπουνηκνία μάλιστα τὴν ὁδὸν τὴν διὰ τῆς ἐρή-
 μου Σκυθίας μετὰ τῶν φορτίων, ἐν οἷς ἦν καὶ ἡ δια-
 τροφή τῷ βασιλεῖ. οἱ μέντοι Μακεδόνες τοῦτο μὲν 10
 ὀρῶντες κώμιον εὐτελές, τὰ δὲ Ἀρβηλα κατοικίαν
 ἀξιόλογον, κτίσμα ὥς φασιν Ἀρβήλου τοῦ Ἀθμο-
 νέως, περὶ Ἀρβηλα τὴν μάχην καὶ νίκην κατεφήμισαν
 καὶ τοῖς συγγραφεῦσιν οὕτω παρέδωκαν.

4 Μετὰ ἡμετέρας ἀποστάσεις 15

ωνόμασεν· ἡ δὲ πόλις ἐστὶν ἐν τῷ ποταμῷ ἐν ἰσῷ διαστήματι ὅσῳ
 C.738 καὶ ὁ Ἀνός· ἡ δὲ χώρα * Ἀρτακηνὴ λέγεται. περὶ
 Ἀρβηλα δὲ ἐστὶ καὶ Δημητριάς πόλις· εἰδ' ἡ τοῦ νά-
 φθα πηγὴ καὶ τὰ πυρὰ καὶ τὸ τῆς * Ἀναίας ἱερὸν καὶ 20
 Σαδράκαι, τὸ Δαρείου τοῦ Ὑστάσπεω βασίλειον, καὶ
 ὁ Κυπαρισσῶν καὶ ἡ τοῦ Κάπρου διάβασις συνάπτουσα
 ἤδη Σελευκείᾳ καὶ Βαβυλῶνι.

5 Ἡ δὲ Βαβυλὼν καὶ αὐτὴ μὲν ἐστὶν ἐν πεδίῳ, τὸν
 δὲ κύκλον ἔχει τοῦ τείχους τριακοσίων ἐξήκοντα πέντε 25
 σταδίων, πάχος δὲ τοῦ τείχους ποδῶν δύο καὶ τρια-
 κοντα, ὕψος δὲ τῶν μὲν μεσοπυργίων πήχεις πεντή-
 κοντα τῶν δὲ πύργων ἐξήκοντα, ἡ δὲ πάροδος τοῖς ἐπὶ
 τοῦ τείχους ὥστε τέθριππα ἐναντιοδρομεῖν ἀλλήλοις
 ῥαδίως· διόπερ τῶν ἐπὶ θεαμάτων λέγεται καὶ τοῦτο 30
 καὶ ὁ κρεμαστός κήπος ἔχων ἐν τετραγώνῳ σχήματι
 ἐκάστην πλευρὰν τετάρων πλῆθρων· συνέχεται δὲ

ψαλιδῶμασι καμαρωτοῖς ἐπὶ πεττωὶν ἰδρυμένοις κυβο-
 ειδῶν ἄλλοις ἐπ' ἄλλοις· οἱ δὲ πεττοὶ κοῖλοι πλήρεις
 γῆς ὥστε δέξασθαι φυτόν τε δένδρων τῶν μεγίστων, ἐξ
 ὀπτῆς πλίνθου καὶ ἀσφάλτου κατεσκευασμένοι καὶ
 5 αὐτοὶ καὶ αἱ ψαλίδες καὶ τὰ καμαρώματα. ἡ δ' ἀνω-
 τάτω στέρῃ προσβάσεις κλιμακωτὰς ἔχει, παρὰ κειμέ-
 νους δ' αὐταῖς καὶ κοχλίας δι' ὧν τὸ ὕδωρ ἀνῆγον
 εἰς τὸν κῆπον ἀπὸ τοῦ Εὐφράτου συνεχῶς οἱ πρὸς
 τοῦτο τεταγμένοι. ὁ γὰρ ποταμὸς διὰ μέσης ῥεῖ τῆς
 10 πόλεως σταδιαῖος τὸ πλάτος, ἐπὶ δὲ τῷ ποταμῷ ὁ κῆ-
 πος. ἔστι δὲ καὶ ὁ τοῦ Βήλου τάφος αὐτόθι, νῦν μὲν
 κατεσκαμμένος, Ψέρξης δ' αὐτὸν κατέσπασεν, ὥς φα-
 σιν· ἦν δὲ πυραμὶς τετράγωνος ἐξ ὀπτῆς πλίνθου καὶ
 αὐτὴ σταδιαία τὸ ὕψος, σταδιαία δὲ καὶ ἐκάστη τῶν
 15 πλευρῶν· ἦν Ἀλέξανδρος ἐβούλετο ἀνασκευάσαι, πο-
 λὺν δ' ἦν ἔργον καὶ πολλοῦ χρόνου (αὐτὴ γὰρ ἡ χοῦς
 εἰς ἀνακάθαρσιν μυρίοις ἀνδράσι δυεῖν μηνῶν ἔργον
 ἦν), ὥστ' οὐκ ἔφθη τὸ ἐγχειρηθὲν ἐπιτελέσαι· παρα-
 χρῆμα γὰρ ἡ νόσος καὶ ἡ τελευτὴ συνέπεσε τῷ βασιλεῖ,
 20 τῶν δ' ὕστερον οὐδεὶς ἐφρόντισεν. ἀλλὰ καὶ τὰ λοιπὰ
 ὀλιγορῆθη καὶ κατήρειψαν τῆς πόλεως τὰ μὲν οἱ Πέρ-
 σαι τὰ δ' ὁ χρόνος καὶ ἡ τῶν Μακεδόνων ὀλιγορία
 περὶ τὰ τοιαῦτα, καὶ μάλιστα ἐπειδὴ τὴν Σελεύκειαν
 ἐπὶ τῷ Τίγρει πλησίον τῆς Βαβυλῶνος ἐν τριακοσίοις
 25 πού σταδίοις ἐτείχισε Σέλευκος ὁ Νικάτωρ. καὶ γὰρ
 ἐκεῖνος καὶ οἱ μετ' αὐτὸν ἅπαντες περὶ ταύτην ἐσπού-
 δασαν τὴν πόλιν καὶ τὸ βασίλειον ἐνταῦθα μετήνεγκαν·
 καὶ δὴ καὶ νῦν ἡ μὲν γέγονε Βαβυλῶνος μεῖζων ἢ δ'
 ἔρημος ἢ πολλή, ὥστ' ἐπ' αὐτῆς μὴ ἂν ὀκνηῇσαι τινα
 30 εἰπεῖν ὕπερ ἔφη τις τῶν κωμικῶν ἐπὶ τῶν Μεγαλο-
 πολιτῶν τῶν ἐν Ἀρκαδίᾳ „ἐρημία μεγάλη" στίλν ἡ Με-
 γάλῃ πόλιν.“ διὰ δὲ τὴν τῆς ὕλης σπάνιν ἐκ φοινικί-C.739

νων ξύλων αἱ οἰκοδομαὶ συντελοῦνται καὶ δοκοῖς καὶ στύλοις· περὶ δὲ τοὺς στύλους στρέφοντες ἐκ τῆς καλᾶμης σχοινία περιτιθέασιν, εἴτ' ἐπαλείφοντες χρώμασι καταγράφουσι, τὰς δὲ θύρας ἀσφάλτῳ· ὑψηλαὶ δὲ καὶ αὐταὶ καὶ οἱ οἴκοι καμαρωτοὶ πάντες διὰ τὴν 5 ἄξυλλαν· ψιλὴ γὰρ ἡ χώρα καὶ θαμνωδὴς ἡ πολλὴ πλὴν φοίνικος· οὗτος δὲ πλεῖστος ἐν τῇ Βαβυλωνίᾳ, πολὺς δὲ καὶ ἐν Σούσοις καὶ ἐν τῇ παραλίᾳ [τῇ] Περσίδι καὶ ἐν τῇ Καρμανίᾳ. κεράμω δ' οὐ χρωῶνται· οὐδὲ γὰρ κατομβροῦνται. παραπλήσια δὲ καὶ τὰ ἐν Σού- 10 σοις καὶ τῇ Σιτακηνῇ.

6 Ἀφώριστο δ' ἐν τῇ Βαβυλῶνι κατοικία τοῖς ἐπιχωρίοις φιλοσόφοις τοῖς Χαλδαίοις προσαγορευομένοις, οἳ περὶ ἀστρονομίαν εἰσὶ τὸ πλεόν· προσποιοῦνται δὲ τινες καὶ γενεθλιαλογεῖν, οὓς οὐκ ἀποδέχονται 15 οἱ ἕτεροι. ἔστι δὲ καὶ φῦλόν τι τὸ τῶν Χαλδαίων καὶ χώρα τῆς Βαβυλωνίας ὑπ' ἐκείνων οἰκουμένη, πλησιάζουσα καὶ τοῖς Ἀραβι καὶ τῇ κατὰ Πέρσας λεγομένῃ θαλάττῃ. ἔστι δὲ καὶ τῶν Χαλδαίων τῶν ἀστρονομικῶν γένη πλείω· καὶ γὰρ Ὀρχηνοὶ τινες προσαγορεύον- 20 ται καὶ Βορσιππηνοὶ καὶ ἄλλοι πλείους ὥς ἂν κατὰ αἰρέσεις ἄλλα καὶ ἄλλα νέμοντες περὶ τῶν αὐτῶν δόγματα. μέμνηνται δὲ καὶ τῶν ἀνδρῶν ἐνίων οἱ μαθηματικοί, καθάπερ Κιθηνᾶ τε καὶ Ναβουριανοῦ καὶ Σουδίνου· καὶ Σέλευκος δ' ὁ ἀπὸ τῆς Σελευκείας Χαλδαῖός ἐστι 25 καὶ ἄλλοι πλείους ἀξιόλογοι ἄνδρες.

7 Τὰ δὲ Βόρσιππα ἱερὰ πόλις ἐστὶν Ἀρτέμιδος καὶ Ἀπόλλωνος, λινουργεῖον μέγα. πληθύνουσι δὲ ἐν αὐτῇ νυκτερίδες μείζους πολὺ τῶν ἐν ἄλλοις τόποις· ἀλίσκονται δ' εἰς βρωσιν καὶ ταριχεύονται. 30

8 Περιέχεται δ' ἡ χώρα τῶν Βαβυλωνίων ἀπὸ μὲν τῆς ἠοῦς ὑπὸ τε Σουσίων καὶ Ἐλυμαίων καὶ Παραιτα-

κηνῶν, ἀπὸ δὲ τῆς μεσημβρίας ὑπὸ τοῦ Περσικοῦ κόλ-
που καὶ τῶν Χαλδαίων μέχρι Ἀράβων τῶν Μεσηνῶν,
ἀπὸ δὲ τῆς ἐσπέρας ὑπὸ τε Ἀράβων τῶν σκηνητιῶν
μέχρι τῆς Ἀδιαβηνῆς καὶ τῆς Γορδυαίας, ἀπὸ δὲ τῶν
5 ἄρκτων ὑπὸ τε Ἀρμενίων καὶ Μήδων μέχρι τοῦ Ζάγρου
καὶ τῶν περὶ αὐτὸ ἔθνων.

Διαρρεῖται δ' ὑπὸ πλειόνων μὲν ποταμῶν ἡ χώρα, 9
μεγίστων δὲ τοῦ τε Εὐφράτου καὶ τοῦ Τίγριος· μετὰ
γὰρ τοὺς Ἰνδικοὺς οὗτοι λέγονται δευτερεύειν κατὰ
10 τὰ νότια μέρη τῆς Ἀσίας οἱ ποταμοί· ἔχουσι δ' ἀνά-
πλους ὁ μὲν ἐπὶ τὴν Ὠπιν καὶ τὴν νῦν Σελεύκειαν (ἡ
δὲ Ὠπὶς κώμη ἐμπόριον τῶν κύκλων τόπων) ὁ δ' ἐπὶ
Βαβυλῶνα πλειόνων ἢ τρισχιλίων σταδίων. οἱ μὲν οὖν C.740
Πέρσαι τοὺς ἀνάπλους ἐπίτηδες κωλύειν θέλοντες
15 φόβῳ τῶν ἔξωθεν ἐφόδων καταράκτας χειροποιήτους
κατεσκευάκεισαν· ὁ δὲ Ἀλέξανδρος ἐπιὼν ὅσους οἷός
τε ἦν ἀνεσκεύασε, καὶ μάλιστα τοὺς ἐπὶ τὴν Ὠπιν.
ἐπεμελήθη δὲ καὶ τῶν διωρύγων· πλημμυρεῖ γὰρ ὁ
Εὐφράτης κατὰ τὴν ἀρχὴν τοῦ θέρους ἀπὸ τοῦ ἔαρος
20 ἀρξάμενος, ἡνίκα τήκονται αἱ χιόνες αἱ ἀπὸ τῆς Ἀρμε-
νίας, ὥστ' ἀνάγκη λιμνάζειν καὶ κατακλύζεσθαι τὰς
ἀρούρας, εἰ μὴ διοχετεύει τις ταφρεῖαις καὶ διώρυξι τὸ
ἐκπίπτον τοῦ ῥοῦ καὶ ἐπιπολάζον ὕδωρ, καθάπερ καὶ
ἐν Αἰγύπτῳ τὸ τοῦ Νείλου· ἐντεῦθεν μὲν οὖν αἱ διώ-
25 ρυγες γεγέννηται. χρεῖα δέ ἐστιν ὑπουργίας μεγάλας·
βαθεῖα γὰρ ἡ γῆ καὶ μαλακὴ καὶ εὐένδοτος ὥστε καὶ
ἐκσύρεται ῥαδίως ὑπὸ τῶν ρευμάτων καὶ γυμνοὶ τὰ
πεδία, πληροὶ δὲ τὰς διώρυγας καὶ τὰ στόματα αὐτῶν
ἐμφράττει ῥαδίως ἡ χοῦς· οὕτω δὲ συμβαίνει πάλιν
30 τὴν ὑπέρχουσιν τῶν ὑδάτων εἰς τὰ πρὸς τῇ θαλάττῃ
πεδία ἐκπίπτουσιν λίμνας ἀποτελεῖν καὶ ἔλη καὶ κα-
λαμῶνας, ἐξ ὧν καλάμινα πλέκεται παντοῖα σκεύη, τὰ

μὲν ὑγροῦ δεκτικὰ τῇ ἀσφάλτῳ περιαιλιφόντων, τοῖς δ' ἄλλοις ψιλῶς χρωμένων· καὶ ἰστία δὲ ποιοῦνται κα-
λάμινα ψιάθοις ἢ ῥιπὶ παραπλήσια.

10 Τὸ μὲν οὖν παντάπασι κωλύειν τὴν τοιαύτην
πλήμμυραν οὐχ οἷόν τε ἴσως, τὸ δὲ τὴν δυνατὴν προσ- 5
φέρειν βοήθειαν ἡγεμόνων ἀγαθῶν ἐστίν. ἡ δὲ βοή-
θεια αὕτη, τὴν μὲν πολλὴν παρέκχυσιν ἐμφράξει κω-
λύειν, τὴν δὲ πλήρωσιν ἣν ἡ χοῦς ἐργάζεται, τούναν-
τίον ἀνακαθάρσει τῶν διωρύγων καὶ ἐξανοίξει τῶν
στοματων. ἡ μὲν οὖν ἀνακάθαρσις ῥαδία ἡ δὲ ἐμφρα- 10
ξις πολυχειρίας δεῖται· εὐένδοτος γὰρ οὐσα ἡ γῆ καὶ
μαλακὴ τὴν ἐπιφορηθεῖσαν οὐχ ὑπομένει χοῦν, ἀλλ'
εἰκουσα συνεφέλκεται ἀκκείνην καὶ ποιεῖ δυσέργωστον
τὸ στόμα. καὶ γὰρ καὶ τάχους δεῖ πρὸς τὸ ταχέως κλει-
σθῆναι τὰς διώρυγας καὶ μὴ πᾶν ἐκπεσεῖν ἐξ αὐτῶν τὸ 15
ὔδωρ. ξηρανθεῖσαι γὰρ τοῦ θέρους ξηραίνουσι καὶ τὸν
ποταμόν· ταπεινωθεῖς δὲ τὰς ἐποχeteίας οὐ δύναται
παρέχεσθαι κατὰ καιρὸν ὧν δεῖται πλεῖστον τοῦ θέ-
ρους ἐμπυρος οὐσα ἡ χώρα καὶ καυματηρά· διαφέρει
δ' οὐδὲν ἢ τῷ πλήθει τῶν ὑδάτων κατακλύζεσθαι τοὺς 20
καρπούς, ἢ τῇ λειψυδρίᾳ τῷ δίψει διαφθείρεσθαι· ἅμα
δὲ καὶ τοὺς ἀνάπλους, πολὺ τὸ χρήσιμον ἔχοντας ἀεὶ
[δὲ] λυμαιομένους ὑπ' ἀμφοτέρων τῶν λεχθέντων
παθῶν, οὐχ οἷόν τε ἐπανορθοῦν, εἰ μὴ ταχὺ μὲν ἐξ-
ανοίγοιτο τὰ στόμια τῶν διωρύγων, ταχὺ δὲ κλείοιτο, 25
καὶ αἱ διώρυγες αἰεὶ μετριάξοιεν ὥστε μήτε πλεονάζειν
ἐν αὐταῖς τὸ ὔδωρ μήτ' ἐλλείπειν.

0.741 Φησὶ δ' Ἀριστοβούλος τὸν Ἀλέξανδρον αὐτὸν
11 ἀναπλέοντα καὶ κυβερωῶντα τὸ σκάφος ἐπισκοπεῖν
καὶ ἀνακαθαίρειν τὰς διώρυγας μετὰ τοῦ πλήθους τῶν 30
συνακολουθησάντων· ὥς δ' αὐτῶς καὶ τὰ στόμια ἐμ-
φράττειν, τὰ δ' ἀνοίγειν· κατανοήσαντα δὲ μίαν τὴν

μάλιστα τείνουσαν ἐπὶ τὰ ἔλη καὶ τὰς λίμνας τὰς πρὸ
 τῆς Ἀραβίας, δυσμεταχείριστον ἔχουσαν τὸ στόμα καὶ
 μὴ ῥαδίως ἐμφράττεσθαι δυναμένην διὰ τὸ εὐένδοτον
 καὶ μαλακόγειον, ἄλλο ἀνοῖξαι καινὸν στόμα, ἀπὸ στα-
 5 δίων τριάκοντα ὑπόπετρον λαβόντα χωρίον, καὶ κεῖ με-
 ταγαγεῖν τὸ ρεῖθρον· ταῦτα δὲ ποιεῖν προνοοῦντα
 ἅμα καὶ τοῦ μὴ τὴν Ἀραβίαν δυσεἰσβολὸν τελέως ὑπὸ
 τῶν λιμνῶν ἢ καὶ τῶν ἐλῶν ἀποτελεσθῆναι, νησιζού-
 σαν ἤδη διὰ τὸ πλῆθος τοῦ ὕδατος· διανοεῖσθαι γὰρ
 10 δὴ κατακτᾶσθαι τὴν χώραν ταύτην καὶ στόλους καὶ
 ὁρμητήρια ἤδη κατεσκευάσθαι, τὰ πλοῖα τὰ μὲν ἐν
 Φοινίκη τε καὶ Κύπρῳ ναυπηγησάμενον διάλυτά τε
 καὶ γομφωτά, ἃ κομισθέντα εἰς Θάψακον σταθμοῖς
 ἐπτα εἴτα τῷ ποταμῷ κατακομισθῆναι μέχρι Βαβυλῶ-
 15 νος, τὰ δ' ἐν τῇ Βαβυλωνίᾳ συμπηξάμενον τῶν ἐν τοῖς
 ἄλσεσι καὶ τοῖς παραδείσοις κυπαρίττων· σπάνις γὰρ
 ὕλης ἐνταῦθα, ἐν δὲ Κοσσαίοις καὶ ἄλλοις τισὶ μετρία
 τίς ἐστὶν εὐπορία. σκήψασθαι μὲν οὖν αἰτίαν τοῦ πο-
 λέμου φησὶν, ἐπειδὴ μόνοι τῶν ἀπάντων οὐ πρεσβεύ-
 20 σαιντο οἱ Ἀραβες ὡς αὐτόν, τὸ δ' ἀληθὲς ὀρεγόμενον
 πάντων εἶναι κύριον· καὶ ἐπεὶ δύο θεοὺς ἐπυνθάνετο
 τιμᾶσθαι μόνους ὑπ' αὐτῶν, τὸν τε Δία καὶ τὸν Διό-
 νυσον, τοὺς τὰ κυριώτατα πρὸς τὸ ζῆν παρέχοντας,
 τρίτον ὑπολαβεῖν ἑαυτὸν τιμῆσεσθαι, κρατήσαντα καὶ
 25 ἐπιτρέψαντα τὴν πάτριον αὐτονομίαν ἔχειν ἢ εἶχον
 πρότερον. ταῦτά τε δὴ πραγματεύεσθαι περὶ τὰς διώ-
 ρυγας τὸν Ἀλέξανδρον, καὶ τοὺς τάφους σκευωρεῖσθαι
 τοὺς τῶν βασιλέων καὶ δυναστῶν· τοὺς γὰρ πλείστους
 ἐν ταῖς λίμναις εἶναι.
 30 Ἐρατοσθένους δὲ τῶν λιμνῶν μνησθεὶς τῶν πρὸς 12
 τῇ Ἀραβίᾳ, φησὶ τὸ ὕδωρ ἀπορούμενον διεξόδων
 ἀνοῖξαι πόρους ὑπὸ γῆς καὶ δι' ἐκείνων ὑποφέρεσθαι

μέχρι Κοιλοσύρων· ἀναθλίβεσθαι δὲ εἰς τοὺς περὶ
 Ῥινοκόρουρα καὶ τὸ Κάσιον ὄρος τόπους καὶ ποιεῖν τὰς
 ἐκεῖ λίμνας καὶ τὰ βάραθρα· οὐκ οἶδα δ' εἰ πιθανῶς
 εἶρηκεν. αἱ γὰρ τοῦ Εὐφράτου παρεκχύσεις αἱ ποιοῦ-
 σαι τὰς πρὸς τῇ Ἀραβίᾳ λίμνας καὶ τὰ ἔλη πλησίον εἰσὶ 5
 τῆς κατὰ Πέρσας θαλάττης, ὃ δὲ διείργων ἰσθμὸς οὔτε
 πολὺς ἐστὶν οὔτε πετρώδης, ὥστε ταύτῃ μᾶλλον εἰκὸς
 C.742 ἦν βιάσασθαι τὸ ὕδωρ εἰς τὴν θάλατταν, εἰτ' ὑπὸ γῆς
 εἰτ' ἐπιπολῆς, ἣ πλείους τῶν ἑξακισχιλίων σταδίων
 διανύειν, ἄνυδρον καὶ ξηρὰν οὕτω, καὶ ταῦτα ὁρῶν ἐν 10
 μέσῳ κειμένων, τοῦ τε Λιβάνου καὶ τοῦ Ἀντιλιβάνου
 καὶ τοῦ Κασίου· οἱ μὲν δὴ τοιαῦτα λέγουσι.

- 13 Πολύκλειτος δὲ φησι μὴ πλημμυρεῖν τὸν Εὐφρά-
 την· διὰ γὰρ πεδίων φέρεσθαι μεγάλων, τὰ δ' ὄρη τὰ
 μὲν δισχιλίους ἀφρεστάναι σταδίους τὰ δὲ Κοσσεῖα μό- 15
 λισ χιλίους, οὐ πάνυ ὑψηλὰ οὐδὲ νιφόμενα σφοδρῶς
 οὐδ' ἀθρόαν ἐπιφέροντα τῇ χιόνι τὴν τῆξιν· εἶναι γὰρ
 καὶ τὰ ὕψη τῶν ὁρῶν ἐν τοῖς ὑπὲρ Ἑκβατάνων μέρεσι
 τοῖς προσβορείοις· ἐν δὲ τοῖς πρὸς νότον σχιζόμενα καὶ
 πλατυνόμενα πολὺ ταπεινοῦσθαι, ἅμα δὲ καὶ τὸ πολὺ 20
 τοῦ ὕδατος ἐκδέχεσθαι τὸν Τίγριν καὶ οὕτως πλημμυ-
 ρεῖν. τὸ μὲν οὖν ὕστατον ῥηθὲν φανερῶς ἄτοπον· εἰς
 γὰρ τὰ αὐτὰ κατέρχεται πεδία· τὰ δὲ λεχθέντα ὕψη
 τῶν ὁρῶν ἀνωμαλίαν ἔχει, πῇ μὲν ἐξηρμένα μᾶλλον τὰ
 βόρεια, πῇ δὲ πλατυνόμενα τὰ μεσημβρινά· ἡ δὲ χιὼν 25
 οὐ τοῖς ὕψεσι κρίνεται μόνον ἀλλὰ καὶ τοῖς κλίμασι·
 τό τε αὐτὸ ὄρος τὰ βόρεια μέρη νίφεται μᾶλλον ἢ τὰ
 νότια, καὶ τὴν χιόνα συμμένουσιν ἔχει μᾶλλον ἐκεῖνα
 ἢ ταῦτα. ὁ μὲν οὖν Τίγρις ἐκ τῶν νοτιωτάτων μερῶν
 τῆς Ἀρμενίας, ἀ πλησίον ἐστὶ τῆς Βαβυλωνίας, δεχό- 30
 μενος τὸ ἐκ τῶν χιόνων ὕδωρ οὐ πολὺ ὄν, ἅτε ἐκ τῆς
 νοτίου πλευρᾶς, ἦττον ἢ πλημμύροι· ὃ δὲ Εὐφράτης

τὸ ἐξ ἀμφοτέρων δέχεται τῶν μερῶν, καὶ οὐκ ἐξ ἐνὸς ὅρους ἀλλὰ πολλῶν, ὥς ἐδηλοῦμεν ἐν τῇ περιηγήσει τῆς Ἀρμενίας, προστιθεὶς τὸ μῆκος τοῦ ποταμοῦ, ὅσον μὲν τὸ ἐν τῇ μεγάλῃ Ἀρμενίᾳ διέξεισι καὶ τῇ μικρᾷ, 5 ὅσον δὲ τὸ ἐκ τῆς μικρᾷς Ἀρμενίας καὶ τῆς Καππαδοκίας διὰ τοῦ Ταύρου διεκβαλὼν ἕως Θαψάκου φέρεται, τὴν κάτω Συρίαν καὶ τὴν Μεσοποταμίαν ἀφορίζων, ὅσον δὲ τὸ λοιπὸν μέχρι Βαβυλῶνος καὶ τῆς ἐκβολῆς ὁμοῦ τρισμυρίων καὶ ἑξακισχιλίων σταδίων. τὰ μὲν 10 οὖν περὶ τὰς διώρυγας τοιαῦτα.

Ἡ δὲ χώρα φέρει κριθὰς μὲν ὅσας οὐκ ἄλλη (καὶ 14 γὰρ τριακοσιοντάχουν λέγουσι), τὰ δὲ ἄλλα ἐκ τοῦ φοίνικος παρέχεται· καὶ γὰρ ἄρτον καὶ οἶνον καὶ ὄξος καὶ μέλι καὶ ἄλφιτα· τὰ τε πλεκτὰ παντοῖα ἐκ τούτου· 15 τοῖς δὲ πυρῆσιν ἀντ' ἀνθρώπων οἱ χαλκεῖς χρῶνται, βρεχόμενοι δὲ τοῖς σιτιζομένοις εἰς τροφήν βουσί καὶ προβάτοις. φασὶ δ' εἶναι καὶ Περσικὴν ῥόδον, ἐν ᾗ τὰς ὠφελείας τριακόσιας καὶ ἑξήκοντα διαριθμοῦνται· ἐλαίῳ δὲ χρῶνται τῷ σησαμίνῳ τὸ πλέον· οἱ δ' ἄλλοι C.743 20 τόποι σπανίζονται τούτου τοῦ φυτοῦ.

Γίνεται δ' ἐν τῇ Βαβυλωνίᾳ καὶ ἄσφαλτος πολλή, 15 περὶ ἧς Ἑρατοσθένης μὲν οὕτως εἰρηκεν ὅτι „ἡ μὲν „ὕγρα ἦν καλοῦσι νάφθαν, γίνεται ἐν τῇ Σουσίδι, ἡ δὲ „ξηρὰ δυναμένη πῆττεσθαι ἐν τῇ Βαβυλωνίᾳ· ταύτης 25 „δ' ἐστὶν ἡ πηγὴ τοῦ Εὐφράτου πλησίον· πλημμύρον- „τος δὲ τούτου κατὰ τὰς τῶν χιόνων τήξεις καὶ αὐτὴ „πληροῦται καὶ ὑπέρχουσιν εἰς τὸν ποταμὸν λαμβάνει· „ἐνταῦθα δὲ συνίστανται βῶλοι μεγάλοι πρὸς τὰς „οἰκοδομὰς ἐπιτήδεια τὰς διὰ τῆς ὀπτῆς πλύνθου.“ 30 ἄλλοι δὲ καὶ τὴν ὑγρὰν ἐν τῇ Βαβυλωνίᾳ γίνεσθαι φασι. περὶ μὲν οὖν τῆς ξηρᾶς εἰρηται πόσον τὸ χρήσιμον τὸ ἐκ τῶν οἰκοδομιῶν μάλιστα· φασὶ δὲ καὶ πλοῖα

πλέκεσθαι, ἐμπλασθέντα δ' ἀσφάλτῳ πυκνοῦσθαι. τὴν δὲ ὑγρὰν ἦν νάφθαν καλοῦσι, παράδοξον ἔχειν συμβαίνει τὴν φύσιν· προσαχθεὶς γὰρ ὁ νάφθας πυρὶ πλησίον ἀναρπάξει τὸ πῦρ, καὶ ἐπιχρίσας αὐτῷ σῶμα προσαγάγῃς, φλέγεται· σβέσαι δ' ὕδατι οὐχ οἷόν τε 5 (ἐκκαίεται γὰρ μᾶλλον) πλὴν εἰ πάνυ πολλῷ, ἀλλὰ πηλῷ καὶ ὄξει καὶ στυπτηρίᾳ καὶ ἰξῶ πνιγεὶς σβέννυται. πείρας δὲ χάριν φασὶν Ἀλέξανδρον ἐν λουτρῷ προσχεῖαι παιδί τοῦ νάφθα καὶ προσαγαγεῖν λύχνον· φλεγόμενον δὲ τὸν παῖδα ἐγγὺς ἐλθεῖν τοῦ ἀπολέσθαι, 10 πλὴν πολλῷ σφόδρα καταντλοῦντες τῷ ὕδατι ἐξίσχυσαν καὶ διέσωσαν οἱ περιεστῶτες. Ποσειδώνιος δὲ φησι τοῦ ἐν τῇ Βαβυλωνίᾳ νάφθα τὰς πηγὰς τὰς μὲν εἶναι λευκοῦ τὰς δὲ μέλανος· τούτων δὲ τὰς μὲν εἶναι θείου ὑγροῦ (λέγω δὲ τὰς τοῦ λευκοῦ· ταύτας δ' εἶναι τὰς 15 ἐπισπώσας τὰς φλόγας), τὰς δὲ τοῦ μέλανος ἀσφάλτου ὑγρᾶς, ὧς ἀντ' ἐλαίου τοὺς λύχνους κάνουν.

- 16 Πάλαι μὲν οὖν ἡ Βαβυλὼν ἦν μητρόπολις τῆς Ἀσσυρίας, νῦν δὲ Σελεύκεια ἡ ἐπὶ τῷ Τίγρει λεγομένη. πλησίον δ' ἐστὶ κώμη Κτησιφῶν λεγομένη, μεγάλη· 20 ταύτην δ' ἐποιοῦντο χειμάδιον οἱ τῶν Παρθυαίων βασιλεῖς φειδόμενοι τῶν Σελευκέων, ἵνα μὴ κατασταθμεύοιντο ὑπὸ τοῦ Σκυθικοῦ φύλου καὶ στρατιωτικοῦ· δυνάμει οὖν Παρθικῇ πόλις ἀντὶ κώμης ἐστὶ * καὶ τὸ μέγεθος, τοσοῦτόν γε πλῆθος δεχομένη καὶ τὴν κατα- 25 σκευὴν ὑπ' ἐκείνων αὐτῶν κατεσκευασμένη καὶ τὰ ὄνια καὶ τὰς τέχνας προσφόρους ἐκείνοις πεπορισμένη. εἰώθασι γὰρ ἐνταῦθα τοῦ χειμῶνος διάγειν οἱ βασιλεῖς διὰ τὸ εὐάερον· θέρους δὲ ἐν Ἐκβατάνοις καὶ τῇ Ὑρκανίᾳ διὰ τὴν ἐπικράτειαν τῆς παλαιᾶς δόξης. ὥσπερ 30 δὲ Βαβυλωνίαν τὴν χώραν καλοῦμεν, οὕτω καὶ τοὺς ἄνδρας τοὺς ἐκεῖθεν Βαβυλωνίους καλοῦμεν, οὐκ ἀπὸ

τῆς πολέως, ἀλλ' ἀπὸ τῆς χώρας· ἀπὸ δὲ τῆς Σελευ-^{C.744}
κειας ἦττον, καὶ ἐκεῖθεν ὧσι, καθάπερ Διογένη τὸν
στωικὸν φιλόσοφον.

Ἔστι δὲ καὶ Ἀρτεμίτα πόλις ἀξιόλογος, διέχουσα 17
5 πεντακοσίους τῆς Σελευκειας σταδίους, πρὸς ἕω τὸ
πλέον, καθάπερ καὶ ἡ Σιτακηνή· καὶ γὰρ αὕτη πολλή
τε καὶ ἀγαθὴ μέση Βαβυλωνος τέτακται καὶ τῆς Σου-
σίδος, ὥστε τοῖς ἐκ Βαβυλωνος εἰς Σούσα βαδίζουσι
διὰ τῆς Σιτακηνῆς ἡ ὁδὸς ἅπασα πρὸς ἕω· πρὸς ἕω δ'
10 ἔστι καὶ τοῖς ἐκ Σούσων εἰς τὴν μεσόγαιαν τῆς Περσί-
δος διὰ τῆς Οὐξίας καὶ τοῖς ἐκ τῆς Περσίδος εἰς τὰ μέσα
τῆς Καρμανίας. τὴν μὲν οὖν Καρμανίαν ἐγκυκλοῦται
πρὸς [ἐσπέραν καὶ] ἄρκτον ἡ Περσίς πολλὴ οὐσα· ταύτη
δὲ συνάπτει ἡ Παραιτακηνή καὶ ἡ Κοσσαία μέχρι
15 Κασπίων πυλῶν, ὀρεινὰ καὶ ληστρικὰ ἔθνη· τῇ δὲ
Σουσίδι ἡ Ἑλυμαῖς καὶ αὕτη τραχεῖα ἡ πολλή καὶ λη-
στρικὴ· τῇ δὲ Ἑλυμαῖδι τὰ περὶ τὸν Ζάγρον καὶ ἡ
Μηδία.

Κοσσαῖοι μὲν οὖν εἰσι τοξόται τὸ πλέον, καθάπερ 18
20 καὶ οἱ συνεχεῖς ὀρεινοί, προνομεύοντες αἰεὶ· χώραν
γὰρ ἔχουσιν ὀλίγην τε καὶ λυπρὰν ὥστ' ἐκ τῶν ἄλλο-
τρίων ἀνάγκη ξῆν· ἀνάγκη δὲ καὶ ἰσχύειν· ἅπαντες
γὰρ εἰσι μάχιμοι· τοῖς γοῦν Ἑλυμαίοις συνεμάχουν
μύριοι καὶ τρισχίλιοι πολεμοῦσι πρὸς τε Βαβυλωνίους
25 καὶ Σουσίους. οἱ δὲ Παραιτακηνοὶ μᾶλλον μὲν τῶν
Κοσσαίων ἐπιμελοῦνται γῆς· ὅμως δὲ καὶ αὐτοὶ ληστη-
ρίων οὐκ ἀπέχονται. Ἑλυμαῖοι δὲ καὶ μείζω τούτων
κέκτηνται χώραν καὶ ποικιλωτέραν. ὅση μὲν οὖν ἀγαθὴ
γεωργοὺς ἔχει τοὺς ἐνοικοῦντας, ἡ δ' ὀρεινὴ στρατιώ-
30 τας τρέφει τοξότας τοὺς πλείστους· πολλὴ δὲ οὐσα
πολὺ καὶ τὸ στρατιωτικὸν παρέχεται, ὥστε καὶ ὁ βασι-
λεὺς αὐτῶν δύναμιν κερταμένους μεγάλην οὐκ ἀξιοῖ

τῷ τῶν Παρθυαίων βασιλεῖ παραπλησίως τοῖς ἄλλοις
 ὑπήκοος εἶναι· ὁμοίως δὲ καὶ πρὸς τοὺς Μακεδόνας
 πρότερον τοὺς τῆς Συρίας ἄρχοντας διέκειτο. Ἀντίοχον
 μὲν οὖν τὸν μέγαν τὸ τοῦ Βήλου συλαῖν ἱερὸν ἐπιχει-
 ρήσαντα ἀνείλουν ἐπιθήμενοι καθ' αὐτοὺς οἱ πλησίον 5
 βάρβαροι. ἐκ δὲ τῶν ἐκείνῳ συμβάντων παιδευθεὶς
 ὁ Παρθυαῖος χρόνοις ὕστερον ἀκούων τὰ ἱερὰ πλούσια
 παρ' αὐτοῖς, ὁρῶν δ' ἀπειθοῦντας, ἐμβάλλει μετὰ δυ-
 νάμεως μεγάλης, καὶ τό τε τῆς Ἀθηνᾶς ἱερὸν εἴλε
 καὶ τὸ τῆς Ἀρτέμιδος, τὰ Ἄξαρα, καὶ ἦρε ταλάντων 10
 μυρίων γάζαν· ἠρέθη δὲ καὶ πρὸς τῷ Ἡδυφῶντι πο-
 ταμῷ Σελεύκεια, μεγάλη πόλις· Σολόκη δ' ἐκαλεῖτο
 πρότερον. τρεῖς δ' εἰσὶν εἰς τὴν χώραν εὐφυεῖς εἰσβολαί·
 ἐκ μὲν τῆς Μηδίας καὶ τῶν περὶ τὸν Ζάγρον τόπων διὰ
 τῆς Μασσαβατικῆς, ἐκ δὲ τῆς Σουσίδος διὰ τῆς Γαβια- 15
 C.745 νῆς (ἐπαρχίαι δ' εἰσὶν αὗται τῆς Ἑλυμαίας ἢ τε Γαβιανῆ
 καὶ ἡ Μασσαβατικῆ), τρίτη δ' ἐστὶν ἡ ἐκ τῆς Περσίδος.
 ἔστι δὲ καὶ Κορβιανὴ ἐπαρχία τῆς Ἑλυμαίδος. ὁμοιοι
 δ' εἰσὶ τοῦτοις Σαραπηνοὶ τε καὶ Σιλακηνοί, δυναστεῖαι
 μικραί. τοσαῦτα μὲν καὶ τοιαῦτα ἔθνη πρὸς ἑὸν τὰ 20
 ὑπερκεείμενα τῆς Βαβυλωνίας. πρὸς ἄρκτον δὲ τὴν
 Μηδίαν ἔφαμεν καὶ τὴν Ἀρμενίαν· ἀπὸ δὲ δύσεώς
 ἐστὶν ἡ Ἀδιαβηνὴ καὶ ἡ Μεσοποταμία.

- 19 Τῆς μὲν οὖν Ἀδιαβηνῆς ἡ πλείστη πεδιάς ἐστὶ, καὶ
 αὐτὴ τῆς Βαβυλωνίας μέρος οὖσα ἔχουσα δ' ὅμως ἄρ- 25
 χοντα ἰδιον, ἔστιν ὅπῃ καὶ τῇ Ἀρμενίᾳ προσχωροῦσα.
 οἱ γὰρ Μῆδοι καὶ οἱ Ἀρμένιοι τρίτοι δὲ Βαβυλώνιοι
 τὰ μέγιστα τῶν ἐθνῶν τῶν ταύτῃ διετέλουν οὕτως ἐξ
 ἀρχῆς συνεστῶτες ὥστ' ἀλλήλοις ἐπιτίθεσθαι κατὰ
 καιροὺς τοὺς οἰκείους ἕκαστοι καὶ πάλιν διαλύεσθαι· 30
 καὶ τοῦτο καὶ μέχρι τῆς τῶν Παρθυαίων ἐπικρατείας
 διέμεινε. τῶν μὲν οὖν Μήδων καὶ τῶν Βαβυλωνίων

ἐπάρχουσι Παρθυαῖοι, τῶν δ' Ἀρμενίων οὐδ' ἅπαξ· ἀλλ' ἔφοδοι μὲν γερόνασι πολλάκις, ἀνὰ κράτος δ' οὐχ ἐάλωσαν, ἀλλ' ὁ γε Τιγράνης καὶ ἐρωμένως ἀντεπεκράτησεν, ὡς ἐν τοῖς Ἀρμενιτικοῖς εἴρηται. ἡ μὲν οὖν 5 Ἀδιαβηνὴ τοιαύτη· περὶ δὲ τῆς Μεσοποταμίας ἐροῦμεν ἐφεξῆς καὶ τῶν πρὸς μεσημβρίαν ἔθνων, ἐπιόντες ἐπὶ μικρὸν πρότερον τὰ λεγόμενα περὶ τῶν ἔθνων τῶν παρὰ τοῖς Ἀσσυριοῖς.

Τὰλλα μὲν οὖν ἔοικε τοῖς Περσικοῖς, ἴδιον δὲ τὸ 20 10 καθεστάναι τρεῖς ἄνδρας σφόδρονας ἐκάστης ἄρχοντας φυλῆς, οἱ τὰς ἐπιράμους κόρας προσάγοντες εἰς τὸ πλῆθος ἀποκηρύττουσι τοῖς νυμφίοις αἰετὰς ἐντιμότηρας πρώτας. οὕτω μὲν αἱ συζυγαὶ τελοῦνται· ὁσάκις δ' ἂν μιχθῶσιν ἀλλήλοις, ἐπιθυμιάσοντες ἐξανίστανται 15 ἐκάτερος χωρὶς· ὁρθρον δὲ λούονται πρὶν ἀγγεῖον τινὸς ἄψασθαι· παραπλησίως γὰρ ὥσπερ ἀπὸ νεκροῦ τὸ λουτρὸν ἐν ἔθει ἐστίν, οὕτω καὶ ἀπὸ συνουσίας. πάσαις δὲ ταῖς Βαβυλωνίαις ἔθος κατὰ τι λόγιον ξένῳ μίγνυσθαι πρὸς τι ἀφροδίσιον ἀφικομέναις μετὰ πολ- 20 λῆς θεραπείας καὶ ὄχλου· θάμιγγι δ' ἔστεπται ἐκάστη· ὁ δὲ προσιὼν καταθεὶς ἐπὶ τὰ γόνατα ὅσον καλῶς ἔχει ἀργύριον, συγγίνεται ἅπαθεν τοῦ τεμένους ἀπαργών· τὸ δ' ἀργύριον ἱερὸν τῆς Ἀφροδίτης νομίζεται. ἀρχεῖα δ' ἐστὶ τρία, τὸ τῶν ἀφειμένων ἤδη τῆς στρα- 25 τείας καὶ τὸ τῶν ἐνδοξοτάτων καὶ τὸ τῶν γερόντων, χωρὶς τοῦ ὑπὸ τοῦ βασιλέως καθισταμένου. τούτου δ' C.746 ἐστὶ τὸ τὰς παρθένους ἐκδιδόναι καὶ τὸ τὰς περὶ τῆς μοιχείας δικάζειν δίκας, ἄλλον δὲ τὸ τὰς τῆς κλοπῆς, τρίτου τὸ περὶ τῶν βιαιῶν. τοὺς δ' ἀρρώστους εἰς τὰς 30 τριόδους ἐκτιθέντες πυνθάνονται τῶν παριόντων εἰ

5. post τοιαύτη: καλοῦνται δ' οἱ Ἀδιαβηνῶν καὶ Σακκόποδες·
STRABO III.

τίς τι ἔχει λέγειν τοῦ πάθους ἄκος· οὐδεὶς τέ ἐστὶν οὕτω κακὸς τῶν παριόντων, ὃς οὐκ ἐντυχὼν εἴ τι φρονεῖ σωτήριον ὑποτίθεται. ἐσθῆς δ' αὐτοῖς ἐστὶ χιτῶν λινοῦς ποδήρης καὶ ἐπενδύτης ἐρεοῦς, ἱμάτιον λευκόν, κόμη μακρά, ὑπόδημα ἐμβάδι ὅμοιον. φοροῦσι δὲ καὶ 5 σφραγῖδα καὶ σκῆπτρον οὐ λιτὸν ἀλλ' ἐπίσημον, ἔχον ἐπάνω μῆλον ἢ ῥόδον ἢ κρίνον ἢ τι τοιοῦτον· ἀλείφονται δ' ἐκ τοῦ σησάμου· θρηνοῦσι δὲ τοὺς ἀποθανόντας, ὡς Αἰγύπτιοι καὶ πολλοὶ τῶν ἄλλων· θάπτουσι δ' ἐν μέλιτι κηρῷ περιπλάσαντες. τρεῖς δ' εἰσὶ φρατρίαί 10 τῶν ἀπόρων σίτου· ἔλαιοι δ' εἰσὶν οὗτοι καὶ ἰχθυοφάγοι, διαιτώμενοι παραπλησίως τοῖς κατὰ τὴν Γεδρωσίαν.

- 21 Μεσοποταμία δ' ἀπὸ τοῦ συμβεβηκότος ὠνόμασται· εἰρηται δ' ὅτι κεῖται τοῦ Εὐφράτου μεταξὺ καὶ 15 τοῦ Τίγριος καὶ διότι ὁ μὲν Τίγρις τὸ ἐσθινὸν αὐτῆς μόνον κλύζει πλευρόν, τὸ δ' ἐσπέριον καὶ νότιον ὁ Εὐφράτης· πρὸς ἄρκτον δὲ ὁ Ταῦρος ὁ τοὺς Ἀρμενίους διορίζων ἀπὸ τῆς Μεσοποταμίας. τὸ μὲν οὖν μέγιστον ὃ ἀφίστανται διάστημα ἀπ' ἀλλήλων τὸ πρὸς 20 τοῖς ὄρεσιν ἐστὶ· τοῦτο δ' ἂν εἴη τὸ αὐτὸ ὅπερ εἰρηκεν Ἑρατοσθένης, τὸ ἀπὸ Θαψάκου, καθ' ὃ ἦν τὸ ζεῦγμα τοῦ Εὐφράτου τὸ παλαιόν, ἐπὶ τὴν τοῦ Τίγριος διαβάσιν, καθ' ἣν διέβη Ἀλέξανδρος αὐτόν, δισχιλίων τετρακοσίων· τὸ δ' ἐλάχιστον μικρῷ πλέον τῶν διακο- 25 σίων κατὰ Σελεύκειάν πον καὶ Βαβυλῶνα. διαρρεῖ δ' ὁ Τίγρις τὴν Ὠπιτιν καλουμένην λίμνην κατὰ πλάτος μέσην· περαιωθεὶς δ' ἐπὶ θάτερον χεῖλος κατὰ γῆς δύεται μετὰ πολλοῦ ψόφου καὶ ἀναφυσημάτων, ἐπὶ πολὺ δ' ἐνεχθεὶς ἀφανῆς ἀνίσχει πάλιν οὐ πολὺ ἄπω- 30 θεν τῆς Γορδυαίας· οὕτω δὲ σφοδρῶς διεκβάλλει τὴν λίμνην, ὥς φησιν Ἑρατοσθένης, ὥστε ἄλμυράν αὐτὴν

οὔσαν καὶ ἀνιχθῦν γλυκεῖαν κατὰ τοῦτ' εἶναι τὸ μέρος καὶ ῥοώδη καὶ ἰχθύων πλήρη.

Ἐπὶ μῆκος δὲ συχνὸν προπέπτωκεν ἡ συναγωγὴ 22 τῆς Μεσοποταμίας καὶ πλοῖα πως ἔοικε· ποιεῖ δὲ τὸ 5 πλεῖστον τῆς περιφερείας ὁ Εὐφράτης· καὶ ἔστι τὸ μὲν ἀπὸ τῆς Θαψάκου μέχρι Βαβυλῶνος, ὡς εἴρηκεν Ἑρατοσθένης, τετρακισχίλιοι καὶ ὀκτακόσιοι στάδιοι· τὸ δ' ἀπὸ τοῦ κατὰ Κομμαγηνὴν ζεύγματος, ἥπερ ἐστὶν ἀρχὴ τῆς Μεσοποταμίας, οὐκ ἔλαττον τῶν δισχιλίων C.747 10 σταδίων ἕως ἐπὶ Θάψακον.

Ἔστι δ' ἡ μὲν παρόροιος εὐδαίμων ἱκανῶς· ἔχουσι 23 δ' αὐτῆς τὰ μὲν πρὸς τῷ Εὐφράτῃ καὶ τῷ ζεύγματι, τῷ τε νῦν τῷ κατὰ τὴν Κομμαγηνὴν καὶ τῷ πάλαι τῷ κατὰ τὴν Θάψακον, οἱ Μυγδόνες κατονομασθέντες 15 ὑπὸ τῶν Μακεδόνων· ἐν οἷς ἐστὶν ἡ Νίσιβις, ἣν καὶ αὐτὴν Ἀντιόχειαν τὴν ἐν τῇ Μυγδονίᾳ προσηγόρευσαν, ὑπὸ τῷ Μασίῳ ὄρει κειμένην, καὶ Τιγρανόκερτα καὶ τὰ περὶ Κάρρας καὶ Νικηφόριον χωρία καὶ Χορδίδραξα καὶ Σίννακα, ἐν ᾗ Κράσσος διεφθάρη, δόλωρ 20 ληφθεὶς ὑπὸ Σουρήνα τοῦ τῶν Παρθυαίων στρατηγοῦ.

Πρὸς δὲ τῷ Τίγρει τὰ τῶν Γορδυαίων χωρία οὗς 24 οἱ πάλαι Καρδούχους ἔλεγον, καὶ αἱ πόλεις [αὐτ]ῶν Σάρεισά τε καὶ Σάταλκα καὶ Πίνακα, κράτιστον ἔρυνμα, 25 τρεῖς ἄκρας ἔχουσα, ἐκάστην ἰδίῳ τείχει τετειχισμένην, ὥστε οἶον τρίπολιν εἶναι. ἀλλ' ὅμως καὶ ὁ Ἀρμένιος εἶχεν ὑπήκοον καὶ οἱ Ῥωμαῖοι βία παρέλαβον, καίπερ ἔδοξαν οἱ Γορδυαῖοι διαφερόντως ἀρχιτεκτονικοὶ τινες εἶναι καὶ πολιορκητικῶν ὀργάνων ἔμπειροι· διόπερ 30 αὐτοῖς εἰς ταῦτα ὁ Τιγράνης ἐχρῆτο. ἐγένετο δὲ καὶ ἡ λοιπὴ Μεσοποταμία ὑπὸ Ῥωμαίοις, Πομπήιος δ' αὐτῆς τὰ πολλὰ τῷ Τιγράνῃ προσένειμεν ὅσα ἦν ἀξιό·

λογα· ἔστι γὰρ εὐβοτος ἡ χώρα καὶ εὐερνῆς ὥστε καὶ τὰ ἀειθαλῇ τρέφειν καὶ ἄρωμα τὸ ἄμωμον· καὶ λεοντοβότος ἔστι· φέρει δὲ καὶ τὸν νάφθαν καὶ τὴν γαγγῆτιν λίθον, ἣν φεύγει τὰ ἔρπετά.

25 Λέγεται δὲ Γόρδους ὁ Τριπτολέμου τὴν Γορδυηνὴν οἰκῆσαι, ὕστερον δὲ καὶ Ἑρετριεῖς οἱ ἀναρπασθέντες ὑπὸ Περσῶν. περὶ μὲν οὖν Τριπτολέμου δηλώσομεν

26 ἐν τοῖς Συριακοῖς ἀντίκα. τὰ δὲ πρὸς μεσημβρίαν κεκλιμένα τῆς Μεσοποταμίας καὶ ἀπωτέρω τῶν ὄρων ἄνυδρα καὶ λυπρὰ ὄντα ἔχουσιν οἱ σκηνῖται Ἀραβες, 10 ληστρικοὶ τινες καὶ ποιμενικοί, μεθιστάμενοι ῥαδίως εἰς ἄλλους τόπους, ὅταν ἐπιλείπωσιν αἱ νομαὶ καὶ αἱ λεηλασίαι. τοῖς οὖν παρορείοις ὑπὸ τε τούτων κακοῦσθαι συμβαίνει καὶ ὑπὸ τῶν Ἀρμενίων· ὑπέρκεινται δὲ καὶ καταδυναστεύουσι διὰ τὴν ἰσχύ· τέλος δ' ὑπ' 15 ἐκείνοις εἰσὶ τὸ πλεον ἢ τοῖς Παρθυαίοις· ἐν πλευραῖς γάρ εἰσι καὶ ἐκεῖνοι τὴν τε Μηδίαν ἔχοντες καὶ τὴν Βαβυλωνίαν.

27 Μεταξὺ δὲ τοῦ Εὐφράτου καὶ τοῦ Τίγριος ῥεῖ καὶ ἄλλος ποταμὸς Βασίλειος καλούμενος, καὶ περὶ τὴν 20 C.748 Ἀνθεμουσίαν ἄλλος Ἀβόρρας· διὰ δὲ τῶν Σκηνιτῶν, * ὑπὸ τῶν Μαλίων νυνὶ λεγομένων, καὶ τῆς ἐκείνων ἐρημίας ἡ ὁδὸς τοῖς ἐκ τῆς Συρίας εἰς Σελεύκειαν καὶ Βαβυλῶνα ἐμπορευομένοις ἔστιν. ἡ μὲν οὖν διάβασις τοῦ Εὐφράτου κατὰ τὴν Ἀνθεμουσίαν ἔστιν αὐτοῖς, 25 τόπον τῆς Μεσοποταμίας· ὑπέρκειται δὲ τοῦ ποταμοῦ σχοίνους τέτταρας διέχουσα ἡ Βαμβύκη, ἣν καὶ Ἐδεσσαν καὶ Ἰερὰν πόλιν καλοῦσιν, ἐν ἣ ἑκατὼς τὴν Συρίαν θεὸν τὴν Ἀταργάτιν. διαβάντων δὲ ἡ ὁδὸς ἔστι διὰ τῆς ἐρήμου ἐπὶ τοὺς τῆς Βαβυλωνίας ὄρους μέχρι Σκη- 30 νῶν, ἀξιολόγου πόλεως ἐπὶ τινος διώρυγος ἰδρυμένης. ἔστι δ' ἀπὸ τῆς διαβάσεως μέχρι Σκηνῶν ἡμερῶν πέντε

καὶ εἴκοσιν ὁδός. καμηλῖται δ' εἰσὶ, καταγωγὰς ἔχοντες
 τοτὲ μὲν ὑδρείων εὐπόρους τῶν λακκαίων τὸ πλέον,
 τοτὲ δ' ἐπακτοῖς χρώμενοι τοῖς ὕδασι. παρέχουσι δ'
 αὐτοῖς οἱ Σκηνῖται τὴν τε εἰρήνην καὶ τὴν μετριότητα
 5 τῆς τῶν τελῶν πράξεως, ἥς χάριν φεύγοντες τὴν πα-
 ραποταμίαν διὰ τῆς ἐρήμου παραβάλλονται, καταλι-
 πόντες ἐν δεξιᾷ τὸν ποταμὸν ἡμερῶν σχεδόν τι τριῶν
 ὁδόν. οἱ γὰρ παροικοῦντες ἐκατέρωθεν τὸν ποταμὸν
 φύλαρχοι, χώραν οὐκ εὐπορον ἔχοντες, ἥττον δὲ ἄπο-
 10 ρον νεμόμενοι, δυναστείαν ἕκαστος ἰδίᾳ περιβεβλημέ-
 νος ἰδίου καὶ τελώνιον ἔχει, καὶ τοῦτ' οὐ μέτριον.
 χαλεπὸν γὰρ ἐν τοῖς τοσούτοις καὶ τούτοις αὐθάδεσι
 κοινὸν ἀφορισθῆναι μέτρον τὸ τῷ ἐμπόρῳ λυσιτελές.
 διέχουσι δὲ τῆς Σελευκείας αἱ Σκηναὶ σχολίους ὀκτώ-
 15 καίδεκα.

Ὅριον δ' ἐστὶ τῆς Παρθυαίων ἀρχῆς ὁ Εὐφράτης 28
 καὶ ἡ περαία· τὰ δ' ἐντὸς ἔχουσι Ῥωμαῖοι καὶ τῶν Ἀρά-
 βων οἱ φύλαρχοι μέχρι Βαβυλωνίας, οἱ μὲν μᾶλλον
 ἐκείνοις οἱ δὲ τοῖς Ῥωμαίοις προσέχοντες, οἷσπερ καὶ
 20 πλησιόχωροί εἰσιν, ἥττον μὲν Σκηνῖται οἱ νομάδες οἱ
 τῷ ποταμῷ πλησίον, μᾶλλον δ' οἱ ἄνωθεν καὶ πρὸς τῇ
 εὐδαίμονι Ἀραβίᾳ. οἱ δὲ Παρθυαῖοι καὶ πρότερον μὲν
 ἐφρόντιζον τῆς πρὸς Ῥωμαίους φιλίας, τὸν δὲ ἄρξαντα
 πολέμου Κράσσον ἡμύναντο· καὶ αὐτοὶ ἄρξαντες τῆς
 25 μάχης τῶν ἰσῶν ἔτυχον, ἡνίκα ἔπεμψαν ἐπὶ τὴν Ἀσίαν
 Πάκον Ἀντώνιος δὲ συμβούλῳ τῷ Ἀρμενίῳ
 χρώμενος προϋδόθη καὶ κακῶς ἐπολέμησεν· ὁ δ' ἐκεῖ-
 νον διαδεξάμενος Φραάτης τοσοῦτον ἐσπούδασε περὶ
 τὴν φιλίαν τὴν πρὸς Καίσαρα τὸν Σεβαστὸν ὥστε καὶ
 30 τὰ τρόπαια ἔπεμψεν ἅ κατὰ Ῥωμαίων ἀνέστησαν Παρ-
 θυαῖοι, καὶ καλέσας εἰς σύλλογον Τίτιον τὸν ἐπιστα-
 τοῦντα τότε τῆς Συρίας, τέτταρας παῖδας γνησίους

ἐνεχείρισεν ὁμηρα αὐτῷ, Σεραспаδάνην καὶ Ῥωδά-
σπην καὶ Φραάτην καὶ Βουώνην, καὶ γυναῖκας τούτων
δύο καὶ υἱεῖς τέτταρας, δεδιῶς τὰς στάσεις καὶ τοὺς
ἐπιτιθεμένους αὐτῷ· ἦδει γὰρ μηδένα ἰσχύσονται καθ'
C.749 ἑαυτόν, ἂν μή τινα ἐπιλάβῃ τοῦ Ἀρσακίου γένους διὰ 5
τὸ εἶναι σφόδρα φιλαρσάκας τοὺς Παρθυαίους· ἐκπο-
δῶν οὖν ἐποίησε τοὺς παῖδας, ἀφελέσθαι ζητῶν τὴν
ἐλπίδα ταύτην τοὺς κακουργοῦντας. τῶν μὲν οὖν παί-
δων ὅσοι περιέεισιν ἐν Ῥώμῃ δημοσίᾳ βασιλικῶς τημε-
λοῦνται· καὶ οἱ λοιποὶ δὲ βασιλεῖς πρεσβευόμενοι καὶ 10
εἰς συλλόγους ἀφικνούμενοι διατετελέκασιν.

2 Ἡ δὲ Συρία πρὸς ἄρκτον μὲν ἀφώρισταί τῇ Κιλι-
κίᾳ καὶ τῷ Ἀμανῷ· ἀπὸ θαλάττης δ' ἐπὶ τὸ ξεῦγμα τοῦ
Εὐφράτου στάδιοι εἰσιν οἱ τὸ λεχθὲν πλευρὸν ἀφορί-
ζοντες οὐκ ἐλάττους τῶν [χιλίων καὶ] τετρακοσίων· 15
πρὸς ἑω δὲ τῷ Εὐφράτῃ καὶ τοῖς ἐντὸς τοῦ Εὐφράτου
σκηνίταις Ἀραβί· πρὸς δὲ νότον τῇ εὐδαίμονι Ἀραβίᾳ
καὶ τῇ Αἰγύπτῳ· πρὸς δύσιν δὲ τῷ Αἰγυπτίῳ τε καὶ
Συριακῷ πελάγει μέχρι Ἰσσοῦ.

2 Μέρη δ' αὐτῆς τίθεμεν ἀπὸ τῆς Κιλικίας ἀρξάμε- 20
νοι καὶ τοῦ Ἀμανοῦ τὴν τε Κομμαγενήν καὶ τὴν Σε-
λευκίδα καλουμένην τῆς Συρίας, ἔπειτα τὴν κοίλην
Συρίαν, τελευταίαν δ' ἐν μὲν τῇ παραλίᾳ τὴν Φοινί-
κην, ἐν δὲ τῇ μεσογαίᾳ τὴν Ἰουδαίαν. ἔνιοι δὲ τὴν Συ-
ρίαν ὅλην εἰς τε Κοιλοσύρους [καὶ Σύρους] καὶ Φοίνι- 25
κας διελόντες τούτοις ἀναμεμίχθαι φασὶ τέτταρα ἔθνη,
Ἰουδαίους Ἰδουμαίους Γαζαίους Ἀζωτίους, γεωργικοὺς
μὲν, ὥς τοὺς Σύρους καὶ Κοιλοσύρους, ἐμπορικοὺς δέ,
ὥς τοὺς Φοίνικας.

14. post εἰσιν: ἀπὸ τοῦ Ἰσσηκοῦ κόλπου μέχρι τοῦ ξεύγματος τοῦ κατὰ Κομμαγενήν

- Καθόλου μὲν οὕτω, καθ' ἕκαστα δὲ ἡ Κομμαγενὴν 3
 μικρά τις ἐστίν· ἔχει δ' ἐρυμνὴν πόλιν Σαμόσατα ἐν
 ἣ τὸ βασίλειον ὑπῆρχε, νῦν δ' ἐπαρχία γέγονε· χώρα
 δὲ περικλείεται σφόδρα εὐδαίμων, ὀλίγη [δέ]. ἐνταῦθα
 5 δὲ νῦν ἐστὶ τὸ ξεῦγμα τοῦ Εὐφράτου· κατὰ τοῦτο δὲ
 Σελεύκεια ἱδρύται φρούριον τῆς Μεσοποταμίας προσ-
 ωρισμένον ὑπὸ Πομπηίου τῷ Κομμαγενῶ, ἐν ᾧ τὴν
 Σελήνην ἐπικληθεῖσαν Κλεοπάτραν Τιγράνης ἀνείλε,
 καθείρξας χρόνον τινὰ ἡνίκα τῆς Συρίας ἐξέπεσεν.
- 10 Ἡ δὲ Σελευκίς ἀρίστη μὲν ἐστὶ τῶν λεχθεισῶν 4
 μερίδων, καλεῖται δὲ τετράπολις καὶ ἐστὶ κατὰ τὰς
 ἐξεχούσας ἐν αὐτῇ πόλεις, ἐπεὶ πλείους γέ εἰσι, μέγισται
 δὲ τέτταρες, Ἀντιόχεια ἡ ἐπὶ Ἀάφνῃ καὶ Σελεύκεια ἡ
 ἐν Πιερίᾳ καὶ Ἀπάμεια δὲ καὶ Λαοδίκεια, αἵπερ καὶ
 15 ἐλέγοντο ἀλλήλων ἀδελφαὶ διὰ τὴν ὁμόνοιαν, Σελεύ-
 κου τοῦ Νικάτορος κτίσματα· ἡ μὲν οὖν μεγίστη τοῦ
 πατρὸς αὐτοῦ ἐπώνυμος, ἡ δ' ἐρυμνοτάτη αὐτοῦ, αἱ
 δ' ἄλλαι ἡ μὲν Ἀπάμεια τῆς γυναικὸς αὐτοῦ Ἀπάμας, 0.760
 ἡ δὲ Λαοδίκεια τῆς μητρός. οἰκείως δὲ τῇ τετραπόλει
 20 καὶ εἰς σατραπείας διήρητο τέτταρας ἡ Σελευκίς, ὥς
 φησι Ποσειδώνιος, εἰς ὅσας καὶ ἡ κοίλη Συρία, * εἰς
 μίαν δ' ἡ Μεσοποταμία. ἐστὶ δ' ἡ μὲν Ἀντιόχεια καὶ
 αὕτη τετράπολις, ἐκ τεττάρων συνεστῶσα μερῶν· τε-
 τείχισται δὲ καὶ κοινῶς τείχει καὶ ἰδίῳ καθ' ἕκαστον τὸ
 25 κτίσμα· τὸ μὲν οὖν πρῶτον αὐτῶν ὁ Νικάτωρ συνώ-
 κισε μεταγαγὼν ἐκ τῆς Ἀντιγονείας τοὺς οἰκητόρας, ἣν
 πλησίον ἐτείχισεν Ἀντίγονος ὁ Φιλίππου μικρὸν πρό-
 τερον, τὸ δὲ δεύτερον τοῦ πλήθους τῶν οἰκητόρων ἐστὶ
 30 κτίσμα, τὸ δὲ τρίτον Σελεύκου τοῦ Καλλινίκου, τὸ δὲ

Καὶ δὴ καὶ μητρόπολις ἐστὶν αὕτη τῆς Συρίας, καὶ 5
 τὸ βασίλειον ἐνταῦθα ἱδρυτο τοῖς ἄρχουσι τῆς χώρας·

οὐ πολὺ τε λείπεται καὶ δυνάμει καὶ μεγέθει Σελευ-
 κείας τῆς ἐπὶ τῷ Τίγρει καὶ Ἀλεξανδρείας τῆς πρὸς
 Αἰγύπτῳ. συνώκισε δ' ὁ Νικάτωρ ἐνταῦθα καὶ τοὺς
 ἀπογόνους Τριπτολέμου, περὶ οὓς μικρὸν πρόσθεν
 ἐμνήσθημεν· διόπερ Ἀντιοχεῖς ὡς ἤρωα τιμᾶσι, καὶ 5
 ἄγουσιν ἑορτὴν ἐν τῷ Κασίῳ ὅρει τῷ περὶ Σελεύκειαν.
 φασὶ δ' αὐτὸν ὑπ' Ἀργείων πεμφθέντα ἐπὶ τὴν Ἰοῦς
 ζήτησιν, ἐν Τύρῳ πρῶτον ἀφανοῦς γενηθείσης, πλα-
 νᾶσθαι κατὰ τὴν Κιλικίαν· ἐνταῦθα δὲ τῶν σὺν αὐτῷ
 τινας Ἀργείων κτίσαι τὴν Ταρσὸν ἀπελθόντας παρ' 10
 αὐτοῦ· τοὺς δ' ἄλλους συνακολουθήσαντας εἰς τὴν
 ἐξῆς παραλίαν, ἀπογνόντας τῆς ζητήσεως ἐν τῇ ποτα-
 μίᾳ τοῦ Ὀρόντου καταμεῖναι σὺν αὐτῷ· τὸν μὲν οὖν
 υἱὸν τοῦ Τριπτολέμου Γόρδυν ἔχοντά τινας τῶν σὺν
 τῷ πατρὶ λαῶν εἰς τὴν Γορδυαίαν ἀποικῆσαι, τῶν δ' 15
 ἄλλων τοὺς ἀπογόνους συνοίκους γενέσθαι τοῖς Ἀν-
 τιοχεῦσιν.

6 Ὑπέρκειται δὲ τετταράκοντα σταδίους ἡ Δάφνη,
 κατοικία μετρία, μέγα δὲ καὶ συνηρηφὲς ἄλσος διαρ-
 ρεόμενον πηγαίοις ὕδασιν, ἐν μέσῳ δὲ ἄσυλον τέμενος 20
 καὶ νεῶς Ἀπόλλωνος καὶ Ἀρτέμιδος. ἐνταῦθα δὲ πα-
 νηγυρίζειν ἔθος τοῖς Ἀντιοχεῦσι καὶ τοῖς ἀστυγείοσι·
 κύκλος δὲ τοῦ ἄλσους ὀγδοήκοντα στάδιοι.

7 Ρεῖ δὲ τῆς πόλεως πλησίον Ὀρόντης ποταμός·
 οὗτος δ' ἐκ τῆς κοίτης Συρίας τὰς ἀρχὰς ἔχων εἶθ' ὑπὸ 25
 γῆν ἐνεχθεὶς ἀναδίδωσι πάλιν τὸ ρεῦμα, καὶ διὰ τῆς
 Ἀπαμέων εἰς τὴν Ἀντιόχειαν προελθὼν πλησιάσας τῇ
 πόλει πρὸς τὴν θάλατταν καταφέρεται τὴν κατὰ Σε-
 λεύκειαν· τὸ δ' ὄνομα τοῦ γεφυρώσαντος αὐτὸν
 Ὀρόντου μετέλαβε, καλούμενος πρότερον Τυφῶν. μυ- 30
 θεύουσι δ' ἐνταῦθά που τὰ περὶ τὴν κεραύνωσιν τοῦ
 Τυφῶνος καὶ τοὺς Ἀρίμους, περὶ ὧν εἵπομεν καὶ πρό-

τερον· φασί δὲ τυπτόμενον τοῖς κεραυνοῖς (εἶναι δὲ 0.751
 δράκοντα) φεύγειν κατάδυσιν ζητοῦντα· τοῖς μὲν οὖν
 ὄλκοις ἐντεμεῖν τὴν γῆν καὶ ποιῆσαι τὸ ρεῖθρον τοῦ
 ποταμοῦ, καταδύντα δ' εἰς γῆν ἀναρρῆξαι τὴν πηγὴν·
 5 ἐκ δὲ τούτου γενέσθαι τὸ ὄνομα τῷ ποταμῷ. πρὸς δύ-
 σιν μὲν οὖν θάλαττα ὑπόκειται τῇ Ἀντιοχείᾳ κατὰ Σε-
 λεύκειαν, πρὸς ἣ καὶ τὰς ἐκβολὰς ὁ Ὀρόντης ποιεῖται,
 διεχούσῃ τῶν μὲν ἐκβολῶν σταδίους τετταράκοντα,
 τῆς δ' Ἀντιοχείας ἑκατὸν εἴκοσιν. ἀνάπλους δ' ἐκ θα-
 10 λάττης ἐστὶν εἰς τὴν Ἀντιόχειαν ἀνθημερόν. πρὸς ἔω
 δ' ὁ Εὐφράτης ἐστὶ καὶ ἡ Βαμβύκη καὶ ἡ Βέροια καὶ ἡ
 Ἡράκλεια τῇ Ἀντιοχείᾳ, πόλινια τυραννούμενά ποτε
 ὑπὸ Διονυσίου τοῦ Ἡρακλέωνος. διέχει δ' ἡ Ἡράκλεια
 σταδίους εἴκοσι τοῦ τῆς Ἀθηνᾶς ἱεροῦ τῆς Κυρρη-
 15 στίδος.

Ἢλτα ἡ Κυρρηστικὴ μέχρι τῆς Ἀντιοχίδος· ἀπὸ δὲ 8
 τῶν ἄρκτων ἐστὶ τό τε Ἀμανὸν πλησίον καὶ ἡ Κομμα-
 γηνή· συνάπτει δὲ τούτοις ἡ Κυρρηστικὴ μέχρι δεῦρο
 παρατείνουσα. ἐνταῦθα δ' ἐστὶ πόλις Γίνδαρος, ἀκρό-
 20 πόλις τῆς Κυρρηστικῆς καὶ ληστήριον εὐφνές, καὶ
 Ἡράκλειόν τι καλούμενον πλησίον ἱερὸν· περὶ οὓς
 τόπους ὑπὸ Δευτιδίου Πάκορος διεφθάρη, ὁ πρεσβύ-
 τatos τῶν τοῦ Παρθναίου παιδων, ἐπιστρατεύσας τῇ
 Συρίᾳ. τῇ δὲ Γινδάρῳ συνάπτουσιν αἱ Πάγραι τῆς
 25 Ἀντιοχίδος, χωρίον ἐρυμνὸν κατὰ τὴν ὑπέρθεσιν τοῦ
 Ἀμανοῦ τὴν ἐκ τῶν Ἀμανίδων πυλῶν εἰς τὴν Συρίαν
 κείμενον. ὑποπίπτει μὲν οὖν ταῖς Πάγραις τὸ τῶν
 Ἀντιοχέων πεδίων, δι' οὗ ῥεῖ ὁ Ἀρκευθος ποταμὸς καὶ
 ὁ Ὀρόντης καὶ ὁ Λαβώτας. ἐν δὲ τούτῳ ἐστὶ τῷ πεδίῳ
 30 καὶ ὁ Μελεάγρου χάραξ καὶ ὁ Οἰνοπάρας ποταμός, ἐφ'
 ᾧ τὸν Βάλαν Ἀλέξανδρον μάχῃ νικήσας ὁ φιλομήτωρ
 Πτολεμαῖος ἐτελεύτησεν ἐκ τραύματος. ὑπέρεκειται δ'

αὐτῶν λόφος Τραπεζῶν ἀπὸ τῆς ὁμοιότητος καλούμε-
 νος, ἐφ' ᾧ Ὀδυσσεύς πρὸς Φρανικάτην τὸν Παρθυαίων
 στρατηγὸν ἔσχε τὸν ἀγῶνα. πρὸς θαλάττῃ δὲ τούτων
 ἐστὶν ἡ Σελεύκεια καὶ ἡ Πιερία, ὅρος συνεχὲς τῷ Ἀμα-
 νῶ, καὶ ἡ Ῥωσὸς μεταξὺ Ἰσσοῦ καὶ Σελευκείας ἰδρυ- 5
 μένη. ἐκαλεῖτο δ' ἡ Σελεύκεια πρότερον Ὑδατος πο-
 ταμοί. ἔρυμα δὲ ἐστὶν ἀξιόλογον καὶ κρεῖττον βίας ἢ
 πόλις. διόπερ καὶ ἐλευθέραν αὐτὴν ἔκρινε Πομπήιος
 ἀποκλείσας Τιγράνην. πρὸς νύτον δ' ἐστὶ τοῖς μὲν
 Ἀντιοχεῦσιν Ἀπάμεια ἐν μεσογαίᾳ κειμένη, τοῖς δὲ Σε- 10
 λευκεῦσι τὸ Κάσιον ὅρος καὶ τὸ Ἀντικάσιον· ἐτι δὲ
 πρότερον μετὰ τὴν Σελεύκειαν αἱ ἐκβολαὶ τοῦ Ὀρόν-
 του· εἴτα τὸ νυμφαῖον, σπήλαιόν τι ἱερὸν· εἴτα τὸ
 Κάσιον· ἐφεξῆς δὲ Ποσειδίου πολίχνη καὶ Ἡράκλεια.

9 Εἴτα Λαοδικεία, ἐπὶ τῇ θαλάττῃ κάλλιστα ἐκτι- 15
 σμένη καὶ εὐλίμενος πόλις χώραν τε ἔχουσα πολυοῖνον
 C.752 πρὸς τῇ ἄλλῃ εὐκαρπία. τοῖς μὲν οὖν Ἀλεξανδρεῦσιν
 αὕτη παρέχει τὸ πλεῖστον τοῦ οἴνου, τὸ ὑπερκεῖμενον
 τῆς πόλεως ὅρος πᾶν κατάμπελον ἔχουσα μέχρι σχεδόν
 τι τῶν κορυφῶν· αἱ δὲ κορυφαὶ τῆς μὲν Λαοδικείας 20
 πολὺ ἄπωθεν εἰσιν, ἡρέμα ἀπ' αὐτῆς καὶ κατ' ὀλίγον
 ἀνακλινόμεναι, τῆς Ἀπαμείας δ' ὑπερκύπτουσιν ἐπ'
 ὄρθιον ὕψος ἀνατεταμέναι. ἐλύπησε δ' οὐ μετρίως
 Δολαβέλλας καταφυγὼν εἰς αὐτὴν καὶ ἐμπολιορηθεὶς
 ὑπὸ Κασσίου μέχρι θανάτου, συνδιαφθείρας ἑαυτῷ 25
 καὶ τῆς πόλεως πολλὰ μέρη.

10 Ἡ δ' Ἀπάμεια καὶ πόλιν ἔχει τὸ πλεόν εὐερκῇ·
 λόφος γάρ ἐστιν ἐν πεδίῳ κοίλῳ τετειχισμένος καλῶς,
 ὃν ποιεῖ χερρονησίζοντα ὁ Ὀρόντης καὶ λίμνη περικει-
 μένη μεγάλη καὶ ἔλη πλατεὰ λειμῶνάς τε βουβότους 30
 καὶ ἱποπότους διαχεομένους ὑπερβάλλοντας τὸ μέγε-
 θος· ἢ τε δὴ πόλις οὕτως ἀσφαλῶς κεῖται (καὶ δὴ καὶ

Χερρόνησος ἐκλήθη διὰ τὸ συμβεβηκός) καὶ χώρας
 εὐπορεῖ παμπόλλης εὐδαίμονος, δι' ἧς ὁ Ὀρόντης ρεῖ·
 καὶ περιπόλια συχνὰ ἐν ταύτῃ. ἐνταῦθα δὲ καὶ ὁ Νι-
 κάτωρ Σέλευκος τοὺς πεντακοσίους ἐλέφαντας ἔτρεψε
 5 καὶ τὸ πλεόν τῆς στρατιᾶς καὶ οἱ ὕστερον βασιλεῖς.
 ἐκαλεῖτο δὲ καὶ Πέλλα ποτὲ ὑπὸ τῶν πρώτων Μακεδό-
 νων διὰ τὸ τοὺς πλείστους τῶν Μακεδόνων ἐνταῦθα
 οἰκῆσαι τῶν στρατευομένων, τὴν δὲ Πέλλαν ὥσπερ
 μητρόπολιν γερονέναι τῶν Μακεδόνων τὴν Φιλίππου
 10 καὶ Ἀλεξάνδρου πατρίδα. ἐνταῦθα δὲ καὶ τὸ λογιστή-
 ριον τὸ στρατιωτικὸν καὶ τὸ ἱπποτροφεῖον, θήλειαι
 μὲν ἵπποι βασιλικαὶ πλείους τῶν τρισμυρίων, ὄχεια δὲ
 τούτων τριακόσια· ἐνταῦθα δὲ καὶ πωλοδάμναι καὶ
 ὀπλομάχοι καὶ ὅσοι παιδεύται τῶν πολεμικῶν ἐμισθο-
 15 δοτοῦντο. δηλοῖ δὲ τὴν δύναμιν ταύτην ἡ τε τοῦ Τρύ-
 φωνος ἐπικληθέντος Λιοδότου παραυξήσις καὶ ἐπίθε-
 σις τῇ βασιλείᾳ τῶν Σύρων, ἐντεῦθεν ὀρμηθέντος.
 ἐγγενένητο μὲν γὰρ ἐν Κασιανοῖς, φρουρίῳ τινὶ τῆς
 Ἀπαμέων γῆς, τραφεὶς δ' ἐν τῇ Ἀπαμείᾳ καὶ συστα
 20 θεὶς τῷ βασιλεῖ καὶ τοῖς περὶ αὐτόν, ἐπειδὴ νεωτερίζειν
 ὥρμησεν, ἐκ τῆς πόλεως ταύτης ἔσχε τὰς ἀφορμὰς καὶ
 τῶν περιοικίδων, Λαρίσης τε καὶ τῶν Κασιανῶν καὶ
 Μεγάρων καὶ Ἀπολλωνίας καὶ ἄλλων τοιούτων, αἱ
 συνετέλουν εἰς τὴν Ἀπάμειαν ἅπασαι· ἐκεῖνός τε δὴ
 25 βασιλεὺς τῆσδε τῆς χώρας ἀνεδείχθη καὶ ἀντέσχε πο-
 λὺν χρόνον, Βάσσος τε Καϊκίλιος μετὰ δυεῖν ταγμάτων
 ἀποστήσας τὴν Ἀπάμειαν διεκαρτέρησε τοσοῦτον χρό-
 νον πολιορκούμενος ὑπὸ δυεῖν στρατοπέδων μεγάλων
 Ῥωμαϊκῶν ὥστ' οὐ πρότερον εἰς τὴν ἐξουσίαν ἦκε πρὶν
 30 ἐκὼν ἐνεχείρισεν ἑαυτὸν ἐφ' οἷς ἐβεβούλητο· καὶ γὰρ C. 753
 τὴν στρατιὰν ἀπέτρεφεν ἡ χώρα καὶ συμμάχων εὐπό-
 ρει τῶν πλησίου φυλάρχων ἐχόντων εὐερκῇ χωρίᾳ· ὧν

ἐστι καὶ ἡ Λυσιᾶς, ὑπὲρ τῆς λίμνης κειμένη τῆς πρὸς
 Ἀπαμεία, καὶ Ἀρέθουσα ἡ Σαμψικεράμου καὶ Ἰαμβλί-
 χου τοῦ ἐκείνου παιδός, φυλάρχων τοῦ Ἑμισσηνῶν
 ἔθνους· οὐ πόρρω δ' οὐδ' Ἡλιούπολις καὶ Χαλκίς ἡ
 ὑπὸ Πτολεμαίῳ τῷ Μενναίου τῷ τὸν Μασσύναν κατέ- 5
 χοντι καὶ τὴν Ἰτουραίων ὀρεινήν. τῶν δὲ συμμαχούν-
 των τῷ Βάσσῳ ἦν καὶ Ἀλχαίδαμνος, ὁ τῶν Ῥαμβαίων
 βασιλεὺς τῶν ἐντὸς τοῦ Εὐφράτου νομάδων· ἦν δὲ
 φίλος Ῥωμαίων, ἀδικεῖσθαι δὲ νομίσας ὑπὸ τῶν ἡγε-
 μόνων, ἐκπεσὼν εἰς τὴν Μεσοποταμίαν ἐμισθοφόρει 10
 τότε τῷ Βάσσῳ. ἐντεῦθεν δ' ἐστὶ Ποσειδώνιος ὁ στρω-
 κός, ἀνὴρ τῶν καθ' ἡμᾶς φιλοσόφων πολυμαθέστατος.

- 11 Ὅμορος δ' ἐστὶ τῇ Ἀπαμέων πρὸς ἑὼ μὲν ἡ τῶν
 φυλάρχων Ἀράβων καλουμένη Παραποταμία καὶ ἡ
 Χαλκιδικὴ ἀπὸ τοῦ Μασσύου καθήκουσα καὶ πᾶσα ἡ 15
 πρὸς νότον τοῖς Ἀπαμεῦσιν, ἀνδρῶν σκηνιτῶν τὸ
 πλεόν· παραπλήσιοι δ' εἰσὶ τοῖς ἐν τῇ Μεσοποταμίᾳ
 νομάσιν· αἱ δ' οἱ πλησιαιτέροι τοῖς Σύροις ἡμερώτε-
 ροι καὶ ἦττον Ἀραβες καὶ σκηνῖται, ἡγεμονίας ἔχοντες
 συντεταγμένους μᾶλλον, καθάπερ ἡ Σαμψικεράμου καὶ 20
 ἡ Γαμβάρου καὶ ἡ Θέμελλα καὶ ἄλλων τοιούτων.

- 12 Τοιαύτη μὲν ἡ μεσόγαια τῆς Σελευκίδος, ὁ δὲ πα-
 ράπλους ὁ λοιπὸς ἀπὸ τῆς Λαοδικείας ἐστὶ τοιοῦτος·
 τῇ γὰρ Λαοδικεῖᾳ πλησιάζει πολίχνη, τό τε Ποσειδίου
 καὶ τὸ Ἡράκλειον καὶ τὰ Γάβαλα· εἰτ' ἦδη ἡ τῶν Ἀρα- 25
 δίων παραλία, Πάλτος καὶ Βαλαναία καὶ Κάρνος, τὸ
 ἐπίνειον τῆς Ἀράδου λιμένιον ἔχον· εἰτ' Ἐννυδρα καὶ
 Μάραθος πόλις Φοινίκων ἀρχαία κατεσπασμένη. τὴν
 δὲ χώραν Ἀράδιοι κατεκληρούχησαν καὶ τὰ Σίμυρα τὸ
 ἐφεξῆς χωρίον· τούτοις δ' ἡ Ὀρθωσία συνεχρῆς ἐστι 30

καὶ ὁ Ἑλεύθερος ὁ πλησίον ποταμός, ὃνπερ ὄριον ποιοῦνται τινες Σελευκίδος πρὸς τὴν Φοινίκην καὶ τὴν κοίλην Συρίαν.

- Πρόκειται δ' ἡ Ἀραδος ῥαχιώδους τινὸς καὶ ἀλι- 13
 5 μένου παραλίας μεταξὺ τοῦ τε ἐπινείου αὐτῆς μάλιστα καὶ τῆς Μαράθου, διέχουσα τῆς γῆς σταδίους εἴκοσιν. ἔστι δὲ πέτρα περίκλυστος ὅσον ἐπὶ τὸν κύκλον σταδίων, πλήρης κατοικίας· τοσαύτη δ' εὐανδρία κέχρηται μέχρι καὶ νῦν ὥστε πολυορόφους οἰκοῦσι τὰς οἰκίας.
- 10 ἔκτισαν δ' αὐτὴν φυγάδες, ὥς φασιν, ἐκ Σιδῶνος· τὴν δ' ὑδρείαν τὴν μὲν ἐκ τῶν ὀμβρίων καὶ λακκαίων ὑδάτων ἔχουσι τὴν δ' ἐκ τῆς περαιίας· ἐν δὲ τοῖς πολέμοις C.754
 ἐκ τοῦ πόρου μικρὸν πρὸ τῆς πόλεως ὑδρεύονται πηγὴν ἔχοντος ἀφθόνου ὕδατος, εἰς ἣν περικαταστρέφεται
- 15 κλίβανος καθιεθεὶς ἀπὸ τοῦ ὑδρευομένου σκάφους, μολιβοῦς, εὐρύστομος, εἰς πυθμένα συνηγμένος στενὸν ἔχοντα τρῆμα μέτριον, τῷ δὲ πυθμένι περιέσφριγκται σωλὴν σκύτινος, εἰτεᾶ σκωμα δεῖ λέγειν, ὁ δεχόμενος τὸ ἀναθλιβόμενον ἐκ τῆς πηγῆς διὰ τοῦ κλι-
- 20 βάνου ὕδαρ. τὸ μὲν οὖν πρῶτον ἀναθλίβεν τὸ τῆς θαλάττης ἐστὶ, περιμείναντες δὲ τὴν τοῦ καθαροῦ καὶ ποτίμου ὕδατος ῥύσιν, ὑπολαμβάνουσιν εἰς ἀγγεῖα παρσκευασμένα ὅσον ἂν δέῃ, καὶ πορθμεύουσιν εἰς τὴν πόλιν.
- 25 Τὸ παλαιὸν μὲν οὖν οἱ Ἀράδιοι καθ' αὐτοὺς ἔβα- 14
 σιλεύοντο παραπλησίως ὥσπερ καὶ τῶν ἄλλων ἐκάστη πόλεων τῶν Φοινικίδων· ἔπειτα τὰ μὲν οἱ Πέρσαι τὰ δ' οἱ Μακεδόνες τὰ δὲ νῦν Ῥωμαῖοι μετέθηκαν εἰς τὴν παροῦσαν τάξιν. οἱ δ' οὖν Ἀράδιοι μετὰ τῶν ἄλλων
- 30 Φοινικῶν ὑπήκουον τῶν Συριακῶν βασιλέων ἅτε φίλων· ἔπειτα στασιασάντων ἀδελφῶν δυεῖν τοῦ τε Καλλινίκου Σελεύκου καὶ Ἀντιόχου τοῦ Ἰέρακος προσ-

αγορευθέντος, προσθέμενοι τῷ Καλλινίκῳ ποιοῦνται συμβάσεις ὥστ' ἐξεῖναι δέχεσθαι τοὺς καταφεύγοντας ἐκ τῆς βασιλείας παρ' αὐτούς, καὶ μὴ ἐκδιδόναι ἄκοντας· μὴ μέντοι μὴδ' ἐκπλεῖν ἂν ἄνευ τοῦ ἐπιτρέψαι βασιλέα. συνέβη δὲ ἐκ τούτου μεγάλα αὐτοῖς πλεονε- 5 κτήματα· οἱ γὰρ καταφεύγοντες ἐπ' αὐτοὺς οὐχ οἱ τυχόντες ἦσαν ἀλλ' οἱ τὰ μέγιστα πεπιστευμένοι καὶ περὶ τῶν μεγίστων δεδιότες· ἐπιξενούμενοι δ' αὐτοῖς εὐεργέτας ἡγοῦντο καὶ σωτήρας τοὺς ὑποδεξαμένους, ἀπεμνημόνευόν τε τὴν χάριν καὶ μάλιστα ἐπανελθόν- 10 τες εἰς τὴν οἰκίαν· ὥστ' ἐκ τούτου χώραν τε ἐκτήσαντο τῆς περαιᾶς πολλήν, ἧς τὴν πλείστην ἔχουσι καὶ νῦν, καὶ τᾶλλα εὐθύνουν. προσέθεσαν δὲ τῇ εὐτυχίᾳ ταύτῃ καὶ πρόνοιαν καὶ φιλοπονίαν πρὸς τὴν θαλαττουργίαν· ὁρῶντές τε τοὺς γειτονεύοντας Κίλικας τὰ 15 πειρατήρια συνισταμένους οὐδ' ἅπαξ ἐκοινώνουν αὐτοῖς τῆς τοιαύτης ἐπιτηδεύσεως.

- 15 Μετὰ δὲ Ὀρθωσίαν ἐστὶ καὶ τὸν Ἐλεῦθερον Τρί-
πολις ἀπὸ τοῦ συμβεβηκότος τὴν ἐπὶ κλησιν εἰληφνῦᾰ·
τριῶν γὰρ ἐστὶ πόλεων κτίσμα, Τύρου Σιδῶνος Ἀρά- 20
δου· τῇ δὲ Τριπόλει συνεχές ἐστὶ τὸ τοῦ Θεοῦ πρόσω-
πον, εἰς ὃ τελευτᾷ ὁ Αἰβανος τὸ ὄρος· μεταξὺ δὲ Τριή-
ρης χωρίον τι.

- 16 Δύο δὲ ταῦτ' ἐστὶν ὄρη τὰ ποιοῦντα τὴν κοίλην
καλουμένην Συρίαν ὡς ἂν παράλληλα, ὃ τε Αἰβανος 25
καὶ ὁ Ἀντιλίβανος μικρὸν ὑπερθεῖν τῆς θαλάττης ἄρ-
C.755 χόμενα ἄμφω, ὁ μὲν Αἰβανος τῆς κατὰ Τρίπολιν, κατὰ
τὸ τοῦ Θεοῦ μάλιστα πρόσωπον, ὁ δ' Ἀντιλίβανος τῆς
κατὰ Σιδῶνα· τελευτῶσι δ' ἐγγύς πως τῶν Ἀραβίων
ὁρῶν τῶν ὑπὲρ τῆς Λαμασκηνῆς καὶ τῶν τραχύνων 30
ἐκεῖ λεγομένων εἰς ἄλλη ὄρη γεώλοφα καὶ καλλίκαρπα.
ἀπολείπουσι δὲ μεταξὺ πεδίων κοῖλον πλάτος μὲν τὸ

ἐπὶ τῇ θαλάττῃ διακοσίων σταδίων, μῆκος δὲ τὸ ἀπο
 τῆς θαλάττης εἰς τὴν μεσόγαλιαν ὁμοῦ τι διπλάσιον.
 διαρρεῖται δὲ ποταμοῖς ἄρδουσι χώραν εὐδαίμονα καὶ
 páμφορον, μεγίστῳ δὲ τῷ Ἰορδάνῃ. ἔχει δὲ καὶ λίμνην,
 5 ἣ φέρει τὴν ἀρωματῖτιν σχοῖνον καὶ κάλαμον, ὥς δ'
 αὐτῶς καὶ ἔλη· καλεῖται δ' ἡ λίμνη Γεννησαρῖτις·
 φέρει δὲ καὶ βάλσαμον. τῶν δὲ ποταμῶν ὁ μὲν Χρυ-
 σορρόας ἀρξάμενος ἀπὸ τῆς Λαμασκηνῶν πόλεως καὶ
 χώρας εἰς τὰς ὀχρεΐας ἀναλίσκεται σχεδόν τι· πολλὴν
 10 γὰρ ἐπάρδει καὶ βαθεῖαν σφόδρα· τὸν δὲ Λύκον καὶ
 τὸν Ἰορδάνην ἀναπλέουσι φορτίοις, Ἀράδιοι δὲ μά-
 λιστα.

Τῶν δὲ πεδίων τὸ μὲν πρῶτον τὸ ἀπὸ τῆς θαλάτ- 17
 τῆς Μάκρας καλεῖται καὶ Μάκρα πεδίον· ἐν τούτῳ δὲ
 15 Ποσειδώνιος ἱστορεῖ τὸν δράκοντα πεπτωκότα ὀραθῆ-
 ναι νεκρόν, μῆκος σχεδόν τι καὶ πλεθριαῖον, πάχος δ'
 ὥσθ' ἱππέας ἐκατέρωθεν παραστάντας ἀλλήλους μὴ
 καθορᾶν, χάσμα δὲ ὥστ' ἐφιππου δέξασθαι, τῆς δὲ
 φολίδος λεπίδα ἐκάστην ὑπεραίρουσαν θυρεοῦ.
 20 Μετὰ δὲ τὸν Μάκραν ἐστὶν ὁ Μασσύας ἔχων τινὰ 18
 καὶ ὄρεινὰ, ἐν οἷς ἡ Χαλκὶς ὥσπερ ἀκρόπολις τοῦ Μασ-
 σύου· ἀρχὴ δ' αὐτοῦ Λαοδίκεια ἢ πρὸς Λιβάνῳ. τὰ
 μὲν οὖν ὄρεινὰ ἔχουσι πάντα Ἰτουραῖοί τε καὶ Ἀραβες,
 κακοῦργοι πάντες, οἱ δ' ἐν τοῖς πεδίοις γεωργοί· κα-
 25 κούμενοι δ' ὑπ' ἐκείνων ἄλλοτε ἄλλης βοηθείας δέον-
 ται. ὀρμητηρίοις δ' ἐρυμνοῖς χρῶνται, καθάπερ οἱ τὸν
 Αἶβανον ἔχοντες ἄνω μὲν ἐν τῷ ὄρει Σινναὶ καὶ Βορ-
 ραμὰ καὶ ἄλλα τοιαῦτα ἔχουσι τείχη, κάτω δὲ Βότρυν
 καὶ Γίγαρτον καὶ τὰ ἐπὶ τῆς θαλάττης σπήλαια καὶ τὸ
 30 ἐπὶ τῷ Θεοῦ προσώπῳ φρούριον ἐπιτεθέν, ἀκατέσπασε
 Πομπήιος, ἀφ' ὧν τὴν τε Βύβλον κατέτρεχον καὶ τὴν
 ἐφεξῆς ταύτῃ Βηρυτόν, αἱ μεταξὺ κεῖνται Σιδῶνος καὶ

τοῦ Θεοῦ προσώπου. ἡ μὲν οὖν Βύβλος, τὸ τοῦ Κινύρου βασίλειον, ἱερὰ ἐστὶ τοῦ Ἀδώνιδος, ἣν τυραννομένην ἠλευθέρωσε Πομπήιος πελεκίσας ἐκείνον· κείται δ' ἐφ' ὕψους τινὸς μικρὸν ἄνωθεν τῆς θαλάττης.

19 Εἶτα μετὰ ταύτην Ἀδωνις ποταμὸς καὶ ὄρος Κλῆ-
μαξ καὶ Παλαίβυβλος· εἶθ' ὁ Λύκος ποταμὸς καὶ Βη-
C.756 ρυτός· αὕτη δὲ κατεσπάσθη μὲν ὑπὸ Τρύφωνος, ἀνε-
λήφθη δὲ νῦν ὑπὸ Ῥωμαίων, δεξαμένη δύο τάγματα ἃ
ἴδρυσεν Ἀγρίππας ἐνταῦθα προσθεὶς καὶ τοῦ Μασσίου
πολλήν μέχρι καὶ τῶν τοῦ Ὀρόντου πηγῶν, αἱ πλησίον 10
τοῦ τε Λιβάνου καὶ τοῦ Παραδείσου καὶ τοῦ Αἰγυπτίου
τείχους περὶ τὴν Ἀπαμέων γῆν εἰσι. ταῦτα μὲν οὖν τὰ
ἐπὶ θαλάττῃ.

20 Ὑπὲρ δὲ τοῦ Μασσίου ἐστὶν ὁ καλούμενος αὐλῶν
βασιλικὸς καὶ ἡ Δαμασκηνὴ χώρα διαφερόντως ἐπαι- 15
νουμένη· ἔστι δὲ καὶ ἡ Δαμασκὸς πόλις ἀξιόλογος,
σχεδόν τι καὶ ἐπιφανεστάτη τῶν ταύτῃ κατὰ τὰ Περ-
σικά· ὑπέρκεινται δ' αὐτῆς δύο λεγόμενοι λόφοι τρα-
χῶνες· ἔπειτα πρὸς τὰ Ἀράβων μέρη καὶ τῶν Ἰτου-
ραίων ἀναμῖξ ὄρη δύσβατα, ἐν οἷς καὶ σπήλαια βαθύ- 20
στομα, ὧν ἐν καὶ τετρακισχιλίους ἀνθρώπους δέξασθαι
δυνάμενον ἐν καταδρομαῖς, αἱ τοῖς Δαμασκηνοῖς γί-
νονται πολλαχόθεν. τὸ μέντοι πλεόν τοὺς ἀπὸ τῆς
εὐδαίμονος Ἀραβίας ἐμπόρους λεηλατοῦσιν οἱ βάρβα-
ροι· ἥττον δὲ συμβαίνει καταλυθέντων νυνὶ τῶν περὶ 25
Ζηνόδωρον ληστῶν διὰ τὴν ἐκ τῶν Ῥωμαίων εὐνομίαν
καὶ διὰ τὴν ἐκ τῶν στρατιωτῶν ἀσφάλειαν τῶν ἐν τῇ
Συρίᾳ τρεφομένων.

21 Ἀπασα μὲν οὖν ἡ ὑπὲρ τῆς Σελευκίδος ὥς ἐπὶ τὴν
Αἰγυπτον καὶ τὴν Ἀραβίαν ἀνίσχουσα χώρα κοίλη Συ- 30

ρία καλεῖται, ἰδίως δ' ἡ τῷ Λιβάνῳ καὶ τῷ Ἀντιλιβάνῳ ἀφωρισμένη. τῆς δὲ λοιπῆς ἡ μὲν ἀπὸ Ὀρθωσίας μέχρι Πηλουσίου παραλία Φοινίκη καλεῖται, στενὴ τις καὶ ἀλιτενής· ἡ δ' ὑπὲρ ταύτης μεσόγαια μέχρι τῶν Ἀρά-
5 βων ἡ μεταξὺ Γάξης καὶ Ἀντιλιβάνου Ἰουδαία λέγεται.

Ἐπεὶ οὖν τὴν ἰδίως λεγομένην κοίλην Συρίαν ἐπε- 22
ληλύθαμεν, ἐπὶ τὴν Φοινίκην μέτιμεν. ταύτης δὲ τὰ μὲν ἀπὸ Ὀρθωσίας μέχρι Βηρυτοῦ λόγου τετύχηκε. μετὰ δὲ Βηρυτὸν ἔστι Σιδῶν ὅσον ἐν τετρακοσίοις στα-
10 δίοις· μεταξὺ δὲ ὁ Ταμύρας ποταμὸς καὶ τὸ τοῦ Ἀσκλη-
πιοῦ ἄλσος καὶ Λεόντων πόλις. μετὰ δὲ Σιδῶνα μεγί-
στη τῶν Φοινίκων καὶ ἀρχαιοτάτη [πόλις] Τύρος ἐστίν, ἐνάμιλλος αὐτῇ κατὰ τε μέγεθος καὶ κατὰ τὴν ἐπιφά-
νειαν καὶ τὴν ἀρχαιότητα ἐκ πολλῶν μύθων παραδε-
15 δομένην. οἱ μὲν οὖν ποιηταὶ τὴν Σιδῶνα τεθρυλήκασι
μᾶλλον (Ὅμηρος δὲ οὐδὲ μέμνηται τῆς Τύρου), αἱ δ'
εἰς τὴν Λιβύην καὶ τὴν Ἰβηρίαν ἀποικίαι μέχρι καὶ ἔξω
στηλῶν τὴν Τύρον πλέον ἐξυμνοῦσιν. ἀμφοτέραι δ' οὖν
ἐνδοξοὶ καὶ λαμπραὶ καὶ πάλαι καὶ νῦν· ὁποτέραν δ'
20 ἂν τις εἴποι μητροπόλιν Φοινίκων ἔρις ἐν ἀμφοτέραις
ἐστίν. ἡ μὲν οὖν Σιδῶν ἐπὶ εὐφρεῖ λιμένι τῆς ἡπείρου
τὴν ἰδρυσιν ἔχει. Τύρος δ' ἐστὶν ὕλη νῆσος σχεδόν τι 23
συνφκισμένη παραπλησίως ὥσπερ ἡ Ἀραδος, συνῆ-
πται δὲ χώματι πρὸς τὴν ἡπειρον, ὃ κατεσκεύασε πο-
25 λιορκῶν Ἀλέξανδρος· δύο δ' ἔχει λιμένας τὸν μὲν
κλειστόν τὸν δ' ἀνειμένον, ὃν Αἰγύπτιον καλοῦσιν.
ἐνταῦθα δὲ φασὶ πολυστέγους τὰς οἰκίας * ὥστε καὶ
τῶν ἐν Πρώμῃ μᾶλλον· διὸ καὶ σεισμοὺς γενομένους
ἀπολιπεῖν μικρὸν τοῦ ἄρδην ἀφανίσαι τὴν πόλιν. ἡτύ-
30 χησε δὲ καὶ ὑπ' Ἀλεξάνδρου πολιορκία ληφθεῖσα·

ἀλλὰ τῶν τοιούτων συμφορῶν κατέστη κρείττων καὶ ἀνέλαβεν αὐτὴν τῇ τε ναυτιλίᾳ, καθ' ἣν ἀπάντων τῶν ἀεὶ κρείττους εἰσὶ κοινῇ Φοίνικες, καὶ τοῖς πορφυρεῖ-
οις· πολὺ γὰρ ἐξήτασται πασῶν ἡ Τυρία καλλίστη πορ-
φύρα· καὶ ἡ θήρα πλησίον καὶ τᾶλλα εὖπορα τὰ πρὸς 5
βαφὴν ἐπιτήδεια· καὶ δυσδιάγωγον μὲν ποιεῖ τὴν πό-
λιν ἡ πολυπληθία τῶν βαφείων, πλουσίαν δὲ διὰ τὴν
τοιαύτην ἀνδρείαν. οὐχ ὑπὸ τῶν βασιλέων δ' ἐκρίθη-
σαν αὐτόνομοι μόνον μικρὰ ἀναλώσαντες, ἀλλὰ καὶ
ὑπὸ τῶν Ῥωμαίων βεβαιωσάντων τὴν ἐκείνων γνώ- 10
μην. τιμᾶται δὲ καθ' ὑπερβολὴν Ἡρακλῆς ὑπ' αὐτῶν.
τῆς δὲ περὶ τὰς ναυστολίας δυνάμεως τὸ πλῆθος καὶ
τὸ μέγεθος τῶν ἀποικίδων ἐστὶ πόλεων τεκμήριον·
οὗτοι μὲν οὖν τοιοῦτοι.

- 24 Σιδωνιοὶ δὲ πολύτεχνοί τινες παραδέδονται καὶ 15
καλλίτεχνοι, καθάπερ καὶ ὁ ποιητὴς δηλοῖ· πρὸς δὲ καὶ
φιλόσοφοι περὶ τε ἀστρονομίαν καὶ ἀριθμητικὴν, ἀπὸ
τῆς λογιστικῆς ἀρξάμενοι καὶ τῆς νυκτιπλοίας· ἐμπο-
ρικὸν γὰρ καὶ ναυκληρικὸν ἐκάτερον· καθάπερ καὶ
τῶν Αἰγυπτίων εὔρεμα γεωμετρίαν φασὶν ἀπὸ τῆς χω- 20
ρομετρίας, ἣν ὁ Νεῖλος ἀπεργάζεται συγχέων τοὺς
ὄρους κατὰ τὰς ἀναβάσεις. τοῦτο μὲν οὖν παρ' Αἰ-
γυπτίων ἤκειν εἰς τοὺς Ἑλληνας πεπιστεύκασιν, ἀστρο-
νομίαν δὲ καὶ ἀριθμητικὴν παρὰ Φοινίκων· νυνὶ δὲ
πάσης καὶ τῆς ἄλλης φιλοσοφίας εὖπορίαν πολὺ πλεί- 25
στην λαβεῖν ἐστὶν ἐκ τούτων τῶν πόλεων· εἰ δὲ δεῖ
Ποσειδωνίῳ πιστεῦσαι, καὶ τὸ περὶ τῶν ἀτόμων δόγμα
παλαιὸν ἐστὶν ἀνδρὸς Σιδωνίου Μάχου πρὸ τῶν Τρωι-
κῶν χρόνων γεγονότος. τὰ μὲν οὖν παλαιὰ ἐάσθω·
καθ' ἡμᾶς δὲ ἐκ Σιδωνος μὲν ἐνδοξοὶ φιλόσοφοι γεγό- 30
νασι Βόηθος τε, ᾧ συνεφιλοσοφῆσαμεν ἡμεῖς τὰ Ἀρι-
στοτέλεια, καὶ Διόδωτος ἀδελφὸς αὐτοῦ· ἐκ Τύρου δὲ

Ἀντίπατρος καὶ μικρὸν πρὸ ἡμῶν Ἀπολλώνιος ὁ τὸν
 πίνακα ἐκθεῖς τῶν ἀπὸ Ζήνωνος φιλοσόφων καὶ τῶν
 βιβλίων. διέχει δὲ τῆς Σιδῶνος ἢ Τύρος οὐ πλείους τῶν
 διακοσίων σταδίων· ἐν δὲ τῷ μεταξὺ πολίχνιον Ὀρνί-C.758
 5 θων πόλις λεγομένη· εἴτα πρὸς Τύρῳ ποταμὸς ἐξίησι·
 μετὰ δὲ τὴν Τύρον ἢ Παλαίτυρος ἐν τριάκοντα στα-
 δίοις.

Εἰθ' ἡ Πτολεμαῖς ἐστὶ μεγάλη πόλις ἣν Ἀκην ὠνό- 25
 μαζον πρότερον, ἣ ἐχρῶντο ὀρμητηρίῳ πρὸς τὴν Αἴ-
 10 γυπτον οἱ Πέρσαι. μεταξὺ δὲ τῆς Ἀκῆς καὶ Τύρου θι-
 νώδης αἰγιαλὸς ἐστὶν ὁ φέρων τὴν ὑαλτὶν ἄμμον· ἐν-
 ταῦθα μὲν οὖν φασι μὴ χεῖσθαι, κομισθεῖσαν εἰς
 Σιδῶνα δὲ τὴν χωνεῖαν δέχεσθαι· τινὲς δὲ καὶ τοῖς Σι-
 δωνίοις εἶναι τὴν ὑαλτὶν ψάμμον ἐπιτηδεῖαν εἰς χύσιν,
 15 οἱ δὲ πᾶσαν πανταχοῦ χεῖσθαι φασιν. ἤκουσα δ' ἐν τῇ
 Ἀλεξανδρείᾳ παρὰ τῶν ὑαλουργῶν εἶναί τινα καὶ κατ'
 Αἰγυπτον ὑαλτὶν γῆν, ἥς χωρὶς οὐχ οἶόν τε τὰς πολυ-
 χροὺς καὶ πολυτελεῖς κατασκευὰς ἀποτελεσθῆναι,
 καθάπερ καὶ ἄλλοις ἄλλων μιγμάτων δεῖν· καὶ ἐν
 20 Ῥώμῃ δὲ πολλὰ παρευρίσκεσθαι φασι καὶ πρὸς τὰς
 χροὰς καὶ πρὸς τὴν ῥαστώνην τῆς κατασκευῆς, καθά-
 περ ἐπὶ τῶν κρυσταλλοφανῶν· ὅπου γε καὶ τρύβλιον
 χαλκοῦ πρίσθαι καὶ ἐκπωμάτιον ἐστίν.

Ἱστορεῖται δὲ παράδοξον πάθος τῶν πάνυ σπα- 26
 25 νίων κατὰ τὸν αἰγιαλὸν τοῦτον τὸν μεταξὺ τῆς τε Τύ-
 ρου καὶ τῆς Πτολεμαίδος. καθ' ὃν γὰρ καιρὸν οἱ Πτο-
 λεμαεῖς μάχην συνάψαντες πρὸς Σαρπηδόνα τὸν στρα-
 τηγὸν ἐλείφθησαν ἐν τῷ τόπῳ τούτῳ τροπῆς γενομέ-
 νης λαμπρᾶς, ἐπέκλυσεν ἐκ τοῦ πελάγους κύμα τοὺς
 30 φεύγοντας ὅμοιον πλημμυρίδι, καὶ τοὺς μὲν εἰς τὸ πέ-
 λαγος ἀπήρπασε καὶ διέφθειρεν, οἱ δ' ἐν τοῖς κοίλοις
 τόποις ἔμειναν νεκροί· διαδεξαμένη δὲ ἡ ἄμπωτις πά-

λιν ἀνεκάλυψε καὶ ἔδειξε τὰ σώματα τῶν κειμένων ἀναμῖξ ἐν νεκροῖς ἰχθύσι. τοιαῦτα δὲ καὶ περὶ τὸ Κάσιον συμβαίνει τὸ πρὸς Αἰγύπτῳ, σπασμῷ τινι ὅξει καὶ ἀπλῶ περιπιπτούσης τῆς γῆς καὶ εἰς ἐκάτερον μεταβαλλομένης ἅπαξ, ὥστε τὸ μὲν μετεωρισθὲν αὐτῆς 5 μέρος ἐπαγαγεῖν τὴν θάλατταν, τὸ δὲ συνιζῆσαν δέξασθαι, τραπομένης δὲ τὴν ἀρχαίαν πάλιν ἔδραν ἀπολαβεῖν τὸν τόπον, τοτὲ μὲν οὖν καὶ ἐξαλλάξεώς τινος γενομένης τοτὲ δ' οὖ, τάχα καὶ περιόδοις τισὶν ἐνδεδεμένων τῶν τοιούτων παθῶν ἀδήλοις ἡμῖν, καθάπερ 10 τοῦτο καὶ ἐπὶ τῶν κατὰ τὸν Νεῖλον ἀναβάσεων λέγεται διαφόρων γινομένων, ἄδηλον δὲ τὴν τάξιν ἔχουσῶν.

27 Μετὰ δὲ τὴν Ἀκην Στράτωνος πύργος πρόσορμον ἔχων. μεταξὺ δὲ ὅ τε Κάρμηλος τὸ ὄρος καὶ πολυχνίων ὀνόματα, πλεόν δ' οὐδέν, Συκαμίνων πόλις, 15 Βουκόλων καὶ Κροκοδείλων πόλις καὶ ἄλλα τοιαῦτα· εἶτα δρυμὸς μέγας τις.

U.759 28 Εἶτα Ἰόπη, καθ' ἣν ἡ ἀπὸ τῆς Αἰγύπτου παραλία σημειωδῶς ἐπὶ τὴν ἄρκτον κάμπτεται, πρότερον ἐπὶ τὴν ἑω τεταμένη. ἐνταῦθα δὲ μυθεύουσιν τινες τὴν Ἀν- 20 δρομέδαν ἐκτεθῆναι τῷ κήτει· ἐν ὕψει δὲ ἐστὶν ἱκανῶς τὸ χωρίον ὥστ' ἀφορᾶσθαι φασιν ἀπ' αὐτοῦ τὰ Ἱεροσόλυμα τὴν τῶν Ἰουδαίων μητρόπολιν· καὶ δὴ καὶ ἐπινείῳ τούτῳ κέχρηται καταβάντες μέχρι θαλάττης οἱ Ἰουδαῖοι· τὰ δ' ἐπίνεια τῶν ληστῶν ληστήρια 25 δῆλον ὅτι ἐστί. τούτων δὲ καὶ ὁ Κάρμηλος ὑπῆρξε καὶ ὁ δρυμὸς· καὶ δὴ καὶ εὐάνδρησεν οὗτος ὁ τόπος, ὥστ' ἐκ τῆς πλησίον κώμης Ἰαμνείας καὶ τῶν κατοικιῶν τῶν κύκλῳ τέτταρας μυριάδας ὀπλίξασθαι. εἰσὶ δ' ἐντεῦθεν εἰς τὸ Κάσιον τὸ πρὸς Πηλουσίῳ μικρῷ πλείους 30 ἢ χίλιοι στάδιοι, τριακόσιοι δ' ἄλλοι πρὸς αὐτὸ τὸ Πηλούσιον.

Ἐν δὲ τῷ μεταξὺ καὶ ἡ Γαδαρίς ἐστίν, ἣν καὶ αὐ- 29
τὴν ἐξειδιάσαντο οἱ Ἰουδαῖοι· εἴτ' Ἀζωτὸς καὶ Ἀσκά-
λων. ἀπὸ δὲ Ἰαμνείας εἰς Ἀζωτὸν καὶ Ἀσκάλωνά εἰσιν
ὅσον διακόσιοι σταδίοι. κρομμυὼν τ' ἀγαθὸς ἐστίν ἡ
5 χάρα τῶν Ἀσκαλωνιτῶν, πόλισμα δὲ μικρόν. ἐντεῦθεν
ἦν Ἀντίοχος ὁ φιλόσοφος μικρὸν πρὸ ἡμῶν γεγονώς.
ἐκ δὲ τῶν Γαδάρων Φιλόδημός τε ὁ Ἐπικούρειος καὶ
Μελέαργος καὶ Μένιππος ὁ σπουδογέλοιος καὶ Θεόδω-
ρος ὁ καθ' ἡμᾶς ῥήτωρ.

10 Εἴθ' ὁ τῶν Γαζάων λιμὴν πλησίον· ὑπέρκειται 30
δὲ καὶ ἡ πόλις ἐν ἑπτὰ σταδίοις, ἐνδοξὸς ποτε γενο-
μένη, κατεσπασμένη δ' ὑπὸ Ἀλεξάνδρου καὶ μένουσα
ἐρημος. ἐντεῦθεν δ' ὑπέρβασις λέγεται χιλίων διακο-
σίων ἐξήκοντα σταδίων εἰς Αἴλανα πόλιν ἐπὶ τῷ μυχῶ
15 τοῦ Ἀραβίου κόλπου κειμένην· διττὸς δ' ἐστίν, ὁ μὲν
ἔχων εἰς τὸ πρὸς τῇ Ἀραβίᾳ καὶ τῇ Γάζῃ μέρος, ὃν Αἰ-
λανίτην προσαγορεύουσιν ἀπὸ τῆς ἐν αὐτῷ πόλεως, ὁ
δ' εἰς τὸ πρὸς Αἰγύπτῳ κατὰ τὴν Ἡρώων πόλιν, εἰς ὃν
ἐκ Πηλουσίου ἡ ὑπέρθεσις ἐπιτομωτέρα· δι' ἐρήμων
20 δὲ καὶ ἀμμοδῶν χωρίων αἱ ὑπερβάσεις ἐπὶ καμήλων·
πολὺ δὲ καὶ τὸ τῶν ἐρπετῶν ἐν αὐταῖς πλήθος.

Μετὰ δὲ Γάζαν Ῥαφία, ἐν ἣ μάχη συνέβη Πτολε- 31
μαίῳ τε τῷ τετάρτῳ καὶ Ἀντιόχῳ τῷ Μεγάλῳ. εἴτα
Ῥινοκόρουρα, ἀπὸ τῶν εἰσρωτισμένων ἐκεῖ τὸ παλαιὸν
25 ἀνθρώπων ἡκρωτηριασμένων τὰς ῥίνας οὕτω καλου-
μένη· τῶν γὰρ Αἰθιοπῶν τις ἐπελθὼν ἐπὶ τὴν Αἴγυ-
πτον ἀντὶ τοῦ ἀναιρεῖν τοὺς κακούργους ἀποτέμνων
τὰς ῥίνας ἐνταῦθα κατῴκισεν, ὥς οὐκ ἂν ἔτι τολμήσου-
τας κακουργεῖν διὰ τὴν αἰσχύνην τῆς ὀψεως.

30 Καὶ αὐτὴ μὲν οὖν ἡ ἀπὸ Γάζης λυπρὰ πᾶσα [καὶ] 32

ἀμμώδης· ἔτι δὲ μᾶλλον τοιαύτη ἡ ἐφεξῆς ὑπερκει-
C.760 μένη, ἔχουσα τὴν Σιρβωνίδα λίμνην παράλληλόν πως
τῇ θαλάττῃ μικρὰν δίοδον ἀπολείπουσαν μεταξὺ μέχρι
τοῦ ἐκρήγματος καλουμένου, μήκος ὅσον διακοσίων
σταδίων, πλάτος δὲ τὸ μέγιστον πεντήκοντα· τὸ δ' 5
ἐκρήγμα συγκέχωσται. εἶτα συνεχῆς ἄλλη τοιαύτη ἡ
ἐπὶ τὸ Κάσιον, κακεῖθεν ἐπὶ τὸ Πηλούσιον.

- 33 Ἔστι δὲ τὸ Κάσιον θινώδης τις λόφος ἀκρωτηριά-
ζων ἄνυδρος, ὅπου τὸ Πομπηίου τοῦ Μάγνου σῶμα
κεῖται καὶ Διός ἐστιν ἱερὸν Κασίου· πλησίον δὲ καὶ 10
ἐσφάγη ὁ Μάγνος δολοφονηθεὶς ὑπὸ τῶν Αἰγυπτίων.
εἴθ' ἡ ἐπὶ Πηλούσιον ὁδός, ἐν ᾗ τὰ Γέρρα καὶ ὁ Χα-
βρίου λεγόμενος χάραξ καὶ τὰ πρὸς τῷ Πηλουσίῳ βάρ-
ραθρα ἃ ποιεῖ παρεκχεόμενος ὁ Νεῖλος, φύσει κοίλων
καὶ ἐλωδῶν ὄντων τῶν τόπων. 15

Τοιαύτη μὲν ἡ Φοινίκη. φησὶ δ' Ἀρτεμίδωρος εἰς
τὸ Πηλούσιον ἐκ μὲν Ὀρθωσίας εἶναι σταδίους τριςχι-
λίους ἑξακοσίους πεντήκοντα κατακολπίζοντι· ἐκ δὲ
Μελαινῶν ἢ Μελανιῶν τῆς Κιλικίας τῶν πρὸς Κελέν-
δεριν ἐπὶ μὲν τὰ μεθόρια τῆς Κιλικίας καὶ Συρίας χι- 20
λίους καὶ ἑνακοσίους· ἐντεῦθεν δ' ἐπὶ τὸν Ὀρόντην
πεντακοσίους εἰκοσιν· εἴτ' ἐπὶ Ὀρθωσίαν χιλίους ἑκα-
τὸν τριάκοντα.

- 34 Τῆς δ' Ἰουδαίας τὰ μὲν ἐσπέρια ἄκρα τὰ πρὸς τῷ
Κασίῳ κατέχουσιν Ἰδουμαῖοι τε καὶ ἡ λίμνη. Ναβα- 25
ταῖοι δ' εἰσὶν οἱ Ἰδουμαῖοι, κατὰ στάσιν δ' ἐκπεσόν-
τες ἐκεῖθεν προσεχώρησαν τοῖς Ἰουδαίοις καὶ τῶν νο-
μίων τῶν αὐτῶν ἐκείνοις ἐκοινώνησαν· πρὸς θαλάττῃ
δὲ ἡ Σιρβωνὶς τὰ πολλὰ κατέχει καὶ ἡ συνεχῆς μέχρι
καὶ Ἱεροσολύμων· καὶ γὰρ ταῦτα πρὸς θαλάττῃ ἐστίν· 30
ἀπὸ γὰρ τοῦ ἐπινηείου τῆς Ἰόπης εἴρηται ὅτι ἐστὶν ἐν
ὄψει· ταῦτα μὲν προσάρακτα· τὰ πολλὰ δ' ὡς ἕκαστα

ἐστὶν ὑπὸ φύλων οἰκούμενα μικτῶν ἐκ τε Αἰγυπτίων
ἐθνῶν καὶ Ἀραβίων καὶ Φοινίκων· τοιοῦτοι γὰρ οἱ
τὴν Γαλιλαίαν ἔχοντες καὶ τὸν Ἱερικουῦντα καὶ τὴν Φι-
λαδέλφειαν καὶ Σαμάρειαν, ἣν Ἡρώδης Σεβαστὴν
5 ἐπωνόμασεν. οὕτω δ' ὄντων μιγάδων ἡ κρατούσα μά-
λιστα φήμη τῶν περὶ τὸ ἱερὸν τὸ ἐν τοῖς Ἱεροσολύμοις
πιστευομένων Αἰγυπτίους ἀποφαίνει τοὺς προγόνους
τῶν νῦν Ἰουδαίων λεγομένων.

Μωσῆς γὰρ τις τῶν Αἰγυπτίων λερέων ἔχων τι μέ- 35
10 ρος τῆς [κάτω] καλουμένης χώρας, ἀπῆρεν ἐκεῖσε ἐν-
θένδε δυσχεράνας τὰ καθεστῶτα, καὶ συνεξῆραν αὐ-
τῷ πολλοὶ τιμῶντες τὸ θεῖον. ἔφη γὰρ ἐκεῖνος καὶ ἐδί-
δασκεν, ὥς οὐκ ὀρθῶς φρονοῖεν οἱ Αἰγύπτιοι θηρίοις
εἰκάζοντες καὶ βοσκήμασι τὸ θεῖον, οὐδ' οἱ Αἰβυες·
15 οὐκ εὖ δὲ οὐδ' οἱ Ἕλληνες ἀνθρωπομόρφους τυποῦν-
τες· εἴη γὰρ ἐν τοῦτο μόνον θεὸς τὸ περιέχον ἡμᾶς^{C.761}
ἅπαντας καὶ γῆν καὶ θάλατταν, ὃ καλοῦμεν οὐρανὸν
καὶ κόσμον καὶ τὴν τῶν ὄντων φύσιν. τούτου δὴ τίς
ἂν εἰκόνα πλάττειν θαρρήσειε νοῦν ἔχων ὁμοίαν τινὶ
20 τῶν παρ' ἡμῖν; ἀλλ' ἔαν δεῖν πᾶσαν ξοανοποιίαν, τέ-
μενοῖς [δ'] ἀφορίσαντας καὶ σηκὸν ἀξιόλογον τιμᾶν
ἔδους χωρὶς. ἐγκοιμᾶσθαι δὲ καὶ αὐτοὺς ὑπὲρ ἑαυτῶν
καὶ ὑπὲρ τῶν ἄλλων ἄλλους τοὺς εὐνείρους· καὶ
προσδοκᾶν δεῖν ἀγαθὸν παρὰ τοῦ θεοῦ καὶ δῶρον ἀεὶ
25 τι καὶ σημεῖον τοὺς σωφρόνως ζῶντας καὶ μετὰ δικαιο-
σύνης, τοὺς δ' ἄλλους μὴ προσδοκᾶν.

Ἐκεῖνος μὲν οὖν τοιαῦτα λέγων ἔπεισεν εὐγνώ- 36
μονας ἄνδρας οὐκ ὀλίγους καὶ ἀπήγαγεν ἐπὶ τὸν τόπον
τοῦτον, ὅπου νῦν ἐστὶ τὸ ἐν τοῖς Ἱεροσολύμοις κτίσμα.
30 κατέσχε δὲ ῥαδίως οὐκ ἐπίφθονον ὄν τὸ χωρίον οὐδ'
ὑπὲρ οὗ ἂν τις ἐσπουδασμένως μαχέσασαιτο· ἐστὶ γὰρ
πετρῶδες, αὐτὸ μὲν εὐὕδρον τὴν δὲ κυκλῶ χάραν

ἔχον λυπρὰν καὶ ἄνυδρον, τὴν δ' ἐντὸς ἐξήκοντα σταδίων καὶ ὑπόπετρον. ἅμα δ' ἀντὶ τῶν ὀπλῶν τὰ λεγὰ προὔβάλλετο καὶ τὸ θεῖον, ἵδρυσιν τούτου ζητεῖν ἀξιῶν, καὶ τῶν ἐκείνου ἐκτετακέντων τοιοῦτον σεβασμὸν καὶ δαπάναις ὀχλή- 5
σει τοὺς χρωμένους οὔτε θεοφορίαις οὔτε ἄλλαις πραγματείαις ἀτόποις. οὗτος μὲν οὖν εὐδοκιμήσας τούτοις συνεστήσατο ἀρχὴν οὐ τὴν τυχοῦσαν, ἀπάντων προσχωρησάντων ῥαδίως τῶν κύκλῳ διὰ τὴν ὁμιλίαν καὶ τὰ προτεινόμενα. 10

37 Οἱ δὲ διαδεξάμενοι χρόνους μὲν τινας ἐν τοῖς αὐτοῖς διέμενον δικαιοπραγοῦντες καὶ θεοσεβεῖς ὡς ἀληθῶς ὄντες, ἔπειτ' ἐφίσταμένων ἐπὶ τὴν λερωσύνην τὸ μὲν πρῶτον δεισιδαιμόνων, ἔπειτα τυραννικῶν ἀνθρώπων, ἐκ μὲν τῆς δεισιδαιμονίας αἱ τῶν βρωμάτων 15 ἀποσχέσεις, ὥνπερ καὶ νῦν ἔθος ἐστὶν αὐτοῖς ἀπέχεσθαι, καὶ [αἱ] περιτομαὶ καὶ αἱ ἐκτομαὶ καὶ εἴ τινα τοιαῦτα ἐνομίσθη, ἐκ δὲ τῶν τυραννίδων τὰ ληστήρια. οἱ μὲν γὰρ ἀφιστάμενοι τὴν χώραν ἐκάκουν καὶ αὐτὴν καὶ τὴν γειτνιῶσαν, οἱ δὲ συμπράττοντες τοῖς ἄρχουσι 20 καθήρπαζον τὰ ἀλλότρια καὶ τῆς Συρίας κατεστρέφοντο καὶ τῆς Φοινίκης πολλήν. ἦν δ' ὅμως εὐπρέπεια τις περὶ τὴν ἀκρόπολιν αὐτῶν, οὐχ ὡς τυραννεῖον βδελυττομένων, ἀλλ' ὡς λερὸν σεμνυνόντων καὶ σεβομένων. 25

38 Πέφυκε γὰρ οὕτω καὶ κοινόν ἐστι τοῦτο καὶ τοῖς Ἑλλήσι καὶ τοῖς βαρβάροις. πολιτικοὶ γὰρ ὄντες ἀπὸ προστάγματος κοινοῦ ζῶσιν· ἄλλως γὰρ οὐχ οἷόν τε τοὺς πολλοὺς ἐν τι καὶ ταὐτὸ ποιεῖν ἡρμωσμένως ἀλλήλοις, ὅπερ ἦν τὸ πολιτεύεσθαι, καὶ ἄλλως πῶς νέμειν 30 βίον κοινόν. τὸ δὲ πρόσταγμα διττόν, ἢ γὰρ παρὰ C.762 θεῶν ἢ παρὰ ἀνθρώπων· καὶ οἱ γε ἄρχαῖοι τὸ παρὰ

τῶν θεῶν ἐπρέσβευον μᾶλλον καὶ ἐσέμνυνον, καὶ διὰ
 τοῦτο καὶ ὁ χρηστηριαζόμενος ἦν τότε πολὺς καὶ τρέ-
 χων εἰς μὲν Δωδώνην, ὅπως „ἐκ θρυῶς ὑψικόμοιο
 „Διὸς βουλὴν ἐπακούσῃ,“ συμβούλῳ τῷ Διὶ χρῶμενος,
 5 εἰς δὲ Δελφοὺς „τὸν ἐκτεθέντα παῖδα μαστεύων μα-
 „θεῖν, εἰ μὴ κέτ' εἴῃ,“ αὐτὸς δ' ὁ παῖς „ἔστειχε τοὺς
 „τεκόντας ἐκμαθεῖν θέλων πρὸς δῶμα Φοῖβου.“ καὶ
 ὁ Μίνως παρὰ τοῖς Κρησὶν „ἐννέωρος βασίλευε Διὸς
 „μεγάλου ὀαριστῆς,“ δι' ἐννέα ἔτων, ὥς φησι Πλά-
 10 των, ἀναβαίνων ἐπὶ τὸ ἄντρον τοῦ Διὸς καὶ παρ' ἐκεί-
 νου τὰ προστάγματα λαμβάνων καὶ παρακομίζων εἰς
 τοὺς ἀνθρώπους. τὰ δ' ὅμοια ἐποiei καὶ Λυκοῦργος ὁ
 ζηλωτῆς αὐτοῦ· πυκνὰ γάρ, ὥς ἔοικεν, ἀποδημῶν
 ἐπνυνθάνετο παρὰ τῆς Πυθίας ἃ προσῆκεν παραγγέλ-
 15 λειν τοῖς Λακεδαιμονίοις. ταῦτα γὰρ ὅπως ποτὲ ἀλη- 39
 θείας ἔχει, παρὰ γε τοῖς ἀνθρώποις ἐπεπίστευτο καὶ
 ἐνενομίστο, καὶ διὰ τοῦτο καὶ οἱ μάντις ἐτιμῶντο
 ὥστε καὶ βασιλείας ἀξιοῦσθαι, ὥς τὰ παρὰ τῶν θεῶν
 ἡμῖν ἐκφέροντες παραγγέλματα καὶ ἐπανορθώματα καὶ
 20 ῥῶντες καὶ ἀποθανόντες· τοιοῦτος δὲ ὁ Ἀμφιάρεως
 καὶ ὁ Τροφώνιος καὶ [ὁ] Ὀρφεὺς καὶ ὁ Μουσαῖος καὶ ὁ
 παρὰ τοῖς Γέταις θεός, τὸ μὲν παλαιὸν Ζάμολξις Πν-
 θαγόρειός τις, καθ' ἡμᾶς δὲ ὁ τῷ Βυρεβίστῃ θεσπίζων
 Δεκαῖνεος· παρὰ δὲ τοῖς Βοσπορηνοῖς Ἀχαῖναρος,
 25 παρὰ δὲ τοῖς Ἰνδοῖς οἱ γυμνοσοφισταί, παρὰ δὲ τοῖς
 Πέρσαις οἱ μάγοι καὶ νεκρομάντις καὶ ἔτι οἱ λεγόμε-
 νοι λεκανομάντις καὶ ὑδρομάντις, παρὰ δὲ τοῖς Ἀσσυ-
 ρίοις οἱ Χαλδαῖοι, παρὰ δὲ τοῖς Ῥωμαίοις οἱ Τυρρηγι-
 κολοῖωνοσκόποι. τοιοῦτος δὲ τις ἦν καὶ ὁ Μωσῆς καὶ

20. post ἀποθανόντες: καθάπερ καὶ ὁ Τειρεσίας, „τῷ καὶ
 „τεθνήσκει νόον πόρε Περσεφόνεια οἴῳ πεπνύσθαι· τοὶ δὲ
 „σικιὰ ἀίσσουσι.“

οἱ διαδεξάμενοι ἐκείνον, τὰς μὲν ἀρχὰς λαβόντες οὐ φάυλας ἐκτραπόμενοι δ' ἐπὶ τὸ χεῖρον.

40 Ἦδη δ' οὖν φανερώς τυραννουμένης τῆς Ἰουδαίας
 πρῶτος ἀνθ' ἱερέως ἀνέδειξεν ἑαυτὸν βασιλέα Ἀλέ-
 ξανδρος· τούτου δ' ἦσαν υἱοὶ Ἰρκανός τε καὶ Ἀριστό- 5
 βουλος· διαφερομένων δὲ περὶ τῆς ἀρχῆς, ἐπῆλθε
 Πομπήιος καὶ κατέλυσεν αὐτοὺς καὶ τὰ ἐρύματα αὐ-
 τῶν κατέσπασε καὶ αὐτὰ ἐν πρώτοις τὰ Ἱεροσόλυμα
 βία καταλαβὼν· ἦν γὰρ πετρωδὲς καὶ εὐερκὲς ἔρυμα,
 C.763 ἐντὸς μὲν εὐνδρον ἐκτὸς δὲ παντελῶς διψηρόν, τὰ- 10
 φρον λατομητὴν ἔχον βάθος μὲν ἐξήκοντα ποδῶν, πλά-
 τος δὲ πεντήκοντα καὶ διακοσίων· ἐκ δὲ τοῦ λίθου τοῦ
 λατομηθέντος ἐπεπύργωτο τὸ τεῖχος τοῦ ἱεροῦ. κατε-
 λάβετο δ', ὥς φασι, τηρήσας τὴν τῆς νηστείας ἡμέραν,
 ἡνίκα ἀπείχοντο οἱ Ἰουδαῖοι παντὸς ἔργου, πληρώσας 15
 τὴν τάφρον καὶ ἐπιβαλὼν τὰς διαβάθρας· κατασπά-
 σαι δ' οὖν ἐκέλευσε τὰ τεῖχη πάντα καὶ ἀνείλεν εἰς δύ-
 ναμιν τὰ ληστήρια καὶ τὰ γαζοφυλάκια τῶν τυράννων.
 ἦν δὲ δύο μὲν τὰ ταῖς εἰσβολαῖς ἐπικείμενα τοῦ Ἱερι-
 κούντος Θορήξ τε καὶ Ταῦρος, ἄλλα δὲ Ἀλεξάνδριόν 20
 τε καὶ Ἰρκανίον καὶ Μαχαιροῦς καὶ Λυσιάς καὶ τὰ
 περὶ τὴν Φιλαδέλφειαν καὶ ἡ περὶ Γαλιλαίαν Σκυθό-
 πολις.

41 Ἱερικοῦς δ' ἐστὶ πεδίον κύκλῳ περιεχόμενον ὀρεινῇ
 τινι καὶ πον καὶ θεατροειδῶς πρὸς αὐτὸ κεκλιμένη· 25
 ἐνταῦθα δ' ἐστὶν ὁ φοινικῶν, μεμιγμένην ἔχων καὶ
 ἄλλην ὕλην ἡμερον καὶ εὐκαρπον, πλεονάζων δὲ τῷ
 φοίνικι, ἐπὶ μῆκος σταδίων ἑκατόν, διάρρυντος ἅπας
 καὶ μεστὸς κατοικιῶν· ἔστι δ' αὐτοῦ καὶ βασιλείον καὶ
 ὁ τοῦ βαλσάμου παράδεισος· ἔστι δὲ τὸ φυτὸν θια- 30
 μνωδὲς, κυτρίσῳ ἑοικὸς καὶ τερμίνθῳ, ἀρωματίζον· οὗ
 τὸν φλοιὸν ἐπισχίσαντες ὑπολαμβάνουσιν ἀγγεῖοις τὸν

ὁπὸν γλίσχρῳ γάλακτι παραπλήσιον· ἀναληφθεὶς δ' εἰς κογχάρια λαμβάνει πῆξιν· λύει δὲ κεφαλαλγίας θανυμαστῶς καὶ ὑποχύσεις ἀρχομένας καὶ ἀμβλυωπίας· τίμιος οὖν ἐστὶ καὶ διότι ἐνταῦθα μόνον γεννᾶται· καὶ
 5 ὁ φοινικῶν δὲ τοιοῦτος, ἔχων τὸν καρυωτὸν φοινικῆς ἐνταῦθα μόνον, πλήν τοῦ Βαβυλωνίου καὶ τοῦ ἐπέ-
 κεινα πρὸς τὴν ἔω· μεγάλη οὖν ἀπ' αὐτῶν ἡ πρόσο-
 δος· καὶ τῷ ξυλοβαλσάμῳ δὲ ὥς ἀρώματι χρῶνται.

Ἡ δὲ Σιρβωνὶς λίμνη πολλὴ μὲν ἐστὶ· καὶ γὰρ χι- 42
 10 λίων σταδίων εἰρήκασί τινες τὸν κύκλον· τῇ μέντοι
 παραλίᾳ παρεκτέταται μικρῷ τι πλεόντων διακοσίῳ
 σταδίων μῆκος ἐπιλαμβάνουσα, ἀγχιβαθής, βαρύντα-
 τον ἔχουσα ὕδωρ, ὥστε μὴ δεῖν κολύμβου, ἀλλὰ τὸν
 ἐμβάντα καὶ μέχρι ὀμφαλοῦ εὐθὺς ἐξαίρεσθαι· μεστὴ
 15 δ' ἐστὶν ἀσφάλτου· αὕτη δὲ ἀναφυσᾷται κατὰ καιροῦς
 ἀτάκτους ἐκ μέσου τοῦ βάθους μετὰ πομπολύγων ὥς
 ἂν ζέοντος ὕδατος· κυρτουμένη δ' ἡ ἐπιφάνεια λόφου
 φαντασίαν παρέχει· συναναφέρεται δὲ καὶ ἄσβολος
 πολλή, καπνώδης μὲν πρὸς δὲ τὴν ὕψιν ἄδηλος, ὅφ'
 20 ἥς κατιοῦται καὶ χαλκὸς καὶ ἄργυρος καὶ πᾶν τὸ στίλ-
 πνὸν μέχρι καὶ χρυσοῦ· ἀπὸ δὲ τοῦ κατιοῦσθαι τὰ
 σκεύη γνωρίζουσιν οἱ περιρικοῦντες ἀρχομένην τὴν
 ἀναβολὴν τοῦ ἀσφάλτου, καὶ παρασκευάζονται πρὸς
 τὴν μεταλλείαν αὐτοῦ, ποιησάμενοι σχεδίας καλαμί-
 25 νας· ἐστὶ δ' ἡ ἄσφαλτος γῆς βῶλος, ὑγραιομένη μὲν C.764
 ὑπὸ θερμοῦ καὶ ἀναφυσωμένη καὶ διαχεομένη, πάλιν
 δὲ μεταβάλλουσα εἰς πάγον ἰσχυρὸν ὑπὸ τοῦ ψυχροῦ
 ὕδατος, οἷόν ἐστι τὸ τῆς λίμνης υδωρ, ὥστε τομῆς καὶ
 κοπῆς δεῖσθαι· εἴτ' ἐπιπολάζουσα διὰ τὴν φύσιν τοῦ
 30 ὕδατος, καθ' ἣν ἔφαμεν μηδὲ κολύμβου δεῖσθαι, μηδὲ

βαπτίζεσθαι τὸν ἐμβάντα ἀλλ' ἐξαίρεσθαι· προσπλεύσαντες δὲ ταῖς σχεδίαις κόπτουσι καὶ φέρονται τῆς ἀσφάλτου ὅσον ἕκαστος δύναται.

- 43 Τὸ μὲν οὖν συμβαῖνον τοιοῦτον· γόητας δὲ ὄντας σκήπτεσθαι φησιν ἐπ' ὧδας ὁ Ποσειδώνιος τοὺς ἀνθρώ- 5
πους καὶ οὖρα καὶ ἄλλα δυσώδη ὑγρά, ἃ περικαταχέ-
αντας καὶ ἐκπιάσαντας πῆττειν τὴν ἀσφαλτον, εἴτα τέμνειν· εἰ μὴ τίς ἐστὶν ἐπιτηδειότης τῶν οὖρων τοι-
αύτη, καθάπερ καὶ ἐν ταῖς κύστεσι τῶν λιθιῶντων,
καὶ ἐκ τῶν παιδικῶν οὖρων ἢ χρυσόκολλα συνίσταται· 10
ἐν μέσῃ δὲ τῇ λίμνῃ τὸ πάθος συμβαίνειν εὐλογον, ὅτι
καὶ ἡ πηγὴ τοῦ πυρὸς καὶ τῆς ἀσφάλτου κατὰ μέσον
ἐστὶ καὶ τὸ πληθὺς· ἄτακτος δὲ ἡ ἀναφύσησις, ὅτι καὶ
ἡ τοῦ πυρὸς κίνησις οὐκ ἔχει τάξιν ἡμῖν φανεράν,
ὥσπερ καὶ ἄλλων πνευμάτων πολλῶν. τοιαῦτα δὲ καὶ 15
τὰ ἐν Ἀπολλωνίᾳ τῇ Ἑπειρώτιδι.

- 44 Τοῦ δ' ἐμπυρον τὴν χώραν εἶναι καὶ ἄλλα τεκμή-
ρια φέρουσι πολλά· καὶ γὰρ πέτρας τινὰς ἐπικεκαυμέ-
νας δεικνύουσι τραχείας περὶ Μοασάδα καὶ σήραγγας
πολλαχοῦ καὶ γῆν τεφρώδη, σταγόνας τε πίττης ἐκ 20
λίσσάδων λειβομένας καὶ δυσώδεις πόρρωθεν ποτα-
μοὺς ζέοντας, κατοικίας τε ἀνατετραμμένας σποράδην·
ὥστε πιστεύειν τοῖς θρυλουμένοις ὑπὸ τῶν ἐγχωρίων,
ὡς ἄρα ὦκοῦντό ποτε τρισκαίδεκα πόλεις ἐνταῦθα, ὧν
τῆς μητροπόλεως Σοδόμων σῶζοιτο κύκλος ἐξήκοντά 25
που σταδίῳ· ὑπὸ δὲ σεισμῶν καὶ ἀναφυσημάτων
πυρὸς καὶ θερμῶν ὑδάτων ἀσφαλτωδῶν τε καὶ θειω-
δῶν ἢ λίμνη προπέσοι καὶ [α] πέτραι πυρίληπτοι γέ-
νοιντο, αἳ τε πόλεις αἱ μὲν καταποθεῖεν, ἃς δ' ἐκλί-
ποιεν οἱ δυνάμενοι φυγεῖν. Ἐρατοσθένους δὲ φησι 30
τὰναντία, λιμναξούσης τῆς χώρας ἐκρήγμασιν ἀνακα-
λυφθῆναι τὴν πλείστην, καθάπερ τὴν Θερταλίαν.

Ἔστι δὲ καὶ ἐν τῇ Γαδαρίδι ὕδωρ μοχθηρὸν λι- 45
μναῖον, οὗ τὰ γευσάμενα κτήνη τρίχας καὶ ὀπλὰς καὶ
κέρατα ἀποβάλλει. ἐν δὲ ταῖς καλονύκταις ταριχεύαις
ἡ λίμνη μὲν ταριχεύας ἰχθύων ἀστείας παρέχει, φύει δὲ
5 δένδρα καρποφόρα μηλέαις ἐμφορῇ· χρῶνται δ' Αἰ-
γύπτιοι τῇ ἀσφάλτῳ πρὸς τὰς ταριχεύας τῶν νεκρῶν.

Πομπήσιος μὲν οὖν περικόψας τινὰ τῶν ἐξειδιασθέν- 46
των ὑπὸ τῶν Ἰουδαίων κατὰ βίαν ἀπέδειξεν Ὑρκανῶ C.765
τὴν ἱερωσύνην· τῶν δ' ἀπὸ γένους τις ὕστερον Ἡρώ-
10 δης, ἀνὴρ ἐπιχώριος, παραδύς εἰς τὴν ἱερωσύνην το-
σοῦτον διήνεγκε τῶν πρὸ αὐτοῦ καὶ μάλιστα τῇ πρὸς
Ῥωμαίους ὁμιλίᾳ καὶ πολιτείᾳ, ὥστε καὶ βασιλεὺς ἐχρη-
μάτισε, δόντος τὸ μὲν πρῶτον Ἀντωνίου τὴν ἐξουσίαν
ὕστερον δὲ καὶ Καίσαρος τοῦ Σεβαστοῦ· τῶν δ' υἱῶν
15 τοὺς μὲν αὐτὸς ἀνείλεν ὥς ἐπιβουλεύσαντας αὐτῷ,
τοὺς δὲ τελευτῶν διαδόχους ἀπέλιπε μερίδας αὐτοῖς
ἀποδούς. Καίσαρ δὲ καὶ τοὺς υἱοὺς ἐτίμησε τοῦ Ἡρώ-
δου καὶ τὴν ἀδελφὴν Σαλώμην καὶ τὴν ταύτης θυγα-
τέρα Βερενίκην· οὐ μέντοι εὐτύχησαν οἱ παῖδες, ἀλλ'
20 ἐν αἰτίαις ἐγένοντο, καὶ ὁ μὲν ἐν φυγῇ διετέλει παρὰ
τοῖς Ἀλλόβριξι Γαλάταις λαβὼν οἴκησιν, οἱ δὲ θερα-
πείᾳ πολλῇ μόλις εὗροντο κάθοδον, τετραρχίας ἀπο-
δειχθείσης ἑκατέρῳ.

Ἐπέρκειται δὲ τῆς Ἰουδαίας καὶ τῆς κοίλης Συρίας 3
25 μέχρι Βαβυλωνίας καὶ τῆς τοῦ Εὐφράτου ποταμίας
πρὸς νότον Ἀραβία πᾶσα χωρὶς τῶν ἐν τῇ Μεσοποτα-
μίᾳ σκηνιτῶν. περὶ μὲν οὖν τῆς Μεσοποταμίας καὶ
τῶν νεμομένων αὐτὴν ἔθνων εἰρηται· τὰ δὲ πέραν τοῦ
Εὐφράτου τὰ μὲν πρὸς ταῖς ἐκβολαῖς αὐτοῦ νέμονται
30 Βαβυλώνιοι καὶ τὸ τῶν Χαλδαίων ἔθνος (εἰρηται δὲ
περὶ τούτων), τὰ δ' ἐξῆς τῆς Μεσοποταμίας μέχρι κοί-
λης Συρίας, τὸ μὲν πλησιάζον τῷ ποταμῷ * καὶ τὴν

Μεσοποταμίαν σκηνῖται κατέχουσιν Ἀραβες, δυνα-
στείας ἀποτετμημένοι μικρὰς ἐν λυπροῖς χωρίοις διὰ
τὰς ἀννδρίας, γεωργοῦντες μὲν ἢ οὐδὲν ἢ μικρά, νο-
μὰς δὲ ἔχοντες παντοδαπῶν θρεμμάτων καὶ μάλιστα
καμήλων· ὑπὲρ δὲ τούτων ἔρημός ἐστι πολλή· τὰ δὲ 5
τούτων ἔτι νοτιώτερα ἔχουσιν οἱ τὴν εὐδαίμονα καλου-
μένην Ἀραβίαν οἰκοῦντες. ταύτης δὲ τὸ μὲν προσάρ-
κτιον πλευρὸν ἢ λεχθεῖσά ἐστιν ἔρημος, τὸ δ' ἑῶον ὁ
Περσικὸς κόλπος, τὸ δὲ ἐσπέριον ὁ Ἀράβιος, τὸ δὲ
νότιον ἢ μεγάλη θάλαττα ἢ ἔξω τῶν κόλπων ἀμφοῖν, 10
ἣν ἅπασαν Ἐρυθρὰν καλοῦσιν.

2 Ὁ μὲν οὖν Περσικὸς κόλπος λέγεται καὶ ἡ κατὰ
Πέρσας θάλαττα. φησὶ δὲ περὶ αὐτῆς Ἐρατοσθένης
οὕτως, ὅτι τὸ μὲν στόμα φησὶν εἶναι στενὸν οὕτως
ὥστ' ἔξ' Ἀρμόξοντος, τῆς Καρμανίας ἀκρωτηρίου, τῆς 15
Ἀραβίας ἀφορᾷται τὸ ἐν Μάκαις· ἀπὸ δὲ τοῦ στόμα-
τος ἢ ἐν δεξιᾷ παραλία περιφερῆς οὖσα κατ' ἀρχὰς μὲν
ἀπὸ τῆς Καρμανίας πρὸς ἕω μικρὸν, εἴτα πρὸς ἄρκτον
νεύει, καὶ μετὰ ταῦτα πρὸς τὴν ἐσπέραν μέχρι Τερη-
δόνος καὶ τῆς ἐκβολῆς τοῦ Εὐφράτου· περιέχει δὲ τὴν 20
τε Καρμανίων παραλίαν καὶ τὴν Περσῶν καὶ Σουσίων
C.766 καὶ Βαβυλωνίων ἀπὸ μέρους, ὅσον μυρίων οὖσα στα-
δίων· περὶ ὧν καὶ ἡμεῖς εἰρήκαμεν· τὸ δ' ἐντεῦθεν
ἔξῃς ἐπὶ τὸ στόμα πάλιν ἄλλοι τοσοῦτοι, καθάπερ καὶ
Ἀνδροσθένης λέγειν φησὶ τὸν Θάσιον, τὸν καὶ Νεάρχω 25
συμπλεύσαντα καθ' αὐτόν· ὥστε δῆλον ἐκ τού-
των εἶναι διότι μικρὸν ἀπολείπεται τῷ μεγέθει τῆς
κατὰ τὸν Εὐξείνου θαλάττης αὕτη ἢ θάλαττα· λεγειν
δὲ φησιν ἐκείνον περιπεπλευκότα στόλῳ τὸν κόλπον,
ὅτι ἀπὸ Τερηδόνος ἔξῃς ἐν δεξιᾷ ἔχοντι τὴν ἡπειρον ὁ 30
παράπλους ἔχει προκειμένην νῆσον Ἰκαρον, καὶ ἱερὸν
Ἀπόλλωνος ἄγιον ἐν αὐτῇ καὶ μαντεῖον Ταυροπόλου.

Παραπλεύσαντι δὲ τῆς Ἀραβίας εἰς δισχιλίους καὶ 3
 τετρακοσίους σταδίους ἐν βαθεῖ κόλπῳ κεῖται πόλις
 Γέρρα, Χαλδαίων φυγάδων ἐκ Βαβυλῶνος οἰκούντων
 γῆν ἄλμυρίδα καὶ ἐχόντων ἄλινας τὰς οἰκίας. ἐπεὶ δὲ
 5 λεπίδες τῶν ἄλῶν ἀφιστάμεναι κατὰ τὴν ἐπὶ καυσὶν τὴν
 ἐκ τῶν ἡλίων συνεχεῖς ἀποπίπτουσι, καταρραίνοντες
 ὕδασι πυκνὰ τοὺς τοίχους συνέχουσι. διέχει δὲ τῆς θα-
 λάττης διακοσίους σταδίους ἢ πόλις· πεζέμποροι δ'
 εἰσὶν οἱ Γερραῖοι τὸ πλέον τῶν Ἀραβίων φορτίων καὶ
 10 ἄρωμάτων. Ἀριστόβουλος δὲ τοῦναντίον φησὶ τοὺς
 Γερραίους τὰ πολλὰ σχεδία εἰς τὴν Βαβυλωνίαν ἐμ-
 πορεύεσθαι, ἐκεῖθεν δὲ τῷ Εὐφράτῃ τὰ φορτία ἀνα-
 πλεῖν εἰς Θάψακον, εἴτα πεζῇ κομίζεσθαι πάντη.

Πλεύσαντι δ' ἐπὶ πλέον ἄλλαι νῆσοι Τύρος καὶ 4
 15 Ἀραδος εἰσὶν, ἱερὰ ἔχουσαι τοῖς Φοινικικοῖς ὅμοια· καὶ
 φασὶ γε οἱ ἐν αὐταῖς οἰκοῦντες τὰς ὁμωνύμους τῶν
 Φοινίκων νήσους καὶ πόλεις ἀποίκους ἑαυτῶν. διέ-
 χουσι δὲ αἱ νῆσοι αὗται Τερηδόνης μὲν δεχήμερον
 πλοῦν, τῆς δὲ κατὰ τὸ στόμα ἄκρας τῆς ἐν Μάκαις
 20 ἡμερήσιον.

Ἀπὸ δὲ τῆς Καρμανίας εἰρήκασι καὶ Νέαρχος καὶ 5
 Ὁρθαγόρας νῆσον Ὠγυριν κεῖσθαι πρὸς νότον πελα-
 γίαν ἐν δισχιλίῳ σταδίῳ, ἐν ᾗ τάφος Ἐρύθρα δει-
 κνυται, χῶμα μέγα ἀγροῖς φοῖνιξι κατάφυτον· τοῦ-
 25 τον δὲ βασιλεῦσαι τῶν τέπων καὶ ἀπ' αὐτοῦ τὴν θά-
 λατταν ἐπάννυμον καταλιπεῖν· δηλῶσαι δὲ ταῦτά φησιν
 αὐτοῖς Μιθρωπάστην τὸν Ἀρσίτου τοῦ Φρυγίας σα-
 τράπην, φυγόντα μὲν Δαρεῖον, διατρίψαντα δ' ἐν τῇ
 νήσῳ, συμμίσξαντα δὲ αὐτοῖς καταχθεῖσιν εἰς τὸν Περ-
 30 σικὸν κόλπον καὶ ζητοῦντα καθ' ὁδὸν δι' αὐτῶν εἰς τὴν
 οἰκίαν.

Καθ' ὅλην δὲ τὴν τῆς Ἐρυθρᾶς παραλίαν κατὰ 6

βυθοῦ φύεται δένδρα ὅμοια δάφνη καὶ ἐλαία, ταῖς μὲν ἀμπώτεσιν ὅλα ὑπερφανῇ γινόμενα, ταῖς δὲ πλημμυρίσιν ἔσθ' ὅτε ὅλα καλυπτόμενα, καὶ ταῦτα τῆς ὑπερκειμένης γῆς ἀδένδρου οὔσης, ὥστε ἐπιτείνεσθαι τὸ
 0.767 παράδοξον. περὶ μὲν οὖν τῆς κατὰ Πέρσας θαλάττης, 5
 ἣν ἑώαν πλευρὰν ἔφαμεν εἶναι τῆς εὐδαίμονος Ἀραβίας, τοιαῦτα εἶρηκεν Ἑρατοσθένης.

7 Φησὶ δ' ὁ Νέαρχος τὸν Μιθρωπάστην ἐντυχεῖν αὐτοῖς μετὰ Μαξήνου· τὸν δὲ Μαξήνην ἐπάρχειν νήσου τινὸς τῶν ἐν τῷ Περσικῷ κόλπῳ· καλεῖσθαι δὲ τὴν 10 νῆσον Ὀάρακτα· εἰς ταύτην δὲ τὸν Μιθρωπάστην καταφυρόντα ξενίας τυχεῖν κατὰ τὴν ἐξ Ὠγύριος γενομένην ἄφοδον, καὶ δὴ καὶ συνελθεῖν τῷ Μαξήνῃ συσταθισόμενον τοῖς ἐν τῷ στόλῳ Μακεδόσι, τὸν δὲ Μαξήνην καὶ καθηγεμόνα τοῦ πλοῦ γενέσθαι. λέγει δὲ καὶ 15 ἐν ἀρχῇ τοῦ Περσικοῦ παράπλου νῆσον, ἐν ἣ μαργαρίτης πολλὺς καὶ πολυτίμητός ἐστιν, ἐν ἄλλαις δὲ ψῆφοι τῶν διανγῶν καὶ λαμπρῶν· ἐν δὲ ταῖς πρὸ τοῦ Εὐφράτου νήσοις δένδρα φύεσθαι λιβάνου πνέοντα, ὧν τὰς ρίζας κλωμένων ὁπὸν ρεῖν· παγούρων δὲ καὶ ἐλί-20 νων μεγέθη, ὅπερ κοινὸν ἐν πάσῃ τῇ ἔξω θαλάττῃ· τοὺς μὲν γὰρ εἶναι μεῖζους κανσίων, τοὺς δὲ καὶ δικτύλους· ἐποκεῖλαν δὲ κῆτος ἰδεῖν πεντήκοντα πηχῶν.

14 Ἀρχὴ δὲ τῆς Ἀραβίας ἀπὸ τῆς Βαβυλωνίας ἐστὶν ἡ Μαικήνη· πρόκειται δὲ ταύτης τῇ μὲν ἡ ἔρημος τῶν 25 Ἀράβων τῇ δὲ τὰ ἔλη τὰ κατὰ Χαλδαίους, ἃ ποιεῖ παρεκχεόμενος ὁ Εὐφράτης, τῇ δὲ ἡ κατὰ Πέρσας θάλαττα. δυσάερος [δὲ] οὔσα καὶ ὀμιχλώδης καὶ ἐπομβρος ἅμα καὶ κανματηρά, καλλίκαρπός ἐστιν ὅμως· ἡ δ' ἄμπελος ἐν ἔλεσι φύεται, καλαμίναις ριπὴν ἐπιβαλλο-30 μένης γῆς, ὅση δέξαιτ' ἂν τὸ φυτόν, ὥστε φορητὴν

γίνεσθαι πολλάκις, εἴτα κοντοῖς ἀπωθεῖσθαι πάλιν εἰς τὴν οἰκίαν ἔδραν.

Ἐπάνειμι δὲ ἐπὶ τὰς Ἑρατοσθένους ἀποφάσεις 2
 ἃς ἐξῆς περὶ τῆς Ἀραβίας ἐκτίθεται. φησὶ δὲ περὶ τῆς
 5 προσαρκτίου καὶ ἐρήμης ἣτις ἐστὶ μεταξὺ τῆς τε εὐ-
 δαίμονος Ἀραβίας καὶ τῆς Κοιλοσύρων καὶ τῶν Ἰου-
 δαίων μέχρι τοῦ μυχοῦ τοῦ Ἀραβίου κόλπου, διότι ἀπὸ
 Ἡρώων πόλεως, ἣτις ἐστὶν [ἐν τῷ] πρὸς τὸν Νεῖλον μυχῶ
 τοῦ Ἀραβίου κόλπου, πρὸς μὲν τὴν Ναβαταίων Πέτραν
 10 εἰς Βαβυλῶνα πεντακισχίλιοι ἑξακόσιοι, πᾶσα μὲν πρὸς
 ἀνατολὰς θερινάς, διὰ δὲ τῶν παρακειμένων Ἀραβίων
 ἔθνων Ναβαταίων τε καὶ Χανλοταίων καὶ Ἀγραίων·
 ὑπὲρ δὲ τούτων ἡ εὐδαίμων ἐστίν, ἐπὶ μυρίους καὶ
 δισχιλίους ἐκκειμένη σταδίους πρὸς νότον μέχρι τοῦ
 15 Ἀτλαντικοῦ πελάγους. ἔχουσι δ' αὐτὴν οἱ μὲν πρῶτοι
 μετὰ τοὺς Σύρους καὶ τοὺς Ἰουδαίους ἄνθρωποι γεωρ-
 γοί· μετὰ δὲ τούτους διάμμός ἐστι γῆ καὶ λυπρά, φοί-
 νικας ἔχουσα ὀλίγους καὶ ἄκανθαν καὶ μυρίκην καὶ
 ὀρυκτὰ ὕδατα, καθάπερ καὶ ἡ Γεδρωσία· σκηνῖται δ'
 20 ἔχουσιν αὐτὴν Ἀραβες καὶ καμηλοβοσκοί. τὰ δ' ἔσχατα C.768
 πρὸς νότον καὶ ἀνταίρουτα τῇ Αἰθιοπία βρέχεται τε
 θερينوῖς ὄμβροις καὶ δισπορεῖται παραπλησίως τῇ Ἰν-
 δικῇ. ποταμοὺς δ' ἔχει καταναλισκομένους εἰς πεδία
 καὶ λίμνας, εὐκαρπία δ' ἐστὶν ἢ τε ἄλλη καὶ μελιτουρ-
 25 γεῖα δαψιλῇ, βοσκημάτων τε ἀφθονία πλὴν ἵππων καὶ
 ἡμιόνων καὶ ὄων, ὄρνεά τε παντοῖα πλὴν χηνῶν καὶ
 ἀλεκτοριδῶν. κατοικεῖ δὲ τὰ μέγιστα τέτταρα ἔθνη τὴν
 ἐσχάτην λεχθεῖσαν χώραν, Μιναῖοι μὲν ἐν τῷ πρὸς
 τὴν Ἐρυθρὰν μέρει, πόλις δ' αὐτῶν ἡ μεγίστη Κάρνα
 30 ἢ Κάρνανα· ἐχόμενοι δὲ τούτων Σαβαῖοι, μητρόπολις
 δ' αὐτῶν Μαρίαβα· τρίτοι δὲ Κατταβανεῖς καθήκον-
 τες πρὸς τὰ στενὰ καὶ τὴν διάβασιν τοῦ Ἀραβίου κόλ-
 STRABO III. 17

πον, τὸ δὲ βασιλείον αὐτῶν Τάμνα καλεῖται· πρὸς ἔω δὲ μάλιστα Χατραμωτῖται, πόλιν δ' ἔχουσι Σάβαταν.

- 3 Μοναρχοῦνται δὲ πᾶσαι καὶ εἰσὶν εὐδαίμονες, κατεσκευασμένοι καλῶς ἱεροῖς τε καὶ βασιλείοις, αἱ τε οἰκίαι ταῖς Αἰγυπτίαις εἰκόνασι κατὰ τὴν τῶν ξύλων ἐν- 5 δεσιν· χώραν δ' ἐπέχουσιν οἱ τέτταρες νομοὶ μείζω τοῦ κατ' Αἴγυπτον Δέλτα· διαδέχεται δὲ τὴν βασιλείαν οὐ παῖς παρὰ πατρός, ἀλλ' ὃς ἂν πρῶτος γεννηθῇ τινι τῶν ἐπιφανῶν παῖς μετὰ τὴν κατάστασιν τοῦ βασι- 10 λέως· ἅμα γὰρ τῷ κατασταθῆναί τινα εἰς τὴν ἀρχὴν 10 ἀναγράφονται τὰς ἐγκύους γυναικας τῶν ἐπιφανῶν ἀνδρῶν καὶ ἐφιστᾷσι φύλακας, ἥτις [δ'] ἂν πρώτη τέκῃ, τὸν ταύτης υἱὸν νόμος ἐστὶν ἀναληφθέντα τρέφεισθαι βασιλικῶς ὡς διαδεξόμενον.

- 4 Φέρει δὲ λιβανωτὸν μὲν ἡ Κατταβανία, σμύρναν 15 δὲ ἡ Χατραμωτῖτις· καὶ ταῦτά τε καὶ τὰ ἄλλα ἀρώματα μεταβάλλονται τοῖς ἐμπόροις. ἔρχονται δὲ πρὸς αὐτοὺς ἐξ Αἰλάνων μὲν εἰς Μιναίαν ἐν ἑβδομήκοντα ἡμέραις· ἔστι δ' ἡ Αἶλανα πόλις ἐν θατέρῳ μυχῷ τοῦ Ἀραβίου κόλπου τῷ κατὰ Γάζαν, τῷ Αἰλανίτῃ καλουμένῳ, κα- 20 θάπερ εἰρήκαμεν· Γερραῖοι δ' εἰς τὴν Χατραμωτῖτιν ἐν τετταράκοντα ἡμέραις ἀφικνοῦνται. τοῦ δ' Ἀραβίου κόλπου τὸ μὲν παρὰ τὴν Ἀραβίαν πλευρὸν ἀρχομένοις ἀπὸ τοῦ Αἰλανίτου μυχοῦ, καθάπερ οἱ περὶ Ἀλέξαν- 25 δρον ἀνέγραψαν καὶ Ἀναξικράτης, μυριάων καὶ τετρα- 25 κισχιλίων σταδίων ἐστίν· εἰρηται δὲ ἐπὶ πλέον. τὸ δὲ κατὰ τὴν Τρωγλοδυτικὴν, ὅπερ ἐστὶν ἐν δεξιᾷ ἀπο- πλέουσιν ἀπὸ Ἡρώων πόλεως, μέχρι μὲν Πτολεμαῖδος καὶ τῆς τῶν ἐλεφάντων θήρας ἐνακισχίλιοι πρὸς με- 30 σημβρίαν στάδιοι καὶ μικρὸν ἐπὶ τὴν ἔω· ἐντεῦθεν δὲ 30 μέχρι τῶν στενῶν ὡς τετρακισχίλιοι καὶ πεντακόσιοι 30 C.769 πρὸς τὴν ἔω μᾶλλον. ποιεῖ δὲ ἄκρα τὰ στενὰ πρὸς τὴν

Αἰθιοπίαν Δειρὴν καλουμένην, καὶ πολίχνιον ὁμώνυμον αὐτῇ· κατοικοῦσι δὲ ἰχθυοφάγοι. καὶ φασιν ἐνταῦθα στήλην εἶναι Σεσώστριος τοῦ Αἰγυπτίου μηνύουσαν ἱεροῖς γράμμασι τὴν διάβασιν αὐτοῦ· φαίνεται γὰρ 5 τὴν Αἰθιοπίδα καὶ τὴν Τρωγλοδυτικὴν πρῶτος καταστρεψάμενος οὗτος, εἶτα διαβάς εἰς τὴν Ἀραβίαν κἀντεῦθεν τὴν Ἀσίαν ἐπελθὼν τὴν σύμπασαν· διὸ δὴ πολλαχοῦ Σεσώστριος χάρακες προσαγορεύονται, καὶ ἀφιδρύματά ἐστιν Αἰγυπτίων θεῶν ἱερῶν. τὰ δὲ κατὰ 10 Δειρὴν στενὰ συνάγεται εἰς σταδίους ἐξήκοντα· οὐ μὴν ταῦτά γε καλεῖται νυνὶ στενὰ, ἀλλὰ προσπλεύσασιν ἀπωτέρω, καθὼς τὸ μὲν διάρμα ἐστὶ τὸ μεταξὺ τῶν ἡπείρων διακοσίων που σταδίων, ἔξ δὲ νῆσοι συνεχεῖς ἀλλήλαις τὸ διάρμα ἐκπληροῦσαι στενοὺς τελέως διὰ- 15 πλους ἀπολείπουσι, δι' ὧν σχεδὶς τὰ φορτία κομίζουσι δεῦρο κἀκεῖσε, καὶ λέγουσι ταῦτα στενὰ. μετὰ δὲ τὰς νήσους ὁ ἐξῆς πλοῦς ἐστὶν ἐγκολπίζουσι παρὰ τὴν σμυρνοφόρον ἐπὶ τὴν μεσημβρίαν ἅμα καὶ τὴν ἕω μέχρι πρὸς τὴν τὸ κιννάμωμον φέρουσαν, ὅσον πεν- 20 τακισχιλίων σταδίων· πέρα δὲ ταύτης οὐδένα ἀφ᾽ ἵχθαι φησι μέχρι νῦν. πόλεις δ' ἐν μὲν τῇ παραλίᾳ μὴ πολλὰς εἶναι, κατὰ δὲ τὴν μεσόγαιαν πολλὰς οἰκουμένας καλῶς. τὰ μὲν δὴ τοῦ Ἑρατοσθένους περὶ τῆς Ἀραβίας τοιαῦτα· προσθετέον δὲ καὶ τὰ παρὰ τῶν ἄλλων.

25 Φησὶ δ' Ἀρτεμίδωρος τὸ ἀντικείμενον ἐκ τῆς 5 Ἀραβίας ἀκρωτήριον τῇ Δειρῇ καλεῖσθαι * Ἀκίλαν· τοὺς δὲ περὶ τὴν Δειρὴν κολοβοὺς εἶναι τὰς βαλάνους. ἀπὸ δὲ Ἡρώων πόλεως πλέουσι κατὰ τὴν Τρωγλοδυτικὴν πόλιν εἶναι Φιλωτέραν ἀπὸ τῆς ἀδελφῆς τοῦ δευ- 30 τέρου Πτολεμαίου προσαγορευθεῖσαν, Σατύρου κτίσμα τοῦ πεμφθέντος ἐπὶ τὴν διερεύνησιν τῆς τῶν ἐλεφάντων θήρας καὶ τῆς Τρωγλοδυτικῆς· εἶτα ἄλλην πόλιν

Ἄρσινόνην· εἶτα θερμοῶν ὑδάτων ἐκβολὰς πικρῶν καὶ ἄλμυρῶν, κατὰ πέτρας τινὸς ὑψηλῆς ἐκδιδόντων εἰς τὴν θάλατταν, καὶ πλησίον ὅρος ἐστὶν ἐν πεδίῳ μι-
τῶδες· εἶτα Μυὸς ὄρμον ὃν καὶ Ἀφροδίτης ὄρμον καλεῖσθαι, λιμένα μέγαν, τὸν εἰσπλοῦν ἔχοντα σκο- 5
λίον· προκεῖσθαι δὲ νήσους τρεῖς, δύο μὲν ἐλαίαις κα-
τασκίους, μίαν δ' ἥττον κατὰσκιον, μελεαγρίδων με-
στήν· εἰθ' ἐξῆς τὸν Ἀκάθαρτον κόλπον καὶ αὐτὸν κατὰ τὴν Θηβαΐδα κείμενον, καθάπερ τὸν Μυὸς ὄρμον, ὄντως δὲ ἀκάθαρτον· καὶ γὰρ ὑφάλοις χοιράσι καὶ 10
ῥαχίαις ἐκτετράχυνται καὶ πνοιαῖς καταιγιζούσαις τὸ
C.770πλέον. ἐνταῦθα δὲ ἰδρῦσθαι Βερενίκην πόλιν ἐν βάρθει τοῦ κόλπου.

6 Μετὰ δὲ τὸν κόλπον ἡ Ὀφριάδης καλουμένη νῆσος ἀπὸ τοῦ συμβεβηκότος, ἣν ἡλευθέρωσε τῶν ἐρπετῶν 15
ὁ βασιλεὺς, ἅμα καὶ διὰ τὰς φθοράς τῶν προσορμιζο-
μένων ἀνθρώπων τὰς ἐκ τῶν θηρίων καὶ διὰ τὰ τοπά-
ξια. λίθος δὲ ἐστὶ διαφανὴς χρυσοειδὲς ἀποστίλβων
φέγγος, ὅσον μεθ' ἡμέραν μὲν οὐ ῥαδίον ἰδεῖν ἐστὶ
(ὑπεραυγεῖται γάρ), νύκτωρ δ' ὁρῶσιν οἱ συλλέγον- 20
τες· περικαθάψαντες δὲ ἀγγεῖον σημείου χάριν μεθ'
ἡμέραν ἀνορύττουσι· καὶ ἦν σύστημα ἀνθρώπων ἀπο-
δεδειγμένων εἰς τὴν φυλακὴν τῆς λιθείας ταύτης καὶ
τὴν συναγωγὴν, σιταρχούμενον ὑπὸ τῶν τῆς Αἰγύπτου
βασιλέων.

25

7 Μετὰ δὲ τὴν νῆσον ταύτην πολλὰ ἐστὶν ἰχθυοφά-
γων γένη καὶ νομάδων· εἰθ' ὁ τῆς Σωτείρας λιμὴν, ὃν
ἐκ κινδύνων μεγάλων τινὲς σωθέντες τῶν ἡγεμόνων
ἀπὸ τοῦ συμβεβηκότος οὕτως ἐκάλεσαν. μετὰ δὲ ταῦτα
ἐξάλλαξις πολλὴ τῆς παραλίας καὶ τοῦ κόλπου· τὸν 30
γὰρ παράπλοον οὐκέτι συμβαίνει τραχὺν εἶναι, συνά-
πτειν τέ πως τῇ Ἀραβίᾳ καὶ τὸ πέλαγος ταπεινὸν εἶναι

- σχεδόν τι καὶ ἐπὶ δύο ὀργυιάς, ποάξειν τε τὴν ἐπιφά-
 νειαν διαφαινομένου τοῦ μνίου καὶ τοῦ φύκους ὅπερ
 πλεονάζει κατὰ τὸν πόρον, ὅπου γε καὶ δένδρα φύεται
 καθ' ὕδατος παρὰ τοῖς ἐνταῦθα· ἔχει δὲ καὶ κινῶν
 5 πλήθος τῶν θαλαττίων ὁ πόρος· εἶθ' οἱ Ταῦροι, δύο
 ὄρη τύπον τινὰ πόρρωθεν δεικνύντα τοῖς ζώοις ὁμοιον·
 εἴτ' ἄλλο ὄρος ἱερὸν ἔχον τῆς Ἰσιδος, Σεσώστριος ἀφί-
 δρυμα· εἶτα νῆσος ἐλαία κατάφυτος ἐπικλυζομένη,
 μεθ' ἣν ἡ Πτολεμαῖς πρὸς τῇ θήρᾳ τῶν ἐλεφάντων,
 10 κτίσμα Εὐμήδους τοῦ πεμφθέντος ἐπὶ τὴν θήραν ὑπὸ
 Φιλαδέλφου, λάθρᾳ περιβαλομένου χειρρονήσῳ τινὶ
 τάφρῳ καὶ περὶβολῳ, εἴτ' ἐκθεραπεύσαντος τοὺς κω-
 λύνοντας καὶ κατεσκευασμένον φίλους ἀντὶ δυσμενῶν.
 Ἐν δὲ τῷ μεταξὺ ἐκδίδωσιν ἀπόσπασμα τοῦ Ἄστα- 8
 15 βόρα καλουμένου ποταμοῦ, ὃς ἐκ λίμνης τὴν ἀρχὴν
 ἔχων μέρος μὲν τι ἐκδίδωσι, τὸ δὲ πλεόν συμβάλλει τῷ
 Νείλῳ· εἶτα νῆσοι ἕξ Λατομίαι καλούμεναι· καὶ μετὰ
 ταῦτα τὸ Σαβαίτικόν στόμα λεγόμενον καὶ ἐν τῇ μεσο-
 γαίᾳ φρούριον, Τοσοῦχον ἵδρυμα· εἶτα λιμὴν καλού-
 20 μενος Ἐλαία καὶ ἡ Στράτωνος νῆσος· εἶτα λιμὴν Σαβὰ
 καὶ κυνήγιον ἐλεφάντων ὁμώνυμον αὐτῷ· ἡ δ' ἐν βά-
 θει τούτων χώρα Τηνεσίς λέγεται· ἔχουσι δ' αὐτὴν
 οἱ παρὰ Ψαμμιτίχου φυγάδες Αἰγυπτίων· ἐπονομά-
 ζονται δὲ Σεμβρίται, ὥς ἂν ἐπήλυδες· βασιλεύονται δ' C.771
 25 ὑπὸ γυναικός, ὅφ' ἦν ἐστὶ καὶ ἡ Μερόη, πλησίον τῶν
 τόπων οὕσα τούτων ἐν τῷ Νείλῳ νῆσος, ὑπὲρ ἧς ἄλλη
 ἐστὶ νῆσος οὐ πολὺ ἄπωθεν ἐν τῷ ποταμῷ, κατοικία
 τῶν αὐτῶν τούτων φυγάδων. ἀπὸ δὲ Μερόης ἐπὶ
 τήνδε τὴν θάλατταν εὐζώνῳ ὁδὸς ἡμερῶν πεντεκαί-
 30 δεκα. περὶ δὲ τὴν Μερόην καὶ ἡ συμβολὴ τοῦ τε Ἄστα-
 βόρα καὶ τοῦ Ἀστάπου καὶ ἐτι τοῦ Ἀστασύβα πρὸς τὸν
 Νεῖλον.

- 9 Παροικοῦσι δὲ τούτοις οἱ ῥιζοφάγοι καὶ ἔλαιοι
 προσαγορευόμενοι διὰ τὸ ἐκ τοῦ παρακειμένου ῥιζοτο-
 μοῦντας ἔλους κόπτειν λίθοις καὶ ἀναπλάττειν μάζας,
 ἡλιάσαντας δὲ σιτεῖσθαι· λεοντοβότα δ' ἐστὶ τὰ χωρία·
 ταῖς δ' ὑπὸ κυνὸς ἐπιτολὴν ἡμέραις ὑπὸ κωνόπων με- 5
 γάλων ἐξελαύνεται τὰ θηρία ἐκ τῶν τόπων· εἰδὶ δὲ καὶ
 σπερμοφάγοι πλησίον, οἱ τῶν σπερμάτων ἐπιλιπόντων
 ὑπὸ τῶν ἀκροδρύων τρέφονται, σκευάζοντες παραπλη-
 σίως ὥσπερ τὰς ῥίξας οἱ ῥιζοφάγοι. μετὰ δὲ τὴν Ἐλαίαν
 αἱ Δημητρίου σκοπιαὶ καὶ βωμοὶ Κόνωνος· ἐν δὲ τῇ 10
 μεσογαίᾳ καλάμων Ἰνδικῶν φύεται πλῆθος· καλεῖται
 δὲ ἡ χώρα Κορακίου· ἣν δὲ τις ἐν βάθει Ἐνδέρᾳ γυ-
 μνητῶν ἀνθρώπων κατοικία, τόξοις χρωμένων καλα-
 μίνοις καὶ πεπυρακτωμένοις οἰστοῖς· ἀπὸ δένδρων δὲ
 τοξεύουσι τὰ θηρία τὸ πλεόν, ἔστι δ' ὅτε καὶ ἀπὸ γῆς· 15
 πολὺ δ' ἐστὶ παρ' αὐτοῖς πλῆθος τῶν ἀγρίων βοῶν·
 ἀπὸ δὲ τῆς τούτων καὶ τῶν ἄλλων θηρίων κρεοφαγίας
 ζῶσιν, ἐπὰν δὲ μηδὲν θηρεύσωσι, τὰ ξηρὰ δέρματα ἐπ'
 ἀνθρακιᾷς ὀπτῶντες ἀρκοῦνται τῇ τοιαύτῃ τροφῇ.
 ἔθος δ' ἐστὶν αὐτοῖς ἀγῶνα τοξείας προτιθέναι τοῖς 20
 ἀνήβοις παισὶ. μετὰ δὲ τοὺς Κόνωνος βωμοὺς ὁ Μήλι-
 νος λιμὴν· ὑπέρεκειται δ' αὐτοῦ φρούριον Κοράου κα-
 λούμενον καὶ κυνήγιον τοῦ Κοράου καὶ ἄλλο φρούριον
 καὶ κυνήγια πλείω· εἶτα ὁ Ἀντιφίλου λιμὴν καὶ οἱ
 ὑπὲρ τούτου κρεοφάγοι, κολοβοὶ τὰς βαλάνους καὶ αἱ 25
 γυναικες ἰουδαϊκῶς ἐκτετμημέναι.
- 10 Ἔτι δ' ὑπὲρ τούτων ὡς πρὸς μεσημβρίαν οἱ κυνα-
 μολγοί, ὑπὸ δὲ τῶν ἐντοπίων ἄγριοι καλούμενοι, κα-
 τάκομοι, καταπώγωνες, κύνας ἐκτρέφοντες εὐμεγέθεις,
 οἷς θηρεύουσι τοὺς ἐπερχομένους ἐκ τῆς πλησιοχώρου 30
 βόας Ἰνδικούς, εἰθ' ὑπὸ θηρίων ἐξελαυνομένους εἴτε
 σπάνει νομῆς· ἡ δ' ἔφοδος αὐτῶν ἀπὸ θερυνῶν τρο-

πῶν μέχρι μέσου χειμῶνος. τῷ δ' Ἀντιφίλου λιμένι
 ἐξῆς ἔστι λιμὴν καλούμενος κολοβῶν ἄλσος καὶ Βερ-
 νίκη πόλις ἡ κατὰ Σαβάς καὶ Σαβαί, πόλις εὐμεγέθης,
 εἴτα τὸ τοῦ Εὐμένους ἄλσος. ὑπέρκειται δὲ πόλις Δά-
 5 ραδα καὶ κυνήγιον ἐλεφάντων τὸ πρὸς τῷ φρέατι κα-
 λούμενον· κατοικοῦσι δ' ἐλεφαντοφάγοι, τὴν θήραν
 ποιοῦμενοι τοιαύτην· ἀπὸ τῶν δένδρων ἰδόντες ἀγέ- C.772
 λην διὰ τοῦ δρυμοῦ φερομένην τῇ μὲν οὐκ ἐπιτίθενται,
 τοὺς δ' ἀποπλανηθέντας ἐκ τῶν ὕπισθεν λάθρα προσ-
 10 ἰόντες νευροκοποῦσι· τινὲς δὲ καὶ τοξεύμασιν ἀναι-
 ροῦσιν αὐτοὺς χολῇ βεβαμμένοις ὕφρων· ἡ δὲ τοξεία
 διὰ τριῶν ἀνδρῶν συντελεῖται, τῶν μὲν κατεχόντων
 τὸ τόξον καὶ προβεβηκότων τοῖς ποσὶ, τοῦ δ' ἔλκοντος
 τὴν νευράν· ἄλλοι δὲ σημειωσάμενοι τὰ δένδρα οἷς
 15 εἰώθασι προσαναπαύεσθαι, προσιόντες ἐκ θατέρου
 μέρους τὸ στέλεχος ὑποκόπτουσιν· ἐπὰν οὖν προσιὼν
 τὸ θηρίον ἀποκλίνῃ πρὸς αὐτό, πεσόντος τοῦ δένδρου
 πίπτει καὶ αὐτό, ἀναστῆναι δὲ μὴ δυναμένου διὰ τὸ τὰ
 σκέλη διηνεκὲς ὅστουν ἔχειν καὶ ἀκαμπές, καταπηδή-
 20 σαντες ἀπὸ τῶν δένδρων ἀνατέμνουσιν αὐτό· τοὺς δὲ
 κυνηγοὺς οἱ νομάδες ἀκαθάρτους καλοῦσιν.

Ὑπέρκειται δὲ τούτων ἔθνος οὐ μέγα στρουθο- 11
 φάγων, παρ' οἷς ὄρνεις εἰσὶ μέγεθος ἐλάφων ἔχοντες,
 πέτασθαι μὲν οὐ δυνάμενοι, θέοντες δὲ ὀξέως καθάπερ
 25 οἱ στρουθοκάμηλοι· θηρεύουσι δ' αὐτοὺς οἱ μὲν τόξοις,
 οἱ δὲ ταῖς δοραῖς τῶν στρουθῶν σκεπασθέντες τὴν μὲν
 δεξιὰν καλύπτουσιν τῷ τραχηλιμαίῳ μέρει καὶ κινοῦσιν
 οὕτως ὥσπερ τὰ ζῷα κινεῖται τοῖς τραχήλοις, τῇ δὲ
 ἀριστερᾷ σπέρμα προχέουσιν ἀπὸ πῆρας παρηρητημέ-
 30 νης, καὶ τούτῳ δελεάσαντες τὰ ζῷα εἰς φάραγγας συν-
 ωθοῦσιν· ἐνταῦθα δ' ἐφесτώτες ξυλοκόποι κατὰκό-
 πτουσι· καὶ ἀμπέχονται δὲ καὶ ὑποστόρνυνται τὰ δέρ-

ματα ταῦτα· πολεμοῦσι δὲ τούτοις οἱ σιμοὶ καλούμενοι Αἰθίοπες, κέρασιν ὀρύγων ὅπλοις χρῶμενοι.

- 12 Πλησιόχωροι δὲ τούτοις εἰσὶ μελανώτεροί τε τῶν ἄλλων καὶ βραχύτεροι καὶ βραχυβιῶτατοι ἀκριδοφάγοι· τὰ γὰρ τετταράκοντα ἔτη σπανίως ὑπερτιθέασιν, ἀπο- 5 θηριουμένης αὐτῶν τῆς σαρκός· ζῶσι δ' ἀπὸ ἀκριδῶν, αἷς οἱ ἔαρινοὶ λίβες καὶ ξέφυροι πνέοντες μεγάλοι συνελάνουσιν εἰς τοὺς τόπους τούτους· ἐν ταῖς χαράδραις δὲ ἐμβαλόντες ὕλην καπνώδη καὶ ὑφάπαντες μικρὸν ὑπερπετάμεναι γὰρ τὸν καπνὸν σκο- 10 τοῦνται καὶ πίπτουσι· συγκόψαντες δ' αὐτὰς μεθ' ἄλμυρίδος μάζας ποιοῦνται καὶ χρῶνται. τούτων δ' ἔρημος ὑπέρκειται μεγάλη, νομάς δαψιλεῖς ἔχουσα, ἐκλειφθεῖσα δ' ὑπὸ πλήθους σκορπίων καὶ φαλαγγίων τῶν τετραγνάθων καλουμένων, ἐπιπολάσαντός ποτε καὶ 15 ἀπεργασαμένου τοῖς ἀνθρώποις φνγὴν παντελεῖ.

- 13 Μετὰ δὲ Εὐμένους λιμένα μέχρι Λειρῆς καὶ τῶν κατὰ τὰς ἑξήσους στενῶν ἰχθυοφάγοι καὶ κρεοφάγοι C.773κατοικοῦσι καὶ κολοβοὶ μέχρι τῆς μεσογαίας. εἰσὶ δὲ καὶ θῆραι πλείους ἐλεφάντων καὶ πόλεις ἄσχημοι καὶ 20 νησία πρὸ τῆς παραλίας· νομάδες δ' οἱ πλείους, ὀλίγοι δ' οἱ γεωργοῦντες· παρὰ τισι δὲ τούτων φύεται στύραξ οὐκ ὀλίγος. συνάγουσι δὲ ταῖς ἀμπώτεσιν οἱ ἰχθυοφάγοι τοὺς ἰχθῦς· ἐπιρρίψαντες δὲ ταῖς πέτραις κατο- 25 πτῶσι πρὸς τὸν ἥλιον, εἴτ' ἐξοπτήσαντες τὰς ἀκάνθας μὲν σωρεύουσι, τὴν δὲ σάρκα πατήσαντες μάζας ποι- οῦνται, πάλιν δὲ ταύτας ἡλιάζοντες σιτοῦνται· χειμῶ- νος δ' ἀδυνατήσαντες συνάγειν τοὺς ἰχθῦς τὰς σεσω- ρευμένας ἀκάνθας κόψαντες μάζας ἀναπλάττονται καὶ 30 χρῶνται, τὰς δὲ νεαράς ἐκμυζῶσιν· ἔνιοι δὲ τὰς κόγχας ἐχούσας τὴν σάρκα σιτεύουσι, καταβάλλοντες εἰς χα- ράδρια καὶ συστάδας θαλάττης, εἴτ' ἰχθυῖδια παραρ-

ριπτοῦντες τροφήν αὐταῖς χρῶνται ἐν τῇ τῶν ἰχθύων σπάνει· ἔστι δ' αὐτοῖς καὶ ἰχθυοτροφεῖα παντοία, ἀφ' ὧν ταμιεύονται. ἔνιοι δὲ τῶν τὴν ἄνυδρον παραλίαν οἰκούντων διὰ πέντε ἡμερῶν ἐπὶ τὰ ὑδρεῖα ἀναβαίνουσι πανοίκιοι μετὰ παιανισμοῦ, ῥιφέντες δὲ πρηνεῖς πίνουσι βοῶν δίκην ἕως ἐκτυμπανώσεως τῆς γαστρος, εἴτ' ἀπίασιν ἐπὶ θάλατταν πάλιν· οἰκοῦσι δ' ἐν σπηλαίοις ἢ μάνδραις στεγασταῖς ἀπὸ δοκῶν μὲν καὶ στρωτήρων τῶν κητείων ὁστέων καὶ ἀκανθῶν, φυλλάδος δ' 10 ἐλατῆνης.

Οἱ δὲ χελωνοφάγοι τοῖς ὀστέοις αὐτῶν σκεπά- 14
ζονται μεγάλοις οὖσιν ὥστε καὶ πλεῖσθαι ἐν αὐτοῖς· ἔνιοι δὲ τοῦ φύκους ἀποβεβλημένου πολλοῦ καὶ θῖνας ὑψηλὰς καὶ λοφώδεις ποιοῦντος, ὑπορύττοντες ταύτας 15 ὑποικοῦσι· τοὺς δὲ νεκροὺς ῥίπτουσι τροφήν τοῖς ἰχθύσιν, ἀναλαμβανομένους ὑπὸ τῶν πλημμυρίδων. τῶν δὲ νήσων τινὲς τρεῖς ἐφεξῆς κεῖνται, ἡ μὲν χελωνῶν ἡ δὲ φωκῶν ἡ δ' ἰεράκων λεγομένη. πᾶσα δ' ἡ παραλία φοίνικας τε ἔχει καὶ ἐλαιῶνας καὶ θαμνῶνας, 20 οὐχ ἡ ἐντὸς τῶν στενῶν μόνον ἀλλὰ καὶ τῆς ἐκτὸς πολλή. ἔστι δέ τις καὶ Φιλίππου νῆσος, καθ' ἣν ὑπέρεκειται τὸ Πυθαγγέλου καλούμενον τῶν ἐλεφάντων κυνήγιον· εἴτ' Ἀρσινόη πόλις καὶ λιμὴν, καὶ μετὰ ταῦτα ἡ Δειρή· καὶ τούτων ὑπέρεκειται θήρα τῶν ἐλε- 25 φάντων. ἀπὸ δὲ τῆς Δειρήs ἡ ἐφεξῆς ἔστιν ἄρωματοφόρος, πρώτη μὲν ἡ τὴν σμύρναν φέρουσα, καὶ αὕτη μὲν ἰχθυοφάγων καὶ κρεοφάγων· φύει δὲ καὶ περσέαν καὶ συκάμινον Αἰγύπτιον· ὑπέρεκειται δ' ἡ Αἶχα θήρα τῶν ἐλεφάντων· πολλαχοῦ δ' εἰσὶ συστάδες τῶν ὀμ- 30 βρίων ὑδάτων, ὧν ἀναξηρανθισῶν οἱ ἐλέφαντες ταῖς προβοσκίσι καὶ τοῖς ὁδοῦσι φρεωρυχοῦσι καὶ ἀνευρίσκουσιν ὕδωρ. ἐν δὲ τῇ παραλίᾳ ταύτῃ μέχρι τοῦ Πυ-C.774

θολάου ἀκρωτηρίου δύο λίμναι εἰσὶν εὐμεγέθεις· ἡ
 μὲν ἄλμυροῦ ὕδατος, ἣν καλοῦσι θάλατταν, ἡ δὲ γλυ-
 κέος, ἣ τρέφει καὶ ἵππους ποταμίους καὶ κροκοδείλους,
 περὶ τὰ χεῖλη δὲ πάπυρον· ὀρῶνται δὲ καὶ ἴβεις περὶ
 τὸν τόπον. ἦδη δὲ καὶ οἱ πλησίον τῆς ἄκρας τῆς Πυ- 5
 θολάου τὰ σώματα ὁλόκληροί εἰσι. μετὰ δὲ τούτους ἡ
 λιβανωτοφόρος· ἐνταῦθα ἄκρα ἐστὶ καὶ λερὸν αἰγει-
 ρῶνα ἔχον. ἐν δὲ τῇ μεσογαίᾳ ποταμία τις Ἴσιδος λε-
 γομένη καὶ ἄλλη τις Νεῖλος, ἄμφω καὶ σμύρναν καὶ
 λίβανον παραπεφυκότεα ἔχουσαι. ἐστὶ δὲ καὶ δεξαμενὴ 10
 τις τοῖς ἐκ τῶν ὀρῶν ὕδασι πληρουμένη καὶ μετὰ ταῦτα
 Λέοντος σκοπὴ καὶ Πυθαγγέλου λιμὴν· ἡ δ' ἐξῆς ἔχει
 καὶ ψευδοκασίαν. συνεχῶς δ' εἰσὶ ποτάμια τε πλείους
 ἔχουσαι λίβανον παραπεφυκότεα καὶ ποταμοὶ μέχρι τῆς
 κινναμωμοφόρου· ὁ δ' ὀρίζων ταύτην ποταμὸς φέρει 15
 καὶ φλοῦν πάμπολυν· εἴτ' ἄλλος ποταμὸς καὶ Δαφνοῦς
 λιμὴν καὶ ποταμία Ἀπόλλωνος καλουμένη, ἔχουσα
 πρὸς τῇ λιβάνῳ καὶ σμύρναν καὶ κιννάμωμον· τοῦτο
 δὲ πλεονάζει μᾶλλον περὶ τοὺς ἐν βᾶθει τόπους· εἰδ' ὁ
 Ἐλέφας τὸ ὄρος ἐκκείμενον εἰς θάλατταν, καὶ διῶρυξ 20
 καὶ ἐφεξῆς Ψυγμοῦ λιμὴν μέγας καὶ ὕδρευμα τὸ κννο-
 κεφάλων καλούμενον, καὶ τελευταῖον ἀκρωτήριον τῆς
 παραλίας ταύτης, τὸ Νότου κέρας. κάμψαντι δὲ τοῦτο
 ὡς ἐπὶ μεσημβρίαν οὐκέτι, φησὶν, ἔχομεν λιμένων
 ἀναγραφὰς οὐδὲ τόπων διὰ τὸ μηκέτι εἶναι γνώριμον 25
 15 * ἐν δὲ τῇ ἐξῆς παραλίᾳ. εἰσὶ καὶ στήλαι καὶ βωμοὶ Πυ-
 θολάου καὶ Αἶχα καὶ Πυθαγγέλου καὶ Λέοντος καὶ Χα-
 ριμόρτου κατὰ τὴν γνώριμον παραλίαν τὴν ἀπὸ Δειρῆς
 μέχρι Νότου κέρας, τὸ δὲ διάστημα οὐ γνώριμον. πλη-
 θύει δ' ἐλέφασιν ἡ χώρα καὶ λείουσι τοῖς καλουμένοις 30
 μύρμηξιν· ἀπεστραμμένα δ' ἔχουσι τὰ αἰδοῖα * καὶ χρυ-
 σοειδεῖς τὴν χρόαν, ψιλότεροι δὲ τῶν κατὰ τὴν Ἀρα-

βίαν· φέρει δὲ καὶ παρδάλεις ἀλκίμους καὶ ῥινοκέρωτας·
οὗτοι δὲ μικρὸν ἀπολείπονται τῶν ἐλεφάντων· οἱ ῥινο-
κέρωτες, [οὐχ] ὥσπερ Ἀρτεμίδωρος φησιν, ἐπὶ σειρὰν
τῷ μήκει, καίπερ ἑώρακέναι φήσας ἐν Ἀλεξανδρείᾳ,
5 ἀλλὰ σχεδὸν τι ὅσον τῷ ὕψει, ἀπὸ γε τοῦ ὕφ'
ἡμῶν ὁραθέντος· οὐδὲ πύξω τὸ χρῶμα ἐμφερές, ἀλλ'
ἐλέφαντι μᾶλλον· μέγεθος δ' ἐστὶ ταύρου· μορφὴ δ'
ἐγγυτάτω σάγγρου καὶ μάλιστα κατὰ τὴν προτομὴν
πλὴν τῆς ῥινός, ὅτι ἐστὶ κέρας σιμὸν στερεώτερον
10 ὁστέου παντός· χρῆται δ' ὄπλῳ, καθάπερ καὶ τοῖς
ὀδοῦσιν ὁ σύαγρος· ἔχει δὲ καὶ τύλους δύο ὡς ἂν σπεί-C.775
ρας δρακόντων ἀπὸ τῆς ῥάχews μέχρι τῆς γαστρὸς πε-
ρικειμένας, τὴν μὲν πρὸς τῷ λόφῳ τὴν δὲ πρὸς τῇ
ὀσφυί. ἐκ μὲν δὴ τοῦ ὕφ' ἡμῶν ὁραθέντος ταῦτά φα-
15 μεν ἡμεῖς, ἐκεῖνος δὲ προσδιασαφεῖ διότι καὶ ἐλεφαν-
τομάχον ἰδίως ἐστὶ τὸ ζῶον περὶ τῆς νομῆς, ὑποδύνον
τῇ προτομῇ καὶ ἀνακείρου τὴν γαστέρα, ἐὰν μὴ προ-
ληφθῇ τῇ προβοσκίδι καὶ τοῖς ὀδοῦσι.

Γίνονται δ' ἐν τούτοις τοῖς τόποις καὶ αἱ καμηλο- 16
20 παρδάλεις, οὐδὲν ὅμοιον ἔχουσai παρδάλει· τὸ γὰρ
ποικίλον τῆς χροῆς νεβρίσι μᾶλλον ἔοικε ὑαβδωτοῖς
σπίλοις κατεστιγμέναις· τελέως δὲ τὰ ὑπίσθια ταπει-
νότερα τῶν ἐμπροσθίων ἐστίν, ὥστε δοκεῖν συγκαθῆ-
σθαι τῷ οὐραίῳ μέρει τὸ ὕψος βοὸς ἔχοντι, τὰ δὲ ἐμ-
25 πρόσθια σκέλη τῶν καμηλείων οὐ λείπεται· τράχηλος
δ' εἰς ὕψος ἐξηρμένος ὀρθός, τὴν κορυφὴν δὲ πολὺ
ὑπερπετεστέρα ἔχει τῆς καμῆλου· διὰ δὲ τὴν ἀσυμμε-
τρίαν ταύτην οὐδὲ τάχος οἶμαι τοσοῦτον εἶναι περὶ
τὸ ζῶον, ὅσον εἴρηκεν Ἀρτεμίδωρος ἀνυπέρβλητον
30 φήσας· ἀλλ' οὐδὲ θηρίον ἐστίν, ἀλλὰ βόσκημα μᾶλ-
λον· οὐδεμίαν γὰρ ἀγριότητα ἐμφαίνει· γίνονται δέ,
φησί, καὶ σφίγγες καὶ κυνοκέφαλοι καὶ κῆβοι λέοντος

μὲν πρόσωπον ἔχοντες τὸ δὲ λοιπὸν σῶμα πάνθηρος, μέγεθος δὲ δορκάδος· καὶ ταῦροι δ' εἰσὶν ἄγριοι καὶ σαρκοφάγοι, μεγέθει πολὺ τοὺς παρ' ἡμῖν ὑπερβεβλημένοι καὶ τάχει, πυρροὶ τὴν χροάν· κροκούττας δ' ἐστὶ μλγμα λύκου καὶ κυνός, ὥς φησιν οὗτος. ἃ δ' ὁ Σκῆψιος 5 λέγει Μητροόδωρος ἐν τῷ περὶ συνηθείας βιβλίῳ μύθοις ἔοικε καὶ οὐ φροντιστέον αὐτῶν. καὶ δρακόντων δ' εἰρηκε μεγέθη τριάκοντα πηχῶν ὁ Ἀρτεμίδωρος ἔλεφαντας καὶ ταύρους χειρουμένων, μετριάσας ταύτη γε· οἱ γὰρ Ἰνδικοὶ μυθωδέστεροι καὶ οἱ Λιβυκοί, οἷς γε καὶ 10 πόα ἐπιπεφυκέναι λέγεται.

- 17 Νομαδικὸς μὲν οὖν ὁ βίος τῶν Τρωγλοδυτῶν, τυραννοῦνται δὲ καθ' ἕκαστα, κοιναὶ δὲ καὶ γυναῖκες καὶ τέκνα πλὴν τοῖς τυράννοις, τῷ δὲ τὴν τυράννου φθείραντι πρόβατον ἢ ζημία ἐστί· στιβίζονται δ' ἐπι- 15 μελῶς [ὥς] αἱ γυναῖκες, περικευνταὶ δὲ τοῖς τραχήλοις κογχία ἀντὶ βασκανίων. πολемоῦσι δὲ περὶ τῆς νομῆς, κατ' ἀρχὰς μὲν διαθούμενοι ταῖς χερσίν, εἴτα λίθοις, ὅταν δὲ τραῦμα γένηται, καὶ τοξεύμασι καὶ μαχαιρίσι· διαλύουσι δ' αἱ γυναῖκες εἰς μέσους προιούσαι καὶ 20 δεήσεις προσενέγκασαι· τροφή δ' ἔκ τε σαρκῶν καὶ τῶν ὀστέων κοπτομένων ἀναμιξ καὶ εἰς τὰς δορὰς ἐνειλουμένων, εἴτ' ὀπτομένων καὶ ἄλλως πολλαχῶς σκευαζομένων ὑπὸ τῶν μαγείρων, οὓς καλοῦσιν ἀκαθάρτους·

C.776 ὥστε μὴ κρεοφαγεῖν μόνον ἀλλὰ καὶ ὀστοφαγεῖν καὶ 25 δερματοφαγεῖν· χρῶνται δὲ καὶ τῷ αἵματι καὶ τῷ γάλακτι καταμιζαντες. ποτὸν δὲ τοῖς μὲν πολλοῖς ἀπόβρεγμα παλιούρου, τοῖς δὲ τυράννοις μελίκρατον, ἀπ' ἄνθους τινὸς ἐκπιεζομένου τοῦ μέλιτος. ἐστὶ δ' αὐτοῖς χειμῶν μὲν ἡνίκα οἱ ἐτησίαι πνέουσι (κατομβροῦνται 30 γάρ), θέρος δ' ὁ λοιπὸς χρόνος. γυμνῇται δὲ καὶ δερματοφόροι καὶ σκυταληφόροι διατελοῦσιν· εἰσὶ δ' οὐ

- κολοβοὶ μόνον ἀλλὰ καὶ περιτετμημένοι τινὲς καθάπερ Αἰγύπτιοι. οἱ δὲ Μεγαβάροι Αἰθίοπες τοῖς ῥοπάλοις καὶ τύλους προστιθέασι σιδηροῦς, χρῶνται δὲ καὶ λόγ-
 5 τήναις καὶ ἀσπίσιν ὁμοβυσσίνοις, οἱ δὲ λοιποὶ Αἰθίοπες
 τούτοις καὶ λόγταις. θάπτουσι δὲ τινες τῶν Τρωγλοδυ-
 τῶν ῥάβδοις παλιουρίναις δήσαντες τὸν αὐχένα τῶν
 νεκρῶν πρὸς τὰ σκέλη, ἔπειτα εὐθὺς καταλεύουσιν
 ἱλαροί, γελῶντες ἅμα, ἕως ἂν τοῦ τὴν ὄψιν σώματος
 ἀποκρῦψωσιν· εἴτ' ἐπιθέντες κέρας αἰγείου ἀπιάσιν.
 10 ὁδοιποροῦσι δὲ νύκτωρ ἐκ τῶν ἀρρένων θρεμμάτων
 κώδωνας ἐξάψαντες, ὥστ' ἐξίστασθαι τὰ θηρία τῷ
 φόφῳ· καὶ λαμπάσι δὲ καὶ τούτοις ἐπὶ τὰ θηρία χρῶνται,
 καὶ διαγρυπνοῦσι τῶν ποιμνίων χάριν ᾧ δῆ τιτι χρῶ-
 μενοι πρὸς τῷ πυρί.
 15 Ταῦτ' εἰπὼν περὶ τῶν Τρωγλοδυτῶν καὶ τῶν 18
 προσχώρων Αἰθιόπων ἐπάνεισιν ἐπὶ τοὺς Ἀραβας· καὶ
 πρῶτους ἐπεισι τοὺς τὸν Ἀράβιον κόλπον ἀφορίζοντας
 καὶ ἀντικειμένους τοῖς Τρωγλοδύταις, ἀρξάμενος ἀπὸ
 τοῦ Ποσειδίου. φησὶ δὲ ἐνδοτέρῳ κεῖσθαι τοῦτο τοῦ
 20 μυχοῦ· συνεχῇ δὲ τοῦ Ποσειδίου φοινικῶνα εἶναι
 εὐνδρον, τιμᾶσθαι τε κομιδῇ διὰ τὸ πᾶσαν τὴν κύκλῳ
 καυματηράν τε καὶ ἄνυδρον καὶ ἄσκιον ὑπάρχειν, ἐν-
 ταῦθα δὲ καὶ τὴν εὐκαρπίαν τῶν φοινίκων εἶναι θαυ-
 μαστήν· προεστήκασι δὲ τοῦ ἄλσους ἀνὴρ καὶ γυνή
 25 διὰ γένους ἀποδεδειγμένοι δερματοφόροι, τροφήν ἀπὸ
 τῶν φοινίκων ἔχοντες· κοιτάζονται δ' ἐπὶ δένδρων
 καλυβοποιησάμενοι διὰ τὸ πλήθος τῶν θηρίων. εἴθ'
 ἐξῆς ἔστι νῆσος φωκῶν, ἀπὸ τοῦ πλήθους τῶν θηρίων
 τούτων ὠνομασμένη. πλησίον δ' αὐτῆς ἀκρωτήριον, ὃ
 30 διατείνει πρὸς τὴν Πέτραν τὴν τῶν Ναβαταίων καλου-

μένων Ἀράβων καὶ τὴν Παλαιστίνην χώραν, εἰς ἣν
 Μιναῖοί τε καὶ Γερραῖοι καὶ πάντες οἱ πλησιόχωροι τὰ
 τῶν ἀρωμάτων φορτία κομίζουσιν. εἴτ' ἄλλη παραλία
 πρότερον μὲν Μαρανιτῶν καλουμένη, ᾧν οὐ μὲν ἦσαν
 γεωργοὶ τινὲς δὲ σκηνῆται, νῦν δὲ Γαρινδαίων ἀνελόν- 5
 C.777των ἐκείνους δόλω· ἐπέθεντο γὰρ αὐτοῖς πενταετηρι-
 κήν τινα πανήγυριν ἐπιτελοῦσι, καὶ τούτους τε διέ-
 φθειραν καὶ τοὺς ἄλλους ἐπελθόντες ἄρδην διελυμή-
 ναντο. εἴθ' ὁ Αἰλανίτης κόλπος καὶ ἡ Ναβαταίων, πο-
 λύανδρος οὕσα χώρα καὶ εὖβοτος· οἰκοῦσι δὲ καὶ νῆ- 10
 σους προκειμένας πλησίον· οἱ πρότερον μὲν καθ'
 ἡσυχίαν ἦσαν, ὕστερον δὲ σχεδίαις ἐλήζοντο τοὺς ἐκ
 τῆς Αἰγύπτου πλέοντας· δίκας δ' ἔτισαν ἐπελθόντος
 στόλου καὶ ἐκπορθήσαντος αὐτούς. ἐξῆς δ' ἐστὶ πεδῖον
 εὐδενδρόν τε καὶ εὐνδρον καὶ βοσκημάτων παντοίων 15
 μεστὸν ἄλλων τε καὶ ἡμιόνων· καὶ καμήλων ἀγρίων
 καὶ ἐλάφων καὶ δορκάδων πληθὺς ἐν αὐτῷ, λέοντές
 τε καὶ παρδάλεις καὶ λύκοι συχνοί. πρόκειται δὲ νῆ-
 σος καλουμένη Αἴα· εἴτα κόλπος ὅσον πεντακοσίων
 σταδίων ὄρεσι περικλειόμενος καὶ δυσεισβόλῃ στό- 20
 ματι· περιοικοῦσι δὲ θηρευτικοὶ ἄνδρες τῶν χειρσαίων
 ἀγρευμάτων. εἴτ' ἔρημοι τρεῖς νῆσοι πλήρεις ἐλαιῶν,
 οὐ τῶν παρ' ἡμῖν ἀλλὰ τῶν ἐντοπίων, αἷς καλοῦμεν
 Αἰθιοπικάς, ᾧν τὸ δάκρυον καὶ ἰατρικῆς δυνάμεως
 ἐστίν. ἐφεξῆς δ' ἐστὶν αἰγιαλὸς λιθώδης, καὶ μετὰ τοῦ- 25
 τον τραχεῖα καὶ δυσπαράπλευστος ὅσον χιλίων στα-
 δίων παραλία σπάνει λιμένων καὶ ἀγκυροβολίων· ὅρος
 γὰρ παρατείνει τραχὺ καὶ ὑψηλόν· εἴθ' ὑπώρειαι σπι-
 λαδῶδεις μέχρι τῆς θαλάττης, τοῖς ἐτησίαις μάλιστα
 καὶ ταῖς τότε ἐπομβρίαις ἀβοήθητον παρέχουσai τὸν 30
 κίνδυνον. ἐξῆς δ' ἐστὶ κόλπος νήσους ἔχων σποράδας,
 καὶ συνεχῶς θῖνες ψάμμου μελαίνης τρεῖς ἄγαν ὑψηλοί,

καὶ μετὰ τούτους Χαρμοθαῆς λιμὴν ὅσον σταδίῳ τὸν κύκλον ἑκατόν, στενὸν καὶ ἐπικίνδυνον ἔχων τὸν εἰσπλοῦν παντὶ σκάφει, ῥεῖ δὲ καὶ ποταμὸς εἰς αὐτόν· ἐν μέσῳ δὲ νῆσος εὐδενδρος καὶ γεωργήσιμος. εἴτ' ἐστὶ 5 παραλία τραχεῖα καὶ μετὰ ταύτην κόλποι τινὲς καὶ χώρα νομάδων ἀπὸ καμήλων ἐχόντων τὸν βίον· καὶ γὰρ πολεμοῦσιν ἀπ' αὐτῶν καὶ ὀδεύουσι καὶ τρέφονται τῷ τε γάλακτι χρῶμενοι καὶ ταῖς σαρκί. ῥεῖ δὲ ποταμὸς δι' αὐτῶν ψῆγμα χρυσοῦ καταφέρων, οὐκ ἴσασι δ' αὐτὸ κατεργάξεσθαι· καλοῦνται δὲ Λέβαι, οἱ μὲν νομάδες οἱ δὲ καὶ γεωργοί. οὐ λέγω δὲ τῶν ἔθνων τὰ ὀνόματα τὰ πολλὰ διὰ τὴν ἀδοξίαν καὶ ἅμα ἀτοπίαν τῆς ἐκφορᾶς αὐτῶν. ἐχόμενοι δ' εἰσὶν ἡμερώτεροι τούτων ἄνδρες εὐκρατοτέραν οἰκοῦντες γῆν· καὶ γὰρ εὖ- 15 δρός ἐστὶ καὶ εὖομβρος· χρυσός τε ὀρυκτὸς γίνεται παρ' αὐτοῖς οὐ ψήγματος ἀλλὰ βωλαρίων χρυσοῦ κα- C.778 θάρσεως οὐ πολλῆς δεομένων, μέγεθος δ' ἐχόντων ἐλάχιστον μὲν πυρῆνος μέσον δὲ μεσπίλου μέγιστον δὲ καρῦον· τηρήσαντες δὲ ταῦτα ἐναλλάξ λίθοις διαφά- 20 νέσιν ὄρμους ποιοῦνται διείροντες λίνον, περιτίθενται δὲ περὶ τοὺς τραχήλους καὶ καρπούς· πωλοῦσι δὲ καὶ πρὸς τοὺς ἀστυγείτους εὐωνον τὸν χρυσόν, τριπλάσιον ἀντιδιδόντες τοῦ χαλκοῦ, διπλάσιον δὲ τοῦ * ἀργύρου, διὰ τε τὴν ἀπειρίαν τῆς ἐργασίας καὶ τὴν σπάνιν 25 τῶν ἀντιλαμβανομένων, ὧν ἡ χρεὶα πρὸς τοὺς βίους ἀναγκαιότερα.

Συνάπτει δ' ἡ τῶν Σαβαίων εὐδαιμονεστάτη, με- 19 γίστου ἔθνους, παρ' οἷς καὶ σμύρνα καὶ λίβανος καὶ κιννάμωμον· ἐν δὲ τῇ παραλίᾳ καὶ βάλσαμον καὶ ἄλλη 30 τις πόα σφόδρα εὐώδης, ταχὺ δ' ἐξίτηλον τὴν ὁδὴν ἔχουσα· εἰσὶ δὲ καὶ φοίνικες εὐώδεις καὶ κάλαμος, ὄφεις δὲ σπιθαμιαῖοι φοινικοῖ τὴν χροάν, προσαλλο-

μενοι καὶ μέχρι λαγόνος, τὸ δῆγμα ἔχοντες ἀνήκεστον. διὰ δὲ τὴν ἀφθονίαν τῶν καρπῶν ἀργοὶ καὶ ῥάθυμοι τοῖς βίοις εἰσὶν οἱ ἄνθρωποι· κοιτάζονται δὲ ἐπὶ * τῶν ῥιζῶν τῶν δένδρων ἐκτέμνοντες οἱ πολλοὶ καὶ δημοτικοί· διαδεχόμενοι δ' οἱ σύνεγγυς αἰεὶ τὰ φορτία, τοῖς 5 μετ' αὐτοὺς παραδιδόασιν μέχρι Συρίας καὶ Μεσοποταμίας· καρούμενοι δ' ὑπὸ τῶν εὐωδιῶν αἴρουσι τὸν κάρον ἀσφάλτου θυμιάματι καὶ τράγου πώγωνος. ἡ δὲ πόλις τῶν Σαβαίων, ἡ Μαρίαβα, κεῖται μὲν ἐπ' ὄρους εὐδένδρου. βασιλέα δ' ἔχει κύριον τῶν κρίσεων καὶ 10 τῶν ἄλλων, ἐκ δὲ τῶν βασιλείων οὐ θέμις ἐξιέναι, ἢ καταλεύουσιν αὐτὸν παραχοῖμα οἱ ὄχλοι κατὰ τι λόγιον· ἐν χλιδῇ δ' ἐστὶ γυναικεία καὶ αὐτὸς καὶ οἱ περὶ αὐτόν· τὰ δὲ πλήθη τὰ μὲν γεωργεῖ τὰ δ' ἐμπορεύεται τὰ ἀρώματα τὰ τε ἐπιχώρια καὶ τὰ ἀπὸ τῆς Αἰθιοπίας, 15 πλέοντες ἐπ' αὐτὰ διὰ τῶν στενῶν δερματίνους πλοίοις· τοσαῦτα δ' ἐστὶ τὸ πλήθος ὥστ' αὐτὴ φρουγάνων καὶ τῆς καυσίμου ὕλης χοῖσθαι κινναμώμῳ καὶ κασίᾳ καὶ τοῖς ἄλλοις. γίνεται δ' ἐν τοῖς Σαβαίοις καὶ τὸ λάριμνον. εὐωδέστατον θυμιάμα. ἐκ δὲ τῆς ἐμπορίας οὗτοί τε καὶ 20 Γερραῖοι πλουσιώτατοι πάντων εἰσὶν, ἔχουσί τε παμπληθῆ κατασκευὴν χρυσωμάτων τε καὶ ἀργυρωμάτων, κλινῶν τε καὶ τριπόδων καὶ κρατήρων σὺν ἐκπώμασι καὶ τῇ τῶν οἰκῶν πολυτελείᾳ· καὶ γὰρ θυρώματα καὶ τοῖχοι καὶ ὀροφαὶ δι' ἐλέφαντος καὶ χρυσοῦ καὶ ἀργύ- 25 ρου λιθοκολλήτου τυγχάνει διαπεποικιλμένα. ταῦτα μὲν περὶ τούτων εἴρηκε, τὰ δὲ μὲν παραπλησίως τῷ Ἑρατοσθένει λέγει, τὰ δὲ παρὰ τῶν ἄλλων ἱστορικῶν παρατίθησιν.

C.779
20

Ἐρωθρὰν γὰρ λέγειν τινὰς τὴν θάλατταν ἀπὸ τῆς 30

χροιας τῆς ἐμφαινομένης κατ' ἀνάκλασιν, εἴτε ἀπὸ τοῦ
 ἡλίου κατὰ κορυφὴν ὄντος εἴτε ἀπὸ τῶν ὀρωῶν ἐρυθραι-
 νομένων ἐκ τῆς ἀποκαύσεως· ἀμφοτέρως γὰρ εἰκάζειν·
 Κτησίαν δὲ τὸν Κνίδιον πηγὴν ἱστορεῖν ἐκδιδουῖσαν
 5 εἰς τὴν θάλατταν ἐρευθῆς καὶ μιλτῶδες ὕδωρ· Ἀγα-
 θαρχίδην δὲ τὸν ἐκείνου πολίτην παρὰ τινος Βόξου,
 [Πέρσου] τὸ γένος, ἱστορεῖσθαι διότι Πέρσης τις Ἐρύ-
 θρας, ἵπποφορβίου τινὸς ὑπὸ λεαίνης οἰστρῶν κατα-
 σχομένης ἐξελαθέντος μέχρι θαλάττης κἀκεῖθεν εἰς νῆ-
 10 σὸν τινα διάραντος, σχεδίαν πηξάμενος πρῶτος πε-
 ραιωθεὶς πρὸς τὴν νῆσον· ἰδὼν δὲ καλῶς οἰκήσιμον
 τὴν μὲν ἀγέλην εἰς τὴν Περσίδα ἀπαγάγοι πάλιν, ἀποί-
 κους δ' ἐκεῖ στέλλαι τε καὶ τὰς ἄλλας νήσους καὶ τὴν
 παραλίαν, ἐπώνυμον δὲ ποιήσειεν ἑαυτοῦ τὸ πέλαγος.
 15 τοὺς δὲ Περσέως υἱὸν ἀποφαίνεσθαι τὸν Ἐρύθραν,
 ἡγήσασθαι τε τῶν τόπων. λέγεται δ' ὑπὸ τινων τὰ
 ἀπὸ τῶν στενωπῶν τοῦ Ἀραβίου κόλπου μέχρι τῆς κιννα-
 μωμοφόρου τῆς ἐσχάτης πεντακισχιλίων σταδίων, οὐκ
 εὐκρινῶς, εἴτ' ἐπὶ νότον εἴτ' ἐπὶ τὰς ἀνατολάς. λέγε-
 20 ται δὲ καὶ διότι ὁ σμάραγδος καὶ ὁ βήρυλλος ἐν τοῖς
 τοῦ χρυσοῦ μετάλλοις ἐγγίνεταί. εἰσὶ δὲ καὶ ἄλλες εὐώ-
 δεις ἐν Ἀραβίᾳ, ὧς φησι Ποσειδώνιος.

Πρῶτοι δ' ὑπὲρ τῆς Συρίας Ναβαταῖοι καὶ Σα- 21
 βαῖοι τὴν εὐδαίμονα Ἀραβίαν νέμονται, καὶ πολλάκις
 25 κατέτρεχον αὐτῆς πρὶν ἢ Ῥωμαίων γενέσθαι· νῦν δὲ
 κἀκεῖνοι Ῥωμαίοις εἰσὶν ὑπήκοοι καὶ Σύροι. μητρό-
 πολις δὲ τῶν Ναβαταίων ἐστὶν ἡ Πέτρα καλουμένη·
 κεῖται γὰρ ἐπὶ χωρίου τᾶλλα ὀμαλοῦ καὶ ἐπιπέδου, κύ-
 κλω δὲ πέτρα φρουρουμένου τὰ μὲν ἐκτὸς ἀποκρήμνου
 30 καὶ ἀποτόμου τὰ δ' ἐντὸς πηγὰς ἀφθόνους ἔχοντος εἰς
 τε ὕδρεϊαν καὶ κηπείαν. ἔξω δὲ τοῦ περιβόλου χωρὰ
 ἔρημος ἢ πλείστη καὶ μάλιστα ἢ πρὸς Ἰουδαίᾳ· ταύτη

δὲ καὶ ἐγγυτάτῳ ἐστὶ τριῶν ἢ τεττάρων ὁδὸς ἡμερῶν εἰς Ἱερικοῦντα, εἰς δὲ τὸν φοινικῶνα πέντε. βασιλεύεται μὲν οὖν ὑπὸ τινος ἀεὶ τῶν ἐκ τοῦ βασιλικοῦ γένους, ἔχει δ' ὁ βασιλεὺς ἐπίτροπον τῶν ἐταίρων τινὰ καλούμενον ἀδελφόν· σφόδρα δ' εὐνομεῖται· γενόμενος δ' γοῦν παρὰ τοῖς Πετραίοις Ἀθηνόδωρος, ἀνὴρ φιλόσοφος καὶ ἡμῖν ἐταῖρος, διηγείτο θαυμάζων· εὗρεν γὰρ ἐπιδημοῦντας ἔφη πολλοὺς μὲν Ῥωμαίων πολλοὺς δὲ καὶ τῶν ἄλλων ξένων· τοὺς μὲν οὖν ξένους ὁρᾶν κρινόμενους πολλάκις καὶ πρὸς ἀλλήλους καὶ πρὸς τοὺς 10 ἐπιχωρίους, τῶν δ' ἐπιχωρίων οὐδένας ἀλλήλοις ἐγκαλοῦντας, ἀλλὰ τὴν πᾶσαν εἰρήνην ἄγοντας πρὸς ἑαυτούς.

C. 780

22

Πολλὰ δὲ καὶ ἡ τῶν Ῥωμαίων ἐπὶ τοὺς Ἀραβας στρατεία νεωστὶ γενηθεῖσα ἐφ' ἡμῶν, ὧν ἡγεμὼν ἦν 15 Αἴλιος Γάλλος, διδάσκει τῶν τῆς χώρας ἰδιωμάτων. τοῦτον δ' ἐπεμψεν ὁ Σεβαστὸς Καῖσαρ διαπειρασόμενον τῶν ἐθνῶν καὶ τῶν τόπων τούτων τε καὶ τῶν Αἰθιοπικῶν, ὁρῶν τὴν τε Τρωγλοδυτικὴν τὴν προσεχῆ τῇ Αἰγύπτῳ γειτονέουσαν τούτοις, καὶ τὸν Ἀράβιον 20 κόλπον στενὸν ὄντα τελέως τὸν διείργοντα ἀπὸ τῶν Τρωγλοδυτῶν τοὺς Ἀραβας· προσοικειοῦσθαι δὲ νοήθη τούτους ἢ καταστρέφεισθαι· ἦν δέ τι καὶ τὸ πολυχημάτους ἀκούειν ἐκ παντὸς χρόνου, πρὸς ἄγρον καὶ χρυσὸν τὰ ἀρώματα διατιθεμένους καὶ τὴν 25 πολυτελεστάτην λιθείαν, ἀναλίσκοντας τῶν λαμβανόμενων τοῖς ἔξω μηδέν· ἢ γὰρ φίλοις ἢ πλιζε πλουσίους χρῆσεισθαι ἢ ἐχθρῶν κρατήσκειν πλουσίων· ἐπῆρε δ' αὐτὸν καὶ ἡ παρὰ τῶν Ναβαταίων ἐλπίς φίλων ὄντων καὶ συμπράξειν ἅπανθ' ὑπισχνουμένων. 30

23

Ἐπὶ τούτοις μὲν οὖν ἐστειλε τὴν στρατείαν ὁ Γάλλος. ἐξηπάτησε δ' αὐτὸν ὁ τῶν Ναβαταίων ἐπίτροπος

Συλλαῖος, ὑποσχόμενος μὲν ἡγήσεσθαι τὴν ὁδὸν καὶ
 χορηγήσειν ἅπαντα καὶ συμπράξειν, ἅπαντα δ' ἐξ ἐπι-
 βουλῆς πράξας, καὶ οὔτε παράπλουν ἀσφαλῆ μηνύων
 οὔθ' ὁδόν, ἀλλὰ ἀνοδίαις καὶ κυκλοπορίαις καὶ πάν-
 5 των ἀπόροις χωρίοις ἢ θαλάσiais ἀλιμένοις παραβάλλον
 ἢ χοιράδων ὑφάλων μεσταῖς ἢ τεναγώδεσι· πλεῖστον
 δὲ αἱ πλημμυρίδες ἐλύπουν ἐν τοιούτοις καὶ ταῦτα
 χωρίοις καὶ αἱ ἀμπώτεις. πρῶτον μὲν δὴ τοῦθ' ἀμάρ-
 τημα συνέβη τὸ μακρὰ κατασκευάσασθαι πλοῖα, μη-
 10 δυνὸς ὄντος μηδ' ἐσομένου κατὰ θάλατταν πολέμου.
 οὐδὲ γὰρ κατὰ γῆν σφόδρα πολεμισταὶ εἰσιν ἀλλὰ κά-
 πηλοι μᾶλλον οἱ Ἄραβες καὶ ἐμπορικοί, μήτι γε κατὰ
 θάλατταν· ὁ δ' οὐκ ἔλαττον ὀγδοήκοντα ἐναυπηγή-
 σατο δίκροτα καὶ τριήρεις καὶ φασήλους κατὰ Κλεο-
 15 πατρίδα τὴν πρὸς τῇ παλαιᾷ διώρυνι τῇ ἀπὸ τοῦ Νεί-
 λου. γνούς δὲ διεψευσμένος ἐναυπηγήσατο σκευαγωγὰ
 ἑκατὸν καὶ τριάκοντα, οἷς ἐπλευσεν ἔχων περὶ μυρίους
 πεξοὺς τῶν ἐκ τῆς Αἰγύπτου Ῥωμαίων καὶ τῶν συμμά-
 χων, ὧν ἦσαν Ἰουδαῖοι μὲν πεντακόσιοι Ναβαταῖοι δὲ
 20 χίλιοι μετὰ τοῦ Συλλαίου. πολλὰ δὲ παθὼν καὶ ταλαι-
 πωρηθεὶς πεντεκαίδεκαταῖος ἦκεν εἰς Λευκὴν κώμην
 τῆς Ναβαταίων γῆς, ἐμπόριον μέγα, πολλὰ τῶν πλοίων
 ἀποβαλὼν (ὧν ἕνι καὶ αὐτανδρᾷ) ὑπὸ δυσπλοίας, πο-
 λεμίου δ' οὐδενός· τοῦτο δ' ἀπειργάσατο ἡ τοῦ Συλ-
 25 λαίου κακία τοῦ πεξῆι φήσαντος ἀνόδευτα εἶναι στρα-
 C.781
 τοπέδοις εἰς τὴν Λευκὴν κώμην, εἰς ἣν καὶ ἐξ ἧς οἱ
 καμηλέμποροι τοσούτῳ πλήθει ἀνδρῶν καὶ καμήλων
 ὁδεύουσιν ἀσφαλῶς καὶ εὐπόρως εἰς Πέτραν [καὶ] ἐκ
 Πέτρας, ὥστε μὴ διαφέρειν μηδὲν στρατοπέδου.
 30 Συνέβαινε δὲ τοῦτο τοῦ μὲν βασιλέως τοῦ Ὀβόδα 24
 μὴ πολὺ φροντίζοντος τῶν κοινῶν καὶ μάλιστα τῶν
 κατὰ πόλεμον (κοινὸν δὲ τοῦτο πᾶσι τοῖς Ἀράβων βα-

σιλεῦσιν), ἅπαντα δὲ ἐπὶ τῇ τοῦ ἐπιτρόπου ποιουμέ-
 νου [ἐξουσίᾳ] τοῦ Συλλαίου· τούτου δ' ἅπαντα δόλω
 στρατηγούντος καὶ ζητοῦντος, ὥς οἶμαι, κατοπτεῦσαι
 μὲν τὴν χώραν καὶ συνεξελεῖν τινὰς αὐτῶν πόλεις καὶ
 ἔθνη μετὰ τῶν Ῥωμαίων, αὐτὸν δὲ καταστῆναι κύριον 5
 ἀπάντων, ἀφανισθέντων ἐκείνων ὑπὸ λιμοῦ καὶ κό-
 που καὶ νόσων καὶ ἄλλων ὅσων δόλω παρεσκεύασεν
 ἐκεῖνος· εἰς γοῦν τὴν Λευκὴν κώμην κατῆρεν, ἥδη
 στομακάκκη τε καὶ σκελοτύρβη πειραζομένης τῆς στρα-
 τιᾶς, ἐπιχωρίοις πάθεσι, τῶν μὲν περὶ τὸ στόμα τῶν δὲ 10
 περὶ τὰ σκέλη παράλυσιν τινὰ δηλούντων ἐκ τε τῶν
 ὕδρεϊων καὶ βοτανῶν. ἡναγκάσθη γοῦν τό τε θέρους
 καὶ τὸν χειμῶνα διατελέσαι αὐτόθι τοὺς ἀσθενοῦντας
 ἀνακτώμενος. ἐκ μὲν οὖν τῆς Λευκῆς κώμης εἰς Πέ-
 τραν, ἐντεῦθεν δ' εἰς Πινοκόλουρα τῆς πρὸς Αἰγύπτῳ 15
 Φοινίκης τὰ φορτία κομίζεται κἀντεῦθεν εἰς τοὺς ἄλ-
 λους, νυνὶ δὲ τὸ πλεόν εἰς τὴν Ἀλεξάνδρειαν τῷ Νεί-
 λῳ· κατὰγεται δ' ἐκ τῆς Ἀραβίας καὶ τῆς Ἰνδικῆς εἰς
 Μυδὸς ὄρμον· εἰδ' ὑπέρθεσις εἰς Κοπτὸν τῆς Θηβαΐ-
 δος καμῆλοις ἐν διώρῳ τοῦ Νείλου κειμένην· [εἰτ'] 20
 εἰς Ἀλεξάνδρειαν. πάλιν ἐκ τῆς Λευκῆς κώμης ὁ Γάλ-
 λος ἀναξεύξας τὴν στρατιὰν διὰ τοιούτων ἦει χωρίων
 ὥστε καὶ ὕδωρ καμῆλοις κομίζειν μοχθηρίᾳ τῶν ἡγε-
 μόνων τῆς ὁδοῦ· διόπερ πολλὰς ἡμέραις ἦκεν εἰς τὴν
 Ἀρέτα γῆν συγγενοῦς τῷ Ὀβόδα· ἐδέξατο μὲν οὖν 25
 αὐτὸν Ἀρέτας φιλικῶς καὶ δῶρα προσήνεγκεν, ἡ δὲ
 τοῦ Συλλαίου προδοσία κἀκείνην ἐποίησε τὴν χώραν
 δυσπόρευτον· τριάκοντα γοῦν ἡμέραις διῆλθεν αὐ-
 τήν, ξειᾶς καὶ φοίνικας ὀλίγους παρέχουσιν καὶ βού-
 τυρον ἀντ' ἐλαίου, διὰ τὰς ἀνοδίας· ἡ δ' ἐξῆς ἦν ἐπῆει 30
 νομάδων ἦν καὶ ἔρημος τὰ πολλὰ ὥς ἀληθῶς, ἐκαλεῖτο
 δὲ Ἀραρηνή· βασιλεὺς δ' ἦν Σάβως· καὶ ταύτην ἀνο-

δίαίς διῆλθε κατατρίψας ἡμέρας πεντήκοντα μέχρι πό-
 λεως Νεγρώνων καὶ χώρας εἰρηνικῆς τε καὶ ἀγαθῆς· ὁ
 μὲν οὖν βασιλεὺς ἐφυγεν, ἡ δὲ πόλις ἐξ ἐφόδου κατε-
 λήφθη· ἐκείθεν ἡμέραις ἕξ ἦκεν ἐπὶ τὸν ποταμὸν ...
 5 συναψάντων δ' αὐτόθι τῶν βαρβάρων εἰς μάχην, περὶ
 μυρίους αὐτῶν ἔπεσον τῶν δὲ Ῥωμαίων δύο· ἐχρῶντο C.782
 γὰρ ἀπείρως τοῖς ὅπλοις ἀπόλεμοι τελέως ὄντες, τύξοις
 τε καὶ λόγχαις [καὶ] ξίφεσι καὶ σφενδύναις, οἱ πλεῖστοι
 δ' αὐτῶν ἀμφιστόμοις πελέκεσιν· εὐθύς δὲ καὶ τὴν
 10 πόλιν εἴλε καλουμένην Ἀσκᾶ * συλληφθεῖσαν ὑπὸ τοῦ
 βασιλέως. ἐντεῦθεν εἰς Ἀθρουλα πόλιν ἦκε, [καὶ] κρα-
 τήσας αὐτῆς ἀκονιτὶ φρουρὰν ἐμβαλὼν καὶ παρασκευ-
 άσας σίτου καὶ φοινίκων εἰς πόλιν Μαρίαβα προ-
 ῆλθεν ἔθνη τοῦ Ῥαμμανιτῶν, οἳ ἦσαν ὑπὸ Ἰλασάρφ.
 15 ἕξ μὲν οὖν ἡμέρας προσβαλὼν ἐπολιορκεῖ, λειψυδρίας
 δ' οὔσης ἀπέστη· δύο μὲν οὖν ἡμερῶν ὁδὸν ἀπέσχε
 τῆς ἀρωματοφόρου, καθάπερ τῶν αἰχμαλώτων ἀκού-
 ειν ἦν. ἕξ δὲ μηνῶν χρόνον ἐν ταῖς ὁδοῖς κατέτριψε
 φάυλως ἀγόμενος· ἔγνω δ' ἀναστρέφων, ὅψε τὴν ἐπι-
 20 βουλὴν καταμαθὼν καὶ καθ' ἐτέρας ὁδοὺς ἐπανελθὼν·
 ἐναταῖος μὲν γὰρ εἰς Νέγκανα ἦκεν ὅπου ἡ μάχη συμ-
 βεβήκει, ἐνδεκαταῖος δ' ἐκείθεν εἰς Ἐπτὰ φρέατα κα-
 λούμενα ἀπὸ τοῦ συμβεβηκότος· ἐντεῦθεν ἦδη δι' εἰ-
 ρηνικῆς εἰς Χάαλλα κώμην καὶ πάλιν ἄλλην Μαλόθαν
 25 πρὸς ποταμῷ κειμένην ἀφικνεῖται· εἶτα δι' ἐρήμης
 ὀλίγα ὕδρεια ἐχούσης ὁδὸς μέχρι Ἐγρᾶς κώμης· ἔστι
 δὲ τῆς Ὀβόδα· κείται δ' ἐπὶ θαλάττης· τὴν δὲ πᾶσαν
 ὁδὸν ἐξηκοσταῖος ἐξήνυσε κατὰ τὴν ἐπάνοδοι, ἀναλώ-
 σας ἕξ μῆνας ἐν τῇ ἕξ ἀρχῇς ὁδῷ· ἐντεῦθεν δ' ἐπεραι-
 30 ὤσε τὴν στρατιὰν ἐνδεκαταῖος εἰς Μυὸς ὄρμον, εἰθ'
 ὑπερθεῖς εἰς Κοπτὸν μετὰ τῶν σωθῆναι δυναμένων
 κατήρεν εἰς Ἀλεξάνδρειαν· τοὺς δ' ἄλλους ἀπέβαλεν,

οὐχ ὑπὸ πολεμίων ἀλλὰ νόσων καὶ κόπων καὶ λιμοῦ καὶ μοχθηρίας τῶν ὁδῶν· ἐπεὶ κατὰ πόλεμον ἑπτά γε μόνους διαφθαρεῖναι συνέβη, δι' ἃς αἰτίας οὐδ' ἐπὶ πολὺ πρὸς τὴν γνῶσιν τῶν τόπων ὠνήσεν ἡ στρατεία αὕτη· μικρὰ δ' ὅμως συνήργησεν. ὁ δ' αἰτιος τούτων 5 ὁ Σὺλλαῖος ἔτισε δίκας ἐν Ῥώμῃ, προσποιούμενος μὲν φιλίαν ἐλεγχθεὶς δὲ πρὸς ταύτῃ τῇ πονηρίᾳ καὶ ἄλλα κακουργῶν καὶ ἀποτμηθεὶς τὴν κεφαλὴν.

25 Τὴν μὲν οὖν ἀρωματοφόρον διαιροῦσιν εἰς τέττα-
 ρας μερίδας, ὥσπερ εἰρήκαμεν· τῶν ἀρωμάτων δὲ λί- 10
 βανον μὲν καὶ σμύρναν ἐκ δένδρων γίνεσθαι φασί, κα-
 σίαν δὲ καὶ ἐκ θάμνων· τινὲς δὲ τὴν πλείω ἐξ Ἰνδῶν
 εἶναι, τοῦ δὲ λιβάνου βέλτιστον τὸν πρὸς τῇ Περσίδι.
 κατ' ἄλλην δὲ διαίρεσιν σύμπασαν τὴν εὐδαίμονα πεν-
 ταχῇ σχίζουσιν εἰς βασιλείας, ὧν ἡ μὲν τοὺς μαχίμους 15
 ἔχει καὶ προαγωνιστὰς ἀπάντων, ἡ δὲ τοὺς γεωργοὺς
 παρ' ὧν ὁ σῆτος εἰς τοὺς ἄλλους εἰσάγεται, ἡ δὲ τοὺς
 βανανσοτεχνοῦντας, καὶ ἡ μὲν σμυρνοφόρος, ἡ δὲ λι-
 20 783 βανωτοφόρος· αἱ δ' αὐταὶ καὶ τὴν κασίαν καὶ τὸ κιν-
 νάμωμον καὶ τὴν νάρδον φέρουσι· παρ' ἀλλήλων δ'
 οὐ μεταφοιτᾷ τὰ ἐπιτηδεύματα, ἀλλ' ἐν τοῖς πατρίοις
 διαμένουσιν ἕκαστοι. οἶνος δ' ἐκ φοινίκων ὁ πλείων.
 ἀδελφοὶ τιμιώτεροι τῶν τέκνων· κατὰ πρεσβυγένειαν
 καὶ βασιλεύουσιν οἱ ἐκ τοῦ γένους καὶ ἄλλας ἀρχὰς
 ἄρχουσιν· κοινὴ κτῆσις ἅπασιν τοῖς συγγενέσι, κύριος 25
 δὲ ὁ πρεσβύτατος· μία δὲ καὶ γυνὴ πᾶσιν, ὁ δὲ φθά-
 σας εἰσιὼν μίγνυται προθεὶς τῆς θυράς τὴν ῥάβδον·
 ἑκάστῳ γὰρ δεῦν ῥαβδοφορεῖν ἔθος· νυκτερεῦει δὲ
 παρὰ τῷ πρεσβυτάτῳ· διὸ καὶ πάντες ἀδελφοὶ πάν-
 30 των εἰσὶ· μίγνυνται δὲ καὶ μητράσι· μοιχῶ δὲ ζημία 30
 θάνατος· μοιχὸς δ' ἐστὶν ὁ ἐξ ἄλλου γένους. θυγάτηρ
 δὲ τῶν βασιλέων τινὸς θανμαστὴ τὸ κάλλος, ἔχουσα

- ἀδελφοὺς πεντεκαίδεκα ἐρωñτας αὐτῆς πάντας, καὶ διὰ τοῦτ' ἀδιαλείπτως ἄλλον ἐπ' ἄλλῳ παριόντα ὡς αὐτήν, κάμνουσα ἤδη παραδέδοται νοήματι χρήσασθαι τοιούτῳ· ποιησαμένη ῥάβδους ὁμοίας ταῖς ἐκείνων, 5 ὅτ' ἐξίοι παρ' αὐτῆς τις, αἰεὶ τινα προντίθει τῆς θύρας τὴν ὁμοίαν ἐκείνῃ, καὶ μικρὸν ὕστερον ἄλλην, εἴτ' ἄλλην, στοχαζομένη ὅπως μὴ ἐκείνῃ τὴν παραπλησίαν ἔχοι ὁ μέλλων προσιέναι· καὶ δὴ πάντων ποτὲ κατ' ἀγορὰν ὄντων, ἓνα προσιόντα τῇ θύρᾳ καὶ ἰδόντα τὴν 10 ῥάβδον, ἐκ μὲν ταύτης εἰκάσαι διότι παρ' αὐτήν τις εἶη· ἐκ δὲ τοῦ τοῦς ἀδελφοὺς πάντας ἐν τῇ ἀγορᾷ καταλιπεῖν ὑπονοῆσαι μοιχόν· δραμόντα δὲ πρὸς τὸν πατέρα καὶ ἐπαγαγόντα ἐκείνον ἐλεγχθῆναι καταψευ- σάμενον τῆς ἀδελφῆς.
- 15 Σώφρονες δ' εἰσὶν οἱ Ναβαταῖοι καὶ κτητικοί, 26 ὥστε καὶ δημοσίᾳ τῷ μὲν μειώσαντι τὴν οὐσίαν ζημία κεῖται, τῷ δ' αὐξήσαντι τιμαί. ὀλιγόδοιοι δ' ὄντες ὑπὸ τῶν συγγενῶν διακονοῦνται τὸ πλεόν ἢ ὑπ' ἀλλήλων ἢ αὐτοδιάκονοι, ὥστε καὶ μέχρι τῶν βασιλείων 20 διατείνειν τὸ ἔθος. συσσίτια δὲ ποιοῦνται κατὰ τρις- καίδεκα ἀνθρώπους, μουσουργοὶ δὲ δύο τῷ συμποσίῳ ἐκάστῳ. ὁ δὲ βασιλεὺς ἐν οἴκῳ μεγάλῳ πολλὰ συν- ἔχει συμπόσια· πίνει δ' οὐδεὶς πλεόν τῶν ἑνδεκα ποτη- ρίων ἄλλῳ καὶ ἄλλῳ χρυσῷ ἐκπώματι. οὕτω δ' ὁ βασι- 25 λεὺς ἐστὶ δημοτικὸς ὥστε πρὸς τῷ αὐτοδιακόνῳ καί ποτ' ἀντιδιάκονον τοῖς ἄλλοις καὶ αὐτὸν γίνεσθαι· πολλάκις δὲ καὶ ἐν τῷ δήμῳ δίδωσιν εὐθύνας, ἔσθ' ὅτε καὶ ἐξε- τάζεται τὰ περὶ τὸν βίον· οἰκήσεις δὲ διὰ λίθου πολυτε- λεῖς, αἱ δὲ πόλεις ἀτείχιστοι δι' εἰρήνην· εὐκαρπος ἢ 30 πολλὴ πλὴν ἐλαίου, χρῶνται δὲ σῆσαμίνῳ. πρόβατα λευκότριχα, βόες μεγάλοι, ἵππων ἄφορος ἡ χώρα· κά-C.784 μῆλοι δὲ τὴν ὑπουργίαν ἀντ' ἐκείνων παρέχονται.

ἀχίτωνες δ' ἐν περιζώμασι καὶ βλαυτίοις προΐασι καὶ οἱ βασιλεῖς, ἐν πορφύρᾳ δ' οὗτοι· εἰσαγώγιμα δ' ἐστὶ τὰ μὲν τελέως τὰ δ' οὐ παντελῶς, ἄλλως τε καὶ ἐπιχωριάζει, καθάπερ χρυσὸς καὶ ἄργυρος καὶ τὰ πολλὰ τῶν ἀρωμάτων· χαλκὸς δὲ καὶ σίδηρος καὶ ἐτι πορ- 5
φυρᾷ ἐσθῆς στύραξ κρόκος κοστάρια τόρευμα γραφὴ πλάσμα οὐκ ἐπιχώρια· ἴσα κοπρίαις ἡγοῦνται τὰ νεκρὰ σώματα, καθάπερ Ἡράκλειτός φησι νέκυες κοπρίων ἐκβλητότεροι. διὸ καὶ παρὰ τοὺς κοπρῶνας κατορύττουσι καὶ τοὺς βασιλεῖς. ἥλιον τιμῶσιν ἐπὶ τοῦ 10 δώματος ἰδρυσάμενοι βωμόν, σπένδοντες ἐν αὐτῷ καθ' ἡμέραν καὶ λιβανωτίζοντες.

- 27 Τοῦ δὲ ποιητοῦ λέγοντος „Αἰθιοπὰς θ' ἰκόμην „καὶ Σιδονίους καὶ Ἑρεμβούς,“ διαποροῦσι· καὶ περὶ τῶν Σιδωνίων μὲν, εἴτε τινὰς χρὴ λέγειν τῶν ἐν τῷ 15 Περσικῷ κόλπῳ κατοικούντων, ὧν ἄποικοι οἱ παρ' ἡμῖν Σιδῶνιοι, καθάπερ καὶ Τυρίους τινὰς ἐκεῖ νησιώτας ἱστοροῦσι καὶ Ἀραδίους, ὧν ἀποίκους τοὺς παρ' ἡμῖν φασιν, εἴτ' αὐτοὺς τοὺς Σιδωνίους· ἀλλὰ μᾶλλον περὶ τῶν Ἑρεμβῶν ἡ ζήτησις, εἴτε τοὺς Τρω- 20 γλοδύτας ὑπονοητέον λέγεσθαι, καθάπερ οἱ τὴν ἐτυμολογίαν βιαζόμενοι ἀπὸ τοῦ εἰς τὴν ἔραν ἐμβαίνειν, ὅπερ ἐστὶν εἰς τὴν γῆν, εἴτε τοὺς Ἀραβας. ὁ μὲν οὖν Ζήνων ὁ ἡμέτερος μεταγράφει οὕτως „καὶ Σιδονίους Ἀραβὰς τε.“ πιθανώτερον δὲ Ποσειδώνιος 25 γράφει τῷ παρὰ μικρὸν ἀλλάξαι „καὶ Σιδονίους καὶ Ἀραμβούς,“ ὥς τοῦ ποιητοῦ τοὺς νῦν Ἀραβας οὕτω καλέσαντος, καθάπερ καὶ ὑπὸ τῶν ἄλλων ὠνομάζοντο κατ' αὐτόν. φησὶ δὲ ταῦτα τρία ἔθνη συνεχῇ ἀλλήλοις ἰδρυμένα ὁμογένειάν τινα ἐμφαίνειν πρὸς 30 ἄλληλα, καὶ διὰ [τοῦ]το παρακειμένοις ὀνόμασι κεκλησθαι, τοὺς μὲν Ἀρμενίους τοὺς δὲ Ἀραμαίους τοὺς δὲ

Ἀραμβούς· ὥσπερ δὲ ἀπὸ ἔθνους [ένος] ὑπολαμβάνειν ἐστὶν εἰς τρία διηρηθῆναι κατὰ τὰς τῶν κλιμάτων διαφορὰς αἰεὶ καὶ μᾶλλον ἐξαλλαττομένων, οὕτω καὶ τοῖς ὀνόμασι χρήσασθαι πλείοσιν ἀνθ' ἑνός. οὐδ' οἱ
 5 Ἑρεμνοὺς γράφοντες πιθανοί· τῶν γὰρ Αἰθιοπῶν μᾶλλον ἰδιον. λέγει δὲ καὶ τοὺς Ἀρίμους ὁ ποιητής, οὓς φησι Προσειδώνιος δέχεσθαι δεῖν μὴ τόπον τινὰ τῆς Συρίας ἢ τῆς Κιλικίας ἢ ἄλλης τινὸς γῆς, ἀλλὰ τὴν Συρίαν αὐτὴν· Ἀραμαῖοι γὰρ οἱ ἐν αὐτῇ· τάχα δ' C.785
 10 οἱ Ἕλληνες Ἀριμαίους ἐκάλουν ἢ Ἀρίμους. αἱ δὲ τῶν ὀνομάτων μεταπτώσεις καὶ μάλιστα τῶν βαρβαρικῶν πολλαί· καθάπερ τὸν Δαριήκην Δαρεῖον ἐκάλεσαν, τὴν δὲ Φάρξιριν Παρύσατιν, Ἀταργάτιν δὲ τὴν Ἀθάραν· Δερκετὼ δ' αὐτὴν Κτησίας καλεῖ. τῆς δὲ τῶν
 15 Ἀράβων εὐδαιμονίας καὶ Ἀλέξανδρον ἂν τις ποιήσαιτο μάρτυρα τὸν διανοηθέντα, ὥς φασι, καὶ βασιλεῖον αὐτὴν ποιήσασθαι μετὰ τὴν ἐξ Ἰνδῶν ἐπάνοδον. πᾶσαι μὲν οὖν αἱ ἐπιχειρήσεις αὐτοῦ κατελύθησαν τελευτήσαντος παραχοῆμα τὸν βίον· μία δ' οὖν καὶ
 20 αὕτη τῶν ἐπιχειρήσεων ἦν, εἰ μὲν ἐκόντες παραδέχοιντο αὐτόν, εἰ δὲ μὴ, ὥς πολεμήσοντος· καὶ δὴ ὁρῶν μήτε πρότερον μὴθ' ὕστερον πέμψαντας ὥς αὐτὸν πρέσβεις, παρεσκευάζετο πρὸς τὸν πόλεμον, ὥσπερ εἰρήκαμεν ἐν τοῖς ἐμπροσθεν.

25

Ἐπεὶ δὲ τὴν Ἀραβίαν ἐφοδεύοντες καὶ τοὺς κόλ- 1
 πους συμπεριελάβομεν τοὺς σφίγγοντας αὐτὴν καὶ
 30 ποιοῦντας χειρόνησον, τὸν Περσικὸν καὶ τὸν Ἀράβιον, τούτῳ δὲ τινα συμπεριωδεύθη καὶ τῆς Αἰγύπτου καὶ τῆς Αἰθιοπίας, τὰ τῶν Τρωγλοδυτῶν καὶ τῶν ἐξῆς

μέχρι τῶν ἐσχάτων τῆς κινναμωμοφόρου· τὰ λειπό-
μενα καὶ συνεχῇ τοῖς ἔθνεσι τούτοις, ταῦτα δ' ἐστὶ τὰ
περὶ τὸν Νεῖλον, ἐκθετέον· μετὰ δὲ ταῦτα τὴν Αἰβύην
ἐπιμεν, ἥπερ ἐστὶ λοιπὴ τῆς συμπάσης γεωγραφίας.
κάνταῦθα δ' Ἑρατοσθένους ἀποφάσεις προεκθετέον. 5

2 Φησὶ δὴ τοῦ Ἀραβίου κόλπου πρὸς τὴν ἐσπέραν
χιλίους σταδίους διέχειν τὸν Νεῖλον, παραπλήσιον ὄντα
C.786 τῷ γραμματι τῷ Ν κειμένῳ ἀνάπαλιν. ὅτις γάρ, φη-
σὶν, ἀπὸ Μερόης ἐπὶ τὰς ἄρκτους ὡς διςχιλίους καὶ
ἐπτακοσίους σταδίους, πάλιν ἀναστρέφει πρὸς μεσημ- 10
βρίαν καὶ τὴν χειμερινὴν δύσιν ὡς τριςχιλίους καὶ
ἐπτακοσίους σταδίους, καὶ σχεδόν [τι] ἀντάρας τοῖς κατὰ
Μερόην τόποις καὶ εἰς τὴν Αἰβύην πολὺ προπεσὼν καὶ
τὴν ἑτέραν ἐπιστροφὴν ποιησάμενος πρὸς τὰς ἄρ-
κτους φέρεται πεντακισχιλίους μὲν καὶ τριακοσίους 15
σταδίους ἐπὶ τὸν μέγαν καταράκτην μικρὸν παρεπι-
στρέφων πρὸς τὴν ἕω, χιλίους δὲ καὶ διακοσίους τοὺς
ἐπὶ τὸν ἐλάττω τὸν κατὰ Συήνην, πεντακισχιλίους δὲ
ἄλλους καὶ τριακοσίους ἐπὶ τὴν θάλατταν. ἐμβάλλουσι
δ' εἰς αὐτὸν δύο ποταμοί, φερόμενοι μὲν ἐκ τινων λι- 20
μνῶν ἀπὸ τῆς ἕω, περιλαμβάνοντες δὲ νῆσον εὐμε-
γέθη τὴν Μερόην· ὧν ὁ μὲν Ἀσταβόρας καλεῖται κατὰ
τὸ πρὸς ἕω πλευρὸν ῥέων, ἄτερος δ' Ἀστάπους· οἱ δ'
Ἀστασόβαν καλοῦσι, τὸν δ' Ἀστάπουν ἄλλον εἶναι,
ῥέοντα ἐκ τινων λιμνῶν ἀπὸ μεσημβρίας καὶ σχεδόν 25
[τι] τὸ κατ' εὐθείαν σῶμα τοῦ Νεῖλου τοῦτον ποιεῖν·
τὴν δὲ πλήρωσιν αὐτοῦ τοὺς θερινοὺς ὄμβρους παρα-
σκευάζειν. ὑπὲρ δὲ τὰς συμβολὰς τοῦ Ἀσταβόρα καὶ
τοῦ Νεῖλου σταδίοις ἐπτακοσίοις Μερόην εἶναι πόλιν
ὁμώνυμον τῇ νήσῳ· ἄλλην δ' εἶναι νῆσον ὑπὲρ τῆς 30

Μερόης, ἣν ἔχουσιν οἱ Αἰγυπτίων φυγάδες οἱ ἀπο-
 στάντες ἀπὸ Φαμμιτίχου, καλοῦνται δὲ Σεμβρίται, ὡς
 ἂν ἐπήλυδες· βασιλεύονται δὲ ὑπὸ γυναικός, ὑπακού-
 οῦσι δὲ τῶν ἐν Μερόῃ. τὰ δὲ κατωτέρω ἐκατέρωθεν
 5 Μερόης παρὰ μὲν τὸν Νεῖλον πρὸς τὴν Ἐρυθρὰν Με-
 γάβαροι καὶ Βλέμνυες, Αἰθιοπῶν ὑπακούοντες, Αἰ-
 γυπτίοις δ' ὅμοροι· παρὰ θάλατταν δὲ Τρωγλοδύται·
 διεστᾶσι δὲ εἰς δέκα ἢ δώδεκα ἡμερῶν ὁδὸν οἱ κατὰ
 τὴν Μερόην Τρωγλοδύται τοῦ Νείλου. ἐξ ἀριστερῶν
 10 δὲ τῆς ῥύσεως τοῦ Νείλου Νοῦβαι κατοικοῦσιν ἐν τῇ
 Αἰβύῃ, μέγα ἔθνος, ἀπὸ τῆς Μερόης ἀρξάμενοι μέχρι
 τῶν ἀγκώνων, οὐχ ὑποταττόμενοι τοῖς Αἰθίοψιν, ἀλλ'
 ἰδίᾳ κατὰ πλείους βασιλείας διειλημμένοι. τῆς δ' Αἰ-
 γύπτου τὸ παρὰ τὴν θάλατταν ἐστὶν ἀπὸ τοῦ Πηλου-
 15 σιακοῦ στόματος πρὸς τὸ Κανωβικὸν στάδιοι χίλιοι
 τριακόσιοι.

Ἐρατοσθένους μὲν οὖν οὕτως. δεῖ δὲ ἐπὶ πλέον εἰ- 3
 πεῖν καὶ πρῶτον τὰ περὶ τὴν Αἴγυπτον, ὅπως ἀπὸ τῶν
 γνωριμωτέρων ἐπὶ τὰ ἑξῆς προῖωμεν. κοινὰ μὲν γάρ
 20 τινα καὶ ταύτῃ τῇ χώρᾳ καὶ τῇ συνεχεῖ καὶ ὑπὲρ αὐτὴν
 τῇ τῶν Αἰθιοπῶν ὁ Νεῖλος παρασκευάζει, ποτιζὼν τε
 αὐτὰς κατὰ τὰς ἀναβάσεις καὶ τοῦτ' οἰκήσιμον αὐτῶν
 τὸ μέρος ἀπολείπων μόνον τὸ καλυπτόμενον ἐν ταῖς
 πλημμυρίσι, τὸ δ' ὑπερδέξιον καὶ μετεωρότερον τοῦ
 25 ῥεύματος πᾶν ἀοίκητον διεξιὼν ἐκατέρωθεν καὶ ἔρη-
 μον διὰ τὴν αὐτὴν ἀνυδρίαν. ἀλλὰ τὴν μὲν ΑἰθιοπίανC.787
 οὔτε πᾶσαν διέξεισιν ὁ Νεῖλος οὔτε μόνος οὔτ' ἐπ' εὐ-
 θείας οὔτ' οἰκουμένην καλῶς· τὴν δὲ Αἴγυπτον καὶ
 μόνος καὶ πᾶσαν καὶ ἐπ' εὐθείας ἀπὸ τοῦ μικροῦ κα-
 30 ταράκτου ὑπὲρ Συήνης καὶ Ἐλεφαντίνης ἀρξάμενος,
 οἵπερ εἰσὶν ὄροι τῆς Αἰγύπτου καὶ τῆς Αἰθιοπίας, ἕως

τῶν ἐπὶ θάλατταν ἐκβολῶν. καὶ μὴν οἱ γε Αἰθίοπες το
 πλέον νομαδικῶς ζῶσι καὶ ἀπόρως διὰ τε τὴν λυπρό-
 τητα τῆς χώρας καὶ τὴν τῶν ἀέρων ἀσυμμετρίαν καὶ
 τὸν ἀφ' ἡμῶν ἐκτοπισμόν, τοῖς δ' Αἰγυπτίοις ἅπαντα
 τὰναντία συμβέβηκε· καὶ γὰρ πολιτικῶς καὶ ἡμέρως 5
 ἐξ ἀρχῆς ζῶσι καὶ ἐν γνωρίμοις ἴδρυνται τόποις, ὥστε
 καὶ αἱ διατάξεις αὐτῶν μνημονεύονται· καὶ ἐπαινοῦν-
 ταί γε δοκοῦντες ἀξίως χρῆσασθαι τῇ τῆς χώρας εὐ-
 δαιμονίᾳ, μερίσαντές τε εὖ καὶ ἐπιμεληθέντες. βασι-
 λέα γὰρ ἀποδείξαντες τριχῇ τὸ πλῆθος διεῖλον καὶ τοὺς 10
 μὲν στρατιώτας ἐκάλεσαν τοὺς δὲ γεωργοὺς τοὺς δὲ
 ἱερεῖας· καὶ τοὺς μὲν τῶν ἱερῶν ἐπιμελητὰς τοὺς δ'
 ἄλλους τῶν περὶ τὸν ἄνθρωπον· καὶ τοὺς μὲν [τὰ] ἐν
 τῷ πολέμῳ τοὺς δ' ὅσα ἐν εἰρήνῃ, γῆν τε καὶ τέχνας
 ἐργαζομένων· ἀφ' ὧν περ καὶ αἱ πρόσοδοι συνήγοντο 15
 τῷ βασιλεῖ. οἱ δ' ἱερεῖς καὶ φιλοσοφίαν ἥσκουν καὶ
 ἀστρονομίαν, ὁμιλεῖται τε τῶν βασιλέων ἦσαν. ἡ δὲ
 χώρα τὴν μὲν πρώτην διαίρεσιν εἰς νομοὺς ἔσχε, δέκα
 μὲν ἡ Θηβαῖς, δέκα δ' ἡ ἐν τῷ Δέλτα, ἑκαταίδεκα δ' ἡ
 μεταξὺ· ὡς δέ τινες, τοσοῦτοι ἦσαν οἱ σύμπαντες νο- 20
 μοὶ ὅσαι αἱ ἐν τῷ λαβυρίνθῳ ἀνάλαί· αὗται δ' ἐλάτ-
 τους τῶν τριάκοντα [καὶ ἑξ]· πάλιν δ' οἱ νομοὶ τομὰς
 ἄλλας ἔσχον· εἰς γὰρ τοπαρχίας οἱ πλεῖστοι διήρηντο,
 καὶ αὗται δ' εἰς ἄλλας τομὰς· ἐλάχισται δ' αἱ ἄρουραι
 μερίδες. ἐδέξσε δὲ τῆς ἐπ' ἀκριβὲς καὶ κατὰ λεπτὸν διαί- 25
 ρέσεως διὰ τὰς συνεχεῖς τῶν ὕρων συγχύσεις ἃς ὁ Νεῖ-
 λος ἀπεργάζεται κατὰ τὰς ἀνυψήσεις, ἀφαιρῶν καὶ προσ-
 τιθεὶς καὶ ἐναλλάττων τὰ σχήματα καὶ τὰλλα σημεῖα
 ἀποκρύπτων οἷς διακρίνεται τό τε ἄλλότριον καὶ τὸ
 ἴδιον· ἀνάγκη δὴ ἀναμετρεῖσθαι πάλιν καὶ πάλιν. ἐν- 30

1. post ἐκβολῶν: τοῦ Νεῖλου.

τεῦθεν δὲ καὶ τὴν γεωμετρίαν συστήναι φασιν, ὡς τὴν
 λογιστικὴν καὶ ἀριθμητικὴν παρὰ Φοινίκων διὰ τὰς
 ἐμπορίας. τριχῇ δὲ διήρητο ὥσπερ τὸ σύμπαν καὶ τὸ
 ἐν ἑκάστῳ τῷ νομῷ πληθὺς, εἰς τρία ἴσα μερισθείσης
 5 τῆς χώρας. ἡ δὲ περὶ τὸν ποταμὸν πραγματεία διαφέ-
 ρει τοσοῦτον ὅσον τῇ ἐπιμελείᾳ νικᾷ τὴν φύσιν. φύ-
 σει γὰρ πλείονα φέρει καρπὸν καὶ ποτισθεῖσα μᾶλλον. 788
 φύσει δὲ καὶ ἡ μείζων ἀνάβασις τοῦ ποταμοῦ πλείω
 ποτίζει γῆν, ἀλλ' ἡ ἐπιμέλεια πολλάκις καὶ τῆς φύσεως
 10 ἐξίσχυσεν ἐπιλιπούσης, ὥστε καὶ κατὰ τὰς ἐλάττους
 ἀναβάσεις τοσαύτην ποτισθῆναι γῆν ὅσην ἐν ταῖς μεί-
 ζοσι, διὰ τε τῶν διωρύγων καὶ τῶν παραχωμάτων.
 ἐπὶ γοῦν τῶν πρὸ Πετρωνίου χρόνων ἡ μεγίστη μὲν
 ἦν φορὰ καὶ ἀνάβασις, ἡνίκα ἐπὶ τεσσαρεσκαίδεκα πῆ-
 15 χεῖς ἀνέβαινε ὁ Νεῖλος, ἡνίκα δ' ἐπ' ὀκτώ, συνέβαινε
 λιμός. ἐπ' ἐκείνου δὲ ἄρξαντος τῆς χώρας καὶ δώδεκα
 μόνον πληρώσαντος πῆχεις τοῦ Νείλου μέτρου, με-
 γίστη ἦν ἡ φορὰ, καὶ ὀκτὼ ποτε μόνον πληρώσαντος
 λιμοῦ οὐδεὶς ἦσθετο. τοιαύτη μὲν ἡ διάταξις. τὰ δ'
 20 ἐξῆς λέγωμεν νυνί.

Ἀπὸ γὰρ τῶν Αἰθιοπικῶν τερμόνων ρεῖ ἐπ' εὐ- +
 θείας ὁ Νεῖλος πρὸς ἄρκτους ἕως τοῦ καλουμένου χω-
 ρίου Δέλτα. εἴτ' ἐπὶ κορυφὴν σχιζόμενος, ὥς φησιν ὁ
 Πλάτων, ὡς ἂν τριγώνου κορυφὴν ἀποτελεῖ τὸν τό-
 25 πον τοῦτον. πλευρὰς δὲ τοῦ τριγώνου τὰ σχιζόμενα
 ἐφ' ἑκάτερα ρεῖθρα καθήκοντα μέχρι τῆς θαλάττης,
 τὸ μὲν ἐν δεξιᾷ τῆς κατὰ Πηλουσίον, τὸ δ' ἐν ἀρι-
 στερᾷ τῆς κατὰ Κάνωβον καὶ τὸ πλησίον Ἡρά-
 κλειον προσαγορευόμενον. βάσιν δὲ τὴν παραλίαν
 30 τὴν μεταξὺ τοῦ Πηλουσίου καὶ τοῦ Ἡρακλείου. γέ-

γονε δὴ νῆσος ἔκ τε τῆς θαλάττης καὶ τῶν ῥευμά-
 των ἀμφοῖν τοῦ ποταμοῦ, καὶ καλεῖται Δέλτα διὰ τὴν
 ὁμοιότητα τοῦ σχήματος· τὸ δ' ἐπὶ τῇ κορυφῇ χωρίου
 ὁμωνύμως κέκληται διὰ τὸ ἀρχὴν εἶναι τοῦ λεχθέντος
 σχήματος, καὶ ἡ κώμη δὲ ἡ ἐπ' αὐτῷ καλεῖται Δέλτα. 5
 δύο μὲν οὖν ταῦτα τοῦ Νείλου στόματα, ὧν τὸ μὲν Πη-
 λουσιακὸν καλεῖται, τὸ δὲ Κανωβικὸν καὶ Ἡρακλειω-
 τικόν· μεταξὺ δὲ τούτων ἄλλαι πέντε εἰσὶν ἐκβολαὶ
 αἱ γὰρ ἀξιόλογοι, λεπτότεραι δὲ πλείους· ἀπὸ γὰρ τῶν
 πρώτων μερῶν ἀπορροῶγες πολλαὶ καθ' ὅλην μερι- 10
 σθεῖσαι τὴν νῆσον πολλὰ καὶ ῥεῖθρα καὶ νήσους ἐποίη-
 σαν, ὥσθ' ὅλην γενέσθαι πλωτὴν διωρύγων ἐπὶ διώ-
 ρυξι τμηθεῖσων, αἱ κατὰ ῥαστώνην πλέονται το-
 σαύτην ὥστε καὶ ὀστράκινα ἐνίοις εἶναι πορθμεῖα· τὴν
 μὲν οὖν περιμέτρον ὅσον τρισχιλίων σταδίων ἐστὶν ἡ 15
 σύμπασα νῆσος· καλοῦσι δ' αὐτὴν καὶ τὴν κάτω χώ-
 ραν σὺν ταῖς ἀπαντικρὺ ποταμίαις τοῦ Δέλτα· ἐν δὲ
 ταῖς ἀναβάσεσι τοῦ Νείλου καλύπτεται πᾶσα καὶ πε-
 λαγίζει πλὴν τῶν οἰκήσεων· αὐταὶ δ' ἐπὶ λόφων ἀν-
 τοφυῶν ἢ χωμάτων ἰδρυνται, πόλεις τε ἀξιόλογοι καὶ 20
 C.789 κῶμαι, νησιζοῦσαι κατὰ τὴν πόρρωθεν ὄψιν. πλείους
 δὲ τετραράκοντα ἡμέρας τοῦ θέρους διαμεῖναν τὸ ὕδωρ
 ἔπειθ' ὑπόβασιν λαμβάνει κατ' ὀλίγον, καθάπερ καὶ
 τὴν αὐξησιν ἔσχευ· ἐν ἑξήκοντα δὲ ἡμέραις τελέως
 γυμνοῦται καὶ ἀναψύχεται τὸ πεδίον· ὅσῳ δὲ θᾶττον 25
 ἢ ἀνάψυξις, τοσῶδε θᾶττον ὁ ἄροτος καὶ ὁ σπόρος·
 θᾶττον δέ, παρ' οἷς τὰ μείζω θάλαππ· τὸν αὐτὸν τρό-
 πον καὶ τὰ ἐπάνω τοῦ Δέλτα ποτίζεται, πλὴν ὅτι ἐπ'
 εὐθείας ὅσον τετρακισχιλίους σταδίους δι' ἐνὸς ῥεῖθρου
 τοῦ ποταμοῦ φερομένου, πλὴν εἰ πού τις ἐντρέχει νῆ- 30
 σος, ὧν ἀξιολογωτάτη ἡ τὸν Ἡρακλειωτικὸν νομὸν
 περιέχουσα, ἢ εἰ πού τις ἐκτροπὴ διώρυγι ἐπὶ πλέον

εἰς λίμνην μεγάλην καὶ χώραν, ἣν ποτίζειν δύναται, καθάπερ ἐπὶ τῆς τὸν Ἀρσινόην νομὸν ποτιζούσης καὶ τὴν Μοίριδος λίμνην καὶ τῶν εἰς τὴν Μαρεώτιν ἀναχεομένων. συλλήβδην δ' εἰπεῖν, ἡ ποταμία μόνον 5 ἐστὶν Αἰγυπτὸς ἢ ἐκατέρωθεν * ἐσχάτη τοῦ Νείλου, σπάνιον εἴπου τριακοσίων σταδίων ἐπέχουσα συνεχῶς πλάτος τὸ οἰκήσιμον ἀρξαμένη ἀπὸ τῶν ὄρων τῆς Αἰθιοπίας μέχρι τῆς κορυφῆς τοῦ Ἀέλτα. ἔοικεν οὖν κειρία * ψυχομένη ἐπὶ μῆκος, ὑπεξαίρουμένων τῶν 10 ἐπὶ πλεόν ἐκτροπῶν. ποιεῖ δὲ τὸ σχῆμα τοῦτο τῆς ποταμίας ἥς λέγω καὶ τῆς χώρας τὰ ὕψη τὰ ἐκατέρωθεν ἀπὸ τῶν περὶ Συήνην τόπων καταγόμενα μέχρι τοῦ Αἰγυπτίου πελάγους· ἐφ' ὅσον γὰρ ταῦτα παρατείνει καὶ διέστηκεν ἀπ' ἀλλήλων, ἐπὶ τοσοῦτον καὶ ὁ πο- 15 ταμὸς συνάγεται τε καὶ διαχεῖται καὶ διασχηματίζει τὴν χώραν διαφόρως τὴν οἰκήσιμον· ἡ δὲ ὑπὲρ τῶν ὄρων ἐπὶ συχνὸν ἀοίκητός ἐστιν.

Οἱ μὲν οὖν ἀρχαῖοι στοχασμῷ τὸ πλεόν, οἱ δ' ὅστε- 5 ρον αὐτόπται γενηθέντες ἤσθοντο ὑπὸ ὄμβρων θερῶν τῶν πληρούμενον τὸν Νεῖλον, τῆς Αἰθιοπίας τῆς ἄνω κλυζομένης, καὶ μάλιστα ἐν τοῖς ἐσχάτοις ὄρεσι, πανομένων δὲ τῶν ὄμβρων πανομένην κατ' ὀλίγον τὴν πλημμυρίδα· τοῦτο δ' ὑπῆρξε μάλιστα δῆλον τοῖς 20 πλέουσι τὸν Ἀράβιον κόλπον μέχρι τῆς κινναμώμοφρου καὶ τοῖς ἐκπεμπομένοις ἐπὶ τὴν τῶν ἐλεφάντων θήραν, καὶ εἴ τινες ἄλλαι χρεῖαι παρῳξυνον ἐκέισε ἄνδρας προχειρίζεσθαι τοὺς τῆς Αἰγύπτου βασιλέας τοὺς Πτολεμαῖκούς. οὗτοι γὰρ ἐφρόντισαν τῶν τοιούτων, διαφερόντως δ' ὁ Φιλάδελφος ἐπικληθεὶς, φι- 30 λιστορῶν καὶ διὰ τὴν ἀσθενεῖαν τοῦ σώματος διαγωγὰς αἰεί τινας καὶ τέρψεις ζητῶν καινοτέρας. οἱ πάλαι δὲ βασιλεῖς οὐ πάνυ ἐφρόντισαν τῶν τοιούτων· καί-

C.790 περ οἰκεῖοι σοφίας γεγονότες καὶ αὐτοὶ καὶ οἱ ἱερεῖς, μεθ' ὧν ἦν αὐτοῖς ὁ πλείων βίος· ὥστε καὶ θαυμάζειν ἄξιον καὶ διὰ τοῦτο καὶ διότι Σέσωστρις τὴν Αἰθιοπίαν ἐπῆλθεν ἅπασαν μέχρι τῆς κινναμωμοφόρου, καὶ ὑπομνήματα τῆς στρατείας αὐτοῦ καὶ νῦν ἐτι δείκνυται στῆλαι καὶ ἐπιγραφαί. Καμβύσης τε τὴν Αἰγύπτου κατασχὼν προῆλθε καὶ μέχρι τῆς Μερόης μετὰ τῶν Αἰγυπτίων· καὶ δὴ καὶ τοῦνομα τῇ τε νήσῳ καὶ τῇ πόλει τοῦτο παρ' ἐκείνου τεθῆναι φασιν, ἐκεῖ τῆς ἀδελφῆς ἀποθανούσης αὐτῷ Μερόης· οἱ δὲ γυναῖκά 10 φασι· τὴν ἐπωνυμίαν οὖν ἔχαρίσατο αὐτῇ τιμῶν τὴν ἄνθρωπον. θαυμαστὸν οὖν πῶς ἐκ τῶν τοιούτων ἀφορμῶν οὐ τελέως ἐναργῆς ἦν ἡ περὶ τῶν ὄμβρων ἱστορία τοῖς τότε, καὶ ταῦτα τῶν ἱερέων φιλοπραγμονέστερον ἀναφερόντων εἰς τὰ ἱερὰ γράμματα καὶ ἀποτιθεμένων, 15 ὅσα μάθῃσιν περιττὴν ἐπιφαίνει. εἰ γὰρ ἄρα, τοῦτ' ἐχορὴν ζητεῖν ὅπερ καὶ νῦν ἐτι ζητεῖται, τί δὴ ποτε θέρους, χειμῶνος δὲ οὐ, καὶ ἐν τοῖς νοτιωτάτοις, ἐν δὲ τῇ Θηβαΐδι καὶ τῇ περὶ Συήνην οὐ συμπέπτουσιν ὄμβροι· τὸ δ' ὅτι ἐξ ὄμβρων αἱ ἀναβάσεις μὴ ζητεῖν, 20 μὴ δὲ τοιούτων δεῖσθαι μαρτύρων οἷους Ποσειδώνιος εἶρηκε. φησὶ γὰρ Καλλισθένης λέγειν τὴν ἐκ τῶν ὄμβρων αἰτίαν τῶν θερυνῶν παρὰ Ἀριστοτέλους λαβόντα, ἐκείνον δὲ παρὰ Θρασυάλκου τοῦ Θασίου (τῶν ἀρχαίων δὲ φυσικῶν εἰς οὗτος) ἐκείνον δὲ παρ' ἄλλου, τὸν δὲ 25 παρ' Ὀμήρου διπτετέα φάσκοντος τὸν Νεῖλον „ἂψ δ' „εἰς Αἰγύπτιο διπτετέος ποταμοῖο.“ ἀλλ' ἐπὶ ταῦτα πολλῶν εἰρηκώτων ὧν ἀρκέσει δύο μηνῦσαι τοὺς ποιήσαντας καθ' ἡμᾶς τὸ περὶ τοῦ Νείλου βιβλίον, Εὐδωρόν τε καὶ Ἀρίστωνα τὸν ἐκ τῶν περιπάτων· πλὴν γὰρ 30 τῆς τάξεως τά γε ἄλλα καὶ τῇ φράσει καὶ τῇ ἐπιχειρήσει ταῦτά ἐστι κείμενα παρ' ἀμφοτέροις. ἐγὼ γοῦν

ἀπορούμενος ἀντιγράφων εἰς τὴν ἀντιβολὴν ἐκ θατέ-
 ρου θάτερον ἀντέβαλον· πότερος δ' ἦν ὁ τὰλλότρια
 ὑποβαλόμενος, ἐν ᾧ Ἀμμωνος εὖροι τις ἄν. Εὐδωρος δ'
 ἡττιάτο τὸν Ἀρίστωνα· ἡ μέντοι φράσις Ἀριστώνειος
 5 μᾶλλον ἐστίν. οἱ μὲν οὖν ἀρχαῖοι τὸ οἰκούμενον αὐτὸ
 καὶ ποτιζόμενον ὑπὸ τοῦ Νείλου μόνον Αἴγυπτον ἐκά-
 λουν ἀπὸ τῶν περὶ Συήνην τόπων ἀρξάμενοι μέχρι τῆς
 θαλάττης, οἱ δ' ὕστερον μέχρι νῦν προσέλαβον ἐκ μὲν
 τῶν πρὸς ἑω μερῶν [τὰ] μεταξὺ τοῦ Ἀραβίου κόλπου
 10 καὶ τοῦ Νείλου σχεδὸν τι πάντα (οἱ δ' Αἰθίοπες οὐκ. 791
 πάνυ χρῶνται τῇ Ἐρυθρᾷ θαλάττῃ), ἐκ δὲ τῶν ἐσπε-
 ρίων τὰ μέχρι τῶν ἀνάσεων καὶ ἐν τῇ παραλίᾳ τὰ ἀπὸ
 τοῦ Κανωβικοῦ στόματος μέχρι Καταβαθμοῦ καὶ τῆς
 Κυρηναίων ἐπικρατείας. οἳ τε γὰρ ἀπὸ τοῦ Πτολεμαίου
 15 βασιλεῖς ἔσχυσαν τοσοῦτον, οἳ γε καὶ τὴν Κυρηναίαν
 αὐτὴν κατέσχον καὶ διενείμαντο πρὸς τὴν Αἴγυπτον
 καὶ τὴν Κύπρον, Ῥωμαῖοί τε οἱ διαδεξάμενοι τὴν ἐκεί-
 νων ἐπαρχίαν κρίναντες τὴν Αἴγυπτον ἐν τοῖς αὐτοῖς
 ὄροις διεφύλαξαν. ἀνάσεις δ' οἱ Αἰγύπτιοι καλοῦσι τὰς
 20 οἰκουμένας χώρας περιεχομένας κύκλῳ μεγάλαις ἐρη-
 μίαις ὥς ἂν νήσους πελαγίας· πολὺ δὲ τοῦτ' ἐστὶ κατὰ
 τὴν Λιβύην, τρεῖς δ' εἰσὶν αἱ πρόσχωροι τῇ Αἰγύπτῳ
 καὶ ὑπ' αὐτῇ τεταγμέναι.

Τὰ μὲν οὖν καθ' ὅλου καὶ ἀνωτάτω περὶ τῆς Αἰ-
 25 γύπτου ταῦτα λέγομεν, τὰ καθ' ἕκαστα δὲ καὶ τὰς ἀρε- 6
 τὰς αὐτῆς νῦν διεξιμεν. ἐπεὶ δὲ τὸ πλεῖστον τοῦ ἔργου
 τούτου καὶ τὸ κυριώτατον ἡ Ἀλεξάνδρεια ἐστὶ καὶ τὰ
 περὶ αὐτήν, ἐντεῦθεν ἀρκτέον. ἐστὶ τοίνυν ἡ ἀπὸ Πη-
 λουσίῳ παραλίᾳ πρὸς τὴν ἐσπέραν πλέουσι μέχρι μὲν
 30 τοῦ Κανωβικοῦ στόματος χιλίων πον καὶ τριακοσίων
 σταδίων, ὃ δὴ καὶ βάσιν τοῦ Δέλτα ἔφαμεν· ἐντεῦθεν
 δ' ἐπὶ Φάρον τὴν νῆσον ἄλλοι στάδιοι πεντήκοντα

πρὸς τοῖς ἑκατόν. ἡ δὲ Φάρος νησίον ἐστὶ παράμυκες, προσεχέσταντον τῇ ἡπείρῳ, λιμένα πρὸς αὐτὴν ποιοῦν ἀμφίστομον. ἡὼν γὰρ ἐστὶ κολπώδης, ἄκρας εἰς τὸ πέλαγος προβεβλημένη δύο· τούτων δὲ μεταξὺ ἡ νῆσος ἰδρύεται κλείουσα τὸν κόλπον, παραβέβληται γὰρ αὐτῇ 5 κατὰ μῆκος· τῶν δ' ἄκρων τῆς Φάρου τὸ μὲν ἐξῶν μαλλόν ἐστι προσεχὲς τῇ ἡπείρῳ καὶ τῇ κατ' αὐτὴν ἄκρᾳ (καλεῖται δ' ἄκρα Λοχιάς), καὶ ποιεῖ τὸν λιμένα ἀρτίστομον· πρὸς δὲ τῇ στενότητι τοῦ μεταξὺ πόρου καὶ πέτραι εἰσὶν αἱ μὲν ὕφαλοι αἱ δὲ καὶ ἐξέχουσαι, 10 τραχύνουσαι πᾶσαν ὥραν τὸ προσπίπτον ἐκ τοῦ πελάγους κλυδώνιον. ἔστι δὲ καὶ αὐτὸ τὸ τῆς νηϊδος ἄκρον πέτρα περίκλυτος, ἔχουσα πύργον θαυμαστῶς κατεσκευασμένον λευκοῦ λίθου πολυώροφον, ὁμώνυμον τῇ νήσῳ· τοῦτον δ' ἀνέσθηκε Σώστρατος Κνίδιος, φίλος 15 τῶν βασιλέων, τῆς τῶν πλοιοζομένων σωτηρίας χάριν, ὥς φησιν ἡ ἐπιγραφὴ. ἀλιμένου γὰρ οὕσης καὶ ταπεινῆς τῆς ἐκατέρωθεν παραλίας, ἐχούσης δὲ καὶ χοιράδας καὶ βράχη τινα, ἔδει σημείου τινὸς ὑψηλοῦ καὶ λαμπροῦ τοῖς ἀπὸ τοῦ πελάγους προσπλέουσιν ὥστ' εὐστοχεῖν 20 0.792 τῆς εἰσβολῆς τοῦ λιμένος. καὶ τὸ ἐσπέριον δὲ στόμα οὐκ εὐεῖσβολόν ἐστιν, οὐ μὴν τοσαύτης γε δεῖται προνοίας· ποιεῖ δὲ καὶ τοῦτο ἄλλον λιμένα τὸν τοῦ Εὐνόστου καλούμενον· πρόκειται δ' οὗτος τοῦ ὀρυκτοῦ καὶ κλειστοῦ λιμένος· ὁ μὲν γὰρ ἐκ τοῦ λεχθέντος πύργου 25 τῆς Φάρου τὸν εἰσπλουον ἔχων ὁ μέγας ἐστὶ λιμὴν· οὗτοι δὲ συνεχεῖς ἐν βάρει ἐκείνῳ, τῷ ἐπτασταδίῳ καλουμένῳ χῳμάτι διειργόμενοι ἀπ' αὐτοῦ παράκεινται· τὸ δὲ χῳμά ἐστίν ἀπὸ τῆς ἡπείρου γέφυρα ἐπὶ τὴν νῆ-

17. post ἐπιγραφὴ: σῳστρατος κνίδιος Δεξιφάνους θεοῖς σωτήρσιν ὑπὲρ τῶν πλοιοζομένων.

σου κατὰ τὸ ἐσπέριον αὐτῆς μέρος ἐκτεταμένη, δύο
 διάπλους ἀπολείπουσα μόνον εἰς τὸν Εὐνόστου λιμένα
 καὶ αὐτοὺς γεγεφυρωμένους· ἦν δ' οὐ γέφυρα μόνον
 ἐπὶ τὴν νῆσον τὸ ἔργον τοῦτο, ἀλλὰ καὶ ὑδραγῶγιον,
 5 ὅτε γε ὤκεῖτο· νῦν δ' ἡρήμωσεν αὐτὴν ὁ θεὸς Καῖσαρ
 ἐν τῷ πρὸς Ἀλεξανδρέας πολέμῳ τεταγμένην μετὰ τῶν
 βασιλέων· ὀλίγοι δ' οἰκοῦσι πρὸς τῷ πύργῳ ναυτικοὶ
 ἄνδρες. ὁ γοῦν μέγας λιμὴν πρὸς τῷ κεκλεισθαι καλῶς
 τῷ τε χώματι καὶ τῇ φύσει ἀγχιβαθῆς τέ ἐστίν ὥστε
 10 τὴν μεγίστην ναῦν ἐπὶ κλίμακος ὀρμεῖν, καὶ εἰς πλείους
 σχίζεται λιμένας. οἱ μὲν οὖν πρότεροι τῶν Αἰγυπτίων
 βασιλεῖς ἀγαπῶντες οἷς εἶχον καὶ οὐ πάνυ ἐπεισάκτων
 δεόμενοι, διαβεβλημένοι πρὸς ἅπαντας τοὺς πλείοντας
 καὶ μάλιστα τοὺς Ἕλληνας (πορθηταὶ γὰρ ἦσαν καὶ
 15 ἐπιθυμηταὶ τῆς ἀλλοτρίας κατὰ σπάνιν γῆς), ἐπέστη-
 σαν φυλακὴν τῷ τόπῳ τούτῳ κελεύσαντες ἀπειργεῖν
 τοὺς προσιόντας· κατοικίαν δ' αὐτοῖς ἔδοσαν τὴν
 προσαγορευομένην Ῥακῶτιν, ἣ νῦν μὲν τῆς Ἀλεξαν-
 δρέων πόλεως ἐστὶ μέρος τὸ ὑπερκείμενον τῶν νεω-
 20 ρίων, τότε δὲ κώμη ὑπῆρχε· τὰ δὲ κύκλῳ τῆς κώμης
 βουκόλοις παρέδοσαν δυναμένοις καὶ αὐτοῖς κωλύειν
 τοὺς ἔξωθεν ἐπιόντας. ἐπελθὼν δὲ Ἀλέξανδρος, ἰδὼν
 τὴν εὐκαιρίαν ἔγνω τειχίζειν ἐπὶ τῷ λιμένι τὴν πόλιν·
 τῆς δ' ὕστερον ἐπηκολουθηκυίας εὐδαιμονίας τῇ πόλει
 25 μνημονεύουσί τι σημεῖον κατὰ τὴν ὑπογραφὴν τοῦ
 κτίσματος συμβάν· τῶν γὰρ ἀρχιτεκτόνων γῆ λευκῇ
 διασημαινομένων τὴν τοῦ περιβόλου γραμμὴν, ἐπιλι-
 πούσης τῆς γῆς καὶ τοῦ βασιλέως ἐπιόντος, οἱ διοικηταὶ
 τῶν ἀλφίτων μέρος τῶν παρεσκευασμένων τοῖς ἐργά-
 30 ταις παρέσχον, δι' ὧν καὶ αἱ ὁδοὶ κατετεμήθησαν εἰς
 πλείους· τοῦτ' οὖν οἰωνίσθαι λέγονται πρὸς ἀγαθοῦ
 γεγονός.

7 Ἡ δ' εὐκαιρία πολύτροπος· ἀμφίκλυστόν τε γάρ
 ἐστι τὸ χωρίον δυσὶ πελάγεσι, τῷ μὲν ἀπὸ τῶν ἄρκτων
 C.793 τῷ Αἰγυπτίῳ λεγομένῳ τῷ δ' ἀπὸ μεσημβρίας τῷ τῆς
 λίμνης τῆς Μαρείας ἣ καὶ Μαρεῶτις λέγεται· πληροῖ
 δὲ ταύτην πολλαῖς διώρουξιν ὁ Νεῖλος ἄνωθεν τε καὶ 5
 ἐκ πλαγίων, δι' ὧν τὰ εἰσκομιζόμενα πολλῷ πλείω τῶν
 ἀπὸ θαλάττης ἐστὶν ὥσθ' ὁ λιμὴν ὁ λιμναῖος ὑπῆρχε
 πλουσιώτερος τοῦ θαλαττίου· ταύτῃ δὲ καὶ τὰ ἐκκομι-
 ζόμενα ἐξ Ἀλεξανδρείας πλείω τῶν εἰσκομιζομένων
 ἐστί· γνοίῃ δ' ἂν τις ἐν τε τῇ Ἀλεξανδρείᾳ καὶ τῇ Δι- 10
 καιορχείᾳ γενόμενος, ὁρῶν τὰς ὀλκὰδας ἐν τε τῷ κατὰ-
 πλῳ καὶ ἐν ταῖς ἀναγωγαῖς ὅσον βαρύτεραί τε καὶ κου-
 φότεραι δεῦρο κἀκεῖσε πλέοιεν. πρὸς δὲ τῷ πλούτῳ
 τῶν καταγομένων ἐκατέρωσε εἰς τε τὸν κατὰ θάλατταν
 λιμένα καὶ εἰς τὸν λιμναῖον καὶ τὸ εὐάερον ἄξιον ση- 15
 μειώσεώς ἐστιν, ὃ καὶ αὐτὸ συμβαίνει διὰ τὸ ἀμφίκλυ-
 στον καὶ τὸ εὐκαιρον τῆς ἀναβάσεως τοῦ Νεῖλου. αἱ
 μὲν γὰρ ἄλλαι πόλεις αἱ ἐπὶ λιμνῶν ἰδρυμέναι βαρεῖς
 καὶ πνιγώδεις ἔχουσι τοὺς ἀέρας ἐν τοῖς καύμασι τοῦ
 θέρους· ἐπὶ γὰρ τοῖς χεῖλεσιν αἱ λίμναι τελματοῦνται 20
 διὰ τὴν ἐκ τῶν ἡλίων ἀναθυμίασιν· βορβορώδους οὖν
 ἀναφερομένης τοσαύτης ἰκμάδος, νοσώδης ὁ ἀήρ ἔλκε-
 ται καὶ λοιμικῶν κατάρχει παθῶν. ἐν Ἀλεξανδρείᾳ δὲ
 τοῦ θέρους ἀρχομένου πληρούμενος ὁ Νεῖλος πληροῖ
 καὶ τὴν λίμνην καὶ οὐδὲν ἑᾶ τελματοῦδες τὸ τὴν ἀνα- 25
 φορὰν ποιῆσον μοχθηράν· τότε δὲ καὶ οἱ ἐτησῖαι πνέ-
 ουσιν ἐκ τῶν βορείων καὶ τοῦ τοσοῦτου πελάγους, ὥστε
 κάλλιστα τοῦ θέρους Ἀλεξανδρεῖς διάγουσιν.

8 Ἔστι δὲ χλαμυδοειδὲς τὸ σχῆμα τοῦ ἐδάφους τῆς
 πόλεως, οὗ τὰ μὲν ἐπὶ μῆκος πλευρὰ ἐστὶ τὰ ἀμφίκλυ- 30
 στα ὅσον τριάκοντα σταδίων ἔχοντα διάμετρον, τὰ δὲ
 ἐπὶ πλάτος οἱ ἰσθμοί, ἐπτὰ ἢ ὀκτὼ σταδίων ἐκάτερος,

σφιγγόμενος τῇ μὲν ὑπὸ θαλάττης τῇ δ' ὑπὸ τῆς λίμνης.
 ἅπανσα μὲν οὖν ὁδοῖς κατατέτμηται ἱππηλάτοις καὶ ἄρ-
 ματηλάτοις, δυσὶ δὲ πλατυτάταις ἐπὶ πλεον ἢ πλέθρον
 ἀναπεπταμέναις, αἱ δὲ δίχα καὶ πρὸς ὀρθὰς τέμνουσιν
 5 ἀλλήλας. ἔχει δ' ἡ πόλις τεμένη τε κοινὰ κάλλιστα καὶ
 τὰ βασίλεια, τέταρτον ἢ καὶ τρίτον τοῦ παντὸς περι-
 βόλου μέρος· τῶν γὰρ βασιλέων ἕκαστος ὥσπερ τοῖς
 κοινοῖς ἀναθήμασι προσεφιλοκάλει τινὰ κόσμον, οὕτω
 καὶ οἴκησιν ἰδίᾳ περιβάλλετο πρὸς ταῖς ὑπαρχού-
 10 σαις, ὥστε νῦν τὸ τοῦ ποιητοῦ ἐξ ἐτέρων ἕτερόν ἐστιν·
 ἅπαντα μέντοι συναφῇ καὶ ἀλλήλοις καὶ τῷ λιμένι καὶ
 ὅσα ἔξω αὐτοῦ. τῶν δὲ βασιλείων μέρος ἐστὶ καὶ τὸ
 Μουσεῖον, ἔχον περίπατον καὶ ἐξέδραν καὶ οἶκον μέγαν, 794
 ἐν ᾧ τὸ συσσίτιον τῶν μετεχόντων τοῦ Μουσείου φι-
 15 λολόγων ἀνδρῶν. ἔστι δὲ τῇ συνόδῳ ταύτῃ καὶ χρήματα
 κοινὰ καὶ ἱερεὺς ὁ ἐπὶ τῷ Μουσείῳ τεταγμένος τότε
 μὲν ὑπὸ τῶν βασιλέων νῦν δ' ὑπὸ Καίσαρος. μέρος δὲ
 τῶν βασιλείων ἐστὶ καὶ τὸ καλούμενον Σῆμα, ὃ περι-
 βολος ἦν ἐν ᾧ αἱ τῶν βασιλέων ταφαὶ καὶ ἡ Ἀλεξάν-
 20 δρου· ἔφθη γὰρ τὸ σῶμα ἀφελόμενος Περδίκκαν ὁ τοῦ
 Λάγου Πτολεμαῖος κατακομίζοντα ἐκ τῆς Βαβυλῶνος
 καὶ ἐκτρεπόμενον ταύτῃ κατὰ πλεονεξίαν καὶ ἐξιδια-
 σμὸν τῆς Αἰγύπτου· καὶ δὴ καὶ ἀπώλετο διαφθοραῖς
 ὑπὸ τῶν στρατιωτῶν, ἐπελθόντος τοῦ Πτολεμαίου καὶ
 25 κατακλείσαντος αὐτὸν ἐν νήσῳ ἐρήμῃ· ἐκεῖνος μὲν οὖν
 ἀπέθανεν ἐμπεριπαρεῖς ταῖς σαρίσσαις ἐπελθόντων ἐπ'
 αὐτὸν τῶν στρατιωτῶν· σὺν αὐτῷ δὲ ... καὶ οἱ βασι-
 λεῖς Ἀριδαῖός τε καὶ τὰ παῖδιά τὰ Ἀλεξάνδρου καὶ ἡ
 γυνὴ Ῥωξάνη ἀπῆραν εἰς Μακεδονίαν· τὸ δὲ σῶμα τοῦ
 30 Ἀλεξάνδρου κομίσας ὁ Πτολεμαῖος ἐκήδευσεν ἐν τῇ
 Ἀλεξανδρείᾳ ὅπου νῦν ἔτι κεῖται, οὐ μὴν ἐν τῇ αὐτῇ
 πυέλῳ· ὑαλίνῃ γὰρ αὕτῃ, ἐκεῖνος δ' ἐν χρυσῇ κατέθη-

κεν· ἐσύλησε δ' αὐτὴν ὁ Κόκκης καὶ Παρεΐσαντος ἐπι-
κληθεὶς Πτολεμαῖος, ἐκ τῆς Συρίας ἐπελθὼν καὶ ἐκπε-
σὼν εὐθύς, ὥστ' ἀνόνητα αὐτῷ τὰ σῦλα γενέσθαι.

- 9 "Ἔστι δ' ἐν τῷ μεγάλῳ λιμένι κατὰ μὲν τὸν εἰσπλουν
ἐν δεξιᾷ ἡ νῆσος καὶ ὁ πύργος ὁ Φάρος, κατὰ δὲ τὴν ε
ἐτέραν χεῖρα αἱ τε χοιράδες καὶ ἡ Λοχιὰς ἄκρα ἔχουσα
βασιλείον. εἰσπλεύσαντι δ' ἐν ἀριστερᾷ ἔστι συνεχῇ
τοῖς ἐν τῇ Λοχιᾷ τὰ ἐνδοτέρῳ βασιλεία, πολλὰς καὶ
ποικίλας ἔχοντα διαίτας καὶ ἄλση· τοῦτοις δ' ὑπόκειται
ὅ τε ὀρυκτὸς λιμὴν καὶ κλειστός, ἴδιος τῶν βασιλέων, 10
καὶ ἡ Ἀντίρροδος νησίον προκείμενον τοῦ ὀρυκτοῦ λι-
μένος, βασιλείον ἅμα καὶ λιμένιον ἔχον· ἐκάλεσαν δ'
οὕτως ὡς ἂν τῇ Ῥόδῳ ἐνάμιλλον. ὑπέρεκειται δὲ τού-
του τὸ θέατρον· εἶτα τὸ Ποσειδῖον, ἀγκών τις ἀπὸ τοῦ
ἐμπορίου καλουμένου προπεπτωκώς, ἔχων ἱερὸν Πο- 15
σειδῶνος· ᾧ προσθεὶς χῶμα Ἀντωνίου ἔτι μᾶλλον
προνεῦον εἰς μέσον τὸν λιμένα ἐπὶ τῷ ἄκρῳ κατεσκευάσε
δίαιταν βασιλικὴν ἣν Τιμώνιον προσηγόρευσε. τοῦτο
δ' ἔπραξε τὸ τελευταῖον, ἥνικα προλειφθεὶς ὑπὸ τῶν
φίλων ἀπῆρεν εἰς Ἀλεξάνδρειαν μετὰ τὴν ἐν Ἀκτίῳ 20
κακοπραγίαν, Τιμώνειον αὐτῷ κρίνας τὸν λοιπὸν βίον,
ὃν διάξειν ἔμελλεν ἔρημος τῶν τοσούτων φίλων. εἶτα
τὸ Καισάρειον καὶ τὸ ἐμπόριον καὶ ἀποστάσεις, καὶ
μετὰ ταῦτα τὰ νεώρια μέχρι τοῦ ἑπτασταδίου. ταῦτα
μὲν τὰ περὶ τὸν μέγαν λιμένα.

25

- C.795
10 Ἐξῆς δ' Εὐνόστου λιμὴν μετὰ τὸ ἑπταστάδιον,
καὶ ὑπὲρ τούτου ὁ ὀρυκτὸς ὃν καὶ Κιβωτὸν καλοῦσιν,
ἔχων καὶ αὐτὸς νεώρια. ἐνδοτέρῳ δὲ τούτου διῶρυξ
πλωτὴ μέχρι τῆς λίμνης τεταμένη τῆς Μαρεώτιδος·
ἔξω μὲν οὖν τῆς διῶρυγος μικρὸν ἔτι λείπεται τῆς πό- 30
λεως· εἰθ' ἡ Νεκρόπολις τὸ προάστειον, ἐν ᾧ κῆποι τε
πολλοὶ καὶ ταφαὶ καὶ καταγωγαὶ πρὸς τὰς ταριχείας

τῶν νεκρῶν ἐπιτήδεια. ἐντὸς δὲ τῆς διώρυγος τό τε
 Σαράπειον καὶ ἄλλα τεμένη ἀρχαῖα ἐκλειμμένα πως
 διὰ τὴν τῶν νέων κατασκευὴν τῶν ἐν Νικοπόλει· καὶ
 γὰρ ἀμφιθέατρον καὶ στάδιον καὶ οἱ πεντετηρικοὶ ἀγῶ-
 5 νες ἐκεῖ συντελοῦνται· τὰ δὲ παλαιὰ ὀλιγώρηται.
 συλλήβδην δ' εἶπεῖν ἡ πόλις μεστή ἐστὶν ἀναθημάτων
 καὶ ἱερῶν· κάλλιστον δὲ τὸ γυμνάσιον μείζους ἢ στα-
 διαίας ἔχον τὰς στοάς· ἐν μέσῳ [δὲ] τό τε δικαστήριον
 καὶ τὰ ἄλλα. ἐστὶ δὲ καὶ Πάνειον, ὕψος τι χειροποιήτων
 10 στροβιλοειδὲς ἐμφερὲς ὄχθῳ πετρῶδει διὰ κοκλίου τὴν
 ἀνάβασιν ἔχον· ἀπὸ δὲ τῆς κορυφῆς ἐστὶν ἀπιδεῖν ὅλην
 τὴν πόλιν ὑποκειμένην αὐτῷ πανταχόθεν. ἀπὸ δὲ τῆς
 Νεκροπόλεως ἡ ἐπὶ τὸ μῆκος πλατεῖα διατείνει παρὰ
 τὸ γυμνάσιον μέχρι τῆς πύλης τῆς Κανωβικῆς· εἰθ'
 15 ἱππόδρομος καλούμενός ἐστι καὶ αἱ παρακείμεναι ἄλ-
 λαι μέχρι τῆς διώρυγος τῆς Κανωβικῆς. διὰ δὲ τοῦ ἱπ-
 ποδρόμου διελθόντι ἡ Νικόπολις ἐστίν, ἔχουσα κατοι-
 κίαν ἐπὶ θαλάττῃ πόλεως οὐκ ἐλάττω· τριάκοντα δέ
 εἰσιν ἀπὸ τῆς Ἀλεξανδρείας στάδιοι. τοῦτον δὲ ἐτίμη-
 20 σεν ὁ Σεβαστὸς Καῖσαρ τὸν τόπον, ὅτι ἐνταῦθα ἐνίκα
 τῇ μάχῃ τοὺς ἐπεξιόντας ἐπ' αὐτὸν μετὰ Ἀντωνίου, καὶ
 λαβὼν ἐξ ἐφόδου τὴν πόλιν ἠνάγκασε τὸν μὲν Ἀντώ-
 νιον ἑαυτὸν διαχειρίσασθαι, τὴν δὲ Κλεοπάτραν ζῶσαν
 ἐλθεῖν εἰς τὴν ἐξουσίαν· μικρὸν δ' ὕστερον ἀκείνη
 25 ἑαυτὴν ἐν τῇ φρουρᾷ διεχειρίσατο λάθρᾳ δήγματι
 ἀσπίδος ἢ φαρμάκῳ ἐπιχρίστω (λέγεται γὰρ ἀμφοτέ-
 ρως), καὶ συνέβη καταλυθῆναι τὴν τῶν Λαγιδῶν ἀρ-
 χὴν πολλὰ συμμείναςαν ἔτη.

Πτολεμαῖος γὰρ ὁ Λάγον διεδέξατο Ἀλέξανδρον, 11
 30 ἐκεῖνον δὲ [ὁ] Φιλάδελφος, τοῦτον δὲ ὁ Εὐεργέτης, εἰθ'
 ὁ Φιλοπάτωρ ὁ τῆς Ἀγαθοκλείας, εἰθ' ὁ Ἐπιφανής,
 εἰθ' ὁ Φιλομήτωρ, παῖς παρὰ πατρὸς αἰεὶ διαδεχόμενος·

τοῦτον δ' ἀδελφὸς διεδέξατο ὁ δεύτερος Εὐεργέτης ὃν
 καὶ Φύσκωνα προσαγορεύουσι, τοῦτον δ' ὁ Λάθουρος
 ἐπικληθεὶς Πτολεμαῖος, τοῦτον δ' ὁ Αὐλητῆς ὁ καθ'
 C.796 ἡμᾶς, ὅσπερ ἦν τῆς Κλεοπάτρας πατήρ. ἅπαντες μὲν
 οὖν οἱ μετὰ τὸν τρίτον Πτολεμαῖον ὑπὸ τρυφῆς διε- 5
 φθαρμένοι χειρόν ἐπολιτεύσαντο, χεῖριστα δ' ὁ τέταρ-
 τος καὶ [ὁ] ἔβδομος καὶ ὁ ὕστατος ὁ Αὐλητῆς, ὃς χωρὶς
 τῆς ἄλλης ἀσελγείας χοραυλεῖν ἤσκησε, καὶ ἐπ' αὐτῷ
 γε ἐσεμνύνετο τοσοῦτον ὥστ' οὐκ ὤκνει συντελεῖν ἀγῶ-
 νας ἐν τοῖς βασιλείοις, εἰς οὓς παρῆι διαμιλλησόμενος 10
 τοῖς ἀνταγωνισταῖς. τοῦτον μὲν οὖν οἱ Ἀλεξανδρεῖς
 ἐξέβαλον, τριῶν δ' αὐτῷ θυγατέρων οὐσῶν, ὧν μία
 γνησία ἢ πρεσβυτάτη, ταύτην ἀνέδειξαν βασίλισσαν.
 οἱ υἱοὶ δ' αὐτοῦ δύο νήπιοι τῆς τότε χρείας ἐξέπιπτον
 τελέως. τῇ δὲ κατασταθείσῃ μετεπέμψαντο ἄνδρα ἐκ 15
 τῆς Συρίας κυβισάκτην τινά, προσποιησάμενον τοῦ
 γένους εἶναι τῶν Συριακῶν βασιλέων. τοῦτον μὲν
 οὖν ὀλίγων ἡμερῶν ἀπεστραγγάλισεν ἡ βασίλισσα οὐ
 φέρουσα τὸ βάνανσον καὶ τὸ ἀνελεύθερον. ἦκε δ' αὐτ'
 ἐκείνου προσποιησάμενος καὶ αὐτὸς εἶναι Μιθριδάτου 20
 υἱὸς τοῦ Εὐπάτορος Ἀρχέλαος, ὃς ἦν μὲν Ἀρχελάου
 υἱὸς τοῦ πρὸς Σύλλαν διαπολεμήσαντος καὶ μετὰ ταῦτα
 τιμηθέντος ὑπὸ Ῥωμαίων, πάππος δὲ τοῦ βασιλεύσαν-
 τος Καππαδύκων ὑστάτου καθ' ἡμᾶς, ἱερεὺς δὲ τῶν ἐν
 Πόντῳ Κομάνων. Γαβινίῳ δὲ τότε συνδιέτριψεν ὥς 25
 συστρατεύσων ἐπὶ Παρθυαίους, λαθὼν δὲ τοῦτον κο-
 μίζεται διὰ τινων εἰς τὴν βασίλισσαν καὶ ἀναδείκνυται
 βασιλεύς. ἐν τούτῳ τὸν Αὐλητὴν ἀφικόμενον εἰς Ῥώ-
 μην δεξάμενος Πομπήιος Μάγνος συνίστησι τῇ συγ-
 κλήτῳ καὶ διαπράττεται κάθοδον μὲν τούτῳ, τῶν δὲ 30
 πρέσβων τῶν πλείστων, ἑκατὸν ὄντων, ὅλεθρον τῶν
 καταπρεσβευσάντων αὐτοῦ. τούτων δ' ἦν καὶ Δίων ὁ

Ἀκαδημαϊκὸς ἀρχιπρεσβευτὴς γεγονώς. καταχθεῖς οὖν
 ὑπὸ Γαβινίου Πτολεμαῖος τὸν τε Ἀρχέλαον ἀναιρεῖ καὶ
 τὴν θυγατέρα, χρόνον δ' οὐ πολὺν τῇ βασιλείᾳ προσ-
 θεῖς τελευτᾷ νόσῳ, καταλιπὼν δύο μὲν υἱεῖς δύο δὲ
 5 θυγατέρας, πρεσβυτάτην δὲ Κλεοπάτραν. οἱ μὲν οὖν
 Ἀλεξανδρεῖς ἀπέδειξαν βασιλέας τὸν τε πρεσβύτερον
 τῶν παίδων καὶ τὴν Κλεοπάτραν, οἱ δὲ συνόντες τῷ
 παιδί καταστασιάσαντες ἐξέβαλον τὴν Κλεοπάτραν,
 καὶ ἀπῆρε μετὰ τῆς ἀδελφῆς εἰς τὴν Συρίαν. ἐν τούτῳ
 10 Πομπήιος Μάγνος ἦκε φεύγων ἐκ Παλαιφαρσάλου
 πρὸς τὸ Πηλούσιον καὶ τὸ Κάσιον ὄρος· τοῦτον μὲν
 οὖν δολοφονοῦσιν οἱ μετὰ τοῦ βασιλέως· ἐπελθὼν δὲ
 Καῖσαρ τὸν τε μειρακίσκον διαφθείρει καὶ καθίστησι
 τῆς Αἰγύπτου βασίλισσαν τὴν Κλεοπάτραν μεταπεμψά-
 15 μενος ἐκ τῆς φυγῆς· συμβασιλεύειν δ' ἀπέδειξε τὸν
 λοιπὸν ἀδελφὸν αὐτῇ νέον παντελῶς ὄντα. μετὰ δὲ τήν C. 797
 Καῖσαρος τελευτὴν καὶ τὰ ἐν Φιλίπποις διαβὰς Ἀντώ-
 νιος εἰς τὴν Ἀσίαν ἐξετίμησεν ἐπὶ πλεον τὴν Κλεοπά-
 τραν ὥστε καὶ γυναικα ἐκρίνε καὶ ἐτεκνοποιήσατο ἐξ
 20 αὐτῆς, τὸν τε Ἀκτιακὸν πόλεμον συνήρατο ἐκείνῃ καὶ
 συνέφυγε· καὶ μετὰ ταῦτα ἐπακολουθήσας ὁ Σεβαστὸς
 Καῖσαρ ἀμφοτέρους κατέλυσε καὶ τὴν Αἴγυπτον ἔπαυσε
 παροινουμένην. ἐπαρχία δὲ νῦν ἐστὶ, φόρους μὲν τε- 12
 λοῦσα ἀξιολόγους, ὑπὸ σωφρόνων δὲ ἀνδρῶν διοικου-
 25 μένη τῶν πεμπομένων ἐπάρχων ἀεί. ὁ μὲν οὖν πεμφθεὶς
 τὴν τοῦ βασιλέως ἔχει τάξιν, ὑπ' αὐτῷ δ' ἐστὶν ὁ δικαιο-
 δότης ὁ τῶν πολλῶν κρίσεων κύριος· ἄλλος δ' ἐστὶν ὁ
 προσαγορευόμενος ἰδιόλογος, ὃς τῶν ἀδεσπότην καὶ
 τῶν εἰς Καῖσαρα πίπτειν ὀφειλόντων ἐξεταστής ἐστι·
 30 παρέπονται δὲ τούτοις ἀπελεύθεροι Καῖσαρος καὶ οἰκο-
 νόμοι, μειζω καὶ ἐλάττω πεπιστευμένοι πράγματα. ἔστι
 δὲ καὶ στρατιωτικοῦ τρία τάγματα, ὧν τὸ ἐν κατὰ τὴν

πολιν ἰδρυνται τᾷλλα δ' ἐν τῇ χώρᾳ· χωρὶς δὲ τούτων
 ἐννέα μὲν εἰσι σπεῖραι Ῥωμαίων, τρεῖς μὲν ἐν τῇ πόλει
 τρεῖς δ' ἐπὶ τῶν ὄρων τῆς Αἰθιοπίας ἐν Συήνῃ, φρουρὰ
 τοῖς τόποις, τρεῖς δὲ κατὰ τὴν ἄλλην χώραν. εἰσὶ δὲ καὶ
 ἱππαρχίαι τρεῖς ὁμοίως διατεταγμέναι κατὰ τοὺς ἐπι- 5
 καιρίους τόπους. τῶν δ' ἐπιχωρίων ἀρχόντων κατὰ
 πόλιν μὲν ὅ τε ἐξηγητὴς ἐστὶ, πορφυράν· ἀμπερόμενος
 καὶ ἔχων πατρίους τιμὰς καὶ ἐπιμέλειαν τῶν τῇ πόλει
 χρησίμων, καὶ ὁ ὑπομνηματογράφος καὶ [ὁ] ἀρχιδικα-
 στῆς, τέταρτος δὲ ὁ νυκτερινὸς στρατηγός. ἦσαν μὲν 10
 οὖν καὶ ἐπὶ τῶν βασιλέων αὐταὶ αἱ ἀρχαί, κακῶς δὲ πο-
 λιτευομένων τῶν βασιλέων ἠφανεῖτο καὶ ἡ τῆς πόλεως
 εὐκαιρία διὰ τὴν ἀνομίαν. ὁ γοῦν Πολύβιος γεγρονῶς
 ἐν τῇ πόλει βδελύττεται τὴν τότε κατάστασιν καὶ φησι
 τρία γένη τὴν πόλιν οἰκεῖν, τό τε Αἰγύπτιον καὶ ἐπι- 15
 χώριον φύλον ὃξὺ καὶ * πολιτικόν, καὶ τὸ μισθοφορι-
 κὸν βαρὺ καὶ πολὺ καὶ ἀνάγωγον· ἐξ ἔθους γὰρ πα-
 λαιοῦ ξένους ἔτρεφον τοὺς τὰ ὅπλα ἔχοντας, ἄρχειν
 μᾶλλον ἢ ἄρχεσθαι δεδιδαγμένους διὰ τὴν τῶν βασι-
 λέων οὐδένειαν· τρίτον δ' ἦν γένος τὸ τῶν Ἀλεξαν- 20
 δρέων οὐδ' αὐτὸ ἐνκρινῶς πολιτικὸν διὰ τὰς αὐτὰς
 αἰτίας, κρεῖττον δ' ἐκείνων ὅμως· καὶ γὰρ εἰ μιγάδες,
 Ἕλληνες ὅμως ἀνέκαθεν ἦσαν καὶ ἐμέμνηντο τοῦ κοι-
 νοῦ τῶν Ἑλλήνων ἔθους· ἠφανισμένου δὲ καὶ τούτου
 τοῦ πλήθους μάλιστα ὑπὸ τοῦ Εὐεργέτου τοῦ Φύσκω- 25
 C.798νος, καθ' ὃν ἦκεν εἰς τὴν Ἀλεξάνδρειαν ὁ Πολύβιος
 (καταστασιαζόμενος γὰρ ὁ Φύσκων πλεονάκῃς τοῖς
 στρατιώταις ἐφίει τὰ πλήθη καὶ διέφθειρε), τοιούτων
 δὴ, φησὶν, ὄντων τῶν ἐν τῇ πόλει λοιπὸν ἦν τῶ ὄντι
 τὸ τοῦ ποιητοῦ „Αἰγυπτὸνδ' ἰέναι δολιχὴν ὁδὸν ἀρ- 30
 „γαλέην τε.“

13 Τοιαῦτα δ' ἦν, εἰ μὴ χεῖρω, καὶ τὰ τῶν ὕστερον

βασιλέων. Ῥωμαῖοι δ' εἰς δύναμιν, ὥς εἰπεῖν, ἐπηνώρ-
 θωσαν τὰ πολλά, τὴν μὲν πόλιν διατάξαντες ὥς εἶπον,
 κατὰ δὲ τὴν χώραν ἐπιστρατήγους τινας καὶ νομάρχας
 καὶ ἐθνάρχας καλουμένους ἀποδείξαντες, πραγμάτων
 5 οὐ μεγάλων ἐπιστατεῖν ἡξιωμένους. τῆς δ' εὐκαιρίας
 τῆς κατὰ τὴν πόλιν τὸ μέγιστόν ἐστιν ὅτι τῆς Αἰγύπτου
 πάσης μόνος ἐστὶν οὗτος ὁ τόπος πρὸς ἄμφω πεφυκὼς
 εὖ, τὰ τε ἐκ θαλάττης διὰ τὸ εὐλίμενον, καὶ τὰ ἐκ τῆς
 χώρας ὅτι πάντα εὐμαρῶς ὁ ποταμὸς πορθιμεύει συνά-
 10 γει τε εἰς τοιοῦτον χωρίον ὕπερ μέγιστον ἐμπόριον τῆς
 οἰκουμένης ἐστὶ. τῆς μὲν οὖν πόλεως ταύτας ἂν τις
 λέγοι τὰς ἀρετάς· τῆς Αἰγύπτου δὲ τὰς προσόδους ἐν
 τινὶ λόγῳ Κικέρων φράζει φήσας κατ' ἐνιαυτὸν τῷ τῆς
 Κλεοπάτρας πατρὶ τῷ Αὐλήτῃ προσφέρεσθαι φόρον
 15 ταλάντων μυρίων δισχιλίων πεντακοσίων. ὅπου οὖν
 ὁ κάκιστα καὶ ῥαθυμότατα τὴν βασιλείαν διοικῶν το-
 σαῦτα προσωδεύετο, τί χρὴ νομίσαι τὰ νῦν διὰ τοσαύ-
 της ἐπιμελείας οἰκονομούμενα καὶ τῶν Ἰνδικῶν ἐμπο-
 ριῶν καὶ τῶν Τρωγλοδυτικῶν ἐπηνυξημένων ἐπὶ τοσοῦ-
 20 τον; πρότερον μὲν γε οὐδ' εἰκοσι πλοῖα ἐθάρρει τὸν
 Ἀράβιον κόλπον διαπερᾶν ὥστε ἔξω τῶν στενῶν ὑπερ-
 κύπτειν, νῦν δὲ καὶ στόλοι μεγάλοι στέλλονται μέχρι
 τῆς Ἰνδικῆς καὶ τῶν ἄκρων τῶν Αἰθιοπικῶν, ἐξ ὧν ὁ
 πολυτιμότετος κομίζεται φόρτος εἰς τὴν Αἴγυπτον,
 25 κἀντεῦθεν πάλιν εἰς τοὺς ἄλλους ἐκπέμπεται τόπους,
 ὥστε τὰ τέλη διπλάσια συνάγεται τὰ μὲν εἰσαγωγικὰ
 τὰ δὲ ἐξαγωγικά· τῶν δὲ βαρυτίμων βαρέα καὶ τὰ
 τέλη. καὶ γὰρ δὴ καὶ μονοπωλίας ἔχει· μόνη γὰρ ἡ
 Ἀλεξάνδρεια τῶν τοιούτων ὥς ἐπὶ τὸ πολὺ καὶ ὑποδο-
 30 χεῖτόν ἐστι καὶ χορηγεῖ τοῖς ἐκτός. ἔτι δὲ μᾶλλον κατι-

δεῖν ἔστι τὴν εὐφυΐαν ταύτην περιοδεύοντι τὴν χώραν, καὶ πρῶτον τὴν παραλίαν ἀρξαμένην ἀπὸ τοῦ Καταβαθμοῦ· μέχρι δεῦρο γὰρ ἔστιν ἡ Αἴγυπτος, ἥ δ' ἐξῆς ἔστι Κυρηναία καὶ οἱ περιοικῶντες βάρβαροι Μαρμαρίδαι.

5

- 14 Ἀπὸ μὲν οὖν Καταβαθμοῦ εἰς Παραιτόνιον εὐθυπλοοῦντι σταδίων ἔστιν ἑνακοσίων ὁ δρόμος· πόλις δ' ἔστι καὶ λιμὴν μέγας τετταράκοντά που σταδίων.
- C.799 καλοῦσι δ' οἱ μὲν Παραιτόνιον τὴν πόλιν οἱ δ' Ἀμμωνίαν. μεταξὺ δὲ ἥ τε Αἴγυπτίων κώμη καὶ ἡ Αἴνη- 10 σίσφυρα ἄκρα, καὶ Τυνδάρειοι σκόπελοι, νησίδια τέταρα ἔχοντα λιμένα· εἰθ' ἐξῆς ἄκρα Δρέπανον καὶ νῆσος Αἰνησίππεια ἔχουσα λιμένα καὶ κώμη Ἄπιδ, ἀφ' ἧς εἰς μὲν Παραιτόνιον στάδιοι ἑκατὸν εἰς δὲ Ἀμμωνος ὁδὸς ἡμερῶν πέντε· ἀπὸ δὲ τοῦ Παραιτονίου [εἰς Ἀλε- 15 ξάνδρειαν] χίλιοι που καὶ τριακόσιοι στάδιοι. μεταξὺ δὲ πρῶτον μὲν ἄκρα λευκόγειος, Λευκὴ ἀκτὴ καλούμενη· ἔπειτα Φοινικοῦς λιμὴν καὶ Πυργεὺς κώμη· εἴτα νῆσος Σιδωνία λιμένα ἔχουσα· εἴτ' Ἀντίφραι μικρὸν ἀπωτέρω τῆς θαλάττης· ἅπασα μὲν ἡ χώρα αὕτη οὐκ 20 εὖοινος, πλείω δεχομένου τοῦ κεράμου θάλατταν ἢ οἶνον ὃν δὴ καλοῦσι Λιβυκόν, ᾧ δὴ καὶ τῷ ξύθῳ τὸ πολὺ φῦλον χρῆται τῶν Ἀλεξανδρέων· σκώπτονται δὲ μάλιστα αἱ Ἀντίφραι. εἰθ' ὁ Δέρρις λιμὴν καλούμενος οὕτως διὰ τὴν πλησίον πέτραν μέλαιναν δέρρει ἐοι- 25 κυῖαν· ὀνομάζουσι δὲ καὶ Ζεφύριον τὸν πλησίον τόπον· εἴτ' ἄλλος λιμὴν Λεύκασπις καὶ ἄλλοι πλείους· εἴτα Κυνὸς σῆμα· εἴτα Ταπόσειρις οὐκ ἐπὶ θαλάττῃ, πανήγυριν δεχομένη μεγάλην· καὶ ἄλλη δ' ἔστι Ταπόσειρις ἐπέκεινα τῆς πόλεως ἱκανῶς· αὐτῆς δὲ πλησίον 30 πετρῶδες ἐπὶ τῇ θαλάττῃ χωρίον καὶ αὐτὸ δεχόμενον πολλοὺς τοὺς κωμάζοντας ἅπασαν ὥραν ἔτους· εἰθ' ἡ

Πλινθίνῃ καὶ Νικίου κώμῃ καὶ Χερροῦνητος φρούριον, πλησίον ἤδη τῆς Ἀλεξανδρείας καὶ τῆς Νεκροπόλεως ἐν ἑβδομήκοντα σταδίοις. ἡ δὲ Μάρεια λίμνη παρατείνουσα μέχρι καὶ δεῦρο πλάτος μὲν ἔχει πλείονων ἢ 5 πεντήκοντα καὶ ἑκατὸν σταδίων, μῆκος δ' ἐλαττόνων ἢ τριακοσίων. ἔχει δ' ὀκτὼ νήσους καὶ τὰ κύκλῳ πάντ' οἰκούμενα καλῶς· εὐοινία τέ ἐστι περὶ τοὺς τόπους ὥστε καὶ διαχεῖσθαι πρὸς παλαιῶσιν τὸν Μαρεώτην οἶνον.

- 10 Φύεται δ' ἐν τοῖς Αἰγυπτιακοῖς ἔλεσι καὶ ταῖς λί- 15
μναις ἢ τε βύβλος καὶ ὁ Αἰγύπτιος κύαμος ἐξ οὗ τὸ κι-
βώριον, σχεδόν τι ἰσοῦσαις ῥάβδοι ὅσον δεκάπυδες.
ἀλλ' ἡ μὲν βύβλος ψιλὴ ῥάβδος ἐστὶν ἐπ' ἄκρῳ χαίτην
ἔχουσα, ὁ δὲ κύαμος κατὰ πολλὰ μέρη φύλλα καὶ ἄνθη
15 ἐκφέρει καὶ καρπὸν ὅμοιον τῷ παρ' ἡμῖν κυάμῳ, μεγέ-
θει μόνον καὶ γεύσει διαλλάττοντα. οἱ οὖν κυαμῶνες
ἠδεῖαν ὅψιν παρέχουσι καὶ τέρψιν τοῖς ἐνευχωεῖσθαι
βουλομένοις· εὐωχοῦνται δ' ἐν σκάφαις θαλαμηγοῖς,
ἐνδύνοντες εἰς τὸ πύκνωμα τῶν κυάμων καὶ σκιαζόμε- C.800
20 νοι τοῖς φύλλοις· ἐστὶ γὰρ σφόδρα μεγάλα ὥστε καὶ
ἀντὶ ποτηρίων καὶ τρυβλίων χρῆσθαι· ἔχει γὰρ τινα
καὶ κοιλότητα ἐπιτηδεῖαν πρὸς τοῦτο· καὶ δὴ καὶ ἡ
Ἀλεξάνδρεια μεστὴ τούτων ἐστὶ κατὰ τὰ ἐργαστήρια
ὥς σκεύεσι χρωμένων· καὶ οἱ ἄγροὶ μίαν τινὰ τῶν
25 προσόδων καὶ ταύτην ἔχουσι τὴν ἀπὸ τῶν φύλλων. ὁ
μὲν δὴ κύαμος τοιοῦτος, ἡ δὲ βύβλος ἐνταῦθα μὲν οὐ
πολλὴ φύεται (οὐ γὰρ ἀσκεῖται), ἐν δὲ τοῖς κάτω μέρεσι
τοῦ Δέλτα πολλή, ἡ μὲν χείρων, ἡ δὲ βελτίων ἢ λερα-
τική· κἀνταῦθα δέ τινες τῶν τὰς προσόδους ἐπεκτεί-
30 νειν βουλομένων μετήνεγκαν τὴν Ἰουδαϊκὴν ἐντρέ-
χειαν, ἣν ἐκεῖνοι παρεῦρον ἐπὶ τοῦ φοίνικος καὶ μά-
λιστα τοῦ καρυωτοῦ, καὶ τοῦ βαλσάμου· οὐ γὰρ ἐῴσι

πολλαχοῦ φύεσθαι, τῇ δὲ σπάνει τιμὴν ἐπιτιθέντες τὴν πρόσοδον οὕτως αὖξουσιν, τὴν δὲ κοινὴν χρεῖαν διαλυμαίνονται.

- 16 Ἐν δεξιᾷ δὲ τῆς Κανωβικῆς πύλης ἐξιώντι ἡ διώρυξ ἔστιν ἡ ἐπὶ Κάνωβον συνάπτουσα τῇ λίμνῃ· 5 ταύτῃ δὲ καὶ ἐπὶ Σχεδίαν ὁ πλοῦς ἐπὶ τὸν μέγαν ποταμὸν καὶ ἐπὶ τὸν Κάνωβον, πρῶτον δὲ ἐπὶ τὴν Ἐλευσίνα· ἔστι δ' αὕτη κατοικία πλησίον τῆς τε Ἀλεξανδρείας καὶ τῆς Νικοπόλεως ἐπ' αὐτῇ τῇ Κανωβικῇ διώρυγι κειμένη, διαίτας ἔχουσα καὶ ἀπόψεις τοῖς κα- 10 πυριζέειν βουλομένοις καὶ ἀνδράσι καὶ γυναιξίν, ἀρχή τις Κανωβισμοῦ καὶ τῆς ἐκεῖ λαμυρίας. ἀπὸ δὲ τῆς Ἐλευσίνος προελθοῦσι μικρὸν ἐν δεξιᾷ ἔστιν ἡ διώρυξ ἀνάγουσα ἐπὶ τὴν Σχεδίαν· διέχει δὲ τετράσχοι- 15 νον τῆς Ἀλεξανδρείας ἡ Σχεδία, κατοικία πόλεως, ἐν ἣ τὸ ναύσταθμον τῶν θαλαμηγῶν πλοίων, ἐφ' οἷς οἱ ἡγεμόνες εἰς τὴν ἄνω χώραν ἀναπλέουσιν· ἐνταῦθα δὲ καὶ τὸ τελώνιον τῶν ἄνωθεν καταγομένων καὶ ἀναγομένων· οὗ χάριν καὶ σχεδία ἔξευκται ἐπὶ τῷ ποταμῷ, ἀφ' ἧς καὶ τοῦνομα τῷ τόπῳ. μετὰ δὲ τὴν διώρυγα 20 τὴν ἐπὶ Σχεδίαν ἄγουσαν ὁ ἐξῆς ἐπὶ τὸν Κάνωβον πλοῦς ἔστι παράλληλος τῇ παραλίᾳ τῇ ἀπὸ Φάρου μέχρι τοῦ Κανωβικοῦ στόματος· στενὴ γάρ τις ταινία μεταξὺ διήκει τοῦ τε πελάγους καὶ τῆς διώρυγος, ἐν ἣ ἔστιν ἡ τε μικρὰ Ταπόσειρις μετὰ τὴν Νικόπολιν καὶ 25 τὸ Ζεφύριον, ἄκρα ναῦσμον ἔχουσα Ἀρσινόης Ἀφροδίτης· τὸ δὲ παλαιὸν καὶ Θῶνιν τινα πόλιν ἐνταῦθα φασιν, ἐπώνυμον τοῦ βασιλέως τοῦ δεξαμένου Μενέλαόν τε καὶ Ἑλένην ξενίᾳ. περὶ οὖν τῶν τῆς Ἑλένης φαρ- 30 C.801μάκων φησὶν οὕτως ὁ ποιητής „ἔσθλά, τά οἱ Πολύ- 30 „δαμνα πόρεν Θῶνος παράκοιτις.“

- 17 Κάνωβος δ' ἐστὶ πόλις ἐν εἴκοσι καὶ ἑκατὸν στα-

δίοις ἀπὸ Ἀλεξανδρείας πεξῇ ἰούσιν, ἐπάννυμος Κανώ-
 βου τοῦ Μενελάου κυβερνήτου ἀποθανόντος αὐτόθι,
 ἔχουσα τὸ τοῦ Σαράπιδος ἱερὸν πολλῇ ἀγιστεία τιμώ-
 μενον καὶ θεραπείας ἐκφέρων, ὥστε καὶ τοὺς ἐλλογιμω-
 5 τάτους ἄνδρας πιστεύειν καὶ ἐγκοιμᾶσθαι αὐτοὺς ὑπὲρ
 ἑαυτῶν ἢ ἐτέρους. συγγράφουσι δὲ τινες καὶ τὰς θε-
 ραπείας, ἄλλοι δὲ ἀρετὰς τῶν ἐνταῦθα λογίων. ἀντὶ
 πάντων δ' ἐστὶν ὁ τῶν πανηγυριστῶν ὄχλος τῶν ἐκ
 τῆς Ἀλεξανδρείας κατιόντων τῇ διώρυγι· πᾶσα γὰρ
 10 ἡμέρα καὶ πᾶσα νύξ πληθύνει τῶν ἐν τοῖς πλοιαρίοις
 καταυλουμένων καὶ κατορχοιμένων ἀνέδην μετὰ τῆς
 ἐσχάτης ἀκολασίας καὶ ἀνδρῶν καὶ γυναικῶν, τῶν δ'
 ἐν αὐτῷ τῷ Κανώβῳ καταγωγὰς ἐχόντων ἐπικειμένους
 τῇ διώρυγι εὐφυεῖς πρὸς τὴν τοιαύτην ἄνεσιν καὶ
 15 εὐωχίαν.

Μετὰ δὲ τὸν Κανώβον ἔστι τὸ Ἡράκλειον Ἡρά- 18
 κλέους ἔχον ἱερὸν· εἴτα τὸ Κανωβικὸν στόμα καὶ ἡ
 ἀρχὴ τοῦ Δέλτα. τὰ δ' ἐν δεξιᾷ τῆς Κανωβικῆς διώρυ-
 γος ὁ Μενελαΐτης ἐστὶ νομὸς ἀπὸ τοῦ ἀδελφοῦ τοῦ
 20 πρώτου Πτολεμαίου καλούμενος, οὐ μὰ Δία ἀπὸ τοῦ
 ἥρωος, ὡς ἐνιοὶ φασιν ὦν καὶ Ἀρτεμίδωρος. μετὰ δὲ
 τὸ Κανωβικὸν στόμα ἔστι τὸ Βολβιτικόν, εἴτα τὸ Σε-
 βεννυτικόν καὶ τὸ Φατνιτικόν, τρίτον ὑπάρχον τῷ με-
 γέθει παρὰ τὰ πρῶτα δύο, οἷς ὠρισταὶ τὸ Δέλτα· καὶ
 25 γὰρ οὐ πόρρω τῆς κορυφῆς σχίζεται εἰς τὸ ἐντὸς τοῦ
 Δέλτα. τῷ δὲ Φατνιτικῷ συνάπτει τὸ Μενδησίον, εἴτα
 τὸ Τανιτικόν καὶ τελευταῖον τὸ Πηλουσιακόν. ἔστι δὲ
 καὶ ἄλλα τούτων μεταξὺ ὡς ἂν ψευδοστόματα ἀσημό-
 τερα. ἔχει μὲν οὖν εἰσαγωγὰς τὰ στόματα, ἀλλ' οὐκ
 30 εὐφυεῖς οὐδὲ μεγάλους πλοίοις ἀλλ' ὑπηρετικοῖς διὰ
 τὸ βράχέα εἶναι καὶ ἐλώδη. μάλιστα μέντοι τῷ Κανω-
 βικῷ στόματι ἐχρῶντο ὡς ἐμπορίῳ, τῶν κατ' Ἀλεξάν-

δρειαν λιμένων ἀποκεκλειμένων, ὥς προείπομεν. μετὰ δὲ τὸ Βολβίτινον στόμα ἐπὶ πλέον ἔκκεται ταπεινὴ καὶ ἀμμόδης ἄκρα· καλεῖται δὲ Ἀγνοῦ κέρας· εἰδ' ἡ Περσέως σκοπὴ καὶ τὸ Μιλησίων τεῖχος· πλεύσαντες γὰρ ἐπὶ Ψαμμιτίχου τριάκοντα ναυσὶ Μιλήσιοι (κατὰ 5 Κναξάρη δ' οὗτος ἦν τὸν Μῆδον) κατέσχον εἰς τὸ στόμα τὸ Βολβίτινον, εἴτ' ἐκβάντες ἐτείχισαν τὸ λεχθὲν κτίσμα· χρόνῳ δ' ἀναπλεύσαντες εἰς τὸν Σαῦτικὸν νομὸν καταναυμαχῆσαντες Ἰνάρων πόλιν ἐκτίσαν Νάυ-
C.802 κρατινὸν οὐ πολὺ τῆς Σχεδίας ὑπερθεῖν. μετὰ δὲ τὸ τῶν 10 Μιλησίων τεῖχος ἐπὶ τὸ Σεβεννυτικὸν προϊόντι στόμα λίμναι εἰσίν, ὧν ἡ ἑτέρα Βουτικὴ καλεῖται ἀπὸ Βούτου πόλεως, καὶ ἡ Σεβεννυτικὴ δὲ πόλις καὶ ἡ Σάις, μητρόπολις τῆς κάτω χώρας, ἐν ᾗ τιμῶσι τὴν Ἀθηναῖν· ἐν δὲ τῷ ἱερῷ αὐτῆς ἡ θήκη κεῖται τοῦ Ψαμμιτίχου· περὶ 15 δὲ τὴν Βούτον καὶ Ἑρμοῦ πόλις ἐν νήσῳ κειμένη· ἐν δὲ τῇ Βούτῳ Αἰτουὺς ἐστὶ μαντεῖον.

19 Ἐν δὲ τῇ μεσογειῷ τῇ ὑπὲρ τοῦ Σεβεννυτικοῦ καὶ Φατυντικοῦ στόματος Ξόις ἐστὶ καὶ νήσος καὶ πόλις ἐν τῷ Σεβεννυτικῷ νομῷ. ἐστὶ δὲ καὶ Ἑρμοῦ πόλις καὶ 20 Ἀύκου πόλις καὶ Μένδης, ὅπου τὸν Πᾶνα τιμῶσι καὶ τῶν ζώων τράγον· ὥς δὲ Πίνδαρός φησιν, οἱ τράγοι ἐνταῦθα γυναιξὶ μίγνυνται. πλησίον δὲ Μένδητος καὶ Διὸς πόλις καὶ αἱ περὶ αὐτὴν λίμναι καὶ Λεοντόπολις· εἴτ' ἀπωτέρω ἡ Βούσιρις πόλις ἐν τῷ Βουσιρίτῃ νομῷ 25 καὶ Κυνὸς πόλις. φησὶ δ' Ἑρατοσθένους κοινὸν μὲν εἶναι τοῖς βαρβάροις πᾶσιν ἔθος τὴν ξενηλασίαν, τοὺς δ' Αἰγυπτίους ἐλέγχεσθαι διὰ τῶν περὶ τὸν Βούσιριν μεμνηθευμένων ἐν τῷ Βουσιρίτῃ νομῷ, διαβάλλειν τὴν

23. post μίγνυνται: Μένδητα παρὰ κρημνὸν θαλάσσης ἔσχατον Νεῖλου κέρας, αἰγίβατοι ὅθι τράγοι γυναιξὶ μίσγονται.

ἀξενίαν βουλομένων τοῦ τόπου τούτου τῶν ὕστερον, οὐ βασιλέως μὰ Δία οὐδὲ τυράννου γενομένου τινὸς Βουσίριδος· προσεπιφημισθῆναι δὲ καὶ τὸ „Αἴγυ- „πτὸνδ' ἰέναι δολιχὴν ὁδὸν ἀργαλήν τε,“ προσλαμ-
 5 βάνοντος πρὸς τοῦτο πάμπλου καὶ τοῦ ἀλιμένου καὶ τοῦ μηδὲ τὸν ὄντα λιμένα ἀνεῖσθαι τὸν πρὸς τῇ Φάρῳ, φρουρεῖσθαι δ' ὑπὸ βουκόλων ληστῶν ἐπιτιθεμένων τοῖς προσορμιζομένοις, Καρχηδονίους δὲ καταπον-
 10 ἐπὶ στήλας· διὰ δὲ ταῦτ' ἀπιστεῖσθαι τὰ πολλὰ τῶν ἑσπερίων· καὶ τοὺς Πέρσας δὲ κακῶς ἡγεῖσθαι τοῖς πρέσβεσι τὰς ὁδοὺς κύκλῳ καὶ διὰ δυσκόλων.

Συνάπτει δὲ καὶ ὁ Ἀθριβίτης νομὸς καὶ Ἀθριβις 20 πόλις καὶ ἔτι ὁ Προσωπίτης νομὸς, ἐν ᾧ Ἀφροδίτης 15 πόλις. ὑπὲρ δὲ τὸ Μενδήσιον στόμα καὶ τὸ Τανιτικὸν λίμνη μεγάλη καὶ ὁ Μενδήσιός ἐστι νομὸς καὶ ὁ Λεοντοπολίτης καὶ πόλις Ἀφροδίτης καὶ ὁ Φαρβητίτης νομὸς· εἶτα τὸ Τανιτικὸν στόμα ὃ τινες Σαῖτικὸν λέγουσι, καὶ ὁ Τανίτης νομὸς καὶ πόλις ἐν αὐτῷ μεγάλη Τάνις.

20 Μεταξὺ δὲ τοῦ Τανιτικοῦ καὶ τοῦ Πηλουσιακοῦ 21 λίμναι καὶ ἔλη μεγάλα καὶ συνεχῇ κώμας πολλὰς ἔχοντα· καὶ αὐτὸ δὲ τὸ Πηλούσιον κύκλῳ περιεκείμενα ἔχει C.803 ἔλη, ἃ τινες βάραθρα καλοῦσι, καὶ τέλματα· ὥκισται δ' ἀπὸ θαλάττης ἐν πλείοσιν ἢ εἰκοσι σταδίοις, τὸν δὲ
 25 κύκλον ἔχει τοῦ τείχους σταδίων εἰκοσιν· ὠνόμασται δ' ἀπὸ τοῦ πηλοῦ καὶ τῶν τελεμάτων. ταύτῃ δὲ καὶ δυσσεύβολός ἐστιν ἡ Αἴγυπτος ἐκ τῶν ἐωθινῶν τόπων τῶν κατὰ Φοινίκην καὶ τὴν Ἰουδαίαν· καὶ ἐκ τῆς Ἀραβίας δὲ τῆς Ναβαταίων ἥπερ ἐστὶ προσεχῆς, διὰ
 30 τούτων ἐπὶ τὴν Αἴγυπτον ἡ ὁδός. ἡ δὲ μεταξὺ τοῦ Νείλου καὶ τοῦ Ἀραβίου κόλπου Ἀραβία μὲν ἐστὶ, καὶ ἐπὶ γε τῶν ἄκρων αὐτῆς ἴδρυσται τὸ Πηλούσιον· ἀλλ'

ἔρημος ἅπασά ἐστι καὶ ἄβατος στρατοπέδῳ. ὁ δὲ μεταξὺ ἰσθμὸς Πηλουσίου καὶ τοῦ μυχοῦ τοῦ καθ' Ἡρώων πόλιν χιλίων μὲν ἐστὶ σταδίων, ὥς δὲ Ποσειδώνιος φησιν ἑλαττόνων ἢ χιλίων καὶ πεντακοσίων· πρὸς δὲ τῷ ἄνυδρος εἶναι καὶ ἀμμώδης ἐρπετῶν πληθὺς ἔχει 5 τῶν ἀμμοδυτῶν.

- 22 Ἀπὸ δὲ Σχεδίας ἀναπλέουσιν ἐπὶ Μέμφιν ἐν δεξιᾷ μὲν εἰσι πάμπολλαι κώμαι μέχρι τῆς Μαρείας λίμνης, ὧν ἐστὶ καὶ ἡ Χαβρίου κώμη καλουμένη· ἐπὶ δὲ τῷ ποταμῷ Ἑρμοῦ πόλις ἐστίν· εἶτα Γυναικῶν πόλις 10 καὶ νομὸς Γυναικοπολίτης· ἐφεξῆς δὲ Μώμεμφρις καὶ Μωμεμφίτης νομὸς· μεταξὺ δὲ διώρυγες πλείους εἰς τὴν Μαρεῶτιν. οἱ δὲ Μωμεμφῖται τὴν Ἀφροδίτην τιμῶσι, καὶ τρέφεται θήλεια βοῦς ἱερὰ, καθάπερ ἐν Μέμφει ὁ Ἄπις, ἐν Ἠλίου δὲ πόλει ὁ Μνεῦις· οὗτοι 15 μὲν οὖν θεοὶ νομίζονται, οἱ δὲ παρὰ τοῖς ἄλλοις, παρὰ πολλοῖς γὰρ δὴ ἐν τε τῷ Δέλτα καὶ ἔξω αὐτοῦ τοῖς μὲν ἄρρην τοῖς δὲ θήλεια τρέφεται, οὗτοι δὲ θεοὶ μὲν οὐ νομίζονται ἱεροὶ δέ.

- 23 Ὅτι δὲ Μωμέμφεως εἰσι δύο νιτρίαι πλείστον 20 νίτρον ἔχουσαι καὶ νομὸς Νιτριώτης. τιμᾶται δ' ἐν ταῦθα ὁ Σάραπις καὶ παρὰ μόνοις τούτοις θύεται ἐν Αἰγύπτῳ πρόβατον· πλησίον δὲ καὶ ἐν ταῦθα πόλις Μενέλαος, ἐν ἀριστερᾷ δὲ ἐν τῷ Δέλτα ἐπὶ μὲν τῷ ποταμῷ Ναύκρατις, ἀπὸ δὲ τοῦ ποταμοῦ δίσχοινον διέ- 25 χουσα ἡ Σαῖς καὶ μικρὸν ταύτης ὑπερθε τὸ τοῦ Ὀσίριδος ἄστυλον, ἐν ᾧ κεῖσθαι τὸν Ὀσιρίν φασιν. ἀμφισβητοῦσι δὲ τούτου πολλοί, καὶ μάλιστα οἱ τὰς Φιλὰς οἰκοῦντες τὰς ὑπὲρ Συήνης καὶ τῆς Ἐλεφαντίνης. μυθεύουσι γὰρ δὴ διότι ἡ Ἴσις κατὰ πολλοὺς τόπους κατὰ 30 γῆς θείη σορὸς τοῦ Ὀσίριδος (μία δὲ τούτων ἦν ἔχουσα τὸν Ὀσιριν ἀφανῆς πᾶσι), τοῦτο δὲ πράξειε λαθεῖν

βουλομένη τὸν Τυφῶνα, μὴ ἐπελθὼν ἐκρίψει το
σῶμα τῆς θήκης.

Ἀπὸ μὲν δὴ τῆς Ἀλεξανδρείας ἐπὶ τὴν τοῦ Ἀέλτα 24
κορυφὴν αὕτη ἡ περιήγησις. φησὶ δ' ὁ Ἀρτεμίδωρος
5 σχοίνων ὀκτὼ καὶ εἴκοσι τὸν ἀνάπλουν, τοῦτο δ' εἶναι C.804
σταδίους ὀκτακοσίους τετταράκοντα, λογιζόμενος τρια-
κονταστάδιον τὴν σχοῖνον· ἡμῖν μέντοι πλέουσιν ἄλ-
лот' ἄλλῳ μέτρῳ χρώμενοι τῶν σχοίνων ἀπεδίδουσιν
τὰ διαστήματα, ὥστε καὶ τετταρακοντασταδίους καὶ
10 ἔτι μείζους κατὰ τόπους ὁμολογεῖσθαι παρ' αὐτῶν. καὶ
διότι παρὰ τοῖς Αἰγυπτίοις ἄστατόν ἐστι τὸ τῆς σχοί-
νου μέτρον, αὐτὸς ὁ Ἀρτεμίδωρος ἐν τοῖς ἐξῆς δηλοῖ.
ἀπὸ μὲν γὰρ Μέμφεως μέχρι Θηβαῖδος τὴν σχοῖνον
ἐκάστην φησὶν εἶναι σταδίων ἑκατὸν εἴκοσιν, ἀπὸ δὲ
15 τῆς Θηβαῖδος μέχρι Συήνης ἐξήκοντα, ἀπὸ δὲ Πηλου-
σίου πρὸς τὴν αὐτὴν ἀναπλέουσι κορυφὴν σχοίνους
μὲν πέντε καὶ εἴκοσι φησι σταδίους δὲ ἑπτακοσίους
πεντήκοντα, τῷ αὐτῷ μέτρῳ χρησάμενος. πρώτην δ'
ἐκ τοῦ Πηλουσίου προελθοῦσιν εἶναι διώρυγα τὴν
20 πληροῦσαν τὰς κατὰ τὰ ἔλη καλουμένης λίμνας, αἱ δὲ δύο
μὲν εἰσιν, ἐν ἀριστερᾷ δὲ κεῖνται τοῦ μεγάλου ποτα-
μοῦ ὑπὲρ τὸ Πηλούσιον ἐν τῇ Ἀραβίᾳ· καὶ ἄλλας δὲ
λέγει λίμνας καὶ διώρυγας ἐν τοῖς αὐτοῖς μέρεσιν ἔξω
τοῦ Ἀέλτα. ἔστι δὲ καὶ νομὸς Σεθρωΐτης παρὰ τὴν
25 ἐτέραν λίμνην· ἓνα δὲ τῶν δέκα τῶν ἐν τῷ Ἀέλτα δια-
ριθμεῖται καὶ τοῦτον· εἰς δὲ τὰς αὐτὰς λίμνας συμβάλλ-
λουσι καὶ ἄλλαι δύο διώρυγες.

Ἄλλη δ' ἐστὶν ἐκδιδούσα εἰς τὴν Ἐρυθρὰν καὶ τὸν 25
Ἀράβιον κόλπον κατὰ πόλιν Ἀρσινόην ἣν ἐνιοὶ Κλεο-
30 πατρίδα καλοῦσι. διαρρεῖ δὲ καὶ διὰ τῶν πικρῶν κα-
λουμένων λιμνῶν, αἱ πρότερον μὲν ἦσαν πικραί, τμη-
θείσης δὲ τῆς διώρυγος τῆς λεχθείσης μετεβάλλοντο τῇ

κράσει τοῦ ποταμοῦ, καὶ νῦν εἰσιν εὐοιοί, μεστὰ δὲ καὶ τῶν λιμναίων ὀρνέων. ἐτμήθη δὲ ἡ διῶρυξ κατ' ἀρχὰς μὲν ὑπὸ Σεσώστριος πρὸ τῶν Τρωικῶν, οἱ δὲ ὑπὸ τοῦ Ψαμμίτιχου παῖδός, ἀρξαμένου μόνου, εἴτ' ἐκλιπόντος τὸν βίον, ὕστερον δὲ ὑπὸ Δαρείου τοῦ 5
 πρώτου, διαδεξαμένου τὸ ἐξῆς ἔργον. καὶ οὗτος δὲ δοξῇ ψευδεῖ πεισθεὶς ἀφῆκε τὸ ἔργον περὶ συντέλειαν ἥδη· ἐπίσθη γὰρ μετεωροτέραν εἶναι τὴν Ἐρυθρὰν θάλατταν τῆς Αἰγύπτου καὶ εἰ διακοπεῖν πᾶς ὁ μεταξὺ ἰσθμός, ἐπικλυσθήσεσθαι τῇ θαλάττῃ τὴν Αἰ- 10
 γυπτον· οἱ μέντοι Πτολεμαῖκοι βασιλεῖς διακόψαντες κλειστὸν ἐποίησαν τὸν εὐρίπον ὥστε ὅτε βούλονται ἐκπλεῖν ἀκωλύτως εἰς τὴν ἕξω θάλατταν καὶ εἰσπλεῖν πάλιν. εἴρηται δὲ καὶ περὶ τῆς τῶν ὑδάτων ἐπιφανείας καὶ ἐν τοῖς πρώτοις ὑπομνήμασι. 15

26 Πλησίον δὲ τῆς Ἀρσινόης καὶ ἡ τῶν Ἡρώων ἐστὶ πόλις καὶ ἡ Κλεοπατρίς ἐν τῷ μυχῷ τοῦ Ἀραβίου κόλ-
 C.805 που τῷ πρὸς Αἶγυπτον καὶ λιμένες καὶ κατοικίαι διώ-
 ρυγές τε πλείους καὶ λίμναι πλησιάζουσαι τούτοις· ἐν-
 ταῦθα δ' ἐστὶ καὶ ὁ Φαργωριοπολίτης νομὸς καὶ πόλις 20
 Φαργωριοπολις. ἡ δὲ ἀρχὴ τῆς διώρυγος τῆς ἐκδιδούσης εἰς τὴν Ἐρυθρὰν ἀπὸ κώμης ἄρχεται Φακούσης, ἥ συνε-
 χῆς ἐστὶ καὶ ἡ Φίλωνος κώμη· πλάτος δ' ἔχει πηχῶν ἑκα-
 τὸν ἡ διῶρυξ, βάθος δ' ὅσον ἀρκεῖν μυριοφόρῳ νηί·
 οὗτοι δ' οἱ τόποι πλησιάζουσι τῇ κορυφῇ τοῦ Δέλτα. 25

27 Αὐτοῦ δὲ καὶ ἡ Βούβαστος πόλις καὶ ὁ Βουβαστί-
 της νομὸς καὶ ὑπὲρ αὐτὸν ὁ Ἡλιοπολίτης νομὸς. ἐν-
 ταῦθα δ' ἐστὶν ἡ τοῦ Ἡλίου πόλις ἐπὶ χώματος ἀξιο-
 λόγου κειμένη, τὸ ἱερὸν ἔχουσα τοῦ Ἡλίου καὶ τὸν
 βοῦν τὸν Μνεῦιν ἐν σηκῷ τινι τρεφόμενον, ὃς παρ' 30
 αὐτοῖς νενόμισται θεός, ὥσπερ καὶ ἐν Μέμφει ὁ Ἄπις.
 πρόκεινται δὲ τοῦ χώματος λίμναι τὴν ἀνάχυσιν ἐκ

- τῆς πλησίον διώρυγος ἔχουσαι. νυνὶ μὲν οὖν ἐστὶ παν-
 ἐρημος ἢ πόλις, τὸ ἱερὸν ἔχουσα τῷ Αἰγυπτίῳ τρόπῳ
 κατεσκευασμένου ἀρχαῖον, ἔχον πολλὰ τεκμήρια τῆς
 Καμβύσουμανίας καὶ ἱεροσυλίας, ὅς τὰ μὲν πρὸ τὰ
 5 δὲ σιδήρῳ διελασθᾶτο τῶν ἱερῶν, ἀκρωτηριαῶν καὶ
 περικαίων, καθάπερ καὶ τοὺς ὀβελίσκους, ὧν δύο καὶ
 εἰς Ῥώμην ἐκομίσθησαν οἱ μὴ κεκακωμένοι τελέως, ἄλ-
 λοι δ' εἰςὶ κακεῖ καὶ ἐν Θήβαις, τῇ νῦν Διοσπόλει, οἱ
 μὲν ἐστῶτες ἀκμὴν πυρίβρωτοι οἱ δὲ καὶ κείμενοι.
- 10 Τῆς δὲ κατασκευῆς τῶν ἱερῶν ἢ διαθήσεως τοιαύ- 28
 τη· κατὰ τὴν εἰσβολὴν τὴν εἰς τὸ τέμενος λιθόστρω-
 τὸν ἐστὶν ἔδαφος, πλάτος μὲν ὅσον πλεθριαῖον ἢ καὶ
 ἑλαττον, μῆκος δὲ καὶ τριπλάσιον καὶ τετραπλάσιον,
 ἔστιν ὅπου καὶ μεῖζον· καλεῖται δὲ τοῦτο δρόμος, κα-
- 15 θάπερ Καλλίμαχος εἴρηκεν „ὁ δρόμος ἱερὸς οὗτος
 „Ἀνούβιδος.“ διὰ δὲ τοῦ μήκους παντὸς ἐξῆς ἐφ' ἑκά-
 τερα τοῦ πλάτους σφίγγες ἵδρυνται λίθιναι, πῆχεις
 εἴκοσιν ἢ μικροῦ πλείους ἀπ' ἀλλήλων διέχουσαι, ὥσθ'
 ἓνα μὲν ἐκ δεξιῶν εἶναι στίχον τῶν σφιγγῶν ἓνα δ' ἐξ
- 20 εὐωνύμων· μετὰ δὲ τὰς σφίγγας πρόπυλον μέγα, εἴτ'
 ἄλλο προελθόντι πρόπυλον, εἴτ' ἄλλο· οὐκ ἐστὶ δὲ
 διωρισμένος ἀριθμὸς οὔτε τῶν προπύλων οὔτε τῶν
 σφιγγῶν· ἄλλα δ' ἐν ἄλλοις ἱεροῖς, ὥσπερ καὶ τὰ μήκη
 καὶ τὰ πλάτη τῶν δρόμων. μετὰ δὲ τὰ προπύλαια ὁ
- 25 νεὸς πρόναον ἔχων μέγα καὶ ἀξιόλογον, τὸν δὲ σηκὸν
 σύμμετρον, ξόανον δ' οὐδέν, ἢ οὐκ ἀνθρωπόμορφον,
 ἀλλὰ τῶν ἀλόγων ζώων τινός· τοῦ δὲ προνάου παρ'
 ἑκάτερον πρόκειται τὰ λεγόμενα πτερὰ· ἐστὶ δὲ ταῦτα
 ἰσοῦψῃ τῷ νεῷ τείχη δύο, κατ' ἀρχὰς μὲν ἀφεστῶτα C.806
- 30 ἀπ' ἀλλήλων μικρὸν πλέον ἢ τὸ πλάτος ἐστὶ τῆς κρη-
 πιδος τοῦ νεώ, ἔπειτ' εἰς τὸ πρόσθεν προϋόντι κατ'
 ἐπινευούσας γραμμάς μέχρι πηγῶν πεντήκοντα ἢ ἐξή-

κοντα· ἀναγλυφὰς δ' ἔχουσιν οἱ τοῖχοι οὗτοι μεγάλων εἰδώλων, ὁμοίων τοῖς Τυρρηνικοῖς καὶ τοῖς ἀρχαίοις σφύδρα τῶν παρὰ τοῖς Ἑλλησι δημιουργημάτων. ἔστι δέ τις καὶ πολύστυλος οἶκος, καθάπερ ἐν Μέμφει, βαρβαρικὴν ἔχων τὴν κατασκευὴν· πλὴν γὰρ τοῦ * μεγά- 5 λων εἶναι καὶ πολλῶν καὶ πολυστίχων τῶν στύλων οὐδὲν ἔχει χαρίεν οὐδὲ γραφικόν, ἀλλὰ ματαιοπονίαν ἐμφαίνει μᾶλλον.

- 29 Ἐν δὲ τῇ Ἠλίου πόλει καὶ οἶκους εἶδομεν μεγάλους ἐν οἷς διέτριβον οἱ ἱερεῖς· μάλιστα γὰρ δὴ ταύτην 10 κατοικίαν ἱερέων γεγενῆσθαι φασὶ τὸ παλαιὸν φιλοσόφων ἀνδρῶν καὶ ἀστρονομικῶν· ἐκλέλοιπε δὲ καὶ τοῦτο νυνὶ τὸ σύστημα καὶ ἡ ἀσκήσις. ἐκεῖ μὲν οὖν οὐδεὶς ἡμῖν ἐδείκνυτο τῆς τοιαύτης ἀσκήσεως προσεστώς, ἀλλ' οἱ ἱεροποιοὶ μόνον καὶ ἐξηγηταὶ τοῖς ξένοις τῶν 15 περὶ τὰ ἱερά. παρηκολούθει δέ τις ἐξ Ἀλεξανδρείας ἀναπλέοντι εἰς τὴν Αἴγυπτον Αἰλίῳ Γάλλῳ τῷ ἡγεμόνι Χαιρήμων τοῦνομα, προσποιούμενος τοιαύτην τινα ἐπιστήμην, γελώμενος δὲ τὸ πλεόν ὡς ἀλαζών καὶ ἰδιώτης· ἐκεῖ δ' οὖν ἐδείκνυτο οἱ τε τῶν ἱερέων 20 οἶκοι καὶ Πλάτωνος καὶ Εὐδόξου διατριβαί. συνανέβη γὰρ δὴ τῷ Πλάτῳ ὁ Εὐδόξος δεῦρο, καὶ συνδιέτριψαν τοῖς ἱερεῦσιν ἐνταῦθα ἐκεῖνοι τρισκαίδεκα ἔτη, ὡς εἴρηται τισι· περιττοὺς γὰρ ὄντας κατὰ τὴν ἐπιστήμην τῶν οὐρανίων, μυστικούς δὲ καὶ δυσμεταδό- 25 τους, τῷ χρόνῳ καὶ ταῖς θεραπαίαις ἐξελιπάρησαν ὥστε τινα τῶν θεωρημάτων ἱστορῆσαι· τὰ πολλὰ δὲ ἀπεκρύψαντο οἱ βάρβαροι. οὗτοι δὲ τὰ ἐπιτρέχοντα τῆς ἡμέρας καὶ τῆς νυκτὸς μόρια ταῖς τριακοσίαις ἐξήκοντα πέντε ἡμέραις εἰς τὴν ἐκπλήρωσιν τοῦ ἐνιαυ- 30 σίου χρόνου παρέδωκαν· ἀλλ' ἡγνοεῖτο τέως ὁ ἐνιαυτὸς παρὰ τοῖς Ἑλλησιν ὡς καὶ ἄλλα πλείω, ἕως οἱ νεώ-

τεροι ἀστρολόγοι παρέλαβον παρὰ τῶν μεθερμηνευσάντων εἰς τὸ Ἑλληνικὸν τὰ τῶν ἱερέων ὑπομνήματα· καὶ ἔτι νῦν παραλαμβάνουσι τὰ ἀπ' ἐκείνων, ὁμοίως καὶ τὰ τῶν Χαλδαίων.

- 5 Ἐντεῦθεν δὴ ὁ Νεῖλός ἐστιν ὁ ὑπὲρ τοῦ Δέλτα· 30
 τούτου δὴ τὰ μὲν δεξιὰ καλοῦσι Λιβύην ἀναπλέοντι, ὥσπερ καὶ τὰ περὶ τὴν Ἀλεξάνδρειαν καὶ τὴν Μαρεώτιν, τὰ δ' ἐν ἀριστερᾷ Ἀραβίαν. ἡ μὲν οὖν Ἡλίου πόλις ἐν τῇ Ἀραβίᾳ ἐστίν, ἐν δὲ τῇ Λιβύῃ Κερκέσουρα
 10 πόλις κατὰ τὰς Εὐδύξου κειμένη σκοπᾶς· δείκνυνται 807
 γὰρ σκοπὴ τις πρὸ τῆς Ἡλίου πόλεως, καθάπερ καὶ πρὸ τῆς Κνίδου, πρὸς ἣν ἐσημειοῦτο ἐκεῖνος τῶν οὐρανίων τινὰς κινήσεις· ὁ δὲ νομὸς Αἰγυπιοῦ οὗτος ἀναπλεύσαντι δ' ἐστὶ Βαβυλῶν, φρούριον ἐρ-
 15 μόν, ἀποστάντων ἐνταῦθα Βαβυλωνίων τινῶν, εἴτα διαπραξαμένων ἐνταῦθα κατοικίαν παρὰ τῶν βασιλέων· νυνὶ δ' ἐστὶ στρατόπεδον ἐνὸς τῶν τριῶν ταγμάτων τῶν φρουρούντων τὴν Αἴγυπτον· ῥάχης δ' ἐστὶν ἀπὸ τοῦ στρατοπέδου καὶ μέχρι Νείλου καθή-
 20 κουςα, δι' ἧς ἀπὸ τοῦ ποταμοῦ τροχοὶ καὶ κοχλῖαι τὸ ὕδωρ ἀνάγουσιν, ἀνδρῶν ἑκατὸν πεντήκοντα ἐργάζομένων δεσμίων· ἀφορῶνται δ' ἐνθὲνδε τηλαυγῶς αἱ πυραμίδες ἐν τῇ περαιοῖ ἐν Μέμφει καὶ εἰσὶ πλησίον.

- Ἐγγὺς δὲ καὶ ἡ Μέμφις αὐτῇ τὸ βασίλειον τῶν 31
 25 Αἴγυπτίων· ἐστὶ γὰρ ἀπὸ τοῦ Δέλτα τρίσχοινον εἰς αὐτήν· ἔχει δὲ ἱερά, τό τε τοῦ Ἀπιδος ὅς ἐστιν ὁ αὐτὸς καὶ Ὅσιρις, ὅπου ὁ βοῦς ὁ Ἄπις ἐν σηκῷ τιμνι τρέφεται, θεὸς ὡς ἔφην νομιζόμενος, διάλευκος τὸ μέτωπον καὶ ἄλλα τινὰ μικρὰ τοῦ σώματος, τᾶλλα δὲ
 30 μέλας· οἷς σημείοις αἰεὶ κρίνουσι τὸν ἐπιτήδειον εἰς τὴν διαδοχὴν, ἀπογενομένου τοῦ τὴν τιμὴν ἔχοντος. ἐστὶ δ' αὐλὴ προκειμένη τοῦ σηκοῦ, ἐν ἣ καὶ ἄλλος σηκὸς

τῆς μητρὸς τοῦ βοός· εἰς ταύτην δὲ τὴν αὐλὴν ἐξα-
φιασι τὸν Ἄπιν καθ' ὧραν τινὰ καὶ μάλιστα πρὸς ἐπί-
δειξιν τοῖς ξένοις· ὁρῶσι μὲν γὰρ καὶ διὰ θυρίδος ἐν
τῷ σηκῷ, βούλονται δὲ καὶ ἔξω· ἀποσκιρτήσαντα δ'
ἐν αὐτῇ μικρὰ ἀναλαμβάνουσιν πάλιν εἰς τὴν οἰκίαν ὅ-
στάσιν. τό τε δὴ τοῦ Ἑπιδότος ἐστὶν ἱερὸν παρακείμε-
νον τῷ Ἑφαιστεῖον καὶ αὐτὸ τὸ Ἑφαιστεῖον πολυτε-
λῶς κατεσκευασμένον ναοῦ τε μεγέθει καὶ τοῖς ἄλλοις.
πρόκειται δ' ἐν τῷ δρόμῳ καὶ μονόλιθος κολοσσός·
ἔθρος δ' ἐστὶν ἐν τῷ δρόμῳ τούτῳ ταύρων ἀγῶνας συν- 10
τελεῖσθαι πρὸς ἀλλήλους, οὓς ἐπίτηδες τρέφουσιν τι-
νες, ὥσπερ οἱ ἱπποτρόφοι· συμβάλλουσιν γὰρ εἰς μά-
χην ἀφέντες, ὁ δὲ κρείττων νομισθεὶς ἄθλου τυγχάνει.
ἔστι δ' ἐν Μέμφει καὶ Ἀφροδίτης ἱερὸν, θεᾶς Ἑλληνί-
δος νομιζομένης· τινὲς δὲ Σελήνης ἱερὸν εἶναί φασιν. 15

32 Ἔστι δὲ καὶ Σαράπειον ἐν ἀμυῳδει τόπῳ σφόδρα
ῥᾶθ' ὑπ' ἀνέμων θύνας ἄμμων σωρεύεσθαι, ὑφ' ὧν
αἰσφίγγες αἰ μὲν καὶ μέχρ' κεφαλῆς ἐωρῶντο ὑφ' ἡμῶν
κατακεχωσμένοι αἰ δ' ἡμιφανεῖς· ἔξ ὧν εἰκάζειν πα-
ρῆν τὸν κίνδυνον, εἰ τῷ βαδίζοντι πρὸς τὸ ἱερὸν λαϊ- 20
λαψ ἐπιπέσοι. πόλις δ' ἐστὶ μεγάλη τε καὶ εὐανδρος,
δευτέρᾳ μετὰ Ἀλεξάνδρειαν, μιγάδων ἀνδρῶν, κα-
θάπερ καὶ τῶν ἐκεῖ συνθηκισμένων· πρόκεινται δὲ καὶ
λίμναι τῆς πόλεως καὶ τῶν βασιλείων, ἃ νῦν μὲν κα-
C.808τέσπασται καὶ ἐστὶν ἔρημα· ἴδρυνται δ' ἐφ' ὕψους κα- 25
θήκοντα μέχρ' τοῦ κάτω τῆς πόλεως ἐδάφους· συνά-
πτει δ' ἄλσος αὐτῷ καὶ λίμνῃ.

33 Τετταράκοντα δ' ἀπὸ τῆς πόλεως σταδίους προ-
ελθόντι ὀρεινὴ τις ὄφρυς ἐστὶν, ἐφ' ἣ πολλὰ μὲν εἰσι
πυραμίδες, τάφοι τῶν βασιλέων, τρεῖς δ' ἀξίολογοι· 30
ταῖς δὲ δύο τούτων καὶ ἐν τοῖς ἑπτὰ θεάμασι καταριθ-
μοῦνται· εἰσὶ γὰρ σταδιαῖαι τὸ ὕψος, τετράγωνοι τῷ

σχήματι, τῆς πλευρᾶς ἐκάστης μικρῷ μείζον τὸ ὕψος
 ἔχουσai· μικρῷ δὲ καὶ ἡ ἑτέρα τῆς ἑτέρας ἐστὶ μείζων·
 ἔχει δ' ἐν ὕψει μέσως πως [μιάς] τῶν πλευρῶν λίθον
 ἐξαιρέσιμον· ἀρθέντος δὲ σὺρίγῃ ἐστὶ σκολιὰ μέχρι
 5 τῆς θήκης· αὐταὶ μὲν οὖν ἐγγὺς ἀλλήλων ἐπὶ τῷ αὐτῷ
 ἐπιπέδῳ, ἀπωτέρω δ' ἐστὶν ἐν ὕψει μείζονι τῆς ὀρει-
 νῆς ἡ τρίτη πολὺ ἐλάττων τῶν δυεῖν, πολὺ δὲ μείζο-
 νος δαπάνης κατασκευασμένη· ἀπὸ γὰρ θεμελίων μέ-
 χρι μέσου σχεδόν τι μέλανος λίθου ἐστίν, ἐξ οὗ καὶ τὰς
 10 θυλάς κατασκευάζουσι, κομίζοντες πόρρωθεν· ἀπὸ
 γὰρ τῶν τῆς Αἰθιοπίας ὄρων· καὶ τῷ σκληρὸς εἶναι καὶ
 δυσκατέργαστος πολυτελῆ τὴν πραγματείαν παρέσχε·
 λέγεται δὲ τῆς ἐταίρας τάφος γεγωνὸς ὑπὸ τῶν ἐρα-
 στῶν, ἣν Σαπφὴ μὲν ἡ τῶν μελῶν ποιήτρια καλεῖ Δω-
 15 ρίχαν, ἐρωμένην τοῦ ἀδελφοῦ αὐτῆς Χαράξου γεγο-
 ννίαν, οἶνον κατάγοντος εἰς Ναύκρατιν Λέσβιον κατ'
 ἐμπορίαν, ἄλλοι δ' ὀνομάζουσι Ροδῶπιν· μυθεύουσι
 δ' ὅτι λουομένης αὐτῆς ἐν τῶν ὑποδημάτων αὐτῆς ἀρ-
 πάσας ἀετὸς παρὰ τῆς θεραπαίνης κομίσειεν εἰς Μέμ-
 20 φιν καὶ τοῦ βασιλέως δικαιοδοτοῦντος ὑπαίθριον, γε-
 νόμενος κατὰ κορυφὴν αὐτοῦ ῥίψει τὸ ὑπόδημα εἰς τὸν
 κόλπον· ὁ δὲ καὶ τῷ ῥυθμῷ τοῦ ὑποδήματος καὶ τῷ πα-
 ραδόξῳ κινηθεὶς περιπέμψειεν εἰς τὴν χώραν κατὰ ζή-
 τησιν τῆς φορούσης ἀνθρώπου τοῦτο, εὐρεθεῖσα δ' ἐντῇ
 25 πόλει τῶν Ναυκρατιτῶν ἀναχθείη καὶ γένοιτο γυνή τοῦ
 βασιλέως, τελευτήσασα δὲ τοῦ λεχθέντος τύχοι τάφου.
 Ἐν δέ τι τῶν ὀραθέντων ὕφ' ἡμῶν ἐν ταῖς πυρα- 34
 μίσιν παραδόξων οὐκ ἄξιον παραλιπεῖν. ἐκ γὰρ τῆς λα-
 τύπης σωροὶ τινες πρὸ τῶν πυραμίδων κεῖνται· ἐν
 30 τούτοις δ' εὐρίσκεται ψήγματα καὶ τύπῳ καὶ μεγέθει
 φακοειδῇ· ἐνίοις δὲ καὶ ὥς ἂν πτίσμα οἴου ἡμιλεπί-
 στων ὑποτρέχει· φασὶ δ' ἀπολιθωθῆναι λείψανα τῆς

τῶν ἐργαζομένων τροφῆς· οὐκ ἀπέοικε δέ· καὶ γὰρ οἴκοι παρ' ἡμῖν λόφος ἐστὶν ἐν πεδίῳ παραμῆκης, οὗτος δ' ἐστὶ μεστὸς ψήφων φακοειδῶν λίθου πωρείας· καὶ αἱ θαλάττιαι δὲ καὶ αἱ ποτάμιαι ψῆφοι σχεδόν τι τὴν αὐτὴν ἀπορίαν ὑπογράφουσιν· ἀλλ' αὐται μὲν ἐν δὲ τῇ κινήσει τῇ διὰ τοῦ ῥεύματος εὐρεσιλογίαν τινὰ ἔχουσιν, ἐκεῖ δ' ἀπορωτέρα ἡ σκέψις. εἴρηται δ' ἐν ἄλλοις καὶ διότι περὶ τὸ μέταλλον τῶν λίθων, ἐξ ὧν αἱ πυραμίδες γηγόνασιν, ἐν ᾧ ταις πυραμίσιν ὄν περὶ ἐν τῇ Ἀραβίᾳ, Τρωικόν τι καλεῖται πετρῶδες ἱκανῶς ὅρος καὶ σπήλαια ὑπ' αὐτῷ καὶ κώμη πλησίον καὶ τούτοις καὶ τῷ ποταμῷ, Τροία καλουμένη, κατοικία παλαιὰ τῶν Μενελάῳ συγκατακολουθησάντων αἰχμαλώτων Τρώων, καταμεινάντων δ' αὐτόθι.

- 35 Μετὰ δὲ Μέμφιν Ἀκανθοῦ πόλις ὁμοίως ἐν τῇ Αἰβύῃ καὶ τὸ τοῦ Ὀσίριδος λερόν καὶ τὸ τῆς ἀκάνθης ἄλσος τῆς Θηβαϊκῆς ἐξ ἧς τὸ κόμμι. εἶθ' ὁ Ἀφροδιτοπολίτης νομὸς καὶ ἡ ὁμώνυμος πόλις ἐν τῇ Ἀραβίᾳ, ἐν ᾗ λευκὴ βοῦς λερὰ τρέφεται. εἶθ' ὁ Ἡρακλεώτης νομὸς ἐν νήσῳ μεγάλῃ, καθ' ἣν ἡ διωρὺς ἐστὶν ἐν δεξιᾷ 20 εἰς τὴν Αἰβύην ἐπὶ τὸν Ἀρσινοῖτην νομόν, ὥστε καὶ δίστομον εἶναι τὴν διωρὺν, μεταξὺ μέρους τινὸς τῆς νήσου παρεμπύπτοντος. ἐστὶ δ' ὁ νομὸς οὗτος ἀξιολογώτατος τῶν ἀπάντων κατὰ τε τὴν ὄψιν καὶ τὴν ἀρετὴν καὶ τὴν κατασκευὴν· ἐλαιόφυτός τε γὰρ μόνος 25 ἐστὶ μεγάλους καὶ τελείους δένδρεσι καὶ καλλικάρποις, εἰ δὲ συγκομίζοι καλῶς τις, καὶ εὐέλαιος· ὀλιγοροῦντες δὲ τούτου πολὺ μὲν ποιοῦσιν ἔλαιον, μοχθηρόν δὲ κατὰ τὴν ὁδμὴν· ἡ δ' ἄλλη Αἴγυπτος ἀνέλαιός ἐστι πλὴν τῶν κατ' Ἀλεξάνδρειαν κήπων, οἳ μέχρι τοῦ 30 ἔλαιον χορηγεῖν ἱκανοὶ εἰσιν, ἔλαιον δ' οὐχ ὑπουργοῦσιν· οἷνόν τε οὐκ ὀλίγον ἐκφέρει σῖτόν τε καὶ ὕσπρια

καὶ τὰ ἄλλα σπέρματα πάμπολλα. θαυμαστὴν δὲ καὶ
 τὴν λίμνην ἔχει τὴν Μοίριδος καλουμένην, πελαγίαν
 τῷ μεγέθει καὶ τῇ χροῇ θαλαττοειδῇ· καὶ τοὺς αἰγια-
 λούς δὲ ἔστιν ὁρᾶν ἑοικότας τοῖς θαλαττίοις, ὥς ὑπο-
 5 νοεῖν τὰ αὐτὰ περὶ τῶν κατὰ Ἀμμουνα τόπων καὶ τού-
 των (καὶ γὰρ οὐδὲ πάμπολυ ἀφεσταῖσιν ἀλλήλων καὶ
 τοῦ Παραιτονίου) μὴ ὥσπερ τὸ ἱερὸν ἐκεῖνο εἰκάξειν
 ἔστι πρότερον ἐπὶ τῇ θαλάττῃ ἰδρῦσθαι διὰ τὸ πληθὺς
 τῶν τεκμηρίων, καὶ ταῦθ' ὁμοίως τὰ χωρία πρότερον
 10 ἐπὶ τῇ θαλάττῃ ὑπῆρχεν, ἥ δὲ κάτω Αἰγυπτος καὶ τὰ
 μέγροι τῆς λίμνης τῆς Σιρβωνίτιδος πέλαγος ἦν, σύρ-
 ρουον τυχὸν ἴσως τῇ Ἐρυθρᾷ τῇ κατὰ Ἡρώων πόλιν
 καὶ τὸν Αἰλανάτην μυχόν.

Εἰρηται δὲ περὶ τούτων διὰ πλείονων ἐν τῷ πρώ- 36
 15 τῷ ὑπομνήματι τῆς γεωγραφίας, καὶ νῦν δ' ἐπὶ τοσοῦ-
 τον ὑπομνηστέον [τὸ] τῆς φύσεως ἅμα καὶ τὸ τῆς προ-
 νοίας ἔργον εἰς ἐν συμφέροντας· τὸ μὲν τῆς φύσεως,
 ὅτι τῶν πάντων ὕφ' ἐν συννεύοντων τὸ τοῦ ὅλου μέ-
 σον καὶ σφαιρουμένων περὶ τοῦτο, τὸ μὲν πυκνότη-
 20 τον καὶ μεσαίτατόν ἐστιν ἡ γῆ, τὸ δ' ἦττον τοιοῦτον C.810
 καὶ ἐφεξῆς τὸ ὕδωρ, ἐκάτερον δὲ σφαῖρα, ἡ μὲν στε-
 ρεά, ἡ δὲ κοίλῃ ἐντὸς ἔχουσα τὴν γῆν· τὸ δὲ τῆς προ-
 νοίας, ὅτι βεβούληται καὶ αὐτὴ ποικίλτραί τις οὕσα
 καὶ μυρίων ἔργων δημιουργὸς ἐν τοῖς πρώτοις ζῶα
 25 γεννᾶν ὥς πολὺ διαφέροντα τῶν ἄλλων καὶ τούτων
 τὰ κράτιστα θεοὺς τε καὶ ἀνθρώπους, ὧν ἕνεκεν καὶ
 τὰ ἄλλα συνέστηκε. τοῖς μὲν οὖν θεοῖς ἀπέδειξε τὸν
 οὐρανὸν τοῖς δ' ἀνθρώποις τὴν γῆν, τὰ ἅκρα τῶν τοῦ
 κόσμου μερῶν· ἅκρα δὲ τῆς σφαίρας τὸ μέσον καὶ τὸ
 30 ἐξωτάτω. ἀλλ' ἐπειδὴ τῇ γῇ περικείται τὸ ὕδωρ, οὐκ
 ἔστι δ' ἐνυδρον ζῶον ὁ ἄνθρωπος, ἀλλὰ χερσαῖον καὶ
 ἐναέριον καὶ πολλοῦ κοινωνικὸν φωτός, ἐποίησεν

ἔξοχας ἐν τῇ γῇ πολλὰς καὶ εἰσοχάς, ὥστ' ἐν αἷς μὲν ἀπολαμβάνεσθαι τὸ σύμπαν ἢ καὶ τὸ πλεον ὕδωρ ἀποκρύπτου τὴν ὑπ' αὐτῷ γῆν, ἐν αἷς δ' ἐξέχειν τὴν γῆν ἀποκρύπτουσιν ὑφ' ἑαυτῇ τὸ ὕδωρ, πλὴν ὅσον χρῆσιμον τῷ ἀνθρώπῳ γένει καὶ τοῖς περὶ αὐτὸ ζώοις καὶ φυτοῖς. ἐπεὶ δ' ἐν κινήσει συνεχεῖ τὰ σύμπαντα καὶ μεταβολαῖς μεγάλαις (οὐ γὰρ οἶόν τε ἄλλως τὰ τοιαῦτα καὶ τοσαῦτα καὶ τηλικαῦτα ἐν τῷ κόσμῳ διοικεῖσθαι), ὑποληπτέον μήτε τὴν γῆν αἰεὶ συμμένειν οὕτως ὥστ' αἰεὶ τηλικαύτην εἶναι μηδὲν προστιθεῖσαν 10 ἑαυτῇ μηδ' ἀφαιρουῦσαν, μήτε τὸ ὕδωρ, μηδὲ τὴν ἔδραν ἔχειν τὴν αὐτὴν ἐκάτερον, καὶ ταῦτα εἰς ἄλληλα φυσικωτάτης οὔσης καὶ ἐγγυτάτῳ τῆς μεταπτώσεως, ἀλλὰ καὶ τῆς γῆς πολλὴν εἰς ὕδωρ μεταβάλλειν, καὶ τῶν ὑδάτων πολλὰ χερσοῦσθαι τὸν αὐτὸν τρόπον 15 ὅνπερ καὶ ἐν τῇ γῇ, καθ' ἣν αὐτὴν τοσαῦται διαφοραί· ἡ μὲν γὰρ εὐθροπτος ἡ δὲ στερεὰ καὶ πετρώδης καὶ σιδηρεῖτις καὶ οὕτως ἐπὶ τῶν ἄλλων. ὁμοίως δὲ καὶ ἐπὶ τῆς ὑγρᾶς οὐσίας, ἡ μὲν ἀλμυρὴ ἡ δὲ γλυκεῖα καὶ πότιμος, ἡ δὲ φαρμακώδης καὶ σωτήριος καὶ ὀλέθριος 20 καὶ ψυχρὰ καὶ θερμή. τί οὖν θαυμαστόν ἐστιν αἰνῶς μέρη τῆς γῆς ἃ νῦν οἰκεῖται θαλάττῃ πρότερον κατείχετο, τὰ δὲ νῦν πελάγη πρότερον ᾤκεῖτο; καθάπερ καὶ πηγὰς τὰς πρότερον ἐκλιπεῖν συνέβη, τὰς δ' ἀνελθῆναι, καὶ ποταμοὺς καὶ λίμνας, οὕτω δὲ καὶ ὄρη καὶ πεδία 25 εἰς ἄλληλα μεταπίπτειν· περὶ ὧν καὶ πρότερον εἰρήκαμεν πολλὰ καὶ νῦν εἰρήσθω.

37 Ἡ δ' οὖν Μοίριδος λίμνη διὰ τὸ μέγεθος καὶ τὸ βάθος ἰκανή ἐστι κατὰ τὰς ἀναβάσεις τὴν πλημμυρίδα φέρειν καὶ μὴ ὑπερπολάξειν εἰς τὰ οἰκούμενα καὶ πεφυτευμένα, εἴτα ἐν τῇ ἀποβάσει τὸ πλεονάζον ἀποδοῦσα τῇ αὐτῇ διώρυγι κατὰ θάτερον τῶν στομάτων

ἔχειν ὑπολειπόμενον τὸ χρήσιμον πρὸς τὰς ἐποχτείας C.811
καὶ αὐτὴ καὶ ἡ διώρυξ. ταῦτα μὲν φυσικά, ἐπικείται
δὲ τοῖς στόμασιν ἀμφοτέροισι τῆς διώρυγος κλειθρα
οἷς ταμιεύουσιν οἱ ἀρχιτέκτονες τό τε εἰσρέον ὕδωρ
5 καὶ τὸ ἐκρέον. πρὸς δὲ τούτοις ἡ τοῦ λαβυρίνθου κα-
τασκευὴ πάρισον ταῖς πυραμίσιν ἐστὶν ἔργον καὶ ὁ πα-
ρακείμενος τάφος τοῦ κατασκευάσαντος βασιλέως τὸν
λαβύρινθον. ἔστι δὲ κατὰ τὸν πρῶτον εἰσπλουν τὸν
εἰς τὴν διώρυγα προελθόντι ὕσον τριάκοντα ἢ τεττα-
10 ράκοντα σταδίους ἐπίπεδόν τι τραπεζῶδες χωρίον,
ἔχον κόμην τε καὶ βασίλειον μέγα ἐκ πολλῶν βασιλεί-
ων, ὅσοι πρότερον ἦσαν νομοί· τοσαῦται γάρ εἰσιν
αὐλαὶ περίστυλοι συνεχεῖς ἀλλήλαις ἐφ' ἓνα στίχον
πᾶσαι καὶ ἐφ' ἑνὸς τοίχου ὥς ἂν τείχους μακροῦ προ-
15 κειμένας ἔχοντος τὰς αὐλάς· αἱ δ' εἰς αὐτὰς ὁδοὶ κα-
ταντικρὺ τοῦ τείχους εἰσὶ· πρόκεινται δὲ τῶν εἰσόδων
κρυπταὶ τινες μακραι καὶ πολλαί, δι' ἀλλήλων ἔχου-
σαι σκολιάς τὰς ὁδοὺς ὥστε χωρὶς ἡγεμόνος μηδενὶ
τῶν ξένων εἶναι δυνατὴν τὴν εἰς ἐκάστην αὐλὴν πά-
20 ροδὸν τε καὶ ἔξοδον. τὸ δὲ θαυμαστόν, ὅτι αἱ στέγαι
τῶν οἰκῶν ἐκάστου μονόλιθοι, καὶ τῶν κρυπτῶν τὰ
πλάτη μονολίθοις ὡσαύτως ἐστέγασται πλαξὶν ὑπερ-
βαλλούσαις τὸ μέγεθος, ξύλων οὐδαμοῦ καταμειγμέ-
νων οὐδ' ἄλλης ὕλης οὐδεμιᾶς· ἀναβάντα τε ἐπὶ τὸ
25 στέγος οὐ μέγαλῳ ὕψει ἅτε μονοστέγῳ ἐστὶν ἰδεῖν
πεδίον λίθινον ἐκ τηλικούτων λίθων, ἐντεῦθεν δὲ πάλιν
εἰς τὰς αὐλάς ἐκπίπτοντα ἐξῆς ὁρᾶν κειμένας ὑπὸ
μονολίθων κιόνων ὑψηροῦς ἐπταὶ καὶ εἴκοσι· καὶ
30 οἱ τοῖχοι δὲ οὐκ ἐξ ἐλαττόνων τῷ μεγέθει λίθων σύγ-
κεινται. ἐπὶ τέλει δὲ τῆς οἰκοδομίας ταύτης πλεόν ἢ
στάδιον ἐπεχούσης ὁ τάφος ἐστὶ, πυραμὶς τετραγῶνος,
ἐκάστην τετράπλευρον πῶς ἔχουσα τὴν πλευρὰν καὶ

τὸ ἕσον ὕψος· Ἰμάνδης δ' ὄνομα ὁ ταφείς. πεποιῆσθαι δέ φασι τὰς αὐλὰς τοσαύτας, ὅτι τοὺς νομοὺς ἕθους ἦν ἐκείσε συνέρχεσθαι πάντας ἀριστίνδην μετὰ τῶν οἰκείων λερέων καὶ λερειῶν, θυσίας τε καὶ δικαιοδοσίας περὶ τῶν μεγίστων χάριν· κατήγετο δὲ τῶν νομῶν 5 ἕκαστος εἰς τὴν ἀποδειχθεῖσαν αὐλήν αὐτῷ.

38 Παραπλεύσαντι δὲ ταῦτα ἐφ' ἑκατὸν σταδίους πόλις ἐστὶν Ἀρσινόη· κροκοδείλων δὲ πόλις ἐκαλεῖτο πρότερον, σφόδρα γὰρ ἐν τῷ νομῷ τούτῳ τιμῶσι τὸν κροκοδείλον, καὶ ἔστιν λερὸς παρ' αὐτοῖς ἐν λίμνῃ καθ' 10 αὐτὸν τρεφόμενος, χειροθήτης τοῖς λερεῦσι· καλεῖται δὲ Σοῦχος· τρέφεται δὲ σιτίοις καὶ κρέασι καὶ οἴνῳ, προσφερόντων αἰετῶν ξένων τῶν ἐπὶ τὴν θέαν ἀφί- C.812 κνουμένων. ὁ γοῦν ἡμέτερος ξένος, ἀνὴρ τῶν ἐντίμων, αὐτόθι μυσταγωγῶν ἡμᾶς, συνῆλθεν ἐπὶ τὴν 15 λίμνην, κομίζων ἀπὸ τοῦ δείπνου πλακουντάριον τι καὶ κρέας ὀπτόν καὶ προχοϊδίον τι μελικράτου· εὗρομεν δὲ ἐπὶ τῷ χεῖλει κείμενον τὸ θηρίον· προσιόντες δὲ οἱ λερεῖς οἱ μὲν διέστησαν αὐτοῦ τὸ στόμα, ὁ δὲ ἐνέ-θηκε τὸ πέμμα καὶ πάλιν τὸ κρέας, εἶτα τὸ μελίκρατον 20 κατήρασε· καθαλούμενος δὲ εἰς τὴν λίμνην διηῆξεν εἰς τὸ πέραν· ἐπελθόντος δὲ καὶ ἄλλου τῶν ξένων κομίζοντος ὁμοίως ἀπαρχήν, λαβόντες περιῆλθον δρόμῳ καὶ καταλαβόντες προσήνεγκαν ὁμοίως τὰ προσενηχθέντα. 25

39 Μετὰ δὲ τὸν Ἀρσινοῖτην καὶ τὸν Ἡρακλεωτικὸν νομὸν Ἡρακλέους πόλις, ἐν ἣ ὁ ἰχνεύμων τιμᾶται ὑπεναντίως τοῖς Ἀρσινοῖταις· οἱ μὲν γὰρ τοὺς κροκοδείλους τιμῶσι, καὶ διὰ τοῦτο ἢ τε διῶρux αὐτῶν ἐστι με- στὴ τῶν κροκοδείλων καὶ ἢ τοῦ Μοίριδος λίμνη· σέ- 30

βονται γὰρ καὶ ἀπέχονται αὐτῶν· οἱ δὲ τοὺς ἰχνεύμονας τοὺς ὀλεθριωτάτους τοῖς κροκοδείλοις, καθάπερ καὶ ταῖς ἀσπίσι· καὶ γὰρ τὰ ὡὰ διαφθείρουσιν αὐτῶν καὶ αὐτὰ τὰ θηρία, τῷ πληθῶ θωρακισθέντες· κυλίσθέντες γὰρ ἐν αὐτῷ ξηραίνονται πρὸς τὸν ἥλιον, εἴτα τὰς ἀσπίδας μὲν ἢ τῆς κεφαλῆς ἢ τῆς οὐρᾶς λαβόμενοι κατασπῶσιν εἰς τὸν ποταμὸν καὶ διαφθείρουσι· τοὺς δὲ κροκοδείλους ἐνεδρεύσαντες, ἡνίκ' ἂν ἡλιάζωνται κεκηνότες, ἐμπίπτουσιν εἰς τὰ χάσματα καὶ διαφάροντες τὰ σπλάγχνα καὶ τὰς γαστέρας ἐκδύνουσιν ἐκ νεκρῶν τῶν σωματῶν.

Ἐξῆς δ' ἐστὶν ὁ Κυνοπολίτης νομὸς καὶ Κυνῶν 40 πόλις, ἐν ᾗ ὁ Ἄνουβις τιμᾶται καὶ τοῖς κυσὶ τιμὴ καὶ σίτισις τέτακται τις ἱερά. ἐν δὲ τῇ περαίᾳ Ὁξύρυγχος 15 πόλις καὶ νομὸς ὁμώνυμος· τιμῶσι δὲ τὸν ὀξύρυγχον καὶ ἔστιν αὐτοῖς ἱερὸν ὀξύρυγχου, καίτοι καὶ τῶν ἄλλων Αἰγυπτίων κοινῇ τιμώντων τὸν ὀξύρυγχον. τινὰ μὲν γὰρ τῶν ξῶων ἅπαντες κοινῇ τιμῶσιν Αἰγύπτιοι, καθάπερ τῶν μὲν πεζῶν τρία, βοῦν κύνα αἰλουρον, 20 τῶν δὲ πτηνῶν δύο, ἱέρακα καὶ ἴβιν, τῶν δ' ἐνύδρων δύο, λεπιδωτὸν ἰχθὺν καὶ ὀξύρυγχον· ἄλλα δ' ἐστὶν ἃ τιμῶσι καθ' ἑαυτοὺς ἕκαστοι, καθάπερ Σαῖται πρόβατον καὶ Θηβαῖται, λάτον δὲ τῶν ἐν τῷ Νείλῳ τινὰ ἰχθὺν Λατοπολῖται, λίκον τε Λυκοπολῖται, κυνοκέ- 25 φαλον δὲ Ἐρμοπολῖται, κῆβον δὲ Βαβυλώνιοι οἱ κατὰ Μέμφιν· ἔστι δ' ὁ κῆβος τὸ μὲν πρόσωπον εἰκὼς σατύρω, τᾶλλα δὲ κυνὸς καὶ ἄρκτου μεταξύ, γεννᾶται δ' ἐν Αἰθιοπία· ἀετὸν δὲ Θηβαῖτοι, λέοντα δὲ Λεοντοπολῖται, αἶγα δὲ καὶ τράγον Μενδήσιοι, μυγαλὴν δὲ C.813 30 Ἀθριβῖται, ἄλλοι δ' ἄλλο τι· τὰς δ' αἰτίας οὐχ ὁμολογουμένας λέγουσιν.

Ἐξῆς δ' ἐστὶν Ἐρμοπολιτικὴ φυλακὴ, τελώνιον τι 41

τῶν ἐκ τῆς Θηβαΐδος καταφερομένων· ἐντεῦθεν ἀρχὴ
τῶν ἐξηκοντασταδίων σχοίνων ἕως Συνήνης καὶ Ἐλε-
φαντίνης· εἶτα ἡ Θηβαϊκὴ φυλακὴ καὶ διῶρυξ φέρουσα
ἐπὶ Τάνιν· εἶτα Λύκων πόλις καὶ Ἀφροδίτης καὶ Πα-
νῶν πόλις, λινοουργῶν καὶ λιθοουργῶν κατοικία παλαιά. 5

- 42 Ἐπειτα Πτολεμαϊκὴ πόλις, μεγίστη τῶν ἐν τῇ Θη-
βαΐδι καὶ οὐκ ἐλάττων Μέμφεως, ἔχουσα καὶ σύστημα
πολιτικὸν ἐν τῷ ἐλληνικῷ τρόπῳ. ὑπὲρ δὲ ταύτης ἡ
Ἄβυδος, ἐν ᾗ τὸ Μεμνόνιον βασιλείον θαυμαστῶς κα-
τεσκευασμένον ὁλόλιθον τῇ αὐτῇ κατασκευῇ ἦπερ τὸν 10
λαβύρινθον ἔφαμεν, οὐ πολλαπλοῦν δέ· καὶ κρήνη
ἐν βάρθι κειμένη ὥστε καταβαίνειν εἰς αὐτήν * κατα-
καμφθεισῶν ψαλίδων διὰ μονολίθων ὑπερβαλλόντων
τῷ μεγέθει καὶ τῇ κατασκευῇ. ἔστι δὲ διῶρυξ ἄγρουσα
ἐπὶ τὸν τόπον ἀπὸ τοῦ μεγάλου ποταμοῦ. περὶ δὲ τὴν 15
διῶρυγα ἀκανθῶν τῶν Αἰγυπτίων ἄλσος ἐστὶν ἱερὸν
τοῦ Ἀπόλλωνος. ἔοικε δὲ ὑπάρξαι ποτὲ ἡ Ἄβυδος πόλις
μεγάλῃ, δευτερεύουσα μετὰ τὰς Θήβας, νυνὶ δ' ἐστὶ
κατοικία μικρά· εἰ δ' ὥς φασιν ὁ Μέμνων ὑπὸ τῶν
Αἰγυπτίων Ἰσμάνδης λέγεται, καὶ ὁ λαβύρινθος Με- 20
μνόνιον ἂν εἴη καὶ τοῦ αὐτοῦ ἔργον οὐπερ καὶ τὰ ἐν
Ἀβύδῳ καὶ τὰ ἐν Θήβαις· καὶ γὰρ ἐκεῖ λέγεται τινα
Μεμνόνια. κατὰ δὲ τὴν Ἀβυδον ἔστιν ἡ πρώτη αὔασις
ἐκ τῶν λεχθεισῶν τριῶν ἐν τῇ Αἰβύῃ, διέχουσα ὁδὸν
ἡμερῶν ἑπτὰ ἐνθένδε δι' ἐρημίας, εὐυδρὸς τε κατοι- 25
κία καὶ εὖοινος καὶ τοῖς ἄλλοις ἱκανή, δευτέρα δ' ἡ
κατὰ τὴν Μοίριδος λίμνην, τρίτη δὲ ἡ κατὰ τὸ μαν-
τεῖον τὸ ἐν Ἀμμωνι· καὶ αὗται δὲ κατοικίαι εἰσὶν ἀξιό-
λογοι.

- 43 Πολλὰ δ' εἰρηκότες περὶ τοῦ Ἀμμωνος τοσοῦτον 30
εἰπεῖν βουλόμεθα ὅτι τοῖς ἀρχαίοις μᾶλλον ἢ ἐν τιμῇ
καὶ ἡ μαντικὴ καθόλου καὶ τὰ χρηστήρια, νυνὶ δ' ὅλι-

γωρία κατέχει πολλή, τῶν Ῥωμαίων ἀρκουμένων τοῖς
 Σιβύλλης χρησμοῖς καὶ τοῖς Τυρρηνικοῖς θεοπροπίοις
 διὰ τε σπλάγγνων καὶ ὀρνιθείας καὶ διοσημιῶν. διόπερ
 καὶ τὸ ἐν Ἀμμωνι σχεδόν τι ἐκλείπεται χρηστήριον,
 5 πρότερον δὲ ἐτετίμητο. δηλοῦσι δὲ μάλιστα τοῦτο οἱ
 τὰς Ἀλεξάνδρου πράξεις ἀναγράφαντες, προστιθέντες
 μὲν πολὺ καὶ τὸ τῆς κολακείας εἶδος ἐμφαίνοντες δέ τι
 καὶ πίστεως ἄξιον. ὁ γοῦν Καλλισθένης φησὶ τὸν Ἀλέ- C.814
 ξανδρον φιλοδοξῆσαι μάλιστα ἀνελθεῖν ἐπὶ τὸ χρηστή-
 10 ριον, ἐπειδὴ καὶ Περσέα ἤκουσε πρότερον ἀναβῆναι
 καὶ Ἡρακλέα· ὁρμήσαντα δ' ἐκ Παραιτονίου καίπερ
 νότων ἐπιπεσόντων βιάσασθαι, πλανώμενον δ' ὑπὸ
 τοῦ κονιορτοῦ σωθῆναι γενομένων ὄμβρων καὶ δυεῖν
 κοράκων ἡγησαμένων τὴν ὁδόν, ἥδη τούτων κολακευ-
 15 τικῶς λεγομένων· τοιαῦτα δὲ καὶ τὰ ἐξῆς· μόνῳ γὰρ
 δὴ τῷ βασιλεῖ τὸν Ιερέα ἐπιτρέψαι παρελθεῖν εἰς τὸν
 νεῶ μετὰ τῆς συνήθους στολῆς, τοὺς δ' ἄλλους μετεν-
 δύναι τὴν ἐσθῆτα, ἔξωθέν τε τῆς θεμιστείας ἀκροάσα-
 σθαι πάντας πλὴν Ἀλεξάνδρου, τοῦτον δ' ἐνδοθεν.
 20 εἶναι δ' οὐχ ὥσπερ ἐν Δελφοῖς καὶ Βραγχίδαῖς τὰς
 ἀποθεσπίσεις διὰ λόγων, ἀλλὰ νεύμασι καὶ συμβόλοις
 τὸ πλεόν, ὥς καὶ παρ' Ὀμήρῳ „ἦ καὶ κυανέησιν ἐπ'
 „ὄφρ' ὦσι νεῦσε Κρονίων,“ τοῦ προφήτου τὸν Δία
 ὑποκρινάμενον· τοῦτο μέντοι ῥητῶς εἰπεῖν τὸν ἄν-
 25 ὄρωπον πρὸς τὸν βασιλέα ὅτι εἴη Διὸς υἱός. προστρα-
 γωδεῖ δὲ τούτοις ὁ Καλλισθένης, ὅτι τοῦ Ἀπόλλωνος
 τὸ ἐν Βραγχίδαῖς μαντεῖον ἐκλελοιπότος, ἐξ ὅτου τὸ
 Ιερόν ὑπὸ τῶν Βραγχιδῶν σεσύλητο ἐπὶ Ξέρξου περσι-
 σάντων, ἐκλελοιπυίας δὲ καὶ τῆς κρήνης, τότε ἦ τε
 30 κρήνη ἀνάσχοι καὶ μαντεῖα πολλὰ οἱ Μιλησίων πρέσβεις
 κομίσαιεν εἰς Μέμφιν περὶ τῆς ἐκ Διὸς γενέσεως τοῦ
 Ἀλεξάνδρου καὶ τῆς ἐσομένης περὶ Ἀρβηλα νίκης καὶ

τοῦ Δαρείου θανάτου καὶ τῶν ἐν Λακεδαιμόνι νεω-
 τερισμῶν· περὶ δὲ τῆς εὐγενείας καὶ τὴν Ἑρυθραίαν
 Ἀθηναῖδα φησὶν ἀνειπεῖν· καὶ γὰρ ταύτην ὁμοίαν γε-
 νέσθαι τῇ παλαιᾷ Σιβύλλῃ τῇ Ἑρυθραίᾳ. τὰ μὲν δὴ
 τῶν συγγραφέων τοιαῦτα.

5

44 Ἐν δὲ τῇ Ἀβύδῳ τιμῶσι τὸν Ὀσίριν· ἐν δὲ τῷ
 ἱερῷ τοῦ Ὀσίριδος οὐκ ἔξεστιν οὔτε ᾄδον οὔτε ἀνὴ-
 τὴν οὔτε ψάλτην ἀπάρχεσθαι τῷ θεῷ, καθάπερ τοῖς
 ἄλλοις θεοῖς ἔθος. μετὰ δὲ τὴν Ἀβυδὸν Διὸς πόλις ἡ
 μικρά, εἶτα Τέντυρα πόλις· ἐνταῦθα δὲ διαφερόντως 10
 παρὰ τοὺς ἄλλους Αἰγυπτίους ὁ κροκοδείλος ἡτίμωται
 καὶ ἔχθιστος τῶν ἀπάντων θηρίων νενόμισται. οἱ μὲν
 γὰρ ἄλλοι καίπερ εἰδότες τὴν κακίαν τοῦ ζώου καὶ ὡς
 ὀλέθριον τῷ ἀνθρώπινῳ γένει, σέβονται ὅμως καὶ ἀπέ-
 χονται· οὔτοι δὲ πάντα τρόπον ἀνιχνεύουσι καὶ ἐκ- 15
 φθείρουσιν αὐτούς· ἐνιοὶ δ' ὥσπερ τοὺς Ψύλλους
 φασὶ τοὺς πρὸς τῇ Κυρηναίᾳ φυσικὴν τινα ἀντιπάθειαν
 ἔχειν πρὸς τὰ ἐρπετά, οὕτω καὶ τοὺς Τεντυρίτας πρὸς
 τοὺς κροκοδείλους, ὥστε μηδὲν ὑπ' αὐτῶν πάσχειν
 ἀλλὰ καὶ κολυμβᾶν ἀδεῶς καὶ διαπερᾶν, μηδενὸς ἄλλου 20
 θαρροῦντος· εἰς τε τὴν Πρώμην κομισθεῖσι τοῖς κροκο-
 C.815 δείλοισι ἐπιδείξεως χάριν συνηκολούθουν οἱ Τεντυρί-
 ται· γενομένης τε δεξαμενῆς καὶ πηγματοῦ τινος ὑπὲρ
 μιᾶς τῶν πλευρῶν, ὥστε τοῖς θηρίοις ἐκβᾶσι τοῦ ὕδα-
 τος ἡλιαστήριον εἶναι, ἐκεῖνοι ἦσαν οἱ τοτὲ μὲν ἐξέλ- 25
 κοντες δικτύῳ πρὸς τὸ ἡλιαστήριον, ὡς καὶ ὑπὸ τῶν
 θεατῶν ὁραθῆναι, ἐμβαίνοντες ἅμα εἰς τὸ ὕδωρ, τοτὲ
 δὲ πάλιν εἰς τὴν δεξαμενὴν κατασπῶντες. τιμῶσι δὲ
 Ἀφροδίτην· ὅπισθεν δὲ τοῦ νεῶ τῆς Ἀφροδίτης Ἴσιδος
 ἔστιν ἱερὸν· εἶτα τὰ Τυφώνια καλούμενα καὶ ἡ εἰς 30
 Κοπτὸν διῶρουξ, πόλιν κοινὴν Αἰγυπτίων τε καὶ
 Ἀράβων.

Ἐντεῦθεν ἐστὶν ἰσθμὸς εἰς τὴν Ἐρυθρὰν κατὰ 45
 πόλιν Βερενίκην, ἀλίμενον μὲν τῇ δ' εὐκαιρίᾳ τοῦ
 ἰσθμοῦ καταγωγὰς ἐπιτηδείους ἔχουσιν. λέγεται δ' ὁ
 Φιλάδελφος πρῶτος στρατοπέδῳ τεμεῖν τὴν ὁδὸν ταύ-
 5 τὴν ἄνυδρον οὖσαν, καὶ κατασκευάσαι σταθμούς, τοῦτο
 δὲ πρᾶξαι διὰ τὸ τὴν Ἐρυθρὰν δύσπλουν εἶναι καὶ μά-
 λιστα τοῖς ἐκ τοῦ μυχοῦ πλοῖζομένοις. ἐφάνη δὲ τῇ
 πείρᾳ πολὺ τὸ χρήσιμον, καὶ νῦν ὁ Ἰνδικὸς φόρτος
 ἅπας καὶ ὁ Ἀράβιος καὶ τοῦ Αἰθιοπικοῦ ὁ τῷ Ἀραβίῳ
 10 κόλπῳ κατακομιζόμενος εἰς Κοπτὸν φέρεται, καὶ τοῦτ'
 ἔστιν ἐμπόριον τῶν τοιούτων φορτίων. οὐκ ἄπωθεν
 δὲ τῆς Βερενίκης ἐστὶ Μυὸς ὄρμος, πόλις ἔχουσα τὸ
 ναύσταθμον τῶν πλοῖζομένων, καὶ τῆς Κοπτοῦ οὐ πολὺ
 ἀφέστηκεν ἢ καλουμένη Ἀπόλλωνος πόλις, ὥστε καὶ αἱ
 15 διορίζουσαι τὸν ἰσθμὸν δύο πόλεις ἑκατέρωθεν εἰσιν.
 ἀλλὰ νῦν ἡ Κοπτὸς καὶ ὁ Μυὸς ὄρμος εὐδοκίμει, καὶ
 χρῶνται τοῖς τόποις τούτοις. πρότερον μὲν οὖν ἐνυ-
 κτοπόρουσαν πρὸς τὰ ἄστρα βλέποντες οἱ καμηλέμποροι
 καὶ καθάπερ οἱ πλέοντες ὠδεύον κομίζοντες καὶ ὕδωρ,
 20 νυνὶ δὲ καὶ ὑδρεῖα κατεσκευάκασιν, ὁρῶντες πολὺ
 βάρους, καὶ ἐκ τῶν οὐρανίων καίπερ ὄντων σπανίων
 ὅμως δεξαμενὰς πεποιήνται· ἡ δ' ὁδὸς ἐστὶν ἕξ ἢ ἑπτὰ
 ἡμερῶν. ἐπὶ δὲ τῷ ἰσθμῷ τούτῳ καὶ τὰ τῆς σμαράγδου
 μέταλλά ἐστι, τῶν Ἀράβων ὀρυκτόντων βαθεῖς τινὰς
 25 ὑπονόμους, καὶ ἄλλων λίθων πολυτελῶν.

Μετὰ δὲ τὴν Ἀπόλλωνος πόλιν αἱ Θῆβαι (καλεῖται 46
 δὲ νῦν Διὸς πόλις) „αἴθ' ἑκατόμπυλοί εἰσι, διηκόσιοι
 „δ' ἂν' ἐκάστην ἀνέρες ἐξοιχνεῦσι σὺν ἵπποισιν καὶ
 „ὄχεσφιν.“ Ὅμηρος μὲν οὕτω· λέγει δὲ καὶ τὸν πλοῦ-

5. post σταθμούς: ὥσπερ τοῖς ἐμπορίοις ὀδεύμασι καὶ διὰ
 τῶν καμηλῶν

τον „οὐδ' ὅσα Θήβας Αἰγυπτίας, ὅθι πλείστα δόμοις
C.816, ἐνὶ κτήματα κεῖται.“ καὶ ἄλλοι δὲ τοιαῦτα λέγουσι,
μητροπόλιν τιθέντες τῆς Αἰγύπτου ταύτην· καὶ νῦν δ'
ἔχνη δείκνυται τοῦ μεγέθους αὐτῆς ἐπὶ ὀρδοήκοντα
σταδίους τὸ μήκος· ἔστι δ' ἑρὰ [τὰ] πλείω. καὶ τούτων 5
δὲ τὰ πολλὰ ἠκρωτηρίασε Καμβύσης· νυνὶ δὲ κωμη-
δὸν συνοικεῖται, μέρος μὲν τι ἐν τῇ Ἀραβίᾳ ἐν ἡπερ ἡ
πόλις, μέρος δέ τι καὶ ἐν τῇ περαίᾳ ὅπου τὸ Μεμνόνιον·
ἐνταῦθα δὲ δυεῖν κολοσσῶν ὄντων μονολίθων ἀλλήλων
πλησίον, ὁ μὲν σώζεται, τοῦ δ' ἑτέρου τὰ ἄνω μέρη τὰ 10
ἀπὸ τῆς καθέδρας πέπτωκε σεισμοῦ γεννηθέντος, ὥς
φασι. πεπίστευται δ' ὅτι ἅπαξ καθ' ἡμέραν ἐκάστην
ψόφος ὥς ἂν πληγῆς οὐ μεγάλης ἀποτελεῖται ἀπὸ τοῦ
μένοντος ἐν τῷ θρόνῳ καὶ τῇ βάσει μέρους· καὶ γὰρ δὲ
παρὼν ἐπὶ τῶν τόπων μετὰ Γάλλου Αἰλίου καὶ τοῦ 15
πλήθους τῶν συνόντων αὐτῷ φίλων τε καὶ στρατιω-
τῶν περὶ ὧραν πρώτην ἤκουσα τοῦ ψόφου· εἴτε δὲ
ἀπὸ τῆς βάσεως εἴτε ἀπὸ τοῦ κολοσσοῦ εἴτ' ἐπίτηδες
τῶν κύκλῳ καὶ περὶ τὴν βάσιν ἰδρυμένων τινὸς ποιή-
σαντος τὸν ψόφον, οὐκ ἔχω δισχυρίσασθαι· διὰ γὰρ 20
τὸ ἄδηλον τῆς αἰτίας πᾶν μᾶλλον ἐπέρχεται πιστεῦν
ἢ τὸ ἐκ τῶν λίθων οὕτω τεταγμένων ἐκπέμπεσθαι τὸν
ἦχον. ὑπὲρ δὲ τοῦ Μεμνονίου θῆκαι βασιλέων ἐν σπη-
λαίοις λατομεῖται περὶ τετταράκοντα, θαυμαστῶς κα-
τεσκευασμένοι καὶ θείας ἄξιοι· ἐν δὲ ταῖς Θήβαις ἐπὶ 25
τινων ὀβελίσκων ἀναγραφὰι δηλοῦσαι τὸν πλοῦτον
τῶν τότε βασιλέων καὶ τὴν ἐπικράτειαν, ὥς μέχρι Σκυ-
θῶν καὶ Βακτριῶν καὶ Ἰνδῶν καὶ τῆς νῦν Ἰωνίας δια-
τείνασαν, καὶ φόρων πλῆθος καὶ στρατιᾶς περὶ ἑκατὸν
μυριάδας. λέγονται δὲ καὶ ἀστρονόμοι καὶ φιλόσοφοι 30
μάλιστα οἱ ἐνταῦθα ἑρεῖς· τούτων δ' ἔστι καὶ τὸ τὰς
ἡμέρας μὴ κατὰ σελήνην ἄγειν ἀλλὰ κατὰ ἥλιον, τοῖς

τριακονθήμεροις δώδεκα μηνὶν ἐπαγόντων πέντε ἡμέ-
 ρας κατ' ἐνιαυτὸν ἕκαστον· εἰς δὲ τὴν ἐκπλήρωσιν τοῦ
 ὅλου ἐνιαυτοῦ, ἐπιτρέχοντος μορίου τινὸς τῆς ἡμέρας,
 περίοδόν τινα συντιθέασιν ἐξ ὅλων ἡμερῶν καὶ ὅλων
 5 ἐνιαυτῶν τοσούτων ὅσα μόρια τὰ ἐπιτρέχοντα συνελ-
 θόντα ποιεῖ ἡμέραν. ἀνατιθέασι δὲ τῷ Ἑρμῇ πᾶσαν
 τὴν τοιαύτην μάλιστα σοφίαν· τῷ δὲ Αἰὼν μάλιστα
 τιμῶσιν, εὐεидεστάτῃ καὶ γένους λαμπροτάτου παρθέ-
 νος ἱερᾶται, ἃς καλοῦσιν οἱ Ἕλληνες παλλάδας· αὕτη
 10 δὲ καὶ παλλακεύει καὶ σύνεστιν οἷς βούλεται μέχρι ἄρ
 ἢ φυσικὴ γένηται κάθαρσις τοῦ σώματος· μετὰ δὲ τὴν
 κάθαρσιν δίδοται πρὸς ἄνδρα, πρὶν δὲ δοθῆναι πένθος
 αὐτῆς ἄγεται μετὰ τὸν τῆς παλλακείας καιρὸν.

Μετὰ δὲ Θήβας Ἑρμωνθὶς πόλις, ἐν ᾗ ὅ τε Ἀπόλ-
 15 λων τιμᾶται καὶ ὁ Ζεὺς· τρέφεται δὲ καὶ ἐνταῦθα βοῦς·
 ἔπειτα Κροκοδείλων πόλις τιμῶσα τὸ θηρίον· εἶτα
 Ἀφροδίτης πόλις καὶ μετὰ ταῦτα Λατίπολις τιμῶσα
 Ἀθηνᾶν καὶ τὸν λάττον· εἶτα Εἰλειθυίας πόλις καὶ
 20 μῶσα· εἶτ' Ἀπόλλωνος πόλις καὶ αὕτη πολεμοῦσα τοῖς
 κροκοδείλοις.

Ἡ δὲ Συήνη καὶ [ἡ] Ἐλεφαντίνη ἡ μὲν ἐπὶ τῶν 48
 ὄρων τῆς Αἰθιοπίας καὶ τῆς Αἰγύπτου πόλις, ἡ δ' ἐν
 τῷ Νεῖλῳ προκειμένη τῆς Συήνης νῆσος ἐν ἡμισταδίῳ
 25 καὶ ἐν ταύτῃ πόλις ἔχουσα λερὸν Κνούφιδος καὶ νειλο-
 μέτριον, καθάπερ Μέμφις. ἔστι δὲ τὸ νειλομέτριον
 συννόμφ λιθῷ κατεσκευασμένον ἐπὶ τῇ ὄχθῃ τοῦ Νεί-
 λου φρέαρ, ἐν ᾧ τὰς ἀναβάσεις τοῦ Νεῖλου σημειοῦν-
 ται τὰς μεγίστας τε καὶ ἐλαχίστας καὶ τὰς μέσας· συν-
 30 ἀναβαίνει γὰρ καὶ συνταπεινοῦται τῷ ποταμῷ τὸ ἐν
 τῷ φρέατι ὕδωρ. εἰσὶν οὖν ἐν τῷ τοίχῳ τοῦ φρέατος
 παραγραφαί, μέτρα τῶν τελείων καὶ τῶν ἄλλων ἀνα-

βάσεων· ἐπισκοποῦντες οὖν ταύτας διασημαίνουσι τοῖς ἄλλοις, ὅπως εἶδειεν· πρὸ πολλοῦ γὰρ ἴσασιν ἐκ τῶν τοιούτων σημείων * καὶ τῶν ἡμερῶν τὴν ἐσομένην ἀνάβασιν καὶ προδηλοῦσι. τοῦτο δὲ καὶ τοῖς γεωργοῖς χρήσιμον τῆς τῶν ὑδάτων ταμείας χάριν καὶ παραχω- 5 μάτων καὶ διωρύγων καὶ ἄλλων τοιούτων, καὶ τοῖς ἡγεμόσι τῶν προσόδων χάριν· αἱ γὰρ μείζους ἀναβάσεις μείζους καὶ τὰς προσόδους ὑπαγορεύουσιν. ἐν δὲ τῇ Συήνῃ καὶ τὸ φρέαρ ἐστὶ τὸ διασημαῖνον τὰς θερινὰς τροπὰς, διότι τῷ τροπικῷ κύκλῳ ὑπόκεινται οἱ τό- 10 ποι οὗτοι· ἀπὸ γὰρ τῶν ἡμετέρων τόπων, λέγω δὲ τῶν Ἑλλαδικῶν, προοῦσιν ἐπὶ τὴν μεσημβρίαν ἐνταῦθα πρῶτον ὁ ἥλιος κατὰ κορυφὴν ἡμῶν γίνεται καὶ ποιεῖ τοὺς γινώμονας ἀσκίους κατὰ μεσημβρίαν· ἀνάγκη δὲ κατὰ κορυφὴν ἡμῶν γινομένου καὶ εἰς τὰ φρέατα βάλ- 15 λειν μέχρι τοῦ ὕδατος τὰς ἀνγὰς, κἂν βαθύτατα ἦ· κατὰ κἀθετον γὰρ ἡμεῖς τε ἕσταμεν καὶ τὰ ὀρύγματα τῶν φρεάτων κατεσκεύασται. εἰσὶ δ' ἐνταῦθα τρεῖς σπεῖραι Ῥωμαίων ἰδρυμέναι φρουρᾶς χάριν.

- 49 Μικρὸν δ' ὑπὲρ τῆς Ἐλεφαντίνης ἐστὶν ὁ μικρὸς 20 καταράκτης, ἐφ' ᾧ καὶ θεᾶν τινὰ οἱ σκαφῆται τοῖς ἡγεμόσιν ἐπιδείκνυνται· ὁ μὲν γὰρ καταράκτης ἐστὶ κατὰ μέσον τὸν ποταμόν, πετρώδης τις ὀφρύς, ἐπίπεδος μὲν ἄνωθεν ὥστε δέχεσθαι τὸν ποταμόν, τελευτῶσα δ' εἰς κρημνόν, καθ' οὗ καταρρήγνυνται τὸ ὕδωρ, ἐκατέρω- 25θεν δὲ πρὸς τῇ γῇ ῥεῖθρον, ὃ μάλιστα καὶ ἀνάπλουον C.818 ἔχει· ἀναπλεύσαντες οὖν ταύτῃ καταρρέουσιν ἐπὶ τὸν καταράκτην καὶ ὠθοῦνται μετὰ τῆς σκάφης ἐπὶ τὸν κρημνὸν καὶ σώζονται σὺν αὐτῇ ἀπαθεῖς. τοῦ δὲ κα-

10. καὶ ante διότι 11. post οὗτοι: καὶ ποιοῦσιν ἀσκίους τοὺς γινώμονας κατὰ μεσημβρίαν

ταράκτου μικρὸν ἐπάνω τὰς Φιλᾶς εἶναι συμβαίνει,
κοινὴν κατοικίαν Αἰθιοπῶν τε καὶ Αἰγυπτίων, κατε-
σκευασμένην ὥσπερ καὶ τὴν Ἐλεφαντίνην καὶ τὸ μέγε-
θος ἴσην, ἰερὰ ἔχουσαν Αἰγύπτια· ὅπου καὶ ὄρνεον
5 τιμᾶται ὃ καλοῦσι μὲν ἰέρακα, οὐδὲν δὲ ὅμοιον ἔμοιγε
ἐφαίνετο ἔχειν τοῖς παρ' ἡμῖν καὶ ἐν Αἰγύπτῳ ἰέραξιν,
ἀλλὰ καὶ τῷ μεγέθει μεῖζον ἦν καὶ τῇ ποικιλίᾳ πολὺν
ἐξηλλαγμένον· Αἰθιοπικὸν δ' ἔφασαν εἶναι, κάκεῖθεν
κομίζεσθαι, ὅταν ἐκλίπη [ἦ] καὶ πρότερον· καὶ δὴ καὶ
10 τότε ἐδείχθη ἡμῖν πρὸς ἐκλείψει ὃν διὰ νόσον.

Ἦλθομεν δ' εἰς Φιλᾶς ἐκ Συήνης ἀπήνῃ δι' ὅμα- 50
λοῦ σφόδρα πεδίου σταδίους ὁμοῦ τι ἑκατόν. παρ' ὅλην
δὲ τὴν ὁδὸν ἦν ἰδεῖν ἑκατέρωθεν πολλαχοῦ ὥσπερ ἐρ-
μαῖα πέτρων ἡλίβατον στρογγύλου, λεῖον ἱκανῶς, ἐγγυὺς
15 σφαιροειδοῦς, τοῦ μέλανος καὶ σκληροῦ λίθου, ἐξ οὗ
αἱ θυγαῖ γίνονται, ἐπὶ πέτρῳ κείμενον μεῖζονι καὶ ἐπ'
ἐκείνῳ πάλιν ἄλλον· ἔστι δ' ὅτε αὐτοὶ καθ' αὐτοὺς
ἔκειντο οἱ πέτροι· ἦν δ' ὁ μὲν μέγιστος τὴν διάμετρον
ποδῶν οὐκ ἐλαττόνων ἢ δώδεκα, ἅπαντες δὲ μεῖζους ἢ
20 ἡμίσεις τούτων. διέβημεν δὲ εἰς τὴν νῆσον ἐπὶ πάκτω-
νος· ὁ δὲ πάκτων διὰ σκυταλίδων πεπηγὸς ἔστι σκά-
φιον ὥστ' εἰσκέναι διαπλοκίνῳ· ἐστῶτες δ' ἐν ὕδατι ἦ
καὶ σανιδίοις τισὶ προσκαθήμενοι ῥαδίως ἐπεραιώθη-
μεν δεδιότες μάτην· ἀκίνδυνα γὰρ ἔστιν, ἂν μὴ τις
25 ὑπέργομον ποιήσῃ τὸ πορθμεῖον.

Καθ' ὅλην δὲ τὴν Αἰγυπτὸν τοῦ φοίνικος ἀγεν- 51
νοῦς ὄντος καὶ ἐκφέροντος καρπὸν οὐκ εὖβρωτον ἐν
τοῖς περὶ τὸ Δέλτα τόποις καὶ περὶ τὴν Ἀλεξάνδρειαν,
ὃ ἐν τῇ Θηβαΐδι φοῖνιξ ἄριστος τῶν ἄλλων φύεται.
30 θαυμάζειν οὖν ἄξιον πῶς ταὐτὸ κλίμα οἰκοῦντες τῇ
Ἰουδαίᾳ καὶ ὅμοροι οἱ περὶ τὸ Δέλτα καὶ τὴν Ἀλεξάν-
δρειαν τοσοῦτον διαλλάττουσιν, ἐκείνης πρὸς ἄλλῳ

φοίνικι καὶ τὸν καρυωτὸν γεννώσης, * οὐ πολὺ κρεί-
 τωνα τοῦ Βαβυλωνίου. διττὸς δ' ἐστὶν ὁ τε ἐν τῇ Θη-
 βαΐδι καὶ ὁ ἐν τῇ Ἰουδαίᾳ, ὅς τε ἄλλος καὶ ὁ καρυωτός·
 σκληρότερος δ' ὁ Θηβαϊκός, ἀλλὰ τῇ γένει εὐστομώ-
 τερος. ἔστι δὲ καὶ νῆσος ἡ μάλιστα ἐκφέρουσα τὸν ἄρι- 5
 στον, μεγίστην τελοῦσα πρόσοδον τοῖς ἡγεμόσι· βασι-
 λικὴ γὰρ ἦν, ἰδιώτῃ δ' οὐ μετῆν, καὶ νῦν τῶν ἡγεμό-
 νων ἐστὶ.

52 Πολλὰ δ' Ἡρόδοτός τε καὶ ἄλλοι φλυαροῦσιν,
 ὥσπερ μέλος ἢ ὄνυθμον ἢ ἡδυσμά τι τῷ λόγῳ τὴν τετρα- 10
 C.819 τείαν προσφέροντες· οἶον καὶ τὸ φάσκειν περὶ τὰς νή-
 σους τὰς πρὸς τῇ Σύνῃ καὶ τῇ Ἐλεφαντίνῃ (πλείους
 δ' εἰσὶ) τὰς πηγὰς τοῦ Νείλου εἶναι, καὶ βάθος ἄβυσ-
 σον ἔχειν τὸν πόρον κατὰ τοῦτον τὸν τόπον. νήσους δ'
 ὁ Νεῖλος κατεσπαρμένας ἔχει παμπόλλας, τὰς μὲν κα- 15
 λυπτομένας ὅλας ἐν ταῖς ἀναβάσεσι, τὰς δ' ἐκ μέρους,
 ἐποχτεύεται δὲ τοῖς κοχλίας τὰ λίαν ἔξαλα.

53 Ἦν μὲν οὖν ἡ Αἴγυπτος εἰρηνικὴ τὸ πλέον ἐξ ἀρ-
 χῆς διὰ τὸ αὐταρκες τῆς χώρας καὶ τὸ δυσεἰσβολὸν τοῖς
 ἔξωθεν, ἀπὸ μὲν τῶν ἄρκτων ἀλιμένῳ παραλίᾳ καὶ 20
 πελάγει τῷ Αἰγυπτίῳ φρουρουμένη, ἀπὸ δὲ τῆς ἕω καὶ
 τῆς ἐσπέρας ἐρήμοις ὄρεσι, τοῖς τε Λιβυκοῖς καὶ τοῖς
 Ἀραβίοις, ὥσπερ ἔφαμεν· λοιπὰ δὲ τὰ πρὸς νότον
 Τρωγλοδύται [καὶ] Βλέμνυες καὶ Νοῦβαι καὶ Μεγάβα-
 ροὶ οἱ ὑπὲρ Σύννης Αἰθίοπες· εἰσὶ δ' οὗτοι νομάδες 25
 καὶ οὐ πολλοὶ οὐδὲ μάχιμοι, δοκοῦντες δὲ τοῖς πάλαι
 διὰ τὸ ληστρικῶς ἀφυλάκτοις ἐπιτίθεσθαι πολλάκις·
 οἱ δὲ πρὸς μεσημβρίαν καὶ Μερόην ἀνήκοντες Αἰθίο-
 πες, οὐδ' οὗτοι πολλοὶ οὔτε ἐν συστροφῇ, ἅτε ποταμίαν
 μακρὰν καὶ στενὴν καὶ σκολιὰν οἰκοῦντες, οἷαν προεί- 30
 πομεν· οὐδὲ παρεσκευασμένοι καλῶς οὔτε πρὸς πό-
 λεμον οὔτε πρὸς τὸν ἄλλον βίον. καὶ νῦν δὲ διάκειται

παραπλησίως ἡ χώρα πᾶσα· σημειον δέ· τρισὶ γούν
 σπείραις οὐδὲ ταύταις ἐντελέειν Ικανῶς ὑπὸ τῶν Ῥω-
 μαίων ἡ χώρα φρουρεῖται· τολμήσασι δὲ τοῖς Αἰθίοψιν
 ἐπιθέσθαι κινδυνεῦσαι τῇ χώρᾳ συνεπέσε τῇ σφετέρᾳ.
 5 καὶ αἱ λοιπαὶ δὲ δυνάμεις αἱ ἐν Αἰγύπτῳ οὔτε τοσαῦταί
 τινές εἰσιν οὔτε ἀθρόαις ἐχρήσαντο οὐδ' ἅπαξ Ῥωμαῖοι·
 οὐ γάρ εἰσιν οὔτ' αὐτοὶ Αἰγύπτιοι πολεμισταί, καίπερ
 ὄντες παμπληθεῖς, οὔτε τὰ περίεθνη. Γάλλος μὲν γε
 Κορνήλιος, ὁ πρῶτος κατασταθεὶς ἐπαρχος τῆς χώρας
 10 ὑπὸ Καίσαρος, τήν τε Ἡρώων πόλιν ἀποστᾶσαν ἐπελ-
 θὼν δι' ὀλίγων εἴλε, στάσιν τε γενηθεῖσαν ἐν τῇ Θη-
 βαῖδι διὰ τοὺς φόρους ἐν βραχεὶ κατέλυσε. Πετρώνιος
 τε ὕστερον τοῦ Ἀλεξανδρέων πλήθους τοσοῦτων μυ-
 ριάδων ὁρμήσαντος ἐπ' αὐτὸν μετὰ λίθων βολῆς, αὐ-
 15 τοῖς τοῖς περὶ ἑαυτὸν στρατιώταις ἀντέσχε, καὶ δια-
 φθείρας τινὰς αὐτῶν τοὺς λοιποὺς ἔπαυσε. Γάλλος τε
 Αἴλιος μέρει τῆς ἐν Αἰγύπτῳ φρουρᾶς εἰς τὴν Ἀραβίαν
 ἐμβαλὼν εἰρηταιτῖνα τρόπον ἐξήλεγξε τοὺς ἀνθρώπους
 ἀπολέμους ὄντας· εἰ δὲ μὴ ὁ Συλλαῖος αὐτὸν προὔδι-
 20 δου, καὶν κατεστρέψατο τὴν εὐδαίμονα πᾶσαν.

C.820

Ἐπειδὴ δὲ οἱ Αἰθίοπες καταφρονήσαντες τῷ μέρος 54
 τι τῆς ἐν Αἰγύπτῳ δυνάμεως ἀπεσπάσθαι μετὰ Γάλλου
 Αἰλίου πολεμουῦντος πρὸς τοὺς Ἀραβας, ἐπῆλθον τῇ
 Θηβαῖδι καὶ τῇ φρουρᾷ τῶν τριῶν σπειρῶν τῶν κατὰ
 25 Συήνην καὶ ἐλόντες ἔφθασαν τήν τε Συήνην καὶ τὴν
 Ἐλεφαντίνην καὶ Φιλὰς ἐξ ἐφόδου διὰ τὸ αἰφνίδιον καὶ
 ἐξηνδραποδίσαντο, ἀνέσπασαν δὲ καὶ τοὺς Καίσαρος
 ἀνδριάντας, ἐπελθὼν ἐλάττοσιν ἢ μυρίοις πεζοῖς Πε-
 τρώνιος, ἱππεῦσι δὲ ὀκτακοσίοις πρὸς ἄνδρας τρισμυ-
 30 ρίους, πρῶτον μὲν ἠνάγκασεν ἀναφυγεῖν αὐτοὺς εἰς
 Ψέλχιν πόλιν Αἰθιοπικήν, καὶ πρεσβεύεται τὰ τε λη-
 φθέντα ἀπαιτῶν καὶ τὰς αἰτίας δι' ἃς ἤρξαν πολέμου·

λεγόντων δ' ὡς ἀδικοῦντο ὑπὸ τῶν νομάρχων, ἀλλ' οὐκ
 ἔφη τούτους ἡγεμόνας εἶναι τῆς χώρας ἀλλὰ Καίσαρα·
 αἰτήσαμένων δ' ἡμέρας τρεῖς εἰς βουλὴν καὶ μηδὲν ὧν
 ἐχρῆν ποιούντων, προσβαλὼν ἠνάγκασε προελθεῖν εἰς
 μάχην, ταχὺ δὲ τροπὴν ἐποίησε συντεταγμένων τε κα- 5
 κῶς καὶ ὠπλισμένων· μεγάλους γὰρ εἶχον θυρεούς,
 καὶ τούτους ὠμοβοῶνους, ἀμυντήρια δὲ πελέκεις, οἱ δὲ
 κοντούς, οἱ δὲ καὶ ξίφη· τινὲς μὲν οὖν εἰς τὴν πόλιν
 συνηλάθησαν, οἱ δ' εἰς τὴν ἐρημίαν ἔφυγον, τινὰς δὲ
 νῆσος πλησίον ὑπεδέξατο ἐμβάντας εἰς τὸν πόρον· οὐ 10
 γὰρ πολλοὶ ἦσαν ἐνταῦθα οἱ κροκόδειλοι διὰ τὸν ῥοῦν.
 τούτων δ' ἦσαν καὶ οἱ τῆς βασιλίσσης στρατηγοὶ τῆς
 Κανδάκης, ἣ καθ' ἡμᾶς ἦρξε τῶν Αἰθιοπῶν, ἀνδρική
 τις γυνὴ πεπηρωμένη τὸν ἕτερον τῶν ὀφθαλμῶν· τού-
 τους τε δὴ ζωργία λαμβάνει ἅπαντας ἐπιπλεύσας σχε- 15
 δαῖς τε καὶ ναυσί, καὶ καταπέμπει παραχρῆμα εἰς Ἀλε-
 ξάνδρειαν, ἐπελθὼν τε τὴν Ψέλχιν αἰρεῖ· προσαριθ-
 μουμένου δὲ τοῖς ἐαλωκόσι τοῦ πλήθους τῶν πεσόν-
 των ἐν τῇ μάχῃ, τοὺς σωθέντας ὀλίγους παντάπασι
 γενέσθαι συνέβη. ἐκ δὲ Ψέλχιος ἦκεν εἰς Πρῆμνιν 20
 ἐρυμνὴν πόλιν διελθὼν τοὺς θῖνας, ἐν οἷς ὁ Καμβύσου
 κατεχώσθη στρατὸς ἐμπεσόντος ἀνέμου· προσβαλὼν
 δὲ ἐξ ἐφόδου τὸ φρούριον αἰρεῖ, καὶ μετὰ ταῦτα ὥρμη-
 σεν ἐπὶ Ναπάτων· τοῦτο δ' ἦν τὸ βασίλειον τῆς Καν-
 δάκης, καὶ ἦν ἐνταῦθα υἱὸς αὐτῆς· καὶ αὐτὴ δ' ἐν τινι 25
 πλησίον ἴδρυτο χωρίῳ. πρεσβευσαμένης δὲ περὶ φιλίας
 καὶ ἀποδούσης τοὺς ἐκ Συήνης αἰχμαλώτους καὶ τοὺς
 ἀνδριάντας, ἐπελθὼν λαμβάνει καὶ τὰ Νάπατα φυγόν-
 τος τοῦ παιδὸς καὶ κατασκάπτει· ἑξανδραποδισάμενος
 δ' ἀναστρέφει πάλιν εἰς τοῦπίσω μετὰ τῶν λαφύρων, 30
 δύοδοα κρῖνας τὰ προσωτέρω· τὴν δὲ Πρῆμνιν τει-
 χίσας βέλτιον, φρουρὰν ἐμβαλὼν καὶ τροφὴν δυνεῖν

ἐνιαυτῶν τετρακοσίοις ἀνδράσιν, ἀπῆρεν εἰς Ἀλεξάν-
 δρειαν· καὶ τῶν αἰχμαλώτων τοὺς μὲν ἐλαφυροπώ-0.821
 λησε, χιλίους δὲ Καίσαρι ἔπεμψε νεωστὶ ἐκ Καντάβρων
 ἦκοντι, τοὺς δὲ νόσοι διεχρήσαντο. ἐν τούτῳ μυριάσι
 5 Κανθάκη πολλαῖς ἐπὶ τὴν φρουρὰν ἐπῆλθε· Πετρώνιος
 δ' ἐξεβοήθησε καὶ φθάνει προσελθὼν εἰς τὸ φρούριον,
 καὶ πλείοσι παρασκευαῖς ἐξασφαλίσάμενος τὸν τόπον,
 πρεσβευσαμένων, ἐκέλευσεν ὥς Καίσαρα πρεσβεύε-
 σθαι· οὐκ εἰδέναι δὲ φασκόντων ὅστις εἴη Καῖσαρ καὶ
 10 ὅπη βαδιστέον εἴη παρ' αὐτόν, ἔδωκε τοὺς παραπέμ-
 ψοντας· καὶ ἦκον εἰς Σάμον, ἐνταῦθα τοῦ Καίσαρος
 ὄντος καὶ μέλλοντος εἰς Συρίαν ἐντεῦθεν προΐεναι,
 Τιβέριον εἰς Ἀρμενίαν στέλλοντος. πάντων δὲ τυχόν-
 των ὧν ἐδέοντο, ἀφῆκεν αὐτοῖς καὶ τοὺς φόρους οὓς
 15 ἐπέστησε.

Πολλὰ δ' εἴρηται περὶ τῶν Αἰθιοπικῶν ἐν τοῖς 2
 πρότερον, ὥστε συμπεριωδευμένα ἂν εἴη τῇ Αἰγύπτῳ
 καὶ τὰ τούτων. ὥς δ' εἶπεῖν, τὰ ἄκρα τῆς οἰκουμένης
 τὰ παρακείμενα τῇ δυσκράτῳ καὶ ἀοικήτῳ διὰ καῦμα
 20 ἢ ψυχρὸς ἀνάγκη ἀποτεύγματα εἶναι τῆς εὐκράτου καὶ
 ἐλαττώματα· ταῦτα δ' ἐκ τῶν βίων δῆλα καὶ τῆς πρὸς
 τὰς χρείας τὰς ἀνθρωπικὰς ἀπορίας. κακόβιοί τε δὴ
 καὶ γυμνήτες εἰσι τὰ πολλὰ καὶ νομάδες· τὰ τε βοσκή-
 ματα αὐτοῖς ἔστι μικρά, πρόβατα καὶ αἶγες καὶ βόες·
 25 καὶ κύνες μικροί, τραχεῖς δὲ καὶ μάχιμοι. τάχα δὲ καὶ
 τοὺς Πυγμαίους ἀπὸ τῆς τούτων μικροφυίας ὑπενόη-
 σαν καὶ ἀνέπλασαν· ἔωρακὸς μὲν γὰρ οὐδεὶς ἐξηγεῖται
 τῶν πίστεως ἀξίων ἀνδρῶν. ζῶσί τ' ἀπὸ κέγχρου καὶ 2
 κριθῆς, ἀφ' ὧν καὶ ποτὸν ποιοῦσιν * αὐτοῖς ἔστιν·
 30 ἔλαιον δὲ βούτυρον καὶ στέαρ· οὐδ' ἀκρόδρυα ἔχουσι
 πλὴν φοινίκων ὀλίγων ἐν κήποις βασιλικοῖς· ἔνιοι δὲ
 καὶ πόαν σιτοῦνται καὶ κλῶνας ἀπαλοὺς καὶ λωτὸν καὶ

- καλάμου ῥίζαν· κρέασι δὲ χρῶνται καὶ αἵματι καὶ γά-
λακτι καὶ τυρῷ. σέβονται δ' ὡς θεοὺς τοὺς βασιλεῆς
κατακλείστους ὄντας καὶ οἰκουροὺς τὸ πλεόν. ἔστι δὲ
τὸ μέγιστον αὐτοῖς βασιλείον ἡ Μερόη, πόλις ὁμώνυ-
μος τῇ νήσῳ· τὴν δὲ νῆσον θυρεοειδῇ φασι τὸ σχῆμα, 5
τό τε μέγεθος τάχα πρὸς ὑπερβολὴν εἴρηται μῆκος μὲν
ὅσον τρισχιλίων σταδίων εὖρος δὲ χιλίων. ἔχει δ' ἡ
νῆσος συχνὰ καὶ ὄρη καὶ δάση μεγάλα· οἰκοῦσι δ' οἱ
μὲν νομάδες οἱ δὲ θηρευτικοὶ οἱ δὲ γεωργοί· ἔστι δὲ
καὶ χαλκωρυχεῖα καὶ σιδηρουργεῖα καὶ χρυσεῖα καὶ 10
λίθων γένη πολυτελῶν· περιέχεται δ' ἀπὸ μὲν τῆς
Αἰβύης θισὶ μεγάλοις, ἀπὸ δὲ τῆς Ἀραβίας κρημνοῖς
συνεχέσιν, ἄνωθεν δ' ἐκ νότου ταῖς * συμβολαῖς τῶν
ποταμῶν, τοῦ τε Ἀσταβόρα καὶ τοῦ Ἀστάποδος καὶ τοῦ
C.822 Ἀστασόβα· πρὸς ἄρκτον δ' ἡ ἐφεξῆς ῥύσις τοῦ Νείλου 15
καὶ μέχρι Αἰγύπτου κατὰ τὴν λεχθεῖσαν πρότερον σκο-
λιότητα τοῦ ποταμοῦ. ἐν δὲ ταῖς πόλεσιν αἱ οἰκῆσεις ἐκ
φοινικίνων σχιζῶν * διαπλεκόμεναι τοίχων ἢ πλίνθων·
ὄρουκτοί δὲ ἅλεις καθάπερ ἐν τοῖς Ἀραψι· πλεονάζει δὲ
τῶν φυτῶν ὅ τε φοῖνιξ καὶ ἡ περσέα καὶ ὁ ἔβενος καὶ 20
ἡ κερατία· θήρα δὲ καὶ ἐλεφάντων ἔστι καὶ λεόντων
καὶ παρδάλεων· εἰσὶ δὲ καὶ δράκοντες οἱ ἐλεφαντομά-
χοι καὶ ἄλλα θηρία πλείω· καταφεύγει γὰρ ἀπὸ τῶν
ἐμπυρωτέρων καὶ αὐχμηροτέρων ἐπὶ τὰ ὑδρηλὰ καὶ
ἐλώδη. 25
- 3 Ὅτι πέρεται δὲ τῆς Μερόης ἡ Ψεβὼ λίμνη μεγάλη
νῆσον ἔχουσα οἰκουμένην ἱκανῶς. συμβαίνει δὲ τοῦ
Νείλου τὴν μὲν δυσμικὴν παραποταμίαν ἐχόντων τῶν
Αἰβύων, τὴν δὲ πέραν Αἰθιοπίων, παρὰ μέρος αὐτῶν
τὴν ἐπικράτειαν εἶναι τῶν νήσων καὶ τῆς ποταμίας, 30

ἐξελαυνομένων τῶν ἐτέρων καὶ παραχωρούντων τοῖς
 κρείττοσι γενομένοις. χρῶνται δὲ καὶ τόξοις Αἰθίοπες
 τετραπήχεσι ξυλλήνοις πεπυρακτωμένοις· ὀπλίζουσι δὲ
 καὶ τὰς γυναικάς, ὧν αἱ πλείους κεκρίκωνται τὸ χεῖ-
 5 λος τοῦ στόματος χαλκῷ κρίκῳ· κωδιοφόροι δ' εἰσὶν,
 ἑρέαν οὐκ ἔχοντες, τῶν προβάτων αἰγοτριχούντων· οἱ
 δὲ γυμνήτες εἰσιν, οἱ καὶ περιέζωνται μικρὰ κώδια ἢ
 τρίχινα πλέγματα εὐυφῇ. θεὸν δὲ νομίζουσι τὸν μὲν
 ἀθάνατον (τοῦτον δ' εἶναι τὸν αἷτιον τῶν πάντων)
 10 τὸν δὲ θνητὸν ἀνώνυμόν τινα καὶ οὐ σαφῇ· ὥς δ' ἐπὶ
 τὸ πολὺ τοὺς εὐεργέτας καὶ βασιλικούς θεοὺς νομί-
 ζουσι, καὶ τούτων τοὺς μὲν βασιλέας κοινούς ἀπάν-
 των σωτήρας καὶ φύλακας, τοὺς δ' ἰδιώτας ἰδίως τοῖς
 εὔπαθοῦσιν ὑπ' αὐτῶν. τῶν δὲ πρὸς τῇ διακεκαυ-
 15 μένῃ τινὲς καὶ ἄθεοι νομίζονται, οὓς γε καὶ τὸν ἥλιόν
 φασιν ἐχθαίρειν καὶ κακῶς λέγειν ἐπειδὰν προσίδωσιν
 ἀνίσχοντα, ὥς καίοντα καὶ πολεμοῦντα αὐτοῖς, κατα-
 φεύγειν τε εἰς τὰ ἔλη. οἱ δ' ἐν Μερόῃ καὶ Ἡρακλέα
 καὶ Πᾶνα καὶ Ἰσιν σέβονται πρὸς ἄλλῳ τινὶ βαρβα-
 20 ρικῷ θεῷ. τοὺς δὲ νεκροὺς οἱ μὲν εἰς τὸν ποταμὸν
 ἐκρίπτουσιν, οἱ δ' οἴκοι κατέχουσι περιχέαντες ὕαλον·
 τινὲς δὲ ἐν κεραμέαις σοροῖς κατορύττουσι κύκλῳ τῶν
 ἱερῶν, ὄρκον τε τὸν ὑπὲρ αὐτῶν ἀπαιτοῦσι καὶ πάν-
 των ἀγιστεύουσι μάλιστα. βασιλέας τε καθιστᾶσι τοὺς
 25 κάλλει διαφέροντας ἢ ἀρετῇ κτηνοτροφίας ἢ ἀνδρείᾳ
 ἢ πλούτῳ. ἐν δὲ τῇ Μερόῃ κυριωτάτην τάξιν ἐπέχον
 οἱ ἱερεῖς τὸ παλαιόν, οἳ γε καὶ τῷ βασιλεῖ προσέτατον
 ἔσθ' ὅτε ἀποθνήσκειν πέμψαντες ἄγγελον καὶ καθί-
 στασαν αὐτ' αὐτοῦ ἕτερον· ὕστερον δὲ κατέλυσέ τις^{C.823}
 30 τῶν βασιλέων τὸ ἔθος, ἐπιὼν μεθ' ὀπλων ἐπὶ τὸ ἱε-

ρόν, ὅπου ὁ χρυσοῦς νεὼς ἐστὶ, καὶ τοὺς ἱερέας ἀποσφάξας πάντας. ἔστι δὲ καὶ τοῦτο ἔθος Αἰθιοπικόν· ὅς γὰρ ἂν τῶν βασιλέων πηρωθῇ μέρος τι τοῦ σώματος ὁπωσοῦν, τὸ αὐτὸ πάσχουσιν οἱ συνόντες αὐτῷ μάλιστα, οἱ δ' αὐτοὶ καὶ συναποθνήσκουσιν· ἐκ δὲ 5 τούτου φυλακὴ τοῦ βασιλέως ἐστὶ πλείστη παρ' αὐτῶν. περὶ μὲν Αἰθιοπῶν ἀρκέσει ταῦτα.

- 4 Τοῖς δ' Αἰγυπτιακοῖς καὶ ταῦτα προσθετέον ὅσα ἰδιάζοντα, οἷον ὁ Αἰγύπτιος λεγόμενος κύαμος ἐξ οὗ τὸ κιβώριον, καὶ ἡ βύβλος· ἐνταῦθα γὰρ καὶ παρ' Ἰν- 10 δοῖς μόνον· ἡ δὲ περσέα ἐνταῦθα μόνον καὶ παρ' Αἰθίοφι, δένδρον μέγα, καρπὸν ἔχον γλυκὺν καὶ μέγαν, καὶ ἡ συκάμινος ἡ ἐκφέρουσα τὸν λεγόμενον καρπὸν συκόμορον· σύκῳ γὰρ ἔοικεν· ἄτιμον δ' ἐστὶ κατὰ τὴν γεῦσιν· γίνεται δὲ καὶ τὸ κόρσιον καὶ ὁμοίον τι 15 πεπέρει τράγημα, μικρῷ αὐτοῦ μεῖζον. ἰχθύες δ' ἐν τῷ Νεῖλῳ πολλοὶ μὲν καὶ ἄλλοι· ἰδιὸν καὶ ἐπιχώριον, γνωριμώτατον· καὶ ὁ λεπιδωτός καὶ λάτος καὶ ἀλάβης καὶ κορακῆνος καὶ χοῦρος καὶ φαγρῳριος ὃν καὶ φάγρον καλοῦσιν, ἔτι σί- 20 λουρος κιθαρός θρίσσα κεστρεὺς λύχνος φῦσα βοῦς· ὀστρακίων δὲ κοχλῖαι μεγάλοι φωνὴν ὁλολυγόσιν ὁμοίαν φθεγγόμενοι· ζῶα [δ'] ἐπιχώρια καὶ ὁ ἰχνεύμων καὶ ἡ ἄσπις ἡ Αἰγυπτία ἰδιὸν τι ἔχουσα παρὰ τὰς ἐν 25 ἄλλοις· διττὴ δ' ἐστίν, ἡ μὲν σπιθαμιαία ἥπερ καὶ ὀξυθανατωτέρα, ἡ δ' ἐγγυὺς ὀργυιᾶς, ὡς καὶ Νίκανδρος ὁ τὰ θηριακὰ γράψας εἴρηκε· καὶ τῶν ὀρνέων ἴβις καὶ ἱέραξ ὁ Αἰγύπτιος, ἡμερος παρὰ τοὺς ἄλλοθι, ὡς καὶ ἡ αἰλουρος· καὶ ὁ νυκτικόραξ ἰδιότροπος ἐν- 30 θάδε· παρ' ἡμῖν μὲν γὰρ ἀετοῦ μέγεθος ἴσχει καὶ φθέργεται βαρὺ, ἐν Αἰγύπτῳ δὲ κολοιοῦ μέγεθος καὶ φθογγὴ διάφορος· ἡμερώτατον δ' ἡ ἴβις, πελαργώ-

δης μὲν κατὰ σχῆμα καὶ μέγεθος, διττὴ δὲ τὴν χρόαν,
ἢ μὲν πελαργώδης ἢ δὲ ὅλη μέλαινα· μεστὴ δ' αὐτῶν
ἅπανσα τρίδος ἐν Ἀλεξανδρείᾳ, πῇ μὲν χρησίμως πῇ
δ' οὐ χρησίμως· χρησίμως μὲν ὅτι πᾶν θηρίον ἐκλέ-
5 γει καὶ τὰ ἐν τοῖς κρεωπωλίοις καὶ τοῖς ὀψοπωλίοις
ἀποκαθάρματα, δυσχρήστως δὲ ὅτι παμφάγον καὶ
ἀκάθαρτον καὶ δυσκόλως ἀπειργόμενον ἀπὸ τῶν κα-
θαρείων καὶ τῶν ἀλλοτριῶν μολυσμοῦ παντός.

Ἀληθὲς δὲ καὶ τὸ Ἡροδότου καὶ ἔστιν Αἴγυπτια- 5
10 κὸν τὸ τὸν μὲν πηλὸν ταῖς χερσὶ φυρᾶν, τὸ δὲ στέαρ
τὸ εἰς τὴν ἀρτοποιίαν τοῖς ποσί. καὶ οἱ * κᾶκεις δὲ C.824
ἰδιὸν τι ἄρτου γένος, στατικὸν κοιλίας, καὶ τὸ κῆκι
καρπὸς τις σπειρόμενος ἐν ἀρούραις, ἐξ οὗ ἔλαιον
ἀποθλίβεται εἰς μὲν λύχρον τοῖς ἀπὸ τῆς χώρας σχε-
15 δόν τι πᾶσιν, εἰς ἄλειμμα δὲ τοῖς πενεστέροις καὶ ἐρ-
γατικωτέροις καὶ ἀνδράσι καὶ γυναιξί· καὶ τὰ κοῖκινα
δὲ πλέγματα Αἴγυπτιακά ἐστι φυτοῦ τινος, ὅμοια τοῖς
σχοινίνουις ἢ φοινικίνουις. τὸ δὲ ζύθος ἰδίως μὲν σκευ-
άζεται παρ' ἐκείνουις, κοινὸν δ' ἐστὶ πολλοῖς, καὶ παρ'
20 ἐκάστοις δὲ αἱ σκευασίαι διάφοροι. καὶ τοῦτο δὲ τῶν
μάλιστα ξηλουμένων παρ' αὐτοῖς τὸ πάντα τρέφειν τὰ
γεννώμενα παιδιά καὶ τὸ περιτέμνειν καὶ τὰ θήλεα
ἐκτέμνειν, ὅπερ καὶ τοῖς Ἰουδαίοις νόμιμον· καὶ οὗτοι
δ' εἰσὶν Αἰγύπτιοι τὸ ἀνέκαθεν, καθάπερ εἰρήκαμεν
25 ἐν τῷ περὶ ἐκείνων λόγῳ. φησὶ δ' Ἀριστόβουλος ἐκ
τῆς θαλάττης μὴδὲν ἀνατρέχειν ὄψον εἰς τὸν Νεῖλον
πλήν κεστρέως καὶ θρίσσης καὶ δελφίνος διὰ τοὺς κρο-
κοδείλους, τοὺς μὲν δελφῖνας διὰ τὸ κρεῖττους εἶναι,
τοὺς δὲ κεστρέας τῷ παραπέμπεσθαι ὑπὸ τῶν χοίρων
30 παρὰ γῆν κατὰ τινα οἰκείωσιν φυσικὴν· τῶν δὲ χοί-
ρων ἀπέχεσθαι τοὺς κροκοδείλους στρογγύλων ὄντων
καὶ ἐχόντων ἀκάνθας ἐπὶ τῇ κεφαλῇ φερούσας κίν-

δυνον τοῖς θηρίοις· ἀναθεῖν μὲν οὖν ἕαρος τοὺς κε-
στρέας γόνον ἔχοντας, μικρὸν δὲ πρὸ δύσεως πλειά-
δος καταβαίνειν τεξομένους ἀθρόους, ὅτε καὶ ἡ ἄλω-
σις αὐτῶν γίνεται περιπιπτόντων τοῖς φράγμασιν
ἀθρόων· τοιαύτην δὲ τινα εἰκάζειν ἔστι καὶ περὶ τῆς 5
θρίσσης αἰτίαν. ταῦτα καὶ περὶ Αἰγύπτου.

- 3 Περὶ δὲ Λιβύης ἐφεξῆς λέγωμεν, ὅπερ λείπεται
μέρος τῆς συμπάσης γεωγραφίας. εἰρηται μὲν οὖν καὶ
πρότερον πολλὰ περὶ αὐτῆς, ἀλλὰ καὶ νῦν ὅσα καίρια
προσυπομνηστέον, προστιθέντας καὶ τὰ μὴ λεχθέντα 10
πρότερον. οἱ μὲν οὖν πρὸς τὰς ἡπείρους τὴν οἰκουμέ-
νην διελόντες ἀνίσως διεῖλον· ἐμφαίνει γὰρ τὸ τριχῇ
τὸ εἰς τρία ἴσα· τοσοῦτο δ' ἀπολείπεται τοῦ τρίτου
εἶναι μέρος τῆς οἰκουμένης ἡ Λιβύη ὥστε καὶ συντε-
θεῖσα μετὰ τῆς Εὐρώπης οὐκ ἂν ἐξισάζειν δόξειε τῇ 15
'Ασίᾳ· τάχα δὲ καὶ τῆς Εὐρώπης ἐλάττων ἐστί, κατὰ δὲ
τὴν δύναμιν καὶ πολλῷ τι· ἔρημος γὰρ ἐστὶν ἡ
πολλὴ τῆς μεσογαίας καὶ τῆς παρωκεανίτιδος, κατοι-
κίαις δὲ κατάστικτός ἐστι μικραῖς καὶ σποράσι καὶ νο-
μαδικαῖς ταῖς πλείσταις· πρὸς δὲ τῇ ἐρημίᾳ καὶ τὸ θη- 20
ριοτρόφον ἐξελαύνει καὶ ἐκ τῆς δυναμένης οἰκεῖσθαι·
C.825 πολὺ δὲ καὶ τῆς διακεκαυμένης ἐπιλαμβάνει ζώνης. ἡ
μέντοι καθ' ἡμᾶς εὐδαιμόνως οἰκεῖται πᾶσα παραλία
ἡ μεταξὺ Νείλου καὶ στηλῶν, καὶ μάλιστα ἡ ὑπὸ Καρ-
χηδουνοῖς γενομένη· ἀνυδρίαί δὲ τινες κἀνταῦθα πα- 25
ρεμπίπτουσιν, οἳ περὶ τε τὰς Σύρτις καὶ τοὺς Μαρ-
μαρίδας καὶ τὸν Καταβαθμόν. ἔστι δὲ ὀρθογωνίου
τριγώνου τὸ σχῆμα, ὥς ἂν τις ἐν ἐπιπέδῳ νοήσῃ, βά-
σιν μὲν ἔχον τὴν καθ' ἡμᾶς παραλίαν τὴν ἀπὸ τῆς Αἰ-
γύπτου καὶ Νείλου μέχρι Μαυρουσίας καὶ στηλῶν, 30
πρὸς ὀρθὰς δὲ ταύτῃ πλευρὰν ἣν ὁ Νεῖλος ποιεῖ μέχρι
Αἰθιοπίας, προσεκβαλλόντων ἡμῶν ἕως Ὠκεανοῦ,

τὴν δ' ὑποτείνουσιν τῇ ὀρθῇ τὴν παρῶκεαντιν ἅπα-
σαν τὴν μεταξὺ Αἰθιοπῶν καὶ Μαυρουσίων. τὸ μὲν
οὖν κατ' αὐτὴν τὴν κορυφὴν τοῦ λεχθέντος σχήματος
ἦδη πως ὑποπίπτει τῇ διακεκαυμένῃ λέγομεν ἐξ εἰκα-
5 σμοῦ διὰ τὸ ἀπρόσιτον, ὥστ' οὐδὲ τὸ μέγιστον πλά-
τος τῆς χώρας ἔχοιμεν ἂν λέγειν· τὸ μέντοι τοσοῦτον
ἐν τοῖς πρόσθεν λόγοις ἔφαμεν ὅτι ἐξ Ἀλεξανδρείας
εἰς Μερόην τὸ βασίλειον τῶν Αἰθιοπῶν πρὸς νότον
ἰόντι σταδίοι εἰσι περὶ μυρίους, ἐκείθεν δ' ἐπ' εὐθείας
10 ἐπὶ τοὺς ὄρους τῆς διακεκαυμένης καὶ τῆς οἰκουμένης
ἄλλοι τρισχίλιοι· τὸ γοῦν αὐτὸ θετέον τὸ μέγιστον
πλάτος τῆς Λιβύης, μυρίους καὶ τρισχιλίους ἢ τετρα-
κισχιλίους σταδίους, μῆκος δὲ μικρῷ ἔλαττον ἢ δι-
πλάσιον. τὰ καθ' ὅλου μὲν ταῦτα περὶ Λιβύης· τὰ
15 καθ' ἕκαστα δὲ λεκτέον ἀρξαμένοις ἀπὸ τῶν ἐσπερίων
μερῶν καὶ τῶν ἐπιφανεστέρων.

Οἰκοῦσι δ' ἐνταῦθα Μαυρούσιοι μὲν ὑπὸ τῶν 2
Ἑλλήνων λεγόμενοι, Μαῦροι δ' ὑπὸ τῶν Ῥωμαίων καὶ
τῶν ἐπιχωρίων, Λιβυκὸν ἔθνος μέγα καὶ εὐδαιμον,
20 ἀντίπορθμον τῇ Ἰβηρίᾳ. κατὰ τοῦτο δὲ καὶ ὁ κατὰ τὰς
στήλας τὰς Ἡρακλείους πορθμός ἐστι, περὶ οὗ πολλὰ
εἴρηται. ἔξω δὲ προελθόντι τοῦ κατὰ τὰς στήλας πορθ-
μοῦ, τὴν Λιβύην ἐν ἀριστερᾷ ἔχοντι ὄρος ἐστίν, ὅπερ
οἱ μὲν Ἑλλήνες Ἀτλαντα καλοῦσιν οἱ βάρβαροι δὲ Ἀύ-
25 ριν. ἐντεῦθεν δὲ πρόπους ἐκκεῖται τις ὕστατος πρὸς
δύσιν τῆς Μαυρουσίας αἱ Κώτεις λεγόμεναι· πλησίον
δὲ καὶ πολίχνιον μικρὸν ὑπὲρ τῆς θαλάττης, ὅπερ
Τρίγγα καλοῦσιν οἱ βάρβαροι, Ἀύγγα δ' ὁ Ἀρτεμίδω-
ρος προσηγόρευκε, Ἐρατοσθένους δὲ Αἶξον· κεῖται δ'
30 ἀντίπορθμον τοῖς Γαδείροις ἐν διάρματι σταδίων
ὀκτακοσίων, ὅσου ἐκάτερα διέχει τοῦ κατὰ τὰς στήλας
πορθμοῦ· πρὸς νότον δὲ τῇ Αἶξιν καὶ ταῖς Κώτει

παράκειται κόλπος Ἐμπορικὸς καλούμενος, ἔχων Φοι-
 C.826νικικὰς ἐμπορικὰς κατοικίας. ἔστι μὲν οὖν πᾶσα ἡ συν-
 εχὴς τῷ κόλπῳ τούτῳ παραλία κολπώδης, ὑπεξαίρου-
 μένῳ δὲ τοὺς κόλπους καὶ τὰς ἐξοχὰς κατὰ τὸ σχῆμα
 τὸ τριγωνοειδὲς ὃ ὑπέγραψα, νοεῖσθω μᾶλλον ἐπὶ τὴν 5
 μεσημβρίαν ἅμια καὶ τὴν ἕω λαμβάνουσα τὴν αὔξησιν
 ἢ ἡπειρος. τὸ δ' ὄρος διὰ μέσης ἐκτεινόμενον τῆς
 Μαυρουσίας τὸ ἀπὸ τῶν Κώτεων μέχρι καὶ Σύρτεων
 οἰκεῖται καὶ αὐτὸ καὶ ἄλλα παράλληλα αὐτῷ κατ' ἄρ-
 χὰς μὲν ὑπὸ τῶν Μαυρουσίων, ἐν βάθει δὲ τῆς χώρας 10
 ὑπὸ τοῦ μεγίστου τῶν Λιβυκῶν ἔθνων, οἱ Γαίτουλοι
 λέγονται.

3 Πλεῖστα δὲ πλάσματα τῇ Λιβυκῇ παραλίᾳ τῇ ἐκτὸς
 προσεψεύσαντο οἱ συγγραφεῖς ἀρξάμενοι ἀπὸ τοῦ
 Ὀφέλα περίπλου, περὶ ὧν ἐμνήσθημένον ποῦ καὶ πρό- 15
 τερον, καὶ νῦν δὲ λέγομεν, συγγνώμην αἰτούμενοι τῆς
 τερατολογίας, εἴαν ποῦ βιασθῶμεν ἐκπεσεῖν εἰς τι τοι-
 οῦτο, φεύγοντες τὸ πάντα σιγῇ παραπέμπειν καὶ τρό-
 πον τινα πηροῦν τὴν ἱστορίαν. φασὶ δ' οὖν τὸν Ἐμπο-
 ρικὸν κόλπον ἄντρον ἔχειν εἰσω δεχόμενον τὴν θά- 20
 λατταν ἐν ταῖς πλημμυρίσι μέχρι καὶ ἑπτὰ σταδίων,
 προκείμενον δὲ τούτου ταπεινὸν καὶ ὁμαλὸν χωρίον
 ἔχον Ἡρακλέους βωμόν, ὃν οὐκ ἐπικλύζεσθαι φασιν
 ὑπὸ τῆς πλημμυρίδος. ἐν δὲ δὴ τι τῶν πλασμάτων νο-
 μίζω τοῦτο, ἐγγὺς δὲ τούτῳ τὸ ἐν τοῖς ἑξῆς κόλποις 25
 κατοικίας λέγεσθαι παλαιὰς Τυρίων, ἃς ἐρήμους εἶναι
 νῦν, οὐκ ἐλαττόνων ἢ τριακοσίων πόλεων, ἃς οἱ Φα-
 ρούσιοι καὶ οἱ Νιγριταὶ ἐξεπόρθησαν· διέχειν δὲ τού-
 τους τῆς Λυγγός φασιν ἡμερῶν τριάκοντα ὁδόν.

4 Τὸ μέντοι τὴν Μαυρουσίαν εὐδαίμονα εἶναι χώ- 30
 ραν πλὴν ὀλίγης ἐρήμου, καὶ ποταμοῖς τε καὶ λίμναις
 κεχορηγηθῆσαι παρὰ πάντων ὁμολογεῖται. μεγάλῳ δὲν-

δρός τε καὶ πολὺδενδρος ὑπερβαλλόντως ἐστὶ καὶ πάμ-
 φορος· τὰς γοῦν μονοξύλους τραπέζας ποικιλωτάτας
 καὶ μεγίστας ἐκέλευε τοῖς Ῥωμαίοις χορηγεῖ. τοὺς δὲ
 ποταμοὺς ἔχειν φασὶ καὶ κροκοδείλους καὶ ἄλλα γένη
 5 ζῴων ἐμφορῇ τοῖς ἐν τῷ Νεῖλῳ· τινὲς δὲ καὶ τὰς τοῦ
 Νεῖλου πηγὰς πλησιάζειν οἴονται τοῖς ἄκροις τῆς Μαν-
 ρουσίας. ἐν ποταμῷ δὲ τιμὴ γεννᾶσθαι βδέλλας ἐπτα-
 πήχεις, κατατετρημένα ἐχούσας τὰ βραγχία δι' ὧν
 ἀναπνέουσιν. καὶ ταῦτα δὲ λέγουσι περὶ τῆς χώρας ὅτι
 10 ἄμπελος φύεται δυσὶν ἀνδράσι τὸ πάχος δυσπερίλη-
 πτος, βότρυν πηχυαῖόν πως ἀποδιδοῦσα· βοτάνη τε
 ὑψηλὴ πᾶσα καὶ λάχανον * νεαρόν καὶ δρακόντιον, οἱ
 δὲ τῶν σταφυλίνων καυλοὶ καὶ ἱππομαράθου καὶ σκο-
 λύμων δωδεκαπῆχεις, τὸ δὲ πάχος παλαιστῶν τεττά-
 15 ρων· καὶ δρακόντων δὲ καὶ ἐλεφάντων καὶ δορκάδων C.827
 καὶ βουβάλων καὶ τῶν παραπλησίων ζῴων, λεόντων
 τε καὶ παρδάλεων, παντοδαπὴ τροφὸς ἡ χώρα ἐστί.
 φέρει δὲ καὶ γαλᾶς αἰλούροις ἴσας καὶ ὁμοίας πλὴν ὅτι
 τὰ ῥύγχη προπέπτωκε μᾶλλον, πιθήκων τε πάμπολυ
 20 πλῆθος, περὶ ὧν καὶ Ποσειδῶνιος εἶρηκεν ὅτι πλέων
 ἐκ Γαδείρων εἰς τὴν Ἰταλίαν προσενεχθεῖη τῇ Λιβυκῇ
 παραλίᾳ καὶ ἴδοι τῶν θηρίων μεστὸν τινα τούτων ἀλι-
 τευῇ δρυμόν, τῶν μὲν ἐπὶ τοῖς δένδρεσι τῶν δ' ἐπὶ
 γῆς, ἐχόντων ἐνίων καὶ σκύμνους καὶ ἐπεχόντων μα-
 25 στόν· γελᾶν οὖν ὁρῶν βαρυμάστους, ἐνίους δὲ φαλα-
 κρούς, τοὺς δὲ κηλήτας καὶ ἄλλα τοιαῦτα ἐπιφαίνον-
 τας σῖνῃ.

Ὅτι τούτης δ' ἐστὶν ἐπὶ τῇ ἔξω θαλάττῃ ἡ τῶν 5
 ἐσπερίων καλουμένων Αἰθιοπῶν χώρα κακῶς οἰκου-
 30 μένη τὸ πλεόν. ἐνταῦθα δὲ καὶ καμηλοπαρδάλεις φη-
 σὶν * Ἰφικράτης γεννᾶσθαι καὶ ἐλέφαντας καὶ τοὺς κα-
 λουμένους ῥίξεις, οἱ ταυροειδεῖς μὲν εἰσι τὴν μορφήν,

κατὰ δὲ τὴν δίαιταν καὶ τὸ μέγεθος καὶ τὴν ἀλκὴν τὴν πρὸς μάχην ἐλέφασιν εἰκόνασι· δράκοντάς τε λέγει μεγάλους ὥστε καὶ πόαν ἐπιπεφυκέναι· τοὺς δὲ λέοντας τοῖς πώλοις τῶν ἐλεφάντων ἐπιτίθεσθαι, αἱμάξαντας δὲ φεύγειν ἐπιουσῶν τῶν μητέρων· τὰς δ' ἐπειδὴν ἴδωσιν ἡμαγμένους, κτείνειν. ἐπανιόντας δὲ τοὺς λέοντας ἐπὶ τὰ πτώματα νεκροφαγεῖν. Βόγον δὲ τὸν βασιλέα τῶν Μαυρουσίων ἀναβάντα ἐπὶ τοὺς ἐσπερίους Αἰθίοπας καταπέμψαι τῇ γυναικὶ δῶρα καλάμους τοῖς Ἰνδικοῖς ὁμοίους, ὧν ἕκαστον γόνυ χοίρινος χωροῦν 10 ὀκτώ· καὶ ἀσπαράγων δ' ἐμφορῇ μεγέθη.

6 Εἰς δὲ τὴν ἐντὸς θάλατταν πλέουσιν ἀπὸ Λυγγὸς πόλις ἐστὶ Ζήλις καὶ * Τίγα, εἴτα τῶν ἐπὶ ἀδελφῶν μνήματα καὶ τὸ ὑπερκείμενον ὄρος ὄνομα Ἀβίλη πολύθηρον καὶ μεγαλόδενδρον. τοῦ δὲ κατὰ τὰς στήλας 15 πορθμοῦ τὸ μὲν μῆκος λέγεται σταδίων ἑκατὸν εἰκοσι, τὸ δ' ἐλάχιστον πλάτος κατὰ τὸν Ἐλέφαντα ἐξήκοντα. εἰσπλεύσαντι δ' ἐξῆς πόλεις τε καὶ ποταμοὶ πλείους μέχρι Μολοχάθ ποταμοῦ, ὃς ὀρίζει τὴν Μαυρουσίων καὶ τὴν Μασαυσίων γῆν. καλεῖται δὲ καὶ ἄκρα με- 20 γάλη πλησίον τοῦ ποταμοῦ καὶ Μεταγώνιον τόπος ἄνυδρος καὶ λυπρός, σχεδὸν δέ τι καὶ τὸ ὄρος τὸ ἀπὸ τῶν Κώτεων μέχρι δεῦρο. παρατείνει· μῆκος δὲ τὸ ἀπὸ τῶν Κώτεων ἐπὶ τοὺς ὄρους τοὺς τῶν Μασαυσίων στάδιοι πεντακισχίλιοι· ἔστι δὲ τὸ Μεταγώνιον 25 κατὰ νέαν που Καρχηδόνα ἐν τῇ περαίᾳ· Τιμοσθένης δ' οὐκ εὖ κατὰ Μασσαλίαν φησὶν· ἔστι δ' ἐκ Καρχη- C.828δόνος νέας διάγραμμα εἰς Μεταγώνιον στάδιοι τρισχίλιοι, παράπλους δὲ εἰς Μασσαλίαν ὑπὲρ ἑξακισχιλίων.

7 Οὕτως δ' εὐδαίμονα χώραν οἰκοῦντες τὴν πλείστην 30 οἱ Μαυρούσιοι διατελοῦσιν ὅμως καὶ μέχρι δεῦρο τοῦ χρόνου νομαδικῶς ζῶντες οἱ πολλοί. καλλωπίζονται

δ' ὅμως κόμης ἐμκλοκῇ καὶ πάγωνι καὶ χρυσοφορίᾳ
 σμήξει τε ὀδόντων καὶ ὀνυχισμῷ· σπάνιον τε ἂν ἴδους
 ἀπτομένους ἀλλήλων ἐν τοῖς περιπάτοις τοῦ παραμέ-
 νειν αὐτοῖς ἄθικτον τὸν κόσμον τῶν τριχῶν. μάχονται
 5 δ' ἱππότες τὸ πλεον ἀπὸ ἄκοντος, σχοινοχαλίνους χρώ-
 μενοι τοῖς ἵπποις καὶ γυμνοῖς· ἔχουσι δὲ καὶ μαχαί-
 ρας· οἱ δὲ πεζοὶ τὰς τῶν ἐλεφάντων δορὰς ὡς ἀσπίδας
 προβάλλονται· τὰς δὲ τῶν λεόντων καὶ παρδάλεων
 καὶ ἄρκτων ἀμπέχονται καὶ ἐγκοιμῶνται. σχεδὸν δέ τι
 10 καὶ οὗτοι καὶ οἱ ἐφεξῆς Μασσιτύλαιοι καὶ κοινῶς Αἰ-
 βυες κατὰ τὸ πλεον ὁμοιόσκενοί εἰσι καὶ τὰ ἄλλα ἐμ-
 φρεῖς, μικροὺς ἵπποις χρώμενοι, ὄξεσι δὲ καὶ εὐπει-
 θέσιν ὥστ' ἀπὸ ραβδίου οἰακίζεσθαι· περιτραχήλια
 δὲ ξύλινα ἢ τρίχινα, ἀφ' ὧν ὁ θνητὴρ ἀπήρτηται· ἐνιοὶ
 15 δὲ καὶ χωρὶς ὀλκῆς ἔπονται ὡς κύνες· πέλτη μικρὰ βυρ-
 σίνη, πλατύλογχα μικρά, ἄξωστοι πλατύσημοι χιτῶ-
 νες, ἐπιπόρπημα, ὡς ἔφην, δορὰ καὶ προθωράκιον.
 Φαρούσιοι δὲ καὶ Νίγρητες οἱ ὑπὲρ τούτων οἰκοῦντες
 πρὸς τοῖς ἐσπερίοις Αἰθίοψι καὶ τοξεύουσι, καθάπερ
 20 καὶ οἱ Αἰθίοπες· χρῶνται δὲ καὶ δρεπανηφόροις ἄρ-
 μασι· μίσγονται δὲ καὶ τοῖς Μαυρουσίοις οἱ Φαρούσιοι
 διὰ τῆς ἐρήμου σπανίως, ὑπὸ ταῖς κοιλαῖς τῶν ἵππων
 ὑπαρτῶντες τοὺς ἀσκούς τοῦ ὕδατος· ἔστι δ' ὅτε καὶ
 εἰς Κίρταν ἀφικνοῦνται διὰ τινων τόπων ἐλωδῶν καὶ
 25 λιμνῶν. τινὰς δ' αὐτῶν καὶ τραγλοδυτικῶς οἰκεῖν
 φασιν ὀρύττοντας τὴν γῆν. λέγεται δὲ κἀνταῦθα τοὺς
 θερινοὺς ὄμβρους ἐπιπολάζειν, χειμῶνος δὲ εἶναι ἀνυ-
 δρίαν. ἐνίοις δὲ τῶν ταύτη βαρβάρων καὶ ὄφρων καὶ
 ἰχθύων δοραῖς ἀμπεχόναις τε καὶ στρώμασι χρῆσθαι.
 30 τοὺς δὲ Φαρουσίους ἐνιοὶ φασιν Ἰνδοὺς εἶναι τοὺς συγ-
 κατελθόντας Ἡρακλεῖ δεῦρο. μικρὸν μὲν οὖν πρὸ
 ἡμῶν οἱ περὶ Βόγον βασιλεῖς καὶ Βόκχον κατεῖχον αὐ-

τήν, φίλοι Ῥωμαίων ὄντες· ἐκλιπόντων δὲ τούτων,
 Ἰούβας παρέλαβε τὴν ἀρχήν, δόντος τοῦ Σεβαστοῦ
 Καίσαρος καὶ ταύτην αὐτῷ τὴν ἀρχὴν πρὸς τῇ πατρὶ·
 υἱὸς δ' ἦν Ἰούβα τοῦ πρὸς Καίσαρα τὸν θεὸν πολεμή- 5
 σαντος μετὰ Σκιπίωνος. Ἰούβας μὲν οὖν νεωστὶ ἔτε-
 λεύτα τὸν βίον, διαδέδεκται δὲ τὴν ἀρχὴν υἱὸς Πτολε-
 μαῖος γεγωνὸς ἐξ Ἀντωνίου θυγατρὸς καὶ Κλεοπάτρας.
 C.829⁸ Ἀρτεμίδωρος δ' Ἐρατοσθένει μὲν ἀντιλέγει, διότι
 Αἴξον τινὰ φησι πόλιν περὶ τὰ ἄκρα τῆς Μαυρουσίας
 τὰ ἐσπέρια ἀντὶ Ἀνγγός· Φοινικικὰς δὲ πόλεις κατε- 10
 σπασμένας παμπόλλας τινάς, ὧν οὐδὲν ἰδεῖν ἔστιν
 ἔχνος· ἐν δὲ τοῖς ἐσπερίοις Αἰθίοψι ταῖς τε ὀρθριναῖς
 ὥραις καὶ ταῖς δειλιναῖς παχεῖς καὶ ἀχλυνώδεις εἶναι
 τοὺς ἀέρας· πῶς γὰρ ἐν ἀνχμώδεσι καὶ καυματηροῖς
 τόποις ταῦτ' εἶναι; αὐτὸς δὲ τούτων πολὺ χεῖρω λέγει 15
 περὶ τοὺς αὐτοὺς τόπους· μετανάστας γὰρ τινὰς ἱστο-
 ρεῖ Ἀωτοφάγους, οἱ τὴν ἄννυδρον νέμονται, σιτοῦντο
 δὲ λωτόν, πόαν τινὰ καὶ ῥίζαν, ἀφ' ἧς οὐδὲν δέονται
 ποτοῦ. παρήκειν δ' αὐτοὺς μέχρι τῶν ὑπὲρ Κυρήνης
 τόπων· τοὺς δ' ἐκεῖ καὶ γαλακτοποτεῖν καὶ κρεωφα- 20
 γεῖν, καίπερ ταυτοκλινεῖς ὄντας. καὶ Γαβίνιος δὲ ὁ
 τῶν Ῥωμαίων συγγραφεὺς οὐκ ἀπέχεται τῆς τερατολο-
 γίας τῆς περὶ τὴν Μαυρουσίαν· πρὸς γὰρ τῇ Ἀνγγὶ
 Ἀνταίου μνημα ἱστορεῖ καὶ σκελετὸν πηχῶν ἐξήκοντα,
 ὃν Σερωτόριον γυμνῶσαι καὶ πάλιν ἐπιβαλεῖν γῆν. καὶ 25
 τὰ περὶ τῶν ἐλεφάντων μυθώδη· φησὶ γὰρ τᾶλλα μὲν
 θηρία φεύγειν τὸ πῦρ, τοὺς δ' ἐλέφαντας πολεμεῖν
 καὶ ἀμύνεσθαι, διότι τὴν ὕλην φθείρει· πρὸς δὲ τοὺς
 ἀνθρώπους διαμάχεσθαι, κατασκόπους προπέμπον-
 τας, καὶ ὅταν ἰδῶσιν ἐκείνους [φεύγοντας], φεύγειν 30

καὶ αὐτούς, ἐπειδὴν δὲ τραύματα λάβωσιν, ἱκετηρίαν
προτείνειν κλάδους ἢ βοτάνην ἢ κόνιν.

Μετὰ δὲ τὴν τῶν Μαυρουσίων γῆν ἢ τῶν Μασαι- 9
συλίων ἐστίν, ἀπὸ τοῦ Μολοχὰθ ποταμοῦ τὴν ἀρχὴν
5 λαμβάνουσα, τελευτῶσα δὲ ἐπὶ τὴν ἄκραν, ἢ καλεῖται
[Τρητόν], ὄριον τῆς τε Μασαισύλων καὶ τῆς Μασυλι-
έων γῆς· στάδιοι δ' εἰσὶν ἀπὸ τοῦ Μεταγωνίου μέχρι
τοῦ Τρητοῦ ἑξακισχίλιοι· οἱ δ' ἐλάττους φασίν. ἔχει
δ' ἢ παραλία πόλεις τε πλείους καὶ ποταμούς καὶ χώ-
10 ραν εὐφυνῇ, τῶν δ' ἐν ὀνόματι ἀρκεῖ μνησθῆναι. ἐστι
δὲ πόλις Σίγα ἐν χιλίοις σταδίοις ἀπὸ τῶν λεχθέντων
ὄρων, βασιλείου Σόφακος· κατέσπασται δὲ νῦν· τὴν
δὲ χώραν μετὰ Σόφακα κατέσχε Μασανάσσης, εἴτα Μι-
κίψας, εἴτα καὶ οἱ ἐκείνον διαδεξάμενοι, καθ' ἡμᾶς δὲ
15 Ἰούβας ὁ πατὴρ τοῦ νεωστὶ τελευτήσαντος Ἰούβα· κα-
τέσπασται δὲ καὶ Ζάμα τὸ τούτου βασιλείου ὑπὸ Ῥω-
μαίων· μετὰ δὲ τὴν Σίγαν Θεῶν λιμὴν ἐν ἑξακοσίοις
σταδίοις· εἶτ' ἄλλοι ἄσημοι τόποι. τὰ μὲν οὖν ἐν βά-
θει τῆς χώρας ὄρεινὰ καὶ ἔρημα . . . ἔσθ' ὅτε παρέ-
20 σπαρται, ἃ κατέχουσιν οἱ Γαίτουλοι μέχρι καὶ Σύρ-
τεων· τὰ δ' ἐκεῖ πρὸς θαλάττη καὶ πεδία εὐδαίμονα
ἐστι καὶ πόλεις πολλαὶ καὶ ποταμοὶ καὶ λίμναι.

Ποσειδώνιος δ' οὐκ οἶδ' εἰ ἀληθεύει φήσας ὅλι- C.830
γοις καὶ μικροῖς διαρρεῖσθαι ποταμοῖς τὴν Λιβύην· 10
25 αὐτούς γάρ, οὓς Ἀρτεμίδωρος εἶρηκε, τοὺς μεταξὺ
τῆς Αὐγγὸς καὶ Καρχηδόνος καὶ πολλοὺς εἶρηκε καὶ
μεγάλους. ἐν δὲ τῇ μεσογαίᾳ ταῦτ' ἀληθέστερον εἰ-
πεῖν· εἶρηκε δὲ τούτου τὴν αἰτίαν αὐτός· μὴ γὰρ κα-
τομβρεῖσθαι τοῖς ἀρκτικοῖς μέρεσι, καθάπερ οὐδὲ τὴν
30 Αἰθιοπίαν φασί· διὸ πολλάκις λοιμικὰ ἐμπίπτειν ὑπὸ
αὐχμῶν καὶ τὰς λίμνας τελμάτων πίμπλασθαι καὶ τὴν
ἀκρίδα ἐπιπολάζειν. ἔτι φησὶ τὰ μὲν ἀνατολικά ὑγρά

εἶναι, τὸν γὰρ ἥλιον ἀνίσχοντα ταχὺ παραλλάττειν, τὰ δ' ἐσπέρια ξηρά, ἐκεῖ γὰρ καταστρέφειν . . . ὑγρὰ γὰρ καὶ ξηρά, τὰ μὲν παρ' ὑδάτων ἀφθονίαν ἢ σπάνιν λέγεται, τὰ δὲ παρὰ τὴν τῶν ἡλίων· βούλεται δὲ λέγειν τὰ παρὰ τοὺς ἡλίους· ταῦτα δὲ πάντες ἀρκητικοῖς 5 καὶ μεσημβρινοῖς κλίμασιν ἀφορίζουσι· καὶ μὴν ἀνατολικά τε καὶ δυσμικά, τὰ μὲν πρὸς τὰς οἰκήσεις λεγόμενα, καθ' ἐκάστην τὴν οἰκήσιν καὶ τὴν μετάπτωσιν τῶν ὀριζόντων ἄλλα καὶ ἄλλα ἐστίν, ὥστ' οὐδ' ἔνεστι καθολικῶς εἰπεῖν ἐπὶ τῶν ἀπεριλήπτων τὸ πλήθος, ὅτι 10 τὰ μὲν ἀνατολικά ὑγρά, τὰ δὲ δυσμικά ξηρά. ὥς δὲ λέγεται πρὸς τὴν οἰκουμένην ὅλην καὶ τὰς ἐσχατίας τὰς τοιαύτας, οἷα καὶ ἡ Ἰνδικὴ καὶ ἡ Ἰβηρία, λέγοι ἂν εἰ ἄρα τὴν τοιαύτην ἀπόφασιν. τίς οὖν ἡ πιθανότης τῆς αἰτιολογίας; ἐν γὰρ περιφορᾷ συνεχεῖ τε καὶ ἀδια- 15 λείπτῳ τοῦ ἡλίου τίς ἂν εἴη καταστροφή; τό τε τάχος τῆς παραλλαγῆς πανταχοῦ ἴσον. ἄλλως τε παρὰ τὴν ἐνάργειάν ἐστι, τὰ ἐσχατα τῆς Ἰβηρίας ἢ τῆς Μαυρουσίας τὰ πρὸς δύσιν ξηρὰ λέγειν ἀπάντων μάλιστα· καὶ γὰρ τὸ περιέχον εὐκρατον ἔχει καὶ πλείστων ὑδάτων 20 εὐπορεῖ. εἰ δὲ τὸ καταστρέφειν τοιοῦτον εἴληπται, ὅτι ἐνταῦθα * τὰ ὕστατα τῆς οἰκουμένης ὑπὲρ γῆς γίνε-ται, τί τοῦτο συντείνει πρὸς ξηρασίαν; καὶ γὰρ ἐνταῦθα καὶ ἐν τοῖς ἄλλοις τόποις τῆς οἰκουμένης τοῖς ταυτοκλινέσι τὸν ἴσον διαλιπὼν χρόνον τὸν τῆς νυ- 25 κτὸς ἐπάνεισι πάλιν καὶ θερμαίνει τὴν γῆν.

- 11 Ἔστι δὲ που αὐτόθι καὶ ἀσφάλτου πηγὴ καὶ χαλκωρυχεῖα· καὶ σκορπίων δὲ καὶ πτηνῶν καὶ ἀπτέρων λέγεται πλήθος, μεγέθει δὲ . . . ἑπασπονδύλων, ὁμοίως δὲ καὶ φαλάγγια καὶ μεγέθει καὶ πλήθει διαφέροντα· 30 σαύρας δὲ διπήχεις φασίν. ἐν μὲν οὖν τῇ παρορειῷ λίθους εὐρίσκεσθαι φασὶ τοὺς λυχνίτας καὶ καρχηδο-

νίους λεγομένους· ἐν δὲ τοῖς πεδίοις ὄστρακίων καὶ
 χηραμύδων πλήθος, οἶον ἐν τοῖς περὶ τοῦ Ἀμμωνος
 λόγοις εἰρήκαμεν· καὶ δένδρον δέ ἐστι μελίλκτον κα- C.831
 λούμενον, ἐξ οὗ σκευάζουσιν οἶνον· τινὲς δ' αὐτῶν
 5 καὶ δίκαρπον ἔχουσι τὴν γῆν, καὶ δύο θεριστικὰ καρ-
 ποῦνται, τὰ μὲν θερινὰ τὰ δ' ἑαρινὰ· ἔστι δὲ ἡ καλάμη
 πεντάπηχυς τὸ ὕψος, πάχος δὲ τοῦ μικροῦ δακτύλου,
 τὸν δὲ καρπὸν διακοσιοκαίτετρακοντάχουν ἀποδί-
 δωσι· τοῦ δὲ ἑαρος οὐδὲ σπείρουσιν, ἀλλὰ παλιούροις
 10 συνδεδεμέναις ἐπικαταψήσαντες τὴν χώραν τῷ ἐκπε-
 σόντι στάχυι κατὰ τὸν θερισμὸν ἀρκοῦνται· τελεσι-
 καρπεὶ γάρ τὸν θερινὸν καρπὸν· διὰ δὲ το πλῆθος τῶν
 θηρίων κνημίδας ἔχοντες ἐργάζονται καὶ τᾶλλα δὲ μέρη
 διωθεροῦνται· καθεύδοντες δὲ περιχρίουσι τοὺς κλι-
 15 νόποδας σκορόδοις τῶν σκορπίων χάριν καὶ παλιού-
 ροις περιδοῦσιν.

Ἐν δὲ τῇ παραλίᾳ ταύτῃ πόλις Ἰῶλ ὄνομα, ἣν ἐπι- 12
 κτίσας Ἰούβας ὁ τοῦ Πτολεμαίου πατὴρ μετωνόμασε
 Καισάρειαν, ἔχουσα καὶ λιμένα καὶ πρὸ τοῦ λιμένος
 20 νησίον· μεταξὺ δὲ τῆς Καισαρείας καὶ τοῦ Τρητοῦ μέ-
 γας ἐστὶ λιμὴν, ὃν Σάλδαν καλοῦσι· τοῦτο δ' ἐστὶν
 ὄριον τῆς ὑπὸ τῷ Ἰούβᾳ καὶ τῆς ὑπὸ τοῖς Ῥωμαίοις·
 πολυτρόπως γὰρ οἱ μερισμοὶ γεγέννηται τῆς χώρας,
 ἅτε τῶν νεμομένων αὐτὴν πλειόνων γενομένων καὶ
 25 τῶν Ῥωμαίων ἄλλοι ἄλλως τούτων τοῖς μὲν φίλοις
 χρωμένων, τοῖς δὲ καὶ πολεμίοις, ὥστε καὶ ἀφαιρεῖσθαι
 καὶ χαρίζεσθαι συνέβαινεν ἄλλοις ἄλλα καὶ οὐ τὸν αὐ-
 τὸν τρόπον· ἦν δὲ ἡ μὲν πρὸς τῇ Μαυρουσίᾳ προσοδι-
 κωτέρα τε καὶ δυναμικωτέρα, ἡ δὲ πρὸς τῇ Καρχηδονίᾳ
 30 καὶ τῇ Μασυλιέων ἀνθηροτέρα τε καὶ κατεσκευασμένη
 βέλτιον, καίπερ κεκακωμένη διὰ τὰ Καρχηδόνια τὸ
 πρῶτον, ἔπειτα διὰ τὸν πρὸς Ἰουγούρθαν πόλεμον·

ἐκεῖνος γὰρ Ἀδάρβαλα ἐκπολιορκήσας ἐν Ἰτύκῃ καὶ ἀνελών, φίλον ὄντα Ῥωμαίων, ἐνέπλησε τὴν χώραν πολέμου· εἴτ' ἄλλοι ἐπ' ἄλλοις συνέστησαν πόλεμοι, τελευταῖος δὲ ὁ πρὸς Σκιπίωνα Καῖσαρι τῷ θεῷ συστάς, ἐν ᾧ καὶ Ἰούβας ἀπέθανε· συνηφανίσθησαν δὲ 5 τοῖς ἡγεμόσι καὶ αἱ πόλεις, Τισιαοῦς τε καὶ Θάγα καὶ Θάλα, ἔτι δὲ καὶ Κάψα, τὸ γαζοφυλάκιον τοῦ Ἰουγοῦρθα, καὶ Ζάμα καὶ Ζίγχα καὶ πρὸς αἷς κατεπολέμησε Καῖσαρ Σκιπίωνα ὁ θεός, πρὸς Ρουσπίνῳ μὲν πρῶτον νικῶν, εἶτα πρὸς Οὐξίτοις, εἶτα πρὸς Θάψῳ καὶ τῇ 10 πλησίον λίμνῃ καὶ ταῖς ἄλλαις· πλησίον δὲ καὶ Ζέλλα καὶ Ἀχόλλα, ἐλεύθεραι πόλεις· εἶλε δ' ἐξ ἐφόδου Καῖσαρ τὴν [Κέρκινναν] νῆσον καὶ Θέναν, πολίχνην ἐπιθαλαττιδίαν. τούτων πασῶν αἱ μὲν τελέως ἡφανίσθησαν, αἱ δ' ἡμίσπαστοι κατελείφθησαν· Φαράν δ' οἱ 15 Σκιπίωνος ἱππεῖς ἐνέπρησαν.

C.832

13

Μετὰ δ' οὖν Τρητὸν ἡ Μασυλιέων ἐστὶ καὶ ἡ Καρχηδονίων παραπλησία χώρα. Κίρτα τέ ἐστιν ἐν μεσογαίᾳ, τὸ Μασσανάσσου καὶ τῶν ἐξῆς διαδόχων βασιλειον, πόλις εὐρεκεστάτη καὶ κατεσκευασμένη καλῶς 20 τοῖς πᾶσι καὶ μάλιστα ὑπὸ Μικίψα, ὅστις καὶ Ἑλληνας συνώκισεν ἐν αὐτῇ καὶ τοσαύτην ἐποίησεν ὥστ' ἐκπέμπειν μυρίους ἱππέας, διπλασίους δὲ πεζούς. ἢ τε δὴ Κίρτα ἐνταῦθα καὶ οἱ δύο Ἰππῶνες, ὁ μὲν πλησίον Ἰτύκης ὁ δὲ ἀπωτέρω πρὸς τῷ Τρητῷ μᾶλλον, ἄμφω 25 βασιλεια. ἡ δὲ Ἰτύκη δευτέρα μετὰ Καρχηδόνα τῷ μεγέθει καὶ τῷ ἀξιώματι· καταλυθείσης δὲ Καρχηδόνης ἐκείνη ἦν ὡς ἂν μητρόπολις τοῖς Ῥωμαίοις καὶ ὀρμητήριον πρὸς τὰς ἐν Λιβύῃ πράξεις· ἴδρυνται δ' ἐν αὐτῷ τῷ κόλπῳ τῷ Καρχηδονιακῷ πρὸς θατέρῳ τῶν ἀκρω- 30 τηρίων τῶν ποιούντων τὸν κόλπον, ὧν τὸ μὲν πρὸς τῇ Ἰτύκῃ καλοῦσιν Ἀπολλώνιον, θάτερον δ' Ἑρμαῖαν,

καὶ εἰσὶν ἐν ἐπόψει ἀλλήλαις αἱ πόλεις. ῥεῖ δὲ τῆς Ἰτυ-
κης πλησίον ὁ Βαγράδας ποταμός· εἰσὶ δ' ἀπὸ Τρητοῦ
μέχρι Καρχηδόνος στάδιοι δισχίλιοι πεντακόσιοι· οὔτε
τοῦθ' ὁμολογεῖται δὲ τὸ διάστημα οὔτε τὸ μέχρι Σύρ-
5 τεων.

Καὶ Καρχηδὼν δὲ ἐπὶ χερσονήσου τινὸς ἵδρται, 14
περιγραφούσης κύκλον τριακοσίων ἐξήκοντα σταδίων
ἔχοντα τεῖχος, οὗ τὸ ἐξηκονταστάδιον μῆκος αὐτὸς ὁ
αὐχὴν ἐπέχει, καθήκον ἀπὸ θαλάττης ἐπὶ θάλατταν,
10 ὅπου τοῖς Καρχηδουίοις ἦσαν αἱ τῶν ἐλεφάντων στά-
σεις, τόπος εὐρυχωρής. κατὰ μέσσην δὲ τὴν πόλιν ἡ
ἀκρόπολις ἦν ἐκάλουν Βύρσαν, ὀφρὺς ἱκανῶς ὀρθία,
κύκλῳ περιτοιкуμένη, κατὰ δὲ τὴν κορυφὴν ἔχουσα
Ἀσκληπιεῖον, ὅπερ κατὰ τὴν ἄλωσιν ἡ γυνὴ τοῦ
15 Ἀσδρούβα συνέπρησεν αὐτῇ. ὑπόκεινται δὲ τῇ ἀκρο-
πόλει οἱ τε λιμένες καὶ ὁ Κώθων, νησίον περιφερὲς
εὐρίπῳ περιεχόμενον, ἔχοντι νεωσοίκους ἐκατέρωθεν
κύκλῳ.

Κτίσμα δ' ἐστὶ Λιδουῶς ἀγαγούσης ἐκ Τύρου λαόν· 15
20 οὕτω δ' εὐτυχῆς ἡ ἀποικία τοῖς Φοίνιξιν ὑπῆρξε καὶ
αὕτη καὶ ἡ μέχρι τῆς Ἰβηρίας τῆς τε ἄλλης καὶ τῆς ἕξω
στηλῶν ὥστε τῆς Εὐρώπης ἔτι νῦν τὴν ἀρίστην νέμον-
ται Φοίνικες κατὰ τὴν ἡπειρον καὶ τὰς προσεχεῖς νή-
σους, τὴν τε Λιβύην κατεκτήσαντο πᾶσαν, ὅσον μὴ
25 νομαδικῶς οἷόν τ' ἦν οἰκεῖν. ἀφ' ἧς δυνάμεως πόλιν
τε ἀντίπαλον τῇ Ῥώμῃ κατεσκευάσαντο καὶ τρεῖς ἐπο-
λέμησαν μεγάλους πρὸς αὐτοὺς πολέμους. γένοιτο δ'
ἂν εὐδηλος ἡ δύναμις αὐτῶν ἐκ τοῦ ὑστάτου πολέμου,
ἐν ᾧ κατελύθησαν ὑπὸ Σκιπίωνος τοῦ Αἰμιλιανοῦ, καὶ
30 ἡ πόλις ἄρδην ἠφανίσθη. ὅτε γὰρ ἤρξαντο πολεμεῖν C.833

τοῦτον τὸν πόλεμον, πόλεις μὲν εἶχον τριακοσίας ἐν τῇ
 Λιβύῃ, ἀνθρώπων δ' ἐν τῇ πόλει μυριάδας ἐβδομή-
 κοντα· πολιορκούμενοι δὲ καὶ ἀναγκασθέντες τραπέ-
 σθαι πρὸς ἑνδοσιν πανοπλιῶν μὲν ἔδοσαν μυριάδας
 εἴκοσι καταπελτικά δὲ ὄργανα τρισχίλια, ὥς οὐ πολέ- 5
 μηθησόμενοι. κριθέντος δὲ πάλιν τοῦ ἀναπολεμεῖν,
 ἑξαίφνης ὀπλοποιίαν συνεστήσαντο, καὶ ἐκάστης ἡμέ-
 ρας ἀνεφέροντο θυρεοὶ μὲν ἑκατὸν καὶ τετταράκοντα
 πεπηγότες, μάχαιραι δὲ τριακόσiai καὶ λόγχαι πεντα-
 κόσiai, χίλια δὲ βέλη καταπελτικά, τρίχα δὲ τοῖς κατα- 10
 πέλταις αἱ θεράπαιναι παρεῖχον· ἔτι τοίνυν ναῦς ἔχον-
 τες δῶδεκα ἐξ ἑτῶν πεντήκοντα κατὰ τὰς ἐν τῷ δευτέρῳ
 πολέμῳ συνθήκας, τότε καίπερ ἤδη συμπεφευγότες εἰς
 τὴν Βύρσαν ἐν διμήνῳ κατεσκευάσαντο ναῦς ἑκατὸν
 εἴκοσι καταφράκτους, καὶ τοῦ στόματος τοῦ Κώθωνος 15
 φρουρουμένου διώρυξαν ἄλλο στόμα, καὶ προῆλθεν
 αἰφνιδίως ὁ στόλος· ὕλη γὰρ ἦν ἀποκειμένη παλαιὰ
 καὶ τεχνιτῶν πλῆθος προσεδρεῦον καὶ σιταρχούμενον
 δημοσίᾳ. τοιαύτη δ' οὖσα Καρχηδὼν ὅμως ἐάλω καὶ
 κατεσκάφη. τὴν δὲ χώραν τὴν μὲν ἐπαρχίαν ἀπέδειξαν 20
 Ῥωμαῖοι τὴν ὑπὸ τοῖς Καρχηδονίοις, τῆς δὲ Μασσανάσ-
 σην ἀπέδειξαν κύριον καὶ τοὺς ἀπογόνους τοὺς περὶ
 Μικίψαν. μάλιστα γὰρ ἐσπουδάσθη παρὰ τοῖς Ῥω-
 μαίοις ὁ Μασσανάσσης δι' ἀρετὴν καὶ φιλίαν· καὶ γὰρ
 δὴ καὶ οὗτός ἐστιν ὁ τοὺς νομάδας πολιτικούς κατα- 25
 σκευάσας καὶ γεωργούς, ἔτι δ' ἀντὶ τοῦ ληστεύειν δι-
 δάξας στρατεύειν. ἰδιον γὰρ τι τοῖς ἀνθρώποις συνέβη
 τούτοις· χώραν γὰρ οἰκοῦντες εὐδαίμονα πλὴν τοῦ
 θηρίοις πλεονάζειν, ἐάσαντες ἐκφέρειν ταῦτα καὶ τὴν
 γῆν ἐργάζεσθαι μετὰ ἀδείας ἐπ' ἀλλήλοις ἐτρέποντο, 30
 τὴν δὲ γῆν τοῖς θηρίοις ἀφείσαν. οὕτω δ' αὐτοῖς συνέ-
 βαινε πλάνητα καὶ μετανάστην· βίον ξῆν μὴδὲν ἤττον

τῶν ὑπὸ ἀπορίας καὶ λυπρότητος τόπων ἢ ἀέρων εἰς τοῦτο περισταμένων τῶν βίων, ὥστε καὶ ἴδιον τοῦθ' εὗρίσκεσθαι τοῦνομα τοὺς Μασαισυλλούς· καλοῦνται γὰρ Νομάδες. ἀνάγκη δὲ τοὺς τοιούτους εὐτελεῖς εἶναι
 5 τοῖς βίοις καὶ τὸ πλεόν ριζοφάγους ἢ κρεοφάγους, γάλακτι δὲ καὶ τυρῷ τρεφομένους. ἡρημωμένης δ' οὖν ἐπὶ πολὺν χρόνον τῆς Καρχηδόνος, καὶ σχεδόν τι τὸν αὐτὸν χρόνον ὄνπερ καὶ Κόρινθος, ἀνελήφθη πάλιν περὶ τοὺς αὐτοὺς πῶς χρόνους ὑπὸ Καίσαρος τοῦ θεοῦ
 10 πέμψαντος ἐποίκους Ῥωμαίων τοὺς προαιρουμένους καὶ τῶν στρατιωτῶν τινας, καὶ νῦν εἰ τις ἄλλη καλῶς οἰκεῖται τῶν ἐν Λιβύῃ πόλεων.

Διάπλους δ' ἐστὶν ἐκ Καρχηδόνος ἐξήκοντα στα-
 δίων εἰς τὴν προσεχῆ περαίαν, ὅθεν εἰς Νέφεριν ἀνά-
 15 βασίς σταδίων ἑκατὸν εἰκοσι, πόλιν ἐρυμνὴν ἐπὶ πέτρᾳ ὠκισμένην. ἐν αὐτῷ δὲ τῷ κόλπῳ ἐν ᾧ περ καὶ ἡ Καρχηδὼν, Τύνις ἐστὶ πόλις καὶ θεορμαὶ καὶ λατομίαι τινές· εἰδ' ἡ Ἑρμαῖα ἄκρα τραχεῖα καὶ ἐπ' αὐτῇ πόλις ὁμώνυμος· εἰτα Νεάπολις· εἰτ' ἄκρα Ταφίτις, καὶ ἐπ'
 20 αὐτῇ λόφος Ἀσπίς καλούμενος ἀπὸ τῆς ὁμοιότητος, ὄνπερ συνώκισεν ὁ τῆς Σικελίας τύραννος Ἀγαθοκλῆς καθ' ὃν καιρὸν ἐπέπλευσε τοῖς Καρχηδονίοις· συγκα-
 τεσπάσθησαν δὲ τῇ Καρχηδονίᾳ ὑπὸ Ῥωμαίων αἱ πό-
 λεις αὗται. ἀπὸ δὲ τῆς Ταφίτιδος ἐν τετρακοσίοις στα-
 25 δίοις νῆσός ἐστι Κόσσυρος κατὰ Σελινούντα τῆς Σικελίας ποταμόν, καὶ πόλιν ἔχουσα ὁμώνυμον, ἑκατὸν

12. post πόλεων: Κατὰ μέσον δὲ τὸ στόμα τοῦ Καρχηδονίου κόλπου νῆσός ἐστι Κόσσυρα. ἀντίπορθμος δ' ἐστὶν ἡ Σικελία τοῖς τόποις τούτοις ἢ κατὰ Αἰλύβαιον, ὅσον ἐν διαστήματι χιλίων καὶ πεντακοσίων σταδίων· τοσούτον γὰρ φασὶ τὸ ἐκ Αἰλυβαίου μέχρι Καρχηδόνης· οὐ πολὺ δὲ τῆς Κόσσουρας διέχουσιν οὐδὲ τῆς Σικελίας ἄλλαι τε νῆσοι καὶ Αἰγύ-
 μουρος.

καὶ πεντήκοντα σταδίων οὕσα την περίμετρον, διέ-
 χουσα τῆς Σικελίας περὶ ἑξακοσίους σταδίους· ἔστι δὲ
 καὶ Μελλίτη νῆσος ἐν πεντακοσίοις σταδίοις ἀπὸ τῆς
 Κοσσούρου. εἴτα Ἀδρύμης πόλις, ἐν ᾗ καὶ νεώρια ἦν·
 εἶθ' αἱ Ταριχεαὶ λεγόμεναι, νησία πολλὰ καὶ πυκνά· 5
 εἴτα Θάψος πόλις, καὶ μετὰ ταύτην νῆσος πελαγία Λο-
 παδοῦσσα· εἴτα ἄκρα Ἀμυωνος Βαλίθωνος, πρὸς
 ἣ θυννοσκοπεῖον· εἴτα Θένα πόλις παρὰ τὴν ἀρχὴν
 κειμένη τῆς μικρᾶς σύρτεως· πολλαὶ δ' εἰσὶ καὶ ἄλλαι
 μεταξὺ πολίχναι οὐκ ἄξιαι μνήμης· παράκειται δὲ τῇ 10
 ἀρχῇ τῆς σύρτεως νῆσος παραμήκης ἡ Κέρκιννα εὐ-
 μεγέθης ἔχουσα ὁμώνυμον πόλιν, καὶ ἄλλη ἐλάττων
 Κερκιννῆτις.

- 17 Συνεχῆς δ' ἐστὶν ἡ μικρὰ σύρτις, ἣν καὶ Λωτοφα-
 γίτιν σύρτιν λέγουσιν. ἔστι δ' ὁ μὲν κύκλος τοῦ κόλ- 15
 που τούτου σταδίων χιλίων ἑξακοσίων, τὸ δὲ πλάτος
 τοῦ στόματος ἑξακοσίων· καθ' ἑκατέραν [δὲ] τὴν ἄκραν
 τὴν ποιοῦσαν τὸ στόμα προσεχεῖς εἰσὶ τῇ ἡπείρῳ νῆσοι,
 ἥ τε λεχθεῖσα Κέρκιννα καὶ ἡ Μῆνιγξ, πάρισοι τοῖς
 μεγέθεσι. τὴν δὲ Μήνιγγα νομίζουσιν εἶναι τὴν τῶν 20
 Λωτοφάγων γῆν τὴν ὑπ' Ὀμήρου λεγομένην, καὶ δεί-
 κνυταὶ τινα σύμβολα, καὶ βωμὸς Ὀδυσσέως καὶ αὐτὸς
 ὁ καρπός· πολὺ γάρ ἐστι τὸ δένδρον ἐν αὐτῇ τὸ κα-
 λούμενον λωτόν, ἔχον ἥδιστον καρπὸν· πλείους δ'
 εἰσὶν ἐν αὐτῇ πολίχναι, μία δ' ὁμώνυμος τῇ νήσῳ· καὶ 25
 C.835 ἐν αὐτῇ δὲ τῇ σύρτει πολίχναι τινές εἰσι. κατὰ δὲ τὸν
 μυχὸν ἔστι παμμέγεθες ἐμπόριον, ποταμὸν ἔχον ἐμ-
 βάλλοντα εἰς τὸν κόλπον, διατείνει δὲ μέχρι δεῦρο τὰ
 τῶν ἀμπώτεων πάθη καὶ τῶν πλημμυρίδων, καθ' ὃν
 καιρὸν ἐπὶ τὴν θήραν τῶν ἰχθύων ἐπιπηδῶσιν οἱ 30
 πρόσχωροι κατὰ σπουδὴν θέοντες.

- 18 Μετὰ δὲ τὴν σύρτιν Ζοῦχίς ἔστι λίμνη σταδίων

- τετρακοσίων στενὸν ἔχουσα εἰσπλουν καὶ παρ' αὐτὴν
 πόλις ὁμώνυμος πορφυροβαφεῖα ἔχουσα καὶ ταριχείας
 παντοδαπὰς· εἴτ' ἄλλη λίμνη πολὺ ἐλάττων· καὶ μετὰ
 ταύτην Ἀβρότονον πόλις καὶ ἄλλαι τινές, συνεχῶς δὲ
 5 Νεάπολις, ἣν καὶ Λέπτιν καλοῦσιν· ἐντεῦθεν δ' ἐστὶ
 διάγραμμα τὸ Λοκρῶν τῶν Ἐπιζεφυρίων τρισχίλιοι ἑξα-
 κόσιοι στάδιοι. ἑξῆς δ' ἐστὶ [Κίνυψ] ποταμός· καὶ
 μετὰ ταῦτα διατείχισμά τι, ὃ ἐποίησαν Καρχηδόνιοι
 γεφυροῦντες βάραθρά τινα εἰς τὴν χώραν ἀνέχοντα·
 10 εἰσὶ δὲ καὶ ἀλλίμενοί τινες ἐνταῦθα τόποι, τῆς ἄλλης
 παραλίας ἐχούσης λιμένας· εἴτ' ἄκρα ὑψηλὴ καὶ ὑψώ-
 δης, ἀρχὴ τῆς μεγάλης σύρτεως, καλοῦσι δὲ Κεφαλὰς·
 εἰς ταύτην δὲ τὴν ἄκραν ἐκ Καρχηδόνος στάδιοι εἰσι
 μικρῷ πλείους τῶν πεντακισχιλίων.
 15 Ὑπέρκειται δὲ τῆς ἀπὸ Καρχηδόνος παραλίας 19
 μέχρι Κεφαλῶν καὶ μέχρι τῆς Μασαισυλίων ἢ τῶν Λι-
 βοφοινίκων γῆ μέχρι τῆς τῶν Γαιτούλων ὄρεινῆς ἥδη
 Λιβυκῆς οὐσῆς. ἥ δ' ὑπὲρ τῶν Γαιτούλων ἐστὶν ἡ τῶν
 Γαραμάντων γῆ παράλληλος ἐκείνῃ, ὅθεν οἱ καρχη-
 20 δόνιοι κομίζονται λίθοι· τοὺς δὲ Γαράμαντας ἀπὸ τῶν
 Αἰθιοπῶν τῶν παρωκεανιτῶν ἀφρεστάναι φασὶν ἡμε-
 ρῶν ἐννέα ἢ καὶ δέκα ὁδόν, τοῦ δὲ Ἀμμωνος καὶ πεν-
 τεκαίδεκα. μετὰξὺ δὲ τῆς Γαιτούλων καὶ τῆς ἡμετέρας
 παραλίας πολλὰ μὲν πεδία, πολλὰ δὲ ὄρη καὶ λίμναι
 25 μεγάλαι καὶ ποταμοί, ὧν τινες καὶ καταδύντες ὑπὸ γῆς
 ἀφανεῖς γίνονται· λιτοὶ δὲ σφόδρα τοῖς βίοις εἰσὶ καὶ
 τῷ κόσμῳ, πολυγύναικες δὲ καὶ πολὺπαιδες, τᾶλλα δὲ
 ἐμφερεῖς τοῖς νομάσι τῶν Ἀράβων· καὶ ἵπποι δὲ καὶ
 βόες μακροτραχηλότεροι τῶν παρ' ἄλλοις· ἱπποφόρ-
 30 βια δ' ἐστὶν ἐσπουδασμένα διαφερόντως τοῖς βασιλεῦ-

σιν, ὥστε καὶ ἀριθμὸν ἐξετάζεσθαι πώλων κατ' ἔτος εἰς μυριάδας δέκα. τὰ δὲ πρόβατα γάλακτι καὶ κρέασιν ἐκτρέφεται, καὶ μάλιστα πρὸς τοῖς Αἰθίοψι. τοιαῦτα μὲν τὰ ἐν τῇ μεσογαίᾳ.

20 Ἡ δὲ μεγάλη σύρτις τὸν μὲν κύκλον ἔχει σταδίων 5

[τρισχιλίων] ἐνακοσίων τριακοντά που, τὴν δ' ἐπὶ τὸν μυχὸν διάμετρον χιλίων πεντακοσίων, τοσοῦτον δέ που καὶ τὸ τοῦ στόματος πλάτος. ἡ χαλεπότης δὲ καὶ ταύτης τῆς σύρτεως καὶ τῆς μικρᾶς ὅτι πολλαχοῦ τενα-

C.836 γῶδης ἐστὶν ὁ βυθὸς καὶ κατὰ τὰς ἀμπώτεις καὶ τὰς 10

πλημμυρίδας συμβαίνει τισὶν ἐμπίπτειν εἰς τὰ βράχη καὶ καθίζειν, σπάνιον δ' εἶναι τὸ σωζόμενον σκάφος. διόπερ πόρρωθεν τὸν παράπλουν ποιοῦνται φυλαττόμενοι μὴ ἐμπέσοιεν εἰς τοὺς κόλπους ὑπ' ἀνέμων ἀφύλακτοι ληφθέντες· τὸ μέντοι παρακίνδυνον τῶν ἀν- 15

θρώπων ἀπάντων διαπειρᾶσθαι ποιεῖ, καὶ μάλιστα τῶν παρὰ γῆν παράπλων. εἰσπλέοντι δὴ τὴν μεγάλην σύρτιν ἐν δεξιᾷ μετὰ τὰς Κεφαλαὺς ἐστὶ λίμνη τριακοσίων που σταδίων τὸ μῆκος ἐβδομήκοντα δὲ τὸ πλάτος, ἐκδιδοῦσα εἰς τὸν κόλπον, ἔχουσα καὶ νησία καὶ 20 ὕφορμον πρὸ τοῦ στόματος. μετὰ δὲ τὴν λίμνην τόπος ἐστὶν Ἀσπίς καὶ λιμὴν κάλλιστος τῶν ἐν τῇ σύρτει. συνεχὴς δὲ ὁ Εὐφράντας πύργος ἐστίν, ὅριον τῆς πρό-

τερον Καρχηδονίας γῆς καὶ τῆς Κυρηναίας τῆς ὑπὸ Πτολεμαίῳ· εἴτ' ἄλλος τόπος Χάραξ καλούμενος, ὃ 25

ἐμπορίᾳ ἐχρῶντο Καρχηδόνιοι κομίζοντες οἶνον, ἀντιφορτιζόμενοι δὲ ὀπὸν καὶ σίλφιον παρὰ τῶν ἐκ Κυρήνης λάθρα παρακομίζοντων· εἴθ' οἱ Φιλαίνων βωμοί· καὶ μετὰ δὲ τούτους Ἀυτόμαλα φρούριον φυλακὴν ἔχον, ἰδρυμένον κατὰ τὸν μυχὸν τοῦ κόλπου παντός. 30

ἐστὶ δ' ὁ διὰ τοῦ μυχοῦ τούτου παράλληλος τοῦ μὲν δι' Ἀλεξανδρείας μικρῷ νοτιώτερος χιλίοις σταδίοις, τοῦ

- δὲ διὰ Καρχηδόνοιο ἐλάττωσιν ἢ διςχιλίαις· πίπτοι δ' αὖ τῇ μὲν καθ' Ἡρώων πόλιν τὴν ἐν τῷ μυχῷ τοῦ Ἀραβίου κόλπου, τῇ δὲ κατὰ τὴν μεσόγαιαν τῶν Μασισυλίων καὶ τῶν Μαυρουσίων· ὅπου τὸ λειπόμενον 5 ἤδη τῆς παραλίας ἐστὶν εἰς πόλιν Βερενίκην σταδίοι χίλιοι πεντακόσιοι. ὑπέγκεινται δὲ τοῦ μήκου τοῦδε παρήκοντες καὶ μέχρι τῶν Φιλαίνου βωμῶν οἱ προσγορευόμενοι Νασαμαῶνες, Λιβυκὸν ἔθνος· ἔχει δὲ το μεταξὺ διάστημα καὶ λιμένας οὐ πολλοὺς ὑδρεῖά τε 10 σπάνια. ἔστι δὲ ἄκρα λεγομένη Ψευδοπενιάς, ἐφ' ἧς ἡ Βερενίκη τὴν θέσιν ἔχει παρὰ λίμνην τινὰ Τριτωνίδα, ἐν ἣ μάλιστα νησίον ἐστὶ καὶ λερὸν τῆς Ἀφροδίτης ἐν αὐτῷ· ἔστι δὲ καὶ λίμνη Ἐσπερίδων, καὶ ποταμὸς ἐμβάλλει Λάθων. ἐνδοτέρω δὲ τῆς Βερενίκης ἐστὶ τὸ 15 μικρὸν ἀκρωτήριον λεγόμενον Βόρειον ὃ ποιεῖ τὸ στόμα τῆς σύρτεωσ πρὸς τὰς Κεφαλὰς· κεῖται δὲ ἡ Βερενίκη κατὰ τὰ ἄκρα τῆς Πελοποννήσου, κατὰ τὸν καλούμενον Ἰχθύνη [καὶ τὸν Χελωνάταν,] καὶ ἔτι κατὰ τὴν Ζάκυνθον, ἐν διάρματι σταδίων τρισχιλίων ἑξακοσίων. ἐκ ταύτης 20 τῆς πόλεωσ τριακοσταίος πεζῇ περιώδευσε τὴν σύρτιν Μάρκος Κάτων, κατὰ γων στρατιὰν πλειόνων ἢ μυρίων ἀνδρῶν, εἰς μέρη διελὼν τῶν ὑδρείων χάριν· ὥδευσε δὲ πεζὸς ἐν ἄμμῳ βαθείᾳ καὶ καύμασι. μετὰ δὲ Βερενίκην πόλις ἐστὶ Ταύχειρα ἣν καὶ Ἀρσινόην καλοῦσιν· 25 εἴθ' ἡ Βάρκη πρότερον, νῦν δὲ Πτολεμαῖς· εἶτα Φυ-0.837 κοῦς ἄκρα, ταπεινὴ μὲν πλεῖστον δ' ἐκκειμένη πρὸς ἄρκτον παρὰ τὴν ἄλλην τὴν Λιβυκὴν παραλίαν· κεῖται δὲ κατὰ Ταίναρον τῆς Λακωνικῆς ἐν διάρματι διςχιλίων ὀκτακοσίων σταδίων· ἔστι δὲ καὶ πολίχνιον ὁμώνυμον

5. post σταδίοι: ἐννακισ 6. post τοῦδε: πλάτους 22. ante εἰς: ὃ

- τῇ ἄκρῳ. οὐ πολὺ δὲ τοῦ Φυκοῦντος ἀπέχει τὸ τῶν Κυρηναίων ἐπίνειον ἢ Ἀπολλωνία, ὅσον ἑκατὸν καὶ ἑβδομήκοντα σταδίοις, τῆς δὲ Βερενίκης χιλίοις, τῆς δὲ Κυρήνης ὀγδοήκοντα, πόλεως μεγάλης ἐν τραπεζοειδεὶ πεδίῳ κειμένης, ὡς ἐκ τοῦ πελάγους ἑωρῶμεν αὐτήν. 5
- 21 ἔστι δὲ Θηραίων κτίσμα, Λακωνικῆς νήσου, ἣν καὶ Καλλίστην ὠνόμαζον τὸ παλαιόν, ὥς φησι καὶ Καλλίμαχος „Καλλίστη τὸ πάροιθε, τὸ δ' ὕστερον οὐνόμα „Θήρη, μήτηρ εὐίππου πατρίδος ἡμετέρης.“ κεῖται δὲ τὸ τῶν Κυρηναίων ἐπίνειον κατὰ τὸ ἐσπέρειον τῆς 10 Κρήτης ἄκρον, τὸ τοῦ Κριοῦ μέτωπον, ἐν διάρματι [δισ]χιλίων σταδίων· ὁ δὲ πλυῦς λευκονότῳ. λέγεται δὲ ἡ Κυρήνη κτίσμα Βάττου· πρόγονον δὲ τοῦτον ἑαυτοῦ φάσκει Καλλίμαχος· ἠϋξήθη δὲ διὰ τὴν ἀρετὴν τῆς χώρας· καὶ γὰρ ἵπποτρόφος ἐστὶν ἀρίστη καὶ καλ- 15 λίκαρπος, καὶ πολλοὺς ἄνδρας ἀξιολόγους ἔσχε καὶ δυναμένους ἐλευθερίας ἀξιολόγως μροῖστασθαι καὶ πρὸς τοὺς ὑπερκειμένους βαρβάρους ἰσχυρῶς ἀντέχειν. τὸ μὲν οὖν παλαιὸν αὐτόνομος ἦν ἡ πόλις· εἶτα οἱ τὴν Αἴγυπτον κατασχόντες Μακεδόνες αὐξηθέντες ἐπέ- 20 θεντο αὐτοῖς, ἀρξάντων τῶν περὶ Θίβρων τῶν ἀνελόντων τὸν Ἀρπαλον. βασιλευθέντες δὲ χρόνους τινὰς εἰς τὴν Ῥωμαίων ἐξουσίαν ἦλθον, καὶ νῦν ἐστὶν ἐπαρχία τῇ Κρήτῃ συνευγμένη· τῆς δὲ Κυρήνης ἐστὶ πε- 25 ριπόλια ἢ τε Ἀπολλωνία καὶ ἡ Βάρκη καὶ ἡ Ταύχειρα
- 22 καὶ Βερενίκη καὶ τὰ ἄλλα πολίχνια τὰ πλησίον. ὁμορεῖ δὲ τῇ Κυρηναίᾳ ἡ τὸ σίλφιον φέρουσα καὶ τὸν ὕπὸν τὸν Κυρηναῖον, ὃν ἐκφέρει τὸ σίλφιον ὀπισθέν· ἐγγὺς δ' ἦλθε τοῦ ἐκλιπεῖν ἐπελθόντων τῶν βαρβάρων κατὰ ἑχθραν τινὰ καὶ φθειράντων τὰς ρίζας τοῦ φυτοῦ· 30 εἰσὶ δὲ νομάδες.

Ἄνδρες δ' ἐγένοντο γνῶριμοὶ Κυρηναῖοι Ἀρίστιπ-

πός τε ὁ Σωκρατικός, ὅστις καὶ τὴν Κυρηναϊκὴν κατε-
 βάλετο φιλοσοφίαν, καὶ θυγάτηρ Ἀρήτη τοῦνομα, ἥπερ
 διεδέξατο τὴν σχολήν, καὶ ὁ ταύτην πάλιν διαδεξάμε-
 νος υἱὸς Ἀρίστιππος ὁ κληθεὶς Μητροδίδακτος, καὶ
 5 Ἀννίκερις ὁ δοκῶν ἐπανορθῶσαι τὴν Κυρηναϊκὴν αἵ-
 ρεσιν καὶ παραγαγεῖν αὐτ' αὐτῆς τὴν Ἀννικερσίαν.
 Κυρηναῖος δ' ἐστὶ καὶ Καλλίμαχος καὶ Ἐρατοσθένης, C.838
 ἀμφοτέρωτεροι τετιμημένοι παρὰ τοῖς Αἰγυπτίων βασιλεῦ-
 σιν, ὁ μὲν ποιητὴς ἅμα καὶ περὶ γραμματικὴν ἐσπου-
 10 δακώς, ὁ δὲ καὶ ταῦτα καὶ περὶ φιλοσοφίαν καὶ τὰ μα-
 θήματα εἴ τις ἄλλος διαφέρων. ἀλλὰ μὴν καὶ Καρνεά-
 δης (οὗτος δὲ τῶν ἐξ Ἀκαδημίας ἄριστος φιλοσόφων
 ὁμολογεῖται) καὶ ὁ Κρόνος δὲ Ἀπολλώνιος ἐκείθεν
 ἐστίν, ὁ τοῦ διαλεκτικοῦ Διοδώρου διδάσκαλος τοῦ καὶ
 15 αὐτοῦ Κρόνου προσαγορευθέντος, μετενεγκάντων τι-
 νῶν τὸ τοῦ διδασκάλου ἐπίθετον ἐπὶ τὸν μαθητὴν.
 Μετὰ δὲ τὴν Ἀπολλωνίαν ἐστὶν ἡ λοιπὴ τῶν Κυρη-
 ναίων παραλία μέχρι Καταβαθμοῦ σταδίων δισχιλίων
 διακοσίων, οὐ πάνυ εὐπαράπλους· καὶ γὰρ λιμένες
 20 ὀλίγοι καὶ ὕφορμοι καὶ κατοικίαι καὶ ὕδρεϊα. τῶν δὲ μάλ-
 λιστα ὀνομαζομένων κατὰ τὸν παράπλου τόπων τό τε
 Ναύσταθμόν ἐστι καὶ τὸ Ζεφύριον πρόσορμον ἔχον καὶ
 ἄλλο Ζεφύριον καὶ ἄκρα Χερρόνησος λιμένα ἔχουσα·
 κεῖται δὲ κατὰ * Κύκλον τῆς Κρήτης ἐν διάρματι χιλίων
 25 καὶ πεντακοσίων σταδίων νότῳ· εἴτα Ἡράκλειόν τι
 ἰερόν καὶ ὑπὲρ αὐτοῦ κώμη Παλίουρος· εἴτα λιμὴν Με-
 νέλαος καὶ Ἀρδανὶς ἄκρα ταπεινὴ ὕφορμον ἔχουσα·
 εἴτα μέγας λιμὴν καθ' ὃν ἡ ἐν τῇ Κρήτῃ Χερρόνησος
 ἵδρυνται, δισχιλίων πού σταδίων διάρμα ἀπολείπουσα
 30 μεταξὺ· ὅλη γὰρ σχεδόν τι τῇ παραλίᾳ ταύτῃ ἀντίκει-
 ται παράλληλος ἡ Κρήτη στενὴ καὶ μακρά. μετὰ δὲ τὸν
 μέγαν λιμένα ἄλλος λιμὴν Πλυνός, καὶ ὑπὲρ αὐτοῖ

Τετραπυργία. καλεῖται δὲ ὁ τόπος Κατάβαθμος· μέχρι δεῦρο ἢ Κυρηναία. τὸ δὲ λοιπὸν ἤδη μέχρι Παραιτονίου ἀκαθεῖθεν εἰς Ἀλεξάνδρειαν εἰρηται ἡμῖν ἐν τοῖς Αἰγυπτιακοῖς.

- 23 Τὴν δ' ὑπερκείμενην ἐν βάθει χώραν τῆς σύρτεως ὅ καὶ τῆς Κυρηναίας κατέχουσιν οἱ Αἰβυες, παράλυπρον καὶ ἀνυμηράν· πρῶτοι μὲν οἱ Νασαμῶνες, ἔπειτα Ψύλλοι καὶ τινες Γαίτουλοι, ἔπειτα Γαράμαντες· πρὸς ἑω δ' ἔτι μᾶλλον οἱ Μαρμαρίδαι, προσχωροῦντες ἐπὶ πλεον τῇ Κυρηναίᾳ καὶ παρατείνοντες μέχρι Ἀμμωνος. 10 τετραταίους μὲν οὖν φασιν ἀπὸ τοῦ μυχοῦ τῆς μεγάλης σύρτεως τοῦ κατ' Αὐτόμαλά πως βαδίζοντας ὡς ἐπὶ χειμερινὰς ἀνατολὰς [εἰς Αὐγίλα] ἀφικνεῖσθαι. ἔστι δὲ ὁ τόπος οὗτος ἐμφερὲς τῷ Ἀμμωνι, φοινικοτρόφος τε καὶ εὐνδρος, ὑπέρεκειται δὲ τῆς Κυρηναίας πρὸς 15 μεσημβρίαν· μέχρι μὲν σταδίων ἑκατὸν καὶ δενδροφόρος ἐστὶν ἢ γῆ, μέχρι δ' ἄλλων ἑκατὸν σπείρεται μόνον, [οὐκ] ὀρυζοτροφεῖ δ' ἢ γῆ διὰ τὸν ἀνυμὸν. ὑπὲρ δὲ τούτων ἢ τὸ σίλφιον [φέρουσα] ἐστίν· εἰθ' ἢ αὐοίκη-
0.839τος καὶ ἢ τῶν Γαραμάντων· ἔστι δ' ἢ τὸ σίλφιον φέ- 20 ρουσα στενὴ καὶ παραμήκης καὶ παράξηρος, μῆκος μὲν ὡς ἐπὶ τὰς ἀνατολὰς ἰόντι ὅσον σταδίων χιλίων, πλάτος δὲ τριακοσίων ἢ μικρῷ πλειόνων τό γε γνώριμον. εἰκάξειν μὲν γὰρ ἅπασαν πάρεστι διηνεκῶς τὴν ἐπὶ τοῦ αὐτοῦ παραλλήλου κειμένην τοιαύτην εἶναι κατὰ 25 τε τοὺς ἀέρας καὶ τὴν τοῦ φυτοῦ φοράν· ἐπεὶ δ' ἐμπύπτουσιν ἐρημίαι πλείους, [οὐ] τοὺς πάντας τόπους ἴσμεν· παραπλησίως δ' ἀγνοεῖται καὶ τὰ ὑπὲρ τοῦ Ἀμμωνος καὶ τῶν ἀνάσεων μέχρι τῆς Αἰθιοπίας. οὐδ' ἂν ἔχοιμεν λέγειν τοὺς ὅρους οὔτε τῆς Αἰθιοπίας οὔτε 30

τῆς Λιβύης, ἀλλ' οὐδὲ τῆς πρὸς Αἰγύπτῳ τρανωῶς, μὴ
τί γε τῆς πρὸς τῷ ὠκεανῷ.

Τὰ μὲν οὖν μέρη τῆς καθ' ἡμᾶς οἰκουμένης οὕτω 24
διάκειται· ἐπεὶ δ' οἱ Ῥωμαῖοι τὴν ἀρίστην αὐτῆς καὶ
5 γνωριμωτάτην κατέχουσιν, ἅπαντας ὑπερβεβλημένοι
τοὺς πρότερον ἡγεμόνας ὧν μνήμην ἴσμεν, ἄξιον διὰ
βραχέων καὶ τὰ τούτων εἰπεῖν. ὅτι μὲν οὖν ἐκ μιᾶς
ὁρμηθέντες πόλεως τῆς Ῥώμης ἅπασαν τὴν Ἰταλίαν
ἔσχον διὰ τὸ πολεμεῖν καὶ πολιτικῶς ἄρχειν εἴρηται,
10 καὶ διότι μετὰ τὴν Ἰταλίαν τὰ κύκλῳ προσεκλήσαντο
τῇ αὐτῇ ἀρετῇ χρώμενοι. τριῶν δὲ ἡπείρων οὐσῶν τὴν
μὲν Εὐρώπην σχεδόν τι πᾶσαν ἔχουσι πλὴν τῆς ἔξω
τοῦ Ἰστροῦ καὶ τῶν μεταξὺ τοῦ Ῥήνου καὶ τοῦ Τανάι-
δος παρωκεανιτῶν, τῆς δὲ Λιβύης ἡ καθ' ἡμᾶς παραλία
15 πᾶσα ὑπ' αὐτοῖς ἐστίν, ἡ δὲ ἄλλη ἀοίκητος ἐστίν ἢ λυ-
πρῶς καὶ νομαδικῶς οἰκεῖται. ὁμοίως δὲ καὶ τῆς Ἀσίας
ἡ καθ' ἡμᾶς παραλία πᾶσα ὑποχείριός ἐστιν, εἰ μὴ τις
τὰ τῶν Ἀχαιῶν καὶ Ζυγῶν καὶ Ἡνιόχων ἐν λόγῳ τίθε-
ται, ληστρικῶς καὶ νομαδικῶς ζώντων ἐν στενοῖς καὶ
20 λυπροῖς χωρίοις. τῆς δὲ μεσογαίας καὶ τῆς ἐν βάθει
τὴν μὲν ἔχουσιν αὐτοί, τὴν δὲ Παρθυαῖοι καὶ οἱ ὑπὲρ
τούτων βάρβαροι, πρὸς τε ταῖς ἀνατολαῖς καὶ ταῖς ἄρ-
κτοῖς Ἰνδοὶ καὶ Βάκτριοι καὶ Σκύθαι, εἴτ' Ἀραβες καὶ
Αἰθίοπες· προστίθεται δὲ αἰεὶ τι παρ' ἐκείνων αὐτοῖς.
25 ταύτης δὲ τῆς συμπάσης χώρας τῆς ὑπὸ Ῥωμαίοις ἡ
μὲν βασιλεύεται, ἣν δ' ἔχουσιν αὐτοὶ καλέσαντες ἐπαρ-
χίαν, καὶ πέμπουσιν ἡγεμόνας καὶ φορολόγους. εἰσὶ δὲ
τινες καὶ ἐλεύθεραι πόλεις, αἱ μὲν ἐξ ἀρχῆς κατὰ φιλίαν
προσελθοῦσαι, τὰς δ' ἡλευθέρωσαν αὐτοὶ κατὰ τιμὴν.
30 εἰσὶ δὲ καὶ δυνάσται τινὲς καὶ φύλαρχοι καὶ ἱερεῖς

δὲ καὶ ἕκτην τῆς Ἰλλυρίδος τὴν πρὸς τῇ Ἠπείρῳ καὶ
 Μακεδονίαν, ἐβδόμην δ' Ἀχαΐαν μέχρι Θετταλίας καὶ
 Αἰτωλῶν καὶ Ἀκαρνανῶν καὶ τινῶν Ἠπειρωτικῶν
 ἐθνῶν ὅσα τῇ Μακεδονίᾳ προσώριστο, ὀγδόην δὲ
 5 Κρήτην μετὰ τῆς Κυρηναίας, ἐνάτην δὲ Κύπρον, δε-
 κάτην δὲ Βιθυνίαν μετὰ τῆς Προποντίδος καὶ τοῦ
 Πόντου τινῶν μερῶν· τὰς δὲ ἄλλας ἐπαρχίας ἔχει
 Καῖσαρ, ὧν εἰς ἃς μὲν πέμπει τοὺς ἐπιμελησομένους
 ὑπατικοὺς ἄνδρας, εἰς ἃς δὲ στρατηγικοὺς, εἰς ἃς δὲ καὶ
 10 ἱππικοὺς· καὶ βασιλεῖς δὲ καὶ δυνάσται καὶ δεκαρχίαι
 τῆς ἐκείνου μερίδος καὶ εἰσὶ καὶ ὑπῆρξαν αἰ.

INDEX NOMINUM.

A.

Aarassus opp. Pisidiæ 570.

Aba 7

Aba 388, 445.

Abai 625.

Abar 625.

Abaris Scythia 301.

Abas Argivus 431; Euboicus 445.

Abdera opp. Thraciæ 331, frg. 44, 45, 47, 531, 549, 644. opp. Hispaniæ 156, 158.

Abderus heros 331 frg. 44, 47.

Abeacus Siracum rex 506.

Abella opp. Campaniæ 249.

Abili 296, 298, 300, 303, 311, 553.

Abille s. Abilyx Mauritaniae mons 170, 827

Abisarus rex Indiæ 698.

Ἀβώνου τειχος opp. Paphlagoniæ 545.

Aborace opp. Sindorum 495.

Aborigines 228, 229, 231.

Aborrhias fl. Mesopotamiæ 747.

Abus Armeniæ mons 527, 531.

Abrettene regio Mysiæ 574, 576.

Abrotonum opp. Africae 835.

Abydon castellum Paeonum 330 frg. 20.

Abydus opp. Mysiæ 108, 124, 331, frg. 52, 583, 585-587, 589-591, 595, 600, 635, 680. opp. Aegypti 813, 814.

Acacesium 299.

Academia 396, 614, 838.

Acalandrus fl. prope Thurios, 280.

Acamas Atheniensis 683. prom. Cypri 681-683.

Acanthius sinus 330, frg. 31.

Acanthus opp. Macedoniæ 330. frg. 31, 331, frg. 33, 35. opp. Aegypti 809.

Acarnan Alcmaeonis f. 462, 465.

Acarnanes et Acarnania 321, 325, 417, 427, 429, 449-452, 460-463, 465.

Acatharti venatores Troglodytici 772.

Acathartus sinus Troglodyticae 769.

Aceasius fl. Indiæ 692, 694, 696, 699, 707.

Ace cf. Ptolemais.

Acaes (fort. Chaeae) rupes in Elide 347.

Acae 35, 61, 282, 388-387. Bosporani 29, 492, 495-497. Phthiotæ 365, 383, 29, 433, 495. Pontici 416. Achaeorum

litus in insula Cypri 682. murus 102. oppida 262, 341, 387. portus in Troade 595, 596, 598. in Aeolide 622.

Achaelum opp. Troadis 596, 603, 604.

Achaemenidae 727.

Achaia 329, 365, 383-388, 840. oppida

Bospori Cimmerii 495. opp. Asiae 516.

Achaia 329, 365, 383-388, 840. oppida

Achaia 329, 365, 383-388, 840. oppida

Achaia 329, 365, 383-388, 840. oppida

Achaia 329, 365, 383-388, 840. oppida

Achardeus fl. Caucasi 506.

Achelous fl. Acarnaniæ 28, 59, 271, 327,

335, 336, 349, 351, 450, 458-461, 465,

fl. Achalæ 342, 450. fl. Thessaliæ 434,

450.

Acheron fl. Triphyliæ 344. Italiæ 256.

Epiri 324.

Acherusia palus in Campania 26, 243-

246. in Epiro 324.

Acherræ opp. Galliae cisalpinæ 247. opp.

Campaniæ 247, 249.

Achilles 830-433. Ἀχιλλεῖος δρόμος

peninsula 307. χάραξ in Mysia 613.

Achilleum vicus Troadis 600, 604. vicus

ad Bosporum Cimmerium 310, 494.

Acholla opp. Carthaginiensium 831.

Acidon fl. Triphyliæ 348, 351.

Acila prom. Arabiæ 769.

Acillsene regio Armeniæ 503, 521, 527,

529, 530, 532, 555.

Aciris fl. Lucaniæ 264.

Aconites pop. Sardiniae 225.

Acontia vel Acutia opp. Hispaniæ 152.

Acontium mons Boeotiae 416.

Acra vicus Panticapaeorum 494.

Acraea Venus 682.

Acraeae opp. Laconicae 343, 363.

Acraephia s. Acraephium opp. Boeotiae

410, 413.

Acrathos prom. 330 frg. 32.

Acridophagi pop. Troglodyticae 772.

Acrisius 420, 487.

Acritas prom. Messeniae 359.

Acrocorinthus 361, 377, 379, 385.

Acrollissus sinus Lissi 316.

Acrothoi opp. in monte Atho 331, frg.

33, 35.

Actaeon rex Atticae 397.

Acte i. q. Attica 391. 397. i. q. Acarnania

451, 461. orae Argolicae pars 389, 390.

Actia Iudi Apollinis 325.

Actiacum bellum 359, 387, 485.

Actiacus Apollo 450.

- Actium prom. et opp. Acarnaniae 325,
 417, 450, 451, 459, 794.
 Acusilaus Argivus 472.
 Acyras opp. Thessaliae 434.
 Ada Hecatomni filia 656, 657. Pixodari
 f. 657.
 Adada opp. Pisidiae 570.
 Adae opp. Aeolidis 622.
 Addua fluvius 192, 204, 209, 213.
 Adherbal 831.
 Adimantus Lampsacenus 589.
 Adiabene regio Assyriae 503, 530, 736,
 739, 745.
 Adiutorix Domneclae f. 542, 543. Dyteuti
 pater 558.
 Admetus rex Pherarum 447.
 Adobogionis Mithridatae Pergameni mater
 625.
 Adonis Bybli colitur 755. fl. Phoenices
 ibid.
 Adon Armenius 529.
 Adramyttene regio Mysiae, Adramyttium
 et Adramytteni 472, 581, 583, 603, 611,
 612, 613, 614. Adramyttenus sinus 584,
 605, 606, 615, 624.
 Adrastea s. Adrasteae campus opp. My-
 siae 586, 588, mons prope Cyzicum
 575. Adrastea i. q. Nemesis 588.
 Adrastus rex Argorum 404, 402. rex
 Adrasteae 588.
 Adria opp. Picent 241.
 Adria, mare Adriaticum, sinus Adriaticus
 2, 21, 46, 57, 92, 93, 105, 108, 123, 195,
 210—214, 219, 228, 240, 289, 316, 317,
 319, 322, 339, 421, 507.
 Adrumetum opp. Africae 834.
 Adula mons 192, 204, 213.
 Aea urbs Colchorum 21, 45, 46. fons Ma-
 cedoniae 330, frg. 16, 21, 23.
 Aeaea ins. Circae 21, 46.
 Aeacidiae reges Molossorum 324, 375, 394,
 694.
 Aeacus Aeginae rex 375.
 Aeanes 426.
 Aedepsus opp. Euboeae 60, 425, 415.
 Aedui pop. Galliae 186, 192, 193.
 Aetes rex Colchidis 45, 46.
 Aega prom. Aeolidis 615, opp. Achaiae
 395—397, opp. Euboeae 385, 386, 405.
 Aegae opp. Mysiae 621. Aegaeae s. Aegae
 opp. Ciliciae 676. opp. Laconicae 364,
 426.
 Aegaeum mare 124—126, 128, 317, 323,
 330, frg. 32, 386.
 Aegaleus Messeniae mons 359.
 Aegesta opp. Siciliae 254, 260, 272, 275,
 608.
 Aegestes Troianus 254, 272.
 Aegeus Pandionis f. 392.
 Aegialea s. Aegialus 333, 349, 383, 386.
 Aegialenses 372, 383.
 Aegiali (?) i. q. Sicyon 382.
 Aegialia ora et vicus Paphlagoniae 543,
 545.
 Aegilenses pagus Atticae 398.
 Aegillps locus insulae Leucadis 452, 453.
 Aegimius Dorum rex 427.
 Aegimurus insula 123, 277, 834.
 Aegium opp. Achaiae et Aegienses 335,
 337, 385, 386, 387, 389, 449.
 Aegletes cognomen Apollinis 46, 484.
 Aegos potami opp. et fl. 287, 331. frg. 56.
 Aegua (?) opp. Hispaniae 141.
 Aegyptium mare 30, 35, 58, 121, 125, 400,
 474, 681, 749.
 Αἰγυπτίος λιμήν Tyriorum portus 757.
 Αἰγυπτίων κόμη prope Catabathmum
 799.
 Aegyptus et Aegyptii 785—821... Ae-
 gyptus i. q. Nilus 29, 36, 69.
 Aegys opp. et regio Laconicae 446.
 Aelana s. Aela opp. Arabiae Petraeae
 759, 768. Αἰλαντίτης μυχός 759, 768,
 776, 777, 809.
 Aelius Gallus praefectus Aegypti 118.
 780, 782, 806, 816, 819, 820.
 Aelius Catus 303.
 Aemilia via 217.
 Aemilianus Q. Fabius Maximus 185. Scipio
 669, 832.
 Aemilius Paulus 322.
 Aenea opp. Troadis 603. opp. Macedoniae
 330, frg. 21, 24.
 Aeneas et errores eius 48, 150, 608. in
 Latium adventus 229, 232, 233, 608.
 Aenesippea insula 799.
 Aenesiphrya prom. Aegypti 799.
 Aenianes Thessaliae populus 61, 427, 429,
 442, 450, in Vitia 508, 531. ultra Ar-
 meniam habitantes 531.
 Aeniates 553.
 Aenius fl. Troadis 603.
 Aenobarbus Gn. 185. Domitius 191, 649.
 Aenus opp. Thraciae 319, 331, frg. 52,
 58. (Cephaleniae mons 455.)
 Aeoles 61, 220, 333, 423, 581, 582. Aeol-
 licae coloniae 10, 402, 582, 584, 621,
 632. urbes 610, 622. Aeolica dialectus
 333. expeditio 401, 402, 582. Aeolicum
 litus 623. Aeolis 124, 446, 550, 582,
 583, 586, 600, 735.

- Aeolia insula** Aeoli 40.
Aeolus 20, 23, 24, 26, 57, 276, 438. Euripidis fabula 356. Aeoli insulae 54, 57, 123, 129, 256, 267, 275.
Aepasius campus regio Triphyliae 248.
Aepra opp. Messeniae 360.
Aepy opp. Triphyliae 349.
Aepyus Nelei f. 633.
Aequi pop. Italiae 228, 231, 237.
Aequum Faliscum opp. Etruriae 226.
Aëria opp. Cavarorum 185.
Aesar fl. Etruriae 222.
Aesarus fl. prope Crotonem 262.
Aesepus fl. Mysiae 552, 564, 565, 576, 583, 586, 595, 602, 603.
Aesernia opp. Samnitiū 238, 250.
Aesis fl. Umbriae 217, 227, 241, 285.
Aesium opp. Umbriae 227.
Aesyti sepulcrum 597, 599.
Aeschines Atheniensis 471. Milesius 635.
Aeschylus poeta 33, 43, 183, 189, 221, 258, 299, 300, 341, 387, 393, 447, 470, 580, 616, 728.
Aesculapius 337, 647. templum eius Tricariae 360, 374, 437. Panticapaei 74. Geraniae 360. Oleni 386. Epidauri 374, 567. Celaenis in Troade 603. in insula Co 657. Carthagine 832. nēmus eius inter Berytū et Sidonem 756.
Aethalia insula 123, 223—225.
Αἰθάλως fl. Scepisae 473.
Aethices pop. Epiri et Thessaliae 326, 327, 430, 434.
Aethicia 327, 430.
Aethiopes, Aethiopia 2, 3, 7, 9, 16, 30—35, 38—40, 97, 98, 769—779, 784—790, 808, 815, 818—823. Aethiopes occidentales 99, 101, 120, 157, 827—829.
Aetna 20, 23, 54, 247, 248, 258, 267—269, 272—274, 626. opp. Siciliae 288, 273.
Aetolia et Aetoli 321, 434, 449—452, 460—466.
Aetolica Diana 215. promontoria 59. Aetolici montes 417, 429.
Aetolus f. Endymionis 357, 423, 463, 464.
Aex prom. Troadis 615.
Aexonenses pagus Atticae 398.
Afranius legatus Pompeii 161.
Agamedes templi Delphici conditor 421.
Agamemno 10, 40....
Agapenor Paphi conditor 683.
Agatha opp. Galliae 180, 182.
Agatharchides Cnidius 656, 779.
Agathoclea Ptolemaei Philopatoris concubina 795.
Agathocles Lysimachi pater 623. Lysimachi f. ibid. Siciliae tyrannus 236, 280, 834.
Agathyrum opp. Siciliae 266.
Agdistis vel Agdistis deorum mater 469, 567.
Agessilaus Archidami pater 280.
Agidae 366.
Agis Eurysthenis f. 365, 366.
Ἀγνὸν κέρας prom. Aegypti 801.
Agoracritus Parus sculptor 396.
Agra vicus Atticae 400.
Agradates Cyri nomen 729.
Agraea regio Aetoliae 338.
Agraei pop. Aetoliae 449, 451, 461, 465, pop. Arabiae 767.
Agraeus Temeni f. 389.
Agri pop. Maeoticus 495.
Agrianes pop. Thraciae 317, 318, 331, frg. 36, 37, 41.
Agrigentinorum portus 266, 272.
Agrigentum opp. Siciliae 272, 276.
Agrii pop. Aethiopiae 771.
Agrippa 194, 205, 208, 245, 359, 590, 756.
Agrius princeps Aetoliae 43, 465.
Agylla opp. Etruriae 220, 226.
Alax fl. Ilyriae 271, 316, f. Telamonis 394, 408, 595, 596, 600, 672. Locrus 423, 600, 601.
Aiclus Eretriae conditor 321, 445, 447.
Alabanda opp. Cariae 587, 658—660, 663.
Alabandenses 655, 660, 661.
Alaesa opp. Siciliae 266, 272.
Alalcomenae opp. Boeotiae 410, 411, 413 opp. Asteriae insulae 457.
Alalcomenium templum Minervae 410, 413.
Alazla opp. Mysiae 550, 551.
Alazones 550, 551, 603.
Alazonia s. Alazonium opp. Troadis 552, 603.
Alazonius fl. Albaniae 500, 502.
Alba 229, 231. Alba Fuentia 235, 238, 240.
Albania 491, 497, 500—503, 509, 528. Albani pop. Caucasum incolens 118, 129, 288, 501—503, opp. Latii 230, 231. Albanus mons 229, 234, 237, 239, 240.
Albia f. q. Alpia 202. Albium Alpiū pars in Iapodum tera 202, 314.
Albienses (Ἀλβειῖς) gens Alpina 203.
Albingaunum opp. Ingaunorum 202.
Albioeci gens Alpina 203.
Albis 14, 290—292, 294.
Albium Intemellum opp. Ligurum 202.
Albula 238.
Alcaeus poeta 37, 411, 412, 600, 606, 617, 618, 661.
Alcectis Peliae filia 45.
Alchaedamnus rex Rhambaeorum 753.
Almaeon Amphiarai f. 325, 326, 423, 462.
Almaeonis poema 452.

- Alcman poeta 43, 299, 340, 360, 446, 482, 580.
 Alcmena 355.
 Alcomenae opp. Epiri 327.
 Ἀλκυονίδς θάλαττα pars sinus Cris-
 saei 336, 393, 400.
 Ἀλέα Ἀθηνᾶ 388.
 Aleius campus in Cilicia 555, 676.
 Alesia opp. Mandubiorum 191.
 Alesiacum opp. Elidis 341.
 Aletes Corinthi conditor 380.
 Aletia opp. Calabriae 282.
 Aletrium opp. Latii 237.
 Aleus rex Arcadiae 615.
 Alexander f. Priami 41, 183, 309, 596,
 606. Aetolus poeta 566, 648, 681.
 ὁ Ἀνύχνος Ephesus 642. ὁ Φιλαλήθης
 580. Antiochi f. 624. Bala 751, rex Iu-
 daeae 762, rex Molossorum 256, 280,
 281. Philippi f. 14, 48, 66, 70, 79, 90,
 232, 331.
 Alexandria ludi 644.
 Alexandria opp. Aegypti et Alexandrini
 7, 25, 58, 62, 558, 655, 673, 675, 752,
 791—799, 819. Al. Troas 134, 472, 473,
 581, 593, 594, 597, 599, 604, 607, 613.
 opp. Atriae 514, 516, 723. opp. Syriae
 676, mons Mysiae 606.
 Alexandrium castellum Iudaeae 763. lucus
 Alexandri Teo vicinus 644.
 Alexarchus Antipatri f. 331. frg. 35.
 Algidum opp. Latii 237, 239.
 Alinda opp. Cariae 657.
 Allitrochades Sandrocotti f. 70.
 Alisium (Ἀλειςίου κολώνη) opp. Elidis
 341.
 Alisius fl. Elidis 342.
 Allifae opp. Samnii 238.
 Allobroges 185, 186, 193, 203, 765.
 Allotriges pop. Hispaniae 155.
 Aloha vel Alopa i. q. Alyba 550—552, 603.
 Alopa opp. Locrorum Opuntiorum 60, 426,
 427, 432. opp. Locrorum Ozolarum 427.
 opp. Phthiotidis 427, 432.
 Alopecia insula 493.
 Alopecoconerus opp. Thraciae 331, frg. 52.
 Alorium opp. Triphylliae 350.
 Alorus opp. Batlaeae 230, frg. 20, 22.
 Alpes 71, 128, 176—179, 185—187, 201—
 204, 206, 207.
 Alpheus fl. Elidis 267, 270, 271, 273, 336,
 339, 343, 344, 347, 350, 353, 356, 357,
 389.
 Alponus opp. prope Thermopylas 60.
 Alsium opp. Etruriae 225, 226.
 Altes rex Lelegum 584, 585, 605, 619.
 Althaea Thestil filia 466.
 Althaemenes Cissi f. Argivus 479, 481,
 653.
 Altinum opp. Galliae cisalpiniae 214.
 Alyattes rex Lydorum 420, 627, 680, 735.
 Alyba et Albyum 549, 550, 552, 603.
 Alybes 550.
 Alyzeus Icarii f. 452.
 Alyzia opp. Acarnaniae 450, 459.
 Amadocus rex Odrysarum 331, frg. 48.
 Amaltheae cornu 151, 458, 459.
 Amanides portae 676, 751.
 Amanus 521, 535, 676, 678, 737, 749, 761.
 Amardi pop. Asiae 507, 508, 510, 514,
 523, 524.
 Amarynthus opp. Euboeae 448.
 Amasia opp. Ponti 547, 556, 560, 561,
 614. Amasenses 560, 561.
 Amasias fl. Germaniae 290, 291.
 Amastriana regio 544.
 Amastris uxor Dionysii Heracleotae 544.
 urbs Paphlagoniae 309, 540, 543, 553.
 Amathus fl. Elidis 336, 339, 344, 361.
 opp. Laconicae 363. opp. Cypri 683.
 Amathusii 340.
 Amazones 52, 57, 126, 503—505, 544, 547,
 550—552, 554, 573, 623.
 Amharvalla 230.
 Ambiani pop. Galliae 194, 208.
 Amblada opp. Pisidiae 570.
 Ambracia opp. Thesprotiae 325, 450, 452.
 Ambracicus sinus, Ambracicum mare 123,
 324, 325, 329, frg. 6, 331, frg. 58, 428,
 450—452.
 Ambrones victi a Mario 183.
 Ambrysus opp. Phocidis 423. sq.
 Amenus fl. Siciliae 240.
 Ameria opp. Umbriae 227. opp. Ponti 557.
 Amisus opp. Ponti et Amisena regio 68—
 71, 73, 74, 126, 498, 519, 543—548, 560.
 Amiternum opp. Sabinorum 228. Amiter-
 nina regio 241.
 Ammo prom. Iittoris Carthaginiensis 834,
 835, 838. sedes oraculi 55, 56, 329, 790
 813, 814, 825, 838, 839. Ammonis sa-
 cerum 49, 50, 329. frg. 1, 799, 873.
 Ammonia opp. Aegypti 799.
 Amnis fl. Paphlagoniae 562.
 Amnisus portus Cnossi 476.
 Amorgus insula m. Aegaei 487.
 Amorium opp. Phrygiae maioris 576.
 Ampelus prom. Sami 488, 637.
 Amphaxitis regio Macedoniae 319, frg
 11, 330, frg. 23.
 Amphiala prom. Atticae 395.
 Amphiarus Argivus 399, 404, 462, 762.
 Amphictyones 419, 420, 421, 427, 429.
 Amphictyonia 374.
 Amphictyonium concilium 412, 420.
 Amphigenia opp. Triphylliae 349.

- Amphidolia vel Amphidolis opp. Elidis 341, 349.
 Amphiloichi incolae Argorum Amphiloichiorum 271, 321, 326, 429, 449, 450, 462, opp. Hispaniae 157.
 Amphiloichium Argos cf. Argos.
 Amphiloichus f. Amphiaral 157, 271, 326, 362, 462, 642, 668, 675, 676.
 Amphimalla opp. Cretae 475.
 rucus 328. Ca-
 0, 411.
 134, 331, frg.
 Amphissa opp. Locrorum Ozolarum 419, 426, 427, Amphissenses 419.
 Amulius rex Albae 229.
 Amyclae opp. Laconicae 363—365. Amyclaeum 278.
 Amydo opp. Macedoniae 330, frg. 20, 23.
 Amymona Nauplii mater 368, fons 371.
 Amynandrus rex Athamanum 427.
 Amyntas Philippi pater 307, 330, frg. 21, 22, 24, Delotari regis successor 567—569, 571, 577, 671, 840.
 Amyntor Phoenicis pater 438, 439.
 Amythaonidae Argurum reges 372.
 Amyzo opp. Cariae 638.
 Anabura opp. Pisidiae 570.
 Anarcharsis Scythia 301, 303, 694.
 Anacreon 151, 633, 638, 644, 661.
 Anactorium opp. Acarnaniae 450—452.
 Anacyndaraxes Sardanapalli pater 672.
 Anadatus deus Persarum 512.
 Anaea, Analtis dea Persarum et Armeniorum 512, 532, 559, 733, 738.
 Anagnia opp. Hernicorum 238.
 Anagyrasii pagus Atticae 398.
 Anapha insula 46, 484.
 Anaphlystus, Anaphlystii, pagus Atticae 398.
 Anapias Catinensis 269.
 Anariara 503.
 Anariarae pop. mare Caspium accolens 507, 508, 514.
 Anas fl. Hispaniae 139, 140, 142, 148, 153, 162, 840.
 Anaurus fl. Magnesiae 436.
 Anaxagoras Clazomenius physicus 645.
 Anaxarchus 594.
 Anaxenor Magnesium citharoedus 648.
 Anaxicrates Alexandri comes 768.
 Anaxilas rex Rhegi 257.
 Anaximander Milesius 1, 7, 635.
 Anaximenes Milesius 645. Lampsacenus 549, 635.
 Ancara opp. Umbriae 216.
 Anehtala opp. Ponti 319, opp. Ciliciae 671, 672.
 Anchises 229, 608.
 Anchoa locus Boeotiae et lacus 407.
 Ancona opp. Piceni 211, 227, 240, 241, 314.
 Ancyra opp. Galatiae 187, 567, opp. Phrygiae 567, 576.
 Andania opp. Arcadiae 339, 350, 360, 438, 448.
 Andetrium opp. Dalmatiae 315.
 Andira opp. Mysiae 610, 614.
 Andirus fl. Troadis 602.
 Andizetii gens Pannoniae 314.
 Andraemon Pyllus Colophonis conditor 633.
 Andriaca opp. Thraciae 319.
 Andriclus mons Ciliciae 669.
 Androclus f. Codri 632, 633, 640.
 Andromacha 585, 594.
 Andromeda 43, 759.
 Andron rerum scriptor 392, 456, 475, 476.
 Andronicus Rhodius 655.
 Andropompus Lebedi conditor 633.
 Androtheus Thasius 766.
 Andrus insula et Andrii 330, fr. 31, 448, 485, 487.
 Anemorea vel Anemolea opp. Phocidis 423, 424.
 Anemurium prom. Ciliciae 669, 670, 682.
 Anias fl. Arcadiae 389.
 Anigrus fl. Triphyliae 344, 346, 347. Anigradium nymphaeum antrum 346.
 Anio fl. Latii 235, 238.
 Anniceris Cyrenaeus 837.
 Antaei monumentum in Libya apud Lingen 829.
 Antalcidas Spartanus 287.
 Antandrus opp. Troadis 470, 606, 612, 613.
 Antemnae opp. Latii 230.
 Antenor Troianus 48, 150, 157, 212, 544, 607, 608. Antenoridae 596, 607.
 Anthedon opp. Boeotiae 16, 400, 404, 405, 408, 410.
 Anthemis et Anthemus l. q. Samus 457, 637.
 Anthemusia regio Mesopotamiae 747, 748.
 Anthes rex Troezenis Halicarnassi conditor 374, 576.
 Anthia opp. Messeniae 360.
 Antigonia opp. Bithyniae 565, opp. Troadis 593, 597, 604, opp. Syriae 750.
 Antigonus Philippi f. 585, 593, 597, 604, 607, 646, 657, 672, 750, rex Macedoniae 385.
 Anticasius mons Syriae 751.
 Anticimolis opp. Paphlagoniae 545.
 Anticirra s. Anticyra opp. Phocidis 416, 418, opp. Locridis 434, opp. ad sinum Malicum 428, 434.

- Anticites fl. Macotarium 494, 495.
 Anticlidus rerum scriptor 221.
 Anticragus mons Lyciae 665.
 Antilibanus mons Syriae 755, 756.
 Antilochus Nestoris f. 596.
 Antimachus poeta 345, 364, 387, 400, 588.
 Antimenidas Alcaei frater 617.
 Antimnestus Chalcidensis 257.
 Antiochia opp. Cariae 630, 647, 648, 663.
 opp. Phrygiae 557, 569, 577. opp.
 Syriae 275, 719, 749, 750. opp. Margia-
 nae 516. opp. Mygdoniae 747. Antiochen-
 ses Syriae 751, ad Macandrum 630.
 Antiochicum bellum 665.
 Antiochis regio Syriae 751. Achaei filia,
 mater Attali 624.
 Antiochus Syracusanus rerum scriptor
 242, 252, 254, 255, 257, 262, 264, 265,
 278. Ant. Magnus 287, 528, 631, 540,
 563, 594, 624, 744, 759. Ant. Soter
 Seleuci f. 516, 578, 624. Demetrii f.
 rex Syriae 668. Ant. Epiphanes 750.
 Ant. Hierax 754. philosophus Ascalonita
 739.
 Antiope Nyctei filia 404.
 Antipater Macedo 331, frg. 35, 374, 433,
 565. Derbetes 535, 569, 679. Sisidis f.
 555. Tarsensis 674. Tyrus 757.
 Antiphanes Bergaeus 47, 102, 104. cf. 100.
 Antiphellus opp. Lyciae 604.
 Antiphili portus in Troglodytica 771.
 Antiphrae opp. Marmaricae 799.
 Antiphys Thessali f. 444.
 Antipolis opp. Galliae 178, 180, 184, 185.
 Antirrhium prom. Aetoliae 335, 336, 387,
 390, 427, 460.
 Antirrhodus insula 794.
 Antissa opp. Lesbi 60, 618.
 Antitaurus 521, 527, 528, 535.
 Antium opp. Volscorum 231, 232, 239.
 Antonius triumphvir 141, 325, 359, 455,
 Galus 455.
 Antro opp. Thessaliae 432, 435. Ἀντροῶ-
 νος ὄνος scopolus 435.
 Anubis 805, 812.
 Aones pop. Boeotiae 321, 397, 401.
 Aonius campus in Boeotia 412.
 Aorons castellum Indiae 688.
 Aorsi pop. Asiae 492, 506.
 Aous fl. Illyrici 316, cf. Aiax.
 Apaesus opp. Troadis 589. cf. Paesus.
 Apama Seleuci Nicatoris conflux 578, 749.
 Prusiae conflux 663.
 Apamea opp. Syriae ad Orontem, 275,
 749, 751—753. ἡ Κιβωτός opp. Phry-
 giae 569, 576—580, 629, 663. opp.
 Mediae 514, 524. Bithyniae 563.
 Apamenses 564, 579, 631, 653, 653, 760,
 752, 753, 756.
 Apani gens Daarum. cf. Parni.
 Apastacae gens Scythica 513.
 Apaturum templum Veneris 495.
 ἀπηλιώτης άνεμος 29, 34.
 Apelles philosophus 15. pictor Ephesius
 642, 657.
 Apellico Teius 609, 644.
 Apeninus mons 128, 201, 211, 212, 216,
 219, 227, 228, 631, 240, 259, 283, 286,
 cf. 542.
 : 9.
 cae 396,
 397.
 Aphneis Pixodari uxor 657.
 Aphni 586, 587.
 Aphnitis palus i. q. Dascylitis in Mysia
 59, 587.
 Aphrodisias opp. Phrygiae 576, 610.
 Aphrodisium opp. Cypri 682. Veneris
 templum cf. Venus.
 Ἀφροδίτης ὄρεμος i. q. Μυὸς ὄρεμος
 769. πόλις opp. Aegypti 802, 809, 813,
 817.
 Aphytis opp. Pallenae 330, frg. 27.
 Apia Peloponnesus 371.
 Apiae campus in Mysia 616.
 Apidanus fl. Thessaliae 356, 432.
 Apidones Peloponnesii 371.
 Apiolae opp. Volscorum 231.
 Apis opp. Marmaricae 799. deus Aegyptio-
 rum 803, 805, 807.
 Apobathra locus prope Sestum 591.
 Apocues Atheniensis Tei conditor 633.
 Apollo 237, 260, 320, 374. Μουσηγέτης
 468. Κιλλαιὸς 612, 618. Πορνοπίων
 613. Σμινθεύς 605, 613, 618. Σμίν-
 θιος 486. Γουνεύς 618. Οὐλιος 636.
 Κλάριος 632. Ἐκατος 618. Φύλ-
 λιος 435. Λαφραῖος 439. Αἰγλήτης
 484. Ἀκταῖος 588. Appollinis sacra,
 oracula, nemora: Apolloniae 319, in in-
 sula Chio 645, Amyclis 363. in Argolide
 et Boeotia 368, 403. in insula apud Les-
 bum 619, in insula Anapha 484. Deli
 485. apud Branchidas 518, 634, 814.
 apud Rhodios 613. Oroblis 445. apud
 Calydonem 439. Chrysae 604, 611, 612.
 Cei 487. Teneae 380. Grynii 622. apud
 Adrasteam 588. apud Clarum 642. inter
 Smyrnam et Clazomenas 645. apud
 Actium 325. apud Abydum Aegypti 813.
 in Cypro 683. Ἀκτίων 323, 450, 451.
 Λευκάτα 452. Δελφινίον 179, 188.

- 257, 275, 418, 420, 464, 482, *Θυμβραίου* 598. *Κατάονος* 537. *Κιλαιού* 612. *Λαρισσηνού* 620. *Μαρχαρίνου* 446. *Πυθίου* 417. *Τιληωσίου* 411.
- Apollocrates* Dionysii f. 259.
- Apollodorus* grammaticus 31, 43—45, 61, 208, 254, 298—301, 303, 328, 339, 368, 370, 405, 451, 453, 454, 457, 460, 464, 514, 552, 553, 555, 661, 677—681. *Artemitenus* historicus 118, 509, 514, 516, 519, 525, 686. rhetor 625.
- Ἀπολλωνόνησοι* i. q. *Ἑκατόννησοι* 618.
- Ἀπολλωνόπολις* opp. Aegypti 815, 817.
- Apollonia* opp. Moesiae 319. opp. Macedoniae ad lacum Bolben 330, frg. 21, 331, frg. 33, 35, 57. opp. Epiri 134, 272, 316, 322, 326, 357, 424, 763. opp. Lydiae 625. opp. Cyrenicae 838. opp. Syriae 752. opp. Mysiae 575. opp. Phrygiae apud Apameam 569, 576.
- Apolloniatis* regio Babyloniae 524, 732, 736, lacus Mysiae 575.
- Apollonides* scriptor 309, 523, 528.
- Apollonis* Attali uxor 624, 625. opp. Lydiae 625, 646.
- Apollonium* prom. sinus Carthaginiensis 832.
- Apollonius* ὁ Μῦς Erythraeus 645. medicus Citiensis 683. stoicus 650. ὁ Κρόνος Cyrenaeus 658, 838. ὁ μαλακός Alabandensis 655, 660, 661. Tyrius 757. Rhodius 655.
- Appaitae* gens Pontica 548.
- Appia* via 233, 234, 237, 239, 249, 283.
- Apsus* fl. Illyrici 316.
- Apsynthis* regio Thraciae 331, frg. 58.
- Apsyrtidos* insulae 124, 315.
- Apsyrtus* 315.
- Aptera* opp. Cretae 479.
- Apulia* et *Apuli* 242, 272, 277, 283, 285.
- Aquae Statiellae* opp. Galliarum cisalpinarum 217.
- Aquileia* 123, 206—208, 214.
- Aquinum* opp. Latii 237.
- Aquitania* et *Aquitani* 161, 165, 176, 177, 189, 190, 191, 199, 208.
- Arabes* et *Arabia* 39, 41, 42, 130, 299, 693, 696, 729, 741, 767—785. *Arabia* felix 39, 42, 84, 85, 118, 130, 726, 748, 756, 765, 767, 779, 782, 819. deserta 767. in Aegypto 42, 130, 784, 815, 816, 839. in Syria 288, 736, 748, 749, 755, 756. Meseni 739. Scenitae 729, 739, 747 755, 765—767, 815, 819.
- Arabicus* sinus 30, 35, 38, 42, 47, 85, 109, 768, 778. Ἀραβίου κόλπου मुखός 85, 98, 767, 804, 836.
- Arachosia* regio Arianae 516.
- Arachoti* opp. Arachosiae 514. pop. Arianae 513, 524, 721, 723, 725.
- Aracynthus* mons Aetoliae 450, 460.
- Aradus* ins. sinus Persici 766, 784. opp. Phoenices 753, 754, 756, 766, 784. *Aradii* 753—755.
- Araethyra* regio Argolidis 382.
- Aragus* fl. Iberiae 500.
- Aramael* 42, 627, 784, 785.
- Arambi* 784.
- Arar* fl. Galliae 186, 191—193.
- Ararene* regio Arabiae 781.
- Aratthus* vel *Arachthus* vel *Araethus* fl. Epiri 325.
- Aratus* poeta Solensis 103, 364, 367, 478, 484, 486, 671. Sicyonius dux Achaeorum 382, 385.
- Arausio* opp. Cavarorum in Gallia 185.
- Araxene* regio Armeniae 73, 509.
- Araxenus* campus in Armenia iuxta Albaniam 527—539, 531.
- Araxes* fl. Armeniae 61, 491, 501, 523, 527, 528, 531. fl. Scythiae 512. fl. Persidis 729.
- Araxus* prom. Elidis 335—337, 388, 458. *Arhaecae* 737.
- Arbela* opp. Assyriae 79, 532, 737, 738, 814.
- Arbrius* conditor Arbelorum 737.
- Arbites* pop. Gedrosiae 720.
- Arbis* fl. Gedrosiae 720.
- Arcades* et *Arcadia* 60, 221, 230, 283, 333, 335—337, 345, 348, 350, 355, 357, 362, 388, 389, 438, 572, 582, 608.
- Arcaeus* 557, 577, cf. *Μην*.
- Arceilaus* Atheniensis 15. 614.
- Arceuthus* fl. Syriae 751.
- Archaeanax* Mytilenaeus 599.
- Archelaus* Cappadociae rex 533—535, 540, 555, 556, 671, 796. sacerdos 559, 796. pater saterdotis ibid. Penthili f. 582. physicus 645. drama Euripidis 221.
- Archedemus* Tarsensis 674.
- Archemachus* rerum Euboicarum script. 465.
- Archias* Corinthius, Syracusarum conditor 262, 269, 270, 380, dux Antipatri 374.
- Archidamus* Agessilai f. 280.
- Archilochus* poeta Parus 370, 457, 487, 549, 647.
- Archimedes* 54, 55, 703.
- Archytas* Tarentinus 280.
- Arconnesus* ins. vicina Halicarnasso 656. ead. q. *Ἀρκίς* 643.
- Ἀρκτων ὄρος* prope Cyzicum 575.

- Arcturus 133, 691, 692.
 Arctus sidus 3, 4, 13, 76, 77, 132, 133.
 Ardanis s. *Ἀρδανίτης* (Igd. *Ἀρδανίς*)
 prom. Marmaricae 40, 8:8.
 Ardea opp. Rutulorum 228, 231, 232, 249.
 Ardia regio Dalmatiae 313.
 Ardiaei gens Dalmatica 314—318, 329,
 frg. 4.
 Ardium mons Dalmatiae 315.
 Arduenna silva in Gallia 194.
 Arecomici cf. Volcae.
 Aregon pictor 343.
 Arelate opp. Galliae 181.
 Arena opp. Triphyliae 346—348, 352, 361.
 Areopagus 260.
 Areta Aristippi filia 781.
 Aretas Arabiae princeps 781.
 Aretusa castellum Syriae 753, fons Chal-
 cidis 58, 449. fons Ortygiae insulae
 270, 271. opp. Macedoniacae 331, frg. 36.
 Arevaci pop. Celtiberorum 162.
 Argaeus mons Cappadociae 73, 538.
 Arganthion rex Tartessi 151. mons Bi-
 thyniae 564.
 Argea (*Ἀργεῖα*) et Argivi 35, 65, 124, 215,
 275, 326, 335, 537, 362, 368, 369, 371—
 377, 382, 389, 404, 426.
 Argeadae in Macedonia 329, frg. 11, 20.
 Argennum prom. Ioniae 644.
 Argestes ventus 28, 29, 391.
 Argilus opp. Macedoniacae 331, frg. 33.
 Arginussae insulae 616, 617.
 Argissa postea Argura opp. Pelasgiotidis
 439, 440.
 Argo 45, 46, 224, 436, 564.
 Argolici equi 388,
 376,
 215, 224, 252, 347,
 414, 436, 443, 575.
 Ἀργὸς λιμὴν portus Aethaliae 224.
 Argos castellum Cappadociae 357. Acha-
 cum l. q. Peloponnesus 365, 369. Am-
 philochicum opp. Acarnaniae 271, 316,
 325, 326, 450, 462. Hippium l. q. Arpi
 215, 283. Iasum l. q. Peloponnesus 369,
 371. Oresticum opp. Epiri vel Mare-
 doniae 326. Pelasgicum pars Thessaliae
 vel Thessalia ipsa 221, 369, 431. regio
 Peloponnesi 369—372, 374, 424. opp.
 Argolidis 23, 326, 368—371, 376, 377,
 385, 387, 389, 404, 410, 481, 653, 676.
 Argura opp. Pelasgiotidis 440.
 Arguria opp. Troadis 553, 603.
 Argyrrippa l. q. Argos Ilippium et Argy-
 rippium 283.
 Argyrus mons Baeticae 148, 161.
 Argyrusci 231.
 Aria regio Persidis 72—74, 511, 515, 516,
 522, 723.
 Ariamazi rupes 517.
 Ariana et Ariani 42, 78, 81, 83, 84, 130,
 492, 516, 523, 688, 690, 691, 720—725.
 Ariarathes rex Cappadociae 534, 538, 539,
 624.
 Aricia opp. Latii 231, 239.
 Aridaeus Alexandri frater 794.
 Arri incolae Aeriae 511, 514, 518, 723, 724.
 Arima montes Ciliciae 627.
 Arimaai i. q. Aramaei 42, 785.
 Atimasi gens Scythica 506. Ἀτιμά-
 σπεια ἐπὶ 21.
 Arimi 555, 579, 616, 627, 730, 784, 785.
 Arimus rex Catacecaumenes 628.
 Ariminum opp. Umbriae 210, 217, 219,
 226, 227, 240.
 Ariminus fl. Umbriae 217.
 Arion citharoedus 618. Adrastrae equus 404.
 Ariobarzanes rex Cappadociae 540.
 Arisba opp. Troadis 585, 590, 635.
 Aristarcha sacerdos Massiliensis 179.
 Aristarchus grammaticus 30—33, 36, 103,
 609, 650.
 Aristaeus Proconnesius 21, 589, 639.
 Aristides pictor 381.
 Aristio tyrannus Atheniensis 398.
 Aristippus philosophus 837.
 Aristo Atheniensis 15. Cens 486, 688, 790.
 Cens 658. citharoedus Rhegius 260.
 Aristobulus rerum scriptor 509, 518, 672,
 691—693, 693, 701, 706, 707, 714, 730,
 741, 763, 824. rex Iudaeae 762.
 Aristocles Rhodius 655.
 Aristocrates rex Orchomeni 362.
 Aristodemus rhetor et grammaticus 650.
 Aristonicus grammaticus 38. Pergamenus
 646.
 Aristopatra Crateri mater 702.
 Aristoteles Stagiritae 29, 94, 95, 102, 143,
 153, 182, 239, 321, 331, 345, 373, 374,
 380, 445, 447, 448, 608—610, 618, 695,
 703, 757, 790.
 Aristoxenus musicus 16.
 Aristus Cypricus historicus 682, 730.
 Arlus fl. Aeriae 514, 518. Augusti amicus
 670.
 Ariusius ager in Chio insula 643.
 Armena opp. Paphlagoniae 545.
 Armenia et Armenii 41, 42, 45, 48, 49,
 61, 73, 79, 80, 117, 129, 130, 288, 399,
 492, 498, 500, 501, 503, 506, 509, 511,
 520—524, 528, 556, 747. maior 521, 555,
 742. minor 521, 527, 528, 541, 547, 518,
 555, 560, 678.
 Armeniaca vestis 500, 525, 530.
 Armenici montes 74, 77, 78, 80, 82, 83

- 497, 508, 527, 530. Armenicae portae 50, 52.
 Armenium opp. Thessaliae 503, 530.
 Armenus Thessalus 503, 530, 531.
 Arminius dux Cheruscorum 291, 292.
 Arnaei Thessaliae incolae 401, 411.
 Arnæus 551.
 Arna opp. Thessaliae 401, 411, 435, 439.
 Arnus fl. Etruriae 222.
 Aroma opp. Lyciae 650.
 Arotrebae i. q. Artabri.
 Arotria i. q. Eretria.
 Arpi opp. Dauniorum v. Argos Hippium et Argyrippa.
 Arrētium opp. Etruriae 222, 226.
 Arrhabaeus princeps Lyncestarum 326.
 Arrhechi natio Maotica 495.
 Arsacae reges Parthorum 702, 749.
 Arsacus Scythae 513, 515. Pharnacis f. 560.
 Arsacia opp. Mediae eadem q. *Πάργα* 524.
 Arsene lacus Armeniae 529.
 Arsene rex Persarum 736.
 Arsinoo opp. Ciliciae 670. duo oppida Cyprī 682, 683. opp. Aethiopiae 769, 773. opp. Cyrenaicae 816, 837. opp. Aegypti ad sinum Arabicum 804. in pago Arsinoitico dicta antea *Κροκοδείλων πόλις* 811, 812. opp. Aetoliae 460. i. q. Ephesus 640. i. q. Patara 666. prom. Cyprī 683.
 Arsinoo pagus 789, 809—812.
 Arsinus 371, cf. Erasinus.
 Arsites satrapa Phrygiae 766.
 Artabazus Apamae pater 578.
 Artabri s. Arotrebae pop. Lusitaniae 120, 137, 147, 153, 154, 173.
 Artaca mons 576. insula 576. opp. ibi situm 582, 635.
 Artacena opp. Arelae 516.
 Artacene 738.
 Artagerae castellum Armeniae 529.
 Artanes Sophenus 532.
 Artavasdes rex Armeniae 524, 529, 530, 532.
 Artaxata opp. Armeniae 527—529.
 Artaxerxes 49, 636.
 Artaxias rex Armeniae 528, 531, 532.
 Artaxiasata i. q. Artaxata.
 Artemidorus Ephesus geographus 137, 138, 148, 157, 159, 164, 167, 170, 172, 183, 185, 198, 224, 245, 261, 267, 285, 335, 368, 389, 433, 436, 459, 460, 475, 485, 496, 570, 571, 622, 632, 640, 641, 642, 663, 665, 670, 677, 719, 760, 769—779, 801, 825, 829, 830. Cnidius 656. Tarsensis 675.
 Artemisia Mausoli soror et uxor 656.
 Artemisium opp. Iberiae 159, 161. prom. Cariae cum Dianae templo 651.
 Artemita opp. Assyriae 519, 744. una Echinadum 59.
 Artis locus quo Lebedus condita est 633.
 Arupinum opp. Iapodum 207, 314.
 Arverni pop. Galliae 189—191, 193, 195, 196.
 Arxata opp. Armeniae 529.
 Asander rex Bosporanorum 311, 495, 625.
 Asca opp. Arabiae 782.
 Ascalon opp. Iudaeae 759.
 Ascania regio Phrygiae 551, 564, 680, 681. regio Mysiae aut Bithyniae 564, 565, 680. lacus Bithyniae 563—566, 681. vicus Mysiae 681.
 Ascanius fl. Bithyniae 566, 681. Aeneae f. 229, 607, 608. dux Phrygum et Mysorum 565.
 Asclepiadae in Thessalia 434, 438.
 Asclepiades Myrleanus 157. Prusensis 566.
 Asera opp. Bocotiae 409, 413, 423, 622.
 Asculum Picenum 241.
 Asea vicus Arendiae 275, 343.
 Asia 14, 32, 35.... Romanorum provincia 624.
 Asiarchae magistratus provinciae Asiae 649.
 Asias heros 650.
 Asii gens Scythica 511.
 Asinaeus sinus i. q. Messeniacus sinus 359, 360.
 Asina opp. Messeniae 359, 360, 373. opp. Lacoricae 363. opp. Argolidis 360, 373.
 Asinius (Pollio) 193.
 Asionenses et Esionenses 627.
 Asium pratum 650.
 Asius Dymantis f. 590. Hyrtacides Trolanus 583, 590. Asius poeta 265.
 Asopia pagus Sicyoniae 382, 408.
 Asopides Thebae 387.
 Asopus fl. Sicyoniae 271, 382, 408. fl. Bocotiae 382, 408, 409, 411. fl. Phthiotidis 382, 408, 428. fl. Pari insulae 382. opp. Laconicae 364.
 Aspaneus locus prope Idam 606.
 Aspendus opp. Pamphyliae 574, 667.
 Asphallus cognomen Neptuni 57.
 Aspioni satrapia 517.
 Aspls opp. ad Syrtim maiorem 836. opp. Carthaginiensium 277, 834. (v. Clypea) insula 643.
 Aspledon opp. Bocotiae 415.
 Aspordenus s. Asporenus mons 619.
 Asporene cognomen matris deum i. q. Aspordene 619.
 Aspurgiani Maotica gens 495, 556.
 Assarani terra in India 691, 698.
 Assus opp. Mysiae 581, 606, 610, 614, 616, 735.

- Assyria 532, 736, 743.
 Assvrii 42, 672, 736, 745, 746.
 Asta opp. Iberiae 140, 141, 143.
 Astaboras fl. Athiopiae 770, 771, 786, 821.
 Astaceni gens Indica 698.
 Astacenus sinus 459, 563.
 Astacus opp. Bithyniae 459, 463 opp.
 Acarnaniae 459.
 Astae pop. Thraciae 319, 320, 331, frg. 48.
 Astapus fl. Aethiopiae 771, 786, 821.
 Astasobas fl. Aethiopiae 771, 786, 821.
 Asteria et Asteris insula 59, 456, 457.
 Asteron opp. Thessaliae 438, 439.
 Asteropaeus Pelegonis f. 331, frg. 38, 39.
 Astigis opp. Hispaniae 141.
 Astures s. Astyres 152, 155, 160, 162, 167.
 Astyages rex Medorum 524, 730.
 Astypalaea prom. Atticae 398, prom. Ca-
 riae 658, vetus Coorum oppidum 457.
 Sporadum una 488.
 A. R' incolae 601.
 A. 613, opp. Troa-
 diae 601.
 Atabyris mons Rhodi 454, 656.
 Atagis fl. Raetiae 207.
 Atalanta ins. Atticae vicina 395, 425, ins.
 Euboeae vicina 61, 305, 425.
 Atargatis dea Syria 748, 785.
 Atarnitae 611.
 Atarneus opp. Mysiae s. Troadis 581, 607.
 610, 614, 615, 622, 680.
 Atax fl. Galliae 181, 190, 840.
 Ateas rex Bosporanorum 307.
 Ategua opp. Hispaniae 141.
 Atella opp. Campaniae 249.
 Ateporix tetrarcha Galatarum 560.
 Aternum opp. Vestinorum 241, 242.
 Aternus fl. Italiae 241, 242.
 Atesinus fl. Raetiae 207.
 Athamanes et Athamania 321, 326, 427.
 429, 430, 434, 435, 440, 442, 440, 540.
 Athamantis Tei cognomen 633.
 Athamas Hali conditor 433, Tei conditor
 633.
 Athenae Atticae 15, 79, 396—398, opp.
 Boeotiae 407, Athenae Diades opp.
 Euboeae 446.
 Athenaeum Minervae aedes in Campania
 22, 247, Ephesi 634, 640, prom. Cam-
 paniae 22, 60, 242, 247.
 Athenaeus Attali f. 624, peripateticus 670.
 Athenais vates Erythraea 645, 814.
 Athenocles Amisum coloniam Athenien-
 sium deducit 547.
 Athenodorus physicus 6, 55, 173, *ὁ Κορ-
 δυλίων* Tarso oriundus 674, 675, *ὁ
 Κανανίτης* Sandonis f. 674, 675, 779.
 Athos 6, 330, frg. 31 32, 331, frg. 33—
 35, 447, 641.
 Athribis opp. Aegypti 802.
 Athribitae 813.
 Athribites pagus 802.
 Athrulla opp. Arabiae 782.
 Athymbradus Lacedaemonius 650.
 Athymbrus Lacedaemonius 650.
 Athyras fl. Thraciae 331, frg. 56.
 Atintanes gens Epirotica 326.
 Atlanticum mare 5, 12, 26, 767.
 Atlantides Atlantis filiae 346.
 Atlantis insula 102.
 Atlas Calypsus pater 26, mons Maurita-
 niae 825—827.
 Atmoni tribus Bastarnarum 306.
 Atrax opp. Pelasgiotidis 438, 440, 441.
 Atrebatii pop. Galliae 194.
 Atreus 23, 372.
 Atria opp. Galliae cisalpiniae 214.
 Atridae 39, 372.
 Atropatene s. Atropatia s. Media Atro-
 patica 506, 522—524, 526, 527, 529, 532.
 Atropates satrapa Mediae 523.
 Attalia opp. Pamphyliiae 667.
 Attalici reges 228, 543, 563, 566, 567,
 588, 609, 623, 624, 642, 647.
 Attalus primus rex Pergami 603, 616, 624,
 Philadelphus Eumenis frater 624, 641,
 643, 667, Philometor Eumenis f. 624,
 646, Philetaeri frater 624.
 Attasili tribus Massagetarum 513.
 Attea opp. Troadis 607.
 Atthis i. q. Attira 395, 397, dialectus
 Attica 333, historia Atticae 221, 392.
 Attica et Attici 26, 28, 147, 221, 304, 333,
 390, 397, 400, 403, 600, 604.
 Atticae fodinae 147, 399, Atticum mel
 399, 489, Attica cotula 735.
 Aturia pars Assyriae 736, 737.
 Atys Tyrrheni pater 219, 221.
 Avenio opp. Cavarorum 185.
 Aventinus 180, 234.
 Avernus Campaniae sinus 26, 244—246.
 Aufidus fl. Apuliae 293.
 Auga Alei filia Telephi mater 615.
 Augaes Epeorum rex 338, 341, 354—356,
 359.
 Augiae opp. Laconicae 364, opp. Locridia
 364, 426.
 Augilia regio supra Cyrenaicam sita 838.
 Augusta opp. Salassorum 208, Emerita
 opp. Turdulorum in Hispania 151, 166.
 Aulis opp. Boeotiae 298, 400, 401, 403,
 404, 408, 444.
 Aulon Messeniae 350, Aulon regius in
 Syria 356.
 Aulonia (cf. Caulonia) 261,
 Ausci pop. Aquitaniae 190, 191.

- ausones pop. Campaniae 232, 233, 242, 243, 255.
 Ausonium mare 123, 128, 233, 324.
 Autariatae gens Illyrica 313, 315—318, 329, frg. 4.
 Autasio pater Therae 347.
 Autolycus Sinopes conditor 439, 546.
 Automala opp. Cyrenaicae 123, 836.
 Auximum opp. Piceni 241.
 Ἀξίως ποταμός 298, 300.
 Axius fl. Macedoniae 6, 327, 329, frg. 4, 12, 330, frg. 20, 21, 23, 24, 36.
 Azamora opp. Cataoniae 537.
 Azanes pop. Arcadiae 336, 388.
 Azani et Azanitis opp. et regio Phrygiae 576.
 Azara (alii Zara) opp. Armeniae 527, opp. Elymaidis 744.
 Azaritus fons 563.
 Azenienses pagus Atticae 398.
 Azorus opp. Pelagoniae 327.
 Azotii Iudaeae pop. 749.
 Azotus opp. Iudaeae 759.
- B.**
- Babanomum opp. Ponti 561.
 Babylon Babylonia et Babylonii 7, 77, 78, 80, 81—91, 103, 741—743, 746, opp. Aegypti 807, 812.
 Bahrysa castellum Armeniae 529.
 Bahys pater Pherecydis Syrii 487.
 Bacchae 466, 468.
 Bacchiadae gens Corinthiorum 326, 378.
 Bacchides dux Sinopensium 546.
 Bacchus 27, 48, 171, 198, 468—471, templum eius in Limnis 363, Rhodi 652, πυργενής 628, μηροτραφής 687.
 Βακχισιακὰ τέχνηαι 474, ὄργια 470.
 Bacchylides Ceus 486, 688.
 Bactra Bactriana et Bactrii 14, 35, 68, 69, 70, 71, 72, 74, 75, 118, 129, 131, 472, 511, 513, 514, 516, 517, 518, 531, 686, 692, 697, 723, 724, 730, 816, 839.
 Badas fl. Syriae 728.
 Baenis fl. Lusitaniae 153.
 Baetera opp. Galliae Narbonensis 182.
 Baetica 139, 160, 162, 166.
 Baetis fl. Hispaniae 139, 140, 142, 148, 162, 174, 840, opp. Hispaniae 141.
 Baetrix pater Deudorigis 292.
 Baeturia regio Hispaniae ad Anam sita 142.
 Baetylus i. q. Oetylus opp. Laconicae 360.
 Bagadaonia regio Cappadociae 73, 539.
 Bagas nomen Paphlagonium 553.
 Bagous eunuchus 736.
 Bagradas fl. Africae 832.
 Balae opp. Campaniae 227, 243—246, 248.
 Baius comes Ulixis 26, 245.
 Balanaca opp. Syriae 753.
 Balari pop. Sardiniae 225.
 Balbus Gaditanus 169.
 Balbura opp. Lyciae 631.
 Balaerides s. Ballarides insulae 167. (cf. Gymnesiae)
 Balaricus Metellus 167.
 Balithonis promontorium 834.
 Bambyca opp. Syriae 748, 751.
 Bandobene regio Indiae 697.
 Barathra s. Berethra paludes circa Casium montem 50, 741, 760, 803.
 Barbarium prom. Lusitaniae 151.
 Barca opp. Cyrenaicae 837.
 Barcas Hannibalis pater 151, 158.
 Bardi poetae Celtarum 197.
 Bardiyl, Bardietae, Bardiitae pop. Hispaniae 155, 162.
 Bargasa opp. Cariae 656.
 Barga opp. Indiae 720.
 Bargas fl. Illyriae (cf. Margus) 318.
 Barylia opp. Cariae 611, 658.
 Barids (?) templum 531.
 Baris opp. Messapiae 281, 282. cf. Veturum.
 Barium opp. Peucetiae 283.
 Barnichius fl. Elidis 356.
 Barnus opp. Macedoniae 323.
 Βάρνης ποταμός Armeniae 555.
 Βάρνης πύργος 747.
 Βάρνης ἄλσος 528.
 Bassus Caecilius 762, 763.
 Bastarnae 93, 118, 128, 289, 294, 296, 305, 306.
 Bastetania et Bastetani s. Bastuli pop. Hispaniae 139, 141, 155, 156, 162, 163.
 Bata opp. Ponti 496, 497.
 Βαθὺς λιμὴν apud Aulidem 403.
 Batiae opp. Cassopaeorum 324.
 Batiae collis in agro Troiano 573, 597, 623.
 Bato dux Pannoniorum 314. Sinopensis Persicarum rerum scriptor 546.
 Battus Cyrenae conditor 837.
 Bebryces 295, 541, 542, 554, 586, 678.
 Belbina insula 375, 398.
 Belgae 176, 177, 191, 194, 196.
 Beli sepulcrum 738. sacrum apud Elymaeos 744.
 Belio fl. Lusitaniae 153.
 Bellerophonates 379, 573, 630, 667.
 Belo opp. et fl. Baeticae 140.
 Bellovacii pop. Galliae 194, 196, 208.
 Bembina opp. Argolidis 377.
 Βενάκιος lacus Italiae 209.

- Bendidea sacra* apud Athenienses 470, 471.
Beneventum opp. Samnii 249, 250, 282, 283.
Berecynes et *Berecynthia* regio 460, 471, 472, 580, 680, 681.
Berenica filia Salomae 765. opp. Cyrenicae 836, 837. opp. Troglodytarum 771, 815. opp. Aegypti 133, 769, 770, 815.
Berenicae coma 3.
Berga vicus Macedoniae 331, frg. 36, cf. in *Antiphanes*.
Berisades rex Odrysarum 331, frg. 48.
Bermius mons Macedoniae 330, frg. 25. 26, 690.
Beroea opp. Macedoniae 330, frg. 26. opp. Syriae 751.
Berones pop. Hispaniae 158, 162.
Bertiscus mons Macedoniae 329, frg. 10.
Berytus opp. Phoenices 683, 755, 756.
Besa et *Besaecenses* pagus Atticus 426.
Besbicus insula 572.
Bessa locus silvestris Locridis 426.
Bessi gens Thraciae 318, 331, frg. 48.
Bessus 513, 518, 697, 724.
Betera (Vetera?) opp. Hispaniae 160.
Eias Priensis 636.
Biasas nomen Paphlagonum 553.
Bibracte castellum Aeduorum 192.
Bilbilis opp. Celtiberorum 162.
Billarus Sinopensis sphaerae artifex 546.
Bio astrologus 29, *Borysthenita* 15, 486.
Bisa fons Elidis 356 (cf. *Pisa*).
Bisaltae pop. Macedoniae 329, frg. 11, 331, frg. 36.
Bistones gens Thraciae 331, frg. 44.
Bistonis lacus Thraciae 59, 331, frg. 44, 47.
Bithyni et *Bithynia* 129, 295, 534, 541, 543, 544, 562—566, 574, 594, 625, 840.
Bituriges Cubi 191.
Bituytus Arvernus 191.
Bizona opp. Moesiae 54, 319.
Bizya opp. Thraciae 331, frg. 48.
Blaena regio Paphlagoniae 562.
Blasco insula 181.
Blaudus opp. Phrygiae 567.
Bleminatis, ager Bleminae in Laconica 343.
Blemmyes pop. Aethiopiae 786, 819.
Blera opp. Etruriae 226.
Blesino opp. Corsicae 224.
Blucium (Luceium?) castellum Tolistobogiorum 567.
Boagrius fl. Locridis 60, 426.
Bocalia s. Bocarus fl. Salaminis 394.
Bocchus rex Mauritaniae 828.
Boea opp. Laconicae 364.
Boeba opp. Magnesiae 436, 438, 530.
Boebeis lacus Thessaliae 430, 436, 438, 441—443, 503, 530.
Boeoa opp. Elidis 338.
Boeoti opp. Laconicae 360.
Boeotia et *Boeoti* 10, 65, 321, 332, 336, 397, 400—416.
Boeotus f. Melanippae 265.
Boerebistas (Byrebistas) rex Getarum 298, 303, 304, 762.
Boethus Sidonius 757. *Tarsensis* 674.
Boeum urbs Dorica 427, 475.
Bogus rex Mauritaniae 100—102, 359, 827, 828.
Bolanum opp. Samnium 250.
Boii pop. Galliae 195, 206, 212, 213, 216, 293, 296, 304, 313, 315. *Boiorum desertum* 292.
Boius mons Oristidis 329, frg. 6.
Bolbe lacus Macedoniae 331, frg. 36.
Bolbitinum ostium Nili 801.
Bonienses gens Aetoliae 451.
Bonones f. Phraatis 748.
Bononia opp. Italiae 216.
Βοὸς ἀνλή antrum Euboeae 445.
Boosura opp. Cypri 683.
Borium prom. Cyrenicae 836.
Borrhama arx montis Libani 755.
Borsippa opp. Babyloniae 739.
Borysthenes 62, 71, 73—75, 107, 114, 116, 125, 126, 135, 298, 306.
Bosporani s. Bosporiani 307, 309—312, 492, 495, 762.
Bosporii i. q. Bosporiani 310.
Bosporus Cimmericus 6, 20, 73, 109, 125, 293, 307, 310, 312, 492, 494, 495, 506, 547, 553, 625. *Thracius* 125, 319, 566.
Botrys castellum Syriae 755.
Bottiaea et *Bottiaei* pop. Macedoniae 279, 282, 329, frg. 11, 330, frg. 20.
Botto dux Bottiaeorum 329, frg. 11.
Boxus s. Boxes Persa 779.
Brachmanes philosophi Indorum 712—719.
Branchidae sacerdotes Apollinis 421, 518, 634, 814. eorum oppidum in Sogdiana 518.
Branchus antistes templi Apollinis 421, 634.
Brauro opp. Atticae 371, 397, 399.
Brenae pop. Thraciae 331, frg. 48.
Brennus dux Gallorum 187.
Breuci pop. Pannoniae 314.
Breuni gens Illyria 206.
Brigantii pop. Vindellicorum 206.
Brigantium opp. Brigantium 179, 206.
Briges pop. Thraciae 295, 330, frg. 25.
Brilessus mons Atticae 399.
Briséis 684.
Britannia et *Britanni* 63, 75, 114—116, 118, 199—201.
Britannicae insulae 93, 114, 129, 147.

Britomartis nympha 479.
 Brixia opp. Insubrium 213.
 Bructeri pop. Germaniae 291, 292.
 Brundisium opp. Iapygiae 233, 249, 277,
 281—283, 285, 324.
 Brutii regio et populus Italiae 211, 228,
 251, 253—256, 261, 283.
 Brutus Callaicus, 152, 153, 155. Decimus
 205. victus ad Philippos 331, frg. 41.
 Bryanium opp. Macedoniae 327.
 Bryges s. Brygi i. q. Phryges 550.
 Brygi pop. Epiri 326, 327.
 Bubastus opp. Aegypti 805.
 Bubo opp. Lyciae 631.
 Buca opp. Frentanorum 242, 285.
 Bucephalus Alexandri equus 698.
 Bucephalia opp. Indiae 698.
 Buchetium opp. Cassopaeorum 324.
 Bucoli in Aegypto 792, 802. *Βουκόλων*
πόλις in Iudaea 758.
 Budorus fl. Euboeae 446. mons Salaminis
 ibid.
 Bulaemum Marobodi sedes 290.
 Buprasium opp. Elidis 340, 341, 345,
 349, 352, 357, 387, 453.
 Bura opp. Achaiae 54, 59, 371, 385, 386.
 Burdigala opp. Galliae 190.
 Busiris rex Aegyptiorum 802. opp. Ae-
 gypti ibid.
 Ruthrotum opp. Epiri 324.
 Butica palus in Aegypto 802.
 Butones pop. Germaniae 290.
 Butrium opp. Umbrosum 214.
 Butus opp. Aegypti 802.
 Byblus opp. Phoenices 755.
 Bylliae regio Illyrici 316.
 Rylliones pop. Illyrici 326.
 Byrchanis insula 291.
 Byrebistas v. in Boerebistas.
 Byrsa arx Carthaginis 812, 833.
 Byzacii pop. Libyae 131.
 Byzantiacum ostium 21, 49, 71, 125, 318,
 563.
 Byzantium et Byzantii 51, 63, 74, 76, 106,
 115, 125, 134, 135, 318—320, 541, 545,
 576, 584, 656, 677.
 Byzeres gens Pontica 549.

C.

Cabaeum prom. Ostimiorum 64.
 Cabalenses i. q. Solymi 630.
 Cabalis pop. et regio Phrygiae et Lyciae
 629—631.
 Caballa opp. Armeniae 529.
 Caballio opp. Galliae 179, 185.
 Cabira opp. Ponti 556, 557.

Cabira et Cabirides nymphae 472.
 Cabiri 331, frg. 51, 466, 470, 472, 473.
 Cabis mons Berecynthiae 472.
 Cabyllinum opp. Galliae 192.
 Cadena opp. Cappadociae 537.
 Cadi opp. Phrygiae 576.
 Cadma i. q. Priene 636.
 Cadmea arx Thebarum 321, 401, 412.
 Cadmus Cadmeae conditor 321, 326, 401,
 447, 680. Milesius rerum scriptor 18,
 635. fl. et mons Phrygiae 578.
 Cadurei pop. Galliae 190, 191.
 Cadusii pop. Asiae 507, 508, 510, 514,
 523, 524.
 Caerias ventus 29.
 Caecubum ager Latii 231, 233, 234.
 Carlia opp. Apuliae 282.
 Caellus mons 234.
 Caeni pop. Thraciae 624.
Καινὸν χωρίον castellum Ponti 557.
 Caenys prom. Italiae 257, 265.
 Caepio dux Romanus 180, 188, 260.
 Caepionis turris 140.
 Caeratus i. q. Cuossus 476.
 Caere opp. Etruriae 220, 226.
 Caesaraugusta opp. Celtiberorum 151,
 161, 162.
 Caesarea opp. Numidiae 831.
 Caesarium templum Alexandriae 794.
 Caesena opp. Italiae 217.
 Calcus fl. Mysiae 571, 581, 582, 607, 611,
 615. Calci fontes 572, 616. Ca.ci cam-
 pus 576, 615, 616, 624, 691.
 Caleta prom. Latii 233.
 Calabria et Calabri 277, 282.
 Calachene regio Assyriae 530, 736.
 Calaguris opp. Hispaniae 161.
 Calamis statuarius 319.
 Calanus Indus 686, 715—718.
 Calasarna opp. Lucaniae 254.
 Calatia opp. Campaniae 248, 249, 283.
 Calauria insula 124, 369, 373, 374.
 Calbis fl. Cariae 651.
 Calchas vates 284, 570, 642, 643, 668,
 675.
 Calcs et Caleni in Campania 237, 243, 249.
 Caleti pop. Galliae 189, 194, 199.
 Callaici pop. Hispaniae 147, 152, 155,
 157, 162, 164, 166.
 Callas fl. Euboeae 445.
 Callatianus v. Demetrius.
 Callatis pop. Moesiae 318, 319, 542.
 Calliarus opp. Locridis 426.
 Callias Lesbios 618.
 Callicolona collis Troadis 597, 598.
 Callidromus pars Oetae 428.
 Callimachus poeta Cyrenaeus 44, 46, 216,
 290, 347, 353, 397, 438, 484, 479, 638,
 656, 805, 837, 838.

- Callinicus cf. Seleucus.
 Callinus poeta 604 627, 633, 647, 648, 668.
 Calliopa Corybantium mater 472.
 Callipidae gens Seythica 550.
 Callipolis opp. Siciliæ 272. opp. Chersonesi Thraciæ 331, frg. 56, 589. opp. Macedoniæ 331, frg. 36.
 Callista l. q. Thera 347, 837.
 Callisthenes historicus 362, 517, 531, 542, 558, 594, 611, 627, 635, 667, 680, 719, 790, 814.
 Callydium castellum Mysiæ 574.
 Calpa opp. Hispaniæ 51, 140, 141. mons Hispaniæ 108, 139, 148, 156, 168—170.
 Calpas fl. Bithyniæ 543.
 Calyba opp. Astarum 320.
 Calycadnus fl. Ciliciæ 627, 670.
 Calydna i. q. Tenedus 604.
 Calydnæ insulæ 488, 489, 604.
 Calydon opp. Aetoliæ 427, 450, 451, 459, 460, 463, 465. Calydonius aper 380, 466.
 Calymna s. Calymnæ insula 489.
 Calynda opp. Cariæ 651.
 Calypsus insula 44, 299.
 Camarina opp. Siciliæ 266, 272.
 Cambyse regio Armeniæ 501, 502, 528.
 Cambyse 473, 736, 790, 805, 816, 820.
 Camerium opp. Umbriæ 227.
 Camici opp. Siciliæ 273, 279.
 Camillus Vulcani f. 472.
 Camienses 655.
 Camirus opp. Rhodi 653—655.
 Camisa castellum Ponti 560.
 Camisene regio Cappadociæ 546, 560.
 Campani et Campaniæ 219, 231—233, 237, 240, 242—249.
 Campodunum opp. Vindelicorum 206.
 Campslani pop. Germaniæ 291.
 Camuni pop. Raetorum 206.
 Canae opp. Aeolidis 446, 615. s. Cana mons et prom. Aeolidis 581, 606, 607, 615—617.
 Canaea ager Canarum 615.
 Cananita v. Apollodorus.
 Canastræum prom. Macedoniæ 330, frg. 25.
 Canastrum prom. Pallenes 330, frg. 32.
 Candaca regina Aethiopum 820, 821.
 Candavia montes Illyrici 323, 327.
 Canethus collis Euboeæ 447.
 Canidius dux Romanorum 501.
 Cannæ opp. Apuliæ 285.
 Canobus stella 3, 119. opp. Aegypti 85, 666, 800, 801. Menelai gubernator 801.
 Canobicum Nilii ostium 64, 85, 91, 786, 788, 791, 800, 801. Canobica porta Alexandriæ 795, 800. Canobica fossa 795, 800, 801.
 Cantabri 153. Cantabri Conisci 162.
 Cantabria 153, 157, 165, 821.
 Cantharium prom. Sami 639.
 Cantharolethrum locus prope Olynthum 330, frg. 30.
 Cantium regio Britanniae 63, 193, 199.
 Canusinus portus ad Aufidum 263.
 Canusium opp. Apuliæ 282, 283.
 Capedunum opp. Scordiscorum 318.
 Caphereus prom. Euboeæ 368.
 Caphyenses opp. Arcadiæ 388.
 Capitulum opp. Latii 238.
 Capitulum 200, 230, 234, 236, 278, 319, 557, 637.
 Capnobatae epitheton Mysorum 296, 297.
 Cappadoces et Cappadocia 73, 288, 533—540. ad Pontum 532, 534, 678.
 Capreae insula 22, 60, 123, 247, 248, 258, 259.
 Capria lacus Paphlagoniæ 667.
 Caprus portus Chalcidicæ 331, frg. 33, 35. insula 331, frg. 33, 35. fl. Phrygiæ 578. fl. Assyriæ 738.
 Capsa opp. Numidiæ 831.
 Capua opp. Campaniæ 237, 242, 248, 249, 283.
 Capyæ opp. Arcadiæ 608.
 Capys Troianus 608.
 Caralis opp. Sardiniae 224.
 Carambis prom. Paphlagoniæ 125, 309, 496, 545, 546.
 Carana opp. Ponti 560.
 Caranitis 560.
 Carcathiocerta opp. Armeniæ 527.
 Carcinites sinus 307, 308, 311.
 Carcoras fl. Norici 207, 314.
 Cardaces 734.
 Cardamyla opp. Messeniæ 360, 361.
 Cardia opp. Chersonesi Thraciæ 331, frg. 52, 54.
 Carduchi pop. Asiae 747.
 Carenitis regio Armeniæ 528.
 Cares 6, 651—664.
 Caresene regio Troadis 602, 603.
 Caresus opp. Troadis 554, 602, 603. fl. Troadis 602, 603.
 Caria 63, 651—664. Cariæ fines 563. montes 632. litus 383, 665. Carica 65.
 Caricus Iuppiter 659. Caricus imperator (Hybreas) 660. Carica arma 661.
 Carmalas fl. Cataoniae 537.
 Carmania 78—80, 723—727.
 Carmani 720, 726.
 Carmelus mons Iudaeæ 758, 759.
 Carmentis Euandri mater 230.
 Carmon opp. Hispaniæ 141.
 Carmylessus opp. Lyciæ 665.
 Carua s. Caruana opp. Arabiæ 768.
 Carneades Academicus 838.

- Carneates mons Sicyoniae 382.
 Carni gens Alpina 206, 207, 216, 292, 314.
 Carnus opp. Syriae 753.
 Carnuli pop. Galliae 191, 193.
 Carpasia opp. Cypri 682.
 Carpasiae insulae ibid.
 Carpathium mare 124, 488, 489.
 Carpathus insula 124, 489.
 Carpetani 139, 141, 162, 162.
 ' ' ' 142.
 ' ' ' 747.
 Carsusiae opp. Umbriae 221.
 Carta opp. Hyrcaniae 508.
 Cartallas opp. Hispaniae 159.
 Cartela opp. Hispaniae 141, 145, 148, 151.
 Cartera vicus Thraciae 331, frg. 44.
 Carthaea opp. Cei insulae 486.
 Carthaginienses 66, 832—836.
 Carthaginiensis sinus 832, 834, lapis 830, 835, ager in Africa 131, 267, 831, 832, in Hispania 161.
 Carthago 64, 832—834. Carthago nova opp. Hispaniae 147, 148, 156, 158, 159, 161, 163, 167, 175, 827, 828.
 Carura opp. Phrygiae 557, 578, 580, 630, 663.
 Caryanda opp. et insula Cariae 658.
 Caryandenses ibid.
 Carystius lapis 437, 446.
 Carystus opp. Euboeae 416, 446, locus Laconicae 446.
 Casander rex Macedoniae 330, frg. 21, 24, 25.
 Casandra 264, 600.
 Casandrea opp. Macedoniae 330, frg. 25, 27, 31.
 Casiana castellum Syriae 752.
 Casillinum opp. Campaniae 237, 238, 249, 293.
 Casinum opp. Latii 237.
 Casium mons Aegypti 38, 50, 55, 58, 741, 753—760, 796, mons Syriae 742, 750, 751.
 Caspiae portae 60, 64, 78—81.
 Caspiane regio Albaniae 502, 528.
 Caspii 497, 502, 506, 514, 517, 520.
 Caspium mare 35, 491—531.
 Caspius mons Caucasi 91, 92, 497, 514.
 Cassiopea stella 134, 135.
 Cassiopa portus Epiri 324.
 Cassius Caesaris percussor 331, frg. 41, 752.
 Cassopaeci pop. Epiri 321, 324, 325.
 Castabala opp. Ciliciae 535, 537.
 Castalia fons 418.
 Castellum portus Firmi Piceni 241.
 Castlianaea opp. Magnesiae 438, 443.
 Castor pater Deiotari 562. Saecondari f Deiotari gener 568.
 Castrum s. Castrum novum opp. Piceni 241.
 Castulo opp. Hispaniae 142, 148, 152, 160, 166.
 Casus insula 489.
 Casystes portus Erythraeorum 644.
 Catabathmus mons et opp. Aegypti 791, 798, 825, 838.
 Catacecaumene regio Mysiae vel Lydiae 576, 579, 626, 628. Catacecaumenes vinum 628, 637.
 Catanaea 269, 272, 274, 628.
 Catana opp. Siciliae 240, 247, 266—268, 272. Catinenses 268, 269, 272.
 Catao Apollo 537.
 Cataones pop. Taurum accolens 130, 528, 533, 535, 537, 678.
 Cataonia pars Cappadociae 53, 134, 521, 533—536, 675, 680.
 Cataracta fl. Pamphyliae 667. Antenis 238. Euphratis 740. Nili 786, 787, 817, 818.
 Catennenses gens Pisidiae 570.
 Cathaea regio Indiae 699.
 Cathaei ibid.
 Cathylei pop. Germaniae 292. cf. Caulci.
 Cato Uticensis 515, 674, 684, 685, 836.
 Κατοπτήριος χώρος in Parnasso 423.
 Catoriges gens Alpina 204.
 Cattabanenses pop. Arabiae 768.
 Cattabania ibid.
 Catitrides insulae 120, 129, 147, 175.
 Cavares pop. Galliae 185, 186.
 Caucasus isthmus 129, 491, 499.
 Caucasus 68, 497—499, 504—506, 688—690.
 Cauci pop. Germaniae 291.
 Caucan fl. Achaiae 342, 387.
 Caucones in Elide 321, 322, 337, 342, 346, 346, 353, 355, 387, 554, 572.
 Cauconia vetus Elidis nomen 345.
 Cauconiatae s. Cauconitae in Paphlogonia 345, 541, 542, 678, 680.
 Cauconis monumentum in Elide 345.
 Caudium opp. Samnitium 249, 283.
 Caulci pop. Germaniae 291.
 Caulonia opp. in Bruttis 261. (v. Aulonia) opp. Siciliae ibid.
 Caunii 651, 652.
 Caunus opp. Cariae.
 Caystriani Larisaei 621.
 Caystrius heros 650.
 Caystrus fl. Ioniae 621, 641, 642, 650, 691. Caystri campus 440, 620, 626, 627, 629, 691.
 Cebren s. Cebrene opp. Troadis 596, 604, 607.

- Cebreni in Troade 590, 597, 606. in Thracia 590.
 Cebrenia pars Troadis 596, 597.
 Cebriones 596.
 Cecropia arx Athenarum 397.
 Cecrops 321, 397, 407.
 Celadon fl. Elidis 343, 348.
 Celaenae collis Troadis 577. opp. Phrygiae 577—579, 616, 629.
 Celaeno una e Danaidibus 579.
 Celaeus f. Neptuni 579.
 Celenderis opp. Ciliciae 670, 760.
 Celmis unus e Dactylis 473.
 Celossa mons Sicyoniae 382.
 Celsa opp. Hispaniae 161.
 Celtae 10, 176—178, 195—201.
 Celtiberi 33, 161—164.
 Celtiberia 142, 148, 162, 163, 165.
 Celtibericum bellum 162.
 Celtica 7, 176—199. cisalpina 195, 211, 212, 217, 218, 227, 240, 287, 292. Celtici populi 128, 165, 212, 289, 290, 313. sinus 137. Celtica armatura 315.
 Celtici pop. Hispaniae 139, 141, 151 153.
 Celtoligyes 203.
 Celtoscythae 33, 507.
 Cennenti montes in Gallia 128, 146, 177, 178, 182, 185, 187, 180—191, 208.
 Cenaeum prom. Euboeae 60, 426, 429, 435, 444, 446.
 Cenchreae portus Corinthiorum 54, 56 369, 380. opp. Argolidis 376.
 Cenchrius fl. prope Ephesus 639.
 Cenomani pop. Galliae cisalpinae 216.
 Centauri 346, 427, 434, 439.
 Centrones gens Alpina 204, 205, 208.
 Centuripae opp. Siciliae 272, 273.
 Ceos insula 448, 485, 486.
 Cephalae prom. in Syrti maiori 835, 836.
 Cephalenes s. Cephalenii 452, 456, 461.
 Cephalenia 124, 335, 338, 451—458, 637.
 Cephaleniaceum fretum 351, 455.
 Cephaloedium opp. Siciliae 266, 267.
 Cephalon Gergithius 589.
 Cephalus f. Deionci 452, 456, 459, 461.
 Cepheneus 42.
 Cephisia opp. Atticae 397.
 Cephisus lacus Boeotiae 407, 411.
 Cephisus. fl. Phocidis et Boeotiae 16, 405—407, 424, 427. fl. Atticae 400, 424. fl. Salaminis 424. Sicyoniae, Scyri, Argolidis ibid. fons Apolloniae ibid.
 Ceph opp. Bospori Cimmerii 495.
 Ceramietae pop. Cariae 660.
 Ceramus opp. Cariae 656.
 Cerasus opp. Ponti 548.
 Cerasa montes Atticae 395.
 Ceraunia in ora Illyrica 21, 105, 281, 283, 285, 316—318, 324, 326, 390. pars Caucasi 501, 504.
 Cerberus 363.
 Cerbesii pop. Phrygiae 380. Cerbesium carmen ibid.
 Cercaphus Ormeni pater 438.
 Cercesura opp. Aegypti 806.
 Cercetae pop. Asiae 492, 496, 497.
 Cerceteus mons Icariae 488.
 Cercinna insula et opp. 123, 831, 834.
 Cercinnitis insula 834.
 Cercitae pop. Ponti 548.
 Cereate opp. Latii 238.
 Ceres 331, frg. 50, 393, 468. colitur in insula Britanniae vicina 198. Ennae 272. Pyli 435. Romae 381. Pyrsi 435. Pylis 420, 429. Eleusine 495. Ephesi 633.
 Cereus fl. Euboeae 449.
 Cerilli opp. Bruttiorum 255.
 Cerinthus opp. Euboeae 445, 446.
 Cerna insula 47.
 Cerrhetani pop. Hispaniae 162.
 n 331, frg. 45.
 667.
 Cetei 616, 620, 678, 680.
 Ceteum fl. Mysiae 616.
 Chaa opp. Triphyliae 348.
 Chaalla opp. Arabiae 782.
 Chaatene regio Arianae 725.
 Chabaca opp. Ponti 548.
 Χαβρίων χάραξ vicus Aegypti 760.
 κόμη in Delta Aegypti 803.
 Chabum opp. Chersonesi Tauricae 312.
 Chacanoctae pop. Caucasi 506.
 Chaeremon Alexandrinus 806.
 Chaeronea opp. Boeotiae 407, 413, 414.
 Chaeroneenses 424.
 Chalastra opp. Macedoniae 330, frg. 201, 21, 23, 24.
 Chaldaei sapientes Babylonii 23, 739, 762, 806. pop. Babyloniae 687, 739, 765—767. pop. Ponti 548, 549, 551, 555.
 Chalcedon opp. Bithyniae 320, 541, 543, 563, 566, 609.
 Chalcedonii 319, 320, 543, 546, 548, 563.
 Chalcedonicum litus 320, 563. sacrum 313, 543, 563.
 Chalcetores (non Chalcedor) opp. Cariae 636, 655.
 Chalcia s. Chalcis mons Aetoliae 451, 459, 460.
 Chalcia una Sporadum 488, 655.
 Chalcidenses in Euboea 243, 246, 247, 257, 260, 447, 449, 472. in Ionia 644. in Thracia 329, frg. 11.

- Chalcidica terra 575.
 Chalcidice regio Syriae 753.
 Chalcidici 331, frg. 35.
 Chalcidicum fretum (Euripus) 36, 56, 400, 403, 447.
 Chalcis opp. Euboeae 403, 445—448, 451, 465. opp. Aetollae 427, 447, 451, 460. opp. Triphyliae 343, 350, 351. opp. Syriae 753, 755. fl. Triphyliae 343, 351. mons Aetollae cf. Chalcia.
 Chalonitis regio Assyriae 529, 736.
 Chalyba opp. Ponti 549, 551.
 Chalybae pop. Ponti 528, 549—551, 678.
 Chalybonium vinum 735.
 Chamanene praefectura Cappadociae 534, 540.
 Chanes fl. Albaniae 500.
 Chaones gens Epirotica 323, 324.
 Characoma castellum frg. 46.
 Charadra opp. Messeniae 360.
 Charadrus castellum Ciliciae 669.
 Charax opp. Corsicae 224. locus ad Syrtim maiorem situs 836. Chabriae cf. Chabrias, Patrocli cf. Patroclus, Meleagri cf. Meleager. Sesostrius 769, 790.
 Charaxus frater Sapphus 808.
 Chares Lindius 652.
 Chares fl. Colchidis 499.
 Charilaus rex Spartae 482.
 Χαριμότου βωμός in ora Aethiopica 774.
 Charmides pater Phidiae 353.
 Charmolaus Massiliensis 165.
 Carmothas opp. et portus Arabiae 777.
 Charon Lampsacenus 583, 589.
 Charondas legum lator 539.
 Charonium 579, 636, 649. cf. Plutonium.
 Charybdis in freto Siculo 5, 20, 21, 23, 25, 26, 43, 268. terrae hiatus in Syria 275.
 Chatramotitae pop. Arabiae felicitis 768.
 Chatramotitis ibid.
 Chatti pop. Germaniae 291, 292.
 Chattuarii pop. Germaniae 291, 292.
 Chaubi pop. Germaniae 291.
 Chaulotaci pop. Arabiae 767.
 Chazene regio Assyriae 736.
 Chelidoniae insulae prope oram Pamphyliae 520, 651, 663, 666, 677, 682.
 Chelonatas prom. Elidis 335, 338, 342, 343, 348, 456 (836).
 Chelouophagi 773.
 Χελωνών νήσος ins. Aethiopiae 773.
 Chersonesitae incolae Chersonesi Tauricae 308—312.
 Chersonesus opp. Chersonesi Tauricae 308, 309, 312, 542. i. q. Apamea in Syria 752. portus Lycti in insula Creta 479, 838. castellum Aegypti 799. prom. et portus Cyrenicae 338. opp. Hispaniae 159.
 Chersonesus Thracica ad Hellespontum 92, 108, 124, 129, 331, frg. 52—54, 459, 589, 591, 695. Taurica vel Scythica ad Maeotim paludem 308—312, 546. maior 307. minor 308.
 Chersirates Heraclides Corcyrae conditor 269.
 Chersiphron architectus 640.
 Chersuci pop. Germaniae 291, 292.
 Chilocomum ager Amasenorum 561.
 Chimaera monstrum 665. vallis Lyciae 665, 666.
 Chimerium prom. Epiri 324.
 Chiocrates (Igd. Dinocrates) architectus 641.
 Chium vinum 637, 657. figlinum 317.
 Chius insula 124, 482, 488, 589, 619, 621, 632, 633, 645. opp. insulae 601, 645.
 Chloris mater Nestoris 347.
 Choaspes fl. Indiae 697. fl. Persidis 47, 728, 729.
 Choenicides in ora Sinopensium 545.
 Choerilus poeta 303, 672.
 Chona opp. Lucaniae 254, 255.
 Chones incolae Lucaniae 253—255, 264.
 Chonia 654.
 Chorasmii pop. Sacarum vel Massagetarum 513.
 Chordraza opp. Mygdonum in Mesopotamia 747.
 Chorzene regio Armeniae 528.
 Chrysa, opp. Troadis, vetus 605, 611—613. nova 604, 612, 613, 662.
 Χρυσαιορέως Ζεύς 660.
 Χρυσαιορέων s. Χρυσαιορινόν σύστημα in Caria 660.
 Chrysels 583, 611—613.
 Chrysippus Solensis stoicus 301, 610, 671.
 Chrysopolis vicus Bithyniae 563.
 Chrysorrhoeas fl. Syriae 755.
 Chytrium locus Clazomenis vicinus 645.
 Cibotus portus Alexandriae 792, 795.
 Cibra maior opp. Phrygiae 630, 631, 665.
 Cihyratae 631. minores in Pamphylia 667.
 Cihyratis s. Cihyratica 629, 631, 651.
 Cicero 455, 660, 798.
 Cichyrus i. q. Ephyra Thesprotorum 324.
 Cicones pop. Thraciae 330, frg. 18, 331, frg. 68.
 Cicyneus insula in sinu Pagasaeo 436.
 Cidenas Chaldaeus 739.
 Cierus opp. Thessaliae 435.
 Cilibianus campus in Lydia 629.

- Cilices in Troade 221, 586, 603, 606, 611, 612. in Cilicia 125, 608—676.
 Cilicia 48, 668—676. ἡ Τραπεζία s. Τραπεζῖτις 533—535, 537, 540, 569, 571, 667—669, 671, 672, 681, 682.
 Ciliciae portae 537, 539, 670. Cilicius Taurus 533, 535, 566. Cilicium mare 84, 492. litus 683.
 Cilla opp. Troadis 612, 613.
 Cillaeus mons Troadis 612. mons Lesbii 612.
 Cillaeus Apollo 612, 613, 618.
 Cillanius campus in Phrygia 629.
 Cillus fl. prope Cillam 612. Pelopis auriga 613.
 Cimarum prom. Cretae 474, 475.
 Cimbri gens Germaniae 102, 193, 196, 214, 291—294.
 Cimiata castellum Paphlagoniae 562.
 Cimiataene regio Paphlagoniae 562.
 Ciminia palus in Etruria 226.
 Cimmericus vicus in Bosporo Cimmerico 494.
 Cimmericum opp. Bospori Cimmerii ibid.
 Cimmericus Bosporus cf. Bosporus. sinus 309.
 Cimmerii G, 20, 61, 149, 244, 293, 309, 494, 511, 543, 552, 553, 573, 627, 647, 648.
 Cimmeris urbs apud Hecataeum 299.
 Cimmerius mons in Chersoneso Taurica 309.
 Cimolus insula 484, 485.
 Cinaethium opp. Laconicae 360.
 Cindya vicus Cariae 668.
 Cindyas Diana 658.
 Cineas historicus 329.
 Cinnamomophorus 63, 72, 74, 119, 133, 769, 774, 778, 782, 789, 790.
 Cinolis opp. Paphlagoniae 545.
 Cinyras Bybli tyrannus 755.
 Circe 21, 43, 44, 46, 224, 232, 395.
 Circaeum prom. Latii 23, 231, 232.
 Cirphis opp. Phocidis 416. mons Phocidis 418.
 Cirrha opp. Phocidis 416, 418.
 Cirta opp. Numidiae 828, 832.
 Clisamus opp. Cretae 479.
 Cisses rex Thraciae 330, frg. 21.
 Cisseus Iphidamantis avus 330, frg. 24.
 Cissia Memnonis mater 728.
 Cissii i. q. Susii 728.
 Cissus Althaemenis pater 389, 481.
 Cissus opp. Macedoniae 330, frg. 21, 24.
 Cisthena opp. Mysiae 606.
 Cisthena insula prope Lyciam 666.
 Cithaeron 26, 380, 393, 404, 405, 408, 409, 411.
 Citium opp. Cypri 682, 683.
 Citius Zeno 610.
 Citrum opp. Macedoniae 330, frg. 22.
 Clus Herculis comes 564.
 Cius opp. Bithyniae 562, 563.
 Cizari arx Phazemonitidis 560.
 Clanis fl. in Alpihus Noricis 207. fl. Latii 233, 235.
 Clarus opp. Ioniae 642, 643, 668.
 Clastidium opp. Galliae cisalpiniae 217.
 Clautinatii pop. Vindelicorum 206.
 Clazomenae opp. Ioniae 54, 633, 645.
 Clazomenii 331, frg. 52, 494, 644, 645.
 Cleanaetidae tyranni Mytilenae 617.
 Cleandria opp. Troadis 603.
 Cleandridas dux Thuriorum 264.
 Cleanthes Stoicus 610. pictor 343.
 Cleo sacerdos Iovis Abretteni 574.
 Cleobulus Lindius 655.
 Cleomachus Magnes 648.
 Cleombrotus Heraeae conditor 337.
 Cleonae opp. in monte Atho 331, frg. 33, 35. opp. Argolidis 377, 382.
 Cleonaei Mycenae evertunt 377.
 Cleonymus Heraeae conditor 280, 337.
 Cleopatra Auletae filia 288, 325, 558, 595, 669, 671, 672, 684, 685, 795—797, 824.
 Euergetis coniux 99. η Σελήνη 793.
 Cleopatris opp. Aegypti 780, 804.
 Cleochares Myrleanus rhetor 566.
 Cleues dux Aeolum 582.
 Clides insulae 682, 684.
 Climax mons Lyciae 666. mons Coelestriae 755.
 Clitarchus historicus 224, 293, 491, 505, 718.
 Cliterna opp. Aequorum 216.
 Clitor opp. Arcadiae 388.
 Clusini 220.
 Clusinus ager 235.
 Clusium opp. Etruriae 226.
 Clymena 33.
 Clypea opp. Carthaginiensis cf. Aspis.
 Cnemides opp. Locrorum 426.
 Cnemis mons in Locris 416, 425.
 Cnida ager Cnidiorum 488.
 Cnidii 275, 315, 653, 656. Cnidium vinum 637.
 Cnidus opp. Cariae 119, 653, 658, 807.
 Cnopia Thebaica vicus Boeotiae 404.
 Cnopus Codri f. 633.
 Cnossii 477, 478.
 Cnossus opp. Cretae 476, 477, 479, 481.
 Cnuphis Aegyptiorum deus 817.
 Cobialus vicus Paphlagoniae 545.
 Cobus rex Trerum 61.
 Cocalus rex 273, 279.
 Coccicius architectus 245.

- Coccus cf. Ptolemaeus.
 Codridae 383.
 Codrus 321, 393, 603, 632, 633, 653.
 Coelesyri 741, 749, 767.
 Coelesyria 756.
 Cogaeonus mons et fl. in Getis 298.
 Colapis fl. in Iapodibus 207, 314.
 Colchi 14, 497—499.
 Colchici populi 527. montes 491. Colchicum mare 492. littus 52, 448, 497. Colchicus isthmus 491.
 Colchia 6, 497—499.
 Collatia opp. Latii 230.
 Collina porta Romae 228, 234, 272.
 Coloa lacus Lydiae 626, 627.
 Colobi pop. Troglodyticae 771, 773.
 Colonae opp. prope Lampsacum, in Thesalia, Phocide, Erythraea 589. in Troade 589, 604, 612.
 Colophon opp. Ioniae 633, 634, 643.
 Colophonii 634, 643.
 Colossaea opp. Phrygiae 576. Colosseniana 578.
 Colotes sculptor 337.
 Colyttus pagus Atticae 65, 66.
 Comana opp. Cataoniae 521, 535, 536, 557 opp. Ponti 535, 547, 557—560, 574, 796.
 Comarus portus Epiri 324.
 Comisene regio Parthienae 514. regio Armeniae 528.
 Commagene regio Syriae 521, 522, 527, 533, 535, 664, 678, 746, 747, 749, 750.
 Commageni 521, 527.
 Comum opp. Galliae cisalpinae 192, 204, 206, 213.
 Concordia opp. Galliae cisalpiniae 214.
 Coniaci pop. Hispaniae 156. pop. Indiae 699, 690.
 Conisalus deus Atticorum 588.
 Conisci cf. Cantabri.
 Conistorgis opp. Hispaniae 141.
 Κόνωνος βαιμολ in Troglodytica 771.
 Conopa opp. Aetoliae 460. cf. Arsinoe.
 Consentia opp. Bruttiorum 256.
 Convenae pop. Galliae 190, 191.
 Copae opp. Boeotiae 406, 407, 410, 411.
 Copais palus 59, 406—408, 410, 411, 413, 415, 424.
 Cophes fl. Indiae 697, 698.
 Cophus portus Pallenae 330, frg. 32.
 Copiae l. q. Thurii 263.
 Cupratas fl. Susianae 729.
 Copria littus Tauromeniae 268.
 Coptus opp. Aegypti 781, 782, 815.
 Cora opp. Latii 237.
 Coracesium opp. Ciliciae 667, 668, 670.
 Coralis palus in Lycania 568.
 Coralus fl. Boeotiae 411.
 Κορακίων χώρα in Aethiopia 771.
 Coracius mons Ioniae 643.
 Coralli pop. Thraciae 318.
 Corassiae insulae 488, 636.
 Κοράου κυνήγιον 771. φρούριον ibid.
 Corax mons Aetoliae 329, frg. 6, 417, 450.
 Corbiana Elymaeorum provincia 745.
 Corbilo opp. Galliae 190.
 Coreyra 44, 105, 106, 124, 269, 299, 324, 326, 329, frg. 6, 7, 8, 449. Nigra 124, 318.
 Corduba opp. Baeticae 141, 142, 160.
 Coresia opp. Cei 486.
 Coresus mons prope Ephesum 634, 640.
 Corfinium opp. Marrucinarum 238, 241, 242.
 Corinthus 219, 269, 277, 335, 338, 347, 361, 372, 378—382.
 Coriscus philosophus 608.
 Cornelius Gallus praefectus Aegypti 819.
 Corocondama opp. Bospori Cimmerii 494, 496.
 Corocandamitis palus 494.
 Coroebus Eleus 355.
 Corona opp. Messeniae 360, 361.
 Coronea opp. Boeotiae 410, 411, 414, 434. opp. Thessaliae 411, 434.
 Coronaca ager Coroneae 407, 411.
 Coronii incolae Coroneae 411.
 Coropassus opp. Lycaoniae 568, 663.
 Corpili pop. Thraciae 331, frg. 48.
 Corpilica in Hellesponto 331, frg. 58.
 Corsica (Cyrenus) 123, 223—226, 252, 654, 840.
 Corsura insula 834.
 Corus i. q. Cyrus fl. Iberiae 500.
 Corybantes 331, frg. 51, 466—473.
 Corybantum prope Hamaxitum 473.
 Corybissa prope Scepsin 473.
 Corycaei piratae Ioniae 644.
 Corycium antrum 417, 627, 671, 683. iugum 683.
 Corycus mons et prom. Ioniae 644, prom. Cretae 363, 738. prom. Ciliciae 670, 683. littus Lyciae 666. opp. Lyciae 667, 671.
 Corydalenses pagus Atticae 395.
 Corydalus mons Atticae 395, 399.

- Coryphantis opp. Mytilenaeorum 607.
 Coryphasium mons et prom. Messeniae 339, 348, 351, 353, 359. opp. Messeniae 348.
 Cos insula 124, 331, frg. 59, 488, 489, 573, 637, 653, 657, 686, 701. — oppidum 374, 573, 653, 657, 686, 701.
 Cosa fl. Latii 237.
 Coscinia opp. Cariae 587, 650.
 Cosmi magistratus Cretensium 482, 484.
 Cossa s. Cossae opp. Etruriae 222, 225.
 Cossaea regio Asiae 744.
 Cossaei 522, 524, 741, 744. Cossaei montes 524, 742.
 Cossura insula et opp. 123, 277, 834.
 Cotes prom. Mauritaniae 825—827.
 Cothon insula et portus Carthaginiensium 832, 833.
 Cothus frater Aegli et Ellopis 321, 445, 447.
 Cotialium opp. Phrygiae 576.
 Cotinae opp. Baeticae 142.
 Cottii ager in Alpibus 178, 179, 204, 217.
 Cotuantii pop. Baetorum 206.
 Cotylus cacumen Idae montis 602.
 Cotys princeps Sapaeorum 556. rex Odrysarum 331, frg. 48. dea Edonorum 470.
 Cotytto 470.
 Cragus opp. Lyciae 665. mons et prom. Lyciae 665. rupes Ciliciae 669.
 Crambusa opp. Lyciae 666. insula Ciliciae 670.
 Cranaa insula 399.
 Cranae Athenienses 397.
 Cranaus rex Atheniensium 397.
 Cranii opp. Cephaleniae 455, 456.
 Crannon opp. Thessaliae 329, frg. 14, 330, frg. 16, 441, 442.
 Crannonii 329, frg. 14, 330, frg. 16, 18, 331, frag. 58, 441, 442.
 Crassus triumphator 747, 748. consul 170, 646.
 Crater sinus Campaniae 242, 243, 247.
 Craterus dux Alexandri 702, 721, 725. es
 Crates ὁ μεταλλευτής 407. Mallot 3—5, 40—32.
 Crathis fl. Achaiae 386. fl. Italiae 263, 386, 449.
 Cratippus Trallianus 649.
 Cremasta opp. Thessaliae 440.
 Cremona opp. Psidiae 569, 570.
 Cremona opp. Italiae 216, 247.
 Crenides opp. Macedoniae 331, frg. 34, 41, 43.
 Creontiades Eleae conditor 282.
 Creophagi gens Aethiopica 771, 772.
 Creophylus Samius 638, 639.
 Creopolium mons Argolidis 376.
 Cresphontes 361, 389.
 Crestonia opp. Thraciae 331, frg. 41.
 Creta 46, 474—484.
 Cretenses 279, 480—484.
 Creusa s. Creusia opp. Boeotiae 400, 405, 409.
 Crimisa castellum Lucaniae 254.
 Crinacus nomen barbarum 321.
 Crinagoras Mytilenaeus 617.
 Crisa opp. Phocidis 265, 390, 416, 418, 419.
 Crisaei 418, 419.
 Crisaeum mare 390, 400, 405. bellum 418, 421. Crisaeus sinus 259, 323, 329, frg. 13, 334, 336, 379, 390. campus 418, 419, 427.
 Critasirus rex Bolorum 304, 313.
 Crithota prom. Acarnaniae 459. opp. Chersonesi Thraciae 331, frg. 56, 459.
 Κριού μέτωπον prom. Cretae 106, 474, 837. prom. Chersonesi Tauricae 125, 309, 496, 545.
 Crobyzi gens Thraciae 318.
 Crocius campus in Thessalia 433, 435.
 Crocodilorum urbs in Aegypto 811, 817. in Iudaea 758.
 Crocylea locus Acarnaniae 376, 452, 453.
 Croesus 420, 421, 534, 564, 601, 626, 627, 640, 680, 735.
 Crommyon opp. Megaridis 380, 390, 391.
 Crommyonius ager 380, 392. Crommyonia sus 380.
 Κρομμύου ἀκρᾶ prom. Cypri 669, 692, 693.
 Cronium Saturni aedes Gadibus 169, 175.
 Cromna opp. Paphlagoniae 544.
 Croton 259, 261, 262, 269, 387.
 Crotoniatae 261—263, 269.
 Crotoniatis 254, 261, 272.
 Cruni opp. Moesiae 319. fons Triphyliae 343, 350, 351.
 Crusis regio Macedoniae 330, frg. 21.
 Ctenus (Κτενούς) portus Chersonesi Tauricae 308, 312.
 Ctesias Cnidius 43, 508, 656, 659, 779, 785.
 Ctesipho opp. Assyriae 743.
 Clumena 453.
 Clistae Thraces 296.
 Cuarius fl. Thessaliae et Boeotiae 411, 412, 435.
 Cubi cf. Bituriges.
 Cuculum opp. Latii 238.
 Culupene regio Ponti 560.
 Cuneus prom. Lusitaniae 137.
 Curallus fl. Thessaliae 438.
 Cures opp. Sabinorum 228.
 Curetes pop. Aetoliae 321, 423, 429, 451,

- 462—469., 472, 473. sacerdotes 331, frg. 51, 466—474, 480, 640.
 Curetis i. q. Pleuronius ager 451, 465.
 Curias prom. Cypri 693. littus ibid.
 Curium opp. Cypri 683. mons Aetoliae 451, 465.
 Cutiliae opp. Sabinorum 228.
 Κυάναει πέτραι s. Συμπληγάδες 21, 91, 92, 125, 149, 319, 320, 331, frg. 56, 57, 445.
 Κυανή λίμνη in Armeniae 929. cf. Mantiane.
 Cyaxares rex Medorum 801.
 Cybela (Cybeba) dea 469, 470, 567.
 Cybela mons Phrygiae 567.
 Cybelia opp. Ioniae 645.
 Cyblosactes rex Aegyptiorum 796.
 Cybistra opp. Cataoniae 535, 537.
 Cycesium opp. Pisatidis 356, 357.
 Cychrea i. q. Salamis 393.
 Κυχερίδης ὄφις ibid.
 Cychreus heros 393.
 Cyclades insulae 58, 124, 368, 474, 485, 488, 538, 636.
 Cyclopes 20—22, 40, 373, 502, 592.
 Cyclopia opera 369, 373.
 Cyenus rex Colanarum 380, 589, 604.
 Cydippa Cercaphi uxor 654.
 Cydnus fl. Ciliciae 47, 672, 673, 675.
 Cydones et Cydonia opp. Cretae 376, 475, 476, 478, 479.
 Cydrae opp. Epiri 327.
 Cydrelus Codri f. 633.
 Cyinda castellum Cilliciae 672.
 Cyllene opp. Elidis 337, 338, 341, 456, mons Arcadiae 388.
 Cyma Phriconis opp. Aeolidis 242, 243, 245, 331, frg. 52, 409, 440, 505, 550, 582, 589, 600, 621—623, 646, 667. opp. Campaniae 26, 243—246, 248, 274, 626.
 Cynaetha opp. Arcadiae 388.
 Cynamolgi pop. Aethiopiae 771.
 Cynia palus in Aetolia 459.
 Cynocephali pop. Aethiopiae 43, 209, 774.
 Cynopolites pagus 812.
 Κυνός κεφαλαί locus Thessaliae 441.
 πόλις opp. Aegypti 802. σῆμα prom. Cariae 656. locus in ora Aegypti 790. i. q. Ἐκάρβης σῆμα q. v.
 Κυνών πόλις opp. Aegypti 812.
 Cynthus mons Deli 485.
 Cynuria regio Argolidis 65, 370, 376.
 Cynus opp. et prom. Locridis 60, 425, 426, 446, 615.
 Cyparissaeis fl. Messeniae 349. fl. Triphy-liae 348, 349.
 Cyparissia opp. Triphylliae 348, 349. opp. Messeniae 345, 349, 359, 361. opp. Laconicae 363.
 Cyparissiensis 345, 348, 359.
 Cyparissus opp. Phocidis 423.
 Cyphus mons Thessaliae 442. opp. Thes-saliae 441, 442.
 Cypsela opp. Thraciae 322, 329, frg. 9, 10, 331, frg. 48, 57.
 Cypselus tyrannus Corinthi 325, 353, 378, 452.
 Cypra i. q. Iuno 241.
 Cypria i. q. Cyprus 660.
 Cyprii, Cypri incolae 341, 682, 684.
 Cyprus 6, 681—685.
 Cyra opp. Bactrianae 517.
 Cyrbantes i. q. Corybantes.
 Cyrbas conditor Hierapytnae 472.
 Cyrene et Cyrenaica 56, 57, 123, 131, 133, 347, 474, 475, 484, 791, 798, 814, 829, 836, 837, 838, 840.
 Cyri campus in Lydia 626, 629.
 Cyrrhastica pars Syriae 751.
 Cyrsilus Pharsalius historicus 530.
 Cyrtii pop. Mediae 523, 527.
 Cyrus Persarum rex 61, 252, 507, 512. fl. Persidis 729. fl. Iberiae et Albaniae 61, 491, 498, 500, 501, 509, 514, 528.
 Cythera insula et opp. 124, 363, 368, 475.
 Cytherius fl. Pisatidis 356.
 Cytherus opp. Atticae 397.
 Cythnus insula 485.
 Cytinium opp. Locridis 427, 475.
 Cytorum opp. Paphlagoniae 542, 544, 545.
 Cytorus opp. Ponti 548. Phruxi f. 544.
 Cyzicus et Cyziceni 35, 125, 331, frg. 58, 564, 565, 575, 576, 581—583, 585—589, 635, 655, 681.

D.

- Daac i. q. Daci 301. gens Scythica 304, 508, 511, 515.
 Daci 207, 212, 213, 304, 305, 313.
 Dactyli Idaei 331, frg. 51, 355, 466, 473.
 Daedala opp. Cariae 651, 604. mons Ly-ciae 664.
 Daedalus pater Iapygis 279, 447.
 Daes Colonaeus 612.
 Daesitiatae gens Pannoniae 314.
 Dalion fl. Triphylliae 344.
 Dalmatae 315, 317.
 Dalmatia s. Dalmatica 314, 315.
 Dalmium vel Delmium opp. Dalmatarum 315.
 Damasceni 755, 756.

- Damascus opp. Syriae 755, 756.
 Damasia opp. Licattiorum 206.
 Damastes rerum scriptor 47, 583, 684.
 Damastium in Epiro 326.
 Damasus Atheniensis 633. Scombrus Tralianus 649.
 Damnameneus unus Dactylorum Idaeorum 473.
 Danae Persel mater 487.
 Danaï 369, 371, 574.
 Danaïdes 371, 579, 654, 655. Aeschylī drama 221.
 Danala (?) castellum Galatarum 567.
 Danaus 23, 321, 370—372.
 Dandarii gens Maeotica 495.
 Danthelethae pop. Thraciae 318.
 Danubius 289, 304, 314.
 Daorizi gens Dalmatica 315.
 Daphitis grammaticus 647.
 Daphne opp. Syriae 719, 749, 750.
 Daphnia cognomen Dianae 343.
 Daphnus opp. Phocidis s. Locridis 416, 424—426. portus Aethiopiae 774.
 Darada opp. Trogodyticae 771.
 Darapsa opp. Bactrianae 516, 725.
 Dardania s. Dardanica regio Troadis 330, frg. 50, 565, 592, 593, 596, 602, 606.
 Dardanatae s. Dardanii pop. Illyrici 313, 315, 316, 318, 329, frg. 4, 389.
 Dardanii s. Dardani Troiani 453, 585, 592, 606, 662.
 Δαρδανίς s. Δαρδάνιος ἄναξ prom. Troadis 587, 595.
 Dardanus opp. Troadis 587, 590, 595, 600. Iasonis frater 331, frg. 50, 346, 592.
 Darieees Darii nomen 785.
 Darius Hystaspis f. 98, 100, 301, 303, 305, 591, 635, 638, 735, 730, 738, 804. ab Alexandro victus 79, 544, 591, 676, 697. Longimanus 735.
 Dascyllitis lacus Mysiae 550, 575, 576. cf. Aphnitis.
 Dascylum opp. Mysiae 575, 582.
 Dasmenda castellum Cappadociae 540.
 Dassaretii pop. Illyrici 316, 318.
 Dastarcum castellum Cataoniae 537.
 Dastira opp. Armeniae 555.
 Datis Persa 399.
 Datum opp. Thraciae 331, frg. 33, 36.
 Daulia s. Daulis opp. Phocidis 321, 323, 416, 423, 424.
 Daulius rex Crisae 265.
 Daunia i. q. Apulia 279, 283, 284.
 Daunii 215, 242, 277, 281—285, 654.
 Dazimonitis regio Ponti 547.
 Debae pop. Arabiae 777.
 Decaeneus vates Getarum 298, 304, 762.
 Declea opp. Atticae 396, 397.
 Decletae pop. Ligurum 202.
 Decimus Brutus 205.
 Degmenus Epēus 337.
 Delanira Oenici filia 381, 451, 458.
 Delimachus scriptor 68—70, 72—77, 690.
 Deloneus Cephalī pater 452, 456, 459.
 Delotarus princeps Galatarum 547, 567, 568. Paphlagoniae rex 562.
 Deliphontes Artes Argolicae rex 389.
 Delium opp. Boeotiae 368, 403. sacrum Apollinis in Argolide 368.
 Dellius historicus 523.
 647.
 482.
 oraculum 417—422.
 Delphinium opp. et portus Boeotiae 403.
 Delta Nilī 30, 66, 701, 786—788, 801, 803, 805, 818. Indi (Patalene) 701. vicus Aegypti 788.
 Delus insula 374, 485—487, 668.
 Demaratus pater Lucumonis 219, 378.
 Demetrius opp. Assyriae 738. opp. Thessaliae 428, 436, 438, 441, 443.
 Demetrium Cereris templum 381, 435.
 Δημητρίου σινοαί ad sinum Arab. 771.
 Demetrius Poliorceta 54, 232, 382, 436. nepos Poliorcetae 361, 563. Callatianus 60. Pharius 315, 361. Phalerensis 147, 398. Astolicus 451. Laco 658. Euthydemī f. 531. Ratheni f. 548. Seleuci f. 624. Sepsius 45, 46, 58, 59, 328, 339, 344, 375, 438, 439. 456. 472, 473, 489, 530—532, 594—600, 602—611, 626, 627, 680.
 Democles historicus 58.
 Democoon f. Priami 585.
 Democritus 1, 61, 65, 703.
 Demosthenes orator 121, 374, 424, 445, 471
 Demus Ithacae 299.
 Derba opp. Lycaoniae 535, 539.
 Derbices pop. Margianae 514, 520.
 Derecto cf. Atargatis.
 Derdae pop. Indiae 706.
 Deris portus Marmaricae 799.
 Derrhis prom. Macedoniae 330, frg. 31, 32.
 Dertona opp. Italiae 217.
 Dertosa opp. Hispaniae 159, 160.
 Deucalio rex Thessaliae 383, 425, 432, 443, 444. insula 435.
 Deudorix Sigamber 292.
 Deuriopes pop. Macedoniae 327.
 Deuriopus regio Macedoniae 326.
 Dia insula prope Cretam 484. in sinu Arabico 777. i. q. Hebe 382.
 Diacopene regio Ponti 561.
 Diades cf. Athenae Diades.
 Diagesbenses pop. Sardiniae 225.

- Diana 180, 257, 343, 387, 485, 635, 643, 739. Amarynthia 445. Daphnia 343. Elaphia ibid. Tauropolis 239, 240, 535, 537. Dianae sacrum 639, 744. Ephesia 159, 179, 180, 184, 387, 639, 647. Nemysia 342. Heliae 350. τὸ ἐν Ἀλφειῶσι 362. Ἀλφειῶν τὸ ἐν Σπάρτῃ 362. Astyrenae 613. Brauroniae 399. Cindyaadis 658. Colaenae 626. Leucophryenae 647. Munichiae 639. Perasiae 537. Pergaeae 667. Sarpedoniae 676. nemus Dianae Aetolidis 215. Alpheoniae s. Alpheusae 343. Astyrenae 608. Dianae signum 180. Artemisium 159, 239, 240, 343, 651.
 Dianium opp. Hispaniae 159.
 Dicaea opp. Thraciae 331, frg. 44, 47.
 Dicaearchia opp. Campaniae 26, 99, 145, 245, 248, 285, 793.
 Dicaearchus geographus 2, 104—106, 170.
 Dicta mons Cretae 472, 478, 479. locus prope Scepsin in Troade 472.
 Dictaeum templum Iovis Praesi 479.
 Dictynna cf. Britomartis.
 Dictynnaeus sacer. 479. promontorium 481.
 Dictys Scirphius 487.
 Dido Carthaginiensis conditrix 832.
 Didyma montes Thessaliae 647, 847. opp. Branchidarum 421, 634.
 Didyma insula prope Siciliam 276, 277. opp. Hispaniae 169. cf. Gades.
 Diegylis rex Caenorum 624.
 Dindymena mater Deorum 45, 469, 470, 567, 578, 626, 647.
 Dindymum mons prope Pessinuntem 567 prope Cyzicum 45, 575.
 Dinocrates scriptor 641.
 Dio Syracusanus 255. academicus 796.
 Διοχάρους πύλαι Athenis 397.
 Diodorus grammaticus Tarsensis 675. dux Adramytenorum 614. Zonas orator 627. minor Strabonis amicus 628. Cronus 688, 838.
 Diodotus Sidonius 757. sculptor 396. Trypho 515, 668, 752, 766.
 Diogenes cynicus Sinopensis 546, 716. Tarsensis 675. Babylonius stoicus 744.
 Diomedes insulae 124, 215, 284.
 Diomedes rex Argorum 17, 150, 214, 215, 283, 284, 325, 423, 462. Bistonum rex 331, frg. 44.
 Diomedes campus in Apulia 284.
 Diona colitur Dodonae 329.
 Dionysides Tarsensis poeta tragicus 675.
 Dionysius maior Siciliae tyrannus 161, 212, 226, 241, 258. minor 255, 258, 259. tyrannus Heracliae 544 Bithynus 566. Atticus 625. Thrax 655 Halicarnassensis 656. Syrius 751.
 Dionysocles Trallianus orator 649.
 Dionysodorus mathematicus 548.
 Diophanes Mytilenaeus 617.
 Diophantus dux Mithridatis 306, 312.
 Dioscuri 48, 232, 261, 364, 396, 496, 791.
 Dioscurias opp. Colchidis 47, 125, 126, 497—499, 505, 508.
 Diospolis opp. Ponti (cf. Cabira) 557. opp. Aegypti 802. i. q. Thebae 805, 815. minor 814.
 Diotimus f. Strombichi 47.
 Diotrophes sophista Antiochenus 630, 659.
 Diphilus poeta comicus 546.
 Dira opp. Aethiopiae 769, 773. prom. Aethiopiae 769, 772—774.
 Dirca fons prope Thebas 388, 408. prope Pharam 388.
 Dircaeae Thebae 387.
 Ditiones gens Pannonica 314.
 Dium opp. Macedoniae prope Olympum 330 frg. 17, 18, 20, 22. ad Athonem 331, frg. 33, 35. opp. Euboeae 446.
 Dius 265. pater Hesiodi 409, 662.
 Doherus mons Macedoniae 331, frg. 36.
 Docimia opp. Phrygiae 437, 477, 577.
 Dodona opp. Epiri 28, 256, 327—329, frg. 1, 3, 420, 762.
 Dodonaeus Iuppiter 221. Dodonaea quercus 329, frg. 2.
 Doedalsus conditor Astaci 563.
 Dolabella 646, 752.
 Dolicha 458. cf. Dulichium.
 Doliones pop. Mysiae 564, 575, 678, 681.
 Dolionis regio Mysiae 576, 681.
 Dolomene regio Assyriae 736.
 Dolopes 28, 431, 433, 434, 437, 440, 450.
 Dolopia 430, 432, 437.
 Domanitis regio Paphlagoniae 562.
 Domitius Ahenobarbus 185, 191, 649.
 Domneclius tetrarcha Galatarum 543.
 Doracta insula sinus Persici 767.
 Dores 61.....
 Dorica tetrapolis 417, 425, 427, 476. dialectus 333.
 Doricha meretrix 808.
 Doris ad Parnassum 373, 434. i. q. Histiaeotis Thessaliae 437, 475, 476.
 Doriscus opp. Thraciae 331, frg. 48.
 Dorium in Messenia 350.
 Dorus f. Hellenis 362, 383.
 Dorylaeum opp. Phrygiae 576.
 Dorylaeus tacticus, abavus Strabonis 477, 478, 577. Philetaeri f. 478, 557.
 Dosci gens Maecotica 495.
 Dotium campus Thessaliae 61, 442.
 Drabescus opp. Macedoniae 331. frg. 33.
 Drabus opp. Thraciae 331, frg. 51. fl. Norici ad Pannoniam 314.
 Dracanium opp. Icariae 639.

- Draco comes Ulixis 253. Pytho 421, 422.
 Typho 751.
 Dranga regio Arianae 514.
 Drangae pop. Arianae 721, 723, 724.
 Drangiana 516, 723.
 Drecanum in Co insula 657.
 Drepanum prom. Achaiae 335. Icariae 637,
 639. Marmaricae 799.
 Drilo fl. Dalmatiae 316.
 Drium collis in Daunia 284.
 Dromichaetes rex Getarum 301, 305.
 Druentia fl. Galliae 179, 185, 203, 217.
 Druidae philosophi Celtarum 197, 198.
 Drusus Germanicus Tiberii frater 206,
 290, 291. Tiberii f. 288.
 Drymas nomen barbaricum 321.
 Drymus in Euboea 445.
 Drynemetus in Galatia 567.
 Dryopes pop. Graeciae 321, 373, 434, 586.
 Dryopis 433, 434.
 Dryops Arcas 373.
 Dubis fl. Galliae 186, 189, 192.
 Dulichium insula 335, 340, 453, 455, 456,
 458.
 Dunax mons Thraciae 208.
 Duras fl. Norici 207.
 Durias fl. Italiae 203, 205, 217.
 Duris historicus 60.
 Durius fl. Hispaniae 152—154, 162.
 Durocortorum opp. Galliae 194.
 Dyma opp. Achaiae 337.
 Dymaea ager Dymae 357, 388.
 Dymaei 341, 388.
 Δυο κοράκων λιμήν 198.
 Dyrras fl. Thessaliae 428.
 Dyrris i. q. Atlas 825.
 Dyrrhachium opp. Illyrici 316, 329, frg.
 10. cf. Epidamnus.
 Dyspontium opp. Pisatidis 357.
 Dyteutus Adiatorigis f. 558, 560.
- Ε.**
- Ebrodunum vicus Galliae 179.
 Eburia opp. Hispaniae 140.
 Eburones pop. Galliae 194.
 Ebysus insula et opp. 123, 159, 167.
 Ecbatana caput Mediae 79, 473, 522, 524,
 525, 531, 724, 731, 742, 743.
 Echedorus fl. Macedoniae 330, frg. 21.
 Echiae opp. Laconicae 360.
 Echinades insulae 59, 124, 335, 340, 351,
 453, 456, 458, 459.
 Echinus opp. Phthiotidis 60, 433, 435,
 442.
 Εκορημα τὸ κατὰ τὰς στήλας 38, 57.
 τὸ κατὰ Σιρβωνίδα λίμνην 65, 760.
- Edessa opp. Macedoniae 323, 449. opp.
 Syriae 748. cf. Bamyxa.
 Edetani pop. Hispaniae 156, 162. cf. Si-
 detani.
 Edones Edonorum pars 329, frg. 11.
 Edoni pop. Thraciae 329, frg. 11, 331,
 frg. 36, 470, 471, 687.
 Eetio rex Thebae 585, 611, 612, 619.
 Egelasta opp. Hispaniae 160.
 Egeria fons 240.
 Egertius Chii conditor 633.
 Egnatia opp. et portus Apuliae 282, 283.
 via 322, 323, 327, 329, frg. 10, 13, 330,
 frg. 21.
 Egra opp. Arabiae 782.
 Eiones vicus Argolidis 373.
 Ela i. q. Velia 252.
 Elaea opp. Mysiae 607, 616, 622. portus
 sinus Arabici 770, 771.
 Elaeus v. Eleus.
 Elaeussa ins. et opp. Ciliciae 535, 537,
 671. cf. Eleussa.
 Elaiticus sinus 531.
 Elaitis ager Elaeae 571, 615, 616.
 Elara Tityi mater 423.
 Elarium antrum Euborae 423.
 Elatra opp. Phoridis 60, 407, 418, 424
 426, 434.
 Elatria opp. Cassopaeorum 324.
 Elea 336—358.
 Electrides insulae 215.
 Elees fl. Lucaniae 252.
 Elephantine insula 787, 803, 817, 819,
 820.
 Elephantophagi 772.
 Elephas mons Mauritaniae 827. Aethio-
 pia 774.
 Eleus opp. Thraciae 331, frg. 52, 55, 56,
 595.
 Eleusis opp. et pagus Atticae 380, 392,
 393, 395—397. opp. Boeotiae 407. Ae-
 gypti 800.
 Eleussa ins. prope Atticam 398, prope
 Rhodum 651, 652, 655. prope Atarnae
 645. cf. Elaeussa.
 Eleutheriae opp. Boeotiae 375, 412.
 Eleutheria 411.
 Eleutherolacones 366.
 Eleutherus fl. Syriae 753.
 Elimia regio Macedoniae 326.
 Elimiotae 434.
 Elipeus i. q. Enipeus fl. Thessaliae 356.
 Elis opp. Eleorum 336. κοίλη
 336—341.
 Eliso s. Eliso fl. Elidis 338.
 Elisus fl. Cei 487.
 Elona opp. Thessaliae 440.
 Elipiae opp. Dauniorum 634.

- Elymaei et Elymacea 522, 524, 732, 736, 739, 744, 745.
 Elymus Troianus 608.
 Elysium campus 3, 150.
 Emathia l. q. Macedonia 329, frg. 11. opp. Macedoniae ibid.
 Emeseni pop. Syriae 753.
 Emodi montes pars Tauri 511, 689, 698, 719.
 Empedocles philosophus 274, 276, 364.
 Emporicus sinus in Mauritania 825, 826, 829.
 Emporitae in Hispania 160.
 Emporium opp. Hispaniae 159. Alexandriae 794. Medusae 256. ad Syrtin maiorem 835. Segestanorum 266, 267.
 Encheli pop. Epiri 326.
 Endera opp. Aethiopiae 771.
 Endymion Aetoli pater 357, 463, 636.
 Enea (?) opp. Troadis 532.
 Eneta opp. Paphlagoniae 543, 553.
 Eneti pop. Paphlagoniae 48, 61, 150, 212, 214, 542—544, 552, 608.
 Eniconiae opp. Corsicae 224.
 Enipeus fl. Pisatidis 356. Thessaliae 356, 432.
 Enispa opp. Arcadiae 388.
 Enna opp. Siciliae 272, 273.
 Έννέα ὁδοί opp. Macedoniae 331, frg. 35.
 Ennius poeta 282.
 Enopa opp. Messeniae 360.
 Enotocorae 70, 711.
 Enydra opp. Syriae 735.
 Ένυος ἱερὸν 535.
 Eordi pop. Macedoniae 323, 326.
 Epacria opp. Atticae 397.
 Epaminondas 388, 401, 402, 414.
 Epaphus 445.
 Epei pop. Elidis 336, 340—342....
 Epeus Lagariae conditor 263.
 Ephesi 540, 620, 633, 634, 639—642, 646, 647. Ephesium vinum 637.
 Ephesus opp. Ioniae 179, 639—642....
 Ephialtes Graecorum proditor 10. territorium 19.
 Ephorus Cymacus 1, 2, 33, 34, 133, 199, 221, 259, 260, 262, 265, 267, 270, 279, 293, 302, 303, 305, 345, 328, 332, 334, 357, 358, 361, 364, 365, 366, 374, 375, 389, 400, 401, 402, 408, 422, 423, 427, 452, 462, 464, 465, 476, 477, 479, 480, 544, 550, 583, 600, 622, 623, 634, 635, 677—680.
 Ephyra opp. Elidis 328, 333, 338, opp. Epiri 324, 328, 338, 444, i. q. Corinthus 338. i. q. Cranno 338, 442. opp. Thessaliae 338. opp. Perrhaebiae ibid. vicus Aetoliae ibid.
 Ephyri 329, frg. 14, 330, frg. 16, 338, 342.
 Epicharmus poeta 364.
 Έπίκτητος Αἰτωλία 450, 460. Φρυγία 130, 534, 563, 564, 576.
 Epicurus philosophus 589, 638.
 Epidamnus opp. Illyriae 93, 106, 283, 322—324, 327, 357.
 Epidaurus opp. Argolidis 368, 369, 374, 375. Limera opp. Laconicae 368.
 Epigonorum bellum 325, 401, 412, 413, 462.
 Epimenides Cretensis 479.
 Epirus 123, 323—330....
 Epirotae et Epirotis 124, 129, 325, 326, 329, frg. 11, 12, 427, 430, 434, 453. Epirotici populi 221....
 Epistrophus dux Halizonum 551, 584, 612.
 Epitalium opp. Triphyliae 343, 349.
 Epopeus colis Pithecusarum 248.
 Epopis mons Loricus in Italia 259.
 Eporedia opp. Salassorum 205.
 Erae opp. Ioniae 644.
 Eranna opp. Messeniae 348, 361.
 Erasius fl. Argolidis 275, 371, 389.
 Erasistratus medicus Cens 486. Erasistrati medici 580.
 Erastus Scepisus Socraticus 608.
 Eratosthenes Cyrenaeus 1, 7, 14, 15, 16, 17, 18, 22, 23, 26, 28, 30, 38, 47, 48, 49, 54, 55, 62—69, 70, 76, 77, 78, 80, 87, 88, 89, 91, 92, 93, 94, 104, 106, 107, 108, 126, 148, 159, 170, 224, 298, 299, 317, 389, 405, 475, 490, 497, 507, 510, 513, 514, 522, 529, 654, 687, 688, 689, 690, 698, 693, 723, 724, 727, 741, 743, 746, 764, 765, 766, 767—769, 786, 802, 810, 825, 829, 837, 838.
 Eratyras opp. Macedoniae 326.
 Erechtheus 383.
 Eremiti 2, 30, 38, 41, 42, 784.
 Eresus opp. Lesbii 618.
 Eretria opp. Euboeae 403, 445—448, 453. Eretrienses 247, 747. opp. Thessaliae 434, 447. pagus Atticae 445, 447.
 Eretricus Eretria conditor 447.
 Eretum opp. Sabinorum 228, 238.
 Erginus rex Orchomeniorum 414.
 Erichthonius 604.
 Ericussa s. Ericodes insula 276, 277.
 Eridanus fl. Atticae 397. fl. Italiae 215.
 Erigon fl. Macedoniae 327, 329, frg. 12, 330, fr. 20, 22, 23, fl. Thraciae 331, frg. 49.
 Erineus opp. Doridis 362, 427, 476. Phthiotidis 434.
 Eros Praxitelis opus 410.
 Erymanthus fl. Arcadiae 343, 357.

- Erymnae opp. Magnesiae 443.
 Erysichaei pop. Aetoliae 460.
 Erythea insula 148, 169, 269.
 Erythini s. Erythrii scopuli 545.
 Erythrae opp. Boeotiae 404, 409. Ioniae 404, 618, 633, 644, 645, 814.
 Erythraea ager Erythraeorum 589, 644.
 Erythraei 588, 613, 644.
 Erythras Persa 766, 779, 799.
 Erythras portus in Ionia 644.
 Eryx mons Siciliae 254, 272, 273, 608. opp. Siciliae 272, 608.
 Esionenses s. Asionenses 627.
 Esquilinus mons 234. campus 237.
 Estiones pop. Vindelicorum 206.
 Eteocles rex Orchomeni 414, 415.
 Eteocretes pop. Cretae 221, 475, 478.
 Eteonus opp. Boeotiae 298, 408, 409. etesiae 97, 144, 690—692.
 Etrusci 219, cf. Tyrrheni.
 Euacmon Ormeni f. 438.
 Euander Arcas 230.
 Euanthes coloniam Locros deducti 259.
 Euboea insula 58, 444—449. opp. Euboeae 447. opp. Siciliae 272, 449. opp. Macedoniae 449. locus in ins. Corcyra, Lemno, collis in Argolide ibid.
 Euboeenses 445, 448, 449, 504.
 Euboitae fluvii Cereus et Neleus 449.
 Eucarpia opp. Phrygiae 576.
 Euclides Socraticus 393.
 Eucratidas rex Bactrianorum 515, 517, 686.
 Eucratidia opp. Bactrianorum 516.
 Eudemus Rhodius 655.
 Εὐδαιμονος i. q. Aspledon 415.
 Eudoxus Cyzicenus 98—101 (103). Cnidius mathematicus 1, 119, 378, 379, 390, 413, 465, 474, 510, 550, 562, 582, 636, 806, 807.
 Euenus fl. Aetoliae 327, 335, 451, 459, 460. fl. Mysiae 614.
 Evergetae pop. Arianae 724.
 Euhemerus Messenius 47, 102, 104, 299.
 Eulaeus fl. Sustanae 728, 735.
 Eumedes Ptolemaidis conditor 770.
 Eumenes Philetaeri frater 624. Eumenis f. 623. Attali f. 537, 577, 624, 665, 672.
 Eumenia opp. Phrygiae 576.
 Eumenis lucus in Troglodytica 771, 772.
 Eumelus Admeti f. 45, 436, 439, 442, 443.
 Eumolpus Thrax 321, 383, 471.
 Euneus Iasonis f. 41, 45, 46.
 Eunomia elegia Tyrtaei 362.
 Eunomus citharoedus 260.
 Eunosti portus prope Alexandriam 792, 795.
 Eunous servorum dux 272, 273.
 Euonymus ins. Liparacorum 276.
 Eupalius opp. Locrorum Ozolarum 427, 450.
 Eupatoria opp. Ponti 556. cf. Magnopolis.
 Eupatorium opp. Chersonesi Tauricae 312.
 Euphorio poeta Chalcedensis 364, 566, 681. poeta Orneata 382.
 Euphrantae turris in Syrti maiori 836.
 Euphrates 47, 739—742, 746—749. ...
 Eureis fl. Mysiae 473.
 Euripides poeta 27, 33, 221, 356, 366, 367, 371, 377, 379, 415, 469, 494, 520, 615, 616, 645, 670, 687.
 Euripus Chalcedius 10, 36, 55, 400, 403, 429, 443, 445—447. Pyrrharum 617. in Aegypto 804. prope Carthaginem 832.
 Euromus opp. Cariae 636, 658.
 Europa 14. ...
 Europus opp. Mediae 524. cf. Ithagae. Macedoniae 327. fl. Thessaliae 329, frg. 14, 15, 441.
 Eurotas fl. Laconiae 275, 343, 363, 389. eurus 29, 102, 456.
 Euryclea statua Thrononis 641.
 Eurycles dux Lacedaemoniorum 363, 366.
 Eurycydius lucus in Elide 346.
 Eurydica Philippi mater 326.
 Eurylochus 393. Thessalus 418, 421.
 Eurymedon Atheniensis 359. fl. Pamphy-liae 571, 667.
 Eurypon Proclis f. 366.
 Eurypylus f. Euacmonis 432. f. Telephi 584.
 Eurysthenes Proclis frater 364, 366, 389.
 Eurystheus rex Mycenarum 377.
 Eurytanes pop. Aetoliae 448, 451, 465.
 Eurytus Oechaliensis 339, 550, 434.
 Eusebia ad Taurum i. q. Tyana 537. ad Argaeum i. q. Mazaca ibid.
 Euthydemus rex Bactrianorum 515, 516. orator Mylasensis 659.
 Euthymus pugil 253.
 Eutresis vicus Thestiporum 411.
 Euxinus pontus 48. ... Euxini ponti litus et ostium 491, 677. ...
 Euxyntheta Cretensis 478.
 Exitanorum urbs in Baetica 156, 170.

F.

- Fabius historicus 228.
 Fabius Maximus 278.
 Fabrateria opp. Latii 237.
 Falerii opp. Etruriae 226.
 Falisci pop. et opp. Etruriae 226.
 Faventia opp. Galliae cisalpiniae 217

Faustulus subulcus 229.
 Feronia opp. Etruriae 226.
 Festi opp. Latii 240.
 Fidenae opp. Latii 226, 230.
 Fimbria Valerii Flacci quaestor 594.
 Firmum Picenum 241.
 Flaminia via 217.
 Flaminius Gaius consul 217, 227. Titus, propraetor Siciliae 277.
 Formiae opp. Latii 233.
 Fortuna 227, 239. duae Fortunae in via Latina 249.
 Foruli opp. Sabinorum 228.
 Forum Iulium opp. Galliae 184, 185. Corneli opp. Galliae cisalpiniae 216. Flaminii opp. Umbriae 227. Sempronii opp. Umbriae ibid.
 Fregellae opp. Latii 233, 237, 239.
 Fregena opp. Etruriae 225, 226.
 Frontani pop. Italiae 241, 242, 251, 283 285.
 Frusino opp. Latii 227.
 Fucinus lacus 240.
 Fundanum vinum 234.
 Fundi opp. Latii 233.

G.

Gabae opp. Persidis 728.
 Gabala opp. Syriae 753.
 Gabalenses pop. Aquitaniae 191.
 Gabiana provincia Elymaedis 745.
 Gabii opp. Latii 237, 238.
 Gabinus historicus 829. consul 558, 796.
 Gabreta silva Germaniae 292.
 Gadera opp. Iudaeae 759.
 Gadaris ager Gadarorum 759, 764.
 Gades insula 129, 140, 148, 168, 169, 175. opp. 38, 167—169...
 Gadilon opp. Ponti 547.
 Gadilonitis ager Gadilonis 546.
 Gaditani 99, 141, 157, 169, 173, 174. portae Gaditanae 170, 172.
 Gaesatae pop. Galliae cisalpiniae 212, 216.
 Gaetuli pop. Libyae 131, 826, 829, 838.
 Gaius Antonius 445. Flaminius 217. Scipio 213.
 Galabrii pop. Illyrici 316.
 Galactophagi v. Abii
 Galatae. cf. Celtae. in Europa 61, 107, 176, 181, 192, 210, 220, 290, 293, 296, 313, 315, 385. in Phrygia 87, 539—541...
 Galatia Phrygiae pars 130, 567.
 Galaticus s. Celticus sinus 106, 115, 122, 128, 137, 166, 181, 190.

Galepsus opp. Macedoniae 331, frg. 33, 35, 41.
 Gallaea regio Iudaeae 760, 763.
 Gallesium mons Ioniae 642.
 Gallinaria silva in Campania 243.
 Gallograeci 130.
 Gallograecia i. q. Galatia 566.
 γάλλοι ἀπὸ νοτοῦ 630.
 Gallus fl. Phrygiae 543. cf. Aelius et Cornelius.
 Gamabryii pop. Germaniae 291.
 Gambarus princeps Syriae 753.
 Gandaris regio Indiae 699.
 Gandaritis regio Indiae 697.
 Ganga opp. Indiae 719.
 Ganges fl. Indiae 686, 689, 690, 698, 702, 718, 719.
 Gangra opp. Paphlagoniae 562.
 Ganymedes 587.
 Garamantes pop. Libyae 131, 830, 835, 838.
 Garesus opp. Macedoniae 330, frg. 21, 36.
 Garganus mons 284, 285.
 Gargara opp. Troadis 512, 583, 606, 610.
 Gargarenses Gargarorum incolae 606, 611. pop. Caucasi 504.
 Gargaris ager Gargarorum 610.
 Gargarum pars montis Idae 583.
 Gargettus pagus Atticae 377.
 Garindaei pop. Arabiae 776.
 Garmanes philosophi Indorum 712, 713.
 Garsauria vicus Cappadociae 537, 539, 568, 663.
 Garsauritis prov. Cappadociae 534.
 Garumna fl. Galliae 177, 189, 190, 193, 199.
 Gasys nomen Paphlagonium 553.
 Gaudus insula 44, 277, 299.
 Gaugamela vicus Aturiae 79, 737.
 Gaza opp. Iudaeae 756, 759, 760, 768.
 Gazaca opp. Mediae 523.
 Gazacene regio Ponti 553.
 Gazaei 749. Gazaeorum portus 759.
 Gazalonitis regio Ponti 553.
 Gazelotis regio Ponti 560.
 Gaziura opp. Ponti 547.
 Gedrosia 130, 131, 133, 134, 686, 721, 722, 726, 746.
 Gedrosii s. Gedroseni pop. Arianae 723, 724.
 Gela opp. Siciliae 272.
 Gelae gens Strythica 503, 508, 510.
 Gelo tyrannus 98, 449.
 Genauini pop. Illyrici 206.
 Genetes prom. et fl. Ponti 548.
 Genesariis lacus et pagus Iudaeae 755 764.
 Genua 201—203, 211, 216, 217.

- Georgi Scytharum pars 311.
 Gephyra et Gephyrismi in Attica 400.

 Gerena s. Gerenia opp. Messeniae 299, 339, 340, 353, 360.
 Gerenus locus in Elide 340.
 Geres Boeotus 663.
 Gergitha opp. Troadis 589, 616. vicus ad fontes Caici 616.
 Gergithes opp. Cymaeae 589.
 Gergithium locus prope Lampsacum 589. in Cymaea ibid.
 Gergithius (Cephalo) 589.
 Gergovia opp. Arvernorum 191.
 Germani 10.....
 Germania 14, 289—292....
 Germanici populi 93, 193, 194, 196, 289—291. montes 71.
 Garmanicus Tiberii f. 288, 292.
 Geron fl. Elidis 340.
 Gerrha opp. Aegypti 50, 56, 760. Arabiae 766.
 Gerrhaei 766, 778.
 Gerrhaeidae portus Teiorum 644.
 Geryones 22, 148, 150, 169, 230, 245.
 Getae 93, 118, 128, 290, 294—298, 304, 313, 762.
 Getarum desertum 305, 306.
 Gezatorix Paphlagoniae princeps 562.
 Gigantes 243, 245, 281, 330, frg. 25, 27, 489, 495.
 Gigartum castellum Syriae 755.
 Gindarus opp. Syriae 751.
 Ginguunum mons Umbriae 227.
 Glaucias tyrannus 601.
 Glaucopi sacrum 600.
 Glaucopium arx Athenarum 299.
 Glaucus Anthedonius 405. Pontius Aeschylus drama 447. Potniensis 409. fl. Colchidis 498, 500. sinus Cariae 651.
 Glisas opp. Boeotiae 412.
 Glycera meretrix 410.
 Glyceus sinus et portus Epiri 324.
 Gnaeus Piso praefectus Libyae 130. Carho 214. Ahenobarbus 185. Pompeii f. 141.
 Gogarene regio Armeniae 528.
 Gomphi opp. Thessaliae 437.
 Gonnus opp. Thessaliae 440.
 Gorbueus opp. Phrygiae 568.
 Gordium opp. Phrygiae 568, 574.
 Gordius rex Phrygiae 568.
 Gordus locus Troadis 603.
 Gordyaea vel Gordyene prov. Armeniae 527, 739, 746, 747, 750.
 Gordyaei pop. Mesopotamiae 80, 522, 529, 736, 747.
 Gordyaeus Gordyaeorum princeps 532.
 Gordys Tryptolemi f. 747, 750.
 Gorgipia opp. Sinderum 495.
 Gorgones 19, 22, 299, Gorgonis caput 379, 487.
 Gorgus Cypseli f. 325. metallentes 700.
 Gortyna s. Gortyn opp. Cretae 476, 478, 479, 647.
 Gortynii 477—479.
 Gortynii urbs in Macedonia 329, frg. 4.
 Gorys opp. Indiae 697.
 Graea opp. Berothiae 404, 410.
 Graeci 9.... Γραικοί 46, 216.
 Graecia 10.... Magna 253.
 Granicus fl. Mysiae 581, 582, 587, 593, 602.
 Gras Penthili f. 582.
 Gratiae 41, 414.
 Gravisci opp. Etruriae 225, 226.
 Grum mons Cariae 636.
 Grumentum opp. Lucaniae 254.
 Gryneus cognomen Apollinis 618.
 Grynium opp. Aeloidis 622.
 Guranii pop. Armeniae 531.
 Gyarus insula 485.
 Gygaia lacus Lydiae postea Coloa 626.
 Gygas prom. Troadis 590.
 Gyges rex Lydorum 421, 590, 680.
 Gymnesiae insulae s. Balcarides 123, 129, 144, 159, 167, 168, 654.
 Γυναικῶν πόλις in Aegypto 803.
 Gyrtion s. Gyrtone opp. Thessaliae 329, frg. 14, 16, 439, 441—443.
 Gyrtonii 329, frg. 14, 330, frg. 16, 442.
 Gythium opp. Laconicae 343, 363.

II.

- Hades 48, ..
 Haemon Thessali pater 443, 444. Oxyli pater 463, 464.
 Haemonia i. q. Thessalia 443, 444.
 Haemus s. Haemum mons 208, 301, 313, 318, 319, 323, 329, frg. 10, 331, frg. 36, 440.
 Halae opp. Boeotiae 405, 425. pagus Atticae 405. Araphenides 399, 446. Aeonides 398.
 Halaensrs Aeonici pagus Atticae 398.
 Halesius campus in Troade 605.
 Halex fl. Bruttii 260.
 Hallacmon fl. Macedoniae 329, frg. 5, 12, 14, 330, frg. 20, 22.
 Hallartia ager Hallarti 407, 410—412.
 Hallartus opp. Boeotiae 16, 298, 407, 410, 411. Hallartis i. q. Copais 411.
 Halicarnassenses 653.
 Halicarnassus 374, 611, 635, 656, 657.
 Halicyrna pagus Aetoliae 459.

- Halienses opp. et regio Argolidis 373.
 Hallmusii pagus Atticus 398.
 Hallsarna in Co insula 657.
 Halus opp. Locridis 432.
 Halizoni 549, 550, 552, 677—680.
 Halonnesus insula vicina Magnesiae 436.
 vicina Ioniae 644.
 Halus opp. Phthiotidis 432, 433, 435. opp.
 Locridis 432.
 Halys 126...
 Hamarium lucus Iovis in Achaia 385, 387.
 Hamaxia opp. Ciliciae 669.
 Hamaxitia 473.
 Hamaxitenses 606.
 Hamaxitus opp. Troadis 440, 473, 604—
 606, 612, 620.
 Hamaxoece gens Scythica 126, 294, 296,
 300, 307, 492.
 Hannibal 158, 159, 209, 216, 217, 226,
 245, 249—251, 255, 256, 285, 287, 528,
 563.
 Harma virus Boeotiae 404, 405. opp. At-
 ticae 404.
 Harmatus prom. Aeolidis 622.
 Harmonia Cadmi coniux 326.
 Harmozon prom. Carmaniae 726, 765.
 Harpagia opp. Mysiae 557.
 Harpagus dux Cyri 252.
 Harpalus Macedo 837.
 Harpina opp. Pisatidis 356.
 Harpylae 302.
 Hasdrubal Carthaginis novae conditor
 158, 831, 832.
 Heba i. q. Dia 382.
 Hebrus fl. Thraciae 322, 329, frg. 9, 10,
 331, frg. 48, 51, 57, 590.
 Hecataeus Milesius 1, 7, 18, 271, 299,
 316, 321, 341, 550, 552, 553, 635. Teius
 s. Abderita 644.
 Hecate 468, 472, 641, 660.
 Hecateros (?) 471.
 Hecatomnos rex Cariae 656, 659.
 Hecatompylus opp. Parthorum 514.
 Hecatonnesi s. Apolononnesi 618.
 Hecatus cognomen Apollinis 618.
 Hector 585, 594—596...
 Hecuba 477, 595. *Ἐκάβης σῆμα* castel-
 lum Thraciae 331, frg. 56.
 Hedyllium mons Boeotiae 424.
 Hedyllus poeta 683.
 Hedypho fl. Babyloniae 744.
 Hegesianax historicus 594.
 Hegesias orator 396, 648.
 Helei Heli incolae 365.
 Helena insula. cf. Cranaa 399, 485. Tyn-
 darei filia 41, 183, 396, 399, 596, 800. *Ἑλέ-
 νης ἀπαίτησις* Sophoclis drama
 643.
 Heleon pagus Tanagraeus 404—406, 439.
 Heliadae filii Solis 654.
 Heliades filiae Solis ad Padum 215.
 Helica opp. Achaiae 59, 384, 385, 387.
 opp. Thessaliae 385.
 Helicenses 385.
 Helicon mons Boeotiae 261...
 Heliopolitae milites Aristonici 646.
 Heliopolites pagus 805.
 Heliopolis opp. Syriae 753. opp. Aegypti
 803, 805—807.
 Helius Persel f. 363.
 Hellenicus historicus Lesbii 43, 366,
 426, 451, 456, 508, 550, 602, 610, 618.
 Hellas opp. Phthiotidis 431, 432. i. q.
 Thessalia meridionalis 444. quid sit
 apud Homerum 431, 531, 532.
Ἑλλης πορθμός Hellespontus 331,
 frg. 58.
 Hellen Deucalionis f. 383, 432, 444.
 Hellenes opp. Hispaniae 157.
 Hellespontia i. q. Phrygia ad Hellespon-
 tum 129, 534.
 Hellespontii 506.
 Hellespontus 46... Hellespontii ostium
 591.
 Helli accolae Dodonae 328.
 Hellophia regio Dodonam adiacens 328.
 i. q. Euboea 445, 446. opp. Euboeae
 445.
 Helotes servi Spartanorum 278, 280, 365,
 366, 542, 701.
 Helvetii 183, 191—193, 196, 206, 208,
 292—294, 313.
 Helvii pop. Galliae 190.
 Helus opp. Laconicae 343, 349, 350, 363,
 365, 406. in Triphylia s. Messenia 350.
 Hemeroscopium opp. Hispaniae 159, 161.
 Hemicynes 43, 299.
 Heneti pop. Italiae 61, 210—216, 543, 608.
 Henetica Henetorum terra 314, 543, 608.
 Heniochl pop. Asiae 129, 492, 495—497,
 506, 839.
 Heniochia Heniochorum terra 496.
 Heorta opp. Scordiscorum 318.
 Heptacometae pop. Ponti 548, 549.
 Heptaporus fl. Mysiae 554, 602.
 Heptastadium Hellespontii 591. agger inter
 Alexandriam et Pharum 792, 794.
 Heraclea opp. Magnae Graeciae 264, 280,
 281, Eliidis 356. Mediae 514, 524. Ponti
 541—
 607.
 Tract
 408, 428, 429, 434, 442. opp. Hispaniae
 i. q. Calpa 140. Pisandri poema 655,
 688.
 Heracleo Dionysii pater 751.

- Heracleotae in Italia 264, in Chersoneso Taurica 308, 542, in Paphlagonia 543, in Aegypto 812.
 Heracleotes s. Heracleoticus pagus 789, 809, 812.
 Heracleotis regio Ioniae 642.
 Heracleum opp. Siciliae 266. ad Maeotim 494. Syriae 751. Cyrenaicae 838. Cretae 476, 484. Aegypti 85, 788, 801. Herculis templum Gadibus 169, 170, 172, 174, 176. prom. Italiae 259. prom. Ponti 548.
 Heraclidae 269.... Heraclidarum reditus 354, 359, 365, 372, 383, 389, 392, 451, 582, 653.
 Heraclides Ponticus philosophus 98, 100, 364, 541, 604. medicus 645.
 Heraclitus philosophus Ephesus 3, 642, 784. poeta Halicarnassensis 656.
 Heraea opp. Arcadiae 337, 388.
 Heracum Iunonis templum ad Mycenae 368, 372. Sami 637 in prom. Lacinio 261. Prosymnae 373. Pharygis 426.
 Herculeum opp. Campaniae 246, 247.
 Hercules 9.... Cornopio ibid. Iphocionus 613. Macistius 348. opus Lysippi 278. Myronis 637, tabula Aristidis 381. Herculis bella 2, 149, 169, 170, 338, 565, 686. labores 19, 26, 459. liberi 225, 377. progenies 219. socii 564. altare 826. columnae 21, 47—49, 105—108 etc. insula 159, 170. portus 225, 256, 459. sacrum 138, 202, 801. templum 185. thermae 425. urbs 812.
 Hercynia silva 207, 290, 292, 293, 295.
 Herdonia opp. Apuliae 282.
 Hermaea opp. in ora Carthaginensium 834. prom. 832, 834.
 Hermagoras Temulus rhetor 621.
 Hermes Indus 719.
 Hermi campus 625, 626, 691.
 Hermias tyrannus Atarnitarum 610, 614.
 Hermiona opp. Argolidis 369, 373, 374, 385.
 Hermionenses 373.
 Hermionicus sinus 59, 335, 368, 369, 380, 390. Hermionicum promontorium 368, 373, 484.
 Hermocreo architectus 588.
 Hermodorus Ephesus 642.
 Hermonaectis vicus 306.
 Hermonassa opp. Ponti 548. ad lacum Corocondamitum 495.
 Hermonthis opp. Aegypti 817.
 Hermopolitae in Aegypto 812.
 Ερμιοπολιτική φυλακή 813.
 Ερμού πόλις opp. Aegypti 802, 803.
 Hermunduri pop. Germaniae 290.
 Hermus fl. Lydiae 554.....
 Hernici pop. Latii 22, 231, 237.
 Herodes rex Iudaeae 760, 765.
 Herodotus Halicarnassensis 30, 36, 43, 61, 98, 100, 151, 282, 301, 428, 448, 473, 508, 531, 532, 534, 536, 544, 550, 573, 611, 618, 626, 627, 656, 668, 691, 823, 829.
 Herophilii medici 580, 645.
 Herostratus Ephesus 640.
 Ηρώων πόλις in Aegypto 85, 750, 767....
 Herpa s. Herphae opp. Cappadociae 537, 539, 663.
 Herus turris prope Abydum 591.
 Hesiodus poeta 23, 29, 42, 43, 59, 221, 299, 300, 302, 322, 327, 328, 342, 364, 370, 385, 393, 409, 413, 424, 442, 458, 471, 507, 588, 622, 642, 674, 676.
 Hesiona filia Laomedontis 596.
 Hesperides opp. Cyrenaicae 123, 458, 647, 836. Nymphae 150, 183, 299.
 434, 437.
 Hibernia insula 63, 72, 73, 75, 115, 119, 201.
 Hicesius medicus Smyrnaeus 580.
 Hicetaon Troianus 586.
 Ίερὰ ἄκρα prom. Lyciae 666.
 Ίεράκων νῆσος in sinu Arabico 773.
 πόλις opp. Aegypti 817.
 Hiera insula i. q. Thermessa 275, 277.
 Hierapolis opp. Syriae 748. Phrygiae 437, 579, 629, 630.
 Hierapytna opp. Cretae 440, 472, 475.
 Hierapytnii 479.
 Hiericho opp. Iudaeae 760, 763, 779.
 Hiero rex Syracusarum 247, 268. Laodicensis 578.
 Hieroceps s. Hieroceps opp. Cypri 683, 684.
 Hierocles orator Alabandensis 661.
 Ίερὸν ἀκρωτήριον in Hispania 106, 108, 119, 137—140, 143, 148, 151.
 Ίερὸν ὄρος in Thracia 331, frg. 56.
 Ίερὸν στόμα Ίστρου 305, 312, 319.
 Hieronymus Rhodius 378, 443, 475, 655.
 Hierosolyma 759—762.
 Hilesum opp. Boeotiae 406.
 Himera opp. Siciliae 272, 275. fl. Siciliae 266.
 Hipparchus astronomus 2, 5, 7, 14—16, 27, 54, 57, 62, 63, 68—72, 74—77, 79—94, 106, 113—115, 131, 132, 136, 328, 332, 529, 566.

- Hippemolgi cf. Abil.
 Hippi insula prope Erythras 644.
Ἰππόβοτος λειμών in Armenia 525.
Ἰππόβοτων πολιτεία Chalcide 447.
 Hippocles conditor Cumarum 243.
 Hippocoön rex Spartae 461.
 Hippocorona opp. Troadis 472.
 Hippocoronium opp. Cretae 472.
 Hippocrates medicus 657.
 Hippon opp. Carthaginiensium 832. Numidia ibid.
 Hipponax poeta 340, 633, 636, 642.
 Hipponiates sinus 254, 255, 261.
 Hipponium opp. Bruttiorum 256.
Ἰππου κρηνη 379, 410.
 Hippus fl. Colchidis 498, 500.
 Hirpini pop. Samui 250.
 Hispalis opp. Hispaniae 141, 242.
 Hispania l. q. Iberia 166.
 Hissellum opp. Umbriae 227.
 Iisti prom. Icariae insulae 639.
 Histiaeus opp. Euboeae 445, 446. cf. Oreus.
 Histiaeenses 437, 445, pagus Atticae 445.
 Histiaeotis s. Nestlaeotis in Thessalia 430, 434, 437, 438, 441, 446, 475. in Euboea 437, 445.
 Holmi opp. Phrygiae 663. Ciliciae 670.
 Homerum porticus Smyrnae 646. numus Smyrnaeorum ibid.
 Homeridae in insula Chio 645.
 Homerus i. 2, 3, 4, 6, 7, 15, 16, 17, 18, 20, 21, 25, 27, 28, 30, 35, 36, 37, 40, 41, 43—46, 59, 103, 133—146, 149, 150, 157, 224, 255, 256, 276, 295, 298, 299, 301, 328, 330, 332, 336, 338, 340, 341, 351, 352, 354, 355, 356, 357, 360, 364, 368, 369, 370, 375, 376, 386, 387, 392, 401, 405, 408, 414, 420, 423, 425, 426, 429, 430, 431, 435, 441, 442, 445, 451, 452, 453, 454, 455, 463, 465, 476, 479, 482, 484, 503, 536, 549, 551, 552, 553, 554, 555, 565, 572, 573, 580, 591, 582, 581, 586, 598, 599, 600, 601, 611, 612, 616, 622, 625, 638, 639, 643, 645, 646, 650, 653, 661, 662, 667, 674, 678, 680, 687, 735, 757, 834.
 Homola s. Homolium opp. Magnesiae 443.
 Homonadenses pop. Pisidiae 569, 570, 668, 679.
 Horminae l. q. Forminae 233.
 Hormina s. Hyrmina prom. Elidis 341.
 Hortensius orator 515.
 Hya l. q. Hyampolis 424.
 Hyacinthia dies festi apud Lacedaemonios 278.
 Hyamitis (Hyamia) regio s. opp. Laconicae 361.
 Hyampolis opp. Boeotiae 416, 424. Phocidis 401, 424.
 Hyantes 321, 401, 424, 464.
 Hyarotis fl. Indiae 694, 697, 699.
 Hybla maior opp. Siciliae 268. minor s. Megara 267, 387.
 Hyblaei 387.
 Hyblaeum mel 267.
 Hybreae Mylasensis 630, 659, 660.
 Hybrianes gens Illyrica 318.
 Hyda opp. Lydiae 407, 408, 626.
 Hydara castellum Armeniae 555.
 Hydarnes Persa 531.
 Hydaspes fl. Indiae 686, 691, 696.
 Hydra prom. Aegolis 622. lacus Aetoliae postea Lysimachia 460.
 Hydracae pop. Indiae 687. cf. Sydracae.
 Hydrelus opp. Cariae 650. Lacedaemonius ibid.
 Hydruntum opp. Calabriae 281.
 Hydrussa insula Atticae vicina 395.
 Hyla opp. Boeotiae 407, 408, 626.
 Hylae opp. Boeotiae 407.
 Hylas comes Herculis 564.
 Hylia palus in Boeotia 407, 708.
 Hylobii philosophi Indorum 713.
 Hyllus f. Herculis 427. fl. Lydiae 554, 626.
 Hymettus mons Atticae 399, 401.
 Hypaepa opp. Lydiae 627.
 Hypaestia regio Triphyliae 347.
 Hypphantium (?) mons prope Orchomenum 424.
 Hypna opp. Triphyliae 344.
 Hypanisi fl. Sarmatiae 107, 298, 305, 494. Indiae 516, 686, 691, 697, 698, 700—703, l. q. Anticites 494, 495.
 Hypasii pop. Indiae 691, 698.
 Hypatus mons Boeotiae 412.
 Hypelaeus fons prope Ephesum 634, 640.
 Hyperborei 61, 62, 295, 507, 711.
 Hyperesia opp. Achaiae 383.
 Hyperia fons in agro Pharsaliorum 432. in urbe Phaeacorum 439.
 Hypernotii 61, 62.
 Hypochalcis opp. Aetoliae 451.
 Hypocremnus vicus Ioniae 644, 645.
 Hypothebae pars Thebarum 412.
 Hypsicerates historicus 311, 504, fortasse etiam 827, ubi libri *Ἱπικράτης*.
 Hypsoes opp. Elidis 349.
 Hyrcani 129, 507, 509, 510, 514, 515, 520.
 Hyrcania 14, 508—511.....
 Hyrcanium castellum Iudaeae 763.
 Hyrcanium mare 68, 73, 74, 94, 119, 121, 129, 492, 507—513, 516, 523, 524.
 Hyrcantius campus in Lydia 629.
 Hyrcanus rex Iudaeae 762.
 Hyria opp. Iapygiae 282. Boeotiae 404, 408.

- Hyrienses 404.
 Hyrieus pater Orionis 404.
 Hyrmina s. Hormina prom. Elidis 341.
 Hyrmina opp. Elidis 341.
 Hysiae opp. Boeotiae 404. Argolidis 376, 404.
 Hysiatæ 404.
 Hyspiratis regio Armeniae 529.
 Hystaspes pater Darii 305, 633, 736, 737.
- H.
- Iacchetta et Iacchetani in Hisp. 161.
 Iacchus i. q. Bacchus 468.
 Ialmenus dux Orchomeniorum 416.
 Ialysii 655.
 Ialysus s. Ielysus opp. Rhodi 654, 655. tabula Protogenis 652.
 Iamblichus princeps Emisenorum 753.
 Iamnia opp. Iudaeæ 759.
 Iacones 392, 467.
 Iapodes 202, 207, 313—315.
 Iapygium promontorium 100.
 Iapyges 109, 254, 261, 262, 270.
 Iapygia 103, 254, 265, 277, 281, 282, 285, 405.
 Iapyx Daedali f. 279, 282.
 Iardanes fl. Pisatidis 342, 343, 347.
 Iardani sepulcrum 347, 348.
 Ias i. q. Attica 392. dialectus Attica 333.
 Iasidae 371.
 Iasio Dardani frater. 331, frg. 50.
 Iason 2...
 Iasonia herosa 45, 503, 526, 531, 546.
 Iasonium mons Mediae 526. prom. Ponti 548.
 Iasus Argos 369, 371.
 Iasus opp. et insula Cariae 658.
 Iaxartes fl. Sogdianæ 507, 510, 514, 517, 518.
 Iazyges 294, 306.
 Iberes pop. Hispaniae 5..... pop. Caucasum accolens 118.....
 Iberia i. q. Hispania 3, 136—176.... ad Caucasum 44, 499—501.....
 Ibericum litus 122, 164. mare 122. promontorium 106, 116, 161. Ibericus isthmus 137. Iberici populi 152, 164.
 Iberus fl. Hispaniae 156, 158—162, 167, 175.
 Ibycus poeta 58, 271.
 Icarii s. Icarus insula 488, 635, 637, 639.
 Icarium mare 124, 488, 639.
 Icarus pater Penelopæ 452, 461.
 Icarus Daedali f. 639. insulae 766.
 Ichnae opp. Thessaliotidis 435.
 Ichthyophagi 96. in Gedrosia 131, 133. in Carmania 720, 726. ad sinum Arabicum 769, 770, 772, 773.
 Ichthys prom. Elidis 343, 386.
 Iconii gens Alpina 185, 203.
 Iconium opp. Lycaoniae 568.
 Ictinus architectus 395, 396.
 Ictumuli vicus Galliae cisalpinæ 218.
 Icus insula Thessaliae virina 436.
 Ida mons Troadis 22, 321, 331, frg. 50, 466, 469, 470. ... mons Cretæ 472, 604.
 Idæa mater 45, 469, 575.
 Idæi Dactyli 331, frg. 51. 355, 466, 473.
 Idæus sinus 584, 605.
 Idanthyrus Scythæ 687.
 Ideessa opp. Hispaniae 45, 499.
 Ideonni ager in Taurinis 204.
 Idomena opp. Macedoniæ 331, frg. 30, 389.
 Idomeneus Cretensis 479, 480. Lampsacenus 589.
 Idrienses pop. Cariae 678.
 Idrieus Hecatombi f. 656.
 Idubeda mons Hispaniae 161, 162.
 Idumaci pop. Iudaeæ 749, 760.
 Igletes incolæ Hispaniae cis Iberum 106.
 Iguvium opp. Umbriae 227.
 Iliasarus rex Arabum Rhamanitarum 782.
 Ilerda opp. Hispaniae 161.
 Ilergetæ gens Hispaniae 160.
 Iliacum bellum 20, 24, 39, 584. Iliaca classis 262. Iliacus campus 573, 596—598.
 Ilienses 584, 593, 594, 596, 597, 600—602.
 Ilitocolona in agro Pariano 589.
 Ilipa opp. Turditanæ 141, 142, 174, 175.
 Ilissus fl. Atticæ 397, 400.
 Ilithyæ urbs in Aegypto 817. sacrum 226, 476, 817.
 Ilum vetus 17, 592—601. .. novum 593—596, 598, 599, 601, 602.
 Iliberis opp. et fl. Galliae 182.
 Illyrici populi 214, 283, 289, 313, 318, 320, 332. montes 71, 313. Illyricum litus 105, 128, 285, 314—318.
 Illyrii 206, 313—318....
 Illyris 108....
 Ilius Ilii conditor 593, 597.
 Imandes 811. cf. Ismandes.
 Imavis s. Imalus mons 129, 511, 519, 689. cf. Isamus.
 Imbrasides dux Thracum 331, frg. 58.
 Imbrasus fl. Sami 457, 637.
 Imbrus insula 28, 124, 221, 331, frg. 48, 457, 473. castellum Cariae 651.
 Inachus fl. Argolidis 271, 326, 370, 371 387. fl. Acarnaniæ 271, 316, 326, 327, 370.
 Inaros rex Aegypti 801.

- Indi 7, 685—720.
 India 7, 685—720. Indiae fines 514, 517.
 Indicetæ gens Hispaniæ 156, 100.
 Indici philosophi 686, 711—720.
 Indicum mare 118, 129, 514, 519. Indici fluvii 690—692, 696, 697, 700, 711, 718, 739. montes 68, 505, 506, 510, 689.
 Indus 64, 688—690.
 Ingauni pop. Ligurum 202.
 Innesa opp. Siciliae 268.
 Inopus fl. Deli 271, 485.
 Insubres 212, 213, 216, 218, 292.
 Intemelii pop. Liguria 202.
 Intemelium 202. cf. Albium.
 Interamna opp. Umbriae 227. Interamnium Latil 237.
 Intercatia opp. Celtiberorum 162.
 Interoecra opp. Sabinorum 228.
 Io mater Epaphi 445, 673, 750.
 Iol opp. Masæsyllorum 831.
 Iolaenses pop. Sardiniae 225.
 Iolaus 225, 377.
 Iolcius i. q. Iason 45.
 Iolcus opp. Magnesiæ 331, frg. 44, 414, 436, 438.
 Ion Xuthi f. 321, 383, 397. poeta 60, 364, 645. fl. Thessaliæ 356.
 Iones 60.
 Ionia in Asia 6, 632—650. i. q. Achaia 383. i. q. Attica 392, 397.
 Ionium mare 123, 259, 281, 316, 317, 322, 326, 329, frg. 6, 332, frg. 57.
 Iopa opp. Iudææ 43, 758, 759.
 Ioras s. Iurasius mons 193, 208.
 Iordanes fl. Iudææ 755.
 Iozæ cf. Iulia.
 Iphicrates dux Atheniensium 389. Iphicrates (?) scriptor 827.
 Iphidamas f. Antenoris 330, frg. 21, 24.
 Iphigenia 535, drama Euripidis 377.
 Iphilius Eleus 358.
 Ipnus opp. Magnesiæ 443.
 Ira opp. Messeniæ.
 Iris fl. Ponti 52, 547, 556, 561.
 Irrha filia Arrhabæi 326.
 Is Sybaris conditor 263.
 Isadici pop. Caucasi 506.
 Isamus fl. Indiae 516.
 Isar, fl. Galliae 185, 191, 204.
 Isaras fl. Vindeliciæ 207.
 Isaura opp. Isauriæ 568, 569, 665, 668, 688, 669.
 Ismenus fl. apud Thebas 409.
 Isocrates orator 622.
 Ἰσοδρόμη μήτηρ dea 440.
 Issa Liburnorum insula 124, 315, 317. i. q. Lesbos 60.
 Issenses 315.
 Issicum mare 47.
 Issus opp. Ciliciæ 125.
 Ister fluvius 6, 289. Istri fontes 207, 289, 292, 304. ostia 289, 312, 318, 319.
 Istri 57, 215, 216, 314.
 Istria Italiae regio 209, 215, 314.
 Istrus opp. Moesiæ 318, 319.
 Isus regio Boeotiæ 405.
 Itali 169, 208—210.
 Italia 6, 21—23, 209—288.
 Italica opp. Hispaniæ 141. Pelignorum 241.
 Ithaca 22, 454, 455.
 Ithacesii 22, 461.
 Ithoma mons et opp. Messeniæ 358, 361, 437. opp. Thessaliæ 437, 438.
 Itium opp. et portus Galliae 199.
 Itonus opp. Thessaliæ 433, 435.
 Ituraei pop. Syriæ 753, 755, 756.
 Itymoneus 352.
 Iuba rex Numidiæ 288, 828, 829, 831, 840.
 Iudaea 749, 760—765.
 Iudæi 736, 760—765.
 Iugurtha 831.
 Iulia Iozæ opp. Baeticæ 140.
 Iulio polis opp. Phrygiæ 574.
 Iulis opp. Cei 486.
 Iulius 595.
 Iulus f. Aeneæ 595.
 Iuncarius campus in Hispania 160.
 Iuno 354, 413, 583, 640. a Tyrrhenis Cypra appellata 241. Iunonis sacrum 261, 373. Argoniæ 252. Pharygaeæ 426. insula 168, 170. Argivæ lucus 215. Aeraeæ oraculum 380.
 Iuppiter 183. Abrettenus 574. Dodonæus 221. Larisius 440, 649. Olympius 333. Ombrius 718. Pelasgicus 221, 329. Sosipolis 648. Iovis sacrum in Larisa Argiva 370. Olbae 672. Venasæ 537. Aenesii 456. Atabyrii 655. Caril 659. Casii 700. Χρυσαιορέως 660. Dictæi 475, 478. Eleutherii 412. Labrandeni 659. Lycali 388. Osogo 659. Soteris 396. Iovis antrum 476, 482, 762. lucus 382, 683. oraculum Olympii 353. Trophonii 414. colossus 278, 567, 673. Astrapæi altare 404.
 Iurasius cf. Ioras.
 Ius insula 484.
 Ixia opp. Rhodi 655.
 Ixion Lapitharum rex 329, frg. 14, 16.

L.

- Labanae aquae in Italia 238.
 Labicana via 237.
 Labicum opp. Latii 230, 237.
 Labienus praefectus Asiae 574, 660.
 Labotas fl. Syriae 751.
 Labranda opp. Cariae 659.
 Labyrinthus in insula Creta 477. prope
 Naupliam 369. in Aegypto 787, 811.
 Lacedaemon 264, 345—347, 367, 368...
 Lacedaemonii 63, 364—367...
 Laceter prom. Co insulae 657.
 Lacinium prom. Bruttiorum 261, 262, 281.
 Lacmus mons Aetoliae 271, 316.
 Lacones 157...
 Laconica instituta 154, 260, 481, 482.
 convivia 480, 482, 701, Laconicus sinus
 335, 362, 368. Laconica insula i. q.
 Thera 837.
 Laconica 92, 362—368...
 Lada insula prope Miletum 635.
 Ladon fl. Arcadiae 60, 389.
 Laertes 59, 451—453, 456, 460.
 Laestrygones pop. Siciliae 20, 22, 40.
 Lagaria castellum prope Thurios 263.
 Lagaritanum vinum ibid.
 Lagetas Strabonis avus 477, 478.
 Lagidae reges Aegypti 795.
 Laguna opp. Cariae 660, 663.
 Langobardi gens Germaniae 290, 292.
 Lagos Ptolemaei pater 301.
 Laguna insula Cretae vicina 484.
 Lamia opp. Thessaliae 60, 433—435, 450.
 terriculum 19.
 Lamiacum bellum 433, 446.
 Lampenses opp. Cretae 475.
 Lampia mons Arcadiae 341.
 Lamponia opp. Troadis 610.
 Lampsacene 587, 589.
 Lampsaceni 589.
 Lampsacus opp. Mysiae 331, frg. 56, 58.
 587, 589—591, 636.
 Lamprenses pagus Atticae 398.
 Lamus fl. et opp. Ciliciae 671.
 Landi pop. Germaniae 290, 292.
 Laodicea (ἡ κατὰ Λαυριάνην) opp. Ly-
 caoniae 663. Coele Syriae 755. Mediae
 524, Phrygiae 576, 578, 580, 620, 630
 663. Syriae 749, 751, 752.
 Lapa opp. Lesbi 426.
 Lapathus opp. Cypr 682.
 Lapersae cognomen Dioscurorum 364.
 Lapithae pop. Thessaliae 8, 329, frg. 14.
 15, 439—443.
 Lapithes i. e. Mopsus 443.
 Laranda opp. Lycaoniae 569.
 Larisa Piasii filia 621. opp. Pelasgiotidis
 389, 430, 431, 438, 440, 441, 443, 503
 530. Phthiotidis (Cremaste et Pelasgia)
 60, 435, 440. Thessaliae ad Ossam 440.
 Atticae ibid. Cretae ibid. in confiniis
 Elidis et Achaiae ibid. Syriae, Ponti
 ibid. Troadis 440, 604, 620. Ephesia
 vicus in Caystri campo 440, 620. Phri-
 conis opp. Aeolidis 410, 620—622. arx
 Argorum 370, 371, 440.
 Larisaea 605.
 Larisaeae rupes Lesbi 440.
 Larisaei 60, 440, 621, 691.
 Larisius campus 440.
 Larisus fl. Achaiae 387, 440.
 Larius lacus 192, 204, 209, 213.
 Lartolaeetae pop. Hispaniae 159.
 Larymna opp. Boeotiae 105, 405, 406.
 Locridis 406.
 Las opp. Laconicae 364.
 Lathon s. Lethaeus fl. Cyrenaicae 647,
 836.
 Latina lingua 137, 160, 258. via 236—238.
 Latini 218, 220, 231—233, 235, 237, 238,
 240, 287.
 Latinus rex Aboriginum 229.
 Latium 145, 228—240...
 Latmicus sinus in Ionia 635.
 Latmus mons Cariae 635, 636. opp. Cariae
 635.
 Latona 374, 485, 639, 640. eius templa
 349, 651, 652, 665, 802.
 Latopolis opp. Aegypti 812, 817.
 Latopolitae ibid.
 Lavianse prov. Cappadociae 534, 540,
 560.
 Lavinia Latini filia 229.
 Lavinium opp. Latii 230—232, 264, 608.
 Laurentum opp. Latii 229, 232.
 Laus opp. Lucaniae 253, fl. Lucaniae
 253—255, sinus Lucaniae 253.
 Lautumiae insulae sinus Arabici 770.
 Lebadea opp. Boeotiae 414, 423.
 Lebedii 643.
 Lebedus opp. Ioniae 633, 643.
 Leben opp. et portus Cretae 478.
 Lebinthus insula 487.
 Lechaecum portus Corinthi 56, 378, 380.
 Lectum prom. Troadis 581, 583, 584, 586,
 592, 604, 606, 616, 618.
 Leda Tyndarei coniux 461.
 Leetani pop. Hispaniae 159.
 Lelantum planities Euboeae 55, 447, 448, 465.
 Leleges 321...
 Lelegia tumuli et arces Lelegum 321, 611.
 Lelex Leucadius 322.
 Lemannus lacus 186, 204, 208, 271.
 Lemnos 28, 45, 46, 124, 221, 330, frg. 32,
 331, frg. 35, 44, 46...
 Lemovices pop. Galliae 190.
 Lenae i. q. Bacchi 408.

- Leocorium Athenis 396.
 Leonidas Spartanus 10, 429, 467.
 Leonides Rhodius stoicus 655.
 Leonnatus Alexandri amicus 433.
 Leonnorius dux Galatarum 566.
 Leonteus Lampsacenus 589.
 Leontine ager Leontinorum 20, 272, 273.
 Leontini opp. Siciliae 272, 273.
 Leontopolis opp. Aegypti 802.
 Leontopolitae 812.
 Leontopolites pagus 802.
Λέοντος σκοπή, Λέοντος βωμοί in Aethiopia 774.
Λέοντων πόλις in Phoenicia 756.
 Leosthenes Atheniensis 433.
 Lepontii gens Alpina 204, 206.
 Lepreatae Leprei incolae 345, 355.
 Lepreatis ager Leprei 3.
 Lepreum opp. Triphyliae 342, 344—346, 355.
 Leptis opp. Africae 835.
 Leria i. q. Lerus 487.
 Lerna fl. Argolidis 368. lacus Argolidis 368, 371.
 Leron insula maris Tyrrheni 185.
 Lesbia i. q. Leshus 331, frg. 58.
 Lesbii 581, 599, 617, 621.
 Lesboeas Mytilenaeus 617.
 Leshus 45, 617—619.....
 Letha fl. Lusitaniae 153.
 Lethaeus fl. Cretae 478. Magnesiae 554, 647. Thessaliae 647. Libyae 836.
 Letopolites pagus 807.
 Leuca opp. Calabriae 281. mons Cretae 475. insula 125, 306. *Λευκή κόμη* opp. Nabataeorum 780, 781. *ἄκτῃ* prom. Euboeae 399. Libyae 489, 799. in Thracia 331, frg. 56. planities Laconicae 363.
 Leucadii 322, 452.
 Leucadius frater Penelopae 452.
 Leucae opp. Ioniae 646.
 Leucas insula et opp. 59, 105, 322, 329, frg. 6, 450—453, 459, 461.
 Leucaspis portus Marmaricae 799.
 Leucas prom. Leucadis 452, 456, 461.
 Leuci pop. Galliae 193.
 Leucimma prom. Coreyrae 324.
 Leucippus Achaeorum dux 265.
 Leuco rex Bospori 301, 310, 311.
 Leucocomas Lebentus 478.
 Leucolla portus Cypri 682.
 Leuconotus ventus 29, 837.
 Leucopetra prom. Italiae 211, 259.
 Leucophrys i. q. Tenedus 604.
 Leucotheae sacrum apud Moschos 498.
 Leucosia insula 123, 252, 258.
 Leucosyri 542, 544, 546, 552—554, 678, 737.
 Leuctra opp. Boeotiae 360, 384, 414, 445.
 Leuctrum opp. Laconicae 360, 361. vicus Achaiae 387.
 Leuternia litus Calabriae 281.
 Leuternii gigantes Phlegrae 281.
 Lexovii pop. Galliae 189, 194.
 Libanus mons 742, 754—756.
 Libes Chathorum sacerdos 292.
 Libethra s. Libethrum opp. Pieriae 330, frg. 18, 410, 471.
 Libethriades s. Libethrides nymphae 410, 471.
 Libophoenices pop. Libyae 835.
 Liburna urbs i. q. Scardon 315.
 Liburni Corcyra expulsi 269, 317.
 Liburnicae insulae 124, 315, 317.
 Libya 2, 824—839...
 Libycum mare 122.... vinum 799. Libyci montes 789, 819.
 Libyes 10, 170, 737, 760, 822, 828, 838. Hesperitae 647.
 Licatii pop. Vindelicorum 206.
 Lichades insulae 60, 426.
 Lichas Herculis comes 426, 773, 774.
 Licymna arx Tirynthis 373.
 Licymnius Tlepolemi avunculus 373, 653.
 Liger fl. Galliae 177, 189, 190, 191, 193, 195, 196, 198.
 Ligures 128, 202—204...
 Liguria 128, 165, 177, 203...
 Ligurisci i. q. Taurisci 296.
 Ligusticum litus 122, 184, 187, 202, 203, 211. mare 106, 122, 123, 128. Ligustici populi 204, 212, 216, 407, 424, 122, 265—267, 272, 608.
 Limaeas fl. Lusitaniae 153.
 Limeria opp. Cypri 683.
 Limnae opp. Messeniae 257, 279, 382, 363. Chersonesi Thraciae 331, frg. 52, 635. suburbium Spartae 363, 364.
 Limon prope Nysam Ioniae 650.
 Limona i. q. Elona 440.
 Limyra opp. Licyae 656.
 Limyran fl. Lyciae 606.
 Lindii 655, 671.
 Lindus opp. Rhodi 605, 655.
 Lingones s. Lincasii pop. Galliae 186, 193, 208.
 Linx opp. Mauritaniae 825—827, 829.
 Linum opp. Mysiae 588.
 Linusiae cochleae 588.
 Lipara insula 20, 258, 275—277.
 Liparaeorum insulae 54, 57, 123, 248, 256, 274—276.
 Lips ventus 29, 246, 259, 375, 554.

Iiris fl. Latii 233, 237, 238.
 Lissus opp. Dalmatiae 316.
 Litternum opp. Campaniae 243.
 Litternus fl. Campaniae 243.
 Lithodes campus prope Massiliam 182.
 Lithrus mons Ponti 556.
 Lixus opp. Mauritaniae 825, 829. fl. Mauritaniae 99.
 Lochias prom. Aegypti 791, 794.
 Locri pop. Graeciae 321..... Epizephyrii s. Hesperii 255, 256, 259—261, 427. opp. Locrorum Epizephyriorum 123, 259, 260, 835. Epicnemidii 334, 390, 416, 418, 425—427, 430. Ozolae 259, 332, 416—418, 425—427, 450. Opuntii 259, 322, 410, 424—426.
 Locricus mons i. q. Phricium 582.
 Locrides virgines 600, 601.
 Loeris 406, 425—429. in Italia 259, 260, 270.
 Locrius fons 259.
 Lopadussa insula 834.
 Loryma mons et litus Cariae 652, 655, 656.
 Lotophagi 25, 157, 829, 834.
 Lotophagitis nomen Syrtis minoris 834.
 Luca opp. Lipurum 217, 218.
 Lucani 211, 228, 252—255, 261, 263, 280, 283.
 Lucania 252—255.
 Luceria opp. Dauniorum 264, 284.
 Lucius Tarquinius Priscus 220. Mummius 381.
 Lucutocia opp. Parisiorum 194.
 Lucrinus sinus 244, 245.
 Lucullus Lucius 532, 535, 546, 547, 557, 558, 567, 576. Marcus 319, 381.
 Lucumo f. Demarati 219.
 Ludias fl. et lacus Macedoniae 330, frg. 20, 22, 23.
 Luerius Arvernus 191.
 Lugdunum opp. Aquitaniae 190. Segusianorum 177, 186, 191—193, 208.
 Lugeum palus in Alpibus 314.
 Luli pop. Germaniae 290.
 Luna opp. et portus Ligurum 217, 218, 222.
 Lupia fl. Germaniae 291.
 Lupiae opp. Calabriae 282.
 Lusitani 139, 147, 152, 154, 155, 163, 166.
 Lusitania 120, 147, 151—156, 166.
 Lusones pop. Hispaniae 162.
 Lycabettus mons Atticae 399, 454.
 Lycaum mons Arcadiae 208, 348, 388.
 Lycaon 41. Priami f. 585, 620.
 Lycaones 130, 533, 534, 554, 568, 678, 680.
 Lycaonia 130, 568—570.....
 Lycastus opp. Cretae 479.
 Lyceum Athenis 396, 397, 400.

Lychnidus opp. Epiri 323, 327.
 Lycia 21, 664, 667..... in Troade 565, 585..
 Λυκιακὸν σύστημα 664, 665, 667.
 Lyciarches 665.
 Lycii 6, 664—667..... in Troade 453, 565, 572, 585, 587, 596, 598, 662.
 Lycomedes sacerdos Comanorum 568 rex Scyri 436. Pharnacis f. 560.
 Λύκων πόλις in Aegypto 813.
 Lycopitiae 812.
 Lycorea opp. Phocidis 418, 423.
 Lycormas i. q. Euenus 327.
 Lyctii 475, 476, 479, 481.
 Lyctus opp. Cretae 476, 479.
 Λύκου πόλις opp. Aegypti 802.
 Lycurgium vicus Argolidis 376.
 Lycurgus Lacedaemonius 365, 366, 481, 482, 762. Edonorum rex 471, 687. Atticus orator 601.
 Lycus Pandionis f. 392, 573, 667. fl. Assyriae 79, 737. Syriae 755, Phrygiae 578. Armeniae et Ponti 529, 547, 556.
 Lydi 130, 572—574.....
 Lydia 58, 61, 130, 219, 383, 407, 408, 626—628.
 Lydia sacra 460. Lydiae portae Adramyttii 613.
 Lydus f. Atys 219. nomen Phrygium 304.
 Lygaeus avus Penelopae 461.
 Lygdamis dux Cimmeriorum 61, 627.
 Lyncestae pop. Macedoniae 323, 326, 327.
 Lyrcum mons Argolidis 370, 376, 424. vicus Argolidis 271.
 Lyrnessis in Troade 586.
 Lyrnessus opp. Troadis 584, 585, 607, 612. Pamphyliae 667, 676.
 Lysias castellum Iudaeae 763. opp. Syriae 752. Phrygiae 576.
 Lysimachia opp. Chersonesi Thraciae 134, 331, frg. 52, 54. opp. et lacus Aetoliae 460.
 Lysimachus Agathoclis f. 302, 305, 319, 563, 565, 593, 597, 604, 607, 623, 640, 646.
 Lysiodi 648.
 Lysippus sculptor 278, 459, 590.
 Lysis poeta 648.

ME.

Ma i. q. Bellona 535.
 Macae opp. Arabiae felices 765.
 Macaria pars Messeniae 361. fons Atticae 377.
 Macaris urbs i. q. Leshus 356, 586.
 μακάρων νῆσοι 3, 150.

- Macedones 127, 329, frg. 9—42. . .
 frg. 42. . .
 populi 417.
 urbs 474.
 Macedonicum litus 329, frg. 13.
 Macetis femina i. q. Macedonica 477.
 Machaereus Delphus 421.
 Machaerus castellum Iudaeae 763.
 Macistia 343, 348, 349.
 Macistii 343, 344.
 Macistum s. Macistus opp. Triphyliae
 257, 345, 346, 349, 447.
 Macras s. Macra campus Syriae 755.
 Maeres fl. Etruriae 222.
 Macris i. q. Euboea 444.
 Maeri campi in Gallia cisalpina 216.
 Macrocephali 43, 520.
 Μακρόν τεῖχος in Thracia 331, frg. 56.
 Macrones pop. Ponti 548.
 Macropogones pop. supra Pontum 492.
 Macynia opp. Aetoliae 451, 360.
 Madys Scythia 61.
 Madytus opp. Chersonesi Thraciae 331,
 frg. 58.
 Maeander fl. Phrygiae et Cariae 554,
 577—580, 629, 630, 636, 650, 651, 663.
 Maeandri campus 577, 648, 691.
 Maeandrius rerum scriptor 552.
 Maecene regio Arabiae 767.
 Maedi pop. Thraciae 316, 318, 331, frg. 36.
 Maedobithyni gens Thracia 295.
 Maenaca opp. Baeticae 156.
 Maenalus mons et opp. Arcadiae 388,
 389.
 Maenoba opp. Baeticae 143.
 Macones antiqui Lydiae incolae 550, 572,
 576, 586, 620, 625, 678—680.
 Maeonia 576.
 Maeotae 14, 114, 129, 492—495.
 Maeotis palus 52, 307—312. . .
 Magarsa opp. Ciliciae 676.
 Magi sacerdotes Persarum 98, 100, 515,
 717, 727, 730, 733, 735, 736, 762.
 Magnesia s. Magnetis regio Thessaliae
 329, frg. 12, 14, 16, 330, frg. 25, 432,
 436, 437, 441, 443.
 Magnesia opp. Cariae 551, 554, 579, 636,
 647, 648, 663. Lydiae ad Sipylum 571,
 579, 622.
 Magnetis Thessaliae 28, 429, 436, 441,
 442, 636. Cariae 577, 647, 648.
 Magneticum litus 430, 437, 443. mare
 432.
 Magnetis urbs i. q. Gyrton 329, frg. 14, 16.
 Magnopolis opp. Ponti 556.
 Magodi i. q. Lysiodi 648.
 Malaca opp. Baetic e 156, 158, 161, 163.
 Malaus conditor Cymae 582.
 Maleae prom. Laconicae 25, 92, 105, 108,
 335, 362—364, 368, 369, 378, 389, 476.
 Maleos Pelasgus 225.
 Malia prom. Lesbii 616, 617.
 Mallaeus sinus 330, frg. 32.
 Mallenses 10, 28, 333, 416, 429, 433, 442,
 444.
 Malii pop. Mesopotamiae 748.
 Malli pop. Indiae 701.
 Mallotis ager Malli urbis 676.
 Mallus opp. Ciliciae 539, 675, 676.
 Malotha opp. Arabiae 782.
 Malus in Troade 603.
 Mamaus fl. Triphyliae 344.
 Mamertini 265. Mamertinum vinum ibid.
 Mamertium opp. Bruttiorum 261.
 Mandanes unus e Brachmanis 715, 716,
 718.
 Mandubii pop. Galliae 191.
 Manes nomen Phrygium 304. Paphlago-
 num 553, fl. Locridis 426, cf. Boagrius.
 Manius Aquillius 646.
 Mantiana lacus Armeniae 49, 529.
 Mantinea opp. Arcadiae 337, 388, 414,
 608.
 Manto filia Tiresiae 443, 642, 675.
 Mantua 213.
 Maranitia pop. Arabiae 776.
 Marathesium opp. Ioniae 639.
 Marathon pagus Atticae 375, 377, 383,
 396, 399, 416. campus Hispaniae 160.
 Marathus opp. Phocidis 423. Phoeniciae
 753.
 Marcellus conditor Cordubae 141. Celti-
 bericus 162. Octaviae f. 675.
 Marcia uxor Catonis 515.
 Marcia aqua Romae 240.
 Marcina opp. Campaniae 251.
 Marcomani pop. Germaniae 290.
 Mardi pop. Persidis et Armeniae 523,
 524, 727.
 Mardonius 412.
 Mareoticum vinum 799.
 Mareotis s. Maria lacus Aegypti 789, 792,
 793, 795, 799, 803, 806.
 Margala s. Margalae opp. Triphyliae 349.
 Margiana regio Asiae 72, 73, 515, 516.
 Margiani 510.
 Margus fl. Margianae 516. Illyriae 318.
 Mariaba opp. Sabaeorum 768, 778.
 Mariandyni pop. Paphlagoniae 295, 345,
 541, 542, 544, 554, 563, 678.
 Mariandynus Paphlago 542.
 Marisus fl. Daciae 304.
 Marius Ambrorum victor 183, 239.
 Marmaridae pop. Africae 131, 798, 825,
 838.
 Marmarium opp. Euboeae 446.
 Marmolitis regio Paphlagoniae 562.

- Marobaudi imperium 290.
 Maronea opp. Thraciae 331, frg. 44, 47, 48.
 Marrubium opp. Italiae 241.
 Marrucina 241.
 Marrucini pop. Italiae 241, 242.
 Mars 153, 185, 229, 240, 250, 573, 597, 598, 727.
 Marsi pop. Italiae 219, 225, 237, 238, 240, 241. Germaniae 290.
 Marsiaba opp. Arabiae 782.
 Marsicum bellum 238, 241, 258.
 Marsyas tibicen 470, 578, 616. fl. Phrygiae 554, 577, 578.
 Martius campus 236, 249.
 Masaesylii s. Masacesylii pop. Numidia 131, 827—829, 831, 833, 835, 836.
 Mases opp. Argolidis 376.
 Masiani pop. Indiae 698.
 Masinissa 829, 832, 833.
 Masium mons Armeniae 506, 522, 527, 547.
 Massabatica regio Mediae 524, 744.
 Massaga opp. Indiae 698.
 Massagetae pop. Scythiae 507, 511—513.
 Massilia 63, 179—181...
 Massilienses 129, 179—181...
 Massilioticus sinus 181. Massilioticum litus 187, 208. *Μασσαλιωτικός πελάγους* 202.
 Massyra regio Syriae 753, 755, 756.
 Mastaura opp. Lydiae 650.
 Masylenses pop. Numidia 131, 829—832.
 Matalum portus Gortynae 478, 479.
 Mataurus opp. Siciliae 275.
 Matiana regio Mediae 73, 509, 523, 525.
 Matiani s. Matieni 49, 514, 523, 531.
 Matrinum portus Adriae 241.
 Matrinus fl. Piceni 241.
 Mauri i. q. Maurusii 825.
 Maurusia 3, 99, 100, 131, 133, 139, 140, 143, 150, 153, 157, 288, 825.
 Maurusii 5, 131, 137, 825, 827, 828.
 Mausoleum Halicarnassi 656, Romae 236.
 Mausolus rex Cariae 611, 656.
 Maximus Aemilianus 191.
 Mazaca opp. Cappadociae 537—539, 663. cf. Eusebia.
 Mazaceni 538, 539.
 Mazaet pop. Pannoniae 314.
 Mazenes rex insulae Doractae 767.
 Mazusia prom. Chersonesi Thraciae 331, frg. 52.
 Mecestus fl. Phrygiae 576.
 Mecona i. q. Sicyon 382.
 Mecerberna portus Olynthi 330, frg. 29.
 Medea 21, 45, 46, 215, 224, 315, 526, 531.
 Medeon opp. Phocidis 410, 423. Boeotiae 410, 423.
 Medi 506, 507, 509, 514, 522, 524—526, 528—532, 724, 732, 735, 737, 739, 745, 801.
 Media 45, 522—526, 530—532....
 Medici populi 130. montes 74. Medica herba 525. porta 525. Medicus surcus 525.
 Mediolanum opp. Galliae transalpinae 190. cisalpinae 213.
 Mediomatrici pop. Galliae 193.
 Medma opp. Magnae Graeciae 256, 257.
 Medoaci pop. Italiae 216.
 Medoacus fl. Italiae 213. portus Patavii 213.
 Medon comes Philoctetae 432.
 Medus f. Medae 526.
 Medylli gens Alpina 185, 203, 204.
 Megabari pop. Aethiopiae 786, 819.
 Megabathes dux Persarum 403.
 Megabyzi sacerdotes Ephesiorum 641.
 Megalocephali 299.
 Megalopolis opp. Arcadiae 369, 385, 388, 738. Ponti 560.
 Megalopolitae 738.
 Megalopolitis Arcadiae regio 335, 343, 386. Ponti 557, 559.
 Megara opp. Graeciae 331, 391—393, 395, 411, 423, 653. Siciliae 267, 269, 270, 387. Syriae 753.
 Megarenses in Graecia 267, 319, 320, 322, 333, 380, 385, 392, 394, 395, 563. in Sicilia 267, 272, 387.
 Megarici montes 405. vici 394.
 Megarici philosophi 393.
 Megaris s. Megarica 171, 320, frg. 3, 379, 380, 390—393, 395, 400, 405.
 Megasthenes Chalcidensis conditor Cumarum 243. rerum scriptor 68—70, 76, 77, 686, 687, 689, 690, 693, 702—707, 709—713.
 Meges f. Phylei 339, 439, 456, 459.
 Megillus rerum scriptor 692.
 Megista insula 666.
 Melaena prom. Ioniae 645. Chii 645.
 Melaenae virus Troadis 603.
 Melaenae s. Melania opp. Ciliciae 670, 760.
 Melampus 346.
 Melamphyllus i. q. Samus 457, 637.
 Melanchrus tyrannus Lesbi 617.
 Melaneis i. q. Eretria 448.
 Melania i. q. Melaenae.
 Melanippa Boeoti mater 265.
 Melantii scopuli in mari Aegaeo 336.
 Melanthus pater Codri 359, 393, 633.
 Melanus prom. Mysiae 578.
 Melas sinus 28, 92, 124, 323, 331, frg. 52, 54, 58.

- Melas fl. Achaiae 386. Boeotiae 407, 415.
 Cappadociae 538. Pamphyliæ 607.
 Thessaliae 428. Thraciae 331, frg. 52, 53.
 Meldi pop. Galliae 194.
 Meleager Althæae f. 466. Gadarensis
 759.
Μελεάγρου χάραξ prope Antiochiam
 751.
 Meles fl. prope Smyrnam 534, 646.
 Melia Teneri mater 413.
 Melibœa opp. Thessaliae 254, 436, 443.
 Meliguris i. q. Lipara 275.
 Melli 434.
 Melinus portus sinus Arabici 771.
 Melita pagus Atticae 65, 66, lacus prope
 Oenadas 459. insula 277, 834. i. q.
 Samothrace 472.
 Melitæa opp. Phthiotidis 432, 434.
 Melitæi catuli 277.
 Melitenses 432.
 Melitena regio Cappadociae 521, 528,
 533—537.
 Meliteni 527.
 Mellaria opp. Hispaniae 140.
 Melon dux Sicambrorum 291, 292.
 Melpis fl. Latii 237.
 Melsus fl. Astoriae 167.
 Melus insula 484, 485.
 Memnon Tithoni f. 728, 813. Rhodius
 610, dithyrambus Simonidis 728.
 Memnonis vicus in Mysia 587.
 Memnonium Thebis Aegyptiacis 813, 816.
 Abydi 813, arx Susorum 718.
 Memphis opp. Aegypti 473, 803—808,
 812, 814, 817.
 Men Ascaeus, eius templum Antiochiae
 ad Pisidiam 557, 577. Men Carus, eius
 templum in Caria 579. Men Pharnacis,
 eius templum in Ponto 557.
 Menander poeta 297, 452, 486, 637, 638.
 rex Bactrianorum 516.
 Menapii pop. Germaniae 194, 199.
 Menas conditor Mesembriae 319.
 Menda opp. Macedoniae 330, frg. 27.
 Mendes opp. Aegypti 802, 812.
 Mendesii 813.
 Mendesium ostium Nili 801, 802.
 Mendesium pagus in Aegypto 802.
 Menebria i. q. Mesembria 319.
 Menecles Alabandensis 655, 661.
 Menecrates Elaita 550—552, 572, 621.
 Nysaeus 650.
 Menedemus Eretrius philosophus 393,
 448.
 Menelaites pagus in Aegypto 801.
 Menelaus Atræi f. 37—42.... frater
 Ptolemaei primi 801. opp. Aegypti 803.
 opp. et portus Cyrenaicae 40, 801, 838.
 Menesthei portus in Baetica 140.
 Menestheus Scylletii et Elæae conditor
 140, 150, 261, 622.
 Menesthius Sperchei f. 433.
 Meninx insula 25, 123, 157, 834.
 Menippus Gadarensis 759. Stratonicensis
 660.
 Mennaeus pater Ptolemaei reguli 753.
 Meno Alexandri comes 529.
 Menodorus Trallianus 649.
 Menodotus Pergamenus 625.
 Menoetius Patrocli pater 425.
 Mentes Taphiorum rex 456, 459.
 Meones cf. Maeones.
 Meonia (cf. Maeonia) 627, 628.
 Mercurius 104, 816.
 Mermadalis fl. in terra Amazonum 503.
 Mermodas fl. in terra Amazonum 504.
 Meroa soror Campysis 790. insula 32,
 771, 786, 821, 822. caput Aethiopiae
 62, 786, 821, 822...
 Merones i. q. Mysi 550.
 Meropidae 586.
 Meropis i. q. Cos 686, 701.
 Meropis terra 299.
 Merops Clymenae coniux 33. Percosius
 586.
 Merus mons Indiae 687.
 Mesembria opp. Thraciae 319, 440.
 Mesembriani 319.
 Mesena regio Babyloniae 84.
 Meseni Arabes 739.
 Mesogis mons Lydiae 440, 629, 636,
 618—650.
 Mesogites vinum 637, 650.
 Mesopotamia 41, 746—748...
 Messa opp. Laconicae 364.
 Messaei in Laconica 367.
 Messala 206.
 Messana opp. Siciliae 253, 266, 268.
 Messanii 268.
 Messapia i. q. Iapygia 277, 282, 405.
 Messapil 277, 280, 282.
 Messapum mons prope Anthedonem
 405.
 Messapus Boeotus 405.
 Messeis fons Thessaliae 432.
 Messina opp. Messeniae 157, 257, 273,
 279, 358, 361, 389.
 Messina s. Messena 123, 359—362, 366—
 368...
 Messeniacus sinus 335, 339, 360, 362,
παράπλους 362. Messeniaca planities
 361. Messeniacum bellum 257, 278,
 279, 362.
 Messenii 257, 359—362....
 Messoa pars Spartae 364.
 Messola opp. Messeniae 360.

- Metabi heroum 265.
 265.
 170, 827—
 829.
 Metapontina ager Metapontii 255, 265.
 Metapontium 222, 254, 255, 261, 265, 278.
 Metapontus heros 265.
 Metaurus fl. Umbriae 227. fl. Bruttiorum 256.
 Metellus Q. (Metellus) Pius 162, Balearicus 167, 168.
 Methana s. Methona opp. et peninsula prope Troezenem 59, 374, 375.
 Methona opp. Messeniae 350, 360, 436. Macedoniae 330, frg. 20, 21, 374, 376, 436. Magnesiae 436. Thraciae 436.
 Methydrium opp. Arcadiae 388.
 Methymna opp. Lesbii 426, 440, 616, 618.
 Methymnaea ager Methymnae 617.
 Methymnaei 590, 610.
 Metrodorus Sceptius 504, 609, 775.
 Lampsacenus Epicuri discipulus 589.
 Metropolis opp. Thessaliae 437, 438. Magnae Phrygiae 576, 663. Lydiae 632. Metropolitae 437.
 Metropolis vinum 637.
 Metroon aedes matris Deorum 646.
 Metulum opp. Iapodum 207, 314.
 Mevania opp. Umbriae 227.
 Micipsa Masinissae f. 829, 832, 833.
 Micythus tyrannus Siculus 253.
 Midaium opp. Phrygiae Epicteti 576.
 Midas rex Phrygiae Magnae 61, 568, 571, 680. nomen Phrygium 304.
 Midea opp. Argolidis 373. Boeotiae ibid.
 Midea opp. Boeotiae 59, 413.
 Milesia ager Mileti 321, 636.
 Milesii 331, frg. 52, 634—636.
 Miletopolites palus in Mysia 575.
 Miletropolis opp. Mysiae 575, 611, 681.
 Miletus opp. Ioniae 141, 554, 573, 577, 611, 632—636. Cretae 479, 573, 634.
 Milo Crotoniates 263.
 Miltiades Atheniensis 399.
 Milya s. Milyas regio Pisidiae vicina 570, 631, 666.
 Milyae 554, 573, 667, 678.
 Mimallones Bacchi familiae 408.
 Mimas mons Ioniae 613, 645.
 Mimmerus Colophonius 40, 633, 634, 643.
 Minaea regio Arabiae felicitis 768.
 Minaei pop. Arabiae 768, 776.
 Mincius fl. Galliae transpadanae 209.
 Minerva 264. Alalcomensis 413. Alea 388. Cyrrhestis 751. Ilias 264, 601. Itonia 411, 437. Lindia 655. Ne-
 dustia 360, 467. Pollas 394, 396. Sciluntia 344. Sciras 393. Eius templum Alalcomenis 413. in Athenaeo 22, 147. Athenis 395, 396. in insula Ceo 360, 487. in monte Circaeo 232. Coronae 411. apud Cossaeos 744. Ephesi 634. in vico Ilio 593. in Laconica 360. Lindi 655. Luceriae 284. Odysseae in Iberia 157. Sai 802. in Salentinis 281. Scilunte 344. Sidae 667. in Syria 751. Troiae 600, 601.
 Minius fl. Hispaniae 153. cf. Baenis.
 Minoa opp. Argolidis 367. Cretae 475. prom. Megaridis 391, 392.
 Minos rex Cretae 3, 48, 150, 273, 279, 282, 373, 476, 477, 479, 482, 573, 661, 762.
 Minotaurus 477.
 Mintha mons prope Pylum 344. pellex Plutonis ibid.
 Minturnae opp. Latii 233, 237, 238.
 Minyae in Triphylia 337, 338, 347, 374, 401, 414.
 Minyeus s. Minyaeus fl. Triphyliae 346, 347, 352.
 Misenum prom. et portus Campaniae 60, 234, 242—245, 247.
 Misenus comes Ulixis 26, 245.
 Mithracina dies festus apud Persas 530.
 Mithres deus Persarum 732.
 Mithridates Pergamenus 625. Ctistes rex Ponti 562. Euergetes rex Ponti 477.
 Eupator rex Ponti 14, 306—312.
 Mithridaticum bellum 398, 497, 544, 561, 575, 594, 614, 649.
 Mithridatum arx Galatarum 567.
 Mithropastes Persa 766.
 Mnasaletes poeta 412.
 Mnasyrium opp. Rhodi 655.
 Mneuis deus Aegyptorum 803. 805.
 Mnoa servi publici Cretensium 542.
 Moaetes tyrannus Cibyrae 631.
 Moaphernes patruus matris Strabonis 499, 557.
 Moasada castellum Iudaeae 764.
 Mochus Sidonius philosophus 757.
 Modra opp. Phrygiae 543.
 Moeris lacus Aegypti 50, 789, 810—812.
 Moesi pop. Thraciae 295, 296, 303, 542.
 Molo Alabandensis 652, 655.
 Molochath fl. Mauritaniae 827, 829.
 Molotti gens Epirotica 321—324, 326, 328, 329. frg. 1, 2, 430, 594.
 Molyceria opp. Aetoliae 427, 451, 460.
 Μολύκριον ῥίον i. q. Ἀντίρριον 334.
 Momemphis opp. Aegypti 803.
 Momemphitae 803.
 Momemphites pagus in Aegypti 803.

- Monarites vinum 535.
 Monetium opp. Iapodum 207, 314.
 Monoeci Herculis sacrum 202.
 Monoeci portus et opp. Liguriae 201, 202.
 Mopsium opp. Thessaliae 441, 443.
 Mopsopla l. q. Attica 397, 443.
 Mopsopus Atticae rex 307, 443.
 Μόψου ἑστία opp. Ciliciae 676.
 Mopsus Lapitha 443. Mantus f. 443, 642, 668, 676, 676.
 Morena regio Mysiae 574. "
 Morgantium opp. Siciliae 257, 270.
 Morgetes ex Italia in Siciliam migrant 257, 270.
 Morimena regio Cappadociae 534, 537, 539.
 Morimeni 568.
 Morini pop. Galliae 194, 199, 200.
 Moron opp. Lusitaniae 152.
 Morzeus rex Paphlagoniae 562.
 Moschi 497.
 Moschica regio Colchidis 498, 499. Moschici montes 61, 492, 497, 521, 527, 548.
 Moses 760 — 762.
 Mosynoeci pop. Ponti 528, 549.
 Mugilones pop. Germaniae 290.
 Munda caput Turdetaniae 141, 160. fl. Lusitaniae 153.
 Munychia portus Atheniensium 395.
 Murena 631, 670.
 Musae 41, 339, 350, 410, 468, 471.
 Musaeus Thrax 471, 762.
 Museum Alexandriae 793, 794.
 Musicanti terra 694, 701, 710.
 Mutina opp. Italiae 205, 216, 218.
 Mycala prom. Ioniae 6, 621, 629, 632, 636, 637, 639.
 Mycalessus vicus Boeotiae 404, 405, 410.
 Mycenae opp. Argolidis 221, 368, 372, 377.
 Mycenaea 371, 372.
 Mycenaei 372, 273.
 Mychus portus Phocidis 409, 423.
 Myconus insula 485, 487.
 Mygdones e Thracia in Asiam profecti 295, 329. frg. 11, 331, frg. 36, 564, 575. pop. Mesopotamiae 527, 736, 747.
 Mygdonia et Mygdonis pars Mysiae 331. frg. 41, 550, 576, 588. pars Mesopotamiae 747.
 Mylae opp. Siciliae 266, 272.
 Mylasa opp. Cariae 658 — 660.
 Mylasenses 659, 660.
 Myndia ager Myndiorum 658.
 Myndii 657.
 Myndus opp. Cariae 611, 658.
 Mynes rex Lyrnessi 584, 585, 612, 619.
 Myonnesus insula 435, 618. opp. Ioniae 643.
 Μυδὸς ὅρουσ portus Aegypti ad sinum Arabicum 118, 769, 781, 782, 815.
 Myra opp. Lyciae 666.
 Myrcinus opp. Macedoniae 331. frg. 33.
 Myriandrus opp. Syriae 676.
 Myrina Amazon 573, 623. opp. Aeolidis 565, 550, 573, 623.
 Myrinaei 622.
 Myrlea opp. Bithyniae 551, 563.
 Myrleani 575.
 Myrleatis 551.
 Myrmecium opp. Taurorum 310, 494.
 Myrmidones 375, 433. tragoedia Aeschyl 616.
 Myrrhinaeus pagus Atticae 399.
 Myrsilus historicus 60, 610. tyrannus Mytilenae 617.
 Myro statuaris 637.
 Myrsinus opp. Elidis 341.
 Myrtoum mare 124, 323, 331. frg. 58, 335, 360, 375.
 Myrtuntium opp. Elidis 341. aestuarium prope Leucada 469.
 Myscellus Achaeus 262, 269, 287.
 Mysi pop. Thraciae 6, 295, 296, 299, 300, 303, 305, 317, 318... in Asia 129, 295, 303, 541, 542, 550, 564 — 566.... οἱ περὶ Ὀλυμπον 566, 571, 574, 575. tragoedia Sophoclis 356.
 Mysia 10, 563 — 565... Abrettena 576.
 Mysius fl. Mysiae 616. Mysius deus i. q. Abrettenus Iuppiter 574. Bosphorus 566. Olympus 574.
 Mytilena opp. Lesbi insulae 440, 617, 618.
 Mytilenaei 331. frg. 52, 600, 605, 607, 617, 618.
 Myus opp. Cariae 579, 632, 633, 636.
 Myusii 648, 651.

N.

- Nabataea regio Arabiae 777, 783, 784.
 Nabataei pop. Arabiae 760, 767, 777, 779, 780, 783, 803.
 Nablani pop. Caucasum accolens 506.
 Nabocodrosorus Chaldaeus 687.
 Nabrissa opp. Baeticae 140, 143.
 Naburianus Chaldaeus mathematicus 739.
 Nacolea opp. Phrygiae Epicteti 576.
 Nagidus opp. Ciliciae 670, 682.
 Naides Barchi familiae 468.
 Namitae pop. Aquitaniae 190.
 Nanno Minnermi poema 633, 634.
 Nantuatae gens Alpina 204.
 Napa opp. prope Methymnam 426.
 Napata opp. Aethiopiae 820.
 Napetinus sinus 255.
 Nar fl. Umbriae 227, 235.

- Narbo opp. Galliae 105. . . .
 Narbonensis Gallia 177 — 189. palus
 181. Narbonense litus 190.
 Narcissi monumentum 404.
 Narnia opp. Umbriae 227.
 Naron fl. Dalmatiae 315, 317.
 Narthacium opp. Thessaliae 434.
 Narthecis insula 637.
 Narycus opp. Locrorum Opuntiorum 425.
 Nasamones gens Africae 131, 836, 838.
 Nasica Cornelius Scipio 315.
 Natison fl. prope Aquileiam 214.
 Naucius Codri f. 633.
 Naucratis opp. Aegypti 801, 803, 808.
 Naucratis 608.
 Naulochus opp. Moesiae 319, 440.
 Naupactus opp. Locrorum Ozolarum 426,
 427, 450.
 Nauplia opp. Argolidis 368, 369, 373.
 Nauplienses 373, 374.
 Nauplius Neptuni f. 368.
 Nauportus opp. Tauriscorum 314.
Ναύσταθμον Ἰλιέων 595, 598, 599.
Ναύσταθμον portus Cyrenalcae 838.
 Naxi in Sicilia 268, 272, 273.
 Naxus insula 485, 487, opp. Siciliae 267,
 269.
Νέα κόμη (cf. Enea et Aenea) in agro
 Troiano 603.
 Neaethus fl. Magnae Graeciae 262.
 Neandria opp. Troadis 604.
 Neandrienses 606.
 Neandris 472.
 Neanthes Cyzicenus 45.
 Neapolis opp. Chersonesi Tauricae 312.
 Macedoniae 330. frg. 32. Samiorum in
 ora Ephesiaca 639. Ponti 560. Cartha-
 ginienstum 834, ad Syrtim minorem i.
 q. Leptis 835. Campaniae 23, 26, 134,
 245, 246, 248, 253.
 Neapolitae in Italia 23, 26, 246, 248.
 Nearchus praefectus classis Alexandri M.
 70, 691 — 693. . .
 Necropolis suburbium Alexandriae 795,
 799.
 Neda fl. Peloponnesi 344, 348, 349, 351,
 360.
 Nedon fl. Laconicae 353, 360. vicus Mes-
 seniae 360.
 Negrana opp. Arabiae 781, 782.
 Nelum in insula Ithaca 454.
 Neleus pater Nestoris 351, 352, 355. Py-
 lius Miletii conditor 633, 635. Corisci f.
 608. fl. Euboeae 449.
 Nella opp. Magnesiae 436.
 Neidae 264, 359.
 Nemausus opp. Galliae 178, 179, 186, 187,
 203.
 Nemea fl. prope Corinthum 382. opp. Ar-
 goldis 377. Iudi 377.
 Nemeaeus leo 377.
 Nemesis Rhamnusia 396, 399. Adrastea 588.
 Nemossus caput Avernorum 191.
 Nemus aedes Dianae prope Ariciam 239.
 Neocles Epicuri pater 438.
Νέον τεῖχος prope Cymam 621.
 Neon opp. Parnasso vicinum 439.
 Nephesis castellum *Οὐρεοβαλάντιον* 621.
 Neoptolemu
 584. impe
 Parianus
 Nepete opp. 1
 Neptunus 343, 374, 384 — 386, 489, 579,
 601, 639. Aegaeus 408. Asphalius 57.
 Heliconius 384, 639. Isthmius 369, 380.
 Samius 343 — 345. Neptuni sacra et dies
 festi 230, 336, 343, 344, 345, 347, 351,
 363, 369, 373, 374, 380, 384, 385, 405,
 412, 446, 487, 488, 637, 639, 794.
 Neritum mons Ithacae 453, 454.
 Neritus opp. Leucadis 59, 452, 454.
 Nerium prom. Hispaniae 137, 153.
 Neroassus castellum Cappadociae 537.
 Nervii pop. Germaniae 194.
 Nesaea regio Hyrcaniae 509, 511.
 Nesael equi 525, 530.
 Nesso Thessalus 444.
 Nessonis palus in Thessalia 430, 440, 441,
 444.
 Nessus Centaurus 427, 451.
 Nestor Nelei f. S. Tarsensis Stoicus
 674. Academicus 675.
 Nestus fl. Thraciae 323, 331, frg. 33, 35
 41, 44, 47.
Νευρώδη ὄρη in Sicilia 274.
 Nibarus mons Armeniae 527, 531.
 Nicaea caput Bithyniae 134, 564, 565, 587.
 opp. Massiliensium 180, 184. Locridis
 426, 428. Indiae ad Hydaspem 698. Illa
 Antipatri uxor Lysimachi 565.
 Nicander porta 823.
 Nicatorium mons Assyriae 737.
 Nicephorium lucus Pergami 624. opp.
 Mygdonum Mesopotamiae 747.
 Nicias tyrannus Coorum 658.
Νικόλιον κόμη in Aegypto 799.
 Nicolaus Damascenus 719, 720.
 Nicomedes rex Bithyniae 562, 563, 646.
 f. Prusias 624.
 Nicomedia opp. Bithyniae 430, 543, 563,
 587.
 Niconta opp. Tyregetarum 306.
 Nicopolis opp. Epiri 324, 325, 450. Ar-
 meniae minoris 555. Ciliciae 676. Ae-
 gypti 795, 800.
 Nicostrata mater Euandri 230.

Nigretes s. Nigritae pop. Africae 131, 826, 828.
Nilus regio Aethiopiae 774. fl. Aegypti 29, 786—790. . . . Nili canales 38, 780, 788, 804, 805. fontes 696, 780, 819, 826. insulae 817, 819. ostia 1, 2, 29, 30, 85, 126, 688, 786, 788, 801, 902.
Nitua opp. Dalmatiae 315.
Ninus rex Assyriae 84, 737. opp. Assyriae 84, 532, 735—737.
Nioba 363, 571, 580. tragoedia Aeschylus 580. [529].
Niphates mons Armeniae 522, 523, 527, 528. . . .
Nisus pater Scyllae 373, 392.
Nisyriorum insulae 488, 489.
Nisyros insula 488, 489, 656, 657. opp. Nisyri insulae 488, 657. Carpathi 489.
Nitobriges pop. Aquitaniae 190.
Nitriotes pagus in Aegypto 803.
Noarus fl. Illyriae 314, 318.
Noega opp. Asturum 167.
Nomades 4, 300—303. . . .
Nottum ora et prom. Chii 645.
Νότον νέρας prom. Aethiopiae 774.
notus ventus 29, 62. [213].
Novocomenses 213.
Novum Conum opp. Galliae cisalpiniae
Nubae pop. Africae 786, 819.
Nuceria opp. Umbriae 227. Campaniae 247, 249, 251.
Numa Pompilius 228, 230.
Numantia opp. Hispaniae 153, 162, 287.
Numantini 162, 287.
Numidae 131, 833.
Numitor rex Albae Longae 229.
Nycteus pater Antiopeae Hysiarum conditor 404.
Nymphae 468, 587. Cabirides 472, 473. Ioniades 356. Libethriades 410, 471. Nympharum templa et antra 59, 316, 330, 343, 356, 410, 471—473, 751.
Nymphaeum opp. Chersonesi Tauricae 309. prom. Athonis 330, frg. 32. rupes et vicus apud Apollonium 316.
Nysa vicus Boeotiae 405. opp. Cariae 648—650. opp. et mons Indiae 687.
Nysaci pop. Indiae 687, 698.
Nysaenses in Caria 649, 650.
Nysaeis regio Lydiae 679, 629.
Nyseium mons Thraciae 687.

①.

Oases in Libya 130, 790 791, 813
Obelisci 805, 816.

Obidiaceni Maeotica gens 495.
Obotas rex Nabataeorum 781.
Ocalae opp. Boeotiae 410.
Oceanus 21, 31—35. . . .
Ocelum opp. Galliae cisalpiniae 179, 217.
Ocha nomen Euboeae 445. mons Euboeae 445, 446.
Ochus fl. Bactrianae et Hyrcaniae 509—511, 515, 518.
Ochyroma arx lalysi 655.
Ocra mons 202, 207, 211, 314.
Oericoll opp. Umbriae 228, 227.
Octavia soror Augusti 675.
Odessus opp. Moesiae 319, 331, frg. 48.
Odeum Athenis 396.
Odius Halizonum dux 550, 551.
Odromantes pop. Macedoniae 331, frg. 36.
Odromantis regio Armeniae 528.
Odrysae pop. Thraciae 331, frg. 48.
Odrysae fl. Mysiae 550, 551.
Odyssea poema 149, 256, 328, 461, 380. opp. Turdetaniae 149, 157.
Oeanthea opp. Lucrorum Ozolarum 427.
Oeason opp. Vasconum Hispaniae 161.
Oechalia opp. Euboeae 448. Aetoliae ibid. Arcadiae postea Andania 339, 350, 360, 448. Thessaliae, Trachinia 339, 438, 448. ἡ περὶ Τρίκλην 448.
Οὐχάλιας ἄλωσις poema 438, 638.
Oedanes fl. Indiae 719.
Oedipus 380.
Oenaea (Igd. Oeneadae) 450.
Oeneadae opp. Thessaliae 434.
Oeneus pater Deianirae 458, 459, 462, 465, 466.
Oenidae opp. Aetoliae 458, 459.
Oeniadarum palus in Aetolia 459.
Oenoa opp. Atticae 383. Elidis 338. caestellum Corinthiorum 380, 409. opp. insulae Icariae 639.
Oenoanda opp. Lyciae 631.
Oenomaus rex Elidis 356.
Oenona uxor Paridis 596. i. q. Aegina 375. duo pagi Atticae ibid.
Oenoparas fl. Syriae 751.
Oenotri antiqui Lucaniae incolae 253—255, 257, 265.
Oenotria 209, 254, 265, 277.
Oenotrici reges 256. Oenotricus populus 255.
Oenotrides insulae 252, 258.
Oeta mons 329, frg. 6, 331, 417, 418, 427—430, 442, 450. [450].
Oetaea regis Thessaliae 417, 430, 432, 434.
Oetaei pop. Graeciae, 416, 449, 460, 613.
Oetaeus helleborus 418.
Oetylus opp. Laconicae 360.
Ogyges ultimus Achaeorum rex 384.

- Ogygia i. q. Boeotia 407.
 Ogyium mons fabulosus 299.
 Ogyris insula maris rubri 766, 767.
 Olana arx Armeniae 529.
 Olba opp. Ciliciae 672.
 Olbia opp. Massiliensium 180, 184. Pam-
 phyliae 666, 667. ad Borysthenem 306.
 Oleastrum opp. Hispaniae 159.
Ὠλενὴ πέτρῃ in Elide 341, 382, 387.
αἰξ 387.
 Olenus opp. Achaiae 384, 386—388. Ae-
 toliae 386, 451, 460.
 Olgassys mons Paphlagoniae 562.
 Olibarus una Cycladum 485.
 Oligassys nomen Paphlagonium 553.
 Olizon opp. Magnesiae 436.
 Olmiae prom. sinus Corinthii 380, 409.
 Olmuis fl. Boeotiae 407, 411.
 Olooson opp. Thessaliae 440.
 Olophysis opp. Macedoniae 331, frg. 33, 35.
 Oluris s. Olura opp. Messeniae 350.
 Olympena regio Mysiae 576.
 Olympeni 566, 574.
 Olympia 270, 335, 337, 341, 343, 344, 353
 —357, 367, 378, 389.
 Olympici ludj 261, 262, 353—355, 364.
 Olympicum s. Olympium Athenis 396, 404.
 Olympionicae 262.
 Olympus inventor tibiae 470, 578. opp.
 Lyciae 666. mons et castellum Ciliciae
 Pisatidis 356.
 frg. 11, 14—16,
 30, 440—442,
 441, 561. Mysiae 410, 564, 565, 571,
 572, 574, 575.
 Olynthus opp. Macedoniae 121, 329, frg.
 11, 330, frg. 28—30, 408, 447.
 Olysipto opp. Lusitaniae 152.
 Olyssen opp. Cretae 479.
 Omanus deus Persarum 512, 733.
 Omphala Herculis coniux 219. tragoedia
 Ionis 60.
 Omphalio Pisaeus 362.
 Onchesmus portus Epiri 324.
 Onchestus opp. Boeotiae 410, 412.
Ὀνεια ὄρη in Megaride 380, 393.
 Onesicritus rerum scriptor 70, 517, 689—
 696, 698, 699, 701, 705, 707, 715.
 Onesiorum aquae in Aquitania 190.
 Onoba opp. Baeticae 143, 170.
 Onomarchus Phocensium dux 421.
Ὀνοῦ γνάθος peninsula Laconicae 363,
 364.
 Onthyrium opp. Thessaliae 438.
 Opheliae *περίπλους* 826.
 Ophienses pop. Aetoliae 451, 465.
Ὀφιογενεὶς 588.
 Ophiodes insula sinus Arabici 770.
 Ophiussa i. q. Rhodus 653. opp. Tyrege
 tarum 306. ins. prope Hispaniam 167.
 Ophlimus mons Ponti 556.
 Ophrynum opp. Troadis 595.
 Opici pop. Campaniae 242, 250, 654.
 Opis opp. Assyriae 80, 529, 739, 740.
 Opistholepria pars Ephesi 633.
 Ophiomarathus opp. Phocidis 423.
 Optergium opp. Galliae cisalpiniae 214.
 Opsicella opp. Cantabriae 157.
 Opuntii in Elide 425.
 Opuntius sinus 416, 425, 426.
 Opus opp. Locrorum 60, 416, 425.
 Orbelus mons Macedoniae 329, frg. 10.
 Orbis fl. Galliae 182.
 Orcaorici vicus Phrygiae 567, 568, 576.
 Orcheni astronomi Chaldaici 739.
 Orchistena regio Armeniae 528.
 Orchomenia ager Orchomenorum 401, 407
 414, 416.
 Orchomenii 401, 414—416.
 Orchomenus opp. Boeotiae 338, 347, 374,
 407, 411, 414—416, 424. Arcadiae 338,
 388. Euboeae 416.
 Orestae pop. Epiri 236, 434. in Macedo-
 nia 329, frg. 6, 330, frg. 20.
 Orestes 326, 383, 401, 535, 537, 582, tra-
 goedia Euripidis 377.
 Orestia pars Macedoniae 331, frg. 38.
 Orestias regio Epiri 326.
 Orestis regio Macedoniae 329, frg. 6.
 Oretani pop. Hispaniae 139 152, 156, 162,
 163.
 Oretania 139, 141, 156, 162.
 Oreus opp. Euborae 60, 445, 446.
 Oria opp. Hispaniae 152, pagus Euboeae
 445.
 Oricum opp. Illyriae 316.
 Orio 404, 446. Aidus 4.
 Oritae Orei incolae 445. pop. Gedrosiae
 720, 723.
 Orithya 295.
 Ormenium s. Orminium opp. Thessaliae
 432, 436, 438, 442, 530.
 Ormenus s. Ormenides 438, 439.
 Orneae opp. prope Corinthum 376, 382,
 587. vicus Argolidis 376.
 Orneates Priapus 382.
Ὀρνίδων πόλις in Phoenicia 758.
 Oroatis fl. Persidis 727, 729.
 Orobil opp. Euboeae 405, 445.
 Orodes rex Parthorum 702.
 Orontes fl. Syriae 250, 275, 670, 676, 750
 —752, 756, 760. vir, a quo flumen no-
 men traxit 750. rex Armeniae 531.
 Oropia ager Oropiorum 391.
 Oropii 399.

- Pamphyli 130, 520, 554, 570, 632, 664, 667, 668, 678, 685.
 Pamphylia 125, 667, 668....
 Pamphylicae urbes 570.
 Pamphylicum mare 121, 125, 126, 571, 666, 681. Pamphylicus *παράπλους* 667. *τρόπος* 670.
 Pan 802, 822.
 Panchaia in mari Erythraeo 104, 299.
 Pandarus Lyciorum rex 555, 585. colitur Pinarae 665.
 Pandateria insula 123, 233.
 Pandion Lyci pater 573, rex Indiae 686.
 Pandionidae 392.
 Pandora mater Deucalionis 443. nomen Thessaliae meridionalis ibid.
 Pandosia opp. Bruttiorum 256. Thesprotae 256, 324.
 Panaenus pictor 354.
 Panaetius Rhodius stoicus 650, 655, 676.
 Panhellenes 370.
 Panes Bacchi comites 70, 470.
 Paneum Anaphlysti 398. Alexandriae 795.
 Pangaeum mons Macedoniae 331, frg. 34, 41, 680.
 Panionia 384, 639.
 Panionicum sacrum 384.
 Panionium 639.
 Panna opp. Samnii 250.
 Pannonii 207, 292, 313, 314, 317.
Πανῶν πόλις opp. Aegypti 813.
 Panopenses 422, 424.
 Panopeus opp. Phocidis 416, 422, 423.
 Panormus opp. Siciliae 266, 272. Epiri 316, 324. portus Ephesi 639.
 Pantaleon Omphalionis f. 362.
 Panticapaeenses 74, 494.
 Panticapaeum opp. Chersonesi Tauricae 307, 309—311, 494, 495.
 Panxani pop. Caucasum accolens 506.
 Paphlagones 129....
 Paphlagonia 61, 134, 212, 208, 309, 345, 541—544, 552, 553, 562, 563, 568, 574.
 Paphus opp. Cypri 681, 683. Palaepaphus 683, 684.
 Paracheloitae in Thessalia 434. in Aetolia ibid.
 Paracheloitis regio Aetoliae 458, 459.
 Parachsathras mons Mediae 511, 514, 521, 522, 527.
 Paradisus opp. Coelesyriae 756.
 Paraetacae s. Paraetaceni pop. Mediae 522, 524, 729, 732, 736, 739, 744.
 Paraetacena 80, 522, 723, 728, 744.
 Paraetonium portus Marmaricae 40, 798, 799, 809, 814, 838.
 Paralus Clazomenarum conditor 633.
 Parapotamia s. Paropotamii opp. Phocidis 407, 416, 424.
 Parapotamia regio Syriae 753.
 Parasopia regio Boeotiae 404, 408.
 Parasopias in Thessalia 434.
 Parasopli Asopli accolae 408, 409. vicus Thessaliae 382.
 Parati pop. Sardiniae 225.
 Pariana ager Parianorum 588—590, 605.
 Pariani Parii incolae 587, 588.
 Parii pop. Daarum 515. incolae Pari insulae 217, 315, 487, 588.
 Parisades nomen complurium dynastarum Chersonesi Tauricae 309, 310.
 Parisii pop. Galliae 194.
 Parisus fl. Pannoniae 313.
 Parium opp. Mysiae 331, frg. 57, 58, 487, 583, 588—590.
 Parma opp. Galliae cisalpiniae 216.
 Parmenides Eleates 94, 95, 282.
 Parmenio 531, 724.
 Parnassii Parnassii incolae 422, 508.
 Parnassus 26, 208, 329, frg. 6, 373, 379, 383, 401, 409, 410, 416—418, 422—425, 428, 429, 439, 450, 475.
 Parnes mons Atticae 399.
 Parni et Aparni pop. Daarum 508, 511, 515.
 Paropamisadae Paropamisi accolae 130, 688, 691, 697, 723—725.
 Paropamisus mons Asiae 511, 514, 689, 697, 723—725.
 Paroraei regio Epiri 325.
 Paroraei pop. Epiri 326.
 Parorbelia regio Macedoniae 331, frg. 36.
 Paroreatae pop. Triphyllae 346.
 Parrhasii pop. Arcadiae 336, 388, 508.
 Parrhasius pictor Ephesi 542.
 Parsii l. q. Parrhasii 508.
 Parthenia l. q. Samus 457, 637.
 Partheniae 278—280.
 Parthenias fl. Elidis 357.
 Parthenium mons Arcadiae 376, 389. prom. Chersonesi Tauricae 308. vicus ad Bosporum Cimmericum 308, 310, 494. templum Dianae in Chersoneso Taurica 308.
 Parthenius fl. Sami 457. cf. Imbrosus.
 Parthenon templum Minervae 395, 396.
 Parthenopa opp. Campaniae 654. una Sirenium 23, 26, 246.
Πάρθενος l. q. Diana 308.
 Parthica instituta 515. urbs (Ctesipho) 743. Parthici 525. Parthicum foedus 660. bellum contra Romanos 10, 523, 558, 748. Parthicus imperator (Labienus) 660. Parthici rerum scriptores 118, 685.

- Parthi 10, 514, 515...
 Parthia 491, 514, 515, 524, 723, 724, 726.
 Parthini pop. Ilyriae 326.
 Parthyaeus rex Parthorum 744, 751.
 Parus Cycladum una 224, 485, 487. ins.
 Liburnica 124, 315, cf. Pharus.
 Paryadres mons Armeniae 497, 505, 521,
 527, 528, 547, 548, 555, 556.
 Parysatis 785.
 Pasargadae opp. Persidis 717, 728—730.
 Pasiani gens Scythica 511.
 Pasitigris 729.
 Patala opp. Indiae 701.
 Patalena regio Indiae 516, 690, 692, 693,
 700, 701, 720.
 Patara opp. Lyciae 665, 666.
 Patarus conditor Patarorum 666.
 Patavini equites 169, 213.
 Patavium opp. Galliae cisalpiniae 213.
 218.
 Patishorenses gens Persica 727.
 Patmus Sporadum una 488.
 Patraeus opp. Bospori 494.
 Patrae opp. Achaiae 338, 337, 384—388,
 460.
 Patrocles rerum scriptor 68—70, 74, 508,
 509, 518, 689.
 Patroclus dux Myrmidonum 351, 425, 433,
 584, 596, 620.
Παρόκλον χάραξ insula 398.
 Paulus Aemilius Persei victor 322, 331,
 frg. 48.
 Pausanias rex Spartanorum 366.
 Pax Augusta opp. Hispaniae 151.
 Pedalium prom. Cypri 682.
 Pedasa opp. Cariae 611.
 Pedasis ibid.
 Pedasum opp. Cariae ibid.
 Pedasus opp. Lelegum in Troade 321,
 584, 605, 611. Messeniae 359, 360.
 Pegasus 379.
 Pelum arx Tolistobogiorum 567.
 Pelagones pop. Macedoniae 327, 331, frg.
 38, 39, 48, 434. Titanes 331, frg. 40.
 Pelagonia pars Macedoniae 326, 327, 331,
 frg. 38.
 Pelana opp. Messeniae 360.
 Pelargi l. q. Pelasgi 221, 397.
 Pelasgi 219—221, 226, 247, 321, 327, 328,
 331, frg. 35, 345, 397, 401, 402, 410,
 443, 542, 572, 620, 621, 661.
 Pelasgia Peloponnesus 221. regio Thessa-
 liae 329.
 Pelasgicum pars Athenarum 401.
 Pelasgicus Iuppiter 327. Pelasgici campi
 436, 443. Argi 221, 369, 431. Pelas-
 gicum sacrum 402.
371. incolae
 430, 436, 441.
 Pelegon Asteropaei pater 331, frg. 38, 39.
 Pelethronium in monte Pelio 299.
 Peleus 425, 432—434.
 Peliades filiae Peliae 45.
 Pelias Iolci rex 45, 46, 436.
 Peligni pop. Italiae 219, 231, 238, 241,
 242.
 Pelinnaeum opp. Histiaeotidis 437.
 Pelinnaeus mons Chii 645.
 Pelium mons Thessaliae 22, 26, 208, 299,
 329, frg. 15, 428—430, 436, 438, 439,
 441—443.
 Pella opp. Macedoniae 320, 323, 330, frg.
 22, 23, 48, 752. Syriae 752.
 Pellaea regio Macedoniae 330, frg. 20.
 Pellana opp. Laconicae 386.
 Pellena opp. Achaiae 385, 386. vicus
 Achaiae 386.
 Pellenica pallia 386.
Πηλώδης λιμήν in Epiro 324.
 Pelopidae 356, 372, 377, 680.
 Peloponnesiacum bellum 600, 654.
 Peloponnesii 54, 171, 333, 369, 392, 393
 396, 463.
 Peloponnesus 27, 335—389.... Pelopon-
 nesi figura 83, 92, 335. sinus 836. in
 sulae 474. populi 335. situs 336. pro
 montoria 836.
 Pelops 321, 356, 360, 365, 371, 613.
 Pelori sepulcrum 10. turris 171.
 Pelorias prom. Siciliae 22, 23, 257, 265—
 268.
 Peltae opp. Phrygiae 576.
 Peltenus campus in Phrygia 629.
 Pelusiaceum ostium Nili 64, 670, 760, 786,
 788, 791, 801, 802.
 Pelusium opp. Aegypti 35, 38, 50, 58, 85,
 88, 89, 491, 741, 756, 759, 760, 788,
 791, 796, 802—804.
 Penestae servi Thessalorum 542.
 Penelopa 221, 369, 462, 461, 551, 641.
 Peneus fl. Peloponnesi 337, 338. Thessa-
 liae 6, 221, 327, 329, frg. 4, 12, 14—16,
 331, frg. 36, 334, 383, 389, 429, 430,
 432, 433, 438—443, 531, 621, 691.
 Pentelicum marmor 399.
 Pentheus filius Agaveae 408.
 Penthilus Orestis f. 402, 447, 582.
 Peparethus insula 124, 436.
 Percota opp. Mysiae 585, 586, 590.
 Perdiccas 619, 794.
 Pergamena ager Pergami 571, 576, 624.
 Perga opp. Pamphyliacae 667.
 Pergameni 615, 625.
 Pergamum opp. Mysiae 603, 609, 619,

- 623—625, 680. bibliotheca Pergami 609, 624.
 Periander Corinthiorum tyrannus 600.
 Pericles Atheniensis 395, 445, 638.
 Perinthus opp. Thraciae 331, frg. 41, 56—58.
 Perisadyes pop. Epiri 326.
 Permessus fl. Boeotiae 407, 411.
 Perperena opp. Mysiae 607.
 Perperna Aristonici victor 646.
 Perrrhaebi pop. Thraciae 61, 329, frg. 14, 15, 338, 434, 437, 439—442, 446, 450.
 Perrrhaebia Thessaliae pars 440—442.
 Perrrhaebicae urbes 329, frg. 14, 16, 440, 441.
 Persae 10, 727—736....
 Persepolis 78, 80, 727—730.
 Perses rex Macedonum 330, frg. 22, 331, frg. 48, stella 134.
 Persica s. Persicum bellum 331, frg. 56, 336, 375, 377, 396, 398, 402, 540. Persica regna 223, 728. Persica gaze 694, vestis 525, cantilena 742, classis 443.
 Persicae litterae 301, portae 729. Persici mores 525, 732. dei 512, 559, 732, 733. Persicum littus 728, 739, 765.
 Persicus parasangu 518. sinus s. Persicum mare 42, 765—767.....
 Persis s. Persica 79—81.
 Perusia opp. Etruriae 226.
 Pessinuntis cognomen Rheae 469.
 Pessinus opp. Phrygiae 543, 567.
 Petalia insula 444.
 Petelia opp. Lucanorum 254.
 Peteon vicus Boeotiae 410.
 Petnelissus opp. Pisidiae 570, 667.
 Πέτρα Ναβαταίων opp. Arabiae 767, 776, 779, 781.
 Petraei incolae Petrae 779.
 Petreius legatus Pompeii 161.
 Petrocorii pop. Aquitaniae 190, 191.
 Petronius praefectus Aegypti 788, 819—821.
 Peuca insula Istri 301, 305, 306.
 Peucefli pop. Italiae 211, 277, 281—283, 285.
 Peucini pop. Bastarnarum 305, 306.
 Peucolaitis opp. Indiae 698.
 Phabda opp. Ponti 548.
 Phabra insula Atticae vicina 398.
 Phacusa opp. Aegypti 803.
 Phaeaces 26, 423.
 Phaedo Eleus Socraticus 393.
 Phaedrus dux Atheniensium 446. dialogus Platonis 295, 400.
 Phaestus opp. Cretae 476, 479.
 Phaëthosolis f. 215. tragoedia Euripidis 33.
 Phagres opp. Macedoniae 331, frg. 33.
 Phagroriopoli opp. Aegypti 805.
 Phagroriopolites pagus in Aegypto ibid.
 Phalacrum prom. Corcyrae 324.
 Phalanna opp. Thessaliae 440.
 Phalanthus Partheniorum dux 278, 279, 282.
 Phalara opp. Thessaliae 60, 435.
 Phalasarna opp. Cretae 474, 479.
 Phalces Sicyonis conditor 389.
 Phalerenses pagus Atticae 398.
 Phalerus Atheniensis 683.
 Phanae portus Chii insulae 645.
 Phanagoria opp. Bosporanorum 307, 310, 494, 495.
 Phanaroeca regio Ponti 73, 547, 556, 557, 559, 560.
 Phantias Eressius peripateticus 618.
 Phanotenses 407, 423.
 Phanoteus opp. Phocidis 407, 423, 424.
 Phara opp. Achaiae 388. Messeniae, ibid. cf. Pherae. Charthaginiensium 831.
 Pharae vicus agri Tanagraei 405. opp. Thessaliae 503. cf. Pherae.
 Pharatae in Messenia 388.
 Pharbetites pagus in Aegypto 802.
 Pharcadon opp. Thessaliae 438.
 Pharenses s. Pharienses in Achaia 386—388.
 Pharia insula i. q. Pharus 30.
 Pharis opp. Laconicae 363.
 Pharmacussae insulae prope Salamina 395.
 Pharnaces rex Bosporanorum 495, 498, 506, 545—547, 560, 577, 625.
 Pharnacia opp. Ponti 126, 320, 499, 547—549, 551, 555, 556, 577.
 Pharsalia ager Pharsallorum 430.
 Pharsalii 431, 433.
 Pharsalus opp. Thessaliae, vetus Palae-pharsalus 431, 796. nova 356, 431—434, 447.
 Pharus insula Liburnica 124, 315. vicina Alexandriae 30, 37, 57, 58, 140, 536, 791, 792, 794, 800, 802. turris in hac insula 140, 791, 792, 794.
 Pharusii pop. Libyae 131, 826, 828.
 Pharygae opp. Locridis 426. Argolidis ibid.
 Pharygium prom. Phocidis 324.
 Pharziris i. q. Parysatis 785.
 Phasells opp. Lyciae 666, 667, 671.
 Phasis opp. Colchidis 497, 498, 500, fl. Colchidis 45, 52, 91, 92, 288, 298, 497, 498, 500, 529.
 Phatniticum ostium Nili 801, 802.
 Phauena regio Armeniae 528.
 Phaunitis regio Armeniae 528.
 Phazemon opp. Ponti 560.
 Phazemonitae 560

- Phazemonitis regio Ponti 553, 560, 561.
 Phea s. Pheae opp. Pisatidis 350, 351.
 Phea opp. Pisatidis 342, 343, 348. prom.
 Pisatidis 342, 343.
 Phellus opp. Lyciae 666.
 Phemonoa prima Apollinis Delphici sacerdos 419.
 Pheneus opp. Arcadiae 388, 389.
 Pherae opp. Thessaliae 403, 436, 439, 443, 503, 530. Messeniae 359—361, 367. cf. Phara.
 Pheraea opp. Arcadiae 357.
 Pherael 439.
 Pherecydes Syrius 18, 169, 456, 472, 487, 632, 633, 643. Atheniensis 487.
 Phidias statuarius 353, 354, 372, 396.
 Phidippus Thessali f. 444, 653.
 Phido Argivus 358, 376.
 Phigalia opp. Arcadiae 348.
 Philadelphia opp. Lydiae 579, 628. Iudaeae 760, 763.
 Philae ins. et opp. Aegypti 40, 803, 818, 820.
 Philaenorum altaria in Libya 171, 836.
 Philaethes pater Alexandri medici 580.
 Philemon Solensis poeta comicus 671.
 Philletaerus frater Dorylai 478, 557. Tiranus 543, 623. Attali f. 624.
 Philletas Cous poeta 168, 364, 657.
 Philippi opp. Macedoniae 331, frg. 34, 41, 43, 674, 797.
 Philippus Amyntae f. 307. Persei pater 287, 328, 361, 441, 563. Caricorum auctor 662.
Φίλιππου νῆσος in sinu Arabico 773.
 Philochorus rerum scriptor 328, 362, 392, 397, 404.
 Philocteta 254, 272, 432, 436, 443.
 Philodemus Gadarensis Epicureus 759.
 Philogenes Atheniensis Phocaeae conditor 633.
 Philomela Procnas soror 423.
 Philomelium opp. Phrygiae 577, 663.
 Philonomus prodit Laconicam Heraclidis 364, 365.
Φίλωνος κόμη in Aegypto 805.
 Philopoemen dux Achaearum 385.
 Philotas Prienae conditor 633, 636. f. Parmenionis 676, 724.
 Philotera opp. Aegypti. 769. soror Ptolemaei secundi 769.
 Phineus raptus ab Harpyis 302.
 Phinopolis opp. Thraciae 319.
 Phlegra i. q. Pallena 330, frg. 25, 27
 Phlegra et Phlegraeus campus prope Cumas 243, 245, 281.
 Phlegyae pop. Thessaliae 336, frg. 14, 16, 442.
 Phlegyas frater Ixionis 442.
 Philasia ager Philasiorum 382.
 Philigadia mons Norici 207.
 Philus opp. Argolidis 377, 382, 385.
 Phocaea opp. Ioniae 252, 582, 601, 621, 626, 632, 633, 647, 663.
 Phocaeenses 179, 252, 621.
 Phocaicae urbes 156.
 Phocenses incolae Phocidis 188, 263, 332, 336, 402, 405, 407, 416—425.
 Phocici montes 407, 418. Phocicum bellum 420. lauretum 60.
 Phocis 321, 334, 379, 390, 401, 409, 416—425, 589.
Φωκίων νῆσοι in sinu Arabico 773, 776.
 Phoebia i. q. Rhegium 258.
 Phoenica opp. Epiri 324.
 Phoenices 2, 756—760.
 Phoenicia 6, 756—760.
 Phoenicium mendacium 170.
 Phoenicides urbes 754.
 Phoenicis opp. Boeotiae i. q. Medeon 410.
 Phoenicius mons Boeotiae 410.
 Phoenicus mons Lyciae 666. opp. et portus Marmaricae 799.
 Phoenicussa Liparaeorum insula 276.
 Phoenix rex Dolopum 431, 434, 438, 439. mons Cariae 651, 652. castellum Cariae 652. opp. Cretae 475. fl. Phthiotidis 428.
 Pholegandrus una Cycladum 484, 486.
 Pholoa mons Arcadiae 336, 338, 357, 388, 587.
Φώρων λιμὴν in Attica 395.
 Phoroneus 471.
 Phoronis carmen 472.
 Phraates nomen regum Parthorum 288, 702, 748, 749.
 Phraniceates dux Parthorum 751.
 Phricium mons Locridis 582, 621.
 Phriconis i. q. Cuma 582. Larisa 621.
 Phrixa opp. Triphyliae 343.
 Phrixum templum Phrixi 45.
 Phrixus 45, 46, 498, 499, 544.
 Phryges 61, 568—572.
 Phrygia magna 49, 58, 130, 187, 271, 321, 473, 533, 539, 557, 564, 566—568, 571, 576, 577, 580, 628—630, 663, 675, 680, 766. minor s. Hellespontica 129, 543, 563, 566, 571. s. Epictetus 130, 534, 543, 563, 564, 566, 567, 571, 576, 624. *παρώρειος* 569, 576, 577, 663.

- Phrygia dea magna Rhea 469. sacra 469—471. Phrygiae tibiae 471. Phrygius campus 629.
- Phrygia i. q. res Phrygiae 466.
- Phrygius fl. Lydiae et Ioniae 676.
- Phrynae pop. Indiae 516.
- Phrynichus poeta tragicus 635.
- Phryno victor Olympicus 599, 600.
- Φθελῶν ὄρος apud Homerum 635.
- Phthia Thessaliae pars 383, 431, 432, 434, 438.
- Phthil incolae Phthiae 432.
- Phthiotae 365, 383, 429, 433, 434, 495.
- Phthioides Thebae 431, 433.
- Phthiotis pars Thessaliae 430, 432, 433, 437.
- Phthiotis Achais 45.
- Phthiophagi pop. Caucasum accolens 492, 497, 499.
- Phycus prom. Cyrenaicae 363, 837. opp. Cyrenaicae 837.
- Phyla pagus Atticae 396, 404.
- Phylaca opp. Phthioidis 433, 435. Hermapolitica in Aegypto 813. Thebaica ibid.
- Phylarchi principes Arabum 130, 748, 753, 839.
- Phyleus Augeae f. 459.
- Phyllus opp. Thessaliae 435.
- φύσαι terrae hiatus in Catacecaumena 628.
- Physcus opp. Cariae 652, 659, 663, 667.
- Piasus Pelasgorum rex 621.
- Picentes pop. Campaniae vicinus 251.
- Picentia opp. Picentium 251.
- Picentina ager Picenus 227, 240—242.
- Picentini 251.
- Πικρὸν ὕδωρ fl. Ciliciae 671.
- Pictae diversorium in via Latina 237.
- Pictones pop. Galliae 190.
- Pierae et Pieriotae pop. Macedoniae 329, frg. 11, 410, 443, 471.
- Pieria s. Pieris regio Macedoniae 329, frg. 11, 14, 330. frg. 38, 410.
- Pieria mons Thraciae 471. regio Syriae 316, 676, 749. mons Syriae 751. Pierium litus 330, frg. 22.
- Pierica urbs (Pydna), 330, frg. 20, 22.
- Pimolissena et Pimolisitis regio Ponti 553, 561, 562.
- Pimplea s. Pimplea opp. Macedoniae 330, frg. 17, 18, 410, 471.
- Pinaca opp. Mesopotamiae 747.
- Pinara opp. Lyciae 665.
- Pinarus fl. Ciliciae 676.
- Pindarus poeta 155, 170, 172, 248, 268, 279, 321, 328, 404, 411, 412, 419, 431, 469, 485, 544, 626, 627, 643, 645, 655, 711, 802.
- Pindus mons Thessaliae 221, 327, 329, frg. 6, 14, 15, 428, 430, 434, 437, 438, 440, 442, 449, 450. opp. Locridis 427, 434. fl. Locridis 427.
- Pionia opp. Lelegum in Mysia 610.
- Piraeus portus Athenarum 58, 391, 395, 396, 398, 400, 654. i. q. Amisus 547.
- Pirena fons Acrocorinthi 379.
- Pirithous Ixionis f. 48, 329, frg. 14, 16, 434, 439.
- Pirossus opp. Mysiae 589.
- Pirus fl. Achaiae 342, 346.
- Pirustae gens Pannoniae 314.
- Pisa opp. Elidis 356, fons ibid. et Pisae opp. Etruriae 217, 222, 225.
- Pisander poeta Rhodius 656, 688. Bellerophontis f. 573, 630, 631.
- Pisatae in Elide 222, 338, 342, 343, 353, 355, 362. in Etruria 223, 225.
- Pisatis regio Elidis 337, 339, 341—343, 353—358, 367, 372, 374, 377. regio Etruriae 211, 222.
- Pisidia 130, 491, 554, 569, 570, 631, 678, 679.
- Pisidia terra Asiae 21, 34, 557, 569—571, 576, 577, 611, 631, 666, 668, 671.
- Pisidici 566.
- 570, 571, 631.
- Pisilis opp. Cariae 651.
- Pisistratus Nestoris f. 350, 367. tyrannus Atheniensium 394, 397.
- Pissuri pop. Daarum 511.
- Pitana opp. Mysiae 581, 607, 614, 622.
- Pitanaei incolae Pitanae 611.
- Pitanatae in Samnio 250.
- Pitheussa s. Pithecussae insulae 54, 57, 60, 123, 247, 248, 258, 626.
- Pitheussaei 246.
- Pitnisus opp. Lycaoniae 568.
- Pittacus Mytilenaeus 600, 617.
- Pittheus f. Pelopis 374.
- Pitya s. Pityea opp. Mysiae 565, 587, 588, 602.
- Pityassus opp. Pisidiae 570.
- Pityocampes 391.
- Pityus pagus Troadis 588. magnus, orae Colchicae pars 496, 497.
- Pityussa i. q. Lampsacus, Salamis, Chius q. v.
- Pityussae insulae 167.
- Pixodarus rex Cariae 656, 657.
- Placentia opp. Galliae cisalpiniae 216—218.
- Placus mons 614.
- Planasia insula 123, 185.
- Planctae rupes freti Siculi 11, 149, 170.
- Planesia ins. Hispaniae 159.
- Platacae opp. Boeotiae 382, 402, 406.

- 409, 411, 412, 414. pagus Sicyoniae 412.
 Platamodes prom. Messeniae 348.
 Platanistus litus Ciliciae 609. i. q. Maci-
 tus 345.
 Plato philosophus 102, 260, 300, 301, 400,
 468, 471, 476, 592, 610, 656, 713, 762,
 788, 806.
 Pteleas, Pteleades sidus 691, 692, 724, 824.
 Pteleas poetarum 675.
 Plenyrium opp. Indiae 697.
 Plentulsi pop. Hispaniae 156.
 Plerael pop. Dalmatiae 315, 316.
 Pleuron opp. Aetoliae, vetus et nova 450,
 451, 459, 460, 463, 465.
 Pleuronia Pleuronius ager 451, 465, 466.
 Pleutauri pop. Hispaniae 155.
 Plinthina opp. Aegypti 799.
 Plistus fl. Phocidis 418.
 Plumbaria insula 159.
 Plutades philosophus Tarsensis 675.
 Pluto 147, 649..
 Plutonia 244, 579, 629, 636, 649.
 Plynus portus Marmaricae 838.
 Pnucientia opp. Piceni 241.
 Pnigeus opp. Marmaricae 799.
 Podalirii heroum 2 4.
 Poaeassa opp. Laconicae 360.
 Ποικίλη πέτρα in Cilicia 670.
 Poedicii i. q. Peucetii 277, 282.
 Poessa opp. Cel insulae 486, 487.
 Poemandris i. q. Tanagra 401.
 Ποιναι αἱ τραγικαί 175.
 Poeninum Alpium pars 205, 207, 208.
 Poem mons Graeciae 327.
 Pegon portus Troezenis 373.
 Pola opp. Istriae 209, 215, 216, 314.
 Polemo Pharnacis f. rex. Ponti 493, 495,
 499, 550, 560, 568. Laodicensis Zenonis
 f. 578. philosophus 614. periegetes 15,
 396.
 Polichna opp. Troadis 603, 607.
 Polieum opp. Lucaniae 264.
 Polisma s. Polium opp. Troadis 601.
 Polites Ulixis comes 255. Priami f. 599
 Pollentia opp. in Balearium insularum
 maiore 167.
 Poltyobria opp. Thraciae 319.
 Polyanus mons Epiri 327.
 Polybius historicus 2, 20, 23, 24, 25, 26,
 36, 97, 98, 104—109, 139, 145, 162, 163,
 172, 183, 190, 202, 208, 209, 211, 214,
 222, 242, 261, 270, 285, 287, 313, 317,
 322, 332, 335, 381, 385, 389, 422, 465,
 797, 798.
 Polybotes gigas 489.
 Polybus Teneae Oedipum educat 350.
 Polycasta mater Penelopae 461.
 Polycritus historicus 510, 728, 735, 742.
 statuarius 372.
 Polycrates Sami tyrannus 637, 638.
 Polydamas Troianus 599.
 Polydectes Lycurgi frater 482. rex Seri-
 phorum 457.
 Polymedum opp. Troadis 606, 616.
 Polymnastus musicus Colophonius 643.
 Polyphagi 201, 506.
 Polypoetes Lapitharum rex 439, 441.
 Polyporus fl. Troadis 602. cf. Heptaporus.
 Polyrrenhi in ins. Creta 479.
 Polystephanus i. q. Praenestus 238.
 Polytimetus fl. Sogdianae 518.
 Polyxena tragoedia Sophoclis 470.
 Pomentinus campus in Latio 231, 232.
 Pompaedius dux Marsorum 241.
 Pompeii opp. Campaniae 247.
 Pompeiopolis i. q. Pompelona. i. q. Soli
 664, 665, 671.
 Pompeius Magnus 161, 555—560.....
 Pompeii filii 141, 161, 650. monumenta
 156, 159, 160, 178.
 Pompeius Strabo pater Pompeii Magni
 213. f. Theopanis 618.
 Pompelona s. Pompelopolis opp. Hispa-
 niae 161.
 Pompeiopolis opp. Paphlagoniae 562.
 Pontia insula 123, 233.
 Pontica i. q. Pontus 546.
 Pontica provincia 541, 543, 544, 561. Pon-
 ticum litus 518, 533.
 Pontici filii, 538, 539. reges 547.
 Ponticum castoreum 163.
 Pontus s. Cappadocia ad Pontum 534,
 539—566, 574, 609, 614, 649, 678, 687,
 688.
 Pontus Euxinus 21, 124—126..... Ponti
 Eux. ostium 319, 323, 563. pars dextra
 61, 494, 497, sinistra 320, 440, 540, 680.
 orientalis 548, septentrionalis 294.
 Populonia opp. Etruriae 222, 223, 225.
 Pordoselena s. Poroselena insula 618, 619.
 Pornopion cognomen Apollinis 613. men-
 sis ibid.
 Porsena rex Clusinarum 220.
 Porthaonidae Aetolorum reges 463, 465.
 Porticanus rex Indiae 701.
 Porus rex Indiae 686, 691, 698, 719, rex
 Gandaridis 699. fl. Achaiae 342.
 Posidium prom. et opp. Epiri 324. prom.
 Thessaliae 330, frg. 32. Chii 644, 645.
 Milesiorum 633, 634, 651, 658. Lucaniae
 252. Sami cum templo Neptuni 637.
 Arabiae 776. opp. Syriae 751, 753.
 Posidonia in insula Teno 487. opp. Luca-
 niae 251, 252, 373, 397.
 Posidoniatensis sinus i. q. Paestanus sinus
 21, 22, 209, 211, 251, 252.

Posidonium prope Rhegium 257.
 Posidonius stolicus 2, 4, 6, 41, 54, 55, 60,
 94—98, 100, 102, 103, 135, 138, 144,
 147, 153, 157, 163, 165, 170, 172, 173,
 174, 175, 182, 183, 188, 198, 215, 266,
 269, 273, 277, 293—296, 316, 332, 491,
 492, 514, 615, 653, 655, 743, 750, 753,
 755, 757, 764, 784, 789, 790, 803, 827, 830.
 Potamia regio Paphlagoniae 562.
 Potamon Mytilenaeus 617.
 Potamus pagus Atticae 398.
 Potentia opp. Picensi 241.
 Potidaea opp. Macedoniae 330, frg. 25,
 27, 28.
Ποτνιαδες ἑπιοι 409.
 Potniae opp. Boeotiae 409, 412.
 Practius fl. Mysiae 583, 586, 590.
 Praeneste 238, 239.
 Praenestina via 237, 238.
 Praenestini 239, 249.
 Pramnae sapientes Indi 718, 719.
 Prasia pagus Atticae 399.
 Prasinae opp. Argolidis 368, 374.
 Prasii pop. Indiae 702, 703, incolae Prasi
 urbis 472, 478.
 Prاسus opp. Cretae 475, 478, 479.
 Prausi pop. Galliae 187.
 Praxander conditor Lapathi in Cypro 682.
 Praxiteles statuarius 410, 641.
 Praxiphanes Rhodius 655.
 Premnis opp. Aethiopiae 820.
 Prepesinthus una Cycladum 485.
 Priannon opp. Dalmatarum 315.
 Priamus 552, 573, 584—586, 596, 607, 680,
 Priapena regio Mysiae 587, 588. [681.
 Priapus Bacchi f. 382, 587, opp. Mysiae
 331, frg. 58, 565, 576, 582, 587.
 Priena opp. Ioniae 551, 577, 579, 633, 636.
 Prionenses 384, 639.
 Prion mons prope Ephesum 633.
 Privernum opp. Latii 237.
 Probalinthus opp. Atticae 383, 399.
 Prochyta insula 60, 123, 247, 258.
 Procles Eurysthenis frater 364, 366, 389,
 481, conditor Sami 633.
 Proclidae 366.
 Proena soror Philomelae 423.
 Proconnesus ins. Propontidis 331, frg. 56,
 587, 588, 618.
 Proerna opp. Phthiotidis 434.
 Proetides 346, 370.
 Proetus rex Tirynthis 372.
 Prometheus 183, 505, 688.
 Pronesus opp. Cephaloniae 455.
 Prophthasia opp. Drangianae 514, 723.
 Propontis 6, 331, 581—584....
 Proschium opp. Aetoliae 541.
 Proserpina 198, 256, 344.

Prosopites pagus in Aegypto 802.
 Prosymna opp. Argolidis 373.
 Protarchus Epicureus 654.
 Protesilaum in Chersoneso Thracia 331,
 frg. 52, 595.
 Protesilaus rex Thessalorum 296, 394,
 432—435.
 Proteus pater Cabirae 37, 39, 150, 472.
 Protogenes pictor 652.
 Prusa opp. Mysiae 563, 564.
 Prusias opp. Bithyniae 563, 564, rex Bi-
 thyniae 563, 564, 624.
 Prusienses incolae Prusadis 561, 566.
 Psammitichus rex Aegypti 61, 118, 119,
 770, 786, 801, 802, 804, 820.
 Psaphis vicus Oropiorum 339.
 Psebo lacus Aethiopiae 822.
 Syrti maiores
 836.
 Pseudophilippus 331, frg. 48, 624.
 Psillis fl. Bithyniae 543.
Ψυγμοῦ λιμὴν portus orae Aethiopi-
 cae 774.
 Psylli pop. Libyae 131, 588, 814, 638.
 Psyra insula prope Chium 645.
 Psyttalia ins. prope Salamina 395.
 Pteleasium regio Triphyliae 350.
 Pteleos lacus agri Troiani 590, 595.
 Pteleum mons Epiri 329, frg. 6, opp. Tri-
 phyliae 349, Thessaliae 349, 433, 435.
 Pterelas a Cephalo amatus 452.
 Ptolemaenses in Phoenicia 758.
 Ptolemaeus Lagi 301, 723, 791, 794, 795,
 801, 836, Philadelphus 421, 460, 666,
 769, 770, 789, 795, 804, 815, Euergetes
 795, 836, Philopator 478, 759, 795, Epi-
 phanes 795, Philometor 751, 795, Euer-
 getes secundus s. Physcon 98, 99, 101,
 103, 795, 797, 798, Lathurus 795, Au-
 letes 558, 795, 796, 798, Auletae f.
 796, rex Cypri 584, Coccus Parisactus
 794, Ceraunus 623, Mennae f. Ituraeo-
 rum rex 753, Iubae f. rex Numidiae et
 Mauritaniae 838, 831, 840.
Πτολεμαϊκὴ πόλις in Aegypto 813.
 Ptolemaei reges 118, 563, 684, 789, 791,
 795—797.
 Ptolemais opp. Phoeniciae 134, 758, Pam-
 phyliae 667, Cyrenaicae 837, Troglody-
 ticae 133, 768, 770, 776.
 Ptoum mons Boeotiae 413.
 Publius Crassus 176, 646, Claudius Pul-
 cher 684, Servilius Isauricus 568.
 Puteoli opp. Campaniae 245, cf. Dicae-
 archia.
 Pycata 588.

- Pydna opp. Macedoniae 330, frg. 20, 22, 331, frg. 36.
 Pygela opp. Ioniae 551, 639.
 Pygmaei 35, 37, 42, 70, 299, 711, 821.
 Pythagorae s. Pythagori 420.
 Pythae s. Thermopylae 10, 420, 428, 429, 435.
 Pythaea conventus Amphictyonum 420, 429.
 Pythaeones Enetorum dux 541, 543.
 Pythaeum mons Lesbi 621.
 Pythaeus rex Pelasgorum 621.
 Pythaea concio 436.
 Pythaeus sinus 430.
 Pythaea opp. Aetoliae 451, 460.
 Pythia ager Pythiorum 351. Pythium mare 348.
 Pythii Pythi incolae 222, 264, 344, 348, 350—354, 359, 633.
 Pythion opp. Illyriae 323.
 Pythos pars Elidis Nestoris regnum 336, 337. Nestoris urbs 336, 337, 339, 344, 350—353, 355, 368, 393, 633. Eliaca 339, 351, 352. Triphylia s. Lepreatica s. Arcadica 337, 339, 343—345, 348, 350—353, 355. Messeniaca 339, 346, 348, 351—353, 359, 361, 633.
 Pythaeus Aetolus 357.
 Pythaea templa in Cappadocia 733.
 Pythaei in Cappadocia ibid.
 Pyramides in Aegypto 807—809, 811.
 Pyramus fl. Ciliciae 52, 53, 536, 675, 676, 682.
 Pyrasus opp. Phthiotidis 435.
 Pyrena s. Pyrenaei montes 71, 127—129, 160—162...
 Pyrgi opp. Triphyliae 348. Etruriae 226.
 Pyrgitae in Triphylia 348.
 Pyriphlegethon fl. prope Dicaearchiam 26, 244.
 Pyrrha uxor Deucalionis 425, 432, 443, opp. Thessaliae 432. Ioniae 636. Lesbi 617, 618. insula 435, prom. Thessaliae 435. Mysiae 606.
 Pyrrhaea i. q. Thessalia 443.
 Pyrrhaeorum euripus in Lesbos insula 617.
 Pyrrhichus inventor pyrrhichae 467, 480.
 Pyrrho philosophus 393.
 Pyrrhus Achillis f. 326, rex Epiri 258, 280, 287, 326, 376, 384. Neoptolemi fil. 326.
Πυθαγῶν λιμήν, βωμόν, ἐλεφαν-
 των κυνήγιον 773, 774.
 Pythagoras philosophus 263, 297, 638, 716.
 Pythagorei 16, 252, 263, 297, 384, 468, 762.
 Pythagorea philosophia 280, 298, 716.
 Pythaeistae 404.
 Pythaeas rerum scriptor 63, 64, 71, 75, 102, 104, 114, 115, 136, 148, 158, 190, 201, 295.
 Pythia 419, 762.
 Pythia s. Pythium certamen 260, 419, 421.
 Pythias pompa Athenis Delphos ducta 422.
 Pythicus modus 421.
 Pythium templum Apollinis 404, vicus Atticae 392.
 Pytho opp. Phocidis 220, 374.
 Pythodorus uxor Polemonis regina Ponti 499, 555, 557, 559, 560, 649.
 Pythodorus pater Pythodoridae 555, 649.
 Pytholai promontorium in Aethiopia 774. altaria ibid.
 Pythion draco 422, 423.
 Pythia pars montis Idae 472.
 Pyxus prom. fl. opp. Lucaniae 253.

Q.

- Quadi pop. Germaniae 290.
 Quintus Fabius Maximus Aemilianus 185.
 Quirinalis mons Romae 234.
 Quirinius 569.
 Quirites 228, 230, 231.

R.

- Raeci (?) pop. Latii 231.
 Raeti 193, 204, 206, 209, 213, 292, 313.
 Raetia 314.
 Raeticum vinum 206.
 Ravenna 210, 213, 214, 217, 219, 227.
 Rea Silvia Numitoris filia 229.
 Reate opp. Sabrinorum 228. Reatini muli ibid.
 Regisvilla opp. Etruriae 225.
 Remi pop. Galliae 194.
 Remus Romuli frater 229, 230.
 Rhacotis pars Alexandriae 792, 802.
 Rhadamanthys legumlator 476, 482. frater Minois 3, 150, 423, 476, 573. tragoedia Euripidis 356.
 Rhadina carmen Stesichori 347.
 Rhaga s. Rhagae opp. Mediae 60, 514, 524, 525.
 Rhamanitae pop. Arabiae 782.
 Rhambaei pop. Syriae 753.
 Rhamis Uromiri filia 292.
 Rhamnus opp. Atticae 396, 399.
 Rhaphia opp. Iudaeae 759.
 Rhathenus pater Demetrii 548.
 Rhathotes nomen Paphlagonum 563.
 Rhauraris (Auraris) fl. Galliae 182.
 Rhea mater Deorum 348, 468—470, 472.

(cf. Agdistis, Cybeba, Cybela, Dindymena, Idaea, Pessinuntis, Phrygia magna Dea. Sipylena 469, 470).

Rhecas (Crecas) Dioscurorum auriga 496.
Rhegina ager Rheginus 60, 123, 211, 258, 260.

Rhegini 171, 257, 260, 261, 265, 268.

Rhegium opp. Bruttiorum 253, 257, 258, 260, 268, 283. Galliae transpadanae 213.

Lepidum opp. Galliae cispadanae 216.

Rhegma ad ostia Cydni 672.

Rhenea ins. Delo vicina 486.

Rhenus 128, 191—196, 199, 204, 206—208, 213, 289—291, 294, 312, 313, 839. Rheni fontes 177, 192, 204, 213, 292. ostia 63, 177, 193, 194, 199, 294.

Rhesus rex Thraciae 331, frg. 36, 590. fl. Troadis 554, 583, 590, 602.

Rhiginia fl. Thraciae 331, frg. 49.

Rhinocolura s. Rhinocorura opp. Phoeniciae 741, 759, 781.

Rhipa opp. Arcadiae 388.

Rhipaei montes 295, 290.

Rhium prom. Achaiae 335, 336, 387, 390. opp. Messeniae 360, 361.

Rhizaeorum sinus in ora Illyrica 316.

Rhizon opp. orae Illyricae 316.

Rhizonicus sinus in ora Illyrica 314, 316.

Rhizophagi pop. Aethiopiae 771.

Rhizos opp. Thessaliae 436, 443.

Rhoa opp. Galliae 180.

Rhodanus fl. Galliae 166, 177, 180, 181, 183—186, 189, 191—193, 203, 204, 208, 271.

Rhodaspes f. Phraatis 748.

Rhodia ins. Rhodiorum 67, 106, 115, 116, 118, 119, 125, 134, 624, 673. Rhodiorum ager in Caria 651, 673, 681.

Ῥοδιανὸν κλίμα 119.

Rhodii 57, 652—655.... Ῥοδίων πε-
γαία 490, 631, 651, 663, 664, 666, 673, 677, 681.

Rhodium fl. Troadis 534, 595, 603.

Rhodopa opp. Hispaniae 160. mons Thraciae 208, 313, 329, frg. 10, 331, frg. 36, 37.

Rhodus insula 25, 70, 79, 86, 87, 93, 106, 114, 652—655. opp. 278, 395, 575, 605, 652—654. opp. Hispaniae 654.

Rhodopis meretrix 808.

Rhoduntia arx vicina Thermopylis 428.

Rhoetaces fl. Albaniae 500.

Rhoeteenses 595.

Rhoeteum opp. Troadis 595, 597, 601, 602.

Rhoites fl. Troadis 602.

Rhombites maior sinus Maeotidis 493.

minor ibid.

Rhosus fl. Syriae 676, 751.

Rhoxana coniux Alexandri 517, 744.

Rhoxolani gens Scythica 114, 294, 306, 307, 309.

Rhucantii pop. Raetorum 206.

Rhyndacus fl. Mysiae 550, 575, 576.

Rhypes opp. Achaiae 385, 387.

Rhytis ager Rhypensium 385, 387.

Rhytia mater Corybantum 472.

Rhytium opp. Cretae 479.

Roma 134, 234—236.....

Romani 2, 229, 230.....

Romulus. 229—431.

Rubico fl. Italiae 217, 227.

Rubrum mare 32.... Rubri maris sinus 50, 56.

Rudiae opp. Calabriae 281, 282.

Ruscino opp. Galliae 182. fl. Galliae ibid.

Ruspinum opp. Numidiae 831.

Ruteni pop. Aquitaniae 191.

Rutuli pop. Latii 228, 229, 231, 232.

S.

Saba portus sinus Arabici 770.

Sabae opp. Troglodyticae 771.

Sabael pop. Arabiae felicitis 768, 778, 780.

Sabata palus in Etruria 226. opp. Arabiae 768.

Sabata s. Sabaton Vada opp. Liguriae 201, 202, 216, 217.

Sabazia sacra 471.

Sabazius deus Phrygum 470.

Sabelli Samnites 250.

Sabini pop. Italiae 218—220, 228, 230, 250, 287.

Sabinus ager 219, 228, 237, 240.

Sabus rex Arabiae 781. rex Indiae 701.

Sacae gens Scythica 503, 507, 511—514.

Sacaea dies festus apud Persas 512.

Sacrauli gens Scythica 511.

Sacasena regio Armeniae 73, 509, 511, 529.

Saccopodes l. q. Adiabeni 745.

Sacrum (Ἱερὸν) Byzantium, Chalcedoniorum 319, 546, 548.

Sadacora opp. Cappadociae 663.

Sadracae regia Daril prope Arbela 738.

Saetabis opp. Hispaniae 160.

Sagalassenses 570.

Sagalassus opp. Pisidiae 569, 570, 631.

Sagapeni pop. Assyriae 745.

Sagra fl. Bruttiorum 261, 262.

Sagrus fl. Italiae 242.

Saguntum opp. Hispaniae 159, 160, 167.

Sagylum arx Ponti 560, 561.

Saii pop. Thraciae 457, 549.

Sais opp. Aegypti 802, 803.

Saitae 812.

- Salticum ostium* Nili 802.
Saiticus pagus in Aegypto 801.
Salaminicus sinus 335.
Salaminii 394.
Salaminius caseus 395.
Salamis opp. Cypr 682. *insula* (antea Cybrea, Sciras, Pityussa) 124, 375, 377, 393—395, 398, 424. *opp. insulae* 393.
Salapia opp. Apuliae 283, 284.
Salaria via 228.
Salas fl. Germaniae 291.
Salassi pop. Galliae cisalpinae 203—205, 208—210.
Saldas portus Mauritaniae 831.
Salentini pop. Iapygiae 277, 281.
Salentinus ager 277, 281, 282.
Salernum opp. Campaniae 251.
Salganeus Boeotus 10, 403. *opp. Boeotiae* 400, 403.
Salmacis fons prope Halicarnassum 656.
Salmona opp. Pisatidis 356. *fons Enipei ibid.*
Salmoneus rex Elidis 356, 357.
Salmonium s. Samonium prom. Cretae 106, 472, 474, 475, 478, 489.
Salmydessus opp. et ora Thraciae 50, 52, 319, 541.
Saloma soror Herodis 765.
Salon opp. Dalmatarum 315, *Bithyniae* 565.
Salonensis caseus 565.
Saltitetae pop. Lusitaniae 144.
Salyes pop. Galliae transalpinae 178, 180, 181, 184—186, 203.
Sama opp. Cephaleniae 453, 455, 456.
Samaei in Cephalenia 455.
Samaria opp. Iudaeae 760.
Samaritana opp. Hyrcaniae 508. [639.
Samia l. q. Samus 636. [639.
Samicae induclae 343. *Samicum fretum*
Samicum arx Triphyliae 343, 344, 346, 347, 349, 351. *planities Triphyliae* 347.
Sami incolae Sami 457, 488, 637—639.
Samnites 219, 249—251. *Samnitium feminae in insula Galliae* 198.
Samnitici montes 219.
Samnium 242, 249, 251, 283.
Samonium campus Troadis 472. *prom. Cretae cf. Salmonium.*
Samosata opp. Syriae 664, 749.
Samothracia insula 28, 124, 198, 331, *frg.* 48, 50, 51, 338, 457, 472.
Samothraces 331, *frg.* 48, 466.
Sampsiceramus princeps Emisenorum 753.
Samus ins. maris Icarii 124, 339, 347, 457, 488, 554, 636—639, 821. *opp. insulae Sami* 488, 633, 637. *opp. Triphyliae* 346, 347. *et Sama l. q. Cephalenia et opp. huius insulae* 453, 455—457. *Thracia l. q. Samothracia* 457.
Sana opp. Pallenae 330, *frg.* 27.
Sanaus opp. Phrygiae 576.
Sandalium arx Pisidiae 569.
Sandobanes fl. Albaniae 500.
Sandon pater Athenodori 674.
Sandrocottus rex Prasiorum 70, 702, 709, 724, 752.
Sangarius fl. Bithyniae 543, 563, 567
Sangla vicus Phrygiae 543.
Sanisena regio Paphlagoniae 562.
Sanni pop. Ponti 548.
Santonnes pop. Galliae 190, 208.
Saocondarius, pater Castoris, princeps Galatarum 568.
Sapae s. Sapaeci pop. Thraciae 331, *frg.* 44, 48, 457, 549, 556.
Sapis fl. Galliae cisalpinae 217.
Sappho 40, 452, 615, 617, 618, 808.
Σαρπὰ λίμνη ad Chersonesum Tauri cum 308. in Troade 614.
Saramena regio Ponti 547.
Saraostus rex Indiae 516.
Sarapana castellum Colchidis 498, 500.
Saraparae pop. ultra Armeniam habitans 531.
Sarapis deus Aegyptiorum 801, 803.
Sarapium templum Sarapidis 795, 807.
Saravena praefectura Cappadociae 534.
Sardanapallus rex Assyriae 671, 672, 737.
Sardes opp. Lydiae 61, 579, 624—627, 648.
Sardiana ager Sardinianus 626.
Sardinianus campus 626.
Sardinia insula 106, 117, 123, 145, 222—225, 802, 840.
Sardoum s. Sardonium mare 50, 54, 105, 106, 122, 218.
Sardous sinus 144.
Sargarausena praefectura Cappadociae 534, 537.
Sarisa opp. Gordyenae 747.
Sarmatae 114, 128, 129, 294, 296, 302, 305, 306, 312, 492, 497, 498, 500, 507, 553.
Sarnius fl. Hyrcaniae 511. [553.
Sarnus fl. Campaniae 247.
Saronicum mare 124, 335, 369.
Saronicus sinus 335, 369, 374, 380.
Sarpedon prom. Ciliciae 627, 670, 682.
Thraciae 331, *frg.* 52. *frater Minois Miletii conditor* 573, 634, 667. *Syrorum dux* 758.
Sarsina opp. Umbriae 227.
Sarus fl. Cappadociae et Ciliciae 535.
Sason insula 281.
Satalca opp. Mesopotamiae 747.
Satnioes fl. Troadis 321, 605, 606.
Saturnus 468, 472, 654.
Satyri 466, 468—470.
Satyrium prope Tarentum 279.

Satyrus a Protogene pictus 652. rex Bospori 301, 310, 494. urbis Philoteræ conditor 769.

Saus s. Savus fl. Norici et Pannoniæ 207, 314.

Scaee portæ in urbe Troia 590.

Scaei Thracæ quidam 590.

Σκαίων τεύχος et Σκαίων ποταμός in Troade 590.

Scamander fl. Troadis 58, 595, 597 — 599, 602, Siciliae 608.

Scamandrius Hectoris f. 607, 608, 680, 681.

Scamandrius campus 597, 598.

Scandarium prom. insulae Co 657.

Scardi opp. orae Illyricæ 315.

Scardus mons Macedoniæ 329, frg. 10.

Scapha opp. Boeotiae 408. s. Scarphea opp. Locorum Epinemidiorum 60, 426.

Scaphienses 426.

Scarthon fl. (?) 587.

Scaurus viam Aemiliam sternit 217.

Scenae opp. Mesopotamiae 748.

Scentiae in Arabia, Mesopotamia, Syria,

alibi 39, 130, 288, 492, 515, 735, 739,

747 — 749, 753, 765, 767, 776.

Scepsia ager Scepsiorum, 472, 473, 597, 606.

Scepsii 504, 597, 607, 608.

Scepsis opp. Troadis 552, 607 — 609, 635.

Sceptuchiae s. Sceptuchi apud Maecotæ 496, 498.

Schedia opp. Aegypti 800, 801, 803.

Schedicum sepulchrum Schedi 424.

Scheria i. q. Coreyra 44, 269, 299.

Schoenus opp. Boeotiae 408. fl. Boeotiae ibid. portus Corinthi 369, 380, 391, planities Hispaniae 160.

Sciathus ins. Magnesiæ vicina 436.

Scillus opp. Triphyliae, 343.

Scilurus rex Scytharum 306, 309, 312.

Sciona opp. Pallene 330, frg. 27.

Scipio contra Caesarem pugnat 828, 831.

Aemilianus 669, 832. Africanus 190,

243. Gaius Comum colonos deducit 213.

Seira vicus Atticae 393.

Sciras i. q. Salamis 393.

Sciron a Theseo interfectus 391.

Scirones i. q. Zephyri, Argestæ 28, 391.

Scironides rupes in Megaride 28, 380, 391, 393.

Scitrophorion mensis 393.

Scollis mons Elidis 340, 341, 387.

Scollum in Elide 339.

Scolus opp. Boeotiae 408, 409.

Scombraria ins. Hispaniae vicina 159.

Scopas statuarius 604, 640, 656.

Scordisci s. Scordisci Galatae pop. Istrum accolens 293, 296, 313 — 315, 317, 318.

Scordistae i. q. Scordisci 296.

Scotussa opp. Pelasgiotidis 329, frg. 1, 331, frg. 30, 441.

Scutanna fl. Galliae cisalpinæ 218.

Scydises mons Armeniae 497, 527, 548.

Scylacium opp. Bruttiorum 261.

Seylae Caryandensis 566, 583, 658. fl. Ponti 547.

Seylla monstrum 21, 22, 24 — 26. flia Nisi 373.

Scyllaeum prom. et portus Italiae 20, 21, 23 — 25, 256, 257. prom. Argolidis 348, 373, 484.

Scylleticus sinus 254, 255, 261.

Scylletum i. q. Scyllacium 261.

Scytius lapis 437. Scytiae caprae ibid.

Seyrus insula 124, 424, 436, 437.

Scythae 4, 300 — 305...

Scythia 7, 34. extrema 7, 119, 490. desertæ 737. minor s. Taurica 311, 318, 535.

Scythici populi 165, 313, 511, 518, 743.

Scythicus exercitus 743. arcus 125.

Scythica consuetudo 239, 500, 515, 517.

Scythopolis opp. Galliae 763.

Sebasta opp. Ponti 557. i. q. Samaria 760.

Sebennytica urbs in Aegypto 802.

Sebennyticum ostium Nilii 801, 802.

Sebennyticus pagus in Aegypto 802.

Segesama opp. Vaccaeorum 162.

Segestes pater Segimuntii 291, 292.

Segestica opp. Pannoniae 207, 313, 314, 318.

Segida opp. Arevacorum 162.

Segimerus Cheruscorum princeps 292.

Segimuntus princeps Cheruscorum 291.

Segobriga opp. Celtiberorum 162.

Segusiani pop. Galliae 186, 192.

Selena cognomen Cleopatrae 749.

Selencenses Ciliciae 670. Assyriae 743,

Assyriae 521,

746, 748, 750.

Syriae 316, 676, 750, 751. castellum

Ciliciae 670.

750, 753, 756,

174, 739. Nicator

23, 624, 669, 686,

Callinicus rex

571.

Selenses 559 — 571.

Selgici montes 571. Selgia iris ibid.

Selinuntiae aquae in Sicilia 275.

Selinuntius Apollo colitur Orobis 445.

Selinus opp. Siciliae 272. Ciliciae 669,

682. fl. Siciliae 387, 834. prope Ephe-

sum 387. fl. Elidis Achaiae ibid.

Selinusia lacus prope Ephesum 642.

- Selleis fl. prope Sicyonem 338. fl. Elidis 328, 338, 339. Troadis 590.
 Selli pop. Epiri 28, 328.
 Selurus latro 273.
 Selybria opp. Thraciae, 319, 331, frg. 56.
 Sembritae Aegyptii a Psammiticho in exsilium acti 770, 786.
 Semiramis Ninii coniux 80, 84, 529, 537, 559, 686, 687, 722, 737.
 Semnones pop. Germaniae 290.
 Sena opp. Umbriae 227.
 Senones pop. Galliae 194. pop. Italiae 195, 212, 218.
 Sentinum opp. Umbriae 227.
 Sepias prom. et ora Thessaliae 330, frg. 32, 443. opp. Magnesia 436.
 Septem fratrum monumenta in Mauritania 827, miracula 652, 656, 738. putei in Arabia 782.
 Septempeda opp. Piceni 241.
 Sequana fl. Galliae 189, 192—195, 199.
 Sequani pop. Galliae 186, 192, 193, 195, 206, 208.
 Seraspadanes f. Phraatis 748.
 Seres pop. Indiae 701, 702.
 Serica tela 693.
 Serguntia opp. Celtiberiae 162.
 Seriphil 487.
 Seriphus una Cycladum 485, 487.
 Serrihum prom. Thraciae 331, frg. 48.
 Sertorius 158, 159, 161, 162, 287, 829.
 Servillus Isauricus 568, 665, 671.
 Servus rex Romanorum 234.
 Sesamus opp. Paphlagoniae 544.
 Sesarethii pop. Epiri 326.
 Sesithacus dux Cheruscorum 292.
 Sesostrius rex Aegypti 38, 61, 686, 769, 770, 790, 804.
Σησακ *ἄρχα* prom. Chersonesi Thraciae 331, frg. 56.
 Sestus opp. Chersonesi Thraciae 108, 124, 331, frg. 52, 56, 581, 584, 590, 591.
 Sethroites pagus in Aegypto 804.
 Setia opp. Latii 231, 237.
 Setinus ager 231, sinus 234. Setinum vinum 234, 237.
 Setium prom. Galliae Narbonensis 181.
 Seuthes rex Odrysarum 331, frg. 48.
 Seusamora opp. Iberiae Caucasiae 501.
 Sextiae aquae prope Massiliam 178, 180.
 Sextus victor Salyum 180.
 Sextus Pompeius 141, 161, 243, 253, 259, 263, 270.
 Sibae pop. Indiae 688, 701.
 Sibini pop. Germaniae 290.
 Sibylla Erythraea 567, 645, 813, 814.
 Sicani pop. Siciliae 270.
 Siceliotae 6, 257, 270, 420.
 Sicilia 21—26, 265—275....
 Sicinus ins. apud Cretam 484.
 Siculae urbes 243. Siculum bellum 268. fretum 25, 43, 54, 55, 67, 93, 118, 119, 122, 128, 149, 209—211, 242, 254, 257, 378. littus 255. mare 23, 50, 55, 123, 124, 211, 233, 255, 257, 267, 323, 334, 335.
 Siculi 6, 257, 270, 420.
 Sicyon opp. Peloponnesi 271, 335, 338 372, 376, 382, 385, 389, 411, 418.
 Sicyonia 271, 335, 379, 382, 408, 412.
 Sicyonii 381, 382.
 Sida opp. Ponti 548. Pamphyliæ 570, 664, 667, 682.
 Sidena regio Ponti 52, 126, 547, 548, 556. opp. et regio Mystae 587, 601.
 Sidetani in Hispania 162, 163.
 Sidicini pop. Italiae 237.
 Sidicinium cf. Teanum.
 Sidicinium 757—758.
 10, 38,
 Sigeum promontorium Troadis 599, 604, opp. Troadis 331. frg. 52, 58, 595—602.
Σιγήλον μνημα tumulus Narcissi 404.
 Sigertis rex Indiae 516.
 Sigia locus in quo Alexandria Troas condita est 604.
 Siginni pop. mare Caspium accolens 520.
 Sigola opp. Latii 237.
 Signinum vinum 237.
 Sigrana regio Mediae 525.
 Sigrum prom. Lesbi 331, frg. 58, 616—618.
 Silaceni pop. Assyriae 745.
 Silanus rerum scriptor 172.
 Silaris fl. Campaniae 251, 252, 255.
 Silas silva Bruttiorum 261. fl. Indiae 703.
 Sileni famuli Bacchi 466, 468.
 Silenus 470.
 Silli pop. Aethiopiae 772.
 Silphiphorus regio vicina Cyrenalcae 133, 837, 839.
 Silta in Thracia 331, frg. 56.
 Silvium opp. Peuceletorum 283.
 Simmas Rhodius grammaticus 364, 655.
 Simoes fl. Troadis 595, 597—599, 601. Siciliae 608.
 Simoisius campus in Troade 597.
 Simonides Ceus 441, 486, 711. Amorgius 487, 728.
 Simuntis cognomen Troiae 387.
 Simuntis poeta lyricus 648.
 630.

- Sindica regio ad Bosporum Cimmerium
sita 311, 492, 495, 556.
Sindicum mare 492. *Sindicus portus* 496.
Sindomana opp. Indiae 701.
Singiticus sinus in Macedonia 330, frg.
31, 32, 331, frg. 33.
Singus opp. Macedoniae 330, frg. 31.
Sinnaca opp. Mygdoum in Babylonia 747.
Sinnas arx Libani adiacens 755.
Sinope opp. Ponti 46, 68, 73, 74, 134,
320, 477, 496, 498, 534, 545, 547, 553,
664, 677, 678.
Sinopenses 544, 545.
Sinopica terra 144, 546, 562, rubrica 540.
Sinopis et *Sinopitis* ager *Sinopensis* 546,
Sinoria castellum Armeniae 555. [561].
Sinotium opp. Dalmatarum 315.
Sintae pop. Libyae 131.
Sinti (*Sinties*) pop. Thraciae 331, frg. 36,
46, 457, 549.
Sinuessa opp. Latii 219, 231, 233 234,
237, 242, 243, 283.
Siphnius astragalus 484.
Siphnus insula 484.
Sipus opp. Apuliae 284.
Sipylena cognomen Rheae 469.
Sipylus mons Lydiae 58, 571, 579, 621,
680. opp. Lydiae 58, 571.
Siracena *Siracum* terra 504.
Siraces et *Siraci* pop. Caucasum accolens
492, 506.
Sirblis fl. Lyciae (*Xanthus*) 665.
Sirbonis s. *Sirbonitis palus* in Aegypto 50,
760, 763, 809.
Sirenes 22, 23, 26, 246, 252.
Si
- Si 355, 264, 265.
517.
ps 537.
370.
- Sisyrbidae* Ephesiorum pars 633.
Sitacena regio Babyloniae 524, 732, 739,
744, cf. *Apolloniatis*.
Sitaceni gens Maeotica 495.
Sithones pop. Macedoniae 329, frg. 11.
Sinthia prope *Hamaxitum* in agro Pa-
riano, Rhodi, Lindi alibi 605.
Sminthium templum Apollinis prope *Ha-*
maxitum 473, 601.
Smyrna opp. Ioniae 505, 550, 554, 580,
632—634, 646, 663. pars Ephesi 633.
Amazon 633.
- Smyrnaei* 621, 633, 634, 646.
Smyrnaeorum sinus 645, 646.
Smyrnaeum vinum 637.
Soandus opp. Cappadociae 663.
Soanes pop. Caucaso vicinus 497, 499.
Soatra opp. Lycaniae 568.
Socrates Atheniensis 295, 403, 716.
Socratici philosophi 393, 608.
Sodoma opp. Iudaeae 704.
Sogdiana 73, 511, 517, 518.
Sogdiani s. *Sogdii* 72, 129, 511, 513, 514,
517, 724.
Sol deus 22, 472, 652, 805.
Soli opp. Cilliciae 388, 587, 610, 663—665,
668, 669, 671, 675, 676. opp. Cyprj 683.
Solmissus mons prope Ephesum 639.
Soloca opp. Elymaeorum 744.
Solon Atheniensis 102, 394.
Solya montes Lyciae 666.
Solyimi pop. Lyciae 6 21 34 554 573,
630, 631, 667, 678, 680.
Solymus mons Pisidiae 630.
Sophena regio Armeniae 521, 522, 527,
528, 535, 555, 663.
Sopheni 530, 532, 535.
Sophenus rex *Sophenorum* 535 (cf. 532).
Sophocles poeta 27, 271, 295, 356, 364,
370, 392, 399, 433, 458, 470, 473, 605,
638, 643, 675, 687.
Sopithes rex Indorum 699, 709.
Sora opp. Latii 238.
Soracte mons Latii 226.
Sosicrates scriptor 474.
Sosinatti pop. Sardiniae 225.
Sostratus architectus *Cnidius* 791. gram-
maticus *Nysaeus* 650.
Sotades 348. poeta 648.
- Σωτείρας λιμὴν* in sinu Arabico 770.
Σωτήρης cognomen Dioscurorum 232.
Spadines rex Aorsorum 506.
Sparta 193, 343, 350, 359, 362—366, 368,
376, 377, 446, 481. cf. *Lacedaemon*.
Spartiatiae 257, 365, 366, 481, 482.
Spautia palus in Media 523.
Sperchius fl. Thessaliae 60, 373, 428, 429,
433, 435.
Spermophagi pop. Aethiopiae 771.
Sphagia s. *Sphacteria insula* 348, 359.
Sphethus opp. Atticae 397.
Spina opp. Galliae cisalpiniae 214.
Spinidae 214, 421.
Spitamenes Persa 513, 518.
Spoletum opp. Umbriae 227.
Sporades insulae 124, 474, 485, 487—489,
655.
Stadia (?) i. q. Rhodus 653.
Stagirus s. *Stagira* opp. Macedoniae 331,
frg. 33, 35.

Staphylus historicus 475.
 Stasanor Cyprius 683.
 Statanum vinum 234, 243.
 Statonia opp. Etruriae 226.
 Stenyclarus opp. Messeniae 361.
 Steropa uxor Dorylæ tactici 477.
 Stesichorus Himeraeus 42, 148, 347, 356.
 Stesimbrotus Thasius 472.
 Stesimbrotus Thasius 472.

Stesimbrotus Thasius 472.
 Stesimbrotus Thasius 472.
 Stesimbrotus Thasius 472.
 Stesimbrotus Thasius 472.
 Stesimbrotus Thasius 472.
 Stesimbrotus Thasius 472.
 Stesimbrotus Thasius 472.
 Stesimbrotus Thasius 472.
 Stesimbrotus Thasius 472.
 Stesimbrotus Thasius 472.

Strabo geographus: eius patria 547, 561.
 genus 477, 557. magistri 650, 670, 757.
 amici 118, 130, 779, 816, ætas 288. itinera
 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 820, 821, 822, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 830, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 840, 841, 842, 843, 844, 845, 846, 847, 848, 849, 850, 851, 852, 853, 854, 855, 856, 857, 858, 859, 860, 861, 862, 863, 864, 865, 866, 867, 868, 869, 870, 871, 872, 873, 874, 875, 876, 877, 878, 879, 880, 881, 882, 883, 884, 885, 886, 887, 888, 889, 890, 891, 892, 893, 894, 895, 896, 897, 898, 899, 900, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908, 909, 910, 911, 912, 913, 914, 915, 916, 917, 918, 919, 920, 921, 922, 923, 924, 925, 926, 927, 928, 929, 930, 931, 932, 933, 934, 935, 936, 937, 938, 939, 940, 941, 942, 943, 944, 945, 946, 947, 948, 949, 950, 951, 952, 953, 954, 955, 956, 957, 958, 959, 960, 961, 962, 963, 964, 965, 966, 967, 968, 969, 970, 971, 972, 973, 974, 975, 976, 977, 978, 979, 980, 981, 982, 983, 984, 985, 986, 987, 988, 989, 990, 991, 992, 993, 994, 995, 996, 997, 998, 999, 1000.

Stratarchas frater avi Strabonis 477.
 Strattia opp. Arcadiae 388.
 Strattus sacerdos Panticapæi 74.
 Strato tyrannus 547. physicus 49—52.
 Stratocles Atheniensis 359. Rhodius 655.
 Stratonicea uxor Eumenis 624.
 Stratonicea opp. Cariae 658, 660, ad Tau-
 rum montem 660.
 Stratonicensis 611, 660.
 Stratoniceus citharista 610, 651.
 Stratonis insula in sinu Arabico 770. tur-
 ris in Iudaea 758.

στρατοφύλαξ apud Galatas 567. apud
 Indos 707.

Stratus opp. Arcadianae 450, Achaiae
 (postea Dyma) 387.

Strongyla una ex insulis Liparaeorum
 276, 277.

Strophades insulae 359.

Struthophagi in Aethiopia 772.

Strymon fl. Thraciae 323, 329, frg. 4,
 331, frg. 33—37.

Strymonicus sinus 330, frg. 32, 331, frg.
 33, 35, 41.

Stura fl. Latii 232.

Stygia aqua ad lacum Avernum 244. prope
 Pheneum 389. ea utuntur Telechini 684.

Stymbara opp. Deuriopum 327.

Stymphali Stymphali incolae 389.

Stymphalis palus 371, 389.

Stymphalides aves 371.

Stymphalus opp. Arcadiae 275, 371, 382,
 388, 389.

Styra opp. Euboeae 446.

Σούχον Ἰδρυμα in ora Troglodytica 770.

Suchus crocodilus sacer 811.

Sucro fl. Hispaniae 158, 159, 163. opp
 Hispaniae 158, 167.

Sudinus Chaldaeus mathematicus 730.

Suessa opp. Volscorum 231.

Suessiones pop. Galliae 194, 196.

Suessula opp. Campaniae 246.

Sulci opp. Sardiniae 224.

Sulgas fl. Galliae 185, 191.

Sulla (L. Cornelius) 223, 249, 386, 398,
 447, 558, 594, 595, 609, 654, 796.

Sulmo opp. Pelignorum 241.

Sunium prom. Atticae 92, 108, 124, 323,
 329, frg. 13, 390, 391, 398—401, 403, 444,
 446, 474, 485, 636. pagus Atticae 398.

Surena dux Parthorum 747.

Surrentinum vinum 243.

Surrentum opp. Campaniae 22, 247.

Susa opp. Susianae 47, 78, 80, 86, 87,
 727—731, 735, 739, 744.

Susiana regio 732, 736. vicus Aginis 729.

Susil 130, 524, 526, 728, 732, 739, 744, 765.

Susis s. Susias i. q. Susiana 134, 692,
 727—729, 731, 732, 743, 744.

Sutrium opp. Etruriae 226.

Syangela opp. Cariae 611.

Sybaris opp. Lucaniae 262, 263, 386. Brut-
 tiorum 264, 654. fl. Lucaniae 262, 263,
 386. fons Achaiae 386.

Sybaritae 251—253, 264, 421.

Sybota insulae 124, 324.

Συκαμίνων πόλις in Iudaea 758.

Sydracae pop. Indiae 687, 701.

Sydra opp. Ciliciae 669.

Syena opp. Aegypti 32, 817—820. . . .

Syltaeus Nabataeorum praefectus 750—
 782, 819.

Syllium opp. Pamphyliæ 667.

Syloso tyrannus Samiorum 638.

Syma insula Cariae 656.

Symaethus fl. Siciliae 272.

Symbaca opp. Armeniae vel Mediae 523.

Συμβόλων λιμὴν in Chersoneso Tau-
 rica 308, 309.

Symplegades ad Bosporum Thracium 21,
 149, 170.

Synnada opp. Phrygiae 576, 577.

Synnadicus lapis 437, 577.

Synoria cf. Sinoria.

Syphax rex Masaesylorum 829.

Syracusae 23, 59, 123, 134, 259, 262, 269—
 272, 380.

Syracusani 134, 241, 247, 259, 268—270
 272, 273, 449.

Syri 36, 735—737.....
 Syria 40, 749—765..... superior 134.
 inferior 692, 742. cava 133, 749, 760,
 763—766, 765, 767.
 Syria l. q. Syrus insula 487.
 Syriacum mare 84, 535, 749.
 Syrmus rex Triballorum 301.
 Syrtis minor Africae 120, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 820, 821, 822, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 830, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 840, 841, 842, 843, 844, 845, 846, 847, 848, 849, 850, 851, 852, 853, 854, 855, 856, 857, 858, 859, 860, 861, 862, 863, 864, 865, 866, 867, 868, 869, 870, 871, 872, 873, 874, 875, 876, 877, 878, 879, 880, 881, 882, 883, 884, 885, 886, 887, 888, 889, 890, 891, 892, 893, 894, 895, 896, 897, 898, 899, 900, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908, 909, 910, 911, 912, 913, 914, 915, 916, 917, 918, 919, 920, 921, 922, 923, 924, 925, 926, 927, 928, 929, 930, 931, 932, 933, 934, 935, 936, 937, 938, 939, 940, 941, 942, 943, 944, 945, 946, 947, 948, 949, 950, 951, 952, 953, 954, 955, 956, 957, 958, 959, 960, 961, 962, 963, 964, 965, 966, 967, 968, 969, 970, 971, 972, 973, 974, 975, 976, 977, 978, 979, 980, 981, 982, 983, 984, 985, 986, 987, 988, 989, 990, 991, 992, 993, 994, 995, 996, 997, 998, 999, 1000.

Syrus nomen servorum 304.
 Syrus una Cycladum 485, 487.
 Syapiritis regio Armeniae 503, 530.

T.

Tabae opp. Phrygiae 570, 576.
 Tabenus campus 629.
 Taenarius lapis 367.
 Taenarum prom. Laconicae 124, 267, 335,
 360, 362, 363, 367, 374, 618, 837. opp.
 Laconicae 360.
 Talabroca opp. Hyrcaniae 508.
 Talares pop. Epiri 434.
 Tamarus prom. Indiae 519.
 Tamasus opp. Cypri 255, 256, 684.
 Tamna opp. Arabiae felicitis 768.
 Tamynae opp. Euboeae 447.
 Tamyraea prom. 308.
 Tamyraea s. Carcinites sinus in Cherso-
 neso Taurica 307, 308.
 Tamyraea fl. Phoeniciae 756.
 Tanagra opp. Boeotiae 403—405, 409, 310.
 Tanagraea s. Tanagrica, ager Tanagraeus
 400, 404.
 Tanagraei 403, 404.
 Tanais opp. ad Tanaim fl. sita 310, 493,
 495. flumen 65, 490—495.....
 Tanis opp. Aegypti in Delta sita 802.
 Thebaidis 813.
 Tanites pagus in Aegypto 802.
 Taniticum ostium Nili 801, 802.
 Tantalus Phryx 58, 571, 580, 680.
 Taoca opp. Persarum 728.
 Tapa opp. Hyrcaniae 508.
 Taphias l. q. Taphus 456.
 Taphiasus mons Aetoliae 427, 451, 460.
 Taphi incolae Taphi insulae 456, 459, 461.
 Taphitis prom. orae Carthaginiensis 834.
 Taphrii in Chersoneso Taurica 308.
 Taphus ins. Acarnaniae vicina 456, 459, 461.
 Taposiris opp. Aegypti 799. minor opp.
 Aegypti 799, 800.
 Taprobana insula 63, 72, 74, 119, 130,
 133, 690, 691.
 Tapyri pop. Asiae 514, 515, 520, 523.
 Tapyria Tapyrorum terra 517.
 Taras heros Tarentinorum 279.
 Tarbassus opp. Pisidiae 570.

Tarbelli pop. Galliae 190.
 Tarco Tarquiniorum conditor 219.
 Tarcondimotus rex Ciliciae 676.
 Tarentini 250, 254, 259, 262—265, 280,
 281, 287.
 Tarentinus ager 254, 280, 292, sinus 209,
 211, 253, 261, 262, 278, 281, 282.
 Tarentum opp. Iapygiae 233, 253, 264,
 264, 265, 277—283, 324.
 T..... insulae prope
 Lydiae ibid.
 5.
 Tarpha opp. Locrorum 60, 426.
 Tarquinenses 219.
 Tarquinii opp. Etruriae 219, 220.
 Tarquinius Priscus 219, 220, 231. Super-
 bus 220, 231, 286.
 Tarracina opp. Latii 231, 233.
 Tarraco opp. Hispaniae 159, 160, 161, 167.
 Tarsenses Tarsi incolae 673—675.
 Tarsius fl. Mysiae 587.
 Tarsus opp. Ciliciae 126, 664, 668, 672—
 674, 677, 760.
 Tartarus 149.
 Tartessus 33.
 Tartessus Tartessiorum ager 148, 149.
 Tartessus opp. Hispaniae 148, 151. fl.
 Hispaniae 148, 149.
 Tarusco opp. Galliae 178, 179, 187.
 Tarsus dux Roxolanorum 306.
 Tatta palus in Phrygia 568.
 Tauchira opp. Cyrenaicae 836, 837.
 Tavium castellum Galatiae 567.
 Taulantii pop. Epiri 326.
 Tauri gens Scythica 308, 309, 311. mon-
 tes Troglodyticae 770.
 Tauriana regio Bruttiorum 254.
 Taurica chersonnesus 308, 309.
 Taurini pop. Liguria 204, 209.
 Taurisci s. Tauristae pop. Galliae 208—
 208, 213, 293, 296, 304, 313, 314.
 Taurocentium opp. Galliae 180, 184.
 Tauromenitae 272.
 Tauromenium opp. Siciliae 266—268.
 Tauromenius ager 268.
 Tauropollum templum Dianae 639, 766.
 Taurus castellum Iudaeae 763. mons Asiae
 21, 519—522..... Cilicius 533, 535,
 568. Pisidicus 566, terrae intra Taurum
 129... extra Taurum 129...
 Taxila opp. Indiae 691, 698, 714.
 Taxiles rex Taxilorum 698, 699, 716.
 Taygetus mons Laconicae 208, 360, 363,
 367, 454, 475.
 Teanum Sidicinum opp. Campaniae 237,
 248, 249, 285. Apulum 242, 285.
 Tearcon s. Tearcos Aethiops 61, 686, 687.
 Teatea opp. Marrucinorum 641.

- Tectosages pop. Galliae Narbonensis 187, 188, 190. pop. Galatiae 566, 567.
 Tegea opp. Arcadiae 337, 373, 376, 388.
 Tegeatae 377, 380.
 Tegeatis 389.
 Teil 643, 644.
 Telamo Teucrum pellit 682.
 Telchines Rhodi incolae 466, 472, 653, 654.
 Telchinis i. q. Rhodus 653.
 Teleboae filii Teleboae 322, 323, 456, 459, Teleboas rex Leucadis 322. [461].
 Teleclus rex Lacedaemoniorum 279, 360.
 Telemachus 37, 344—346. . .
 Telephus Eurypyli pater 571, 572, 584.
 Telesia opp. Samnitium 250. [586, 615].
 Telethrium mons Euboeae 445.
 Tellenae opp. Latii 231.
 Τελησσός ἄνθρωπος in Lycia 665.
 Telmessus opp. Lyciae 665.
 Telus una Sporadum 488.
 Tembrio conditor Sami 457, 633.
 Temenium opp. Argolidis 368.
 Temenus dux Heraclidarum 357, 358, 368, 389.
 Temesa opp. Magnae Graeciae postea Tempa dicta 6, 255, 256, 551.
 Temmices Boeotiam occupant 321, 401-
 7
 Tempa cf. Temesa.
 Tempyra opp. Thraciae 331, frg. 48.
 Tenea opp. Corinthiorum 380.
 Teneas fl. Umbriae 227, 235.
 Teneates 380.
 Tenedii 271, 380, 596, 603, 604.
 Tenedus ins. et opp. 124, 271, 488, 554, 581, 604, 618, 619.
 Tenericus campus in Boeotia 412, 413.
 Tenerus f. Apollinis vates 413.
 Tenessis regio Aethiopiae 770, 771.
 Tennes Cyeni f. 380, 604.
 Tentyra opp. Aegypti 814.
 Tentyritae 814, 815.
 Tenus una Cycladum 485, 487.
 Teos opp. Ioniae 633, 638, 643, 644. [539].
 Terea opp. Mysiae 565, 589. Terae mons Tereon opp. Babyloniae 80, 765.
 Terentius Varro Salassorum victor 206.
 Tereus Thrax rex Daulidis 321, 423.
 Tergeste opp. Istriae 215, 314.
 Terina opp. Bruttiorum 256.
 Termerium prom. Cariae 657.
 Termerum opp. Cariae ibid.
 Termessenses 630.
 Termessus opp. Pisidiae 570, 630, 631, 666.
 Termilae Lyciam incolunt 573, 667, 678.
 Terpander Lesbii 618.
 Tetrapyrgia in Cyrenaica 838.
 Tetrarchae et Tetrarchiae apud Galatas 541, 560, 567.
 Teucer f. Telamonis 157, 672, 682. Atticus 604. Teucri gens et sacrum in urbe Olba 672.
 Teucri Troadis incolae 61, 604, 613.
 Teumessus opp. Boeotiae 409, 412.
 Teuthea opp. Achaiae 342.
 Teutheas fl. Achaiae ibid.
 Teuthrania regio Mysiae 551, 571, 615.
 Teuthras fl. Bruttiorum 284. rex Teuthraniae 571, 572, 586, 615.
 Teutones Belgas aggrediuntur 196.
 Thala opp. Numidiae 831.
 Thalamae opp. Laconicae 360.
 Thales Milesius 7, 635. Cretensis poeta 480, 482.
 Thalestria regina Amazonum 505.
 Thamyris Thrax 331, frg. 35, 339, 350, 471.
 Thapsacus opp. Babyloniae 77. pons ad Thapsacum 746, 747. cf. 79, 80.
 Thapsus opp. Africae 831, 834.
 Thasus insula 28, 124, 317, 331, frg. 44, 48, 370, 487, 647.
 Thaumaci opp. Phthiotidis 389, 434.
 Thaumacia opp. Magnesia 436.
 Theba opp. Pamphyliae 667, 676. vel Thebae opp. Troadis 584, 585, 588, 611, 612, 614.
 Thebae opp. Boeotiae 41, 352, 401, 404, 408, 409, 411, 412, 633 Aegypti 9, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100.
 Thebaeae, Thebaica, Thebais pars Boeotiae 404, 405, 408—410, 412.
 Thebaica regio Troadis 586. custodia in Aegypto 813.
 Thebais Aegypti pars 42, 693, 781, 787, 790, 804, 813, 818—820.
 Themellas princeps Arabum 763.
 Themis 422, 423. Ichnaea 435.
 Themiscyra regio Ponti 52, 126, 497, 504, 505, 544, 547, 548, 556.
 Themisonium opp. Phrygiae 576.
 Themistocles 586, 636, 647.
 Thena opp. Africae 831, 834.
 Theocles Atheniensis 267.
 Theocritus Chius 645.
 Theodectes poeta 695.
 Theodoros Gadareus 759. eius schola 625.
 Theodosia opp. Chersonesi 309—311.
 Theodosius mathematicus 566.
 Theomnestus Cus musicus 658.
 Θεών λιμήν opp. Numidiae 829.
 Theophanes Mytilenaeus 493, 503, 528, 530, 555.
 Theophilus propinquus Strabonis 557.

- Theophrastus peripateticus 308, 478, 608, 609, 618.
 Theopompus Cnidius 656. Chius historicus 43, 209, 317, 323, 324, 373, 375, 424, 440, 445, 542, 547, 591, 629, 645.
 Thera insula 46, 57, 347, 484, 837.
 Theraci 837.
 Therapnae opp. Thebanorum 409.
 Theras Therae conditor 347.
 Therasia insula 57, 484.
 Thera opp. Macedoniae 330, frg. 20, 21, 23.
 Thermaeus sinus 92... [24.
 Thermessa insula 275, 276.
 Thermodon fl. Ponti 52, 298, 505, 529, 547.
 Thermopylae 10...
 Thermum s. Therna opp. Aetoliae 403.
 Theseus Athenis 396. [399, 477.
 Theseus 19, 26, 48, 282, 380, 396, 397.
 Thespieae opp. Boeotiae 400, 403, 405, 409.
 Thespienses 409, 410. [410, 414.
 Thesproti 6...
 Thesprotia 256.
 Thessali 45...
 Thessalia 220, 429—444.... Thessalici campi 430, 431, 440, 441. montes 28, Thessalica equitatio 449, 531. vestis 530.
 Thessaliotae et Thessaliotis pars Thessaliae 430, 435, 438.
 Thessalonica uxor Cassandri 330, frg. 21. opp. Macedoniae 106, 124, 323, 329, frg. 10, 13, 330, frg. 20, 21, 24, 25, 331, frg. 48, 391, 400.
 Thessalus Haemonis f. 443, 444.
 Thestiadae fratres Althaeae 466.
 Thestius pater Ledaee 461. pater Althaeae Thetidum templum Thetidis 431. [466.
 Θεοῦ πρόσωπον prom. Syriae 754, 755.
 Thimbro rex Cyrenae 837.
 Thisba v. Thisbae opp. Boeotiae 16, 298, 411.
 Θεοαῖ insulae 351, 458.
 Thoantium orae Rhodiae pars 655.
 Thoasi. q. Achelous 450. rex Aetolorum 255.
 Thonis rex Aegypti 800. opp. Aegypti ibid.
 Thopitis lacus Armeniae 529, 746.
 Thorax mons Lydiae 647.
 Thorenses pagus Atticus 398.
 Thoricus opp. Atticae 397—399, 485.
 Thornax mons Laconicae 364.
 Thraces 28....
 Thracia 108, 331, frg. 48—58.... Thraciae chersonesus 92, 108, 109, 124, 129, 329, frg. 13, 331, frg. 52, 53. Thracius Bosphorus 125, 325, 566. Thracii populi 289, 295, 304, 313, 315, 316, 331, frg. 46, 541, 549, 564. montes 71, 208, 313, 317, 318, 320, 329, frg. 4, 471. Thracium litus 6, 323. mare 28. Thracia musica 471. insula 457. Thraciae fodinae 680.
 Thraso sculptor 641.
 Thrasylces Thasius 29, 790.
 Thrasylbulus Atheniensis 396.
 Threx castellum Iudaeae 763.
 Thriasius campus in Attica 392, 395.
 Thrinacis i. q. Sicilia 265.
 Thronii, Thronii incolae 60.
 Thronium opp. Locridis 60, 426.
 Throni prom. et opp. Cypri 683.
 Thryoessa s. Thryum opp. Triphyliae 349, Thucydides. [352, 353.
 Thula 63, 64, 104, 114, 201.
 Thumelicus Arminii f. 292.
 Thunatae gens Illyrica 316.
 Thurla opp. Messeniae 360, 361. fons 263.
 Thuriurum ager 280.
 Thurii opp. Lucaniae 254, 255, 260, 263, 264, 656. Thurinum vinum 264.
 Thusnelda filia Segestis 291.
 Thyamis fl. Epiri 324.
 Thymbra campus prope Ilum 598.
 Thymbria pagus Cariae 636.
 Thymbrius fl. prope Ilum 598.
 Thyni pop. Bithyniae 293, 541, 554.
 Thynia insula 543.
 Thynias prom. et regio Thraciae 319, 541.
 Thyreae opp. Cynoriae 65, 376.
 Thyrides insula et prom. Laconicae 335, 360, 362.
 Thyssus opp. Macedoniae 331. frg. 33, 35.
 Tianus Tio oriundus (Philetaerus) 623.
 Tibarani s. Tibareni 527, 534, 540, 548, 555.
 Tibarania regio Ponti 309.
 Tiberantet populi 129. [234, 235.
 Tiberis 216, 218, 219, 222, 226—229, 231.
 Tiberius Imperator 156, 206, 208, 292, 534, 579, 519, 627, 821. cf. Gracchus.
 Tibius propinquus Strabonis 557. nomen Paphlagonium 304, 553.
 Tibur opp. Latii 238.
 Tiburtinus lapis 238. [428.
 Τειχιοῦς castellum prope Thermopylas
 Ticinum opp. Galliae cisalpiniae 217.
 Ticinus fl. Galliae cisalpiniae 209, 217.
 Tieum opp. Bithyniae 542, 543, 565.
 Tiga opp. Mauritaniae 827.
 Tigranes rex Armeniae 529, 530, 532, 539, 610, 745, 747, 749, 751. [747.
 Tigranocerta opp. Armeniae 522, 532, 539.
 Tigris 47.... eius fontes 521, 522. ostia 521, 527, 529, 728, 729.
 Tigrini vici a Mario 293.
 Tilphossa fons Boeotiae 410, 411, 413.
 Tilphossium mons Boeotiae 411, 413. opp. Boeotiae 410, 413.
 Timaeus historicus 183, 248, 260, 271, 600.
 Timagenes historicus 188, 711. [640, 654.
 Timavum templum Dionedis 214, 215.

- Timavus fl. Istriae** 214, 215, 275.
Timonitis regio Paphlagoniae 562.
Timonium Alexandriae 794.
Timosthenes praefectus classis Ptolemaei secundi 29, 92—94, 140, 421, 618, 827.
Timotheus Patrio Sinopensis 548.
Tingia opp. Mauritaniae 140.
Tiresias 411, 413, 443, 642, 762.
Tirtzis prom. Haemi cum arce 319.
Tiryns opp. Argolidis 372, 373, 653.
Tisamenus f. Orestis 383, 384, 389.
Tisiaus opp. Numidiae 831.
Titaneus 331, frg. 40, 472.
Titaneus opp. Thessaliae 439.
Titaneus f. Thessaliae 439, frg. 14, 15, 441.
Tityri famuli Bacchi 466, 468, 470.
Tityrus mons Cretae 479.
Tityrus rex Penopel 422, 423.
Tlepolemus Herculis f. 338, 633, 654.
Tlos opp. Lyciae 665.
Tmolus mons Lydiae 554, 591, 610, 620, 625, 627, 629, 637, 650.
Tochari Scythae trans laxartem 511.
Togali in Hispania 151, 167.
Tollstobogii pop. Galatiae 187, 547, 566, 567.
Tolosa opp. Galliae 188.
Tomarus s. Tmarus mons prope Dodonam 327, 328, 434.
Tomis opp. Moesiae 318, 319.
Tomisa s. Tomisae castellum Cappadociae 535, 663, 664.
Tomuri a monte Tomaro nominati 328, 329.
Topira opp. Thraciae 331, frg. 45.
Toreatae Maeotica gens 495.
Toronaeus s. Toronicus sinus in Macedonia 330, frg. 29, 31, 32.
Toygeni victi a Mario 183, 293.
Trachia regio ad Coressum montem in qua Ephesus 634.
Trachin opp. Phocidis 423, opp. Thessaliae 60, 423, 428, 432.
Trachina v. Tarracina.
Trachinia regio Thessaliae 334, 432, 433, 448.
Trachinli 423.
Trachiotae incolae Ciliciae asperae 130, 569, 694, 698, 676.
Trachiotis s. Trachia v. Cilicia.
Trachones montes prope Damascus 755, 756.
Tragaeae insulae prope Miletum 635, [756].
Τραγασαίων ἀλοπήγιον salinae apud Hamaxitum 603.
Tragium opp. Laconicae 360.
Tragurium insula 124, 315.
Tralles opp. Lydiae 440, 648, 649, 663.
Tralliani 579, 648, 649.
Trapezon collis Syriae 751.
Trapezus opp. ponti 309, 320, 331, frg. 55, 497, 499, 548, 555. mons Chersonesi Tauricae 309.
Τραπυζιανῶν Τραπεζιτιῶν 547.
Trebbonius percussor Caesaris 646.
Trebula opp. Sabinorum 228.
Trephla lacus Boeotiae 407.
Trepontium opp. Latii 237.
Treres pop. Thracius 59, 61, 511, 552, 573, 586, 627, 647.
Tretus fl. Latii 237.
Treta opp. Cypri 683.
Tretum prom. Numidiae 829, 831, 832.
Treviri pop. Galliae 194.
Trichalces cognomen Dorum 476.
Trichonium opp. Aetoliae 450.
Triclari in Thessalia 330, frg. 20.
Tricoril pop. Galliae 185, 203.
Tricorynthus opp. Atticae 377, 383, 399.
Tridentini 204.
Trieres opp. Syriae 754.
Trinacria l. q. Sicilia 265.
Trinemensis pagus Atticae 400.
Trinx opp. Mauritaniae 825.
Triphylia pars Elidis 337, 339, 342—348, 355, 357—359, 367, 372, 447.
Triphylia Pylus 337.
Tripolis opp. Phoeniciae 754, 755.
Tripolititis cf. Pelagonia.
Triptolemus pater Gordyis 27, 673, 747, 750, tragoedia Sophoclis 27.
Tritaea opp. Achaiae 341, 342.
Tritaeenses 341, 386.
Triton opp. Boeotiae 407.
Tritonis lacus Cyrenaicae 836.
Troades Trolanae 262, 264, 330, frg. 25.
Troas regio 6, 581—616.
Trocmi pop. Galatiae 187, 561, 566, 567.
Troezen Pelopis f. 374, opp. Argolidis 369, 373—375.
Trogillus prom. et ins. Ioniae 636.
Trogitis palus in Lycaonia 568.
Troglodytae ad sinum Arabicum 2, 42, 318, 774—776, 784—786, 819, in Caucaso 506, 769—776.

Tyr 3, 780, 798.
1, 326, 330,
13, 354, 416,
0, 601, 602,
3, 584, 590,
egypti 809,
48...

Troica belli Troiani tempora 38...
Troici populi 679. Troicum litus 623.
Troicus ager 582. campus 592, 595-599,
623. mons in Aegypto 809. Troica urbs
264. Τρωικός διάκοσμος 609.

Trophontus frater Agamedis 421, 762.

Truentinus fl. et opp. Piceni 241.

Trypho cf. Diodotus.

Tubattli pop. Germaniae 292.

Tuccis opp. Baeticae 141.

Tuder opp. Umbriae 227.

Tuisi opp. Cantabriae 156.

Tullum mons Norici 207.

Turris in Cantabria 501.

Turris in Cantabria 501.

Turris in Cantabria 501.

Turris in Cantabria 501.

Turris in Cantabria 501.

Turris in Cantabria 501.

Turris in Cantabria 501.

Turris in Cantabria 501.

Turris in Cantabria 501.

Turris in Cantabria 501.

Turris in Cantabria 501.

Turris in Cantabria 501.

Turris in Cantabria 501.

Turris in Cantabria 501.

Turris in Cantabria 501.

Turris in Cantabria 501.

Turris in Cantabria 501.

Turris in Cantabria 501.

Turris in Cantabria 501.

Turris in Cantabria 501.

Turris in Cantabria 501.

Turris in Cantabria 501.

Turris in Cantabria 501.

Turris in Cantabria 501.

Turris in Cantabria 501.

Turris in Cantabria 501.

Turris in Cantabria 501.

Turris in Cantabria 501.

Turris in Cantabria 501.

Turris in Cantabria 501.

Turris in Cantabria 501.

Turris in Cantabria 501.

Turris in Cantabria 501.

Turris in Cantabria 501.

Turris in Cantabria 501.

Turris in Cantabria 501.

Turris in Cantabria 501.

Turris in Cantabria 501.

Turris in Cantabria 501.

Turris in Cantabria 501.

Turris in Cantabria 501.

Turris in Cantabria 501.

Turris in Cantabria 501.

Turris in Cantabria 501.

Turris in Cantabria 501.

Tyrrhenus Atylis f. 219, 221.
Tyrtaeus poeta 279, 362, 366.
Tyrtamus l. q. Theophrastus 618.
Tyrus opp. Phoeniciae 53, 134, 750, 754
756-58, 760, 832. ins. in sinu Persico 766.

U. V.

Vacciae pop. Hispaniae 152, 153, 162.

Vacua fl. Lusitaniae 153.

Vaga opp. Numidiae 831.

Valeria via 237, 238, 266.

Valerius Flaccus consul 594.

Vapane opp. Corsicae 224.

Vardael l. q. Ardiaei 315.

Vari pop. Galliae 185.

Varia opp. Celtiberiae 162. Latii 238.

Varus fl. Galliae 177, 178, 184, 203, 209.

Varus Quintilius 291.

Vascones pop. Hispaniae 155, 161.

Ubi pop. Germaniae 194.

Ucromirus dux Chatterorum 292.

Vell opp. Etruriae 226.

Vellia opp. Lucaniae 252, 253.

Vellitae opp. Latii 237.

Vellaci pop. Galliae 190.

Venafrum opp. Campaniae 238, 242, 250.

Venasa opp. Cappadociae 537.

Vendon opp. Iapodum 207, 314.

Venetii pop. Galliae 194, 195, 212.

Vennones pop. Vindellicorum 204, 206.

Ventidius Pacori victor 751.

Venus 657, 732, 745, 803, 815. templum in

monte Pyrenaeo 178, 181. Lavinii 232, in

monte Erycae 272. in Elide 343. Corinthi

378. Acrocorinthi 379. in prom. Pedalio

Cypr 682. in prom. Pyrrha 606. Mem-

phide 807. in insula Tritonidis paludis

622. Galliae 292. Cappadociae 537.

Venusia opp. Samnitium 250, 254, 283.

Vera castellum Mediae 523.

Veragri pop. Alpini 204.

Verbanus lacus 209.

Vorcelli vicus Galliae cisalpiniae 218.

Vercingetorix Arvernus 191.

Verestis fl. Latii 239.

Veretum opp. Salentinorum 281, 282.

Verona opp. Galliae cisalpiniae 206, 213.

Vertinae opp. Lucaniae 254.

Vesta dea 220, 229.

Vestina regio Italiae 233, 241.

Vestini 219, 228, 241.

Vesuvius mons 26, 247.

Vetera opp. Hisp. 160.

Vettones pop. Hispaniae 139, 152, 162, 164.

Ugernum opp. Galliae 178.

Vibisci Bituriges 190.

- Vibona Valentia opp. Bruttiorum 256.
 Vicetia opp. Galliae cisalpinæ 214.
 Vienna caput Allobrogum 185, 186.
 Viminalis collis 234. porta 234.
 Vindelici 193, 206, 207, 202, 313.
 Visurgis fl. Germaniæ 201.
 Vitia
 Vitul
 Ulitxi -45...
 Umbri 214, 216,
 217, 376.
 Undalus opp. Galliae 185.
 Vocontii pop. Galliae 178, 179, 185, 187, 203.
 Volaterræ opp. Etruriæ 222.
 Volaterrani 223. [203. Tectosages 187.
 Volcae Arecomisci pop. Galliae 185, 187,
 Volsci pop. Italiæ 228, 231, 237.
 Volturni opp. Tyrrhenorum 226.
 Uranopolis opp. Macedoniae 231, frg. 35.
 Urgi (?) pop. Sarmatarum 306.
 Uria opp. Calabriae 232, 283. lacus Aetoliæ
 Uriathus latro 158, 287. [459.
 Urtium opp. Apuliae 284.
 Urso opp. Baeticae 141.
 Usipii pop. Germaniæ 292.
 Utica opp. Carthaginiensium 831, 832.
 Vulcanus 41, 472, 473. Ἡφαίστιον ἄγορά
 246. Hiera i. q. Thermessa insula 275.
 Ἡφαίστιον 807.
 Vulturnus et Vulturum opp. et fl. Campa-
 niæ 238, 243, 249.
 Uxia regio Persidis 729, 744.
 Uxil pop. Persidis 524, 728, 729, 732.
 Uxisama insula 64.
 Uzita opp. Numidiæ 831.

 X.
 Xenophanes physicus et poeta 643.
 Xenophon 387, 403.
 Xerxena regio Armeniæ minoris 528.
 Xerxes Darii f. 10,
 Ximena regio Ponti 561.
 Xiphoniæ prom. in Sicilia 367.
 Xoïs ins. et opp. Aegypti 802.
 Xuthus Ioniæ pater 383.
 Xypeteon tribus Attica 604.

 Z.
 Zacynthii 159.
 Zacynthus insula 124, 335, 458, 836.
 Zardoces nomen Paphlagonium 553.
 Zariadris dux Armeniorum 528, 531.
 Zariaspæ i. q. Bactra 514, 516.
 Zarmanochegas saplens Indus 720.
 Zela opp. Ponti 512, 557, 559—561.
 Zelas Prusiæ pater 563.
 Zelea opp. Troadis 551, 552, 565, 576, 583,
 587—589, 596, 603.
 Zelis opp. Mauritaniæ 140, 827.
 Zelitis ager Zelæ 557, 559, 561.
 Zella opp. Numidiæ 831.
 Zenicetes Cilix 671.
 Zeno Eleata 252. orator Laodicensis 578,
 Zeno Citiensis Stoicus 18, 41, 200, 210, 514.
 Ze
 Ze
 Ze
 Zephyria i. q. Halicarnassus 656.
 Zephyria prom. Cypri 683.
 Zephyrium prom. Italiæ 259, 270, Cariæ
 658. Ciliciæ 670, 671. Aegypti 800.
 locus in littore Marmaricæ 799. [58.
 Zodiacus 13, 31, 110, 136.
 Zoilus orator 271.
 Zonas cf. Diodorus.
 Zoster prom. Atticæ 398.
 Zuchis lacus et opp. Libyæ 835.
 Zumi pop. Germaniæ 290.
 Zygi pop. Caucasum accolens 129, 492,
 Zygopolis opp. Ponti 548. [495—497.





CATALOGUED.

44

"A book that is shut is but a block"

CENTRAL ARCHAEOLOGICAL LIBRARY

GOVT. OF INDIA
Department of Archaeology
NEW DELHI.

Please help us to keep the book
clean and moving.